Bible Portions in Bagheli

This Bible is copyrighted by Wycliffe Bible Translators (Wycliffe.org) and is printed with permission by the Digital Bible Society (dbs.org) for non-commercial use.

This Bible is available for free download in a variety of digital formats at dbs.org/bibles.

Language:
Country:
Publisher:
Copyright:
Last Updated: 2023-10-20
ID: cf540db8-8c78-49fe-817b-0e5359872ab8
ISO: bfy
ISBN:

मत्ती 4
मरकुस 33
लूका 51
यूहन्ना 81
खास चेलन 102
रोमियन 127
1 कुरिन्थियन 141
2 कुरिन्थियन 154
गलातियन 163
इफीसियन 168
फिलिप्पियन 173
कुलुस्सियन 177
1 थिस्सलुनीकियन 181
2 थिस्सलुनीकियन 184
1 तीमुथियुस 186
2 तीमुथियुस 190
तीतुस 193
फिलेमोन 195
इब्रानियन 197
याकूब 207
1 पतरस 211
2 पतरस 215
1 यूहन्ना 218
2 यूहन्ना 222
3 यूहन्ना 223
यहूदा 224
दरसनन के बातँय 226

मत्ती

इआ किताब के परिचय

मत्ती के लिखी खुसी के खबर माहीं इआ बताबा ग हय, कि केबल यीसु मसीहय, उआ मुक्ती देंइ बाले आहीं, जिनखे पइदा होंइ के बारे माहीं भबिस्यबानी कीन गे रही हय। अउर पबित्र सास्त्र माहीं जउन वादा परमातिमा, हजारन बरिस पहिले अपने चुने मनइन से किहिन रहा हय। ओही उँइन मुक्ती देंइ बाले अरथात यीसु मसीह के व्दारा पूर किहिन हीं। अउर इआ खुसी के खबर केबल यहूदी लोगन भर के खातिर न होय, जिनखे बीच माहीं यीसु मसीह पइदा भें तय, अउर पाले पोसे गें तय, बलकिन इआ खुसी के खबर संसार के सगले मनइन के खातिर आय।
मत्ती के लिखी खुसी के खबर बड़ी सावधानी पूर्बक लिखी गे ही। एखर सुरुआत यीसु मसीह के जनम के बारे माहीं जानकारी से होत ही, अउर ओखे बाद यीसु के बपतिस्मा, अउर परिच्छा के बारे माहीं बताबा ग हय, अउर ओखे बाद गलील प्रदेस माहीं प्रचार करब, सिच्छा देब, अउर बिमारन काहीं नीक करँइ के बारे माहीं बताबा ग हय। एखे बाद इआ खुसी के खबर माहीं, यीसु के गलील प्रदेस से लइके यरूसलेम सहर तक के यात्रा के बारे माहीं, अउर यीसु मसीह के जीबन के आखिरी दिनन के घटनन के बारे माहीं बताबा ग हय, इआ खुसी के खबर के अन्त माहीं, यीसु काहीं क्रूस माहीं चढ़ाए जाँइ, अउर मरेन म से दुसराय जिन्दा होंइ के बारे माहीं बताबा ग हय।
अपना पंचन से इआ बिनती हय, कि इआ खुसी के खबर काहीं बड़े ध्यान से पढ़ी, अउर एहिन के मुताबिक जीबन बिताई, त अपना पंचन काहीं परमातिमा से खुब आसीस मिली।

रूप-रेखा :

बंसाबली अउर यीसु मसीह के जनम
यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के सेबा के काम
यीसु के बपतिस्मा अउर परिच्छा
गलील प्रदेस माहीं यीसु के सेबा के काम
गलील प्रदेस से यरूसलेम सहर तक यीसु के यात्रा
यरूसलेम सहर माहीं अन्तिम हप्ता
प्रभू यीसु के मरेन म से जिन्दा होब अउर चेलन काहीं देखाई देब

यीसु मसीह के बंसाबली
(लूका 3:23-38)

1 अब्राहम अउर राजा दाऊद के सन्तान यीसु मसीह के बंसाबली
इआमेर से हय, 2 अब्राहम से इसहाक पइदा भें, अउर इसहाक से
याकूब पइदा भें, अउर याकूब से यहूदा अउर उनखर भाई लोग पइदा भें।
3 अउर यहूदा अउर तामार से फिरिस, अउर जोरह पइदा भें, अउर फिरिस से
हिस्रोन पइदा भें, अउर हिस्रोन से एराम पइदा भें। 4 अउर एराम से
अम्मीनादाब पइदा भें, अउर अम्मीनादाब से नहसोन पइदा भें, अउर नहसोन
से सलमोन पइदा भें। 5 अउर सलमोन अउर राहाब से बोअज पइदा भें,
अउर बोअज अउर रूत से ओबेद पइदा भें; अउर ओबेद से यिसय पइदा भें।
6 अउर यिसय से राजा दाऊद पइदा भें, अउर राजा दाऊद उरिय्याह के
मेहेरिआ काहीं राख लिहिन तय, ओहिन से सुलैमान पइदा भें। 7 अउर
सुलैमान से रहबाम पइदा भें; अउर रहबाम से अबिय्याह पइदा भें; अउर
अबिय्याह से आसा पइदा भें। 8 अउर आसा से यहोसाफात पइदा भें अउर
यहोसाफात से योराम पइदा भें, अउर योराम से उज्जियाह पइदा भें। 9 अउर
उज्जियाह से योताम पइदा भें, अउर योताम से आहाज पइदा भें, अउर
आहाज से हिजिकिय्याह पइदा भें। 10 अउर हिजिकिय्याह से मनस्सिह पइदा
भें, अउर मनस्सिह से आमोन पइदा भें, अउर आमोन से योसिय्याह पइदा
भें। 11 अउर इजराइल के मनइन काहीं बंदी बनाइके बेबीलोन देस माहीं लइ
जाँइ के समय योसिय्याह से यकुन्याह अउर उनखर भाई पइदा भें।
12 बन्दी बनाइके बेबीलोन माहीं पहुँचे के बाद यकुन्याह से सालतिएल
पइदा भें; अउर सालतिएल से जरुब्बाबिल पइदा भें। 13 अउर जरुब्बाबिल
से अबीहूद पइदा भें, अउर अबीहूद से इलयाकीम पइदा भें; अउर
इलयाकीम से अजोर पइदा भें। 14 अउर अजोर से सदोक पइदा भें; अउर
सदोक से अखीम पइदा भें; अउर अखीम से इलीहूद पइदा भें। 15 अउर
इलीहूद से इलियाजार पइदा भें; अउर इलियाजार से मत्तान पइदा भें; अउर
मत्तान से याकूब पइदा भें। 16 अउर याकूब से यूसुफ पइदा भें; जउन मरियम
के मंसेरुआ आहीं, अउर मरियम से यीसु पइदा भें, जउन मसीह कहाबत हें।
17 इआमेर से अब्राहम से राजा दाऊद तक चउदा पीढ़ी भय, अउर राजा
दाऊद से बेबीलोन माहीं बंदी बनाइके पहुँचाए जाँय तक चउदा पीढ़ी भय,
अउर बंदी होइके बेबीलोन माहीं पहुँचाए जाँय के समय से मसीह तक चउदा
पीढ़ी भय।

यीसु मसीह के जनम
(लूका 1:26-38; 2:1-7)

18 यीसु मसीह के जनम इआमेर से भ, कि उनखे महतारी मरियम के
सगाई यूसुफ के साथ होइगे रही हय, पय उनखे साथ काज होंइ से पहिलेन
ऊँ पबित्र आत्मा के सक्ती से लड़कहाई होइ गईं तय। 19 अउर उनखर
मंसेरुआ यूसुफ जउन †खुब नीक मनई रहे हँय, ऊँ मरियम काहीं बदनाम
नहीं करँइ चाहत रहे आहीं, एसे ऊँ मन माहीं इआ बिचार करत रहे हँय, कि

† *यहूदी नेम काहीं निकहा से मानँइ बाले मनई रहे हँय*

हम उनहीं चुप्पय से छोंड़ि देब। 20 अउर जब ऊँ एखे बारे माहीं सोचतय रहे
हँय, तबहिन प्रभू के दूत उनहीं सपन माहीं देखाई दिहिन, अउर उनसे कहँइ
लागें, “हे यूसुफ राजा दाऊद के सन्तान, तूँ अपने मेहेरिआ मरियम काहीं
अपने इहाँ लइ जाँइ से डेरा न; काहेकि जउन उनखे पेटे माहीं बच्चा हय,
उआ पबित्र आत्मा के सक्ती से भ हय। 21 अउर उनखे लड़िका पइदा होई,
अउर तूँ उनखर नाम यीसु धराया; काहेकि ऊँ अपने लोगन काहीं उनखे
पापन से मुक्ती देइहँय।”
22 इआ सब एसे भ, कि जउन बचन प्रभू अपने सँदेस बतामँइ बाले के
व्दारा कहिन रहा हय; उआ पूर होय। 23 कि “देखा एकठे कुमारी लड़कहाई
होई, अउर ओखे लड़िका पइदा होई अउर ओखर नाम ‘इम्मानुएल’ धराबा
जई, जेखर मतलब हय ‘परमातिमा † हमरे पंचन के साथ हें’।” 24 जब
यूसुफ के नींद खुली तब प्रभू के दूत के हुकुम के मुताबिक ऊँ मरियम से
काज कइके उनहीं अपने घर लइ आएँ। 25 अउर जब तक उनखे लड़िका
पइदा नहीं होइगा, तब तक यूसुफ उनखे साथ नहीं सोइन, अउर जब उनखे
लड़िका पइदा भ, तब उनखर नाम यीसु धराइन।

तरइअन के बारे माहीं जानँइ बालेन के यीसु काहीं देखँइ आउब

2 जब यीसु के जनम यहूदिया प्रदेस के बैतलहम गाँव माहीं भ, उआ
समय राजा हेरोदेस राज करत रहे हँय, त देखा, यीसु के जनम के
कुछ समय के बाद पूरुब दिसा से तरइअन के बारे माहीं जानँइ बाले कइअक
जने यरूसलेम सहर माहीं आइके पूँछँइ लागें, कि 2 “यहूदी लोगन के राजा
जिनखर अबहिनय जनम भ हय, ऊँ कहाँ हें?” काहेकि उनखे जनम के बारे
माहीं बतामँइ बाली तरइया काहीं हम पंचे पूरुब दिसा माहीं देखेन हय,
एहिन से उनहीं प्रनाम करँइ आए हएन। 3 इआ सुनिके राजा हेरोदेस अउर
उनखे साथ सगले यरूसलेम सहर के मनई घबराइगें। 4 तब राजा हेरोदेस
यहूदी समाज के प्रधान याजकन अउर मूसा के बिधान सिखामँइ बालेन
काहीं एकट्ठा कइके उनसे पूँछिन, कि “मसीह के जनम कहाँ होंइ चाही?”
5 तब ऊँ पंचे उनसे कहिन, कि “यहूदिया प्रदेस के बैतलहम गाँव माहीं।”
काहेकि परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले इआमेर से लिखिन हीं। 6 कि, “हे
बैतलहम गाँव, जउन तूँ यहूदा प्रदेस माहीं हया, तूँ कउनव मेर से यहूदिया
प्रदेस के अधिकारिन माहीं सगलेन से छोट नहिं आह्या; काहेकि तोंहरे म से
एकठे सासन करँइ बाला पइदा होई, जउन हमरे प्रजा इजराइल के रखबारी
करी।” 7 तब राजा हेरोदेस चुप्पय से तरइअन के बारे माहीं जानँइ बालेन
काहीं बोलाइके उनसे पूँछिन, कि “बताबा तरइया ठीक केतने समय देखाई
दिहिस रहा हय।” 8 अउर ऊँ उनहीं पंचन काहीं इआ कहिके बैतलहम गाँव
पठइन, कि “जाइके उआ लड़िका के बारे माहीं निकहा से पता लगाबा”,
अउर जब उआ तोंहईं मिल जाय, त हमहीं खबर दिहा, जउने हमहूँ आइके
उनहीं प्रनाम करी।
9 तब तरइअन के बारे माहीं जानँइ बाले राजा के बात काहीं सुनिके उहाँ
से चलेंगे, अउर देखा, जउने तरइया काहीं ऊँ पंचे पूरुब दिसा माहीं देखिन
रहा हय, उआ उनखे आँगे-आँगे चलँइ लाग, अउर जहाँ उआ लड़िका रहा
हय, उआ जघा के ऊपर पहुँचिके रुकिगे। 10 उआ तरइया काहीं देखिके ऊँ
पंचे खुब खुसी भें। 11 अउर ऊँ पंचे उआ घर के भीतर गें, अउर उआ लड़िका
काहीं अपने महतारी मरियम के साथ देखिन, अउर गोड़न गिरिके उनहीं
प्रनाम किहिन; अउर कीमती चीजन से भरे आपन-आपन थइला खोलिके
उनहीं सोन, अउर लोभान, अउर गन्धरस के भेंट चढ़ाइन। 12 अउर तरइअन
के बारे माहीं जानँइ बाले सपन माहीं परमातिमा से चेतउनी पाइन, कि
“राजा हेरोदेस के लघे पुनि न जया”, एसे ऊँ पंचे दुसरे गइल से होइके अपने
देस काहीं चलेगें।

यीसु अउर उनखे महतारी-बाप के मिस्र देस काहीं जाब

13 अउर जब तरइअन के बारे माहीं जानँइ बाले चलेगें, तब प्रभू के एकठे
दूत यूसुफ काहीं सपन माहीं देखाई दइके कहिन, कि “उठा, इआ लड़िका
अउर एखे महतारी काहीं घलाय लइके मिस्र देस माहीं भागि जा; अउर जब
तक हम तोंहसे न कही, तब तक तूँ उहँइ रह्या; काहेकि राजा हेरोदेस इआ
लड़िका काहीं ढुँढ़बामँइ बाला हय, जउने एही मरबाय डारय।” 14 एसे यूसुफ
रातयके उठिके लड़िका अउर ओखे महतारी काहीं लइके मिस्र देस काहीं
चल दिहिन। 15 अउर जब तक राजा हेरोदेस मर नहीं ग, तब तक यूसुफ
उहँइ रहें; एसे कि उआ बचन पूर होय, जउन प्रभू अपने सँदेस बतामँइ बाले
के व्दारा कहिन रहा हय, कि “हम अपने लड़िका काहीं मिस्र देस से
बोलायन।”

राजा हेरोदेस व्दारा बच्चन के कतल करबाउब

16 जब राजा हेरोदेस काहीं इआ पता चला, कि तरइअन के बारे माहीं
जानँइ बाले हमहीं धोखा दिहिन हीं, तब उआ खुब गुस्साइगा। अउर अपने
सिपाहिन काहीं पठइके, तरइअन के बारे माहीं जानँइ बालेन के बताए सही
समय के मुताबिक, बैतलहम गाँव अउर ओखे लघे-लघे के गाँमन के सगले
लड़िकन काहीं, जउन दुइ बरिस के अउर ओसे कम उमिर के रहे हँय, उनहीं
मरबाय डारिस। 17 तब जउन बचन परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले
यिर्मयाह के व्दारा कहा ग रहा हय, उआ पूर भ, 18 कि
“रामाह गाँव माहीं बड़ा दुख के बोल सुनाई दिहिस, रोउब अउर बड़ा
बिलाप करब, राहेल अपने लड़िकन के खातिर रोबत रहीं हँय, अउर चुप
नहीं होंइ चाहत रही, काहेकि ऊँ पंचे मरिगे रहे हँय।”

यूसुफ के परिबार के मिस्र देस से लउटब

19 राजा हेरोदेस के मरे के बाद, प्रभू के दूत मिस्र देस माहीं यूसुफ काहीं
सपन माहीं देखाई दइके कहिन। 20 कि “उठा, लड़िका अउर ओखे महतारी
काहीं लइके इजराइल देस माहीं चले जा; काहेकि जउन इआ लड़िका के
प्रान लेंइ चाहत रहे हँय, ऊँ पंचे मरिगे हँय।” 21 तब यूसुफ उठिके, लड़िका
अउर ओखे महतारी काहीं साथ माहीं लइके इजराइल देस माहीं आएँ।
22 पय इआ सुनिके, कि अरखिलाउस अपने बाप हेरोदेस के जघा माहीं
यहूदिया प्रदेस माहीं राज कइ रहा हय, यूसुफ उहाँ जाँइ से डेराइगें; अउर
सपन माहीं चेतउनी पाइके गलील प्रदेस माहीं चलेगें। 23 अउर नासरत नाम
के गाँव माहीं जाइके बसिगें; जउने उआ बचन पूर होय, जउन परमातिमा के
सँदेस बतामँइ बालेन के व्दारा कहा ग रहा हय, कि, “उआ नासरी कहाई।”

यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले

(मरकुस 1:1-8; लूका 3:1-18; यूहन्ना 1:6-8,15-34)

3 जब यीसु नासरत गाँव माहीं रहत रहे हँय, तबहिनय यूहन्ना बपतिस्मा
देंइ बाले आइके, यहूदिया प्रदेस के सुनसान जघा माहीं इआ प्रचार
करँइ लागें, कि 2 “पाप करब छोंड़िके परमातिमा के लघे आबा, काहेकि
††स्वरग के राज लघेन आइगा हय।” 3 ईं उँइन यूहन्ना आहीं जेखर चरचा
परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले यसायाह के व्दारा कीनगे ही, कि ‡
“सुनसान जघा माहीं एक जने के गोहरामँइ के बोल सुनात हय कि, ‡‡प्रभू
के गइल तइआर करा, अउर उनखे खातिर सड़कँय सऊँ करा।” 4 अउर
यूहन्ना ऊँट के बार से बना ओन्हा पहिरे रहे हँय, अउर अपने करिहाँ माहीं
चमड़ा के पट्टा बाँधे रहे हँय, अउर ऊँ चिड्डन काहीं अउर जंगल के महिपर
खात रहे हँय।
5 जब ऊँ प्रचार करत रहे हँय, तब यरूसलेम सहर, अउर सगले यहूदिया
प्रदेस के मनई, अउर यरदन नदी के लघे-लघे के सगले मनई उनखे लघे

† *1:23 यसा 7:14*

†† *परमातिमा हरबिन मनइन के ऊपर राज करिहँय* ‡ *3:3 यसा 40:3* ‡‡ *प्रभू काहीं सोइकार करँय के खातिर खुद काहीं तइआर करा*

आइके एकट्ठा होइगें। 6 अउर अपने-अपने पापन काहीं सोइकार कइके
यरदन नदी माहीं उनसे बपतिस्मा लिहिन। 7 जब यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले
खुब फरीसी लोगन काहीं अउर सदूकी लोगन काहीं बपतिस्मा लेंइ के
खातिर अपने लघे आबत देखिन, त उनसे कहिन, कि "हे साँप के बच्चन कि
नाईं बुरे मनइव, तोंहईं को चेताय दिहिस, कि परमातिमा के आमँइ बाले
सजा से बचा?" 8-9 अउर तूँ पंचे अपने जीबन से इआ देखाय द्या, कि तूँ पंचे
बास्तव माहीं पाप करब छोंड़ दिहा हय, अउर परमातिमा के बातन काहीं
मनते हया। तूँ पंचे अपने-अपने मन माहीं इआ न सोचा, कि हम अब्राहम के
सन्तान आहेन एसे परमातिमा हमहीं सजा न देइहँय; काहेकि हम तोंहसे
सही कहित हएन, कि परमातिमा ईं पथरन से अब्राहम के खातिर बंस पइदा
कइ सकत हें। 10 अउर अब परमातिमा के क्रोध रूपी कुल्हारा बिरबन के
जर माहीं धरा हय, एसे जउन-जउन बिरबा निकहा फर न फरी, उआ
काटिके आगी माहीं झोंक दीन जई। 11 तूँ पंचे अपने-अपने पापन से
पस्चाताप किहे हया, इआ देखामँइ के खातिर हम तोंहईं पंचन काहीं पानी
से बपतिस्मा देइत हएन, पय जउन हमरे बाद आमँइ बाले हें, ऊँ हमसे एतना
महान हें; कि हम त उनखर †पनहीं तक उठामँइ के काबिल नहिं आहेन, ऊँ
तोंहईं पबित्र आत्मा अउर आगी से बपतिस्मा देइहँय। 12 उनखर न्याय रूपी
सूपा उनखे हाँथेन माहीं हय; अउर ऊँ संसार रूपी राहा काहीं निकहा से
साफ करिहँय; अउर गोहूँ काहीं अपने बखारी माहीं रखिहँय; पय बूसा काहीं
कबहूँ न बुझाँय बाली आगी माहीं डार देइहँय।

यीसु के बपतिस्मा

13 जब यूहन्ना बपतिस्मा देत रहे हँय, उहय समय यीसु गलील प्रदेस से
यरदन नदी के किनारे यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के लघे बपतिस्मा लेंइ आएँ।
14 पय यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले इआ कहिके उनहीं रोंकँइ लागें कि, "हमहीं
त अपना के हाँथे से बपतिस्मा लेंइ के जरूरत ही, अउर अपना हमरे लघे
आएन हय?" 15 तब यीसु उनहीं इआ जबाब दिहिन, कि "अब त अइसय
होंइ द्या, काहेकि हमहीं पंचन काहीं इहइमेर से सगली ††धारमिकता काहीं
पूर करब उचित हय।" तब यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले उनखर बात मान
लिहिन। 16 अउर यीसु बपतिस्मा लइके जइसय पानी से बहिरे निकरें, त
देखा, उनखे खातिर अकास खुलिगा; अउर ऊँ परमातिमा के आत्मा काहीं
परेबा के रूप म उतरत, अउर अपने ऊपर आबत देखिन। 17 अउर देखा,
इआ अकासबानी भय, "ईं हमार पियार लड़िका आहीं, जिनसे हम खुब
प्रसन्न हएन।"

सइतान से यीसु के परिच्छा

(मरकुस 1:12-13; लूका 4:1-13)

4 यीसु के बपतिस्मा के बाद पबित्र आत्मा उनहीं सुनसान जघा माहीं
लइगा, जउने सइतान से उनखर परिच्छा होय। 2 अउर यीसु, चालिस
दिन अउर चालिस रात बिना खाए पिए रहे हँय, तब उनहीं भूँख लाग।
3 तबहिन परिच्छा लेंइ बाला सइतान उहाँ आबा अउर कहिस, "अगर तूँ
परमातिमा के लड़िका आह्या, त ईं पथरन से कहि द्या, कि रोटी बन जाँय।"
4 तब यीसु ओही जबाब दिहिन, "पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय:
'मनई ‡ केबल रोटिन भर से जिन्दा न रही, बलकिन परमातिमा के मुँहे से
निकरँइ बाले हरेक बचन से जिअत रही।"
5 पुनि सइतान उनहीं पबित्र सहर यरूसलेम माहीं लइगा, अउर मन्दिर के
गुम्मट माहीं ठाढ़ किहिस,
6 अउर उनसे कहिस, "अगर तूँ परमातिमा के लड़िका आह्या, त अपने-
आप काहीं इहाँ से नीचे गिराय द्या, काहेकि पबित्र सास्त्र माहीं इआ लिखा
हय: 'परमातिमा ‡† तोंहरे खातिर अपने स्वरगदूतन काहीं हुकुम देइहँय,
अउर ऊँ पंचे तोंहईं तुरन्तय लोक लेइहँय; कहँव अइसा न होय कि तोंहरे
गोड़ेन माहीं पथरा से चोंट लगि जाय'।" 7 तब यीसु ओही जबाब दिहिन, कि
"पबित्र सास्त्र माहीं इहव लिखा हय, कि: 'तूँ अपने प्रभू ‡‡ परमातिमा के
परिच्छा न किहा'।"
8 पुनि सइतान यीसु काहीं एकठे खुब ऊँच पहार माहीं लइगा, अउर संसार
के सगला राज अउर ओखर बैभव देखाइके, 9 उनसे कहिस, "अगर तूँ हमरे
गोड़न गिरिहा, त इआ सगला हम तोहईं दइ देब।" 10 तब यीसु ओसे कहिन,
"हे सइतान हमसे दूरी होइजा, काहेकि पबित्र सास्त्र माहीं लिखा ‡‡† हय, कि
'तूँ अपने प्रभू परमातिमा के गोड़न गिरा, अउर केबल उनहिन के अराधना
करा'।" 11 तब सइतान उनखे लघे से चला ग, अउर देखा, स्वरगदूत आइके
यीसु के सेबा-सहाई करँइ लागें।

यीसु के प्रचार के सुरुआत

(मरकुस 1:14,15; लूका 4:14,15,31)

12 जब यीसु सुनिन कि यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले पकड़बाय दीनगे हँय,
तब ऊँ गलील प्रदेस माहीं चलेगें। 13 अउर नासरत गाँव काहीं छोंड़िके, यीसु
कफरनहूम सहर माहीं जाइके रहँइ लागें, जउन झील के किनारे जबूलून
अउर नपताली लोगन के इलाका माहीं हय। 14 जउने उआ बचन पूर होय,
जउन परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले यसायाह कहिन रहा हय।
15 कि
‡‡‡"जबूलून अउर नपताली लोगन के इलाका, झील के गइल से यरदन
नदी के उआ पार गैरयहूदी लोगन के गलील प्रदेस।
16 अउर जउन मनई अँधिआर § माहीं जीबन जिअत रहे हँय ऊँ पंचे महान
जोति देखिन; अउर जउन मउत के §†छाया माहीं रहत रहे हँय, उनखे ऊपर
जोति चमकी।"
17 उहय समय से यीसु इआ प्रचार करब सुरू कइ दिहिन, कि "पाप करब
छोंड़िके परमातिमा के लघे आबा, काहेकि स्वरग के राज लघेन आइगा
हय।"

यीसु के पहिल चेला लोग

(मरकुस 1:16-20; लूका 5:1-11; यूहन्ना 1:35-42)

18 जब यीसु गलील प्रदेस के झील के किनारे-किनारे जात रहे हँय तब ऊँ
दुइठे भाइन काहीं देखिन अरथात समौन जेखर नाम पतरस घलाय रहा हय,
अउर उनखे भाई अन्द्रियास काहीं झील म जाल डारत देखिन; काहेकि ऊँ
पंचे मछुआरा रहे हँय। 19 अउर यीसु उनसे कहिन, "हमरे पीछे चले आबा, त
हम तोंहईं मनइन काहीं परमातिमा के लघे लइ आमँइ बाला बनाउब।"
20 तब ऊँ पंचे तुरन्तय जालन क छोंड़िके यीसु के पीछे चल दिहिन।
21 अउर उहाँ से कुछ दूरी चले के बाद, यीसु जब्दी के लड़िका याकूब
अउर ओखे भाई यूहन्ना काहीं, अपने बाप के साथ नाव माहीं चढ़े जालन
काहीं सुधारत देखिन; तब उनहूँ काहीं घलाय बोलाइन। 22 अउर ऊँ पंचे
तुरन्तय नाव अउर अपने बाप काहीं छोंड़िके यीसु के पीछे चल दिहिन।
23 अउर यीसु सगले गलील प्रदेस माहीं जाइ-जाइके उनखे सभाघरन माहीं
उपदेस देत अउर स्वरगराज के खुसी के खबर के प्रचार करत, अउर उहाँ के
मनइन के हरेकमेर के बिमारिन अउर कमजोरिन काहीं दूर करत रहिगें।
24 अउर सगले सीरिया देस माहीं उनखर नाम मसहूर होइगा; एसे खुब मनई
बिमारन काहीं जउन अनेकव प्रकार के बिमारिन से दुख माहीं परे रहे हँय,
अउर जउनेन माहीं बुरी आत्मा रही हँय, अउर जिनहीं मिरगी आबत रही
हय, अउर जिनहीं लोकबा मारे रहा हय, उन सगलेन काहीं यीसु के लघे लइ
आएँ, तब यीसु उनहीं पंचन काहीं नीक कइ दिहिन। 25 अउर गलील प्रदेस से
अउर दिकापुलिस §†† से अउर यरूसलेम सहर से अउर यहूदिया प्रदेस से
अउर यरदन नदी के दुसरे पार से बड़ी भारी भीड़ उनखे पीछे चल दिहिस।

† *हम उनखर नोकरव तक बनय के काबिल नहिं आहेन* †† *परमातिमा के इच्छा इआ ही कि तूँ हमहीं बपतिस्मा दया* ‡ *4:4 ब्यब 8:3* ‡† *4:6 भज 91:11-12*

‡‡ *4:7 ब्यब 6:16* ‡‡† *4:10 ब्यब 6:13* ‡‡‡ *4:15 यसा 9:1-2* § *4:16 यसा 9:1-2* §† *जिनखर बिसुआस जिन्दा परमातिमा के ऊपर नहीं रहा आय, ऊँ पंचे मउत के डेर माहीं रहत रहे हँय* §†† *दिकापुलिस गैरयहूदी लोगन के इलाका आय, जउन दसठे सहरन काहीं मिलाइके बना रहा हय।*

पहार के ऊपर से दीन यीसु के उपदेस
(लूका 6:20-23)

5 यीसु इआ भीड़ काहीं देखिके, पहार माहीं चढ़िगें; अउर जब ऊँ पहार
माहीं चढ़िके बइठिगें, तब उनखर चेला लोग उनखे लघे आएँ। 2 तब
यीसु उनहीं इआ उपदेस देंइ लागें, कि 3 “ऊँ पंचे धन्य हें, जउन मन के दीन
हें, काहेकि स्वरग के †राज उनहिन के खातिर आय। 4 ऊँ पंचे धन्य हें, जउन
सोक करत हें, काहेकि उनहीं सान्ती मिली। 5 ऊँ पंचे धन्य हें, जउन नम्र हें,
काहेकि ऊँ पंचे धरती के अधिकारी होइहँय। 6 ऊँ पंचे धन्य हें, जउन
परमातिमा के नजर माहीं निकहा हय, उहय करँइ के बड़ी इच्छा रक्खत हें,
काहेकि परमातिमा उनखे मन के इच्छा पूर करिहँय। 7 ऊँ पंचे धन्य हें, जउन
दुसरे के ऊपर दया करत हें, काहेकि परमातिमा उनखे ऊपर दया करिहँय।
8 ऊँ पंचे धन्य हें, जिनखर मन सुद्ध हें, काहेकि ऊँ पंचे परमातिमा काहीं
देखिहँय। 9 ऊँ पंचे धन्य हें, जउन मेल-मिलाप कराबत हें, काहेकि ऊँ पंचे
परमातिमा के लड़िका कहइहँय। 10 ऊँ पंचे धन्य हें, जउन परमातिमा के
बचन काहीं मानँइ के कारन सताए जात हें, काहेकि स्वरग के राज उनहिन
के आय। 11 तूँ पंचे धन्य हया, जब मनई हमरे कारन तोंहार पंचन के बुराई
करँइ, अउर सतामँइ अउर झूँठ बोल बोलिके तोंहरे पंचन के बिरोध माहीं
अनेकव प्रकार के बुरी बातँय कहँइ, 12 तब तूँ पंचे खुब आनन्दित अउर मगन
होया, काहेकि एखे खातिर तोंहईं पंचन काहीं स्वरग माहीं बड़ा प्रतिफल
मिली। काहेकि ऊँ पंचे परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन काहीं घलाय,
जउन तोंहसे पहिले रहे हँय, इहइमेर से सताइन रहा हय।”

तूँ पंचे धरती के नोन अउर जोति आह्या
(मरकुस 9:50; लूका 14:34,35)

13 यीसु पुनि कहिन, कि “तूँ पंचे धरती के नोन आह्या, पय अगर ओखर
सखरई खतम होइ जाय, त फेर उआ कउने चीज से सखार कीन जई? उआ
पुनि कउनव काम के नहीं होय, केबल उआ बहिरेन फेंका जात हय, अउर
मनइन के गोड़ेन से कचरा जात हय।
14 अउर तूँ पंचे संसार के जोति आह्या; अउर जउन सहर पहार माहीं बसा
रहत हय उआ लुक नहीं सकय। 15 अउर मनई दिया जलाइके बरतन के नीचे
नहीं धरँय, बलकिन ओही ऊँचे जघा माहीं धरत हें, तबहिन ओसे घर के
सगले मनइन काहीं उँजिआर मिलत हय। 16 उहयमेर से तोंहार पंचन के
निकहे काम उँजिआर कि नाईं मनइन के आँगे चमकँइ, जउने ऊँ पंचे तोंहरे
निकहे कामन काहीं देखिके स्वरग माहीं रहँइ बाले तोंहरे पिता परमातिमा के
बड़ाई करँय।”

मूसा के बिधान के बारे माहीं सिच्छा

17 यीसु पुनि कहिन, “तूँ पंचे इआ न समझा कि हम मूसा के बिधान इआ
कि परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन के किताबन माहीं लिखी बातन
काहीं मिटामँइ आएन हय, हम उनहीं मिटामँइ नहीं, बलकिन उन माहीं
लिखी बातन काहीं पूर करँइ आएन हय। 18 काहेकि हम तोंहसे पंचन से
सही कहित हएन, कि जब तक अकास अउर धरती टर न जइहँय, तब तक
मूसा के बिधान के बातन से एकठे पाई अउर बिन्दी बिना पूर होए न रही।
19 एसे जे कोऊ, ईं छोट से छोट हुकुमन म से एक्कवठे काहीं मानब छोंड़ी,
अउर इहइमेर से दुसरे मनइन काहीं घलाय न मानँइ के खातिर सिखाई, त
उआ स्वरगराज माहीं सगलेन से छोट कहाई; पय जे कोऊ उनखर पालन
करी, अउर दुसरे मनइन काहीं पालन करब सिखाई, उहय स्वरगराज माहीं
महान कहाई।” 20 काहेकि हम तोंहसे सही कहित हएन, “अगर तोंहार पंचन
के धारमिकता मूसा के बिधान सिखामँइ बालेन से अउर फरीसी लोगन से
बढ़िके न होई, त तूँ पंचे स्वरगराज माहीं कबहूँ प्रबेस न कए पइहा।”

† *परमातिमा उनखे जीबन माहीं राज करिहँय*

क्रोध अउर कतल के बारे माहीं

21 “तूँ पंचे सुन चुके हया, कि मूसा के बिधान माहीं हमरे पूरबजन से कहा
ग रहा हय, कि ‘कतल न किहा’ अउर जे कोऊ कतल करी, उआ कचेहरी
माहीं सजा के काबिल होई। 22 पय हम तोंहसे पंचन से इआ कहित हएन,
कि जे कोऊ अपने भाई के ऊपर क्रोध करी, उआ कचेहरी माहीं सजा पामँइ
के काबिल होई: अउर जे कोऊ अपने भाई काहीं निकम्मा कही उआ
महासभा माहीं सजा के काबिल होई; अउर जे कोऊ अपने भाई काहीं, ‘हे
मूरुख’ कही उआ नरक के आगी माहीं डारे जाँइ के सजा पामँइ के काबिल
होई। 23 एसे अगर तूँ आपन भेंट, बेदी माहीं चढ़ामँइ लइआए हया, अउर
उहाँ तोंहईं सुधि आय जाय, कि तोंहरे भाई के मन माहीं तोंहरे खातिर कुछू
बिरोध हय, 24 त आपन भेंट उहँइ बेदी के लघे छोंड़ि द्या, अउर पहिले जाइके
अपने भाई से मेल-मिलाप कइल्या; ओखे बाद आइके आपन भेंट चढ़ाबा।
25 अउर जब तक तूँ अपने बिरोधी के साथ गइल माहीं हया, त ओसे हरबिन
मेल-मिलाप कइल्या, कहँव अइसा न होय कि उआ बिरोधी तोंहईं राजपाल
काहीं सउँपि देय, अउर राजपाल तोंहईं सिपाही काहीं सउँपि देय, अउर तूँ
जेल माहीं डार दीन जा। 26 हम तोंहसे सही कहित हएन, कि जब तक तूँ
पाई-पाई चुकाय न देहा, तब तक तूँ जेल से छूटे न पइहा।”

ब्यभिचार के बारे माहीं

27 “तूँ पंचे सुन चुके हया, कि मूसा के बिधान माहीं कहा ग रहा हय, कि
‘ब्यभिचार न किहा’। 28 पय हम तोंहसे पंचन से इआ कहित हएन, कि ‘जे
कोऊ कउनव मेहेरिआ के ऊपर बुरी नजर डारत हय, त उआ अपने मन
माहीं ओसे ब्यभिचार कइ चुका हय।’ 29 अगर तोंहार दहिनी आँखी तोंहसे
पाप करामँइ के कारन बनत ही, त ओही निकारिके फेंकि द्या; काहेकि तोंहरे
खातिर इआ भलय होई, कि तोंहरे देंह म से एकठे अंग नास होइ जाय, अउर
तोंहार सगली देंह नरक माहीं डारी जाँय से बँचि जाय। 30 अउर अगर तोंहार
दहिना हाँथ तोंहसे पाप कराबत हय, त ओही काटिके फेंकि द्या, काहेकि
तोंहरे खातिर इआ भलय होई, कि तोंहरे देंह के अंगन म से एकठे अंग नास
होइ जाय, अउर तोंहार सगली देंह नरक म डारे जाँइ से बँचि जाय।”

छोंड़-छुट्टी के बारे माहीं सिच्छा
(मत्ती 19:9; मरकुस 10:11,12; लूका 16:18)

31 मूसा के बिधान माहीं इहव कहा ग रहा हय, कि “जे कोऊ अपने
मेहेरिआ के छोंड़-छुट्टी करँइ चाहत हय, त उआ ओही छोंड़ँइ के लिखा-पढ़ी
देय।” 32 पय हम तोंहसे कहित हएन, कि जे कोऊ ब्यभिचार के अलाबा
अउर दुसरे कारन से अपने मेहेरिआ के छोंड़-छुट्टी करत हय, त उआ अपने
मेहेरिआ से ब्यभिचार कराबत हय; अउर जे कोऊ उआ छोंड़ी मेहेरिआ से
काज करत हय, त उहव ओसे ब्यभिचार करत हय।

कसम खाँइ के बारे माहीं यीसु के सिच्छा

33 “तूँ पंचे इहव सुन चुके हया, कि हमरे पंचन के पूरबजन से कहा ग रहा
हय, कि ‘झूँठ कसम न खया, बलकिन प्रभू के खातिर अपने कसम काहीं
पूर किहा।’ 34 पय हम तोंहसे कहित हएन, कि ‘कबहूँ कसम न खया; न त
स्वरग के’, काहेकि उआ परमातिमा के सिंहासन आय, 35 अउर न धरतिन
के, काहेकि उआ परमातिमा के गोड़ेन के चउकी आय; न यरूसलेम सहर
के, काहेकि उआ महाराजा अरथात परमातिमा के सहर आय। 36 अउर न
अपने मूँड़ेन के कसम खया, काहेकि तूँ एकठइँअव बार काहीं न त उजर
कइ सकते आह्या अउर न करिआ। 37 एसे तोंहार पंचन के बात हाँ के हाँ,
अउर नहीं के नहीं रहय; काहेकि जउन कुछू एसे जादा होत हय, उआ बुराई
से होत हय।”

बदला न लेंइ के बारे माहीं यीसु के सिच्छा
(लूका 6:29,30)

38 यीसु पुनि कहिन, “तूँ पंचे सुन चुके हया, कि मूसा के बिधान माहीं कहा
ग रहा हय, कि ‘आँखी के बदले माहीं आँखी, अउर दाँत के बदले माहीं
दाँत’। 39 पय हम तोंहसे पंचन से इआ कहित हएन, कि जे कोऊ तोंहरे साथ
बुरा बेउहार करत हें, त उनसे बदला न लिहा; बलकिन जे कोऊ तोंहरे दहिने
गाल माहीं थापड़ मारय, त ओखी कइती दुसरव गाल फेर दिहा। 40 अउर
अगर कोऊ तोंहसे जबरई तोंहार कुरथा लेंइ चाहय, त ओही अँगउछी घलाय
लइ लेंइ दिहा। 41 अउर अगर कोऊ तोंहईं बेगार माहीं एक कोस लइ जाय,
त ओखे साथ दुइ कोस चले जया। 42 अउर अगर कोऊ तोंहसे कुछू माँगय,
त ओही द्या, अगर कोऊ तोंहसे उधार लेंइ चाहय, त ओही नाहीं न किहा।”

दुसमनन से प्रेम करँइ के बारे माहीं सिच्छा
(लूका 6:27,28,32-36)

43 “तूँ पंचे सुन चुके हया, कि कहा ग रहा हय, कि ‘अपने परोसी से अपने
कि नाईं प्रेम किहा, अउर अपने दुसमन से दुसमनी।’ 44 पय हम तोंहसे पंचन
से इआ कहित हएन, कि ‘अपने दुसमनन से प्रेम करा, अउर अपने सतामँइ
बालेन के खातिर प्राथना करा।’ 45 अउर अगर तूँ पंचे इहइमेर करिहा, त
स्वरग माहीं रहँइ बाले अपने पिता परमातिमा के सन्तान ठहरिहा, काहेकि
परमातिमा भले मनई अउर बुरे मनई दोनव के ऊपर सुरिज के घाम करत हें,
अउर धरमिन अउर अधरमिन दोनव के ऊपर पानी बरसाबत हें। 46 काहेकि
अगर तूँ पंचे अपने प्रेम करँइ बालेन भर से प्रेम करिहा, त तोंहरे खातिर का
फायदा होई? का चुंगी लेंइ बाले घलाय इहइमेर नहीं करँइ? 47 अउर अगर तूँ
पंचे केबल अपने भाई-बन्धुअन काहीं भर नबस्कार करते हया, त कउन बड़ा
काम करते हया? का इहइमेर गैरयहूदी लोग घलाय नहीं करँय? 48 एसे तूँ
पंचे परिपूर्न बना, जइसन स्वरग माहीं रहँइ बाले तोंहार पिता परमातिमा
परिपूर्न हें।”

दान के बारे माहीं सिच्छा

6 “सचेत रहा! तूँ पंचे धरम के काम मनइन काहीं देखामँइ के खातिर न
करा, नहीं त स्वरग माहीं रहँइ बाले अपने पिता से कउनव प्रतिफल न
पइहा।” 2 एसे जब तूँ पंचे दीन-दुखिअन काहीं दान करा, त ओखर बड़ाई
अपने मुँहे से न करा, जइसन कपटी मनई सभन अउर गइलन माहीं करत हें,
जउने मनई उनखर बड़ाई करँइ, हम तोंहसे सही कहित हएन, कि ऊँ पंचे
आपन प्रतिफल पाय चुके हँय। 3 पय जब तूँ पंचे दीन-दुखिअन काहीं दान
करा, त उआ दान के बारे माहीं कोऊ न जाने पाबय, इहाँ तक कि साथ
माहीं रहँइ बाले घलाय। 4 जउने तोंहार पंचन के दान गुप्त रहय; तब तोंहार
पंचन के पिता परमातिमा जउन गुप्त रूप से देखत हें, तोंहईं पंचन काहीं
प्रतिफल देइहँय।

प्राथना के बारे माहीं सिच्छा
(लूका 11:2-4)

5 “जब तूँ पंचे प्राथना करा, त कपटी मनइन कि नाईं न करा, जिनहीं
दुसरे मनइन काहीं देखामँइ के खातिर, सभन माहीं अउर सड़कन के मोड़न
माहीं प्राथना करब नीक लागत हय; हम तोंहसे पंचन से सही कहित हएन,
कि ऊँ पंचे आपन प्रतिफल पाय चुके हँय। 6 पय जब तूँ पंचे प्राथना करा त,
अपने कोठरिआ माहीं, जा, अउर ओखर दुअरा बन्द कइके गुप्त रूप माहीं
पिता परमातिमा से प्राथना करा; तब तोंहार पंचन के पिता परमातिमा जउन
गुप्त रूप से देखत हें, तोंहईं पंचन काहीं एखर प्रतिफल देइहँय। 7 एसे जब
तूँ पंचे प्राथना करा, त गैरयहूदी लोगन कि नाईं, अइसय बेकार के बातन
काहीं बेर-बेर न दोहराबत रहा, काहेकि ऊँ पंचे सोचत हें, कि खुब देर तक
प्राथना करे से, उनखर प्राथना परमातिमा व्दारा सुनी जई। 8 एसे तूँ पंचे
उनखी कि नाईं न बना, काहेकि तोंहार पंचन के पिता परमातिमा तोंहरे
मागँइ से पहिलेन जानत हें, कि तोंहईं कउने-कउने चीजन के जरूरत ही।”
9 एसे तूँ पंचे जब प्राथना किहा, त इआमेर से किहा; “हे हमार पिता,
अपना जउन स्वरग माहीं रहित हएन; अपना के नाम पबित्र माना जाय।
10 अपना के राज आबय; अपना के मरजी जइसन स्वरग माहीं पूर होत ही,
उहयमेर धरती माहीं घलाय पूर होय। 11 हमरे पंचन के दिन भर के खाँय के
खातिर खाना आज हमहीं देई। 12 अउर जइसन हम पंचे अपने गुनहगारन
काहीं माफ किहेन हय, उहयमेर अपनव हमरे अपराधन काहीं माफ करी।
13 अउर हमहीं पंचन काहीं परिच्छा माहीं न डारी, बलकिन बुराई करँइ बाले
सइतान के हाँथ से बचाई; (काहेकि राज अउर पराक्रम अउर महिमा हमेसा
अपनय के आय।” आमीन!)
14 एसे जब तूँ पंचे दुसरे मनइन के अपराधन काहीं माफ करिहा, त स्वरग
माहीं रहँइ बाले तोंहार पंचन के पिता घलाय तोंहईं माफ करिहँय। 15 अउर
अगर तूँ पंचे दुसरे मनइन के अपराध माफ न करिहा, त तोंहार पिता
परमातिमा घलाय तोंहरे अपराध काहीं माफ न करिहँय।

उपासे रहँइ के बारे माहीं सिच्छा

16 “जब तूँ पंचे उपासे रहा, त कपटी मनइन कि नाईं तोंहरे मुँहे माहीं
उदासी न छाई रहय, काहेकि कपटी मनई इआ देखामँइ के खातिर आपन
मुँह उदास कए रहत हें, कि जउने सगले मनई इआ जानँय कि ऊँ पंचे उपासे
हँय, हम तोंहसे पंचन से सही-सही कहित हएन, कि ऊँ पंचे आपन प्रतिफल
पाय चुके हँय। 17 पय जब तूँ पंचे उपासे रहा, त अपने मूँड़े माहीं तेल लगाबा
अउर आपन मुँह धोबा, 18 जउने दूसर मनई न जानँइ कि तूँ पंचे उपासे हया,
बलकिन तोंहार पंचन के पिता परमातिमा जउन गुप्त रूप माहीं हें, जानँइ
कि तूँ पंचे उपासे हया, तब तोंहार पंचन के पिता परमातिमा जउन गुप्त रूप
माहीं तोंहरे कीन कामन काहीं देखत हें, तोंहईं एखर प्रतिफल देइहँय।”

स्वरग के धन के बारे माहीं सिच्छा
(लूका 12:33,34)

19 अपने खातिर धरती माहीं धन-सम्पत्ती एकट्ठा न करा; काहेकि ओही
किरबा अउर काई नस्ट कइ देत हें, अउर चोर घलाय सेंध कइके ओही
चोराय लेत हें। 20 बलकिन अपने खातिर स्वरग माहीं धन-सम्पत्ती एकट्ठा
करा, जहाँ न त किरबय ओही नास कए पामँय अउर न त काइन लागय,
अउर न चोर सेंध कइके चोराय पामँय। 21 काहेकि जहाँ तोंहार धन-सम्पत्ती
हय, उहँय तोंहार मनव लगा रही।

देंह के जोति
(लूका 11:34-36)

22 “देंह के दिया आँखी आय : एसे अगर तोंहार आँखी निरमल रही, त
तोंहार सगली देंह घलाय उँजिआर पाई। 23 पय अगर तोंहार आँखी बुरी होई,
त तोंहरे सगली देंह माहीं अँधिआर रही; इआ कारन से जउन उँजिआर तोंहरे
जीबन माहीं हय, अगर उआ अँधिआर होइ जाय, त उआ अँधिआर केतना
भयानक न होई।”

परमातिमा अउर धन के बारे माहीं सिच्छा
(लूका 16:13; 12:22-31)

24 “कउनव सेबक दुइठे मालिकन के सेबा नहीं कइ सकय, काहेकि उआ
एकठे से प्रेम अउर दुसरे से दुसमनी रखी, इआ कि एकठे से मिला रही,
अउर दुसरे काहीं तुच्छ जानी; एसे तूँ पंचे परमातिमा अउर धन दोनव के
सेबा नहीं कइ सकते आह्या। 25 एसे हम तोंहसे इआ कहित हएन, कि
‘अपने प्रान के खातिर इआ चिन्ता न किहा, कि हम पंचे का खाब, अउर का
पिअब? अउर न अपने देंहेन के खातिर चिन्ता किहा, कि हम का पहिरब?
का प्रान खाना से, अउर देंह ओन्हा से बढ़िके नहिं आय? 26 अउर अकास

माहीं उड़ँइ बाले पंछिन काहीं देखा! ऊँ न त बोउतय आहीं, अउर न त कटतय आहीं, अउर न कुठुली पेउलन माहीं कुछू धरतय आहीं; तऊ स्वरग माहीं रहँइ बाले तोंहार पंचन के पिता उनहीं खबाबत हें; त का तूँ पंचे पंछिन से जादा कीमती नहिं आह्या? 27 तोंहरे पंचन म से अइसा को हय, जउन चिन्ता कइके अपने उमिर माहीं एक घरिव बढ़ाय सकत होय?

28 अउर तूँ पंचे ओन्हा के खातिर काहे चिन्ता करते हया? जंगल के फूलन काहीं ध्यान से देखा, कि ऊँ कइसन बाढ़त हें, ऊँ न त मेहनत करँइ, अउर न कातके ओन्हय बनामँइ। 29 त हम तोंहसे कहित हएन, कि राजा सुलैमान घलाय, जबकि ऊँ संसार माहीं सगलेन से धनी रहे हँय, तऊ उन फूलन म से एक्कवठे कि नाईं निकहा ओन्हा नहीं पहिरे पाइन। 30 एसे जब परमातिमा मइदान के चारा काहीं, जउन आज हय, अउर काल्ह आगी माहीं झोंक दीन जई, उनहीं एतना सुन्दर ओन्हा पहिराबत हें, त हे अल्प बिसुआसिव, ऊँ तोंहईं पंचन काहीं निकहा ओन्हा काहे न पहिरइहँय? 31 एसे तूँ पंचे चिन्ता कइके इआ न कह्या, कि हम का खाब-पिअब, इआ कि का पहिरब? 32 काहेकि अबिसुआसी लोग ईं सगली चीजन काहीं ढूँढ़ँइ माहीं लगे रहत हें, पय स्वरग माहीं रहँइ बाले तोंहार पिता परमातिमा इआ जानत हें, कि तोंहईं पंचन काहीं ईं सगली चीजन के जरूरत ही। 33 एसे पहिले तूँ पंचे परमातिमा के राज, अउर जउन उनखे नजर माहीं निकहा हय ओखर खोज करा, त ईं सगली चीजँय तोंहईं मिल जइहँय। 34 एसे काल्ह के बारे माहीं चिन्ता न किहा, काहेकि काल्ह के दिन आपन चिन्ता खुदय कइ लेई; आज के खातिर आजय के दुख खुब हय।"

दुसरे के ऊपर दोस न लगामँइ के बारे माहीं सिच्छा

(लूका 6:37,38,41,42)

7 "कोहू के ऊपर दोस न लगाबा, जउने तोंहरेव ऊपर दोस न लगाबा जाय। 2 काहेकि जइसन तूँ पंचे दुसरेन के ऊपर दोस लगउते हया, उहयमेर तोंहरेव पंचन के ऊपर घलाय दोस लगाबा जई; अउर जउने नाप से तूँ पंचे दुसरेन काहीं नपते हया, उहय नाप से तोंहरेव खातिर नापा जई। 3 तूँ अपने भाई के छोट गलती काहीं काहे देखते हया, जउन निन्च बुदी उजार कि नाईं हय, अउर अपने बड़ी गलती काहीं नहीं देखते आह्या, जउन खम्भा कि नाईं हय? 4 जब तोंहईं अपने आँखी के खम्भा नहीं देखाय, त तूँ अपने भाई से कइसा कहि सकते हया, कि आबा हम तोंहरे आँखी के निन्च बुदी उजार निकार देई? 5 हे कपटी, पहिले अपने आँखी के खम्भा निकार ले, तबहिनय तँय अपने भाई के आँखी के निन्च बुदी उजार निकहा से देखिके निकारे पइहे।

6 'पबित्र चीज कुकुरन काहीं न द्या, अउर आपन मोती सुमरन के आँगे न डारा।' कहँव अइसा न होय कि ऊँ उनहीं अपने गोड़ेन से रउँदि डारँय, अउर पलटिके तोंहऊँ पंचन काहीं फारि डारँय।"

मगिहा त पइहा

(लूका 11:9-13)

7 "तूँ पंचे मागत रइहा, त तोंहईं दीन जई; ढूँढ़त रइहा, त जरूर पइहा; खट-खटाबत रइहा, त तोंहरे खातिर दुअरा खोल दीन जई।" 8 काहेकि जे कोऊ मागत रहत हय, त ओही जरूर मिलत हय; अउर जे कोऊ ढूँढ़त रहत हय, उआ जरूर पाबत हय; अउर जे कोऊ खट-खटाबत रहत हय, त ओखे खातिर दुअरा खोल दीन जई।

9 तोंहरे पंचन म से अइसा कउन मनई हय, कि जब ओखर लड़िका रोटी माँगय, त उआ ओही पथरा देय। 10 इआ कि मछरी माँगय, त उआ ओही साँप देय? 11 एसे जब तूँ पंचे बुरे होइके, अपने लड़िकन काहीं नीक चीजँय देंइ जनते हया, त स्वरग माहीं रहँइ बाले तोंहार पिता परमातिमा, अपने मागँइ बालेन काहीं निकही चीजँय काहे न देइहँय? 12 इआ कारन से जउन कुछू तूँ पंचे चहते हया, कि दूसर मनई तोंहरे साथ बेउहार करँय, तुहूँ पंचे उनखे साथ उहयमेर बेउहार करा, काहेकि मूसा के बिधान अउर परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले इहय सिच्छा देत हें।

साँकर अउर चाकल गइल के बारे माहीं सिच्छा

(लूका 13:24)

13 "साँकर दुअरा से परमातिमा के राज माहीं प्रबेस करा, काहेकि उआ दुअरा चाकल हय, अउर उआ गइल सरल ही, जउन बिनास कइती लइ जात ही, अउर खुब मनई अइसन हें, जउन ओहिन से प्रबेस करत हें। 14 पय अनन्त जीबन तक पहुँचइ के दुअरा साँकर हय, अउर ओखर गइलव कठिन ही; अउर अइसन खुब कम मनई हें, जउन अनन्त जीबन पाबत हें।"

जइसन बिरबा उहयमेर ओखर फर

(लूका 6:43,44,46; 13:25-27)

15 "परमातिमा के झूँठ सँदेस बतामँइ बालेन से सचेत रहा, काहेकि ऊँ पंचे गाड़र कि नाईं भेस बनाइके तोंहरे पंचन के लघे आबत हें, पय ऊँ पंचे भीतर से डगर कि नाईं खतरनाक होत हें। 16 तूँ पंचे उनखे कामन के परिनाम से उनहीं पहिचान लेइहा, इआ बताबा, कि 'का कउनव मनई जरबइलन से अंगूर, इआ कि उटकटार से अंजीर के फर टोर सकत हय? 17 इहइमेर से हरेक निकहे बिरबन माहीं निकहे फर लागत हें, अउर खराब बिरबन माहीं खराब फर लागत हें। 18 एसे निकहे बिरबा माहीं खराब फर नहीं लग सकय, अउर न खराब बिरबा माहीं निकहा फर लग सकय। 19 एसे जउने-जउने बिरबन माहीं निकहे फर नहीं लागँय, ऊँ सगले बिरबा काटिके आगी माहीं डार दीन जात हें। 20 एसे हम तोंहसे पुनि कहित हएन, कि इआमेर से तूँ पंचे उनखे कामन के परिनाम से उनहीं पहिचान लेइहा।

21 जेतने हमसे, हे प्रभू, हे प्रभू, कहत हें, उनमा से हरेक जन स्वरगराज माहीं न जाए पइहँय, बलकिन उहय स्वरगराज माहीं जई, जउन स्वरग माहीं रहँइ बाले हमरे पिता के मरजी के मुताबिक चलत हय। 22 उआ महान दिन काहीं खुब मनई हमसे पुँछिहँय, हे प्रभू, हे प्रभू, का हम अपना के नाम से परमातिमा के सँदेस नहीं सुनायन, अउर का हम अपना के नाम से बुरी आत्मन काहीं नहीं निकारेन, अउर अपना के नाम से खुब अचरज के कामन काहीं नहीं किहेन? 23 तब हम उनसे साफ-साफ कहि देब, हम तोंहईं पंचन काहीं नहीं जानी। हे कुकर्म करँइ बाले मनइव, हमरे लघे से दूरी चले जा।

घर बनामँइ बाले दुइठे मनई: बुद्धिमान अउर मूरुख

(लूका 6:47-49)

24 एसे जे कोऊ हमरे ईं बातन काहीं सुनिके, उनहिन के मुताबिक चलत हय, त उआ, उआ बुद्धिमान मनई कि नाईं ठहरी, जउन आपन घर चट्टान माहीं बनाइस। 25 अउर जब बारिस भय अउर बाढ़ आई, अउर आँधी चली, अउर उआ घर से टकरानी, पय उआ नहीं गिरा, काहेकि ओखर नेव चट्टान माहीं डारी गे रही हय। 26 पय जे कोऊ हमरे ईं बातन काहीं सुनत हय, अउर उनखे मुताबिक नहीं चलय त उआ, उआ मूरुख मनई कि नाईं ठहरी, जउन आपन घर बारू माहीं बनाइस। 27 अउर जब बारिस भय अउर बाढ़ आई, अउर आँधी चली, अउर उआ घर से टकरानी, त उआ घर गिरिके पूरी तरह से नास होइगा।" 28 जब यीसु ईं बातन काहीं कहि चुकें, तब भीड़ के सगले मनई उनखे उपदेस के बातन काहीं सुनिके चउआइगें। 29 काहेकि यीसु उनखे मूसा के बिधान सिखामँइ बालेन कि नाईं नहीं, बलकिन अधिकारी कि नाईं उनहीं उपदेस देत रहे हँय।

एकठे कोढ़ी काहीं नीक करब

(मरकुस 1:40-45; लूका 5:12-16)

8 यीसु जब पहार से नीचे उतरें, त एकठे बड़ी भारी भीड़ उनहीं पछिआय लिहिस। 2 तब उहाँ एकठे कोढ़ी यीसु के लघे आबा, अउर उनखे गोड़न गिरिके कहिस, कि "हे प्रभू, अगर अपना चाही त हमही सुद्ध

कइ सकित हएन।" 3 तब यीसु आपन हाँथ बढ़ाइके ओही छुइन, अउर
कहिन, "हम चाहित हएन, कि तूँ सुद्ध होइजा।" अउर तुरन्तय ओखर कोढ़
के बिमारी नीक होइगे। 4 तब यीसु ओसे कहिन, कि "देखा, कोहू से कुछू न
बताया, पय जाइके अपने-आप काहीं याजक क देखाबा, अउर अपने सुद्ध
होंइ के बारे माहीं जउन चढ़ाबा चढ़ामँइ काहीं मूसा नबी ठहराइन हीं, उहय
भेंट चढ़ाबा, जउने तोंहरे समाज के लोगन के खातिर गबाही ठहरय।"

एकठे सुबेदार के यीसु के ऊपर बिसुआस करब

(लूका 7:1-10)

5 जब यीसु कफरनहूम सहर माहीं आएँ, तबहिनय एकठे सुबेदार उनखे
लघे आइके उनसे बिनती किहिन। 6 कि "हे प्रभू, हमरे एकठे दास काहीं
लोकबा मार दिहिस ही, अउर उआ बड़ा दुखी हमरे घरय माहीं परा हय।"
7 तब यीसु उआ सुबेदार से कहिन, कि "हम आइके ओही नीक करब।"
8 तब सुबेदार उनसे कहिन, कि "हे प्रभू हम एखे काबिल नहिं आहेन, कि
अपना हमरे घर माहीं अई, पय अपना केबल अपने मुँहे से कहि देई, त हमार
दास नीक होइ जई। 9 काहेकि हमहूँ पराधीन मनई आहेन, अउर सिपाही
हमरे अधीन हें; जब एकठे से कहित हएन, कि 'जा' तब उआ जात हय;
अउर जब दुसरे से कहित हएन, कि 'आव' तब उआ आबत हय; अउर
अपने दास से कहित हएन, कि 'इआ कर' त उआ उहय करत हय।"
10 इआ बात सुनिके यीसु खुब अचरज मानिन, अउर जउन उनखे पीछे
आबत रहे हँय उनसे कहिन; "हम तोंहसे कहित हएन, कि हम इजराइल
माहीं घलाय अइसन बिसुआस नहीं पाएन। 11 अउर हम इहव घलाय कहित
हएन कि, खुब मनई पूरुब अउर पच्छिम से आइके अब्राहम अउर इसहाक
अउर याकूब के साथ स्वरग के राज माहीं बइठि हँय। 12 पय बहुत से यहूदी
लोग जिनखे खातिर परमातिमा के राज तइआर कीन ग रहा हय, बहिरे
अँधिआर माहीं डार दीन जइहँय: उहाँ रोउब अउर दाँतन के पीसब होई।"
13 अउर यीसु उआ सुबेदार से कहिन, "जा, तोंहार जइसन बिसुआस हय,
उहयमेर तोंहरे खातिर होय।" अउर उआ सुबेदार के दास उहय समय नीक
होइगा।

यीसु खुब बिमारन काहीं नीक किहिन

(मरकुस 1:29-34; लूका 4:38-41)

14 यीसु जब पतरस के घर माहीं पहुँचे, त देखिन कि उनखे सास काहीं
बोखार चढ़ी ही, अउर ऊँ बिस्तर माहीं परी हईं। 15 जइसय यीसु उनखर हाँथ
छुँइन, तबहिनय उनखर बोखार उतरि गे; अउर ऊँ उठिके उनखर सेबा-
सहाई करँइ लागीं। 16 जब साँझ भय तब खुब मनई उनखे लघे खुब बिमारन
काहीं लइ आएँ, जिन माहीं बुरी आत्मा रही हँय, यीसु ऊँ बुरी आत्मन काहीं
अपने बचन से निकार दिहिन, अउर सगले बिमारन काहीं नीक कइ दिहिन।
17 जउने उआ बचन जउन परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले यसायाह के
व्दारा कहा ग रहा हय, पूर होय, कि "ऊँ खुदय हमरे पंचन के निरबलतन
काहीं लइ लिहिन, अउर हमरे बिमारिन काहीं उठाय लिहिन †।"

यीसु के चेला बनँइ के कीमत

(लूका 9:57-62)

18 जब यीसु अपने चारिव कइती बड़ी भीड़ देखिन, तब चेलन काहीं झील
के उआ पार जाँइ के हुकुम दिहिन। 19 तब एक जने मूसा के बिधान
सिखामँइ बाला उनखे लघे आइके उनसे कहिस, "हे गुरू, जहाँ कहँव अपना
जाब, त हमहूँ अपना के पीछे-पीछे चलब।" 20 तब यीसु ओसे कहिन,
"लोखरी के रहँइ काहीं गुफा होत ही, अउर पंछिन के रहँइ के पाल होत हें,
पय मनई के लड़िका के कउनव घर नहिं आय, बलकिन मूड़व तक धरँइ के
जघा नहिं आय।" 21 तब एकठे चेला आइके उनसे कहिस, "हे प्रभू, पहिले
हमहीं जाँइ देई, कि हम अपने बाप काहीं जउन खतम होइगें हँय, गाड़े
अई।" 22 तब यीसु ओसे कहिन, "तूँ हमरे पीछे चले आबा, अउर जउन मनई
आत्मिक रूप से मरे हँय, उनहीं मुरदन काहीं गाड़ँइ द्या।"

आँधी काहीं सान्त करब

(मरकुस 4:35-41; लूका 8:22-25)

23 जब यीसु नाव माहीं चढ़ें, तब उनखर चेला लोग उनखे पीछे-पीछे चल
दिहिन। 24 अउर तबहिनय झील माहीं खुब तेज आँधी चलँइ लाग, अउर
पानी के तेज हिलकोरन से नाव माहीं पानी भरँइ लाग, पय यीसु नाव माहीं
सोबत रहे हँय। 25 तब चेला लोग यीसु के लघे जाइके उनहीं जगाइन, अउर
उनसे कहिन, "हे प्रभू, हमहीं बचाई, हम पंचे बूड़े जइत हएन।" 26 तब यीसु
उनसे कहिन, "हे अल्प बिसुआसिव, काहे डेराते हया?" अउर यीसु उठिके
आँधी अउर पानी काहीं डाँटिन, तब चारिव कइती सान्ती छाइगे। 27 तब ऊँ
पंचे खुब अचरज मानिके कहँइ लागें, "ईं कइसन मनई हें, कि आँधी अउर
पानी घलाय इनखर हुकुम मानत हें।"

बुरी आत्मन से परेसान मनइन काहीं नीक करब

(मरकुस 5:1-20; लूका 8:26-39)

28 जब यीसु गदरेनी लोगन के देस माहीं पहुँचे, तबहिनय दुइठे मनई
जउनेन माहीं बुरी आत्मा सकान रही हँय, कब्रन से निकरिके उनसे मिले, ऊँ
पंचे एतना खतरनाक रहे हँय, कि उआ गइल से कोऊ नहीं निकर सकत रहा
आय। 29 ऊँ पंचे चिल्लाइके कहिन; "हे परमातिमा के लड़िका, हमार अपना
से कउनव काम नहिं आय? का अपना समय से पहिलेन हमहीं दुख देंइ
आए हएन?" 30 उनखे लघे से कुछ दूरी सुमरन के एकठे बड़ा भारी झुन्ड
चरत रहा हय। 31 ऊँ बुरी आत्मा यीसु से चरउरी कइके कहिन, कि "अगर
अपना हमहीं पंचन काहीं निकारँइ चाहित हएन, त सुमरन के उआ झुन्ड
माहीं पठय देई।" 32 तब यीसु उनसे कहिन, "जा।" अउर ऊँ बुरी आत्मा उन
मनइन से निकरिके सुमरन माहीं सकाय गईं, अउर देखा, सुमरन के सगला
झुन्ड पहार के उतारा से दउड़िके झील माहीं कूद परा, अउर सगले सुमर
बूड़िके मरिगें। 33 अउर इआ देखिके सुमरन काहीं चरामँइ बाले भागिके,
सहर माहीं जाइके मनइन काहीं, सगली बातँय बताइन, अउर जउने मनइन
माहीं बुरी आत्मा सकान रही हँय, उनखर सगला हाल घलाय बताइन।
34 अउर सगले सहर के मनई, यीसु से मिलँइ के खातिर सहर से निकरिके
आएँ, अउर यीसु काहीं देखिके उनसे बिनती किहिन, कि "अपना हमरे
सरहद्दी से बहिरे चले जई।"

लोकबा के मरीज काहीं नीक करब

(मरकुस 2:1-12; लूका 5:17-26)

9 यीसु नाव माहीं चढ़िके झील के दुसरे पार अपने सहर माहीं आएँ।
2 अउर उहय समय कइयक जने मिलिके एकठे लोकबा के मरीज
काहीं खटिया माहीं पराइके यीसु के लघे लइ आएँ। यीसु उनखे बिसुआस
काहीं देखिके उआ लोकबा के मरीज से कहिन, "हे बेटबा, ढाढ़स बाँधा;
तोंहार पाप माफ होइगें।" 3 इआ सुनिके मूसा के बिधान सिखामँइ बाले
सोचिन, कि "इआ त परमातिमा के बुराई करत हय।" 4 तब यीसु उनखे मन
के बातन काहीं जानिके उनसे कहिन, "तूँ पंचे अपने-अपने मन माहीं बुरे
बिचार काहे सोचते हया? 5 इआ बताबा जादा सरल का हय? इआ कहब
कि 'तोंहार पाप माफ होइगें' इआ कि 'उठा, आपन खटिया उठाइके चला
फिरा'। 6 पय जउने तूँ पंचे इआ जानिल्या, कि मनई के लड़िका काहीं धरती
माहीं पाप माफ करँइ के अधिकार हय।" यीसु उआ लोकबा के मरीज से
कहिन, "उठा आपन खटिया उठाबा, अउर अपने घर चले जा।" 7 तब उआ
उठिके अपने घर चला ग। 8 सगले मनई इआ देखिके डेराइगें, अउर
परमातिमा के बड़ाई करँइ लागें, जउन मनइन काहीं अइसन अधिकार
दिहिन हीं।

† *8:17 यसा 53:4*

मत्ती काहीं बोलाबा जाब
(मरकुस 2:13-17; लूका 5:27-32)

9 यीसु उहाँ से आँगे जात समय मत्ती नाम के एकठे मनई काहीं चुंगी नाका
माहीं बइठे देखिन, अउर उनसे कहिन, “हमरे पीछे चले आबा”, ऊँ उहाँ से
उठिके यीसु के पीछे चल दिहिन। 10 अउर जब यीसु लेबी के घर माहीं खाना
खाँइ बइठें, तब चुंगी लेंइ बाले खुब जने, अउर यहूदी लोग जिनहीं पापी
कहत रहे हँय, ऊँ मनई यीसु अउर उनखे चेलन के साथ खाँइ बइठिगें।
11 इआ देखिके फरीसी लोग, उनखे चेलन से कहिन, “तोंहार गुरू, चुंगी लेंइ
बालेन, अउर यहूदी लोग जिनहीं पापी कहत हें, उनखे साथ काहे खाना
खात हें?” 12 यीसु इआ बात काहीं सुनिके उनसे कहिन, “बैद, नीक-सूख
मनइन के खातिर नहीं, बलकिन बिमारन के खातिर जरूरी होत हें। 13 एसे
तूँ पंचे जाइके एखर मतलब का होत हय, इआ जानिल्या: हम बलिदान नहीं,
दया चाहित हएन। काहेकि जे कोऊ इआ सोचत हें, कि हम पापी नहिं
आहेन उनहीं नहीं, बलकिन पापी लोगन काहीं बोलामँइ आएन हँय।”

उपासे रहँइ के बारे माहीं प्रस्न
(मरकुस 2:18-22; लूका 5:33-39)

14 तब यूहन्ना के चेला लोग यीसु के लघे आइके पूँछँइ लागें, “का कारन
हय, कि हम पंचे अउर फरीसी लोग एतना उपासे रहित हएन, पय अपना के
चेला लोग बेलकुल उपासे नहीं रहँय?” 15 तब यीसु उनसे कहिन, “जब तक
दुलहा उनखे साथ माहीं हय, त का बराती सोक कइ सकत हें? पय एक
दिना उआ समय अई, जब दुलहा बरातिन से अलग कीन जई, उआ समय
ऊँ पंचे उपासे रइहँय। 16 यीसु उनसे पुनि कहिन, नबा ओन्हा के ठेगरी पुरान
ओन्हा माहीं कोऊ नहीं लगाबय, काहेकि नबा धोए से सकिलके पुरान
ओन्हा काहीं खींचिके फारि डारत हय। अउर उआ जादा फाट जात हय।
17 काहेकि कउनव मनई नबा अंगूर के रस पुरान मसकन माहीं भरिके नहीं
धरय, काहेकि अइसा करे से मसकँय फाट जाती हईं, अउर सगला अंगूर के
रस बहि जात हय, अउर मसकँय बरबाध होइ जाती हँय; एहिन से मनई नबा
अंगूर के रस नई मसकन माहीं भरत हें, इआमेर से नबा अंगूर के रस अउर
मसक दोनव बचे रहत हें।”

मरी बिटिया अउर बिमार मेहेरिआ
(मरकुस 5:21-43; लूका 8:40-56)

18 यीसु जब उनसे ईं बातँय कहतय रहे हँय, तबहिन एकठे यहूदी सभाघर
के मुखिया आबा, अउर उनखे गोड़न गिरिके कहिस, “हमार बिटिया
अबहिनय मरी हय, पय अपना हमरे साथय चलिके, आपन हाँथ ओखे ऊपर
धइ देई, त उआ जिन्दा होइ जई।” 19 यीसु उठिके अपने चेलन समेत उनखे
पीछे-पीछे चल दिहिन।
20 अउर गइलय माहीं एकठे मेहेरिआ जउने काहीं बारा बरिस से खून बहँइ
के बिमारी रही हय, पीछे से आइके यीसु के ओन्हा के छोर काहीं छुइ
लिहिस। 21 काहेकि उआ अपने मन माहीं इआ कहत रही हय, कि “अगर
हम यीसु के ओन्हा काहीं छुइ लेब त नीक होइ जाब।” 22 तब यीसु पीछे
फिरिके ओही देखिन अउर कहिन, “बिटिया ढाढ़स बाँधा, तूँ हमरे ऊपर
बिसुआस किहा हय, एसे नीक होइ गया हय।” अउर उआ मेहेरिआ उहय
समय नीक होइगे 23 जब यीसु उआ यहूदी सभाघर के मुखिया के घर माहीं
पहुँचे त दुख प्रगट करँइ के खातिर कुछ मनइन काहीं बसुरी बजाबत, अउर
भीड़ के कुछ लोगन काहीं, रोबत-पीटत देखिन। 24 तब यीसु कहिन, “हटि
जा, बिटिया मरी नहिं आय, उआ सोबत आय ही।” इआ सुनिके ऊँ पंचे
उनखर हँसी उड़ामँइ लागें। 25 पय जब भीड़ उहाँ से निकार दीनगे, तब यीसु
घर के भीतर जाइके, उआ बिटिया के हाँथ पकड़िन, अउर उआ उठिके ठाढ़
होइगे। 26 अउर इआ बात के चरचा उआ सगले देस माहीं फइलिगे।

दुइठे अँधरन काहीं नीक करब

27 यीसु जब उहाँ से आँगे जात रहे हँय, तबहिनय गइल माहीं दुइठे आँधर
मनई इआ चिल्लात उनहीं पछिआय लिहिन, “हे राजा दाऊद के सन्तान,
हमरे ऊपर दया करी!” 28 जब यीसु एकठे घर माहीं पहुँचे, त ऊँ आँधर मनई
उनखे लघे आएँ; तब यीसु उनसे कहिन, “का तोंहईं पंचन काहीं हमरे ऊपर
बिसुआस हय, कि हम तोंहईं नीक कइ सकित हएन?” ऊँ पंचे कहिन, “हाँ,
प्रभू।” 29 तब यीसु उनखे आँखिन काहीं छुइन अउर कहिन, “तोंहरे
बिसुआस के मुताबिक तोंहरे खातिर होय।” 30 अउर उनखर आँखी उहय
समय खुल गईं, अउर यीसु उनहीं चेतउनी दइके कहिन; “सचेत रहा, कोऊ
इआ बात काहीं न जाने पाबय।” 31 पय ऊँ पंचे उहाँ से निकरिके सगले देस
माहीं यीसु के महिमा काहीं फइलाय दिहिन।

एकठे गूँगा मनई काहीं नीक करब

32 जब यीसु उआ घर से बहिरे जात रहे हँय, तबहिनय कुछ लोग एकठे
गूँगा मनई काहीं उनखे लघे लइ आएँ, जउने माहीं बुरी आत्मा सकान रही
हय। 33 अउर जब यीसु उआ मनई से बुरी आत्मा काहीं निकार दिहिन, त
उआ गूँगा मनई बोलँइ लाग। इआ देखिके सगले भीड़ के मनई अचरज
मानिके कहँइ लागें, “इजराइल देस माहीं अइसा कबहूँ नहीं भ।” 34 पय
फरीसी लोग कहँइ लागें, “यीसु त बुरी आत्मन के मुखिया अरथात सइतान
के मदत से, बुरी आत्मन काहीं मनइन से निकारत हें।”

खुसी के खबर सुनँइ बाले त खुब हें, पय सुनामँइ बाले थोरिन हें

35 यीसु सगले सहरन अउर गाँमन माहीं घूमत रहिगें, अउर उनखे
सभाघरन माहीं उपदेस देत रहिगें, अउर परमातिमा के राज के खुसी के
खबर के प्रचार करत अउर उहाँ के मनइन के हरेकमेर के बिमारिन अउर
कमजोरिन काहीं दूर करत रहिगें। 36 जब यीसु भीड़ के मनइन काहीं देखिन,
त उनहीं, उनखे ऊपर बड़ी दया आइगे, काहेकि ऊँ पंचे, ऊँ गड़रन कि नाईं
ब्याकुल अउर भटके रहे हँय, जिनहीं कोऊ चरामँइ बाला नहीं होय, 37 तब
यीसु अपने चेलन से कहिन, “पके खेत त खुब हें, पय मजूर थोरिन हें।
38 एसे खेत के मालिक परमातिमा से बिनती करा, कि ऊँ आपन खेत काटँय
के खातिर मजूर पठय देंय।”

खुसी के खबर सुनामँइ के खातिर यीसु अपने बारा खास चेलन काहीं पठइन
(मरकुस 3:13-19; लूका 6:12-16)

10 यीसु अपने बरहँव चेलन काहीं अपने लघे बोलाइके, उनहीं बुरी
आत्मन काहीं निकारँइ के अधिकार दिहिन, जउने ऊँ पंचे मनइन से
उनहीं निकार सकँय, अउर हरेकमेर के बिमारिन काहीं, अउर मनइन के
हरेकमेर के कमजोरिन काहीं दूर करँइ के घलाय अधिकार दिहिन। 2 अउर
यीसु मसीह के चुने खास बरहँव चेलन के नाम इआमेर से हँय: पहिल समौन
जउन पतरस घलाय कहाबत हें, अउर उनखर भाई अन्द्रियास; जब्दी के
लड़िका याकूब, अउर उनखर भाई यूहन्ना; 3 फिलिप्पुस अउर बरतुल्मय,
थोमा, अउर चुंगी लेंइ बाले मत्ती, हलफई के लड़िका याकूब अउर तद्दय,
4 समौन जउन जेलोतेस कहाबत रहे हँय, अउर यहूदा इस्करियोती, जउन
यीसु काहीं पकड़बाइस घलाय रहा हय।

बरहँव खास चेलन के सेबा के काम
(मरकुस 6:7-13; लूका 9:1-6; 10:4-12)

5 यीसु, ईं बरहँव चेलन काहीं इआ हुकुम दइके पठइन, कि “गैरयहूदी
लोगन के इलाका माहीं न जया, अउर न सामरी लोगन के कउनव सहर माहीं
प्रबेस किहा। 6 बलकिन इजराइल के घराना के हेरान गड़रन के लघे बस
जया। 7 अउर चलत-चलत प्रचार कइके कह्या कि ‘स्वरग के राज नेरेन
आइगा हय।’ 8 अउर बिमारन काहीं नीक किहा, मरेन काहीं जिआया,

कोढ़िन काहीं सुद्ध किहा, अउर बुरी आत्मन काहीं निकाल्या, इआ अधिकार तोंहईं सेंत-मेंत मिला हय, अउर सेंत-मेंत माहीं दिहा। 9 अउर अपने झोरा माहीं सोन-चाँदी, अउर तामे के सिक्का न लिहा। 10 अउर गइल के खातिर न झोरिया लिहा, न दुइठे कुरथा लिहा, न पनहीं लिहा, अउर न लाठिन लिहा, काहेकि मजूर काहीं ओखे भरन-पोसन के खातिर सगली जरूरत के चीजँय मिलती हँय।

11 जब कउनव सहर इआ कि गाँव माहीं जया, त उहाँ पता लगाया, कि काबिल कउन मनई हय? जब तक उहाँ से न जया, त ओहिन के घर माहीं रह्या। 12 अउर ओखे घर माहीं जात समय ओही आसिरबाद दिहा। 13 अगर उआ घर के मनई काबिल होइहँय, त तोंहार पंचन के आसिरबाद उनहीं मिल जई, पय अगर ऊँ पंचे आसिरबाद के काबिल न होइहँय, त तोंहार पंचन के दीन आसिरबाद तोंहरेन लघे लउटि अई। 14 अउर जे कोऊ तोंहईं सोइकार न करय, अउर तोंहरे बातन काहीं न सुनय, त उआ घर इआ सहर से निकरत समय अपने गोड़ेन के धूधुर झार दिहा। 15 हम तोंहसे सही कहित हएन, कि जब परमातिमा न्याय करिहँय, उआ दिन, उआ सहर के दुरदसा, सदोम अउर अमोरा सहर से जादा होई।"

आमँइ बाला संकट

(मरकुस 13:9-13; लूका 21:17-22)

16 "देखा, हम तोंहईं पंचन काहीं गड़रन कि नाईं डगरन के बीच माहीं पठइत हएन, एसे तूँ पंचे साँप कि नाईं चतुर अउर परेबा कि नाईं भोले-भाले बना। 17 पय मनइन से सचेत रह्या, काहेकि ऊँ पंचे तोंहईं पंचन काहीं लइ जाइके महासभन माहीं सउँपिहँय, अउर तोंहईं अपने पंचइतन माहीं लइ जाइके चाबुक मरिहँय। 18 अउर तोंहईं मनई सरकारी अधिकारिन अउर राजन के लघे लइ जइहँय, जउने तूँ पंचे उनखे आँगे, अउर गैरयहूदी लोगन के आँगे हमरे बारे माहीं गबाही द्या। 19 जब ऊँ पंचे, तोंहईं पकड़बइहँय, त इआ चिन्ता न किहा कि, हम पंचे कउनमेर से इआ कि का कहब, काहेकि जउन कुछू तोंहईं कहँइ क होई, उआ तोंहईं उहय समय बताय दीन जई। 20 काहेकि बोलँइ बाले तूँ पंचे न होइहा, बलकिन तोंहरे पिता परमातिमा के आत्मा तोंहरे अन्दर से बोली।"

21-22 "अउर भाई, भाई काहीं अउर बाप लड़िका काहीं, मार डारँइ के खातिर सभन म सउँपिहँय, अउर लड़िका-बिटिया महतारी-बाप के बिरोधी होइके मरबाय डरिहँय। अउर हमरे बात काहीं मानँइ के कारन सगले मनई तोंहसे दुसमनी रखिहँय; पय जे कोऊ अन्त तक धीरज धरे रही, उहय मुक्ती पाई।" 23 जब ऊँ पंचे तोंहईं पंचन काहीं एक सहर माहीं सतामँइ लागँय, त दुसरे सहर माहीं भाग जया। हम तोंहसे सही कहित हएन, कि तूँ पंचे इजराइल देस के सगले सहरन माहीं न जाए पइहा, कि मनई के लड़िका दुबारा आय जई।

24 कउनव चेला अपने गुरू से बड़ा नहीं होय; अउर न दास अपने मालिक से। 25 चेला के गुरू के बराबर अउर दास के मालिक के बराबर होब, इहय काफी हय; जब ऊँ पंचे घर के मालिक काहीं सइतान कहत हें, त उनखे घर बालेन के साथ अउरव बुरा बरताव करिहँय।

मनइन से नहीं परमातिमा से डेरा

(लूका 12:2-7)

26 यीसु उनसे पुनि कहिन, कि "तूँ पंचे मनइन से न डेरा, जउन कुछू बिचार मनइन के मन माहीं हें, परमातिमा उनहीं प्रगट करिहँय, अउर हमरे जीबन के सगली छिपी बातन काहीं परमातिमा जानत हें। 27 जउन कुछू हम तोंहसे अँधिआरे माहीं कहित हएन, ओही तूँ पंचे उँजिआरे माहीं बताया, अउर जउन कुछू तूँ पंचे अपने कानन माहीं धीरे-धीरे सुने हया, ओही घर के छतन से प्रचार किहा। 28 अउर जे तोंहरे देंह काहीं नास कइ सकत हें, पय आत्मा काहीं नास नहीं कइ सकँय, उनसे न डेरा, बलकिन उनसे डेरा, जउन तोंहरे देंह अउर आत्मा दोनव काहीं नरक माहीं डारिके नास कइ सकत हें।

29 का एक पइसा माहीं दुइठे गउरइआ नहीं बिकती आहीं? तऊ तोंहरे पंचन के पिता परमातिमा के मरजी के बिना, उनमा से एकठेरिव भुँइ माहीं नहीं गिर सकय। 30 तोंहरे मूँड़े के सगले बार घलाय गिने हें। 31 एसे तूँ पंचे न डेरा; काहेकि पिता परमातिमा के नजर माहीं तूँ पंचे ऊँ गउरइअन से जादा कीमती हया। 32 जे कोऊ मनइन के आँगे इआ मान लेई, कि हम यीसु मसीह के चेला आहेन, ओही हमहूँ स्वरग माहीं रहँइ बाले पिता परमातिमा के आँगे इआ मान लेब, कि ईं हमार चेला आहीं। 33 पय जे कोऊ मनइन के आँगे इआ कही, कि हम यीसु मसीह के चेला न होंहेन, त हमहूँ घलाय स्वरग माहीं रहँइ बाले अपने पिता परमातिमा के आँगे इआ कहि देब कि ईं हमार चेला न होंहीं।"

34 इआ न समझ लिहा, कि हम धरती माहीं मेल-मिलाप करामँइ आएन हय; हम मेल-मिलाप करामँइ नहीं, बलकिन फूट डारँय आएन हँय। 35 कि जउने हम बिसुआसी अउर अबिसुआसी माहीं फूट कराय देई अरथात लड़िका अउर बाप माहीं, महतारी अउर बिटिया माहीं, सास अउर पुतऊ माहीं। 36 काहेकि मनइन के बइरी ओखे घरय के मनई होइहँय।

37 एसे जे कोऊ अपने महतारी-बाप काहीं हमसे जादा पियार मानत हय, उआ हमरे काबिल नहिं आय, अउर जउन अपने लड़िका बिटिआ काहीं, हमसे जादा पियार मानत हय, उहव हमरे काबिल नहिं आय। 38 अउर जे कोऊ आपन क्रूस उठाइके हमरे पीछे न चली अरथात दुख-तकलीफ सहिके, हमरे बातन काहीं न मानी, उआ हमार चेला बनँइ के काबिल नहिं आय। 39 जे कोऊ अपने प्रान काहीं बचाबत हय, उआ ओही गमाई; पय जे कोऊ हमरे खातिर आपन प्रान तक देंइ काहीं तइआर रही, उआ ओही पुनि पाई।

प्रतिफल

(मरकुस 9:41)

40 अउर जे कोऊ तोंहईं पंचन काहीं सोइकार करत हय, उआ हमहीं सोइकार करत हय, अउर जे कोऊ हमहीं सोइकार करत हय, उआ हमहीं पठमँइ बाले परमातिमा काहीं सोइकार करत हय। 41 अउर जे कोऊ परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले काहीं, परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाला जानिके सोइकार करत हय, उआ परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले के बदला पाई; अउर जे कोऊ धरमी काहीं धरमी जानिके सोइकार करत हय, उआ धरमी के बदला पाई। 42 जे कोऊ ईं छोट से छोट मनइन काहीं हमार चेला जानिके एक गिलास ठंड पानी पिआई, त हम तोंहसे सही कहित हएन, कि उआ मनई एखर प्रतिफल जरूर पाई।

11 जब यीसु अपने बरहँव चेलन काहीं हुकुम दइ चुके, त ऊँ उनखे सहरन माहीं उपदेस देंइ अउर प्रचार करँइ के खातिर उहाँ से चलेगें।

यीसु अउर यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले

2 तब यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले, जेल माहीं मसीह के कामन के चरचा सुनिके, अपने चेलन काहीं, उनखे लघे इआ पूँछँइ के खातिर पठइन। 3 कि "का आमँइ बाले मसीह अपनय आहेन; कि हम पंचे दुसरे के इन्तजार करी?" 4 तब यीसु उनहीं जबाब दिहिन, कि जउन कुछू तूँ पंचे देखते सुनते हया, जाइके इआ सब यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले से कहि दिहा, 5 कि "आँधर देखत हें, लाँगड़ चलँइ लागत हें, कोढ़ी सुद्ध कीन जात हें, बहिर सुनँय लागत हें, मुरदा जिआए जात हें; अउर कंगालन काहीं खुसी के खबर सुनाई जात ही। 6 पय धन्य हय उआ मनई, जउन हमरे ऊपर कीन बिसुआस से कबहूँ नहीं भटकय।"

7 जब यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के चेला लोग उहाँ से चल दिहिन, तब यीसु यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के बारे माहीं, उहाँ बइठ मनइन से कहँइ लागें; "तूँ पंचे गाँव से दूरी सुनसान जघा माहीं का देखँइ गया तय? का हबा से हालत सरकन्डा काहीं? 8 पुनि तूँ पंचे का देखँइ गया तय? का कोमर ओन्हा पहिरे मनई काहीं? देखा, जे कोमर ओन्हा पहिरत हें, ऊँ पंचे राजमहलन माहीं रहत हें। 9 त पुनि काहे गया तय? का कउनव परमातिमा

के सँदेस बतामँइ बाले काहीं देखँय? हाँ, हम तोंहसे कहित हएन, बलकिन परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले से बड़े काहीं।
10 ई उँइन आहीं, जिनखे बारे माहीं पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, कि
'देखा, हम अपने दूत काहीं तोंहसे पहिले पठइत हएन, जउन तोंहरे खातिर
मनइन काहीं तइआर करिहँय।'
11 हम तोंहसे सही कहित हएन, कि जउन बरी-बिआही मेहेरिअन से पइदा
भें हँय, उनमा से यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले से बढ़िके, कोऊ नहिं भ आय,
पय जउन स्वरग राज माहीं छोट से छोट हें, ऊँ यूहन्ना से बढ़िके हँय।"
12 यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के समय से लइके आज तक स्वरग के राज
माहीं जाँइ के खातिर मनई खुब कोसिस कइ रहे हँय, पय जउने मनइन माहीं
उत्साह हय, उँइन ओखे ऊपर अधिकार पाबत हें। 13 यूहन्ना बपतिस्मा देंइ
बाले तक परमातिमा के सगले सँदेस बतामँइ बाले अउर मूसा के बिधान
घलाय इआ समय के बारे माहीं केबल भबिस्सबानी करत रहिगें। 14 अउर
चाहा त तूँ पंचे इआ मान सकते हया, कि एलिय्याह नबी जउन आमँइ बाले
रहे हँय, ऊँ ईंन आहीं। 15 जेखर सुनँय के मन होय, उआ बड़े ध्यान से सुन
लेय।
16 हम इआ समय के मनइन के तुलना केसे करी, कि ऊँ केखे कि नाईं हें?
ऊँ पंचे ऊँ लड़िकन कि नाईं हें, जउन बजार माहीं बइठे एक दुसरे से
गोहराइके कहत हें: 17 "हम पंचे तोंहरे खातिर बसुरी बजाएन, अउर तूँ पंचे
नहीं नाच्या। अउर हम पंचे तोंहरे खातिर सोक के गाना गाएन, अउर तूँ पंचे
छाती पीटके नहीं रोया।" 18 काहेकि यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले न खातय
आएँ, अउर न पीतय आएँ, पय ऊँ पंचे कहत हें कि "उनखे भीतर बुरी
आत्मा ही।" 19 अउर मनई के लड़िका, खात-पिअत आबा हय, अउर ऊँ पंचे
कहत हें कि, "देखा, पेटू अउर पिआगी मनई काहीं, जउन चुंगी लेंइ बालेन,
अउर पापी मनइन के साथी आय।" पय ग्यान अपने कामन से सच्चा
ठहराबा ग हय।

बिसुआस न करँइ बाले सहरन के मनइन काहीं धिक्कार
(लूका 10:13-15)

20 तब यीसु ऊँ सहरन काहीं धिक्कारँय लागें, जउने माहीं ऊँ खुब सामर्थ
के काम किहिन रहा हय; काहेकि उहाँ के रहँइ बाले मनई अपने-अपने मनन
काहीं नहीं बदलिन रहा आय। 21 खुराजीन सहर, बैतसैदा सहर; तोंहईं
धिक्कार हय; काहेकि जउन सामर्थ के काम तोंहरे बीच माहीं कीन गें तय,
अगर ऊँ सूर अउर सैदा प्रदेसन माहीं कीन जातें, त उहाँ के मनई टाट
ओढ़िके अउर राख माहीं बइठिके, पहिलेन अपने पापन काहीं मानिके पाप
करब छोंड़ि देतें। 22 पय जब परमातिमा न्याय करिहँय, उआ दिन तोंहार
दुरदसा सूर अउर सैदा प्रदेसन से जादा होई। 23 अउर हे कफरनहूम सहर के
मनइव, तूँ पंचे जउन सोचते हया, कि हमहीं परमातिमा अकास तक ऊँच
करिहँय? बेलकुल नहीं, परमातिमा तोंहईं पताल तक नीच करिहँय; जउन
सामर्थ के काम तोंहरे बीच माहीं कीन गे हँय, अगर ऊँ सदोम सहर माहीं
कीन जातें, त उआ आज तक बना रहत। 24 पय हम तोंहसे कहित हएन, कि
जब परमातिमा न्याय करिहँय, उआ दिन तोंहार दुरदसा सदोम सहर से जादा
होई।

बोझ से दबे मनइन के खातिर आराम
(लूका 10:21,22)

25 उहय समय यीसु कहिन, "हे पिता परमातिमा स्वरग अउर धरती के
प्रभू, हम अपना काहीं धन्यबाद देइत हएन, कि अपना ईं बातन काहीं
ग्यानिन अउर अपने काहीं समझदार मानँइ बालेन काहीं नहीं बताएन,
बलकिन छोट लड़िकन कि नाईं अपना के बचन के ऊपर बिसुआस करँइ
बालेन काहीं बतायन हय। 26 हाँ, हे पिता परमातिमा, काहेकि अपना काहीं
इहय नीक लाग हय। 27 हमार पिता परमातिमा सब कुछ हमहीं सँउप दिहिन
हीं; अउर कोऊ नहीं जानँय, कि लड़िका को आहीं, केबल पिता जानत हें,
अउर पिता को आहीं इहव कोऊ नहीं जानँय, उनहीं केबल लड़िका जानत
हें, अउर लड़िका जेही बतामँइ चाही उहय जानी।"
28 "हे थके-मादे अउर बोझ से दबे सगले मनइव, हमरे लघे आबा; हम
तोंहईं पंचन काहीं अराम देब। 29 हमार जुँआ अपने ऊपर उठाय ल्या; अउर
हमसे सिखा; काहेकि हम नम्र अउर मन माहीं दीन हएन: इआमेर से तूँ पंचे
अपने-अपने मनन माहीं आराम पइहा। 30 काहेकि उआ जुँआ जउन हम
तोंहईं पंचन काहीं दइ रहेन हय, खुब सरल हय। अउर उआ बोझ जउन हम
तोंहरे ऊपर डार रहेन हय, हलुक हय।"

यीसु पबित्र दिन के घलाय प्रभू आहीं
(मरकुस 2:23-28; लूका 6:1-5)

12 यीसु पबित्र दिन काहीं अपने चेलन के साथ, खेतन के किनारे-
किनारे जात रहे हँय, अउर उनखे चेलन काहीं भूँख लगी रही हय,
एसे ऊँ पंचे गोहूँ के बाली टोरि-टोरिके खाँइ लागें। 2 तब फरीसी लोग उनहीं
देखिके, यीसु से कहँइ लागें, "देखी, अपना के चेला लोग उआ काम काहे
करत हें, जउन मूसा के बिधान के मुताबिक पबित्र दिन काहीं करब उचित
नहिं आय।" 3 तब यीसु उनहीं जबाब दिहिन, "काहे तूँ पंचे पबित्र सास्त्र
माहीं इआ नहीं पढ़े आह्या, कि जब राजा दाऊद, अउर उनखर साथी भूँखे
रहे हँय, त ऊँ का किहिन तय? 4 ऊँ परमातिमा के घर माहीं घुसिके,
परमातिमा काहीं भेंट चढ़ाई रोटिन काहीं कइसन खाइन तय? जबकि उनहीं
अउर उनखे साथिन काहीं ऊँ रोटिन काहीं खाब मूसा के बिधान के खिलाफ
रहा हय। काहेकि ऊँ भेंट के रोटिन काहीं केबल याजक लोग खाय सकत रहे
हँय।" 5 अउर काहे तूँ पंचे मूसा के बिधान माहीं नहीं पढ्या, कि "याजक
पबित्र दिन काहीं मन्दिर म पबित्र दिन के बिधी काहीं टोरे के बादव, निरदोस
ठहरत हय।" 6 पय हम तोंहसे पंचन से बताइत हएन, कि "इहाँ ऊँ हें, जउन
मन्दिर से बढ़िके हें।" 7 अउर अगर तूँ पंचे इआ बात के मतलब जन त्या, कि
"हम दया करँइ से प्रसन्न होइत हएन, बलिदान से नहीं †।" त तूँ पंचे निरदोस
काहीं दोसी न ठहरउ त्या। 8 इआ जानिल्या, कि "मनई के लड़िका पबित्र
दिन के घलाय प्रभू आहीं।"

एकठे मनई के झुरान हाँथ काहीं नीक करब
(मरकुस 3:1-6; लूका 6:6-11)

9 यीसु उहाँ से चलिके यहूदी लोगन के सभाघर माहीं गें। 10 उहाँ एकठे
मनई रहा हय, जउने के एकठे हाँथ झुरान रहा हय। एसे उहाँ बइठ मनई
यीसु के ऊपर दोस लगामँइ के खातिर उनसे पूँछिन, "का पबित्र दिन काहीं
कउनव बिमार मनई काहीं नीक करब उचित हय?" 11 तब यीसु उनसे
कहिन, "तोंहरे पंचन म से अइसन को होई, कि जेखे एकठेरिन गाड़र होय,
अउर उआ पबित्र दिन काहीं गड्ढा माहीं गिर जाय, त का उआ ओही
पकड़िके बहिरे न निकारी? 12 मनई के कीमत त गाड़र से बढ़िके हय; एसे
मूसा के बिधान के मुताबिक पबित्र दिन काहीं भलाई करब उचित हय।"
13 तब यीसु उआ मनई से कहिन, "आपन हाँथ बढ़ाबा।" अउर उआ आपन
हाँथ बढ़ाइस तबहिनय ओखर हाँथ दुसरे हाँथ कि नाईं निकहा होइगा।
14 तब फरीसी लोग सभाघर से बहिरे जाइके, यीसु के बिरोध माहीं साहुत
करँइ लागें, कि यीसु काहीं कउनमेर से मार डारा जाय?

परमातिमा के चुना सेबक

15 यीसु इआ बात काहीं जानिके उहाँ से चल दिहिन; तब खुब मनई उनहीं
पछिआय लिहिन, अउर यीसु सगले जनेन काहीं नीक किहिन। 16 अउर यीसु
उनहीं चेतउनी दइके कहिन, कि हमरे बारे माहीं न बताबा, कि "हम को
आहेन।" 17 इआ बात यीसु एसे कहिन, कि जउन बचन परमातिमा के सँदेस
बतामँइ बाले यसायाह के व्दारा कहा ग रहा हय, उआ पूर होय: 18 कि
"देखा, ††ईं हमार सेबक आहीं, जिनहीं हम चुनेन हय; इनसे हम खुब प्रेम

† *12:7 होसे 6:6* †† *12:18 यसा 42:1-4*

करित हएन, अउर इनसे हमार मन खुस हय: हम आपन आत्मा इनखे ऊपर डारब; अउर ईं गैरयहूदी लोगन काहीं परमातिमा के न्याय के खुसी के खबर सुनइहँय।
19 ईं न त कोहू से लड़ाई-झगड़ा करिहँय, अउर न चन्डे से चिल्लाबय करिहँय; अउर न कोऊ बजारन माहीं इनखर बोलय सुनी।
20 ईं कुचरे सरकन्डा काहीं न टोरिहँय; अउर धुँआ देत बाती काहीं न बुझइहँय, जब तक न्याय के जीत न होइ जाय, डँटे रइहँय।
21 अउर गैरयहूदी लोग उनखे नाम के ऊपर आसा रखिहँय।"

यीसु अउर बालजबूल
(मरकुस 3:20-30; लूका 11:14-23)

22 जब यीसु ईं बातन काहीं कहतय रहे हँय, तबहिनय कुछ लोग एकठे आँधर अउर गूँगा मनई काहीं जउने माहीं बुरी आत्मा सकान रही हय, उनखे लघे लइ आएँ; अउर यीसु ओही नीक कइ दिहिन, तब उआ मनई देखँइ अउर बोलँइ लाग। 23 इआ देखिके सगले मनई अचरज मानिके कहँइ लागें, "का ईं राजा दाऊद के सन्तान होइ सकत हें?" 24 पय फरीसी लोग इआ बात काहीं सुनिके कहँइ लागें, कि "यीसु त बुरी आत्मन के मुखिया अरथात सइतान के मदत से, बुरी आत्मन काहीं मनइन से निकारत हें।" 25 पय यीसु उनखे मन के बात काहीं जानिके कहिन, कि "जउने राज के मनई आपस माहीं लड़ाई-झगड़ा करँइ लागत हें, त उआ राज के नास होइ जात हय; अउर अगर कउनव सहर इआ कि घर माहीं फूट परि जात ही, त उआ बरबाध होइ जात हय। 26 त अगर सइतानय, सइतान काहीं निकारी, त उआ अपनय बिरोधी होइ जई; पुनि सइतान के राज कइसा बना रही? ओखर त नासय होइ जई। 27 अगर हम सइतान के मदत से बुरी आत्मन काहीं निकारित हएन, त तोंहार सन्तान केखे मदत से बुरी आत्मन काहीं निकारत हें? एसे उँइन तोंहार फँइसला करिहँय। 28 पय अगर हम परमातिमा के आत्मा के मदत से, बुरी आत्मन काहीं निकारित हएन, त तूँ पंचे इआ जानिल्या, कि परमातिमा के राज तोंहरे लघे पहुँचिगा हय। 29 सोचा कउनव मनई, कउनव बलमान मनई के घर माहीं घुसिके ओखर धन-सम्पत्ती कइसन लूट सकत हय, जब तक कि उआ मनई, उआ बलमान मनई काहीं बाँधि न देय, ओही बाँधे के बादय, उआ मनई ओखे घर काहीं लूट सकत हय। 30 जे हमार बात नहीं मानय, उआ हमरे बिरोध माहीं काम करत हय, उआ मनइन काहीं हमरे लघे नहीं ले आबय, बलकिन उनसे पाप कर बाइके हमसे दूर करत हय। 31 एसे हम तोंहसे कहित हएन, कि मनइन के हरेकमेर के पाप अउर बुराई माफ कइ दीन जइहँय, पय जे कोऊ पबित्र आत्मा के बुराई करी ओखर इआ पाप कबहूँ माफ न कीन जई। 32 अउर जे कोऊ मनई के लड़िका के बिरोध माहीं कउनव बात कही, ओखर इआ अपराध माफ कइ दीन जई, पय जे कोऊ पबित्र आत्मा के बिरोध माहीं कुछू कही, त ओखर इआ अपराध न त इआ संसार माही माफ कीन जई, अउर न त स्वरग माहीं माफ कीन जई।"

बिरबा अउर ओखर फर
(लूका 6:43-45)

33 "अगर बिरबा काहीं निकहा कहा त ओखे फरव काहीं निकहा कहा, इआ कि बिरबा काहीं खराब कहा, त ओखे फरव काहीं खराब कहा, काहेकि बिरबा अपने फरय से पहिचाना जात हय। 34 हे साँप के बच्चन कि नाईं बुरे मनइव, तूँ पंचे बुरे होइके कइसन निकही बात कहि सकते हया? काहेकि जउन मन माहीं भरा हय, उहय मुँहे से निकरत हय। 35 निकहा मनई अपने मन के निकहे भन्डार से निकही बात निकारत हय; अउर बुरा मनई अपने मन के बुरे भन्डार से बुरी बात निकारत हय।" 36 अउर हम तोंहसे पंचन से इहव कहित हएन, कि "जउन-जउन बुरी बातँय मनई कइहँय, उनहीं परमातिमा के न्याय करँइ के दिन हरेक निकम्मी बातन के लेखा देंइ परी। 37 काहेकि तूँ पंचे अपनेन बातन के कारन निरदोस, अउर अपनेन बातन के कारन दोसी ठहराए जइहा।"

यीसु से स्वरग के अदभुत चिन्हारी देखामँइ के माँग
(मरकुस 8:11,12; लूका 11:29-32)

38 इआ बात काहीं सुनिके मूसा के बिधान सिखामँइ बाले कुछ जने, अउर कुछ फरीसी लोग यीसु से कहिन, "हे गुरू, हम अपना से एकठे अदभुत चिन्हारी देखँइ चाहित हएन।" 39 इआ सुनिके यीसु उनहीं जबाब दिहिन, कि "इआ जुग के बुरे अउर ब्यभिचारी लोग अदभुत चिन्हारी ढूँढ़त हें, पय योना नबी के जीबन माहीं जउन अदभुत काम परमातिमा किहिन तय, ओखे अलाबा अउर कउनव अदभुत चिन्हारी उनहीं न देखाई जई। 40 जइसन योना नबी तीन दिन अउर तीन रात तक मछरी के पेटे माहीं रहे हँय, उहयमेर मनई के लड़िका घलाय तीन दिना तक रातव-दिन धरती के भीतर रही। 41 नीनवे सहर के मनई, परमातिमा के न्याय करँइ के दिन, इआ समय के मनइन काहीं दोसी ठहरइहँय, काहेकि नीनवे सहर के मनई योना के प्रचार सुनिके, पाप करब छोंड़ दिहिन तय, अउर देखा इहाँ ऊँ हें, जउन योना से घलाय बड़े हँय। 42 इजराइल देस के दक्खिन दिसा के सीबा देस के रानी, परमातिमा के न्याय करँइ के दिन, इआ समय के मनइन के साथ ठाढ़ होइके, उनहीं दोसी ठहरइहँय, काहेकि ऊँ खुब दूरी से इजराइल के राजा सुलैमान के ग्यान के बातँय सुनँय के खातिर आई रही हँय, अउर देखा इहाँ ऊँ हें, जउन राजा सुलैमान से घलाय बड़े हँय।"

अधूरे सुधार से बिपत्ती के आउब
(लूका 11:24-26)

43 "जब बुरी आत्मा मनई से बहिरे निकर जात ही, तब अराम करँइ के खातिर झुरान जघा ढूँढ़त फिरत ही, अउर उआ बुरी आत्मा जब झुरान जघा नहीं पाबय। 44 त कहत ही, कि 'हम अपने उहय घर माहीं लउटि जाब, जहाँ से निकरिके आएन तय।' अउर उआ बुरी आत्मा लउटिके उआ घर काहीं खाली, झारा बटोरा, अउर सजा-सजाबा पाबत ही। 45 तब उआ जाइके, अपने से अउर बुरी सातठे आत्मन काहीं अपने साथ लइ आबत ही, अउर उआ मनई के भीतर सगली सकाइके रहँय लगती हँय, अउर उआ मनई के हालत पहिले से अउर जादा खराब होइ जात ही। इआ समय के बुरे मनइन के दसा घलाय इहइमेर होई।"

यीसु के महतारी अउर भाई
(मरकुस 3:31-35; लूका 8:19-21)

46 जब यीसु भीड़ के मनइन से ईं बातँय करतय रहे हँय, कि तबहिनय उनखर महतारी अउर भाई लोग बहिरे ठाढ़ भें, अउर ऊँ पंचे यीसु से बात करँइ चाहत रहे हँय। 47 तब कोऊ आइके यीसु से बताइस; कि देखी, अपना के महतारी अउर भाई लोग बहिरे ठाढ़ हें, अउर अपना से बात करँइ चाहत हें। 48 इआ सुनिके यीसु बोलामँइ बालेन से कहिन, "हमार महतारी अउर भाई को आहीं?" 49 अउर अपने चेलन कइती अँगुरि आइके कहिन; "देखा हमार महतारी अउर भाई लोग ईं पंचे आहीं। 50 काहेकि जे कोऊ स्वरग माहीं रहँइ बाले हमरे पिता परमातिमा के मरजी के मुताबिक चलत हय, उहय हमार भाई, बहिनी अउर महतारी आय।"

बीज बोमँइ बाले किसान के उदाहरन
(मरकुस 4:1-9; लूका 8:4-8)

13 उहय दिन यीसु घर से बहिरे निकरें अउर जाइके झील के किनारे बइठिगें। 2 तब उनखे लघे अइसन बड़ी भीड़ एकट्ठा होइगे, कि यीसु काहीं झील म एकठे नाव म चढ़िके बइठँय परिगा, अउर सगली भीड़ भुँइन माहीं झील के किनारे ठाढ़ रहिगे। 3 अउर यीसु उदाहरन दइ-दइके उनहीं खुब बातँय सिखामँइ लागें, अउर कहिन, कि "देखा, एकठे बीज बोमँइ

बाला बीज बोमँइ निकरा 4 अउर बोबत समय कुछ बीज गइल के किनारे
गिरिगें, अउर पच्छी आइके उनहीं खाय लिहिन। 5 कुछ बीज पथरही भुँइ
माहीं गिरें, जहाँ उनहीं खुब माटी नहीं मिली, अउर गहिल माटी न मिलँइ के
कारन ऊँ हरबी जामि आएँ, 6 अउर जब सुरिज उआ, तब ओखे तेज घाम के
कारन ऊँ जरिगें, अउर जर मजबूत न होंइ के कारन झुराइगें। 7 कुछ बीज
जरबइलन म गिरें, अउर जामि आएँ, पय ऊँ जरबइला बाढ़िके उनहीं दबाय
लिहिन। 8 पय कुछ बीज निकही भुँइ माहीं गिरें, अउर जामि आएँ अउर
बाढ़िके खुब फरें; कउनव बिरबा सव गुना, कउनव साठ गुना, कउनव तीस
गुना। 9 जेखर सुनँय के मन होय, उआ बड़े ध्यान से सुन लेय।"

उदाहरनन के उद्देस्य

(मरकुस 4:10-12; लूका 8:9,10)

10 चेला लोग यीसु के लघे आइके पूछँइ लागें, कि "अपना भीड़ के मनइन
से काहे उदाहरनन माहीं बात करित हएन?" 11 तब यीसु उनहीं जबाब
दिहिन, कि "परमातिमा के राज के जउने बातन काहीं दूसर लोग नहीं
जानँय, ऊँ बातन काहीं परमातिमा तोहईं समझाइन हीं, पय उनहीं नहीं।"
12 काहेकि "जे कोऊ परमातिमा के बचन काहीं अउर निकहा से जानँइ के
कोसिस करत हय, परमातिमा ओही अउर आत्मिक ग्यान देत हें, पय जे
कोऊ परमातिमा के बचन काहीं जानँइ के कोसिस नहीं करय, त ओखे लघे
जउन ग्यान रहत हय, उहव बिसरि जात हय।" 13 एसे हम उनसे उदाहरनन
माहीं बात करित हएन, काहेकि "ऊँ पंचे परमातिमा के महिमा काहीं देखत
हें", पय देखेव से जाने नहीं पामँय, अउर "अपने कानन से सुनत हें, पय
सुनेव से नहीं समझे पामँय।" 14 जउने उनखे बारे माहीं यसायाह नबी के
व्दारा बताबा, परमातिमा के सँदेस पूर होय: कि "तूँ पंचे अपने कान से त
सुनिहा, पय समझे न पइहा; अउर अपने आँखिन से देखिहा, पय तोंहरे
समझ माहीं न अई।
15 काहेकि इनखर मन मोट होइगा हय, अउर इनहीं कम सुनाँय लाग हय,
अउर ईं पंचे आपन आँखी मूँद लिहिन ही; कहँव अइसा न होय कि ईं पंचे
अपने आँखिन से देखँइ, अउर कान से सुनँय अउर मन से समझँय, अउर
पाप करब छोंड़ि देंय, अउर हम इनहीं नीक कइ देई †।"
16 पय धन्य हईं तोंहार पंचन के आँखी, जउन परमातिमा के महिमा काहीं
देखती हईं; अउर धन्य हें, तोंहार पंचन के कान जउन बचन सुनत हें।
17 काहेकि हम तोंहसे सही कहित हएन, कि बहुत से परमातिमा के सँदेस
बतामँइ बाले, अउर धरमी लोग, इआ चाहत रहे हँय, कि जउन बातँय तूँ पंचे
देखते हया, देखी, पय नहीं देखे पाइन, अउर जउन बातँय तूँ पंचे सुनते हया,
सुनी, पय नहीं सुने पाइन।

बीज बोमँइ बाले किसान के उदाहरन के मतलब

(मरकुस 4:13-20; लूका 8:11-15)

18 "अब तूँ पंचे बीज बोमँइ बाले के उदाहरन के मतलब का आय, सुना।
19 जे कोऊ परमातिमा के राज के बचन काहीं सुनिके, नहीं समझे पाबय, त
ओखे मन माहीं जउन कुछू बचन बोबा ग रहा हय, ओही उआ दुस्ट सइतान
आइके बिसराय देत हय; ईं उँइन मनई आहीं, जउन गइल के किनारे बोए
बीज कि नाईं होत हें। 20 अउर उहयमेर कुछ लोग पथरही जमीन माहीं बोए
बीज कि नाईं होत हें, जउन परमातिमा के बचन काहीं सुनिके तुरन्तय मारे
उराव के अपनाय लेत हें। 21 पय अपने जीबन माहीं परमातिमा के बचन
काहीं गहराई से लागू नहीं करँइ, एसे कुछ दिनन तक मानत हें, पय बाद
माहीं जबहिन परमातिमा के बचन के कारन दुख अउर कस्ट मिलत हें, त ऊँ
पंचे हरबिन परमातिमा के बचन काहीं मानब छोंड़ि देत हें। 22 अउर जउन
जरबइलन माहीं बोए बीज कि नाईं हें, ऊँ ईं आहीं, जउन परमातिमा के
बचन काहीं सुनिन, पय संसारिक चिन्ता, अउर धन के लालच माहीं फँसिके,
परमातिमा के बचन काहीं दबाय देत हें, अउर ऊँ पंचे बिना फर के बिरबा कि
नाईं होइ जात हें। 23 पय जउन निकही भुँइ माहीं बोए बीज कि नाईं होत हें,
ऊँ पंचे ईं आहीं, जउन परमातिमा के बचन काहीं सुनिके पूरे बिसुआस के
साथ अपनाबत हें, अउर कोऊ तीस गुना, कोऊ साठ गुना, अउर कोऊ सव
गुना फर लइ आबत हें।"

जंगली बीज के उदाहरन

24 यीसु उनहीं पंचन काहीं एकठे अउर उदाहरन बताइन: कि "स्वरग के
राज उआ मनई कि नाईं हय, जउन अपने खेत माहीं निकहा बीज बोइस।
25 पय जब सगले मनई सोबत रहे हँय, तब ओखर बइरी आइके गोहूँ के बीच
माहीं जंगली बीज बोइके चला ग। 26 जब गोहूँ जाम, अउर उनमा बाली
निकरीं, तब खेत माहीं जंगली बीज के बिरबा घलाय देखाँइ लागें। 27 तब
खेत के मालिक के लघे, ओखर दास आइके कहँइ लागें, कि 'हे मालिक,
अपना त खेत माहीं निकहा बीज बोयन रहा हय, पय खेत माहीं जंगली बीज
के बिरबा कहाँ से आइगें?' 28 तब उआ मालिक उनसे कहिस, कि 'इआ
काम हमरे कउनव बइरी के आय।' इआ सुनिके ओखर दास कहिन, कि
'अगर अपना के मरजी होय त हम पंचे जाइके ऊँ जंगली बीज के बिरबन
काहीं उँखाड़ डारी।' 29 तब उआ मालिक कहिस, 'अइसा न करा, कहँव
अइसा न होय, कि तूँ पंचे जंगली बीज के बिरबन काहीं उखाड़त माहीं,
उनखे साथ गोहूँ के बिरबन काहीं घलाय उँखाड़ ल्या। 30 कटाई तक दोनव
काहीं एक साथय बाढ़ँय द्या, अउर जब कटाई के समय अई, तब हम काटँय
बालेन से कहि देब: कि पहिले जंगली बीज के बिरबन काहीं काटिके उनहीं
जलामँइ के खातिर बोझा बाँधि ल्या, अउर गोहूँ काहीं हमरे भन्डार घर माहीं
एकट्ठा करा।"

राई के बीज के उदाहरन

(मरकुस 4:30-32; लूका 13:18,19)

31 यीसु पुनि उनहीं पंचन काहीं एकठे अउर उदाहरन बताइन, कि "स्वरग
के राज एकठे राई के दाना कि नाईं हय, जउने काहीं लइके कउनव मनई
अपने खेत माहीं बोय दिहिस। 32 उआ राई के दाना सगले बीजन से छोट त
होत हय, पय जब उआ जामिके बाढ़ जात हय, त उआ सगले साग-सब्जिन
से बड़ा होइ जात हय, अउर अइसन बिरबा होइ जात हय, कि अकास माहीं
उड़ँइ बाले पच्छी आइके ओखे डेरइअन माहीं बसेर डारत हें।"

खमीर के उदाहरन

(लूका 13:20,21)

33 यीसु उनहीं पंचन काहीं एकठे अउर उदाहरन बताइन; कि "स्वरग के
राज खमीर कि नाईं हय, जउने काहीं थोरी क लइके कउनव मेहेरिआ, तीन
पसेरी पिसान माहीं मिलाय दिहिस, अउर उआ धीरे-धीरे सगले पिसान माहीं
फइलिके ओही आमिल कइ दिहिस अउर बढ़ाय दिहिस।"

उदाहरनन के उपयोग के बारे माहीं यीसु के बताउब

(मरकुस 4:33,34)

34 यीसु ईं सगली बातन काहीं उदाहरनन माहीं मनइन से बताइन, अउर
बिना उदाहरन के कउनव बात उनसे नहीं बताबत रहे आहीं। 35 अइसन यीसु
एसे करत रहे हँय, जउने परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन के व्दारा जउन
बचन कहा ग रहा हय, उआ पूर होय, कि
"हम हरेक बातन काहीं उदाहरन के व्दारा बताउब, अउर हम ऊँ बातन
काहीं घलाय बताउब, जउन संसार के बनामँइ से पहिले गुप्त रही हँय।"

जंगली बीज के उदाहरन के बखान

36 ओखे बाद यीसु सगली भीड़ काहीं उहँइ छोंड़िके, जहाँ रहत रहे हँय
उआ घर माहीं आएँ, तब उनखर चेला लोग उनखे लघे आइके कहिन,
"अपना खेत माहीं बोए जंगली बीज के उदाहरन के बारे माहीं हमहीं

† *13:15 यसा 6:9,10*

समझाई।" 37 तब यीसु उनसे कहिन, कि "निकहा बीज काहीं बोमँइ बाला
मनई के लड़िका आय। 38 खेत संसार आय, अउर निकहा बीज परमातिमा
के राज के सन्तान आहीं, अउर जंगली बीज दुस्ट के सन्तान आहीं। 39 जउन
बइरी आइके उनहीं बोइस ही, उआ सइतान आय; अउर कटाई करब संसार
के अन्त आय: अउर काटँय बाले स्वरगदूत आहीं। 40 एसे जइसन जंगली
बीज के बिरबन काहीं काटिके जलाबा जात हय, उहइमेर संसार के अन्त
माहीं होई। 41 मनई के लड़िका अपने स्वरगदूतन काहीं पठइहँय, अउर ऊँ
पंचे उनखे राज म से ऊँ सगलेन काहीं जउन दुसरे मनइन काहीं पाप करँइ
के खातिर उकसाबत हें, अउर कुकर्मिन काहीं घलाय एकट्ठा करिहँय।
42 अउर उनहीं आगी के कुंड माहीं डरिहँय, उहाँ रोउब अउर दाँत पीसब भर
रहि जई। 43 उआ समय परमातिमा के नजर माहीं निरदोस मनई, अपने
पिता परमातिमा के राज माहीं, सुरिज कि नाईं चमकिहँय; जेखर सुनँय के
मन होय, उआ बड़े ध्यान से सुन लेय।"

भुँइ माहीं गाड़े धन के उदाहरन

44 यीसु उनसे एकठे अउर उदाहरन कहिन, कि "स्वरग के राज खेत माहीं
गाड़े धन कि नाईं हय, जउने काहीं कउनव मनई पाइस, अउर पुनि गाड़
दिहिस, अउर मारे खुसी के जाइके आपन सब कुछ बेंचिके उआ खेत काहीं
खरीद लिहिस।"

अनमोल मोती के उदाहरन

45 यीसु उनहीं एकठे अउर उदाहरन बताइन, कि "स्वरग के राज एकठे
बइपारी कि नाईं हय, जउन निकहे मोती के खोज माहीं रहा हय। 46 जब
ओही एकठे अनमोल मोती मिला, त उआ जाइके आपन सब कुछ बेंच
डारिस अउर उआ मोती काहीं खरीद लिहिस।"

एकठे बड़े जाल के उदाहरन

47 यीसु उनहीं एकठे अउर उदाहरन बताइन, कि "स्वरग के राज एकठे
बड़े जाल कि नाईं हय, जउन समुद्र माहीं डारा ग, अउर हरेकमेर के मछरिन
काहीं समेटि लाबा। 48 अउर जब जाल भरिगा, तब मछरी पकड़ँइ बाले
ओही किनारे माहीं खींचि लाएँ, अउर बइठिके निकही-निकही मछरिन काहीं
त टोपरिन माहीं भर लिहिन, पय खराब-खराब मछरिन काहीं फेंकि दिहिन।
49 संसार के अन्त माहीं इहइमेर होई, स्वरगदूत आइके दुस्ट मनइन काहीं
धरमिन से अलग करिहँय। 50 अउर उनहीं आगी के कुंड माहीं डार देइहँय,
उहाँ रोउब अउर दाँत पीसब भर रहि जई।"

पुरान अउर नई सिच्छा के महत्व

51 यीसु उनसे पुनि कहिन, कि "का तूँ पंचे इआ बात काहीं समझ गया?
ऊँ पंचे कहिन, कि हाँ।" 52 तब यीसु उनसे कहिन, कि "एसे हरेक यहूदी
बिधान सिखामँइ बाला, जउन स्वरगराज के चेला बना हय, उआ, घर के
उआ मालिक कि नाईं हय, जउन अपने भन्डार से नई अउर पुरान चीजँय
निकारत हय।"

नासरत गाँव माहीं यीसु के अपमान

(मरकुस 6:1-6; लूका 4:16-30)

53 जब यीसु सगले उदाहरन बताय चुके, तब उहाँ से चलेगें। 54 अउर
अपने गाँव नासरत माहीं आइके, उनखे सभाघर माहीं अइसन उपदेस देंइ
लागें; कि ऊँ पंचे उनखे उपदेस काहीं सुनिके चउआइगें, अउर कहँइ लागें;
कि "इनहीं इआ ग्यान कहाँ से मिलिगा, अउर अचरज के काम करँइ के
सामर्थ कहाँ से मिली हय? 55 काहे ईं बढ़ई के लड़िका न होंहीं? अउर का
इनखे महतारी के नाम मरियम, अउर इनखे भाइन के नाम याकूब, यूसुफ,
समौन अउर यहूदा नहिं आय? 56 अउर का इनखर सगली बहिनी हमरे पंचन
के बीच माहीं नहीं रहतीं? त पुनि इनहीं इआ सब कहाँ से मिलिगा?" 57 एसे
ऊँ पंचे यीसु के ऊपर बिसुआस नहीं किहिन, पय यीसु उनसे कहिन, कि
"कउनव परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले के, अपने गाँव अउर घर-परिबार
काहीं छोंड़िके अउर कहँव अपमान नहीं होय।" 58 अउर ऊँ पंचे यीसु के
ऊपर बिसुआस नहीं किहिन, इआ कारन से यीसु उहाँ खुब अचरज के काम
नहीं किहिन।

यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के कतल

(मरकुस 6:14-29; लूका 9:7-9)

14 हेरोदेस राजा अपने भाई फिलिप्पुस के मेहेरिआ हेरोदियास के
कारन, यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले काहीं पकड़बाइके बँधबाइन,
अउर ओखे बाद जेल माहीं डरबाय दिहिन तय। 2 काहेकि यूहन्ना बपतिस्मा
देंइ बाले कइअक बेरकी उनसे कहिन तय, कि "अपने भाई के जिन्दय ओखे
मेहेरिआ काहीं राखब तोंहईं उचित नहिं आय।" 3 इआ कारन से हेरोदेस
राजा उनहीं मारि डारँय चाहत रहे हँय, पय मनइन से डेरात रहे हँय, काहेकि
ऊँ पंचे यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले काहीं परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले
मानत रहे हँय। 4 पय जब राजा हेरोदेस के जनम दिन आबा, तब हेरोदियास
के बिटिया सभा माहीं नाच देखाइके, हेरोदेस राजा काहीं खुसी कइ दिहिस।
5 एसे हेरोदेस राजा कसम खाइके बचन दिहिन, कि "तूँ जउन कुछू मगिहा,
हम ओही तोहईं जरूर देब।" 6 तब उआ बिटिया अपने महतारी हेरोदियास
के उकसाए से कहिस, कि "अपना हमहीं यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के मूँड़
टठिआ माहीं धइके मगबाय देई।" 7 इआ सुनिके राजा हेरोदेस खुब दुखी भें,
पय अपने कसम खाँय के कारन, अउर साथ माहीं बइठँय बाले के कारन,
सेबकन काहीं हुकुम दिहिन कि, "यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के मूँड़
कटबाइके, उआ बिटिया काहीं दइ दीन जाय।" 8 तब ऊँ सिपाहिन काहीं
जेल माहीं पठइके, यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के मूँड़ कटबाय लिहिन।
9 अउर उनखर मूँड़ टठिया माहीं धइके लइ आबा ग, अउर उआ बिटिया
काहीं दइ दीनगा; तब उआ बिटिया ओही अपने महतारी के लघे लइगे।
10 इआ बात काहीं जानिके यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के चेला लोग, आइके
उनखे लहास काहीं लइ जाइके गाड़ दिहिन, अउर जाइके इआ बात यीसु
काहीं बताइन।

11 जब चउथाई देस के राजा हेरोदेस, यीसु के बारे माहीं सुनिन। 12 तब
अपने सेबकन से कहिन, "ईं यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले आहीं, जउन मरेन म
से जिन्दा होइगे हँय, इहयकारन से ऊँ अचरज के काम कइके देखाबत हें।"

यीसु पाँच हजार मनइन काहीं खाना खबाइन

(मरकुस 6:30-44; लूका 9:10-17; यूहन्ना 6:1-14)

13 जब यीसु इआ बात काहीं सुनिन, त नाव म चढ़िके सुनसान जघा माहीं
एकान्त माहीं चलेगें; अउर इआ बात काहीं खुब मनई जानिगें, एसे ऊँ पंचे
अपने-अपने सहरन से आइके, पइदलय यीसु के पीछे चल दिहिन। 14 अउर
जब यीसु उहाँ से बहिरे निकरें, त खुब बड़ी भीड़ देखिन, तब यीसु काहीं
उनखे ऊपर बड़ी दया आइगे, अउर उनखे साथ माहीं आए बिमारन काहीं
नीक कइ दिहिन। 15 जब साँझ होइगे, त उनखर चेला लोग उनखे लघे
आइके कहिन, कि "इआ सुनसान जघा ही, अउर साँझ होंइ लाग ही, एसे
मनइन काहीं बिदा करी। जउने ऊँ पंचे आस-पास के मोहल्लन म जाइके
अपने खातिर खाना खरीद लेंय।" 16 पय यीसु उनसे कहिन, कि "उनखर
जाब जरूरी नहिं आय, तुहिन पंचे इनहीं खाँइका द्या।" 17 तब चेला लोग
यीसु से कहिन, "इहाँ हमरे लघे पाँचठे रोटी अउर दुइठे मछरिन काहीं
छोंड़िके, अउर कुछू नहिं आय।" 18 तब यीसु उनसे कहिन, कि "उनहीं इहाँ
हमरे लघे लइ आबा।" 19 अउर भीड़ के मनइन से कहिन, कि "चारय माहीं
बइठि जा।" अउर उन पाँचठे रोटी अउर दोनहूँ मछरिन काहीं लिहिन; अउर
स्वरग कइती निहारिके धन्यबाद दिहिन, अउर रोटिन काहीं टोरि-टोरिके
चेलन काहीं दिहिन, अउर चेला लोग, सगले मनइन काहीं परस दिहिन।
20 अउर जब सगले जन खाइके संतुस्ट होइगें, तब चेला लोग खाए से बचे

रोटिन के टुकड़न काहीं बारा टोपरी भरिके उठाय लाएँ। 21 अउर खाँइ बइठ
मनइन माहीं, मेहेरिआ अउर लड़िकन काहीं छोंड़े, पाँच हजार के करीब
मंसेरुआ रहे हँय।

पानी माहीं यीसु के रेंगब

(मरकुस 6:45-52; यूहन्ना 6:15-21)

22 ओखे बाद यीसु तुरन्तय अपने चेलन काहीं नाव माहीं चढ़ँइ के खातिर
मजबूर किहिन, कि ऊँ पंचे उनसे पहिले झील के दुसरे पार चले जाँय, जब
तक ऊँ भीड़ के मनइन काहीं बिदा करँय। 23 अउर यीसु भीड़ के मनइन
काहीं बिदा कइके, प्राथना करँइ के खातिर अकेलेन पहार माहीं चढ़िगें;
अउर साँझिके ऊँ उहाँ अकेलेन रहे हँय। 24 अउर तब तक नाव झील के बीच
माहीं पहुँचिगे रही हय, अउर सँउहेन से तेज हबा चलत रही हय, एसे नाव
लहरन से डगमगात रही हय। 25 तबहिनय यीसु भिनसरहय करीब तीन से
छय बजे के बीच, झील के पानी माहीं रेंगत उनखे लघे आएँ। 26 तब चेला
लोग उनहीं झील के पानी माहीं रेंगत देखिके घबराइगें! अउर कहँइ लागें,
"उआ भूत आय।" अउर डेरन के मारे चिल्लाय उठें। 27 तब यीसु तुरन्तय
उनसे बात किहिन, अउर कहिन, "हिम्मत बाँधा; डेरा न; हम आहेन।"
28 तब पतरस उनहीं जबाब दिहिन, "हे प्रभू, अगर अपनय आहेन, त हमहीं
अपने लघे पानी माहीं रेंगिके आमँइ के हुकुम देई।" 29 तब यीसु उनसे
कहिन, "आबा" तब पतरस नाव से उतरिके यीसु के लघे जाँइ के खातिर,
पानी माहीं रेंगँइ लागें। 30 पय तेज आँधी काहीं देखिके डेराइगें, अउर जब
पानी माहीं बूड़ँइ लागें, तब चिल्लाइके कहिन, "हे प्रभू, हमहीं बचाई।"
31 तब यीसु तुरन्तय आपन हाँथ बढ़ाइके उनहीं पकड़ लिहिन, अउर उनसे
कहिन, "हे अल्प बिसुआसी, तूँ काहे अपने मन माहीं संका किहा?" 32 जब
ऊँ दोनव जने नाव माहीं चढ़िगें, तब आँधी बन्द होइगे। 33 इआ देखिके जेतने
जने नाव माहीं चढ़े रहे हँय, सगले जने उनखे गोड़न गिरिके कहिन;
"सचमुच अपना परमातिमा के लड़िका आहेन।" 34 अउर ऊँ पंचे झील के
दुसरे पार गन्नेसरत प्रदेस माहीं पहुँचे। 35 अउर उहाँ के रहँइ बाले मनई उनहीं
पहिचान लिहिन, अउर आस-पास के सगले गाँमन माहीं खबर पठबाय
दिहिन, कि यीसु इहँय हें, एसे उहाँ के खुब मनई, बिमारन काहीं उनखे लघे
लइ आएँ। 36 अउर यीसु से बिनती करँइ लागें, कि अपना बिमारन काहीं,
अपने ओन्हा के छोरव काहीं छुइ लेंइ देई: अउर जेतने जने उनहीं छुइन, ऊँ
सगले जन नीक होइगें।

रीति-रिबाजन काहीं मानँइ के बारे माहीं प्रस्न

(मरकुस 7:1-13)

15 तब यरूसलेम सहर से कुछ फरीसी लोग अउर मूसा के बिधान
सिखामँइ बाले यीसु के लघे आइके पूँछँइ लागें, 2 कि "अपना के
चेला लोग बाप-दादन के रीति-रिबाजन काहीं काहे नहीं मानँय, बिना हाँथ
धोए खाना खात हें?" 3 तब यीसु उनहीं जबाब दिहिन, कि "अपने रीति-
रिबाजन काहीं मानँइ के कारन तुहूँ पंचे परमातिमा के हुकुम के उलंघन काहे
करते हया? 4 काहेकि परमातिमा कहिन हीं, कि 'अपने महतारी-बाप के
मान-सम्मान किहा', अउर 'जे कोऊ अपने महतारी-बाप के अपमान करय,
त ओही जरूर मारि डारा जाय।' †5 पय तूँ पंचे कहते हया, कि अगर कोऊ
अपने महतारी-बाप से कहय, कि 'जउन कुछू फायदा तोहईं पंचन काहीं
हमसे मिल सकत रहा हय, त ओही हम परमातिमा काहीं भेंट चढ़ाय दिहेन
हय', 6 त पुनि उआ अपने महतारी-बाप काहीं कुछू नहीं दइ सकय। इआमेर
से तूँ पंचे, अपने रीति-रिबाजन काहीं मानँइ के कारन, परमातिमा के बचन
काहीं इनकार कइ देते हया। 7 हे कपटिव, परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले
यसायाह तोंहरे बारे माहीं इआ भबिस्सबानी ठीकय किहिन हीं:
8 'ईं पंचे मुँहे से त हमार मान-सम्मान करत हें, पय अपने मन से हमार
मान-सम्मान नहीं करँय।
9 अउर ईं पंचे बेकार माहीं हमार उपासना करत हें, काहेकि मनइन के
नेमन काहीं, परमातिमा के नेम आय, इआ कहिके सिखाबत हें' ††।"

मनइन काहीं असुद्ध करँइ बाली बातँय

10 तब यीसु मनइन काहीं अपने लघे बोलाइके कहिन, "सुना, अउर
समझा: 11 जऊँ मनई के मुहें से पेटे के भीतर जात हय, उआ मनई काहीं
असुद्ध नहीं करय, बलकिन जउन बातँय मनई के मुहें से (मन से) निकरती
हईं, केबल उँइन बातँय मनई काहीं परमातिमा के नजर माहीं असुद्ध करती
हईं।" 12 तब चेला लोग आइके यीसु से कहिन, "का अपना जानित हएन,
कि अपना के इआ बचन काहीं सुनिके फरीसी लोग बड़ा नागा मानिन हीं?"
13 तब यीसु उनहीं इआ जबाब दिहिन, कि "हरेक बिरबा जउने काहीं स्वरग
माहीं रहँइ बाले हमार पिता नहीं लगाइन आय, उआ उँखाड़ा जई। 14 उनहीं
जाँइ द्या; काहेकि ऊँ पंचे गइल बतामँइ बाले आँधर मनई कि नाईं हें, त इआ
बताबा कि अगर एकठे आँधर मनई दुसरे आँधर मनई काहीं गइल बताई, त
का ऊँ दोनव जने गड्ढा माहीं न गिर परिहँय?"
15 इआ सुनिके पतरस यीसु से कहिन, "इआ उदाहरन हमहीं पंचन काहीं
समझाय देई।" 16 तब यीसु कहिन, "का तूँ पंचे अबय तक नदान बने हया?
17 का तूँ पंचे इआ नहीं जनते आह्या, कि जउन कुछू मुहें से पेट माहीं जात
हय, त उआ टट्टी से बहिरे निकर जात हय? 18 पय जउन कुछू मुहें से
निकरत हय, उआ मन से निकरत हय, अउर उहय मनई काहीं परमातिमा के
नजर माहीं असुद्ध करत हय। 19 काहेकि घिनहे बिचार करब, कतल करब,
दुसरे के मेहेरिआ से नजायज सम्बन्ध रक्खब, ब्यभिचार करब, चोरी करब,
लबरी गबाही देब, अउर दुसरे के बुराई करब, ईं सगली बातँय करँइ के
बिचार मनय से निकरत हय। 20 ईंन सगली बातँय मनई काहीं असुद्ध करती
हईं, पय अपने रीति-रिबाज के मुताबिक बिना हाँथ धोए खाना खाए से,
कउनव मनई परमातिमा के नजर माहीं असुद्ध नहीं होय।"

गैरयहूदी मेहेरिआ के बिसुआस

(मरकुस 7:24-30)

21 पुनि यीसु उहाँ से निकरिके, सूर अउर सैदा प्रदेसन कइती चलेगें।
22 अउर उआ प्रदेस से कनानी समाज के एकठे मेहेरिआ आई, अउर
चिल्लाइके कहँइ लाग, "हे प्रभू! राजा दाऊद के सन्तान, हमरे ऊपर दया
करी! हमरे बिटिया काहीं बुरी आत्मा खुब सताय रही हय।" 23 पय यीसु
ओही कुछू जबाब नहीं दिहिन। तब यीसु के चेला लोग उनखे लघे आइके
उनसे बिनती किहिन, कि "ओही बिदा करी, काहेकि उआ हमरे पीछे
चिल्लात आय रही हय।" 24 तब यीसु उनहीं जबाब दिहिन, "इजराइल के
मनइन काहीं छोंड़िके जउन भटकी गाड़र कि नाईं हें, हम अउर कोहू के लघे
नहीं पठए गएन आय।" 25 पय उआ मेहेरिआ आई, अउर यीसु के गोड़न
गिरिके कहँइ लाग, "हे प्रभू हमार मदत करी।" 26 तब यीसु ओही जबाब
दिहिन, "लड़िकन ‡ के रोटी लइके कुकुरन के आँगे डारब उचित नहिं
आय।" 27 तब उआ मेहेरिआ कहिस, "इआ बात सही आय प्रभू, पय
कुकुरव ऊँ चुरकुन काहीं खात हें, जउन उनखे मालिकन के खात माहीं गिर
जात हें।" 28 इआ बात काहीं सुनिके यीसु उआ मेहेरिआ काहीं जबाब
दिहिन, "हे बहिनी, तोंहार बिसुआस बड़ा हय। जइसन तूँ चहते हया,
उहयमेर तोंहरे खातिर होय।" अउर ओखर बिटिया ओतनिनदार नीक
होइगे।

कइयकठे बिमारन काहीं नीक करब

29 पुनि यीसु उहाँ से चलिके गलील प्रदेस के झील के लघे गें, अउर पहार
के ऊपर चढ़िके बइठिगें। 30 तब खुब मनई उनखे लघे आएँ। अउर ऊँ पंचे
अपने साथ लँगड़न, अँधरन, गूँगन, अपहिजन काहीं, अउर दुसरेव मेर के

† *15:4 निरग 20:12; लैब्य 20:9; ब्यब 5:16*

†† *15:9 यसा 29:13* ‡ *यहूदी लोगन के तुलना लड़िकन से कीन गे ही, अउर गैरयहूदी लोगन के तुलना कुकुरन से कीन गे ही।*

बिमारन काहीं घलाय, यीसु के लघे लइ आएँ, अउर उनहीं उनखे गोड़ेन माहीं गिराय दिहिन, अउर यीसु ऊँ बिमारन काहीं नीक कइ दिहिन। 31 जब मनई देखिन कि गूँगा मनई बोलँइ लागत हें, अउर अपाहिज निकहे होइ जात हें, लाँगड़ चलँइ लागत हें, अउर आँधर देखँइ लागत हें, त ऊँ पंचे अचरज मानिके, इजराइल के परमातिमा के बड़ाई करँइ लागें।

यीसु चार हजार मनइन काहीं खाना खबाइन

(मरकुस 8:1-10)

32 यीसु अपने चेलन काहीं अपने लघे बोलाइके कहिन, "हमहीं इआ भीड़ के मनइन के ऊपर बड़ी दया आबत ही, काहेकि ईं पंचे तीन दिना से हमरे साथ हें, अउर इनखे लघे खाँय के खातिर कुछू हइअव नहिं आय। अउर हम इनहीं भूँखे बिदा नहीं करँइ चाही, कहँव अइसा न होय, कि ईं पंचे बिहोस होइके गइलय माहीं परे रहि जाँय।" 33 तब चेला लोग यीसु से कहिन, "इआ सुनसान जघा माहीं हमहीं पंचन काहीं एतनी रोटी कहाँ से मिली, कि हम पंचे एतनी बड़ी भीड़ के मनइन काहीं खबाइके संतुस्ट करी?" 34 तब यीसु चेलन से पूँछिन, "तोंहरे लघे केतनी रोटी हईं?" ऊँ पंचे कहिन, "सातठे रोटी, अउर कुछ छोट-छोट मछरी घलाय हईं।" 35 तब यीसु सगले जनेन काहीं, भुँइ माहीं बइठँय के हुकुम दिहिन। 36 अउर यीसु ऊँ सातठे रोटी, अउर मछरिन काहीं हाँथे म लइके, परमातिमा काहीं धन्यबाद दइके टोरिन, अउर अपने चेलन काहीं देत गें, अउर चेला लोग मनइन काहीं परसत गें। 37 इआमेर से सगले मनई खाइके संतुस्ट होइगें। अउर ओखे बाद चेला लोग, बँचे टुकड़न से सात टोपरी भरिके उठाइन। 38 अउर खाना खाँइ बालेन म मेहेरिअन अउर लड़िकन काहीं छोंड़िके, चार हजार मंसेरुआ रहे हँय। 39 ओखे बाद यीसु उआ भीड़ के मनइन काहीं बिदा कइके, नाव माहीं चढ़िके मगदन प्रदेस काहीं चलेगें।

स्वरग के अदभुत चिन्हारी देखँइ के माँग करब

(मरकुस 8:11-13; लूका 12:54-56)

16 फरीसी लोग, अउर सदूकी लोग, यीसु के लघे आइके उनखर परिच्छा लेंइ के खातिर, उनसे कहिन, "हमहीं स्वरग के कउनव अदभुत चिन्हारी देखाइके, इआ साबित करा, कि परमातिमा तोंहईं पठइन हीं।" 2 तब यीसु उनहीं जबाब दिहिन, "साँझिके तूँ पंचे कहते हया, कि 'मोसम निकहा रही, काहेकि अकास लाल हय', 3 अउर सकारे कहते हया, कि 'आज आँधी अई, काहेकि अकास लाल अउर धूमिल हय।' तूँ पंचे अकास के लच्छनन काहीं देखिके, ओखर भेद बताय सकते हया, पय समयन के चिन्हारिन के भेद काहे नहीं बताय सकते आह्या? 4 इआ जुग के बुरे, अउर ब्यभिचारी लोग, अदभुत चिन्हारी ढूँढ़त हें, †पय योना नबी के जीबन माहीं जउन अदभुत काम परमातिमा किहिन तय, ओखे अलाबा अउर कउनव अदभुत चिन्हारी उनहीं न देखाई जई।" अउर एखे बाद यीसु उनहीं छोंड़िके उहाँ से चलेगें।

फरीसी लोगन अउर सदूकी लोगन के गलत सिच्छा

(मरकुस 8:14-21)

5 अउर चेला लोग झील के उआ पार पहुँचिगे, पय ऊँ पंचे रोटी लेंइ क बिसरिगें तय। 6 यीसु पुनि उनसे कहिन, "देखा, तूँ पंचे फरीसी लोगन अउर सदूकी लोगन के खमीर से सतरक रह्या।" 7 इआ सुनिके चेला लोग आपस माहीं सोच-बिचार कइके कहँइ लागें, कि "हम पंचे रोटी नहीं लइआए आहेन, एसे यीसु अइसन कहत हें।" 8 इआ जानिके यीसु उनसे कहिन, "हे अल्प बिसुआसिव, तूँ पंचे आपस माहीं काहे इआ सोच-बिचार करते हया, कि हमरे लघे रोटी नहिं आय? 9 का तूँ पंचे अबय तक नहीं समझे पाया? का तोहईं पंचन काहीं ऊँ पाँच हजार मनइन के खातिर, पाँचठे रोटिन के सुध नहिं आय, अउर का तोहईं पंचन काहीं इहव सुध नहिं आय, कि केतनी टोपरी रोटी भरिके उठाया तय? 10 अउर का तोंहईं पंचन काहीं ऊँ चार हजार मनइन के खातिर, सातठे रोटिन के सुधि नहिं आय, अउर न इहय सुध आय, कि तूँ पंचे केतनी टोपरी रोटी उठाए रहे हया?" 11 "काहे तूँ पंचे अबहिनव तक नहीं समझे पाया, कि हम तोंहसे रोटी के बारे माहीं न होय कहेन हय, पय इआ कि तूँ पंचे फरीसी लोगन, अउर सदूकी लोगन के खमीर रूपी गलत सिच्छा से सतरक रह्या।" 12 तब उनखे समझ माहीं आबा, कि यीसु रोटी के खमीर से नहीं, पय फरीसी लोगन अउर सदूकी लोगन के गलत सिच्छा से, सतरक रहँइ काहीं कहिन रहा हय।

पतरस सोइकार किहिन कि यीसुअय मसीह आहीं

(मरकुस 8:27-30; लूका 9:18-21)

13 जब यीसु कैसरिया प्रदेस के फिलिप्पी सहर माहीं आएँ, त अपने चेलन से पूँछिन, कि "लोग, मनई के लड़िका काहीं का कहत हें?" 14 तब ऊँ पंचे कहिन, कि "कुछ जने त यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाला, अउर कुछ जने त एलिय्याह नबी कहत हें, अउर कुछ जने त यिर्मयाह नबी, अउर कुछ जने त इआ कहत हें, कि परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन म से एक जने जि आबा हय।" 15 तब यीसु उनसे कहिन, "पय तूँ पंचे हमहीं का कहते हया, कि हम को आहेन?" 16 तब समौन जिनखर नाम पतरस घलाय रहा हय, यीसु से कहिन, "अपना जिन्दा परमातिमा के लड़िका मसीह आहेन।" 17 इआ सुनिके यीसु पतरस से कहिन, "हे समौन, योना के लड़िका, तूँ धन्य हया; काहेकि तोहईं इआ बात कउनव मनई नहीं, बलकिन हमार पिता जउन स्वरग माहीं हें, बताइन हीं। 18 अउर हमहूँ तोंहसे कहित हएन, कि तूँ पतरस †† आह्या, अउर हम इआ पथरा के ऊपर आपन मसीही मन्डली बनाउब, अउर ओही कउनव बइरी इहाँ तक कि अधोलोक घलाय हराय न पाई। 19 हम तोहईं स्वरगराज के चाभिन काहीं देब, अउर जउने बात माहीं तूँ पंचे धरती माहीं हामी भरिहा, त उआ बात माहीं स्वरग माहीं रहँइ बाले परमातिमा घलाय हामी भरिहँय; अउर जउने बात माहीं तूँ धरती माहीं नाहीं करिहा, त उआ बात माहीं स्वरग माहीं रहँइ बाले परमातिमा घलाय नाहीं करिहँय।" 20 तब यीसु अपने चेलन काहीं चेताइके कहिन, कि "इआ बात कोहू से न बताया, कि हम मसीह आहेन।"

अपने मउत के बारे माहीं यीसु के भबिस्सबानी

(मरकुस 8:31-33; लूका 9:22-27)

21 उआ समय से यीसु अपने चेलन काहीं बतामँइ लागें, कि "इआ जरूरी हय, कि हम यरूसलेम सहर काहीं जई, अउर यहूदी धारमिक अँगुअन अउर प्रधान याजकन, अउर मूसा के बिधान सिखामँइ बालेन के व्दारा खुब दुख उठाई, अउर मारि डारे जई, अउर तिसरे दिना जिन्दा होइ जई।" 22 इआ बात काहीं सुनिके पतरस यीसु काहीं अलग लइ जाइके डाँटँइ लाग, कि "हे प्रभू, परमातिमा अइसन कबहूँ न करँय! अउर अपना के साथ अइसन कबहूँ न होई।" 23 तब यीसु मुड़िके पतरस से कहिन, "हे सइतान हमरे आँगे से दूरी होइजा, तँय हमरे खातिर ठोकर के कारन आहे, काहेकि तँय परमातिमा के बातन माहीं नहीं, बलकिन मनइन के बातन माहीं मन लगउते हए।" 24 तब यीसु अपने चेलन से कहिन, "जे कोऊ हमरे पीछे आमँइ चाहय, उआ अपने मन के मुताबिक जिअब छोंड़िके, हरेक दिन अपने सब दुख तकलीफन काहीं सहिके जऊँ क्रूस के बराबर हें, हमरे पीछे चलय। 25 काहेकि जे कोऊ आपन प्रान बचामँइ चाही, उआ ओही गमाय देई; अउर जे कोऊ हमरे खातिर आपन प्रान तक देंइ काहीं तइआर रही, उआ ओही पुनि पाई। 26 अगर कउनव मनई सगले संसार के मालिक होइ जाय, अउर आपन प्रान गमाय देय, त ओही का फायदा होई? अउर मनई आपन प्रान बचामँइ के बदले माहीं का दइ सकत हय? 27 हम ईं सगली बातन काहीं एसे कहित हएन, कि जब मनई के लड़िका, अपने पिता परमातिमा के महिमा माहीं, स्वरगदूतन के साथ अइहँय, उआ समय, 'ऊँ हरेक जन काहीं उनखे

† *योना नबी के किताब माहीं अपना पंचे पढ़ सकित हएन।*

†† *पतरस अरथात पथरा*

कामन के मुताबिक प्रतिफल देइहँय।' 28 हम तोंहसे सही कहित हएन, कि
जउन इहाँ ठाढ़ हें, उनमा से कुछ जने अइसन हें, कि जब तक मनई के
लड़िका काहीं, राज करँइ के खातिर आबत न देख लेइहँय, तब तक बेलकुल
न मरिहँय।"

यीसु के रूप बदलब

(मरकुस 9:2-13; लूका 9:28-36)

17 छय दिना के बाद यीसु, पतरस अउर याकूब अउर याकूब के भाई
यूहन्ना काहीं, अपने साथ माहीं लिहिन, अउर उनहीं एकठे ऊँच
पहार माहीं एकान्त म लइगें। 2 अउर उहाँ उनखे अँगुअय यीसु के रूप
बदलिगा, अउर उनखर मुँह सुरिज कि नाईं चमकँइ लाग, अउर उनखर
ओन्हा उँजिआर कि नाईं उजर होइगा। 3 अउर तिनहूँ चेला मूसा नबी, अउर
एलिय्याह नबी काहीं यीसु के साथ बातँय करत देखिन। 4 इआ देखिके
पतरस यीसु से कहिन, कि "हे प्रभू, हमार पंचन के इहाँ रहब निकहा हय।
अगर अपना के मरजी होय, त हम पंचे इहाँ तीनठे मड़इआ बनाई, एकठे
अपना के खातिर, एकठे मूसा नबी के खातिर, अउर एकठे एलिय्याह नबी
के खातिर।" 5 पतरस जब इआ कहतय रहे हँय, तबहिनय एकठे उजर बदरी
आइके उनहीं पंचन काहीं लुकाय लिहिस, अउर उआ बदरी से इआ बोल
सुनान: कि "ईं हमार पियार लड़िका आहीं, इनसे हम खुब प्रसन्न हएन: तूँ
पंचे इनखे बातन काहीं मान्या।" 6 इआ सुनिके चेला लोग एतना डेराइगें, कि
भुँइ माहीं मुँहे के बल गिरिगें। 7 तब यीसु उनखे लघे आइके उनहीं छुँइन,
अउर कहिन, "उठा, डेरा न।" 8 अउर जब ऊँ पंचे आपन आँखी खोलिन, त
उनहीं यीसु के अलाबा अउर कोऊ नहीं देखान।

9 पहार से नीचे उतरत समय, यीसु उनहीं हुकुम दिहिन, कि "जब तक
मनई के लड़िका मरिके जिन्दा न होइ जाय, तब तक जऊँ कुछू तूँ पंचे देखे
हया, उआ कोहू से न बताया।" 10 अउर ऊँ पंचे यीसु से पूँछिन, कि "मूसा
के बिधान सिखामँइ बाले इआ काहे कहत हें, कि मसीह से पहिले एलिय्याह
नबी जरूर अइहँय?" 11 तब यीसु उनहीं पंचन काहीं जबाब दिहिन, कि
"एलिय्याह नबी जरूर अइहँय, अउर मसीह काहीं सोइकार करँइ के
खातिर, मनइन काहीं तइआर करिहँय। 12 पय हम तोंहसे कहित हएन, कि
एलिय्याह त आय चुके हँय, अउर कउनव मनई उनहीं नहीं पहिचानिन; पय
जइसन चाहिन उहयमेर उनखे साथ बरताव किहिन। इहइमेर से मनई के
लड़िका घलाय उनखे व्दारा सताबा जई।" 13 तब उनखर चेला लोग इआ
समझिगें, कि यीसु, यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के बारे माहीं कहिन हीं।

मिरगी से परेसान लड़िका काहीं यीसु नीक किहिन

14 जब यीसु अपने तिनहूँ चेलन के साथ भीड़ के मनइन के लघे पहुँचे,
तबहिनय एकठे मनई यीसु के लघे आइके उनखे गोड़न गिरिके कहँइ लाग,
15 "हे प्रभू, हमरे लड़िका काहीं मिरगी आबत ही, ओखे ऊपर दया करी!
काहेकि ओही बड़ा कस्ट हय; उआ बेर-बेर आगी माहीं, अउर पानी माहीं
गिर परत हय। 16 अउर हम ओही अपना के चेलन के लघे लइ आएन तय,
पय ऊँ पंचे ओही नहीं नीक कए पाइन।" 17 तब यीसु उनहीं जबाब दिहिन,
"हे परमातिमा के ऊपर बिसुआस न करँइ बाले हठी मनइव, हम कब तक
तोंहरे साथ रहब, अउर कब तक तोंहार सहत रहब? उआ लड़िका काहीं
हमरे लघे लइ आबा।" 18 तब यीसु, बुरी आत्मा काहीं डाँटिन, तबहिनय उआ
बुरी आत्मा उआ लड़िका से बहिरे निकरिगे, अउर उआ लड़िका ओतनिनदार
नीक होइगा।

19 तब चेला लोग एकान्त माहीं यीसु के लघे आइके उनसे पूँछिन; "हम
पंचे उआ लड़िका से बुरी आत्मा काहीं, काहे नहीं निकारे पाएन?" 20 तब
यीसु उनसे कहिन, कि "अपने बिसुआस के कमी के कारन, तूँ पंचे ओही
नहीं निकारे पाया। काहेकि हम तोंहसे सही कहित हएन, कि अगर तोंहार
बिसुआस राई के दानव के बराबर होई, त तूँ पंचे इआ पहार से कहि देहा,
कि 'इहाँ से सरकिके उहाँ चला जा, त उआ चला जई', अउर कउनव बात
तोंहरे खातिर असम्भव न होई।" 21 (पय इआमेर के बुरी आत्मा बिना
उपबास प्राथना के नहीं निकरय †।)

अपने मउत के बारे माहीं यीसु के पुनि भबिस्सबानी

(मरकुस 9:30-32; लूका 9:43-45)

22 जब यीसु अपने चेलन के साथ गलील प्रदेस माहीं रहे हँय, तब उनसे
कहिन, कि "मनई के लड़िका बिरोध करँइ बाले मनइन के हाँथ माहीं
पकड़ाबा जई, 23 अउर ऊँ पंचे ओही मारि डरिहँय, अउर उआ तिसरे दिना
जिन्दा होइ जई।" इआ बात काहीं सुनिके उनखर चेला लोग खुब दुखी
होइगें।

मन्दिर के कर देब

24 जब ऊँ पंचे कफरनहूम सहर माहीं पहुँचे, तब मन्दिर के कर लेंइ बाले,
पतरस के लघे आइके पूँछिन, कि "का तोंहार पंचन के गुरू, मन्दिर के कर
नहीं देंय?" 25 तब पतरस उनहीं जबाब दिहिन, कि "हाँ, ऊँ देत हें।" जब
पतरस घर माहीं आएँ, त यीसु पतरस के इआ बात पूँछँइ से पहिलेन उनसे
कहिन, "हे समौन, तूँ का सोचते हया? धरती के राजा चुंगी, इआ कि कर
केसे लेत हें? अपने संतानन †† से इआ कि दुसरे मनइन से?" 26 तब पतरस
यीसु से कहिन, कि "दुसरे मनइन से।" तब यीसु पतरस से कहिन, कि "त
सन्तान बचिगें। 27 तऊ, इआ कारन से कि हमरे व्दारा उनहीं ठोकर न
लागय, तूँ झील के किनारे जाइके बंसी डारा, अउर जउन मछरी पहिले
फँसय, ओही लइ लिहा, अउर जब तूँ ओखर मुँह खोलिहा त तोंहईं एकठे
सिक्का मिली, ओही लइके, हमरे अउर अपने कर के खातिर उनहीं दइ
दिहा।"

स्वरगराज माहीं सगलेन से बड़ा को कहाई?

(मरकुस 9:33-37; लूका 9:46-48)

18 उहय समय चेला लोग यीसु के लघे आइके पूँछँइ लागें, कि
"स्वरगराज माहीं सगलेन से बड़ा को कहाई?" 2 इआ बात काहीं
सुनिके यीसु एकठे छोट क लड़िका काहीं अपने लघे बोलाइके, उनखे बीच
माहीं ठाढ़ किहिन, 3 अउर कहिन, कि "हम तोंहसे सही कहित हएन, कि
अगर तूँ पंचे अपने सुभाव काहीं न बदलिहा, अउर छोट-छोट लड़िकन कि
नाईं भोले-भाले न बनिहा, त तूँ पंचे स्वरगराज माहीं कबहूँ न जाए पइहा।
4 अउर जे कोऊ खुद काहीं इआ लड़िका कि नाईं छोट बनाई, उआ
स्वरगराज माहीं सगलेन से बड़ा होई। 5 अउर जे कोऊ हमरे नाम से इआमेर
के एकठे लड़िका काहीं सोइकार करत हय, त उआ हमहीं सोइकार करत
हय।"

पाप किहे के परिनाम के बारे माहीं यीसु के सिच्छा

(मरकुस 9:42-48; लूका 17:1,2)

6 जे कोऊ हमरे ऊपर बिसुआस करँइ बालेन काहीं, चाह उआ छोट क
लड़िकय होय, उनसे पाप कराबत हय, त उआ मनई के खातिर इआ ठीक
कहाई, कि एकठे बड़ी काहीं चक्की के जेतबा ओखे गरे माहीं बाँधिके गहिल
समुद्र माहीं बुड़ाय दीन जाय। काहेकि परमातिमा के सजा एहू से जादा
मिली। 7 "काहेकि मनइन के जीबन म पाप माहीं गिरँय के मोका त जरूर
अइहँय, पय जउन मनई दुसरे मनइन काहीं पाप माहीं गिराबत हें, त उनहीं
परमातिमा से खुब सजा मिली।

8 अगर तोंहार हाँथ, गोड़ तोंहसे पाप करामँइ के कारन बनत हें, त उनहीं
काटिके फेंकि द्या। नहीं त तूँ दोनव हाँथ-गोड़ लए नरक के आगी माहीं डार
दीन जइहा, जउन कबहूँ बुझातिन नहिं आय। बिना हाँथ-गोड़ के स्वरगराज
माहीं जाब एसे निकहा हय। 9 अउर अगर तोंहार आँखी तोंहसे पाप करामँइ

† *इआ बचन कुछ बाइबल माहीं नहिं आय।* †† *संतानन से- उआ समय माहीं राजा लोग अपने संतानन से कर नहीं लेत रहे आहीं, पय बाहरी मनइन से कर लेत रहे हँय।*

के कारन बनत ही, त ओही निकारिके फेंकि द्या; नहीं त दुइठे आँखी लए नरक के आगी माहीं डार दीन जइहा। कनमा होइके अनन्त जीबन पाउब तोंहरे खातिर एसे निकहा हय।"

हेरान गाड़र के उदाहरन
(लूका 15:3-7)

10 यीसु उनसे पुनि कहिन, कि "देखा, तूँ पंचे ईं छोट से छोट मनइन म से जे हमरे ऊपर बिसुआस करत हें, कोहू काहीं तुच्छ न जान्या; काहेकि हम तोंहसे सही कहित हएन, कि स्वरग माहीं उनखर दूत, स्वरग माहीं रहँइ बाले हमरे पिता के लघे हमेसा हाजिर रहत हें। 11 (काहेकि मनई के लड़िका, भटके मनइन काहीं बचामँइ आबा हय।)

12 तूँ पंचे का समझते हया? अगर कउनव मनई के लघे सवठे गाड़र होंय, अउर उनमा से एकठे हेराइ जाय, त का उआ मनई निन्यान्नबे गड़रन काहीं उहँय, छोंड़िके, पहार माहीं जाइके, उआ हेरान गाड़र काहीं न ढूँढ़ी? 13 अउर अगर अइसन होय कि, उआ हेरान गाड़र मिल जाय। त हम तोंहसे सही-सही कहित हएन, कि उआ मिली गाड़र के खातिर, उआ मनई खुब उराव मनाई। बलकिन ऊँ निन्यान्नबे गड़रन के खातिर, एतना उराव न मनाई, जउन भटकी नहीं रही आहीं। 14 इहइमेर तोंहार पंचन के पिता जउन स्वरग माहीं रहत हें, उनखर मरजी इआ ही, कि हमरे ऊपर बिसुआस करँइ बालेन म से, साधारन से साधारन मनई घलाय अनन्त जीबन न गमाबय।"

अपराधिन के साथ कइसा बरताव करँइ चाही?

15 "अउर अगर तोंहार भाई तोंहरे साथ कउनव बुरा बरताव करय, त ओखे लघे जा, अउर ओही अकेले माहीं समझाबा; अगर उआ तोंहरे बात काहीं मानय, त तूँ अपने भाई काहीं भाई के रूप माहीं पाय लिहा हय। 16 पय अगर उआ तोंहरे बात काहीं न मानय, त एक इआ कि दुइ जने काहीं अपने साथ माहीं अउर लइ जा, कि 'जउने हरेक बात दुइ इआ कि तीन गबाहन के आँगे पक्की होइ जाय।' 17 अउर अगर उआ उनहूँ पंचन के बात काहीं न मानय, त मसीही मन्डली से बताय द्या, पय अगर उआ मसीही मन्डली के बात काहीं घलाय न मानय, त तूँ ओही परमातिमा से न डेराँइ बाले, अउर चुंगी † लेंइ बाले बुरे मनइन कि नाईं समझा। 18 हम तोंहसे सही-सही कहित हएन, जउने बात माहीं तूँ पंचे धरती माहीं 'हामी भरिहा' त उआ बात माहीं स्वरग माहीं रहँइ बाले परमातिमा घलाय 'हामी भरिहँय'; अउर जउने बात माहीं तूँ पंचे धरती माहीं 'नाहीं करिहा' त उआ बात माहीं स्वरग माहीं रहँइ बाले परमातिमा घलाय 'नाहीं करिहँय'। 19 अउर हम तोंहसे इहव कहित हएन, कि अगर तोंहरे पंचन म से दुइ जने, इआ धरती माहीं कउनव बात के खातिर एक मन होइके मगिहँय, त उआ स्वरग माहीं रहँइ बाले हमरे पिता परमातिमा के तरफ से, उनहीं जरूर मिल जई। 20 काहेकि जहाँ दुइ इआ कि तीन जने हमरे नाम से एकट्ठा होत हें, हम उहाँ उनखे बीच माहीं हाजिर रहित हएन।"

दुसरे काहीं माफ करँइ के बारे माहीं यीसु के सिच्छा

21 तब पतरस यीसु के लघे आइके उनसे कहिन, कि "हे प्रभू, अगर हमार भाई बेर-बेर अपराध करत रहय, त हम ओही कय बेरकी माफ करी? का सात बेरकी तक?" 22 इआ बात काहीं सुनिके यीसु पतरस से कहिन, कि "हम तोंहसे इआ नहीं कही कि सात बेरकी तक माफ करा, बलकिन सात बेरकी के सत्तर गुना तक माफ करा।"

दया न करँइ बाले दास के उदाहरन

23 यीसु उनसे पुनि कहिन, कि "एसे स्वरग के राज ऊँ राजा कि नाईं हय, जउन अपने सेबकन से हिंसाब-किताब लेंइ चाहिन। 24 अउर जब ऊँ हिंसाब-किताब लेंइ लागें, तब एक जने काहीं उनखे लघे लइ आबा ग, जउन बीस किलो चाँदी के करजदार रहा हय। 25 अउर करजा चुकामँइ के खातिर ओखे लघे कुछू नहीं रहा आय, त ओखर मालिक कहिन, कि 'एही अउर एखे लड़िका-मेहेरिआ काहीं, अउर जउन कुछू एखर होय, उआ सगला बेंचिके हमार करजा पटाय दीन जाय।' 26 इआ बात काहीं सुनिके उआ दास उनखे गोड़न गिरिके कहिस, हे मालिक, अपना धीरज धरी, हम अपना के सगला करजा पटाय देब। 27 तब उआ दास के मालिक ओखे ऊपर दया कइके ओही छोंड़ि दिहिन, अउर ओखर करजा घलाय माफ कइ दिहिन।"

28 "पय जब उआ दास बहिरे निकरा, त ओखर साथी दासन म से एक जने ओही मिला, जउन ओसे करजा माहीं कुछ पइसा लए रहा हय; त उआ ओही पकड़िके ओखर घोंघा दबाइके कहिस, कि 'तँय जउन कुछू हमार करजा लए हए त ओही दइ दे।' 29 तब ओखर साथी दास ओखे गोड़न गिरिके बिनती करँइ लाग, कि अपना धीरज धरी, हम अपना के सगला करजा पटाय देब। 30 पय उआ दास ओखे बात काहीं नहीं मानिस, बलकिन ओही लइ जाइके जेल माहीं बन्द कइ दिहिस; कि जब तक उआ सगला करजा न पटाय देय, तब तक जेलय माहीं बन्द रहय। 31 अउर इआ जउन भ रहा हय सगला देखिके, ओखर दूसर साथी दास लोग खुब दुखी भें, अउर जाइके अपने मालिक से सगला हाल बताय दिहिन। 32 तब ओखर मालिक, उआ पहिल दास काहीं बोलाइके ओसे कहिन, हे दुस्ट दास, तँय जब हमसे बिनती किहे, त हम तोर उआ सगला करजा माफ कइ दिहेन। 33 एसे जइसन हम तोरे ऊपर दया किहेन तय, त का उहयमेर तोहू काहीं घलाय अपने साथ माहीं रहँइ बाले दास के ऊपर दया न करँइ चाही? 34 अउर ओखर मालिक खुब गुस्साइके, ओही सजा देंइ बालेन के हाँथ माहीं सउँपि दिहिन, कि जब तक उआ सगला करजा पटाय न देय, तब तक उआ उनखे कब्जे माहीं रहय।" 35 इहइमेर अगर तोंहरे पंचन म से हरेक जन, अपने भाई काहीं पूरी तरह से माफ न करी, त स्वरग माहीं रहँइ बाले हमार पिता परमातिमा, तोंहसे उहयमेर बरताव करिहँय।

छोंड़-छुट्टी के बारे माहीं यीसु के सिच्छा
(मरकुस 10:1-12)

19 यीसु ईं बातँय कहे के बाद, गलील प्रदेस से चलेगें; अउर यरदन नदी के दुसरे पार यहूदिया प्रदेस माहीं गें। 2 अउर उनखे पीछे-पीछे बड़ी भीड़ चल दिहिस, अउर उनमा से जउन बिमार रहे हँय, यीसु उनहीं नीक कइ दिहिन।

3 तब फरीसी लोग, यीसु के परिच्छा लेंइ के खातिर, उनखे लघे आइके कहँइ लागें, कि "का कउनव कारन से अपने मेहेरिआ के छोंड़-छुट्टी करब उचित हय?" 4 तब यीसु उनहीं जबाब दिहिन, कि "का तूँ पंचे पबित्र सास्त्र माहीं नहीं पढ़े आह्या, कि जउन उनहीं बनाइन हीं, त ऊँ सुरुआतय से मेहेरिआ अउर मंसेरुआ के रूप माहीं बनाइन रहा हय? अउर कहिन तय, 5 कि 'इआ कारन से मनई अपने महतारी-बाप से अलग होइके अपने मेहेरिआ के साथ रही, अउर ऊँ पंचे दोनव जने एकय तन होइहँय ††।' 6 इआ कारन से अब ऊँ दोनव जन दुइ नहीं, बलकिन एकय तन आहीं। एसे जिनहीं परमातिमा जोड़िन हीं, उनहीं मनई अलग न करँइ।" 7 तब ऊँ पंचे यीसु से कहिन, "पय मूसा अपने बिधान माहीं इआ काहे लिखिन हीं, कि मनई अपने मेहेरिआ काहीं छोंड़-छुट्टी के कागज दइके, ओखर छोंड़-छुट्टी कइ सकत हय?" 8 तब यीसु उनसे कहिन, कि "मूसा तोंहरे मन के कठोरता के कारन, तोंहईं अपने मेहेरिआ के छोंड़-छुट्टी करँइ के हुकुम दिहिन तय, पय सुरुआत से अइसन नहीं रहा आय।" 9 अउर हम तोंहसे इहव कहित हएन, कि "जे कोऊ अपने मेहेरिआ काहीं ब्यभिचार के अलाबा अउर कउनव दुसरे कारन से छोंड़िके, दुसरे मेहेरिआ से काज करत हय, त उआ ओखे साथ ब्यभिचार करत हय; अउर जे कोऊ उआ छोंड़ी मेहेरिआ से काज करत हय, त उहव ब्यभिचार करत हय।"

† *यहूदी लोग चुंगी लेंइ बालेन काहीं पापी मानत रहे हँय, काहेकि ऊँ पंचे रोमी लोगन के खातिर चुंगी लेत रहे हँय।*

†† *19:5 उत्प 2:24*

10 इआ बात काहीं सुनिके चेला लोग यीसु से कहिन, कि अगर “कउनव
मंसेरुआ के कउनव मेहेरिआ के साथ अइसन सम्बन्ध हय, त एसे निकहा
इआ हय, कि काज न करय।” 11 तब यीसु अपने चेलन से कहिन, कि “सब
कोऊ इआ बचन काहीं सोइकार नहीं कइ सकँय, केबल उँइन पंचे सोइकार
कइ सकत हें, जिनहीं परमातिमा के व्दारा काज न करँइ के बरदान दीन ग
हय। 12 काहेकि कुछ मनई अइसन हें जउन महतारी के पेटेन से नपुंसक
पइदा भें हँय; अउर कुछ मनई अइसन हें, जिनहीं मनइन नपुंसक बनाय
दिहिन हीं, अउर कुछ मनई अइसन हें, जे स्वरगराज के खातिर खुद काहीं
नपुंसक बनाइन हीं। एसे जे कोऊ इआ बचन काहीं सोइकार कइ सकत हय,
त उआ इआ बचन काहीं सोइकार कइ लेय।”

यीसु छोट-छोट लड़िकन काहीं आसिरबाद दिहिन

(मरकुस 10:13-16; लूका 18:15-17)

13 तब खुब मनई अपने छोट-छोट लड़िकन काहीं यीसु के लघे लइ आमँइ
लागें, कि यीसु उनखे ऊपर आपन हाँथ धइके आसिरबाद देंय, अउर उनखे
खातिर प्राथना करँइ, पय चेला लोग उनहीं डाँटँइ लागें। 14 तब यीसु उनसे
कहिन, कि “लड़िकन काहीं हमरे लघे आमँइ द्या, अउर उनहीं न बरजा:
काहेकि जे कोऊ छोट लड़िकन कि नाईं अपने काहीं नम्र बनइहँय, उँइन
परमातिमा के स्वरगराज के भागीदार बनिहँय।” 15 अउर यीसु, ऊँ छोट-छोट
लड़िकन के ऊपर आपन हाँथ धइके आसिरबाद दिहिन, अउर एखे बाद उहाँ
से चलेगें।

धनी मनई अउर अनन्त जीबन

(मरकुस 10:17-31; लूका 18:18-30)

16 एकठे मनई यीसु के लघे आबा, अउर उनसे कहिस, कि “हे गुरू,
अपना हमहीं बताई कि हम अइसन कउन निकहा काम करी, कि जउने
अनन्त जीबन पाई?” 17 तब यीसु उआ मनई से कहिन, “तूँ हमसे निकहा
काम के बारे माहीं काहे पुँछते हया? काहेकि केबल एकय हें, जउन निकहे
हें, पय अगर तूँ अनन्त जीबन पामँइ चहते हया, त हुकुमन काहीं माना
करा।” 18 तब उआ मनई यीसु से कहिस, “कउने हुकुमन काहीं हम मानी?”
तब यीसु ओसे कहिन, कि “कतल न करब, ब्यभिचार न करब, चोरी न
करब, कोहू के बिरोध माहीं लबरी गबाही न देब, 19 अउर अपने महतारी-
बाप के मान-सम्मान करब, अउर अपने परोसी से अपनेन कि नाईं प्रेम
रक्खब †।” 20 तब उआ नवजमान यीसु से कहिस, कि “हे गुरू, ईं सगली
बातन के त हम पालन करतय हएन, अउर अब अपना हमहीं इआ बताई,
कि अबय हमरे जीबन माहीं कउने बात के कमी हय?” 21 तब यीसु उआ
मनई से कहिन, कि “अगर तूँ सिद्ध बनँइ चहते हया, त जा, जऊँ कुछ
तोंहार धन-सम्पत्ती ही, ओही सब बेंचिके गरीबन माहीं बाँटि द्या, अउर तोहईं
स्वरग माहीं एसे बढ़िके धन-सम्पत मिली, अउर आइके हमरे पीछे चला।”
22 यीसु के इआ बात काहीं सुनिके उआ मनई उदास होइके, उहाँ से चला ग,
काहेकि उआ खुब धनी रहा हय। अउर इआ करँइ के ओखर इच्छा नहीं
रही।

23 तब यीसु अपने चेलन से कहिन, कि “हम तोंहसे सही कहित हएन, कि
धनी मनई के परमातिमा के राज म प्रबेस करब कठिन हय।” 24 अउर इहय
बात हम तोंहसे पुनि कहित हएन, कि “परमातिमा के राज माहीं धनी मनई
के पहुँचब खुब कठिन हय, बलकिन सूजी के छेंद से ऊँट के निकर जाब,
एसे सरल हय।” 25 यीसु के इआ बात काहीं सुनिके चेला लोग, खुब अचरज
मानिके, आपस माहीं कहँइ लागें, “त पुनि केही मुक्ती मिल सकत ही?”
26 यीसु अपने चेलन कइती देखिके कहिन, “मनइन से त इआ नहीं होइ
सकय, पय परमातिमा से होइ सकत हय; काहेकि परमातिमा सब कुछ कइ
सकत हें।” 27 तब पतरस यीसु से कहँइ लागें, “देखी हम पंचे त आपन सब
कुछ छोंड़िके, अपना के पीछे चले आएन हय, त हमहीं पंचन काहीं का
मिली?” 28 तब यीसु उनसे कहिन, कि “हम तोंहसे सही-सही कहित हएन,
कि आमँइ बाले नए संसार माहीं जब सब कुछ परमातिमा नबा बनइहँय, तब
मनई के लड़िका अपने महिमा के सिंहासन माहीं बइठिके राज करिहँय,
अउर तुहूँ पंचे घलाय जउन हमार चेला बन गया हय, बरहँव सिंहासनन माहीं
बइठिके, इजराइल के बरहँव गोत्रन के न्याय करिहा। 29 अउर जे कोऊ
अपने घर-दुआरन, भाई-बहिनिन, महतारी-बाप, लड़िकन-बच्चन, अउर
खेत-पातन काहीं हमरे नाम के खातिर छोंड़ि दिहिस ही, त ओही इनखे
बदले माहीं सव गुना मिली; अउर उआ अनन्त जीबन के बारिसदार होई।
30 देखा, जे कोऊ इआ संसार माहीं खुद काहीं सगलेन से बड़ा मानत हें, ऊँ
पंचे स्वरग माहीं सगलेन से छोट माने जइहँय, अउर जे कोऊ इआ संसार
माहीं खुद काहीं सगलेन से छोट मानत हें, ऊँ पंचे स्वरग माहीं सगलेन से बड़े
माने जइहँय।”

बगिया के मजूरन के उदाहरन

20 यीसु उनसे पुनि एकठे उदाहरन बताइन, कि “स्वरग के राज एकठे
जमींदार कि नाईं हय, जउन सकारे निकरें, कि अपने अंगूर के
बगिया माहीं काम करँइ के खातिर मजूरन काहीं लगामँइ। 2 अउर ऊँ मजूरन
से उनखर एक रोज के मजूरी एकठे चाँदी के सिक्का तँय कइके, अपने
अंगूर के बगिया माहीं काम करँइ के खातिर पठइन। 3 अउर ओखे बाद ऊँ
पुनि सकारे नव बजे के करीब निकरें, अउर बजार माहीं दुसरे मनइन काहीं
बेफालतू माहीं ठाढ़ देखिन। 4 अउर उनसे कहिन, कि ‘तुहूँ पंचे घलाय हमरे
अंगूर के बगिया माहीं जाइके काम करा, अउर जउन कुछू उचित होई, उआ
मजूरी हम तोंहईं पंचन काहीं देब।’ एसे ऊँ पंचे घलाय बगिया माहीं काम
करँइ चलेगें। 5 ओखे बाद ऊँ जमींदार पुनि बारा बजे के करीब निकरें अउर
कुछ मजूरन काहीं काम माहीं लगाइन। ओखे बाद पुनि तीन बजे के करीब
निकरिके उहयमेर किहिन। 6 अउर ओखे बाद करीब पाँच बजे ऊँ पुनि निकरें
अउर बजार माहीं अउरव मनइन काहीं इहाँ-उहाँ ठाढ़ पाइन, तब उनसे
कहिन, कि ‘तूँ पंचे काहे दिन भर इहाँ बेफालतू माहीं ठाढ़ रहि गया?’ तब ऊँ
पंचे उनसे कहिन, कि ‘हम पंचे एसे ठाढ़ रहि गएन, कि हमहीं पंचन काहीं
कोऊ काम माहीं नहीं लगाइस।’ 7 तब ऊँ उनसे कहिन, कि ‘तुहूँ पंचे घलाय
हमरे अंगूर के बगिया माहीं जाइके काम करा’।”

8 जब साँझ भय तब अंगूर के बगिया के मालिक अपने भन्डारी से कहिन,
कि “सगले मजूरन काहीं बोलाइके उनखर मजूरी दइ द्या जउन काम माहीं
आखिरी से लइके सुरू तक आएँ हँय। 9 एसे जब ऊँ मजूर आएँ, जउन पाँच
बजे के करीब काम माहीं लगाए गे रहे हँय, त उनहीं दिन भर के पूर मजूरी
मिली। 10 इआ कारन से जउन मजूर काम माहीं पहिले आए रहे हँय, ऊँ पंचे
इआ सोचिन, कि हमहीं जादा मजूरी मिली; पय उनहूँ पंचन काहीं घलाय
ओतनिन मजूरी मिली। 11 अउर जब उनहीं मजूरी मिल चुकी, त ऊँ पंचे
बगिया के मालिक के ऊपर गुस्साइके बरबराँय लागें। अउर उनसे कहँइ
लागें, 12 कि ‘ईं पंचे जउन हमसे पीछे आए हँय, अउर एकय घन्टा काम
किहिन हीं, तऊ अपना उनहीं, हमरेन बराबर मजूरी दिहेन हय। पय हम पंचे
जउन तेज घाम माहीं दिन भर मेहनत किहेन हय, ओखर ध्यान अपना नहीं
दिहेन?’ 13 तब मालिक ऊँ मजूरन म से एक जने काहीं जबाब दिहिन, कि
‘हे साथी, हम तोंहरे साथ कउनव अन्याय नहीं किहेन आय; इआ बताबा का
तूँ हमसे एक दिन के मजूरी एकठे चाँदी के सिक्का नहीं तँय किहा तय?’
14 एसे जउन मजूरी तोंहार होत ही, ओही लइके चले जा; हमार मरजी इहय
ही, कि हम जेतनी मजूरी तोंहईं दिहेन हय ओतनिन मजूरी काम माहीं पीछे
आमँइ बालेन काहीं घलाय देई। 15 का इआ उचित नहिं आय, कि हम अपने
धन-सम्पत्ती से जउन चाही उआ करी? का तूँ हमरे भले होंइ के कारन हमसे
जरते हया? 16 देखा, जे कोऊ इआ संसार माहीं खुद काहीं सगलेन से बड़ा
मानत हें, ऊँ पंचे स्वरग माहीं सगलेन से छोट माने जइहँय, अउर जे कोऊ
इआ संसार माहीं खुद काहीं सगलेन से छोट मानत हें, ऊँ पंचे स्वरग माहीं
सगलेन से बड़े माने जइहँय।”

† *19:19 लैब्य 19:18*

अपने मउत के बारे माहीं यीसु के तिसराय भबिस्सबानी

(मरकुस 10:32-34; लूका 18:31-34)

17 जब यीसु अपने चेलन के साथ यरूसलेम सहर काहीं जात रहे हँय, तब
ऊँ बरहँव चेलन काहीं एकान्त माहीं लइगें, अउर गइल माहीं उनसे कहँइ
लागें, 18 कि "देखा, हम पंचे यरूसलेम सहर माहीं जइत हएन; अउर मनई
के लड़िका प्रधान याजकन, अउर मूसा के बिधान सिखामँइ बालेन के हाँथ
माहीं पकड़ाबा जई, अउर ऊँ पंचे ओही मउत के सजा के काबिल
ठहरइहँय। 19 अउर ओही गैरयहूदी लोगन के हाँथे माहीं सउँपिहँय, कि ऊँ
पंचे ओखर मजाक उड़ामँइ, अउर ओही चाबुक से मारँइ, अउर ओही क्रूस
माहीं चढ़ामँइ। पय उआ तिसरे दिन जिन्दा होइ जई।"

एकठे महतारी के अपने लड़िकन के खातिर यीसु से बिनती करब

(मरकुस 10:35-45)

20 अउर एक दिन जब्दी के मेहेरिआ, अपने लड़िकन के साथ यीसु के लघे
आइके उनहीं प्रनाम किहिन, अउर उनसे कुछू मागँइ लागीं। 21 तब यीसु
उनसे कहिन, कि "तूँ का चहते हया?" तब ऊँ, यीसु से कहिन, "अपना
हमहीं इआ बचन देई, कि जब अपना राजा बनिके राज करब, तब हमरे ईं
दोनव लड़िकन म से एक जने अपना के दहिने कइती, अउर दूसर बाएँ
कइती बइठय।" 22 इआ सुनिके यीसु उनसे कहिन, "तूँ पंचे नहीं जनते
आह्या, कि हम पंचे का मागित हएन? जऊँ भारी कस्ट हम सहँइ बाले हएन,
का तूँ पंचे उआ कस्ट सहि सकते हया?" ऊँ पंचे उनसे कहिन, कि "हाँ, हम
पंचे सहि सकित हएन।" 23 तब यीसु उनसे पुनि कहिन, "जऊँ कस्ट हम
सहँइ बाले हएन, ओही त तूँ पंचे सहि लेइहा, पय अपने दहिने अउर अपने
बाएँ कोहू काहीं बइठाउब हमार काम न होय, पय उआ जघा जिनखे खातिर
स्वरग माहीं रहँइ बाले हमार पिता तइआर किहिन हीं, उआ जघा उनहिन
काहीं मिली।" 24 इआ सुनिके, दसहूँ चेला ऊँ दोनव भाइन के ऊपर गुस्सा
होइगें। 25 तब यीसु, चेलन काहीं अपने लघे बोलाइके उनसे कहिन, "तूँ पंचे
जनते हया, कि गैरयहूदी लोगन के राजा, मनइन के ऊपर आपन हुकुम
चलाबत हें, अउर उनखर अधिकारी लोग, मनइन के ऊपर आपन अधिकार
जताबत हें। 26 पय तोंहरे बीच माहीं अइसा न होंइ चाही, बलकिन जे कोऊ
तोंहरे म से बड़ा बनँइ चाहत हय, त उआ तोंहार सगलेन के सेबा करँइ बाला
बनय। 27 अउर जे कोऊ तोंहरे म से मुखिया बनँइ चाहत हय, त उआ पहिले
तोंहार पंचन के दास बनय; 28 जइसन कि मनई के लड़िका एसे नहीं आबा,
कि ओखर सेबा कीन जाय, बलकिन एसे आबा हय, कि खुदय दुसरेन के
सेबा करय, अउर उआ खुब मनइन काहीं मुक्ती देंइ के खातिर आपन प्रान
देय।"

दुइठे अँधरन काहीं नीक करब

(मरकुस 10:46-52; लूका 18:35-43)

29 जब यीसु अउर उनखर चेला लोग यरीहो सहर से निकरिके जात रहे
हँय, तब एकठे खुब बड़ी भीड़ उनखे पीछे-पीछे चल दिहिस। 30 अउर दुइठे
आँधर मनई जउन सड़क के किनारे बइठ रहे हँय। ऊँ इआ बात काहीं
सुनिके कि यीसु जात हें, चिल्लाइके कहँइ लागें, "हे प्रभू, राजा दाऊद के
सन्तान हमरे ऊपर दया करी।" 31 तब कुछ जने उनहीं डाँटिन, कि चुप्पय
रहा। पय ऊँ पंचे अउर जोर से चिल्लाइके कहिन, कि "हे प्रभू, राजा दाऊद
के सन्तान हमरे ऊपर दया करी।" 32 तब यीसु ठाढ़ होइके उनहीं अपने लघे
बोलाइके कहिन, कि "तूँ पंचे का चहते हया, कि हम तोंहरे खातिर करी?"
33 तब ऊँ पंचे यीसु से कहिन, कि "हे प्रभू, हम पंचे इआ चाहित हएन, कि
हमार पंचन के आँखी खुल जाँय अउर देखँइ लागी।" 34 तब यीसु उनखे
ऊपर दया कइके, उनखे आँखिन काहीं छुइन, अउर ऊँ पंचे तुरन्तय देखँइ
लागे; अउर यीसु के पीछे-पीछे चल दिहिन।

यीसु राजा कि नाईं यरूसलेम माहीं प्रबेस किहिन

(मरकुस 11:1-11; लूका 19:28-40)

21 जब यीसु अउर उनखर चेला लोग यरूसलेम सहर के लघे पहुँचे
अउर जैतून पहार के ऊपर बैतफगे गाँव के लघे आएँ, तब ऊँ अपने
दुइठे चेलन काहीं इआ कहिके पठइन, 2 "सउहें बाले गाँव माहीं जा, अउर
उहाँ पहुँचतय एकठे गदही अउर ओखे साथ माहीं ओखर बच्चा तोंहईं पंचन
काहीं बाँधा मिली, उनहीं छोरिके हमरे लघे ले आबा। 3 अउर अगर तोंहसे
कोऊ कुछू कहय, त कहि दिहा कि 'प्रभू काहीं इनखर जरूरत ही, त उआ
तुरन्तय उनहीं पठय देई।'" 4 इआ एसे भ कि जउन बचन परमातिमा के
सँदेस बतामँइ बालेन के व्दारा कहा ग रहा हय, उआ पूर होइ जाय: 5 कि
"सिय्योन † के बिटिया से कहा, कि देखा, तोंहार राजा तोंहरे लघे आबत हें;
ऊँ नम्र हें अउर गदहा के ऊपर बइठ हें; हाँ गदही के बच्चा के ऊपर ††।"
6 तब चेला लोग जाइके जइसन यीसु उनसे कहिन तय, उहयमेर किहिन।
7 अउर गदही अउर ओखे बच्चा काहीं ले आइके, उनखे ऊपर आपन ओन्हा
डारिन, अउर यीसु ओखे ऊपर बइठिगें। 8 तब उनखर सम्मान करँइ के
खातिर, खुब मनई आपन-आपन ओन्हा गइल माहीं बिछाइन, अउर कुछ
जने बिरबन से डेरइआ काटिके गइल माहीं बिछाय दिहिन। 9 अउर जउन
भीड़ यीसु के आँगे-आँगे जात रही हय, अउर जउन पीछे-पीछे आबत रही
हय, चिल्लाय-चिल्लाय के कहत रही हय, "राजा दाऊद के सन्तान के
होसन्ना, धन्य हय उआ, जउन प्रभू के नाम से आबत हय, स्वरग माहीं
होसन्ना ‡।" 10 अउर जब यीसु यरूसलेम सहर माहीं प्रबेस किहिन, तब
सगले सहर माहीं हलचल मचिगे, अउर मनई कहँइ लागें, कि "ईं को
आहीं?" 11 तब कुछ मनई उनहीं बताइन, कि "ईं परमातिमा के सँदेस
बतामँइ बाले, गलील प्रदेस के नासरत गाँव के रहँइ बाले यीसु आहीं।"

मन्दिर से बइपारिन काहीं निकारा जाब

(मरकुस 11:15-19; लूका 19:45-48; यूहन्ना 2:13-22)

12 यीसु परमातिमा के मन्दिर माहीं जाइके, उन सगलेन काहीं, जउन
मन्दिर माहीं बइपार करत रहे हँय बहिरे निकार दिहिन, अउर रुपिआ-पइसा
के लेन-देन करँइ बालेन के पिढ़बन, अउर परेबा बेंचँइ बालेन के चउकिन
काहीं उलटाय दिहिन; 13 अउर उनसे कहिन, कि "पबित्र सास्त्र माहीं इआ
लिखा हय, कि 'हमार घर प्राथना ‡† के घर कहाई', पय तूँ पंचे इआ मन्दिर
काहीं 'डँकुअन के ‡‡ अड्डा' बनउते हया।"
14 मन्दिर माहीं कुछ आँधर अउर लाँगड़ मनई यीसु के लघे आएँ, अउर ऊँ
उनहीं नीक कइ दिहिन। 15 पय जब प्रधान याजक लोग, अउर मूसा के
बिधान सिखामँइ बाले, ईं अचरज के कामन काहीं देखिन, जउनेन काहीं
यीसु किहिन तय, अउर मन्दिर माहीं लड़िकन काहीं जोर-जोर से स्तुति करत
देखिन, कि "राजा दाऊद के सन्तान के होसन्ना।" त ऊँ पंचे खुब गुस्साइगें।
16 अउर यीसु से कहँइ लागें, कि "का तूँ सुनते हया, कि ईं पंचे का कहत
हें?" तब यीसु उनसे कहिन, कि "हाँ, हम सुनित हएन, का तूँ पंचे पबित्र
सास्त्र माहीं इआ कबहूँ नहीं पढ़े आह्या: कि 'लड़िकन-बच्चन से अउर दूध
पिअँइ बाले छोट बच्चन से घलाय तूँ आपन स्तुति कराया हय ‡‡†?" 17 एखे
बाद यीसु उनहीं छोंड़िके यरूसलेम सहर से बैतनिय्याह गाँव माहीं चलेगें,
अउर उहँय रात बिताइन।

बिना फर के अंजीर के बिरबा

(मरकुस 11:12-14,20-24)

18 भिनसारे जब यीसु सहर काहीं लउटत रहे हँय, तब उनहीं भूँख लाग।
19 अउर सड़क के किनारे एकठे अंजीर के बिरबा देखिके, ओखे लघे गें।
अउर उआ बिरबा माहीं पत्तन के अलाबा कुछू नहीं पाइन। तब ओसे कहिन,

† *सिय्योन के बिटिया के मतलब हय यरूसलेम सहर के मनई।* †† *21:5 जक 9:9*
‡ *21:9 भज 118:25,26* ‡† *21:13 यसा 56:7* ‡‡ *21:13 यिर्म 7:11*
‡‡† *21:16 भज 8:2*

कि “आज से तोरे माहीं पुनि कबहूँ फर न लागय।” अउर उआ अंजीर के बिरबा तुरन्तय झुराइगा। 20 इआ देखिके चेला लोग खुब अचरज मानिके कहँइ लागें, कि “इआ अंजीर के बिरबा तुरन्तय कइसन झुराइगा?” 21 तब यीसु उनहीं जबाब दिहिन, “हम तोंहसे सही कहित हएन, अगर तूँ पंचे बिसुआस रक्खा, अउर संका न करा, त तूँ पंचे केबल इहय काम भर न करिहा, जउन इआ अंजीर के बिरबा के साथ कीन ग हय, बलकिन तूँ पंचे अगर इआ पहारव से कहि देहा, कि उँखड़िके समुंद्र माहीं जाइके बूड़ जा, त उआ बूड़ जई। 22 अउर जउन कुछू तूँ पंचे प्राथना माहीं बिसुआस से मगिहा, त उआ सब कुछ तोंहईं मिली।”

यीसु के अधिकार के बारे माहीं पूँछब

(मरकुस 11:27-33; लूका 20:1-8)

23 जब यीसु मन्दिर माहीं जाइके उपदेस देत रहे हँय, तब प्रधान याजक लोग, अउर यहूदी धारमिक अँगुआ लोग, उनखे लघे आइके उनसे पूँछिन, कि “तूँ ईं कामन काहीं कउने अधिकार से करते हया? अउर तोंहईं इआ अधिकार को दिहिस ही?” 24 तब यीसु उनहीं जबाब दिहिन, कि “हमहूँ तोंहसे एकठे बात पूँछित हएन; अगर उआ हमहीं बतइहा, त हमहूँ तोंहईं बताउब, कि ईं कामन काहीं हम कउने अधिकार से करित हएन। 25 बताबा, यूहन्ना काहीं बपतिस्मा देंइ के अधिकार को दिहिस तय? परमातिमा दिहिन तय, इआ कि मनई?” तब ऊँ पूँछँइ बाले आपस माहीं बताँइ लागें, कि अगर हम कहित हएन, कि “परमातिमा से मिला तय” त ऊँ कइहँय, कि “पुनि तूँ पंचे उनखर बिसुआस काहे नहीं किहा?” 26 अउर अगर हम पंचे कहित हएन, कि “मनइन से मिला तय” त उहाँ ठाढ़ सगले मनई मारि डरिहँय, एहिन से डेरातव रहे हँय, काहेकि सगले मनई जानत रहे हँय, कि यूहन्ना परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले आहीं। 27 एसे ऊँ पंचे यीसु काहीं जबाब दिहिन, “हम पंचे नहिं जानी।” तब यीसु उनसे कहिन, “हमहूँ तोंहईं नहीं बताई, कि ईं काम हम कउने अधिकार से करित हएन!”

दुइठे लड़िकन के उदाहरन

28 यीसु उदाहरन दइके उनहीं एकठे कहानी सुनाइन, कि “एकठे गाँव माहीं एकठे मनई रहा हय, अउर ओखे दुइठे लड़िका रहे हँय; त उआ एक दिना बड़कबा लड़िका के लघे जाइके कहिस, कि ‘बेटा, आज अंगूर के बगिया म जाइके काम करा।’ 29 त उआ लड़िका अपने बाप काहीं जबाब दिहिस, कि ‘हम न जाब’ पय बाद माहीं पचिताइके ग। 30 एखे बाद उआ छोटकबा लड़िका के लघे जाइके इहइमेर कहिस, त उआ जबाब दिहिस, कि ‘हओ, हम जइत हएन’, पय नहीं ग। 31 बताबा, एखे बारे माहीं तूँ पंचे का सोचते हया? ईं दोनव जनेन म से, कउन बाप के इच्छा पूर किहिस?” ऊँ पंचे कहिन, कि “बड़ा बाला लड़िका।” तब यीसु उनसे कहिन, कि “हम तोंहसे सही-सही कहित हएन, कि चुंगी लेंइ बाले अउर बेस्या लोग जिनसे तूँ पंचे नफरत करते हया, परमातिमा के राज माहीं तोंहसे पहिले जइहँय। 32 इआ हम एसे कहित हएन, काहेकि यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले तोहईं पंचन काहीं। परमातिमा के गइल बतामँइ आएँ तय, पय तूँ पंचे उनखे बातन काहीं नहीं मान्या; पय चुंगी लेंइ बाले अउर बेस्या लोग, उनखे बातन काहीं मानिन: अउर इआ देखे के बादव, तूँ पंचे अपने बुरे कामन काहीं छोंड़िके, उनखे बातन काहीं नहीं मान्या।”

दुस्ट किसानन के उदाहरन

(मरकुस 12:1-12; लूका 20:9-19)

33 यीसु कहिन, कि एकठे अउर कहानी सुना, “एक जने जमीदार रहे हँय, ऊँ अंगूर के बगिया लगाइन अउर बगिया के चारिव कइती बारी रूँधिन, अउर ओमाहीं अंगूर के रस निकारँइ के खातिर कुन्ड खोदिन, अउर एकठे ऊँच काहीं मड़इचा बनाइन; अउर कुछ किसानन काहीं उआ बगिया के ठेका दइके परदेस चलेगें। 34 अउर जब अंगूर के फरँइ के समय आबा, तब ऊँ जमीदार अपने हिस्सा के फर लेंइ के खातिर, अपने दासन काहीं किसानन के लघे पठइन। 35 पय किसान लोग उनखे दासन काहीं पकड़िके, कउनव काहीं मारिन-पीटिन, अउर कउनव काहीं मारि डारिन, अउर कउनव काहीं पथरय-पथरय मारिन। 36 ओखे बाद पुनि ऊँ जमींदार पहिले से अउर जादा दासन काहीं किसानन के लघे पठइन, त ऊँ पंचे उनहूँ के साथ उहयमेर बरताव किहिन। 37 तब अन्त माहीं ऊँ जमींदार अपने लड़िका काहीं किसानन के लघे इआ सोचिके पठइन, कि ऊँ हमरे लड़िका के मान-सम्मान करिहँय। 38 पय किसान लोग उनखे लड़िका काहीं देखिके आपस माहीं कहिन, कि ‘इहय त बगिया के बारिसदार आय, चला, हम पंचे एही मारि डारी, जउने एखर अधिकार हमहीं पंचन काहीं मिल जाय। 39 एसे ऊँ पंचे ओही पकड़िन, अउर अंगूर के बगिया से बहिरे लइ जाइके मारि डारिन। 40 त बताबा, जब अंगूर के बगिया के मालिक अइहँय, त ऊँ किसानन के साथ का करिहँय?” 41 तब ऊँ पंचे यीसु से कहिन, कि “बगिया के मालिक ऊँ बुरे मनइन काहीं पूरी तरह से नास करिहँय; अउर अंगूर के बगिया के ठेका दुसरे किसानन काहीं दइ देइहँय, जउन समय-समय माहीं अंगूर के फर उनहीं द्या करिहँय।”

42 यीसु उनसे कहिन, कि “का तूँ पंचे पबित्र सास्त्र माहीं इआ नहीं पढ़े आह्या: कि

‘जउने पथरा काहीं कारीगर लोग बेकार समझिन तय, उहय कोनमा के सबसे खास पथरा बनिगा? अउर इआ काम प्रभू किहिन हीं, जउन हमरे नजर माहीं अदभुत हय †।”

43 एसे हम तोंहसे पंचन से कहित हएन, कि “परमातिमा के राज तोंहसे लइ लीन जई, अउर अइसन मनइन काहीं दइ दीन जई, जउन उनखे राज के मुताबिक बरताव करिहँय। 44 जे कोऊ इआ पथरा माहीं गिरी, उआ चकनाचूर †† होइ जई; अउर जेखे ऊपर उआ पथरा गिरी, ओही पीस डारी।” 45 यीसु के ईं उदाहरनन काहीं सुनिके, प्रधान याजक लोग अउर फरीसी लोग समझिगें, कि ऊँ हमरेन बारे माहीं आय कहत हें। 46 एसे ऊँ पंचे यीसु काहीं पकड़ँइ चाहिन, पय मनइन काहीं डेराइगें, काहेकि ऊँ मनई यीसु काहीं परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले मानत रहे हँय।

बिआह-भोज के उदाहरन

(लूका 14:15-24)

22 यीसु पुनि उदाहरन दइके उनसे कहँइ लागें, 2 “स्वरग के राज, ऊँ राजा कि नाईं हय, जउन अपने लड़िका के काजे माहीं, खाँय-पिअँइ के प्रबन्ध किहिन। 3 अउर ऊँ अपने दासन काहीं पठइन, कि जिनखर नेउता हय, उनहीं खाना खाँय के खातिर बोलाय लाबा; पय ऊँ पंचे नहीं आएँ। 4 अउर पुनि ऊँ अपने दासन काहीं इआ कहिके पठइन, कि जिनखर नेउता हय, उनसे इआ कह्या, कि ‘देखा, हम खाना तइआर कइ चुके हएन, हमार बोकरा अउर पाले जानबर काटे जाइ चुके हँय, अउर पूरी तइआरी होइ चुकी हय; एसे तूँ पंचे खाना खाँय आबा।’ 5 पय ऊँ पंचे उनखे बात के तिरस्कार कइके, अपने-अपने काम माहीं चल दिहिन, कोऊ अपने खेत माहीं, अउर कोऊ अपने बइपार माहीं। 6 अउर जउन मनई बचे रहे हें, ऊँ पंचे राजा के दासन काहीं पकड़िके उनखर अपमान किहिन, अउर मारि डारिन। 7 तब राजा आगबबूला होइगें। अउर अपने सिपाहिन काहीं पठइके, कतल करँइ बाले मनइन काहीं मरबाय डारिन, अउर उनखे सहर काहीं, आगी लगबाइके नास कइ दिहिन। 8 अउर ऊँ अपने दासन से कहिन, कि ‘बिआह-भोज त तइआर हय, पय जिनहीं हम नेउता दिहे रहेन हय, ऊँ पंचे काबिल नहीं ठहरें।’ 9 एसे चउराहन माहीं जा, अउर जेतने मनई तोहईं मिलँय, ऊँ सगलेन काहीं बिआह-भोज माहीं बोलाय लाबा। 10 तब ऊँ दास सड़कन माहीं गें, अउर नीक-नागा जेतने मनई उनहीं मिलें, ऊँ सगलेन काहीं लइ आएँ; अउर बिआह के घर महिमानन से भरिगा।”

---

† *21:42 भज 118:22-23* †† *जे कोऊ हमहीं छोंड़ी ओही खुब सजा मिली।*

11 “पय जब राजा महिमानन काहीं देखँइ भीतर गें, त ऊँ उहाँ एकठे मनई
काहीं देखिन, जउन बिआह के ओन्हा नहीं पहिरे रहा आय। 12 त राजा ओसे
पूँछिन, कि ‘हे साथी; तूँ काजे के ओन्हा पहिरे बिना इहाँ भीतर कइसन आय
गया?’ अउर उआ मनई कुछू जबाब नहीं दिहिस। 13 तब राजा अपने दासन
से कहिन, कि ‘एखर हाँथ-गोड़ बाँधिके एही बहिरे अँधिआरे माहीं फेंकि द्या,
जहाँ मनइन के रोउब अउर दाँत पीसब होत हय।’ 14 काहेकि बोलाए मनई
त खुब हें, पय चुने मनई थोरिन काहीं हें।”

महाराजा कैसर काहीं कर, देब

(मरकुस 12:13-17; लूका 20:20-26)

15 तब फरीसी लोग जाइके आपस माहीं इआ सलाह किहिन, कि यीसु के
बातन माहीं कउनमेर से गलती पकड़ी। 16 तब ऊँ पंचे अपने चेलन काहीं,
राजा हेरोदेस के गुट बाले मनइन के साथ इआ कहिके, यीसु के लघे पठइन,
कि “हे गुरू, हम पंचे जानित हएन, कि अपना सच्चे हएन, अउर परमातिमा
के गइल सच्चाई से बताइत हएन, अउर कोहू के परबाह नहीं करी, काहेकि
अपना मनइन के मुँह देखिके बातँय नहीं करी। 17 एसे अपना हमहीं बताई,
कि महाराजा कैसर काहीं कर देब उचित हय, कि नहीं?” 18 तब यीसु उनखे
मन के दुस्टता काहीं जानिके उनसे कहिन, “हे कपटिव, हमहीं काहे
अजमउते हया? 19 कर देंइ बाला सिक्का हमहीं देखाबा।” तब ऊँ पंचे उनखे
लघे चाँदी के एकठे सिक्का लइ आएँ। 20 अउर यीसु उनसे पूँछिन, कि “इआ
सिक्का माहीं केखर चित्र अउर नाम हय?” 21 तब ऊँ पंचे यीसु से कहिन,
कि “महाराजा कैसर के।” तब यीसु उनसे कहिन, कि “जउन महाराजा
कैसर के आय; उआ महाराजा कैसर काहीं द्या, अउर जउन परमातिमा के
आय, उआ परमातिमा काहीं द्या।” 22 इआ बात काहीं सुनिके ऊँ पंचे खुब
अचरज मानिन, अउर यीसु काहीं छोंड़िके चलेगें।

मरिके जिन्दा होंइ अउर काजे के बारे माहीं प्रस्न

(मरकुस 12:27-28; लूका 20:27-40)

23 उहय दिना सदूकी दल के मनई जउन इआ मानत रहे हँय, कि मरे के
बाद कोऊ दुसराय जिन्दा नहीं होंय, ऊँ पंचे यीसु के लघे आइके उनसे
पूँछिन, कि 24 “हे गुरू, मूसा बिधान माहीं कहिन रहा हय, कि अगर कउनव
मंसेरुआ बिना लड़िका-बच्चा पइदा किहे मर जाय, त ओखर भाई ओखे
मेहेरिआ से काज कइके अपने भाई के खातिर बंस पइदा करय। 25 अउर
हमरे इहाँ सातठे भाई रहे हँय; त उनमा से पहिल भाई काज कइके मरिगा,
अउर सन्तान न होंइ के कारन, अपने मेहेरिआ काहीं अपने भाई के खातिर
छोंड़िगा। 26 अउर इहइमेर से दूसर अउर तीसर भाई घलाय किहिन, अउर
सातँव जनेन के साथ इहइमेर भ। 27 अउर सातँव जनेन के मरे के बाद उआ
मेहेरिअव मरिगे। 28 एसे जब ऊँ पंचे मरेन म से पुनि जिन्दा होइहँय, त उआ
सातँव जनेन म से केखर मेहेरिआ कहाई? काहेकि उआ सगलेन के मेहेरिआ
होइ चुकी तय।” 29 तब यीसु उनहीं जबाब दिहिन, कि “तूँ पंचे पबित्र सास्त्र,
अउर परमातिमा के सक्ती काहीं नहीं जनते आह्या; इहय कारन से धोखे
माहीं परे हया। 30 काहेकि मरेन म से पुनि जिन्दा होए के बाद कोहू के काज-
बिआह न होई, बलकिन ऊँ पंचे स्वरग माहीं परमातिमा के दूतन कि नाईं
होइ जइहँय। 31 पय मरे के बाद दुबारा जिन्दा होंइ के बारे माहीं, पबित्र सास्त्र
माहीं का तूँ पंचे इआ बचन नहीं पढ़े आह्या, जउने माहीं परमातिमा कहिन
तय, कि 32 ‘हम अब्राहम, इसहाक अउर याकूब के परमातिमा आहेन’?
अउर ऊँ मरे † मनइन के नहीं, पय जिन्दा मनइन के परमातिमा आहीं।”
33 इआ सुनिके मनई उनखे उपदेस से चउआइगें।

† *अब्राहम, इसहाक, अउर याकूब कुछ समय पहिले मरिगे रहे हँय, पय ऊँ पंचे स्वरग माहीं अबहिनव जिन्दा हें, एसे परमातिमा कहिन हीं कि हम इनखर परमातिमा आहेन।*

सगलेन से बड़ा हुकुम

(मरकुस 12:28-34; लूका 10:25-28)

34 जब फरीसी लोग इआ सुनिन, कि यीसु अपने जबाब से सदूकी लोगन
के मुँह बंद कइ दिहिन हीं, त ऊँ पंचे एकट्ठा भें। 35 अउर उनमा से मूसा के
बिधान काहीं निकहा से जानँइ बाला, यीसु के परिच्छा लेंइ के खातिर, उनसे
पूँछिस, 36 “हे गुरू, मूसा के बिधान माहीं सगलेन से बड़ा हुकुम कउन
हय?” 37 तब यीसु उनसे कहिन, कि “तूँ अपने परमातिमा प्रभू से अपने पूरे
मन से, अपने पूरी सक्ती से, अउर अपने पूरी बुद्धी से, प्रेम करा ††।
38 सगलेन से बड़ा अउर मुख्य हुकुम त इहय आय। 39 अउर ओहिन कि नाईं
इआ दुसरव हुकुम हय, कि तूँ अपने परोसी से अपनेन कि नाईं प्रेम करा।
40 ईंन दोनव हुकुम, मूसा के बिधान अउर परमातिमा के सँदेस बतामँइ
बालेन के लिखी बातन के अधार आहीं।”

मसीह केखर लड़िका आहीं?

(मरकुस 12:35-37; लूका 20:41-44)

41 जब फरीसी लोग एकट्ठा रहे हँय, तब यीसु उनसे पूँछिन, कि 42 “मसीह
के बारे माहीं तूँ पंचे का सोचते हया? ऊँ केखर सन्तान आहीं?” ऊँ पंचे
उनसे कहिन, कि “राजा दाऊद के।” 43 तब यीसु उनसे पूँछिन, “त फेर
राजा दाऊद पबित्र आत्मा के अँगुआई से, उनहीं प्रभू कहिके, इआ काहे
कहत हें, कि 44 प्रभू, हमरे ‡ प्रभू से कहिन, कि हमरे दहिने कइती बइठा,
जब तक कि हम तोंहरे बइरिन काहीं तोंहरे अधीन न कइ देई ‡†। 45 अउर
जब राजा दाऊद उनहीं खुदय प्रभू कहत हें, त ऊँ उनखर सन्तान कइसन
कहाए।” ‡‡46 इआ बात सुनिके ऊँ पंचे, उनहीं कुछू जबाब नहीं दए पाइन;
अउर उआ दिना से कोहू के यीसु से कुछू पूँछँइ के हिम्मत नहीं परी।

मूसा के बिधान सिखामँइ बालेन अउर फरीसी लोगन से सतरक रह्या

(मरकुस 12:38,39; लूका 11:43,46; 20:45,46)

23 एखे बाद यीसु भीड़ से अउर अपने चेलन से कहिन, कि 2 “मूसा के
बिधान सिखामँइ बाले अउर फरीसी लोग मूसा के बिधान बतामँइ
बाले अधिकारी हें। 3 एसे जउन कुछू ऊँ पंचे तोंहसे कहँय, त उहय किहा
अउर मान्या, पय उनखे कि नाईं काम न किहा; काहेकि ऊँ पंचे कहत त हें,
पय ओही करँय नहीं। 4 अउर ऊँ पंचे मनइन के ऊपर नेमन के अइसन बोझा
लाद देत हें, जिनखर पालन करब कठिन हय; अउर ऊँ पंचे, खुद मनइन
काहीं नेमन के पालन करँइ माहीं एक्कव मदत नहीं करँय। 5 अउर ऊँ पंचे
अपने सगले कामन काहीं, मनइन क देखामँइ के खातिर करत हें: अउर ऊँ
पंचे अपने तहबीजन ‡‡† अउर ओन्हन के झालरन काहीं, एसे बड़ी से बड़ी
करत रहत हें, कि जउने मनई उनहीं धरमी समझँय। 6 अउर ऊँ पंचे नेउतन
माहीं खास-खास जघन माहीं बइठत हें, अउर सभाघरन माहीं खास जघा
पामँइ चाहत हें। 7 अउर चउराहन माहीं नबस्कार करबाउब, अउर मनइन
माहीं गुरू कहाउब उनहीं नीक लागत हय। 8 पय तूँ पंचे खुद काहीं मनइन से
गुरू न कहबाया, काहेकि तोंहार पंचन के एकइठे गुरू हें; अउर तूँ पंचे सगले
जन भाई-बहिनी आह्या। 9 अउर तूँ पंचे धरती माहीं कोहू काहीं पिता न
कह्या, काहेकि तोंहार पंचन के एकयठे पिता हें, जउन स्वरग माहीं रहत हें।
10 अउर कोहू से मालिक न कहबाया, काहेकि तोंहार पंचन के एकयठे
मालिक हें, ऊँ मसीह आहीं। 11 अउर जे कोऊ तोंहरे बीच माहीं बड़ा बनय
चाहय, उआ तोंहार पंचन के सेबक बनय। 12 काहेकि जे कोऊ खुद काहीं
बड़ा बनाई, उआ परमातिमा के व्दारा छोट कीन जई: अउर जे कोऊ खुद
काहीं छोट बनाई, त उआ परमातिमा के व्दारा बड़ा कीन जई।”

†† *22:37 ब्यब 6:5* ‡ *हमरे प्रभू मसीह काहीं दरसाबत हय।* ‡† *22:44 भज 110:1* ‡‡ *इआ बतामँइ के खातिर कि मसीह, राजा दाऊद से बड़े हँय, इआ लिखा ग हय।* ‡‡† *ऊँ पंचे चमड़ा के तहबीज माहीं परमातिमा के बचन धइके, लिलारे, अउर हाँथेन माहीं बाँधत रहे हँय।*

मूसा के बिधान सिखामँइ बालेन अउर फरीसी लोगन के पाखन्ड के बुराई

(मरकुस 12:40; लूका 11:39-42,44,52; 20:47)

13 यीसु उनसे कहिन, कि "हे ढोंगिव, मूसा के बिधान सिखामँइ बाल्या,
अउर फरीसी लोगव, तोहईं पंचन काहीं परमातिमा से खुब सजा मिली।
काहेकि तूँ पंचे मनइन काहीं गलत सिच्छा दइके, परमातिमा के राज माहीं
आमँइ से रोंकते हया। तूँ पंचे न त खुदय परमातिमा के राज माहीं जाँइ चहते
आह्या, अउर न उनहूँ काहीं जाँइ देते आह्या, जे कोऊ उनखे राज माहीं जाँइ
चाहत हें। 14 (हे ढोंगिव, मूसा के बिधान सिखामँइ बाल्या, अउर फरीसी
लोगव तोहईं पंचन काहीं परमातिमा से खुब सजा मिली। काहेकि तूँ पंचे
बिधबन के घरन काहीं लूट लेते हया, अउर मनइन के आँगे खुद काहीं धरमी
देखामँइ के खातिर खुब देर तक प्राथना करते हया †।)"
15 "हे ढोंगिव, मूसा के बिधान सिखामँइ बाल्या, अउर फरीसी लोगव
तोहईं पंचन काहीं परमातिमा से खुब सजा मिली। काहेकि तूँ पंचे एक जनेव
काहीं आपन चेला बनामँइ के खातिर रातव-दिन एक कइ देते हया। अउर
जब उआ तोंहार चेला बन जात हय, त ओही अपने से दुगुना अनन्तकाल के
घोर सजा पामँइ के काबिल बनाय देते हया।"
16 "हे आँधर अँगुअव, तोहईं पंचन काहीं परमातिमा से खुब सजा मिली।
काहेकि तूँ पंचे जउन कहते हया, कि अगर कोऊ मन्दिर के कसम खात हय,
त उआ कसम काहीं मानब जरूरी नहिं आय, पय अगर कोऊ मन्दिर माहीं
धरी सोने के बनी चीजन के कसम खात हय, त ओही ओखर पालन करब
जरूरी हय। 17 हे मूरखव, अउर अँधरव, बताबा को बड़ा हय; सोने के बनी
चीज, इआ कि उआ मन्दिर जउने से ऊँ चीजँय पबित्र होती हईं? 18 अउर तूँ
पंचे इहव कहते हया, कि अगर कोऊ बेदी के कसम खात हय, अउर ओखर
पालन नहीं करय, त ओही कुछू न होई, पय अगर कोऊ बेदी के ऊपर जउन
भेंट ही, ओखर कसम खात हय, त ओही ओखर पालन जरूर करँइ परी।
19 हे अँधरव, बताबा को बड़ा हय; भेंट इआ कि बेदी? जउने से भेंट पबित्र
होत ही? 20 एसे जे कोऊ बेदी के कसम खात हय, त उआ बेदी के, अउर
ओखे ऊपर धरी चीजन के घलाय कसम खात हय। 21 अउर जे कोऊ मन्दिर
के कसम खात हय, त उआ मन्दिर के, अउर ओमाहीं रहँइ बालेन के घलाय
कसम खात हय। 22 अउर जे कोऊ स्वरग के कसम खात हय, त उआ
परमातिमा के सिंहासन के, अउर ओखे ऊपर बइठँय बाले के घलाय कसम
खात हय।"
23 "हे ढोंगिव, मूसा के बिधान सिखामँइ बाल्या, अउर फरीसी लोगव
तोहईं पंचन काहीं परमातिमा से खुब सजा मिली। काहेकि तूँ पंचे पोदीना,
सउँफ अउर जीरा के दसमा हिस्सा त देते हया, पय तूँ पंचे मूसा के बिधान
के खास बातन काहीं, जइसन कि न्याय करब, दया करब, अउर परमातिमा
के ऊपर बिसुआस करब, छोंड़ दिहा हय; तोहईं पंचन काहीं इआ जरूरी रहा
हय, कि ईं बातन काहीं घलाय करत रहत्या, अउर उनहूँ काहीं न छोंड़त्या।
24 हे आँधर अँगुअव, तूँ पंचे अपने पानी से मच्छर काहीं त छनते हया, पय
ऊँट †† काहीं लील लेते हया ‡।"
25 "हे कपटिव, मूसा के बिधान सिखामँइ बाल्या, अउर फरीसी लोगव
तोहईं पंचन काहीं परमातिमा से खुब सजा मिली। काहेकि तूँ पंचे खोरबन
अउर टठिअन काहीं उपरय-ऊपर त मजते हया, पय उनखे भीतर छल-कपट
अउर असंयम भरे हँय। 26 हे आँधर फरीसी लोगव, पहिले खोरबन अउर
टठिअन काहीं भीतर से माजा, जउने ऊँ बहिरेव से घलाय साफ होइ जाँय।"
27 "हे कपटी मूसा के बिधान सिखामँइ बाल्या, अउर फरीसी लोगव तोहईं
पंचन काहीं परमातिमा से खुब सजा मिली। तूँ पंचे चून पोती कब्रन कि नाईं
हया, जउन ऊपर से त खुब निकही देखाती हईं, पय उनखे भीतर मरे मनइन
के हाड़ा, अउर हरेक मेर के गंदगी भरी रहती हईं। 28 इहइमेर तुहूँ पंचे, बहिरे
से त धरमी देखाई देते हया, पय भीतर कपट अउर अधरम से भरे हया,
अउर परमातिमा के नेमन काहीं नहीं मनते आह्या।"

मूसा के बिधान सिखामँइ बालेन अउर फरीसी लोगन काहीं मिलँइ बाली सजा के बारे माहीं भबिस्सबानी

(लूका 11:47-51)

29 "हे कपटिव, मूसा के बिधान सिखामँइ बाल्या, अउर फरीसी लोगव,
तोहईं पंचन काहीं परमातिमा से खुब सजा मिली। काहेकि तूँ पंचे परमातिमा
के सँदेस बतामँइ बालेन के कब्रन काहीं सजउते हया, जिनहीं तोंहार पंचन
के बाप-दादा मारि डारिन तय, अउर परमातिमा के नजर माहीं निरदोस
मनइन के कब्रँय बनउते हया, 30 अउर तूँ पंचे कहते हया, कि 'अगर हम पंचे
अपने बाप-दादन के समय माहीं होइत, त परमातिमा के सँदेस बतामँइ
बालेन काहीं मारँय माहीं सामिल न होइत।' 31 एसे तूँ पंचे अपने बिरोध
माहीं, खुदय गबाही देते हया, कि तूँ पंचे परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन
के कतलिन के सन्तान आह्या। 32 अउर तूँ पंचे अपने बाप-दादन के पाप के
घड़ा निकहा से भर द्या। 33 हे साँप, अउर करिआ साँप कि नाईं खतरनाक
मनइव, तूँ पंचे नरक के सजा से कबहूँ न बचिहा। 34 एसे देखा, हम तोंहरे
पंचन के लघे परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन, अउर ग्यानी मनइन काहीं
अउर मूसा के बिधान सिखामँइ बालेन काहीं पठइत हएन; अउर तूँ पंचे
उनमा से कुछ जनेन काहीं मारि डरिहा, अउर क्रूस माहीं चढ़इहा, अउर कुछ
जनेन काहीं अपने सभाघर माहीं चाबुक मरिहा, अउर एक सहर से दुसरे
सहर माहीं भगइहा। 35 जउने परमातिमा के नजर माहीं निरदोस हाबिल से
लइके बिरिक्याह के लड़िका जकरयाह तक, जेही तूँ पंचे मन्दिर अउर बेदी
के बीच माहीं मारि डारे रहे हया, अउर जेतने परमातिमा के नजर माहीं
निरदोस मनई रहे हँय, उनहीं तूँ पंचे इआ धरती माहीं मारि डारे हया, त
ओखर सजा तोहईं जरूर मिली। 36 अउर हम तोंहसे सही कहित हएन, कि
ईं सगली बातन के खातिर, इआ समय के मनइन काहीं सजा भोगँइ परी।"

यरूसलेम सहर के मनइन के खातिर यीसु के दुखी होब

(लूका 13:34,35)

37 "हे यरूसलेम सहर के मनइव, हे यरूसलेम सहर के मनइव! तूँ पंचे
परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन काहीं मारि डरते हया, अउर जेतने जने
तोंहरे लघे पठए गे हें, उनहीं पथरा मरते हया। अउर हम कइअक बेरकी
इआ चाहेन, कि जइसन मुरगी अपने बच्चन काहीं, अपने पखनन के नीचे
एकट्ठा करत ही, उहयमेर हमहूँ तोंहरे लड़िकन काहीं एकट्ठा कइ लेई, पय तूँ
पंचे इआ नहीं चाह्या। 38 अउर देखा, अब तोंहार पंचन के मन्दिर पूरी तरह
उजर जई। 39 काहेकि हम तोंहसे कहित हएन, कि अब से जब तक तूँ पंचे
इआ न कइहा कि, कि 'धन्य हें ऊँ, जउन प्रभू के नाम से आबत हें' तब तक
तूँ पंचे हमहीं पुनि कबहूँ न देखिहा ‡†।"

मन्दिर के नास होंइ के बारे माहीं यीसु के भबिस्सबानी

(मरकुस 13:1,2; लूका 21:5,6)

24 जब यीसु मन्दिर से निकरिके बहिरे जात रहे हँय, त उनखर चेला
लोग मन्दिर के बनाबट काहीं देखामँइ के खातिर उनखे लघे आएँ।
2 तब यीसु उनसे कहिन, कि "हम तोंहसे सही कहित हएन, कि जउन इआ
मन्दिर के बनाबट तूँ पंचे देख रहे हया, एक्कव पथरा एक दुसरे के ऊपर न
देखइहँय, ऊँ सगले गिराय दीन जइहँय।"

संसार के अन्त होंइ से पहिले आमँइ बाले दुख अउर भयानक कस्ट

(मरकुस 13:3-13; लूका 21:7-19)

3 जब यीसु जैतून नाम के पहार के ऊपर बइठ रहे हँय, त उनखर चेला
लोग एकान्त माहीं उनखे लघे जाइके उनसे कहिन, कि "अपना हमहीं

† *बचन 14 कुछ बाइबिलन माहीं नहिं आय।* †† *यहूदी लोगन माहीं ऊँट के माँस खाब मना रहा हय।* ‡ *मूसा के बिधान के मुताबिक जउने कामन काहीं करब मना रहा हय, उनहीं ऊँ पंचे करत रहे हँय, अउर जउने बातन के कउनव महत्व नहीं रहा आय, उनहीं करँइ के खातिर जादा जोर देत रहे हँय।*

‡† *23:39 भज 118:26*

बताई, कि ई बातँय कब होइहँय? अपना के दुबारा आमँइ के अउर इआ संसार के अन्त होंइ के, का चिन्हारी होई?" 4 तब यीसु उनहीं जबाब दिहिन, "तूँ पंचे सतरक रह्या, कोऊ तोंहईं बिसुआस से भटकाए न पाबय, 5 काहेकि खुब मनई अइसन होइहँय जउन हमरे नाम से आइके कइहँय, कि 'हम मसीह आहेन' अउर खुब मनइन काहीं बिसुआस से भटकाय देइहँय। 6 अउर तूँ पंचे जब युद्ध होत देख्या, अउर युद्धन के चरचा सुन्या, त घबराय न जया, काहेकि ई सगली बातँय जरूर होइहँय, पय उआ समय संसार के अन्त न होई। 7 काहेकि एक जाति के मनई, दुसरे जाति के मनइन के ऊपर चढ़ाई करिहँय, अउर एक देस, दुसरे देस के ऊपर चढ़ाई करी, अउर हरेक जघन माहीं अकाल परिहँय, अउर भुँइडोल होइहँय। 8 अउर ई सगली बातँय दुख-मुसीबतन के सुरुआत होइहँय। 9 तब उआ समय मनई कस्ट देंइ के खातिर तोहईं पंचन काहीं पकड़बइहँय, अउर मारि डरिहँय, अउर हमरे ऊपर बिसुआस करँइ के कारन सगले जाति के मनई तोंहसे दुसमनी रखिहँय। 10 अउर तब खुब मनई बिसुआस से भटक जइहँय, अउर एक दुसरे काहीं पकड़बइहँय, अउर एक दुसरे से दुसमनी रखिहँय। 11 अउर खुब जने परमातिमा के लबरी सँदेस बतामँइ बाले तइआर होइहँय, अउर खुब जनेन काहीं बिसुआस से भटकइहँय। 12 अउर अधरम के बढ़ँइ के कारन, खुब जनेन के प्रेम ठन्ड होइ जई, 13 पय जे कोऊ अन्त तक धीरज धरे रही, उहय मुक्ती पाई। 14 अउर परमातिमा के राज के इआ खुसी के खबर सगले संसार माहीं सुनाई जई, कि जउने सगले जाति के मनइन के खातिर गबाही होय, अउर तब संसार के अन्त आय जई।"

महासंकट के सुरुआत

(मरकुस 13:14-23; लूका 21:20-24)

15 "एसे जब तूँ पंचे उआ भयानक अउर बिनास करँइ बाली चीज काहीं, मन्दिर के पबित्र जघा माहीं ठाढ़ देख्या, जेखे के बारे माहीं दानिय्येल नबी बखान किहिन रहा हय †।" (अउर पढ़ँइ बाला समझ लेय, कि एखर मतलब का हय) 16 उआ समय जउन मनई यहूदिया प्रदेस माहीं होंय, त ऊँ पंचे पहारन माहीं भाग जाँय। 17 अउर जे कोऊ छत के ऊपर होय, त उआ अपने घर माहीं समान लेंइ के खातिर नीचे न उतरय; 18 अउर जे कोऊ खेत माहीं होय, त उआ आपन ओन्हा लेंइ के खातिर, पीछे न लउटय।

19 अउर ऊँ दिनन माहीं जउन मेहेरिआ लड़कहाई होइहँय, अउर जे कोऊ अपने लड़िकन काहीं दूध पिआबत होइहँय, त उनहीं पंचन काहीं खुब कस्ट होई। 20 एसे तूँ पंचे प्राथना करा, कि जाड़े के दिन माहीं, इआ कि पबित्र दिन काहीं, तोंहईं भागँय न परय। 21 काहेकि ऊँ दिनन माहीं एतना भारी संकट अई, कि जब से परमातिमा इआ संसार काहीं बनाइन हीं, तब से लइके आज तक अइसन संकट कबहूँ नहीं आबा, अउर न कबहूँ अउबय करी। 22 अउर अगर परमातिमा ऊँ दिनन काहीं कम न करते, त कउनव प्रानी न बचतें, पय अपने चुने मनइन के कारन परमातिमा ऊँ दिनन काहीं घटइहँय। 23 अउर उआ समय अगर कोऊ तोंहसे कहय, कि "देखा, मसीह 'इहाँ हें!' इआ कि 'उहाँ हें', त उनखर बिसुआस बेलकुल न मान्या।"

24 काहेकि लबरे मसीह, अउर परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले लबरे मनई तइआर होइहँय, अउर ऊँ पंचे बड़े-बड़े चिन्ह अउर अचरज के काम देखइहँय, कि होइ सकय त चुने मनइन काहीं घलाय भटकाय देंय, 25 अउर देखा, हम पहिलेन से तोंहईं पंचन काहीं सब कुछ बताय दिहेन हय। 26 एसे अगर ऊँ पंचे तोंहसे कहँय, कि "देखा, मसीह सुनसान जघा माहीं हें, त तूँ पंचे उहाँ न जया; अउर अगर इआ कहँय कि घरन माहीं लुके हँय, त उनखर बिसुआस न मान्या। 27 काहेकि जइसन बिजुली पूरुब से निकरिके पच्छिम तक चमकत ही, उहयमेर मनई के लड़िका घलाय अइहँय। 28 काहेकि जहाँ चील्ह एकट्ठा होती हँय, त इआ जाने मिलत हय, कि उहाँ लहास ही।"

मनई के लड़िका के दुसराय आउब

(मरकुस 13:24-27; लूका 21:25-28)

29 "ऊँ दिनन के दुख अउर कस्ट के बाद तुरन्तय सुरिज म एक्कव उँजिआर न रहि जई, अउर जोंधइआ उँजिआर न देई, अउर तरइया अकास से नीचे गिर अइहँय, अउर अकास के सगली चीजँय हलाई जइहँय। 30 तब मनई के लड़िका के आमँइ के चिन्हारी, अकास माहीं देखाई देई, अउर धरती माहीं रहँइ बाले सगले कुलन के मनई बड़ा बिलाप करिहँय, अउर मनई के लड़िका काहीं अपार सक्ती अउर महिमा के साथ, अकास के बदरिन माहीं आबत देखिहँय। 31 अउर ऊँ तुरही के खुब तेज अबाज के साथ अपने स्वरगदूतन काहीं पठइहँय, अउर ऊँ पंचे अकास के एक छोर से दुसरे छोर तक, चारिव दिसन से उनखे चुने मनइन काहीं एकट्ठा करिहँय।"

अंजीर के बिरबा के उदाहरन

(मरकुस 13:28-31; लूका 21:29-33)

32 अउर यीसु उनसे पुनि कहिन, कि "अंजीर के बिरबा से इआ सिच्छा ल्या, जब ओखर डेरइआ कोमर होइ जाती हईं, अउर उनमा पत्ता निकरँइ लागत हें, तब तूँ पंचे इआ जान लेते हया, कि गरमी के रित हरबिन आमँइ बाली हय। 33 इहइमेर से जब तूँ पंचे ई सगली बातन काहीं होत देख्या, त इआ जान लिहा कि ऊँ अमइन बाले हें, बलकिन आइन गे हँय। 34 हम तोंहसे सही कहित हएन, कि जब तक ई सगली बातँय पूर न होइ जइहँय, तब तक इआ समय के मनइन के अन्त न होई। 35 अकास अउर धरती टर जइहँय, पय हमार कही बातँय कबहूँ न टरिहँय।"

यीसु मसीह आमँइ बाले हें एसे तइआर रहा

(मरकुस 13:32-37; लूका 17:26-30,34-36)

36 "उआ दिन अउर उआ समय के बारे माहीं कोऊ नहीं जानँय, न स्वरग के दूत, अउर न लड़िका, ओखे बारे माहीं केबल पिता परमातिमा भर जानत हें। 37 अउर जइसन नूह के समय माहीं भ रहा हय, उहयमेर मनई के लड़िका के आउब घलाय होई ††। 38 काहेकि जइसन इआ धरती माहीं जल-प्रलय के आमँइ से पहिले, जब तक नूह जिहाज माहीं चढ़ नहीं गें, तब तक सगले मनई खात-पिअत रहे हँय, अउर ऊँ पंचे काज-बिआह करत रहे हँय, अउर बिटिअन काहीं काज-बिआह के खातिर सउँपत रहे हँय। 39 अरथात जब तक जल-प्रलय आइके सगले मनइन काहीं बहाय नहीं लइगा, तब तक ऊँ पंचे कुछू नहीं जाने पाइन तय; उहयमेर मनई के लड़िका के आउब घलाय होई। 40 उआ समय दुइ जने खेत माहीं होइहँय, उनमा से एक जने ऊपर उठाय लीन जई, अउर दूसर छोंड़ दीन जई। 41 उहयमेर एक साथ जेतबा पीसत दुइठे मेहेरिअन म से एकठे ऊपर उठाय लीन जई, अउर दूसर छोंड़ि दीन जई। 42 एसे हर समय सतरक रहा, काहेकि तूँ पंचे नहीं जनते आह्या, कि तोंहार प्रभू कउने दिन अइहँय। 43 पय तूँ पंचे इआ जानिल्या, कि अगर घर के मालिक जानत कि चोर केतनीदार अई, त उआ जागत रहत, अउर अपने घर माहीं चोरी न होंइ देत। 44 एसे तुहूँ पंचे तइआर रहा, काहेकि जउने समय के बारे माहीं तूँ पंचे सोचेव न होइहा, कि मनई के लड़िका अई, उहय समय मनई के लड़िका आय जई।"

बिसुआस के काबिल दास अउर दुस्ट दास के उदाहरन

(लूका 12:41-48)

45 एसे "उआ बिसुआस के काबिल अउर बुद्धिमान दास को कहाबत हय, उहय जेखर मालिक ओही अपने नोकर-चाकरन के ऊपर मुखिया बनाबत हें, कि उआ, समय माहीं सगलेन काहीं खाँय-पिअँइ क देय। 46 धन्य हय, उआ दास, जेही ओखर मालिक आइके जउन कहिगे रहे हँय, उहयमेर करत पामँय। 47 हम तोंहसे सही कहित हएन; ऊँ मालिक, ओही अपने सगले धन-

† *24:15 दानि 9:27*

†† *24:37 उत्प 6:5-8,11-13*

सम्पत्ती के मालिक बनाय देइहँय। 48 पय अगर उआ दुस्ट दास सोचँइ
लागय, कि हमार मालिक देर से अइहँय, 49 अउर उनखे दुसरे दास-दासिन
काहीं मारँइ पीटँय लागय, अउर पियक्कड़न के साथ खाँय-पिअँइ माहीं परि
जाय। 50 तब ओखर मालिक अइसन दिन काहीं अइहँय, जब उआ दास
सोचत होई, कि आज ऊँ न अइहँय। 51 अउर अइसन समय माहीं आय
जइहँय, जउने काहीं उआ न जानत होई, अउर ऊँ मालिक आइके ओही
खुब सजा देइहँय, अउर ओही कपटी मनइन के बीच माहीं डार देइहँय, जहाँ
रोउब अउर दाँत पीसब भर होई।"

दसठे कुमारिन के उदाहरन

25 यीसु एकठे उदाहरन बताइन, कि "स्वरग के राज ऊँ दसठे कुमारिन
कि नाईं होई, जउन आपन-आपन मसाल लइके दुलहा से मिलँइ के
खातिर अपने घरन से निकरीं। 2 अउर ऊँ कुमारिन म से पाँच जने मूरुख रही
हँय, अउर पाँच जने समझदार रही हँय। 3 अउर उनमा से जउन मूरुख रही
हँय, ऊँ पंचे आपन-आपन मसालँय त लइ लिहिन, पय अपने साथ माहीं
अलग से तेल नहीं लिहिन; 4 पय जउन समझदार रही हँय, ऊँ पंचे आपन-
आपन मसालँय लिहिन, अउर अपने साथ कुप्पिन माहीं तेल घलाय भर
लिहिन। 5 अउर जब दुलहा के आमँइ माहीं देरी होइगे, त ऊँ सगली जने
अउँघाँय लागीं अउर सोय गईं।

6 अउर जब आधी रात के धूम मची, कि 'देखा, दुलहा आय रहे हँय! उनसे
मिलँइ के खातिर चला।' 7 तब ऊँ सगली कुमारी उठिके, आपन-आपन
मसालँय ठीक करँइ लागीं। 8 अउर जउन मूरुख रही हँय, ऊँ पंचे समझदारन
से कहिन, कि 'अपने तेल म से थोरी क तेल हमहूँ पंचन काहीं घलाय दइ
द्या; काहेकि हमार पंचन के मसालँय बुझाँय बाली हईं।' 9 पय जउन
समझदार रही हँय उनहीं जबाब दिहिन, कि 'हम न देब, काहेकि होइ सकत
हय, कि इआ तेल हमरे अउर तोंहरे खातिर घलाय न पूजय; एसे उचित त
इआ हय, कि तूँ पंचे बेंचँइ बालेन के लघे जाइके अपने खातिर तेल खरीद
ल्या।' 10 अउर जब ऊँ पंचे तेल खरीदँय के खातिर जात रही हँय, तबहिनय
दुलहा आइगें, अउर जउन कुमारी तइआर रही हँय, ऊँ पंचे सगली दुलहा के
साथ बिआह-भोज माहीं चली गईं, तब दुअरा बंद कइ दीनगा। 11 एखे बाद
ऊँ दुसरव कुमारी घलाय आइके कहँइ लागीं, कि 'हे मालिक, हे मालिक,
हमरे खातिर दुअरा खोल देई!' 12 पय मालिक उनहीं जबाब दिहिन, कि 'हम
तोंहसे कहित हएन, कि हम तोंहईं पंचन काहीं नहीं जानी।' 13 एहिन से तूँ
पंचे सतरक रहा, काहेकि तूँ पंचे उआ दिन अउर समय के बारे माहीं नहीं
जनते आह्या, कि उआ समय कबय आय जई?"

तीनठे दासन के उदाहरन
(लूका 19:11-27)

14 "स्वरग के राज उआ मनई कि नाईं होई, जउन प्रदेस जाँइ के समय,
अपने दासन काहीं बोलाइके आपन धन-सम्पत्ती उनहीं सउँपि दिहिन।
15 अउर ऊँ एक जने काहीं पइसन से भरी पाँचठे थइली दिहिन, अउर दुसरे
जने काहीं दुइठे थइली, अउर तिसरे जने काहीं एकठे थइली दिहिन, अउर
हरेक जन काहीं उनखे सामर्थ के मुताबिक दिहिन, अउर तब ऊँ परदेस
चलेगें। 16 अउर तब जेही पइसन से भरी पाँचठे थइली मिली रही हँय, त
उआ हरबिन जाइके उनसे बइपार किहिस, अउर पाँच थइली पइसा अउर
कमान। 17 अउर इहइमेर से जेही दुइठे थइली मिली रही हँय, त उहव घलाय
दुइ थइली पइसा अउर कमान। 18 पय जउने काहीं एकठे थइली मिली रही
हय, त उआ जाइके गड्ढा खोदिस, अउर ओहिन माहीं अपने मालिक के
पइसा गाड़ दिहिस।

19 अउर खुब दिना बीते के बाद, ऊँ दासन के मालिक परदेस से आइके
उनसे हिंसाब-किताब लेंइ लागें। 20 अउर जेही पइसा से भरी पाँचठे थइली
मिली रही हँय, त उआ पाँच थइली पइसा अउर लइआइके कहिस, कि 'हे
मालिक, अपना हमहीं पाँचठे थइली सउँपेन तय, त अपना देखी, हम पाँच
थइली पइसा अउर कमानेन हँय।' 21 तब उआ दास के मालिक ओसे कहिन,
कि 'साबास, तूँ बिसुआस के काबिल अउर निकहे दास हया, तूँ थोर काहीं
धन माहीं बिसुआस के काबिल रहे हया; एसे हम तोंहईं खुब चीजन के
अधिकारी बनाउब। अउर तूँ जाइके अपने मालिक के खुसी माहीं सामिल
होइजा।'

22 अउर जउने दास काहीं दुइठे थइली मिली रही हँय, त उहव आइके
कहिस, 'हे मालिक, अपना हमहीं दुइ थइली पइसा सउँपेन तय, त अपना
देखी, हम दुइ थइली पइसा अउर कमानेन हय।' 23 तब मालिक, उआ दास
से कहिन, कि 'साबास, तूँ बिसुआस के काबिल अउर निकहे दास हया, तूँ
थोरी क धन माहीं बिसुआस के काबिल रहे हया; एसे हम तोंहईं खुब चीजन
के अधिकारी बनाउब। अउर तूँ अपने मालिक के खुसी माहीं सामिल
होइजा।'

24 अउर तब जेही पइसा से भरी एकठे थइली मिली रही हय, उआ अपने
मालिक के लघे आइके कहिस, 'हे मालिक, हम अपना काहीं जानत रहेन
हँय, कि अपना खुब कठोर मनई हएन: अउर अपना जहाँ बीज नहीं बोई,
उहाँ काटित हएन, अउर जहाँ नहीं छींटी, उहँव से बटोरित हएन। 25 एसे हम
डेराइ गएन तय, अउर जाइके पइसा से भरी अपना के थइली काहीं माटी
माहीं गाड़ दिहेन तय। देखी, जउन अपना के पइसा रहे हँय, ऊँ ईंन आहीं।'
26 पय मालिक उआ दास काहीं जबाब दिहिन, कि 'हे दुस्ट अउर आलसी
दास, जब तँय इआ जानत रहे हए, कि हम जहाँ बीज नहीं बोई उहाँ से
काटित हएन, अउर जहाँ नहीं छीटी उहँव से बटोरित हएन; 27 त तोही इआ
चाहँय क रहा हय, कि हमरे पइसा काहीं बइपारिन काहीं दइ देते, त हम
आइके आपन धन उनसे ब्याज समेत लइ लेइत। 28 तब ऊँ मालिक अपने
दासन काहीं कहिन, कि पइसन से भरी उआ थइली ओसे लइ ल्या, अउर
जेखे लघे दसठे थइली हईं, ओही दइ द्या। 29 काहेकि जेही जउन दीन ग हय,
अगर उआ ओही निकहा से उपयोग करत हय, त ओही अउर दीन जई,
अउर ओखे लघे खुब होइ जई। पय जे कोऊ ओही जउन दीन ग हय, अगर
ओखर निकहा से उपयोग नहीं करय त ओसे उहव लइ लीन जई, जउन
ओही दीन ग रहा हय। 30 अउर इआ निकम्मा दास काहीं, बहिरे लइ जाइके
अँधिआरे माहीं डार द्या, जहाँ रोउब अउर दाँत पीसब भर होई।"

मनई के लड़िका सगले मनइन के न्याय करिहँय

31 यीसु पुनि उनसे कहिन, कि "जब मनई के लड़िका अपने महिमा काहीं
धारन कइके अइहँय, अउर सगले स्वरगदूत उनखे साथ अइहँय, त ऊँ अपने
महिमामय सिंहासन माहीं बिराजमान होइहँय। 32 अउर सगले जातिअन के
मनई उनखे आँगे एकट्ठा कीन जइहँय; अउर जइसन गड़रिया, गड़रन काहीं
बोकरिन से अलग कइ देत हय, उहयमेर ऊँ उनहीं पंचन काहीं एक दुसरे से
अलग करिहँय। 33 ऊँ गड़रन काहीं अपने दहिने कइती, अउर बोकरिन काहीं
अपने बाएँ कइती ठाढ़ करिहँय। 34 अउर तब ऊँ राजा अरथात मनई के
लड़िका अपने दहिने कइती बालेन से कइहँय, कि 'हे हमरे पिता परमातिमा
के धन्य मनइव, तूँ पंचे आबा, अउर उआ राज के अधिकारी होइजा, जउन
संसार के सुरुआतय से तोंहरे खातिर तइआर कीन ग हय। 35 काहेकि जब
हम भूँखे रहेन हय, तब तूँ पंचे हमहीं खाना दिहा तय; अउर जब हम पिआसे
रहेन हय, त तूँ पंचे हमहीं पानी पिआया तय; अउर जब हम परदेसी रहेन
हय, त तूँ पंचे हमहीं अपने घर माहीं रोंक्या तय; 36 अउर जब हमरे लघे
ओन्हा नहीं रहे आँय, तब तूँ पंचे पहिरँय के खातिर हमहीं ओन्हा दिहा तय;
अउर जब हम बिमार रहेन हय, तब तूँ पंचे हमार ख्याल किहा तय, अउर
जब हम जेल माहीं रहेन हय, तब तूँ पंचे हमसे मिलँइ के खातिर उहाँ आया
तय'।"

37 तब परमातिमा के नजर माहीं निरदोस मनई, उनहीं जबाब देइहँय, कि
"हे प्रभू, हम पंचे कबय अपना काहीं 'भूँखा देखेन तय, अउर खाना खबाइन
तय?' इआ कि 'पिआसा देखेन तय, अउर अपना काहीं पानी पिआएन
तय?' 38 अउर हम पंचे कबय अपना काहीं 'परदेसी देखेन तय, अउर अपने

घर माहीं रोंकेन तय?' इआ कि अपना काहीं 'बिना ओन्हा पहिरे देखेन तय, अउर ओन्हा पहिरायन तय?' 39 अउर हम पंचे कबय अपना काहीं 'बिमार इआ कि जेल माहीं बंद देखेन तय, अउर अपना से मिलँइ गएन तय?' 40 तब राजा उनहीं जबाब देइहँय, कि 'हम तोंहसे सही कहित हएन, कि तूँ पंचे हमरे ईं छोट से छोट भाई-बहिनिन म से अगर कोहू के साथ अइसन किहा हय, त उआ हमरेन साथ किहा हय'।"

41 अउर तब ऊँ राजा अपने बाएँ कइती बालेन से कइहँय, कि "हे स्रापित मनइव, तूँ पंचे हमरे आँगे से उआ नरक के आगी माहीं चले जा, जउन कबहूँ बुझातिन नहिं आय, जउन सइतान अउर ओखर सेबा करँइ बाले दूतन के खातिर तइआर कीनगे ही। 42 काहेकि जब हम भूँखे रहेन हय, तब तूँ पंचे हमहीं खाना नहीं दिहा, अउर जब हम पिआसे रहेन हय, तब तूँ पंचे हमहीं पानी नहीं पिआया; 43 जब हम परदेसी बनिके रहेन हय; तब तूँ पंचे हमहीं अपने घरन माहीं नहीं रोंक्या; जब हम नंगे रहेन हय, तब तूँ पंचे हमहीं ओन्हा नहीं पहिराया; अउर जब हम बिमार रहेन हय, अउर जेलव माहीं रहेन हय, तब तूँ पंचे हमहीं देखँइ नहीं आया।

44 तब ऊँ पंचे इआ जबाब देइहँय, कि 'हे प्रभू, हम पंचे कबय अपना काहीं भूँखा, पिआसा, परदेसी, बिना ओन्हा पहिरे, बिमार, इआ कि जेल माहीं देखेन, अउर अपना के सेबा-सहाई नहीं किहेन?' 45 अउर तब ऊँ उनहीं इआ जबाब देइहँय, कि 'हम तोंहसे सही कहित हएन, कि तूँ पंचे हमरे ईं छोट से छोट भाई-बहिनिन म से कोहू के साथ अइसन नहीं किहा, त उआ हमरे साथ घलाय नहीं किहा आय।' 46 अउर ईं पंचे अनन्त काल तक सजा भोगिहँय, पय निरदोस मनई अनन्त जीबन पाइके स्वरगराज माहीं जइहँय।"

यीसु के बिरोध माहीं सड़यन्त्र रचब

(मरकुस 14:1,2; लूका 22:1,2; यूहन्ना 11:45-53)

26 जब यीसु ईं सगली बातन काहीं बताय चुकें, त पुनि अपने चेलन से कहिन, कि 2 "तूँ पंचे इआ जनते हया, कि दुइ दिना के बाद फसह नाम के तेउहार आमँइ बाला हय, अउर मनई के लड़िका क्रूस माहीं चढ़ामँइ के खातिर पकड़ाबा जई।"

3 तब प्रधान याजक लोग अउर यहूदी धारमिक अँगुआ लोग काइफा नाम के महायाजक के अँगना माहीं एकट्ठा भें, 4 अउर आपस माहीं इआ बात-चीत करँइ लागें, कि हम पंचे यीसु काहीं धोखे से पकड़िके मारि डारी। 5 पय ऊँ पंचे इआ कहत रहे हँय, कि "तेउहार के समय माहीं नहीं, कहँव अइसा न होय, कि लोगन माहीं दंगा होइ जाय।"

बैतनिय्याह गाँव माहीं यीसु के ऊपर अँतर डारब

(मरकुस 14:3-9; यूहन्ना 12:1-8)

6 जब यीसु बैतनिय्याह गाँव माहीं समौन कोढ़ी के घर माहीं रहे हँय, 7 तबहिनय एकठे मेहेरिआ संगमरमर के बरतन माहीं खुब महग अँतर लइके यीसु के लघे आई, अउर जब यीसु खाना खाँइ बइठ रहे हँय, तबहिनय उनखे मूँड़े माहीं अँतर उड़ेल दिहिस। 8 इआ देखिके, यीसु के चेला लोग उआ मेहेरिआ काहीं रिसिहाँइ लागें, अउर कहिन, कि "इआ अँतर काहीं काहे सत्यानास कइ दिहा? 9 एही त खुब पइसन माहीं बेंचिके कंगालन काहीं बाँटा जाय सकत रहा हय।" 10 इआ बात काहीं जानिके यीसु अपने चेलन से कहिन, कि "उआ मेहेरिआ काहीं काहे परेसान करते हया? उआ त हमरे साथ भलाइन किहिस ही। 11 काहेकि गरीब त तोंहरे साथ हमेसा रइहँय, पय हम तोंहरे साथ हमेसा न रहब। 12 उआ हमरे देंह माहीं जउन इआ अँतर उड़ेलिस ही, त हमरे गाड़े जाँइ के खातिर इआ काम किहिस ही। 13 हम तोंहसे पंचन से सही कहित हएन, कि सगले संसार माहीं जहाँ कहँव इआ खुसी के खबर के प्रचार कीन जई, त ओखे इआ काम के बखान घलाय ओखे यादगारी माहीं कीन जई।"

यहूदा इस्करियोती के बिसुआस घात करब

(मरकुस 14:10,11; लूका 22:3-6)

14 तब यहूदा इस्करियोती, जउन बरहँव चेलन म से रहा हय, उआ प्रधान याजकन के लघे जाइके कहिस, कि 15 "अगर हम यीसु काहीं अपना पंचन के हाँथे माहीं पकड़बाय देई, त अपना पंचे हमहीं का देब?" अउर ऊँ पंचे तीसठे चाँदी के सिक्का तउलिके ओही दइ दिहिन। 16 अउर यहूदा इस्करियोती उहय समय से यीसु काहीं पकड़ामँइ के मोका ढूँढ़ँइ लाग।

अपने चेलन के साथ फसह के तेउहार माहीं यीसु के आखिरी बेरकी खाना खाब

(मरकुस 14:12-21; लूका 22:7-13,21-23; यूहन्ना 13:21-30)

17 बिना खमीर के रोटी खाँइ बाले तेउहार के पहिलय दिन, चेला लोग यीसु के लघे आइके पूँछँइ लागें, कि "अपना कहाँ चाहित हएन, कि हम पंचे अपना के खातिर फसह के खाना के तइआरी करी?" 18 तब यीसु कहिन, कि "सहर माहीं एकठे मनई के लघे जाइके कह्या, कि 'गुरू कहिन हीं कि हमार समय लघे हय। अउर हम अपने चेलन के साथ तोंहरे इहाँ तेउहार मनाउब'।" 19 एसे चेला लोग यीसु के हुकुम काहीं मानिके, फसह के खाना तइआर किहिन।

20 जब साँझ भय, तब यीसु बरहँव चेलन के साथ खाना खाँय के खातिर बइठें। 21 अउर जब ऊँ पंचे खाना खात रहे हँय, तब यीसु उनसे कहिन, कि "हम तोंहसे सही कहित हएन, कि तोंहरे पंचन म से एक जने हमहीं बिरोधी लोगन के हाँथ माहीं पकड़बाई।" 22 इआ बात काहीं सुनिके चेला लोग खुब उदास होइगें, अउर हरेक जन उनसे पूँछँइ लागें, कि "हे प्रभू, अपना बताई, कि का उआ हम आहेन?" 23 तब यीसु जबाब दिहिन, कि "जे हमरे साथ एकय टठिया माहीं खात हय, उहय हमहीं पकड़बाई। 24 मनई के लड़िका त जाबय करी, जइसन कि पबित्र सास्त्र माहीं ओखे बारे माहीं लिखा हय; पय जउन मनई धोखा दइके मनई के लड़िका काहीं पकड़बामँइ बाला हय, ओही परमातिमा से खुब सजा मिली: अउर अगर उआ मनई के जन्मय न होत, त ओखे खातिर इआ नीक होत।" 25 तब यीसु काहीं पकड़ बामँइ बाला यहूदा इस्करियोती कहिस, कि "हे गुरू, का उआ हम आहेन?" तब यीसु ओसे कहिन, कि "हाँ, तूँ खुदय कहते हया।"

प्रभू-भोज

(मरकुस 14:22-26; लूका 22:14-20; 1 कुरिन्थियन 11:23-25)

26 जब यीसु अउर उनखर चेला लोग खाना खात रहे हँय, तब यीसु रोटी लिहिन, अउर पिता परमातिमा से आसीस मागिके टोरिन, अउर चेलन काहीं दइके कहिन, कि "ल्या, तूँ पंचे एही खा; इआ हमार देंह आय।" 27 अउर एखे बाद ऊँ अंगूर के रस से भरा खोरबा लइके, परमातिमा काहीं धन्यबाद दिहिन, अउर उनहीं खोरबा दइके कहिन, कि "तूँ पंचे सगले जन एमा से पिआ, 28 काहेकि इआ करार के हमार उआ खून आय, जउन खुब मनइन के पापन के माफी के खातिर बहाबा जई। 29 अउर हम तोंहसे पंचन से कहित हएन, कि अंगूर के इआ रस उआ दिना तक हम कबहूँ न पिअब, जब तक अपने पिता परमातिमा के राज माहीं तोंहरे साथ नबा अंगूर के रस न पी लेब।" 30 अउर पुनि ऊँ पंचे भजन गाइके जैतून पहार माहीं चलेगें।

पतरस के इनकार के बारे माहीं यीसु के भबिस्सबानी

(मरकुस 14:27-31; लूका 22:31-34; यूहन्ना 13:36-38)

31 तब यीसु उनसे कहिन, कि "तूँ पंचे सगले जने आजय रात माहीं, हमरे ऊपर किहे बिसुआस से भटक जइहा, काहेकि पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय: कि 'हम गड़रिया काहीं मार डारब, अउर झुन्ड के सगली गड़रँय तितर-बितर होइ जइहँय †।' 32 पय हम मरेन म से जिन्दा होए के बाद, तोंहसे

† *26:31 जक 13:7*

मिलँइ से पहिले गलील प्रदेस माहीं जाब।" 33 तब इआ बात काहीं सुनिके
पतरस यीसु से कहिन, कि "अगर सगले जने अपना के ऊपर किहे
बिसुआस से भटक जाँय त भटक जाँय, पय हम कबहूँ न भटकब।" 34 तब
यीसु पतरस से कहिन, कि "हम तोंहसे सही कहित हएन, कि आजय रात
माहीं मुरगा के बोलँइ से पहिले तूँ तीन बेरकी इनकार करिहा, कि हम यीसु
काहीं नहीं जानी।" 35 तब पतरस यीसु से कहिन, कि "अगर हमहीं अपना
के साथ मरऊँ क परय, तऊ हम अपना काहीं कबहूँ न इनकार करब।"
अउर इहइमेर सगले चेला घलाय कहिन।

गतसमनी नाम के जघा माहीं यीसु के प्राथना करब

(मरकुस 14:32-42; लूका 22:39-46)

36 तब यीसु अपने चेलन के साथ गतसमनी नाम के जघा माहीं आएँ,
अउर अपने चेलन से कहँइ लागें, कि "जब तक हम उहाँ जाइके प्राथना
करब, तब तक तूँ पंचे इहँय बइठ रह्या।" 37 अउर यीसु, पतरस अउर जब्दी
के दोनव लड़िकन काहीं अपने साथ माहीं लइगें, अउर यीसु उदास अउर
ब्याकुल होंइ लागें। 38 तब यीसु उनसे कहिन, कि "हमार जिव खुब उदास
हय, अउर लागत हय, कि हमार प्रान निकर जई। तूँ पंचे इहँय रुके रहा,
अउर हमरे साथ जागत रहा।" 39 अउर पुनि यीसु थोरी क अउर आँगे जाइके
अउर भुँइ माहीं मुँह झुकाइके, इआ प्राथना किहिन, कि "हे हमार पिता,
अगर होइ सकय त इआ बड़ा भारी कस्ट हमसे दूर होइ जाय, तऊ जइसन
हम चाहित हएन, उआमेर न होय, पय जइसन अपना चाहित हएन, उहयमेर
होय।" 40 अउर एखे बाद यीसु चेलन के लघे आएँ, त उनहीं सोबत पाइन,
तब ऊँ पतरस से कहिन, "का तूँ पंचे हमरे साथ एक घरिव, नहीं जाग सकते
आह्या? 41 तूँ पंचे सतरक रहा, अउर प्राथना करत रहा, कि जउने परिच्छन
माहीं न परा: आत्मा त वास्तव माहीं तइआर हय, पय देंह निबल ही।"
42 अउर यीसु पुनि दुसराय जाइके इआ प्राथना किहिन, कि "हे हमार पिता,
अगर इआ बड़ा भारी दुख के प्याला हमरे सहे बिना नहीं हटि सकय, त
अपना के इच्छा पूर होय।" 43 अउर यीसु जाइके देखिन त चेलन काहीं पुनि
सोबत पाइन, काहेकि ऊँ पंचे गहरी नींद म रहे हँय। 44 अउर चेलन काहीं
छोंड़िके यीसु पुनि चलेगें, अउर उहय बात पुनि कहिके तिसरइआ प्राथना
किहिन। 45 तब यीसु अपने चेलन के लघे आइके, उनसे कहिन, कि "तूँ पंचे
अब सोबत रहा, अउर अराम करा, काहेकि मनई के लड़िका के पकड़बाए
जाँइ के समय लघे आइगा हय, अउर मनई के लड़िका, पापी मनइन के हाँथ
माहीं पकड़ाबा जई। 46 उठा, चली! देखा, हमार पकड़ामँइ बाला लघे आइगा
हय।"

यीसु काहीं धोखे से पकड़ा जाब

(मरकुस 14:43-50; लूका 22:47-53; यूहन्ना 18:3-12)

47 जब यीसु इआ बात कहतय रहे हँय, तबहिनय यहूदा इस्करियोती
आबा, जउन बरहँव चेलन म से रहा हय, अउर ओखे साथ माहीं तलबार
अउर लाठी लए प्रधान याजकन अउर यहूदी समाज के अँगुअन के तरफ से
पठई खुब बड़ी भीड़ घलाय रही हय। 48 अउर यीसु काहीं पकड़बामँइ बाला
यहूदा इस्करियोती, उनहीं पंचन काहीं एकठे चिन्हारी बताइस तय, कि:
जिनखर हम चूमा लेब, उँइन यीसु आहीं, अउर तूँ पंचे उनहीं पकड़ लिहा।
49 अउर उआ हरबिन यीसु के लघे आइके कहिस, "हे गुरू, नबस्कार!"
अउर उनहीं खुब चूमिस। 50 तब यीसु ओसे कहिन, कि "हे साथी, जउने
काम के खातिर तूँ आया हय, ओही कइल्या।" तब ऊँ पंचे यीसु के लघे
जाइके उनहीं पकड़ लिहिन। 51 तब यीसु के साथिन म से एक जने, हाँथ
बढ़ाइके आपन तलबार निकार लिहिन, अउर महायाजक के दास के ऊपर
चलाइके ओखर कान काट लिहिन। 52 तब यीसु उनसे कहिन, कि "आपन
तलबार म्यान माहीं रख ल्या, काहेकि जे कोऊ तलबार चलाबत हें, ऊँ सगले
जन तलबार से मारे जइहँय। 53 अउर का तूँ इआ नहीं जनते आह्या, कि हम
अपने पिता से बिनती कइ सकित हएन, अउर ऊँ स्वरगदूतन के बारा पलटन
से जादा सिपाहिन काहीं हमरे लघे अबहिनय पठय देइहँय? 54 पय पबित्र
सास्त्र माहीं लिखी ऊँ बातँय, कि अइसनय होब जरूरी हय, कइसन पूर
होइहँय?" 55 अउर उहय समय यीसु भीड़ के मनइन से कहिन, कि "का तूँ
पंचे तलबारन अउर लाठिन काहीं लइके, डाँकू कि नाईं हमहीं पकड़ँइ आया
हय? हम त रोजय मन्दिर माहीं बइठिके उपदेस देत रहे हएन, तब तूँ पंचे
हमहीं गिरफतार नहीं किहा। 56 पय इआ सब एसे भ हय, कि जउने
परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन के बचन पूर होंय।" तब चेला लोग यीसु
काहीं छोंड़िके भागिगें।

महासभा माहीं यीसु काहीं लइ जाब

(मरकुस 14:53-65; लूका 22:54-55,63-71; यूहन्ना 18:13-14,19-24)

57 जउन मनई यीसु काहीं पकड़िन रहा हय, ऊँ पंचे उनहीं काइफा नाम के
महायाजक के लघे लइगें, अउर उहाँ मूसा के बिधान सिखामँइ बाले, अउर
यहूदी धारमिक अँगुआ लोग घलाय एकठ्ठा रहे हँय। 58 अउर पतरस दूरिन-
दूरी यीसु के पीछे-पीछे महायाजक के अँगने तक गें, अउर इआ देखँइ के
खातिर, कि यीसु के साथ का होई, भीतर जाइके पहरेदारन के साथ माहीं
बइठिगें। 59 अउर प्रधान याजक अउर महासभा के सगले मनई यीसु काहीं
मारि डारँइ के उद्देस्य से, उनखे खिलाफ लबरी गबाही देंइ बालेन काहीं ढूँढ़त
रहे हँय, 60 तब लबरी गबाही देंइ के खातिर खुब जने आएँ, पय कउनव दोस
ढूँढ़े नहीं पाइन। अउर आखिरी माहीं दुइ जने अउर आएँ, 61 अउर कहिन,
कि "ईं कहिन हीं, कि हम परमातिमा के मन्दिर काहीं गिराय सकित हएन,
अउर ओही तीन दिन माहीं पुनि बनाय सकित हएन।"
62 तब महायाजक ठाढ़ होइके यीसु से कहिन, कि "का इनखे जबाब माहीं
तोहईं कुछू नहीं कहँइ क आय? ईं पंचे तोंहरे बिरोध माहीं का गबाही देत
हें?" 63 पय यीसु कुछू जबाब नहीं दिहिन। तब महायाजक उनसे कहिन, कि
"हम तोहईं जिन्दा परमातिमा के कसम खबाइत हएन, कि अगर तूँ
परमातिमा के लड़िका मसीह आह्या, त हमहीं बताय द्या।" 64 तब यीसु
उनसे कहिन, कि "तूँ त खुदय कहते हया, पय हम तोहईं बताइत हएन, कि
अब से तूँ मनई के लड़िका काहीं सर्बसक्तिमान परमातिमा के दहिने कइती
बइठे, अउर अकास के बदरिन के ऊपर आबत देखिहा।" 65 इआ बात काहीं
सुनिके महायाजक आपन ओन्हा फारिन अउर कहिन, कि "ईं परमातिमा के
बुराई किहिन हीं, अउर हमहीं पंचन काहीं अब अउर गबाहन के जरूरत नहिं
आय, अउर देखा, तूँ पंचे अबहिनय इआ परमातिमा के बुराई काहीं सुने
हया! 66 त इनखे बारे माहीं तोंहार पंचन के का बिचार हय?" तब ऊँ पंचे
जबाब दिहिन, कि "ईं अपराधी हें, अउर मारि डारँइ के काबिल हें।" 67 तब
ऊँ पंचे यीसु के मुहें माहीं थूँकिन, अउर उनहीं घूँसा मारिन, अउर दूसर जने
उनखे गाल माहीं थापड़ मारिके कहिन, कि 68 "हे मसीह, भबिस्यबानी
कइके हमसे बताबा, कि तोहईं को मारिस ही?"

पतरस के व्दारा यीसु के इनकार

(मरकुस 14:66-72; लूका 22:56-62; यूहन्ना 18:15-18,25-27)

69 जब पतरस अँगना माहीं बहिरे बइठ रहे हँय, तबहिनय एकठे दासी
उनखे लघे आइके कहिस, कि "तुहूँ घलाय गलील प्रदेस माहीं रहँइ बाले
यीसु के साथ माहीं रहे हया।" 70 पय पतरस सबके आँगे इआ कहिके
इनकार कइ दिहिन, कि "हम नहीं जानी कि तूँ का कहते हया।" 71 अउर
जब पतरस बहिरे दुअरा माहीं गें, त दूसर दासी उनहीं देखिके, जउन मनई
उहाँ रहे हँय उनसे कहिस, कि "इऊँ घलाय त यीसु नासरी के साथ माहीं रहे
हें।" 72 तब पतरस कसम खाइके पुनि इनकार कइ दिहिन, कि "हम उआ
मनई काहीं नहीं जानी।" 73 अउर थोरी देर बाद ऊँ मनई, जउन उहाँ ठाढ़ रहे
हँय, पतरस के लघे आइके उनसे कहिन, कि "तोंहार बोली इआ साफ
बताय रही हय, कि सचमुच तुहूँ घलाय उनमा से एक जन आह्या।" 74 तब
पतरस खुद काहीं धिक्कारँय लागें अउर कसम खाँइ लागें, कि "हम उआ
मनई काहीं बेलकुल नहीं जानी।" अउर हरबिन मुरगा बोलिस। 75 तब

पतरस काहीं यीसु के कही बात याद आइगे: कि “मुरगा के बोलँइ से पहिले, तूँ तीन बेरकी हमहीं इनकार करिहा।” अउर पतरस बहिरे जाइके फूट-फूटिके रोमँइ लागें।

राजपाल पिलातुस के आँगे यीसु

(मरकुस 15:1; लूका 23:1,2; यूहन्ना 18:28-32)

27 जब भिनसार भ, तब सगले प्रधान याजक लोग, अउर यहूदी
धारमिक अँगुआ लोग, यीसु काहीं मारि डारँइ के खातिर खड़यन्त्र
रचिन। 2 अउर ऊँ पंचे यीसु काहीं बाँधिन, अउर लइ जाइके राजपाल
पिलातुस के हाँथे माहीं सउँपि दिहिन।

यहूदा इस्करियोती के फाँसी लगाउब

(खास चेलन 1:18,19)

3 यीसु काहीं पकड़बामँइ बाला यहूदा इस्करियोती, जब इआ देखिस, कि
यीसु काहीं अपराधी ठहराबा ग हय, त उआ खुब पचितान अउर ऊँ तीसठे
चाँदी के सिक्कन काहीं, प्रधान याजकन अउर यहूदी धारमिक अँगुअन के
लघे लइ जाइके लउटाय दिहिस। 4 अउर कहिस, कि “हम निरदोस मनई
काहीं मार डारँइ के खातिर पकड़ाइके पाप किहेन हय!” तब ऊँ पंचे कहिन,
कि “हमहीं एसे कउनव मतलब नहिं आय? तूँ खुदय जाना।” 5 तब उआ ऊँ
सिक्कन काहीं मन्दिर माहीं फेंकिके चला ग, अउर जाइके फाँसी लगाय
लिहिस।

6 प्रधान याजक लोग ऊँ सिक्कन काहीं लइके कहिन, कि “इनहीं भन्डार
माहीं रक्खब उचित नहिं आय, काहेकि इआ खून के दाम आय।” 7 एसे ऊँ
पंचे साहुत कइके, ऊँ सिक्कन से परदेसी मनइन के अंतिम संस्कार के
खातिर, कुम्हार के खेत खरीद लिहिन। 8 इआ कारन से उआ खेत आज तक
“खून के खेत” के नाम से जाना जात हय। 9 तब उआ बचन पूर होइगा,
जउन परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले यिर्मयाह के व्दारा कहा ग रहा हय:
कि “ऊँ पंचे चाँदी के ऊँ तीस सिक्कन काहीं अरथात जउन कीमत तँय कीन
गे रही हय। जउने काहीं इजराइल के सन्तानन म से कुछ जने ठहराइन रहा
हय, ओही लइ लिहिन, 10 अउर जइसन प्रभू हमहीं हुकुम दिहिन तय,
उहयमेर ऊँ चाँदी के सिक्कन काहीं कुम्हार के खेत खरीदँय माहीं लगाय
दिहेन †।”

पिलातुस यीसु से प्रस्न पूँछिन

(मरकुस 15:2-5; लूका 23:3-5; यूहन्ना 18:33-38)

11 जब यीसु राजपाल पिलातुस के आँगे ठाढ़ रहे हँय, तब ऊँ यीसु से
पूँछिन, “का तूँ यहूदी लोगन के राजा आह्या?” तब यीसु कहिन, “तूँ खुदय
कहते हया।” 12 पय जब प्रधान याजक लोग, अउर यहूदी धारमिक अँगुआ
लोग, यीसु के ऊपर दोस लगाबत रहे हँय, त यीसु कुछू जबाब नहीं दिहिन।
13 तब राजपाल पिलातुस उनसे कहिन, “का तूँ नहीं सुनते आह्या, कि ईं पंचे
तोंहरे बिरोध माहीं केतनी गबाही दइ रहे हें?” 14 पय यीसु, राजपाल काहीं
एक्कवठे बात के जबाब नहीं दिहिन, एसे राजपाल खुब अचरज मानिन।

यीसु काहीं मउत के सजा देंइ के हुकुम

(मरकुस 15:6-15; लूका 23:13-25; यूहन्ना 18:39—19:16)

15 फसह नाम के तेउहार के मोके माहीं राजपाल के इआ नेम रहा हय, कि
एकठे कइदी काहीं, जेही भीड़ के मनई चाहत रहे हँय, ओही ऊँ छोंड़ देत रहे
हँय। 16 अउर उआ समय उनखे इहाँ बरअब्बा नाम के एकठे घोर अपराधी
जेल माहीं बंद रहा हय। 17 त जब ऊँ पंचे एकठ्ठा भें, तब राजपाल उनसे
कहिन, कि “तूँ पंचे केही चहते हया, कि हम तोंहरे खातिर ओही छोंड़ देई?
बरअब्बा काहीं, इआ कि यीसु काहीं छोंड़ देई, जउन मसीह कहाबत हें?”
18 काहेकि राजपाल इआ जानत रहे हँय, कि ऊँ पंचे यीसु काहीं जलन के
कारन पकड़ाइन हीं। 19 अउर जब ऊँ न्याय आसन माहीं बइठ रहे हँय, त
उनखर मेहेरिआ उनहीं इआ खबर भेजबाइन, कि “अपना ऊँ धरमी मनई के
मामला माहीं, सामिल न होब, काहेकि आज हम सपन माहीं उनखे कारन,
खुब दुख उठाएन हँय।”

20 पय प्रधान याजक लोग, अउर यहूदी धारमिक अँगुआ लोग, मनइन के
कान भरिन, कि बरअब्बा काहीं छोंड़ँइ के खातिर, अउर यीसु काहीं मार
डारँइ के खातिर माँग करँय। 21 तब राजपाल उनसे पूँछिन, कि “ईं दोनव
जनेन म से, तूँ पंचे केही चहते हया, कि हम तोंहरे खातिर ओही छोंड़ देई?”
तब ऊँ पंचे कहिन, कि “बरअब्बा काहीं छोंड़ देई।” 22 तब राजपाल
पिलातुस उनसे पूँछिन, कि “पुनि यीसु काहीं जउन मसीह कहाबत हें, हम
का करी?” तब सगले जन उनसे कहिन, कि “ओही क्रूस माहीं चढ़ाबा
जाय!” 23 इआ सुनिके राजपाल कहिन, कि “काहे, ऊँ कउन अपराध
किहिन हीं?” पय ऊँ पंचे अउर चंडे चिल्लाय-चिल्लाइके कहँइ लागें, कि
“ओही क्रूस माहीं चढ़ाबा जाय।” 24 अउर जब पिलातुस इआ देखिन, कि
कुछू नीक नहीं होइ रहा आय, बलकिन दंगा होंइ बाला हय, त ऊँ पानी
लइके भीड़ के मनइन के आँगे आपन हाँथ धोइन, अउर कहिन, कि “ईं मनई
के मउत माहीं हम सामिल नहिं आहेन, अउर हम निरदोस हएन, इआ तोंहार
पंचन के मामला आय त तुहिन पंचे जान्या।” 25 तब सगले जने जबाब
दिहिन, कि “इनखे मउत के सजा के गुनहगार हम पंचे, अउर हमार पंचन के
सन्तान होइहँय!” 26 इआ कारन से राजपाल बरअब्बा काहीं उनखे खातिर
छोंड़ दिहिन, अउर यीसु काहीं चाबुक से मरबाइके, उनहीं पंचन काहीं सउँप
दिहिन, कि उनहीं क्रूस माहीं चढ़ाबा जाय।

सिपाहिन के व्दारा यीसु के निरादर

(मरकुस 15:16-20; यूहन्ना 19:2,3)

27 तब राजपाल के सिपाही लोग, यीसु काहीं किला के भीतर लइ जाइके,
अपने सगली पलटन काहीं, यीसु के चारिव कइती एकट्ठा किहिन, 28 अउर
यीसु के ओन्हा उतारिके उनहीं बैगनी रंग के चमकीला ओन्हा पहिराइन।
29 अउर काँटन काहीं गुँथिके अउर मुकुट बनाइके यीसु के मूँड़े माहीं धरिन,
अउर उनखे दहिने हाँथे माहीं सरकन्डा के लाठी पकड़ाय दिहिन, अउर उनखे
आँगे गोड़न गिरिके उनखर मजाक उड़ामँइ लागें, अउर कहँइ लागें, कि “हे
यहूदी लोगन के राजा, नबस्कार!” 30 अउर उनखे ऊपर थूँकिन; अउर उहय
सरकन्डा के लाठी लइके, यीसु के मूँड़े माहीं मारय लागें। 31 अउर जब ऊँ
पंचे यीसु के मजाक उड़ाय चुकें, त उआ चमकीला ओन्हा उतरबाय लिहिन,
अउर पुनि उनहिन के ओन्हा उनहीं पहिराय दिहिन, अउर क्रूस माहीं चढ़ामँइ
के खातिर, उनहीं लइके चल दिहिन।

यीसु काहीं क्रूस म चढ़ाबा जाब

(मरकुस 15:21-32; लूका 23:26-43; यूहन्ना 19:17-27)

32 अउर बहिरे जात समय, उनहीं पंचन काहीं कुरेन सहर के समौन नाम
के एकठे मनई मिला, तब ऊँ पंचे ओही बेगार माहीं पकड़िन, कि उआ यीसु
के क्रूस उठाइके लइ चलय। 33 अउर जब ऊँ पंचे उआ जघा माहीं पहुँचिगें,
जउन “गुलगुता” अरथात “खोपड़ी के जघा” कहाबत रही हय, 34 तब ऊँ
पंचे, अंगूर के रस माहीं, करू चीज मिलाइके यीसु काहीं, पिअँइ के खातिर
दिहिन, पय ऊँ ओही चींखिन, त पिअँइ से इनकार कइ दिहिन। 35 तब ऊँ
पंचे यीसु काहीं क्रूस माहीं चढ़ाइन, अउर परची डारिके उनखे ओन्हन काहीं
आपस माहीं बाँटि लिहिन। 36 अउर उहाँ बइठिके यीसु के पहरा देंइ लागें।
37 अउर उनखर अरोप-पत्र उनखे मूँड़े के ऊपर लगाइन, कि “ईं यहूदी लोगन
के राजा यीसु आहीं।” 38 अउर तब उनखे साथ दुइठे डँकुअन काहीं, एकठे
क यीसु के दहिने कइती, अउर दुसरे क बाएँ कइती क्रूस माहीं चढ़ाइन।
39 अउर आमँय-जाँय बाले मनई आपन मूड़ हलाय-हलाइके, यीसु के बुराई
करत रहे हँय, 40 अउर इआ कहत रहे हँय, कि “हे मन्दिर काहीं गिरामँइ
बाले, अउर तीन दिना माहीं बनामँइ बाले, खुद काहीं त बचाव! अउर अगर

† *27:10 यिर्म 18:2-6; जक 11:12,13*

तँय परमातिमा के लड़िका आहे, त क्रूस से नीचे उतरि आव।" 41 अउर इहइमेर से प्रधान याजक लोग घलाय, मूसा के बिधान सिखामँइ बालेन, अउर यहूदी धारमिक अँगुअन समेत, यीसु के मजाक उड़ाइके कहत रहे हँय, 42 "इआ दुसरे मनइन काहीं त बचाइस ही, पय खुद काहीं नहीं बचाय सकय। अउर इआ त 'इजराइल देस के राजा' आय। पय अब अगर इआ क्रूस से नीचे उतरि आबय, त हम पंचे एखे ऊपर बिसुआस करी। 43 अउर एखर भरोसा परमातिमा के ऊपर हय; अगर ऊँ एही चाहत हें, त एही बचाय लेंय, काहेकि इआ कहिस रहा हय, कि 'हम परमातिमा के लड़िका आहेन'।" 44 अउर इहइमेर डाँकू घलाय, जउन उनखे साथ क्रूस माहीं चढ़ाए गे रहे हँय, उनखर बुराई करत रहे हँय।

यीसु के प्रान छोंड़ब

(मरकुस 15:33-41; लूका 23:44-49; यूहन्ना 19:28-30)

45 अउर दुपहर बारा बजे से लइके तीन बजे तक, सगले देस माहीं अँधिआर छाबा रहिगा। 46 अउर तीन बजे के करीब यीसु खुब चंडे चिल्लाइके कहिन, "एली, एली, लमा सबक्तनी?" अरथात जेखर मतलब हय, "हे हमार परमातिमा, हे हमार परमातिमा, अपना हमहीं काहे छोंड़ दिहेन †?" 47 तब जउन मनई उहाँ ठाढ़ रहे हँय, इआ बात काहीं सुनिके उनमा से कुछ जने कहिन, कि "ऊँ त एलिय्याह नबी काहीं गोहराबत हें।" 48 तब उनमा से एक जने हरबिन दउड़िके आबा, अउर सोक्खा लइके सिरका माहीं बुड़ाइस, अउर सरकन्डा के लाठी माहीं धइके यीसु काहीं चुहकाइस। 49 पय कुछ जने कहिन, "अबय रहि जा, हम पंचे देखी, एलिय्याह नबी एही बचामँइ आबत हें, कि नहीं।" 50 तब यीसु पुनि खुब चन्डे चिल्लाइके प्रान छोंड़ दिहिन। 51 अउर उहय समय मन्दिर के परदा ऊपर से नीचे तक, फाटिके दुइ टुकड़ा होइगा: अउर धरती डोलिगे, अउर चट्टानँय चटक गईं, 52 अउर खुब कब्रँय खुल गईं, अउर जउन पबित्र मनई मरिगे रहे हँय, उनमा से खुब जने जिन्दा होइगें, 53 अउर कब्रन से बहिरे निकरि आएँ, अउर यीसु के जिन्दा होए के बाद, ऊँ पंचे पबित्र सहर माहीं गें, अउर खुब मनइन काहीं देखाई दिहिन। 54 तब सुबेदार, अउर जउन मनई उनखे साथ यीसु के पहरा देत रहे हँय, त ऊँ पंचे भुँइडोल अउर जउन कुछू भ रहा हय, ओही देखिके खुब डेराइगें, अउर कहँइ लागें, कि "वास्तव माहीं यीसु परमातिमा के लड़िका आहीं!" 55 अउर उहाँ खुब मेहेरिआ रही हँय, जउन गलील प्रदेस से यीसु के सेबा करत, उनखे साथय आई रही हँय, ऊँ पंचे दूरिन से इआ सगला हाल देखत रही हँय। 56 अउर उन माहीं मगदल गाँव के मरियम, अउर याकूब अउर योसेस के महतारी मरियम, अउर जब्दी के लड़िकन के महतारी घलाय रही हँय।

यीसु काहीं गाड़ा जाब

(मरकुस 15:42-47; लूका 23:50-56; यूहन्ना 19:38-42)

57 जब साँझ भय, त अरमतिया गाँव के यूसुफ नाम के एकठे धनी मनई आएँ, जउन खुद यीसु के चेला रहे हँय। 58 ऊँ राजपाल पिलातुस के लघे जाइके, यीसु के लहास काहीं माँगिन, तब पिलातुस उनहीं लहास दइ देंइ के हुकुम दइ दिहिन। 59 अउर यूसुफ लहास लइके, उजर चद्दरा माहीं लपेटिन, 60 अउर ऊँ यीसु के लहास काहीं अपने नई कब्र माहीं धरिन, जउने काहीं ऊँ चट्टान माहीं खोदबाइन रहा हय, अउर कब्र के दुअरा माहीं खुब बड़ा पथरा ढनगाइके बंद कइके चलेगें। 61 अउर मगदल गाँव के मरियम, अउर दूसर मरियम, उहाँ कब्र के बगल माहीं बइठ रही हँय।

यीसु के कब्र माहीं पहरा देब

62 जब सुक्रबार के दिन बीत ग, त दुसरे दिना, प्रधान याजक लोग अउर फरीसी लोग, पिलातुस के लघे एकट्ठा होइके उनसे कहिन, कि 63 "हे हजूर, हमहीं पंचन काहीं सुध ही, कि उआ छल करँइ बाला, जब उआ जिन्दा रहा हय, त इआ कहिस रहा हय, कि 'हम तीन दिना के बाद जिन्दा होइ जाब।' 64 एसे अपना इआ हुकुम देई, कि तीन दिना तक कब्र के रखबारी कीन जाय, कहँव अइसन न होय, कि ओखर चेला लोग आइके, ओही चोराय लइ जाँय, अउर मनइन से कहँइ लागँय, कि 'उआ मरेन म से जिन्दा होइगा हय।' त इआ दूसर धोखा पहिल धोखा से जादा बुरा होई।" 65 तब पिलातुस उनसे कहिन, कि "तोंहरे पंचन के लघे पहरा देंइ बाले त हें। एसे जा, अपने समझ के मुताबिक रखबारी करा।" 66 तब ऊँ पंचे, उहाँ से चलेगें, अउर पथरा माहीं सील लगाय दिहिन, अउर पहरा देंइ बालेन काहीं उहाँ बइठाइके कब्र काहीं, सुरच्छित कइ दिहिन।

मरेन म से यीसु के जिन्दा होब

(मरकुस 16:1-10; लूका 24:1-12; यूहन्ना 20:1-10)

28 पबित्र दिन के बाद हप्ता के पहिलय दिना अइतबार काहीं, उँजिआर होतय मगदल गाँव के मरियम, अउर दूसर मरियम कब्र काहीं देखँइ गईं। 2 तब उहाँ अचानक खुब तेज भुँइडोल भ, काहेकि प्रभू के एकठे दूत स्वरग से उतरें, अउर कब्र के लघे आइके उआ पथरा काहीं हटाय दिहिन, अउर ओहिन के ऊपर बइठिगें। 3 अउर उनखर रूप बिजुली कि नाईं रहा हय, अउर उनखर ओन्हा बरफ कि नाईं उजर रहा हय। 4 अउर स्वरगदूत के डेरन के मारे कब्र माहीं पहरा देंइ बाले सिपाही थर-थर काँपय लागें, अउर मरे कि नाईं होइगें। 5 तब स्वरगदूत, ऊँ मेहेरिअन से कहिन, "डेरा न, काहेकि हम जानित हएन कि तूँ पंचे यीसु काहीं ढुँढ़ते हया, जउन क्रूस माहीं चढ़ाए गे रहे हँय। 6 ऊँ इहाँ नहिं आहीं, पय ऊँ अपने कहे के मुताबिक जिन्दा होइगें हँय। अउर आबा, इआ जघा काहीं देखा, जहाँ प्रभू परे रहे हें, 7 अउर हरबिन जाइके उनखे चेलन काहीं बताबा, कि ऊँ मरेन म से जिन्दा होइगें हँय, अउर ऊँ तोंहसे पंचन से पहिले गलील प्रदेस माहीं जइहँय, अउर तूँ पंचे उहँय उनखर दरसन पइहा! अउर देखा, जउन बात हम तोंहसे कहेन हय, त ओही सुध रख्या।"

8 तब ऊँ मेहेरिआ डेरन के मारे, अउर बड़ी खुसी के साथ कब्र से हरबिन लउटिके यीसु के चेलन काहीं खबर बतामँइ के खातिर दउड़त चल दिहिन। 9 तब यीसु उनहीं मिलें अउर कहिन, कि "नबस्कार।" तब ऊँ पंचे यीसु के लघे आईं, अउर उनखर गोड़ पकड़िके, उनखे गोड़न गिरीं। 10 तब यीसु उनसे कहिन, "डेरा न; तूँ पंचे जाइके हमरे भाइन से कहि द्या, कि ऊँ पंचे गलील प्रदेस माहीं चले जाँय, अउर उहँय हमहीं देखिहँय।"

पहरेदारन के व्दारा खबर देब

11 जब ऊँ पंचे खबर देंइ जातय रही हँय, तबहिनय पहरेदारन म से कुछ जने, सहर माहीं जाइके प्रधान याजकन से सगला हाल बताइन। 12 तब ऊँ पंचे यहूदी समाज के धारमिक अँगुअन के लघे एकट्ठा होइके एकठे योजना बनाइन, अउर सिपाहिन काहीं खुब चाँदी दइके कहिन, 13 "तूँ पंचे इआ कह्या, कि रात माहीं जब हम पंचे सोबत रहेन हय, तब यीसु के चेला लोग आइके उनहीं चोराय लइगे हँय। 14 अउर अगर इआ बात हाकिम के कान तक पहुँच जई, त हम पंचे उनहीं मनाय लेब, अउर तोंहईं पंचन काहीं खतरा माहीं परँइ से बचाय लेब।" 15 एसे ऊँ पहरा देंइ बाले सिपाही, रुपिआ लइके जइसन सिखाए गे रहे हँय, उहयमेर किहिन; अउर इआ किस्सा आजव तक, यहूदी लोगन माहीं इहइमेर फइली हय।

16 अउर यीसु के ग्यरहँव चेला गलील प्रदेस के उआ पहार माहीं गें, जउने पहार माहीं जाँइ के खातिर यीसु उनहीं बताइन रहा हय। 17 अउर ऊँ पंचे यीसु के दरसन पाइके उनखे गोड़न गिरें, पय कुछ मनइन के मन माहीं संका रही हय, कि ईं यीसु आहीं कि न होंहीं। 18 तब यीसु उनखे लघे आइके कहिन, "स्वरग अउर धरती के सगला अधिकार हमहिन काहीं दीनगा हय। 19 एसे तूँ पंचे इहाँ से जाइके, सगले जातिअन के मनइन काहीं चेला बनाबा, अउर उनहीं पंचन काहीं पिता परमातिमा, अउर लड़िका यीसु, अउर पबित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा द्या। 20 अउर जउने बातन काहीं, हम तोंहईं

† *27:46 भज 22:1*

पंचन काहीं मानँइ के हुकुम दिहेन हय, उँइन बातन काहीं मानँइ के खातिर
उनहूँ पंचन काहीं सिखाबा: अउर इआ बात काहीं सुध रख्या, कि संसार के
अन्त तक हमेसा हम तोंहरे पंचन के साथ माहीं रहब।”

मरकुस

इआ किताब के परिचय

मरकुस के लिखी खुसी के खबर के सुरुआत इआमेर से हय, “परमातिमा के लड़िका यीसु मसीह के खुसी के खबर।” इआ खुसी के खबर म यीसु काहीं सगले कामन म अधिकार रक्खँइ बाले, अउर सही काम करँइ बाले, मनई कि नाईं बताबा ग हय। यीसु के अधिकार उनखे सिच्छन माहीं, बुरी आत्मन क निकारँइ माहीं, अउर मनइन के पाप माफ करँइ माहीं देखाबा ग हय। इआ खुसी के खबर माहीं यीसु अपने काहीं “मनई के लड़िका” कहिन हीं। यीसु दुनिया माहीं एसे आएँ, कि मनइन काहीं पापन से छोड़ामँइ के खातिर आपन जान देंइ।
मरकुस यीसु के बातन अउर सिच्छन काहीं नहीं, बलकिन उनखे कामन काहीं जादा जोर दिहिन हीं। एसे मरकुस यीसु के कामन के बखान सहज अउर सही ढँग से किहिन हीं। यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले, अउर यीसु के बपतिस्मा, अउर यीसु के परिच्छा, के बारे माहीं थोरी काहीं बताए के बाद, लेखक हरबिन यीसु काहीं बिमारन काहीं नीक करब, अउर परमातिमा के सँदेस बताउब, अउर उनखे सेबा के कामन काहीं बतामँइ लागत हें। जेतना समय बीतत ग, ओतनइ यीसु के बात मानँइ बाले उनहीं निकहा से जानत गें, पय यीसु के बिरोधी खुब जादा होइगें। अन्तिम पाठन माहीं यीसु के अन्तिम जीबन के घटना के बारे माहीं बताबा ग हय। जउने म खास हय, यीसु काहीं क्रूस माहीं चढ़ाउब, मारा जाब, गाड़ा जाब, अउर दुसराय जिन्दा होइके स्वरग जाब।
अपना पंचे इआ खुसी के खबर काहीं जरूर पढ़ी। अउर यीसु मसीह के सिच्छन के बारे माहीं, अउर उनखे चमत्कारन के बारे माहीं, अउर मरेन म से पुनि जिन्दा होंइ के बारे माहीं, निकहा से जानी, अउर अपने मसीही जीबन काहीं आत्मिक रूप से मजबूत बनाई।

रूप-रेखा :

खुसी के खबर के सुरुआत-
गलील माहीं यीसु के सेबा के काम- 1:14;
गलील से यरूसलेम सहर तक के यात्रा-
यरूसलेम माहीं अन्तिम हप्ता- 11:1;
यीसु के दुबारा जिअब-
जिन्दा भए प्रभू यीसु के देखाई देब अउर स्वरग काहीं जाब-

यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के प्रचार

1 परमातिमा के लड़िका यीसु मसीह के खुसी के खबर के सुरुआत।
2 जइसन परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले यसायाह के किताब माहीं
लिखा हय, कि
“देखा, हम अपने दूत काहीं तोंहसे पहिले पठइत हएन, जऊँ तोंहरे खातिर
मनइन काहीं तइआर करिहँय।
3 सुनसान जघा माहीं एकठे मनई खुब चन्डे गोहराबत रहे हँय, कि अपने
मन काहीं तइआर कइके गइल सीध बनाय ल्या, काहेकि प्रभू आमँइ बाले हें
†।”
4 ऊँ गोहरामँइ बाले यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले आहीं, जऊँ सुनसान जघा
माहीं बपतिस्मा देत रहे हँय, ऊँ ठाढ़ होइके कहँइ लागें, पाप करब छोंड़िके
अपने मन काहीं बदला, अउर बपतिस्मा ल्या, जउने परमातिमा तोंहरे
अपराधन काहीं माफ कइ देंय। 5 सगले यहूदिया प्रदेस के यहूदी, अउर
यरूसलेम सहर के रहँइ बाले सगले मनई अपने घरन से निकरिके यूहन्ना
बपतिस्मा देंइ बाले के लघे गें, अउर अपने-अपने पापन काहीं सोइकार
कइके यरदन नदी माहीं उनसे बपतिस्मा लिहिन।
6 यूहन्ना ऊँट के बार से बना ओन्हा पहिरत रहे हँय, अउर करिहाँ माहीं
चमड़ा के पट्टा बाँधे रहत रहे हँय, अउर ऊँ चिड्डन काहीं अउर जंगल के
महिपर खात रहे हँय। 7 अउर इआ कहिके प्रचार करत रहे हँय, कि “हमरे
बाद जऊँ आमँइ बाले हें, ऊँ हमसे एतना महान हें; कि हम निहुरिके उनखे
पनहिन के डोरव तक छोरँइ के काबिल नहिं आहेन। 8 हम त तोहईं पंचन
काहीं पानी से बपतिस्मा दिहेन हय, पय ऊँ तोहईं पबित्र आत्मा से बपतिस्मा
देइहँय।”

यीसु के बपतिस्मा अउर परिच्छा
(मत्ती 3:13; 4:11; लूका 3:21-22; 4:1-13)

9 एक दिना यीसु गलील प्रदेस के नासरत गाँव से आइके, यरदन नदी
माहीं यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले से बपतिस्मा लिहिन। 10 यीसु जइसय पानी
से बहिरे निकरिके ऊपर आएँ, तबहिनय ऊँ अकास काहीं खुलत अउर
पबित्र आत्मा काहीं अपने ऊपर परेबा के रूप म उतरत देखिन। 11 अउर
इआ अकासबानी भय, “तूँ हमार पियार लड़िका आह्या, हम तोंहसे प्रसन्न
हएन।”
12 तब पबित्र आत्मा हरबिन यीसु काहीं सुनसान जघा कइती पठइस।
13 अउर सुनसान जघा माहीं, सइतान उनखर चालिस दिना तक परिच्छा
लिहिस; अउर उहाँ यीसु जंगल म रहँइ बाले जानबरन के बीच माहीं रहे हँय,
अउर स्वरगदूत उनखर सेबा करत रहे हँय।

यीसु के सेबकाई के सुरुआत
(मत्ती 4:12-17; लूका 4:14-15)

14 जब हेरोदेस राजा यूहन्ना काहीं जेल माहीं डरबाय दिहिन तय, ओखे
बाद यीसु गलील प्रदेस माहीं आइके, परमातिमा के राज के खुसी के खबर
सुनामँइ लागें। 15 अउर ऊँ कहिन, “सही समय आइगा हय, अउर हरबिन

† *1:3 यसा 40:3*

परमातिमा राजा बनिके आमँइ बाले हें; पाप करब छोंड़िके परमातिमा के लघे आबा, अउर खुसी के खबर के बिसुआस करा।”

पहिल चेलन काहीं बोलाबा जाब

(मत्ती 4:18-22; लूका 5:1-11)

16 एक दिना यीसु गलील प्रदेस के झील के किनारे-किनारे चलतय-चलत,
समौन अउर उनखे भाई अन्द्रियास काहीं झील म जाल डारत देखिन;
काहेकि ऊँ पंचे मछुआरा रहे हँय। 17 यीसु उनसे कहिन, “हमरे पीछे चले
आबा, हम तोंहईं मनइन काहीं परमातिमा के लघे लइ आमँइ बाला
बनाउब।” 18 अउर ऊँ पंचे तुरन्तय जालन क छोंड़िके यीसु के पीछे चल
दिहिन।
19 उहाँ से कुछ दूरी चले के बाद, यीसु जब्दी के लड़िका याकूब अउर
ओखे भाई यूहन्ना काहीं नाव म चढ़े जालन काहीं सुधारत देखिन। 20 यीसु
उनहीं हरबिन बोलाइन; अउर ऊँ पंचे अपने बाप जब्दी काहीं मजूरन के
साथ नाव माहीं छोंड़िके यीसु के पीछे चल दिहिन।

बुरी आत्मा से परेसान मनई काहीं नीक करब

(लूका 4:31-37)

21 यीसु अपने चेलन के साथ कफरनहूम सहर माहीं गें, अउर ऊँ पबित्र
दिन काहीं हरबिन यहूदी सभाघर माहीं जाइके उपदेस देंइ लागें। 22 अउर
मनई उनखे उपदेस काहीं सुनिके चउआइगें; काहेकि यीसु उनहीं मूसा के
बिधान सिखामँइ बालेन कि नाईं नहीं, बलकिन अधिकारी कि नाईं उपदेस
देत रहे हँय। 23 उहय समय उनखे सभाघर माहीं एकठे मनई बइठ रहा हय,
जउने माहीं एकठे बुरी आत्मा रही हय। 24 उआ एक दरकिन चिल्लाइके
कहँइ लाग, “हे नासरत गाँव के रहँइ बाले यीसु हमार अपना से कउनव काम
नहिं आय, का अपना हमहीं नास करँइ आएन हँय? हम अपना काहीं
जानित हएन, कि अपना को आहेन? अपना परमातिमा के पबित्र जन
आहेन।” 25 यीसु ओही डाँटिके कहिन, “चुप्पय रव्ह; अउर उआ मनई से
बहिरे निकर जा।” 26 तबहिनय उआ बुरी आत्मा उआ मनई काहीं खुब
अभुआइके, अउर खुब चंडे चिल्लाइके ओसे बहिरे निकरिगे। 27 इआ देखिके
सगले जन चउआइगें, अउर आपस माहीं कहँइ लागें, “इआ का बात ही?
इआ त कउनव नबा उपदेस आय! यीसु अधिकार के साथ बुरी आत्मन
काहीं हुकुम देत हें, अउर ऊँ उनखर हुकुम मनती हईं।” 28 अउर यीसु के
नाम हरबिन गलील प्रदेस के आस-पास के सगले गाँमन माहीं फइलिगा।

खुब बिमारन काहीं नीक करब

(मत्ती 8:14-17; लूका 4:38-41)

29 यीसु हरबिन यहूदी सभाघर से निकरिके याकूब अउर यूहन्ना के साथ
समौन अउर अन्द्रियास के घर माहीं गें। 30 समौन के सास काहीं बोखार चढ़ी
रही हय, अउर घरबाले हरबिन यीसु से उनखे बारे माहीं बताइन। 31 तब यीसु
समौन के सास के लघे जाइके उनखर हाँथ पकड़िके उठाइन; तबहिनय
उनखर बोखार उतरि गे, अउर ऊँ उनखर सेबा-सहाई करँइ लागीं।
32 साँझ के समय जब सुरिज बूड़िगा, तब खुब जने सगले बिमारन काहीं,
अउर उनहीं जउनेन माहीं बुरी आत्मा रही हँय, यीसु के लघे लइ आएँ।
33 अउर सहर के खुब मनई घर के सउहें एकट्ठा होइगें। 34 यीसु खुब जनेन
काहीं, जऊँ कइअक मेर के बिमारिन से परेसान रहे हँय, नीक कइ दिहिन,
अउर खुब बुरी आत्मन काहीं निकारिन, अउर ऊँ, बुरी आत्मन काहीं बोलँइ
नहीं देत रहे आहीं, काहेकि ऊँ यीसु काहीं जानत रही हँय।

अकेले माहीं यीसु के प्राथना

(लूका 4:42-44)

35 भिनसरहय सुरिज निकरँइ से खुब पहिलेन, यीसु उठिके, घर से
निकरिके सुनसान जघा माहीं गें, अउर उहँय प्राथना करँइ लागें। 36 सकारे
समौन अउर उनखर साथी उनहीं ढूँढ़ँइ गें। 37 जब यीसु उनहीं मिलिगें, तब
ऊँ पंचे उनसे कहिन, “सगले जन अपना काहीं ढूँढ़त लाग हें।” 38 यीसु
उनसे कहिन, “आबा हम पंचे अउर कहँव आस-पास के बस्तिन म चली,
जउने हम उहँव प्रचार करी, काहेकि हम एहिन खातिर निकरेन हय।”
39 यीसु सगले गलील प्रदेस माहीं उनखे सभाघरन माहीं जाइ-जाइके खुसी
के खबर के प्रचार करत, अउर बुरी आत्मन काहीं मनइन से निकारत रहिगें।

कोढ़ के मरीज काहीं नीक करब

(मत्ती 8:1-4; लूका 5:12-16)

40 एकठे कोढ़ी यीसु के लघे आबा, अउर उनसे चरउरी बिनती किहिस,
अउर उनखे गोड़न गिरिके कहिस, “अगर अपना चाही त हमहीं सुद्ध कइ
सकित हएन।” 41 यीसु काहीं उआ मनई के ऊपर बड़ी दया आइगे, अउर
आपन हाँथ बढ़ाइके ओही छुइन अउर कहिन, “हम चाहित हएन, तूँ सुद्ध
होइजा।” 42 अउर हरबिन ओखर कोढ़ के बिमारी नीक होंइ लाग, अउर
उआ सुद्ध होइगा। 43 तब यीसु ओही चेतउनी दइके तुरन्तय पठय दिहिन।
44 अउर ओसे कहिन, “देखा कोहू से कुछू न कह्या, पय जाइके अपने-आप
काहीं याजक क देखाबा, अउर अपने सुद्ध होंइ के बारे माहीं जउन चढ़ाबा
चढ़ामँइ काहीं मूसा नबी ठहराइन हीं, उहय भेंट चढ़ाबा, कि जउने तोंहरे
समाज के लोगन के खातिर गबाही ठहरय।” 45 पय उआ बहिरे जाइके
अपने निकहा होंइ के खुब प्रचार करँइ लाग, अउर सगले सहर म इआ खबर
फइलाय दिहिस, इआ कारन से यीसु पुनि खुले आम सहर माहीं नहीं जाय
सकें, पय सुनसान जघा माहीं रहत रहे हँय; अउर चारिव कइती से मनई
उनखे लघे आबत रहिगें।

लोकबा के मरीज काहीं नीक करब

(मत्ती 9:1-8; लूका 5:17-26)

2 कइअक दिना के बाद यीसु पुनि कफरनहूम सहर म आएँ, अउर कुछ
जने जानिगें कि यीसु घरय माहीं हें। 2 उहाँ एतने मनई एकट्ठा होइगें
कि दुअरा के लघे घलाय जघा नहीं रहिगे; अउर यीसु उनहीं परमातिमा के
बचन सुनामँइ लागें। 3 अउर कुछ जने एकठे लोकबा के मरीज काहीं, चार
जने से खटिया समेत उठबाइके यीसु के लघे लइ आएँ। 4 पय जब ऊँ पंचे
भीड़ के कारन यीसु के लघे नहीं पहुँच पाएँ, तब उआ घर के खपरइल काहीं
उतिनँइ लागें, जउने सउहें यीसु भीतर रहे हँय, अउर जब ऊँ पंचे ठाठ समेत
उतिन चुकें, तब उआ मरीज काहीं खटिया समेत नीचे झुलाय दिहिन।
5 यीसु, उनखे बिसुआस काहीं देखिके, उआ लोकबा के मरीज से कहिन,
“हे बेटबा तोंहार पाप माफ होइगें।” 6 तब मूसा के बिधान सिखामँइ बाले
कइएक जने जउन उहाँ बइठ रहे हँय, ऊँ पंचे अपने-अपने मन म सोचँइ
लागें, 7 “इआ मनई काहे अइसा कहत हय? इआ त परमातिमा के बुराई
करत हय! परमातिमा काहीं छोंड़िके अउर को पाप माफ कइ सकत हय?”
8 यीसु हरबिन अपने आत्मा माहीं जान लिहिन, कि ऊँ पंचे अपने-अपने मन
माहीं का सोचत हें, अउर उनसे कहिन, “तूँ पंचे अपने-अपने मन म इआ
काहे सोचते हया? 9 सरल का हय? का लोकबा के मरीज से इआ कहब
तोंहार पाप माफ होइगें, इआ कि इआ कहब कि ‘उठा, आपन खटिया
उठाइके चला फिरा’? 10 पय जउने तूँ पंचे इआ जानिल्या, कि मनई के
लड़िका काहीं धरती माहीं पाप माफ करँइ के घलाय अधिकार हय।” यीसु
उआ लोकबा के मरीज से कहिन, 11 “हम तोंहसे कहित हएन, कि उठा,
आपन खटिया उठाइके अपने घर चले जा।” 12 उआ उठा, अउर हरबिन
खटिया उठाइके सगले मनइन के आँगे से निकरिके चला ग; इआ देखिके
सगले जन अचरज मानिन, अउर परमातिमा के बड़ाई कइके कहँइ लागें,
“हम पंचे अइसन कबहूँ नहीं देखेन।”

लेबी काहीं बोलाउब
(मत्ती 9:9-13; लूका 5:27-32)

13 यीसु घर से निकरिके पुनि झील के किनारे गें, तबहिनय एकठे बड़ी
भीड़ उनखे लघे आइगे, अउर यीसु उनहीं उपदेस देंइ लागें। 14 यीसु जात
समय हलफई के लड़िका लेबी काहीं चुंगी नाका माहीं बइठे देखिन, अउर
उनसे कहिन, "हमरे पीछे चले आबा।" अउर लेबी उठिके यीसु के पीछे चल
दिहिन।
15 जब यीसु लेबी के घर माहीं खाना खाँइ बइठें, तब खुब चुंगी लेंइ बाले,
अउर यहूदी लोग जिनहीं पापी कहत रहे हँय, ऊँ मनई, यीसु अउर उनखे
चेलन के साथ खाना खाँइ बइठिगें; काहेकि ऊँ खुब जने रहे हँय, अउर
सगले जन यीसु के पीछे आइगें तय। 16 मूसा के बिधान सिखामँइ बाले,
अउर फरीसी लोग इआ देखिके, कि यीसु, यहूदी लोग जिनहीं पापी कहत
हें, उनखे अउर चुंगी लेंइ बालेन के साथ खाना खात हें, त उनखे चेलन से
कहँइ लागें, "यीसु चुंगी लेंइ बालेन अउर पापी मनइन के साथ काहे खात-
पिअत हें?" 17 यीसु इआ बात काहीं सुनिके उनसे कहिन, "नीक-सूख
मनइन काहीं बैद के जरूरत नहीं परय, बलकिन बिमारन काहीं बैद के
जरूरत परत ही: जे कोऊ इआ सोचत हें, कि हम पापी नहिं आहेन उनहीं
नहीं, बलकिन हम पापी लोगन काहीं बोलामँइ आएन हँय।"

उपासे रहँइ के बारे माहीं पूँछब
(मत्ती 9:14-17; लूका 5:33-39)

18 यूहन्ना के चेला लोग अउर फरीसी लोग उपासे रहत रहे हँय; एसे ऊँ पंचे
आइके यीसु से इआ कहिन, "यूहन्ना के चेला लोग अउर फरीसी लोगन के
चेला लोग काहे उपासे रहत हें, पय अपना के चेला लोग उपासे नहीं रहँय?"
19 यीसु उनसे कहिन, "जब तक दुलहा बरातिन के साथ म रहत हय, त का
कउनव बरतिहा उपासे रहि सकत हें? नहीं, काहेकि जब तक दुलहा साथ
माहीं हय, तब तक ऊँ पंचे उपासे नहीं रहि सकँय। 20 पय एक दिना उआ
समय अई, जब दुलहा बरातिन से अलग कीन जई, उआ समय ऊँ पंचे
उपासे रइहँय।
21 नबा ओन्हा के ठेगरी पुरान ओन्हा माहीं कोऊ नहीं लगाबय, काहेकि
नबा धोए से सकिलके पुरान ओन्हा काहीं खींचिके फारि डारत हय। 22 अउर
नबा अंगूर के रस काहीं पुरान मसकन माहीं भरिके कोऊ नहीं धरय, काहेकि
नबा अंगूर के रस पुरान मसकन काहीं फारि डारी, अउर अंगूर के रस अउर
मसक दोनव खराब होइ जइहँय; एहिन से नबा अंगूर के रस नई मसकन
माहीं भरा जात हय।"

यीसु पबित्र दिन के घलाय मालिक आहीं
(मत्ती 12:1-8; लूका 6:1-5)

23 अइसन भ, कि यीसु पबित्र दिन काहीं खेतन के किनारे-किनारे जात
रहे हँय, अउर उनखर चेला लोग चलतय-चलत गोहूँ के बाली टोरँइ लागें।
24 तब फरीसी लोग यीसु से कहिन, "देखी; पबित्र दिन काहीं अपना के चेला
लोग उआ काम काहे करत हें, जउन मूसा के बिधान के मुताबिक उचित
नहिं आय?" 25 यीसु उनसे कहिन, "का तूँ पंचे पबित्र सास्त्र माहीं इआ
कबहूँ नहीं पढ़े आह्या, कि जब राजा दाऊद काहीं जरूरत परी, अउर जब
ऊँ, अउर उनखर साथी भूँखे रहे हँय, तब ऊँ का किहिन तय? 26 राजा
दाऊद कइसन अबियातार महायाजक के समय माहीं, परमातिमा के घर
माहीं जाइके भेंट चढ़ाई रोटिन काहीं खाइन, अउर अपने साथिन काहीं
घलाय खबाइन, जबकि ऊँ रोटिन काहीं खाँय के अधिकार याजकन के
अलाबा दुसरेन काहीं खाब मूसा के बिधान के खिलाफ रहा हय?" 27 तब
यीसु, फरीसी लोगन से कहिन, "पबित्र दिन मनई के खातिर बनाबा ग हय,
मनई पबित्र दिन के खातिर नहीं बनाबा ग। 28 इआ जानिल्या, कि मनई के
लड़िका पबित्र दिन के घलाय प्रभू आहीं।"

झुरान हाँथ बाले मनई काहीं नीक करब
(मत्ती 12:9-14; लूका 6:6-11)

3 यीसु पुनि यहूदी सभाघर माहीं गें; उहाँ एकठे मनई बइठ रहा हय,
जउने के हाँथ झुरान रहा हय। 2 अउर कुछ जने यीसु के ऊपर दोस
लगामँइ के खातिर मोका ताके रहे हँय, कि देखी यीसु पबित्र दिन काहीं उआ
मनई काहीं नीक करत हें, कि नहीं। 3 यीसु झुरान हाँथ बाले मनई से कहिन,
"बीच म ठाढ़ होइजा।" 4 अउर यीसु उनसे कहिन, "मूसा के बिधान के
मुताबिक का पबित्र दिन काहीं भलाई करब उचित हय, कि बुराई करब,
कोहू के प्रान बचाउब उचित हय, कि मारि डारब?" पय ऊँ पंचे कुछू नहीं
बोले। 5 यीसु उनखे मन के कठोरता के कारन उदास होइके, उनखे ऊपर
गुस्साइके चारिव कइती देखिन, अउर झुरान हाँथ बाले मनई से कहिन,
"आपन हाँथ बढ़ाबा।" उआ आपन हाँथ बढ़ाइस, त ओखर झुरान हाँथ
निकहा होइगा। 6 तब फरीसी लोग सभाघर से बहिरे निकरिके हरबिन
हेरोदेस के पच्छ बाले मनइन से मिलिके, यीसु के बिरोध माहीं साहुत करँइ
लागें, कि यीसु काहीं कउनमेर से मार डारा जाय।

यीसु काहीं भीड़ के पछियाब

7 यीसु अपने चेलन के साथ झील कइती चलेगें, अउर गलील प्रदेस से
अउर यहूदिया प्रदेस से मनइन के एकठे बड़ी भीड़ उनहीं पछिआय लिहिस;
8 उआ भीड़ माहीं यहूदिया प्रदेस, अउर यरूसलेम सहर, अउर इदूमिया
प्रदेस, अउर यरदन नदी के दुसरे पार के, अउर सूर अउर सैदा प्रदेसन के
आस-पास के गाँमन से खुब जने इआ सुनिके, कि यीसु कइसन अचरज के
काम करत हें, देखँइ के खातिर उनखे लघे आएँ। 9 तब यीसु अपने चेलन से
कहिन, "भीड़ खुब जादा ही, एसे एकठे छोट क नाव हमरे खातिर तइआर
रक्खा, जउने ऊँ पंचे हमही दबाए न पामँइ।" 10 काहेकि यीसु खुब बिमारन
काहीं नीक किहिन तय, एसे जेतने बिमार रहे हँय, यीसु काहीं छुअँइ के
खातिर उनखे उपरय गिरे परत रहे हँय। 11 अउर जिनखे भीतर बुरी आत्मा
रही हँय, जब ऊँ यीसु काहीं देखत रही हँय, त उनखे गोड़ेन म गिर परत रही
हँय, अउर चिल्लाइके कहत रही हँय, कि तूँ परमातिमा के लड़िका आह्या;
12 अउर यीसु ऊँ बुरी आत्मन काहीं चेतउनी दइके कहिन, कि हमरे बारे
माहीं न बताबा, कि हम को आहेन।

बारा खास चेलन काहीं बोलाउब
(मत्ती 10:1-4; लूका 6:12-16)

13 यीसु पहार म चढ़िगें, अउर ऊँ जिनहीं चाहत रहे हँय, उनहीं अपने लघे
बोलाइन; अउर ऊँ पंचे उनखे लघे गें। 14 तब यीसु बारा जनेन काहीं आपन
खास चेलन के रूप माहीं चुनिन, कि ऊँ पंचे उनखे साथ माहीं रहँय, अउर
ऊँ उनहीं पठमँइ, कि जउने ऊँ पंचे परमातिमा के सँदेस के प्रचार करँय,
15 अउर उनहीं बुरी आत्मन काहीं मनइन से निकारँइ के अधिकार दिहिन।
16 अउर मसीह यीसु के द्वारा चुने खास बारा चेलन के नाम इआमेर से हँय:
समौन जिनखर नाम यीसु पतरस धराइन, 17 अउर जब्दी के लड़िका याकूब,
अउर याकूब के भाई यूहन्ना जिनखर नाम यीसु बुअनरगिस धराइन, जेखर
मतलब हय गरजन के लड़िका, 18 अउर अन्द्रियास, अउर फिलिप्पुस, अउर
बरतुल्मय, अउर मत्ती, अउर थोमा, अउर हलफई के लड़िका याकूब, अउर
तद्दय, अउर समौन कनानी, 19 अउर यहूदा इस्करियोती जउन यीसु काहीं
पकड़बाइस घलाय रहा हय।

यीसु अउर बुरी आत्मन के मुखिया
(मत्ती 12:22-32; लूका 11:14-23; 12:10)

20 जब यीसु घर माहीं आएँ; तब अइसन भीड़ एकट्ठा होइगे, कि उनहीं
पंचन काहीं खाँइ तक क मोका नहीं मिला। 21 जब उनखे परिबार बाले इआ

सुनिन, तब ऊँ पंचे यीसु काहीं पकड़िके लइ आमँइ के खातिर निकर परें; काहेकि ऊँ पंचे कहत रहे हँय, कि यीसु के दिमाक ठीक नहिं आय।

22 मूसा के बिधान सिखामँइ बाले घलाय जऊँ यरूसलेम सहर से आएँ तय, इआ कहत रहे हँय, कि "यीसु के भीतर सइतान हय" अउर "ऊँ बुरी आत्मन के मुखिया अरथात सइतान के मदत से बुरी आत्मन काहीं मनइन से निकारत हें।"

23 एसे यीसु उनहीं अपने लघे बोलाइके उनसे उदाहरन दइके कहँइ लागें, "सइतान खुद कइसन सइतान काहीं निकार सकत हय?" 24 अगर कउनव राज के मनई आपस माहीं लड़ाई-झगड़ा करँइ लागँय, त उआ राज कइसन स्थिर रहि सकत हय? 25 अउर अगर कउनव घर माहीं फूट परि जात ही, त उआ घर बरबाध होइ जात हय। 26 एसे अगर सइतान खुद अपनय बिरोधी बनिके अपने बीच म फूट डारी, त उआ कइसन टिकी? ओखर त नासय होइ जई।

27 यीसु कहिन, हम तोहईं पंचन काहीं अउर निकहा से समझाइत हएन, "कोऊ मनई कउनव बलमान मनई के घर माहीं घुसिके ओखर धन-सम्पत्ती लूट नहीं सकय, जब तक कि उआ मनई, उआ बलमान मनई काहीं बाँधि न देय, ओही बाँधे के बादय ओखे घर काहीं लूट सकत हय।"

28 यीसु पुनि कहिन, "हम तोंहसे सही कहित हएन, कि मनइन के द्वारा कीन सगले पाप अउर परमातिमा के बुराई, माफ कीन जई, 29 पय जे कोऊ पबित्र आत्मा के खिलाफ बुराई करी, ओही कबहूँ माफ न कीन जई: बलकिन उआ परमातिमा के नजर माहीं हमेसा के खातिर अपराधी ठहरी।" 30 यीसु अइसन एसे कहिन, काहेकि ऊँ पंचे इआ कहत रहे हँय, कि यीसु माहीं बुरी आत्मा हय।

यीसु के महतारी अउर भाई

(मत्ती 12:46-50; लूका 8:19-21)

31 तब यीसु के महतारी अउर भाई लोग आएँ, अउर बहिरे ठाढ़ होइके कुछ जनेन काहीं पठइके यीसु काहीं बोलबाइन। 32 यीसु के लघे खुब भीड़ बइठ रही हय, अउर ऊँ बोलामँइ बाले यीसु से कहिन, "देखी, अपना के महतारी अउर भाई लोग अपना काहीं ढूँढ़ँइ आए हँय, अउर ऊँ पंचे बहिरे ठाढ़ हें।" 33 इआ सुनिके यीसु बोलामँइ बालेन से कहिन, "हमार महतारी अउर हमार भाई को आहीं, तूँ पंचे जनते हया?" 34 जउन मनई यीसु के आस-पास बइठ रहे हँय, यीसु उनखे कइती निहारिके कहिन, "देखा हमार महतारी अउर हमार भाई ईं पंचे आहीं। 35 काहेकि जे कोऊ परमातिमा के मरजी के मुताबिक चलत हय, उहय हमार भाई, बहिनी अउर महतारी आय।"

बीज बोमँइ बाले किसान के उदाहरन

(मत्ती 13:1-9; लूका 8:4-8)

4 यीसु एक दिना पुनि झील के किनारे परमातिमा के सँदेस सुनामँइ लागें: अउर उनखे लघे अइसन बड़ी भीड़ एकट्ठा होइगे, कि यीसु काहीं झील म एकठे नाव म चढ़िके बइठँय परिगा, अउर सगली भीड़ भुँइन माहीं झील के किनारे ठाढ़ रहिगे। 2 अउर यीसु उदाहरन दइ-दइके उनहीं खुब बातन काहीं सिखामँइ लागें, अउर अपने उपदेस माहीं उनसे कहिन। 3 "ध्यान से सुना! एकठे बीज बोमँइ बाला, बीज बोमँइ निकरा। 4 बोबत समय कुछ बीज गइल के किनारे गिरिगें, अउर पच्छी आइके उनहीं खाय लिहिन। 5 कुछ बीज पथरही भुँइ माहीं गिरें, जहाँ उनहीं खुब माटी नहीं मिली, अउर गहिल माटी न मिलँइ के कारन ऊँ हरबी जामि आएँ, 6 अउर जब सुरिज उआ, त तेज घाम के कारन ऊँ जरिगें, अउर जर मजबूत न होंइ के कारन झुराइगें। 7 कुछ बीज जरबइलन म गिरें, अउर जामि आएँ, पय ऊँ जरबइला बाढ़िके उनहीं दबाय लिहिन, एसे उन माहीं फर नहीं लग पाएँ। 8 पय कुछ बीज निकही भुँइ माहीं गिरें, अउर जामि आएँ अउर बाढ़िके खुब फरें; कउनव बिरबा तीस गुना, कउनव साठ गुना, कउनव सव गुना फर लइ आएँ।" 9 अउर यीसु कहिन, "जेखर सुनँय के मन होय, उआ बड़े ध्यान से सुन लेय।"

उदाहरनन के उद्देस

(मत्ती 13:10-17; लूका 8:9-10)

10 जब सगली भीड़ चली गय, अउर यीसु अकेले बचे, तब उनखर साथी लोग ऊँ बरहँव चेलन समेत यीसु से ईं उदाहरनन के बारे माहीं पूँछँइ लागें। 11 यीसु उनसे कहिन, "परमातिमा के राज के जउने बातन काहीं दूसर लोग नहीं जानँय, ऊँ बातन काहीं परमातिमा तोहईं समझाइन हीं, पय दुसरे लोगन से सगली बातँय उदाहरनन माहीं कही गई हँय, एसे कि जउने पबित्र सास्त्र माहीं लिखी यसायाह नबी के बात पूर होय।"

12 यसायाह अइसन लिखिन हीं, कि

"ईं पंचे परमातिमा के महिमा काहीं देखत हें, पय देखेव से जाने नहीं पामँय, अउर अपने कानन से सुनत हें, पय सुनेव से नहीं समझे पामँय; पय अगर ईं सगले जने परमातिमा के सँदेस के बिसुआस कइ लेतें, त उनखर पाप माफ कइ दीन जातें।"

बीज बोमँइ बाले किसान के उदाहरन के मतलब

(मत्ती 13:18-23; लूका 8:11-15)

13 यीसु पुनि उनसे से कहिन, "काहे तूँ पंचे इआ उदाहरन काहीं नहीं समझे पाया? त पुनि अउर दुसरे उदाहरनन काहीं कइसा समझे पइहा? इआ उदाहरन के मतलब इआमेर से हय। 14 परमातिमा के बचन बतामँइ बाला बीज बोमँइ बाले कि नाईं हय। 15 कुछ जने गइल के किनारे गिरे बीज कि नाईं होत हें, जब ऊँ परमातिमा के बचन काहीं सुनत हें, त कुछ देर बाद सइतान आइके उनखे सुनी बात काहीं बिसराय देत हय। 16 उहयमेर कुछ लोग पथरही जमीन माहीं बोए बीज कि नाईं होत हें, जउन परमातिमा के सँदेस काहीं सुनिके, तुरन्तय मारे उराव के अपनाय लेत हें। 17 पय अपने जीबन माहीं परमातिमा के बचन काहीं गहराई से लागू नहीं करँइ, एसे कुछ दिनन तक मानत हें, पय बाद माहीं जबहिन परमातिमा के बचन के कारन दुख अउर कस्ट मिलत हें, त ऊँ पंचे हरबिन परमातिमा के बचन काहीं मानब छोंड़ि देत हें। 18 अउर जउन जरबइलन माहीं बोए बीज कि नाईं हें, ऊँ पंचे ईं आहीं, जउन परमातिमा के बचन काहीं सुनिन, 19 पय घर-परिबार के चिन्ता, अउर धन के लालच, अउर इहइमेर के खुब चीजन काहीं पामँइ के लालच माहीं फँसिके, परमातिमा के बचन काहीं बिसराय देत हें, अउर परमातिमा के आसीस नहीं पामँइ, अउर बिना फर के बिरबा कि नाईं होइ जात हें। 20 पय जउन निकही भुँइ माहीं बोए बीज कि नाईं होत हें, ऊँ पंचे ईं आहीं, जउन परमातिमा के बचन काहीं सुनिके, पूरे बिसुआस के साथ अपनाबत हें, अउर कोऊ तीस गुना, कोऊ साठ गुना, अउर कोऊ सव गुना फर लइ आबत हें।"

दिया के उदाहरन

(लूका 8:16-18)

21 यीसु उनसे कहिन, "कउनव मनई दिया जलाइके बरतन के नीचे, इआ कि खटिया के नीचे नहीं धरय, बलकिन ऊँच जघा माहीं धरत हय, कि जउने सगलेन काहीं उँजिआर मिलय। 22 काहेकि जउन कुछू बिचार मनइन के मन माहीं हें, परमातिमा उनहीं प्रगट करिहँय, अउर हमरे जीबन के सगली छिपी बातन काहीं परमातिमा जानत हें। 23 जेखर सुनँय के मन होय, उआ बड़े ध्यान से सुन लेय।"

24 यीसु पुनि उनसे कहिन, "बड़े ध्यान से हमरे बात काहीं सुना, जउने नाप से तूँ पंचे दुसरेन काहीं नपते हया, उहय नाप से तोंहरेव खातिर नापा जई। बलकिन तोंहईं अउर जादा दीन जई। 25 जे कोऊ परमातिमा के बचन काहीं अउर निकहा से जानँइ के कोसिस करत हय, परमातिमा ओही अउर आत्मिक ग्यान देत हें, पय जे कोऊ परमातिमा के बचन काहीं जानँइ के

कोसिस नहीं करय, त ओखे लघे जउन ग्यान रहत हय, उहव बिसरि जात हय।"

जामँय बाले बीज के उदाहरन

26 यीसु पुनि उनसे कहिन, "परमातिमा के राज इआमेर से हय, जइसन
कउनव मनई भुँइ माहीं बीज छींटय, 27 अउर घर माहीं जाइके रातके सोय
जाय, अउर दिन माहीं सकारे जागय, अउर उआ बीज जामिके अइसन बाढ़ि
आबय, कि उआ किसान खुदय न जाने पाबय, कि उआ कइसन बाढ़ि
आबा। 28 धरती अपने-आप फसल तइआर करत ही, जइसन पहिले
अँकुरब, अउर ओखे बाद बाली, अउर तब बाली माहीं दाना तइआर करत
ही, 29 पय जब बाली माहीं दाना पकि जात हय, तब उआ किसान हरबिन
हँसिया से काटँय के तइआरी करत हय, काहेकि उआ जान लेत हय कि
फसल काटँय के काबिल होइगे ही।"

राई के दाना के उदाहरन

(मत्ती 13:31-32,34; लूका 13:18-19)

30 यीसु पुनि कहिन, "परमातिमा के राज के उपमा कउने चीज से देई,
अउर कउने उदाहरन से तोहईं पंचन काहीं समझाई? 31 परमातिमा के राज
राई के दाना कि नाईं हय। जब भुँइ म बोबा जात हय, त सगले बीजन से
छोट होत हय। 32 पय जब बोबा जात हय, तब जामिके सगली साग-सब्जिन
के बिरबन से बड़ा होइ जात हय, अउर ओमा से एतनी बड़ी डेरइआ
निकरती हँय, कि अकास माहीं उड़ँइ बाले पच्छी ओखे छाया माहीं बसेर डार
सकत हें।"

33 अउर यीसु उनहीं इआमेर के खुब उदाहरन दइ-दइके जेतना ऊँ पंचे
समझ सकत रहे हँय, ओतनय परमातिमा के सँदेस बताबत रहे हँय, 34 अउर
बिना उदाहरन के यीसु उनसे कउनव बात नहीं कहत रहे आहीं; पय एकान्त
माहीं जाइके, ऊँ अपने खास चेलन काहीं सगली बातन के मतलब बताबत
रहे हँय।

तेज आँधी काहीं रोंकब

(मत्ती 8:23-27; लूका 8:22-25)

35 उहय दिन जब साँझ होइगे, तब यीसु अपने चेलन से कहिन, "आबा,
हम पंचे झील के उआ पार चली।" 36 अउर ऊँ चेला लोग भीड़ काहीं उहँइ
छोंड़िके, जइसन यीसु रहे हँय, उहयमेर उनहीं नाव माहीं लइके चल दिहिन;
अउर उनखे साथ माहीं अउरव नाव रही हँय। 37 तबहिनय खुब तेज आँधी
चलँइ लाग, अउर पानी के तेज हिलकोरा नाव माहीं एतना लागँइ लाग, कि
नाव माहीं पानी भरँइ लाग। 38 पय यीसु नाव के पीछे के हिस्सा माहीं गद्दी म
परे सोबत रहे हँय, तब ऊँ पंचे जाइके यीसु काहीं जगाइके उनसे कहिन, "हे
गुरू, का अपना काहीं एक्कव चिन्ता नहिं आय, कि हम सगले जन बूड़े
जइत हएन?" 39 तब यीसु उठिके आँधी काहीं डाँटिन, अउर पानी काहीं
कहिन, "सान्त रव्ह, रुकि जा!" अउर आँधी रुकिगें, अउर बड़ी सान्ती
होइगे; 40 अउर यीसु उनसे कहिन, "तूँ पंचे काहे डेराते हया? काहे तोंहईं
अबहिनव तक हमरे ऊपर बिसुआस नहिं आय?" 41 ऊँ पंचे खुब डेराइगें,
अउर आपस माहीं कहँइ लागें, "ईं को आहीं, कि आँधी अउर पानी तक
इनखर हुकुम मानत हें?"

बुरी आत्मा से परेसान मनई काहीं नीक करब

(मत्ती 8:28-34; लूका 8:26-39)

5 यीसु अउर उनखर चेला लोग गलील प्रदेस के झील के दुसरे पार
गिरसेनी लोगन के देस माहीं पहुँचिगें, 2 जइसय यीसु नाव से उतरें,
ओतनिनदार एकठे मनई जउने माहीं बुरी आत्मा सकान रही हय, कब्रन के
जघा से चलिके यीसु के लघे आबा। 3 उआ मनई कब्रन के लघे रहत रहा
हय, अउर कउनव मनई ओही सँकरिव माहीं बाँधिके नहीं रख सकत रहा
आय। 4 काहेकि सगले जन मिलिके कइअक बेरकी ओखे हाँथ माहीं बेंड़िया
डारिन अउर गोड़े माहीं सँकरिन से बाँधिन तय, पय उआ सँकरिन काहीं टोर
डारत रहा हय। अउर बेंड़ियन के कइअक टुकड़ा कइ डारिस तय, ओही
कउनव बलमान मनई काबू माहीं नहीं कए पाबत रहा आय। 5 उआ मनई
लगीतार रातव-दिन कब्रन के जघा माहीं अउर पहारन माहीं खुब चिल्लात
रहा हय, अउर खुद काहीं पथरन से मारिके घायल कइ लेत रहा हय।

6 उआ मनई यीसु काहीं दूरिन से देखिके दउड़त आबा, अउर उनखे लघे
आइके गोड़न गिरा। 7 तब यीसु उआ बुरी आत्मा से कहिन, "हे बुरी आत्मा,
इआ मनई से बहिरे निकर आव!" 8 अउर उआ खुब चंडे चिल्लाइके कहिस,
"हे यीसु परमप्रधान परमातिमा के लड़िका, हमार अपना से कउनव काम
नहिं आय, अपना काहीं परमातिमा के कसम खबाइत हएन, अपना हमहीं
दुख न देई।" 9 यीसु ओसे पूँछिन, "तोंहार का नाम हय?" उआ यीसु से
कहिस, "हमार नाम सेना हय, काहेकि हम पंचे खुब जने हएन।" 10 अउर
बुरी आत्मा यीसु से खुब चरउरी किहिन, कि "हमहीं इआ देस से बहिरे न
निकारी।"

11 ओहिनठे पहार माहीं सुमरन के एकठे बड़ा भारी झुन्ड चरत रहा हय।
12 ऊँ बुरी आत्मा यीसु से चरउरी कइके कहिन, "हमहीं ऊँ सुमरन के ऊपर
पठय देई, जउने हम पंचे उनखे भीतर सकाय जई।" 13 तब यीसु बुरी
आत्मन काहीं हुकुम दइ दिहिन, अउर ऊँ बुरी आत्मा उआ मनई से
निकरिके, ऊँ सुमरन के भीतर सकाय गईं, अउर सुमरन के सगला झुन्ड,
जऊँ दुइ हजार के करीबन रहा हय, पहार के उतारा से दउड़िके झील माहीं
कूद परा, अउर सगले सुमर बूड़िके मरिगें।

14 सुमरन काहीं चरामँइ बाले सगले भागिके, सहर अउर लघे के गाँमन
माहीं जाइके सगला हाल बताइन, अउर इआ जऊँ भ रहा हय, देखँइ के
खातिर सहर अउर गाँमन के खुब जने आएँ। 15 अउर ऊँ पंचे यीसु के लघे
आइके उआ मनई क जउने माहीं बुरी आत्मा रही हँय, अरथात सेना समान
रही हँय, ओन्हा पहिरे नीक-सूख बइठे देखिके डेराइगें। 16 जउन मनई इआ
घटना काहीं देखिन तय, ओखर जउने माहीं बुरी आत्मा रही हँय, अउर
सुमरन के जऊँ भ तय, सगला हाल उँइ मनइन से जऊँ देखँइ आएँ तय
बताइन। 17 तब ऊँ सगले देखइआ यीसु से बिनती कइके कहँइ लागें, कि
अपना हमरे सरहद्दी से चले जई।

18 जब यीसु नाव माहीं चढ़ँइ लागें, त उआ मनई जउने म बुरी आत्मा रही
हँय, यीसु से बिनती करँइ लाग, "हमहूँ काहीं अपने साथय रहँइ देई।"
19 पय यीसु ओही अपने साथ माहीं चलँइ के हुकुम नहीं दिहिन, बलकिन
ओसे कहिन, "अपने घर जाइके अपने परिबार बालेन से बताबा, कि प्रभू
परमातिमा तोंहरे ऊपर बड़ी दया कइके केतना बड़ा काम किहिन हीं।
20 उआ मनई जाइके दिकापुलिस प्रदेस के दसँव सहरन माहीं प्रचार करँइ
लाग, कि यीसु हमरे खातिर केतना बड़ा काम किहिन हीं; इआ बात काहीं
सुनँय बाले सगले जने चउआय जात रहे हँय।

याईर के मरी बिटिया काहीं जिआउब, अउर बिमार मेहेरिआ काहीं नीक करब

(मत्ती 9:18-26; लूका 8:40-56)

21 जब यीसु पुनि नाव माहीं चढ़िके झील के दुसरे पार गें, त एकठे बड़ी
भारी भीड़ उनखे लघे एकट्ठा होइगे। अउर यीसु झील के किनारेन माहीं रहे
हँय। 22 तब यहूदी सभाघर के मुखिअन म से एक जने आएँ, जिनखर नाम
याईर रहा हय, ऊँ यीसु काहीं देखतय उनखे गोड़न गिरें, 23 अउर इआ
कहिके यीसु से खुब चरउरी करँइ लागें, कि हमार छोट बिटिया खुब बिमार
ही, बँचब बड़ा मुसकिल हय; अपना चलिके ओखे ऊपर आपन हाँथ धइ
देई, जउने उआ निकही होइके जिअत रहय।" 24 तब यीसु उआ मुखिया के
साथ चल दिहिन; अउर खुब भीड़ उनहीं पछिआय लिहिस, एतनी भीड़
होइगे, कि मनई यीसु के उपरय गिरे परत रहे हँय।

25 भीड़ माहीं एकठे मेहेरिआ रही हय, जउने काहीं बारा बरिस से खून
बहँइ के बिमारी रही हय। 26 उआ मेहेरिआ खुब बैदन से आपन दबाई

करबाइस; इहाँ तक कि आपन सगली धन-सम्पत्ती खरचा कइ डारिस, पय निकही नहीं भय, बलकिन अउर बिमार होइगे तय, एसे उआ खुब दुखी रहत रही हय। 27 उआ यीसु के आमँइ के खबर सुनिके, भीड़ म यीसु के पीछे से आई, अउर उनखे ओन्हा काहीं छुइ लिहिस, 28 काहेकि उआ मेहेरिआ काहीं इआ बिसुआस रहा हय, कि “अगर हम यीसु के ओन्हव काहीं छुइ लेब त नीक होइ जाब।” 29 अउर छूतय ओखर खून बहब बन्द होइगा, अउर उआ अपने देंह माहीं जान लिहिस, कि हम उआ बिमारी से नीक होइ गएन हय। 30 यीसु हरबिन अपने आत्मा म जानिगें, कि हमरे देंह से सक्ती निकरी हय, अउर पीछे फिरिके पूँछिन, “हमार ओन्हा को छुइस ही?” 31 उनखर चेला लोग यीसु से कहिन, “अपना देखित हएन, कि सगली भीड़ अपना के उपरय गिरी परत ही, अउर अपना पूँछित हएन, कि हमहीं को छुइस ही?” 32 पय यीसु ओही देखँइ के खातिर जउन उनहीं छुइस रहा हय, चारिव कइती देखँइ लागें। 33 तब उआ मेहेरिआ इआ जानिके, कि हमार कइसन भलाई भे ही, डेरात अउर काँपत-काँपत यीसु के लघे आई, अउर उनखे गोड़न गिरिके उनसे सब सही-सही बताइस, कि हम कउने कारन से अपना काहीं छुएन, अउर छूतय नीक होइ गएन। 34 यीसु उआ मेहेरिआ से कहिन, “बिटिआ, तोंहार बिसुआस तोहईं नीक किहिस ही, नीके कुसल अपने घर चले जा, अउर इआ बिमारी से बचे रहा।”

35 जब यीसु इआ बात कहतय रहे हँय, तबहिनय सभाघर के मुखिया के घर से कुछ जने आइके कहिन, “तोंहार बिटिया मरिगे ही, अब गुरू काहीं जाँइ के तकलीफ काहे देते हया?” 36 जऊँ बात ऊँ पंचे कहत रहे हँय, ओही यीसु बहटिआइके, यहूदी सभाघर के मुखिया याईर से कहिन, “डेरा न, केबल बिसुआस करा।” 37 अउर यीसु पतरस अउर याकूब अउर याकूब के भाई यूहन्ना के अलाबा अउर कोहू काहीं अपने साथ नहीं लइगें। 38 यीसु यहूदी सभाघर के मुखिया के घर माहीं पहुँचिके, मनइन काहीं हल्ला मचाबत अउर मारे दुख के खुब रोबत-पीटत अउर चिल्लात देखिन। 39 तब यीसु घर के भीतर जाइके उनसे कहिन, “तूँ पंचे काहे हल्ला मचउते हया, अउर रोउते हया? बिटिया मरी नहिं आय, उआ सोय रही हय।” 40 ऊँ पंचे यीसु के मजाक उड़ामँइ लागें, पय यीसु सगलेन काहीं घर से बहिरे निकार दिहिन; केबल बिटिया के महतारी-बाप अउर अपने तिनहूँ चेलन क साथ माहीं लइके भीतर गें, जहाँ उआ बिटिया परी रही हय। 41 अउर यीसु बिटिया के हाँथ पकड़िके ओसे कहिन, “तलीता कूमी!” जेखर मतलब हय “हे बिटिया हम तोंहसे कहित हएन, उठा!” 42 अउर उआ बिटिया हरबिन उठिके चलँय-फिरँय लाग; काहेकि उआ बारा साल के रही हय। उआ बिटिया काहीं चलत-फिरत देखिके सगले जन चउआइगें। 43 पुनि यीसु उनहीं पंचन काहीं चेताइके हुकुम दिहिन, इआ बात काहीं कोऊ जाने न पाबय, अउर कहिन, “इआ बिटिया काहीं कुछू खाँइ क द्या।”

नासरत गाँव माहीं यीसु के अपमान
(मत्ती 13:53-58; लूका 4:16-30)

6 याईर के घर से निकरिके यीसु अपने गाँव नासरत माहीं आएँ, अउर उनखर चेला लोग घलाय उनखे साथ माहीं गें। 2 पबित्र दिन काहीं यीसु सभाघर म जाइके परमातिमा के सँदेस सुनामँइ लागें, तब खुब जने सुनिके चउआइगें, अउर आपस माहीं कहँइ लागें, “इनहीं ईं ग्यान के बातँय कहाँ से मिली हँय? एतना कउन महान ग्यान आय जऊँ इनहीं दीनगा हय? कइसन सामर्थ के काम इनखे हाँथन से होत हें? 3 का ईं उहय बढ़ई न होहीं, जऊँ मरियम के लड़िका? अउर याकूब, अउर योसेस, यहूदा अउर समौन के भाई आहीं? काहे इनखर बहिनी इहँय हमरे बीच माहीं नहीं रहतीं?” एसे ऊँ सगले गुस्साइके यीसु के ऊपर बिसुआस नहीं किहिन। 4 यीसु सभाघर के सगले जनेन से कहिन, “परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले के, अपने गाँव अउर घर-परिबार काहीं छोंड़िके अउर कहँव अपमान नहीं होय।” 5 यीसु उहाँ कउनव सामर्थ के काम नहीं किहिन, केबल कुछ बिमारन के ऊपर आपन हाँथ धइके उनहीं नीक किहिन।

6 अउर ऊँ पंचे यीसु के ऊपर बिसुआस नहीं किहिन, इआ कारन से यीसु बड़ा अचरज मानिन, अउर ऊँ अपने गाँव से निकरिके चारिव कइती के गाँमन माहीं जाइ-जाइके उपदेस देत रहिगें।

बाराठे चेलन काहीं पठउब
(मत्ती 10:5-15; लूका 9:1-6)

7 यीसु बरहँव चेलन काहीं अपने लघे बोलाइके, उनहीं दुइ-दुइ कइके पठमँइ लागें; अउर उनहीं बुरी आत्मन काहीं निकारँइ के अधिकार दिहिन। 8 अउर यीसु उनहीं हुकुम दिहिन, कि “गइल के खातिर लाठी काहीं छोंड़िके अउर कुछू न लिहा: न त रोटी, न झोरा, न बसनी माहीं पइसा, 9 पय पनहीं पहिर लिहा, अउर दुइ-दुइठे कुरथा न पहिन्या।” 10 अउर यीसु चेलन से कहिन, “जहाँ-जहाँ तूँ पंचे कोहू के घर माँही जया, त जब तक उआ गाँव से बिदा न होया, तब तक उहय घर माहीं रहे अया। 11 जउने गाँव के मनई तोंहईं पंचन काहीं सोइकार न करँय, अउर परमातिमा के सँदेस न सुनँय, तब उहाँ से चलत समय उनखे अँगुअय, अपने गोड़ेन के धूधुर झार दिहा, जउने परमातिमा के सँदेस माहीं बिसुआस न करँइ के सजा के भागीदार उँइन होइहँय, इआ गबाही होई।” 12 तब ऊँ पंचे जाइके परमातिमा के सँदेस सुनामँइ लागें, अउर मनइन से कहिन, “पाप करब छोंड़िके अपने मन काहीं बदला।” 13 अउर ऊँ पंचे मनइन से खुब बुरी आत्मन काहीं निकारिन, अउर खुब बिमारन के ऊपर तेल लगाइके उनहीं नीक किहिन।

यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के हत्या
(मत्ती 14:1-12; लूका 9:7-9)

14 जब हेरोदेस राजा यीसु के कामन के चरचा सुनिन, काहेकि उनखे नाम के चरचा सगले राज माहीं फइलगे रही हय, तब हेरोदेस राजा कहिन, “यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले मरिके जि आए हँय, एहिन से यीसु के हाँथ से सामर्थ के काम होत हें।” 15 अउर कुछ जने कहँइ लागें, “यीसु एलिय्याह आहीं, जउन मरिके जि आए हँय।” पय अउर कुछ जने कहँइ लागें, “जऊँ पहिले परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले रहे हँय, उनहिन म से एक जने जि आए हँय, काहेकि यीसु उनहिन कि नाईं हें।” 16 हेरोदेस राजा सगलेन के बात सुनिके कहिन, “जउने यूहन्ना के हम मूँड़ कटबाय लिहेन तय, उइँन जि आँए हँय!” 17 कुछ समय पहिले हेरोदेस राजा अपने भाई फिलिप्पुस के मेहेरिआ हेरोदियास के बात मानिके यूहन्ना काहीं पकड़िके जेल माही बंद करँइ खातिर हुकुम दिहिन तय, काहेकि हेरोदेस राजा अपने भाई फिलिप्पुस के जिन्दय, ओखे मेहेरिआ हेरोदियास से काज कइके राख लिहिन तय। 18 काहेकि यूहन्ना हेरोदेस राजा से कइयक बेरी कहिन तय, कि “अपने भाई के जिन्दय ओखे मेहेरिआ काहीं राखब तोहईं उचित नहिं आय।” 19 इआ कारन से हेरोदियास यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले से दुसमनी रक्खत रही हय, अउर इआ चाहत रही हय, कि उनहीं मरबाय डारी; पय अइसा कए नहीं पाबत रही, 20 काहेकि हेरोदेस राजा यूहन्ना काहीं धरमी, अउर पबित्र मनई जानिके, उनसे डेरात रहे हँय, अउर उनहीं जिन्दा रक्खँइ चाहत रहे हँय, अउर उनखे बातन काहीं सुनिके हेरोदेस राजा खुब डेरातव रहे हँय, पय बड़े खुसी से सुनत रहे हँय।

21 पय हेरोदियास काहीं यूहन्ना से बदला लेंइ क अच्छा मोका आइगा, जब हेरोदेस राजा अपने जनम दिन माहीं, सगले प्रधानन काहीं, अउर सेनापतिअन काहीं, अउर गलील प्रदेस के सगले बड़े मनइन काहीं बोलबाइके खाँय-पिअँइ के प्रबन्ध किहिन। 22 तब हेरोदियास के बिटिया सभा के बीच माहीं भीतर आई, अउर नाचिके हेरोदेस राजा काहीं अउर उनखे साथ म बइठ सगले जनेन काहीं खुस कइ दिहिस। तब हेरोदेस राजा उआ बिटिया से कहिन, “तूँ जउन चाहा हमसे माँग ल्या, हम तोहईं उआ जरूर देब।” 23 अउर सगलेन के आँगे हेरोदेस राजा कसम खाइन, “हम आपन आधा राज तक, जउन कुछू तूँ हमसे मगिहा, उआ हम तोहईं दइ देब।” 24 उआ बिटिया बहिरे जाइके अपने महतारी हेरोदियास से पूँछिस, कि

“हम का मागी?” तब हेरोदियास कहिस, “यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के मूँड़ कटबाइके माँग ल्या।” 25 उआ बिटिया तुरन्तय राजा हेरोदेस के लघे भीतर जाइके, उनसे बिनती कइके कहिस, “हम चाहित हएन, अपना अबहिनय यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के मूँड़ कटबाइके, एकठे टठिया माहीं धइके हमहीं दइ देई।”

26 तब हेरोदेस राजा उआ बिटिया के बात सुनिके खुब दुखी भें, पय अपने कसम के कारन जउन सभा के आँगे खाइन तय, बिटिया के बात काहीं टार नहीं सकें। 27 अउर हेरोदेस राजा हरबिन अपने एकठे सिपाही काहीं बोलाइके हुकुम दिहिन, कि “यूहन्ना के मूँड़ काटिके लइ आबा।” 28 अउर तुरन्तय उआ सिपाही जेल म जाइके यूहन्ना के मूँड़ काटिके, एकठे टठिया माहीं धइके लइ आबा, अउर उआ बिटिया काहीं दइ दिहिस, अउर उआ बिटिया लइ जाइके, अपने महतारी हेरोदियास काहीं दइ दिहिस। 29 इआ खबर सुनिके यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के चेला लोग उहाँ आएँ, अउर उनखे लहास काहीं लइ जाइके कब्र माहीं गाड़ दिहिन।

चेलन के लउटब अउर एकान्त माहीं जाब

(मत्ती 14:13-14; लूका 9:10)

30 यीसु के खास चेला लोग यीसु के लघे आइके एकट्ठा भें, अउर जउन कुछू ऊँ पंचे जाइके किहिन तय, अउर सिखाइन तय, पूरा हाल उनसे बताइन। 31 तब यीसु अपने चेलन से कहिन, “चला सबसे अलग होइके कउनव सुनसान जघा माहीं चली, जहाँ तूँ पंचे थोरी अराम कइल्या।” काहेकि यीसु के लघे मनई अउतय जात रहत रहे हँय, एसे उनहीं खाँइ तक काहीं मोका नहीं मिलत रहा। 32 एसे यीसु अपने चेलन काहीं साथय लइके नाव म चढ़िके सुनसान जघा माहीं, भीड़ से अलग होइके चलेगें।

पाँच हजार मनइन काहीं खाना खबाउब

(मत्ती 14:15-21; लूका 9:11-17; यूहन्ना 6:1-14)

33 खुब जने उनहीं उआ सुनसान जघा माहीं जात देखिके पहिचान लिहिन, कि यीसु जात हें, अउर सगले गाँमन से निकरिके एकट्ठा होइके दउड़त उआ जघा माहीं यीसु के आमँइ से पहिलेन पहुँचिगें। 34 जइसय यीसु नाव से उतरें, खुब बड़ी भीड़ देखिन, तब यीसु काहीं उनखे ऊपर बड़ी दया आइगे, काहेकि ऊँ पंचे, ऊँ गड़रन कि नाईं रहे हँय, जिनहीं कोऊ चरामँइ बाला नहीं होय; अउर यीसु उनहीं परमातिमा के खुब बातन काहीं सिखामँइ लागें।

35 जब साँझ होंइ लाग, तब चेला लोग यीसु के लघे आइके कहँइ लागें, “इआ सुनसान जघा ही, अउर साँझ होंइ लाग ही। 36 इआ भीड़ के मनइन काहीं बिदा करी, जउने ऊँ पंचे चारिव कइती के गाँमन अउर मोहल्लन म जाइके, अपने खातिर खाना खरीद लेंय।” 37 यीसु अपने चेलन से कहिन, “तुहिन पंचे उनहीं खाँइका द्या।” तब चेला लोग यीसु से कहिन, “सगली भीड़ काहीं खबामँइ के खातिर आठ महीना के मजूरी से रोटी खरीदँय परी, का हम पंचे आठ महीना के मजूरी से रोटी खरीदी, अउर इनहीं खबाई?” 38 यीसु उनसे कहिन, “जाइके देखा तोंहरे लघे केतनी रोटी हईं?” ऊँ पंचे देखिके आएँ, अउर यीसु से बताइन, कि “पाँचठे रोटी अउर दुइठे मछरी हईं।”

39 तब यीसु अपने चेलन काहीं हुकुम दिहिन, “सगले मनइन काहीं हरिअर चारा म पाँति-पाँति माहीं बइठाय द्या।” 40 तब सगले भीड़ के मनई सव-सव अउर पचास-पचास कइके पाँतिन माहीं बइठिगें। 41 तब यीसु ऊँ पाँचठे रोटी अउर दोनहूँ मछरिन काहीं लइके स्वरग कइती निहारिके धन्यबाद दिहिन, अउर रोटिन काहीं टोरि-टोरिके चेलन काहीं देत गें, कि ऊँ पंचे सगले मनइन काहीं परसँय, अउर ऊँ चेला सगले मनइन काहीं परस दिहिन, अउर यीसु ऊँ दोनहूँ मछरिन काहीं घलाय चेलन से परसबाइन। 42 जब सगली भीड़ के मनई खाइके संतुस्ट होइगें, 43 ओखे बादव चेला लोग खाए से बचे रोटिन के टुकड़न काहीं बारा टोपरी भरिके लइ आएँ, अउर कुछ टोपरी मछरिन से भरी घलाय। 44 जउन भीड़ के मनई रोटी अउर मछरी खाइन तय, उनमा लड़िका-मेहेरिअन काहीं छोंड़े, पाँच हजार मंसेरुआ रहे हँय।

पानी के ऊपर यीसु के रेंगब

(मत्ती 14:22-33; यूहन्ना 6:15-21)

45 तब यीसु हरबिन अपने चेलन काहीं नाव म चढ़ँइ के खातिर मजबूर किहिन, कि ऊँ पंचे उनसे पहिले झील के दुसरे पार बैतसैदा गाँव माहीं चले जाँय, जब तक ऊँ भीड़ के मनइन काहीं बिदा करँय। 46 अउर यीसु भीड़ के मनइन काहीं बिदा कइके, एकठे पहार माहीं प्राथना करँइ चलेगें। 47 जब साँझ होइगे तब चेलन के नाव झील के बीच माहीं रही हय, अउर यीसु अकेले भुँइ म रहिगें तय। 48 जब यीसु देखिन कि चेला लोग नाव काहीं खेबत-खेबत खुब घबराइगें हँय, काहेकि तेज हबा उनखे बिपरीत चलत रही हय, तबहिनय यीसु भिनसरहय करीब तीन से छय बजे के बीच झील के पानी माहीं रेंगत उनखे लघे आएँ, अउर उनसे आँगे निकर जाँइ चाहत रहे हँय। 49 पय चेला लोग यीसु काहीं झील के पानी माहीं रेंगत देखिके समझिन, उआ भूत आय, अउर डेरन के मारे चिल्लाय उठें, 50 काहेकि सगले जने यीसु काहीं अपनी कइती आबत देखिके खुब डेराइगें तय, पय यीसु तुरन्तय उनसे बात किहिन अउर कहिन, “हिम्मत बाँधा: हम आहेन; डेरा न!” 51 तब यीसु उनखे लघे आइके नाव माहीं चढ़िगें, अउर हबा बन्द होइगे; इआ सगला देखिके चेला लोग चउआन रहिगें। 52 ऊँ चेला लोग पाँचठे रोटी अउर दुइठे मछरी के बारे माहीं देखिव के नहीं समझे पाइन, कि यीसु माहीं केतनी सक्ती हय, काहेकि उनखर दिल कठोर होइगें तय।

गन्नेसरत प्रदेस माहीं रोगिन काहीं नीक करब

(मत्ती 14:34-36)

53 ऊँ पंचे झील के दुसरे पार गन्नेसरत प्रदेस माहीं पहुँचे, अउर नाव घाट माहीं लगाइन। 54 जब यीसु अउर उनखर चेला लोग नाव से उतरें, तब उहाँ के मनई तुरन्तय यीसु काहीं पहिचान लिहिन। 55 अउर आस-पास के सगले गाँमन माहीं कुछ जने दउड़त गें, अउर बिमारन काहीं खटिया म पराइके जहाँ-जहाँ खबर पाइन कि यीसु हें, उहँइ लइ-लइके पहुँच जात रहे हँय। 56 यीसु जहाँ-जहाँ गाँमन अउर सहरन अउर मोहल्लन माहीं जात रहे हँय, त खुब मनई बजारन तक माहीं बिमारन क खटिया समेत धइके, यीसु से चरउरी कइके कहँइ लागत रहे हँय, कि अपना आपन ओन्हा के एकठे छोरव काहीं बिमारन क छुइ लेंइ देई: अउर जेतने बिमार यीसु काहीं छुअत रहे हँय, ऊँ सगले नीक होइ जात रहे हँय।

पूरबजन के बनाए नेमन के पालन

(मत्ती 15:1-9)

7 तब फरीसी लोग अउर मूसा के बिधान सिखामँइ बाले कुछ जने, जउन यरूसलेम सहर से आए रहे हँय, यीसु के लघे एकट्ठा भें, 2 अउर ऊँ पंचे यीसु के कुछ चेलन काहीं असुद्ध हाँथन से अरथात यहूदी बिधान के मुताबिक बिना हाँथ धोए खाना खात देखिन। 3 काहेकि यहूदी लोग अउर खास करके फरीसी लोग, अपने पुरखन के बनाए रीति-रिबाजन के पालन करत हें, अउर जब तक यहूदी रीति के मुताबिक निकहा से हाँथ नहीं धोय लेंय, तब तक खाना नहीं खाँय; 4 अउर बजार से आइके, जब तक नहाय नहीं लेंय, तब तक खाना नहीं खाँय, एखे अलाबव अउरव खुब बातँय हईं जिनहीं मानँइ काहीं बताबा ग हय, जइसन खोरबन अउर लोटबन अउर तामे के बरतनन काहीं धोमँइ माजँय चाही।

5 एसे फरीसी लोग अउर मूसा के बिधान सिखामँइ बाले यीसु से पूँछिन, “अपना के चेला लोग बाप-दादन के रीति-रिबाजन काहीं काहे नहीं मानँय, बिना हाँथ धोए खाना खात हें?” 6 यीसु उनसे कहिन, “यसायाह नबी तोंहरे कपटिन के बारे माहीं बेलकुल ठीक भबिस्सबानी किहिन हीं, जइसा पबित्र सास्त्र माहीं लिखव हय:

‘ईं पंचे मुँहे से त हमार मान-सम्मान करत हें, पय अपने मन से हमार मान-सम्मान नहीं करँय।
7 ईं पंचे देखावटी हमार अराधना करत हें, काहेकि मनइन के बनाए नेमन
काहीं पबित्र सास्त्र के नेम बताइके सिखाबत हें †।
8 काहेकि तूँ पंचे परमातिमा के हुकुम काहीं छोंड़िके मनइन के बनए रीति-
रिबाजन काहीं मनते हया।”
9 यीसु उनसे कहिन, “तूँ पंचे अपने रीति-रिबाजन काहीं मानँइ के खातिर,
परमातिमा के हुकुम के कइसन पूरी तरह उलंघन कइ देते हया! 10 काहेकि
मूसा नबी तोंहसे कहिन हीं, कि ‘अपने महतारी-बाप के मान-सम्मान किहा’,
अउर ‘जे कोऊ अपने महतारी-बाप के अपमान करय, त ओही जरूर मारि
डारा जाय।’ 11 पय तूँ पंचे कहते हया, कि अगर कोऊ अपने महतारी-बाप से
कहय, कि ‘जउन कुछू फायदा तोहईं हमसे मिल सकत रहा हय, ओही हम
परमातिमा काहीं भेंट चढ़ाय दिहेन हय’, 12 तूँ पंचे उआ मनई से इआमेर कह
बाइके, ओही अपने महतारी-बाप के कुछू सेबा नहीं करँइ देते आह्या।
13 इआमेर से तूँ पंचे अपने रीति-रिबाजन काहीं मनते हया, अउर परमातिमा
के बचन काहीं मानब छोंड़ि देते हया, अउर एहिनतर के अउरव खुब काम
करते हया।”

मनई काहीं असुद्ध करँइ बाली बातँय
(मत्ती 15:10-20)

14 तब यीसु सगले मनइन काहीं अपने लघे बोलाइके कहिन, “तूँ पंचे हमरे
बातन काहीं सुना, अउर समझा: 15 अइसन कउनव चीज नहिं आय, जऊँ
मनई के मुहें से पेटे के भीतर जाइके, ओही असुद्ध कइ देय; पय जउन
बातँय मनई के भीतर से निकरती हईं, केबल उँइन ओही परमातिमा के नजर
माहीं असुद्ध करती हईं।” 16 (“जेखर सुनँय के मन होय, उआ बड़े ध्यान से
सुन लेय।”) 17 जब यीसु भीड़ से निकरिके एकठे घर माहीं चलेगें, तब चेला
लोग यीसु के लघे आइके इआ उदाहरन के मतलब पूँछँइ लागें। 18 तब यीसु
चेलन से कहिन, “का तुहूँ पंचे नदान हया? काहे तूँ पंचे इआ नहीं जन त्या,
कि जउन चीज बहिरे से मनई के भीतर जात ही, उआ मनई काहीं असुद्ध
नहीं कइ सकय? 19 काहेकि उआ चीज मनई के मन म नहीं, पेटे माहीं जात
ही, अउर टट्टी से निकर जात ही।” इआ बात कहिके यीसु सगली खाँइ बाली
चीजन काहीं सुद्ध ठहराइन। 20 पुनि यीसु कहिन, “जउन मनई के भीतर से
अरथात मन से निकरत हय, उहय मनई काहीं परमातिमा के नजर माहीं
असुद्ध करत हय। 21 काहेकि मनई के देंह के भीतर से अरथात मन से,
घिनहे-घिनहे बिचार, ब्यभिचार करब, चोरी करब, कतल करब, दुसरे के
मेहेरिआ से नजायज सम्बन्ध रक्खब, 22 लालच करब, दुस्टता करब, छल
करब, लुच्चई करब, बुरी नजर से देखब, दुसरे के बुराई करब, घमन्ड करब,
अउर मुरखईं के बातँय निकरती हईं। 23 ईं सगली बुरी बातँय मनई के
भितरय से निकरती हईं, अउर मनई काहीं परमातिमा के नजर माहीं असुद्ध
करती हईं।”

यूनानी जात के मेहेरिआ के बिसुआस
(मत्ती 15:21-28)

24 पुनि यीसु उआ घर से उठिके सूर अउर सैदा प्रदेसन म आइके एकठे
घर माहीं गें, अउर ऊँ चाहत रहे हँय, कि इहाँ के कउनव मनई न जाने
पामँय। कि हम इहाँ हएन; पय कुछ जने जानिगें कि यीसु इआ घर माहीं हें।
25 अउर हरबिन एकठे मेहेरिआ जउने के छोट बिटिया माहीं बुरी आत्मा
सकान रही हय, उआ यीसु के चरचा सुनिके उनखे लघे आई, अउर उनखे
गोड़ेन माहीं गिर परी, 26 उआ मेहेरिआ यूनानी जात अउर सीरिया देस के
फिनीकी प्रदेस के रही हय, उआ यीसु से बिनती कइके कहँइ लाग कि
“अपना हमरे बिटिया से बुरी आत्मा काहीं निकार देई।” 27 यीसु ओखे
बिसुआस काहीं देखँइ के खातिर कहिन, “पहिले लड़िकन काहीं पेट भर
खाय लेंइ द्या, काहेकि लड़िकन के रोटी लइके कुकुरन †† के आँगे डारब
उचित नहिं आय।” 28 तब उआ मेहेरिआ यीसु से कहँइ लाग, “हे प्रभू जऊँ
अपना कहेन बेलकुल सही हय; तऊ लड़िकन के खाए से मेज के नीचे जऊँ
चुरकुन गिरत हें, ओही कुकुरव खाय लेथें।” 29 यीसु ओसे कहिन, “अपने
बिसुआस के इआ बात के कारन तूँ अपने घरय चली जा, बुरी आत्मा तोंहरे
बिटिया से निकरिगे ही।” 30 उआ मेहेरिआ अपने घर माहीं पहुँचिके देखिस,
कि बिटिया खटिया माहीं नीक-सूख परी हय, अउर बुरी आत्मा निकरिगे ही।

बहिर गूँगा मनई काहीं नीक करब

31 पुनि यीसु सूर अउर सैदा देसन से निकरिके दिकापुलिस प्रदेस से होइके
गलील प्रदेस के झील के लघे पहुँचिगें। 32 तब कुछ जने यीसु काहीं देखिन,
अउर एकठे मनई काहीं जऊँ बहिर अउर गूँगा रहा हय, यीसु के लघे
लइआइके बिनती किहिन, कि अपना आपन हाँथ ओखे ऊपर धइ देई,
जउने उआ नीक होइ जाय। 33 तब यीसु उआ मनई काहीं भीड़ से अलग लइ
जाइके, ओखे कान माहीं आपन अँगुरी डारिन, अउर थूँकिके ओखे जीभ क
छुइन; 34 अउर स्वरग कइती निहारिके आँह भरिन, अउर उआ मनई से
ओखे भाँसा माहीं कहिन, “इप्फत्तह!” अरथात “खुलिजा!” 35 तबहिनय
उआ मनई काहीं सुनाँय लाग, अउर ओखे जीभ के गाँठ खुलिगे, अउर उआ
निकहा से बोलँइ लाग। 36 तब यीसु ऊँ मनइन काहीं चेताइके कहिन, कि
इआ बात कोहू से न कह्या; पय जेतनय ऊँ उनहीं चेताइन तय, ओतनय ऊँ
पंचे अउर प्रचार करँइ लागें। 37 ऊँ पंचे अचरज मानिके कहँइ लागें, “यीसु
जऊँ कुछू करत हें, सब निकहय करत हें; इहाँ तक कि यीसु बहिरन काहीं
सुनँय के, अउर गूँगन काहीं बोलँइ के सक्ती देत हें।”

चार हजार मनइन काहीं खबाउब
(मत्ती 15:32-39)

8 उन दिनन माहीं जब पुनि खुब भीड़ एकट्ठा होइगे, अउर उनखे लघे
कुछू खाँइ क नहीं रहा, तब यीसु अपने चेलन काहीं लघे बोलाइके
उनसे कहिन, 2 “हमहीं इआ भीड़ के मनइन के ऊपर बड़ी दया आबत ही,
काहेकि ईं पंचे तीन दिना से हमरे साथ हें, अउर इनखे लघे खाँय के खातिर
कुछू हइअव नहिं आय। 3 अगर हम इनहीं भूँखेन घर पठय देई, त ईं पंचे
बिहोस होइके गइलय माहीं परे रहि जइहँय, काहेकि इआ भीड़ म से कुछ
मनई खुब दूरी से आए हँय।” 4 तब चेला लोग यीसु काहीं जबाब दिहिन,
“इहाँ सुनसान जघा माहीं एतनी रोटी हम पंचे कहाँ से लइ अई, कि इआ
सगली भीड़ के मनई खाइके संतुस्ट होइ जाँय?” 5 तब यीसु अपने चेलन से
पूँछिन, “तोंहरे लघे केतनी रोटी हईं?” चेला लोग कहिन, कि “सातठे।”
6 तब यीसु सगले जनेन काहीं भुँइ माहीं बइठँय के हुकुम दिहिन, अउर
यीसु ऊँ सातव रोटिन काहीं हाँथे म लइके, परमातिमा काहीं धन्यबाद दइके
टोरिन, अउर अपने चेलन काहीं देत गें, कि सगले जनेन काहीं परसँय, अउर
ऊँ पंचे सगले मनइन के आँगे परस दिहिन। 7 अउर उनखे लघे कुछ छोट-
छोट मछरिव रही हँय, यीसु ऊँ मछरिन काहीं लइके परमातिमा काहीं
धन्यबाद दिहिन, अउर उनहूँ काहीं परसँय के खातिर चेलन काहीं हुकुम
दिहिन, कि सगले मनइन के आँगे परस देंय। 8 इआमेर से सगले मनई
खाइके संतुस्ट होइगें। अउर ओखे बाद चेला लोग, बँचे टुकड़न से सात
टोपरी भरिके उठाइन। 9 अउर खाँइ बाले चार हजार के करीब रहे हँय; ओखे
बाद यीसु भीड़ के सगले मनइन काहीं बिदा किहिन। 10 अउर यीसु तुरन्तय
अपने चेलन के साथ नाव माहीं चढ़िके, दलमनूता प्रदेस म चलेगें।

† *7:7 यसा 29:13*

†† *यहूदिन के तुलना लड़िकन से कीन गे ही अउर दुसरे जात के मनइन के तुलना कुकुरन से कीन गे ही।*

फरीसी लोगन के यीसु काहीं जाँचब
(मत्ती 16:1-4)

11 पुनि फरीसी लोग आइके यीसु से बाद-बिबाद करँइ लागें, अउर यीसु के
परिच्छा लेंइ के खातिर उनसे स्वरग के अदभुत चिन्हारी देखामँइ क कहँइ
लागें। 12 यीसु अपने आत्मा माहीं खुब दुखी होइके कहिन, “इआ समय के
मनई काहे बिसुआस नहीं करँय, अदभुत चिन्हारी देखँइ चाहत हें? हम
तोंहसे सही कहित हएन, कि इआ समय के मनइन काहीं कउनव अदभुत
चिन्हारी न देखाई जई।” 13 अउर यीसु उनहीं छोंड़िके पुनि नाव माहीं चढ़िके
झील के दुसरे पार चलेगें।

चेलन काहीं समझाउब
(मत्ती 16:5-12)

14 चलत समय चेला लोग रोटी लेंइ क बिसरिगें तय, अउर नाव माहीं
उनखे लघे एकठेरिन रोटी रही हय। 15 यीसु अपने चेलन काहीं चेताइन, कि
“देखा, फरीसी लोगन के खमीर अउर हेरोदेस राजा के खमीर से सतरक
रह्या।” 16 इआ सुनिके चेला लोग आपस माहीं सोच-बिचार कइके कहँइ
लागें, कि “हमरे लघे रोटी त नहिं आय।” 17 इआ जानिके यीसु उनसे
कहिन, “तूँ पंचे आपस माहीं काहे इआ सोच-बिचार करते हया, कि हमरे
लघे रोटी नहिं आय? का तूँ पंचे अबय तक नहीं जाने समझे पाया? का
तोंहार पंचन के मन एतना कठोर होइगा हय? 18 काहे तूँ पंचे अपने आँखिन
से नहीं देख्या? अउर अपने कानन से नहीं सुन्या? काहे तोहईं सुध नहिं
आय? 19 कि जब हम पाँच हजार मनइन के खातिर पाँचठे रोटी टोरेन तय,
त तूँ पंचे रोटी के टुकड़न से केतनी टोपरी भरिके उठाया तय?” तब चेला
लोग उनसे कहिन, “बारा टोपरी।” 20 अउर “जब चार हजार मनइन काहीं
खबामँइ के खातिर सातठे रोटी रही हँय, तब तूँ पंचे रोटी के टुकड़न से
केतनी टोपरी भरिके उठाया तय?” चेला लोग कहिन, “सात टोपरी।”
21 यीसु अपने चेलन से कहिन, “काहे तूँ पंचे अबहिनव तक नहीं समझे
पाया?”

बैतसैदा गाँव माहीं एकठे आँधर मनई काहीं नीक करब

22 यीसु अपने चेलन के साथ बैतसैदा गाँव माहीं आएँ, तब कुछ जने
एकठे आँधर मनई काहीं यीसु के लघे लइ आएँ अउर यीसु से चरउरी कइके
कहिन, कि “अपना इआ आँधर मनई क छुइ देई त नीक होइ जाय।”
23 यीसु उआ आँधर मनई के हाँथ पकड़िके गाँव से बहिरे लइगें, अउर ओखे
आँखिन माहीं आपन थूँक लगाइके ओखे ऊपर आपन हाँथ धरिन अउर
ओसे पूँछिन, “का तूँ कुछू देखते हया?” 24 उआ मनई चारिव कइती
निहारिके कहिस, “हम मनइन काहीं देखित हएन, जउन हमहीं रेंगत बिरबन
कि नाईं देखात हें।” 25 तब यीसु दुबारा ओखे आँखिन माहीं आपन हाँथ
धरिन, अउर उआ आँधर मनई बड़े ध्यान से देखिस, काहेकि उआ नीक
होइगा तय, अउर ओही सब कुछ साफ-साफ देखाँइ लाग। 26 यीसु उआ
आँधर मनई से इआ कहिके घर पठय दिहिन, “तूँ इआ गाँव के भीतर न
जया।”

पतरस यीसु काहीं मसीह सोइकार किहिन
(मत्ती 16:13-20; लूका 9:18-21)

27 यीसु अपने चेलन के साथ कैसरिया प्रदेस के फिलिप्पी सहर के लघे के
गाँव माहीं चलेगें। गइल म यीसु अपने चेलन से पूँछिन, “लोग हमहीं का
कहत हें?” 28 तब चेला लोग कहिन, कि “कुछ मनई यूहन्ना बपतिस्मा देंइ
बाला, त कुछ जने एलिय्याह नबी, त अउर कुछ जने इआ कहत हें,
परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन म से एक जने जि आबा हय।” 29 इआ
सुनिके यीसु अपने चेलन से पूँछिन, “पय तूँ पंचे हमहीं का कहते हया?”
पतरस यीसु से कहिन, “अपना मसीह आहेन।” 30 तब यीसु अपने चेलन
काहीं चेताइके कहिन, कि “तूँ पंचे हमरे बारे माहीं, इआ बात कोहू से न
बताया।”

अपने मउत के बारे माहीं यीसु के भबिस्सबानी
(मत्ती 16:21-23; लूका 9:22)

31 तब यीसु अपने चेलन काहीं बतामँइ लागें, कि “मनई के लड़िका के
खातिर इआ जरूरी हय, कि उआ खुब दुख सही, अउर यहूदी धारमिक
अँगुआ लोग अउर प्रधान याजक लोग अउर मूसा के बिधान सिखामँइ बाले,
ओही अपने बनाए नेम के बिरोधी मानिके मारि डरिहँय, अउर उआ तिसरे
दिन जिन्दा होइ जई।” 32 यीसु इआ बात काहीं अपने चेलन से बेलकुल
साफ-साफ कहि दिहिन। इआ बात सुनिके पतरस यीसु काहीं अलग लइ
जाइके डाँटँइ लाग। 33 पय यीसु पीछे मुड़िके अपने चेलन कइती देखिके,
पतरस काहीं दपटिके कहिन, “हे सइतान, हमरे आँगे से दूरी होइजा;
काहेकि तँय परमातिमा के बातन माहीं नहीं, बलकिन मनइन के बातन माहीं
मन लगउते हए।”

यीसु के पीछे चलँइ के मतलब
(मत्ती 16:24-28; लूका 9:23-27)

34 यीसु भीड़ के मनइन अउर अपने चेलन काहीं लघे बोलाइके कहिन,
“जे कोऊ हमरे पीछे आमँइ चाहय, उआ अपने मन के मुताबिक जिअब
छोंड़िके, हरेक दिन अपने सब दुख तकलीफन काहीं सहिके जऊँ क्रूस के
बराबर हें, हमरे पीछे चलय। 35 काहेकि जे कोऊ आपन प्रान बचामँइ चाही,
उआ ओही गमाय देई, अउर जे कोऊ आपन प्रान हमरे खातिर अउर खुसी
के खबर के खातिर गमाय देई, उआ ओही बचाए पाई। 36 अगर कउनव
मनई सगले संसार के मालिक होइ जाय, अउर आपन प्रान गमाय देय, त
ओही का फायदा होई? 37 अउर मनई आपन प्रान बचामँइ के बदले माहीं का
दइ सकत हय? 38 जे कोऊ इआ ब्यभिचारी अउर पापी पीढ़ी के मनइन के
आँगे, हमसे अउर हमरे बातन काहीं मानँइ से लजई, त मनई के लड़िका
घलाय, जब उआ पबित्र दूतन के साथ अपने पिता परमातिमा के महिमा
सहित अई, तब उहव ओही आपन मानँय से लजई।”

9 यीसु, चेलन से कहिन, “हम तोंहसे सही कहित हएन, कि जऊँ इहाँ
ठाढ़ हें, उनमा से कुछ जने अइसन हें, कि जब तक परमातिमा के
राज काहीं पूरी सामर्थ समेत आबत न देख लेइहँय, तब तक ऊँ पंचे बेलकुल
न मरिहँय।”

यीसु के रूप बदलब
(मत्ती 17:1-13; लूका 9:28-36)

2 छय दिना के बाद यीसु, पतरस अउर याकूब अउर यूहन्ना काहीं अपने
साथ माहीं लइके, एकान्त माहीं कउनव ऊँच पहार माहीं गें। अउर उनखे
अँगुअय यीसु के रूप बदलिगा। 3 अउर यीसु के ओन्हा अइसन चमकँइ
लाग, अउर एतना उजर होइगा, कि सगली धरती माहीं कउनव धोबी घलाय
उआमेर उजर नहीं कइ सकय। 4 अउर तिनहूँ चेलन काहीं मूसा नबी के साथ
एलिय्याह देखाने, ऊँ दोनव जने यीसु के साथ बातँय करत रहे हँय। 5 इआ
देखिके पतरस यीसु से कहिन, “हे गुरू, हमार पंचन के इहाँ रहब निकहा
हय; एसे हम पंचे इहाँ तीनठे मड़इआ बनाई; एकठे अपना के खातिर, एकठे
मूसा नबी के खातिर, अउर एकठे एलिय्याह नबी के खातिर।” 6 काहेकि
पतरस इआ नहीं जाने पाबत रहे आँय, कि हम उनसे का कही, एसे कि ऊँ
पंचे खुब डेराइगें रहे हँय। 7 तबहिनय एकठे उजर बदरी आइके उनहीं पंचन
काहीं लुकाय लिहिस, अउर उआ बदरी से इआ बोल सुनान: कि “ईं हमार
पियार लड़िका आहीं, तूँ पंचे इनखे बातन काहीं मान्या।” 8 तब ऊँ पंचे
अचानक चारिव कइती निहारँइ लागें, अउर यीसु के अलाबा अउर कोहू
काहीं अपने साथ नहीं देखिन।

9 पहार से नीचे उतरत समय, यीसु उनहीं हुकुम दिहिन, कि जब तक मनई
के लड़िका मरिके जिन्दा न होइ जाय, तब तक जऊँ कुछू तूँ पंचे देखे हया,
उआ कोहू से न बताया। 10 तिनहूँ चेला इआ बात काहीं याद रक्खिन; अउर
कोहू से नहीं कहिन, पय आपस माहीं सोच-बिचार करँइ लागें, कि "मरेन म
से जि उठँइ के का मतलब होइ सकत हय?" 11 अउर ऊँ पंचे यीसु से
पूँछिन, कि "मूसा के बिधान सिखामँइ बाले इआ काहे कहत हें, कि मसीह
से पहिले एलिय्याह नबी जरूर अइहँय?" 12 तब यीसु उनहीं पंचन काहीं
जबाब दिहिन, कि "एलिय्याह नबी जरूर अइहँय, अउर मसीह काहीं
सोइकार करँइ के खातिर, मनइन काहीं तइआर करिहँय, पय मनई के
लड़िका के बारे माहीं, पबित्र सास्त्र म इआ काहे लिखा हय, कि उआ खुब
दुख सही; अउर तुच्छ गिना जई? 13 पय हम तोंहसे कहित हएन, कि वास्तव
माहीं एलिय्याह त आय चुके हँय, अउर उनखे बारे माहीं पबित्र सास्त्र म
लिखा हय, कि परमातिमा के सँदेस काहीं न मानँइ बाले लोग, जइसन
चाहिन उनखे साथ उहइमेर बरताव किहिन।"

बुरी आत्मा से परेसान लड़िका काहीं नीक करब

(मत्ती 17:14-21; लूका 9:37-43)

14 जब यीसु पहार से उतरिके चेलन के लघे आएँ, त देखिन कि उनखे
चारिव कइती बड़ी भीड़ लगी हय, अउर मूसा के बिधान सिखामँइ बाले
उनसे बहँस कइ रहे हँय। 15 यीसु काहीं देखतय सगले जन चउआन रहिगें,
कि यीसु कहाँ से आइगें, अउर उनखे कइती दउड़िके नबस्कार किहिन।
16 यीसु मूसा के बिधान सिखामँइ बालेन से पूँछिन, "तूँ पंचे हमरे चेलन से
काहे बिबाद करते हया?" 17 भीड़ म से एकठे मनई उनहीं जबाब दिहिस,
"हे गुरू, हम अपने लड़िका काहीं, जउने म गूँगी आत्मा सकान ही, अपना
के लघे लइ आएन तय। 18 जहँइठे गूँगी आत्मा ओही पकड़त ही, ओहिनठे
ओही पटक देत ही: अउर ओखे मुँहे म फेन भरि आबत हय, अउर खुब दाँत
पीसत हय, अउर उआ झुरान जात हय, हम अपना के चेलन से कहेन कि
उआ गूँगी आत्मा काहीं निकार देई, पय ऊँ पंचे नहीं निकारे पाइन।" 19 इआ
बात सुनिके यीसु उनहीं जबाब दइके कहिन, "हे परमातिमा के ऊपर
बिसुआस न करँइ बाले हठी मनइव, हम कब तक तोंहरे साथ रहब, अउर
कब तक तोंहार सहत रहब? उआ लड़िका काहीं हमरे लघे लइ आबा।"
20 तब ऊँ पंचे उआ लड़िका काहीं यीसु के लघे लइ आएँ। अउर जइसय
उआ गूँगी आत्मा यीसु काहीं देखिस, तुरन्तय उआ लड़िका काहीं मुरेर के
भुँइ म पटक दिहिस, अउर उआ मुँहे माहीं फेन बहाए लोटँय लाग। 21 यीसु
उआ लड़िका के बाप से पूँछिन, "इआ लड़िका के इआ हालत कब से ही।"
लड़िका के बाप कहिस, "बचपन से।" 22 अउर लड़िका के बाप यीसु से
कहँइ लाग, "इआ गूँगी आत्मा लड़िका काहीं मारँइ के खातिर, कबहूँ आगी
म, त कबहूँ पानी म पटक देत ही; पय अगर अपना कुछू कइ सकी त हमरे
ऊपर तरस खाइके हमार मदत करी।" 23 इआ सुनिके यीसु उआ लड़िका के
बाप से कहिन, "अगर अपना कुछू कइ सकी? इआ कउनव बात आय! जे
कोऊ परमातिमा के ऊपर बिसुआस करत हय, ओखे खातिर सब कुछ होइ
जात हय।" 24 लड़िका के बाप हरबिन गिड़गिड़ाइके यीसु से कहिस, "हे
प्रभू, हम अपना के ऊपर बिसुआस करित हएन, हमरे ऊपर किरपा करी,
कि हम पूरे मन से बिसुआस कइ सकी।" 25 जब यीसु देखिन कि खुब मनई
दउड़-दउड़िके भीड़ लगाए लेथें, तब यीसु बुरी आत्मा काहीं इआ कहिके
डाँटिन, "हे गूँगी-बहिरी आत्मा, हम तोही हुकुम देइत हएन, कि इआ
लड़िका से निकर जा, अउर एखे भीतर पुनि कबहूँ न सकए।" 26 तबहिन
उआ बुरी आत्मा चिल्लाइके, उआ लड़िका काहीं खुब मुरेरिके निकरिगे;
अउर उआ लड़िका मरा कि नाईं परा रहिगा। उहाँ ठाढ़ कुछ मनई कहँइ
लागें, कि लागत हय लड़िका मरिगा। 27 पय यीसु उआ लड़िका के हाँथ
पकड़िके उठाइन त उआ ठाढ़ होइगा। 28 जब यीसु उहाँ से लउटिके घर म
आएँ, तब उनखर चेला लोग अकेले माहीं उनसे पूँछिन, "हम पंचे उआ बुरी
आत्मा काहीं काहे नहीं निकारे पाएन?" 29 यीसु अपने चेलन से कहिन,
"इआमेर के गूँगी आत्मा परमातिमा से प्राथना करँइ के अलाबा, अउर
कउनव उपाय से नहीं निकारी जाय सकय।"

अपने मउत के बारे माहीं यीसु के पुनि भबिस्सबानी

(मत्ती 17:22-23; लूका 9:43-45)

30 यीसु अपने चेलन के साथ उआ घर से चल दिहिन, अउर गलील प्रदेस
से होइके जात रहे हँय! यीसु इआ चाहत रहे हँय, कि कोऊ जाने न पामय
कि ऊँ कहाँ जाथें। 31 काहेकि यीसु अपने चेलन काहीं परमातिमा के सँदेस
के बातन काहीं सिखाबत रहे हँय, अउर उनसे कहत रहे हँय, कि "मनई के
लड़िका, बिरोध करँइ बाले मनइन के हाँथ माहीं पकड़ाबा जई, अउर ऊँ पंचे
ओही मारि डरिहँय, अउर उआ मरिके तीन दिन बाद पुनि जिन्दा होइ जई।"
32 पय यीसु के इआ बात चेलन के समझ माहीं नहीं आई, अउर ऊँ पंचे यीसु
से पूछँइ माहीं डेरात रहे हँय।

सबसे बड़ा को हय?

(मत्ती 18:1-5; लूका 9:46-48)

33 पुनि यीसु अपने चेलन के साथ कफरनहूम सहर म पहुँचिके; एकठे घर
माहीं आइके अपने चेलन से पूँछिन, "गइल म तूँ पंचे कउने बात माहीं बहँस
करत रहे हया?" 34 ऊँ पंचे कुछू नहीं बोले, काहेकि गइल माहीं चेला लोग
आपस माहीं इआ बहँस करत रहे हँय, कि हमरे पंचन म से सबसे बड़ा को
हय? 35 तब यीसु बइठिके बरहँव चेलन काहीं अपने लघे बोलाइन, अउर
उनसे कहिन, "अगर कोऊ सगलेन से बड़ा होंइ चाहत हय, त उआ सगलेन
से छोट अउर सगलेन के सेबा करँइ बाला बनय।" 36 अउर यीसु एकठे छोट
क लड़िका काहीं लइके सगलेन के बीच माहीं ठाढ़ किहिन, अउर पुनि उआ
लड़िका काहीं अपने पलथी माहीं बइठाइके उनसे कहिन, 37 "जे कोऊ हमरे
नाम से इआमेर के लड़िकन म से कउनव एकठे काहीं सोइकार करत हय, त
उआ हमहीं सोइकार करत हय, अउर जे कोऊ हमहीं सोइकार करत हय,
उआ हमहिन भर क नहीं, बलकिन हमहीं पठमँइ बाले परमातिमा काहीं
सोइकार करत हय।"

जउन बिरोध माहीं नहिं आय उआ अपने कइती हय

(लूका 9:49-50)

38 तब यूहन्ना यीसु से कहिन, "हे गुरू, हम पंचे एकठे मनई काहीं अपना
के नाम से बुरी आत्मन काहीं मनइन म से निकारत देखेन, त हम ओही
बरजेन कि तूँ अइसा न करा, काहेकि उआ मनई हमरे पीछे नहीं आबत रहा
आय।" 39 यीसु यूहन्ना से कहिन, "उआ मनई काहीं न बरजा; काहेकि
अइसा कउनव मनई नहिं आय, जऊँ हमरे नाम से सामर्थ के काम करय,
अउर हरबिन हमहीं बुरा कहि सकय, 40 काहेकि जे कोऊ हमरे बिरोध म
नहिं आय, उआ हमरिन कइती हय। 41 जे कोऊ एक गिलास पानी तोहईं
इआ जानिके पिआई, कि तूँ पंचे मसीह के चेला आह्या, त हम तोंहसे सही
कहित हएन, कि उआ मनई ओखर प्रतिफल जरूर पाई।"

जे कोऊ दुसरे से पाप कराबत हय

(मत्ती 18:6-9; लूका 17:1-2)

42 यीसु अपने चेलन से कहिन, "जे कोऊ हमरे ऊपर बिसुआस करँइ
बालेन काहीं, चाह उआ छोट क लड़िकय होय, कउनव से पाप कराबत हय,
त उआ मनई के खातिर इआ ठीक कहाई, कि एकठे बड़ी काहीं चक्की के
जेतबा ओखे गरे माहीं बाँधिके, समुद्र माहीं फेंक दीन जाय, काहेकि
परमातिमा के सजा एहू से जादा मिली। 43 अगर तोंहार हाँथ तोंहसे पाप
करामँइ के कारन बनत हय, त तूँ अपने हाँथ काहीं काटि डारा, बिना हाँथ के
स्वरगराज माहीं जाब, दोनव हाँथन काहीं लए, नरक के आगी माहीं डारे
जाँइ से निकहा हय, जउन कबहूँ बुझातिन नहिं आय। 44 (जहाँ उनखर
किरबा कबहूँ नहीं मरँय, अउर न कबहूँ ओखर आगिन बुझाय।) 45 अगर

तोंहार गोड़ तोंहसे पाप करामँइ के कारन बनत हय, त तूँ ओही काटि डारा, बिना गोड़ के स्वरगराज माहीं जाब, नरक के आगी माहीं डारे जाँइ से निकहा हय, 46 (जहाँ उनखर किरबा कबहूँ नहीं मरँय, न कबहूँ ओखर आगिन बुझाय।) 47 अउर अगर तोंहार आँखी तोंहसे पाप करामँइ के कारन बनत ही, त ओही निकारिके फेंकि द्या; नहीं त दुइठे आँखी लए नरक के आगी माहीं डार दीन जइहा। कनमा होइके परमातिमा के राज माहीं जाब तोंहरे खातिर एसे निकहा हय।" 48 (जहाँ उनखर किरबा कबहूँ नहीं मरँय, न कबहूँ ओखर आगिन बुझाय।) 49 काहेकि हरेक मनई आगी से नोन कि नाईं सुद्ध कीन जई †। ††50 नोन त निकहा होत हय, पय अगर ओखर सखरई खतम होइ जाय, त दुबारा ओही कउनव चीज से सखार नहीं कीन जाय सकय। इहइमेर अपने भीतर नोन कि नाईं गुन रक्खा, अउर एक दुसरे के साथ मिल-जुलिके रहा।

छोंड़-छुट्टी करँइ के बारे माहीं यीसु के सिच्छा

(मत्ती 19:1-12; लूका 16:18)

10 पुनि यीसु कफरनहूम सहर से निकरिके, यहूदिया प्रदेस के सरहद्दी माहीं यरदन नदी के दुसरे पार आइगें, तबहिनय यीसु के लघे पुनि भीड़ एकट्ठा होइगे, अउर यीसु अपने रीत के मुताबिक पुनि भीड़ के मनइन काहीं उपदेस देंइ लागें।

2 तब फरीसी लोग यीसु के लघे आइके उनखर परिच्छा लेंइ के खातिर उनसे पूँछिन, "का इआ उचित हय, कि मंसेरुआ अपने मेहेरिआ के छोंड़-छुट्ठी कइ देय?" 3 यीसु उनसे कहिन, "मूसा नबी तोंहसे का कहिन तय?" 4 ऊँ पंचे कहिन, "मूसा नबी कहिन तय, कि जे कोऊ अपने मेहेरिआ काहीं छोंड़ँइ चाहय, त उआ छोंड़-छुट्टी के कागज लिखिके देय, तबहिन ओही छोंड़ि सकत हय।" 5 यीसु उनसे कहिन, "तोंहरे मन के कठोरता के कारन मूसा नबी तोंहरे खातिर इआ हुकुम लिखिन हीं। 6 पय संसार के सुरुआत माहीं परमातिमा मनई काहीं मंसेरुआ अउर मेहेरिआ के रूप माहीं बनाइन तय। 7 इआ कारन से मनई अपने महतारी-बाप से अलग होइके अपने मेहेरिआ के साथ माहीं रही, 8 अउर ऊँ दोनव एकय तन होइहँय; इआ कारन से अब ऊँ दुइ नहीं, बलकिन एकय तन आहीं। 9 एसे जिनहीं परमातिमा जोड़िन हीं, उनहीं मनई अलग न करँय।"

10 यीसु उहाँ से जब एकठे घर म आइगें, तब चेला लोग मेहेरिआ काहीं छोंड़ँइ के बारे म पुनि पूँछँइ लागें। 11 यीसु अपने चेलन से कहिन, "जे कोऊ अपने मेहेरिआ काहीं छोंड़िके दुसरे मेहेरिआ से काज करत हय, त उआ अपने पहिल मेहेरिआ के बिरोध माहीं ब्यभिचार करत हय। 12 अउर अगर कउनव मेहेरिआ अपने मंसेरुआ काहीं छोंड़िके दुसरे मंसेरुआ के साथ काज करत ही, त उहव ब्यभिचार करत ही।"

छोट लड़िकन काहीं आसिरबाद

(मत्ती 19:13-15; लूका 18:15-17)

13 पुनि खुब मनई अपने छोट-छोट लड़िकन काहीं यीसु के लघे लइ आमँइ लागें, कि यीसु उनखे ऊपर आपन हाँथ धइके आसिरबाद देंय, पय चेला लोग उनहीं डाँटँइ लागें। 14 यीसु इआ देखिके, गुस्साइके अपने चेलन से कहिन, "छोट लड़िकन काहीं हमरे लघे आमँइ द्या, अउर उनहीं न बरजा, काहेकि जे कोऊ छोट लड़िकन कि नाईं अपने काहीं नम्र बनइहँय, उँइन परमातिमा के राज के भागीदार बनिहँय। 15 हम तोंहसे सही कहित हएन, कि जे कोऊ परमातिमा के सँदेस के बात छोट क लड़िका कि नाईं, न अपनाई, त उआ परमातिमा के राज माहीं कबहूँ न जाए पाई।" 16 अउर यीसु ऊँ छोट-छोट लड़िकन काहीं कनिआ लइ लिहिन, अउर उनखे ऊपर आपन हाँथ धइके आसिरबाद दिहिन।

धनमान मनई अउर अनन्त जीबन

(मत्ती 19:16-30; लूका 18:18-30)

17 यीसु जब उहाँ से निकरिके गइल माहीं जात रहे हँय, तब एकठे मनई यीसु के लघे दउड़त आबा, अउर उनखे आँगे गोड़न गिरिके पूँछँइ लाग, "हे उत्तम गुरू, अनन्त जीबन पामँइ के खातिर हम का करी?" 18 यीसु ओसे कहिन, "तूँ हमहीं उत्तम काहे कहते हया? कोऊ उत्तम नहिं आय, केबल एकठे परमातिमय भर उत्तम हें, अउर उनखे अलाबा कोऊ नहिं आय। 19 तूँ परमातिमा के हुकुमन काहीं त जनते हया: कतल न करब, ब्यभिचार न करब, चोरी न करब, लबरी गबाही न देब, कोहू के साथ छल न करब, अउर अपने महतारी-बाप के मान-सम्मान करब।" 20 उआ मनई यीसु से कहिस, "हे गुरू, ईं सगली बातन काहीं, त हम लड़िकइन से मानत आएन हय।" 21 यीसु उआ मनई कइती निहारिके ओसे प्रेम किहिन, अउर ओसे कहिन, "तोंहरे जीबन माहीं एकठे बात के कमी हय, जा, जऊँ कुछ तोंहार धन-सम्पत्ती ही, ओही सब बेंचिके गरीबन माहीं बाँटि द्या, अउर तोहईं स्वरग माहीं एसे बढ़िके धन-सम्पत्ती मिली, अउर आइके हमरे पीछे चला।" 22 यीसु के इआ बात सुनिके उआ मनई के चेहरा माहीं उदासी छाइगे, अउर खुब दुखी होइके उहाँ से चला ग, काहेकि उआ खुब धनी रहा हय। अउर इआ करँइ के ओखर इच्छा नहीं रही।

23 यीसु अपने चारिव कइती निहारिके अपने चेलन से कहिन, "धनी मनइन के परमातिमा के राज म प्रबेस करब केतना कठिन हय!" 24 चेला लोग यीसु के बात काहीं सुनिके चउआइगें। इआ देखिके यीसु पुनि चेलन से कहिन, "हे लड़िकव, जउन मनई धन के ऊपर भरोसा रक्खत हें, उनखर परमातिमा के राज म प्रबेस करब केतना कठिन हय! 25 परमातिमा के राज माहीं धनी मनई के पहुँचब खुब कठिन हय, बलकिन सूजी के छेंद से ऊँट के निकर जाब, एसे सरल हय!" 26 यीसु के इआ बात काहीं सुनिके चेला लोग खुब अचरज मानिके आपस माहीं कहँइ लागें, "त पुनि केही मुक्ती मिल सकत ही?" 27 यीसु अपने चेलन कइती देखिके कहिन, "मनइन से त इआ नहीं होइ सकय, पय परमातिमा से होइ सकत हय; काहेकि परमातिमा सब कुछ कइ सकत हें।" 28 तब पतरस यीसु से कहँइ लागें, "देखी, हम पंचे त आपन सब कुछ छोंड़िके अपना के पीछे चले आएन हँय।" 29 तब यीसु कहिन, "हम तोंहसे सही कहित हएन, कि अइसा कोऊ नहिं आय, जउन हमरे अउर परमातिमा के खुसी के खबर के खातिर आपन घर, अउर भाई-बहिनिन, अउर महतारी-बाप, अउर लड़िकन-बच्चन, अउर खेतन काहीं छोंड़ि दिहिस होय, 30 अउर अब इआ समय माहीं सव गुना न पाइस होय, अपने घरन, अउर भाइन अउर बहिनिन, अउर महतारिन, अउर लड़िकन-बच्चन, अउर खेतन काहीं, पय परमातिमा के खातिर सताव काहीं सहिके स्वरग माहीं अनन्त जीबन पाई, 31 देखा, जे कोऊ इआ संसार माहीं खुद काहीं सगलेन से बड़ा मानत हें, ऊँ पंचे स्वरग माहीं सगलेन से छोट माने जइहँय, अउर जे कोऊ इआ संसार माहीं खुद काहीं सगलेन से छोट मानत हें, ऊँ पंचे स्वरग माहीं सगलेन से बड़े माने जइहँय।"

अपने मउत के बारे माहीं यीसु के तिसराय भबिस्सबानी

(मत्ती 20:17-19; लूका 18:31-34)

32 यीसु अपने चेलन के साथ यरूसलेम सहर जात रहे हँय, अउर उनखे पीछे अउरव मनई रहे हँय, अउर यीसु उन सगलेन के आँगे-आँगे जात रहे हँय। अउर चेला लोग चउआन रहे हँय, अउर जऊँ उनखे पीछे-पीछे आबत रहे हँय, ऊँ पंचे खुब डेरान रहे हँय। तब यीसु पुनि अपने बरहँव चेलन काहीं अपने लघे अलग बोलाइके, ऊँ बातन काहीं बतामँइ लागें, जउन यीसु के ऊपर आमँइ बाली रही हँय। 33 "देखा, हम यरूसलेम सहर माहीं जइत हएन, अउर मनई के लड़िका प्रधान याजकन अउर मूसा के बिधान सिखामँइ बालेन के हाँथ माहीं पकड़ाबा जई, अउर ऊँ पंचे ओही मउत के सजा के काबिल ठहरइहँय, अउर गैरयहूदी लोगन के हाँथ माहीं सउँपिहँय।

---

† *जइसन यहूदी लोग बली माहीं नोन डारत रहे हँय, उहइमेर कस्टन के द्वारा परमातिमा हमहीं पंचन काहीं सुद्ध करत हें।* †† *9:49 लैब्य 2:13*

34 अउर ऊँ पंचे ओखर मजाक उड़इहँय, ओखे ऊपर थुँकिहँय, ओही चाबुक
से मरिहँय, अउर ओही मारि डरिहँय, अउर उआ तिसरे दिन जिन्दा होइ
जई।"

याकूब अउर यूहन्ना के यीसु से बिनती करब
(मत्ती 20:20-28)

35 तब जब्दी के लड़िका याकूब अउर यूहन्ना यीसु के लघे आइके कहिन,
"हे गुरू, हम पंचे चाहित हएन, कि जऊँ कुछू हम अपना से मागी, ओही
अपना हमरे खातिर पूर करी।" 36 यीसु उनसे कहिन, "तूँ पंचे का चहते हया,
कि हम तोंहरे खातिर करी?" 37 ऊँ पंचे यीसु से कहिन, "अपना हमहीं इआ
बचन देई, कि जब अपना परमातिमा के महिमा के साथ राज करब, त एक
जने काहीं अपने दहिने कइती, अउर दुसरे काहीं बाएँ कइती बइठाउब।"
38 यीसु उनसे कहिन, "तूँ पंचे नहीं जनते आह्या, कि हम पंचे का मागित
हएन? जऊँ भारी कस्ट हम सहँइ बाले हएन, का तूँ पंचे उआ कस्ट सहि
सकते हया? अउर जउन खुब कस्ट सहिके हम मरँइ बाले हएन, का तूँ पंचे
खुब कस्ट सहिके मर सकते हया?" 39 ऊँ दोनव जने यीसु से कहिन, "इआ
सब हम पंचे कइ सकित हएन।" यीसु उनसे पुनि कहिन, "जऊँ कस्ट हम
सहँइ बाले हएन, तूँ पंचे सहि लेइहा, अउर जउन खुब कस्ट सहिके हम मरँइ
बाले हएन, अइसा खुब कस्ट सहिके तूँ पंचे मरँइ के खातिर तइआर हया।
40 पय उआ जघा जेखे खातिर परमातिमा तइआर किहिन हीं, ओही
छोंड़िके, अउर कोहू काहीं अपने दहिने, अउर अपने बाएँ बइठाउब हमरे बस
म नहिं आय।"

41 इआ सुनिके दसहूँ चेला यूहन्ना अउर याकूब काहीं रिसिहाँइ लागें।
42 तब यीसु चेलन काहीं अपने लघे बोलाइके उनसे कहिन, "तूँ पंचे जनते
हया, कि जऊँ गैरयहूदी लोगन माहीं अधिकारी होत हें, उनखे ऊपर हुकुम
चलाबत हें, अउर उन अधिकारिन माहीं बड़े अउर छोट होत हें, अउर जऊँ
बड़े होत हें, ऊँ छोटन के ऊपर अधिकार जताबत हें। 43 पय तोंहरे बीच माहीं
अइसा न होंइ चाही, बलकिन जे कोऊ तोंहरे पंचन म से बड़ा बनँइ चाहत
हय, त उआ तोंहार सगलेन के सेबा करँइ बाला बनय। 44 अउर जे कोऊ
तोंहरे पंचन म से मुखिया बनँइ चाहत हय, त उआ पहिले तोंहार पंचन के
दास बनय; 45 काहेकि मनई के लड़िका एसे नहीं आबा, कि ओखर सेबा-
सहाई कीन जाय, बलकिन एसे आबा हय, कि खुदय दुसरेन के सेबा-सहाई
करय, अउर उआ खुब मनइन काहीं मुक्ती देंइ के खातिर आपन प्रान देय।"

आँधर मनई काहीं नीक करब
(मत्ती 20:29-34; लूका 18:35-43)

46 यीसु अपने चेलन के साथ यरीहो सहर माहीं पहुँचे, अउर जब यीसु
अउर उनखर चेला लोग अउर खुब बड़ी भीड़, यरीहो सहर से होइके चली
जात रही हय, तब तिमाई के लड़िका बरतिमाई जऊँ आँधर रहा हय, उआ
भीख माँगय के खातिर सड़क के किनारे बइठ रहा हय। 47 उआ इआ सुनिके
कि नासरत गाँव के यीसु जात हें, चिल्लाय-चिल्लाइके कहँइ लाग, "हे राजा
दाऊद के सन्तान यीसु, हमरे ऊपर दया करी!" 48 खुब जने ओही डाँटिन,
कि चुप्पय होइ जाय, पय उआ अउर चंडे चिल्लाँइ लाग, "हे राजा दाऊद के
सन्तान यीसु, हमरे ऊपर दया करी!" 49 तब यीसु रुकिके कहिन, "उआ
आँधर मनई काहीं बोलाबा।" तब कुछ जने उआ आँधर मनई के लघे जाइके
ओसे कहिन, "साहस करा! उठा! यीसु तोंहईं बोलाबत हें।" 50 उआ आँधर
मनई आपन ओन्हा फेंकिके तुरन्तय उठा, अउर यीसु के लघे आबा। 51 तब
यीसु ओसे कहिन, "तूँ का चहते हया, कि हम तोंहरे खातिर करी?" उआ
आँधर मनई यीसु से कहिस, "हे गुरू, हम इआ चाहित हएन, कि हम देखँइ
लागी।" 52 यीसु उआ आँधर मनई से कहिन, "चले जा, तोंहार बिसुआस
तोंहईं नीक किहिस ही।" अउर उआ आँधर मनई हरबिन देखँइ लाग, अउर
गइल माहीं यीसु के पीछे-पीछे चलँइ लाग।

यीसु राजा कि नाईं यरूसलेम माहीं प्रबेस किहिन
(मत्ती 21:1-11; लूका 19:28-40; यूहन्ना 12:12-19)

11 जब यीसु अउर उनखर चेला लोग यरूसलेम सहर के लघे, जैतून
पहार के ऊपर बैतफगे अउर बैतनिय्याह गाँव के लघे आएँ, तब ऊँ
अपने चेलन म से दुइ जनेन काहीं इआ कहिके पठइन, 2 "सउहें बाले गाँव
माहीं जा, अउर उहाँ पहुँचतय एकठे गदही के बच्चा, जउने म कबहूँ कोऊ
नहीं चढ़िस, तोंहईं पंचन काहीं बाँधा मिली। ओही छोरिके ले आबा। 3 अगर
तोंहसे कोऊ पूँछय, 'इआ का करते हया?' त कहि दिहा, कि प्रभू काहीं
एखर जरूरत ही, अउर उआ तुरन्तय ओही इहाँ पठय देई।" 4 दोनव चेला
गाँव माहीं जाइके उआ गदही के बच्चा काहीं, घर के बहिरे दुअरा के लघे
चउराहा माहीं बाँधा पाइन, अउर ओही छोरँइ लागें। 5 तब जऊँ मनई उहाँ
ठाढ़ रहे हँय, उनमा से कुछ जने कहँइ लागें, "इआ का करते हया, गदही के
बच्चा काहीं काहे छोरते हया?" 6 तब चेला लोग, जइसन यीसु उनसे कहिन
तय, उहयमेर उनसे कहि दिहिन; तब सगले मनई उनहीं चले जाँइ दिहिन।
7 अउर ऊँ पंचे गदही के बच्चा काहीं यीसु के लघे लइ आएँ, अउर ओखे
ऊपर आपन ओन्हा डारिन, अउर यीसु उआ गदही के बच्चा के ऊपर
बइठिगें। 8 तब उनखर सम्मान करँइ के खातिर खुब मनई आपन-आपन
ओन्हा गइल माहीं बिछाइन, अउर कुछ जने खेतन के बिरबन से डेरइआ
काट-काटिके गइल माहीं बिछाय दिहिन। 9 जऊँ मनई यीसु के आँगे-आँगे
जात रहे हँय, अउर जऊँ यीसु के पीछे-पीछे चलत रहे हँय, त ऊँ पंचे
चिल्लाय-चिल्लाय कहत जात रहे हँय, "होसन्ना! † धन्य हय उआ जउन प्रभू
के नाम से आबत हय। 10 हमरे कुल पिता राजा दाऊद के राज जउन आय
रहा हय; धन्य हय! स्वरग माहीं होसन्ना।"

11 अउर यीसु यरूसलेम सहर माहीं पहुँचिके मन्दिर माहीं गें, अउर चारिव
कइती सगली चीजन काहीं देखिके, अपने बरहँव चेलन काहीं साथय लइके
बैतनिय्याह गाँव माहीं चलेगें, काहेकि साँझ होइगे रही हय।

अंजीर के बिरबा काहीं सराप देब
(मत्ती 21:18-19)

12 दुसरे दिना जब यीसु अपने चेलन के साथ बैतनिय्याह गाँव से निकरिके
चल दिहिन, तब उनहीं भूँख लाग। 13 अउर यीसु दूरिन से एकठे अंजीर के
हरिअर बिरबा देखिके, ओखे लघे गें, कि साइद ओमाहीं कुछ फर पाय
जाँय: पय उआ बिरबा माहीं पत्तन क छोंड़िके कुछू नहीं पाइन; काहेकि
ओखर फरँय के समय नहीं रहा आय। 14 इआ देखिके यीसु उआ बिरबा से
कहिन, "अब से कोऊ तोर फर कबहूँ न खाय!" अउर उनखर चेला लोग
सुनत रहे हँय।

मन्दिर से बइपारिन काहीं भगाउब
(मत्ती 21:12-17; लूका 19:45-48; यूहन्ना 2:13-22)

15 पुनि यीसु अपने चेलन के साथ यरूसलेम सहर माहीं आएँ, अउर
मन्दिर माहीं गें; अउर उहाँ जउन बइपार करत रहे हँय, उनहीं बहिरे निकार
दिहिन, अउर रुपिआ-पइसा के लेन-देन करँइ बालेन के पिढ़बन, अउर परेबा
बेंचँइ बालेन के चउकिन काहीं उलटाय दिहिन, 16 अउर यीसु मन्दिर से
होइके कोहू काहीं बरतन लइके आमँइ-जाँइ नहीं दिहिन। 17 अउर उपदेस
दइके उनसे कहिन, "का पबित्र सास्त्र माहीं इआ नहीं लिखा आय, कि हमार
घर सगली जातिअन के खातिर प्राथना के घर कहाई? पय तूँ पंचे इआ
मन्दिर काहीं डँकुअन के अड्डा बनाय दिहा हय।" 18 यीसु के इआ बात क
सुनिके प्रधान याजक लोग, अउर मूसा के बिधान सिखामँइ बाले, यीसु
काहीं मारि डारँइ के मोका ढूढ़ँय लागें; काहेकि ऊँ सगले जने यीसु से
डेरातव रहे हँय, एसे कि खुब मनई यीसु के सिच्छा काहीं सुनिके चउआय

† *होसाना मतलब हमही बचाया।*

जात रहे हँय। 19 साँझ होतय यीसु अपने चेलन के साथ सहर से बहिरे चलेगें।

झुरान अंजीर के बिरबा से सिच्छा
(मत्ती 21:20-22)

20 जब यीसु पुनि दुसरे दिना सकारे, अपने चेलन के साथ यरूसलेम सहर जात रहे हँय, तब ऊँ पंचे गइल माहीं, उआ अंजीर के बिरबा काहीं जर तक झुरान देखिन। 21 तब पतरस काहीं यीसु के कही उआ बात याद आइगे, अउर ऊँ यीसु से कहिन, “हे गुरू, देखी! इआ अंजीर के बिरबा जउने काहीं अपना सराप दिहेन तय, झुराइगा हय।” 22 तब यीसु पतरस से कहिन, कि “परमातिमा के ऊपर बिसुआस रक्खा। 23 हम तोंहसे सही कहित हएन, कि जे कोऊ इआ पहार से कहय, कि ‘तूँ उखड़ि जा, अउर समुद्र माहीं जाइके बूड़ जा’, अउर अपने मन म संका न करय, बलकिन बिसुआस कइ लेय, कि हम जउन कहित हएन, उआ होइ जई, त ओखे खातिर उहय होई। 24 एसे हम तोंहसे कहित हएन, कि जउन कुछू तूँ पंचे प्राथना कइके मागा, त बिसुआस कइल्या, कि तोंहईं मिलिगा, त उआ तोंहरे खातिर होइ जई। 25 अउर जब केतनिव दार तूँ पंचे ठाढ़ होइके प्राथना करते हया, त अगर तोंहरे मन म कोहू के बारे माहीं बिरोध होय, त ओही माफ कइ द्या! जउने तोंहरव अपराध स्वरग म रहँइ बाले परमातिमा माफ कइ देंय। 26 (अगर तूँ पंचे माफ न करिहा त तोंहार पिता जऊँ स्वरग माहीं रहत हें, तोंहरव अपराध माफ न करिहँय।”)

यीसु के अधिकार के बारे माहीं पूँछब
(मत्ती 21:23-27; लूका 20:1-8)

27 पुनि यीसु अपने चेलन के साथ यरूसलेम सहर माहीं आएँ, अउर जब यीसु मन्दिर म जाइके घूमत रहे हँय, तबहिनय प्रधान याजक लोग अउर मूसा के बिधान सिखामँइ बाले, अउर यहूदी धारमिक अँगुआ लोग यीसु के लघे आइके पूँछिन, 28 “तूँ मन्दिर खाली करामँइ के काम कउने अधिकार से करते हया? अउर इआ अधिकार तोंहईं को दिहिस ही, कि तूँ इआ काम करा?” 29 यीसु उनसे कहिन, “हमहूँ तोंहसे एकठे बात पूँछित हएन, अगर तूँ पंचे हमहीं बतइहा, त हमहूँ तोंहसे बताउब कि ईं काम हम कउने अधिकार से करित हएन। 30 यूहन्ना काहीं बपतिस्मा देंइ के अधिकार, परमातिमा से मिला तय, इआ मनई उनहीं दिहिन तय? हमहीं बताबा।” 31 तब ऊँ पूँछँइ बाले आपस माहीं बताँइ लागें, कि अगर हम कहित हएन, कि “परमातिमा से मिला तय” त ऊँ कइहँय, कि “पुनि तूँ पंचे उनखर बिसुआस काहे नहीं किहा?” 32 अउर अगर हम पंचे कहित हएन, कि “मनइन से मिला तय” त उहाँ ठाढ़ सगले मनई मारि डरिहँय, एहिन से डेरातव रहे हँय, काहेकि सगले मनई जानत रहे हँय, कि इआ बात बेलकुल सही आय, यूहन्ना परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले रहे हँय। 33 एसे ऊँ पंचे यीसु काहीं जबाब दिहिन, “हम पंचे नहिं जानी” तब यीसु उनसे कहिन, “हमहूँ तोंहईं नहीं बताई, कि ईं काम हम कउने अधिकार से करित हएन।”

दुस्ट किसानन के उदाहरन
(मत्ती 21:33-46; लूका 20:9-19)

12 पुनि यीसु उनसे उदाहरन माहीं बातँय करँइ लागें, “कउनव मनई अंगूर के बगिया लगाइस अउर बगिया के चारिव कइती बारी रूँधिस, अउर अंगूर के रस निकारँइ के खातिर कुन्ड खोदिस, अउर एकठे ऊँच काहीं मड़इचा बनाइस; अउर कुछ किसानन काहीं उआ बगिया के ठेका दइके परदेस चला ग। 2 पुनि जब अंगूर के फरँइ के समय आबा, तब उआ मनई किसानन के लघे अपने एकठे दास काहीं पठइस, कि किसानन से अंगूर के बगिया से ओखे हिस्सा के अंगूर लइ आबय। 3 पय ऊँ पंचे उआ दास काहीं पकड़िके मारिन-पीटिन अउर छूँछय हाँथ लउटाय दिहिन। 4 पुनि उआ मनई एकठे अउर दास काहीं किसानन के लघे पठइस; पय ऊँ किसान ओहू के मूँड़ फोर डारिन, अउर ओखर अपमान किहिन। 5 पुनि उआ मनई एकठे अउर दास काहीं किसानन के लघे पठइस; पय ऊँ किसान ओही मारि डारिन। तब उआ मनई अउर खुब दासन काहीं पठइस, पय ऊँ किसान कुछ दासन काहीं मारिन-पीटिन, अउर कुछन काहीं मारि डारिन। 6 अउर ओखे लघे पठमँइ के खातिर अब केबल ओखर लड़िका बचा, जउने से उआ खुब प्रेम करत रहा हय: अन्तिम माहीं उआ अपने लड़िका क किसानन के लघे इआ सोचिके पठइस, कि ऊँ किसान हमरे लड़िका के मान-सम्मान करिहँय। 7 पय ऊँ किसान ओखे लड़िका काहीं आबत देखिके, आपस माहीं कहँइ लागें; इहय त इआ बगिया के बारिसदार आय; आबा हम पंचे एही मारि डारी, तब सगली बगिया माहीं हमार पंचन के अधिकार होइ जई। 8 अउर ऊँ पंचे उआ लड़िका काहीं पकड़िके मारि डारिन, अउर अंगूर के बगिया के बहिरे फेंकि दिहिन।”

9 एसे उआ अंगूर के बगिया के मालिक आइके का करी, तूँ पंचे जनते हया? “उआ बगिया के मालिक आइके किसानन काहीं जान से मारि डारी, अउर अपने बगिया के ठेका दुसरे किसानन काहीं दइ देई। 10 काहे तूँ पंचे पबित्र सास्त्र माहीं लिखी, इआ बात काहीं नहीं पढ़े आह्या:

‘जउने पथरा काहीं राजा के कारीगर इआ कहिके छोंड़ि दिहिन तय, कि
इआ कउनव काम के नहिं आय, उहय कोनमा के खास पथरा होइगा।
11 इआ काम प्रभू किहिन हीं, अउर इआ हमरे नजर माहीं खुब अचरज के काम हय।”

12 तब फरीसी लोग अउर मूसा के बिधान सिखामँइ बाले, यीसु काहीं पकड़िके लइ जाँइ चाहत रहे हँय, काहेकि ऊँ पंचे समझिगें तय, कि यीसु इआ उदाहरन हमरे खिलाफ कहिन हीं। पय ऊँ पंचे उहाँ ठाढ़ खुब मनइन से डेराने, अउर यीसु क मन्दिर माहीं छोंड़िके चलेगें।

राजा कैसर काहीं जमा देब
(मत्ती 22:15-22; लूका 20:20-26)

13 तब फरीसी लोग, अउर मूसा के बिधान सिखामँइ बाले, यीसु काहीं कउनव बात माहीं फँसाइके पकड़ँइ के खातिर, कुछ फरीसी लोगन के अउर कुछ राजा हेरोदेस के गुट बाले मनइन काहीं यीसु के लघे पठइन। 14 तब ऊँ पंचे यीसु के लघे आइके उनसे कहिन, “हे गुरू, हम पंचे जानित हएन, कि अपना सच्चे हएन, अउर परमातिमा के गइल सच्चाई से बताइत हएन, अउर कोहू के परबाह नहीं करी, काहेकि अपना मनइन के मुँह देखिके बातँय नहीं करी। पय परमातिमा के सँदेस के बात सच्चाई से बताइत हएन। त अपना बताई, कि का हमही महाराजा कैसर काहीं कर देब उचित हय कि नहीं? 15 हम पंचे कर देई, कि न देई?” यीसु उनखे दिल के कपट क जानिके उनसे कहिन, “तूँ पंचे हमरे बात माहीं गलती पकड़ँइ आया हय? रोमी राज के एकठे सिक्का हमरे लघे लइ आबा, कि हम ओही देखी।” 16 ऊँ पंचे लइ आएँ, तब यीसु उनसे कहिन, “इआ सिक्का माहीं केखर चित्र अउर नाम हय?” ऊँ सगले जन कहिन, “महाराजा कैसर के।” 17 तब यीसु उनसे कहिन, “जऊँ महाराजा कैसर के आय, ओही महाराजा कैसर काहीं द्या, अउर जऊँ परमातिमा के आय, ओही परमातिमा काहीं द्या।” तब ऊँ पंचे यीसु के इआ बात क सुनिके खुब अचरज मानिन।

दुसराय जिन्दा होए के बाद काज-बिआह
(मत्ती 22:23-33; लूका 20:27-40)

18 पुनि सदूकी दल बाले लोग, जऊँ इआ कहत रहे हँय, कि मरे के बाद दुसराय जिअब होतय नहिं आय, यीसु के लघे आइके पूँछँइ लागें, 19 “हे गुरू, मूसा नबी हमरे पंचन के खातिर पबित्र सास्त्र माहीं लिखिन हीं, कि अगर कोहू के भाई बिना सन्तान पइदा किहे मर जाय, अउर ओखर मेहेरिआ जिन्दा रहि जाय, त ओखर भाई ओसे काज कइके अपने भाई के खातिर सन्तान पइदा करय। 20 एकठे घर म सात भाई रहे हँय। पहिल भाई काज कइके बिना सन्तान पइदा किहे मरिगा। 21 तब दूसर नम्बर के भाई उआ

मेहेरिआ से काज कइ लिहिस, अउर उहव बिना सन्तान पइदा किहे मरिगा, अउर इहइमेर से तिसरव भाई किहिस। 22 अउर इहइमेर से सातव भाई किहिन, अउर बिना सन्तान पइदा किहे मरिगें, अउर सगलेन के बाद उआ मेहेरिअव मरिगे। 23 त अपना बताई, जब ऊँ पंचे मरेन म से पुनि जिन्दा होइहँय, त उआ मेहेरिआ केखर मेहेरिआ कहाई? काहेकि उआ सातँव जनेन के मेहेरिआ होइ चुकी तय।"

24 यीसु उनसे कहिन, "तूँ पंचे पबित्र सास्त्र, अउर परमातिमा के सक्ती काहीं नहीं जनते आह्या; इहय कारन से धोखे माहीं परे हया। 25 काहेकि जब ऊँ पंचे मरेन म से पुनि जिन्दा होंइ हँय, त उन माहीं काज-बिआह न होई, बलकिन स्वरग माहीं स्वरगदूतन कि नाईं होइ जइहँय। 26 मरिके दुसराय जिन्दा होंइ के बारे माहीं का तूँ पंचे मूसा नबी के लिखी किताब माहीं, झाड़ी के किस्सा माहीं नहीं पढ़े आह्या, कि परमातिमा मूसा नबी से कहिन तय, 'हम अब्राहम के परमातिमा, अउर इसहाक के परमातिमा, अउर याकूब के परमातिमा आहेन?' 27 ऊँ मरे मनइन के नहीं, बलकिन जिन्दा मनइन के परमातिमा आहीं; एसे तूँ पंचे बड़ी भूल माहीं परे हया।"

परमातिमा के सबसे बड़ा हुकुम

(मत्ती 22:34-40; लूका 10:25-28)

28 मूसा के बिधान सिखामँइ बालेन म से एक जने आइके यीसु अउर सदूकी दल बालेन काहीं बाद-बिबाद करत देखिके, अउर इआ जानिके, कि यीसु उनहीं सही ढँग से जबाब दिहिन हीं, त यीसु से पूछँइ लाग, "सगलेन से खास हुकुम कउन हय?" 29 तब यीसु ओही जबाब दिहिन, "सगले हुकुमन माहीं खास हुकुम हय: 'हे इजराइल सुन! प्रभू हमार पंचन के परमातिमा एकयठे प्रभू हें। 30 अउर तूँ प्रभू अपने परमातिमा से अपने पूरे मन से, अउर अपने पूरे प्रान से, अउर अपने पूरी बुद्धी से, अउर अपने पूरी सक्ती से प्रेम रख्या।' 31 अउर दूसर हुकुम इहव हय, 'तूँ अपने परोसी से अपनेन कि नाईं प्रेम रख्या' ईं दोनव से बड़ा अउर कउनव परमातिमा के हुकुम नहिं आय।" 32 तब यहूदी नेम सिखामँइ बाला यीसु से कहिस, "हे गुरू, बेलकुल ठीक! अपना सही कहेन हय, कि परमातिमा एकइठे हँय, अउर उनहीं छोंड़ि कउनव दूसर नहिं आय। 33 अउर परमातिमा से पूरे मन, अउर पूरी बुद्धी, अउर पूरे प्रान से, अउर पूरी सक्ती से प्रेम रक्खब, अउर परोसी से अपनेन कि नाईं प्रेम रक्खब सगले होमबलिअन अउर बलिदानन से बढ़िके हय।" 34 जब यीसु देखिन कि उआ समझ के साथ जबाब दिहिस ही, तब ओसे कहिन, "तूँ परमातिमा के राज के लघेन हया।" अउर एखे बाद कोहू के यीसु से कुछू पूँछँइ के हिम्मत नहीं परी।

मसीह केखर लड़िका आहीं?

(मत्ती 22:41-46; लूका 20:41-44)

35 पुनि यीसु मन्दिर म उपदेस देत माहीं इआ कहिन, "मूसा के बिधान सिखामँइ बाले कइसा कहत हें, कि मसीह राजा दाऊद के सन्तान आहीं? 36 राजा दाऊद खुदय पबित्र आत्मा से भरिके कहिन हीं:

'प्रभू हमरे प्रभू से कहिन, "हमरे दहिने बइठा, जब तक कि हम तोंहरे बइरिन काहीं तोंहरे गोड़े के नीचे न कइ देई।

37 राजा दाऊद त खुदय उनहीं प्रभू कहत हें, त ऊँ उनखर सन्तान कइसन कहाएँ?" अउर भीड़ के मनई यीसु के बातन काहीं खुसी से सुनत रहे हँय।

मूसा के बिधान सिखामँइ बालेन से बचिके रहब

(मत्ती 23:1-36; लूका 20:45-47)

38 यीसु अपने उपदेस माहीं कहिन, "मूसा के बिधान सिखामँइ बालेन से सतरक रह्या, जिनहीं लम्बे-लम्बे कुरथा पहिरे घूमब, अउर बजारन म नबस्कार करबाउब, 39 अउर सभाघरन माहीं खास-खास आसन म बइठब, अउर जेउनारन माहीं खास-खास जघा म बइठब नीक लागत हय। 40 ऊँ पंचे बिधबन के घरन क लूट लेथें, अउर खुद काहीं धरमी देखामँइ के खातिर खुब देर तक प्राथना करत हें। ईं पंचे सगलेन से जादा सजा पइहँय।"

गरीब बिधबा के दान

(लूका 21:1-4)

41 यीसु मन्दिर म दान पेटी के आँगे बइठिके देखत रहे हँय, कि लोग मन्दिर के दान डारँइ बाली पेटी माहीं कउनमेर से पइसा डारत हें; अउर खुब धनी मनई आइके बहुत कुछ डारिके चलेगें। 42 एतने माहीं एकठे गरीब बिधबा आइके जऊँ ओखे लघे पइसा दुइ पइसा रहय, सगला, दान पेटी माहीं डार दिहिस। 43 तब यीसु अपने चेलन काहीं लघे बोलाइके उनसे कहिन, "हम तोंहसे सही कहित हएन, कि मन्दिर के दान पेटी म दान डारँइ बालेन माहीं, इआ गरीब बिधबा सगलेन से जादा दान डारिस ही; 44 काहेकि सगले जन अपने धन के बढ़ती से कुछ लइके डारिन हीं, पय इआ गरीब बिधबा अपने गरीबी माहीं जऊँ कुछू ओखे लघे रहा, मतलब जऊँ ओखे खाँइ जिअँइ काहीं रहा हय, आपन सगला धन दान पेटी माहीं डार दिहिस ही।"

मन्दिर के नास होंइ के बारे माहीं यीसु के भबिस्सबानी

(मत्ती 24:1-2; लूका 21:5-6)

13 जब यीसु मन्दिर से निकरिके जाँइ लागें, तबहिनय उनखे चेलन म से एक जने यीसु से कहिन, "हे गुरू, देखी, कइसन खुब बड़े-बड़े पथरा हें, अउर कइसन बड़े-बड़े घर बने हँय!" 2 यीसु उनसे कहिन, "का तूँ पंचे ईं बड़े-बड़े घरन काहीं देखते हया: एक्कव पथरा एक दुसरे के ऊपर न देखइहँय, ऊँ सगले गिराय दीन जइहँय।"

आमँइ बाले समय माहीं कस्ट अउर पीरा

(मत्ती 24:3-14; लूका 21:7-19)

3 जब यीसु जैतून के पहार माहीं मन्दिर के आँगे बइठ रहे हँय, तबहिनय पतरस अउर याकूब अउर यूहन्ना अउर अन्द्रियास अलग जाइके यीसु से पूँछिन, 4 "हमहीं पंचन काहीं बताई कि ईं बातँय कबय होंइ हँय? अउर जब ईं बातँय होंइ हँय, उआ समय काहीं हम पंचे कइसन जाने पाउब, कउनव चिन्हारी बताई?" 5 तब यीसु उनसे कहँइ लागें, "सतरक रह्या, कोऊ तोंहईं बिसुआस से भटकाए न पाबय। 6 खुब जने हमरे नाम से आइके कइहँय, 'हम मसीह आहेन!' अउर खुब मनइन काहीं बिसुआस से भटकाय देइहँय। 7 अउर तूँ पंचे जब युद्ध होत देख्या, अउर युद्धन के चरचा सुन्या, त घबराय न जया, काहेकि ईं सगली बातँय जरूर होइहँय, पय उआ समय संसार के अन्त न होई। 8 काहेकि एक जाति के मनई, दुसरे जाति के मनइन के ऊपर चढ़ाई करिहँय, अउर एक देस, दुसरे देस के ऊपर चढ़ाई करी, अउर हरेक जघन माहीं अकाल परिहँय, अउर भुँइडोल होइहँय। अउर ईं सगली बातँय दुख-मुसीबतन के सुरुआत होइहँय।"

9 पय तूँ पंचे अपने बारे म सचेत रह्या; काहेकि कुछ लोग तोंहईं लइ जाइके महासभन माहीं सउँपिहँय, अउर सभाघरन म मरिहँय-पिटिहँय, अउर तूँ पंचे हमरे बात काहीं मनते हया, एखे कारन अधिकारिन अउर राजन के आँगे ठाढ़ कीन जइहा, उआ समय हमरे बारे माहीं उनहीं बतामँइ क निकहा मोका रही। 10 पय इआ जरूरी हय, कि पहिले परमातिमा के खुसी के खबर, सगली जातिअन के मनइन काहीं बताई जाय। 11 जब ऊँ पंचे तोंहईं लइ जाइके उनखे आँगे ठाढ़ करँय, त पहिलेन से चिन्ता न किहा, कि हम कउनमेर से, इआ कि का कहब, पय जउन कुछू तोंहईं उआ समय बताबा जाय, उहय कह्या; काहेकि बोलँइ बाले तूँ पंचे न होइहा, बलकिन पबित्र आत्मा होई। 12 अउर भाई काहीं भाई, अउर बाप काहीं लड़िका, मार डारँइ के खातिर सभन म सउँपिहँय, अउर लड़िका-बिटिया महतारी-बाप के बिरोधी होइके मरबाय डरिहँय। 13 अउर हमरे बात काहीं मानँइ के कारन

सगले मनई तोंहसे दुसमनी रखिहँय; पय जे कोऊ अन्त तक धीरज धरे रही, उहय मुक्ती पाई।

सबसे भयानक संकट के समय
(मत्ती 24:15-28; लूका 21:20-24)

14 "एसे जब तूँ पंचे उआ भयानक अउर बिनास करँइ बाली चीज काहीं,
जहाँ उचित नहिं आय उहाँ ठाढ़ देख्या, (अउर पढ़ँइ बाला समझ लेय, कि
एखर मतलब का हय) उआ समय जउन मनई यहूदिया प्रदेस माहीं होंय, त
ऊँ पंचे पहारन माहीं भाग जाँय। †15 अउर जे कोऊ छत के ऊपर होय, उआ
अपने घर से कुछू लेंइ के खातिर नीचे न उतरय, न भितरय जाय; 16 अउर
जऊँ मनई खेत माहीं होय, उआ आपन ओन्हा लेंइ के खातिर पीछे न
लउटय। 17 अउर ऊँ दिनन माहीं जउन मेहेरिआ लड़कहाई होइहँय, अउर जे
कोऊ अपने लड़िकन काहीं दूध पिआबत होइहँय, त उनहीं पंचन काहीं खुब
कस्ट होई। 18 अउर तूँ पंचे प्राथना करत रहा, कि इआ जाड़े के रित माहीं न
होय। 19 काहेकि ऊँ दिन अइसन भारी दुख अउर कस्ट के होइहँय, कि जब
से परमातिमा संसार काहीं बनाइन हीं, तब से लइके अबय तक न कबहूँ भे
आहीं, अउर न कबहूँ पुनि होइहँय। 20 अउर अगर प्रभू ऊँ दिनन काहीं कम
न करते, त कउनव प्रानी न बँचि पउतें, पय ऊँ मनइन के कारन जिनहीं
परमातिमा चुनिन हीं, ऊँ दिनन काहीं घटाइन हीं।" 21 अउर उआ समय
अगर कोऊ तोंहसे कहय, कि "देखा, मसीह 'इहाँ हें!' इआ कि 'उहाँ हें', त
उनखर बिसुआस बेलकुल न मान्या।" 22 काहेकि लबरे मसीह, अउर
परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले लबरे मनई तइआर होइहँय, अउर ऊँ पंचे
बड़े-बड़े चिन्ह अउर अचरज के काम देखइहँय, कि होइ सकय त चुने मनइन
काहीं घलाय भटकाय देंय, 23 पय तूँ पंचे सचेत रह्या; "देखा, हम तोंहईं
पंचन काहीं सगली बातँय होंइ से पहिलेन बताय दिहेन हय।"

मनई के लड़िका के दुसराय आमँइ के समय
(मत्ती 24:29-31; लूका 21:25-28)

24 "ऊँ दिनन माहीं उआ दुख अउर कस्ट के बाद सुरिज म एक्कव
उँजिआर न रहि जई, अउर जोंधइआ एक्कव उँजिआर न देई; 25 अउर
अकास से तरइया गिरँय लगिहँय; अउर अकास के सगली चीजँय हलाई
जइहँय। 26 तब लोग मनई के लड़िका काहीं बड़ी सामर्थ अउर महिमा के
साथ बदरी म आबत देखिहँय। 27 उआ समय ऊँ अपने स्वरगदूतन काहीं
पठइके, धरती के इआ छोर से लइके अकास के उआ छोर तक, चारिव
दिसन से, अपने चुने मनइन काहीं एकट्ठा करिहँय।"

अंजीर के बिरबा के उदाहरन
(मत्ती 24:32-35; लूका 21:29-33)

28 अउर यीसु उनसे पुनि कहिन, कि "अंजीर के बिरबा से इआ सिच्छा
ल्या, जब ओखर डेरइआ कोमर होइ जाती हईं, अउर उनमा पत्ता निकरँइ
लागत हें, तब तूँ पंचे इआ जान लेते हया, कि गरमी के रित हरबिन आमँइ
बाली हय। 29 इहइमेर से जब तूँ पंचे ईं सगली बातन काहीं होत देख्या, त
इआ जान लिहा कि ऊँ अमइन बाले हें, बलकिन आइन गे हँय। 30 हम
तोंहसे सही कहित हएन, कि जब तक ईं सगली बातँय न होइ जइहँय, तब
तक इआ समय के मनइन के अन्त न होई। 31 धरती अउर अकास टर
जइहँय, पय हमार कही बातँय कबहूँ न टरिहँय।"

सतरक रहा
(मत्ती 24:36-44)

32 "उआ दिन अउर उआ समय के बारे माहीं कोऊ नहीं जानँय, न स्वरग
के दूत, अउर न लड़िका, ओखे बारे माहीं केबल पिता परमातिमा भर जानत
हें। 33 देखा, हमेसा सतरक रहा, अउर प्राथना करत रहा; काहेकि तूँ पंचे नहीं
जनते आह्या, कि उआ समय कबय आय जई? 34 मनई के लड़िका के
आमँइ के बारे माहीं एकठे उदाहरन हम तोहईं बताइत हएन, एकठे मनई
परदेस जाँइ के पहिले, आपन सगला घर अपने सगले दासन काहीं देख-
भाल करँइ के खातिर बताइके: अउर हरेक दासन क काम बताइके, अउर
चउकीदार काहीं जागत रहँइ काहीं कहिके चला ग। 35 एसे हर समय सतरक
रहा, काहेकि तूँ पंचे नहीं जनते आह्या, कि घर के मालिक कबय अई,
साँझिके अई, इआ कि आधी रात अई, इआ कि मुरगा बोलँइ के समय अई,
इआ कि भिनसरहय अई। 36 अइसा न होय कि मालिक अचानक आइके
तोंहईं सोबत पाबय। 37 अउर जउन बात हम तोंहसे कहेन हय, उहय बात
सबसे कहित हएन: सतरक रहा!"

यीसु काहीं मारि डारँइ के खातिर उपाय
(मत्ती 26:1-5; लूका 22:1-2; यूहन्ना 11:45-53)

14 दुइ दिना के बाद फसह अउर बिना खमीर के रोटी खाँइ बाला
तेउहार होंइ बाला रहा हय। अउर प्रधान याजक लोग, अउर मूसा के
बिधान सिखामँइ बाले, इआ मोका के तलास माहीं रहे हँय, कि यीसु काहीं
कइसन धोखे से पकड़िके मारि डारी; 2 पय ऊँ पंचे कहतव रहे हँय, कि
"तेउहार के दिन अइसा करब ठीक नहिं आय, कहँव अइसा न होय कि
लोगन माहीं दंगा होइ जाय।"

बैतनिय्याह गाँव माहीं यीसु के ऊपर अँतर डारब
(मत्ती 26:6-13; यूहन्ना 12:1-8)

3 जब यीसु बैतनिय्याह गाँव माहीं समौन कोढ़ी के घर माहीं खाना खाँइ
बइठ रहे हँय, तबहिनय एकठे मेहेरिआ संगमरमर के बरतन माहीं, जटामाँसी
के खुब महग सुद्ध अँतर लइके आई; अउर बरतन के ढेक्कन खोलिके अँतर
काहीं यीसु के मूँड़े माहीं उड़ेल दिहिस। 4 पय जउन उहाँ खाँइ बइठ रहे हँय,
उनमा से कोऊ-कोऊ अपने मन म गुस्साइके कहँइ लागें, "इआ अँतर काहीं
काहे सत्यानास कइ दीनगा? 5 काहेकि इआ अँतर काहीं तीन सव चाँदी के
सिक्कन †† से जादा कीमत माहीं बेंचिके, कंगालन काहीं बाँटा जाइ सकत
रहा हय।" अउर ऊँ पंचे उआ मेहेरिआ काहीं डाँटँइ लागें। 6 तब यीसु कहिन,
"ओही छोंड़ द्या, ओही काहे परेसान करते हया? उआ त हमरे साथ भलाइन
किहिस ही। 7 कंगाल त तोंहरे लघे हमेसा रइहँय, अउर जबहिन तूँ पंचे
चइहा, तबहिन उनखे साथ भलाई कइ सकते हया; पय हम त तोंहरे साथ
हमेसा न रहब। 8 जऊँ कुछ उआ कइ सकत रही हय, उआ हमरे साथ
किहिस; उआ हमरे मरे के बाद गाड़े जाँइ के तयारी म, पहिलेन से हमरे देंह
माहीं अँतर लगाइस ही। 9 हम तोंहसे सही कहित हएन, कि सगले संसार
माहीं जहाँ कहँव इआ खुसी के खबर के प्रचार कीन जई, त ओखे इआ
काम के चरचा घलाय ओखे यादगारी माहीं कीन जई।"

यहूदा इस्करियोती के बिसुआस घात
(मत्ती 26:14-16; लूका 22:3-6)

10 तब यहूदा इस्करियोती जऊँ बारा चेलन म से रहा हय, उआ प्रधान
याजकन के लघे जाइके कहिस, हम यीसु काहीं तोंहरे हाँथ माहीं पकड़बाय
देब। 11 ऊँ पंचे यहूदा इस्करियोती के इआ बात काहीं सुनिके खुसी होइगें,
अउर यहूदा इस्करियोती काहीं इआ काम के बदले माहीं रुपिआ देंइ के
करार कइ लिहिन; अउर यहूदा इस्करियोती मोका ढूँढ़ँइ लाग, कि यीसु
काहीं कउनवमेर से उनखे हाँथ माहीं पकड़बाय देय।

फसह के तेउहार माहीं चेलन के साथ यीसु के आखिरी बिआरी
(मत्ती 26:17-25; लूका 22:7-14,21-23; यूहन्ना 13:21-30)

12 बिना खमीर के रोटी खाँइ बाले तेउहार के पहिलय दिन, जउने माहीं
यहूदी लोग फसह के बलिदान करत रहे हँय, चेला लोग यीसु से पूँछिन,

† *13:14 दानि 9:27; 11:31*

†† *तीन सव दिनार, मतलब एकठे मनई के एक बरिस के मजूरी*

“अपना कहाँ चाहित हएन, कि हम पंचे जाइके अपना के खातिर तेउहार के
खाना तइआर करी?” 13 यीसु अपने चेलन म से दुइ जनेन काहीं इआ
कहिके पठइन, “सहर माहीं जा, एकठे मनई पानी से भरा गघरा लए तोहईं
मिली, ओखे पीछे चले जया; 14 अउर उआ जउने घर माहीं जाय, उआ घर
के मालिक से कह्या ‘गुरू कहिन हीं कि हमरे खातिर उआ घर कहाँ हय,
जउने माहीं हम अपने चेलन के साथ तेउहार के खाना खईं?’ 15 उआ तोहईं
सजी-सजाई अउर तइआर कीन एकठे बड़ी काहीं अँटारी देखाय देई, उहँइ
हमरे खातिर खाना तइआर किहा।” 16 दोनव चेला उहाँ से निकरिके सहर म
गें, अउर जइसा यीसु उनसे कहिन तय, उहयमेर पाइन; अउर फसह के
खाना तइआर किहिन।

17 जब साँझ भय, तब यीसु बरहँव चेलन के साथ उहाँ आएँ। 18 जब
सगले जने खाना खात रहे हँय, तब यीसु कहिन, “हम तोंहसे सही कहित
हएन, कि तोंहरेन बीच म से एक जने, जऊँ हमरे साथ माहीं खाना खात
हय, हमहीं बिरोधी लोगन के हाँथ म पकड़बाईं।” 19 इआ सुनिके चेलन के
ऊपर उदासी छाइगे, अउर सगले जने एक-एक कइके उनसे पूँछँइ लागें,
“का उआ हम आहेन?” 20 यीसु अपने चेलन से कहिन, “उआ बरहँव म से
एक जने आय, जऊँ हमरे साथ एकय टठिया माहीं खात हय। 21 मनई के
लड़िका त जाबय करी, जइसन कि पबित्र सास्त्र माहीं ओखे बारे माहीं
लिखा हय; पय जउन मनई धोखा दइके मनई के लड़िका काहीं पकड़ामँइ
बाला हय, ओही परमातिमा से खुब सजा मिली: अउर अगर उआ मनई के
जन्मय न होत, त ओखे खातिर इआ नीक होत।”

प्रभू-भोज

(मत्ती 26:26-30; लूका 22:14-20; 1 कुरिन्थियन 11:23-25)

22 जब यीसु अउर उनखर चेला लोग खात रहे हँय, तब यीसु एकठे रोटी
लिहिन, अउर परमातिमा से आसीस मागिके टोरिन, अउर उनहीं दिहिन,
अउर कहिन, “ल्या, इआ हमार देंह आय।” 23 पुनि यीसु अंगूर के रस से
भरा खोरबा लइके परमातिमा काहीं धन्यबाद दिहिन, अउर उनहीं दिहिन;
अउर ऊँ सगले जने ओमा से पीन। 24 अउर यीसु उनसे कहिन, “इआ करार
के हमार उआ खून आय, जऊँ खुब लोगन काहीं बचामँइ के खातिर बहाबा
जई। 25 अउर हम तोंहसे पंचन से सही कहित हएन, कि अंगूर के रस उआ
दिना तक हम पुनि कबहूँ न पिअब, जब तक अपने पिता परमातिमा के राज
माहीं, नबा अंगूर के रस न पी लेब।” 26 अउर पुनि ऊँ पंचे भजन गाइके
जैतून के पहार माहीं चलेगें।

पतरस के इनकार के बारे माहीं यीसु के भबिस्सबानी

(मत्ती 26:31-35; लूका 22:31-34; यूहन्ना 13:36-38)

27 तब यीसु अपने चेलन से कहिन, “तूँ पंचे सगले जन हमहीं छोंड़िके
भाग जइहा, काहेकि पबित्र सास्त्र म लिखा हय, ‘हम चरबाहा काहीं मारब,
अउर गाड़र तितिर-बितिर होइ जइहँय।’ 28 पय हम मरेन म से जिन्दा होए के
बाद, तोंहसे मिलँइ से पहिले गलील प्रदेस माहीं जाब।” 29 पतरस यीसु से
कहिन, “अगर सगले जने बिसुआस से भटक जाँय त भटक जाँय, पय हम
कबहूँ न भटकब।” 30 यीसु पतरस से कहिन, “हम तोंहसे सही कहित हएन,
कि आजय इहय रात माहीं मुरगा के दुइ बेर बोलँइ से पहिले, तूँ तीन बेरकी
इनकार करिहा, कि हम यीसु काहीं नहीं जानी।” 31 पय पतरस अउर जोर
दइके, उहय बात काहीं दुसराय कहिन, “अगर हमहीं अपना के साथय मरऊँ
क परय, तऊ हम अपना के इनकार न करब।” इहइमेर से अउर सगले चेला
घलाय कहिन।

गतसमनी नाम के जघा माहीं यीसु के प्राथना

(मत्ती 26:36-46; लूका 22:39-46)

32 पुनि यीसु अपने चेलन के साथ गतसमनी नाम के जघा माहीं गें, अउर
ऊँ अपने चेलन से कहिन, “जब तक हम प्राथना करब, त इहँय बइठ रह्या।”
33 अउर यीसु पतरस अउर याकूब अउर यूहन्ना काहीं अपने साथ लइगें;
अउर यीसु खुब उदास अउर ब्याकुल होंइ लागें। 34 अउर उनसे कहिन,
“हमार मन खुब उदास हय, लागत हय कि हम मर जाब: तूँ पंचे इहँय रुका,
अउर जागत रहा।” 35 पुनि यीसु थोरी क अउर आँगे जाइके भुँइ माहीं मुँह
झुकाइके प्राथना करँइ लागें, कि अगर होइ सकय, त इआ घरी हमरे ऊपर
से टर जाय, 36 अउर कहिन, “हे अब्बा, हे पिता, अपना से सब कुछ होइ
सकत हय; इआ भारी कस्ट काहीं हमसे दूर कइ देई: तऊ जइसन हम
चाहित हएन उआमेर नहीं, पय जइसन अपना चाहित हएन उहयमेर होय।”
37 यीसु पुनि चेलन के लघे आएँ, अउर उनहीं सोबत पाइके पतरस से
कहिन, “हे समौन, तूँ सोय रहे हया? काहे तूँ एक घरिव, नहीं जाग सकते
आह्या? 38 तूँ पंचे सतरक रहा, अउर प्राथना करत रहा, कि जउने परिच्छन
माहीं न परा। आत्मा त वास्तव माहीं तइआर हय, पय देंह निबल ही।”
39 अउर यीसु पुनि जाइके उहयमेर प्राथना किहिन। 40 अउर यीसु आइके
चेलन काहीं पुनि सोबत पाइन, काहेकि ऊँ पंचे गहरी नींद म रहे हँय; अउर
नहीं जानत रहे आँय, कि यीसु काहीं का जबाब देई। 41 पुनि यीसु तिसराय
अपने चेलन के लघे आइके, उनसे कहिन, कि “तूँ पंचे अब सोबत रहा,
अउर अराम करा, देखा, मनई के लड़िका के पकड़बाए जाँइ के समय लघे
आइगा हय, अउर मनई के लड़िका, पापी मनइन के हाँथ माहीं पकड़ाबा
जई। 42 उठा, चली! देखा, हमार पकड़ामँइ बाला लघे आइगा हय।”

यीसु काहीं धोखा दइके पकड़ाउब

(मत्ती 26:47-56; लूका 22:47-53; यूहन्ना 18:3-12)

43 यीसु जब इआ कहतय रहे हँय, कि तबहिनय यहूदा इस्करियोती जऊँ
बरहँव चेलन म से रहा हय, अपने साथ प्रधान याजकन, अउर मूसा के
बिधान सिखामँइ बाले लोगन, अउर यहूदी धारमिक अँगुअन के तरफ से
एकठे बड़ी भीड़ लए तुरन्तय उहाँ पहुँचिगा, जऊँ तलबार अउर लाठी लए
रहे हँय। 44 अउर यीसु काहीं पकड़ामँइ बाला यहूदा इस्करियोती, उनहीं
पंचन काहीं एकठे चिन्हारी बताइस तय, कि: जिनखर हम चूमा लेब, उँइन
यीसु आहीं, अउर तूँ पंचे उनहीं पकड़िके सावधानी से लइ जया। 45 अउर
उआ हरबिन यीसु के लघे आइके कहिस, कि “हे रब्बी!” अउर उनहीं खुब
चूमिस। 46 तब ऊँ पंचे यीसु काहीं पकड़ लिहिन। 47 तब यीसु के लघे जउन
मनई ठाढ़ रहे हँय, उनमा से एक जने तलबार निकारिके महायाजक के दास
के ऊपर चलाइके ओखर कान काट लिहिन, 48 यीसु भीड़ के मनइन से
कहिन, “का तूँ पंचे डाँकू जानिके, हमहीं पकड़ँइ के खातिर तलबार अउर
लाठी लइके आया हय? 49 हम त रोज मन्दिर माहीं तोंहरे साथय म रहिके,
परमातिमा के सँदेस सुनाबत रहे हएन, तब तूँ पंचे हमहीं गिरफतार नहीं
किहा, पय इआमेर एसे भ, कि पबित्र सास्त्र माहीं लिखी बातँय पूर होंय।”
50 यीसु काहीं पकड़तय चेला लोग उनहीं छोंड़िके भागिगें।

51 एकठे नवजमान अपने नंगी देंह माहीं चद्दरा भर ओढ़े यीसु के पीछे
चला ग; पय जब कुछ जने ओहू काहीं पकड़िन। 52 त उआ चद्दरा छोंड़िके
नंगय भागिगा।

महासभा के आँगे यीसु

(मत्ती 26:57-68; लूका 22:54-55,63-71; यूहन्ना 18:13-14,19-24)

53 ओखे बाद ऊँ पंचे यीसु काहीं महायाजक के लघे लइगें; अउर उहाँ
सगले प्रधान याजक, अउर यहूदी धारमिक अँगुआ लोग, अउर मूसा के
बिधान सिखामँइ बाले उनखे घर म एकट्ठा भें। 54 अउर पतरस दूरिन-दूरी
यीसु के पीछे-पीछे महायाजक के अँगने के भीतर तक गें, अउर सिपाहिन के
साथ बइठिके आगी तापँय लागें। 55 प्रधान याजक लोग अउर सगली सभा
के मनई यीसु काहीं मारि डारँइ के खातिर, उनखे खिलाफ गबाही ढूँढ़ँइ माहीं
लगे रहे हँय। पय नहीं पाइन। 56 काहेकि खुब जने यीसु के खिलाफ गबाही
देत रहे हँय, पय उनखर गबाही एकयमेर के नहीं रही। 57 तब कइयक जने
ठाढ़ होइके, यीसु के खिलाफ इआ लबरी गबाही दिहिन, 58 कि “हम पंचे

यीसु काहीं इआ कहत सुनेन हय, कि ‘हम मनइन के हाँथ के बनाए इआ
मन्दिर काहीं गिराय देब, अउर तीन दिन माहीं दूसर बनाउब, जउन मनइन
के हाँथ के बनाबा न होई।” 59 इहव बात माहीं उनखर गबाही एकयमेर के
नहीं निकरी।
60 तब महायाजक बीच म ठाढ़ होइके यीसु से कहिन, “तूँ कउनव जबाब
काहे नहीं देते आह्या? ईं पंचे तोंहरे खिलाफ माहीं, का गबाही देत हें?”
61 पय यीसु चुप्पय रहें, अउर कुछू जबाब नहीं दिहिन। तब महायाजक उनसे
पुनि पूँछिन, “का तूँ परमप्रधान परमातिमा के लड़िका मसीह आह्या?”
62 यीसु कहिन, “हम आहेन: अउर तूँ पंचे मनई के लड़िका काहीं
सर्बसक्तिमान परमातिमा के दहिने कइती बइठे, अउर अकास के बदरिन के
साथ आबत देखिहा।” 63 तब महायाजक आपन ओन्हा फारिन अउर
कहिन, “अब हमहीं गबाही के कउनव जरूरत नहिं आय? 64 तूँ पंचे
परमातिमा के इआ बुराई सुने हया, तोंहार पंचन के का राय ही?” ऊँ सगले
जने कहिन, यीसु मारि डारँइ के काबिल हें। 65 तब कुछ जने यीसु के ऊपर
थूँकइ लागें, अउर कुछ जने उनखर आँखी मूदिके उनहीं घूँसा मारिके कहँइ
लागें, “भबिस्सबानी करा, तोंहईं को मारिस ही!” अउर सिपाही लोग यीसु
काहीं पकड़िके थापड़ मारिन।

पतरस के इनकार करब

(मत्ती 26:69-75; लूका 22:56-62; यूहन्ना 18:15-18,25-27)

66 जब पतरस नीचे अँगना माहीं बइठ रहे हँय, तब महायाजक के दासिन
म से एकठे उहाँ आई। 67 अउर पतरस काहीं आगी तापत देखिके, एकटक
निहारत रहिगे, अउर कहँइ लाग, “तुहूँ नासरत गाँव के रहँइ बाले यीसु के
साथय म रहे हया।” 68 पय पतरस इनकार कइके कहिन, “हम न जनतय
आहेन अउर न समझतय आहेन, कि तूँ का कहते हया।” ओखे बाद पतरस
बहिरे डेहरी म गें; अउर मुरगा बोल उठा। 69 उआ दासी पतरस काहीं देखिके
उनसे जऊँ उनखे लघे ठाढ़ रहे हँय पुनि कहँइ लाग, “ईं यीसु के लघे रहँइ
बालेन म से एक जने आहीं।” 70 पय पतरस पुनि इनकार कइ दिहिन, कुछ
देर बाद ऊँ पंचे जउन पतरस के लघे ठाढ़ रहे हँय, पुनि पतरस से कहिन,
“निस्चित तूँ यीसु के साथी लोगन म से एक जन आह्या; काहेकि तूँ गलील
प्रदेस के रहँइ बाले आह्या।” 71 तब पतरस खुद काहीं धिक्कारँय लागें, अउर
कसम खाँइ लागें, हम सही कहित हएन, अगर झूँठ बोली त परमातिमा
हमहीं दन्ड देंय, “हम उआ मनई काहीं जेखे बारे म तूँ पंचे कहते हया, नहिं
जानी।” 72 अउर हरबिन मुरगा दुसराय बोलिस, तब पतरस काहीं उआ बात,
जऊँ यीसु कहिन तय याद आइगे: “मुरगा के दुइ बेर बोलँइ से पहिले तूँ तीन
बेरकी हमहीं इनकार करिहा।” अउर पतरस उआ बात काहीं सुधि कइके
रोमँइ लागें।

राजपाल पिलातुस के आँगे यीसु

(मत्ती 27:1-2,11-14; लूका 23:1-5; यूहन्ना 18:28-38)

15 भिनसार होतय तुरन्तय प्रधान याजक लोग, यहूदी धारमिक अँगुआ
लोग, अउर मूसा के बिधान सिखामँइ बाले, अउर महासभा के
सगले मनई सलाह कइके यीसु काहीं बँधबाइन, अउर उनहीं लइ जाइके
राजपाल पिलातुस के हाँथ म सउँप दिहिन। 2 राजपाल पिलातुस यीसु से
पूँछिन, “का तूँ यहूदी लोगन के राजा आह्या?” तब यीसु उनहीं जबाब
दिहिन, “तूँ खुदय कहते हया!” 3 अउर प्रधान याजक लोग यीसु के ऊपर
खुब बातन के दोस लगाबत रहे हँय। 4 राजपाल पिलातुस यीसु से पुनि
पूँछिन, “तूँ काहे कुछू जबाब नहीं देते आह्या, देखा, ईं पंचे तोंहरे ऊपर
केतनी बातन के दोस लगाबत हें?” 5 यीसु पुनि कुछू जबाब नहीं दिहिन;
एसे राजपाल पिलातुस खुब अचरज मानिन।

यीसु काहीं मारि डारँइ के हुकुम

(मत्ती 27:15-26; लूका 23:13-25; यूहन्ना 18:39—19:16)

6 राजपाल पिलातुस उआ तेउहार माहीं एकठे कइदी काहीं, जेही उनखे
राज के लोग चाहत रहे हँय, उनखे खातिर छोंड़ि देत रहे हँय। 7 बरअब्बा
नाम के एकठे मनई भीड़ म दंगा फसाद करँइ बाले ऊँ मनइन के साथ जेल
माहीं बंद रहा हय, जे कोऊ उआ दंगा माहीं कतल किहिन तय। 8 अउर भीड़
के कुछ जने ऊपर जाइके राजपाल पिलातुस से बिनती कइके कहिन, कि
जइसन हरेक तेउहार माहीं, अपना हमरे पंचन के खातिर करत रहे हएन,
उहयमेर करी। 9 राजपाल पिलातुस उनहीं जबाब दिहिन, “का तूँ पंचे चहते
हया, कि हम तोंहरे खातिर यहूदी लोगन के राजा काहीं छोंड़ि देई?”
10 काहेकि राजपाल इआ जानत रहे हँय, कि प्रधान याजक लोग यीसु काहीं
जलन के कारन पकड़ाइन हीं। 11 पय प्रधान याजक लोग भीड़ के मनइन के
कान भरिन, कि कहा राजपाल पिलातुस बरअब्बा काहीं हमरे पंचन के
खातिर छोंड़ि देंय। 12 इआ सुनिके राजपाल पिलातुस भीड़ के मनइन से पुनि
पूँछिन, “त तूँ पंचे जेही यहूदी लोगन के राजा कहते हया, ओही हम का
करी?” 13 ऊँ पंचे पुनि चिल्लाने, “ओही क्रूस माहीं चढ़ाय द्या!” 14 राजपाल
पिलातुस उनसे पुनि कहिन, “काहे, ऊँ कउन अपराध किहिन हीं?” पय ऊँ
पंचे अउर चिल्लाँइ लागें, “ओही क्रूस म चढ़ाबा!” 15 तब राजपाल पिलातुस
भीड़ के मनइन काहीं खुस करँइ के खातिर, बरअब्बा काहीं उनखे खातिर
छोंड़ दिहिन, अउर यीसु काहीं चाबुक से मरबाइके, उनहीं पंचन काहीं सउँप
दिहिन, कि उनहीं क्रूस माहीं चढ़ाबा जाय।

सिपाहिन के व्दारा यीसु के निरादर

(मत्ती 27:27-31; यूहन्ना 19:2-3)

16 सिपाही यीसु काहीं किला के भीतर अँगना म लइगें, जऊँ प्रीटोरियुम
कहाबत रहा हय, अउर सगली पलटन काहीं बोलाय लाएँ। 17 तब सिपाही
लोग यीसु काहीं बैगनी रंग के ओन्हा पहिराइन, अउर काँटन काहीं गुँथिके
मुकुट बनाइके यीसु के मूँड़े माहीं धरिन, 18 अउर इआ कहिके यीसु काहीं
नबस्कार करँइ लागें, “हे यहूदी लोगन के राजा नबस्कार!” 19 सिपाही लोग
यीसु के मूँड़े माहीं सरकन्डा के लाठी मारत रहे हँय, अउर यीसु के ऊपर
थूँकत रहे हँय, अउर गोड़न गिरिके यीसु काहीं नबस्कार करत रहिगें।
20 अउर जब ऊँ पंचे यीसु के मजाक उड़ाय चुकें, तब उनखर बैगनी रंग के
ओन्हा उतरबाइके उनहिन के ओन्हा पहिराय दिहिन; अउर उनहीं क्रूस माहीं
चढ़ामँइ के खातिर बहिरे लइगें।

यीसु काहीं क्रूस म चढ़ाउब

(मत्ती 27:32-44; लूका 23:26-43; यूहन्ना 19:17-27)

21 सिकन्दर अउर रूफुस के बाप समौन, जउन कुरेन सहर के रहँइ बाला
आय, उआ गाँव कइती से चला आबत रहा हय, त ओहिनठे से निकरा; त ऊँ
पंचे ओही बेगार माहीं पकड़िन, कि उआ यीसु के क्रूस उठाइके लइ चलय।
22 अउर ऊँ पंचे यीसु काहीं गुलगुता नाम के जघा माहीं लइ आएँ, जेखर
मतलब हय “खोपड़ी के जघा”। 23 उहाँ यीसु काहीं पीरा कम करँइ बाली
मुर्र दबाई अंगूर के रस माहीं मिलाइके देंइ लागें, पय यीसु नहीं लिहिन।
24 तब ऊँ पंचे यीसु काहीं क्रूस माहीं चढ़ाइन, अउर उनखे ओन्हन के खातिर
परची डारिके, कि केही का मिली, आपस माहीं बाँटि लिहिन। 25 अउर
सकारे नव बजे के करीब ऊँ पंचे यीसु काहीं क्रूस माहीं चढ़ाइन। 26 अउर
उनखर अरोप-पत्र लिखिके उनखे ऊपर लगाय दीनगा, कि “यहूदी लोगन के
राजा।” 27 अउर ऊँ पंचे यीसु के साथ दुइठे डँकुअन काहीं एकठे क यीसु के
दहिने कइती, अउर दुसरे काहीं बाएँ कइती, क्रूस माहीं चढ़ाइन। 28 †(तब
पबित्र सास्त्र के उआ बचन कि यीसु अपराधिन के साथ गिने गें, पूर भा।)
29 अउर उआ गइल से जाँइ बाले मूड़ हलाय-हलाइके, अउर इआ कहिके

† *15:28 यसा 53:12*

यीसु के बुराई करत रहे हँय, कि “बाह! मन्दिर काहीं गिरामँइ बाले, अउर
तीन दिना माहीं बनामँइ बाले, 30 क्रूस से उतरिके खुद काहीं बचाय ले।”
31 इहइमेर से प्रधान याजक लोग घलाय, मूसा के बिधान सिखामँइ बालेन
समेत, आपस माहीं मजाक उड़ाइके कहत रहे हँय, “इआ त दुसरेन काहीं
बचाइस, पय खुद काहीं नहीं बचाय सकय, 32 इजराइल देस के राजा,
मसीह, अब क्रूस से उतरि आबय, कि हम पंचे देखिके बिसुआस करी।”
अउर जउन उनखे साथ क्रूस माहीं चढ़ाए गे रहे हँय, ऊँ पंचे घलाय उनखर
बुराई करत रहे हँय।

यीसु के प्रान छोंड़ब

(मत्ती 27:45-56; लूका 23:44-49; यूहन्ना 19:28-30)

33 अउर दुपहर बारा बजे से लइके, तीन बजे तक सगले देस माहीं
अँधिआर छाबा रहिगा। 34 दिन के तीन बजे के करीब यीसु खुब चंडे
चिल्लाइके कहिन, “इलोई, इलोई, लमा सबक्तनी?” जेखर मतलब हय “हे
हमार परमातिमा, हे हमार परमातिमा अपना हमहीं काहे छोंड़ि दिहेन?”
35 जउन मनई उनखे लघे ठाढ़ रहे हँय, उनमा से कुछ जने इआ सुनिके
कहिन, “देखा, ईं एलिय्याह नबी काहीं गोहराबत हें।” 36 अउर एक जने
दउड़िके सोक्खा क लइके सिरका माहीं बोरिस, अउर सरकन्डा के लाठी
माहीं धइके यीसु काहीं चुहकाइस, अउर कहिस, “रुकि जा, हम पंचे देखी,
एलिय्याह नबी एही क्रूस से उतारँय के खातिर आबत हें, कि नहीं।” 37 तब
यीसु खुब चन्डे चिल्लाइके प्रान छोंड़ दिहिन। 38 अउर मन्दिर के परदा ऊपर
से नीचे तक, फाटिके दुइ टुकड़ा होइगा। 39 जऊँ सुबेदार यीसु के आँगे ठाढ़
रहा हय, जब उआ यीसु काहीं इआमेर चिल्लाइके प्रान छोंड़त देखिस, त
उआ कहिस, “वास्तव माहीं ईं मनई, परमातिमा के लड़िका आहीं!”
40 कइयकठे मेहेरिआ घलाय दूरिन से देखत रही हँय: उनमा मगदल गाँव के
मरियम, छोटे याकूब अउर योसेस के महतारी मरियम, अउर सलोमी रही
हँय। 41 जब यीसु गलील प्रदेस म रहे हँय, तबहिनव ईं मेहेरिआ यीसु के पीछे
चलत रही हँय, अउर यीसु के सेबा-टहल करत रही हँय; अउर दुसरव खुब
मेहेरिआ रही हँय, जउन यीसु के साथ यरूसलेम सहर माहीं आईं तय।

यीसु काहीं गाड़ा जाब

(मत्ती 27:57-61; लूका 23:50-56; यूहन्ना 19:38-42)

42 जब साँझ भय, तब एसे कि तइआरी करँइ के दिन रहा हय, जउन
पबित्र दिन के एक दिना पहिले होत रहा हय, 43 अरमतिया गाँव के रहँइ
बाले यूसुफ आएँ, जउन महासभा के सम्मानित सदस्सव रहे हँय, अउर
खुदव परमातिमा के राज आमँइ के इन्तजार करत रहे हँय। ऊँ ढाढ़स कइके
राजपाल पिलातुस के लघे जाइके यीसु के लहास माँगिन। 44 राजपाल
पिलातुस अचरज मानिन, कि यीसु एतनी जल्दी मरिगें; अउर अपने सुबेदार
काहीं बोलाइके पूँछिन, “का यीसु काहीं मरे कुछ देर होइगे?” 45 जब
राजपाल पिलातुस अपने सुबेदार से सगला हाल जान लिहिन, तब यीसु के
लहास यूसुफ काहीं देबाय दिहिन। 46 तब यूसुफ मखमल के एकठे चद्दरा
मोल खरीदिन, अउर यीसु के लहास क क्रूस से उतारिके उआ चद्दरा माहीं
लपेटिन, अउर एकठे कब्र म, जऊँ पथरा के चट्टान माहीं खोदी गे रही हय,
ओहिन म धरिन, अउर कब्र के दुअरा माहीं एकठे खुब बड़ा पथरा ढनगाइके
बंद कइ दिहिन। 47 अउर मगदल गाँव के मरियम, अउर योसेस के महतारी
मरियम देखत रही हँय, कि यीसु काहीं कहाँ धरा ग हय।

मरेन म से यीसु जिन्दा होइगें

(मत्ती 28:1-8; लूका 24:1-12; यूहन्ना 20:1-10)

16 जब पबित्र दिन बीतिगा, तब मगदल गाँव के मरियम, अउर याकूब
के महतारी मरियम, अउर सलोमी महकँइ बाली चीजन काहीं
खरीदिन, कि जाइके यीसु के देंह माहीं मलँय। 2 हप्ता के पहिलय दिन बड़े
सकारे, जब सुरिज निकरबय भ रहा हय, ऊँ पंचे कब्र के लघे आईं। 3 अउर
आपस माहीं बतात रही हँय, कि “हमरे खातिर कब्र के दुअरा से उआ पथरा
को ढनगाई?” 4 जब ऊँ पंचे ध्यान से कबर कइती देखिन, त पथरा ढनगा
रहा हय! जबकि उआ पथरा खुब बड़ा रहा हय। 5 अउर कब्र के भीतर
जाइके ऊँ पंचे एकठे नवजमान काहीं उजर ओन्हा पहिरे, दहिने कइती बइठे
देखिन, त चउआय गईं। 6 उआ नवजमान उनसे कहिस, “चउ आ न, तूँ पंचे
नासरत गाँव के रहँइ बाले यीसु काहीं ढुँढ़ते हया, जउन क्रूस माहीं चढ़ाए गे
रहे हँय, ऊँ जिन्दा होइगे हें, इहाँ नहीं आहीं; देखा, इहय उआ जघा आय,
जहाँ ऊँ पंचे यीसु काहीं धरिन तय। 7 पय तूँ पंचे जा, अउर उनखे चेलन से
अउर पतरस से बताबा, कि यीसु तोंहसे पहिले गलील प्रदेस माहीं जइहँय,
जइसा ऊँ तोंहसे कहिन तय, तूँ पंचे उहँय उनहीं देखिहा।” 8 अउर ऊँ सगली
जने कब्र से निकरिके भाग गईं; काहेकि कँप कँपी अउर घबराहट उनखे
ऊपर छाइगे रही हय; अउर ऊँ पंचे कोहू से कुछू नहीं कहिन, काहेकि डेरात
रही हँय।

मगदल गाँव के मरियम काहीं यीसु देखाई दिहिन

(मत्ती 28:9-10; यूहन्ना 20:11-18)

9 हप्ता के पहिल दिन भिनसार होतय, यीसु जिन्दा होइके, सबसे पहिले
मगदल गाँव के मरियम काहीं, जउने से सातठे बुरी आत्मन काहीं निकारिन
तय, देखाई दिहिन। 10 ऊँ जाइके यीसु के साथ म रहँइ बालेन काहीं जऊँ
खुब दुखी रहे हँय, अउर रोबत रहे हँय, यीसु के जिन्दा होंय के खबर दिहिन।
11 पय ऊँ सगले जन इआ सुनिके कि यीसु जिन्दा हें, अउर मगदल गाँव के
मरियम उनहीं देखिन हीं, बिसुआस नहीं किहिन।

दुइठे चेलन काहीं यीसु देखाई दिहिन

(लूका 24:13-35)

12 ओखे बाद यीसु दुसरे रूप माहीं, चेलन म से दुइ जनेन काहीं, जब ऊँ
पंचे गाँव कइती जात रहे हँय, देखाई दिहिन। 13 उनहूँ पंचे जाइके दुसरे
चेलन काहीं इआ खबर दिहिन, पय ऊँ पंचे उनहूँ के बिसुआस नहीं मानिन।

ग्यरहँव चेलन काहीं यीसु देखाई दिहिन

(मत्ती 28:16-20; लूका 24:36-49; यूहन्ना 20:19-23; खास चेलन 1:6-8)

14 बाद म यीसु ऊँ ग्यरहँव चेलन काहीं घलाय, जब ऊँ पंचे खाँइ बइठ रहे
हँय, तबहिनय देखाई दिहिन, अउर उनखे बिसुआस न करँइ, अउर दिल
कठोर करँइ के कारन उलाहना दिहिन, काहेकि जेतने जने यीसु काहीं जिन्दा
होए के बाद देखिन रहा हय, ईं पंचे, उनहूँ केर बिसुआस नहीं किहिन तय।
15 अउर यीसु अपने चेलन से कहिन, “तूँ पंचे सगले संसार माहीं जाइके,
सगले संसार के मनइन काहीं खुसी के खबर सुनाबा। 16 जे कोऊ बिसुआस
करी, अउर बपतिस्मा लेई ओहिन काहीं मुक्ती मिली, पय जे कोऊ बिसुआस
न करी, उआ दोसी ठहराबा जई। 17 बिसुआस करँइ बालेन म इआ अदभुत
चिन्हारी होई, कि ऊँ पंचे हमरे नाम से बुरी आत्मन काहीं निकरिहँय, अउर
नई-नई भाँसा बोलि हँय, 18 साँपन काहीं उठाय लेइहँय, अउर अगर ऊँ पंचे
जहर बाली चीजन काहीं खाय लेइहँय, तऊ उनहीं कुछू नुकसान न होई; ऊँ
पंचे बिमारन के ऊपर हाँथ धइ देइहँय, त ऊँ नीक होइ जइहँय।”

यीसु के स्वरग जाब

(लूका 24:50-53; खास चेलन 1:9-11)

19 प्रभू यीसु चेलन से बात करे के बाद स्वरग माहीं ऊपर उठाय लीन गें,
अउर जाइके परमातिमा के दहिने कइती बइठिगें। 20 अउर चेला लोग उहाँ से
निकरिके हरेक जघन माहीं प्रचार किहिन, अउर प्रभू उनखे साथ माहीं काम
करत रहिगें, अउर ऊँ चमत्कारन के कारन, जऊँ चेलन के साथ-साथ होत
रहे हँय, बचन काहीं मजबूत करत रहिगें। आमीन।

लूका

इआ किताब के परिचय

लूका के लिखी खुसी के खबर माहीं, यीसु काहीं परमातिमा के वादा के मुताबिक इजराइली लोगन काहीं मुक्ती देंइ बाले, अउर सगले मनइन काहीं घलाय मुक्ती देंइ बाले दोनव मेर से बखान कीन ग हय। लूका इहव लिखिन हीं, कि यीसु काहीं, "कंगालन क खुसी के खबर सुनामँइ के खातिर" प्रभू के आत्मा बोलाइस रहा हय। इहय कारन से इआ खुसी के खबर हरेक मेर के परेसानिन माहीं परे लोगन के खातिर चिन्तन से भरा परा हय। लूका के लिखी खुसी के खबर माहीं आनन्द के भाव के घलाय प्रधानता हय, खास करके सुरुआत के पाठन माहीं, जउने माहीं यीसु के आमँइ के घोसना कीन गे ही, अउर आखिर माहीं घलाय जहाँ यीसु के स्वरग जाँय के बखान हय। यीसु के स्वरग जाँइ के बाद मसीही बिसुआस के बढ़ँइ के बखान, ईंन लेखक "खास चेलन के काम" नाम के किताब माहीं किहिन हीं।
कुछ बातँय केबल इहय खुसी के खबर माहीं पाई जाती हँय। उदाहरन के खातिर, यीसु के पइदा भए माहीं स्वरगदूतन के गीत गाउब, गड़रिअन के यीसु काहीं देखँइ जाब, यरूसलेम मन्दिर माहीं लड़िका यीसु, अउर दयालू सामरी, अउर उड़ाऊ लड़िका के उदाहरन आदि। सगले खुसी के खबर माहीं प्राथना, पबित्र आत्मा, यीसु के व्दारा लोगन के सेबा माहीं मेहेरिअन के सहयोग, अउर परमातिमा के व्दारा पापन के माफी के ऊपर खुब जादा जोर दीनगा हय। अपना पंचन से इआ बिनती हय, कि अपना पंचे इआ खुसी के खबर काहीं बड़े ध्यान से पढ़ी, अउर एहिन के मुताबिक जीबन बिताई, त अपना पंचन काहीं परमातिमा से खुब आसीस मिली।

रूप-रेखा :

परिचय
यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले अउर यीसु के जनम अउर बचपन
यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के लोगन के सेबा
यीसु के बपतिस्मा अउर परिच्छा
गलील प्रदेस माहीं यीसु के व्दारा लोगन के सेबा
गलील प्रदेस से यरूसलेम सहर तक यात्रा
यरूसलेम सहर माहीं अन्तिम हप्ता
प्रभू के दुसराय जिन्दा होब, देखाई देब, अउर स्वरग काहीं जाब

परिचय

1 आदरनीय थियुफिलुस, यीसु मसीह के बारे माहीं जउन घटना हमरे
बीच माहीं घटी हँय, उनखर बखान खुब जने लिखँइ के कोसिस
किहिन हीं। 2 उहय जानकारी हमहीं परमातिमा के ऊँ सेबकन के व्दारा
मिली हय, जउन ईं बातन काहीं होत अपने आँखिन से देखिन तय। 3 तब
यीसु मसीह के बारे माहीं जउन घटना घटी हँय, सुरुआत से उनहीं निकहा से
जाँचे-परखे के बाद हम इआ निरनय लिहेन हय, कि इनखे बारे माहीं बड़े
ध्यान से अउर क्रम से तोंहईं लिखी। 4 जउने तूँ इआ समझ ल्या, कि जउने
बातन के सिच्छा तोहईं दीनगे ही; उहय कबहूँ न बदलँइ बाली अउर सत्य
आय।

यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के जनम के घोसना

5 यहूदिया प्रदेस के राजा हेरोदेस के सासन करँइ के समय माहीं
अबिय्याह के दल माहीं, जकरयाह नाम के एकठे याजक रहे हँय, अउर
उनखर मेहेरिआ हारून के बंस के रही ही, जेखर नाम इलीसिबा रहा हय।
6 ऊँ दोनव परमातिमा के नजर माहीं धरमी रहे हँय, अउर प्रभू के सगले
हुकुमन अउर नेमन काहीं बिना गलती किहे निकहा से मानत रहे हँय।
7 उनखे एक्कवठे लड़िका-बच्चा नहीं भें तय, काहेकि इलीसिबा के लड़िका-
बच्चा नहीं होत रहे आँय, अउर ऊँ दोनव जन बुढ़ाय गें तय।

8 जब जकरयाह अपने दल के ओसरी माहीं, परमातिमा के मन्दिर माहीं
याजक के काम करत रहे हँय, 9 तबहिनय याजकन के रीति के मुताबिक
उनखे नाम चिट्ठी निकरी, कि ऊँ प्रभू के मन्दिर माहीं जाइके धूप जलामँइ।
10 धूप जलामँइ के समय लोगन के सगली मन्डली बहिरे प्राथना करत रही
हय। 11 उहय समय प्रभू के एकठे स्वरगदूत धूप जलामँइ के बेदी के दहिने
कइती जकरयाह काहीं ठाढ़ देखाने। 12 तब जकरयाह स्वरगदूत काहीं
देखिके घबराइगें, अउर ऊँ खुब डेराइगें। 13 पय स्वरगदूत उनसे कहिन, "हे
जकरयाह, डेरा न, काहेकि तोंहार प्राथना सुन लीनगे ही; अउर तोंहरे
मेहेरिआ इलीसिबा से तोंहरे खातिर एकठे लड़िका पइदा होई, अउर तूँ
ओखर नाम यूहन्ना धराया। 14 तोहईं आनन्द अउर खुसी मिली: अउर खुब
जने ओखे जनम के कारन आनन्दित होइहँय, 15 काहेकि उआ प्रभू के नजर
माहीं महान होई; अउर अंगूर के रस, अउर मदिरा कबहूँ न पी; अउर अपने
महतारी के गरभय माहीं पबित्र आत्मा से भर जई; 16 अउर इजराइलिअन म
से खुब मनइन काहीं जउन भटक गे रहे हँय, उनहीं प्रभू परमातिमा कइती
लउटाय लई। 17 उआ एलिय्याह कि नाईं आत्मा माहीं मजबूत बनिके, अउर
सामर्थ के साथ प्रभू के आँगे-आँगे चली, कि महतारी-बाप अउर लड़िकन-
बच्चन माहीं मेल-जोल कराय देय; अउर परमातिमा के हुकुम न मानँइ
बालेन काहीं धरमिन कि नाईं समझदार बनाय देय; अउर प्रभू के खातिर प्रभू
के हुकुम मानँइ बाले लोग तइआर करय।"

18 इआ सुनिके जकरयाह स्वरगदूत से पूँछिन, “इआ हम कइसा जानब?
काहेकि हम त बुढ़ाय गएन हय; अउर हमार मेहेरिअव बुढ़ाइगे ही।”
19 स्वरगदूत उनहीं जबाब दिहिन, “हम जिब्राईल आहेन, जउन परमातिमा
के लघे हमेसा रहित हएन; अउर हम तोंहसे बात करँइ, अउर इआ खुसी के
खबर सुनामँइ के खातिर पठए गएन हँय। 20 देखा, जउने दिन तक ईं बातँय
पूर न होइ जइहँय, उआ दिन तक तूँ गूँगा रइहा, अउर बोले न पइहा, एसे कि
तूँ हमरे बातन के बिसुआस नहीं किहा आय, जउन अपने समय माहीं पूर
होइहँय।” 21 सगले जने जकरयाह के लउटँय के इन्तजार करत रहे हँय,
अउर अचरज मानिन, कि उनहीं मन्दिर माहीं एतनी देर काहे लगिगे। 22 जब
जकरयाह बहिरे आएँ, त उनसे कुछू बोल न सकें: तबहिनय ऊँ पंचे जानिगें,
कि ऊँ मन्दिर माहीं कउनव दरसन पाइन हीं; अउर जकरयाह उनसे इसारा
करत रहिगें, काहेकि ऊँ गूँगा होइगें तय। 23 जब उनखे सेबा करँइ के दिन पूर
होइगें, तब जकरयाह अपने घर चलेगें।
24 कुछ दिनन के बाद उनखर मेहेरिआ इलीसिबा लड़कहाई भईं; अउर
पाँच महीना तक अपने काहीं इआ सोचिके लुकाए रहि गईं, 25 कि “मनइन
माहीं हमार अपमान दूर करँइ के खातिर, प्रभू ईं दिनन माहीं किरपा कइके
हमरे खातिर अइसा काम किहिन हीं।”

यीसु के जनम के घोसना

26 छठएँ महीना माहीं परमातिमा अपने कइती से जिब्राईल स्वरगदूत
काहीं, गलील प्रदेस के नासरत सहर माहीं, 27 एकठे कुमारी के लघे पठइन,
जिनखर सगाई यूसुफ से होइगे रही हय, जउन राजा दाऊद के कुल के रहे
हँय: उआ कुमारी के नाम मरियम रहा हय। 28 स्वरगदूत उनखे लघे भीतर
आइके कहिन, “आनन्द अउर जय तोंहार होय, जेखे ऊपर परमातिमा के
किरपा भे ही! प्रभू तोंहरे साथ हें!” 29 मरियम इआ बात से खुब घबराय गईं,
अउर सोचँइ लागीं, कि इआ कउनमेर के अभिबादन आय? 30 स्वरगदूत
उनसे कहिन, “हे मरियम, डेरा न, काहेकि परमातिमा के किरपा तोंहरे ऊपर
भे ही। 31 देखा, तूँ लड़कहाई होइहा, अउर तोंहरे एकठे लड़िका पइदा होई;
तूँ ओखर नाम यीसु धराया। 32 उआ लड़िका महान होई, अउर परमप्रधान
परमातिमा के बेटबा कहाई; अउर प्रभू परमातिमा ओखे पूरबज राजा दाऊद
के राजगद्दी ओही देइहँय, 33 अउर उआ याकूब के घराना के ऊपर सब दिन
राज करी; अउर ओखे राज के कबहूँ अन्त न होई।” 34 मरियम स्वरगदूत से
कहिन, “इआ कइसन होई, हम त अबय कुमारी हएन, अउर कउनव
मंसेरुआ काहीं नहीं जानी।” 35 स्वरगदूत मरियम काहीं जबाब दिहिन,
“पबित्र आत्मा तोंहरे ऊपर उतरी, अउर परमप्रधान परमातिमा के सामर्थ
तोंहरे ऊपर छाया करी; एसे उआ पबित्र जऊँ पइदा होंइ बाला हय,
परमातिमा के लड़िका कहाई। 36 अउर सुना, तोंहरे कुटुम्बिनी इलीसिबा के
घलाय बुढ़ाईंदार लड़िका होंइ बाला हय, इआ ओखर, जऊँ बिना सन्तान के
कहाबत रही हय, छठमाँ महीना आय। 37 काहेकि परमातिमा के खातिर
कुछू असम्भव नहिं आय।” 38 मरियम कहिन, “देखा, हम त प्रभू के दासी
आहेन, हमहीं तोंहरे बचन के मुताबिक होय।” तब स्वरगदूत मरियम के लघे
से चलेगें।

मरियम के इलीसिबा से मिलँइ जाब

39 कुछ दिनन के बाद मरियम यहूदा प्रदेस के पहारी इलाका के एकठे
सहर माहीं गईं, 40 अउर जकरयाह के घर माहीं पहुँचिके इलीसिबा काहीं
नबस्कार किहिन। 41 जइसय इलीसिबा मरियम के नबस्कार सुनिन, तइसय
बच्चा उनखे पेटे माहीं कूद, अउर इलीसिबा पबित्र आत्मा से भर गईं।
42 अउर उँइ खुब तेज से बोलिके कहिन, “तूँ सगली मेहेरिअन माहीं धन्य
हया, अउर तोंहरे पेटे के बच्चा धन्य हय। 43 अउर हमरे ऊपर एतनी बड़ी
इआ किरपा कहाँ से होइगे, कि हमरे प्रभू के महतारी हमरे लघे आई हँय?
44 देखा, जइसय तोंहरे नबस्कार के बोल हमरे कानन माहीं सुनान, तइसय
बच्चा हमरे पेटे माहीं मारे खुसी के कूदँइ लाग। 45 धन्य हय, उआ मनई
जउन बिसुआस करत हय, कि जऊँ बातँय प्रभू के तरफ से ओसे कही गई
हँय, ऊँ पूर होइहँय!”

मरियम के स्तुति गान

46 तब मरियम कहिन, “हम पूरे मन से प्रभू के बड़ाई करित हएन।
47 अउर हमार आत्मा हमहीं मुक्ती देंइ बाले परमातिमा से आनन्दित भे ही,
48 काहेकि परमातिमा अपने दासी के
दीनता माहीं किरपा किहिन हीं; एसे देखा, अब से लइके जुगन-जुगन
तक सगले मनई हमहीं धन्य कइहँय,
49 काहेकि ऊँ सर्बसक्तिमान परमातिमा, हमरे खातिर बड़े-बड़े काम किहिन
हीं। उनखर नाम पबित्र हय।
50 अउर परमातिमा के दया उनखे ऊपर, जऊँ उनखे बातन काहीं मानत हें,
पीढ़ी से पीढ़ी तक होत रहत ही।
51 परमातिमा अपने सामर्थ से खुब बड़ा काम कइके, जऊँ अपने काहीं
बड़ा मानत रहे हँय, उनहीं भगाय दिहिन।
52 परमातिमा बलमानन के राज करँइ के अधिकार छड़ाय लिहिन; अउर
दीन-दुखिअन काहीं बड़ा किहिन हीं।
53 परमातिमा भूँखेन काहीं निकहे खाना से संतुस्ट किहिन, अउर धनमानन
काहीं छूँछय हाँथे लउटाय दिहिन।
54 परमातिमा अपने उआ दया काहीं सुधि कइके, अपने दास इजराइल
काहीं बचाय लिहिन हीं।
55 जउन दया अब्राहम अउर उनखे कुल माहीं हमेसा रही, जइसन
परमातिमा हमरे बाप-दादन से कहिन रहा हय।”
56 मरियम तीन महीना के करीब, इलीसिबा के साथ माहीं रहिके अपने घर
लउटि आईं।

यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के जनम

57 तब इलीसिबा के बच्चा होंइ के समय पूर भ, अउर उनखे एकठे लड़िका
भ। 58 उनखर परोसी अउर कुटुम्बी लोग इआ सुनिके, कि प्रभू उनखे ऊपर
बड़ी दया किहिन हीं, उनखे साथ खुसी मनाइन, 59 अउर अइसन भ कि
अठएँ दिन, उँइ लड़िका के खतना करँइ के खातिर आएँ, अउर ओखर नाम
ओखे बाप के नाम के मुताबिक जकरयाह धरामँइ लागें। 60 इआ सुनिके
लड़िका के महतारी जबाब दिहिन, “नहीं; ओखर नाम यूहन्ना धराबा जाय।”
61 ऊँ सगले जन कहँइ लागें, “तोंहरे परिबार माहीं कोहू के इआ नाम नहिं
आय!” 62 तब ऊँ पंचे लड़िका के बाप से इसारा कइके पूँछिन, कि तूँ अपने
लड़िका के का नाम धरामँइ चहते हया? 63 जकरयाह लिखँय के पट्टी
मगबाइके लिख दिहिन, “ओखर नाम यूहन्ना हय”, अउर इआ देखिके सगले
जन अचरज मानिगें। 64 ओतनिनदार जकरयाह के मुँह अउर जीभ खुलिगे;
अउर ऊँ बोलँइ लागें, अउर परमातिमा काहीं धन्यबाद देंइ लागें। 65 जेतने
जने उनखे आस-पास रहे हँय, ऊँ सगले जन डेराइगें; अउर उन सगली
बातन के खबर सगले यहूदिया प्रदेस के पहारी इलाकन माहीं फइलिगे,
66 अउर सगले सुनँय बाले अपने-अपने मन माहीं सोच-बिचारिके कहिन,
“इआ लड़िका कउनमेर के होई?” काहेकि प्रभू के सामर्थ उआ लड़िका के
ऊपर रही हय।

जकरयाह के स्तुति गान

67 लड़िका के बाप जकरयाह पबित्र आत्मा से भरिगें, अउर भबिस्य माहीं
होंइ बाली परमातिमा के बातन काहीं बतामँइ लागें:
68 “प्रभू इजराइल के परमातिमा धन्य हें, काहेकि ऊँ अपने प्रजा के ऊपर
किरपा किहिन हीं, अउर उनहीं मुक्ती दिहिन हीं।
69 अउर अपने सेबक राजा दाऊद के कुल से हमरे पंचन के खातिर एकठे
सक्तिसाली मुक्ती देंइ बाला पइदा किहिन हीं।

70 (जइसन परमातिमा आपन सँदेस बतामँइ बाले पवित्र मनइन के व्दारा,
जऊँ संसार के सुरुआतय से होत आए हँय, कहिन रहा हय।)
71 अरथात हमरे दुसमनन से, अउर हमरे सगले बइरिन के हाँथ से हमहीं
पंचन काहीं छोड़ाइन हीं।
72 कि हमरे बाप-दादन के ऊपर दया कइके, अपने पबित्र करार काहीं सुध
करँय।
73 अउर उआ कसम जउन परमातिमा हमरे पूरबज अब्राहम से खाइन तय।
74 कि ऊँ हमहीं इआ आसीस देइहँय, कि हम अपने दुसमनन के हाँथे से
छूटि के।
75 परमातिमा के नजर माहीं पबित्रता, अउर धारमिकता से जीबन भर
निधड़क रहिके, उनखर गुन-गान करब।
76 अउर हे बालक, तूँ परमप्रधान परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले
कहइहा, काहेकि तूँ प्रभू के आमँइ से पहिले उनखे खातिर मनइन काहीं
तइआर करिहा।
77 अउर प्रभू के खातिर तइआर लोगन काहीं मुक्ती के ग्यान देइहा, जउन
उनहीं अपने-अपने पापन काहीं मान लिहे से मिली।
78 इआ हमरे पंचन के परमातिमा के उआ बड़ी दया से होई;
जउने कारन स्वरग से हमहीं बचामँइ के खातिर मुक्ती देंइ बाला पठइहँय।
79 कि जउन मनई पाप अउर मउत के बन्धन माहीं फँसे हें, उनहीं छोड़ाइके
मुक्ती के उँजिआर देंइ, अउर हमहीं पंचन काहीं नीक गली माहीं सीध
चलामँइ।"
80 अउर ऊँ लड़िका बड़े होत गें, अउर आत्मिक रूप से मजबूत होत गें,
अउर इजराइली लोगन के लघे आमँइ से पहिले ऊँ सुनसान जघा माहीं रहत
रहे हँय।

यीसु के जनम (मत्ती 1:18-25)

2 उँइन दिनन माहीं रोम देस के महाराजा अवगुस्तुस इआ हुकुम
दिहिन, कि सगले रोम राज के मनइन के गिनती कीन जाय। 2 इआ
पहिल गिनती उआ समय माहीं भे रही हय, जब क्विरिनियुस रोमी राज के
सीरिया प्रदेस के राजपाल रहा हय। 3 सगले जन आपन नाम लिखामँय के
खातिर अपने-अपने सहरन माहीं गें। 4 एसे कि यूसुफ राजा दाऊद के कुल
के आहीं, गलील प्रदेस के नासरत गाँव से यहूदिया प्रदेस माहीं, राजा दाऊद
के सहर बैतलहम माहीं गें, 5 कि अपने मंगेतर मरियम क साथ लइके जिनखे
पेटे माहीं बच्चा रहा हय, नाम लिखामँय। 6 जब ऊँ पंचे उहँइ रहे हँय,
तबहिनय मरियम के लड़िका पइदा होंइ के समय पूर होइगा। 7 अउर मरियम
के पहिलउठा लड़िका पइदा भ, अउर लड़िका काहीं ओन्हा माहीं लपेटिके
अबाह माहीं पराय दिहिन; काहेकि सराय माहीं उनखे खातिर एक्कव जघा
नहीं रही।

स्वरगदूतन के व्दारा चरबाहन काहीं सँदेस

8 अउर उहाँ खुब गड़रिया रहे हँय, जउन रातके मइदान माहीं अपने गड़रन
के पहरा देत रहे हँय। 9 तबहिनय प्रभू के एकठे दूत उनखे लघे आइके ठाढ़
होइगा, अउर प्रभू के खुब तेज उँजिआर उनखे चारिव कइती चमकँइ लाग,
अउर ऊँ सगले जने खुब डेराइगें। 10 तब स्वरगदूत उनसे कहिन, "डेरा न;
काहेकि देखा, हम तोंहईं बड़े आनन्द के खुसी के खबर बताइत हएन, जउन
सगले मनइन के खातिर होई, 11 काहेकि आज दाऊद के सहर माहीं तोंहरे
खातिर मुक्ती देंइ बाले जनम लिहिन हीं, अउर ईंन मसीह प्रभू आहीं।
12 अउर तोंहरे खातिर इआ चिन्हारी होई, कि तूँ पंचे एकठे लड़िका काहीं
ओन्हा माहीं लपेटा अउर अबाह माहीं पराबा पइहा।" 13 तब अचानक उआ
स्वरगदूत के साथ स्वरगदूतन के झुन्ड परमातिमा के स्तुति करत अउर इआ
कहत देखाई दिहिन।
14 "स्वरग माहीं परमातिमा के महिमा, अउर धरती माहीं उँइ मनइन काहीं
जउनेन से ऊँ प्रसन्न हें, सान्ती मिलय।"
15 जब स्वरगदूत उनखे लघे से स्वरग माहीं चलेगें, तब गड़रिया आपस
माहीं कहँइ लागें, "आबा हम पंचे बैतलहम माहीं जाइके इआ बात जऊँ भे
ही, अउर प्रभू जउन बात स्वरगदूतन से हमहीं बताइन हीं, चला देखी।"
16 अउर ऊँ पंचे हरबिन जाइके मरियम अउर यूसुफ काहीं, अउर अबाह
माहीं उआ लड़िका काहीं पराबा देखिन। 17 ऊँ गड़रिया उनहीं देखिके जउन
बात लड़िका के बारे माहीं उनसे बताई गे तय, हरेक जघा बतामँइ लागें,
18 अउर गड़रिअन के बातन काहीं सुनिके सगले सुनँइ बाले अचरज मानिन।
19 अउर मरियम ईं सगली बातन काहीं अपने मन माहीं रखिके, इनखे बारे
माहीं बिचार करत रहि गईं। 20 अउर गड़रिअन काहीं जइसन कहा ग तय,
उहयमेर सब देख सुनिके ऊँ पंचे परमातिमा के बड़ाई अउर स्तुति करत
लउटिगें।

यीसु के नाम धराउब

21 जब लड़िका काहीं पइदा भए आठ दिन पूर होइगें, तब खतना करँइ के
दिन आबा, तब लड़िका के नाम यीसु धराइन, जउन नाम स्वरगदूत लड़िका
के पेट माहीं आमँइ से पहिले मरियम से बताइन रहा हय।

मन्दिर म यीसु काहीं लइ जाब

22 अउर जब मूसा के बिधान के मुताबिक उनखे सुद्ध होंइ के दिन पूर
होइगें, तब यूसुफ अउर मरियम लड़िका यीसु काहीं यरूसलेम मन्दिर माहीं
लइगें, कि उनहीं प्रभू के सामने लइ जाँय, 23 (जइसा प्रभू के बिधान माहीं
लिखा हय, "सगले मनइन के पहिलउठा लड़िका प्रभू के खातिर समरपित
कीन जाय।") 24 अउर प्रभू के बिधान के बचन के मुताबिक, "पोंड़किन के
जोड़ा, इआ कि परेबा के दुइठे बच्चा।" लइआइके बलिदान करँय।

समौन के स्तुति गान

25 यरूसलेम सहर माहीं समौन नाम के एकठे मनई धरमी अउर भक्त रहे
हँय; अउर इजराइली लोगन काहीं सान्ती देंइ बाले के इन्तजार करत रहे हँय,
अउर पबित्र आत्मा उनखे साथ माहीं रहा हय। 26 अउर पबित्र आत्मा के
द्वारा उनहीं मालुम भ रहा हय, कि जब तक ऊँ प्रभू के पठए मसीह काहीं
देख न लेइहँय, तब तक न मरिहँय। 27 समौन पबित्र आत्मा के बताए के
मुताबिक मन्दिर माहीं आएँ; अउर जब यूसुफ अउर मरियम लड़िका यीसु
काहीं भीतर लइ आएँ, कि उनखे खातिर मूसा के बिधान के रीति के
मुताबिक करँइ, 28 तब समौन यीसु काहीं अपने कनिआ माहीं लइके
परमातिमा के धन्यबाद कइके कहिन।
29 "हे स्वामी, अब अपना अपने दास काहीं अपने बचन के मुताबिक
सान्ती के साथ मरँइ देई।
30 काहेकि हम अपने आँखिन से अपना के मुक्ती के योजना काहीं देख
लिहेन हय।
31 जेही अपना सगले देसन के मनइन के खातिर तइआर किहेन हय।
32 अउर ऊँ सगली जातिअन के लोगन काहीं उँजिआर देंइ के खातिर जोति
आहीं, कि अपना के चुने इजराइली लोगन के नाम के बड़ाई होय।"
33 यीसु के महतारी-बाप ऊँ बातन से जउन यीसु के बारे माहीं कही जात
रही हँय, सुनिके चउआय जात रहे हँय। 34 तब समौन उनहीं आसिरबाद
दइके यीसु के महतारी मरियम से कहिन, "देखा, इआ लड़िका इजराइल
माहीं खुब मनइन के नास होंइ, अउर खुब मनइन के आसीस पामँइ के
खातिर चुना ग हय। अउर इआ लड़िका के इआ पहिचान होई, कि खुब जने
उनखे बिरोध माहीं बात करिहँय, इआमेर से खुब जनेन के जउन हिरदँय के
बिचार हें, उँइ निकरिके अइहँय। 35 अउर मरियम तोंहईं बहुत भारी दुख
सहँइ क परी, जउन तलबार छेदरँइ के बराबर होई।"

हन्नाह के गबाही

36 आसेर के कुल माहीं हन्नाह नाम के फनूएल के बिटिया, परमातिमा के
सँदेस मनइन काहीं बतामँइ बाली रही हँय। ऊँ खुब बुढ़ान रही हँय, अउर ऊँ
काज होए के बाद सात बरिस अपने मंसेरुआ के लघे रहि पाइन तय। 37 ऊँ
चउरासी बरिस से बिधबा रही हँय: अउर रोज मन्दिर जात रही हँय, अउर
उपास अउर प्राथना कइके रातव-दिन परमातिमा के भक्ती करत रही हँय।
38 जब मरियम अउर यूसुफ लड़िका यीसु के साथ मन्दिर माहीं रहे हँय,
ओतनिनदार हन्नाह आइके प्रभू के धन्यबाद करँइ लागीं, अउर उन सगलेन
से जउन यरूसलेम काहीं छोड़ामँइ बाले के इन्तजार करत रहे हँय, उनसे
लड़िका यीसु के बारे माहीं बतामँइ लागीं।

नासरत गाँव काहीं लउटब

39 जब यूसुफ अउर मरियम प्रभू के बिधान के मुताबिक सगली जरूरी
बातन काहीं पूर कइ चुके, तब ऊँ पंचे गलील प्रदेस माहीं अपने गाँव नासरत
लउटि आएँ। 40 अउर लड़िका यीसु बाढ़त अउर बलमान होत गें, अउर बुद्धी
से भरपूर होत गें; अउर परमातिमा के किरपा उनखे ऊपर रही हय।

लड़िका यीसु मन्दिर माहीं

41 यीसु, के महतारी-बाप हरेक साल फसह के तेउहार माहीं यरूसलेम
मन्दिर माहीं जात रहे हँय। 42 जब यीसु बारा बरिस के भें, तब उँ तेउहार के
रीति के मुताबिक अपने महतारी-बाप के साथ यरूसलेम सहर माहीं गें।
43 जब तेउहार के दिन पूर होंइ के बाद, यूसुफ अउर मरियम अपने घर काहीं
लउटँय लागें, तब लड़िका यीसु यरूसलेम माहीं रहिगें, अउर इआ बात
उनखर महतारी-बाप नहीं जाने पाइन। 44 ऊँ पंचे इआ समझिके, कि यीसु
दुसरे के साथ चले गे होइहँय, एक दिन के दूरी चले के बाद लड़िका यीसु
काहीं अपने परिबार बालेन, अउर जान-पहिचान बालेन माहीं ढूँढ़ँइ लागें।
45 पय जब यीसु नहीं मिलें, तब ऊँ पंचे उनहीं ढूँढ़त-ढूँढ़त यरूसलेम मन्दिर
माहीं पुनि लउटि गें, 46 अउर तीन दिन के बाद ऊँ पंचे यीसु काहीं मन्दिर
माहीं उपदेस देंइ बालेन के लघे बइठे, उनखर उपदेस सुनत अउर उनसे
सबाल पूँछत पाइन। 47 जेतने जन यीसु के बातन काहीं सुनत रहे हँय, ऊँ
सगले जन यीसु के ग्यान अउर उनखे जबाब से चउआय जात रहे हँय।
48 तब उनखर महतारी-बाप उनहीं देखिके चउआइगें, अउर उनखर महतारी
उनसे कहिन, “हे बेटबा, तूँ हमरे साथ अइसा काहे किहा? देखा, तोंहार बाप
अउर हम तोंहईं ढूँढ़त-ढूँढ़त परेसान अउर दुखी रहेन हय?” 49 यीसु उनसे
कहिन, “तूँ पंचे हमहीं काहे ढूँढ़त रहे हया? काहे तूँ नहीं जानत रहे आह्या,
कि हमहीं अपने पिता परमातिमा के मन्दिर माहीं रहब जरूरी हय?” 50 पय
जउन बात यीसु उनसे कहिन, ऊँ पंचे नहीं समझे पाइन। 51 तब यीसु उनखे
साथ नासरत गाँव माहीं चले आएँ, अउर ऊँ अपने महतारी-बाप के साथ
माहीं रहँइ लागें; अउर उनखर महतारी ईं सगली बातन काहीं अपने हिरदँय
माहीं रक्खिन। 52 यीसु बुद्धी अउर डील-डउल माहीं अउर परमातिमा अउर
मनई के किरपा माहीं बाढ़त गें।

यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के सेबा
(मत्ती 3:1-12; मरकुस 1:1-8; यूहन्ना 1:19-28)

3 तिबिरियुस कैसर के रोम सम्राज माहीं राज करँइ के पन्द्रहमे बरिस
माहीं, जउने समय माहीं पुन्तियुस पिलातुस यहूदिया प्रदेस के
राजपाल रहे हँय, अउर गलील प्रदेस माहीं हेरोदेस राजा, इतूरइया अउर
त्रखोनीतिस प्रदेस माहीं ओखर भाई फिलिप्पुस, अउर अबिलेने माहीं
लिसानियास, चउथ भाग के राजा रहे हँय, 2 अउर जब हन्ना अउर कैफा
महायाजक रहे हँय, उहय समय माहीं परमातिमा सुनसान जघा माहीं
जकरयाह के लड़िका यूहन्ना से बात किहिन। 3 यूहन्ना यरदन नदी के आस-
पास के सगले प्रदेसन माहीं जाइके, मनइन से इआ कहिके प्रचार करँइ
लागें, कि अपने-अपने पापन के माफी प्रभू से पामँइ के खातिर पाप करब
छोंड़िके, अपने मन काहीं बदला, अउर बपतिस्मा ल्या। 4 जइसन परमातिमा
के सँदेस बतामँइ बाले यसायाह के किताब माहीं लिखा हय:

“सुनसान जघा माहीं एक जने के गोहरामँइ के बोल सुनात हय, कि
अपने मन काहीं तइआर कइके गइल सऊँ बनाय ल्या, काहेकि ‘प्रभू
आमँइ बाले हें।
5 सगली घाटिन काहीं भर दीन जई, अउर सगले पहारन अउर टिकुरन
काहीं बराबर कीन जई;
अउर जऊँ टेंढ़ हय ओही सऊँ, अउर जउन ऊँच नीच हय ओही समथर
बनाबा जई।
6 अउर हरेक मनई परमातिमा के मुक्ती के काम काहीं देखिहँय’।”

7 जउन भीड़ के भीड़ मनई यूहन्ना के लघे बपतिस्मा लेंइ के खातिर आबत
रहे हँय, उनसे ऊँ कहत रहे हँय, “हे साँप के बच्चन कि नाईं बुरे मनइव,
तोंहईं को चेताय दिहिस, कि परमातिमा के आमँइ बाले सजा से बचा?
8 अरथात तूँ पंचे अपने जीबन से इआ देखाय द्या, कि तूँ पंचे बास्तव माहीं
पाप करब छोंड़ दिहा हय, अउर परमातिमा के बातन काहीं मनते हया। तूँ
अपने-अपने मन माहीं इआ न सोचा, कि हम अब्राहम के सन्तान आहेन एसे
परमातिमा हमहीं सजा न देइहँय; काहेकि हम तोंहसे सही कहित हएन, कि
परमातिमा ईं पथरन से अब्राहम के खातिर बंस पइदा कइ सकत हें। 9 अब
परमातिमा के क्रोध रूपी कुल्हारा बिरबन के जर माहीं धरा हय, एसे जउन-
जउन बिरबा निकहा फर न फरी, उआ काटिके आगी माहीं झोंक दीन जई।”
10 तब मनई यूहन्ना से पूछँइ लागें, “त हम पंचे का करी?” 11 यूहन्ना उनहीं
जबाब दिहिन, “जेखे लघे दुइठे कुरथा होंय, त उआ जेखे लघे एक्कवठे
कुरथा नहिं आय ओही दइ देय, अउर जेखे लघे खाँइ बाली चीज होंय, उहव
अइसय करय।” 12 अउर चुंगी लेंइ बाले घलाय बपतिस्मा लेंइ आएँ, अउर
यूहन्ना से पूँछिन, “हे गुरू, हम पंचे का करी?” 13 यूहन्ना उनसे कहिन,
“जेतनी चुंगी लेंइ के खातिर तोंहईं बताबा ग हय, ओसे जादा न लिहा।”
14 अउर सिपाहिव यूहन्ना से पूँछिन, “हम पंचे का करी?” तब यूहन्ना उनसे
कहिन, “जबरजस्ती कोहू से धन न लिहा, अउर न कउनव मनई के ऊपर
झूँठ अरोप लगाया, बलकिन अपने तनखाह माहीं सन्तोस किहा।”
15 जब इजराइली लोग इआ आसा करत रहे हँय, कि हमहीं मुक्ती देंइ बाले
आमँइ बाले हें, तब सगले जन अपने-अपने मन माहीं यूहन्ना के बारे माहीं
सोचत रहे हँय, कि कहँव ईंन परमातिमा के पठए मुक्ती देंइ बाले मसीह त न
होंहीं, 16 तब यूहन्ना ऊँ सगलेन से कहिन, “हम त तोंहईं पानी से बपतिस्मा
देइत हएन, पय जउन आमँइ बाले हें, ऊँ हमसे एतना महान हें; कि हम त
उनखे पनहिन के डोरव तक छोरँइ के काबिल नहिं आहेन; ऊँ तोंहईं पबित्र
आत्मा अउर आगी से बपतिस्मा देइहँय। 17 उनखर न्याय रूपी सूपा उनखे
हाँथेन माहीं हय; अउर उँइ संसार रूपी राहा काहीं निकहा से साफ करिहँय;
अउर गोहूँ काहीं अपने बखारी माहीं रखिहँय; पय बूसा काहीं कबहूँ न
बुझाँय बाली आगी माहीं डार देइहँय।”

18 अरथात यूहन्ना खुब सिच्छा दइ-दइके सगले जनेन काहीं खुसी के खबर
सुनाबत रहिगें। 19 पय जब यूहन्ना चउथाई देस के राजा हेरोदेस काहीं, अपने
भाई फिलिप्पुस के मेहेरिआ हेरोदियास काहीं राख लिहे के बारे माहीं, अउर
सगले कुकर्मन के बारे माहीं जउन ऊँ किहिन रहा हय, उलाहना दिहिन।
20 तब हेरोदेस ऊँ सगले कुकर्मन से बढ़िके, इआ कुकर्म किहिन, कि यूहन्ना
काहीं जेल माहीं डरबाय दिहिन।

यीसु के बपतिस्मा (मत्ती 3:13-17; मरकुस 1:9-11)

21 जब सगले जने बपतिस्मा लइ चुकें, तब यीसु घलाय आइके यूहन्ना से
बपतिस्मा लइके प्राथना करत रहे हँय, तबहिनय स्वरग खुलिगा, 22 अउर
पबित्र आत्मा सारीरिक रूप से परेबा के रूप माहीं उनखे ऊपर उतरा, अउर
इआ अकासबानी भय: “तूँ हमार पियार लड़िका आह्या, हम तोंहसे प्रसन्न
हएन।”

यीसु के बंसाबली
(मत्ती 1:1-17)

23 जब यीसु सेबकाई सुरू किहिन, तब ऊँ तीस बरिस के करीब रहे हँय,
अउर (जइसा माना जात हय) यीसु, यूसुफ के लड़िका आहीं; अउर यूसुफ,
एली के, 24 अउर एली, मत्तात के, अउर मत्तात, लेबी के, अउर लेबी, मलकी
के, अउर मलकी, यन्ना के, अउर यन्ना, यूसुफ के, 25 अउर यूसुफ, मत्तित्याह
के, अउर मत्तित्याह, आमोस के, अउर आमोस, नहूम के, अउर नहूम,
असल्याह के अउर असल्याह, नोगह के, 26 अउर नोगह, मात के, अउर
मात, मत्तित्याह के, अउर मत्तित्याह, सिमी के, अउर सिमी, योसेख के, अउर
योसेख, योदाह के, 27 अउर योदाह, यूहन्ना के अउर यूहन्ना, रेसा के अउर
रेसा, जरुब्बाबिल के, अउर जरुब्बाबिल, सालतिएल के, अउर सालतिएल,
नेरी के, 28 अउर नेरी, मलकी के, अउर मलकी, अद्दी के, अउर अद्दी,
कोसाम के, अउर कोसाम, इलमोदाम के, अउर इलमोदाम, एर के, 29 अउर
एर, एसू के, अउर एसू, इलाजार के, अउर इलाजार, योरीम के, अउर
योरीम, मत्तात के, अउर मत्तात, लेबी के, 30 अउर लेबी, समौन के, अउर
समौन, यहूदाह के, अउर यहूदाह, यूसुफ के, अउर यूसुफ, योनान के, अउर
योनान, इलयाकीम के, 31 अउर इलयाकीम, मलेयाह के, अउर मलेयाह,
मिन्नाह के अउर मिन्नाह, मत्तता के, अउर मत्तता, नातान के अउर नातान,
दाऊद के, 32 अउर दाऊद, यिसय के, अउर यिसय, ओबेद के, अउर ओबेद,
बोअज के, अउर बोअज, सलमोन के, अउर सलमोन, नहसोन के, 33 अउर
नहसोन, अम्मीनादाब के, अउर अम्मीनादाब, अरनी के, अउर अरनी, हिस्रोन
के, अउर हिस्रोन, फिरिस के, अउर फिरिस, यहूदाह के, 34 अउर यहूदाह,
याकूब के अउर याकूब, इसहाक के, अउर इसहाक, अब्राहम के, अउर
अब्राहम, तिरह के, अउर तिरह, नाहोर के, 35 अउर नाहोर, सरूग के, अउर
सरूग, रऊ के, अउर रऊ, फिलिग के, अउर फिलिग, एबिर के, अउर एबिर,
सिलह के 36 अउर सिलह, केनान के, अउर केनान, अरफच्छद के, अउर
अरफच्छद, सेम के, अउर सेम, नूह के अउर नूह, लिमिक के, 37 अउर
लिमिक, मथूसिलह के, अउर मथूसिलह, हनोक के, अउर हनोक, यिरिद के,
अउर यिरिद, महललेल के, अउर महललेल, केनान के, 38 अउर केनान,
एनोस के, अउर एनोस, सेत के, अउर सेत, आदम के, अउर आदम
परमातिमा के लड़िका आहीं।

यीसु के परिच्छा
(मत्ती 4:1-11; मरकुस 1:12,13)

4 पुनि यीसु पबित्र आत्मा से भरे, यरदन नदी से लउटें; अउर पबित्र
आत्मा के सिखाए से सुनसान जघा माहीं फिरत रहिगें; 2 अउर
सइतान चालिस दिन तक उनखर परिच्छा लेत रहिगा। उन दिनन माहीं यीसु
कुछू नहीं खाइन पीन, अउर जब चालिस दिन पूर होइगें, तब उनहीं भूँख
लाग। 3 तब सइतान यीसु से कहिस, "अगर तूँ परमातिमा के लड़िका आह्या,
त इआ पथरा से कहा, कि रोटी बन जाय।" 4 यीसु सइतान काहीं जबाब
दिहिन, "पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, 'मनई केबल रोटिन भर से जिन्दा न
रही'।" 5 तब सइतान यीसु काहीं खुब ऊँच जघा माहीं लइगा, अउर उनहीं
छिन भरे माहीं संसार के सगले राज देखाइस, 6 अउर सइतान यीसु से
कहिस, "हम ईं सगले राज के अधिकार अउर उनखर धन-सम्पत्ती तोहईं दइ
देब, काहेकि ईं सगलेन काहीं हमहीं सउँपा ग हय: अउर हम जेही चाही,
ओही दइ सकित हएन। 7 एसे अगर तूँ हमरे गोड़न गिरिहा, त इआ सगला
हम तोहईं दइ देब।" 8 यीसु सइतान काहीं जबाब दिहिन, "पबित्र सास्त्र
माहीं लिखा हय, 'तूँ अपने प्रभू परमातिमा काहीं दन्डबत किहा; अउर केबल
उनहिन के सेबा किहा'।" 9 तब सइतान यीसु काहीं यरूसलेम मन्दिर माहीं
लइ जाइके मन्दिर के गुम्मट माहीं ठाढ़ किहिस, अउर उनसे कहिस, "अगर
तूँ परमातिमा के लड़िका आह्या, त अपने-आप काहीं इहाँ से नीचे गिराय
द्या। 10 काहेकि पबित्र सास्त्र माहीं इआ लिखा हय, 'परमातिमा तोंहरे
खातिर अपने स्वरगदूतन काहीं हुकुम देइहँय, कि ऊँ तोंहार रच्छा करँय',
11 अउर 'ऊँ तोहईं उपरय लोक लेइहँय, कहँव अइसा न होय कि तोंहरे
गोड़ेन माहीं पथरा से चोंट लगि जाय।" 12 यीसु सइतान काहीं जबाब दिहिन,
"पबित्र सास्त्र माहीं इहव लिखा हय, कि: 'तूँ अपने प्रभू परमातिमा के
परिच्छा न किहा'।" 13 जब सइतान सगली परिच्छा कइ चुका, तब कुछ
समय के खातिर यीसु के लघे से चला ग।

यीसु के सेबा के काम के सुरुआत
(मत्ती 4:12-17; मरकुस 1:14-15)

14 पुनि यीसु पबित्र आत्मा के सामर्थ से भरे गलील प्रदेस माहीं लउटि
आएँ, अउर यीसु के खबर लघे-लघे के सगले सहरन माहीं फइलिगे। 15 यीसु
सभाघरन माहीं उपदेस देत रहिगें, अउर सगले सुनँय बाले उनखर बड़ाई
करत रहे हँय।

नासरत गाँव माहीं यीसु के निरादर
(मत्ती 13:53-58; मरकुस 6:1-6)

16 ओखे बाद यीसु नासरत गाँव माहीं आएँ, जहाँ उनखर पालन-पोसन भ
रहा हय; अउर अपने रीति के मुताबिक, पबित्र दिन काहीं सभाघर माहीं
जाइके पबित्र सास्त्र पढ़ँइ के खातिर ठाढ़ भें। 17 तब उनहीं परमातिमा के
सँदेस बतामँइ बाले यसायाह के लिखी किताब, यहूदी सभाघर के सेबक
लइआइके दिहिस, अउर यीसु उआ किताब काहीं खोलिके, उआ जघा
निकारिन जहाँ इआ लिखा रहा हय:
18 "प्रभू के आत्मा हमरे भीतर हय, एसे कि परमातिमा कंगालन काहीं
खुसी के खबर सुनामँइ के खातिर हमार अभिसेक किहिन हीं, अउर हमहीं
एसे पठइन हीं, कि बंदिन काहीं छोड़ामँइ के अउर अँधरन काहीं आँखी
पामँइ के खुसी के खबर के प्रचार करी, अउर दबे-कुचले लोगन काहीं बन्धन
से छोंड़ाई।
19 अउर प्रभू के अपने लोगन के ऊपर दया करँइ बाले समय के प्रचार
करी।"
20 तब यीसु इआ पढ़िके किताब बंद कइके सेबक के हाँथे माहीं दइ
दिहिन, अउर बइठिगें; तब यहूदी सभाघर माहीं बइठ सगले मनइन के ध्यान
उनखे कइती लगा रहा हय। 21 तब यीसु उनसे कहँइ लागें, "आजय तोंहरे
सुनतय-सुनत पबित्र सास्त्र के इआ बचन पूर भ हय।"
22 उहाँ बइठ सगले मनई उनहीं सराहँइ लागें, अउर यीसु के मुँह से जउन,
किरपा के बातँय निकरत रही हँय, ऊँ बातन से सगले जन अचरज मानिन;
अउर कहँइ लागें, "काहे ईं यूसुफ के लड़िका न होहीं?" 23 यीसु उनसे
कहिन, "तूँ पंचे हमरे बारे माहीं इआ कहाबत जरूर कइहा, कि 'हे बैद्य,
अपने-आप काहीं नीक करा! जउन कुछू हम पंचे सुनेन हय, कि कफरनहूम
माहीं जउन काम तूँ किहा हय, उहय काम इहाँ अपने गाँव माहीं घलाय
करा'।" 24 अउर यीसु इहव कहिन, "हम तोंहसे सही कहित हएन, कि
कउनव परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाला, अपने गाँव माहीं मान-सम्मान
नहीं पाबय। 25 हम तोंहसे सही कहित हएन, कि एलिय्याह नबी के दिनन
माहीं जब साढ़े तीन बरिस तक अकास से पानी नहीं बरसा, इहाँ तक कि
सगले देस माहीं अकाल परा, तब इजराइल माहीं खुब बिधबा रही हँय।
26 पय एलिय्याह नबी उन बिधबन म से कोहू के लघे नहीं पठए गें, केबल
सैदा प्रदेस के सारफत गाँव माहीं एकठे बिधबा के लघे पठए गें तय।
27 अउर परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले एलीसा के समय माहीं इजराइल
माहीं खुब कोढ़ी रहे हँय, पय सीरिया देस के रहँइ बाले नामान काहीं छोंड़िके
उनमा से कउनव सुद्ध नहीं कीन गें।" 28 ईं बातन काहीं सुनतय जेतने मनई
यहूदी सभाघर माहीं रहे हँय, सगले आगबबूला होइगें। 29 अउर उठिके यीसु
काहीं सहर से बहिरे निकारिके, जउने पहार माहीं उनखर सहर बसा रहा
हय, ओहिन के ऊपर चोंटी माहीं लइगें, कि यीसु काहीं उहाँ से नीचे गिराय
देंय। 30 पय यीसु, उनखे बीच से निकरिके चलेगें।

बुरी आत्मा से परेसान मनई काहीं नीक करब
(मरकुस 1:21-28)

31 ओखे बाद यीसु गलील प्रदेस के कफरनहूम सहर माहीं आएँ, अउर
पबित्र दिन काहीं लोगन काहीं उपदेस देत रहे हँय। 32 ऊँ सगले जन उनखे
उपदेस काहीं सुनिके चउआइगें, काहेकि यीसु बचन काहीं अधिकार के साथ
बताबत रहे हँय। 33 यहूदी सभाघर माहीं एकठे मनई बइठ रहा हय, जउने
माहीं बुरी आत्मा रही हय। उआ खुब चंडे चिल्लाइके कहिस, 34 "हे नासरत
गाँव के यीसु, हमार अपना से कउनव काम नहिं आय। का अपना हमहीं
नास करँइ आएन हँय? हम अपना काहीं जानित हएन, कि को आहेन?
अपना परमातिमा के पबित्र जन आहेन!" 35 यीसु ओही डाँटिके कहिन,
"चुप्पय रव्ह, अउर उआ मनई से बहिरे निकर जा!" तब बुरी आत्मा उआ
मनई काहीं सगलेन के बीच माहीं पटकिके बिना चोंट पहुँचाए ओसे
निकरिगे। 36 इआ सगला हाल देखिके सगले जन बड़ा अचरज मानिन, अउर
ऊँ पंचे आपस माहीं कहँइ लागें, "इआ कइसन बचन हय? काहेकि यीसु
अधिकार अउर सामर्थ के साथ बुरी आत्मन काहीं हुकुम देत हें, अउर ऊँ
मनइन से निकर जाती हईं।" 37 इआमेर से चारिव कइती हरेक जघा माहीं
यीसु के चरचा होंइ लाग।

पतरस के सास अउर खुब बिमारन काहीं नीक करब
(मत्ती 8:14-17; मरकुस 1:29-34)

38 यीसु यहूदी सभाघर से उठिके समौन के घर माहीं गें। उहाँ समौन के
सास काहीं बोखार चढ़ी रही हय, अउर घरबाले उनहीं नीक करँइ के खातिर
यीसु से बिनती किहिन। 39 यीसु उनखे लघे ठाढ़ होइके बोखार काहीं डाँटिन,
तबहिनय उनखर बोखार उतरि गे, अउर ऊँ तुरन्तय उठिके उनखर सेबा-
सहाई करँइ लागीं।
40 सुरिज बूड़ँइ के समय, जेखे-जेखे घर माहीं कइअक मेर के बिमारिन से
मनई परे रहे हँय, ऊँ सगले जन उनहीं यीसु के लघे लइ आएँ, अउर यीसु
सगलेन के ऊपर आपन हाँथ धइके नीक कइ दिहिन। 41 अउर बुरी आत्मा
घलाय चिल्लात अउर इआ कहत, कि "तूँ परमातिमा के लड़िका आह्या",
खुब मनइन से निकर गईं। पय यीसु उनहीं डाँटिके बोलँइ नहीं देत रहे आहीं,
काहेकि ऊँ बुरी आत्मा जानत रही हँय, कि ईं मसीह आहीं।

यहूदी सभाघरन माहीं प्रचार करब
(मरकुस 1:35-39)

42 जब सकार भ, तब यीसु उहाँ से निकरिके सुनसान जघा माहीं गें, अउर
भीड़ के भीड़ मनई उनहीं ढूँढ़त-ढूँढ़त उनखे लघे पहुँचिगें, अउर उनहीं रोंकँइ
लागें, कि अपना हमरे लघे से न जई। 43 पय यीसु उनसे कहिन, "हमहीं
दुसरेव सहरन माहीं परमातिमा के राज के खुसी के खबर सुनाउब जरूरी
हय, काहेकि हम एहिन खातिर पठए गएन हय।" 44 अउर यीसु गलील प्रदेस
के सभाघरन माहीं जाइ-जाइके प्रचार करत रहिगें।

पहिल चेलन के बोलाबा जाब
(मत्ती 4:18-22; मरकुस 1:16-20)

5 जब भीड़ के मनई परमातिमा के बचन सुनँय के खातिर यीसु के
उपरय गिरे परत रहे हँय, अउर ऊँ गन्नेसरत के झील के किनारे ठाढ़
रहे हँय, तब अइसन भ, 2 कि यीसु झील के किनारे दुइठे नाव लगी देखिन,
अउर मछुआरा लोग उनसे उतरिके जाल धोबत रहे हँय। 3 उँइ नावन म से
एकठे जउन समौन के रही हय, ओहिन माहीं यीसु चढ़िके, समौन से बिनती
किहिन, कि नाव काहीं थोर क किनारे से हटाय लइ चला। तब यीसु नाव
माहीं बइठिके सगले भीड़ के मनइन काहीं उपदेस देंइ लागें। 4 जब यीसु
उपदेस दइ चुकें, तब समौन से कहिन, "नाव काहीं गहिल पानी माहीं लइ
चला, अउर मछरी पकड़ँइ के खातिर आपन जाल डारा।" 5 समौन उनहीं
जबाब दिहिन, "हे मालिक, हम पंचे सगली रात मेहनत किहेन, पय
एक्कवठे मछरी नहीं पाएन, तऊ अपना के कहे से हम जाल डारब।" 6 जब
ऊँ पंचे जाल डारिन, तब खुब मछरी जाल माहीं आय गईं, अउर उनखर
जाल फाटँय लाग। 7 इआ देखिके, ऊँ पंचे अपने साथिन काहीं जऊँ दुसरे
नाव माहीं रहे हँय, इसारा किहिन, कि आइके हमार मदत करा, अउर ऊँ पंचे
आइके दोनव नावन माहीं एतनी मछरी भर लिहिन, कि नाव बूड़ँइ लागीं।
8 इआ देखिके समौन पतरस यीसु के गोड़न गिरिके कहिन, "हे प्रभू, अपना
हमरे लघे से चले जई, काहेकि हम खुब पापी मनई हएन!" 9 काहेकि, एतनी
मछरिन के पकड़ी जाँय के कारन, समौन अउर उनखे सगले साथिन काहीं
बड़ा अचरज भ, 10 अउर उहइमेर जब्दी के लड़िका याकूब अउर यूहन्ना
काहीं घलाय बड़ा अचरज भ, जउन समौन के साथ मछरी मारँइ माहीं
भागीदार रहे हँय। तब यीसु समौन से कहिन, "डेरा न, अब से तूँ परमातिमा
के खातिर मनइन काहीं तइआर कइके लइ आमँइ बाले बनिहा।" 11 अउर ऊँ
पंचे नावन काहीं किनारे माहीं लइ आएँ, अउर सब कुछ उहँय छोंड़िके, यीसु
के पीछे चल दिहिन।

कोढ़ी काहीं नीक करब
(मत्ती 8:1-4; मरकुस 1:40-45)

12 जब यीसु एकठे सहर माहीं रहे हँय, त उहाँ कोढ़ रोग से भरा एकठे
मनई आबा; अउर उआ यीसु काहीं देखतय, उनखे गोड़न गिरिके बिनती
किहिस, "हे प्रभू, अगर अपना चाही त, हमही सुद्ध कइ सकित हएन।"
13 यीसु आपन हाँथ बढ़ाइके ओही छुइन अउर कहिन, "हम चाहित हएन,
कि तूँ सुद्ध होइजा।" अउर तुरन्तय ओखर कोढ़ के बिमारी नीक होइगे।
14 तब यीसु ओही चेतउनी दइके कहिन, कि "देखा कोहू से कुछू न कह्या,
पय जाइके अपने-आप काहीं याजक क देखाबा, अउर अपने सुद्ध होंइ के
बारे माहीं जउन चढ़ाबा चढ़ामँइ काहीं मूसा नबी ठहराइन हीं, उहय भेंट
चढ़ाबा, कि जउने तोंहरे समाज के लोगन के खातिर गबाही ठहरय।" 15 पय
यीसु के चरचा अउर फइलत गय, अउर भीड़ के भीड़ मनई उनखर उपदेस
सुनँय, अउर अपने बिमारिन से नीक होंइ के खातिर एकट्ठा होइगें। 16 पय
यीसु गाँव से दूरी सुनसान जघा माहीं जाइके प्राथना करा-करत रहे हँय।

लोकबा के मरीज काहीं नीक करब
(मत्ती 9:1-8; मरकुस 2:1-12)

17 एक दिन अइसन भ, कि यीसु उपदेस देत रहे हँय, अउर फरीसी अउर
मूसा के बिधान सिखामँइ बाले उहाँ बइठ रहे हँय, जउन गलील अउर
यहूदिया प्रदेस के खुब गाँमन से, अउर यरूसलेम सहर से आएँ तय। अउर
बिमारन काहीं नीक करँइ के प्रभू के सामर्थ यीसु के साथ रही हय। 18 उहय
समय कइअक जने एकठे लोकबा के मरीज काहीं खटिया माहीं पराइके लइ
आएँ, अउर ऊँ पंचे उआ मरीज काहीं भीतर लइ जाइके यीसु के आँगे धरँइ
के उपाय करँइ लागें। 19 अउर जब ऊँ पंचे भीड़ के कारन यीसु के लघे नहीं
पहुँच पाएँ, तब उँ पंचे घर के छान्ही माहीं चढ़िके, खपरइल काहीं ठाठ समेत
उतिनके, उआ रोगी काहीं खटिया समेत भीड़ के बीच माहीं यीसु के आँगे
उतार दिहिन। 20 यीसु, उनखे बिसुआस काहीं देखिके, उआ लोकबा के
मरीज से कहिन, "हे बेटबा, तोंहार पाप माफ होइगें।" 21 तब मूसा के
बिधान सिखामँइ बाले, अउर फरीसी लोग गुस्साइके आपस माहीं बातचीत
करँइ लागें, "इआ को आय, जउन परमातिमा के बुराई करत हय?
परमातिमा काहीं छोंड़िके, अउर को पाप माफ कइ सकत हय?" 22 यीसु
उनखे मन के बात काहीं जानिके, उनसे कहिन, "तूँ पंचे अपने-अपने मनन
माहीं का बाद-बिबाद करते हया? 23 सरल का हय? का लोकबा के मरीज से
इआ कहब, 'तोंहार पाप माफ होइगें' इआ कि इआ कहब, कि 'आपन
खटिया उठाइके चला फिरा'? 24 पय जउने तूँ पंचे इआ जानिल्या, कि मनई
के लड़िका काहीं धरती माहीं पाप माफ करँइ के घलाय अधिकार हय।"
यीसु उआ लोकबा के मरीज से कहिन, "हम तोंहसे कहित हएन, कि उठा,

आपन खटिया उठाइके अपने घर चले जा।” 25 उआ हरबिन सगलेन के
अँगुअय उठा, अउर जउने खटिया माहीं परा रहा हय, ओही उठाइके
परमातिमा के बड़ाई करत अपने घरय चला ग। 26 इआ सगला हाल देखिके,
सगले जन अचरज मानिन, अउर परमातिमा के बड़ाई करँइ लागें, अउर मारे
डेरन के कहँइ लागें, “आज हम पंचे अजीब बात देखेन हय!”

लेबी काहीं बोलाबा जाब

(मत्ती 9:9-13; मरकुस 2:13-17)

27 एखे बाद यीसु घर से बहिरे चलेगें, अउर लेबी नाम के एकठे चुंगी लेंइ
बाले मनई काहीं चुंगी नाका माहीं बइठे देखिन, अउर उनसे कहिन, “हमरे
पीछे चले आबा।” 28 तब लेबी उठिके सब कुछ उहँइ छोंड़िके, यीसु के पीछे
चल दिहिन।
29 अउर लेबी अपने घर माहीं यीसु के खातिर बड़ी जेउनार किहिन, जउने
माहीं सगले चुंगी लेंइ बाले, अउर खुब मनइन के भीड़ यीसु के साथ खाना
खाँइ बइठिगें। 30 इआ सब देखिके, मूसा के बिधान सिखामँइ बाले, अउर
फरीसी लोग, यीसु के चेलन से इआ कहिके बरबराँय लागें, “तूँ पंचे चुंगी लेंइ
बालेन, अउर पापी लोगन के साथ काहे खाते-पीते हया?” 31 यीसु उनहीं
जबाब दिहिन, “बैद, के जरूरत नीक-सूख मनइन के खातिर नहीं, बलकिन
बिमारन के खातिर परत ही। 32 अउर जे कोऊ इआ सोचत हें, कि हम पापी
नहिं आहेन उनहीं नहीं, बलकिन पापी लोगन काहीं पाप करब छोंड़िके
परमातिमा के गइल माहीं चलँइ के खातिर बोलामँइ आएन हँय।”

उपासे रहँइ के बारे माहीं प्रस्न

(मत्ती 9:14-17; मरकुस 2:18-22)

33 ऊँ पंचे यीसु से कहिन, “यूहन्ना के चेला लोग अउर फरीसी लोगन के
चेला लोग हमेसा उपासे रहिके, प्राथना करत हें, पय अपना के चेला लोग
काहे खात-पिअत हें; उपासे नहीं रहँय।” 34 यीसु उनसे कहिन, “का तूँ पंचे
बरातिन से, जब तक दुलहा उनखे साथ माहीं रहत हय, त उपास कराय
सकते हया? नहीं। 35 पय ऊँ दिन अइहँय, जउने माहीं दुलहा बरातिन से
अलग कीन जई, तब ऊँ पंचे उपासे रइहँय।”
36 यीसु अउर एकठे उदाहरन दइके कहिन, “कउनव मनई नबा ओन्हा म
से फारिके पुरान ओन्हा माहीं पट्टी नहीं लगाबय, नहीं त नबा ओन्हव फाट
जई अउर उआ पट्टी पुरान ओन्हा माहीं मेलव न खई। 37 अउर कउनव मनई
नबा अंगूर के रस काहीं, पुरान मसकन माहीं भरिके नहीं धरय, काहेकि नबा
अंगूर के रस पुरान मसकन काहीं फारिके बहि जई, अउर मसकँय घलाय
बरबाध होइ जइहँय। 38 एसे नबा अंगूर के रस नई मसकन माहीं भरँइ चाही।
39 कउनव मनई पुरान अंगूर के रस पिके, नबा अंगूर के रस नहीं पिअँइ
चाहय, काहेकि उआ कहत हय, कि पुरानय अंगूर के रस निकहा हय।”

पबित्र दिन के प्रभू

(मत्ती 12:1-8; मरकुस 2:23-28)

6 यीसु पबित्र दिन काहीं खेतन के किनारे-किनारे जात रहे हँय, अउर
उनखर चेला लोग गोहूँ के बाली टोरि-टोरिके अउर हाँथे से मीज-
मीजिके खात जात रहे हँय। 2 तब फरीसी लोगन म से कुछ जने कहँइ लागें,
“तूँ पंचे उआ काम काहे करते हया, जउन मूसा के बिधान के मुताबिक
पबित्र दिन काहीं करब उचित नहिं आय?” 3 तब यीसु उनहीं जबाब दिहिन,
“काहे तूँ पंचे पबित्र सास्त्र माहीं इआ नहीं पढ़े आह्या, कि जब राजा दाऊद
अउर उनखर साथी भूँखे रहे हँय, त का किहिन तय? 4 राजा दाऊद कइसन
परमातिमा के घर माहीं गें, अउर भेंट चढ़ाई रोटिन काहीं खाइन, अउर अपने
साथिन काहीं घलाय खबाइन, जिनहीं खाँइका याजक लोगन काहीं छोंड़िके
अउर कोहू काहीं उचित नहीं रहा?” 5 अउर यीसु उनसे कहिन, कि “मनई के
लड़िका पबित्र दिन के घलाय प्रभू आहीं।”

झुरान हाँथ बाले मनई काहीं नीक करब

(मत्ती 12:9-12; मरकुस 3:1-6)

6 एक दिन अइसन भ, कि यीसु पबित्र दिन काहीं यहूदी सभाघर माहीं
जाइके उपदेस देंइ लागें; अउर उहाँ एकठे मनई बइठ रहा हय, जेखर दहिना
हाँथ झुरान रहा हय। 7 मूसा के बिधान सिखामँइ बाले अउर फरीसी लोग,
यीसु के ऊपर दोस लगामँइ के खातिर मोका ताकेन रहँय, कि देखी यीसु
पबित्र दिन काहीं ओही नीक करत हें, कि नहीं। 8 पय यीसु उनखे मन के
बात जानत रहे हँय; एसे ऊँ झुरान हाँथ बाले मनई से कहिन, “उठा, बीच
माहीं ठाढ़ होइजा।” अउर उआ उठिके ठाढ़ होइगा। 9 यीसु उनसे कहिन,
“हम तोंहसे इआ पूँछित हएन, कि मूसा के बिधान के मुताबिक, पबित्र दिन
काहीं का उचित हय, नीक करब, कि नागा करब; कोहू के प्रान बचाउब, कि
नास करब?” 10 तब यीसु चारिव कइती यहूदी सभाघर माहीं बइठे मनइन
कइती देखिके, उआ झुरान हाँथ बाले मनई से कहिन, “आपन हाँथ
बढ़ाबा।” उआ उहयमेर किहिस, अउर ओखर हाँथ पुनि निकहा होइगा।
11 पय ऊँ पंचे, आगबबूला होइके आपस माहीं बहँस करँइ लागें, कि हम पंचे
यीसु के साथ का करी?

बाराठे खास चेलन काहीं नियुक्त करब

(मत्ती 10:1-4; मरकुस 3:13-19)

12 ऊँ दिनन माहीं यीसु पहार माहीं प्राथना करँइ के खातिर गें, अउर
परमातिमा से प्राथना करँय माहीं सगली रात बिताइन। 13 जब दिन भ तब
यीसु अपने सगले चेलन काहीं बोलाइन, अउर उनमा से बारा जनेन काहीं
चुनि लिहिन, अउर उनहीं आपन खास चेला कहिन; 14 अउर उनखर नाम
इआमेर से हँय: समौन जिनखर नाम यीसु पतरस धराइन, अउर उनखर भाई
अन्द्रियास, अउर याकूब, अउर यूहन्ना, अउर फिलिप्पुस, अउर बरतुलमय,
15 अउर मत्ती, अउर थोमा, अउर हलफई के लड़िका याकूब, अउर समौन
जउन जेलोतेस कहाबत रहा हय, 16 अउर याकूब के लड़िका यहूदा, अउर
यहूदा इस्करियोती जउन यीसु काहीं धोका दइके, उनखे बिरोधिन के हाँथ म
पकड़ामँइ बाला बना।

सिच्छा देब अउर बिमारन काहीं नीक करब

(मत्ती 4:23-25)

17 तब यीसु उनखे साथ पहार से उतरिके समथर जघा माहीं ठाढ़ भें, अउर
उनखे चेलन के बड़ी भीड़, अउर सगले यहूदिया प्रदेस, अउर यरूसलेम
सहर, अउर सूर अउर सैदा प्रदेस के समुंद्र के किनारे से खुब मनई, 18 जउन
यीसु के उपदेस सुनँय के खातिर, अउर अपने बिमारिन से नीक होंइ के
खातिर उनखे लघे आएँ तय, उहाँ रहे हँय। अउर असुद्ध आत्मन से परेसान
मनई घलाय नीक कइ दीन जात रहे हँय। 19 भीड़ के सगले मनई यीसु काहीं
छुअँय चाहत रहे हँय, काहेकि यीसु से सामर्थ निकरिके सगले बिमारन काहीं
नीक करत रही हय।

आसीस अउर दुख के बचन

(मत्ती 5:1-12)

20 तब यीसु अपने चेलन कइती देखिके कहिन, “धन्य हया तूँ पंचे जउन
दीन हया, काहेकि परमातिमा के राज तोंहरय आय।”
21 “धन्य हया तूँ पंचे जउन अबे भूँखे हया, काहेकि संतुस्ट कीन जइहा।
धन्य हया तूँ पंचे जउन अबे रोउते हया, काहेकि हँसिहा।”
22 “धन्य हया तूँ पंचे जब मनई के लड़िका के कारन, संसार के मनई तोंहसे
दुसमनी रखिहँय, अउर तोंहईं अपने बीच से निकार देइहँय, अउर तोंहार
बुराई करिहँय, अउर तोंहईं बुरा जानिके तोंहार नाम अपने बीच म से काटि
देइहँय।”

23 उआ दिन तूँ पंचे आनन्दित होइके कूद्या, काहेकि देखा, तोंहरे खातिर
स्वरग माहीं बड़ा प्रतिफल मिली: उनखर बाप-दादा परमातिमा के सँदेस
बतामँइ बालेन के साथव इहइमेर से करत रहे हँय।
24 "पय हाय तोंहरे ऊपर जउन तूँ पंचे धनमान हया, काहेकि तूँ आपन
सान्ती पाय चुके हया।"
25 "हाय तोंहरे ऊपर जउन तूँ पंचे अबे संतुस्ट हया, काहेकि तूँ भूँखे
होइहा। हाय तोंहरे ऊपर जउन अबे हँसते हया, काहेकि सोक करिहा अउर
रोइहा।"
26 "हाय तोंहरे ऊपर जब संसार के मनई तोंहईं भला कहँय, काहेकि
उनखर बाप-दादा, परमातिमा के लबरी सँदेस बतामँइ बालेन के साथव,
अइसय करत रहे हँय।"

दुसमनन से प्रेम करब
(मत्ती 5:38-48; 7:12)

27 पय हम, तोंहसे सुनँय बालेन से कहित हएन, कि "अपने दुसमनन से
प्रेम करा; जउन तोंहसे दुसमनी करँय, उनखर भलाई करा। 28 जउन मनई
तोंहईं सराप देंय, उनहीं आसिरबाद द्या; जउन तोंहार अपमान करँय, उनखे
खातिर प्राथना करा। 29 जउन तोंहरे एकठे गाल माहीं थापड़ मारय, ओखी
कइती दुसरव गाल फेर दिहा; अउर जे तोंहार साल छड़ाय लेय, ओही
कुरथव लइ लेंइ दिहा; 30 अगर कोऊ तोंहसे कुछू माँगय, त ओही द्या, अउर
जे कोऊ तोंहार कउनव चीज छड़ाय लेय, ओसे न माग्या। 31 जइसन तूँ पंचे
चहते हया, कि दूसर मनई तोंहरे साथ बेउहार करँय, तुहूँ पंचे उनखे साथ
उहयमेर बेउहार करा। 32 अगर तूँ पंचे अपने प्रेम करँइ बालेन भर से प्रेम
करिहा, त तोंहार कउन बड़ाई? काहेकि पापिव मनई अपने प्रेम करँइ बालेन
से प्रेम करत हें। 33 अउर अगर तूँ पंचे अपने भलाई करँइ बालेन के साथ भर
भलाई करते हया, त तोंहार कउन बड़ाई? काहेकि पापिव मनई इहइमेर
करत हें? 34 अउर अगर तूँ पंचे उनहिन काहीं उधार द्या, जिनसे पुनि पामँइ
के आसा रखते हया, त तोंहार कउन बड़ाई? काहेकि पापिव मनई पापी
मनइन काहीं उधार देत हें, कि पुनि ओतनँइ पामँइ। 35 पय तूँ पंचे अपने
दुसमनन से प्रेम करा; अउर भलाई करा, अउर दुबारा न पामँइ के आसा
रखिके, उधार द्या, तब तोंहईं स्वरग माहीं बड़ा प्रतिफल मिली, अउर तूँ
परमप्रधान परमातिमा के सन्तान ठहरिहा, काहेकि परमातिमा उनहूँ के ऊपर
जउन धन्यबाद नहीं करँइ, अउर बुरे मनइन के उपरव किरपा करत हें।
36 जइसन तोंहार पिता परमातिमा दयालू हें, उहयमेर तुहूँ पंचे दयालू बना।"

दोस न लगाबा
(मत्ती 7:1-4)

37 "कोहू के ऊपर दोस न लगाबा, त परमातिमव तोंहरे ऊपर दोस न
लगइहँय। कोहू काहीं दोसी न ठहराबा, त परमातिमव तोंहईं दोसी न
ठहरइहँय। अउर तूँ पंचे दुसरेन के गलती माफ करिहा, त परमातिमव तोंहार
गलती माफ करिहँय।" 38 "तूँ पंचे अगर दुसरेन काहीं कुछू देइहा, त
परमातिमा के द्वारा तोंहऊँ काहीं दीन जई। उहय नाप माहीं हलाय-हलाइके
अउर दबाय-दबाइके पूर भरिके दीन जई, काहेकि जउने नाप से तूँ पंचे
दुसरेन काहीं नपते हया, उहय नाप से परमातिमव तोंहरे खातिर नपिहँय।"
39 यीसु पुनि उनहीं एकठे अउर उदाहरन दइके कहिन, "का एकठे आँधर
मनई, दुसरे आँधर मनई काहीं गइल बताय सकत हय? का ऊँ दोनव जने
गड्ढा माहीं न गिर परिहँय?" 40 कउनव चेला अपने गुरू से बड़ा नहीं होय,
पय अगर चेला सिद्ध होइ जई, त अपने गुरू कि नाईं होइ सकत हय।
41 तूँ अपने भाई के छोट गलती काहीं काहे देखते हया, जउन निन्च बुदी
उजार कि नाईं हय, अउर अपने बड़ी गलती काहीं नहीं देखते आह्या, जउन
खम्भा कि नाईं हय? 42 जब तोंहईं अपने आँखी के खम्भा नहीं देखाय, त तूँ
अपने भाई से कइसा कहि सकते हया, हे भाई, रुकि जा, तोंहरे आँखी के
निन्च बुदी उजार निकार देई? हे कपटी, पहिले अपने आँखी के खम्भा
निकार, तब जऊँ निन्च बुदी उजार तोरे भाई के आँखी माहीं ही, ओही
निकहा से देखिके निकारे पइहे।

जइसन बिरबा ओइसन फर
(मत्ती 7:16-20; 12:33-35)

43 "कउनव निकहा बिरबा अइसा नहीं होय, कि ओमा खराब फर लागँय,
अउर कउनव खराब बिरबा अइसा नहीं होय, कि ओमा निकहा फर लागँय।
44 हरेक बिरबा अपने फरय से पहिचाना जात हय; काहेकि मनई जरबइलन
से अंजीर नहीं टोर सकँय, अउर न झरबेरी से अंगूर। 45 इहइमेर निकहा मनई
अपने मन के निकहे भन्डार से, निकही बात निकारत हय; अउर बुरा मनई
अपने मन के बुरे भन्डार से, बुरी बात निकारत हय; काहेकि जउन मन म
भरा रहत हय, उहय ओखे मुँहे से निकरत हय।"

घर बनामँइ बाले दुइठे मनई
(मत्ती 7:24-27)

46 "जब तूँ पंचे हमार कहा नहीं मनते आह्या, त काहे हमहीं 'हे प्रभू, हे
प्रभू', कहते हया? 47 जे कोऊ हमरे लघे आबत हय, अउर हमरे बातन काहीं
सुनिके उनहिन के मुताबिक चलत हय, हम तोहईं बताइत हएन, कि उआ
केखी कि नाईं होत हय, 48 उआ, उआ मनई कि नाईं होत हय, जउन घर
बनाबत माहीं नेव गहिल खोदिस, अउर जब बड़ी काहीं चट्टान मिलगे,
ओहिन माहीं नेव भरिके घर बनाइस, अउर जब बाढ़ आई तब पानी के तेज
धार उआ घर से टकरानी, पय नहीं गिराए पाइन; काहेकि उआ पक्का घर
बना रहा हय। 49 पय जउन मनई हमरे बात काहीं सुनिके नहीं मानय उआ,
उआ मनई कि नाईं होत हय, जउन बिना नेव खोदे घर बनाइस, अउर जब
बाढ़ आई, अउर पानी के तेज धार के उआ घर से टकरातय, उआ घर
गिरिके, पूरी तरह से नास होइगा।"

एकठे सुबेदार के बिसुआस
(मत्ती 8:5-13)

7 जब यीसु मनइन से आपन सगली बातँय कहि चुकें, तब कफरनहूम
सहर माहीं आएँ, 2 उहाँ कउनव सुबेदार के एकठे पियार दास रहा हय,
त उआ खुब बिमार रहा हय, लागत रहा हय कि उआ मर जई। 3 सुबेदार
यीसु के खबर सुनिके यहूदी लोगन के कइयकठे अँगुअन काहीं यीसु के लघे
बिनती करँइ के खातिर पठइन, कि उँइ आइके हमरे दास काहीं नीक
कइदेंय। 4 ऊँ पंचे यीसु के लघे गें, अउर उनसे खुब बिनती कइके कहँइ
लागें, "सुबेदार इआ काबिल हें, कि अपना उनखे खातिर इआ काम करी,
5 काहेकि ऊँ हमरे यहूदी जाति से प्रेम करत हें, अउर उँइन हमरे सभाघर
काहीं बनबाइन हीं।" 6 तब यीसु उनखे साथ चल दिहिन, पय जब ऊँ घर के
लघेन पहुँचिगें, तब सुबेदार अपने कइयकठे साथिन से कहबाय पठइन, "हे
प्रभू, हमरे घर आमँइ के दुख न उठाई, काहेकि हम एखे काबिल नहिं
आहेन, कि अपना हमरे घर माहीं अई। 7 इहय कारन से, कि हम अपना के
लघे आमँइ के काबिल नहिं आहेन, इआ समझिके अपना के लघे नहीं
आएन, पय उहँइ से बचन कहि देई, त हमार दास नीक होइ जई। 8 हमहूँ
पराधीन मनई आहेन, अउर सिपाही हमरे अधीन हें; जब एकठे से कहित
हएन, कि 'जा' तब उआ जात हय; अउर जब दुसरे से कहित हएन, कि
'आव' तब उआ आबत हय; अउर अपने कउनव दास से कहित हएन, कि
'इआ कर' त उआ उहय करत हय।" 9 इआ बात सुनिके यीसु खुब अचरज
मानिन, अउर पीछे फिरिके उआ भीड़ के मनइन से जउन उनखे पीछे आबत
रहे हँय कहिन, "हम तोंहसे कहित हएन, कि हम इजराइल माहीं घलाय
अइसन बिसुआस नहीं पाएन।" 10 अउर सुबेदार के पठए साथी घर लउटिके
उआ सेबक काहीं नीक-सूख पाइन।

बिधबा के लड़िका काहीं जिआउब

11 कुछ दिन के बाद यीसु नाईन नाम के एकठे सहर माहीं जात रहे हँय,
उनखे साथ माहीं उनखर चेला लोग, अउर खुब झुन्ड के झुन्ड मनई जात रहे
हँय। 12 जब यीसु सहर के प्रबेस द्वार के लघे पहुँचे, त खुब मनई एकठे
लहास काहीं बहिरे लए जात रहे हँय; जउन अपने महतारी के एकलउता
लड़िका रहा हय; अउर उआ मेहेरिआ बिधबा रही हय; अउर उआ सहर के
खुब मनई उनखे साथ माहीं रहे हँय। 13 उआ बिधबा मेहेरिआ काहीं देखिके,
प्रभू काहीं दया आइगे, अउर यीसु कहिन, "न रोबा", 14 तब यीसु लघे
जाइके अरथी काहीं छुइन, अउर जउन अरथी उठाए रहे हँय, रुकिगें। तब
यीसु कहिन, "हे नवजमान, हम तोंहसे कहित हएन कि उठा!" 15 तब उआ
मुरदा उठ बइठ, अउर बोलँइ लाग। अउर यीसु ओही ओखे महतारी काहीं
सउँप दिहिन। 16 इआ देखिके सगले जन डेराइगें, अउर ऊँ पंचे परमातिमा के
बड़ाई कइके कहँइ लागें, "हमरे बीच माहीं परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले
एक जने खुब महान मनई आए हँय, अउर परमातिमा अपने लोगन के ऊपर
किरपा किहिन हीं।" 17 अउर यीसु के बारे माहीं इआ बात सगले यहूदिया
प्रदेस अउर लघे-लघे के प्रदेसन माहीं फइलिगे।

यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के पूँछब
(मत्ती 11:2-19)

18 यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले काहीं उनखर चेला लोग ईं सगली बातन के
खबर बताइन। 19 तब यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले अपने चेलन म से दुइ जनेन
काहीं बोलाइके, प्रभू के लघे इआ पूँछँइ के खातिर पठइन, कि "का आमँइ
बाले मसीह अपनय आहेन, कि हम पंचे अउर दुसरे के इन्तजार करी?"
20 उँइ दोनव जने यीसु के लघे आइके कहिन, "यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले
हमहीं अपना के लघे इआ पूँछँइ के खातिर पठइन हीं, कि का आमँइ बाले
मसीह अपनय आहेन, इआ कि हम पंचे दुसरे के इन्तजार करी?" 21 उहय
समय यीसु खुब मनइन काहीं बिमारिन अउर दुखन, अउर बुरी आत्मन से
छोड़ाइन, अउर खुब अँधरन काहीं नीक किहिन, अउर ऊँ देखँइ लागें;
22 अउर यीसु उनसे कहिन, "जउन कुछू तूँ पंचे देखे सुने हया, जाइके यूहन्ना
बपतिस्मा देंइ बाले से कहि दिहा; कि आँधर देखत हें; लाँगड़ चलँइ लागत
हें; कोढ़ी सुद्ध कीन जात हें; बहिर सुनँय लागत हें, मुरदा जिआए जात हें।
अउर कंगालन काहीं खुसी के खबर सुनाई जात ही। 23 पय धन्य हय उआ
मनई, जउन हमरे ऊपर कीन बिसुआस से कबहूँ नहीं भटकय।"
24 जब यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के चेला लोग उहाँ से चल दिहिन, तब
यीसु यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के बारे माहीं, उहाँ बइठ मनइन से कहँइ
लागें, "तूँ पंचे गाँव से दूरी सुनसान जघा माहीं का देखँइ गया तय? का हबा
से हालत सरकन्डा काहीं? 25 पुनि तूँ पंचे का देखँइ गया तय? का कोमर
ओन्हा पहिरे मनई काहीं? देखा, जउन कीमती ओन्हा पहिरे सुख-बिलास से
रहत हें, ऊँ राजमहलन माहीं रहत हें। 26 त पुनि तूँ पंचे का देखँइ गया तय?
का कउनव परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले काहीं? हाँ, हम तोंहसे कहित
हएन, बलकिन परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले से बड़े काहीं। 27 ईं, उँइन
आहीं, जिनखे बारे माहीं पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय:
'देखा, हम अपने दूत काहीं तोंहरे आँगे-आँगे पठइत हएन, जउन तोंहरे
खातिर मनइन काहीं तइआर करिहँय।'
28 हम तोंहसे कहित हएन, कि जउन बरी-बिआही मेहेरिअन से पइदा भें
हँय, उनमा से यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले से बढ़िके, कोऊ नहिं भ आय, पय
जउन परमातिमा के राज माहीं छोट से छोट हें, ऊँ यूहन्ना से बढ़िके हँय।"
29 अउर यीसु के इआ बात काहीं सुनिके, सगले साधारन मनई अउर चुंगी
लेंइ बाले घलाय, यूहन्ना से बपतिस्मा लइके परमातिमा काहीं सच्चा मान
लिहिन। 30 पय फरीसी लोग अउर मूसा के बिधान सिखामँइ बाले यूहन्ना से
बपतिस्मा न लइके, परमातिमा के इच्छा काहीं अपने बारे माहीं टार दिहिन।
31 "हम इआ समय के मनइन के तुलना केसे करी, कि ऊँ केखे कि नाईं
हें? 32 ऊँ पंचे ऊँ लड़िकन कि नाईं हें, जउन बजार माहीं बइठे एक दुसरे से
गोहराइके कहत हें, 'हम तोंहरे खातिर बसुरी बजाएन, अउर तूँ पंचे नहीं
नाच्या; अउर हम पंचे तोंहरे खातिर सोक के गाना गाएन, अउर तूँ पंचे नहीं
रोया!' 33 काहेकि यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले, न रोटी खात आएँ, अउर न
अंगूर के रस पिअत आएँ, अउर तूँ पंचे कहते हया, 'उनखे भीतर बुरी आत्मा
हय' 34 मनई के लड़िका, खात-पिअत आबा हय, अउर तूँ पंचे कहते हया,
'देखा, पेटू अउर पिआगी मनई काहीं, चुंगी लेंइ बालेन अउर पापिन के
साथी आय।' 35 पय परमातिमा के ग्यान के मुताबिक चलँइ बाले इआ बात
काहीं जाहिर करत हें, कि परमातिमा सच्चे हें।"

फरीसी के घर माहीं पापिन मेहेरिआ काहीं माफ करब

36 पुनि कउनव फरीसी यीसु से बिनती किहिस, कि ऊँ उनखे घर माहीं
उनखे साथ बियारी करँय चलँय, तब यीसु फरीसी के घर माहीं जाइके खाना
खाँय बइठें। 37 उआ सहर के एकठे पापिन मेहेरिआ, इआ जानिके, कि यीसु
फरीसी के घर माहीं खाना खाँय बइठ हें, संगमरमर के बरतन माहीं अँतर
लइके आई। 38 अउर यीसु के गोड़े के लघे पीछे ठाढ़ होइके, रोबत-रोबत
उनखे गोड़न काहीं आँसू से भिजाइके, अपने मूँड़े के बार से पोंछँइ लाग,
अउर उनखे गोड़ेन काहीं बेर-बेर चूम के अँतर मलिस। 39 इआ देखिके, उआ
फरीसी जउन यीसु काहीं बियारी करँय क बोलाइस रहा हय, अपने मन
माहीं सोचँइ लाग, "अगर ईं परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले होतें त इआ
जान जातें, कि इआ मेहेरिआ जऊँ उनहीं छुअत ही, त उआ को आय, अउर
कइसन मेहेरिआ ही, काहेकि उआ त पापिन मेहेरिआ आय।" 40 यीसु उनखे
बात काहीं जानिके जबाब दिहिन, "हे समौन, हमहीं तोंहसे कुछू कहँइ क
हय।" ऊँ कहिन, "हे गुरू, कही।" 41 "कउनव साहूकार के दुइठे रिनिहा रहे
हँय, एकठे पाँच सव, अउर दूसर पचास दिनार के रिनिहा रहा हय। 42 जब
उनखे लघे रिन पटामँइ के खातिर कुछू नहीं रहा, तब ऊँ साहूकार दोनव
जनेन के रिन माफ कइ दिहिन। एसे उनमा से कउन उनसे जादा प्रेम करी?"
43 समौन जबाब दिहिन, "हमरे समझ माहीं, उआ जउने के जादा रिन माफ
कीन ग हय।" तब यीसु उनसे कहिन, "तूँ ठीक जबाब दिहा हय।" 44 अउर
उआ मेहेरिआ कइती फिरिके यीसु समौन से कहिन, "का तूँ इआ मेहेरिआ
काहीं देखते हया? हम तोंहरे घर माहीं आएन, अउर तूँ हमरे गोड़ धोमँइ के
खातिर पानिव तक नहीं दिहा, पय इआ मेहेरिआ हमरे गोड़न काहीं अपने
अँसुअन से फुलाइके, अउर अपने मूँड़े के बालन से पोंछिस ही। 45 तूँ अपने
रीत के मुताबिक हमहीं चूमा नहीं दिहा, पय जब से हम आएन हय, तब से
इआ मेहेरिआ हमरे गोड़न काहीं चूँमब नहीं छोंड़िस। 46 तूँ हमरे मूँड़े माहीं
तेल नहीं मल्या, पय इआ हमरे गोड़े माहीं अँतर मलिस ही। 47 एसे हम
तोंहसे कहित हएन, कि इआ मेहेरिआ के पाप जउन खुब रहे हँय, माफ
होइगें, काहेकि इआ मेहेरिआ खुब प्रेम किहिस ही; पय जेखर थोरका पाप
माफ होत हें, उआ थोरिन क प्रेम करत हय।" 48 अउर यीसु उआ मेहेरिआ
से कहिन, "तोंहार पाप माफ होइगें।" 49 तब जउन मनई उनखे साथ खाना
खाँइ बइठ रहे हँय, ऊँ पंचे अपने-अपने मन माहीं सोचँइ लागें, "ईं को
आहीं, जउन पापन काहीं माफ करत हें?" 50 पय यीसु उआ मेहेरिआ से
कहिन, "तोंहार बिसुआस तोहँई बचाय लिहिस ही, नीके कुसल चले जा।"

यीसु के सेबिकाएँ

8 एखे बाद यीसु सहरन-सहरन अउर गाँमन-गाँमन प्रचार करत, अउर
परमातिमा के राज के खुसी के खबर सुनाबत घूमँइ लागें, अउर ऊँ
बरहूँ चेलव उनखे साथ माहीं रहे हँय, 2 अउर कुछ मेहेरिअव रही हँय, जउन
बुरी आत्मन से छोंड़ाई अउर बिमारिन से नीक कीन गईं तय, अउर ऊँ पंचे ईं
आहीं: मरियम जउन मगदलीनी कहाबत रही हँय, जउने म से सातठे बुरी
आत्मा निकरीं तय, 3 अउर हेरोदेस राजा के भन्डारी खुजा के मेहेरिआ

योअन्ना, अउर सूसन्नाह, अउर खुब दुसरव मेहेरिआ रही हँय, ईं अपने धन सम्पत्ति से यीसु के सेबा करत रही हँय।

बीज बोमँइ बाले किसान के उदाहरन
(मत्ती 13:1-9; मरकुस 4:1-9)

4 जब खुब भीड़ एकट्ठा होइगे, अउर हरेक सहर के मनई उनखे लघे चले
आबत रहे हँय, तब यीसु एकठे उदाहरन दइके कहिन: 5 “एकठे बीज बोमँइ
बाला बीज बोमँइ निकरा। अउर बोबत समय कुछ बीज गइल के किनारे
गिरें, अउर कचरिगें, अउर अकास म उड़ँइ बाले पच्छी आइके उनहीं खाय
लिहिन। 6 कुछ बीज पथरही भुँइ माहीं गिरें, अउर हरबी जामि आएँ, जहाँ
उनहीं गहिल माटी नहीं मिली, इआ कारन से झुराइगें। 7 कुछ बीज
जरबइलन म गिरें, अउर जामि आएँ, पय ऊँ जरबइला साथय-साथ बाढ़िके
उनहीं दबाय लिहिन। 8 कुछ बीज निकही भुँइ माहीं गिरें, अउर जामिके, सव
गुना फर लइ आएँ।” एतना कहिके यीसु खुब चंडे कहिन, “जेखर सुनँय के
मन होय, उआ बड़े ध्यान से सुन लेय।”

उदाहरनन के उद्देस्य
(मत्ती 13:10-17; मरकुस 4:10-12)

9 अउर चेला लोग यीसु से पूँछिन, कि इआ उदाहरन के मतलब का हय?
10 यीसु उनसे कहिन, “परमातिमा के राज के जउने बातन काहीं दूसर लोग
नहीं जानँय, ऊँ बातन काहीं परमातिमा तोहईं समझाइन हीं, पय सगली बात
दुसरे लोगन काहीं उदाहरन माहीं सुनाई जाती हँय, एसे कि
‘ऊँ पंचे परमातिमा के महिमा काहीं देखत हें, पय देखेव से जाने नहीं
पामँय, अउर अपने कानन से सुनत हें, पय सुनेव से नहीं समझे पामँय’।”

बीज बोमँइ बाले उदाहरन के मतलब
(मत्ती 13:18-23; मरकुस 4:13-20)

11 “इआ उदाहरन के मतलब इआमेर हय: बीज परमातिमा के बचन
आय। 12 गइल के किनारे गिरे बीज ऊँ आहीं, जउन परमातिमा के बचन
काहीं सुनिन; पय कुछ देर बाद सइतान आइके उनखर सुनी बात काहीं
बिसराय देत हय, कि कहँव अइसा न होय, कि ऊँ पंचे परमातिमा के बचन
के बिसुआस कइलेंय अउर पाप से छुटकारा पाय जाँय। 13 कुछ जने पथरही
जमीन माहीं बोए बीज कि नाईं होत हें, जउन परमातिमा के बचन काहीं
सुनिके, मारे उराव के अपनाय लेत हें। पय अपने जीबन माहीं परमातिमा के
सँदेस काहीं गहराई से लागू नहीं करँइ, एसे कुछ दिनन तक मानत हें, पय
बाद माहीं जबहिन परमातिमा के बचन के कारन दुख अउर कस्ट मिलत हें,
त हरबिन परमातिमा के बचन काहीं मानब छोंड़ि देत हें। 14 जउन बीज
जरबइला माहीं गिरें, ऊँ ईं आहीं, जउन परमातिमा के बचन काहीं सुनिन,
अउर आँगे चलिके घर-परिबार के चिन्ता, अउर धन के लालच, अउर जीबन
के सुख-बिलास माहीं फँसिके परमातिमा के बचन काहीं बिसराय देत हें,
अउर परमातिमा के आसीस नहीं पामँय। अउर बिना फर के बिरबा कि नाईं
होइ जात हें। 15 पय जउन निकही भुँइ म बोए बीज कि नाईं होत हें, ऊँ पंचे
ईं आहीं, जऊँ परमातिमा के बचन काहीं सुनिके, पूरे बिसुआस के साथ
अपनाबत हें, अउर अपने हिरदँय के भले भन्डार माहीं सम्हारे रहत हें, अउर
धीरज धइके फर लइ आबत हें।”

दिया के उदाहरन
(मरकुस 4:21-25)

16 “कउनव मनई दिया जलाइके बरतन के नीचे नहीं मूदय, अउर न
खटिया के नीचे धरय, बलकिन ऊँचे जघा माहीं धरत हय, कि घर के भीतर
आमँइ बाले उँजिआर पामँय। 17 जउन कुछू बिचार मनइन के मन माहीं हें,
परमातिमा उनहीं प्रगट करिहँय, अउर हमरे जीबन के सगली छिपी बातन
काहीं परमातिमा जानत हें। 18 एखे बारे माहीं तूँ पंचे सतरक रहा, कि तूँ पंचे
कउनमेर सुनते हया? काहेकि जे कोऊ परमातिमा के बचन काहीं अउर
निकहा से जानँइ के कोसिस करत हय, परमातिमा ओही अउर आत्मिक
ग्यान देत हें, पय जे कोऊ परमातिमा के बचन काहीं जानँइ के कोसिस नहीं
करय, त ओखे लघे जउन ग्यान रहत हय, उहव बिसरि जात हय, जेही उआ
आपन समझत हय।”

यीसु के महतारी अउर भाई
(मत्ती 12:46-50; मरकुस 3:31-35)

19 तब यीसु के महतारी अउर भाई लोग उनखे लघे आएँ, पय खुब भीड़
होंइ के कारन उनसे नहीं मिल पाएँ। 20 तब कुछ जने यीसु से कहिन, “देखी,
अपना के महतारी अउर भाई लोग बहिरे ठाढ़ हें, अउर अपना से मिलँइ
चाहत हें।” 21 इआ सुनिके यीसु बोलामँइ बालेन से कहिन, “देखा हमार
महतारी अउर हमार भाई ईं पंचे आहीं, जउन परमातिमा के बचन काहीं
सुनत हें, अउर मानत हें।”

तेज आँधी काहीं रोंकब
(मत्ती 8:23-27; मरकुस 4:35-41)

22 एक दिन पुनि यीसु अउर उनखर चेला लोग नाव माहीं चढ़ें, तब यीसु
उनसे कहिन, “आबा झील के उआ पार चली।” तब ऊँ पंचे नाव काहीं छोर
दिहिन। 23 पय जब नाव चलत रही हय, तब यीसु नाव माहीं सोइगें,
तबहिनय खुब तेज आँधी चलँइ लाग, अउर पानी के तेज हिलकोरा से नाव
माहीं पानी भरँय लाग, अउर ऊँ पंचे बड़ी मुसीबत माहीं परिगें। 24 तब चेला
लोग जाइके यीसु काहीं जगाइके उनसे कहिन, “हे स्वामी! हम पंचे बूड़े
जइत हएन।” तब यीसु उठिके आँधी अउर पानी के लहरन काहीं डाँटिन, त
ऊँ रुकि गईं, अउर सान्ती होइगे। 25 तब यीसु चेलन से कहिन, “काहे तोंहईं
अबहिनव तक हमरे ऊपर बिसुआस नहिं आय?” पय ऊँ पंचे खुब डेराइगें
तय, अउर खुब अचरज मानिके आपस माहीं कहँइ लागें, “ईं को आहीं, कि
आँधी, पानी तक काहीं हुकुम देत हें, अउर ऊँ घलाय उनखर कहा मानत
हें?”

बुरी आत्मा से परेसान मनई काहीं नीक करब
(मत्ती 8:28-34; मरकुस 5:1-20)

26 एक दिन यीसु, अउर उनखर चेला लोग गिरासेनी लोगन के देस माहीं
पहुँचिगें, जउन गलील प्रदेस के सउहें दुसरे पार रहा हय। 27 जइसय यीसु
नाव से उतरें, ओतनिनदार उआ सहर के एकठे मनई उनहीं मिला, जउने
माहीं बुरी आत्मा सकान रही हँय। उआ खुब दिनन से ओन्हा नहीं पहिरत
रहा आय, अउर न घरय माहीं रहत रहा आय, बलकिन उआ कब्रन माहीं रहा
करत रहा हय। 28 उआ यीसु काहीं देखिके चिल्लान, अउर उनखे गोड़न
गिरिके खुब चन्डे कहिस, “हे यीसु परमप्रधान परमातिमा के लड़िका! हमार
अपना से कउनव काम नहिं आय। हम अपना से चरउरी करित हएन, कि
हमहीं दुख न देई।”
29 काहेकि यीसु, ऊँ बुरी आत्मन काहीं, उआ मनई से बहिरे निकर जाँइ के
हुकुम देत रहे हँय, ऊँ बुरी आत्मा उआ मनई काहीं बेर-बेर परेसान करत रही
हँय। जब कि सगले जन मिलिके ओही कइअक बेरी बेंड़ियन, अउर सँकरिन
से बाँधिन तय, पय उआ उनहीं टोर डारत रहा हय। अउर ऊँ बुरी आत्मा
उआ मनई काहीं गाँव से दूरी सुनसान जघन माहीं भगाए फिरत रही हँय।
30 यीसु ओसे पूँछिन, “तोंहार का नाम हय?” उआ यीसु से कहिस, “हमार
नाम सेना हय।” काहेकि ओखे भीतर खुब बुरी आत्मा सकान रही हँय।
31 अउर ऊँ बुरी आत्मा यीसु से खुब चरउरी किहिन, कि हमहीं अथाह कुन्ड
माहीं जाँइ के हुकुम न देई। 32 ओहिनठे पहार माहीं सुमरन के एकठे बड़ा
भारी झुन्ड चरत रहा हय, ऊँ बुरी आत्मा यीसु से चरउरी कइके कहिन, कि
हमहीं ऊँ सुमरन के ऊपर पठय देई, जउने हम पंचे उनखे भीतर सकाय जई,
तब यीसु, ऊँ बुरी आत्मन काहीं हुकुम दइ दिहिन। 33 अउर ऊँ बुरी आत्मा

उआ मनई से निकरिके, ऊँ सुमरन के भीतर सकाय गईं, अउर सुमरन के झुन्ड पहार के उतारा से दउड़िके झील माहीं कूद परा, अउर सगले सुमर बूड़िके मरिगें।

34 अउर इआ जऊँ भ रहा हय, देखिके सुमरन काहीं चरामँइ बाले सगले
भागिके, सहर अउर लघे के गाँमन माहीं जाइके सगला हाल बताइन।
35 इआ जऊँ भ रहा हय, देखँइ के खातिर खुब जने आएँ। अउर यीसु के लघे
आइके, उआ मनई काहीं जउने म से बुरी आत्मा निकरी रही हँय, ओन्हा
पहिरे यीसु के गोड़े के लघे नीक-सूख बइठे देखिके डेराइगें; 36 जउन मनई
इआ घटना काहीं देखिन तय, ऊँ मनइन से जऊँ देखँइ आएँ तय बताइन, कि
जउने माहीं बुरी आत्मा रही हँय, उआ कउनमेर से निकहा भ हय। 37 तब उँइ
सगले जउन गिरसेनी प्रदेस के लघे-लघे के सहरन अउर गाँमन से देखइआ
आएँ तय, यीसु से बिनती कइके कहँइ लागें, कि अपना हमरे इहाँ से चले
जई; काहेकि ऊँ पंचे खुब डेराइगें तय। तब यीसु नाव माहीं चढ़िके लउटिगें।
38 तबहिनय उआ मनई जउने म से बुरी आत्मा निकरी रही हँय, यीसु से
बिनती करँइ लाग, हमहूँ काहीं अपने साथय रहँइ देई, पय यीसु ओही बिदा
कइके कहिन, 39 "अपने घर जाइके अपने परिबार बालेन से बताबा, कि
परमातिमा तोंहरे ऊपर बड़ी दया कइके, केतना बड़ा काम किहिन हीं।"
उआ मनई जाइके सगले सहर माहीं प्रचार करँइ लाग, कि यीसु हमरे खातिर
केतना बड़ा काम किहिन हीं।

याईर के मरी बिटिया अउर एकठे बिमार मेहेरिआ

(मत्ती 9:18-26; मरकुस 5:21-43)

40 जब यीसु नाव माहीं चढ़िके झील के दुसरे पार आइगें, तब खुब मनई
उनसे आनन्द के साथ मिलें, काहेकि ऊँ पंचे यीसु के इन्तजार करत रहे हँय।
41 एतनेन माहीं याईर नाम के एकठे मनई, जउन यहूदी सभाघर के मुखिया
रहे हँय आएँ, अउर ऊँ यीसु के गोड़न गिरिके, उनसे बिनती करँइ लागें, कि
अपना हमरे घर चली, 42 काहेकि उनखे बारा बरिस के एकलउती बिटिया
रही हय, अउर उआ खुब बिमार रही हय, लागत रहा हय कि मर जई। जब
यीसु उनखे साथ जात रहे हँय, तब एतनी भीड़ रहय, कि लोग उनखे उपरय
गिरे परत रहे हँय।

43 भीड़ माहीं एकठे मेहेरिअव रही हय, जउने काहीं बारा बरिस से खून
बहँइ के बिमारी रही हय। उआ मेहेरिआ, खुब बैदन से आपन दबाई
करबाइस रहा हय, इहाँ तक कि आपन सगली धन-सम्पत्ती खरचा कइ
डारिस, पय कउनव बैदन से निकही नहीं भय, 44 उआ मेहेरिआ भीड़ माहीं
पीछे से आइके यीसु के ओन्हा के छोर काहीं छुइस, अउर छूतय ओखर खून
बहब बन्द होइगा। 45 तबहिनय यीसु कहिन, "हमहीं को छुइस ही?" जब
सगले जन कहँइ लागें, हम नहीं छुएन, तब पतरस अउर उनखर चेला लोग
यीसु से कहिन, "हे मालिक, अपना काहीं त सगले भीड़ के मनई दबाए
डारत हें, अउर अपना के उपरय गिरे परत हें।" 46 पय यीसु कहिन, "हमहीं
कोऊ छुइस ही, काहेकि हम जान लिहेन हय, कि हमरे देंह से सामर्थ निकरी
हय।" 47 तब उआ मेहेरिआ इआ जानिके, कि हम लुक नहीं सकी, कँपतय-
काँपत आई, अउर यीसु के गोड़ेन माहीं गिरिके, सगले मनइन के आँगे
बताइस, कि हम कउने कारन से अपना काहीं छुएन, अउर छूतय नीक होइ
गएन। 48 यीसु उआ मेहेरिआ से कहिन, "बिटिआ, तूँ हमरे ऊपर बिसुआस
किहा हय, एसे नीक होइ गया हय, नीके कुसल अपने घर चले जा।"

49 यीसु इआ बात कहतय रहे हँय, कि यहूदी सभाघर के मुखिया के घर से
कउनव आइके कहिस, "तोंहार बिटिया मरिगे ही, अब गुरू काहीं जाँइ के
तकलीफ न द्या।" 50 यीसु इआ सुनिके यहूदी सभाघर के मुखिया याईर से
कहिन, "डेरा न, केबल बिसुआस करा, त तोंहार बिटिआ बच जई।" 51 यीसु
याईर के घर माहीं आइके पतरस, यूहन्ना, याकूब अउर बिटिआ के महतारी-
बाप काहीं छोंड़िके, अउर कोहू काहीं अपने साथ भीतर नहीं आमँइ दिहिन।
52 सगले घर के मनई उआ बिटिया के खातिर खुब रोबत-पीटत रहे हँय, तब
यीसु उनसे कहिन, "रोबा न बिटिया मरी नहिं आय, उआ सोबत ही।" 53 ऊँ
पंचे इआ जानिके कि बिटिया मरिगे ही, यीसु के मजाक उड़ामँइ लागें।

54 पय यीसु उआ बिटिया के हाँथ पकड़िके चंडे से कहिन, "हे बिटिया उठ!"
55 तब ओखर प्रान लउटि आएँ, अउर उआ हरबिन उठ बइठ। तब यीसु
ओखे महतारी-बाप काहीं हुकुम दिहिन, कि बिटिया काहीं कुछू खाँय-पिअँइ
काहीं द्या। 56 उआ बिटिया के महतारी-बाप अचरज मानिन, पय यीसु उनहीं
चेताइन, कि इआ जउन भ हय, कोहू से न बताया।

बाराठे खास चेलन काहीं पठउब

(मत्ती 10:5-15; मरकुस 6:7-13)

9 एक दिन यीसु बरहँव चेलन काहीं अपने लघे बोलाइके, उनहीं बुरी
आत्मन काहीं निकारँइ के, अउर बिमारन काहीं नीक करँइ के सामर्थ
अउर अधिकार दिहिन। 2 अउर उनहीं परमातिमा के राज के प्रचार करँइ,
अउर बिमारन काहीं नीक करँइ के खातिर पठइन। 3 अउर यीसु उनसे
कहिन, "गइल के खातिर कुछू न लिहा, न त लाठी, न त झोरिया, न त रोटी,
न त पइसा, अउर न त दुइ-दुइठे कुरथा। 4 अउर जेखे घर माहीं तूँ पंचे जया,
त जब तक उहाँ से बिदा न होया, तब तक उहय घर माहीं रहे अया। 5 जउने
गाँव के मनई तोंहईं पंचन काहीं सोइकार न करँय, अउर परमातिमा के सँदेस
न सुनँय, त उआ गाँव से चलत समय उनखे अँगुअय, अपने गोड़ेन के धूधुर
झार दिहा, कि जउने परमातिमा के सँदेस माहीं बिसुआस न करँइ के सजा
के भागीदार उँइन होइहँय, इआ गबाही होई।" 6 तब चेला लोग उहाँ से
निकरिके हरेक गाँमन माहीं परमातिमा के खुसी के खबर सुनाबत, अउर
हरेक जघन माहीं बिमार मनइन काहीं नीक करत फिरत रहिगें।

हेरोदेस राजा के परेसानी

(मत्ती 14:1-12; मरकुस 6:14-29)

7 एक दिन यहूदिया प्रदेस के चउथ हिस्सा के राजा हेरोदेस इआ सुनिके
घबराइगें, कि यीसु के हाँथ से खुब सामर्थ के काम होत हें, काहेकि कइयक
जने इआ कहत रहे हँय, कि यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले मरिके जि आए हँय,
8 अउर कुछ जने कहिन, कि एलिय्याह देखाई दिहिन हीं। पय अउर कुछ
जने कहँइ लागें, जऊँ पहिले परमातिमा के सँदेस सुनामँइ बाले रहे हँय,
उनहिन म से कोऊ जि आए हँय। 9 पय हेरोदेस राजा कहिन, "यूहन्ना
बपतिस्मा देंइ बाले के त, हम मूँड़ कटबाय लिहेन तय, अब ईं को आहीं जेखे
बारे माहीं हम अइसन बात सुनित हएन?" अउर उँइ यीसु काहीं देखँइ के
इच्छा जाहिर किहिन।

पाँच हजार मनइन काहीं खाना खबाउब

(मत्ती 14:13-21; मरकुस 6:30-44; यूहन्ना 6:1-14)

10 पुनि कुछ दिन बाद सगले खास चेला लोग लउटिके, जउन कुछू ऊँ पंचे
किहिन रहा हय, यीसु काहीं बताइन; तब यीसु उनहीं अलग कइके बैतसैदा
नाम के एकठे सहर माहीं लइगें। 11 इआ बात काहीं भीड़ के खुब मनई
जानिगें, अउर उनहीं पछिआय लिहिन, तब उनहीं देखिके यीसु बड़े आनन्द
से उनसे मिलें, अउर उनहीं परमातिमा के राज के बात बतामँइ लागें, अउर
जउन बिमार मनई नीक होंइ चाहत रहे हँय, उनहीं नीक कइ दिहिन।

12 जब साँझ होंइ लाग, तब चेला लोग यीसु के लघे आइके कहँइ लागें,
"इआ भीड़ के मनइन काहीं बिदा करी, जउने ऊँ पंचे चारिव कइती के
गाँमन अउर मोहल्लन म जाइके, रहँय अउर खाँय के प्रबन्ध करँय, काहेकि
हम पंचे इहाँ सुनसान जघा माहीं हएन।" 13 यीसु अपने चेलन से कहिन,
"तुहिन पंचे उनहीं खाँइका द्या।" तब चेला लोग यीसु से कहिन, "हमरे पंचन
के लघे पाँचठे रोटी अउर दुइठे मछरिन काहीं छोंड़िके, अउर कुछू नहिं आय;
पय अगर अपना कही, त हम पंचे जाइके ईं सगले जनेन के खातिर खाना
खरीद लई, तब इआ होइ सकत हय।" उआ भीड़ माहीं पाँच हजार के
करीबन मंसेरुआ रहे हँय। 14 तब यीसु अपने चेलन से कहिन, "उनहीं
पचास-पचास कइके पाँतिन माहीं बइठाय द्या।" 15 अउर ऊँ चेला लोग
उहयमेर किहिन, अउर सगलेन काहीं बइठाय दिहिन। 16 तब यीसु ऊँ पाँचठे

रोटी अउर दोनहूँ मछरिन काहीं लइके स्वरग कइती निहारिके धन्यबाद दिहिन, अउर रोटिन काहीं टोरि-टोरिके चेलन काहीं देत गें, कि ऊँ सगले मनइन काहीं परसँय। अउर ऊँ चेला लोग सगले मनइन काहीं परस दिहिन। 17 जब सगली भीड़ के मनई खाइके सन्तुस्ट होइगें, त सगलेन के खाए के बादव, चेला लोग रोटी अउर मछरी के बचे टुकड़न से बारा टोपरी भरिके लइ आएँ।

पतरस यीसु काहीं मसीह सोइकार किहिन

(मत्ती 16:13-20; मरकुस 8:27-30)

18 जब यीसु एकान्त माहीं जाइके प्राथना करत रहे हँय, अउर उनखर चेला लोग साथय माहीं रहे हँय, तब यीसु उनसे पूँछिन, “लोग हमहीं का कहत हें?” 19 चेला लोग कहिन, “कुछ मनई यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाला, त कुछ जने एलिय्याह नबी, त अउर कुछ जने त इआ कहत हें, कि परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन म से एक जने पुरान मनई जि आबा हय।” 20 यीसु अपने चेलन से पूँछिन, “पय तूँ पंचे हमहीं का कहते हया?” पतरस यीसु से कहिन, “अपना परमातिमा के पठए मसीह आहेन।” 21 तब यीसु अपने चेलन काहीं चेताइके कहिन, कि तूँ पंचे इआ बात कोहू से न बताया।

अपने मउत के बारे माहीं यीसु के भबिस्सबानी

(मत्ती 16:21-23; मरकुस 8:31-33)

22 तब यीसु अपने चेलन काहीं बतामँइ लागें, कि “मनई के लड़िका के खातिर इआ जरूरी हय, कि उआ खुब दुख सही, अउर यहूदी समाज के धारमिक अँगुआ अउर प्रधान याजक लोग अउर मूसा के बिधान सिखामँइ बाले, ओही अपने बनाए नेम के बिरोधी मानिके मारि डरिहँय, अउर उआ तिसरे दिन जिन्दा होइ जई।”

यीसु के पीछे चलँइ के मतलब

(मत्ती 16:24-28; मरकुस 8:34—9:1)

23 यीसु भीड़ के मनइन अउर अपने चेलन से कहिन, “जे कोऊ हमरे पीछे आमँइ चाहय, उआ अपने मन के मुताबिक जिअब छोंड़िके, हरेक दिन अपने सब दुख तकलीफन काहीं सहिके जऊँ क्रूस के बराबर हें, हमरे पीछे चलय। 24 काहेकि जे कोऊ आपन प्रान बचामँइ चाही, उआ ओही गमाय देई, पय जे कोऊ हमरे खातिर आपन प्रान तक देंइ काहीं तइआर रही, उहय ओही बचाए पाई। 25 अगर कउनव मनई सगले संसार के मालिक होइ जाय, अउर आपन प्रान गमाय देय, त ओही का फायदा होई। 26 जउन मनई हमसे अउर हमरे बातन काहीं मानँइ माहीं लजई, त इहइमेर जब मनई के लड़िका, अपने अउर अपने पिता के, अउर पबित्र स्वरगदूतन के महिमा समेत अई, त उहव ओही आपन मानँय से लजई।” 27 “हम तोंहसे सही कहित हएन, कि जऊँ इहाँ ठाढ़ हें, उनमा से कुछ जने अइसन हें, कि जब तक परमातिमा के राज काहीं आबत न देख लेइहँय, तब तक ऊँ पंचे बेलकुल न मरिहँय।”

यीसु के रूप बदलब

(मत्ती 17:1-8; मरकुस 9:2-8)

28 ईं बातन के करीबन आठ दिन के बाद यीसु, पतरस, यूहन्ना अउर याकूब काहीं साथ माहीं लइके प्राथना करँइ के खातिर एकठे पहार माहीं गें। 29 जब ऊँ प्राथना करत रहे हँय, तबहिनय यीसु के रूप बदलिगा, अउर उनखर ओन्हा उजर होइके चमकँइ लाग, 30 अउर तिनहूँ चेलन काहीं मूसा नबी के साथ एलिय्याह नबी देखाने, ऊँ दोनव जने यीसु के साथ बातँय करत रहे हँय। 31 ऊँ पंचे, परमातिमा के महिमा सहित देखाई दिहिन, अउर यीसु के मरँइ के बारे माहीं चरचा करत रहे हँय, जउन यरूसलेम सहर माहीं होंइ बाली रही हय। 32 पतरस अउर उनखर साथी मारे नींद के अउँघात रहे हँय, अउर जब निकहा से जागे, तब यीसु के महिमा अउर उन दोनव जनेन काहीं जउन यीसु के लघे ठाढ़ रहे हँय, देखिन। 33 जब उँइ दोनव जने यीसु के लघे से जाँइ लागें, तबहिनय पतरस यीसु से कहिन, “हे प्रभू, हमार पंचन के इहाँ रहब निकहा हय; एसे हम पंचे इहाँ तीनठे मड़इआ बनाई; एकठे अपना के खातिर, एकठे मूसा नबी के खातिर, अउर एकठे एलिय्याह नबी के खातिर।” काहेकि पतरस डेरन के मारे इआ नहीं जाने पाबत रहे आँय, कि हम उनसे का कहि रहेन हँय। 34 जब पतरस इआ कहतय रहे हँय, तबहिनय एकठे बदरी आइके उनहीं लुकाय लिहिस, अउर जब उआ बदरी उनहीं लुकामँइ लाग, तब ऊँ पंचे खुब डेराइगें। 35 अउर उआ बदरी म से इआ बोल सुनान, “ईं हमार लड़िका आहीं, अउर हमहिन इनहीं चुनेन हय, तूँ पंचे इनखे बातन काहीं मान्या।” 36 इआ बोल सुने के बाद यीसु अकेले रहिगें; अउर ऊँ तिनहूँ चेला चुप्पय रहिगें, अउर जउन कुछू ऊँ पंचे देखिन रहा हय, ओखर एक्कवठे बात, उन दिनन माहीं कोहू से नहीं बताइन।

बुरी आत्मा से परेसान लड़िका काहीं नीक करब

(मत्ती 17:14-18; मरकुस 9:14-27)

37 जब दुसरे दिन यीसु अउर उनखर तिनहूँ चेला पहार से उतरें, तबहिनय एकठे बड़ी भीड़ उनखे लघे आइगे। 38 अउर उआ भीड़ म से एकठे मनई चिल्लाइके कहिस, “हे गुरू, हम अपना से बिनती करित हएन, कि हमरे लड़िका के ऊपर किरपा करी; काहेकि उआ हमार एकलउता लड़िका आय। 39 अउर जइसय उआ बुरी आत्मा लड़िका काहीं पकड़त ही, उआ एक दरकिन चिल्लाय उठत हय; अउर उआ ओही अइसन मुरेरत ही, कि ओखे मुँहे म फेन भर आबत हय; अउर लड़िका काहीं पटक-पटकिके बड़े मुसकिल से छोंड़त ही। 40 हम अपना के चेलन से बिनती किहेन, कि उआ बुरी आत्मा काहीं लड़िका से निकार द्या, पय ऊँ पंचे नहीं निकारे पाइन।” 41 तब यीसु उनहीं जबाब दिहिन, “हे परमातिमा के ऊपर बिसुआस न करँइ बाले हठी मनइव, हम कब तक तोंहरे साथ रहब, अउर कब तक तोंहार सहत रहब? अपने लड़िका काहीं हमरे लघे लइ आबा।” 42 जब उआ लड़िका यीसु के लघे अउतय रहा हय, तबहिनय उआ बुरी आत्मा ओही पटकिके मुरेर दिहिस, तब यीसु उआ बुरी आत्मा काहीं डाँटिन, अउर उआ बुरी आत्मा काहीं लड़िका से निकार दिहिन, अउर उआ लड़िका काहीं नीक कइके ओखे बाप काहीं सउँप दिहिन। 43 तब उहाँ ठाढ़ सगले मनई परमातिमा के महान सामर्थ काहीं देखिके, चउआन रहिगें। पय जब सगले जन ऊँ सगले कामन से जऊँ यीसु करत रहे हँय, चउआन रहे हँय। तब यीसु अपने चेलन से कहिन।

अपने मउत के बारे माहीं यीसु के दुसराय भबिस्सबानी

(मत्ती 17:22,23; मरकुस 9:30-32)

44 “तूँ पंचे ईं बातन काहीं बड़े ध्यान से सुना, काहेकि मनई के लड़िका बिरोध करँइ बाले मनइन के हाँथे माहीं पकड़ाबा जाँय बाला हय।” 45 पय ईं बातन काहीं यीसु के चेला लोग नहीं समझे पाइन, कि यीसु उनसे का कहिन हीं; इआ बात उनसे छिपी रहिगे, कि ऊँ ओही न जाने पामँय, अउर इआ बात काहीं ऊँ पंचे, यीसु से पूछँइ माहीं डेरात रहे हँय।

सबसे बड़ा को हय?

(मत्ती 18:1-5; मरकुस 9:33-37)

46 पुनि गइल माहीं चेला लोग आपस माहीं इआ बहँस करँइ लागें, कि हमरे पंचन म से सबसे बड़ा को हय? 47 पय यीसु उनखे मन के बिचार काहीं जान लिहिन, अउर एकठे छोट क लड़िका काहीं लइके अपने लघे ठाढ़ किहिन। 48 अउर अपने चेलन से कहिन, “जे कोऊ हमरे नाम से इआमेर के लड़िकन म से कउनव एकठे काहीं सोइकार करत हय, उआ हमहीं सोइकार करत हय; अउर जे कोऊ हमहीं सोइकार करत हय, उआ हमहिन भर क नहीं, बलकिन हमहीं पठमँइ बाले परमातिमा काहीं सोइकार करत हय।” काहेकि जउन तोंहरे बीच माहीं सगलेन से छोट बनत हय, उहय सगलेन से बड़ा कहाई।

जउन बिरोधी नहिं आय उआ अपने पच्छ म हय

(मरकुस 9:38-40)

49 तब यूहन्ना यीसु से कहिन, “हे गुरू, हम पंचे एकठे मनई काहीं अपना
के नाम से बुरी आत्मन काहीं मनइन म से निकारत देखेन, त हम ओही
बरजेन, कि तूँ अइसा न करा, काहेकि उआ मनई हमरे पंचन म से कोऊ न
होय, जउन अपना के हुकुम मानत हें।” 50 तब यीसु यूहन्ना से कहिन, “उआ
मनई काहीं न बरजा; काहेकि जऊँ तोंहरे बिरोध म नहिं आय, उआ तोंहरिन
कइती हय।”

सामरी लोगन के व्दारा यीसु के बिरोध

51 जब यीसु के स्वरग जाँइ के समय नजदीक आइगा तय, तब ऊँ
यरूसलेम सहर माहीं जाँइ के बिचार निस्चित किहिन। 52 यीसु अपने चलँइ
से पहिले दुइठे दूतन काहीं पठइन, कि सामरिया प्रदेस के एकठे गाँव माहीं
जाइके उनखे खातिर जघा तइआर करँय। 53 पय सामरिया प्रदेस के रहँइ
बाले, यीसु काहीं अपने गाँव माहीं नहीं रुकँइ दिहिन, काहेकि यीसु
यरूसलेम जात रहे हँय। 54 इआ देखिके, कि ऊँ पंचे, उहाँ नहीं रुकँइ देंय,
उनखर चेला याकूब, अउर यूहन्ना कहिन, “हे प्रभू, अगर अपना के इच्छा
होय, त हम पंचे परमातिमा से प्राथना करी, कि स्वरग से आगी गिरिके ईं
सगले गाँव बालेन काहीं भसम कइदेय।” 55 पय यीसु पीछे फिरिके अपने
चेलन काहीं डाँटिन, (अउर कहिन, “तूँ पंचे नहीं जनते आह्या, कि तूँ कइसन
आत्मा के हया। काहेकि मनई के लड़िका मनइन के प्रान लेंइ के खातिर नहीं
आबा आय, बलकिन बचामँइ के खातिर आबा हय।”) 56 अउर यीसु सगले
चेलन के साथ दुसरे गाँव माहीं चलेगें।

यीसु के चेला बनँइ के कीमत

(मत्ती 8:19-22)

57 जब यीसु अउर उनखर चेला लोग गइलय-गइल जात रहे हँय, तब
कउनव मनई यीसु से कहिस, “जहाँ-जहाँ अपना जाब, त हमहूँ अपना के
पीछे-पीछे चलब।” 58 तब यीसु ओसे कहिन, “लोखरी के रहँइ क गुफा होत
ही, अउर पंछिन के रहँइ के पाल होत हें, पय मनई के लड़िका के कउनव घर
नहीं आय, बलकिन मूड़व तक धरँइ के जघा नहिं आय।” 59 तबहिनय यीसु
दुसरे मनई से कहिन, “हमार चेला बनिके हमरे साथ चला” उआ मनई
कहिस, “हे प्रभू, पहिले हमहीं जाँइ देई, कि हम अपने बाप काहीं जउन
खतम होइगें हँय, गाड़े अई।” 60 यीसु ओसे कहिन, “जउन मनई आत्मिक
रूप से मरे हँय, उनहीं मुरदन काहीं गाड़ँइ द्या, पय तूँ जाइके परमातिमा के
राज के सँदेस के प्रचार करा।” 61 इहइमेर एक जन अउर कहिस, “हे प्रभू,
हम अपना के चेला बनिके साथय चलब; पय पहिले हमहीं जाँइ देई कि
अपने घर बालेन से बिदा लए अई।” 62 यीसु ओहू से कहिन, “जे कोऊ
परमातिमा के बचन के मुताबिक चलब सुरू कइके, संसार के बातन कइती
ध्यान लगाबत हय, उआ ओखी कि नाईं हय, जउन हर माहीं हाँथ धइके
पीछे कइती निहारत हय, उआ परमातिमा के राज माहीं जाँइ के काबिल
नहिं आय।”

सत्तर चेलन काहीं पठबा जाब

10 ईं बातन के बाद प्रभू सत्तर मनइन काहीं अउर चुनिके नियुक्त
किहिन, अउर यीसु जउने-जउने सहरन अउर जघन माहीं जाँइ बाले
रहे हँय, उहाँ-उहाँ उनहीं दुइ-दुइ कइके अपने जाँइ से पहिले पठइन। 2 अउर
यीसु अपने चेलन से कहिन, “पके खेत त खुब हें, पय मजूर थोरिन हें। एसे
खेत के मालिक परमातिमा से बिनती करा, कि ऊँ आपन खेत काटँय के
खातिर मजूर पठय देंय।” 3 जा; देखा, हम तोंहईं पंचन काहीं गड़रन कि नाईं
डगरन के बीच माहीं पठइत हएन। 4 एसे गइल के खातिर कुछू न लिहा, न त
पइसा, न त झोरिया, न त पनहिन लिहा; अउर गइल माहीं कोहू से नबस्कार
न किहा। 5 जब कोहू के घर माहीं जया, त भीतर जाँइ से पहिले कह्या,
“इआ घर माहीं रहँइ बालेन के कल्यान होय।” 6 अगर उआ घर माहीं कोऊ
कल्यान के काबिल होई, त तोंहार दीन कल्यान ओही मिल जई, अगर
कल्यान के काबिल कोऊ न होई, त तोंहरे लघे लउटि अई। 7 जउने घर माहीं
जया, उहय घर माहीं रह्या, अउर जउन कुछू उआ घर के मनई खबामँय,
उहय खया-पिया, काहेकि मजूर काहीं आपन मजूरी जरूर मिलँय चाही;
खाँय के खातिर घर-घर न जया। 8 जउने सहरन अउर गाँमन माहीं जया,
अउर उहाँ के मनई अपने घर माहीं स्वागत-सत्कार करँइ, त जउन कुछू
तोहईं खाँइ काहीं देंय उहय खया। 9 अउर उहाँ के बिमारन काहीं नीक कइके
उनसे कह्या, “परमातिमा के राज तोंहरे लघेन आइगा हय।” 10 पय जउने
सहर इआ कि गाँव माहीं जया, अउर अगर उहाँ के मनई तोंहईं पंचन काहीं
सोइकार न करँय, त उनखे बजारन माहीं जाइके कह्या, 11 “हम तोंहरे सहर
के धूधुर तक जउन हमरे गोड़ेन माहीं लगी ही, तोंहरेन आँगे झारे देइत हएन;
तऊ इआ जानिल्या, कि परमातिमा के राज तोंहरे लघेन आइगा हय।”
12 हम तोंहसे कहित हएन, कि जब परमातिमा न्याय करिहँय, उआ दिन,
उआ सहर के दुरदसा, सदोम सहर से जादा होई।

बिसुआस न करँइ बाले सहरन के मनइन काहीं धिक्कार

(मत्ती 11:20-24)

13 “खुराजीन सहर, बैतसैदा सहर; तोंहईं धिक्कार हय; काहेकि जउन
सामर्थ के काम तोंहरे बीच माहीं कीन गें तय, अगर ऊँ सूर अउर सैदा
प्रदेसन माहीं कीन जातें, त उहाँ के मनई टाट ओढ़िके अउर राख माहीं
बइठिके, पहिलेन अपने पापन काहीं मानिके, पाप करब छोंड़ि देतें। 14 पय
जब परमातिमा न्याय करिहँय, उआ दिन तोंहार दुरदसा, सूर अउर सैदा
प्रदेसन से जादा होई। 15 अउर हे कफरनहूम सहर के मनइव, तूँ पंचे जउन
सोचते हया, कि हमहीं परमातिमा अकास तक ऊँच करिहँय? बेलकुल नहीं,
परमातिमा तोंहईं पताल तक नीच करिहँय।”
16 अउर यीसु पुनि चेलन से कहिन, “जउन मनई तोंहरे बात काहीं
सुनिहँय, ऊँ हमरे बात के सुनँय के बराबर होइहँय; अउर जउन मनई तोंहईं
तुच्छ मनि हँय; ऊँ पंचे हमहूँ काहीं तुच्छ मनि हँय; अउर जे हमहीं तुच्छ
मानत हय, उआ हमहीं पठमँइ बाले परमातिमा काहीं तुच्छ मानत हय।”

सत्तर चेलन के लउटब

17 यीसु जउने सत्तर चेलन काहीं पठइन तय, ऊँ पंचे आनन्द मनाबत
लउटि आएँ, अउर कहँइ लागें, “हे प्रभू, अपना के नाम से बुरी आत्मा हमार
कहा मनती हईं।” 18 तब यीसु उनसे कहिन, “हम सइतान काहीं बिजुली कि
नाईं अकास से गिरत देखेन हय। 19 एहिन से देखा, हम तोंहईं साँप अउर
बीछिन काहीं गोड़ेन से रउदँइ के अधिकार दिहेन हय, अउर तोंहरे बइरी
सइतान के सगली सामर्थ काहीं हरामँइ के अधिकार दिहेन हय; अउर
कउनव चीज से तोंहार कुछू हानि न होई। 20 तऊ तूँ पंचे एसे आनन्दित न
होया, कि आत्मा तोंहरे बस माहीं हईं, बलकिन एसे आनन्दित होया, कि
स्वरग माहीं तोंहार नाम लिखे हँय।”

यीसु के आनन्दित होब

(मत्ती 11:25-27—13:16,17)

21 उहय समय यीसु पबित्र आत्मा से भरिके खुब आनन्दित होइगें, अउर
कहिन, “हे पिता परमातिमा स्वरग अउर धरती के प्रभू, हम अपना काहीं
धन्यबाद देइत हएन, कि अपना ईं बातन काहीं ग्यानिन अउर अपने काहीं
समझदार मानँइ बालेन काहीं नहीं बताएन, बलकिन छोट लड़िकन कि नाईं
अपना के बचन के ऊपर बिसुआस करँइ बालेन काहीं बतायन हय। हाँ, हे
पिता परमातिमा काहेकि अपना काहीं इहय नीक लाग हय। 22 हमार पिता
परमातिमा सब कुछ हमहीं सँउप दिहिन हीं; अउर कोऊ नहीं जानँय कि
लड़िका को आहीं, केबल पिता जानत हें, अउर पिता को आहीं इहव कोऊ

नहीं जानँय, केबल लड़िका जानत हय, अउर लड़िका जेही बतामँइ चाही उहय जानी।"

23 यीसु एकान्त माहीं पहुँचिके चेलन कइती फिरिके कहिन, "धन्य हें, ऊँ
पंचे, जउने बातन काहीं तूँ पंचे देखते हया, ऊँ पंचे देखत हें। 24 काहेकि हम
तोंहसे कहित हएन, कि बहुत से परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले अउर
बहुत से राजा लोग, इआ चाहत रहे हँय, कि जउन बातँय तूँ पंचे देखते हया
देखी, पय नहीं देखे पाइन, अउर जउन बातँय तूँ पंचे सुनते हया, सुनी, पय
नहीं सुने पाइन।"

सामरी जाति के एकठे दयालू मनई के उदाहरन

25 एक दिन मूसा के बिधान सिखामँइ बाला एक जने यीसु के लघे आबा,
अउर इआ कहिके उनखर परिच्छा करँइ लाग, "हे गुरू, अनन्त जीबन के
बारिसदार होंइ के खातिर हम का करी?" 26 यीसु ओसे कहिन, "मूसा नबी
के बिधान माहीं का लिखा हय? तूँ ध्यान से नहीं पढ्या?" 27 उआ यीसु
काहीं जबाब दिहिस, "पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, तूँ अपने प्रभू
परमातिमा से अपने पूरे मन से, अउर अपने पूरे प्रान से, अउर अपनी पूरी
सक्ती से, अउर अपनी पूरी बुद्धी से प्रेम रखा; अउर अपने परोसी से अपने
के नाईं प्रेम करा।" 28 तब यीसु ओसे कहिन, "तूँ बेलकुल सही जबाब दिहा
हय, इहइमेर तुहूँ करा तबहिनय अनन्त जीबन मिली।" 29 पय उआ यहूदी
नेम सिखामँइ बाला अपने काहीं धरमी देखामँइ के खातिर, यीसु से पूँछिस,
"त अपना बताई हमार परोसी को आय?" 30 तब यीसु ओही जबाब दिहिन,
"एकठे मनई यरूसलेम सहर से यरीहो सहर काहीं जात रहा हय, तबहिनय
गइल माहीं कुछ डाँकू आइके, ओखर सगला रुपिआ-पइसा लूटि लिहिन,
इहाँ तक कि ओखर ओन्हा तक उतार लिहिन, अउर ओही मार पीटके
अधमरा कइके उहँइ छोंड़िके चलेगें। 31 अउर संजोग से उहय गइल से एकठे
याजक जात रहा हय, पय उआ, ओही देखिके कइतिआइके चला ग।
32 अउर इहइमेर से उहय गइल से एकठे लेबी मनई निकरा, अउर उहव
ओही देखिके कइतिआइके चला ग। 33 पय उहय गली से एकठे सामरी
जाति के मनई निकरा, अउर उआ मनई काहीं देखिके ओही दया आइगे।
34 अउर उआ, ओखे लघे जाइके तेल अउर अंगूर के रस लगाइके पट्टी
बाँधिस, अउर अपने गदहा माहीं चढ़ाइके सराय माहीं लइ जाइके सेबा
किहिस, 35 दुसरे दिन जब उआ सामरी मनई सराय से जाँइ लाग, तब उआ
सराय के मालिक काहीं दुइठे चाँदी के सिक्का निकारिके दिहिस, अउर
कहिस, 'इआ मनई के निकहा से सेबा किहा, अउर जउन तोंहार खरचा
लागी, उआ हम लउटिके तोंहईं दइ देब।' 36 तब यीसु मूसा के बिधान
सिखामँइ बाले उआ मनई से पूँछिन, अब इआ बताबा कि तोंहरे समझ
माहीं, उआ मनई के जउन डँकुअन से लुटरिगा रहा हय, ईं तीनव म से कउन
परोसी कहाबा?" 37 उआ यीसु से कहिस, "उहय जउन ओखे ऊपर दया
किहिस।" यीसु ओसे कहिन, "जा, तुहूँ अइसय करा।"

मारथा अउर मरियम के घर माहीं यीसु

38 जब यीसु अपने चेलन समेत जात रहे हँय, तब एकठे गाँव माहीं
पहुँचिगें, उहाँ मारथा नाम के एकठे मेहेरिआ उनहीं अपने घर माहीं लइ
जाइके रोंकिस। 39 मारथा के मरियम नाम के एकठे बहिनी रही हय, उआ
प्रभू के गोड़े के लघे बइठिके उनखर बचन सुनत रही हय। 40 पय मारथा
सेबा करत-करत थकिगे, अउर यीसु के लघे आइके कहँइ लाग। "हे प्रभू,
का अपना काहीं हमरे ऊपर दया नहीं आबय, हमार बहिनी हमहीं काम
करँइ के खातिर अकेले छोंड़ दिहिस ही? एसे ओही अपना कही, कि काम
करँइ माही हमार मदत करय।" 41 प्रभू मारथा काहीं जबाब दिहिन, "मारथा,
हे मारथा; तूँ खुब बातन के खातिर चिन्ता करती अउर घबराती हया। 42 पय
एकठे बात खुब जरूरी हय, अउर उआ उत्तम भाग काहीं मरियम चुनि
लिहिन हीं, जउन उनसे कोऊ छड़ाय नहीं सकय।"

यीसु चेलन काहीं प्राथना करँइ सिखाइन

(मत्ती 6:9-13)

11 यीसु एकठे जघा माहीं प्राथना करत रहे हँय। अउर जब ऊँ प्राथना
कइ चुकें, तबहिनय उनखे चेलन म से एक जने कहिन, "हे प्रभू,
जइसन यूहन्ना अपने चेलन काहीं प्राथना करँइ सिखाइन तय, उहयमेर
अपनव हमहीं पंचन काहीं सिखाई।"

2 तब यीसु उनसे कहिन, "जब तूँ पंचे प्राथना किहा, तब इआमेर से किहा,
'हे पिता परमातिमा, अपना के नाम पबित्र माना जाय, अपना के राज
आबय।

3 हमरे पंचन के दिन भर के खाँय के खातिर खाना हमहीं रोज देबा करी।

4 हमरे पापन काहीं माफ करी, काहेकि हमहूँ अपने सगले गुनहगारन के
गलतिन काहीं माफ करित हएन, अउर हमहीं परिच्छा माहीं न डारी'।"

प्राथना करँइ के बारे माहीं यीसु के सिच्छा

(मत्ती 7:7-11)

5 यीसु उनसे कहिन, "तोंहरे बीच म से कोहू के एकठे साथी होय, त तूँ
आधी रातके ओखे लघे जाइके कहा, 'हे साथी; हमहीं तीनठे रोटी दइ द्या।'
6 काहेकि एकठे हमार साथी हमरे लघे यात्रा से आए हँय, अउर उनहीं
खबामँइ के खातिर हमरे लघे कुछू नहिं आय। 7 अउर उआ साथी भीतर से
जबाब देय, 'हमहीं दुख न द्या, अब त हम दुआर बन्द कइके अपने लड़िकन-
बच्चन के साथय बिस्तर माहीं परे हएन, एसे हम उठिके तोंहईं कुछू नहीं दइ
सकी'?" 8 यीसु कहिन, "हम तोंहसे सही कहित हएन, कि अगर ओखर
साथी होंइ के कारन ओही उठिके न देय, तऊ ओखे बिना लजाने मागँइ के
कारन, उठिके ओही जेतनी जरूरत होई त ओही देई। 9 अउर हम तोंहसे
सही कहित हएन, कि तूँ पंचे मागत रइहा, त तोंहईं दीन जई; ढूँढ़त रइहा, त
जरूर पइहा; खट-खटाबत रइहा, त तोंहरे खातिर दुअरा खोल दीन जई।

10 काहेकि जे कोऊ मागत रहत हय, त ओही जरूर मिलत हय; अउर जे
कोऊ ढूँढ़त रहत हय, उआ जरूर पाबत हय; अउर जे कोऊ खट-खटाबत
रहत हय, त ओखे खातिर दुअरा खोल दीन जई। 11 तोंहरे म से अइसा
केखर बाप होई, कि जब ओखर लड़िका रोटी माँगय, त ओही पथरा देय;
इआ कि मछरी माँगय, त मछरी के बदले माहीं साँप देय? 12 इआ कि अन्डा
माँगय त बीछी देय? 13 एसे जब तूँ पंचे बुरे होइके, अपने लड़िकन काहीं
नीक चीजँय देंइ जनते हया, त स्वरग माहीं रहँइ बाले तोंहार पिता
परमातिमा, अपने मागँइ बालेन काहीं पबित्र आत्मा जरूर देइहँय।"

यीसु अउर बालजबूल

(मत्ती 12:22-30; मरकुस 3:20-27)

14 यीसु एक दिन गूँगी बुरी आत्मा काहीं एकठे मनई से निकारिन। जब
बुरी आत्मा ओसे निकरिगे, तब उआ गूँगा बोलँइ लाग; अउर उहाँ ठाढ़ सगले
मनई खुब अचरज मानिन। 15 पय उनमा से कुछ मनई कहँइ लागें, "यीसु त
बालजबूल नाम के बुरी आत्मन के मुखिया अरथात सइतान के मदत से बुरी
आत्मन काहीं मनइन से निकारत हें।" 16 अउर कुछ जने यीसु के परिच्छा
लेंइ के खातिर कहिन, कि "तूँ अइसा कउनव अदभुत चिन्हारी देखाइके
साबित करा, कि परमातिमा तोंहईं पठइन हीं।" 17 पय यीसु उनखे मन के
बात जानिके कहिन, "जउने-जउने राज माहीं फूट होत ही, त उआ राज
नास होइ जात हय; अउर अगर कउनव घर माहीं फूट परि जात ही, त उआ
घर बरबाध होइ जात हय। 18 अउर अगर सइतान खुद अपनय बिरोधी
बनिके, अपने बीच म फूट डारी, त ओखर राज कइसा बना रही, ओखर त
नासय होइ जई। हम तोंहसे एसे पूँछित हएन, कि तूँ पंचे कहते हया, कि हम
सइतान के मदत से बुरी आत्मन काहीं निकारित हएन। 19 अगर हम सइतान
के मदत से बुरी आत्मन काहीं निकारित हएन, त तोंहार सन्तान केखे मदत
से बुरी आत्मन काहीं निकारत हें? एसे उँइन तोंहार फँइसला करिहँय। 20 पय

अगर हम परमातिमा के सामर्थ से, बुरी आत्मन काहीं निकारित हएन, त तूँ पंचे इआ जानिल्या, कि परमातिमा के राज तोंहरे लघे पहुँचिगा हय। 21 जब कउनव बलमान मनई, हरेक मेर के हँथिआर लए पूरी तरह से तइआर होइके अपने घर के देख-रेख करत हय, त ओखर धन-सम्पत बची रहत ही। 22 पय जब ओसे अउर बलमान मनई चढ़ाई कइके, उआ बलमान मनई काहीं हराय देत हय, त ओखर सगले हँथिआर छड़ाय लेत हय, जउने माहीं ओखर भरोसा रहत हय, अउर ओखर सगली धन-सम्पत लूटिके दुसरे काहीं बाँट देत हय। 23 जे हमार बात नहीं मानय, उआ हमरे बिरोध माहीं काम करत हय, उआ मनइन काहीं हमरे लघे नहीं ले आबय, बलकिन उनसे पाप कर बाइके हमसे दूर करत हय।"

आधे सुधार से परेसानी

(मत्ती 12:43-45)

24 यीसु उनसे पुनि कहिन, "जब बुरी आत्मा मनई से बहिरे निकर जात ही, तब अराम करँइ के खातिर, झुरान जघा ढूँढ़त फिरत ही, अउर उआ बुरी आत्मा जब झुरान जघा नहीं पाबय, त कहत ही, कि 'हम अपने उहय घर माहीं लउटि जाब, जहाँ से निकरिके आएन तय।' 25 अउर बुरी आत्मा लउटिके उआ घर काहीं, झारा बटोरा अउर सजा-सजाबा पाबत ही। 26 तब उआ जाइके, अपने से अउर बुरी सातठे आत्मन काहीं, अपने साथ लइ आबत ही, अउर उआ मनई के भीतर सगली सकाइके रहँय लगती हँय, अउर उआ मनई के हालत पहिले से अउर जादा खराब होइ जात ही।"

27 यीसु जब ई बातन काहीं कहतय रहे हँय, कि भीड़ म से एकठे मेहेरिआ खुब चन्डे कहिस, "धन्य हय उआ महतारी जेखे पेटे माहीं तूँ रहे हया, अउर उनखर दूध पिआ हय।" 28 तब यीसु कहिन, "ऊँ त धन्य हइअय हईं, पय धन्य ऊँ पंचे हें, जउन परमातिमा के बचन सुनत हें, अउर सुनिके मानत हें।"

स्वरग के चिन्हारी देखामँइ के माँग

(मत्ती 12:38-42)

29 अउर जब खुब भीड़ एकट्ठा होंइ लाग, तब यीसु कहँइ लागें, "इआ समय के मनई बुरे हँय; ऊँ कहत हें, कि तूँ परमातिमा के पठए आह्या, एखे खातिर कउनव चिन्हारी देखाबा; पय योना नबी के जीबन माहीं जउन अदभुत काम परमातिमा किहिन तय, ओखे अलाबा अउर कउनव चिन्हारी उनहीं न देखाई जई। 30 अउर जइसन योना नबी नीनवे सहर के मनइन काहीं मुक्ती पामँइ के खातिर अदभुत चिन्हारी ठहरें हँय, उहयमेर मनई के लड़िका इआ समय के लोगन के खातिर अदभुत चिन्हारी ठहरी। 31 इजराइल देस के दक्खिन दिसा के सीबा देस के रानी, परमातिमा के न्याय करँइ के दिन, इआ समय के मनइन के साथ ठाढ़ होइके, उनहीं दोसी ठहरइहँय, काहेकि ऊँ खुब दूरी से इजराइल के राजा सुलैमान के ग्यान के बातँय सुनँय के खातिर आई रही हँय, अउर देखा इहाँ, ऊँ हें, जउन सुलैमान से घलाय बड़े हँय। 32 नीनवे सहर के मनई परमातिमा के न्याय करँइ के दिन, इआ समय के मनइन काहीं दोसी ठहरइहँय, काहेकि नीनवे सहर के मनई योना के प्रचार सुनिके, पाप करब छोंड़ दिहिन तय, अउर देखा इहाँ, ऊँ हें, जउन योना से घलाय बड़े हँय।

देंह के दिया

(मत्ती 5:15; 6:22,23)

33 कउनव मनई दिया जलाइके भुँइहरा माहीं, इआ कि बरतन के नीचे नहीं धरय, बलकिन ऊँचे जघा माहीं धरत हय, कि भीतर आमँइ बालेन काहीं उँजिआर मिलय। 34 एहिनतर तोंहरे देंह के दिया आँखी आय, एसे अगर तोंहार आँखी निरमल रही, त तोंहार सगली देंह घलाय उँजिआर पाई। अगर तोंहार आँखी बुरी हय, त तोंहार सगली देंह अँधिआर कि नाईं होइ जई। 35 एसे सतरक रह्या, कि जउन तोंहार उँजिआर कि नाईं निकहा जीबन हय, त कहँव पाप म फँसिके अँधिआर कि नाईं खराब न होइ जाय। 36 एसे अगर तोंहार सगली देंह उँजिआर कि नाईं निकही होई, अउर ओखे कउनव हिस्सा माहीं पाप न होई, त सगली देंह उँजिआर कि नाईं होइ जई, जइसन उआ समय होइ जात हय, जब दिया के उँजिआर तोंहईं मिलत हय।"

मूसा के बिधान सिखामँइ बालेन अउर फरीसी लोगन के बुराई

(मत्ती 23:1-36; मरकुस 12:38-40)

37 जब यीसु बात करतय रहे हँय, तबहिनय कउनव फरीसी यीसु से बिनती किहिस, कि हमरे घर खाना खाँइ चली, तब यीसु उनखे घर माहीं जाइके खाना खाँइ बइठें। 38 तब उआ फरीसी काहीं इआ देखिके बड़ा अचरज भ, कि यीसु खाना खाँइ से पहिले हाँथ नहीं धोइन। 39 प्रभू उनखे मन के बात काहीं जानिके कहिन, "हे फरीसी लोगव, तूँ पंचे खोरबन अउर टठिअन काहीं उपरय-ऊपर मजते हया, पय तोंहरे भीतर छल-कपट अउर बुराई भरी हय। 40 हे निरबुध्दिव, परमातिमा जउन देंह के बहिरे के हिस्सा काहीं बनाइन हीं, का उँइन देंह के भीतर के हिस्सा काहीं नहीं बनाइन? 41 एसे जऊँ कुछू भीतर बाली चीज हईं उनहीं दान कइ द्या, त देखा, सब कुछू तोंहरे खातिर सुद्ध होइ जई।"

42 यीसु पुनि इहव कहिन, "पय हे फरीसी लोगव तोंहईं परमातिमा से खुब सजा मिली! तूँ पंचे पोदीना अउर सुदाब के, अउर हरेकमेर के सब्जी-भाजिन के, दसमा भाग त देते हया। पय न्याय अउर परमातिमा के प्रेम काहीं नहीं मनते आह्या; तोंहईं चाहँय क रहा हय, कि सगलेन के दसमा भागव देत रहत्या। अउर न्याय अउर परमातिमा के हुकुमन काहीं मानब न छोंड़त्या। 43 हे फरीसी लोगव, तोंहईं परमातिमा से खुब सजा मिली! तूँ पंचे सभाघरन माहीं खास-खास आसन माहीं बइठते हया, अउर मान-सम्मान पामँइ के खातिर चहते हया, कि मनई बजारन माहीं हमहीं नबस्कार करँय। 44 तोहईं पंचन काहीं परमातिमा से खुब सजा मिली। काहेकि तूँ पंचे छिपी ऊँ कब्रन कि नाईं हया, जेखे ऊपर मनई रेंगत हें, पय जाने नहीं पामँय।"

45 तब एकठे यहूदी नेम सिखामँइ बाला यीसु काहीं जबाब दिहिस, "हे गुरू, ई बातँय कहिके, अपना हमार पंचन के अपमान करित हएन।" 46 तब यीसु कहिन, "हे मूसा के बिधान सिखामँइ बाल्या, तोंहईं परमातिमा से खुब सजा मिली! तूँ पंचे नेमन के अइसन बोझ, जिनखर पालन करब कठिन हय, दुसरे मनइन के ऊपर जबरई लदते हया, पय तूँ, ऊँ नेमन काहीं पालन करँइ के खातिर उनखर एकव मदत नहीं करते आह्या। 47 तोंहईं परमातिमा से खुब सजा मिली! तूँ पंचे परमातिमा के ऊँ सँदेस बतामँइ बालेन के कब्रँय बनउते हया, जिनहीं तोंहरय बाप-दादा मार डारिन तय। 48 अउर तूँ पंचे खुदय गबाह हया, अउर अपने बाप-दादन के कामन माहीं साझीदार हया; काहेकि ऊँ पंचे उनहीं मारि डारिन तय, अउर तूँ पंचे उनखर कब्रँय बनउते हया। 49 एसे परमातिमा अपने बुद्धी से कहिन हीं, कि हम अपने सँदेस बतामँइ बालेन अउर यीसु मसीह के खास चेलन काहीं उनखे लघे पठउब, अउर ऊँ पंचे उनमा से कुछ जनेन काहीं मारि डरिहँय, अउर कुछ जनेन काहीं सतइहँय। 50 कि जउने जेतने परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन के खून, संसार के सुरुआत से बहाबा ग हय, ऊँ सगलेन के हिंसाब, इआ समय के मनइन से लीन जाय: 51 हाबिल के हत्या से लइके जकरयाह के हत्या तक, जउन बेदी अउर मन्दिर के बीच माहीं मारि डारे गें तय। हम तोंहसे सही कहित हएन, कि ई सगलेन के हिंसाब इहय समय के मनइन से लीन जई। 52 हे, यहूदी नेम सिखामँइ बाल्या तोहईं पंचन काहीं परमातिमा से खुब सजा मिलँइ बाली हय। तूँ पंचे ग्यान के चाभी लइ त लिहा हय, पय खुदय ग्यान काहीं नहीं मान्या, अउर ग्यान के बात मानँइ बालेन काहीं मानँइ से रोंकते हया।"

53 जब यीसु उहाँ से निकरें, तब मूसा के बिधान सिखामँइ बाले अउर फरीसी बुरी तरह से यीसु के पीछे परिगें, अउर उनहीं परेसान करँइ लागें, कि ऊँ अउर खुब बातन के चरचा करँय, 54 जउने कउनव बातन माहीं गलती पाइके उनहीं पकड़ी, इआ मोका के ताक माही सगले लगे रहे हँय।

पाखन्ड के बिरुद्ध चेतउनी
(मत्ती 10:26,27)

12 एतनेन माहीं जब हजारन मनइन के भीड़ लगिगे, अउर इहाँ तक
कि ऊँ पंचे एक दुसरे के ऊपर गिरे परत रहे हँय, तब यीसु सबसे
पहिले अपने चेला लोगन से कहँइ लागें, “फरीसी लोगन के कपटरूपी
खमीर से सतरक रह्या। 2 जउन कुछू बिचार मनइन के मन माहीं हें,
परमातिमा उनहीं प्रगट करिहँय, अउर हमरे जीबन के सगली छिपी बातन
काहीं परमातिमा जानत हें। 3 एसे जउने बातन काहीं तूँ पंचे अँधिआरे माहीं
कहे हया, ऊँ उँजिआरे माहीं सुनी जइहँय; अउर जउने बातन काहीं तूँ पंचे
बंद कोठरिअन माहीं, एक दुसरे के कानन माहीं कहे हया, उनखर छत के
ऊपर से प्रचार कीन जई।”

केसे डेरई?
(मत्ती 10:28-31)

4 यीसु पुनि कहिन, हम तोंहसे जउन हमार साथी आह्या कहित हएन, कि
जे कोऊ तोंहरे देंह काहीं नास कइ सकत हें, ओखे अलाबा अउर कुछू नहीं
कइ सकँय, उनसे न डेरा। 5 हम तोंहईं समझाइत हएन, कि केसे डेराँइ चाही,
तोंहईं मार डारे के बाद, जिनहीं नरक माहीं डारँइ के हक्क हय, उनहिन से
डेरा; हाँ, हम कहित हएन कि केबल उनहिन से डेरा। 6 हम तोंहसे पूँछित
हएन, कि का दुइ पइसा माहीं पाँचठे गउरइआ नहीं बिकती आहीं? तऊ
परमातिमा उनमा से एकठेरिव काहीं नहीं बिसरामँय। 7 बलकिन तोंहरे मूँड़े
के सगले बार घलाय गिने हें, एसे तूँ पंचे न डेरा, पिता परमातिमा के नजर
माहीं तूँ पंचे ऊँ गउरइअन से जादा कीमती हया।

यीसु काहीं सोइकार करब इआ कि ठोकराउब
(मत्ती 10:32,33; 12:32; 10:19,20)

8 यीसु कहिन, “हम तोंहसे कहित हएन, कि जे कोऊ मनइन के आँगे
इआ मान लेई, कि हम यीसु मसीह के चेला आहेन, त ओही मनई के
लड़िकव परमातिमा के स्वरगदूतन के आँगे सोइकार कइ लेई, कि इआ
हमार चेला आय। 9 पय जे कोऊ मनइन के आँगे इआ कही, कि हम यीसु
मसीह के चेला न होंहेन, त हमहूँ घलाय स्वरग माहीं रहँइ बाले अपने पिता
परमातिमा के स्वरगदूतन के आँगे, इआ कहि देब, कि ईं हमार चेला न
होंहीं।”
10 “जे कोऊ मनई के लड़िका के बिरोध माहीं कउनव बात कही, त
ओखर उआ अपराध माफ कइ दीन जई, पय जउन मनई पबित्र आत्मा के
बुराई करी, ओखर उआ अपराध कबहूँ माफ न कीन जई।” 11 यीसु पुनि
कहिन, “जब मनई तोंहईं, महासभन माहीं, अउर सासन करँइ बालेन अउर
अधिकारिन के आँगे लइ जाँय, त चिन्ता न किहा, कि हम उनहीं कउनमेर
से, इआ कि का जबाब देब, इआ कि का कहब। 12 काहेकि पबित्र आत्मा
ओतनिनदार तोंहईं सिखाय देई, कि उनसे का कहँय चाही।”

एकठे धनी मूरुख के उदाहरन

13 तब उआ भीड़ म से एक जने यीसु से कहिस, “हे गुरू, हमरे भाई से
कहि देई, कि हमरे बाप के धन-सम्पत्ती म से हमार हिस्सा बाँटिके दइ देय।”
14 यीसु उआ मनई से कहिन, “इआमेर के बातन के न्याय करँइ अउर बाँटँइ
के खातिर हमहीं तोंहरे ऊपर को ठहराइसी?” 15 अउर यीसु अपने चेलन से
कहिन, “तूँ पंचे सतरक रहा, अउर हरेक मेर के लोभ से अपने काहीं
बचाइके रखा; काहेकि कोहू के जीबन ओखे खुब धन-सम्पत्ती के कारन
नहीं बचय।” 16 यीसु अपने चेलन से एकठे उदाहरन कहिन: “कउनव धनी
मनई के खेत माहीं फसल के खुब पइदाबार भय। 17 तब उआ धनी मनई
अपने मन माहीं इआ सोचँइ लाग, ‘हम का करी? काहेकि हमरे लघे एतनी
जघा नहिं आय, कि सगली पइदाबार के अनाज रक्खी।’ 18 अउर उआ
कहिस, ‘हम अइसा करब: कि अपने बखारिन काहीं टोरिके उनसे बड़ी
बखारी बनाउब; अउर ओहिन माहीं आपन सगला अनाज अउर सम्पत्ति
धरब। 19 अउर अपने प्रान से कहब, हे प्रान तोरे लघे कइअक बरिस के खाँय
के खातिर, खुब सम्पत्ति धरी हय; अराम कर, खा, पि, अउर सुख से रव्ह।’
20 पय परमातिमा ओसे कहिन, ‘हे मूरुख! इहय रात माहीं तोर प्रान लइ
लीन जई; त बताव जउन कुछू तँय जोरे हए, उआ केखर होई?’ 21 अइसन
उआ मनइव हय, जउन अपने खातिर धन-सम्पत्ति जोरत हय, पय
परमातिमा के नजर माहीं धनी नहिं आय।”

परमातिमा के ऊपर बिसुआस रक्खा
(मत्ती 6:25-34)

22 पुनि यीसु अपने चेलन से कहिन, “एसे हम तोंहसे कहित हएन, कि
अपने प्रान के चिन्ता न किहा, कि हम का खाब; न अपने देंह के चिन्ता
किहा, कि हम का पहिरब। 23 काहेकि प्रान खाना से जादा, अउर देंह
ओन्हन से जादा कीमती हय। 24 कउअन काहीं देखा; ऊँ न त बोउतय आहीं,
अउर न त कटतय आहीं, अउर न उनखे राहय गल्ला होय, अउर न बखारिन
रहय, तऊ परमातिमा उनहीं पालत हें। तोंहार मोल त पंछिन से बढ़िके हय,
तोंहईं काहे न खबइहँय? 25 तोंहरे पंचन म से अइसा को हय, जउन चिन्ता
कइके, अपने उमिर माहीं एक घरिव बढ़ाय सकत होय? 26 एसे अगर तूँ पंचे
सबसे छोट काम नहीं कइ सकते आह्या, त खुब बातन के चिन्ता काहे करते
हया। 27 जंगली फूलन के बिरबन काहीं ध्यान से देखा, कि ऊँ कइसन बाढ़त
हें, ऊँ न त मेहनत करँय, अउर न कातके ओन्हय बनामँय, तऊ हम तोंहसे
कहित हएन, कि राजा सुलैमान घलाय, जबकि ऊँ संसार माहीं सगलेन से
धनी रहे हँय, तऊ उन फूलन म से एक्कवठे कि नाईं निकहा ओन्हा नहीं
पहिरे पाइन। 28 एसे अगर परमातिमा मइदान के चारा काहीं, जउन आज
हय, अउर काल्ह आगी माहीं झोंक दीन जई, उनहीं एतना सुन्दर ओन्हा
पहिराबत हें, त हे अल्प बिसुआसिव, ऊँ तोंहईं पंचन काहीं निकहा ओन्हा
काहे न पहिरइहँय? 29 अउर तूँ पंचे ईं सगली चीजन काहीं ढूँढ़ँइ माहीं न
रहा, कि हम का खाब-पिअब, अउर मन माहीं संका न किहा, कि परमातिमा
तोंहईं न देइहँय। 30 काहेकि संसार के सगले जातिअन के मनई, ईं सगली
चीजन काहीं ढूँढ़ँइ माहीं लगे रहत हें: पय तोंहार पिता परमातिमा इआ
जानत हें, कि तोंहईं पंचन काहीं ईं सगली चीजन के जरूरत ही। 31 पय तूँ
पंचे परमातिमा के राज के बढ़ोत्तरी के काम माहीं लगे रहा, त तोंहईं ईं
जरूरत के सगली चीजँय मिल जइहँय।”

स्वरग के धन
(मत्ती 6:19-22)

32 हे छोट झुन्ड, डेरा न; काहेकि तोंहरे पिता परमातिमा काहीं इआ नीक
लाग हय, कि तोंहईं राज देंय। 33 आपन धन-सम्पत्ती बेंच के दान कइ द्या;
अउर अपने खातिर अइसन आत्मिक बटुआ बनाबा, जउन पुरान नहीं होय,
बलकिन स्वरग माहीं अइसन आत्मिक धन एकट्ठा करा, जउन घटय नहीं,
जेही चोर नहीं चोरामँय, अउर न किरबा खाँय। 34 काहेकि जहाँ तोंहार धन-
सम्पत्ती हय, उहँय तोंहार मनव लगा रही।

तइआर रहा

35 यीसु उनसे कहिन, “तूँ पंचे हमेसा तइआर रहा, अउर तोंहार दिया
जलत रहँय, 36 अउर तूँ पंचे, ऊँ मनइन कि नाईं बना, जउन अपने मालिक
के घर लउटँय के इन्तजार माहीं रहत हें, कि जब ऊँ बरात से लउटिके
आमँय, अउर दुअरा के सँकरी खट खटामँय, त ऊँ हरबिन उनखे खातिर
केमरा खोल देंय। 37 धन्य हें, ऊँ दास लोग जिनखर मालिक आइके उनहीं
जागत पामँय; हम तोंहसे सही कहित हएन, कि ऊँ मालिक, करिहाँ बाँधिके
उनहीं खाना खाँइका बइठइहँय, अउर लघे आइके उनखर सेबा करिहँय।
38 अगर मालिक रातके दुसरे पहर, इआ कि तिसरे पहर माहीं, आइके उनहीं

जागत पामँय, त ऊँ दास धन्य हें। 39 पय तूँ पंचे इआ जानिल्या, कि अगर
घर के मालिक जानत, कि चोर केतनीदार अई, त उआ जागत रहत, अउर
अपने घर माहीं चोरी न होंइ देत। 40 एसे तुहूँ पंचे तइआर रहा, काहेकि जउने
समय के बारे माहीं तूँ पंचे सोचेव न होइहा, कि मनई के लड़िका अई, उहय
समय मनई के लड़िका आय जई।"

बिसुआस के काबिल अउर अबिसुआसी दास
(मत्ती 24:45-51)

41 तब पतरस यीसु से कहिन, "हे प्रभू, इआ उदाहरन हमहिन भर से
कहित हएन, इआ कि सगले जनेन से।" 42 तब प्रभू कहिन, "उआ
बिसुआस के काबिल अउर बुद्धिमान सगले भन्डार के मालिक को कहाबत
हय, उहय जेखर मालिक, ओही नोकर-चाकरन के ऊपर मुखिया बनामँय,
कि उआ समय माहीं सगलेन काहीं खाँय बाली चीजन काहीं देय। 43 धन्य
हय, उआ दास, जेही ओखर मालिक आइके जउन कहिगे रहे हँय, उहयमेर
करत पामँय। 44 हम तोंहसे सही कहित हएन; ऊँ मालिक, ओही अपने
सगले धन-सम्पत्ती के मालिक बनाय देइहँय। 45 पय अगर उआ दास सोचँइ
लागय, कि हमार मालिक देर से अइहँय, अउर उनखे दुसरे दास-दासिन
काहीं मारँय-पीटँय लागय, अउर खाँय-पिअँइ माहीं परिजाय, अउर
पियक्कड़ होंइ लागय। 46 तब ओखर मालिक अइसन दिन अइहँय, कि जब
उआ दास सोचत होई कि आज ऊँ न अइहँय, अउर अइसन समय माहीं
आय जइहँय, जउने काहीं उआ न जानत होई, अउर ऊँ मालिक आइके
ओही खुब सजा देइहँय, अउर ओखर गिनती अबिसुआसी लोगन माहीं
करिहँय। 47 अउर उआ दास जउन अपने मालिक के इच्छा जानत रहा हय,
पय उनखे आमँइ के समय तइआर नहीं रहा, अउर अपने मालिक के इच्छा
के मुताबिक नहीं चला, उआ अपने मालिक से खुब मार खई। 48 पय जउन
मनई बिना जाने मार खाँय के काबिल काम करत हय, उआ न जानँय के
कारन थोरिन काहीं मार पाई। एसे जेही खुब काम दीनगा हय, ओसे खुब
लेखा लीन जई; अउर जेही खुब जिम्मेबारी दीनगे ही, ओसे खुब लेखा लीन
जई।"

यीसु के दुबारा आमँइ के परिनाम
(मत्ती 10:34-36)

49 ओखे बाद यीसु पुनि कहिन, "हम धरती माहीं आगी लगामँइ आएन
हँय; अउर इआ चाहित हएन, कि केबल इआ अबे सुलुगि जाय! 50 हमहीं त
एकठे बपतिस्मा लेंइ क हय, अउर जब तक उआ पूर न होइ जाय, तब तक
हम खुब कस्ट माहीं रहब! 51 का तूँ पंचे इआ समझते हया, कि हम धरती
माहीं मेल-मिलाप करामँइ आएन हय? हम तोंहसे कहित हएन; कि नहीं,
बलकिन अलग करामँइ आएन हय। 52 काहेकि अब से, एकठे घर माहीं पाँच
जने, एक दुसरे से बिरोध करिहँय, तीन जने दुइ जने से, अउर दुइ जने तीन
जने से। 53 बाप लड़िका से, अउर लड़िका बाप से बिरोध रक्खी; महतारी
बिटिया से, अउर बिटिया महतारी से, अउर सास पुतऊ से, अउर पुतऊ सास
से बिरोध रक्खी।"

समय के पहिचान
(मत्ती 16:2,3)

54 यीसु भीड़ के मनइन से कहिन, "जब तूँ पंचे बदरी काहीं पच्छिम से
उठत देखते हया, त हरबिन जान लेते हया, कि पानी बरसी, अउर अइसनय
होत हय। 55 अउर जब दक्खिन दिसा से हबा चलत देखते हया, तब कहते
हया, कि लूक चली, अउर अइसनय होत हय। 56 हे कपटिव, तूँ पंचे धरती
अउर अकास के रूप-रंग माहीं भेद बताय सकते हया, पय इआ जुग के बारे
माहीं, काहे भेद करँय नहीं जन त्या?

अपने मुद्दई से समझउता
(मत्ती 5:25,26)

57 तूँ पंचे अपने आपय काहे निरनय नहीं कइ लेते आह्या, कि उचित का
हय? 58 जब तूँ अपने बिरोधी के साथ राजपाल के लघे जाते हया, त गइलय
माहीं ओसे समझउता कइल्या, अइसा न होय, कि उआ बिरोधी तोंहईं
राजपाल के लघे लइ जाय, अउर राजपाल तोंहईं सिपाही के हाँथ माहीं
सउँपि देय, अउर सिपाही लइ जाइके जेल माहीं डार देय। 59 हम तोंहसे
कहित हएन, कि जब तक तूँ पाई-पाई चुकाय न देइहा, तब तक जेल से छूटे
न पइहा।"

मन काहीं बदला इआ नास होइजा

13 उहय समय कुछ जने आइगें, अउर उन गलीली लोगन के बारे माहीं
बात करँइ लागें, जिनहीं रोम देस के राजपाल पिलातुस यरूसलेम
मन्दिर माहीं बलिदान चढ़ाबत माहीं मरबाय डारिन तय। 2 ईं बातन काहीं
सुनिके यीसु उनसे कहिन, "का तूँ पंचे इआ समझते हया, कि ईं गलीली
लोग सगले गलीली लोगन से जादा पापी रहे हँय, जउने से इआ बिपत्ती
उनखे ऊपर परी? 3 हम तोंहसे कहित हएन, कि नहीं; पय अगर तूँ पंचे
पस्चाताप न करिहा, त तुहूँ पंचे सगले जने इहइमेर से नास होइ जइहा। 4 तूँ
पंचे का समझते हया, कि ऊँ अठारा जने जिनखे ऊपर सीलोह के गुम्मट
गिरिगा हय, अउर ऊँ पंचे दबिके मरिगे हँय; यरूसलेम सहर के रहँइ बाले
सगले मनइन से जादा अपराधी रहे हँय? 5 हम तोंहसे कहित हएन, कि नहीं;
पय अगर तूँ पंचे पाप करब न छोंड़िहा त तुहूँ सगले जने इहइमेर से नस्ट होइ
जइहा।"

बिना फर के अंजीर के बिरबा के उदाहरन

6 पुनि यीसु इहव उदाहरन कहिन, "कउनव मनई के अंगूर के बगिया माहीं
एकठे अंजीर के बिरबा लगा रहा हय। उआ मनई अंजीर के बिरबा माहीं फर
ढूँढ़ँइ आबा, पय एक्कवठे फर नहीं पाइस। 7 तब उआ मनई बगिया के
रखबारी करँइ बाले से कहिस, 'देखा तीन बरिस से हम इआ अंजीर के
बिरबा माहीं फर ढूँढ़ँइ अइत हएन, पय एक्कव फर नहीं पाई। इआ बिरबा
काहीं काटि डारा, इआ काहे भुँइ काहीं छिंदाए रहय?' 8 बगिया के देखभाल
करँइ बाला उनसे कहिस, 'हे मालिक, इआ बिरबा काहीं इआ बरिस अऊ
रहँइ देई; कि हम एखे चारिव कइती खोदिके खाद डारी। 9 अगर आँगे साल
फरी त ठीक हय, नहीं त काट डारब'।"

पबित्र दिन काहीं कुबरी मेहेरिआ काहीं नीक करब

10 एक दिन यीसु पबित्र दिन काहीं यहूदी सभाघर माहीं उपदेस देत रहे
हँय। 11 उहाँ एकठे मेहेरिआ बइठ रही हय, जउने काहीं अठारा साल से
एकठे कमजोर करँइ बाली बुरी आत्मा पकड़े रही हय, एसे उआ कुबरी
होइगे रही हय, अउर कउनव मेर से सीध नहीं ठाढ़ होइ सकत रही आय।
12 यीसु ओही देखिके बोलाइन, अउर कहिन, "हे बहिनी, तूँ अपने कमजोरी
से छूटि गया हय।" 13 तब यीसु ओखे ऊपर आपन हाँथ धरिन, अउर उआ
तुरन्तय सीध होइगे, अउर परमातिमा के बड़ाई करँइ लाग। 14 यीसु उआ
मेहेरिआ काहीं पबित्र दिन काहीं नीक किहिन तय, एसे यहूदी सभाघर के
मुखिया गुस्साइके, उहाँ बइठ सगले मनइन से कहँइ लाग, "छय दिन हें
जउने माहीं काम करँइ चाही, अउर उँइन दिनन माहीं बिमारन काहीं नीक
करामँइ लइ आबा करा; पय पबित्र दिन काहीं नहीं।" 15 ईं बातन काहीं
सुनिके प्रभू जबाब दिहिन, "हे कपटिव, का पबित्र दिन काहीं तोंहरे पंचन म
से हरेक जन अपने सार से बरधा, अउर गदहन काहीं छोरिके पानी पिआमँइ
नहीं लइ जाते आह्या? 16 त का इआ उचित नहिं आय, कि इआ मेहेरिआ
जउन अब्राहम के कुल के बिटिआ आय, अउर जउने काहीं सइतान अठारा
बरिस से अपने काबू माहीं कए रहा हय। पबित्र दिन काहीं इआ ओखे बन्धन

से छोंड़ाई जाय?" 17 जब यीसु ईं बातँय कहिन, तब उनखर सगले बिरोधी
लज्जित होइगें, अउर सगली भीड़ के मनई ऊँ चमत्कारन के कामन काहीं
देखिके, जउन यीसु किहिन तय, आनन्दित होइगें।

राई के दाना के उदाहरन
(मत्ती 13:31,32; मरकुस 4:30-32)

18 यीसु पुनि कहिन, "परमातिमा के राज केखी कि नाईं हय? अउर हम
ओखर तुलना कउने चीज से करी? 19 परमातिमा के राज राई के दाना कि
नाईं हय: जउने काहीं कउनव मनई लइके अपने खेत माहीं बोइस, अउर
उआ बाढ़िके बिरबा होइगा; अउर अकास माहीं उड़ँइ बाले पच्छी ओखे
डेरइअन माहीं बसेर डारिन।"

खमीर के उदाहरन
(मत्ती 13:33)

20 यीसु पुनि कहिन, "हम परमातिमा के राज के उपमा कउने चीज से
देई? 21 परमातिमा के राज खमीर कि नाईं हय, जउने काहीं थोरी क लइके
कउनव मेहेरिआ, तीन पसेरी पिसान माहीं मिलाय दिहिस, अउर उआ धीरे-
धीरे सगले पिसान माहीं फइलिके ओही आमिल कइ देत हय अउर बढ़ाय
देत हय।"

साँकर दुअरा
(मत्ती 7:13,14,21-23)

22 यीसु सहरन-सहरन अउर गाँमन-गाँमन होइके उपदेस देत यरूसलेम
सहर कइ जात रहे हँय, 23 तबहिनय कउनव पूँछिस, "हे प्रभू, का मुक्ती
पामँइ बाले थोरिन काहीं हें?" यीसु उनसे कहिन, 24 "साँकर दुअरा से
परमातिमा के राज माहीं प्रबेस करँइ के कोसिस करा, काहेकि हम तोंहसे
सही कहित हएन, कि खुब मनई उआ दुअरा से प्रबेस करँइ के कोसिस
करिहँय, पय कर न पइहँय। 25 जब कउनव घर के मालिक उठिके दुअरा बंद
कइ चुका होय, अउर तूँ बहिरे ठाढ़ होइके दुअरा खट खटाइके कहँइ लागा,
'हे मालिक, हमरे खातिर दुअरा खोल देई', अउर ऊँ तोंहईं जबाब देंइ 'हम
तोंहईं नहीं जानी, तूँ पंचे कहाँ के आह्या?' 26 तब तूँ पंचे कहँइ लगिहा, 'हम
अपना के साथ माहीं खाएन-पिएन, अउर अपना हमरे बजारन माहीं उपदेस
दिहेन हय।' 27 पय घर के मालिक कइहँय, 'हम तोंहसे कहित हएन, कि हम
तोंहईं नहीं जानी, कि कहाँ से आया हय। हे कुकर्मिव, तूँ सगले जन हमसे
दूरी होइजा।' 28 उहाँ रोउब अउर दाँत पीसब होई; जब तूँ पंचे अब्राहम अउर
इसहाक अउर याकूब अउर सगले परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन काहीं,
परमातिमा के राज माहीं बइठे, अउर अपने काहीं बहिरे निकारे देखिहा;
29 अउर पूरुब अउर पच्छिम; उत्तर अउर दक्खिन से खुब मनई आइके,
परमातिमा के राज के जेउनार माहीं सामिल होंइ हँय। 30 अउर देखा, जे
कोऊ इआ संसार माहीं खुद काहीं सगलेन से बड़ा मानत हें, ऊँ पंचे स्वरग
माहीं सगलेन से छोट माने जइहँय, अउर जे कोऊ इआ संसार माहीं खुद
काहीं सगलेन से छोट मानत हें, ऊँ पंचे स्वरग माहीं सगलेन से बड़े माने
जइहँय।"

राजा हेरोदेस के दुसमनी

31 ओतनिनदार फरीसी लोग आइके यीसु से कहिन, "इहाँ से निकरिके
चले जई, काहेकि राजा हेरोदेस अपना काहीं मारि डारँइ चाहत हें।" 32 यीसु
उनसे कहिन, "जाइके उआ लोखरी कि नाईं हुसिआर मनई से कहि द्या, कि
देख, हम आज अउर काल्ह बुरी आत्मन काहीं निकारब, अउर बिमारन
काहीं नीक करब, अउर तिसरे दिन आपन काम पूर करब। 33 चाह कुछू होइ
जाय, तऊ हमहीं आज अउर काल्ह अउर परसँव चलिके यरूसलेम पहुँचब
जरूरी हय, काहेकि अइसन नहीं होइ सकय, कि कउनव परमातिमा के
सँदेस बतामँइ बाला यरूसलेम सहर के बहिरे मारा जाय।"

यरूसलेम के खातिर बिलाप
(मत्ती 23:37-39)

34 "हे यरूसलेम सहर के मनइव, हे यरूसलेम सहर के मनइव! तूँ पंचे
परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन काहीं मारि डरते हया, अउर जेतने जने
तोंहरे लघे पठए गे हें, उनहीं पथरा मरते हया। अउर हम कइअक बेरकी
इआ चाहेन, कि जइसन मुरगी अपने बच्चन काहीं, अपने पखनन के नीचे
एकट्ठा करत ही, उहयमेर हमहूँ, तोंहरे लड़िकन काहीं एकट्ठा कइ लेई, पय तूँ
पंचे इआ नहीं चाह्या। 35 अउर देखा, अब तोंहार पंचन के मन्दिर पूरी तरह
उजर जई। अउर हम तोंहसे कहित हएन, कि जब तक तूँ पंचे इआ न कइहा,
कि
'धन्य हें ऊँ, जउन प्रभू के नाम से आबत हें' तब तक तूँ पंचे हमहीं पुनि
कबहूँ न देखिहा।"

फरीसी के घर माहीं यीसु

14 तब यीसु पबित्र दिन काहीं फरीसी लोगन के मुखिअन म से कउनव
के घर माहीं खाना खाँइ गें; अउर उहाँ कुछ जने यीसु के गलती
पकड़ँइ के ताक माहीं लगे रहे हँय। 2 उहाँ एकठे मनई रहा हय, जउने काहीं
हाँथ-गोड़ फूलँइ के बिमारी रही हय। 3 तब यीसु, मूसा के बिधान सिखामँइ
बालेन अउर फरीसी लोगन से पूँछिन, "का पबित्र दिन काहीं बिमारन काहीं
नीक करब उचित हय कि नहीं?" 4 पय ऊँ पंचे कुछू नहीं बोले। तब यीसु
उआ बिमार काहीं छुइके नीक कइ दिहिन, अउर ओही चले जाँय दिहिन।
5 अउर यीसु उनसे कहिन, "तोंहरे पंचन म से अइसा को हय, जेखर गदहा,
इआ कि बरधा कुँइआ माहीं गिर जाय, अउर उआ पबित्र दिन काहीं हरबिन
कुँइआ से बहिरे न निकारय?" 6 ऊँ पंचे, यीसु के ईं बातन के जबाब नहीं दए
पाइन।

नम्रता के साथ महिमानन के स्वागत

7 जब यीसु देखिन, कि नेउतहरी आइके कइसन खास-खास जघन काहीं
चुनिके बइठ जात हें, तब ऊँ उनसे एकठे उदाहरन कहिन, 8 "जब कोऊ
तोंहईं बिआह माहीं नेउता दइके बोलाबय, त खास जघा माहीं जाइके न
बइठ्या, कहँव अइसा न होय, कि उआ मनई तोंहऊँ से बड़े महिमानन काहीं
नेउता दइके बोलाए होय, 9 अउर उआ मनई जउन तोंहईं अउर उनहीं दोनव
जनेन काहीं नेउता दिहिस ही, आइके तोंहसे कहय, कि 'इआ जघा माहीं
इनहीं बइठँय देई', तब तोंहईं लजाइके सगलेन से पीछे के जघा माहीं बइठँय
परय। 10 पय जब तोंहईं नेउते माहीं बोलाबा जाय त सगलेन से पीछे के जघा
माहीं बइठा; कि जब ऊँ जे तोंहईं नेउता दिहिन हीं आइके तोंहसे कहँय, 'हे
साथी आँगे बढ़िके बइठा', तब तोंहरे साथ माहीं बइठे मनइन के आँगे तोंहार
बड़ाई होई। 11 काहेकि जे कोऊ खुद काहीं बड़ा बनाई, उआ परमातिमा के
व्दारा छोट कीन जई: अउर जे कोऊ खुद काहीं छोट बनाई, त उआ
परमातिमा के व्दारा बड़ा कीन जई।"
12 तब यीसु अपने नेउता देंइ बाले से घलाय कहिन, "जब तूँ दिन माहीं
चाह रात माहीं भोज करा त, अपने साथिन इआ कि भाई पट्टिदारन काहीं,
इआ कि धनी परोसिन काहीं न बोलाया, काहेकि ऊँ तोंहऊँ काहीं नेउता
देइहँय, अउर तोंहईं बदला मिल जई। 13 पय जब तूँ भोज करा, त कंगालन
काहीं, लूलन-लँगड़न काहीं, अउर अँधरन काहीं बोलाबा। 14 तब तूँ धन्य
कहइहा, काहेकि उनखे लघे तोंहईं बदला देंइ के खातिर कुछू न रही, पय
धरमिन के दुबारा जिए के बाद, स्वरग माहीं तोंहईं एखर प्रतिफल जरूर
मिली।"

बड़ी जेउनार के उदाहरन
(मत्ती 22:1-10)

15 यीसु के साथ खाना खाँइ बालेन म से एक जने ईं बातन काहीं सुनिके
उनसे कहिन, “धन्य हय उआ, जउन परमातिमा के राज माहीं खाना खई।”
16 यीसु ओसे कहिन, “कउनव मनई खुब बड़ी जेउनार किहिन, अउर खुब
जनेन काहीं नेउता दइके बोलबाइन। 17 जब खाना तइआर होइगा, तब ऊँ
अपने दास से नेउतहरिन काहीं कहबाय पठइन, कि आबा, अब खाना
तइआर हय। 18 पय ऊँ सगले नेउतहरी उनसे आनाकानी करँइ लागें। उनमा
से एक जने कहिस, ‘हम अबहिनय खेत खरीदेन हय, ओही देखब जरूरी
हय; हम तोंहसे बिनती करित हएन, कि हमहीं माफ कइ द्या।’ 19 दुसरव जन
इहइमेर कहिन, ‘हम पाँच जोड़ी बरधा खरीदेन हँय, उनहिन काहीं दमँय
जइत हएन; हम तोंहसे बिनती करित हएन, कि हमहीं माफ कइ द्या।’
20 एक जने अउर कहिस, हम ‘अबहिनय काज किहेन हय, हम नहीं आय
सकी।’ 21 उआ दास आइके अपने मालिक काहीं ईं सगली बातँय बताइस।
तब घर के मालिक गुस्साइके अपने दास से कहिन, सहर के बजारन अउर
गलिन माहीं हरबी जाइके, कंगालन, लूलन-लँगड़न अउर अँधरन काहीं इहाँ
बोलाय लाबा। 22 दास आइके कहिस, ‘हे मालिक, जइसन अपना कहेन तय
उहयमेर किहेन हय; अउर ओखे बादव घर माहीं जघा खाली हय।’ 23 ऊँ
मालिक अपने दास से कहिन, सड़कन अउर बगिअन माहीं जाइके उहाँ से
मनइन काहीं जबरई बोलाइके लइ आबा, जउने हमार घर भर जाय।
24 काहेकि हम तोंहसे कहित हएन, कि ऊँ नेउतहरिन म से कउनव हमरे
जेउनार माहीं खाना न खाँय पाई।”

चेला बनँइ के कीमत
(मत्ती 10:37,38)

25 जब खुब भीड़ यीसु के साथ जात रही हय, तब यीसु मुड़िके उनसे
कहिन, 26 “अगर कोऊ हमरे लघे आबय, अउर अपने महतारी-बाप, अउर
लड़िका-मेहेरिआ, अउर भाई-बहिनिन काहीं, अउर अपने प्रान काहीं पियार
मानत हय, त उआ हमार चेला नहीं बन सकय; 27 अउर जे कोऊ आपन
क्रूस उठाइके हमरे पीछे न चली अरथात दुख-तकलीफ सहिके, हमरे बातन
काहीं न मानी, उआ हमार चेला नहीं बन सकय।
28 तोंहरे पंचन म से अइसन कउन हय, जउन बड़ा घर बनामँइ चाहत
होय, अउर पहिले बइठिके खरचा न जोरय, कि सगला घर बनामँइ के
हिम्मत हमरे हय कि नहीं? 29 कहँव अइसन न होय, कि नेव भर देय अउर
घर न बनाए पाबय, तब सगले देखइआ, इआ कहिके ओखर हँसी उड़ामँइ
लागँय, 30 इआ ‘मनई घर त बनामँइ लाग, पय बनए नहीं पाइस?’ 31 इआ
कि कउन अइसन राजा हय, जउन दुसरे राजा से लड़ाई करँइ जात होय,
अउर पहिले सोचय बिचारय न कि जउन बीस हजार सिपाहिन काहीं लए
हमरे ऊपर चढ़ाई करँइ आबत हय, त का हम दस हजार सिपाहिन काहीं
लइके, ओखर सामना कइ सकित हएन, कि नहीं? 32 नहीं त दस हजार
सिपाहिन बाला राजा, दुसरे राजा से जब उआ दूरिन होई, तबहिनय उआ
आपन दूत पठइके मेल-मिलाप करँइ के कोसिस करी। 33 इहइमेर से तोंहरे
पंचन म से, जे कोऊ आपन सब कुछ छोंड़ न देई, उआ हमार चेला नहीं होइ
सकय।”

बिना स्वाद के नोन
(मत्ती 5:13; मरकुस 9:50)

34 यीसु पुनि कहिन, “नोन त निकहा होत हय, पय अगर ओखर सखरई
खतम होइ जाय, त फेर उआ कउने चीज से सखार कीन जई। 35 अउर उआ
न भुँइ के, अउर न त खादय के काम आबय, ओही सगले मनई बहिरे फेंकि
देत हें। जेखर सुनँय के मन होय, उआ बड़े ध्यान से सुन लेय।”

हेरान गाड़र के उदाहरन
(मत्ती 18:12-14)

15 यीसु के लघे सगले चुंगी लेंइ बाले अउर पापी मनई आबत रहे हँय,
कि उनखे बचन काहीं सुनँय। 2 पय फरीसी अउर मूसा के बिधान
सिखामँइ बाले, कुड़कुड़ाइके कहँइ लागें, “ईं त पापी लोगन से मिलत हें,
अउर उनखे साथ खाना घलाय खात हें।”
3 तब यीसु उनसे एकठे उदाहरन कहिन: 4 “मान ल्या, कि तोंहरे पंचन म
से, कोहू के लघे सवठे गाड़र होंय, अउर उनमा से एकठे हेराइ जाय, त का
उआ मनई निन्यान्नबे गड़रन काहीं जंगल माहीं छोंड़िके, उआ हेरान गाड़र
काहीं, तब तक न ढूँढ़त रही, जब तक कि उआ मिल न जाय? 5 अउर जब
उआ मिल जात ही, तब उआ मारे उराव के ओही अपने काँधा माहीं उठाय
लेत हय; 6 अउर अपने घर माहीं आइके, अपने साथिन अउर परोसिन काहीं
एकट्ठा कइके कहत हय, कि ‘हमरे साथ आनन्द करा, काहेकि हमार जऊँ
गाड़र हेराइगे तय, उआ मिलगे ही।’ 7 हम तोंहसे कहित हएन, कि इहइमेर
से जब कउनव मनई पाप करब छोंड़िके परमातिमा के बचन माहीं चलत
हय, तब ओखे बारे माहीं स्वरग माहीं इहइमेर आनन्द मनाबा जात हय,
बलकिन निन्यान्नबे धरमिन के बारे माहीं, एतना आनन्द नहीं मनाबा जाय,
काहेकि उनहीं पुनि मन फिरामँइ के जरूरत नहिं आय।”

हेरान सिक्का के उदाहरन

8 यीसु इहव कहिन, “सोचा कउन अइसन मेहेरिआ हय, जउने के लघे
दसठे चाँदी के सिक्का होंय। अउर उनमा से एकठे हेराइ जाय, त का उआ
दिया जलाइके, सगले घर काहीं तब तक न बटोरत रही, अउर मन लगाइके
ढूँढ़त न रही, जब तक कि उआ सिक्का मिल न जाय? 9 अउर जब उआ
सिक्का मिल जात हय, तब उआ अपने सखिन अउर परोसिन काहीं एकट्ठा
कइके कहत ही, कि ‘हमरे साथ आनन्द मनाबा, काहेकि हमार सिक्का
जउन हेराइगा तय, उआ मिलिगा हय।’ 10 हम तोंहसे कहित हएन; कि
इहइमेर से जब एकठे मनई पाप करब छोंड़िके परमातिमा के बचन माहीं
चलत हय, तब ओखे बारे माहीं स्वरग माहीं परमातिमा के आँगे, स्वरगदूतन
माहीं आनन्द मनाबा जात हय।”

बिगड़े लड़िका के उदाहरन

11 पुनि यीसु कहिन, “एकठे मनई के दुइठे लड़िका रहे हँय। 12 उनमा से
छोटकबा लड़िका अपने बाप से कहिस, ‘हे पिताजी, धन-सम्पत्ती म से
जउन हमार हिस्सा होय, त बाँटिके हमहीं दइ देई।’ उनखर बाप आपन धन-
सम्पत्ती बाँटिके दोनव जनेन काहीं दइ दिहिन। 13 कुछ दिना बाद छोटकबा
लड़िका, आपन सगली धन-सम्पत्ती एकट्ठा किहिस अउर लइके खुब दूरी
दुसरे देस माहीं चला ग, अउर उहाँ आपन सगली धन-सम्पत्ती कुकर्मन माहीं
उड़ाय दिहिस। 14 जब ओखर सगली धन-सम्पत्ती खरचा होइगे, तब उआ
देस माहीं भारी अकाल परा, अउर उआ कंगाल होइगा। 15 एसे उआ उहय
देस माहीं रहँइ बाले एकठे मनई के लघे, काम माँगय ग, अउर उआ मनई
ओही, अपने खेतन माहीं सुमर चरामँइ के खातिर लगाय लिहिस। 16 अउर
उआ चाहत रहा हय, कि उन फलिअन से जउने काहीं सुमर खात रहे हँय,
आपन पेट भरय; अउर ओही कोऊ कुछू खाँइ काहीं नहीं देत रहा। 17 जब
ओही आपन गलती महसूस भय, तब कहँइ लाग, ‘हमरे बाप के घर माहीं
मजूरन काहीं, उनखे जरूरत से जादा खाना मिलत हय; अउर हम इहाँ
भूँखन मरित हएन।’ 18 तब उआ कहिस हम अब अपने बाप के लघे जाब,
अउर उनसे कहब कि पिताजी, हम परमातिमा के बिरोध माहीं, अउर अपना
के बिरोध माहीं पाप किहेन हय। 19 हम अब एखे लाइक नहिं आहेन, कि
अपना के लड़िका कहाई, पय हमहीं अपना एकठे मजूर कि नाईं रख लेई।
20 तब उआ उठिके अपने बाप के लघे चल दिहिस, जब उआ घर के
थोरिन दूर रहय, तबहिनय ओखर बाप देखिके तरस खाइन, अउर दउड़िके

ओही अपने गले लगाय लिहिन, अउर खुब चूँमिन। 21 तब उआ लड़िका
अपने बाप से कहिस, 'पिताजी, हम परमातिमा के बिरोध माहीं, अउर
अपना के बिरोध माहीं पाप किहेन हय; अउर हम अब एखे काबिल नहिं
आहेन, कि अपना के लड़िका कहाई।' 22 पय बाप अपने सेबकन से कहिन,
'हरबी निकहा से निकहा ओन्हा लइ आबा, अउर ओही पहिराबा, अउर
ओखे हाँथे माहीं अँगूठी, अउर गोड़े माहीं पनहीं पहिराबा, 23 अउर खाँय-
पिअँइ के निकहा प्रबन्ध करा, जउने हम पंचे खई अउर आनन्द मनाई।'
24 काहेकि हमार इआ लड़िका पाप किहे के कारन मरे कि नाईं होइगा तय,
पय गलती काहीं सोइकार कइ लेंइ के कारन जिन्दा कि नाईं होइगा हय:
जउन हेराइगा रहा हय, अब उआ मिलिगा हय, अउर ऊँ सगले जने आनन्द
मनामँइ लागें।

25 पय उनखर जेठ लड़िका खेत माहीं रहा हय। अउर जब उआ आबत-
आबत घर के लघे पहुँचा, तब ओही गामँइ-बजामँइ के बोल सुनान। 26 तब
उआ अपने एकठे दास काहीं बोलाइके पूँछिस, 'घर माहीं इआ का होत
हय?' 27 दास उनसे कहिस, 'अपना के भाई आए हँय, अउर अपना के
पिताजी, खाँय-पिअँइ के निकहा प्रबन्ध कराइन हीं, एसे कि ऊँ उनहीं नीक-
सूख पाइन हीं।' 28 एतना सुनिके उआ खुब गुस्साइगा, अउर घर के भीतर
नहीं जाँय चाहिस, पय ओखर बाप बहिरे आइके ओही मनामँइ लागें।
29 उआ जेठ लड़िका अपने बाप काहीं जबाब दिहिस, 'देखी हम त एतने
बरिस से अपना के सेबा करत आहेन, अउर कबहूँ अपना के हुकुम काहीं
नहीं टारेन, तऊ अपना हमरे खातिर एकठे बोकरी के बच्चव तक नहीं दिहेन,
कि हम अपने साथिन के साथ आनन्द करित। 30 पय जब अपना के इआ
छोटकबा लड़िका, जउन अपना के धन सम्पत्ति बेस्यन माहीं उड़ाय दिहिस
ही, तऊ जब उआ आबा, तब ओखे खातिर खाँय-पिअँइ के निकहा प्रबन्ध
कर बायन हय।' 31 तब उआ बाप अपने जेठ लड़िका काहीं समझाइस,
'बेटा, तूँ त हमेसा हमरे साथ हया; अउर जउन कुछू धन-सम्पत्ती हमरे लघे
ही, उआ सगली तोंहारय आय।' 32 पय अब आनन्द मनामँइ चाही, काहेकि
जउन तोंहार इआ भाई पाप किहे के कारन मरे कि नाईं होइगा तय, पय
गलती काहीं सोइकार कइ लेंइ के कारन जिन्दा कि नाईं होइगा हय, जउन
भटक ग रहा हय, अब उआ मिलिगा हय।"

हुसिआर भन्डारी

16 पुनि यीसु चेलन से कहिन, "कउनव धनमान के एकठे भन्डारी रहा
हय, अउर कुछ मनई धनमान मनई से इआ चुगली किहिन, कि
तोंहार इआ भन्डारी तोंहार सगली धन सम्पत उड़ाए डारत हय। 2 तब धनी
मनई अपने भन्डारी काहीं बोलाइके कहिन, 'इआ का आय जउन हम तोंहरे
बारे माहीं सुनित हएन? अपने भन्डार के काम के हमहीं लेखा-जोखा द्या,
काहेकि अब हम तोंहईं भन्डारी न बनाउब।' 3 तब उआ भन्डारी सोचँइ लाग,
'अब हम का करी? काहेकि अब हमार मालिक हमहीं भन्डार के काम से
निकार देइहँय। माटी त हमार खोदी न होई; अउर भीखव मागँइ माहीं हमहीं
लाज लागी। 4 अब हम जान गएन, कि हमहीं का करँइ चाही, जउने जब हम
भन्डारी के काम से निकारे जई, त मनई हमहीं अपने घरन माहीं रख लेंय।'
5 तब उआ भन्डारी अपने मालिक के करजा लेंइ बालेन काहीं एक-एक
कइके बोलाइस, अउर पहिल बाले से पूँछिस, 'तोंहरे ऊपर हमरे मालिक के
केतना करजा हय?' 6 उआ कहिस, 'सव मन तेल', तब उआ भन्डारी ओसे
कहिस, 'आपन बही-खाता निकारिके, अउर बइठिके हरबी पचास लिख
दे।' 7 पुनि उआ भन्डारी दुसरे से पूँछिस, 'तोंहरे ऊपर हमरे मालिक के
केतना करजा हय?' उआ कहिस, 'सव मन गोहूँ', तब उआ भन्डारी ओसे
कहिस, 'आपन बही-खाता लइके अस्सी लिख दे।'

8 यीसु कहिन, 'तब मालिक उआ अधरमी भन्डारी काहीं सराहिस, कि
उआ बड़ी चलाँकी से काम किहिस ही।' काहेकि इआ संसार के मनई अपने
समय के मनइन के साथ, रीति-रिबाजन अउर बेउहार करँइ माहीं परमातिमा
के बचन मानँइ बाले मनइन से जादा हुसिआर हें। 9 अउर हम तोंहसे कहित
हएन, कि इआ बुरी दुनिया के धन-सम्पत्ती से अपने खातिर साथी बनाय
ल्या, जउने जब तोंहार सगली धन-सम्पत्ती खतम होइ जाय, त ऊँ पंचे तोंहईं
अपने अनन्त घरन माहीं रख लेंय। 10 जे कोऊ थोरिव काम माहीं बिसुआस
के काबिल हय, त उआ खुब कामन माहीं बिसुआस के काबिल रही, अउर
जे थोरी-थोरी कामन माहीं अधरमी हय, त उआ खुब कामन माहीं अधरमी
रही। 11 एसे जब तूँ पंचे इआ संसार के धन काहीं सम्हारँय माहीं, बिसुआस
के काबिल नहीं आह्या, त परमातिमा के बचन रूपी सच्चा धन तोंहईं को
सउँपी? 12 अउर अगर तूँ पंचे दुसरे के धन माहीं बिसुआस के काबिल नहीं
ठहर सके आह्या, त जउन तोंहार आय, ओही तोंहईं को देई?"

13 यीसु पुनि कहिन, "कउनव सेबक दुइठे मालिकन के सेबा नहीं कइ
सकय: काहेकि उआ एकठे से दुसमनी अउर दुसरे से प्रेम रखी; इआ कि
एकठे से मिला रही, अउर दुसरे काहीं तुच्छ जानी। एसे तूँ पंचे परमातिमा
अउर धन, दोनव के सेबा नहीं कइ सकते आह्या।"

यीसु के कुछ उपदेस

(मत्ती 11:12,13; 5:31,32; मरकुस 10:11,12)

14 फरीसी लोग जउन लोभी रहे हँय, ईं सगली बातन काहीं सुनिके यीसु
के हँसी उड़ामँइ लागें। 15 तब यीसु उनसे कहिन, "तूँ पंचे त मनइन के आँगे
अपने-आप काहीं बड़ा धरमी ठहरउते हया, पय परमातिमा तोंहरे मन के
बात काहीं जानत हें, काहेकि जउन चीज मनइन के निगाह माहीं महान ही,
उआ परमातिमा के नजर माहीं तुच्छ ही।

16 मूसा के बिधान अउर परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले यूहन्ना
बपतिस्मा देंइ बाले तक रहे हँय; उआ समय से परमातिमा के राज के खुसी
के खबर सुनाई जाय रही हय, अउर जे कोऊ बिसुआस करत हें, ऊँ पंचे
स्वरगराज माहीं सामर्थ के साथ प्रबेस करत हें। 17 अकास अउर धरती टर
सकत हें, पय जउन बात मूसा के बिधान माहीं दीन गई हँय, उँइ कबहूँ न
टरिहँय।"

18 यीसु इहव कहिन, "जउन मनई अपने पहिल मेहेरिआ काहीं छोंड़िके
दुसरे मेहेरिआ से काज करत हय, त उआ अपने पहिल मेहेरिआ के बिरोध
माहीं ब्यभिचार करत हय। अउर जे कोऊ उआ छोंड़ी मेहेरिआ से काज
करत हय, त उहव ब्यभिचार करत हय।"

धनी मनई अउर गरीब लाजर

19 पुनि यीसु कहिन, "एकठे धनी मनई रहा हय, जउन हमेसा कीमती
अउर निकहे ओन्हा पहिरत रहा हय, अउर रोज सुख-बिलास अउर धूम-धाम
के साथ रहत रहा हय। 20 अउर उहँइ लाजर नाम के एकठे कंगाल मनई
जउने के सगले देंह माहीं घाव रहे हँय, ओखे दुअरा माहीं छोंड़ दीन जात रहा
हय, 21 अउर उआ चाहत रहा हय, कि धनी मनई के टेबुल के जूँठन से
आपन पेट भरय; इहाँ तक कि कुकुरव आइके ओखे घावन काहीं चाटत रहे
हँय। 22 अउर अइसन भ कि उआ कंगाल लाजर मरिगा, अउर स्वरगदूत
आइके ओही लइगें, अउर स्वरग माहीं अब्राहम के लघे अराम के जघा माहीं
पहुँचाइन। अउर उआ धनी मनइव मरिगा, अउर गाड़ दीनगा, 23 अउर उआ
अधोलोक माहीं पीरा माहीं परे, आँखी उठाइके दूरिन से अब्राहम के लघे
लाजर काहीं बइठे देखिस। 24 तब उआ धनी मनई चिल्लाइके कहिस, 'हे
पिता अब्राहम, हमरे ऊपर दया कइके लाजर काहीं हमरे लघे पठय देई,
जउने उआ अपने अँगुरी काहीं पानी माहीं बोरिके हमरे जीभ काहीं ठंड
कइदेय, काहेकि हम इआ ज्वाला माहीं छटपटाय रहेन हय।' 25 पय अब्राहम
ओसे कहिन, 'हे बेटबा सुधि करा, कि तूँ अपने जिन्दगी माहीं सगली निकही
चीजँय: पाय चुके हया, अउर उहइमेर लाजर बुरी चीजन काहीं पाय चुका
हय, पय अब लाजर इहाँ सान्ती पाय रहा हय, अउर तूँ तड़पते हया। 26 अउर
ईं बातन के अलाबा, हमरे अउर तोंहरे बीच माहीं एकठे बड़ा भारी गड्ढा हय,
जउने इआ पार से उआ पार तोंहरे लघे कोऊ जाँइ चाहय, त उआ न जाय
सकय, अउर उआ पार से इआ पार हमरे लघे न आय सकय।' 27 उआ धनी

मनई कहिस, ‘त हे पिता, हम अपना से चरउरी करित हएन, कि अपना
लाजर काहीं हमरे बाप के घर पठय देई, 28 काहेकि हमरे पाँच भाई अउर हें;
लाजर उनखे लघे जाइके ई सगली बातन काहीं बतामँइ, अइसन न होय, कि
ऊँ सगले जन इआ पीरा के जघा माहीं आमँय।’ 29 अब्राहम ओसे कहिन,
‘उनखे लघे त मूसा नबी अउर परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन के लिखी
किताबँय हईं, ऊँ पंचे उनखर सुनँय।’ 30 धनी मनई कहँइ लाग, ‘नहीं, हे
पिता अब्राहम; पय अगर कउनव मरे के बाद जिन्दा होइके उनखे लघे जाय,
त ऊँ पंचे पाप करब छोंड़िके मन काहीं बदलिहँय, अउर परमातिमा के बचन
काहीं मनि हँय।’ 31 अब्राहम पिता ओसे कहिन, ‘जब ऊँ पंचे मूसा नबी,
अउर परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन के बातन काहीं नहीं सुनिन, त
अगर कउनव मरे म से जिन्दा होइके उनखे लघे जई, तऊ ऊँ पंचे ओखर
बिसुआस न मनि हँय’।”

ठोकर के कारन बनँइ बालेन काहीं दन्ड

(मत्ती 18:6,7,21,22; मरकुस 9:42)

17 यीसु अपने चेलन से कहिन, मनइन काहीं पाप म गिरामँइ बाली
चीज त रहतिन हईं, पय जउन मनई दुसरे मनइन काहीं पाप माहीं
गिराबत हें, त उनहीं परमातिमा से खुब सजा मिली। 2 जे कोऊ हमरे ऊपर
बिसुआस करँइ बालेन काहीं, चाह उआ छोट क लड़िकय होय, उनसे पाप
कराबत हय, त उआ मनई के खातिर इआ ठीक कहाई, कि एकठे बड़ी
काहीं चक्की के जेतबा ओखे गरे माहीं बाँधिके, समुद्र माहीं फेंक दीन जाय,
काहेकि परमातिमा के सजा एहू से जादा मिली। 3 सतरक रहा; अगर तोंहार
भाई कउनव गलती करय, त ओही समझाबा, अउर अगर उआ अपने गलती
काहीं सोइकार कइके पचिताय, त ओही माफ करा। 4 अगर तोंहार भाई दिन
भरे माहीं सात बेरकी तोंहसे गलती करय, अउर सातव बेरकी तोंहरे लघे
आइके कहय, “हम पचितइत हएन” अउर माफी माँगय, त ओही माफ
करा।

बिसुआस

5 तब सगले खास चेला प्रभू से कहिन, “परमातिमा के ऊपर हमरे
बिसुआस काहीं बढ़ाई।” 6 प्रभू उनसे कहिन, “अगर परमातिमा के ऊपर
राई के दानव के बराबर तोंहार सच्चा बिसुआस होत, त तूँ पंचे इआ सहतूत
के बिरबा से कह त्या, कि जर से उँखड़िके समुद्र माहीं लगि जा, त उआ
तोंहार बात मान लेत।”

दास के करतब्य

7 “मानि ल्या, कि तोंहरे पंचन म से कोहू के लघे एकठे दास हय, जऊँ हर
जोतत हय, इआ कि गाड़र चराबत हय, अउर जब उआ खेत से लउटिके
आबय, त का ओखर स्वामी ओसे कही, कि ‘हरबी आइके हमरे साथ खाना
खाँय बइठ’? 8 अउर का उआ अपने सेबक से इआ न कही, कि ‘हमरे
खातिर खाना तइआर कर, अउर जब तक हम खाय-पी न लेई, तब तक
करिहा बाँधिके हमार सेबा कर; ओखे बाद तहूँ खाय-पी लिहे’? 9 का उआ
मालिक सेबक के एहसान मानी? काहेकि उआ उहय काम किहिस जउने
काम काहीं करँइ के हुकुम दीन ग रहा हय? नहीं। 10 इहइमेर से तुहूँ पंचे जब
उन सगले कामन काहीं कइ चुका, जउने कामन काहीं करँइ के हुकुम तोंहईं
दीनगा रहा हय, तब कह्या, ‘हम पंचे निकम्मे दास आहेन; जऊँ हमहीं करँइ
चाही त केबल हम पंचे उहय किहेन हँय’।”

कोढ़ के दसठे रोगिन काहीं निकहा करब

11 अइसन भ, कि जब यीसु यरूसलेम सहर जाँइ के समय सामरिया
प्रदेस, अउर गलील प्रदेस के बीच से होइके जात रहे हँय। 12 त कउनव गाँव
माहीं घुसत समय उनहीं दसठे कोढ़ी मिलें। 13 ऊँ पंचे दूरी ठाढ़ होइके खुब
चन्डे से चिल्लाइके कहँइ लागें, “हे यीसु, हे मालिक, हमरे ऊपर दया करी!”
14 यीसु उनहीं देखिके कहिन, “जा, अउर अपने काहीं याजकन काहीं
देखाबा।” अउर जातय-जात ऊँ सगले सुद्ध होइगें। 15 तब उनमा से एकठे,
इआ देखिके कि हम नीक होइ गएन हय, खुब चंडे से परमातिमा के बड़ाई
करत लउटि आबा, 16 अउर उआ सामरिया प्रदेस के रहँइ बाला मनई जउन
नीक होइगा रहा हय, यीसु के गोड़न गिरिके धन्यबाद देंइ लाग; 17 तब यीसु
ओसे कहिन, “का दसँव जने नहीं सुद्ध भें, त पुनि ऊँ नव जने कहाँ हें?
18 का इआ गैरयहूदी जाति के अलाबा अउर कउनव नहीं निकरा, जउन
परमातिमा के बड़ाई करत?” 19 तब यीसु ओसे कहिन, “उठिके चले जा;
तोंहार हमरे ऊपर बिसुआस होंइ के कारन तूँ निकहा होइ गया हय।”

परमातिमा के राज के आउब

(मत्ती 24:23-28,37-41)

20 एक बेरकी फरीसी लोग यीसु से पूँछिन, कि परमातिमा के राज कबय
अई, तब यीसु उनहीं जबाब दिहिन, “परमातिमा के राज जाहिर रूप माहीं
नहीं आबय। 21 अउर मनई इआ न कइहँय कि, ‘देखा, इहाँ हय, इआ उहाँ
हय।’ काहेकि देखा, परमातिमा के राज तोंहरे बीच माहीं हय।” 22 पुनि यीसु
अपने चेलन से कहिन, “ऊँ दिन अइहँय, जउने माहीं तूँ मनई के लड़िका के
दिनन म से एक दिन काहीं देखँइ चइहा, पय देखँइ काहीं न पइहा। 23 खुब
मनई तोंहसे कइहँय, ‘देखा, मसीह उहाँ हें! इआ देखा इहाँ हें! पय तूँ पंचे
उनखे बातन के बिसुआस मानिके, उनखे पीछे चले न जया। 24 काहेकि
जइसन बिजुली अकास के एक छोर से चमकिके, दुसरे छोर तक चमकत
ही, उहइमेर मनई के लड़िका, अपने दिन माहीं अई। 25 पय पहिले जरूरी
हय, कि उआ खुब दुख उठाई, अउर इआ समय के मनई ओही तुच्छ
जनिहँय। 26 जइसन नूह के दिनन माहीं भ रहा हय, उहयमेर मनई के
लड़िका के आमँइ के समय माहीं होई। 27 जउने दिन तक नूह जिहाज माहीं
चढ़ नहीं गें, तब तक सगले मनई खात-पिअत रहे हँय, अउर ऊँ पंचे काज-
बिआह करत रहे हँय, अउर उनखे जिहाज माहीं चढ़तय, जल-प्रलय आइके
सब काहीं नास कइ दिहिस। 28 अउर इहइमेर लूत के दिनन माहीं भ रहा
हय, सगले मनई खात-पिअत रहे हँय, एक दुसरे से लेन-देन करत रहे हँय,
बिरबा लगाबत अउर घर बनाबत रहे हँय; 29 पय जउने दिन लूत परिबार
समेत सदोम सहर से निकरें, उहय दिन आगी अउर गन्धक अकास से बरसें,
अउर सगलेन काहीं जलाइके राख कइ दिहिन। 30 मनई के लड़िका के
आमँइ के दिन घलाय अइसय होई।

31 यीसु पुनि कहिन, “उआ दिन जे कोऊ छत माहीं होय, अउर ओखर
समान घर के भीतर होय, त उआ ओही लेंइ के खातिर नीचे न उतरय; अउर
उहयमेर जे कोऊ खेत माहीं होय, उआ पीछे न लउटय। 32 लूत के मेहेरिआ
काहीं सुध रक्खा! जइसन उआ परमातिमा के हुकुम नहीं मानिस अउर नोन
के खम्भा बनिगे। 33 जे कोऊ आपन प्रान बचामँइ चाही, उआ ओही गमाय
देई, अउर जे कोऊ हमरे खातिर आपन प्रान तक देंइ काहीं तइआर रही,
उआ ओही बचाए पाई। 34 यीसु कहिन, हम तोंहसे कहित हएन, उआ दिन
दुइठे मनई एकठे खटिया माहीं होइहँय; उनमा से एक जने उठाय लीन जई,
अउर दूसर छोंड़ दीन जई। 35 उहयमेर एक साथ जेतबा पीसत दुइठे
मेहेरिअन म से, एकठे ऊपर उठाय लीन जई, अउर दूसर छोंड़ि दीन जई।
36 (दुइ जने खेत माहीं होइहँय, एक जने उठाय लीन जई, अउर दूसर छोंड़
दीन जई।)” 37 एतना सुनिके चेला लोग यीसु से पूँछिन, “हे प्रभू इआ कबय
होई?” यीसु उनसे कहिन, “जहाँ चील्ह एकट्ठा होती हँय, त इआ जाने
मिलत हय, कि उहाँ लहास ही, उहइमेर ई चिन्हारिन काहीं देखिके, जान
लिहा, कि मनई के लड़िका के दुसराय आमँइ के दिन लघेन आइगा हय।”

प्राथना करँइ माहीं हिम्मत न हारँइ चाही

18 पुनि यीसु रोज प्राथना करँय, अउर हिम्मत न हारँइ चाही, एखे बारे
माहीं उनहीं एकठे उदाहरन बताइन: 2 “कउनव सहर माहीं एकठे
न्यायधीस रहत रहा हय, जउन न परमातिमा से डेरात रहा आय, अउर न

कउनव मनइन के परबाह करत रहा आय। 3 उहय सहर माहीं एकठे बिधबा
रहत रही हय, जउन ओखे लघे आय-आइके कहत रही हय, 'हमार न्याय
चुकाइके हमहीं मुद्दई से बचाबा।' 4 कुछ समय तक त उआ न्यायधीस न
मानिस, पय अन्त माहीं अपने मन माहीं बिचार किहिस, हम न त परमातिमा
काहीं डेरई, अउर न त मनइन के कउनव परबाह करी; 5 तऊ इआ बिधबा
हमहीं परेसान करत रहत ही, एसे हम ओखर न्याय चुकाउब, कहँव अइसा
न होय कि उआ हर बेरकी आइके हमहीं परेसान करय।"
6 प्रभू कहिन, "सुना इआ अधरमी न्यायधीस का कहत हय? 7 त का
परमातिमा अपने भक्तन के न्याय न चुकइहँय? हाँ, जउन दिन-रात उनहीं
पुकारत रहत हें? का परमातिमा उनखे खातिर देरी करिहँय? नहीं। 8 हम
तोंहसे कहित हएन, परमातिमा हरबिन उनखर न्याय चुकइहँय। तऊ मनई के
लड़िका जब अई, त का उआ धरती के मनइन माहीं बिसुआस पाई?"

फरीसी अउर चुंगी लेंइ बालेन के उदाहरन

9 जउन अपने ऊपर इआ भरोसा रक्खत रहे हँय, कि हम धरमी हएन
अउर दुसरे मनइन काहीं तुच्छ जानत रहे हँय, यीसु उनसे इआ उदाहरन
कहिन: 10 "एक बेरकी दुइठे मनई मन्दिर माहीं प्राथना करँइ के खातिर गें;
एकठे फरीसी, अउर दूसर चुंगी लेंइ बाला रहा हय। 11 उआ फरीसी मनई
ठाढ़ होइके अपने मन माहीं इआमेर प्राथना करँइ लाग, 'हे परमातिमा हम
अपना के धन्यबाद करित हएन, कि हम दुसरे मनई कि नाईं अन्धेर करँइ
बाला, अन्यायी अउर ब्यभिचार करँइ बाला नहिं आहेन, अउर इआ चुंगी लेंइ
बाले कि नाईं घलाय नहिं आहेन। 12 हम हप्ता माहीं दुइ बेरकी उपासे रहित
हएन; अउर अपने सगले कमाई के दसमा भाग दान देइत हएन।'
13 पय चुंगी लेंइ बाला दूरिन ठाढ़ होइके, अपने काहीं पापी समझिके
स्वरग कइती निहरऊँ नहीं चाहिस, पय खुब दुखी होइके कहिस, 'हे
परमातिमा, हमरे जइसन पापी मनई के ऊपर दया कइके हमार पाप माफ
करी!' 14 तब यीसु अपने चेलन से कहिन, हम तोंहसे कहित हएन, कि उआ
फरीसी मनई नहीं, पय इआ चुंगी लेंइ बाला परमातिमा के नजर माहीं धरमी
ठहराबा जाइके अपने घरय ग; काहेकि जे कोऊ खुद काहीं बड़ा बनाई, उआ
परमातिमा के व्दारा छोट कीन जई: अउर जे कोऊ खुद काहीं छोट बनाई, त
उआ परमातिमा के व्दारा बड़ा कीन जई।"

यीसु छोट-छोट लड़िकन काहीं आसिरबाद दिहिन

(मत्ती 19:13-15; मरकुस 10:13-16)

15 पुनि खुब मनई अपने छोट-छोट लड़िकन काहीं यीसु के लघे लइ आमँइ
लागें, कि यीसु उनखे ऊपर आपन हाँथ धइके आसिरबाद देंय; पय चेला
लोग देखिके उनहीं डाँटँइ लागें। 16 यीसु छोट-छोट लड़िकन काहीं अपने लघे
बोलाइके चेलन से कहिन, "छोट-छोट लड़िकन काहीं हमरे लघे आमँइ द्या,
अउर उनहीं न बरजा: काहेकि जे कोऊ छोट-छोट लड़िकन कि नाईं अपने
काहीं नम्र बनइहँय, उँइन परमातिमा के स्वरगराज के भागीदार बनिहँय।
17 हम तोंहसे सही कहित हएन, कि जे कोऊ परमातिमा के सँदेस के बात
छोट क लड़िका कि नाईं न अपनाई, त उआ परमातिमा के राज माहीं कबहूँ
न जाए पाई।"

अनन्त जीबन पामँइ के उपाय

(मत्ती 19:16-30; मरकुस 10:17-31)

18 एक दिना कउनव मुखिया यीसु के लघे आइके उनसे पूँछिस, "हे उत्तम
गुरू, अनन्त जीबन के हकदार होंइ के खातिर हम का करी?" 19 यीसु ओसे
कहिन, "तूँ हमहीं उत्तम काहे कहते हया? कोऊ उत्तम नहिं आय, केबल
एकठे परमातिमय भर उत्तम हें, अउर उनखे अलाबा कोऊ नहिं आय। 20 तूँ
परमातिमा के हुकुमन काहीं त जनते हया: 'ब्यभिचार न करब, कतल न
करब, अउर चोरी न करब, लबरी गबाही न देब, अउर अपने महतारी-बाप
के मान-सम्मान करब'।" 21 उआ कहिस, "हम त ईं सगली बातन काहीं
लड़िकइन से मानत आएन हय।" 22 इआ सुनिके यीसु ओसे कहिन, "तोंहरे
जीबन माहीं एकठे बात के कमी हय, जा, जऊँ कुछ तोंहार धन-सम्पत्ती ही,
ओही सब बेंचिके गरीबन माहीं बाँटि द्या, अउर आइके हमरे पीछे चला, तब
तोहईं स्वरग माहीं एसे बढ़िके धन-सम्पत्ती मिली।" 23 इआ सुनिके उआ
खुब उदास होइगा, काहेकि उआ खुब धनी रहा हय। अउर इआ करँइ के
ओखर इच्छा नहीं रही। 24 तब यीसु ओसे कहिन, "धनी मनइन के
परमातिमा के राज म प्रबेस करब केतना कठिन हय! 25 परमातिमा के राज
माहीं धनी मनई के पहुँचब खुब कठिन हय, बलकिन सूजी के छेंद से ऊँट के
निकर जाब, एसे सरल हय।" 26 तब सुनँय बाले कहिन, "त पुनि केही मुक्ती
मिल सकत ही?" 27 यीसु कहिन, "जउन काम मनई से नहीं होइ सकय,
उआ परमातिमा से होइ सकत हय, काहेकि परमातिमा सब कुछ कइ सकत
हें।" 28 तब पतरस यीसु से कहिन, "देखी, हम पंचे त आपन घर-दुआर
छोंड़िके अपना के पीछे चले आएन हय।" 29 यीसु उनसे कहिन, "हम तोंहसे
सही कहित हएन, कि जे कोऊ परमातिमा के राज के खातिर आपन घर-
दुआर इआ मेहेरिआ, इआ भाई लोगन, इआ महतारी-बाप, इआ लड़िकन-
बच्चन, काहीं छोंड़ि दिहिस होय; 30 ओही इहय समय माहीं सब कुछ
कइअक गुना मिली, अउर स्वरग माहीं अनन्त जीबन मिली।"

अपने मउत के बारे माहीं यीसु के तीसर भबिस्सबानी

(मत्ती 20:17-19; मरकुस 10:32-34)

31 पुनि यीसु अपने बरहँव चेलन काहीं अपने साथ लइ जाइके उनसे
कहिन, "देखा, हम यरूसलेम सहर काहीं जइत हएन, अउर जेतनी बातँय
मनई के लड़िका के बारे माहीं, परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन के व्दारा
लिखी गई हँय, ऊँ सगली पूर होइहँय। 32 काहेकि उआ गैरयहूदी लोगन के
हाँथे माहीं सउँपा जई, अउर ऊँ पंचे ओखर मजाक उड़इहँय; अउर ओखर
अपमान करिहँय, अउर ओखे ऊपर थुँकिहँय, 33 अउर ओही चाबुक से
मरिहँय, अउर ओही मारि डरिहँय; अउर उआ तिसरे दिन जिन्दा होइ जई।"
34 पय चेला लोग ईं बातन म से कउनव बातन काहीं नहीं जाने पाइन, अउर
ईं बातँइ उनसे छिपी रहि गईं, काहेकि जउन कुछू उनसे कहा ग तय, उआ
उनखे समझ माहीं नहीं आबा।

आँधर भिखारी काहीं नीक करब

(मत्ती 20:29-34; मरकुस 10:46-52)

35 जब यीसु अपने चेलन के साथ यरीहो गाँव माहीं पहुँचे, त उहाँ एकठे
आँधर मनई भीख मागत सड़क के किनारे बइठ रहा हय। 36 उआ, भीड़ के
चलँइ के आहट सुनिके पूछँइ लाग, "इआ का होइ रहा हय?" 37 भीड़ के
मनई ओही बताइन, "नासरत गाँव के यीसु जाय रहे हँय।" 38 तब उआ
आँधर मनई चिल्लाय-चिल्लाइके कहँइ लाग, "हे राजा दाऊद के सन्तान
यीसु हमरे ऊपर दया करी!" 39 खुब जने जउन यीसु के आँगे-आँगे जात रहे
हँय, ओही डाँटिन, कि चुप्पय होइ जाय; पय उआ अउर चंडे चिल्लाँइ लाग,
"हे राजा दाऊद के सन्तान यीसु, हमरे ऊपर दया करी!" 40 तब यीसु
रुकिगें, अउर चेलन काहीं हुकुम दिहिन, उआ आँधर मनई काहीं हमरे लघे
लइ आबा, अउर जब उआ आँधर मनई लघे आइगा, तब यीसु ओसे पूँछिन,
41 "तूँ का चहते हया, कि हम तोंहरे खातिर करी?" उआ आँधर मनई यीसु
से कहिस, "हे प्रभू, हम इआ चाहित हएन, कि देखँइ लागी।" 42 यीसु उआ
आँधर मनई से कहिन, "देखँइ लागा, तोंहार बिसुआस तोंहईं नीक किहिस
ही।" 43 अउर उआ आँधर मनई हरबिन देखँइ लाग, अउर परमातिमा के
बड़ाई करत यीसु के पीछे-पीछे चलँइ लाग; अउर सगले मनई इआ सब
देखिके परमातिमा के बड़ाई किहिन।

जक्कई काहीं मुक्ती मिलब

19 एक दिना यीसु यरीहो सहर होइके जात रहे हँय। 2 उहाँ जक्कई
नाम के एकठे मनई रहा हय, जउन धनी अउर चुंगी लेंइ बालेन के

मालिक रहा हय। 3 उआ यीसु काहीं देखँइ चाहत रहा हय, कि यीसु को
आहीं? पय एतनी भीड़ रही हय, कि उआ देखे नहीं पाबत रहा, काहेकि
उआ छोट डील के रहा हय। 4 तब यीसु काहीं देखँइ के खातिर उआ आँगे
दउड़िके एकठे ऊमर के बिरबा माहीं चढ़िगा, काहेकि यीसु उहय गली से
होइके जाँइ बाले रहे हँय। 5 जब यीसु उआ जघा माहीं पहुँचे, त ऊपर कइती
देखिके ओसे कहिन, "हे जक्कई हरबी उतरि आबा; काहेकि आज हमहीं
तोंहरे घर माहीं रहब जरूरी हय।" 6 उआ हरबिन उतरिके बड़े खुसी से यीसु
काहीं अपने घरय लइगा। 7 इआ देखिके सगले मनई बरबराँय लागें, "ऊँ त
पापी मनई के घर माहीं गे हँय।"

8 जक्कई ठाढ़ होइके प्रभू से कहिस, "हे प्रभू, देखी, हम आपन आधी
धन-सम्पत्ती कंगालन काहीं दए देइत हएन, अउर अगर हम कोहू से अन्याय
कइके कुछू लइ लिहेन हय, त ओही चउगुना जादा लउटाए देइत हएन।"
9 तब यीसु ओसे कहिन, "आज इआ घर माहीं मुक्ती आई हय; काहेकि इआ
मनई चुंगी लेंइ बाला आय, पय अपने कामन से इआ देखाय दिहिस ही, कि
अब्राहम के बंस के लड़िका आय। 10 काहेकि मनई के लड़िका जे कोऊ पाप
के कारन परमातिमा से दूर होइगे हें, उनहीं ढूँढ़ँइ अउर उनहीं मुक्ती देंइ आबा
हय।"

दसठे मोहरन के उदाहरन
(मत्ती 25:14-30)

11 जब सगले जन ईं बातन काहीं सुनत रहे हँय, तब यीसु एकठे उदाहरन
बताइन, काहेकि ऊँ यरूसलेम सहर के लघे रहे हँय, एसे ऊँ सगले जन इआ
समझत रहे हँय कि यीसु हरबी राजा बनिके अपने राज के सुरुआत करँइ
बाले हें। 12 तब यीसु उनसे कहिन, "एकठे धनी मनई दूर देस जाँइ के
तइआरी माहीं रहा हय, जउने उहाँ जाइके राज पद पाइके लउटि आबय।
13 उआ अपने दासन म से दस जनेन काहीं बोलाइके उनहीं दसठे सोने के
मोहर दिहिस, अउर उनसे कहिस, 'जब तक हम न लउटी त लेन-देन
किहा।' 14 पय उआ सहर माहीं रहँइ बाले ओसे दुसमनी रक्खत रहे हँय,
अउर ओखे जाँइ के बाद दूतन से सँदेस देबाइन कि, 'हम पंचे नहीं चाही, कि
तूँ हमरे ऊपर राज करा।'

15 जब उआ धनी मनई राज पद पाइके अपने सहर माहीं लउटा, तब
अइसन भ कि उआ अपने सेबकन काहीं जिनहीं सोने के मोहर दिहिस रहा
हय, अपने लघे बोलाइस, जउने मालुम करय कि ऊँ पंचे लेन-देन कइके
केतना कमान हें। 16 तब पहिल बाला आइके कहिस, 'हे मालिक अपना के
सोने के मोहरन म से दसठे मोहर अउर कमाने हएन।' 17 तब उआ ओसे
कहिस, 'हे धन्य, अउर उत्तम दास तूँ थोरे माहीं बिसुआस के काबिल ठहरे
हया, एसे तूँ अब दसठे सहरन माहीं अधिकार रखा।' 18 दूसर दास आइके
कहिस, 'हे मालिक अपना के सोने के मोहर से पाँचठे मोहर अउर कमाने
हएन।' 19 उआ धनी मनई ओहू से कहिस, 'तुहूँ पाँचठे सहरन माहीं सासन
करा।' 20 तीसर दास आइके कहिस, 'हे मालिक, देखी, इआ अपना के उहय
सोने के मोहर आय, जउने काहीं हम अँगउछी माहीं बाँधिके धर दिहेन तय।
21 काहेकि हम अपना से डेरात रहेन हय, कि अपना खुब कठोर मनई हएन:
जउन अपना के न होय ओहू काहीं जबरई लइ लेइत हएन, अउर जहाँ
अपना नहीं बोई, उहँव दुसरेव के जमीन के फसल जबरई काटि लेइत
हएन।' 22 मालिक ओसे कहिस, 'हे दुस्ट दास, हम तोरेन मुँह के बात से
तोही दोसी ठहराइत हएन। जब तोही मालुम रहा हय, कि हम कठोर मनई
हएन, अउर हम जउन नहीं धरेन, ओहू काहीं उठाय लेइत हएन, अउर जऊँ
हम नहीं बोयन, ओहू काहीं काटि लेइत हएन; 23 त तँय हमार मोहर सोन-
चाँदी के बइपार करँइ बालेन के लघे काहे नहीं रख दिहे, कि हम आइके
ओसे ब्याज समेत लइ लेइत?' 24 अउर जउन मनई लघे ठाढ़ रहे हँय,
मालिक उनसे कहिस, 'उआ सोने के मोहर ओसे लइके, जेखे लघे दसठे
मोहर हईं, ओही दइ द्या।' 25 ऊँ पंचे मालिक से कहिन, 'हे मालिक, ओखे
लघे त दसठे सोने के मोहरँय हईं।' 26 तब मालिक उनसे कहिस, 'हम तोंहसे
कहित हएन, कि जेही जउन दीन ग हय, अगर उआ ओही निकहा से
उपयोग करत हय, त ओही अउर दीन जई, अउर ओखे लघे खुब होइ जई।
पय जे कोऊ ओही जउन दीन ग हय, अगर ओखर निकहा से उपयोग नहीं
करय, त ओसे उहव लइ लीन जई, जउन ओही दीन ग रहा हय। 27 पय हमरे
ऊँ बइरिन काहीं जउन नहीं चाहत रहें, कि हम उनखे ऊपर राज करी, उनहीं
लइ आइके हमरे आँगे मारि डारा।"

यीसु राजा कि नाईं यरूसलेम माहीं प्रबेस किहिन
(मत्ती 21:1-11; मरकुस 11:1-11; यूहन्ना 12:12-19)

28 तब यीसु ईं बातन काहीं कहिके चेलन के आँगे-आँगे यरूसलेम सहर
कइती चल दिहिन। 29 जब यीसु जैतून नाम के पहार के ऊपर बैतफगे अउर
बैतनिय्याह गाँव के लघे पहुँचे, तब ऊँ अपने चेलन म से दुइ जनेन काहीं
इआ कहिके पठइन, 30 "उआ सउहें बाले गाँव माहीं जा; अउर उहाँ पहुँचतय
एकठे गदही के बच्चा जउने माहीं कोऊ कबहूँ नहीं चढ़िस, तोंहईं पंचन
काहीं बाँधा मिली, ओही छोरिके ले आबा। 31 अगर तोंहसे कोऊ पूँछय, कि
ओही काहे छोरते हया, त इआ कहि दिहा, कि प्रभू काहीं एखर जरूरत
ही।"

32 जउन चेला पठए गे रहे हँय, ऊँ पंचे जाइके जइसन यीसु उनसे कहिन
तय, उहयमेर पाइन, 33 अउर जब ऊँ पंचे गदही के बच्चा काहीं छोरँइ लागें,
तबहिनय ओखर मालिक आइगें, अउर उनसे पूँछँइ लागें, "उआ बच्चा काहीं
काहे छोरते हया?" 34 तब चेला लोग कहिन, "प्रभू काहीं एखर जरूरत
ही।" 35 तब गदही के बच्चा के मालिक उनहीं लइ जाँय दिहिन, अउर ऊँ पंचे
उआ गदही के बच्चा काहीं यीसु के लघे लइ आएँ, अउर आपन ओन्हा उआ
गदही के बच्चा के ऊपर डारिके, यीसु काहीं ओखे ऊपर बइठाय दिहिन।
36 जब यीसु जात रहे हँय, तब उनखर सम्मान करँइ के खातिर, कुछ जने
आपन-आपन ओन्हा गली माहीं बिछाबत जात रहे हँय।

37 जैतून पहार के लघे आइके जब यीसु अपने चेलन के साथ पहार के
उतारा माहीं पहुँचे, तब चेलन के सगली मंडली ऊँ सगले सामर्थ के कामन
काहीं सुध कइके जिनहीं ऊँ पंचे देखिन रहा हय, आनन्दित होइके खुब चंडे
से परमातिमा के स्तुति करँइ लागें।

38 "धन्य हय उआ राजा, जउन प्रभू के नाम से आबत हय! स्वरग माहीं
सान्ती होय, अउर अकास मन्डल माहीं परमातिमा काहीं खुब मान-सम्मान
मिलय!"

39 तब भीड़ म से कुछ फरीसी लोग यीसु से कहँइ लागें, "हे गुरू, अपने
चेलन काहीं डाँटी।" काहेकि इनहीं इआमेर न कहँइ चाही। 40 तब यीसु
उनहीं जबाब दिहिन, "हम तोंहसे कहित हएन कि, अगर ऊँ पंचे चुपव
रइहँय, त ईं पथरव हमार स्तुति करँइ के खातिर चिल्लाय उठिहँय।"

यरूसलेम सहर के खातिर बिलाप

41 जब यीसु यरूसलेम सहर के लघे पहुँचे, तब सहर के मनइन काहीं
देखिके रोइन 42 अउर कहिन, "केतना निकहा होत कि तूँ पंचे हाँ, तुहिन पंचे
आजय, जउन बातँइ सान्ती के साथ जीबन बितामँइ के खातिर जरूरी हईं,
उनहीं सुन लेत्या, पय अब उँइ तोंहसे लुकाय दीन गई हँय। 43 काहेकि, 'हे
यरूसलेम सहर के मनइव तोंहरे ऊपर अइसन दिन अइहँय, कि तोंहार
दुसमन चारिव कइती से यरूसलेम सहर काहीं घेर लेइहँय, अउर चारिव
कइती से तोंहईं दबइहँय अउर परेसान करिहँय; 44 अउर तोहईं अउर तोंहरे
लड़िकन-बच्चन काहीं जउन इहाँ हँय, नास कइ देइहँय, अउर तोंहरे सहर के
भीतर ऊँ पंचे एकठेरिव पथरा काहीं एक दुसरे के ऊपर न रहँय देइहँय;
काहेकि जब परमातिमा तोंहरे लघे आएँ तय, तब तूँ पंचे उआ घरी काहीं
नहीं पहिचान्या।"

मन्दिर से बइपारिन काहीं भगाउब
(मत्ती 21:12-17; मरकुस 11:15-19; यूहन्ना 2:12-22)

45 तब यीसु मन्दिर माहीं जाइके, जउन उहाँ मन्दिर माहीं बलिदान चढ़ामँइ
के खातिर मबेसी अउर दूसर चीजन काहीं बेंचत रहे हँय, उनहीं बहिरे
निकारँइ लागें, 46 अउर यीसु उनसे कहिन, "पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय,
कि 'हमार घर प्राथना करँइ के घर होई', पय तूँ पंचे ओही डँकुअन के अड्डा
बनाय दिहा हय।"
47 यीसु रोज मन्दिर माहीं उपदेस देत रहे हँय, अउर प्रधान याजक लोग,
अउर मूसा के बिधान सिखामँइ बाले, अउर यहूदी लोगन के मुखिया, उनहीं
मारि डारँइ के खातिर मोका ढूँढ़त रहे हँय। 48 पय ऊँ पंचे कउनव उपाय नहीं
निकारे पाइन, कि यीसु काहीं कउनमेर से मार डारी, काहेकि उहाँ सगले जने
यीसु के बातन काहीं खुब चाहत से सुनत रहे हँय।

यीसु के अधिकार के ऊपर प्रस्न
(मत्ती 21:23-27; मरकुस 11:27-33)

20 एक दिन अइसन भ, कि जब यीसु मन्दिर माहीं मनइन काहीं
उपदेस देत रहे हँय, अउर परमातिमा के खुसी के खबर सुनाबत रहे
हँय, तबहिनय प्रधान याजक लोग, अउर मूसा के बिधान सिखामँइ बाले
यहूदी धारमिक अँगुअन काहीं साथ माहीं लइके यीसु के लघे ठाढ़ भें;
2 अउर कहँइ लागें, "हमहीं बताबा कि, ईं कामन काहीं तूँ कउने अधिकार से
करते हया, अउर उआ को आय, जउन तोंहईं इआ अधिकार दिहिस ही?"
3 यीसु उनहीं जबाब दिहिन, "हमहूँ तोंहसे एकठे बात पूँछित हएन, हमहीं
बताबा, 4 यूहन्ना काहीं बपतिस्मा देंइ के अधिकार परमातिमा से मिला तय,
कि मनई उनहीं दिहिन तय? हमहीं बताबा।" 5 तब ऊँ पूँछँइ बाले आपस
माहीं बताँइ लागें, कि "अगर हम पंचे कहित हएन कि, 'परमातिमा से मिला
तय' त ऊँ कइहँय कि, 'पुनि तूँ पंचे उनखर बिसुआस काहे नहीं किहा?'
6 अउर अगर हम पंचे कहित हएन कि, 'मनइन से मिला तय' त उहाँ ठाढ़
सगले मनई हमहीं पंचन काहीं पथरा मार-मारके मारि डरिहँय, एहिन से
डेरातव रहे हँय, काहेकि सगले मनई जानत रहे हँय, कि इआ बात बेलकुल
सही आय, यूहन्ना परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले रहे हँय।" 7 एसे ऊँ पंचे
जबाब दिहिन, "हम पंचे नहीं जानी, कि उआ अधिकार उनहीं केखे तरफ से
मिला तय।" 8 तब यीसु उनसे कहिन, "हमहूँ तोंहईं नहीं बताई, कि ईं काम
हम कउने अधिकार से करित हएन।"

दुस्ट किसानन के उदाहरन
(मत्ती 21:33-46; मरकुस 12:1-12)

9 तब यीसु उहाँ ठाढ़ मनइन काहीं इआ उदाहरन बतामँइ लागें, "कउनव
मनई अंगूर के बगिया लगाइस, अउर कुछ किसानन काहीं उआ बगिया के
ठेका दइके, खुब दिनन के खातिर परदेस चला ग। 10 अउर जब अंगूर के
फरँइ के समय आबा, तब उआ मनई किसानन के लघे अपने एकठे दास
काहीं पठइस, कि ऊँ पंचे अंगूर के बगिया से ओखे हिस्सा के अंगूर देंय, पय
ऊँ किसान, उआ दास काहीं मारिन-पीटिन अउर छूँछय हाँथ लउटाय
दिहिन। 11 पुनि उआ मनई एकठे अउर दास काहीं किसानन के लघे पठइस;
पय ऊँ किसान ओहू काहीं मारिन-पीटिन अउर अपमान कइके छूँछय हाँथ
लउटाय दिहिन। 12 पुनि उआ मनई तिसरे दास काहीं किसानन के लघे
पठइस, पय ऊँ किसान ओहू काहीं घायल कइके बगिया से निकार दिहिन।
13 तब अंगूर के बगिया के मालिक कहिस, 'हम का करी?' अब हम अपने
पियार लड़िका काहीं पठउब, साइद ऊँ किसान ओखर मान-सम्मान करँय,
अउर बगिया के कुछ फर देंय। 14 जब ऊँ किसान ओखे लड़िका काहीं
आबत देखिन, त आपस माहीं कहँइ लागें, 'इहय त इआ बगिया के
बारिसदार आय; आबा हम पंचे मिलिके एही मारि डारी', जउने एखर
अधिकार हमहीं पंचन काहीं मिल जाय। 15 अउर ऊँ पंचे उआ लड़िका काहीं
पकड़िके अंगूर के बगिया के बहिरे लइ जाइके मारि डारिन। एसे उआ अंगूर
के बगिया के मालिक आइके का करी, तूँ पंचे जनते हया? 16 उआ बगिया के
मालिक आइके किसानन काहीं जान से मारि डारी, अउर अपने बगिया के
ठेका दुसरे किसानन काहीं दइ देई।" तब उहाँ ठाढ़ मनई कहँइ लागें "अइसा
कबहूँ न होय।" 17 यीसु उनखे कइती देखिके कहिन, "काहे तूँ सगले जन
पबित्र सास्त्र माहीं लिखी, इआ बात के मतलब नहीं जनते आह्या?
'जउने पथरा काहीं राजा के कारीगर इआ कहिके, छोंड़ि दिहिन तय, कि
इआ कउनव काम के नहिं आय, उहय कोनमा के खास पथरा होइगा'।
18 जे कोऊ इआ पथरा माहीं गिरी, उआ चकनाचूर होइ जई, अउर जेखे
ऊपर उआ पथरा गिरी, ओही पीस डारी।"

यीसु के बातन माहीं गलती पकड़ँइ के कोसिस
(मत्ती 22:15-22; मरकुस 12:13-17)

19 उहय समय मूसा के बिधान सिखामँइ बाले, अउर प्रधान याजक लोग
यीसु काहीं पकड़ँइ चाहिन, काहेकि ऊँ पंचे समझिगे रहे हँय, कि यीसु इआ
उदाहरन हमरेन खातिर कहिन हीं, पय ऊँ पंचे उहाँ ठाढ़ सगले मनइन से
डेराइगें। 20 अउर ऊँ पंचे यीसु के ताक माहीं लगिगें, अउर भेद लेंइ बालेन
काहीं पठइन, कि ऊँ धरमिन कि नाईं भेस बनाइके, यीसु के बातन माहीं
गलती पकड़ँइ, जउने उनहीं राजपाल के हाँथे माहीं अउर अधिकार माहीं
सउँपि देंय। 21 ऊँ पंचे यीसु से पूँछिन, "हे गुरू, हम पंचे जानित हएन, कि
अपना ठीक कहित हएन, अउर परमातिमा के गइल सच्चाई से बताइत
हएन, अउर कोहू के साथ पच्छपात नहीं करी, काहेकि अपना मनइन के मुँह
देखिके बातँय नहीं करी। 22 ऊँ पंचे यीसु से कहिन, अपना हमहीं बताई, कि
महाराजा कैसर काहीं कर देब उचित हय, कि नहीं?" 23 यीसु उनखे चलाँकी
काहीं जानिके उनसे कहिन, 24 "रोमी राज के एकठे सिक्का हमहीं देखाबा।
अउर बताबा इआ सिक्का माहीं केखर चित्र अउर नाम हय?" ऊँ पंचे
कहिन, "महाराजा कैसर के।" 25 तब यीसु उनसे कहिन, "जऊँ महाराजा
कैसर के आय, ओही महाराजा कैसर काहीं द्या, अउर जउन परमातिमा के
आय, ओही परमातिमा काहीं द्या।" 26 ऊँ पंचे मनइन के आँगे इआ बात
माहीं कउनव गलती नहीं पकड़े पाइन, तब ऊँ सगले जने यीसु के जबाब
सुनिके, खुब अचरज मानिन अउर चुप्पय रहिगें।

दुसराय जिए के बाद काज-बिआह
(मत्ती 22:23-33; मरकुस 12:18-27)

27 पुनि सदूकी दल बाले लोग, जऊँ कहत रहे हँय, कि मरे के बाद दुबारा
जिन्दा होब, होतय नहिं आय, उनमा से कुछ जने यीसु के लघे आइके उनसे
पूँछँइ लागें, 28 "हे गुरू, मूसा नबी हमरे खातिर पबित्र सास्त्र माहीं इआ
लिखिन हीं, कि 'अगर कोहू के भाई अपने मेहेरिआ के बिना सन्तान पइदा
किहे मर जाय, अउर ओखर मेहेरिआ जिन्दा रहि जाय, त ओखर भाई ओसे
काज कइके अपने भाई के खातिर बंस पइदा करय।' 29 एकठे घर म सात
भाई रहे हँय। पहिल भाई काज कइके बिना सन्तान पइदा किहे मरिगा।
30 तब दूसर नम्बर के भाई उआ मेहेरिआ से काज कइ लिहिस, अउर उहव
बिना सन्तान पइदा किहे मरिगा। 31 अउर इहइमेर से तिसरव नम्बर के भाई
किहिस। अउर इहइमेर से सातव भाई काज कइके बिना सन्तान पइदा किहे
मरिगें। 32 अउर सगलेन के बाद उआ मेहेरिअव मरिगे। 33 त अपना बताई,
जब ऊँ पंचे मरेन म से पुनि जिन्दा होइहँय, त उआ मेहेरिआ, केखर मेहेरिआ
कहाई? काहेकि उआ सातँव जनेन के मेहेरिआ होइ चुकी तय।" 34 तब यीसु
उनसे कहिन, "इआ समय के मनइन माहीं त काज-बिआह होत हय, 35 पय
आमँइ बाले नबा जुग माहीं जाँइ के खातिर, अउर मरेन म से पुनि जिन्दा
होंइ के खातिर, जेतने जन परमातिमा के नजर माहीं काबिल ठहरिहँय, उन
माहीं काज-बिआह न होई। 36 अउर ऊँ पंचे पुनि कबहूँ मरबव न करिहँय;
काहेकि ऊँ पंचे स्वरगदूतन कि नाईं होइ जइहँय, अउर मरेन म से पुनि
जिन्दा होए से, परमातिमा के सन्तान घलाय बन जइहँय। 37 पय इआ बात

काहीं बतामँइ के खातिर कि मनई मरिके दुसराय जिन्दा होइ जात हें, मूसा नबी, झाड़ी के किस्सा माहीं जाहिर किहिन हीं, अउर प्रभू काहीं 'अब्राहम के परमातिमा, अउर इसहाक के परमातिमा, अउर याकूब के परमातिमा कहिन हीं। †38 ऊँ मरे मनइन के नहीं, बलकिन जिन्दा मनइन के परमातिमा आहीं: काहेकि परमातिमा के चुने सगले जन उनखे लघे जिन्दा हें।" 39 तब इआ बात काहीं सुनिके, मूसा के बिधान सिखामँइ बालेन म से कुछ जने कहिन, "हे गुरू, अपना ठीक कहेन हय।" 40 अउर पुनि दुबारा यीसु से कुछू पूँछँइ के उनखर हिम्मत नहीं परी।

मसीह केखर लड़िका आहीं?
(मत्ती 22:41-46; मरकुस 12:35-37)

41 यीसु पुनि उनसे पूँछिन, "मसीह काहीं राजा दाऊद के सन्तान काहे कहत हें?
42 दाऊद खुदय भजन संहिता के किताब माहीं कहत हें कि:
'प्रभू हमरे प्रभू से कहिन। 43 हमरे दहिने कइती बइठा,
जब तक कि हम तोंहरे दुसमनन काहीं तोंहरे बस माहीं न कइ देई।'
44 राजा दाऊद त खुदय उनहीं प्रभू कहत हें, त मसीह उनखर सन्तानव आहीं, अउर प्रभुअव आहीं?"

मूसा के बिधान सिखामँइ बालेन से सतरक रहा
(मत्ती 23:1-36; मरकुस 12:38-40)

45 जब सगले जन सुनत रहे हँय, तब यीसु अपने चेलन से कहिन,
46 "मूसा के बिधान सिखामँइ बालेन से सतरक रह्या, उनहीं लम्बे-लम्बे कुरथा पहिरे घूमब नीक लागत हय, अउर बजारन माहीं नबस्कार करबाउब, अउर सभाघरन माहीं खास-खास जघा माहीं बइठब, अउर जेउनारन माहीं खास-खास जघा माहीं बइठब नीक लागत हय। 47 अउर ऊँ पंचे बिधबन के घरन काहीं लूट लेत हें, अउर खुद काहीं धरमी देखामँइ के खातिर, खुब देर तक प्राथना करत हें। ईं पंचे सगलेन से जादा सजा पइहँय।"

कंगाल बिधबा के दान
(मरकुस 12:41-44)

21 यीसु ध्यान से देखिन, कि धनमान मनई दान पेटी माहीं आपन-आपन दान, डार रहे हँय। 2 तब ऊँ एकठे गरीब बिधबा काहीं घलाय दान पेटी माहीं दुइठे सिक्का दान डारत देखिन। 3 तब यीसु अपने सगले चेलन से कहिन, "हम तोंहसे सही कहित हएन, कि मन्दिर के दान पेटी म दान डारँइ बालेन माहीं, इआ गरीब बिधबा सगलेन से जादा दान डारिस ही। 4 काहेकि सगले जन अपने धन के बढ़ती से कुछ लइके डारिन हीं, पय इआ गरीब बिधबा अपने गरीबी माहीं, जऊँ कुछू ओखे लघे रहा, मतलब जऊँ ओखे खाँइ जिअँइ काहीं रहा हय, आपन सगला धन दान पेटी माहीं डार दिहिस ही।"

मन्दिर के बिनास के भबिस्सबानी
(मत्ती 24:1,2; मरकुस 13:1,2)

5 जब कइयक जने मन्दिर के बारे माहीं कहत रहे हँय, कि इआ मन्दिर केतने सुन्दर पथरन से, अउर भेंट के चीजन से सजाबा ग हय, तब यीसु कहिन, 6 "इआ सुन्दर मन्दिर जउने काहीं तूँ पंचे देखते हया, एक दिन अइसन होई, कि एक्कव पथरा एक दुसरे के ऊपर न देखइहँय, ईं सगले गिराय दीन जइहँय।"

संकट अउर दुख
(मत्ती 24:3-14; मरकुस 13:3-13)

7 ऊँ पंचे यीसु से पूँछिन, "हे गुरू, ईं सगली बातँय कबय होइहँय? अउर जब ईं बातँय होंइ हँय, उआ समय काहीं हम पंचे कइसन जाने पाउब, कउनव चिन्हारी बताई?" 8 यीसु कहिन, "सतरक रह्या, कि तोंहईं कोऊ बिसुआस से भटकाए न पाबय, काहेकि खुब जने हमरे नाम से आइके कइहँय, 'कि हम मसीह आहेन' अउर इहव कइहँय, कि 'संसार के अन्त के समय लघे आइगा हय।' तूँ पंचे उनखे बातन के बिसुआस न किहा। 9 अउर तूँ पंचे जब युद्ध होत देख्या, अउर युद्धन के चरचा सुन्या, त घबराय न जया, काहेकि इनखर पहिले होब जरूरी हय, पय उआ समय संसार के अन्त न होई।"
10 तब यीसु उनसे कहिन, "एक जाति के मनई, दुसरे जाति के मनइन के ऊपर चढ़ाई करिहँय, अउर एक देस, दुसरे देस के ऊपर चढ़ाई करी,
11 अउर बड़े-बड़े भुँइडोल होइहँय, अउर हरेक जघन माहीं अकाल परिहँय, अउर महामारी फइलिहँय, अउर अकास माहीं भयानक बातँय अउर बड़ी-बड़ी अदभुत चिन्हारी देखाई देइहँय। 12 पय ईं सगली बातँय होंइ से पहिले, ऊँ पंचे तोंहईं हमार चेला होंइ के कारन पकड़िहँय, अउर मरिहँय, अउर सभाघरन माहीं सउँपिहँय, अउर जेल माहीं बेंड़बाय देइहँय, अउर राजा लोगन अउर अधिकारिन के लघे लइ जइहँय। 13 पय उआ समय हमरे बारे माहीं उनहीं बतामँइ क निकहा मोका रही। 14 एसे अपने-अपने मन माहीं ठान लिहा, कि हम पंचे पहिलेन से जबाब देंइ के खातिर चिन्ता न करब।
15 काहेकि हम तोंहईं अइसन बोल अउर बुद्धी देब, कि तोंहार सगले बिरोधी तोंहार सामना न कए पइहँय, अउर तोंहरे बातन काहीं लबरी न ठहराए पइहँय। 16 तोंहार महतारी-बाप, अउर भाई, अउर परिबार के मनई, अउर साथी घलाय तोंहईं पकड़बइहँय; इहाँ तक कि तोंहरे पंचन म से कुछ जनेन काहीं मरबाऊ डरिहँय। 17 अउर हमरे ऊपर बिसुआस करँइ के कारन सगले मनई तोंहसे दुसमनी रखिहँय। 18 पय तोंहरे मूँड़े के एक्कवठे बारव तक गिरँय न पाई। 19 अउर अपने सहनसीलता के कारन तूँ पंचे अपने प्रानन काहीं बचाए रइहा।"

यरूसलेम सहर के नास होंइ के बारे माहीं भबिस्सबानी
(मत्ती 24:15-21; मरकुस 13:14-19)

20 यीसु पुनि कहिन, "जब यरूसलेम सहर काहीं सेना से घिरा देख्या, त इआ जान लिहा, कि ओखे बिनास होंइ के समय आइगा हय। 21 तब उआ समय जे कोऊ यहूदिया प्रदेस माहीं होंय, त ऊँ पंचे पहारन माहीं भाग जाँय; अउर जे कोऊ यरूसलेम सहर के भीतर होंय, त ऊँ पंचे सहर से बाहर भाग जाँय; अउर जे कोऊ गाँमन माहीं होंय, ऊँ पंचे सहर के भीतर न जाँय।
22 काहेकि बदला लेंइ के ऊँ दिनन माहीं अइसय होई, काहेकि पबित्र सास्त्र माहीं लिखी सगली बातँय पूर कीन जइहँय। 23 अउर ऊँ दिनन माहीं जउन मेहेरिआ लड़कहाई होइहँय, अउर जे कोऊ अपने लड़िकन काहीं दूध पिआबत होइहँय, त उनहीं पंचन काहीं खुब कस्ट होई। काहेकि यरूसलेम सहर के मनइन के ऊपर परमातिमा के भारी क्रोध होई। 24 ऊँ सगले जन तलबार से मारे जइहँय, अउर उनमा से जऊँ बच जइहँय त उनहीं दुसरे देस के मनई बन्दी बनाइके लइ जइहँय, अउर जब तक गैरयहूदी लोगन के समय पूर न होइ जई, तब तक यरूसलेम सहर गैरयहूदी लोगन के व्दारा रउँदा जई।"

मनई के लड़िका के दुसराय आउब
(मत्ती 24:29-31; मरकुस 13:24-27)

25 यीसु इहव कहिन "सुरिज, जोंधइआ, अउर तरइअन माहीं अदभुत चिन्ह देखाई देइहँय; अउर धरती म रहँइ बाले सगले जाति के मनइन काहीं कस्ट अउर मुसीबत होई, काहेकि समुद्र माहीं बाढ़ आमँइ से, अउर ओखे

† *20:37 निरग 3:6*

लहरन के अबाज से सगले मनई घबराय जइहँय। 26 मारे डेरन के, अउर
संसार माहीं आमँइ बाली घटनन काहीं देखत-देखत मनइन के जिव म जिव
न रहि जई, काहेकि अकास के सगली चीजँय हलाई जइहँय। 27 तब सगले
जन मनई के लड़िका काहीं सामर्थ अउर बड़ी महिमा के साथ बदरिन माहीं
आबत देखिहँय। 28 जब ईं बातँय होंइ लागँय, तब सऊँ ठाढ़ होइके मूँड़ ऊपर
काहीं उठाइके देख्या; काहेकि तोंहरे छुटकारा के समय लघे होई।"

अंजीर के बिरबा के उदाहरन

(मत्ती 24:32-35; मरकुस 13:28-31)

29 यीसु अपने चेलन से एकठे उदाहरन कहिन: "अंजीर के बिरबा अउर
दुसरे बिरबन काहीं देखा। 30 जइसय उनमा नबा पत्ता निकरँइ लागत हें,
तबहिनय तूँ पंचे अपनेन से जान लेते हया, कि गरमी के रित हरबिन आमँइ
बाली हय। 31 इहइमेर से जब तूँ पंचे ईं सगली बातन काहीं होत देख्या, त
जान लिहा, कि परमातिमा हमरे ऊपर राज करँइ के खातिर हरबिन आमँइ
बाले हें। 32 हम तोंहसे सही कहित हएन, कि जब तक ईं सगली बातँय पूर न
होइ जइहँय, तब तक इआ समय के मनइन के अन्त बेलकुल न होई।
33 धरती अउर अकास टर जइहँय, पय हमार कही बातँय कबहूँ न टरिहँय।"

सतरक रहा

(मत्ती 26:36-44; मरकुस 13:32-37)

34 यीसु उनसे कहिन, "एसे तूँ पंचे सतरक रहा, अइसन न होय कि तोंहार
मन घमन्ड, अउर मतबार, अउर इआ जीबन के चिन्ता माहीं परिके सुस्त होइ
जाय, अउर उआ दिन तोंहरे ऊपर फन्दा कि नाईं अचानक आय परय।
35 काहेकि परमातिमा के राजा बनिके आमँइ बाला दिन, सगले धरती माहीं
रहँइ बालेन के ऊपर इहइमेर से अचानक अई। 36 एसे तूँ पंचे हर समय
परमातिमा के बचन माहीं बने रहा, अउर प्राथना करत रहा, कि तूँ पंचे ईं
आमँइ बाली घटनन से बचि जा, बलकिन जब मनई के लड़िका दुबारा
अइहँय, तब तूँ पंचे उनखे आँगे ठाढ़ होंइ के काबिल बने रहा।"
37 यीसु दिन माहीं यहूदी मन्दिर माहीं जाइके उपदेस देत रहे हँय, अउर
रात माहीं सगलेन से अलग जाइके जैतून नाम के पहार माहीं रहत रहे हँय;
38 अउर भिनसरहय यीसु मन्दिर माहीं आय जात रहे हँय, तब खुब मनई
उनखे बातन काहीं सुनँय के खातिर मन्दिर के अँगना माहीं उनखे लघे
आबत रहे हँय।

यीसु के बिरोध माहीं सड़यन्त्र

(मत्ती 26:1-5; मरकुस 14:1,2; यूहन्ना 11:45-53)

22 बिना खमीर के रोटी खाँइ बाला तेउहार, जउन फसह कहाबत रहा
हय, आमँइ बाला रहा हय; 2 अउर प्रधान याजक लोग अउर मूसा
के बिधान सिखामँइ बाले, इआ बात के मोका माहीं रहे हँय, कि यीसु काहीं
कउनवमेर से मारि डारी, पय ऊँ पंचे तेउहार माहीं आए मनइन से डेरात रहे
हँय।

यहूदा इस्करियोती के बिसुआस घात

(मत्ती 26:14-16; मरकुस 14:10,11)

3 तब सइतान यहूदा इस्करियोती काहीं अपने काबू माहीं कइ लिहिस,
जउन बारा चेलन माहीं गिना जात रहा हय। 4 उआ जाइके प्रधान याजकन
अउर पहरा देंइ बाले सिपाहिन के मुखिअन से बात किहिस, कि यीसु काहीं
कउनमेर से उनखे हाँथ माहीं पकड़बाई। 5 ऊँ पंचे खुब खुसी भें, अउर ओही
रुपिआ देंइ के करार कइ लिहिन। 6 यहूदा इस्करियोती राजी होइगा, अउर
इआ मोका ढूँढ़ँइ लाग, कि जब भीड़ न होई, तब यीसु काहीं उनखे हाँथ
माहीं पकड़बाय देय।

चेलन के साथ फसह के अन्तिम भोज

(मत्ती 26:17-25; मरकुस 14:12-21; यूहन्ना 13:21-30)

7 तब बिना खमीर के रोटी खाँय के तेउहार आबा, जउने माहीं बोकरी के
बच्चा के बली चढ़ाउब जरूरी रहत रहा हय। 8 तब यीसु पतरस अउर यूहन्ना
काहीं इआ कहिके पठइन: "तूँ पंचे जाइके हमरे खाँय के खातिर फसह के
खाना तइआर किहा।" 9 ऊँ दोनव जने यीसु से पूँछिन, "अपना कहाँ चाहित
हएन, कि हम पंचे जाइके खाना तइआर करी?" 10 यीसु उनसे कहिन,
"देखा, जइसय सहर माहीं पहुँचिहा, त तोंहईं एकठे मनई मूँड़े माहीं गघरा
लए मिली; उआ जउने घर माहीं जाय; त तूँ पंचे ओखे पीछे-पीछे चले जया,
11 अउर उआ घर के मालिक से कह्या: 'गुरू तोंहसे पूँछिन हीं, कि उआ
अँटरिया कहाँ ही, जउने माहीं हम अपने चेलन के साथ तेउहार के खाना
खईं?' 12 उआ घर के मालिक तोंहईं एकठे सजी-सजाई बड़ी काहीं अँटारी
देखाय देई; उहँइ खाना तइआर किहा। 13 अउर चेला लोग जाइके, जइसा
यीसु कहिन तय, उहयमेर पाइन अउर फसह के खाना तइआर किहिन।

प्रभू-भोज

(मत्ती 26:26-30; मरकुस 14:22-26; 1 कुरिन्थियन 11:23-25)

14 जब खाना खाँइके के जूना होइगे, तब यीसु बरहँव खास चेलन के साथ
खाना खाँय बइठें। 15 अउर यीसु उनसे कहिन, 'हमार बड़ी इच्छा रही हय,
कि दुख सहँइ से पहिले, इआ फसह के तेउहार के खाना तोंहरे साथ खईं।'
16 काहेकि हम तोंहसे कहित हएन, कि जब तक परमातिमा के राज माहीं
इआ फसह के तेउहार के उद्देस्य पूर न होई, तब तक हम इआमेर खाना
कबहूँ न खाब। 17 तब यीसु अंगूर के रस से भरा खोरबा लइके परमातिमा
काहीं धन्यबाद दिहिन, अउर चेलन से कहिन, 'एही ल्या, अउर आपस माहीं
बाँटिके पि ल्या।' 18 काहेकि हम तोंहसे कहित हएन, कि जब तक
परमातिमा के राज दुसराय न आय जई, तब तक हम अंगूर के रस अब से
कबहूँ न पिअब। 19 ओखे बाद यीसु एकठे रोटी लिहिन, अउर परमातिमा
काहीं धन्यबाद दइके टोरिन, अउर चेलन काहीं इआ कहिके दिहिन, 'इआ
हमार देंह आय, जउन तोंहरे खातिर दीन जात ही: हमरे यादगारी माहीं
इहइमेर करत रह्या।' 20 इहइमेर से यीसु खाना खाए के बाद, अंगूर के रस से
भरा खोरबा लइके, इआ कहिके चेलन काहीं दिहिन, 'इआ हमार खून आय
जउन तोंहरे खातिर बहाबा जात हय, इआ खून परमातिमा के नई करार के
प्रतीक आय।' 21 पय देखा, हमहीं बिरोधिन के हाँथ माहीं पकड़ामँइ बाला
हमरे साथय माहीं खाना खाँइ बइठ हय। 22 काहेकि मनई के लड़िका त
जइसा परमातिमा ओखे खातिर ठहराइन हीं, जातय हय, पय जउन मनई
धोखा दइके मनई के लड़िका काहीं पकड़ामँइ बाला हय, ओही परमातिमा
से खुब सजा मिली!" 23 तबहिनय चेला लोग आपस माहीं पूँछँइ लागें, कि
हमरे बीच म से इआ काम को करँइ बाला हय?

सबसे बड़ा को हय? एखे खातिर बिबाद

24 चेलन माहीं इआ बिबाद होंइ लाग, कि हमरे पंचन म से सबसे बड़ा को
हय? 25 यीसु उनसे कहिन, "गैरयहूदी जातिअन माहीं उनखर राजा उनखे
ऊपर हुकुम चलाबत हें; त जे उनखे ऊपर अधिकार जताबत हें; ऊँ पंचे
मनइन के उपकार करँइ बाले माने जात हें। 26 पय तूँ पंचे इआमेर न होया;
बलकिन जउन तोंहरे बीच माहीं सगलेन से बड़ा हय, उआ सगलेन से छोट
कि नाईं बनय, अउर जउन मुखिया हय, उआ सगलेन के सेबा करँइ बाले कि
नाईं बनय। 27 काहेकि बड़ा को हय, उआ जउन खाँय बइठ हय, इआ कि
जउन सेबा करत हय? का उआ नहीं जउन खाँय बइठ हय? पय हम तोंहरे
बीच माहीं सेबक कि नाईं हएन।
28 ऊँ पंचे तुहिन आह्या, जउन हमरे परिच्छन माहीं हमेसा हमरे साथ रहे
हया; 29 एसे जइसन हमार पिता परमातिमा हमहीं राज करँइ के खातिर
एकठे राज दिहिन हीं, उहयमेर हमहूँ तोंहईं राज चलामँइ के हक्क देब,

30 जउने तूँ पंचे हमरे राज माहीं हमरे साथ खा-पिआ, अउर सिंहासनन माहीं
बइठिके इजराइल के बरहँव गोत्रन के न्याय करा।”

पतरस के इनकार के बारे माहीं यीसु के भबिस्सबानी

(मत्ती 26:31-35; मरकुस 14:27-31; यूहन्ना 13:36-38)

31 यीसु कहिन, “समौन हे समौन! देखा, सइतान परमातिमा से तोंहईं माँग
लिहिसी, कि गोहूँ कि नाईं फटकय मतलब जाँचय-परखय, 32 पय हम तोंहरे
खातिर परमातिमा से बिनती किहेन हय, कि तोंहार बिसुआस कमजोर न
होय, पय जब तूँ पुनि बिसुआस माहीं मजबूत होइहा, तब अपने भाइन
काहीं स्थिर किहा।” 33 समौन यीसु से कहिन, “हे प्रभू हम अपना के साथ
जेल माहीं जाँइ के खातिर, अउर मरऊँ खातिर तइआर हएन।” 34 यीसु
उनसे कहिन, “हे पतरस हम तोंहसे कहित हएन, कि आजय मुरगा के बोलँइ
से पहिले, तूँ तीन बेरकी इनकार करिहा, कि हम यीसु काहीं नहीं जानी।”

बटुआ, झोरिया, अउर तलबार

35 पुनि यीसु अपने चेलन से कहिन, “जब हम तोंहईं बिना बटुआ, झोरिया
अउर पनहीं के पठयन तय, त तोंहईं कउनव चीज के कमी भे रही हय का?”
ऊँ चेला लोग कहिन, “कउनव चीज के कमी नहीं भे तय।” 36 पुनि यीसु
चेलन से कहिन, “पय अब जेखे लघे बटुआ होय त ओही लइ लेय, अउर
उहयमेर झोरिया लइ लेय, अउर जेखे लघे तलबार न होय, त उआ आपन
ओन्हा बेंचिके एकठे तलबार खरीद लेय, 37 काहेकि हम तोंहसे कहित हएन
कि, इआ जउन पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, कि ‘उआ अपराधिन के साथ
गिना जई’, उआ बात के हमरे ऊपर पूर होब जरूरी हय; काहेकि हमरे बारे
माहीं पबित्र सास्त्र माहीं लिखी बात पूर होंय बाली हईं।” 38 ऊँ चेला लोग
कहिन, “हे प्रभू, देखी इहाँ दुइठे तलबार हईं।” यीसु उनसे कहिन, “बस
होइगा।”

जैतून पहार के ऊपर यीसु के प्राथना

(मत्ती 26:36-46; मरकुस 14:32-42)

39 तब यीसु उहाँ से उठिके रोज कि नाईं जैतून पहार माहीं चलेगें, तब
उनखर चेला लोग घलाय उनखे पीछे-पीछे चलेगें। 40 यीसु उआ जघा माहीं
पहुँचिके उनसे कहिन, “प्राथना करा, जउने तूँ पंचे परिच्छा माहीं न परा।”
41 अउर यीसु उनसे थोर काहीं आँगे जाइके, टिहुनी के बल बइठिके प्राथना
करँइ लागें, 42 “हे पिता परमातिमा, अगर अपना चाही, त हमरे ऊपर आमँइ
बाले इआ भारी कस्ट काहीं दूर कइ सकित हएन, तऊ हमार नहीं, पय
अपना के इच्छा पूर होय।” 43 तब स्वरग से एकठे दूत यीसु काहीं देखान,
जउन उनहीं सामर्थ देत रहा हय। 44 यीसु आमँइ बाले संकट से खुब ब्याकुल
होइके, हिरदँय माहीं खुब दुखी होइके अउर जादा प्राथना करँइ लागें; अउर
उनखे देंह से पसीना, खून कि नाईं अउर बड़े-बड़े बूँदन कि नाईं भुँइ माहीं
गिरत रहे हँय। 45 तबहिनय यीसु प्राथना कइके उठें, अउर अपने चेलन के
लघे गें, अउर उनहीं उदासी के मारे सोबत पाइन। 46 तब यीसु उनसे कहिन,
“काहे सोउते हया? उठा, प्राथना करा, जउने तूँ पंचे परिच्छा माहीं न परा।”

यीसु काहीं धोखे से पकड़ा जाब

(मत्ती 26:47-56; मरकुस 14:43-50; यूहन्ना 18:3-12)

47 जब यीसु ईं बातन काहीं कहतय रहे हँय, तबहिनय एकठे भीड़ उनखे
लघे आई, अउर ऊँ बारा चेलन म से एकठे जेखर नाम यहूदा इस्करियोती
रहा हय, भीड़ के आँगे-आँगे आबत रहा हय। उआ यीसु के लघे आबा, कि
उनखर चूमा लेय। 48 यीसु ओसे कहिन, “हे यहूदा, का तूँ चूमा लइके मनई
के लड़िका काहीं पकड़बउते हया?” 49 उनखर चेला लोग जब देखिन, कि
का होंइ बाला हय, तब कहिन “हे प्रभू का हम पंचे तलबार चलाई?”
50 यीसु के कुछू बोलँइ से पहिलेन, चेलन म से एक जने महायाजक के दास
के ऊपर तलबार चलाइके, ओखर दहिना कान काटि लिहिन। 51 तब यीसु
कहिन, “बस अब कुछू न करा।” अउर ओखे कान काहीं छुइके नीक कइ
दिहिन। 52 तब यीसु प्रधान याजकन अउर मन्दिर माहीं पहरा देंइ बालेन के
अधिकारिन अउर, यहूदी धारमिक अँगुअन से, जउन उनहीं पकड़ँइ आए रहे
हँय, कहिन, “का तूँ पंचे हमहीं डाँकू जानिके तलबारन अउर लाठिन काहीं
लइके पकड़ँइ आए हया? 53 जब हम मन्दिर माहीं रोज तोंहरे साथ रहत
रहेन हय, तब तूँ पंचे हमहीं गिरफतार नहीं किहा, पय अब तोंहरे इच्छा के
मुताबिक हमहीं पकड़ँइ के समय हय, काहेकि तूँ पंचे सब सइतान के काबू
माहीं आय गया हय।”

पतरस के इनकार करब

(मत्ती 26:57,58,69-75; मरकुस 14:53,54,66-72; यूहन्ना 18:12-18,25-27)

54 तब ऊँ पंचे यीसु काहीं पकड़िके चल दिहिन, अउर महायाजक के घर
माहीं लइ आएँ। अउर पतरस दूरिन-दूरी यीसु के पीछे-पीछे जात रहे हँय।
55 अउर जब ऊँ पंचे अँगना माहीं आगी बारिके एकठ्ठा बइठिगें, तब पतरस
घलाय उनखे बीच माहीं बइठिगें। 56 तब एकठे दासी पतरस काहीं आगी के
उँजिआरे माहीं बइठे देखिस, अउर ओखी कइती ध्यान से देखिके कहँइ
लाग, “इहव घलाय यीसु के साथ रहा हय।” 57 पय पतरस इआ कहिके
इनकार किहिन, “हे महिला, हम उनहीं नहीं जानी।” 58 थोरी देर बाद एक
जने अउर पतरस काहीं देखिके कहिस, “तुहूँ घलाय उनहिन म से आह्या।”
पतरस कहिन, “हे भाई हम उनमा से न होंहेन।” 59 थोरी देर बाद एकठे
अउर मनई जोर दइके कहँइ लाग, “निस्चित इहव घलाय यीसु के साथय
रहा हय, काहेकि इहव गलील प्रदेस माहीं रहँइ बाला आय।” 60 पतरस
कहिन, “हे भाई, हम नहीं जानी कि तूँ का कहते हया!” जब पतरस इआ
बात कहतय रहे हँय, ओतनिनदार मुरगा बोलिस। 61 तब प्रभू मुड़िके पतरस
कइती निहारिन, अउर पतरस काहीं प्रभू के कही बात याद आइगे, जउन ऊँ
कहिन रहा हय: “आज मुरगा के बोलँइ से पहिले तूँ तीन बेरकी हमहीं
इनकार करिहा।” 62 तब पतरस बहिरे निकरिके फूट-फूटिके रोमँइ लागें।

यीसु के अपमान

(मत्ती 26:67,68; मरकुस 14:65)

63 जउन मनई यीसु काहीं पकड़े रहे हँय, ऊँ पंचे यीसु के हँसी उड़ाइके
मारँइ लागें; 64 अउर उनखर आँखी मूदिके उनसे पूँछँइ लागें, “भबिस्यबानी
कइके बताबा, कि तोंहईं को मारिस ही!” 65 अउर ऊँ पंचे उनखर खुब
अपमान करत अउर अपमानजनक बातँय कहत रहे हँय।

महासभा के आँगे यीसु

(मत्ती 26:59-66; मरकुस 14:55-64; यूहन्ना 18:19-24)

66 जब सकार भ, तब यहूदी धारमिक अँगुआ लोग, अउर प्रधान याजक
लोग, अउर मूसा के बिधान सिखामँइ बाले एकठ्ठा भें, अउर यीसु काहीं
अपने महासभा माहीं लइ जाइके पूँछिन, 67 “अगर तूँ मसीह आह्या, त
हमहीं बताय द्या!” यीसु उनसे कहिन, “अगर हम तोंहसे कही, त तूँ पंचे
बिसुआस न मनिहा; 68 अउर अगर हम मसीह के बारे माहीं पूँछी त तूँ पंचे
बताए न पइहा। 69 पय अब से मनई के लड़िका सर्बसक्तिमान परमातिमा के
दहिने कइती बइठ रही।” 70 ईं बातन काहीं सुनिके सगले जन कहिन, “का
तूँ परमातिमा के लड़िका आह्या?” यीसु उनसे कहिन, “तूँ पंचे खुदय कहते
हया, काहेकि हम उहय आहेन।” 71 तब ऊँ पंचे कहिन, “अब हमहीं कउनव
गबाही के जरूरत नहिं आय, काहेकि हम पंचे खुदय ओखे मुँहे से सुन
लिहेन हय; कि उआ अपने काहीं परमातिमा के लड़िका कहत हय।”

राजपाल पिलातुस के आँगे यीसु

(मत्ती 27:1,2,11-14; मरकुस 15:1-5; यूहन्ना 18:28-38)

23 तब सभा के सगले जने यीसु काहीं राजपाल पिलातुस के लघे
लइगें। 2 ऊँ पंचे इआ कहिके यीसु के ऊपर दोस लगामँइ लागें: “हम

पंचे एही खुब मनइन काहीं बहकाबत, अउर महाराजा कैसर काहीं कर देंइ से बरजत, अउर अपने काहीं मसीह अउर राजा कहत सुनेन हँय।"
3 राजपाल पिलातुस यीसु से पूँछिन, "का तूँ यहूदी लोगन के राजा आह्या?"
यीसु उनहीं जबाब दिहिन, "तूँ खुदय कहते हया!" 4 तब राजपाल पिलातुस
प्रधान याजकन अउर मनइन से कहिन, "हम इआ मनई माहीं कउनव दोस
नहीं पाई।" 5 पय ऊँ पंचे अउर जोर दइके कहँइ लागें, "इआ सगले यहूदिया
प्रदेस माहीं सब मनइन काहीं अपने उपदेसन से बहकाइस ही। इआ काम
गलील प्रदेस से सुरू किहिस तय, अउर अब इहाँ तक आइगा हय।" 6 इआ
बात सुनिके राजपाल पिलातुस पूँछिन, "का इआ मनई गलील प्रदेस के रहँइ
बाला आय?" 7 अउर इआ जानिके कि यीसु, हेरोदेस राजा के राज के
आहीं, उनहीं हेरोदेस राजा के लघे पठय दिहिन, काहेकि उन दिनन माहीं
हेरोदेस राजा घलाय यरूसलेम सहर माहीं रहे हँय।

हेरोदेस राजा के आँगे यीसु

8 हेरोदेस राजा यीसु काहीं देखिके खुब खुसी भें, काहेकि ऊँ यीसु काहीं
खुब दिनन से देखँइ चाहत रहे हँय; अउर ऊँ सुनिन रहा हय, कि यीसु
चमत्कार देखाबत हें, एसे ऊँ यीसु से कुछ चमत्कार देखँइ के आसा करत
रहे हँय। 9 राजा हेरोदेस यीसु से अउर खुब बातँय पूँछत रहिगें, पय यीसु
उनहीं कुछू जबाब नहीं दिहिन। 10 प्रधान याजक लोग, अउर मूसा के बिधान
सिखामँइ बाले ठाढ़े-ठाढ़े तन मन से यीसु के ऊपर दोस लगाबत रहिगें।
11 तब हेरोदेस राजा अपने सिपाहिन के साथ यीसु के अपमान किहिन, अउर
मजाक उड़ाइन, अउर चमकीला ओन्हा पहिरायके उनहीं राजपाल पिलातुस
के लघे लउटाय दिहिन। 12 उहय दिन से राजपाल पिलातुस, अउर हेरोदेस
राजा एक दुसरे के साथी होइगें; काहेकि एखे पहिले ऊँ एक दुसरे के दुसमन
रहे हँय।

राजपाल पिलातुस यीसु काहीं मउत के सजा सुनाइन

(मत्ती 27:15-26; मरकुस 15:6-15; यूहन्ना 18:39—19:16)

13 राजपाल पिलातुस प्रधान याजकन अउर सेना के मुखिअन अउर सगले
जनेन काहीं बोलाइके उनसे कहिन, 14 तूँ पंचे इआ मनई काहीं, लोगन काहीं
बहकामँइ बाला बताइके, हमरे लघे लइ आया हय। अउर देखा, हम तोंहरे
आँगेन ओखर जाँच-परताल किहेन हय, पय जउने बातन के दोस तूँ पंचे
ओखे ऊपर लगउते हया, ऊँ बातन के बारे माहीं हम कउनव दोस नहीं
पाएन; 15 अउर न हेरोदेस राजा ओही कउनव सजा देंइ के काबिल दोस
पाइन, एसे ऊँ हमरे लघे लउटाय दिहिन हीं: अउर देखा, उआ अइसन
कउनव काम नहीं किहिस, कि ओही मउत के सजा दीन जाय। 16 एसे हम
ओही चाबुक मरबाइके छोंड़े देइत हएन। 17 (यहूदी लोगन के नेम के
मुताबिक, फसह के तेउहार के दिन एकठे कइदी काहीं छोंड़ दीन जात रहा
हय, एसे राजपाल पिलातुस तेउहार के दिन एकठे कइदी काहीं छोंड़ँइ के
खातिर मजबूर रहा हय।) 18 तब सगले जन एकसाथय चिल्लाय उठें, "एही
मारि डारा, अउर हमरे खातिर बरअब्बा डाँकू काहीं छोंड़ि द्या!" 19 बरअब्बा
कउनव दंगा माहीं सामिल होंइ के कारन जउन सहर माहीं भ रहा हय, अउर
कतल करँइ के दोसी होंइ के कारन जेल माहीं बंद कीन ग रहा हय। 20 पय
पिलातुस यीसु काहीं छोंड़ि देंइ के इच्छा से, मनइन काहीं दुसराय समझाइन,
21 पय ऊँ पंचे चिल्लाइके कहिन, "ओही क्रूस माहीं चढ़ाबा, क्रूस माहीं!"
22 राजपाल पिलातुस तिसराय उनसे कहिन, "काहे, ऊँ कउन अपराध
किहिन हीं? हम मउत के सजा देंइ के काबिल उन माहीं कउनव गलती नहीं
पाएन। एसे हम उनहीं चाबुक मरबाइके छोंड़े देइत हएन।" 23 पय ऊँ पंचे
खुब चिल्लाय-चिल्लाइके इआ दबाव डारिन, कि ओही क्रूस माहीं चढ़ाबा
जाय, अउर उनखर चिल्लाब सफल भ, मतलब ऊँ पंचे जइसन कहत रहे
हँय, उहयमेर भ। 24 अरथात राजपाल पिलातुस हुकुम दिहिन, कि उनखे
बिनती के मुताबिक कीन जाय। 25 राजपाल पिलातुस उआ मनई काहीं
जउन दंगा अउर कतल के अरोप के कारन जेल माहीं बंद रहा हय, अउर
जउने काहीं ऊँ पंचे मागत रहे हँय, छोंड़ दिहिन, अउर यीसु काहीं उनखे
इच्छा के मुताबिक सउँप दिहिन।

यीसु काहीं क्रूस माहीं चढ़ाबा जाब

(मत्ती 27:32-44; मरकुस 15:21-32; यूहन्ना 19:17-27)

26 जब ऊँ पंचे यीसु काहीं लए जात रहे हँय, तब ऊँ पंचे, कुरेन सहर के
रहँइ बाले समौन नाम के एकठे मनई काहीं, जउन गाँव कइत से चला आबत
रहा हय, पकड़िके ओखे ऊपर क्रूस लाद दिहिन, कि ओही यीसु के पीछे-
पीछे लइ चलय।
27 अउर मनइन के खुब बड़ी भीड़ यीसु के पीछे-पीछे चल दिहिस, अउर
भीड़ माहीं खुब मेहेरिआ घलाय रही हँय, जउन यीसु के खातिर खुब दुखी
होइके छाती पीट-पीटिके रोबत रही हँय। 28 यीसु उनखे कइती मुड़िके
कहिन, "हे यरूसलेम सहर के बिटिअव, हमरे खातिर न रोबा; बलकिन
अपने अउर अपने लड़िकन-बच्चन के खातिर रोबा। 29 काहेकि देखा, ऊँ
दिन अइहँय, जउने माहीं मनई कइहँय, 'धन्य हईं ऊँ मेहेरिआ जिनखे
लड़िका-बच्चा नहीं भें, अउर ऊँ जउन लड़िकन काहीं दूध नहीं पिआइन।'
30 उआ समय माहीं 'भयानक संकट से बचँइ के खातिर ऊँ पंचे पहारन से
कइहँय, कि हमरे ऊपर गिरा, अउर टीलन से कइहँय, कि हमहीं मूँद ल्या।'
31 काहेकि जब ऊँ पंचे हमरे साथ जउन हम हरिअर बिरबा कि नाईं हएन
अइसन करत हें, त उनहीं जउन झुरान बिरबा कि नाईं दोसी हँय, खुब सजा
देइहँय?" 32 अउर ऊँ पंचे दुइठे अउर मनइन काहीं जउन कुकर्मी रहे हँय,
यीसु के साथय मारँइ के खातिर लइके चल दिहिन। 33 जब ऊँ पंचे उआ
जघा माहीं पहुँचे, जउने काहीं खोपड़ी कहत हें, तब ऊँ पंचे यीसु काहीं अउर
ऊँ कुकर्मिन काहीं घलाय, एकठे क दहिने कइती, अउर दुसरे काहीं बाएँ
कइती क्रूस माहीं चढ़ाइन। 34 तब यीसु कहिन, "हे पिता, इनहीं माफ करी,
काहेकि ईं पंचे नहीं जानँय, कि हम का कइ रहेन हँय।" अउर ऊँ पंचे परची
डारिके उनखे ओन्हन काहीं बाँटि लिहिन।
35 खुब मनई ठाढ़े-ठाढ़े देखत रहे हँय, अउर सभाघर के मुखिया लोग
घलाय उनखर मजाक उड़ाइके कहत रहे हँय: "इआ दुसरेन काहीं बचाइस,
अगर इआ परमातिमा के मसीह आय, अउर उनखर चुना आय, त खुद काहीं
बचाय लेय।" 36 सिपाही घलाय लघे आइके अउर पिअँइ के खातिर सिरका
दइके उनखर हँसी उड़ाइके, कहत रहे हँय, 37 "अगर तँय यहूदी लोगन के
राजा आहे, त खुद काहीं बचाव!" 38 अउर उनखे ऊपर एकठे अरोप-पत्र
घलाय लगा रहा हय, कि "ईं यहूदी लोगन के राजा आहीं।"

मन बदलँइ बाला कुकर्मी

39 जउन कुकर्मी उहाँ क्रूस माहीं चढ़ाए गे रहे हँय, उनमा से एक जने
उनखर बुराई कइके कहिस, "का तूँ मसीह न होह्या? त पुनि खुद काहीं
अउर हमहीं बचाबा!" 40 तब दूसर बाला ओही डाँटिके कहिस, "का तँय
परमातिमा से घलाय नहीं डेराते आहे? तहूँ त उहय सजा पउते हय, 41 हम
पंचे त जउन गलत काम किहेन हय, ओहिन के मुताबिक सजा पाय रहेन
हँय; काहेकि हम पंचे अपने गलत कामन के उचित फल पाय रहेन हँय; पय
ईं त कउनव गलत काम नहीं किहिन, तऊ सजा पाय रहे हँय।" 42 तब
पहिल बाला कहिस, "हे यीसु, जब अपना राजा बनिके राज करब, तब
हमार सुधि लेब।" 43 यीसु ओसे कहिन, "हम तोंहसे सही कहित हएन, कि
तूँ आजय हमरे साथ स्वरगराज माहीं होइहा।"

यीसु के प्रान छोंड़ब

(मत्ती 27:45-56; मरकुस 15:33-41; यूहन्ना 19:28-30)

44 अउर करीब दुपहर बारा बजे से लइके, तीन बजे तक सगले देस माहीं
अँधिआर छाबा रहिगा, 45 अउर सुरिज के उँजिआर देब बंद होइगा, अउर
मन्दिर के परदा बीच से फाटिगा, 46 अउर यीसु खुब चंडे से चिल्लाइके
कहिन, "हे पिता, हम आपन आत्मा अपना के हाँथे माहीं देइत हएन।"

अउर एतना कहिके प्रान छोंड़ दिहिन। 47 जउन कुछू इआ भा रहा हय,
सुबेदार देखिके परमातिमा के बड़ाई करँइ लाग, अउर कहिस, “जरूर ईं
धरमी मनई रहे हँय।” 48 अउर भीड़ के सगले मनई जे इआ सगला हाल
देखँइ के खातिर एकट्ठा भे रहे हँय, इआ घटना काहीं देखिके खुब दुखी
होइके लउटिगें। 49 अउर यीसु के सगले जान-पहिचान बाले, अउर जउन
मेहेरिआ गलील प्रदेस से उनखे साथ आई रही हँय, दूरी ठाढ़ होइके इआ
सगला हाल देखत रही हँय।

यीसु काहीं गाड़ा जाब

(मत्ती 27:57-61; मरकुस 15:42-47; यूहन्ना 19:38-42)

50 उहाँ यूसुफ नाम के एकठे मनई रहे हँय, जउन महासभा के सदस्य रहे
हँय, अउर ऊँ सज्जन अउर धरमी रहे हँय। 51 अउर ऊँ यहूदी लोगन के
योजना, अउर यीसु काहीं क्रूस माहीं चढ़ामँइ के काम से प्रसन्न नहीं रहे
आँय। ऊँ यहूदी लोगन के गाँव अरमतिया के रहँइ बाले, अउर परमातिमा के
सुख सान्ति के राज आमँइ के इन्तजार करत रहे हँय। 52 ऊँ राजपाल
पिलातुस के लघे जाइके, यीसु के लहास माँगिन; 53 अउर जब राजपाल
पिलातुस मंजूरी दइ दिहिन, तब ऊँ यीसु काहीं क्रूस से उतरबाइके मखमल
के चद्दरा माहीं लपेट लिहिन, अउर एकठे कब्र माहीं धरिन, जउन चट्टान
माहीं खोदी गे रही हय; अउर ओमा कबहूँ कउनव लहास नहीं धरी गे रही
आय। 54 सुरिज बूड़ँइ के बाद, पबित्र दिन सुरू होंइ बाला रहा हय, एसे उआ
तइआरी के दिन रहा हय। 55 ऊँ मेहेरिआ जउन गलील प्रदेस से आई रही
हँय, पीछे-पीछे जाइके उआ कब्र काहीं देखिन, अउर इआ घलाय देखिन कि
यीसु के लहास कउनमेर से रखी गे ही। 56 तब ऊँ पंचे लउटिके महकँइ बाली
चीज अउर अँतर बनाइके तइआर किहिन, अउर पबित्र दिन काहीं, ऊँ पंचे
परमातिमा के हुकुम के मुताबिक अराम किहिन।

मरेन म से यीसु के जिन्दा होब

(मत्ती 28:1-10; मरकुस 16:1-8; यूहन्ना 20:1-10)

24 पय हप्ता के पहिलय दिन अइतबार काहीं भिनसरहय सगली
मेहेरिआ महकँइ बाली चीजन काहीं लइके जउनेन काहीं तइआर
किहिन तय, कब्र माहीं आईं। 2 ऊँ पंचे उआ पथरा काहीं कब्र के दुअरा से
ढनगा पाइन, 3 पय ऊँ पंचे कब्र के भीतर जाइके यीसु के लहास नहीं पाइन।
4 जब ऊँ पंचे इआ बात काहीं देखिके घबरान जात रही हँय, तबहिनय
देखिन, कि दुइठे मंसेरुआ खुब चमकत ओन्हा पहिरे उनखे लघे आइके ठाढ़
होइगें। 5 जब ऊँ पंचे मारे डेरन के नीचे काहीं मूड़ कए रहि गईं, तब ऊँ दोनव
जने उनसे कहिन, “तूँ पंचे जिन्दा काहीं, मरेन माहीं काहे ढुँढ़ते हया? 6 ऊँ
इहाँ नहिं आहीं, बलकिन जिन्दा होइगे हँय। सुधि करा, कि ऊँ जब गलील
माहीं रहे हँय, त तोंहसे का कहिन तय। 7 ऊँ इआ कहिन तय, कि ‘जरूरी
हय, कि मनई के लड़िका पापिन के हाँथ माहीं पकड़ाबा जई, अउर क्रूस
माहीं चढ़ाबा जई, अउर मरिके तिसरे दिन जिन्दा होइ जई’।” 8 तब उनहीं
यीसु के कही बात सुधि आई, 9 अउर कब्र से लउटिके ऊँ पंचे, यीसु के
ग्यरहँव चेलन से, अउर उहाँ ठाढ़ सगले मनइन से सगली बातन काहीं
बताइन। 10 जउन ईं बातन काहीं खास चेलन से बताइन रहा हय, ऊँ पंचे ईं
आहीं, मगदल गाँव के मरियम, अउर योअन्ना अउर याकूब के महतारी
मरियम अउर उनखे साथ अउरव मेहेरिआ रही हँय। 11 पय उनखर बातँय
उनहीं कहानी कि नाईं लागीं, एसे ऊँ पंचे बिसुआस नहीं किहिन। 12 तब
पतरस उठिके कब्र माहीं दउड़त गें, अउर कब्र के भीतर निहुरिके देखिन, त
यीसु के ओन्हा भर देखाने, अउर जउन भ रहा हय, ओसे अचम्भित होइके
जहाँ रहत रहे हँय, उहय घर माहीं लउटिगें।

इम्माऊस के गइल माहीं चेलन के साथ यीसु

(मरकुस 16:12,13)

13 उहय दिन चेलन म से दुइ जने इम्माऊस नाम के गाँव काहीं जात रहे
हँय, जउन यरूसलेम सहर से करीबन 11 किलोमीटर के दूरी माहीं रहा हय।
14 जउन बातँय यरूसलेम सहर माहीं भे रही हँय, उनहिन के चरचा ऊँ पंचे
आपस माहीं करत जात रहे हँय, 15 अउर जब ऊँ दोनव जने आपस माहीं
बात करत अउर एक दुसरे से पूँछत जात रहे हँय, तबहिनय यीसु आइके
उनखे साथय रेंगँइ लागें। 16 पय परमातिमा उनखे आँखिन काहीं अइसन बंद
कइ दिहिन तय, कि जउने ऊँ पंचे यीसु काहीं चीन्हे न पामँय। 17 तब यीसु
उनसे पूँछिन, “ईं कउन बातँय आहीं, जउन तूँ पंचे चलतय-चलत आपस
माहीं करत जाते हया?” ऊँ पंचे एतना सुनिके अनमन ठाढ़ रहिगें। 18 तब
यीसु के बात काहीं सुनिके, उनहिन म से एक जने जेखर नाम क्लियुपास
रहा हय कहिस, “का तूँ यरूसलेम सहर माहीं अकेले परदेसी रहइआ हया,
जउन नहीं जनते आह्या, कि ईं दिनन माहीं यरूसलेम सहर माहीं का-का भ
हय?” 19 यीसु उनसे पूँछिन, “कउन बातँय?” ऊँ दोनव जने उनसे कहिन,
“नासरत गाँव माहीं रहँइ बाले यीसु के बारे माहीं, जउन परमातिमा के
निगाह माहीं, अउर लोगन के बीच माहीं काम करँइ माहीं, अउर बचन माहीं
सामरथी अउर परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले रहे हँय। 20 उनहीं प्रधान
याजक लोग अउर हमरे समाज के मुखिया पकड़बाइन, कि उनहीं मउत के
सजा के हुकुम दीन जाय, जब राजपाल हुकुम दइ दिहिन, तब उनहीं लइ
जाइके क्रूस माहीं चढ़बाय दिहिन। 21 पय हमहीं पंचन काहीं बड़ी आसा रही
हय, कि यीसु सगले इजराइल के मनइन काहीं रोम सम्राज के गुलामी से
मुक्ती देइहँय। इआ घटना काहीं भए आज तीसर दिन आय। 22 अउर हमरेन
बीच म से कइअकठे मेहेरिआ हमहीं अचरज माहीं डार दिहिन हीं, जउन बड़े
सकन्ने कब्र माहीं गई रही हँय; 23 जब ऊँ पंचे उनखर लहास नहीं पाइन, त
इआ कहत आईं कि हम पंचे स्वरगदूतन के दरसन पाएन हय, जउन कहिन
हीं, कि ऊँ जिन्दा होइगे हें। 24 तब हमरे साथिन म से कइअक जने कब्र माहीं
गें, अउर जइसन ऊँ मेहेरिआ कहिन तय, उहयमेर पाइन; पय उनखर लहास
नहीं पाइन।” 25 तब यीसु उनसे कहिन, “हे निरबुध्दिव, अउर परमातिमा के
सँदेस बतामँइ बालेन के सगली बातन के बिसुआस न करँइ बाले मन्द मति
के मनइव! 26 का इआ जरूरी नहीं रहा, कि मसीह दुख उठाइके अपने
महिमा माहीं प्रबेस करँय?” 27 तब यीसु मूसा से अउर सगले परमातिमा के
सँदेस बतामँइ बालेन से सुरू कइके पूरे पबित्र सास्त्र म से अपने बारे माहीं
लिखी बातन के मतलब, उनहीं समझाय दिहिन।

28 बात करत-करत ऊँ पंचे गाँव के लघे पहुँचिगे, जहाँ ऊँ जात रहे हँय,
अउर यीसु के बरताव से अइसन जान परा, कि ऊँ आँगे जाँइ चाहत हें।
29 पय ऊँ पंचे इआ कहिके यीसु काहीं रोंकिन, “अपना हमरे साथय रही,
काहेकि साँझ होंइ बाली हय, अउर सुरिज बूड़ँइ बाला हय।” तब यीसु उनखे
साथ रहँइ के खातिर घर के भीतर गें। 30 जब यीसु उनखे साथ खाना खाँइ
बइठें, तबहिनय ऊँ रोटी लइके परमातिमा काहीं धन्यबाद दिहिन, अउर रोटी
टोरिके उनहीं देंइ लागें। 31 तब उनखर आँखी खुल गईं; अउर ऊँ पंचे यीसु
काहीं पहिचान लिहिन, तबहिनय यीसु उनखे आँखी से ओझल होइगें।
32 तब ऊँ पंचे आपस माहीं कहिन, “जब ऊँ गइल माहीं हमसे बात करत रहे
हँय, अउर पबित्र सास्त्र के मतलब समझाबत रहे हँय, तब का हमरे हिरदँय
माहीं उत्तेजना नहीं पइदा भय तय?” 33 तब ऊँ पंचे उहय समय उठिके
यरूसलेम सहर लउटिगें, अउर उन ग्यरहँव चेलन अउर उनखे साथिन काहीं
एकट्ठा पाइन। 34 ऊँ सगले जन कहत रहे हँय, कि “प्रभू फुरिन जिन्दा होइगें
हँय, अउर समौन काहीं देखाई दिहिन हीं।” 35 तब ऊँ पंचे गइल के सगली
बात उनसे बताय दिहिन, अउर इहव घलाय बताइन, कि हम पंचे रोटी टोरत
समय कइसन यीसु काहीं पहिचान लिहेन तय।

सगले चेलन काहीं यीसु देखाई दिहिन

(मत्ती 28:16-20; मरकुस 16:14-18; यूहन्ना 20:19-23; खास चेलन 1:6-8)

36 जब ऊँ पंचे ईं बातँय कहतय रहे हँय, तबहिन यीसु उनखे बीच माहीं
आइके ठाढ़ होइगें, अउर उनसे कहिन, “तोहईं सान्ती मिलय।” 37 पय ऊँ
सगले जने घबराइगें, अउर डेराऊ गें, अउर इआ सोचिन, कि हम पंचे
कउनव भूत काहीं देख रहेन हँय। 38 यीसु उनसे कहिन, “काहे घबराते हया?
अउर अपने मन माहीं संका काहे करते हया? 39 हमरे हाँथे अउर गोड़ेन
काहीं देखा, कि हम उहय आहेन। हमहीं छुइके देखा, काहेकि भूत के हड्डी
अउर माँस नहीं होय; जइसन हमरे देखते हया।”
40 इआ कहिके यीसु उनहीं आपन हाँथ-गोड़ देखाइन। 41 जब मारे खुसी
के कारन उनहीं बिसुआस न भ, अउर ऊँ पंचे अचरज मानत रहे हँय, तब
यीसु उनसे पूँछिन, “का इहाँ तोंहरे लघे कुछू खाँइका हय?” 42 ऊँ पंचे यीसु
काहीं भूँजी मछरी के टुकड़ा दिहिन। 43 यीसु उआ मछरी के टुकड़ा लइके
उनखे आँगेन खाइन। 44 फेर यीसु उनसे कहिन, “ईं हमार ऊँ बातँय आहीं,
जउन हम तोंहरे साथ रहत समय तोंहसे कहेन तय, कि इआ जरूरी हय, कि
जेतनी बातँय मूसा के बिधान माहीं अउर परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन
अउर भजन के किताबन माहीं हमरे बारे माहीं लिखी हईं, ऊँ सगली पूर
होंय।”
45 तब यीसु पबित्र सास्त्र के बातन काहीं समझँइ के खातिर उनहीं समझ
दिहिन, 46 अउर यीसु कहिन, “पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, कि मसीह दुख
उठइहँय, अउर मरिके तिसरे दिन जिन्दा होइ जइहँय, 47 अउर यरूसलेम
सहर से लइके सगले जातिअन माहीं पाप से मन फिरामँइ के, अउर पापन
से माफी पामँइ के प्रचार, उनहिन के नाम से कीन जई। 48 अउर तूँ पंचे ईं
सगली बातन के गबाह हया। 49 अउर देखा, जेखर वादा हमार पिता किहिन
हीं, हम ओही तोंहरे ऊपर हरबिन पठउब, अउर जब तक तूँ पंचे स्वरग से
परमातिमा के तरफ से सामर्थ न पाया, तब तक तूँ पंचे इहय सहर माहीं रुके
रह्या।”

यीसु के स्वरग जाब

(मरकुस 16:19,20; खास चेलन 1:9-11)

50 तब यीसु उनहीं यरूसलेम सहर से बहिरे बैतनिय्याह गाँव तक लइगें,
अउर आपन हाँथ उठाइके उनहीं आसिरबाद दिहिन; 51 अउर उनहीं
आसिरबाद देत समय यीसु उनसे अलग होइगें, अउर स्वरग माहीं उठाय लीन
गें। 52 तब ऊँ पंचे यीसु काहीं दन्डबत कइके बड़े आनन्द के साथ यरूसलेम
सहर काहीं लउटिगें; 53 अउर ऊँ पंचे लगीतार मन्दिर माहीं जाइके
परमातिमा के अराधना करा-करत रहे हँय।

यूहन्ना

इआ किताब के परिचय

यूहन्ना के लिखी खुसी के खबर माहीं यीसु काहीं परमातिमा के अनन्त बचन के रूप माहीं बताबा ग हय, जउन “मनई के रूप माहीं आइके हमरे पंचन के बीच माही निबास किहिन।” इआ किताब माहीं इआ स्पस्ट रूप से बताबा ग हय, कि इआ खुसी के खबर एसे लिखी गे ही, कि एही पढ़ँइ बाले बिसुआस करँइ, कि परमातिमा जउने मुक्ती देंइ बाले काहीं पठमँइ के वादा किहिन तय, ऊँ यीसु आहीं। अरथात उँइन परमातिमा के लड़िका आहीं, अउर ऊँ पंचे यीसु के ऊपर बिसुआस किहे के व्दारा अनन्त जीबन पाय सकँय (यूह 20:31)।
भूमिका माहीं यीसु काहीं परमातिमा के अनन्त बचन के रूप माहीं लिखा ग हय। ओखे बाद खुसी के खबर के पहिल भाग माहीं सातठे चमत्कार के कामन के बखान कीन ग हय, ऊँ कामन से इआ प्रगट होत हय, कि परमातिमा जउने मुक्ती देंइ बाले काहीं पठमँइ के वादा किहिन तय, ऊँ यीसु आहीं, अरथात उँइन परमातिमा के लड़िका आहीं। दुसरे भाग माहीं यीसु के उपदेस के बारे माहीं बताबा ग हय। ऊँ उपदेसन माहीं इआ समझाबा ग हय, कि ईं अचरज के कामन के मतलब का हय। इआ भाग माहीं इहव बताबा ग हय, कि कइसन कुछ मनई यीसु के ऊपर बिसुआस किहिन, अउर उनखर चेला बनिगें, जबकि कुछ मनई उनखर बिरोध किहिन अउर उनखे ऊपर बिसुआस करँइ से इनकार कइ दिहिन। 13 पाठ से लइके 17 पाठ तक यीसु के पकड़बाए जाँय बाली रात काहीं यीसु के अपने चेलन के साथ घनिस्ट सहभागिता, अउर क्रूस माहीं चढ़ाए जाँइ से पहिले साँझिके चेलन काहीं तइआर करँइ, अउर उनहीं उत्साहित करँइ बाले यीसु के बचनन के बिस्तार से बखान कीन ग हय। अन्तिम पाठन माहीं यीसु के पकड़बाए जाँय अउर यहूदी महासभा माहीं सँउपे जाँइ के, उनहीं क्रूस माहीं चढ़ाए जाँइ के, गाड़े जाँइ के, मरे के बाद जिन्दा होंइ के, अउर मरेन म से जिन्दा होए के बाद चेलन काहीं देखाई देंइ के बखान हय।
यूहन्ना यीसु मसीह के व्दारा अनन्त जीबन के दान के ऊपर खुब जोर देत हें। इआ एकठे अइसन दान आय, जउन अब सुरू होत हय अउर उनहीं मिलत हय, जे कोऊ यीसु काहीं गइल, सत्य, अउर जीबन के रूप माहीं सोइकार करत हें। आत्मिक बातन काहीं बतामँइ के खातिर रोज जीबन माहीं जरूरत परँइ बाली साधारन चीजन काहीं प्रतीक के रूप माहीं उपयोग करब, यूहन्ना के मुख्य बिसेसता आय, जइसन- पानी, रोटी, जोति, चरबाहा अउर ओखे गड़रन, अउर दाखलता अउर ओखर फर आदि। अउर इआ किताब माहीं यीसु काहीं “मनई के लड़िका” अउर “परमातिमा के लड़िका” के रूप माहीं बताबा ग हय। अउर जउने मन्दिर के बखान हय, ओमाहीं कउनव मूरत नहीं रहत रही आय।
अपना पंचन से इआ बिनती हय, कि अपना पंचे इआ खुसी के खबर काहीं बड़े ध्यान से पढ़ी, अउर एहिन के मुताबिक जीबन बिताई, त अपना पंचन काहीं परमातिमा से खुब आसीस मिली।

रूप-रेखा :

भूमिका
यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले अउर यीसु के पहिल चेला लोग
यीसु के जनसेबा
यरूसलेम सहर माहीं अन्त के कुछ दिन
मरेन म से प्रभू के जिन्दा होब अउर चेलन काहीं देखाई देब
उपसंहार : गलील प्रदेस माहीं पुनि: देखाई देब

बचन के मनई के रूप धारन करब

1 सुरुआत † माहीं बचन रहा हय, अउर बचन परमातिमा के साथ रहा
हय, अउर बचनय परमातिमा रहा हय। 2 इहय बचन सुरुआत माहीं
परमातिमा के साथ रहा हय। 3 बचनय के व्दारा सगली चीजँय बनाई गई
हँय, अउर जेतनी चीजँय बनाई गई हँय, उनमा से अइसा कउनव चीज नहिं
आय जउन ओखे बिना बनाई गे होय। 4 ओहिन माहीं जीबन रहा हय; अउर
उहय जीबन संसार के मनइन के खातिर जोति रहा हय। 5 अउर जोति
अँधिआर माहीं चमकत ही; पय अँधिआर ओही सोइकार नहीं किहिस।
6 परमातिमा के पठए एक जने मनई आएँ जिनखर नाम यूहन्ना बपतिस्मा
देंइ बाला रहा हय। 7 ऊँ इआ गबाही देंइ के खातिर आएँ, कि जोति के बारे
माहीं गबाही देंय, जउने संसार के सगले मनई उनखे गबाही काहीं सुनिके
जोति के ऊपर बिसुआस करँय। 8 ऊँ खुद उआ जोति नहीं रहें आहीं, पय
उआ जोति के बारे माहीं गबाही देंइ के खातिर आए रहे हँय।
9 उआ सच्ची जोति जउन संसार के हरेक मनइन काहीं ग्यान रूपी
उँजिआर देत ही, संसार माहीं आमँइ बाली रही हय। 10 उआ बचन संसारय
माहीं रहा हय, अउर सगला संसार ओहिन के व्दारा बनाबा ग हय, पय
संसार के मनई ओही नहीं पहिचानिन। 11 ऊँ अपने लोगन के लघे आएँ,
अउर उनखर अपनय लोग उनहीं सोइकार नहीं किहिन। 12 पय जेतने जने
उनहीं सोइकार किहिन, ऊँ उनहीं पंचन काहीं परमातिमा के सन्तान होंइ के
अधिकार दिहिन, अरथात उनहीं जेतने जन उनखे नाम के ऊपर बिसुआस
करत हें। 13 परमातिमा के सन्तान के रूप माहीं, ऊँ पंचे संसारिक रूप से, न
त खून से पइदा भें, अउर न त मनइन के इच्छा से, अउर न महतारी-बाप के
योजना से, बलकिन ऊँ पंचे परमातिमा से पइदा भे हँय।
14 अउर बचन मनई के रूप लइके संसार माहीं आएँ, अउर ऊँ किरपा
अउर सच्चाई से भरपूर होइके, हमरे पंचन के बीच माहीं निबास किहिन,

† *1:1 उत्प 1:1*

अउर हम पंचे उनखे महिमा काहीं, पिता परमातिमा के एकलउते लड़िका कि नाईं देखे हएन। 15 अउर यूहन्ना उनखे बारे माहीं गबाही दिहिन हीं, अउर खुब चन्डे कहिन हीं, कि "ईं उँइन आहीं, जिनखे बारे माहीं हम बतायन हय, कि ऊँ जउन हमरे बाद आमँइ बाले हें, हमसे खुब महान हें, काहेकि ऊँ हमरे पइदा होंय से पहिले रहे हँय।" 16 काहेकि उनखर किरपा हमरे ऊपर भरपूर ही, एहिन से हमहीं पंचन काहीं भरपूर आसिरबाद मिलत हय। 17 परमातिमा के बिधान मूसा नबी के व्दारा दीन ग हय; पय किरपा अउर सच्चाई यीसु मसीह के व्दारा पहुँची हय। 18 परमातिमा काहीं कबहूँ कोऊ नहीं देखिस, पय केबल परमातिमा के एकलउते लड़िका, जउन हमेसा उनहिन के साथ रहत हें, उँइन उनखे बारे माहीं हमहीं पंचन काहीं बताइन हीं।

यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के गबाही

(मत्ती 3:1-12; मरकुस 1:1-8; लूका 3:1-18)

19 जब यरूसलेम सहर के कुछ यहूदी समाज के धारमिक अँगुआ लोग इआ जानँइ के खातिर कि यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले को आहीं, याजकन अउर मन्दिर माहीं सेबा करँइ बाले लेबी लोगन काहीं पठइन, तब ऊँ पंचे यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के लघे जाइके पूँछिन, कि तूँ को आह्या। 20 तब यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले उनहीं सही जबाब दिहिन, अउर मान लिहिन, कि हम परमातिमा के पठए मसीह न होंहेन। 21 तब ऊँ पंचे पुनि उनसे पूँछिन, "त तूँ को आह्या? का तूँ एलिय्याह आह्या?" त ऊँ कहिन, कि "हम न होंहेन", त ऊँ पंचे पुनि पूँछिन कि, "परमातिमा जउन अपने सँदेस बतामँइ बाले काहीं पठमँइ के वादा किहिन तय, का तूँ उहय आह्या?" तब ऊँ कहिन, कि "हम उहव न होंहेन।" 22 तब ऊँ पंचे पुनि उनसे पूँछिन, "आखिर तूँ को आह्या?" अपने बारे माहीं हमहीं बताबा, जउने हम पंचे अपने पठमँइ बालेन काहीं जबाब दइ सकी। 23 यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले कहिन, "जइसन परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले यसायाह नबी कहिन हीं, कि 'हम सुनसान जघा माहीं गोहरामँइ बाले के अबाज आहेन' काहेकि प्रभू आमँइ बाले हें, तूँ पंचे अपने मन काहीं सऊँ गइल कि नाईं तइआर करा।"

24 जिनहीं फरीसी पठइन रहा हय। 25 ऊँ पंचे यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले से पूँछिन, "तूँ न त मसीह आह्या, अउर न एलिय्याह आह्या, अउर न त उआ परमातिमा के सँदेसय बतामँइ बाले आह्या, त पुनि बपतिस्मा काहे देते हया?" 26 यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले उनहीं जबाब दिहिन, कि "हम त पानी से बपतिस्मा देइत हएन; पय तोंहरे बीच माहीं एक जने ठाढ़ हें, जिनहीं तूँ पंचे नहीं जनते आह्या, कि ईं को आहीं। 27 ईं उँइन आहीं, जउन हमरे बाद आमँइ बाले हें, जिनखे पनहीं के डोरव तक छोरँइ के काबिल हम नहिं आहेन।" 28 ईं बातँय यरदन नदी के दुसरे पार बैतनिय्याह गाँव माहीं भईं, जहाँ यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले, बपतिस्मा देत रहे हँय।

परमातिमा के मेम्ना

29 दुसरे दिन यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले, यीसु काहीं अपनी कइती आबत देखिके कहिन, "देखा, ईं परमातिमा के मेम्ना आहीं, जउन संसार के मनइन के पाप उठाय लइ जइहँय। 30 ईं उँइन आहीं, जिनखे बारे माहीं हम कहेन रहा हय, कि एकठे मनई जउन हमरे बाद आमँइ बाले हें, ऊँ हमसे खुब महान हें, काहेकि ऊँ हमरे पइदा होंइ से पहिले रहे हँय। 31 अउर हम खुदय उनहीं नहीं पहिचानत रहेन आय, पय हम पानी से बपतिस्मा एसे देत आए हएन, कि जउने इजराइल देस के सगले मनई इआ जान लेंय, कि ऊँ को आहीं। 32 अउर यूहन्ना इआ गबाही दिहिन, कि हम पबित्र आत्मा काहीं परेबा के रूप माहीं स्वरग से नीचे उतरत देखेन हय, अउर पबित्र आत्मा उनखे ऊपर आइके ठहरिगा। 33 अउर हम त उनहीं पहिचानत नहीं रहेन, पय जउन हमहीं पानी से बपतिस्मा देंइ काहीं पठइन हीं, उँइन हमसे कहिन, कि जेखे ऊपर तूँ पबित्र आत्मा काहीं उतरत अउर ठहरत देख्या; उँइन मनइन काहीं पबित्र आत्मा से बपतिस्मा देंइ बाले आहीं। 34 अउर हम देखेन हँय, अउर इआ गबाही देइत हएन, कि ईंन परमातिमा के लड़िका आहीं।"

यीसु के पहिल चेला लोग

35 दुसरे दिन पुनि यूहन्ना अउर उनखे चेलन म से दुइ जने ठाढ़ रहे हँय। 36 अउर यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले यीसु काहीं लघे से जात देखिके कहिन, "देखा, ईं परमातिमा के मेम्ना आहीं।" 37 जब ऊँ दोनव चेला उनहीं इआ कहत सुनिन, त ऊँ पंचे यीसु के पीछे चलेगें। 38 यीसु पीछे कइती मुड़िके, उनहीं अपने पीछे आबत देखिके उनसे कहिन, "तूँ पंचे केही ढुँढ़ते हया?" ऊँ पंचे उनसे कहिन, "हे गुरू अपना कहाँ रहित हएन?" यीसु उनसे कहिन, "चलिके खुदय देख ल्या।" 39 तब ऊँ पंचे आइके उनखे रहँइ के जघा देखिन, अउर उआ दिना ऊँ पंचे उनहिन के साथ रहिगें; काहेकि साँझिके करीब चार बजिगा रहा हय।

40 यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के बात काहीं सुनिके, जउन यीसु के पीछे चलेगे रहे हँय, ऊँ दोनव म से एकठे त समौन पतरस के भाई अन्द्रियास रहे हँय। 41 ऊँ पहिले अपने सग भाई समौन से मिलिके उनसे कहिन, कि हमहीं ख्रिस्त अरथात मसीह मिलगे हँय। 42 ऊँ समौन काहीं यीसु के लघे लइ आएँ: त यीसु उनहीं देखिके कहिन, "तूँ यूहन्ना के लड़िका समौन आह्या, तूँ कैफा अरथात पतरस कहइहा।"

फिलिप्पुस अउर नतनएल काहीं बोलाबा जाब

43 दुसरे दिन यीसु गलील प्रदेस काहीं जाँइ के निस्चय किहिन; अउर फिलिप्पुस से मिलिके कहिन, "हमरे पीछे चले आबा।" 44 फिलिप्पुस त अन्द्रियास अउर पतरस के गाँव बैतसैदा के रहँइ बाला रहा हय। 45 ओखे बाद फिलिप्पुस जाइके नतनएल से मिलें, अउर उनसे कहिन, कि जेखर बखान मूसा नबी बिधान माहीं लिखिन हीं, अउर परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले घलाय अपने किताबन माहीं लिखिन हीं, ऊँ हमहीं मिलिगे हँय; ऊँ नासरत गाँव माहीं रहँइ बाले यूसुफ के लड़िका यीसु आहीं। 46 तब नतनएल फिलिप्पुस से कहिन, "का नासरत गाँव से घलाय कउनव निकही चीज पइदा होइ सकत ही?" फिलिप्पुस उनसे कहिन, "चलिके खुदय देख ल्या।" 47 अउर यीसु नतनएल काहीं अपने कइती आबत देखिके, उनखे बारे माहीं कहिन, "देखा, ईं आहीं, सच्चे इजराइली, इनखे जीबन माहीं कउनव कपट नहिं आय।" 48 नतनएल यीसु से पूँछिन, "अपना हमहीं कइसा जानित हएन?" तब यीसु उनहीं जबाब दिहिन, "फिलिप्पुस के तोहईं बोलामँइ से पहिले, जब तूँ अंजीर के बिरबा के नीचे बइठ रहे हया, तब हम तोंहईं देखेन तय।" 49 तब नतनएल जबाब दिहिन, "हे गुरू, अपना त परमातिमा के लड़िका अउर इजराइल के महाराजा आहेन।" 50 तब यीसु उनहीं जबाब दिहिन, कि हम तोंहसे जउन कहेन, कि हम तोंहईं अंजीर के बिरबा के नीचे देखेन हय, त का तूँ एहिन से बिसुआस करते हया, तूँ एहू से बड़े-बड़े काम करत हमहीं देखिहा। 51 पुनि यीसु उनसे कहिन, कि "हम तोंहसे सही-सही कहित हएन, कि तूँ स्वरग काहीं खुला, अउर परमातिमा के स्वरगदूतन काहीं मनई के लड़िका † के लघे उतरत अउर ऊपर जात देखिहा।"

काना गाँव माहीं यीसु के पहिल चमत्कार

2 एखे बाद तिसरे दिन गलील प्रदेस के काना गाँव माहीं कोहू के काज होत रहा हय, अउर यीसु के महतारी घलाय उहाँ नेउते माही रही हँय। 2 यीसु अउर उनखे चेलन काहीं घलाय उआ बिआह माहीं नेउता दीन ग रहा हय। 3 उहाँ जब अंगूर के रस चुकिगा, तब यीसु के महतारी यीसु से कहिन, कि उनखे लघे अंगूर के रस अब एक्कव नहिं आय। 4 तब यीसु उनसे कहिन, "हे अम्मा, †† अपना हमहीं इआ काहे बताइत हएन? हमरे काम करँइ के समय अबे नहीं आबा आय।" 5 उनखर महतारी सेबा करँइ बालेन से कहिन, "यीसु जउन कुछू तोंहसे कहँय, उहय किहा।" 6 यहूदी धरम के नेम के मुताबिक हाँथ-मुँह धोमँइ, अउर कुछ चीजन काहीं धोइके सुद्ध करँइ के

† *1:51 उत्प 28:12* †† *यूनानी भाँसा माहीं "हे नारी" लिखा हय*

खातिर, पानी भरँइ बाले पथरा के छयठे मटका धरे रहे हँय, जउनेन माहीं 80 से 120 लीटर तक पानी समात रहा हय। 7 यीसु ऊँ सेबकन से कहिन, ईं मटकन माहीं पानी भर द्या: तब सगले सेबक ऊँ मटकन माहीं फुल्ल-फुल्ल पानी भर दिहिन। 8 तब यीसु ऊँ सेबकन से कहिन, अब थोर काहीं निकारिके खाँय-पिअँइ के प्रबन्ध करँइ बाले मुखिया के लघे लइजा। 9 तब ऊँ पंचे लइगें, जब खाँय-पिअँइ के प्रबन्ध करँइ बाले मुखिया उआ पानी काहीं पीन, जउन अंगूर के रस बनिगा रहा हय, अउर ऊँ नहीं जानत रहें, कि इआ अंगूर के रस कहाँ से आबा हय, (पय जउन सेबक पानी निकारिन रहा हय, ऊँ पंचे जानत रहे हँय) तब खाँय-पिअँइ के प्रबन्ध करँइ बाले मुखिया, दुलहा काहीं बोलाइके, उनसे कहिन। 10 “हरेक मनई पहिले निकहा अंगूर के रस देत हय, अउर जब मनई पिके अघाय जात हें, तब उआ ओसे कम निकहा देत हय, पय तूँ अबय तक निकहा अंगूर के रस धरे हया।” 11 यीसु गलील प्रदेस के काना गाँव माहीं, इआ पहिल चमत्कार देखाइके, अपने महिमा काहीं देखाइन, इआ देखिके उनखर चेला लोग उनखे ऊपर बिसुआस किहिन। †12 एखे बाद यीसु, अपने महतारी, भाई अउर चेला लोगन के साथ कफरनहूम सहर माहीं गें, अउर उहाँ कुछ दिना रहें।

मन्दिर से बइपारिन काहीं निकारब

(मत्ती 21:12,13; मरकुस 11:15-17; लूका 19:45,46)

13 यहूदी लोगन के फसह नाम के तेउहार लघेन रहा हय, एसे यीसु यरूसलेम सहर माहीं गें। 14 अउर यीसु मन्दिर माहीं बरधा, गाड़र अउर परेबा के बेंचँइ बालेन काहीं, अउर रुपिआ-पइसा के लेन-देन करँइ बालेन काहीं बइठे पाइन। 15 तब यीसु रस्सिन के चाबुक बनाइन, अउर सगले गड़रन अउर बरधन काहीं बहिरे भगाय दिहिन, अउर रुपिआ-पइसा के लेन-देन करँइ बालेन के पइसा बिथराय दिहिन, अउर उनखे पिढ़बन काहीं उलटाय दिहिन। 16 अउर परेबा बिकनँय बालेन से कहिन, “इनहीं इहाँ से लइजा: हमरे पिता के घर काहीं बइपार के घर न बनाबा।” 17 तब उनखे चेलन काहीं सुधि आई, कि पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, कि “अपना के घर †† काहीं सुद्ध बनाए रहँइ के हमार लगन, एक दिन हमार जान लइ लेई।” 18 इआ देखिके यहूदी धारमिक अँगुआ लोग यीसु से कहिन, तूँ जउन इआ काम करते हया, त हमहीं पंचन काहीं कउन अदभुत चिन्हारी देखउते हया? 19 यीसु उनहीं जबाब दिहिन; कि “इआ मन्दिर काहीं गिराय द्या, अउर हम एही तीन दिना के माहीं बनाय देब।” 20 इआ सुनिके यहूदी धारमिक अँगुआ लोग कहिन, “इआ मन्दिर काहीं बनामँइ माहीं छियालिस बरिस लाग हें, अउर का तूँ, एही तीन दिना माहीं बनाय देइहा?” 21 पय यीसु त अपने देंह के मन्दिर के बारे माहीं कहिन रहा हय। 22 एखे बाद जब यीसु मरे के बाद पुनि जिन्दा होइगें, तब उनखे चेलन काहीं सुधि आई, कि ऊँ इआ कहिन रहा हय, अउर ऊँ पंचे उनखे बारे माहीं पबित्र सास्त्र माहीं लिखे बचन, अउर उआ बचन के जउन यीसु कहिन तय, बिसुआस किहिन।

यीसु मनइन के मन काहीं जानत हें

23 फसह के तेउहार के दिनन माहीं, जब यीसु यरूसलेम सहर माहीं रहे हँय, तब खुब मनई ऊँ अदभुत चिन्हारिन काहीं देखिके, जउन ऊँ देखाबत रहे हँय, उनखे ऊपर बिसुआस किहिन। 24 पय यीसु अपने-आप काहीं उनखे भरोसे माहीं नहीं छोंड़िन, काहेकि ऊँ सगले मनइन काहीं जानत रहे हँय। 25 यीसु काहीं इआ बात के जरूरत नहीं रही आय, कि कोऊ आइके मनई के बारे माहीं उनहीं बताबय, काहेकि ऊँ खुदय जानत रहे हँय, कि मनइन के मन माहीं का हय?

यीसु अउर नीकुदेमुस

3 उहाँ फरीसी लोगन म से एकठे मनई रहे हँय, जिनखर नाम नीकुदेमुस रहा हय, ऊँ यहूदी समाज के मुखिया रहे हँय। 2 ऊँ रात माहीं यीसु के लघे आइके उनसे कहिन, “हे गुरू, हम पंचे जानित हएन, कि अपना परमातिमा के तरफ से गुरू बनिके आएन हँय; काहेकि जउन चमत्कार अपना करित हएन, परमातिमा के मदत के बिना कोऊ नहीं कइ सकय।” 3 यीसु उनहीं जबाब दिहिन, “हम तोंहसे सही-सही कहित हएन, अगर कउनव मनई नबा जनम न लेई, त उआ परमातिमा के राज काहीं नहीं देख सकय।” 4 तब नीकुदेमुस उनसे कहिन, “मनई जब बुढ़ाय जात हय, त उआ कइसन दुसराय जनम लइ सकत हय? का उआ अपने महतारी के पेटे माहीं जाइके दुसराय जनम लइ सकत हय?” 5 तब यीसु उनहीं जबाब दिहिन, “हम तोंहसे सही-सही कहित हएन; कि जब तक कउनव मनई पानी अउर पबित्र आत्मा से जनम न लेई, त उआ परमातिमा के राज माहीं प्रबेस नहीं कइ सकय। 6 काहेकि जऊँ मनई से पइदा होत हय, ओखे मनई के सुभाव रहत हय; अउर जउन पबित्र आत्मा से पइदा होत हय, ओखे पबित्र आत्मा के सुभाव रहत हय। 7 चउ आ न, जउन हम तोंहसे कहेन हय: कि ‘तोंहईं नबा जनम लेब जरूरी हय।’ 8 हम तोंहईं समझाइत हएन, हबा जउनी कइती चाहत ही, ओहिन कइती चलत ही, अउर तूँ ओखर अबाज भर सुनते हया, पय इआ नहीं जाने पउते आह्या, कि उआ कहाँ से आबत ही, अउर कउनी कइती जात ही? जे कोऊ पबित्र आत्मा से पइदा होत हय, उआ इहइमेर होत हय। जइसा हबा के बारे माहीं नहीं जाने पउते आह्या, उहयमेर पबित्र आत्मा से जन्मे मनइव के बारे माहीं न जाने पइहा।” 9 तब नीकुदेमुस उनहीं जबाब दिहिन; कि “इआ कइसा होइ सकत हय?” 10 इआ बात सुनिके यीसु उनसे कहिन, “तूँ इजराइली लोगन के गुरू होइके, का ईं बातन काहीं नहीं समझ त्या। 11 हम तोंहसे सही-सही कहित हएन, कि हम जउन जानित हएन, उहय कहित हएन, अउर जउने काहीं हम देखेन हय, ओहिन काहीं बताइत हएन, अउर तूँ पंचे हमरे बातन के बिसुआस नहीं मनते आह्या। 12 जब हम तोंहसे धरती माहीं होंइ बाली बातन काहीं बताएन, अउर तूँ पंचे उनखे ऊपर बिसुआस नहीं करते आह्या, त अगर हम तोंहसे स्वरग माहीं होंइ बाली बातन काहीं बताई, त उनखे ऊपर कइसन बिसुआस करिहा? 13 काहेकि ऊपर स्वरग माहीं कोऊ नहीं ग आय, केबल ऊँ जउन स्वरग से उतरिके आए हँय, अरथात मनई के लड़िका ‡। 14 अउर जउनमेर से मूसा नबी सुनसान जघा माहीं पीतल के साँप ‡† काहीं ऊँच खम्भा माहीं लटकाइन रहा हय, उहयमेर से इआ जरूरी हय, कि मनई के लड़िकव ऊँचे माहीं अरथात क्रूस माहीं लटकाबा जाय। 15 जउने जे कोऊ उनखे ऊपर बिसुआस करँय, ऊँ अनन्त जीबन पामँय। 16 काहेकि परमातिमा संसार के मनइन से एतना प्रेम किहिन, कि ऊँ अपने एकलउता लड़िका काहीं दइ दिहिन, कि जउने उनखे ऊपर जे कोऊ बिसुआस करँय, ऊँ नास न होंय, पय अनन्त जीबन पामँय। 17 परमातिमा अपने लड़िका काहीं संसार माहीं एसे नहीं पठइन, कि ऊँ संसार के मनइन काहीं सजा देंइ, बलकिन एसे पठइन हीं, कि संसार के मनई उनखे व्दारा मुक्ती पामँय। 18 जे कोऊ उनखे ऊपर बिसुआस करत हय, उआ दोसी न ठहराबा जई, पय जे कोऊ उनखे ऊपर बिसुआस न करी, उआ दोसी ठहर चुका हय, काहेकि उआ परमातिमा के एकलउता लड़िका के ऊपर बिसुआस नहीं किहिस आय। 19 अउर उनहीं सजा देंइ के कारन इआ हय, कि परमातिमा के लड़िका जोति के रूप माहीं संसार माहीं आएँ हँय, अउर संसार के मनई पाप रूपी अँधिआर काहीं, जोति से जादा पियार जानिन, काहेकि उनखर काम बुरे रहे हँय। 20 काहेकि जे कोऊ बुरे काम करत हय, उआ जोति से दुसमनी रक्खत हय, अउर जोति के लघे नहीं आबय, कहँव अइसा न होय कि ओखे कामन के ऊपर दोस लगाबा जाय। 21 पय जे कोऊ सत्य माहीं चलत हय, उआ जोति के लघे आबत हय, जउने ओखर काम देखाँय, कि ऊँ परमातिमा के तरफ से कीन गे हँय।”

† *कि ईंन मसीह आहीं* †† *2:17 भज 69:9*

‡ *एचओबी माहीं लिखा हय मनई के लड़िका जउन स्वरग माहीं हय।* ‡† *3:14 गिन 21:8,9*

यीसु के बारे माहीं यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के गबाही

22 एखे बाद यीसु अपने चेलन के साथ यहूदिया प्रदेस माहीं यहूदी लोगन
के लघे आएँ; अउर ऊँ उहाँ उनखे साथय माहीं रहिके बपतिस्मा देंइ लागें।
23 अउर यूहन्ना घलाय सालेम गाँव के लघे एनोन नाम के जघा माहीं
बपतिस्मा देत रहे हँय, अउर मनई आइके बपतिस्मा लेत रहे हँय, काहेकि
उहाँ खुब पानी रहा हय। 24 उआ समय तक यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले काहीं
जेल माहीं नहीं बंद कीन ग रहा आय। 25 उहाँ यूहन्ना के चेलन के कउनव
यहूदी के साथ सुद्ध होंय के बिधी के बारे माहीं बाद-बिबाद होइगा। 26 अउर
ऊँ पंचे यूहन्ना के लघे आइके उनसे कहिन, "हे गुरू, जउन मनई यरदन नदी
के उआ पार अपना के साथ रहे हँय, अउर जेखे बारे माहीं अपना बताए
रहेन हय, देखी ऊँ बपतिस्मा देत हें, अउर खुब जने उनखे लघे आबत हें।"
27 तब यूहन्ना उनहीं जबाब दिहिन कि, "कउनव मनई काहीं तब तक कुछू
नहीं मिल सकय, जब तक ओही स्वरग से न दीन जाय।" 28 तूँ पंचे त खुदय
हमार गबाह हया, कि हम कहेन तय कि, "हम मसीह न होंहेन, बलकिन
उनखे आँगे पठए गएन हय।" 29 दुलहा उहय आय जेही दुलहिन मिलत ही।
पय दुलहा के साथी जउन दुलहा के बोल काहीं सुनत हय, त खुब खुस होत
हय; उहयमेर तोंहसे उनखे बारे माहीं सुनिके अब हमार इआ आनन्द पूर
होइगा हय। 30 अब जरूरी हय, कि उनखर महानता बढ़य, अउर हमार
घटय। 31 यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले पुनि कहिन, जे ऊपर से आबत हय,
उआ महान हय, जउन धरती माहीं पइदा होत हय, उआ धरतिन के आय,
एसे उआ धरतिन के बात करत हय: पय जउन स्वरग से आबत हय, उआ
सगलेन से बढ़िके हय। 32 ऊँ जउन कुछू देखिन, अउर सुनिन हीं, ओहिन
काहीं बताबत हें; पय उनखे गबाही काहीं कोऊ सोइकार नहीं करय। 33 जे
कोऊ उनखे गबाही काहीं सोइकार कइ लिहिस ही, उआ इआ बात के
गबाही देत हय, कि परमातिमा सच्चे हँय। 34 काहेकि जेही परमातिमा पठइन
हीं, उआ परमातिमा के बातन काहीं कहत हय: काहेकि परमातिमा ओही
पबित्र आत्मा के अनन्त दान दिहिन हीं। 35 परमपिता अपने लड़िका से
पियार करत हें, अउर उनहिन के हाँथे माहीं सगली चीजन काहीं सँउप
दिहिन हीं। 36 एसे जे कोऊ उनखे लड़िका के ऊपर बिसुआस करत हय,
उहय अनन्त जीबन पाबत हय, पय उआ जउन परमातिमा के लड़िका के
बात नहीं मानय, ओही उआ अनन्त जीबन न मिली, बलकिन एखे जघा
माहीं ओखे ऊपर परमातिमा के क्रोध बना रही।

सामरी जाति के मेहेरिआ से यीसु के बात

4 एखे बाद जब यीसु काहीं पता चला, कि फरीसी लोग सुनिन हीं, कि
यीसु यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले से जादा चेला बनाबत हें, अउर उनहीं
बपतिस्मा देत हें। 2 (जबकि यीसु खुद बपतिस्मा नहीं देत रहे आँय, बलकिन
उनखर चेला बपतिस्मा देत रहे हँय।) 3 इआ सुनिके यीसु यहूदिया प्रदेस
काहीं छोंड़िके, पुनि गलील प्रदेस माहीं चलेगें। 4 अउर उनहीं सामरिया प्रदेस
होइके जाब जरूरी रहा हय। 5 तब ऊँ सामरिया प्रदेस के सूखार नाम के
सहर माहीं पहुँचे, जउन उआ भुँइ के लघे रहा हय, जउने काहीं याकूब अपने
लड़िका यूसुफ काहीं दिहिन रहा हय। 6 उहाँ याकूब के बनबाई कुँइआ
घलाय रही हय। यीसु इआ यात्रा माहीं खुब थकिगे रहे हँय, एसे ऊँ कुँआ के
लघे बइठिगें। उआ समय करीब दुपहर के बारा बजे रहे हँय। 7 एतनेन माहीं
उहाँ एकठे सामरिया प्रदेस के सामरी जाति के मेहेरिआ पानी भरँय आई:
तब यीसु ओसे कहिन, हमहीं पानी पिआबा। 8 उआ समय उनखर चेला लोग
सहर माहीं खाना खरीदँय चलेगे रहे हँय। 9 उआ सामरी जाति के मेहेरिआ
उनसे कहिस, अपना यहूदी जाति के होइके हमसे जउन सामरी जाति के
मेहेरिआ आहेन, त पानी काहे मागित हएन? (काहेकि यहूदी लोग सामरी
जाति के मनइन काहीं छोट जाति मानत रहे हँय, एसे उनसे कउनव मेर के
सम्बन्ध नहीं रक्खत रहे आँय।) 10 यीसु ओही जबाब दिहिन, "अगर तूँ
परमातिमा के बरदान काहीं जन त्या, अउर इहव जन त्या कि ऊँ को आहीं,
जउन तोंहसे कहत हें, कि हमहीं पानी पिआबा; त तूँ उनसे मग त्या, अउर
ऊँ तोंहईं जीबन देंइ बाला पानी देतें।" 11 उआ मेहेरिआ उनसे कहिस, "हे
प्रभू, अपना के लघे त पानी भरँइ के खातिर कुछू हइअव नहिं आय, अउर
कुँआ गहिल ही: त फेर उआ जीबन देंइ बाला पानी अपना के लघे कहाँ से
आबा? 12 का अपना हमरे पूरबज याकूब से बड़े हएन, जे हमहीं पंचन काहीं
इआ कुँआ दिहिन हीं; अउर खुदय अपने लड़िकन-बच्चन समेत एखर पानी
पीन, अउर अपने मबेसिन काहीं घलाय पिआइन रहा हय।" 13 यीसु ओही
जबाब दिहिन, कि "जे कोऊ इआ कुँआ के पानी पी ओही पुनि पिआस
लागी। 14 पय जे कोऊ उआ पानी पी, जउन हम ओही देब, उआ पुनि
अनन्तकाल तक पियासा न होई: बलकिन जउन पानी हम ओही देब, ओखे
जीबन माहीं एकठे झिन्ना बन जई, अउर अनन्त जीबन देंइ के खातिर
झिरिके बहतय रही।" 15 तब उआ मेहेरिआ कहिस, "हे प्रभू, उआ पानी
हमहीं दइ देई, जउने हम पिआसी न होई, अउर न पानी भरँइ एतनी दूरी
अई।" 16 यीसु ओसे कहिन, "जा, अपने मंसेरुआ काहीं इहाँ बोलाय
लाबा।" 17 उआ मेहेरिआ उनहीं जबाब दिहिस, कि "हम बिना मंसेरुआ के
हएन।": यीसु ओसे कहिन, "तूँ ठीक कहते हया, कि हम बिना मंसेरुआ के
हएन। 18 काहेकि तूँ पाँचठे मंसेरुआ कइ चुके हया, अउर जेखे लघे अबय तूँ
रहते हया, उहव तोंहार मंसेरुआ न होय; इआ तूँ बेलकुल सही बताया हय।"
19 इआ बात काहीं सुनिके उआ मेहेरिआ उनसे कहिस, "हे प्रभू, हमहीं त
लागत हय, कि अपना परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले आहेन। 20 हमार
पंचन के पूरबज इहय पहार माहीं अराधना करत रहे हँय: अउर अपना पंचे
यहूदी जाति बाले कहित हएन, कि उआ जघा यरूसलेम सहर माहीं हय,
जहाँ अराधना करँइ चाही।" 21 यीसु ओसे कहिन "हे बहिनी, हमरे बात के
बिसुआस माना, उआ समय आमँइ बाला हय, कि तूँ पंचे न त इआ पहार
माहीं पिता परमातिमा के अराधना करिहा, न यरूसलेम सहर माहीं। 22 तूँ
पंचे जेही नहीं जनते आह्या, ओखर अराधना करते हया: अउर हम पंचे जेही
जानित हएन ओखर अराधना करित हएन; काहेकि मनइन काहीं मुक्ती
यहूदी लोगन म से मिली। 23 पय उआ समय आमँइ बाला हय, बलकिन
अबहिनव हय, जउने माहीं सच्चे भक्त पिता परमातिमा के अराधना आत्मा
अउर सच्चाई से करिहँय, काहेकि पिता परमातिमा अपने खातिर इहइमेर
अराधना करँइ बालेन काहीं ढूँढ़त हें।"

परमातिमा आत्मा आहीं

24 परमातिमा आत्मा आहीं, एसे जरूरी हय, कि उनखर अराधना करँइ
बाले आत्मा अउर सच्चाई से अराधना करँय। 25 उआ मेहेरिआ उनसे कहिस,
"हम जानित हएन कि, ख्रिस्त जउन मसीह कहाबत हें, आमँइ बाले हें; ऊँ
जब अइहँय, तब हमहीं पंचन काहीं सगली बातँय बताय देइहँय।" 26 यीसु
ओसे कहिन, "हम जउन तोंहसे बात कइ रहेन हँय, उहय आहेन।"

चेलन के लउटब

27 एतनेन माहीं उनखर चेला लोग आइगें, अउर उनहीं इआ देखिके बड़ा
अचरज भ, कि यीसु एकठे मेहेरिआ से बात कइ रहे हँय, तऊ इआ पूछँइ के
कोहू के हिम्मत नहीं परी, कि अपना का चाहित हएन? इआ कि काहे के
खातिर ओसे बात करित हएन। 28 तब उआ मेहेरिआ आपन गघरा उहँइ
छोंड़िके सहर माहीं चली गय, अउर मनइन से कहँइ लाग। 29 "आबा, एकठे
मनई काहीं देखा, ऊँ, जउन कुछू हम किहेन तय, ऊँ सगली बातँय हमहीं
बताय दिहिन हीं: कहँव ईंन त मसीह न होंहीं?" 30 एसे सहर के मनई, सहर
से निकरिके यीसु के लघे आमँइ लागें। 31 एतने माहीं यीसु के चेला लोग
उनसे बिनती करँइ लागें, "हे गुरू अपना कुछ खाय लेई।" 32 पय यीसु उनसे
कहिन, "हमरे लघे खाँय के खातिर अइसन खाना हय, जेखे बारे माहीं तूँ
पंचे नहीं जनते आह्या।" 33 तब चेला लोग आपस माहीं कहँइ लागें, कोऊ
उनखे खाँय के खातिर कुछू लइ आबा हय का? 34 यीसु उनसे कहिन,
"हमार खाना इआ आय, कि हम अपने पठमँइ बाले के मरजी के मुताबिक

चली, अउर उनखर काम पूर करी। 35 का तूँ पंचे इआ नहीं कहते आह्या, कि कटाई होंय माहीं अबे चार महीना बाँकी हय? पय देखा, हम तोंहसे कहित हएन, बड़े ध्यान से खेतन कइती निहारा, कि ऊँ सगले कटाई करँइ के खातिर पकि चुके हँय। 36 अउर कटाई करँइ बाला मजूरी पाबत हय, अउर अनन्त जीबन के खातिर दाना एकट्ठा करत हय; जउने बोमँइ बाला, अउर काटँय बाला दोनव जने मिलिके आनन्द करँय। 37 काहेकि एमाहीं इआ कहाबत ठीक बइठत ही; कि बोमँइ बाला अउर हय, अउर काटँय बाला अउर हय। 38 हम तोंहईं पंचन काहीं खेत काटँय के खातिर पठयन हय, जउने माहीं तूँ पंचे मेहनत नहीं किहा: दूसर मेहनत किहिन: अउर उनखे मेहनत के फर तोंहईं पंचन काहीं मिला हय।" 39 अउर उआ सहर के सामरी जाति के खुब मनई उआ मेहेरिआ के कहे से, जउन इआ बताइस रहा हय, कि ऊँ जउन कुछू हम किहेन तय, ऊँ सगली बातँय हमहीं बताय दिहिन हीं, अउर ऊँ पंचे बिसुआस किहिन। 40 अउर जब सामरी जाति के खुब मनई यीसु के लघे आइके, उनसे बिनती करँइ लागें, कि "अपना हमरे पंचन के इहाँ रही": एसे यीसु उहाँ दुइ दिन तक रुके रहिगें। 41 अउर यीसु के बचन काहीं सुनिके, उनमा से खुब जने उनखे ऊपर बिसुआस किहिन। 42 अउर ऊँ पंचे उआ मेहेरिआ से कहिन, "अब हम पंचे तोंहरे बताएन भर से बिसुआस नहीं करी; काहेकि हम पंचे खुदय उनखर बचन सुने हएन, अउर जान गएन हय, कि वास्तव माहीं संसार के मनइन काहीं मुक्ती देंइ बाले ईंन आहीं।"

राजा के कर्मचारी के लड़िका काहीं यीसु नीक किहिन

43 उहाँ दुइ दिना रहे के बाद यीसु अपने चेलन के साथ गलील प्रदेस काहीं चल दिहिन। 44 (काहेकि यीसु खुदय गबाही दिहिन हीं, कि परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाला, अपने गाँव माहीं मान-सम्मान नहीं पाबय।) 45 जब यीसु गलील प्रदेस माहीं पहुँचे, तब गलील प्रदेस माहीं रहँइ बाले मनई बड़े आनन्द के साथ उनसे मिलें; काहेकि जेतने चमत्कार के काम यीसु यरूसलेम सहर माहीं, तेउहार के समय माहीं किहिन रहा हय, ऊँ पंचे उन सगले कामन काहीं देखिन तय, काहेकि ऊँ पंचे घलाय तेउहार मनामँइ के खातिर यरूसलेम सहर माहीं गें तय। 46 यीसु ओखे बाद गलील प्रदेस के काना गाँव माहीं आएँ, जहाँ ऊँ पानी काहीं अंगूर के रस बनाइन रहा हय: उहाँ राजा के एकठे कर्मचारी रहा हय, जेखर लड़िका कफरनहूम सहर माहीं बिमार रहा हय। 47 जब ऊँ इआ सुनिन कि यीसु यहूदिया प्रदेस से गलील प्रदेस माहीं आइगें हँय, तब उनखे लघे गें, अउर उनसे बिनती कइके कहँइ लागें, कि अपना चलिके हमरे लड़िका काहीं नीक कइ देई: काहेकि उआ खुब बिमार रहा हय, लागत रहा हय कि मर जई। 48 यीसु उनसे कहिन, "जब तक तूँ पंचे चिन्हारी अउर अचरज के काम न देखिहा, तब तक कबहूँ बिसुआस न करिहा।" 49 तब राजा के ऊँ कर्मचारी उनसे कहिन, "हे प्रभू, अपना हमरे लड़िका के मरँइ से पहिले चली।" 50 यीसु उनसे कहिन, "जा तोंहार लड़िका जिअत रही" यीसु के कही बातन के बिसुआस मानिके, ऊँ राजा के कर्मचारी अपने घर काहीं चल दिहिन। 51 जब ऊँ घर काहीं लउटत रहे हँय, तब गइलय माहीं उनखर दास लोग मिलें, अउर उनहीं बताइन, कि अपना के लड़िका नीक होइगा हय। 52 तब ऊँ अपने दासन से पूँछिन, कि "बताबा उआ केतनीदार से नीक होंइ लाग रहा हय?" ऊँ पंचे उनसे कहिन, "काल्ह दुपहर एक बजे उनखर बोखार उतरि गे रही हय।" 53 तब लड़िका के बाप जानि ग, कि उआ उहय समय माहीं नीक भ रहा हय, जेतनीदार यीसु उनसे कहिन रहा हय, कि "तोंहार लड़िका जिअत रही" तब ऊँ राजा के कर्मचारी अउर उनखे घर माहीं जेतने मनई रहे हँय, सगले जने यीसु के ऊपर बिसुआस किहिन। 54 इआ दूसर अचरज के काम आय जउने काहीं यीसु यहूदिया प्रदेस से आइके गलील प्रदेस माहीं किहिन रहा हय।

अरतिस बरिस से बिमार मनई काहीं नीक करब

5 एखे बाद यहूदी लोगन के एकठे तेउहार आबा, अउर तेउहार मनामँइ के खातिर यीसु यरूसलेम सहर माहीं गें। 2 यरूसलेम सहर माहीं भेंड़-फाटक के लघे एकठे तलाव हय, जउन इब्रानी भाँसा माहीं बेतहसदा कहाबत हय, अउर ओखे किनारे पाँचठे बरामदा बने हँय। 3 ओमाहीं खुब बिमार, आँधर, लाँगड़, अउर लोकबा के मारे मनई (पानी के हालँइ के आसा माहीं) परे रहत रहे हँय। 4 काहेकि समय-समय माहीं परमातिमा के स्वरगदूत तलाव माहीं उतरिके, पानी हलाबत रहे हँय: पानी के हलतय जे कोऊ पहिले पानी माहीं घुस जात रहा हय, उआ नीक होइ जात रहा हय, चाह ओखे कउनव बिमारी रही होय।

5 उहाँ परे बिमारन म से एकठे मनई अइसा रहा हय, जउन अरतिस बरिस से बिमार रहा हय। 6 यीसु उआ बिमार मनई काहीं परा देखिके, अउर इआ जानिके, कि उआ खुब दिना से इहय हालत माहीं परा हय, ओसे पूँछिन, "का तूँ नीक होंइ चहते हया?" 7 उआ बिमार मनई उनहीं जबाब दिहिस, "हे प्रभू, हमरे लघे अइसा कउनव मनई नहिं आय, कि जब पानी हलाबा जात हय, त हमहीं तलाव के पानी माहीं लइ जाय; पय पानी के लघे हमरे पहुँचत-पहुँचत दूसर कोऊ हमसे पहिले पानी माहीं हिल परत हय।" 8 तब यीसु ओसे कहिन, "उठा, आपन खटिया उठाबा, अउर चला फिरा।" 9 उआ बिमार मनई हरबिन नीक होइगा, अउर आपन खटिया उठाइके चलँय-फिरँय लाग।

10 उआ दिन पबित्र दिन रहा हय, एसे यहूदी लोग ओसे जउन निकहा भ रहा हय, कहँइ लागें, "आज त पबित्र दिन आय, तोहईं खटिया उठाइके न चलँय-फिरँय चाही, काहेकि इआ हमरे नेम के खिलाफ हय।" 11 उआ उनहीं जबाब दिहिस, "जे हमहीं नीक किहिन हीं, उँइन हमसे कहिन हीं, कि आपन खटिया उठाइके चला फिरा।" 12 पुनि ऊँ पंचे ओसे पूँछिन, "ऊँ कउन मनई आहीं जे तोंहसे कहिन हीं, कि आपन खटिया उठाइके चला फिरा?" 13 पय जउन मनई नीक होइगा तय, उआ नहीं जानत रहा आय, कि ऊँ को आहीं, जे हमहीं नीक किहिन हीं; काहेकि उआ जघा माहीं खुब भीड़ होंइ के कारन यीसु उहाँ से चले गे रहे हँय। 14 एखे बाद यीसु उआ मनई काहीं मन्दिर माहीं देखिन, तब ओसे कहिन, "देखा, अब तूँ नीक होइ गया हय; पुनि दुबारा पाप न किहा, कहँव अइसा न होय, कि इआ बिमारिव से भारी कउनव बिपत्ती तोंहरे ऊपर आय परय।" 15 उआ मनई जाइके यहूदी लोगन से बताय दिहिस, कि जे हमहीं नीक किहिन हीं, ऊँ यीसु आहीं।

लड़िका के व्दारा जीबन

16 काहेकि यीसु इआमेर के काम पबित्र दिन काहीं करत रहे हँय, इआ कारन से यहूदी जाति के कुछ मनई उनहीं सतामँइ लागें। 17 तब यीसु उनसे कहिन, "हमार पिता परमातिमा कबहूँ काम करब बंद नहीं करँय, एसे हमहूँ लगीतार काम करित हएन।" 18 इआ कारन से यहूदी जाति के कुछ मनई, यीसु काहीं मार डारँइ के अउर जादा कोसिस करँइ लागें, काहेकि ऊँ पबित्र दिन के नेमय भर काहीं नहीं टोरत रहें, बलकिन परमातिमा काहीं आपन पिता कहिके, खुद काहीं परमातिमा के बराबर ठहराबत रहे हँय। 19 एसे यीसु उनसे कहिन, "हम तोंहसे सही-सही कहित हएन, लड़िका खुद अपने से कुछू नहीं कइ सकय, बलकिन उआ केबल उहय काम करत हय, जउन पिता काहीं करत देखत हय। 20 काहेकि पिता परमातिमा अपने लड़िका से प्रेम करत हें, अउर जउन-जउन काम ऊँ खुद करत हें, ऊँ सगले कामन काहीं लड़िका काहीं देखाबत हें; अउर ऊँ इनहूँ से बड़े-बड़े काम घलाय उनहीं देखइहँय, जउने तूँ पंचे अचरज माना। 21 काहेकि जइसन पिता परमातिमा मरे मनइन काहीं जिन्दा कइके जीबन देत हें, उहयमेर लड़िका घलाय जिनहीं चाहत हें, उनहीं जिआबत हें। 22 अउर पिता परमातिमा कोहू के न्याय नहीं करँय, काहेकि न्याय करँइ के सगला अधिकार लड़िका काहीं सउँप दिहिन हीं। 23 एसे, कि जइसन सगले मनई पिता परमातिमा के मान-सम्मान करत हें, उहयमेर लड़िका के घलाय मान-सम्मान करँय। जे कोऊ लड़िका के मान-सम्मान नहीं करय, उआ पिता परमातिमव के जे लड़िका काहीं पठइन हीं, मान-सम्मान नहीं करय।" 24 यीसु उनसे कहिन, "हम तोंहसे सही-सही कहित हएन, जे कोऊ हमरे बात काहीं सुनिके हमहीं

पठमँइ बाले के ऊपर बिसुआस करत हय, उहय अनन्त जीबन पाई, अउर ओखे ऊपर न्याय के दन्ड न परी, बलकिन उआ मउत से पार होइके अनन्त जीबन पामँइ के हकदार बन चुका हय। 25 हम तोंहसे से सही-सही कहित हएन, कि उआ समय आमँय बाला हय, बलकिन आय चुका हय, जउने माहीं मरे मनई, परमातिमा के लड़िका के अबाज काहीं सुनिहँय, अउर जे कोऊ सुनिहँय, ऊँ जिन्दा होइ जइहँय। 26 काहेकि जउनमेर से पिता परमातिमा अपने-आप माहीं जीबन देंइ के अधिकार रक्खत हें, उहयमेर से ऊँ लड़िका काहीं घलाय इआ अधिकार दिहिन, कि ऊँ अपने-आप माहीं जीबन देंइ के अधिकार रक्खँइ। 27 बलकिन उनहीं न्याय करँइ के घलाय अधिकार दिहिन हीं, एसे कि ऊँ मनई के लड़िका आहीं। 28 एसे अचरज न माना, काहेकि उआ समय आमँइ बाला हय, कि जेतने मनई कब्रन माहीं गाड़े हें, उनखर अबाज सुनिके बाहर निकरि अइहँय। 29 जेतने जने भलाई किहिन हीं, ऊँ पंचे अनन्त जीबन पामँइ के खातिर, मरेन म से पुनि जिन्दा होइ जइहँय, अउर जेतने बुरे काम किहिन हीं, ऊँ पंचे दन्ड पामँइ के खातिर, पुनि जिन्दा होइ जइहँय। 30 पुनि यीसु कहिन, हम अपने-आप से कुछू नहीं कइ सकी; जइसन पिता परमातिमा से सुनित हएन, उहयमेर न्याय करित हएन, अउर हमार न्याय सच्चा हय; काहेकि हम आपन मरजी नहीं, पय अपने पठमँइ बाले के मरजी पूर करँइ चाहित हएन। 31 अगर हम खुदय आपन गबाही देई; त हमार गबाही सही न मानी जई। 32 हमरे कइती से गबाही देंइ बाले एक जने अउर हें। अउर हम जानित हएन, कि ऊँ जउन हमार गबाही देत हें, उआ सच्ची हय। 33 तूँ पंचे यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के लघे कुछ लोगन काहीं पठइके पुँछबाया तय, अउर ऊँ हमरे बारे माहीं सच्ची गबाही दिहिन हीं। 34 पय हम अपने बारे माहीं मनई के गबाही नहीं चाही; तऊ यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के गबाही के बारे माहीं हम एसे कहित हएन, कि तोंहईं पंचन काहीं मुक्ती मिलय। 35 यूहन्ना जलत अउर चमकत दिया कि नाईं रहे हँय, अउर उनखर बातँय उँजिआर कि नाईं रही हँय। अउर तूँ पंचे कुछ समय के खातिर उनखे बातन के आनन्द लेंइ चाहत रहे हया। 36 पय हमार गबाही यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के गबाही से बड़ी हय: काहेकि पिता परमातिमा जउन काम पूर करँइ के खातिर हमहीं सउँपिन हीं, हम उँइन कामन काहीं कइ रहेन हय, अउर उँइन कामँय हमार गबाह हें, कि पिता परमातिमा हमहीं पठइन हीं। 37 अउर पिता परमातिमा जे हमहीं पठइन हीं, उँइन हमरे बारे माहीं गबाही दिहिन हीं: अउर तूँ पंचे न उनखर रू पय देखे आह्या, अउर न उनखर बोलय सुने आह्या। 38 अउर तूँ पंचे अपने जीबन माहीं पिता परमातिमा के बचन काहीं लागू नहीं करते आह्या, काहेकि जेही ऊँ पठइन हीं, ओहू के बिसुआस नहीं मनते आह्या। 39 तूँ पंचे पबित्र सास्त्र माहीं ढुँढ़ते हया, काहेकि तूँ पंचे सोचते हया, कि ओहिन माहीं अनन्त जीबन मिलत हय, पय पबित्र सास्त्र हमरेन बारे माहीं गबाही देत हय। 40 तऊ तूँ पंचे अनन्त जीबन पामँइ के खातिर, हमरे लघे आमँइ नहीं चहते आह्या। 41 हम मनइन से मान-सम्मान नहीं चाही। 42 पय हम जानित हएन, कि तोंहरे जीबन माहीं परमातिमा के प्रेम नहिं आय। 43 हम अपने पिता के नाम से इआ धरती माहीं आएन हँय, अउर तूँ पंचे हमहीं सोइकार नहीं करते आह्या; अगर कोऊ अपनेन नाम से आबत हय, त ओही सोइकार कइ लेइहा। 44 तूँ पंचे हमरे ऊपर बिसुआस कइसन कइ सकते हया, काहेकि तूँ पंचे त आपस माहीं एक दुसरे से मान-सम्मान चहते हया, अउर उआ मान-सम्मान पामँइ के कोसिस नहीं करते आह्या, जउन एकलउते परमातिमा के तरफ से मिलत हय। 45 इआ न सोचा, कि हम पिता परमातिमा के आँगे तोंहरे ऊपर दोस लगाउब: काहेकि तोंहरे ऊपर दोस लगामँइ बाले एक जने हें, अरथात मूसा नबी जिनखे ऊपर तूँ पंचे बिसुआस रखते हया। 46 काहेकि अगर तूँ पंचे मूसा नबी के ऊपर बिसुआस कर त्या, त हमरेव ऊपर बिसुआस कर त्या, एसे कि मूसा नबी हमरेन बारे माहीं लिखिन हीं। 47 पय अगर तूँ पंचे पबित्र सास्त्र माहीं लिखी उनखे बातन के बिसुआस नहीं करते आह्या, त हमरे कही बातन के कइसा बिसुआस करिहा?”

पाँच हजार मनइन काहीं खाना खबाउब

(मत्ती 14:13-21; मरकुस 6:30-44; लूका 9:10-17)

6 एखे बाद यीसु गलील प्रदेस के झील के दुसरे पार चलेगें, जउन तिबिरियास झील के नाम से घलाय जानी जात रही हय। 2 अउर उनखे पीछे-पीछे मनइन के खुब बड़ी भीड़ चल दिहिस, काहेकि जउन अचरज के काम बिमारन काहीं नीक कइके देखाबत रहे हँय, ऊँ पंचे उनहीं देखत रहे हँय। 3 तब यीसु पहार के ऊपर चढ़िके अपने चेलन के साथ उहाँ बइठिगें। 4 अउर यहूदी लोगन के फसह नाम के तेउहार लघेन रहा हय। 5 जब यीसु बड़े ध्यान से देखिन, कि एकठे खुब बड़ी भीड़ हमरे लघे आय रही हय, तब फिलिप्पुस से कहिन, कि हम पंचे इनखे खाँय के खातिर खाना कहाँ से खरीद लई? 6 पय यीसु इआ बात उनसे एसे कहिन कि देखी कि ऊँ का कहत हें; काहेकि यीसु त खुदय जानत रहे हँय कि हम का करब। 7 तब फिलिप्पुस उनहीं जबाब दिहिन, कि “अगर आठ महीना के मजूरी से खाना खरीदा जाय, तऊ सगली भीड़ के मनइन काहीं खबामँइ के खातिर थोरव-थोर न पूजी।” 8 तब उनखे चेलन म से समौन पतरस के भाई अन्द्रियास यीसु से कहिन। 9 “इहाँ एकठे लड़िका हय जउने के लघे जबा के पाँचठे रोटी अउर दुइठे भूँजी मछरी हईं, पय एतने मनइन के खातिर एतने माहीं का होई?” 10 तब यीसु चेलन से कहिन, “सगले मनइन काहीं बइठाय द्या।” उआ जघा माहीं खुब चारा रहा हय: त ओहिन माहीं सगले मनई बइठिगें, जऊँ पाँच हजार के करीब रहे हँय। 11 तब यीसु रोटी लिहिन, अउर परमातिमा काहीं धन्यबाद दइके चेलन काहीं परसँय के खातिर दिहिन, अउर ऊँ पंचे सगले मनइन काहीं परस दिहिन: अउर उहयमेर मछरिन काहीं घलाय जेतना-जेतना ऊँ पंचे चाहत रहे हँय, परस दिहिन। 12 जब ऊँ पंचे खाइके संतुस्ट होइगें, तब यीसु अपने चेलन से कहिन, “जउन टुकड़ा बचिगे हँय उनहीं उठाय ल्या, जउने कुछू बेकार न जाय।” 13 तब चेला लोग जबा के पाँचठे रोटी अउर मछरिन के टुकड़न से जऊँ खाँइ बालेन से बचिगे तय, समेटिके बारा टोपरी भरिन। 14 यीसु के इआ अचरज के काम काहीं देखिके सगले मनई कहँइ लागें; कि ऊँ परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले जउन संसार माहीं आमँइ बाले रहे हँय, निस्चित ईंन आहीं। 15 यीसु इआ जानिके कि ऊँ पंचे हमहीं राजा बनामँइ के खातिर आइके पकड़ँइ चाहत हें, एसे ऊँ पहार के ऊपर अकेलेन चलेगें।

पानी के ऊपर यीसु के चलब

(मत्ती 14:22-33; मरकुस 6:45-52)

16 जब साँझ होइगे, तब उनखर चेला लोग झील के किनारे गें। 17 अउर नाव माहीं चढ़िके झील के दुसरे पार कफरनहूम सहर काहीं जाँइ लागें: उआ समय अँधिआर होइगा रहा हय, अउर यीसु अबे तक उनखे लघे नहीं आएँ तय। 18 अउर आँधी के कारन झील माहीं लहर उठँय लागीं। 19 जब ऊँ पंचे नाव काहीं खेबत-खेबत पाँच-छय किलोमीटर के करीब निकरिगें, तब ऊँ पंचे यीसु काहीं झील के पानी के ऊपर रेंगत, अउर अपने नाव के लघे आबत देखिके डेराइगें। 20 पय यीसु उनसे कहिन, कि “हम आहेन; डेरा न।” 21 तब ऊँ पंचे उनहीं नाव माहीं चढ़ामँइ के खातिर राजी होइगें, अउर उआ नाव हरबिन उआ जघा माहीं पहुँचिगे, जहाँ ऊँ पंचे जाँइ चाहत रहे हँय।

यीसु काहीं मनइन के ढूँढ़ब

22 दुसरे दिना उआ भीड़ के मनई जउन झील के उआ पार रहिगें तय, इआ देखिन, कि इहाँ एकठे नाव काहीं छोंड़िके अउर कउनव छोट नाव नहिं आहीं, अउर यीसु अपने चेलन के साथ नाव माहीं नहीं चढ़े रहे आँय, पय नाव माहीं केबल उनखर चेलय भर गे रहे हँय। 23 (तऊ तिबिरियास सहर से कइएकठे छोट-छोट नाव उआ जघा माहीं आईं, जहाँ प्रभु यीसु, परमातिमा के धन्यबाद किहे के बाद उनहीं रोटी, मछरी खबाइन तय।) 24 इआमेर से जब भीड़ के मनई देखिन, कि यीसु इहाँ नहिं आहीं अउर न उनखर चेलय

आहीं, तब ऊँ पंचे छोट-छोट नावन माहीं चढ़िके यीसु काहीं ढूँढ़त-ढूँढ़त कफरनहूम सहर माहीं पहुँचिगें। 25 अउर ऊँ पंचे झील के उआ पार यीसु से मिलिके उनसे कहिन, हे गुरू, अपना इहाँ केतनीदार आएन हँय?

यीसु जीबन के रोटी आहीं

26 यीसु उनहीं जबाब दिहिन, कि “हम तोंहसे सही-सही कहित हएन, तूँ पंचे हमहीं एसे नहीं ढुँढ़ते आह्या, कि तूँ पंचे अचरज के काम देखे हया, पय एसे ढुँढ़ते हया, कि तूँ पंचे रोटी मछरी खाइके संतुस्ट होइ गया तय। 27 नास होंइ बाले खाना के खातिर मेहनत न करा, पय अनन्त जीबन देंइ बाले उआ खाना के खातिर मेहनत करा, जउने काहीं मनई के लड़िका तोंहईं देइहँय, काहेकि ओही देंइ के अधिकार पिता परमातिमा केबल उनहिन काहीं दिहिन हीं।” 28 तब ऊँ पंचे यीसु से कहिन, “जउने कामन काहीं परमातिमा चाहत हें, उनहीं करँइ के खातिर हम पंचे का करी?” 29 तब यीसु उनहीं जबाब दिहिन, “परमातिमा के काम इआ आय, कि तूँ पंचे जेही ऊँ पठइन हीं, उनखे ऊपर बिसुआस करा।” 30 तब ऊँ पंचे यीसु से कहिन, “अपना कउन अइसा अचरज के काम देखाइत हएन, कि हम पंचे बिसुआस करी, कि अपना काहीं परमातिमा पठइन हीं, अइसा कउनव काम देखाई, त हमहीं पंचन काहीं बिसुआस होय।” 31 ऊँ पंचे पुनि कहिन, “हमार पंचन के बाप-दादा जंगल माहीं मन्ना नाम के खाना खाइन तय; जइसन पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, कि परमातिमा उनहीं खाँय के खातिर स्वरग से रोटी दिहिन।” 32 तब यीसु उनसे कहिन, “हम तोंहसे सही-सही कहित हएन, कि मूसा नबी तोंहईं पंचन काहीं उआ रोटी स्वरग से नहीं दिहिन तय, पय हमार पिता तोंहईं सच्ची रोटी स्वरग से देत हें। 33 काहेकि परमातिमा के दीन रोटी उहय आय, जउन स्वरग से उतरिके संसार के मनइन काहीं जीबन देत ही।” 34 तब ऊँ पंचे यीसु से कहिन, “हे प्रभू, इआ रोटी हमहीं हमेसा द्या करी।”

35 तब यीसु उनसे कहिन, “जीबन देंइ बाली रोटी हमहिन आहेन: जे कोऊ हमरे लघे अई उआ कबहूँ भूँखा न होई, अउर जे कोऊ हमरे ऊपर बिसुआस करी, उआ कबहूँ पियासा न होई। 36 पय हम तोंहसे बताऊ दिहेन हँय, अउर तूँ पंचे हमहीं देखिव लिहा हय, तऊ बिसुआस नहीं करते आह्या। 37 अउर पिता परमातिमा जिनहीं चुनिके हमहीं दिहिन हीं, ऊँ सगले जन हमरे लघे अइहँय, अउर हम उनहीं कबहूँ न लउटाउब। 38 काहेकि हम स्वरग से अपने मरजी के मुताबिक काम करँइ नहीं आएन आय, बलकिन अपने पठमँइ बाले के मरजी पूर करँइ के खातिर आएन हँय। 39 अउर हमहीं पठमँइ बाले के मरजी इआ हय, कि जउन कुछू ऊँ हमहीं दिहिन हीं, उनमा से हम कुछू न गमाई, पय उनहीं आखिरी दिन माहीं पुनि जिआई। 40 काहेकि हमरे पिता के मरजी इआ हय, कि जे कोऊ लड़िका काहीं देखी, अउर उनखे ऊपर बिसुआस करी, उआ अनन्त जीबन पाई; अउर हम ओही आखिरी दिन पुनि जिआय देब।”

41 इआ सुनिके यहूदी लोग यीसु काहीं बरबराँय लागें, काहेकि ऊँ कहिन तय, कि जउन रोटी स्वरग से उतरी हय, उआ हम आहेन। 42 अउर ऊँ पंचे आपस माहीं कहँइ लागें; “काहे ईं यूसुफ के लड़िका यीसु न होंहीं, जिनखे बाप-महतारी काहीं हम पंचे जानित हएन? त पुनि ईं काहे कहत हें कि हम स्वरग से उतरेन हय।” 43 यीसु उनहीं जबाब दिहिन, कि “आपस माहीं काहे बरबराते हया। 44 कोऊ हमरे लघे नहीं आय सकय, जब तक हमहीं पठमँइ बाले पिता परमातिमा ओही हमरे कइती आमँइ के मन न देंइ, अउर जे कोऊ हमरे लघे अई, ओही हम आखिरी दिन पुनि जिन्दा कइ देब। 45 परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन के किताबन माहीं लिखा हय, ‘ऊँ पंचे सगले जन परमातिमा के तरफ से सिखाए होइ हँय।’ जे कोऊ पिता परमातिमा से सुनिस अउर सिखिस ही, उआ हमरे लघे आबत हय। 46 काहेकि वास्तव माहीं पिता परमातिमा काहीं कोऊ नहीं देखिस, केबल उँइन पिता परमातिमा काहीं देखिन हीं, जेही ऊँ पठइन हीं। 47 हम सही-सही कहित हएन, कि जे कोऊ हमरे बात के बिसुआस करत हय, अनन्त जीबन उहय पाबत हय। 48 अनन्त जीबन देंइ बाली रोटी हमहिंन आहेन। 49 तोंहार पंचन के बाप-दादा सुनसान जघा माहीं ‘मन्ना’ नाम के खाना खाइन रहा हय, तऊ ऊँ पंचे मरिगें। 50 इआ उआ रोटी आय जउन स्वरग से उतरिके आई हय, अगर कउनव मनई ओमा से खई, त उआ न मरी। 51 अनन्त जीबन देंइ बाली जउन रोटी स्वरग से उतरिके आई हय, उआ हमहिन आहेन। अगर कोऊ इआ रोटी म से खई, त हमेसा जिअत रही, अउर जउन रोटी हम संसार के मनइन के अनन्त जीबन के खातिर देब, उआ हमार माँस आय।”

52 इआ बात काहीं सुनिके यहूदी लोग, इआ कहिके आपस माहीं बहँस करँइ लागें, कि “इआ मनई कइसन हमहीं पंचन काहीं आपन माँस खाँय काहीं दइ सकत हय?” 53 तब यीसु उनसे कहिन, “हम तोंहसे सही-सही कहित हएन, कि जब तक मनई के लड़िका के माँस न खइहा, अउर ओखर खून न पीहा, तब तक अनन्त जीबन न पइहा। 54 जे कोऊ हमार माँस खात हय, अउर खून पिअत हय, अनन्त जीबन ओहिन काहीं मिली, अउर हम आखिरी दिन ओही पुनि जिआय देब। 55 काहेकि हमार माँस वास्तव माहीं खाँय के चीज आय, अउर हमार खून वास्तव माहीं पिअँइ के चीज आय। 56 जे हमार माँस खात हय अउर हमार खून पिअत हय, उआ हमरे ऊपर बिसुआस माहीं मजबूत बना रहत हय, अउर हम ओखे जीबन माहीं बने रहित हएन। 57 जइसन जिन्दा परमातिमा हमहीं पठइन हीं, अउर हम पिता परमातिमा के कारन जिन्दा हएन, उहयमेर उहव जे हमहीं खई, उआ हमरे कारन जिअत रही। 58 इहय उआ रोटी आय जउन स्वरग से उतरी हय, इआ उआमेर नहिं आय, जइसन हमार पंचन के बाप-दादा खाइन तय, अउर बाद माहीं मरिगें तय। जे कोऊ इआ रोटी म से खई, उआ हमेसा जिअत रही।” 59 ईं बातन काहीं यीसु कफरनहूम सहर के एकठे यहूदी सभाघर माहीं उपदेस देत समय कहिन तय।

अनन्त जीबन के बचन

60 एसे यीसु के चेलन म से खुब जने इआ सुनिके कहिन, इआ बात खुब कठोर अउर समझ से बाहर ही; एही को मान सकत हय? 61 यीसु अपने मन माहीं इआ बात जानिके, कि हमार चेला लोग आपस माहीं बरबरात हें, उनसे पूँछिन, “का इआ बात से तोंहईं पंचन काहीं ठेस पहुँचत ही? 62 अउर अगर तूँ पंचे मनई के लड़िका काहीं, स्वरग माहीं जहाँ ऊँ पहिले रहे हँय, उहाँ ऊपर जात देखिहा त का होई? 63 परमातिमा के आत्मय हय, जउन अनन्त जीबन देत हय, देंह से कुछू फायदा नहीं आय: जउने बातन काहीं हम तोंहसे कहेन हँय, उँइन आत्मा आहीं, अउर जीबन घलाय आहीं।” 64 पय तोंहरे पंचन म से कइएक जने अइसन हें, जे हमरे बातन के ऊपर बिसुआस नहीं करँय: काहेकि यीसु त पहिलेन से जानत रहे हँय, कि जे हमरे बातन के बिसुआस नहीं करँय, ऊँ पंचे को आहीं? अउर इहव जानत रहे हँय, कि हमहीं को पकड़बाई। 65 यीसु पुनि उनसे कहिन, “एहिन से हम तोंहसे कहेन तय, कि जब तक कोहू काहीं पिता परमातिमा के तरफ से इआ बरदान न दीन जाय, तब तक उआ हमरे लघे नहीं आय सकय।”

पतरस के बिसुआस

66 इहय कारन से यीसु के चेलन म से खुब जने वापिस लउटिगें, अउर पुनि उनखे साथ कबहूँ नहीं चलें। 67 तब यीसु ऊँ बरहँव चेलन से कहिन, “का तुहूँ पंचे चले जाँइ चहते हया।” 68 तब समौन पतरस उनहीं जबाब दिहिन, कि “हे प्रभू हम पंचे केखे लघे जई? अनन्त जीबन देंइ बाली बातँय, त अपनय के लघे हईं।” 69 अब हम पंचे इआ बिसुआस कइ लिहेन हय, अउर जानिव गएन हय, कि परमातिमा के पठए पबित्र जन अपनय आहेन। 70 यीसु उनहीं जबाब दिहिन, का “तोंहईं बरहँव जनेन काहीं हमहिन नहीं चुने आहेन? तऊ तोंहरेन म से एक जने सइतान हय।” 71 इआ बात यीसु समौन इस्करियोती के लड़िका यहूदा के बारे माहीं कहिन तय, काहेकि उआ यीसु के खिलाफ होइके उनहीं धोखा देंइ बाला रहा हय, अउर उहव उन बरहँव चेलन म से रहा हय।

यीसु अउर उनखर भाई

7 एखे बाद यीसु गलील प्रदेस माहीं घूमत रहिगें, काहेकि यहूदी लोग
यीसु काहीं मार डारँइ के कोसिस करत रहे हँय, एसे ऊँ यहूदिया प्रदेस
माहीं नहीं घूमँइ चाहत रहें। 2 अउर यहूदी लोगन के झोपड़िअन † नाम के
तेउहार लघेन रहा हय। 3 एसे यीसु के सगले भाई उनसे कहिन, अपना काहीं
इआ जघा छोंड़िके यहूदिया प्रदेस माहीं चले जाँइ चाही, जउने अपना जउन
काम करित हएन, उनहीं अपना के चेलव देखँइ। 4 काहेकि अइसा कोऊ
मनई न होई, जउन मसहूर होंइ चाहय, अउर लुकिके काम करय: अगर
अपना अचरज के काम करित हएन, त संसार के मनइन के आँगे खुद काहीं
प्रगट करी। 5 काहेकि उनखर भाइव उनखे ऊपर बिसुआस नहीं करत रहे
आहीं। 6 तब यीसु अपने भाइन से कहिन, "हमरे खातिर अबे ठीक समय
नहीं आबा आय, पय तोंहरे पंचन के खातिर हर समय ठीक हय। 7 संसार के
मनई तोंहसे दुसमनी नहीं कइ सकँय, पय हमसे दुसमनी करत हें, काहेकि
हम उनखे बिरोध माहीं, इआ गबाही देइत हएन, कि उनखर काम बुरे हें। 8 तूँ
पंचे तेउहार मनामँइ जा: हम अबे इआ तेउहार माहीं न जाब; काहेकि अबे
तक हमरे खातिर उचित समय नहीं आबा आय।" 9 यीसु उनसे ईं बातन
काहीं कहिके गलील प्रदेस माहीं रहिगें।

झोपड़िअन नाम के तेउहार माहीं यीसु

10 पय जब उनखर भाई तेउहार मनामँइ चलेगें, तब ऊँ घलाय तेउहार
मनामँइ गें, पय लुके-लुके गें, कोऊ जाने नहीं पाइस। 11 तब उआ तेउहार
माहीं यहूदी धारमिक अँगुआ लोग, यीसु काहीं इआ कहिके ढूँढ़ँइ लागें, कि
ऊँ कहाँ हें? 12 अउर उहाँ आए सगले मनई आपस माहीं यीसु के बारे माहीं
चुप्पय-चुप्पय बतात रहे हँय, कुछ जने कहँय, कि ऊँ निकहा मनई हें: अउर
कुछ जने कहँय, कि नहीं, ऊँ मनइन काहीं गुमराह करत हें। 13 तऊ यहूदी
धारमिक अँगुआ लोगन के डेरन के मारे, कोऊ उनखे बारे माहीं खुले आम
नहीं बोलत रहे आहीं।

तेउहार माहीं यीसु के उपदेस

14 अउर जब उआ तेउहार आधा बीतिगा तय, तब यीसु मन्दिर माहीं
जाइके उपदेस देंइ लागें। 15 तब यहूदी धारमिक अँगुआ लोग अचरज
मानिके कहँइ लागें, "इआ मनई हमरे पंचन के कउनव पाठसाला माहीं
कबहूँ नहीं ग, फेरव एही एतना ग्यान कहाँ से मिलिगा?" 16 तब यीसु उनहीं
जबाब दिहिन, कि "जउन उपदेस हम देइत हएन, उआ हमार न होय, इआ
पिता परमातिमा के आय, जे हमहीं पठइन हीं। 17 अगर कोऊ परमातिमा के
मरजी के मुताबिक चलँइ चाहय, त उआ इआ उपदेस के बारे माहीं जान
जई, कि उआ परमातिमा के तरफ से आय, कि हम अपने कइती से देइत
हएन। 18 जे कोऊ अपने तरफ से कुछू कहत हय, उआ अपनय बड़ाई चाहत
हय; पय जे अपने पठमँइ बाले के बड़ाई चाहत हय, उआ सच्चा हय, अउर
ओखे जीबन माहीं अधरम नहिं आय। 19 काहेकि मूसा नबी तोंहईं
परमातिमा के बिधान दिहिन हीं? तऊ तोंहरे पंचन म से कोऊ मूसा के
बिधान के मुताबिक नहीं चलय, तूँ पंचे काहे हमहीं मारि डारँय चहते हया?"
20 तब ऊँ पंचे जबाब दिहिन; कि "तोंहरे भीतर बुरी आत्मा हय; कोऊ तोंहईं
नहीं मारि डारँय चाहय?" 21 यीसु उनहीं जबाब दिहिन, कि "हम पबित्र दिन
काहीं एकयठे चमत्कार किहेन, अउर तूँ पंचे सगले जन अचरज मनते
हया।" 22 इहय कारन से मूसा तोंहईं खतना करँइ के हुकुम दिहिन हीं, (इआ
नेम मूसा के न होय, बलकिन इआ तोंहरे बाप-दादन से चला आय रहा हय)
अउर तूँ पंचे पबित्र दिन काहीं मनइन के खतना करते हया। 23 पबित्र दिन
काहीं एसे खतना कीन जात हय, कि कहँव मूसा के बिधान के नेम टूट न
जाय। त तूँ पंचे हमरे ऊपर क्रोध काहे करते हया, एसे कि जउन हम पबित्र
दिन काहीं एकठे मनई काहीं, पूरी तरह से नीक कइ दिहेन हय। 24 कोहू के
न्याय करँइ माहीं मुँह देखी न करा, बलकिन ठीक-ठीक न्याय करा।

का यीसुअय मसीह आहीं

25 तब यरूसलेम सहर के रहँइ बाले खुब जने कहँइ लागें; का ईं उँइन
मनई न होंहीं, जिनहीं मारि डारँय के कोसिस कीन जाय रही हय। 26 पय
देखा, ऊँ त सगले मनइन के बीच माहीं बोलि रहे हँय, अउर ऊँ पंचे उनहीं
कुछू नहीं कहँय। का अइसन त न होय, कि यहूदी धारमिक अँगुआ लोग
जानिगें हँय, कि वास्तव माहीं ईंन मसीह आहीं। 27 पय ईं मसीह नहीं होइ
सकँय, काहेकि इनहीं त हम पंचे जानित हएन, कि ईं कहाँ से आए हँय, पय
जब मसीह अइहँय, त कोऊ न जाने पाई, कि ऊँ कहाँ से आए हँय। 28 जब
यीसु मन्दिर माहीं उपदेस देत रहे हँय, तब चन्डे से कहिन, "तूँ पंचे हमहीं
जनते हया, अउर इहव जनते हया, कि हम कहाँ से आएन हय। पय हम
अपने-आप नहीं आएन, जे हमहीं पठइन हीं, ऊँ सच्चे हँय, उनहीं तूँ पंचे नहीं
जनते आह्या। 29 हम उनहीं जानित हएन; काहेकि हम उनहिन के तरफ से
आएन हँय, उँइन हमहीं पठइन हीं।" 30 एसे ऊँ पंचे यीसु काहीं पकड़ँइ
चाहत रहे हँय, तऊ कोऊ उनहीं नहीं पकड़ सकें, काहेकि अबे उनखे पकड़े
जाँइ, अउर मारे जाँइ के समय नहीं आबा रहा आय। 31 पय भीड़ के मनइन
म से खुब जने यीसु के ऊपर बिसुआस किहिन, अउर कहँइ लागें, कि "जब
मसीह अइहँय त का इनहूँ से जादा अचरज के काम देखइहँय, जउन ईं
देखाइन हीं?"

यीसु काहीं पकड़ँइ के कोसिस

32 फरीसी लोग उहाँ मनइन काहीं यीसु के बारे माहीं चुप्पय-चुप्पय बात
करत सुनिन; तब प्रधान याजक लोग, अउर फरीसी लोग, मन्दिर के
सिपाहिन काहीं यीसु काहीं पकड़ँइ के खातिर पठइन। 33 एखे बाद यीसु
कहिन, "हम थोरी देर तक अउर तोंहरे साथ हएन; फेर हम अपने पठमँइ
बाले के लघे चले जाब। 34 तूँ पंचे हमहीं ढुँढ़िहा, पय न पइहा, अउर जहाँ हम
रहब, उहाँ तूँ पंचे नहीं आय सकते आह्या।" 35 इआ सुनिके यहूदी धारमिक
अँगुआ लोग आपस माहीं कहँइ लागें, "ईं कहाँ जइहँय, कि हम पंचे इनहीं न
पाउब: का ईं उनखे लघे जइहँय, जउन हमरे समाज के मनई यूनानी भाँसा
बोलँइ बालेन के लघे तितर-बितर होइके रहत हें, अउर ईं यूनानी भाँसा
बोलँइ बालेन काहीं घलाय उपदेस देइहँय? 36 इआ का बात आय जउन यीसु
कहिन हीं, कि तूँ पंचे हमहीं ढुँढ़िहा, पय न पइहा, अउर जहाँ हम रहब, उहाँ
तूँ पंचे नहीं आय सकते आह्या?"

जीबन देंइ बाले पानी के नदी

37 पुनि तेउहार के अन्तिम दिना, जउन मुख्य दिन आय, यीसु ठाढ़ भें
अउर चन्डे से कहिन, "अगर कोऊ पियासा होय, त हमरे लघे आइके
पिअय। 38 जे हमरे ऊपर बिसुआस करी, जइसन पबित्र सास्त्र माहीं लिखा
हय 'ओखे हिरदँय म से जीबन देंइ बाली पानी के नदिया बहँइ लगिहँय'।"
39 यीसु इआ बात पबित्र आत्मा के बारे माहीं कहिन रहा हय, जउने काहीं
उनखे ऊपर बिसुआस करँइ बाले पामँइ बाले रहे हँय; काहेकि पबित्र आत्मा
अबे तक नहीं उतरा रहा आय; काहेकि यीसु अबय तक अपने महिमा माहीं
नहीं पहुँचे तय।

40 तब भीड़ के मनइन म से कुछ जने ईं बातन काहीं सुनिके कहिन,
"वास्तव माहीं जउन परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले आमँइ बाले रहे हँय,
ईंन आहीं।" 41 अउर कुछ जने इहव कहिन, कि "ईं मसीह आहीं", पय कुछ
जने कहिन "ईं न होंहीं, का मसीह गलील प्रदेस अइहँय?" 42 काहेकि पबित्र
सास्त्र माहीं इआ लिखा हय, कि "मसीह राजा दाऊद के बंस से, अउर
बैतलहम गाँव माहीं पइदा होइके अइहँय, जहाँ राजा दाऊद रहत रहे हँय।"
43 इआ कारन से भीड़ के मनइन माहीं फूट परिगे। 44 उनमा से कइएक जने
यीसु काहीं पकड़ँइ चाहत रहे हँय, पय कोऊ नहीं पकड़ सकें।

† *जउने माहीं यहूदी लोग आठ दिना तक झोपड़ी बनाइके रहत रहे हँय।*

यहूदी समाज के अँगुअन के अबिसुआस

45 तब मन्दिर के सिपाही प्रधान याजकन अउर फरीसी लोगन के लघे
आएँ, अउर ऊँ पंचे, उनसे पूँछिन, “तूँ पंचे यीसु काहीं काहे नहीं पकड़
लाया?” 46 तब सिपाही जबाब दिहिन, कि “आज तक कउनव मनई
अइसन बातँय नहीं बोलिस, जइसन ऊँ बोलत रहे हँय।” 47 तब फरीसी लोग
कहिन, “हमहीं त लागत हय, ऊँ तोंहऊँ पंचन काहीं भरमाय दिहिन हीं।
48 का यहूदी धारमिक अँगुआ लोग, अउर फरीसी लोगन म से कोऊ यीसु के
ऊपर बिसुआस किहिन हीं?” 49 पय ईं पंचे जिनहीं मूसा के बिधान के नेमन
के ग्यान नहिं आय, एसे इनहीं परमातिमा सराप देइहँय। 50 नीकुदेमुस
(जउन पहिले यीसु के लघे आए रहे हँय, जउन उन फरीसी लोगन म से रहे
हँय) उनसे कहिन, 51 “हमहीं पंचन काहीं मूसा के द्वारा दीन बिधान, कउनव
मनई काहीं जब तक ओखर पहिले सुनिके जान न लेय, कि उआ का
किहिस ही; ओही दोसी नहीं ठहराबय।” 52 ऊँ पंचे उनहीं जबाब दिहिन,
“का तुहूँ गलील प्रदेस के आह्या, पबित्र सास्त्र काहीं पढ़िके देखा, कि गलील
प्रदेस से कउनव परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाला, कबहूँ पइदा न होई।”
53 एखे बाद ऊँ पंचे सगले जन उहाँ से अपने-अपने घर चलेगें।

ब्यभिचार करँइ बाली मेहेरिआ काहीं माफी

8 जब सगले मनई अपने-अपने घर चलेगें, तब यीसु जैतून नाम के
पहार माहीं चलेगें। 2 अउर यीसु बड़े सकारे पुनि मन्दिर माहीं आएँ,
तब सगले मनई उनखे लघे आइगें; अउर यीसु बइठिके उनहीं उपदेस देंइ
लागें। 3 उहय समय मूसा के बिधान सिखामँइ बाले अउर फरीसी लोग एकठे
मेहेरिआ काहीं, यीसु के लघे लइ आएँ, जउन ब्यभिचार करत पकड़ी गे रही
हय, ओही बीच माहीं ठाढ़ कइके यीसु से कहिन। 4 “हे गुरू, इआ मेहेरिआ
ब्यभिचार करत पकड़ी गे ही। 5 बिधान माहीं, मूसा नबी हमहीं इआ हुकुम
दिहिन हीं, कि अइसन मेहेरिअन काहीं पथरा मारँइ चाही: पय अपना इआ
मेहेरिआ के बारे माहीं का कहित हएन?” 6 ऊँ पंचे यीसु काहीं फसामँइ के
खातिर इआ बात कहिन तय, जउने उनखे ऊपर दोस लगामँइ के खातिर
कउनव बात पामँय, पय यीसु नीचे काहीं मूँड़ कए भुँइ माहीं अँगुरी से लिखँइ
लागें। 7 काहेकि जब ऊँ पंचे यीसु से पुँछतय रहिगें, तब यीसु सीध ठाढ़
होइके, उनसे कहिन, “तोंहरे पंचन म से जे कोऊ कबहूँ पाप न किहिस होय,
उहय पहिले इआ मेहेरिआ काहीं पथरा मारय।” 8 अउर पुनि यीसु नीचे
काहीं मूँड़ कए भुँइ माहीं अँगुरी से लिखँय लागें। 9 पय ऊँ पंचे इआ बात
काहीं सुनिके, बड़े से लइके छोट तक एक-एक कइके सगले जन चलेगें,
अउर उहाँ यीसु अकेले बचे, अउर उआ मेहेरिआ उहँय बीच माहीं ठाढ़
रहिगे। 10 तब यीसु सीध ठाढ़ होइके उआ मेहेरिआ से कहिन, “हे बहिनी, ऊँ
पंचे सगले जन कहाँ चलेगें? का कोऊ तोंहईं सजा देंइ के हुकुम नहीं
दिहिन?” 11 उआ मेहेरिआ कहिस, “हे प्रभू, कोऊ नहीं”: तब यीसु कहिन,
“हमहूँ तोंहरे ऊपर सजा के हुकुम नहीं देई; जा, चले जा, अउर पुनि पाप न
किहा।”

यीसु संसार के जोति आहीं

12 तब यीसु पुनि मनइन से कहिन, “संसार के जोति हमहिन आहेन; जे
हमरे पीछे चली उआ अँधिआर माहीं न चली, पय जीबन देंइ बाली जोति
पाई।” 13 इआ सुनिके फरीसी लोग उनसे कहिन; “अपना आपन गबाही
खुदय देइत हएन; अपना के गबाही ठीक नहिं आय।” 14 यीसु उनहीं जबाब
दिहिन; “अगर हम आपन गबाही खुदय देइत हएन, तऊ हमार गबाही ठीक
ही, काहेकि हम जानित हएन, कि हम कहाँ से आएन हय, अउर कहाँ जाब?
पय तूँ पंचे नहीं जनते आह्या, कि हम कहाँ से आएन हय, अउर कहाँ जाब।
15 तूँ पंचे त मनइन के बनाए नेम के मुताबिक न्याय करते हया; पय हम कोहू
के न्याय नहीं करी। 16 अउर अगर हम न्याय करबव करी, तऊ हमार न्याय
सच्चा होई; काहेकि हम अकेले नहीं, बलकिन हम हएन, अउर हमरे साथ
पिता परमातिमा हें, जे हमहीं पठइन हीं। 17 अउर मूसा नबी व्दारा दीन तोंहरे
बिधान माहीं घलाय लिखा हय, कि दुइ जनेन के गबाही † मिलिके ठीक होत
ही। 18 एक त हम खुदय आपन गबाही देइत हएन, अउर दूसर पिता
परमातिमा हमरे बारे माहीं गबाही देत हें, जे हमहीं पठइन हीं।” 19 तब ऊँ
पंचे यीसु से कहिन, “तोंहार पिता कहाँ हें?” यीसु उनहीं जबाब दिहिन, कि
“न त तूँ पंचे हमहिन काहीं जनते आह्या, अउर न हमरे पिता काहीं, अगर तूँ
पंचे हमहीं जन त्या, त हमरे पिता काहीं घलाय जन त्या।” 20 ईं बातन काहीं
यीसु मन्दिर माहीं उपदेस देत समय भन्डार घर माहीं कहिन तय, अउर कोऊ
उनहीं पकड़ नहीं सकें; काहेकि पकड़े जाँइ, अउर मारे जाँइ के उनखर समय
अबे नहीं आबा रहा आय।

अपने बारे माहीं यीसु के बताउब

21 यीसु पुनि उनसे कहिन, कि “हम जइत हएन, अउर तूँ पंचे हमहीं
ढुँढ़िहा, अउर अपने पापन के माफी पाए बिना मरिहा: जहाँ हम जइत हएन,
उहाँ तूँ पंचे नहीं आय सकते आह्या।” 22 इआ सुनिके यहूदी धारमिक अँगुआ
लोग कहिन, “का ऊँ अपने-आप काहीं खतम कइ लेइहँय, एसे इआमेर
कहत हें; कि जहाँ हम जइत हएन, उहाँ तूँ पंचे नहीं आय सकते आह्या?”
23 तब यीसु उनसे कहिन, “तूँ पंचे इआ धरती के आह्या, अउर हम स्वरग के
आहेन, तूँ पंचे इआ संसार के आह्या, हम इआ संसार के न होंहेन। 24 एसे
हम तोंहसे इआ कहेन हय, कि तूँ पंचे अपने पापन के माफी पाए बिना
मरिहा; काहेकि अगर तूँ पंचे बिसुआस न करिहा, कि हम उहय आहेन, त
अपने पापन के माफी पाए बिना मरिहा।” 25 तब ऊँ पंचे यीसु से कहिन,
“अपना को आहेन?” यीसु उनसे कहिन, “हम †† उहय आहेन जउन
सुरुआतय से तोंहसे कहत आएन हँय। 26 तोंहरे बारे माहीं हमहीं बहुत कुछ
कहँय क हय, अउर निरनय करँइ क हय, पय हमहीं पठमँइ बाले सच्चे हँय;
अउर जउन कुछू हम उनसे सुनेन हय, उहय संसार के मनइन से कहित
हएन।” 27 ऊँ पंचे इआ नहीं समझे पाइन, कि हमसे यीसु पिता परमातिमा
के बारे माहीं कहत हें। 28 तब यीसु उनसे कहिन, “जब तूँ पंचे मनई के
लड़िका काहीं क्रूस के खम्भा माहीं चढ़इहा, तब जान जइहा, कि हम उहय
आहेन, अउर हम अपने-आप से कुछू नहीं करी, पय जइसन हमार पिता
परमातिमा हमहीं सिखाइन हीं, उहयमेर ईं बातन काहीं कहित हएन।
29 अउर जे हमहीं पठइन हीं, ऊँ हमरे साथ हें; ऊँ हमहीं अकेले नहीं छोंड़िन;
काहेकि हम हमेसा उहय काम करित हएन; जउने काम से ऊँ प्रसन्न होत
हें।” 30 यीसु जब ईं बातन काहीं कहतय रहे हँय, कि तबहिन खुब जने उनखे
ऊपर बिसुआस किहिन।

सत्य तोहईं पंचन काहीं अजाद करी

31 तब यीसु ऊँ यहूदी लोगन म से जउन उनखे ऊपर बिसुआस किहिन
तय, उनसे कहिन, “अगर तूँ पंचे हमरे बचन के पालन करत रइहा, त वास्तव
माहीं हमार चेला ठहरिहा। 32 अउर तूँ पंचे सत्य काहीं जनिहा, अउर उहय
सत्य तोंहईं अजाद करी।” 33 ऊँ पंचे यीसु काहीं जबाब दिहिन; कि “हम
पंचे त अब्राहम के बंस के आहेन, अउर कबहूँ कोहू के दास नहीं भएन; पुनि
अपना काहे कहित हएन, कि तूँ पंचे अजाद होइ जइहा?” 34 तब यीसु
उनहीं जबाब दिहिन; “हम तोंहसे सही-सही कहित हएन; कि जे कोऊ पाप
करत हय, उआ पाप के दास आय। 35 अउर दास हमेसा घर माहीं नहीं रहय;
पय लड़िका हमेसा घर माहीं रहत हय। 36 एसे अगर लड़िका तोहईं अजाद
करी, त वास्तव माहीं, तूँ पंचे अजाद होइ जइहा। 37 हम जानित हएन, कि तूँ
पंचे अब्राहम के बंस के आह्या; तऊ हमरे बचन काहीं हिरदँय से नहीं
अपनउते आह्या, एहिन से तूँ पंचे हमहीं मारि डारँय चहते हया। 38 हम उहय
कहित हएन, जउन अपने पिता के इहाँ देखेन हँय; अउर तूँ पंचे उहय करते
हया, जउन अपने पिता से सुने हया।” 39 जब ऊँ पंचे यीसु काहीं जबाब
दिहिन, “कि हमार पंचन के कुल पिता त अब्राहम आहीं”: तब यीसु उनहीं

† *8:17 ब्यब 19:15* †† *8:25 निरग 3:14; यूह 18:5,6*

जबाब दिहिन; “अगर तूँ पंचे अब्राहम के सन्तान होत्या, त अब्राहम कि नाईं
काम कर त्या। 40 जउन सत्य बचन हम परमातिमा से सुनेन हय, उहय तोंहसे
बतायन हय, पय तूँ पंचे हमहीं मारि डारँइ चहते हया। अइसन त अब्राहम
कबहूँ नहीं किहिन तय। 41 तूँ पंचे अपने पिता कि नाईं काम करते हया”:
तब ऊँ पंचे यीसु से कहिन, “हम पंचे ब्यभिचार से नहीं पइदा भएन; हमार
पंचन के एकयठे पिता हें, अउर ऊँ आहीं परमातिमा।” 42 इआ सुनिके यीसु
उनसे कहिन, “अगर वास्तव माहीं परमातिमा तोंहार पिता होतें, त तूँ पंचे
हमसे प्रेम रख त्या; काहेकि हम परमातिमय से निकरिके आएन हँय; हम
अपने से नहीं आएन, बलकिन उँइन हमहीं पठइन हीं। 43 हम जउन कहित
हएन, उआ बात काहीं तूँ पंचे काहे नहीं समझे पउते आह्या? एखर कारन
इआ हय, कि तूँ पंचे हमरे बातन काहीं सुनते नहिं आह्या। 44 काहेकि तूँ पंचे
अपने पिता सइतान के सन्तान आह्या। अउर तूँ पंचे अपने पिता के मरजी
काहीं पूर करँइ चहते हया। उआ त संसार के सुरुआतय से कतली आय,
अउर उआ सत्य के पच्छ कबहूँ नहीं लिहिस। काहेकि ओखे जीबन माहीं
सत्य हइअय नहिं आय: अउर झूँठ बोलब ओखर सुभाबय आय; काहेकि
उआ हमेसा झूँठ बोलँइ बाला आय, बलकिन झूँठ बोलँइ के सुरुआतय करँइ
बाला आय। 45 तूँ पंचे हमरे बात के बिसुआस एसे नहीं मनते आह्या, काहेकि
हम सही बोलित हएन। 46 अउर तोंहरे पंचन म से को हमहीं पापी ठहराय
सकत हय? अगर नहीं, त पुनि जब हम सही बात कहित हएन, त हमरे बात
के बिसुआस काहे नहीं मनते आह्या? 47 जे परमातिमा के जन होत हय,
उआ परमातिमा के बातन काहीं सुनिके मानत हय; अउर तूँ पंचे परमातिमा
के बचन काहीं एसे नहीं सुनते आह्या, काहेकि तूँ पंचे परमातिमा के जन न
होह्या।”

यीसु अउर अब्राहम

48 इआ सुनिके यहूदी लोग यीसु से कहिन; “एहिन से हम पंचे तोंहईं
ठीकय आय कहित हएन, कि तूँ सामरी आह्या, अउर तोंहरे भीतर बुरी
आत्मा हय।” 49 तब यीसु उनहीं जबाब दिहिन, कि “हमरे भीतर बुरी आत्मा
नहिं आय; बलकिन हम त अपने पिता के आदर करित हएन, अउर तूँ पंचे
हमार निरादर करते हया। 50 हम आपन बड़ाई नहीं चाही, पय हाँ, एक जने
अइसा हें, जे आपन बड़ाई चाहत हें, अउर उँइन न्याय करत हें। 51 हम
तोंहसे सही-सही कहित हएन, अगर कउनव मनई हमरे बचन के मुताबिक
चली, त उआ अनन्तकाल तक न मरी।” 52 तब यहूदी लोग यीसु से कहिन,
“अब हम पंचे जान लिहेन हँय, कि तोंहरे भीतर बुरी आत्मा हय: अब्राहम
मरिगें अउर परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले घलाय मरिगें, अउर तूँ कहते
हया, कि अगर कोऊ हमरे बचन के मुताबिक चली, त उआ अनन्तकाल तक
न मरी। 53 हमार पंचन के कुल पिता अब्राहम त मरिगें, का तूँ उनसे बड़े
हया? अउर परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले घलाय मरिगें, तूँ खुद काहीं
का ठहरामँइ चहते हया।” 54 तब यीसु उनहीं जबाब दिहिन; “अगर हम
खुदय आपन बड़ाई करी, त हमार बड़ाई कुछू न होय, पय हमार बड़ाई करँइ
बाले हमार पिता परमातिमा हें, जिनहीं तूँ पंचे कहते हया, कि ऊँ हमार
परमातिमा आहीं। 55 तूँ पंचे उनहीं नहीं जनते आह्या, पय हम उनहीं जानित
हएन; अउर अगर हम कही, कि हम उनहीं नहीं जानी, त हम तोंहरे कि नाईं
लबरी बोलँइ बाले ठहरब; काहेकि हम उनहीं जानित हएन, अउर उनखे
बचन के मुताबिक चलित हएन। 56 तोंहार पंचन के पूरबज अब्राहम, धरती
माहीं हमरे आमँइ के दिन देखँइ के आसा माहीं खुब आनन्दित रहे हँय; अउर
ऊँ देखिन, अउर आनन्दित भें।” 57 यहूदी लोग यीसु से कहिन, “अबे तूँ
पचासव बरिस के नहीं भया; तऊ तूँ कहते हया, कि हम अब्राहम काहीं
देखेन हँय?” 58 तब यीसु उनसे कहिन, “हम तोंहसे सही-सही कहित हएन;
अब्राहम के पइदा होंइ से पहिलेव हम रहेन हँय।” 59 तब ऊँ पंचे यीसु काहीं
मारँइ के खातिर पथरा उठाइन, पय यीसु लुकिके मन्दिर से निकरिके चलेगें।

जनम से आँधर मनई काहीं नीक करब

9 जब यीसु जात रहे हँय, तब ऊँ गइल माहीं एकठे मनई काहीं देखिन,
जउन जनम से आँधर रहा हय। 2 तब उनखर चेला लोग उनसे पूछँइ
लागें, “हे गुरू, को पाप किहिस रहा हय, कि इआ मनई आँधर पइदा भ हय,
इआ खुदय पाप किहिस तय, कि एखर बाप-महतारी?” 3 यीसु जबाब
दिहिन, “न त इआ मनई पाप किहिस, अउर न एखर बाप-महतारी:
बलकिन इआ एसे आँधर पइदा भ, कि एही नीक कइके परमातिमा के सक्ती
देखाई जाय सकय। 4 जे हमहीं पठइन हीं, उनखे कामन काहीं निस्चित रूप
से हमहीं दिनय दिन माहीं कइ लेंइ चाही, काहेकि जब रात होइ जात ही, त
कोऊ काम नहीं कइ सकय। 5 जब तक हम संसार माहीं हएन, तब तक हम
संसार के जोति आहेन।” 6 इआ कहिके ऊँ भुँइ माहीं थूँकिन, अउर ओसे
माटी सानिन, अउर उआ आँधर के आँखी माहीं लगाइके, 7 ओसे कहिन,
“जा, सीलोह के कुन्ड माहीं धोय लिहा।” (सीलोह के मतलब हय पठउब)
अउर उआ जाइके आँखी धोइस, अउर उआ देखत लउटि आबा। 8 तब
ओखर परोसी अउर जेतने ओही भीख मागत देखिन तय, कहँइ लागें; “का
इआ उहय मनई न होय, जउन बइठे भीख मागा करत रहा हय?” 9 कुछ
जने कहिन, “इआ उहय आय” अउर कुछ जने कहिन, “नहीं, उआ न होय,
बलकिन ओहिन कि नाईं लागत आय हय।” इआ सुनिके उआ मनई कहिस,
“हम उहय आहेन।” 10 तब ऊँ पंचे ओसे पूछँइ लागें, “तोंहार आँखी कइसन
नीक भईं हँय?” 11 उआ मनई उनहीं जबाब दिहिस, कि “यीसु नाम के
एकठे मनई माटी सानिन, अउर हमरे आँखी माहीं लगाइके हमसे कहिन,
जाइके सीलोह के कुन्ड माहीं धोय ल्या, तब हम जाइके आँखी धोयन त
हमहीं देखाँइ लाग।” 12 ऊँ पंचे ओसे पूँछिन; “ऊँ कहाँ हें?” उआ कहिस;
“हम नहीं जानी।”

फरीसी लोगन के व्दारा आँधर मनई के नीक होंइ के बारे माहीं जाँच-परताल

13 तब ऊँ पंचे उआ मनई काहीं जउन पहिले आँधर रहा हय, फरीसी
लोगन के लघे लइगें। 14 जउने दिना यीसु माटी सानिके उआ मनई के आँखी
माहीं लगाइके नीक किहिन तय, उआ दिना पबित्र दिन रहा हय। 15 तब
फरीसी लोग घलाय ओसे पूँछिन; बताबा तोंहार आँखी कइसनके नीक भईं
हँय? तब उआ मनई उनसे कहिस; “ऊँ हमरे आँखी माहीं माटी लगाइन, फेर
हम धोय लिहेन, अउर अब देखित हएन।” 16 इआ सुनिके कुछ फरीसी
कहँइ लागें; “जउन मनई एही नीक किहिन हीं, ऊँ परमातिमा कइती से न
होंहीं, काहेकि ऊँ पबित्र दिन काहीं नहीं मानँय।” तब कुछ जने कहँइ लागें,
पापी मनई कइसन अचरज के काम देखाय सकत हय? एसे ऊँ पंचन माहीं
फूट परिगे। 17 ऊँ पंचे पुनि जउन पहिले आँधर रहा हय, उआ मनई से
पूँछिन, “ऊँ मनई जउन तोंहार आँखी नीक किहिन हीं, उनखे बारे माहीं तूँ
का कहते हया?” उआ कहिस, “ऊँ परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले
आहीं।”

18 पय यहूदी धारमिक अँगुअन काहीं बिसुआस नहीं भ, कि इआ पहिले
आँधर रहा हय, अउर अब देखत हय, जब तक ऊँ पंचे जउने के आँखी नीक
होइ गईं तय, ओखे बाप-महतारी काहीं बोलबाइके, 19 उनसे इआ पूँछ न
लिहिन, “कि का इआ तोंहारय लड़िका आय, जउने काहीं तूँ पंचे कहते हया,
कि इआ आँधर पइदा भ रहा हय? त पुनि इआ अब कइसन देखँइ लाग?”
20 ओखर बाप-महतारी जबाब दिहिन; “हम त इआ जानित हएन, कि इआ
हमारय लड़िका आय, अउर आँधर पइदा भ रहा हय। 21 पय हम पंचे इआ
नहीं जानित आय, कि अब एही कइसन देखाँइ लाग, अउर न इहय जानी,
कि को एखर आँखी नीक किहिस ही; उआ खुदय बतामँइ लाइक हय;
ओहिन से पूँछ लेई; त उआ खुदय अपने बारे माहीं बताय देई।” 22 इआमेर
ओखर बाप-महतारी एसे कहिन, काहेकि ऊँ पंचे यहूदी धारमिक अँगुअन से
डेरात रहे हँय; काहेकि सगले यहूदी धारमिक अँगुआ लोग साहुत बाँध
लिहिन तय, कि अगर कोऊ कही, कि ऊँ मसीह आहीं, त ओही सभाघर से

निकार दीन जई। 23 इहय कारन से ओखर बाप-महतारी कहिन तय, कि उआ खुदय बतामँइ लाइक हय; ओहिन से पूँछ लेई।

24 तब ऊँ पंचे उआ मनई से जउन पहिले आँधर रहा हय, दुसराय बोलाइके कहिन, “परमातिमा के स्तुति करा; हम पंचे त जानित हएन, कि ऊँ मनई पापी हें।” 25 उआ जबाब दिहिस: “हम नहिं जानी, कि ऊँ पापी हें, कि नहीं: हम त केबल एतना जानित हएन, कि हम आँधर रहेन हय, अउर अब देखित हएन।” 26 ऊँ पंचे पुनि ओसे कहिन, कि “ऊँ तोंहरे साथ का किहिन हीं? कि तोंहार आँखी नीक होइ गईं?” 27 उआ उनसे कहिस; “हम तोंहसे त पहिलेन कहि चुकेन हँय, पय तूँ पंचे हमार बिसुआस नहीं मनते आह्या; अब दुसराय काहे उहय बात काहीं सुनँय चहते हया? का तुहूँ पंचे घलाय उनखर चेला बनँइ चहते हया।” 28 तब ऊँ पंचे ओही भला-बुरा कहिके बोलिन, “तहिन उनखर चेला आहे; हम पंचे त मूसा नबी के चेला आहेन। 29 हम पंचे त जानित हएन, कि परमातिमा मूसा नबी से बातँय किहिन तय; पय इआ मनई काहीं नहीं जानी कि कहाँ के आय।” 30 उआ उनहीं जबाब दिहिस, “इआ त अचरज के बात आय, कि तूँ पंचे उनहीं नहीं जनते आह्या, कि ऊँ कहा के आहीं, तऊ ऊँ हमरे आँखिन काहीं नीक कइ दिहिन हीं। 31 हम पंचे त एतना जानित हएन, कि परमातिमा पापिन के नहीं सुनँय, पय अगर कोऊ परमातिमा के भक्त होय, अउर उनखे मरजी के मुताबिक चलत होय, त परमातिमा ओखर सुनत हें। 32 संसार के सुरुआत से इआ कबहूँ नहीं सुनान, कि कोऊ जनम से आँधर मनई के आँखी नीक किहिस होय। 33 अगर ऊँ मनई परमातिमा के तरफ से न आए होतें, त कुछू नहिं कइ सकत रहे आँय।” 34 ऊँ पंचे ओही जबाब दिहिन, कि “तँय त जनमँय से पापी आहे, तँय हमहीं का सिखउते हए? अउर यहूदी धारमिक अँगुआ लोग ओही सभाघर से बहिरे निकार दिहिन।”

आत्मिक अंधापन

35 जब यीसु सुनिन कि ऊँ पंचे ओही यहूदी सभाघर से बहिरे निकार दिहिन हीं; अउर जब ओसे भेंट भय, तब यीसु कहिन, कि “का तूँ परमातिमा के लड़िका के ऊपर बिसुआस करते हया?” 36 उआ उनसे कहिस, “हे प्रभू, बताई ऊँ को आहीं, कि हम उनखे ऊपर बिसुआस करी?” 37 यीसु ओसे कहिन, “तूँ उनहीं देख चुके हया; अउर ऊँ, उँइन आहीं जिनसे तूँ अबे बात कइ रहे हया।” 38 उआ कहिस, “हे प्रभू, हम बिसुआस करित हएन: अउर उआ उनखे गोड़न गिरा।” 39 तब यीसु कहिन, “हम इआ संसार माहीं न्याय करँइ आए हएन, जउने जे नहीं देखँइ, ऊँ देखँइ लागँय, अउर जे देखत हें, ऊँ आँधर होइ जाँय।” 40 जउन फरीसी उनखे साथ माहीं रहे हँय, ऊँ पंचे यीसु के बात काहीं सुनिके उनसे कहिन, “का हमहूँ पंचे आँधर हएन?” 41 तब यीसु उनसे कहिन, “अगर तूँ पंचे आँधर होत्या, त पापी न ठहर त्या, पय अब कहते हया, कि हम पंचे देखित हएन, एसे तूँ पंचे परमातिमा के आँगे पापी ठहरिहा।”

यीसु निकहा चरबाहा आहीं

10 पुनि यीसु उनसे कहिन, “हम तोंहसे सही-सही कहित हएन, कि जे कोऊ दुअरा से गाड़र के सार माहीं नहीं जाय, बलकिन कउनव दुसरी कइती से चढ़िके घुसत हय, त उआ चोर अउर डाँकू आय। 2 पय जउन दुअरा से गाड़र के सार माहीं जात हय, उहय गड़रन के चरबाहा आय। 3 अउर ओखे खातिर गाड़र के सार माहीं पहरा देंइ बाला चउकीदार, दुअरा खोल देत हय, अउर गाड़र ओखे बात काहीं मनती हईं, अउर उआ अपने गड़रन काहीं ‘नाम लइ-लइके बोलाबत हय, अउर बहिरे लइ जात हय। 4 अउर जब उआ अपने गड़रन काहीं सार से बहिरे निकार चुकत हय, तब उआ आँगे-आँगे चलत हय, अउर गाड़र ओखे पीछे-पीछे चलती हईं; काहेकि ऊँ सगली ओखे बोल काहीं पहिचनती हईं। 5 पय गाड़र कउनव अनजान मनई के पीछे कबहूँ न जइहँय, बलकिन ओसे दूरिन भगिहँय, काहेकि गाड़र अनजान मनई के बोल काहीं नहीं पहिचनतीं।” 6 यीसु उनहीं इआ उदाहरन बताइन, पय ऊँ पंचे नहीं समझे पाइन, कि ईं कउन बात आहीं, जउन ऊँ हमसे कहत हें।

7 तब यीसु उनसे पुनि कहिन, “हम तोंहसे सही-सही कहित हएन, कि गड़रन के दुअरा हमहिन आहेन। 8 जेतने हमसे पहिले आएँ; ऊँ सगले चोर अउर डाँकू आहीं, एसे गाड़र उनखर बात नहीं सुनिन। 9 दुअरा हमहिन आहेन: अगर कोऊ हमरे व्दारा भीतर जई, त उआ मुक्ती पाई, अउर भीतर-बाहरअई जई अउर चारा पाई। 10 चोर कउनव दुसरे काम से नहीं आबय, उआ केबल चोरी करँइ, अउर कतल करँइ, अउर नास करँइ आबत हय, पय हम एसे आएन हँय, कि ऊँ पंचे भरपूर जीबन पामँइ।

11 निकहा चरबाहा हमहिन आहेन; निकहा चरबाहा अपने गड़रन के खातिर आपन प्रान दइ देत हय। 12 मजूर जउन न त चरबाहय आय, अउर न गड़रन के मालिकय आय, उआ डगर काहीं आबत देखिके, गड़रन काहीं छोंड़िके भाग जात हय, अउर डगर उनखे ऊपर हमला कइके, उनहीं तितर-बितर कइ देत हय। 13 उआ एसे भाग जात हय, काहेकि उआ मजूर आय, अउर ओही गड़रन के चिन्ता नहीं रहय। 14 निकहा चरबाहा हमहिन आहेन; अउर हम अपने गड़रन काहीं जानित हएन, अउर हमार सगली गाड़र हमहीं जनती हईं।

15 जउनमेर पिता हमहीं जानत हें, उहयमेर हमहूँ पिता काहीं जानित हएन। अउर हम अपने गड़रन के खातिर आपन प्रान देइत हएन। 16 अउर हमार अउरव गाड़र हईं, जउन अबय तक गाड़र के इआ सार माहीं नहिं आहीं; हमहीं उनहूँ काहीं लइ आउब जरूरी हय, अउर ऊँ सगली हमार बात मनि हँय; तब एकयठे झुन्ड, अउर एकयठे चरबाहा होई। 17 परमपिता एसे हमसे प्रेम करत हें, कि हम आपन प्रान देइत हएन, कि जउने पुनि जिन्दा होइ जई। 18 कोऊ ओही हमसे छड़ाबय नहीं, बलकिन हम ओही अपने मरजी से देइत हएन: काहेकि हमहीं ओही देंइ के अधिकार हय, अउर ओही लेऊँ के अधिकार हय: इआ हुकुम हमहीं हमरे पिता से मिला हय।”

19 ईं बातन के कारन यहूदी समाज के मनइन माहीं पुनि फूट परिगे। 20 उनमा से खुब जने कहँइ लागें, कि “यीसु के भीतर बुरी आत्मा हय, अउर ऊँ पागल होइगे हँय; उनखर बात काहे मनते हया?” 21 अउर कुछ जने कहिन, “ईं बातँय कउनव अइसा मनई के नहीं होइ सकँय, जेखे भीतर बुरी आत्मा होय, काहेकि बुरी आत्मा कउनव आँधर मनई के आँखी नहीं नीक कइ सकय।”

हमार पिता अउर हम एकय आहेन

22 यरूसलेम सहर माहीं जाड़े के रित माहीं, स्थापन नाम के तेउहार आबा। 23 अउर यीसु मन्दिर माहीं सुलैमान के बरामदा माहीं टहलत रहे हँय। 24 तब यहूदी समाज के खुब मनई आइके उनहीं घेर लिहिन, अउर पूँछिन, कि “अपना हमरे मन काहीं कब तक दुबिधा माहीं डारे रहब? अगर अपना मसीह आहेन, त हमहीं साफ-साफ बताय देई।” 25 तब यीसु जबाब दिहिन, कि “हम त तोंहईं पंचन काहीं पहिलेन बताय चुकेन हय, अउर तूँ पंचे हमरे बात के बिसुआसय नहीं मनते आह्या, जउन काम हम अपने पिता के नाम से करित हएन, उँइन काम हमार गबाह हें। 26 पय तूँ पंचे एसे हमरे बात के बिसुआस नहीं मनते आह्या, काहेकि हमरे गड़रन म से न होह्या। 27 हमार सगली गाड़र हमार बात मनती हँय, अउर हम उनहीं सगलेन काहीं जानित हएन, अउर ऊँ सगली हमरे पीछे-पीछे चलती हँय। 28 अउर हम उनहीं अनन्त जीबन देइत हएन, अउर ऊँ सगली कबहूँ नास न होंइ हँय, अउर न कोऊ उनहीं हमसे छड़ाएन पाई। 29 ऊँ सगलिन काहीं हमहीं देंइ बाले हमार पिता सगलेन से बड़े हें, अउर कोऊ उनहीं पिता के हाँथे से छड़ाय नहीं सकय। 30 हम अउर पिता एकय आहेन।”

31 यहूदी समाज के मनई यीसु काहीं पथरा मारँइ के खातिर, पथरा उठाय लिहिन। 32 तब यीसु उनसे कहिन, कि “हम तोंहईं अपने पिता के तरफ से कइयकठे निकहे काम देखायन हय, उनमा से कउने काम के खातिर, तूँ पंचे हमहीं पथरा मारँइ चहते हया?” 33 तब यहूदी समाज के मनई उनहीं जबाब

दिहिन, “निकहे काम के खातिर हम पंचे तोंहईं पथरा न होय मारित हएन, बलकिन एसे कि जउन तूँ परमातिमा के बुराई करते हया, अउर तूँ मनई होइके अपने-आप काहीं परमातिमा बनउते हया।” 34 यीसु उनहीं जबाब दिहिन, “का तोंहरे पबित्र सास्त्र माहीं नहीं लिखा आय, कि ‘हम कहेन हय, कि तूँ पंचे परमातिमा † आह्या?’ 35 अगर ऊँ उनहीं परमातिमा कहिन हीं, जिनखे लघे परमातिमा के बचन पहुँचा हय, (पबित्र सास्त्र माहीं लिखी बात सत्य हईं) 36 त जेही पिता पबित्र ठहराइके संसार माहीं पठइन हीं, तूँ पंचे उनसे कहते हया, कि तूँ परमातिमा के बुराई करते हया, एसे कि जउन हम कहेन, कि ‘हम परमातिमा के लड़िका आहेन।’ 37 अगर हम अपने पिता के काम नहीं करी, त हमार बिसुआस न माना। 38 पय अगर हम करित हएन, त चाह हमार बिसुआस नहिंव करा, पय ऊँ कामन के त बिसुआस करा, जउने तूँ पंचे जान जा, अउर समझा कि पिता हमरे भीतर हें, अउर हम पिता माहीं हएन।” 39 तब ऊँ पंचे यीसु काहीं पकड़ँइ के कोसिस किहिन, पय उनहीं नहीं पकड़े पाइन, अउर ऊँ उहाँ से निकरिगें। 40 एखे बाद यीसु उहाँ से यरदन नदी के दुसरे पार उआ जघा माहीं चलेगें, जहाँ यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले बपतिस्मा देत रहे हँय, अउर उहँइ रहँइ लागें। 41 अउर खुब जने उनखे लघे आबत रहे हँय, अउर आपस माहीं बतात रहे हँय, कि यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले, त कउनव चमत्कार नहीं देखाइन, पय जउन कुछू यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले इनखे बारे माहीं कहिन रहा हय, उआ सगला बेलकुल सही निकरा। 42 अउर उहाँ खुब जने यीसु के ऊपर बिसुआस किहिन।

लाजर के मउत

11 बैतनिय्याह नाम के गाँव माहीं लाजर नाम के एकठे मनई बिमार रहे हँय, उनखे साथ माहीं उनखर दुइठे बहिनी, मरियम अउर मारथा रहत रही हँय। 2 ईं उँइन मरियम आहीं, जउन प्रभू के ऊपर अँतर डारिके उनखे गोड़ेन काहीं अपने बालन से पोंछिन रहा हय, इनहिन के भाई लाजर बिमार रहे हँय। 3 एसे उनखर बहिनी यीसु के लघे सँदेस कहबाय पठइन, कि “हे प्रभू, देखी, जेसे अपना प्रेम करित हएन ऊँ बिमार हें।” 4 यीसु सँदेस सुनिके कहिन, “इआ बिमारी मउत के न होय, बलकिन परमातिमा के बड़ाई होंय के खातिर आय, जउने एखे व्दारा परमातिमा के लड़िका के बड़ाई होय।” 5 काहेकि यीसु मारथा, मरियम अउर उनखे भाई लाजर से प्रेम करत रहे हँय। 6 एसे जब ऊँ सुनिन, कि लाजर बिमार हें, त जउने जघा माहीं रहे हँय, उहाँ दुइ दिना अउर रुकिगें। 7 एखे बाद यीसु अपने चेलन से कहिन, “आबा हम पंचे पुनि यहूदिया प्रदेस माहीं चली।” 8 तब चेला लोग यीसु से कहिन, “हे गुरू, कुछ दिना पहिलेन यहूदी लोग अपना काहीं पथरा मारँइ चाहत रहे हँय, तऊ अपना उहाँ जाँय चाहित हएन।” 9 यीसु उनहीं जबाब दिहिन, “काहे दिन माहीं बारा घन्टा नहीं होंय? अगर कोऊ दिन माहीं चलय, त ठोकर नहीं खाय, काहेकि उआ इआ संसार के उँजिआर काहीं देखत हय। 10 पय अगर कोऊ रात माहीं चलय, त ठोकर खात हय, काहेकि ओमा उँजिआर नहीं होय।” 11 ईं सगली बातन काहीं कहे के बाद, यीसु अपने चेलन से कहिन, कि “हमार साथी लाजर सोइगे हँय, पय हम उनहीं जगामँय जइत हएन।” 12 तब चेला उनसे कहिन, “हे प्रभू, अगर ऊँ सोइगे हँय, त बच जइहँय।” 13 यीसु त लाजर के मउत के बारे माहीं कहिन तय, पय चेला समझिन, कि ऊँ नींद माहीं सोय जाँइ के बारे माहीं कहिन हीं। 14 तब यीसु चेलन से साफ-साफ बताय दिहिन, कि लाजर मरिगे हें। 15 अउर हम तोंहरे कारन आनन्दित हएन, कि हम उहाँ नहीं रहेन आय, जउने तूँ पंचे हमरे ऊपर बिसुआस करा, पय अब आबा, हम पंचे उनखे लघे चली। 16 तब थोमा जउन दिदुमुस के नाम से घलाय जाने जात रहे हँय, अपने साथ माहीं रहँइ बाले दुसरे चेलन से कहिन, “आबा, हमहूँ पंचे उनखे साथ मरँइ के खातिर चली।”

मरेन म से जि उठँइ बाले अउर जीबन देंइ बाले यीसु आहीं

17 यीसु काहीं उहाँ आइके पता चला, कि लाजर काहीं कब्र माहीं धरे चार दिन होइ चुके हँय। 18 बैतनिय्याह गाँव यरूसलेम सहर से करीब तीन किलोमीटर के दूरी माहीं रहा हय। 19 अउर खुब यहूदी लोग मारथा अउर मरियम के लघे उनखे भाई के बारे माहीं सान्ति देंइ के खातिर आए रहे हँय। 20 एसे मारथा यीसु के आमँइ के खबर सुनिके, उनखे लघे मिलँइ के खातिर गईं, पय मरियम घरय माहीं बइठ रहि गईं। 21 अउर मारथा यीसु से कहिन, “हे प्रभू, अगर अपना इहाँ होइत, त हमार भाई कबहूँ न मरत। 22 अउर अबहिनव हम जानित हएन, कि अपना जउन कुछू परमातिमा से मागब, त ऊँ अपना काहीं देइहँय।” 23 यीसु उनसे कहिन, “तोंहार भाई जिन्दा होइ जई।” 24 तब मारथा उनसे कहिन, “हम जानित हएन, कि अन्तिम न्याय के दिन जब जउन मनई मरिगे हँय पुनि जिन्दा होंइ हँय, उहय समय उहव जिन्दा होइ जई।” 25 यीसु उनसे कहिन, “जउन मनई मरिगे हँय, उनहीं पुनि जिन्दा करँइ बाले, अउर जीबन देंइ बाले हमहिन आहेन, जे कोऊ हमरे ऊपर बिसुआस करत हय, अगर उआ मरिव जाय, तऊ जिन्दा होइ जई। 26 अउर जे कोऊ जिन्दा हय, अउर हमरे ऊपर बिसुआस करत हय, त उआ अनन्तकाल तक न मरी, का तूँ इआ बात के ऊपर बिसुआस करते हया?” 27 तब मारथा उनसे कहिन, “हाँ हे प्रभू, हम बिसुआस कइ चुके हएन, कि परमातिमा के लड़िका मसीह जउन संसार माहीं आमँइ बाले रहे हँय, ऊँ अपनय आहेन।”

यीसु रोइन

28 इआ कहिके ऊँ चली गईं, अउर अपने बहिनी मरियम काहीं चुप्पय से बोलाइके कहिन, “गुरू इहँय हें, अउर तोहईं बोलाबत हें।” 29 जब मरियम इआ सुनिन, त ऊँ हरबिन उठिके उनसे मिलँइ चल दिहिन। 30 (यीसु अबे गाँव माहीं नहीं पहुँचे रहे आँय, बलकिन उहय जघा माहीं रुके रहे हँय, जहाँ मारथा यीसु से मिली रही हँय।) 31 तब जउन यहूदी लोग उनखे साथ उनखे घर माहीं रहे हँय, अउर उनहीं सान्ति देत रहे हँय, इआ देखिके, कि मरियम हरबिन उठिके बहिरे चली गई हँय, त इआ समझिन कि ऊँ कब्र माहीं रोमँइ के खातिर जाती हईं, एसे उनखे पीछे-पीछे चल दिहिन। 32 जब मरियम उहाँ पहुँची जहाँ यीसु रहे हँय, तब उनहीं देखतय उनखे गोड़े माहीं गिरिके कहिन, “हे प्रभू, अगर अपना इहाँ होइत त हमार भाई कबहूँ न मरत।” 33 जब यीसु उनहीं अउर यहूदी लोगन काहीं जउन मरियम के साथ आए रहे हँय, रोबत देखिन, त आत्मा माहीं खुब उदास भें, अउर दुखी होइके कहिन, “तूँ पंचे लाजर के लहास काहीं कहाँ धरे हया?” 34 ऊँ पंचे उनसे कहिन, “हे प्रभू, अपना खुदय चलिके देख लेई।” 35 तब यीसु रोमँइ लागें। 36 तब यहूदी लोग कहँइ लागें, “देखा, ऊँ लाजर से केतना प्रेम करत रहे हँय।” 37 पय उनमा से कुछ जने कहिन, “का ईं जे आँधर के आँखी काहीं नीक किहिन तय, एतनव नहीं कइ सकें कि लाजर न मरत?”

लाजर काहीं जिन्दा करब

38 तब यीसु मन माहीं पुनि खुब उदास होइके कब्र के लघे गें, उआ एकठे गुफा रही हय, अउर एकठे पथरा दुअरा माहीं धरा रहा हय। 39 तब यीसु कहिन, “पथरा काहीं हटाबा”: तब उआ मरे मनई के बहिनी मारथा उनसे कहँइ लाग, “हे प्रभू, उनखर देंह त अब गंधाय लाग होई, काहेकि उनहीं मरे चार दिन होइगे हँय।” 40 तब यीसु उनसे कहिन, “का हम तोंहसे नहीं कहेन तय, कि अगर तूँ बिसुआस करिहा, त परमातिमा के महिमा काहीं देखिहा।” 41 एसे ऊँ पंचे उआ पथरा काहीं हटाइन, तब यीसु ऊपर कइती निहारिके कहिन, कि “हे पिता, हम अपना के धन्यबाद करित हएन, कि अपना हमार सुन लिहेन हय। 42 अउर हम जानित हएन, कि अपना हमार हमेसा सुनित हएन, पय जउन भीड़ के मनई हमरे आस-पास ठाढ़ हें, इनखे कारन हम इआ कहेन हय, जउने ईं पंचे बिसुआस करँइ, कि अपनय हमहीं पठएन

† *10:34 भज 82:1-6*

हँय।” 43 इआ कहिके, यीसु चन्डे से गोहराइन, कि “हे लाजर, बहिरे निकरि आबा।” 44 तबहिनय उआ जउन मरिगा रहा हय, हाँथे गोड़े माहीं कफन बाँधेन बाँधे निकरि आबा, अउर ओखे मुँहे माहीं घलाय कफन लपटा रहा हय, तब यीसु उनसे कहिन, “उनखर कफन छोरिके जाँइ द्या।”

यीसु के बिरोध माहीं खड़यन्त्र रचब

(मत्ती 26:1-5; मरकुस 14:1,2; लूका 22:1,2)

45 तब जउन यहूदी लोग मरियम के साथ आए रहे हँय, यीसु के इआ काम काहीं देखिके, उनमा से खुब जने यीसु के ऊपर बिसुआस किहिन। 46 पय उनमा से कुछ जने फरीसी लोगन के लघे जाइके, यीसु जउन काम किहिन रहा हय, ओखर खबर उनसे बताइन। 47 इआ सुनिके प्रधान याजक लोग, अउर फरीसी लोग महासभा के सदस्सन काहीं एकट्ठा कइके कहिन, “हमहीं पंचन काहीं का करँइ चाही? इआ मनई त खुब चमत्कार के काम देखाबत हय। 48 अगर हम पंचे ओही अइसय छोंड़ि देब, त हरेक मनई ओखे ऊपर बिसुआस करँइ लगिहँय, अउर रोमी लोग आइके हमरे मन्दिर अउर देस माहीं कब्जा कइ लेइहँय।” 49 तब उनमा से काइफा नाम के एकठे मनई, जउन उआ बरिस के महायाजक रहे हँय, उनसे कहिन, तूँ पंचे कुछू नहीं जनते आह्या। 50 अउर न इहय सोचते आह्या, कि तोंहरे खातिर इआ भलय होई, कि हमरे समाज के मनइन के खातिर एकठे मनई मरय, इआ नहीं, कि हमरे समाज के सगले मनई नास होंय। 51 इआ बात ऊँ अपने तरफ से नहीं कहिन तय, बलकिन उआ बरिस के महायाजक होंइ के कारन भबिस्यबानी किहिन, कि “यीसु यहूदी जाति के खातिर मरिहँय।” 52 अउर केबल यहूदी लोगन भर खातिर नहीं, बलकिन एखे खातिर घलाय कि परमातिमा के सन्तानन काहीं, जउन संसार माहीं तितर-बितर रहत हें उनहीं एक कइ देंय। 53 अउर ऊँ पंचे उहय दिना से यीसु काहीं मारि डारँइ के खातिर योजना बनामँइ लागें। 54 एसे यीसु उहय समय से यहूदी लोगन के बीच माहीं खुले आम नहीं गें; बलकिन यरूसलेम सहर से निकरिके सुनसान जघा के लघेन इफ्राईम नाम के सहर माहीं चलेगें; अउर अपने चेलन के साथ उहँय रहँइ लागें। 55 अउर यहूदी लोगन के फसह नाम के तेउहार अमइन बाला रहा हय, एसे खुब मनई अपने-अपने गाँमन से यरूसलेम सहर माहीं गें, जउने फसह तेउहार से पहिले अपने-आप काहीं पबित्र कइ लेंय। 56 अउर ऊँ पंचे यीसु काहीं ढूँढ़त रहे हँय। एसे मन्दिर माहीं ठाढ़ होइके आपस माहीं कहँइ लागें, “तूँ पंचे का समझते हया?” 57 का यीसु तेउहार माहीं न अइहँय? अउर प्रधान याजक लोग अउर फरीसी लोग घलाय, इआ हुकुम दए रहे हँय, कि “अगर कोऊ इआ जानत होय, कि यीसु कहाँ हें त बताबय, कि जउने उनहीं पकड़ लेंय।”

यीसु के गोड़ेन माहीं अँतर डारब

(मत्ती 26:6-13; मरकुस 14:3-9)

12 पुनि यीसु फसह नाम के तेउहार से छय दिना पहिले, बैतनिय्याह गाँव माहीं आएँ, जहाँ लाजर रहत रहे हँय: जिनहीं यीसु मरे म से जिआइन तय। 2 उहाँ ऊँ पंचे यीसु के खातिर खाना तइआर किहिन, अउर मारथा उनहीं खाना परसत रही हँय, अउर यीसु के साथ जेतने खाँइ बइठ रहे हँय उन माहीं लाजर घलाय रहे हँय। 3 तब मरियम, जटामाँसी से तइआर कीन आधा लीटर के करीब खुब महग सुध्द अँतर, यीसु के गोड़ेन माहीं डारिन, अउर अपने मूँड़े के बार से उनखर गोड़ पोंछिन, अउर अँतर के महक से सगला घर महकँइ लाग। 4 पय उनखे चेलन म से यहूदा इस्करियोती नाम के एकठे चेला, जउन यीसु काहीं पकड़ामँइ बाला रहा हय, उआ कहँइ लाग। 5 इआ अँतर तीन सव चाँदी के सिक्कन माहीं बेंचिके, कंगालन काहीं काहे नहीं दइ दीनगा? 6 उआ, इआ बात एसे नहीं कहिस रहा, कि ओही कंगालन के फिकर रही हय, बलकिन उआ एसे कहिस तय, काहेकि उआ चोर रहा हय, अउर ओखे लघे उनखे पइसा बाली थइली रहत रही हय, अउर ओमाहीं जउन पइसा डारा जात रहा हय, उआ निकार लेत रहा हय। 7 तब यीसु कहिन, “रहँय द्या, उनहीं परेसान न करा, ऊँ हमरे गाड़े जाँइ के तइआरी माहीं इआ सब किहिन हीं। 8 काहेकि कंगाल त तोंहरे लघे हमेसा रइहँय, पय हम हमेसा तोंहरे लघे न रहब।”

लाजर काहीं मारि डारँय के योजना

9 यहूदी जाति के साधारन मनई जानिगें, कि यीसु बैतनिय्याह गाँव माहीं हें, एसे ऊँ पंचे केबल यीसु भर के कारन नहीं, बलकिन एसे आएँ कि लाजर काहीं घलाय देखँइ, जिनहीं यीसु मरे म से जिआइन रहा हय। 10 एसे प्रधान याजक लोग लाजर काहीं घलाय मार डारँइ के योजना बनाइन। 11 काहेकि लाजर के कारन खुब यहूदी लोग, अपने धारमिक अँगुअन काहीं छोंड़िके यीसु के लघे चलेगें, अउर उनखे ऊपर बिसुआस करँइ लागें।

यीसु राजा कि नाईं यरूसलेम माहीं प्रबेस किहिन

(मत्ती 21:1-11; मरकुस 11:1-11; लूका 19:28-40)

12 दुसरे दिन खुब मनई जउन तेउहार माहीं आए रहे हँय, इआ सुनिके कि, यीसु यरूसलेम सहर माहीं आय रहे हँय। 13 एसे ऊँ पंचे खजूर के डेरइआ लइके यीसु से मिलँइ के खातिर चल दिहिन, अउर खुब चन्डे चिल्लाइके कहँइ लागें, “होसन्ना, धन्य हय इजराइल के राजा, जउन प्रभू के नाम से आबत हय।” 14 जब गइल माहीं यीसु काहीं एकठे गदहा के बच्चा मिला, तब यीसु ओखे ऊपर बइठिके चल दिहिन। 15 जइसन पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय,

“हे सिय्योन के बिटिअव, डेरा न, देखा, तोंहार राजा गदहा के बच्चा के ऊपर बइठिके चले आय रहे हँय।”

16 यीसु के चेला लोग पहिले ईं बातन काहीं नहीं समझे पाइन तय; पय जब यीसु के महिमा काहीं देखिन, तब उनहीं सुधि आई, कि “ईं बातँय यीसु के बारे माहीं पबित्र सास्त्र माहीं लिखी रही हँय”; अउर खुब मनई उनसे इआमेर के बरताव किहिन रहा हय। 17 तब सगले भीड़ के मनई जउन उआ समय माहीं, उनखे साथ माहीं रहे हँय, इआ गबाही दिहिन, कि “यीसु लाजर काहीं कब्र से गोहराइके, मरे म से जिन्दा किहिन तय।” 18 इहय कारन से खुब मनई यीसु से मिलँइ के खातिर आएँ रहे हँय, काहेकि ऊँ पंचे सुनिन तय, कि “यीसु इआ अचरज के काम देखाइन हीं।” 19 तब फरीसी लोग आपस माहीं कहिन, “सोचा तूँ पंचे कुछू नहीं कए पउते आह्या, देखा, खुब मनई उनखर चेला बन रहे हँय।”

यूनानी जाति के मनइन के यीसु काहीं ढूँढ़ब

20 जउन मनई उआ तेउहार माहीं भजन करँइ आए रहे हँय, उनमा से कुछ यूनानी जाति के मनई रहे हँय। 21 ऊँ पंचे गलील प्रदेस के बैतसैदा गाँव के रहँइ बाले फिलिप्पुस के लघे आइके, उनसे बिनती किहिन, कि “साहब, हम पंचे यीसु से मिलँइ चाहित हएन।” 22 अउर फिलिप्पुस आइके अन्द्रियास से कहिन; तब अन्द्रियास अउर फिलिप्पुस दोनव जने यीसु से कहिन। 23 इआ सुनिके यीसु उनसे कहिन, “मनई के लड़िका के महिमा होंइ के समय आइगा हय। 24 हम तोंहसे सही-सही कहित हएन, कि जब तक गोहूँ के दाना भुँइ माहीं गिरिके, मर नहीं जाय, तब तक उआ अकेले रहत हय, पय जब मर जात हय, तब अनगिनत दानन काहीं पइदा करत हय। 25 जे कोऊ अपने प्रान काहीं पियार जानत हय, उआ ओही गमाय देई; अउर जे कोऊ इआ संसार माहीं अपने प्रान काहीं पियार नहीं जानय; उआ अनन्त जीबन के खातिर ओखर रच्छा करत रही। 26 अगर कोऊ हमार सेबा करय, त हमरे पीछे-पीछे चलय; अउर जहाँ हम रहब, उहँय हमार सेबा करँइ बाला घलाय रही; अगर कोऊ हमार सेबा करी, त पिता ओखर आदर करिहँय।

क्रूस के मउत के इसारा

27 अब हमार जिव ब्याकुल होइ रहा हय। एसे अब हम का कही? हे पिता, हमहीं इआ दुख के घरी से बचाई? पय इहय दुख के घरी के खातिर त हम

आएन हँय। 28 हे पिता, अपने महिमा काहीं देखाई, कि अपना केतना महान
हएन: तबहिनय अकास से इआ बोल सुनान, कि 'हम उनखर महिमा किहेन
हय, अउर फेरव करब'।" 29 तब जउन मनई उहाँ ठाढ़ सुनत रहे हँय, ऊँ पंचे
कहिन, "बदरी गरजी हय", अउर कुछ जने कहिन, "कउनव स्वरगदूत उनसे
बात किहिन हीं।" 30 इआ सुनिके यीसु कहिन, "इआ अबाज हमरे खातिर
नहीं, बलकिन तोंहरे पंचन के खातिर आई हय। 31 अब इआ संसार के
मनइन के न्याय के समय आइगा हय, अब इआ संसार माहीं सासन करँइ
बाले सइतान काहीं, परमातिमा हराय देइहँय। 32 अउर हम अगर धरती से
ऊपर क्रूस माहीं चढ़ाए जाब, त सगले मनइन काहीं अपने लघे खींच लेब।"
33 यीसु इआ बतामँइ के खातिर अइसा कहिन तय, कि ऊँ कइसन मउत
मरिहँय। 34 इआ सुनिके खुब मनई उनसे कहिन, कि "हम पंचे पबित्र सास्त्र
के इआ बात सुनेन हय, कि मसीह हमेसा रइहँय, त पुनि अपना काहे कहित
हएन, कि मनई के लड़िका काहीं ऊपर क्रूस माहीं चढ़ाबा जाब जरूरी हय?
इआ मनई के लड़िका को आय?" 35 तब यीसु उनसे कहिन, "जोति अब
थोरी देर तक तोंहरे बीच माहीं रही, जब तक जोति तोंहरे साथ ही, तब तक
चले चला; अइसा न होय कि अँधिआर आइके तोंहईं पंचन काहीं आय घेरय;
जे कोऊ अँधिआर माहीं चलत हय, उआ नहीं जानय कि कउने कइती जात
हय। 36 जब तक जोति तोंहरे साथ ही, जोति के ऊपर बिसुआस करा, कि
जउने तूँ पंचे जोति के सन्तान बना।" ईं बातन काहीं कहिके यीसु उहाँ से
चलेगें, अउर ऊँ पंचे उनहीं नहीं देखे पाइन।

यहूदी लोगन के अबिसुआस माहीं बने रहब

37 अउर यीसु उनखे आँगे एतने चमत्कार देखाइन, तऊ ऊँ पंचे उनखे
ऊपर बिसुआस नहीं किहिन। 38 जउने परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले
यसायाह के बचन पूर होय, जउन ऊँ कहिन रहा हय, कि

"हे प्रभू, हमरे सँदेस के को बिसुआस मानिस ही? अउर प्रभू के सक्ती
काहीं को देखिस ही?"

39 इआ कारन से ऊँ पंचे बिसुआस नहीं कइ सकें, काहेकि यसायाह इहव
कहिन हीं। 40 कि

"परमातिमा उनखे आँखिन काहीं आँधर कइ दिहिन हीं, अउर उनखे मन
काहीं कठोर कइ दिहिन हीं; कहँव अइसा न होय, कि ऊँ पंचे आँखिन से
देखँय अउर मन से समझँय, अउर हमरे कइती फिरँय, अउर हम उनहीं चंगा
करी।"

41 यसायाह ईं बातन काहीं एसे कहिन हीं, कि ऊँ यीसु के महिमा काहीं
देखिन तय; अउर ऊँ उनखे बारे माहीं बातँय घलाय किहिन तय। 42 तऊ
यहूदी धारमिक अँगुअन म से घलाय खुब जने यीसु के ऊपर बिसुआस
किहिन, पय फरीसी लोगन के कारन खुले आम नहीं मानत रहे आँय, कहँव
अइसा न होय, कि ऊँ पंचे सभाघर से निकारे जाँय। 43 काहेकि उनहीं मनइन
के व्दारा दीन जाँय बाला सम्मान, परमातिमा के व्दारा दीन जाँय बाले
सम्मान से जादा पियार लागत रहा हय।

यीसु के बचन न्याय के खातिर अधार

44 एखे बाद यीसु खुब चन्डे कहिन, "जे कोऊ हमरे ऊपर बिसुआस करत
हय, उआ हमरे ऊपर नहीं, बलकिन हमहीं पठमँइ बाले के ऊपर बिसुआस
करत हय। 45 अउर जे कोऊ हमहीं देखत हय, उआ हमहीं पठमँइ बाले
काहीं देखत हय। 46 इआ संसार माहीं हम जोति बनिके आएन हँय, जउने जे
कोऊ हमरे ऊपर बिसुआस करय, त उआ अँधिआर माहीं न रहय। 47 अगर
कोऊ हमरे बातन काहीं सुनिके न मानी, त हम ओही दोसी नहीं ठहराई,
काहेकि हम संसार के मनइन काहीं दोसी ठहरामँइ के खातिर नहीं, बलकिन
संसार के मनइन काहीं मुक्ती देंइ के खातिर आएन हँय। 48 जे कोऊ हमहीं
तुच्छ जानत हय, अउर हमरे बातन काहीं सोइकार नहीं करय, त ओही दोसी
ठहरामँइ बाला एकयठे हय: अरथात जउन बचन हम कहेन हय, उहय ओही
अन्तिम दिन माहीं दोसी ठहराई। 49 काहेकि हम जउन बातँय कहेन हँय, ऊँ
अपने तरफ से नहीं, बलकिन पिता जे हमहीं पठइन हीं, उँइन इआ हुकुम
दिहिन हीं, कि हम का-का कही? अउर का-का बोली? 50 अउर हम जानित
हएन, कि उनखर हुकुमय अनन्त जीबन आय, एसे हम उहय बोलित हएन,
जइसा पिता हमसे कहिन हीं।"

यीसु अपने चेलन के गोड़ धोइन

13 फसह नाम के तेउहार से पहिलेन जब यीसु जान लिहिन, कि इआ
संसार काहीं छोंड़िके, पिता के लघे जाँइ के हमार समय आइगा हय,
त ऊँ अपने प्रेम करँइ बालेन से जउन संसार माहीं रहे हँय, उनसे जइसन प्रेम
करत रहे हँय, आखिरी समय तक उहयमेर प्रेम करत रहिगें। 2 जब यीसु
अउर उनखर चेला लोग साँझिके खाना खाँइ बइठ रहे हँय, उआ समय तक
सइतान समौन इस्करियोती के लड़िका, यहूदा इस्करियोती के मन माहीं
इआ बिचार डार चुका तय, कि उआ यीसु काहीं धोखे से पकड़ाबय। 3 यीसु
इआ जानिके, कि पिता परमातिमा सगली चीजन के ऊपर हमहीं अधिकार
दइ दिहिन हीं, अउर हम परमातिमा के लघे से आएन हँय, अउर उनहिन के
लघे जइत हएन। 4 एसे ऊँ खाना खाँइ से उठिके, अपने ऊपर बाले ओन्हा
उतार दिहिन, अउर अँगउछी लइके अपने करिहा माहीं बाँधिन। 5 अउर
बरतन माहीं पानी लइके, चेलन के गोड़ धोमँइ लागें, अउर उआ अँगउछी से
जउन करिहाँ माहीं बाँधे रहे हँय, ओहिन से पोंछँइ लागें। 6 जब यीसु समौन
अरथात पतरस के लघे आएँ: तब पतरस उनसे कहिन, "हे प्रभू, अपना
हमार गोड़ काहे धोइत हएन?" 7 तब यीसु उनसे कहिन, "जउन हम करित
हएन, तूँ अबे नहीं जनते आह्या, पय एखे बाद जनिहा।" 8 पतरस उनसे
कहिन, "अपना काहीं हम आपन गोड़ कबहूँ न धोमँइ देब": इआ सुनिके
यीसु उनसे कहिन, "अगर हम तोंहईं न धोउब, त हमरे साथ तोंहार कउनव
सम्बन्ध न रही।" 9 तब समौन पतरस उनसे कहिन, "हे प्रभू, अपना हमार
गोड़य भर नहीं, बलकिन मूँड़-हाँथ घलाय धोय देई।" 10 तब यीसु उनसे
कहिन, "जे नहाय चुका हय, ओही गोड़े के अलाबा अउर कुछू धोमँइ के
जरूरत नहिं आय; काहेकि उआ बेलकुल सुद्ध हय: अउर तूँ पंचे सुद्ध हया;
पय सबके सब नहीं।" 11 यीसु अपने पकड़ामँइ बाले काहीं जानत रहे हँय,
एहिन से ऊँ कहिन, कि "तूँ पंचे सबके सब सुद्ध नहिं आह्या।"

12 जब यीसु उनखर गोड़ धोय चुके, तब आपन ओन्हा पहिरिके पुनि
बइठिगें, अउर उनसे कहँइ लागें, "जउन हम तोंहरे साथ किहेन हय, का तूँ
पंचे ओही समझ गया हय? 13 तूँ पंचे हमहीं गुरू, अउर प्रभू कहते हया, त
ठीकय कहते हया, काहेकि हम उहय आहेन। 14 अगर हम गुरू अउर प्रभू
होइके, तोंहार पंचन के गोड़ धोए हएन; त तोंहऊँ पंचन काहीं एक दुसरे के
गोड़ धोमँइ चाही। 15 काहेकि हम तोंहईं नमूना देखाय दिहेन हय, कि जइसा
हम तोंहरे साथ किहेन हय, तुहूँ पंचे घलाय उहयमेर किहा करा। 16 हम
तोंहसे सही-सही कहित हएन, कि दास अपने मालिक से बड़ा नहीं होय;
अउर न पठबा, अपने पठमँइ बाले से। 17 तूँ पंचे त ईं बातन काहीं जनते
हया, अउर अगर तूँ पंचे इनहिन माहीं चला, त धन्य हया।

बिसुआस घात के बारे माहीं बताउब

(मत्ती 26:20-25; मरकुस 14:17-21; लूका 22:21-23)

18 हम तोंहरे सगलेन के बारे माहीं नहीं कही: जिनहीं हम चुनि लिहेन हय,
उनहीं हम जानित हएन: पय इआ एसे भ, कि जउने पबित्र सास्त्र के लिखा
इआ बचन पूर होय, कि 'जउन हमार रोटी खाइस, उहय हमरे ऊपर लात
उठाइस।' 19 अब हम ओखे पूर होंय से पहिलेन तोंहईं जताए देइत हएन, कि
जब उआ पूर होइ जाय, त तूँ पंचे बिसुआस करा, कि हम उहय आहेन।
20 हम तोंहसे सही-सही कहित हएन, जे कोऊ हमरे पठए मनइन काहीं
सोइकार करत हय, उआ हमहीं सोइकार करत हय, अउर जे कोऊ हमहीं
सोइकार करत हय, उआ हमहीं पठमँइ बाले काहीं सोइकार करत हय।"

21 ईं बातन काहीं कहे के बाद, यीसु आत्मा माहीं ब्याकुल होइगें, अउर
इआ बताइन, कि "हम तोंहसे सही-सही कहित हएन, कि तोंहरे पंचन म से

एक जने हमहीं बिरोधी लोगन के हाँथ म पकड़बाई।" 22 चेला लोग चिन्ता
माहीं परिगें, अउर एक दुसरे कइती निहारँइ लागें, काहेकि ऊँ पंचे नहीं जाने
पाइन तय, कि यीसु केखे बारे माहीं कहत हें। 23 सगले चेलन म से एकठे
अइसा चेला रहा हय, जउने से यीसु जादा प्रेम करत रहे हँय, उआ उनखे
छाती कइती झुका बइठ रहा हय। 24 तब समौन पतरस उहय चेला कइती
इसारा कइके कहिन, कि "यीसु से पूँछा, ऊँ केखे बारे माहीं आय कहत हें?"
25 तब ऊँ उहयमेर यीसु के छाती कइती झुके-झुके उनसे पूँछिन, "हे प्रभू,
उआ को आय?" तब यीसु उनसे कहिन, "जेही हम इआ रोटी के टुकड़ा
खोरबा माहीं बोरिके देब, उहय आय।" 26 अउर यीसु रोटी के टुकड़ा खोरबा
माहीं बोरिके समौन के लड़िका यहूदा इस्करियोती काहीं दिहिन। 27 अउर
रोटी के टुकड़ा लेतय सइतान ओही अपने काबू माहीं कइ लिहिस: तब यीसु
ओसे कहिन, "जउन तोंहईं करँइ काहीं हय, उआ हरबी करा।" 28 पय जेतने
उहाँ बइठ रहे हँय, उनमा से कोऊ नहीं जाने पाइन, कि यीसु इआ बात ओसे
काहे के खातिर कहिन हीं। 29 काहेकि यहूदा के लघे पइसा बाली थइली
रहत रही हय, एसे कुछ जने समझिन, कि यीसु ओसे इआ आय कहत हें,
कि जउन कुछू तेउहार के खातिर चाही, उआ खरीद लेय, इआ कि कंगालन
काहीं कुछ पइसा दइ देय। 30 एसे यहूदा इस्करियोती रोटी के टुकड़ा लिहिस,
अउर हरबिन बहिरे चला ग, उआ समय रात रही हय।

नबा हुकुम

31 यहूदा इस्करियोती के चले जाँय के बाद, यीसु कहिन, "अब मनई के
लड़िका के महिमा भय ही, अउर उनखे व्दारा परमातिमा के महिमा भय ही।
32 अगर उनखे व्दारा परमातिमा के महिमा भय ही, त परमातिमा अपने
व्दारा उनखर महिमा करिहँय, बलकिन हरबिन करिहँय। 33 हे लड़िकव, अब
हम थोरिन देर तक तोंहरे लघे रहब: एखे बाद तूँ पंचे हमहीं ढुँढ़िहा, अउर
जइसन हम यहूदी लोगन से कहेन तय, कि जहाँ हम जइत हएन, उहाँ तूँ पंचे
नहीं आय सकते आह्या, उहयमेर अब हम तोंहऊँ पंचन से कहित हएन।
34 हम तोंहईं एकठे नबा हुकुम देइत हएन, कि 'एक दुसरे से प्रेम करा:
जइसन हम तोंहसे प्रेम किहेन हय, उहयमेर तुहूँ पंचे एक दुसरे से प्रेम करा।'
35 अगर आपस माहीं प्रेम करिहा, त एहिन से सगले मनई जनिहँय, कि तूँ
पंचे हमार चेला आह्या।"

पतरस के इनकार के बारे माहीं यीसु के भबिस्सबानी

(मत्ती 26:31-35; मरकुस 14:27-31; लूका 22:31-34)

36 समौन पतरस उनसे कहिन, "हे प्रभू, अपना कहाँ जइत हएन?" तब
यीसु उनहीं जबाब दिहिन, कि "जहाँ हम जइत हएन, उहाँ तूँ अबे हमरे पीछे
नहीं आय सकते आह्या! पय हमरे जाँय के बाद तुहूँ हमरे पीछे अइहा।"
37 तब पतरस यीसु से कहिन, "हे प्रभू, अबे हम अपना के पीछे काहे नहीं
आय सकी? हम त अपना के खातिर जानव देंइ काहीं तइआर हएन।"
38 यीसु उनहीं जबाब दिहिन, "का तूँ हमरे खातिर आपन प्रान देइहा? हम
तोंहसे सही-सही कहित हएन, कि मुरगा के बोलँइ से पहिले तूँ तीन बेरकी
इनकार करिहा, कि हम यीसु काहीं नहीं जानी।"

यीसु परमातिमा के लघे पहुँचय के गइल आहीं

14 यीसु अपने चेलन से कहिन, "तोंहार मन ब्याकुल न होय, तूँ पंचे
परमातिमा के ऊपर बिसुआस करते हया, हमरेव ऊपर बिसुआस
करा। 2 हमरे पिता के घर माहीं रहँइ के खुब जघा ही, अगर न होत, त हम
तोंहसे बताय देइत, काहेकि हम तोंहरे पंचन के खातिर जघा तइआर करँइ
जइत हएन। 3 अउर अगर हम जाइके तोंहरे खातिर जघा तइआर करब, त
पुनि आइके तोंहईं पंचन काहीं अपने इहाँ लइ जाब, कि जहाँ हम रही उहँय
तुहूँ पंचे रहा। 4 अउर जहाँ हम जइत हएन, तूँ पंचे उहाँ के गइल जनते
हया।" 5 इआ सुनिके थोमा उनसे कहिन, "हे प्रभू, जब हम पंचे इआ नहीं
जानी, कि अपना कहाँ जइत हएन? त गइल कइसन जाने पाउब?" 6 तब
यीसु उनसे कहिन, "गइल, सत्य अउर जीबन हमहिन आहेन; हमरे ऊपर
बिसुआस किहे बिना, कोऊ पिता के लघे नहीं पहुँच सकय। 7 अगर तूँ पंचे
हमहीं जान लिहे होत्या, त हमरे पिता काहीं घलाय जन त्या, अउर अब तूँ
पंचे उनहीं जनतेव हया, अउर उनहीं देखिव लिहा हय।"

8 इआ सुनिके फिलिप्पुस उनसे कहिन, "हे प्रभू, अपना हमहीं पंचन काहीं
पिता क देखाय देई: इहय हमरे पंचन के खातिर काफी हय।" 9 तब यीसु
उनसे कहिन, "हे फिलिप्पुस, हम एतने दिना से तोंहरे पंचन के साथ हएन,
अउर का तूँ हमहीं नहीं जनते आह्या? जे कोऊ हमहीं देखिस ही, उआ पिता
काहीं देखिस ही, पुनि तूँ काहे कहते हया, कि हमहीं पिता काहीं देखाबा।
10 का तूँ बिसुआस नहीं मनते आह्या, कि हम पिता माहीं हएन, अउर पिता
हमरे भीतर हें? ईं बातँय जउन हम तोंहसे कहित हएन, अपने तरफ से नहीं
कही, पय पिता हमरे भीतर रहिके आपन काम करत हें। 11 हमरय बिसुआस
माना, कि हम पिता माहीं हएन; अउर पिता हमरे भीतर हें; नहीं त हम जेतने
कामन काहीं किहेन हँय, उनहिन के कारन हमार बिसुआस माना। 12 हम
तोंहसे पंचन से सही-सही कहित हएन, कि जे हमरे ऊपर बिसुआस करत
हय, ईं काम जउन हम करित हएन, उहव करी, बलकिन इनहूँ से बड़े काम
करी, काहेकि हम पिता के लघे जइत हएन। 13 अउर तूँ पंचे जउन कुछू हमरे
नाम से मगिहा, उहय हम करब, कि जउने लड़िका के व्दारा पिता के बड़ाई
होय। 14 अगर तूँ पंचे हमसे हमरे नाम से कुछू मगिहा, त हम ओही पूर
करब।"

पबित्र आत्मा देंइ के वादा

15 अउर यीसु पुनि कहिन, "अगर तूँ पंचे हमसे प्रेम करते हया, त हमरे
हुकुमन काहीं मनिहा। 16 अउर हम पिता से बिनती करब, अउर ऊँ तोंहईं
पंचन काहीं एकठे सहायक देइहँय, कि ऊँ सहायक हमेसा तोंहरे पंचन के
साथ रहँय। 17 अरथात सत्य के आत्मा, जिनहीं संसार के मनई सोइकार नहीं
कइ सकँय, काहेकि ऊँ पंचे न उनहीं देखिन आहीं, अउर न जनतय आहीं:
पय तूँ पंचे उनहीं जनते हया, काहेकि ऊँ सहायक तोंहरे साथ रहत हें, अउर
ऊँ हमेसा तोंहरे जीबन माहीं रइहँय।

18 हम तोंहईं पंचन काहीं अनाथ न छोंड़ब, हम तोंहरे लघे दुबारा अउब।
19 अउर कुछ देर बाद संसार के मनई हमहीं न देखिहँय, पय तूँ पंचे हमहीं
देखिहा, एसे कि हम जिन्दा हएन, अउर तुहूँ पंचे घलाय जिन्दा रइहा।
20 उआ दिना तूँ पंचे जनिहा, कि हम अपने पिता माहीं हएन, अउर तूँ पंचे
हम माहीं हया, अउर हम तोंहरे पंचन माहीं हएन। 21 उआ मनई जउन हमरे
हुकुमन काहीं जानत हय, अउर उनखर पालन करत हय, उहय हमसे प्रेम
करत हय, अउर जे कोऊ हमसे प्रेम करत हय, ओसे हमार पिता प्रेम करत
हें, अउर हमहूँ ओसे प्रेम करब, अउर अपने-आप काहीं ओखे ऊपर प्रगट
करब।" 22 इआ सुनिके ऊँ यहूदा जउन यहूदा इस्करियोती न होंहीं उनसे
कहिन, "हे प्रभू, अइसा का भ, कि अपना अपने-आप काहीं हमरे पंचन के
ऊपर प्रगट करँइ चाहित हएन, अउर संसार के मनइन के ऊपर नहीं?"
23 तब यीसु उनहीं जबाब दिहिन, "अगर कोऊ हमसे प्रेम करी, त उआ हमरे
बचन के पालन करी, अउर हमार पिता ओसे प्रेम करिहँय, अउर हम ओखे
लघे अउब, अउर ओखे साथ हमेसा रहब। 24 जे हमसे प्रेम नहीं करय, त
उआ हमरे बचन काहीं नहीं मानय, पय जउन बचन तूँ पंचे सुनते हया, उआ
हमार न होय, बलकिन हमहीं पठमँइ बाले पिता के आय। 25 ईं बातन काहीं
हम उआ समय कहेन तय, जब तोंहरे साथ माहीं रहेन हय। 26 पय ऊँ
सहायक अरथात पबित्र आत्मा, जिनहीं पिता हमरे नाम से पठइहँय, ऊँ
तोंहईं पंचन काहीं सगली बातन काहीं सिखइ हँय, अउर जउन कुछू हम
तोंहसे कहेन हय, उआ सगला ऊँ तोंहईं सुध देबइहँय। 27 हम तोंहईं पंचन
काहीं सान्ति दए जइत हएन, अउर आपन सान्ति तोंहईं पंचन काहीं देइत
हएन; जइसन संसार के सगले मनई देत हें, हम तोंहईं उआमेर से नहीं देइत
आहेन: तूँ पंचे अपने मन माहीं न घबरा अउर न डेरा। 28 तूँ पंचे हमहीं इआ
कहत सुने हया, कि हम जइत हएन, अउर तोंहरे लघे पुनि अउब: अगर तूँ

पंचे हमसे प्रेम कर त्या, त हमरे इआ बात से आनन्दित होत्या, कि हम पिता के लघे जइत हएन, काहेकि पिता हमसे बड़े हें। 29 अउर हम अब ईं बातन के होंय से पहिलेन तोंहईं पंचन काहीं बताय दिहेन हँय, कि जब ई बातँय पूर होइ जाँय, त तूँ पंचे बिसुआस करा। 30 अउर अब हम तोंहसे जादा समय तक बात न करब, काहेकि इआ संसार माहीं सासन करँइ बाला सइतान आमँइ बाला हय, अउर ओखर हमरे ऊपर कउनव अधिकार नहिं आय। 31 पय इआ एसे होइ रहा हय, कि संसार के सगले मनई जान लेंय, कि हम पिता से प्रेम करित हएन, अउर जउनमेर पिता हमहीं हुकुम दिहिन हीं, हम उहयमेर करित हएन: उठा, इहाँ से हम पंचे चली।"

यीसु सच्ची दाखलता आहीं

15 यीसु कहिन, "सच्ची दाखलता हमहिन आहेन; अउर हमार पिता किसान आहीं। 2 हमरे हरेक उन डेरइअन काहीं, जउने माहीं फर नहीं लागँय, ऊँ काटि डारत हें, अउर हरेक उन डेरइअन काहीं जउन फरती हईं, ऊँ छाँटत हें, जउने उनमा अउर जादा फर लागँय। 3 तूँ पंचे त उआ बचन के कारन जउन हम तोंहसे कहेन तय, ओखे ऊपर बिसुआस किहे के कारन सुद्ध हया। 4 तूँ पंचे हमसे जुड़े रहा, अउर हम तोंहसे : जउनमेर डेरइआ अगर दाखलता माहीं जुड़ी न रहय, त अपने-आप से नहीं फर सकय, उहयमेर तुहूँ पंचे घलाय अगर हमसे जुड़े न रइहा, त फर नहीं सकते आह्या। 5 हम दाखलता आहेन: तूँ पंचे डेरइआ आह्या; जे कोऊ हमसे जुड़ा रहत हय, अउर हम ओसे, त ओमाहीं खुब फर लागत हें, काहेकि तूँ पंचे हमसे अलग होइके कुछू नहीं कइ सकते आह्या। 6 अगर कोऊ हमसे जुड़ा न रही, त उआ टूट डेरइआ कि नाईं फेंक दीन जात हय, अउर झुराय जात हय, अउर मनई उनहीं समेटिके आगी माहीं डार देत हें, अउर उँइ जरि जाती हईं। 7 अगर तूँ पंचे हमसे जुड़े रहा, अउर हमार बातँय तोंहरे जीबन माहीं बनी रहँय, त जउन कुछू तूँ पंचे चहते हया त मागा, उआ तोंहईं पंचन काहीं मिल जई। 8 हमरे पिता परमातिमा के बड़ाई एहिन माहीं होत ही, कि तूँ पंचे खुब फर लइ आबा, तबहिनय तूँ पंचे हमार सच्चे चेला कहइहा। 9 जइसन पिता परमातिमा हमसे प्रेम किहिन हीं, उहयमेर हमहूँ तोंहसे प्रेम किहेन हय, हमरे प्रेम माहीं बने रहा। 10 अगर तूँ पंचे हमरे हुकुमन काहीं पालन करिहा, त हमरे प्रेम माहीं बने रइहा: जइसा कि हम अपने पिता परमातिमा के हुकुमन काहीं पालन किहेन हय, अउर उनखे प्रेम माहीं बने रहित हएन। 11 हम ईं बातँय तोंहसे एसे कहेन हय, कि हमार आनन्द तोंहरे जीबन माहीं बना रहय, अउर तोंहार पंचन के आनन्द पूर होइ जाय।

12 हमार हुकुम इआ हय, कि जउनमेर हम तोंहसे प्रेम किहेन हय, उहयमेर तुहूँ पंचे आपस माहीं एक दुसरे से प्रेम करा। 13 अगर कोऊ अपने साथिन के खातिर आपन प्रान देय, त ओसे बढ़िके कोहू के प्रेम नहिं आय। 14 जउन हुकुम हम तोंहईं पंचन काहीं देइत हएन, अगर उनखर पालन करा, त तूँ पंचे हमार साथी आह्या। 15 आज से हम तोंहईं दास न कहब, काहेकि दास नहीं जानय कि, ओखर मालिक का करत हय: पय हम तोंहईं साथी कहित हएन, काहेकि जउने बातन काहीं हम अपने पिता परमातिमा से सुनेन हय, ऊँ सगली बातँय तोंहईं पंचन काहीं बताय दिहेन हय। 16 तूँ पंचे हमहीं नहीं चुने आह्या, बलकिन हम तोंहईं पंचन काहीं चुने हएन, अउर नियुक्त किहे हएन, जउने तूँ पंचे जाइके फर लइ आबा; अउर तोंहार फर बना रहय, कि तूँ पंचे जउन कुछू हमरे नाम से पिता परमातिमा से मागा, त ऊँ तोंहईं पंचन काहीं देंय। 17 ईं बातन के हुकुम हम तोंहईं एसे देइत हएन, कि तूँ पंचे एक दुसरे से प्रेम करा।

संसार के इरखा

18 अगर संसार के मनई तोंहसे दुसमनी करत हें, त तूँ पंचे इआ जानिल्या, कि ऊँ पंचे पहिले हमहूँ से दुसमनी किहिन हीं। 19 अगर तूँ पंचे संसार के मनइन कि नाईं होत्या, त संसार के मनई अपने कि नाईं मनइन से प्रेम करत हें, पय तूँ पंचे संसार के मनइन कि नाईं नहिं आह्या, काहेकि हम तोंहईं संसार के मनइन म से चुनि लिहेन हँय, एहिन से संसार के मनई तोंहसे दुसमनी करत हें। 20 जउन बात हम तोंहसे कहेन तय, त ओही सुधि कए रह्या: कि दास अपने मालिक से बड़ा नहीं होय, अगर ऊँ पंचे हमहीं सताइन हीं, त तोंहऊँ पंचन काहीं सतइहँय; अगर ऊँ पंचे हमार बात मानिन हीं, त तोंहरव बात मनि हँय। 21 पय इआ सब कुछ ऊँ पंचे हमार चेला होंइ के कारन तोंहरे साथ करिहँय, काहेकि ऊँ पंचे हमहीं पठमँइ बाले काहीं नहीं जानँय। 22 अगर हम न अइत, अउर उनसे बातँय न करित, त ऊँ पंचे पापी न ठहरतें, पय अब अपने पाप के खातिर उनखे लघे कउनव बहाना नहिं आय। 23 जे हमसे दुसमनी रक्खत हय, उआ हमरे पिता परमातिमा से दुसमनी रक्खत हय। 24 अगर हम उनखे बीच माहीं ऊँ चमत्कार के काम न करित, जउन हमरे अलाबा कबहूँ कोऊ नहीं किहिस, त ऊँ पंचे पापी न ठहरतें, पय अब ऊँ पंचे हमरे चमत्कार के काम काहीं देख चुके हँय, अउर ऊँ पंचे हमसे अउर हमरे पिता परमातिमा, दोनव जनेन से दुसमनी करत हें। 25 अउर इआ एसे भ, कि उआ बचन पूर होय, जउन उनखे पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, कि 'ऊँ पंचे बेकार माहीं हमसे दुसमनी किहिन †।' 26 पय जब उआ सहायक अई, जउने काहीं हम तोंहरे पंचन के लघे पठउब, अरथात सत्य के आत्मा जउन पिता परमातिमा के तरफ से आबत हय, उहय हमार गबाही देई। 27 अउर तुहूँ पंचे घलाय हमार गबाह हया, काहेकि तूँ पंचे हमरे सेबा के सुरुआतय से हमरे साथ रहे हया।"

16 यीसु पुनि कहिन, "ईं बातन काहीं हम तोंहसे एसे कहेन हय, कि तूँ पंचे बिसुआस से भटक न जा। 2 काहेकि ऊँ पंचे, तोंहईं अपने सभाघरन से बहिरे निकार देइहँय, अउर उआ समय आय रहा हय, कि जे कोऊ तोंहईं पंचन काहीं मारि डारी, उआ इआ समझी, कि हम परमातिमा के सेबा करित हएन। 3 ऊँ पंचे अइसन एसे करिहँय, कि ऊँ पंचे न त पिता परमातिमा काहीं जानत आहीं, अउर न हमहिन काहीं जानत आहीं। 4 पय हम तोंहसे ईं बातन काहीं एसे कहेन हय, कि जब उनखर होंय के समय आबय, तब तोंहईं सुध रहय, कि हम उनखे बारे माहीं तोंहसे पहिलेन बताय दिहेन तय, अउर हम सुरुआत माहीं तोंहसे, ईं बातन काहीं नहीं बतायन तय, काहेकि हम तोंहरे साथ माहीं रहे हएन। 5 अब हम अपने पठमँइ बाले के लघे जइत हएन, अउर तोंहरे पंचन म से कोऊ हमसे नहीं पूँछय, कि अपना कहाँ जइत हएन? 6 काहेकि हम तोंहईं ईं बातन काहीं बताय दिहेन हँय, एसे तूँ पंचे खुब दुखी होइ गया हय।

पबित्र आत्मा के काम

7 तऊ हम तोंहसे सही कहित हएन, कि हमार जाब तोंहरे खातिर निकहा हय, काहेकि अगर हम न जाब, त उआ सहायक तोंहरे लघे न अई, पय अगर हम जाब, त ओही तोंहरे पंचन के लघे पठय देब। 8 अउर उआ आइके पाप अउर धारमिकता अउर न्याय के बारे माहीं बताई, अउर संसार के मनई कउनव जबाब न दए पइहँय। 9 पाप †† के बारे माहीं उआ उनहीं समझाई, काहेकि ऊँ पंचे हमरे ऊपर बिसुआस नहीं करँय। 10 अउर धारमिकता के बारे माहीं हम समझाउब, काहेकि हम पिता परमातिमा के लघे जइत हएन, अउर तूँ पंचे हमहीं पुनि न देखिहा। 11 अउर परमातिमा मनई के न्याय कइसा करिहँय, एहू के बारे माहीं घलाय हम समझाउब, काहेकि परमातिमा संसार माहीं सासन करँइ बाले सइतान ‡ के घलाय न्याय कइ चुके हँय।

12 हमहीं तोंहसे खुब बातन काहीं बतामँइ क हय, पय अबे तूँ पंचे उनहीं समझे न पइहा। 13 पय जब सत्य के आत्मा अई, त तोंहईं सत्य के गइल बताई, काहेकि उआ अपने तरफ से कुछू न कही, पय जउन कुछू सुनी, उहय बताई, अउर आमँइ बाली बातन काहीं तोंहईं पंचन काहीं बताई। 14 उआ हमार बड़ाई करी, काहेकि उआ हमरे बातन म से लइके तोंहईं पंचन काहीं बताई। 15 काहेकि जउन कुछू पिता परमातिमा के हय, उआ सगला

---

† *15:25 भज 35:19; 69:4* †† *16:9 यूह 8:24* ‡ *16:11 यूह 12:31; इब्रा 2:14*

हमार आय; एसे हम कहेन हय, कि उआ सहायक हमरे बातन म से लइके तोहईं पंचन काहीं बताई।"

दुख-सुख माहीं बदल जई

16 एखे बाद यीसु उनसे पुनि कहिन, "थोरी देर माहीं तूँ पंचे हमहीं न
देखिहा, अउर थोरी देर माहीं पुनि हमहीं देखिहा।" 17 तब उनखे चेलन म से
कुछ जने आपस माहीं कहँइ लागें, "इआ का आय, जउन यीसु हमसे कहत
हें, थोरी देर माहीं तूँ पंचे हमहीं न देखिहा, अउर थोरी देर माहीं पुनि हमहीं
देखिहा? एसे कि हम पिता परमातिमा के लघे जइत हएन?" 18 अउर ऊँ पंचे
पुनि कहँइ लागें, "इआ 'थोरी देर बाद का आय?' जेखे बारे माहीं यीसु
बताय रहे हँय, अउर हम पंचे नहीं समझे पाई, कि ऊँ का आय कहत हें।"
19 यीसु इआ जानिके, कि ऊँ पंचे हमसे कुछू पूछँइ चाहत हें, एसे उनसे
कहिन, "का तूँ पंचे आपस माहीं इआ बात के बारे माहीं पुँछते हया, कि
'थोरी देर माहीं तूँ पंचे हमहीं न देखिहा, अउर थोरी देर माहीं पुनि हमहीं
देखिहा'। 20 हम तोंहसे सही-सही कहित हएन, कि 'तूँ पंचे रोइहा अउर
बिलाप करिहा', पय संसार के सगले मनई आनन्द मनइहँय, तूँ पंचे सोक
करिहा, पय तोंहार पंचन के सोक आनन्द माहीं बदल जई। 21 जइसन
कउनव मेहेरिआ के जब बच्चा पइदा होंय लागत हय, त ओखे खुब पीरा
होत ही, काहेकि ओखे पीरा के समय आय पहुँचा हय, पय जब उआ बच्चा
पइदा कइ चुकत ही, त इआ खुसी के मारे कि संसार माहीं एकठे मनई
पइदा भ हय, उआ पीरा काहीं पुनि सुधि नहीं करय। 22 अउर तोंहऊँ पंचन
काहीं अबे त उहयमेर सोक हय, पय जब हम तोंहसे पुनि मिलब, त तूँ पंचे
खुब आनन्दित होइहा; अउर तोंहरे आनन्द काहीं कोऊ छड़ाय नहिं सकय।
23 उआ दिना तूँ पंचे हमसे कुछू न पुँछिहा, हम तोंहसे सही-सही कहित
हएन, 'अगर तूँ पंचे पिता परमातिमा से जउन कुछू हमरे नाम से मगिहा, त
ऊँ तोंहईं पंचन काहीं जरूर देइहँय।' 24 काहेकि तूँ पंचे अबे तक हमरे नाम
से कुछू नहीं मागे आह्या; मगिहा त जरूर पइहा, जउने तोंहार आनन्द पूर
होइ जाय।

संसार के ऊपर जीत

25 हम ईं बातन काहीं उदाहरन दइके तोंहसे बतायन हय, पय उआ समय
आय रहा हय, कि हम तोंहसे उदाहरन दइके पुनि न कहब, बलकिन पिता
परमातिमा के बारे माहीं खुलिके बताउब। 26 उआ दिना तूँ पंचे हमरे नाम से
मगिहा, अउर हम तोंहसे इआ न कहब, कि हम तोंहरे खातिर पिता
परमातिमा से बिनती करब। 27 काहेकि पिता परमातिमा त खुदय तोंहसे प्रेम
करत हें, एसे कि तूँ पंचे हमसे प्रेम करते हया, अउर इहव बिसुआस करते
हया, कि हम पिता परमातिमा के तरफ से आएन हँय। 28 हम पिता
परमातिमा से निकरिके संसार माहीं आएन हँय, पुनि संसार काहीं छोंड़िके
पिता परमातिमा के लघे जइत हएन।"
29 उनखर चेला लोग कहिन, "देखी, अब त अपना खुलिके कहित हएन,
अउर कउनव उदाहरन दइके नहीं कही। 30 अब हम पंचे जान लिहेन हय, कि
अपना सगली बातन काहीं जानित हएन, अउर अपना काहीं एखर जरूरत
नहिं आय, कि कोऊ अपना से पूँछय, एसे हम पंचे बिसुआस करित हएन,
कि अपना परमातिमा से निकरिके आएन हँय।" 31 इआ सुनिके यीसु उनसे
कहिन, "'का तोंहईं पंचन काहीं अबय बिसुआस भ हय?' 32 देखा, उआ
समय आबत हय बलकिन आइन ग हय, कि तूँ पंचे सगले जने तितर-बितर
होइके आपन-आपन गइल पकड़ लेइहा, अउर हमहीं अकेले छोंड़ि देइहा,
तऊ हम अकेले न रहब, काहेकि पिता परमातिमा हमरे साथ हें। 33 ईं बातन
काहीं तोंहसे हम एसे कहेन हय, कि हमरे व्दारा तोंहईं सान्ती मिलय; संसार
माहीं तोंहईं दुख मिलत हय, पय ढाढ़स बाँधा, हम संसार काहीं जीत लिहेन
हय।"

महायाजक के रूप माहीं यीसु के प्राथना खुद के खातिर

17 यीसु ईं बातन काहीं कहे के बाद, अकास कइती निहारिके कहिन,
"हे पिता परमातिमा अपना के चुना समय आइगा हय, अब अपना
मनइन काहीं देखाय देई, कि अपना के लड़िका केतना महान हय, जउने
हमहूँ मनइन काहीं देखाय देई, कि अपना केतना महान हएन। 2 काहेकि
अपना उनहीं सगले जाति के मनइन के ऊपर अधिकार दिहेन हँय, कि
जिनहीं अपना उनहीं चुनिके दिहेन हँय, ऊँ सगलेन काहीं अनन्त जीबन देंय।
3 अउर अनन्त जीबन इआ आय, कि ऊँ पंचे अपना काहीं जउन एकलउते
परमातिमा आहेन, अउर यीसु मसीह काहीं जिनहीं अपना पठयन हँय,
जानँय। 4 जउन काम अपना हमहीं करँइ के खातिर दिहेन रहा हय, उनहीं
पूर कइके, हम धरती के ऊपर मनइन काहीं देखाय दिहेन हय, कि अपना
केतना महान हएन। 5 अउर अब, हे पिता परमातिमा, संसार के रचना होंइ
से पहिले, जब हम अपना के साथ रहेन हय, तब हमहीं केतना सम्मान
मिलत रहा हय, अब जब हम अपना के साथ रहब उहय सम्मान हमहीं पुनि
देई।

अपने चेलन के खातिर प्राथना

6 संसार के मनइन म से जउने मनइन काहीं अपना हमहीं दिहेन हय, हम
उनहीं अपना के बारे माहीं बताय दिहेन हय: ऊँ पंचे अपना के साथ रहे हँय,
पय अपना उनहीं हमहीं दिहेन हय, अउर ऊँ पंचे अपना के बचन काहीं
अपनाय लिहिन हीं। 7 अब ऊँ पंचे जानिगें हँय, कि जउन कुछू अपना हमहीं
दिहेन हय, उआ सगला अपनय के तरफ से आय। 8 काहेकि जउन सँदेस
अपना हमहीं दिहेन तय, हम उनहीं उआ सँदेस बताय दिहेन हय, अउर ऊँ
पंचे अपना के सँदेस के बातन काहीं अपनाय लिहिन हीं, अउर इआ सच्चाई
जान लिहिन हीं, कि हम अपना के तरफ से आएन हय, अउर इआ
बिसुआस मान लिहिन हीं, कि अपनय हमहीं पठयन हय। 9 इआ समय हम
केबल उनखे खातिर प्राथना करित हएन, संसार के मनइन के खातिर नहीं,
पय केबल उनहिन के खातिर प्राथना करित हएन, जिनहीं अपना हमहीं
दिहेन हय, काहेकि ऊँ पंचे अपनय के आहीं। 10 अउर उआ सगला जउन
हमार आय, उआ सगला अपनय के आय; अउर जउन अपना के आय, उआ
सगला हमार आय, अउर हम उनहिन के व्दारा मान-सम्मान पाइत हएन।
11 हम अउर जादा समय तक संसार माहीं न रहब, पय ईं पंचे संसार माहीं
रइहँय, अउर हम अब अपना के लघे आय रहेन हय; हे पिता परमातिमा,
जउन अपना पबित्र हएन, उआ नाम के सक्ती से उनखर रच्छा करी, जिनहीं
अपना हमहीं दिहेन हय, अउर जइसन हम अउर अपना एक हएन, उहयमेर
ऊँ पंचे एक होइ सकँय। 12 जब हम उनखे साथ माहीं रहेन हय, त हम
अपना के नाम के सक्ती से, जउन अपना हमहीं दिहेन हय, उनखर रच्छा
किहेन हय, अउर उनमा से कोऊ नास नहीं भें, सिबाय ओखे जउने काहीं
नास होंइ के खातिर ठहराबा ग रहा हय, इआ एसे भ कि जउने पबित्र सास्त्र
माहीं लिखी बात पूर होय। 13 पय अब हम अपना के लघे अइत हएन, अउर
ईं बातन काहीं हम संसार माहीं रहत समय कहि रहेन हय, कि ऊँ पंचे अपने
हिरदँय माहीं हमार पूर आनन्द पाय सकँय। 14 हम अपना के बचन काहीं
उनहीं बताय दिहेन हय, अउर ऊँ पंचे अपना के बचन काहीं अपनाय लिहिन
हीं, एसे संसार के मनई उनसे दुसमनी करत हें, काहेकि जइसन हम इआ
संसार के न होंहेन, उहयमेर ऊँ पंचे इआ संसार के न होहीं। 15 हम अपना से
इआ प्राथना नहीं करी, कि अपना उनहीं संसार से उठाय लेई, पय इआ, कि
अपना दुस्ट सइतान से उनखर रच्छा करी। 16 जइसन हम इआ संसार के न
होंहेन, उहयमेर ऊँ पंचे इआ संसार के न होहीं। 17 अपना के बचन सत्य हय;
एसे सत्य के व्दारा अपना उनहीं सेबा के खातिर तइआर करी। 18 जइसन
अपना हमहीं संसार माहीं पठयन हय, उहयमेर हमहूँ उनहीं संसार माहीं
पठइत हएन। 19 अउर हम अपने-आप काहीं अपना के सेबा माहीं समरपित

करित हएन, जउने ऊँ पंचे, सत्य के व्दारा अपने-आप काहीं अपना के सेबा माहीं समरपित करँय।

सगले बिसुआसी लोगन के खातिर प्राथना

20 हम केबल इनहिन भर के खातिर प्राथना नहीं करी, बलकिन उनहूँ के
खातिर घलाय करित हएन, जे इनखे बचन काहीं सुनिके, हमरे ऊपर
बिसुआस करिहँय, जउने ऊँ पंचे सगले जन एक होंय। 21 हे पिता
परमातिमा, जइसन अपना हमरे साथ हएन, अउर हम अपना के साथ हएन,
उहयमेर ऊँ पंचे घलाय हमरे साथ होंय, एसे कि जउने संसार के सगले मनई
बिसुआस करँय, कि अपनय हमहीं पठयन हय। 22 अउर उआ महिमा जउन
अपना हमहीं दिहेन हय, उहयमेर से हम उनहूँ पंचन काहीं महिमा दिहेन हय,
कि जइसन हम अपना एक हएन, उहयमेर ऊँ पंचे एक होंय। 23 हम उनमा
अउर अपना हमरे साथ एक होइके रही, कि ऊँ पंचे पूरी तरह से एक होइ
जाँय, जउने संसार के सगले मनई जानँय, कि अपनय हमहीं पठयन हय,
अपना जइसन हमसे प्रेम करित हएन, उहयमेर उनहूँ से प्रेम करित हएन।
24 हे पिता परमातिमा, हम चाहित हएन, कि जिनहीं अपना हमहीं दिहेन
हय, जहाँ हम रहब, उहाँ ऊँ पंचे हमरे साथ रहँय, कि जउने ऊँ पंचे हमरे
उआ महिमा काहीं देखँय, जउन अपना हमहीं दिहेन हय, काहेकि अपना
संसार काहीं बनामँइ से पहिले हमसे प्रेम किहेन हय। 25 हे पिता परमातिमा,
अपना धरमी हएन, संसार के मनई अपना काहीं नहीं जानँय, पय हम अपना
काहीं जानित हएन, अउर हमार चेला लोग जानिगें हँय, कि अपनय हमहीं
पठएन हय। 26 अउर हम अपना के बारे माहीं इनहीं पंचन काहीं बतायन
हय, अउर बताबत रहब, कि जउन प्रेम अपना काहीं हमसे रहा हय, उहय
प्रेम उन माहीं रहय, अउर हम उन माहीं रही।"

यीसु काहीं पकड़ाबा जाब

(मत्ती 26:47-56; मरकुस 14:43-50; लूका 22:47-53)

18 यीसु ईं बातँय कहिके अपने चेलन के साथ किद्रोन नाम के नाला के
दुसरे पार गें, उहाँ एकठे बगिया रही हय, जउने माहीं यीसु अउर
उनखर चेला लोग चलेगें। 2 अउर उनहीं पकड़बामँइ बाला यहूदा घलाय उआ
जघा काहीं जानत रहा हय, काहेकि यीसु अपने चेलन के साथ उहाँ जा
करत रहे हँय। 3 एसे यहूदा इस्करियोती रोमी सिपाहिन के एकठे दल, अउर
प्रधान याजकन के पठए मनइन, अउर मन्दिर के पहरेदारन के साथ जलत
मसालँय, अउर दियन अउर हँथिआरन काहीं लए उहाँ पहुँचा। 4 तब यीसु ऊँ
सगली बातन काहीं जानिके, जउन उनखे ऊपर आमँइ बाली रही हँय, बहिरे
निकरें, अउर उनसे कहँइ लागें, "तूँ पंचे केही ढुँढ़ते हया?" 5 ऊँ पंचे उनहीं
जबाब दिहिन, "नासरत गाँव के यीसु काहीं।" तब यीसु उनसे कहिन,
"हमहिंन आहेन" अउर उनहीं पकड़बामँइ बाला यहूदा घलाय उनखे साथय
ठाढ़ रहा हय। 6 जब यीसु इआ कहिन कि, "हमहिंन आहेन" तबहिनय ऊँ
पंचे पीछे पछिलके भुँइ माहीं गिर परें। 7 तब यीसु पुनि उनसे पूँछिन, "तूँ पंचे
केही ढुँढ़ते हया।" ऊँ पंचे कहिन, "नासरत गाँव के यीसु काहीं।" 8 तब यीसु
उनहीं जबाब दिहिन, "हम त तोंहसे कहि चुकेन हँय, कि 'हमहिंन आहेन',
अगर हमहीं ढुँढ़ते हया, त इनहीं जाँय द्या।" 9 इआ एसे भ, कि उआ बचन
पूर होय, जउन यीसु कहिन तय, कि "जिनहीं अपना हमहीं दिहेन हँय,
उनमा से हम एक्कव जनेन काहीं नहीं गमाँयन।" 10 समौन पतरस के लघे
जउन तलबार रही हय, ओही निकारिके महायाजक के दास के ऊपर
चलाइके, ओखर दहिना कान काट दिहिन, उआ सेबक के नाम मलखुस रहा
हय। 11 तब यीसु पतरस से कहिन, "आपन तलबार म्यान माहीं रक्खा!
जउन दुख-मुसीबत उठामँइ के खातिर परमपिता हमहीं पठइन हीं, का हम
ओही न सही?"

हन्ना के आँगे यीसु

12 तब रोमी सिपाही लोग, अउर उनखर सुबेदार, अउर यहूदी लोगन के
मन्दिर माहीं पहरा देंइ बाले, यीसु काहीं पकड़िके बाँध लिहिन। 13 अउर
उनहीं बाँधिके सबसे पहिले उआ बरिस के महायाजक काइफा के ससुर हन्ना
के लघे लइगें। 14 ईं उँइन काइफा आहीं, जउन यहूदी धारमिक अँगुअन
काहीं सलाह दिहिन रहा हय, कि "हमरे समाज के मनइन के खातिर एकठे
मनई के मरब निकहा हय।"

पतरस के इनकार

(मत्ती 26:69-70; मरकुस 14:66-68; लूका 22:55-57)

15 समौन पतरस अउर एकठे दूसर चेला घलाय, यीसु के पीछे-पीछे चल
दिहिन: ईं चेला महायाजक के जान-पहिचान के रहे हँय, अउर ऊँ यीसु के
साथय महायाजक के अँगना माहीं चलेगें। 16 पय पतरस दुअरा के लघे ठाढ़
होइगें, कुछ देर बाद महायाजक के जान-पहिचान बाले चेला बहिरे आएँ,
अउर पहरेदारिन से कहिके पतरस काहीं भीतर अँगना माहीं लइ आएँ।
17 उआ दासी जउन पहरेदारिन रही हय, पतरस से कहिस, "का तुहूँ यीसु के
चेलन म से आह्या?" पतरस कहिन, "हम उनखर चेला न होंहेन।"
18 काहेकि जाड़ खुब रहा हय, एसे दास अउर मन्दिर माहीं पहरा देंइ बाले
आगी जलाइके उहाँ ठाढ़ होइके तापत रहे हँय, अउर पतरस घलाय उनखे
साथय ठाढ़े आगी तापत रहे हँय।

महायाजक के व्दारा यीसु से पूँछ-ताँछ

(मत्ती 26:59-66; मरकुस 14:55-64; लूका 22:66-71)

19 तब महायाजक, यीसु से उनखे चेलन के बारे माहीं, अउर उनखे उपदेस
के बारे माहीं पूँछिन। 20 यीसु उनहीं जबाब दिहिन, कि "हम हमेसा मनइन
के बीच माहीं हरेक मनइन से खुलिके बात किहेन हँय, अउर हमेसा हम
सभाघरन माहीं अउर मन्दिर माहीं जहाँ सगले यहूदी लोग एकट्ठा होत हें,
उपदेस दिहेन हय। अउर हम कबहूँ छिपाइके कउनव बात नहीं कहेन आय।
21 फेरव तूँ हमसे इआ 'बात काहे पुँछते हया?' हमरे बात काहीं सुनँय बालेन
से पूँछा, कि 'हम उनसे का कहेन हय?' देखा, ऊँ पंचे जानत हें; कि हम
उनसे का-का कहेन हय?" 22 जब यीसु इआ बात कहिन, तब मन्दिर के
पहरा देंइ बालेन म से एक जने, जउन उनखे लघे ठाढ़ रहा हय, यीसु काहीं
थापड़ मारिके कहिस, "का तूँ महायाजक काहीं इआमेर से जबाब देते
हया।" 23 यीसु ओही जबाब दिहिन, "अगर हम बुरा कहेन हय, त उआ
बुराई के बारे माहीं बताबा; पय अगर हम नीक कहेन हय, त हमहीं काहे
मरते हया?" 24 हन्ना यीसु काहीं बाँधेन बाँधे काइफा महायाजक के लघे
पठय दिहिन।

पतरस के पुनि इनकार करब

(मत्ती 26:71-75; मरकुस 14:69-72; लूका 22:58-62)

25 जब समौन पतरस ठाढ़े आगी तापत रहे हँय, तब आगी तापँय बाले
पूँछिन, "का तुहूँ यीसु के चेलन म से आह्या?" पतरस पुनि इनकार कइके
उनसे कहिन, "हम न होंहेन।" 26 महायाजक के दासन म से जेखर पतरस
कान काट डारिन तय, उहाँ ओखे परिबार के एक जने रहा हय, त उआ
पतरस से कहिस, "का हम तोंहईं यीसु के साथय बगिया माहीं नहीं देखेन
तय?" 27 पतरस एक बेरकी पुनि इनकार कइ दिहिन, अउर हरबिन मुरगा
बोलिस।

पिलातुस के आँगे यीसु

(मत्ती 27:1-2,11-14; मरकुस 15:1-5; लूका 23:1-5)

28 अउर ऊँ पंचे यीसु काहीं काइफा महायाजक के लघे से राजपाल के
किला माहीं लइगें, उआ समय भिनसार रहा हय, पय ऊँ पंचे किला के भीतर

नहीं गें, जउने अपबित्र न होंय, पय फसह तेउहार के खाना खाय सकँय।
29 तब राजपाल पिलातुस उनखे लघे बहिरे निकरि आएँ, अउर कहिन, “तूँ
पंचे इआ मनई के ऊपर कउने बात के अरोप लगउते हया?” 30 ऊँ पंचे
उनहीं जबाब दिहिन, कि “अगर ईं अपराधी न होतें, त हम पंचे इनहीं अपना
के हाँथे माहीं न सउँपित।” 31 राजपाल पिलातुस उनसे कहिन, “तुहिन पंचे
इनहीं लइ जाइके, अपने बिधान के नेम के मुताबिक न्याय करा।” तब यहूदी
समाज के मनई उनसे कहिन, “हमहीं पंचन काहीं कोहू काहीं मउत के सजा
देंइ के अधिकार नहिं आय।” 32 इआ एसे भ, कि यीसु के कही उआ बात
पूर होय, जउने काहीं ऊँ इआ बतामँइ के खातिर कहिन तय, कि हमार मउत
† कइसन होई।

33 तब राजपाल पिलातुस पुनि किला के भीतर गें, अउर यीसु काहीं
बोलाइके उनसे पूँछिन, “का तूँ यहूदी लोगन के राजा आह्या?” 34 तब यीसु
जबाब दिहिन, “का तूँ इआ बात अपने कइती से कहते हया, इआ कि हमरे
बारे माहीं दूसर कोऊ तोंहईं बताइन हीं?” 35 तब राजपाल पिलातुस उनहीं
जबाब दिहिन, “का हमहूँ यहूदी आहेन? तोंहरेन जाति बाले अउर प्रधान
याजक लोग, तोंहईं हमरे हाँथ माहीं सँउपिन हीं, ‘तूँ बताबा का किहा
हय’?” 36 यीसु उनहीं जबाब दिहिन, कि “हमार राज इआ संसार के न होय,
अगर हमार राज इआ संसार के होत, त हमार सगले सेबक लड़तें, अउर हम
यहूदी लोगन के हाँथ माहीं न सँउपे जइत: पय अब हमार राज इहाँ के न
होय।” 37 तब पिलातुस उनसे कहिन, “का तूँ राजा आह्या?” तब यीसु
उनहीं जबाब दिहिन, कि “तुहिन हमहीं कहते हया, कि ‘हम राजा आहेन’;
हम एसे जनम लिहेन हँय, अउर इआ संसार माहीं एसे आएन हँय, कि सत्य
के बारे माहीं गबाही देई, अउर हरेक उआ मनई जउन सत्य के पच्छ माहीं
हय, उआ हमरे बचन काहीं सुनत हय।” 38 तब पिलातुस उनसे कहिन,
“सत्य का आय?” अउर इआ कहिके ऊँ पुनि यहूदी लोगन के लघे चलेगें,
अउर उनसे कहिन, “हम त उनखे ऊपर कउनव दोस नहीं पाई।”

39 पय तोंहार पंचन के इआ रीत ही, कि हम फसह नाम के तेउहार माहीं
तोंहरे खातिर एकठे कइदी काहीं छोंड़ देई, त का तूँ पंचे चहते हया, कि हम
तोंहरे खातिर यहूदी लोगन के राजा काहीं छोंड़ि देई? 40 तब ऊँ पंचे पुनि
चिल्लाइके कहिन, “इनहीं नहीं, बलकिन हमरे खातिर बरअब्बा काहीं छोंड़ि
देई;” अउर बरअब्बा डाँकू रहा हय।

मउत के सजा के हुकुम

(मत्ती 27:15-31; मरकुस 15:6-20; लूका 23:13-25)

19 इआ सुनिके राजपाल पिलातुस यीसु काहीं चाबुक मरबाइन।
2 अउर सिपाही लोग काँटन काहीं गुँथिके मुकुट बनाइके, यीसु के
मूँड़े माहीं धरिन, अउर उनहीं बैगनी रंग के ओन्हा पहिराइन। 3 अउर उनखे
लघे आय-आइके कहँइ लागें, “हे यहूदी लोगन के राजा नबस्कार!” अउर
थापड़ मारँइ लागें। 4 तब राजपाल पिलातुस बहिरे निकरिके उनसे कहिन,
“देखा, हम उनहीं पुनि तोंहरे लघे बहिरे लए अइत हएन; जउने तूँ पंचे
जानिल्या, कि हम उनखे ऊपर कउनव दोस नहीं पाएन।” 5 तब यीसु काँटन
के मुकुट अउर बैगनी रंग के ओन्हा पहिरे बहिरे निकरें, अउर राजपाल
पिलातुस कहिन, “देखा, ईंन आहीं ऊँ मनई।” 6 जब प्रधान याजक लोग,
अउर मन्दिर माहीं पहरा देंइ बाले सिपाही उनहीं देखिन, त चिल्लाइके कहँइ
लागें, कि “ओही क्रूस माहीं चढ़ाबा, क्रूस माहीं”: तब राजपाल पिलातुस
उनसे कहिन, “तुहिन पंचे उनहीं लइ जाइके क्रूस माहीं चढ़ाबा; काहेकि हम
उनखे ऊपर कउनव दोस नहीं पाई।” 7 तब यहूदी लोग उनहीं जबाब दिहिन,
कि “हमरेव पंचन के बिधान हय, अउर उआ बिधान के मुताबिक ऊँ मारि
डारँइ के काबिल हें, काहेकि ऊँ अपने-आप काहीं परमातिमा के लड़िका
बनाबत हें।” 8 जब राजपाल पिलातुस इआ बात काहीं सुनिन, त अउर
जादा डेराइगें। 9 अउर पुनि किला के भीतर गें, अउर यीसु से कहिन, “तूँ
कहाँ से आया हय?” पय यीसु उनहीं कउनव जबाब नहीं दिहिन। 10 तब
पुनि पिलातुस उनसे कहिन, “तूँ हमसे काहे नहीं बोलते आह्या?” काहे तूँ
नहीं जनते आह्या, कि “हमहीं तोंहईं छोंड़ि देंइ के अधिकार हय, अउर तोंहईं
क्रूस माहीं चढ़ामँइ के घलाय अधिकार हय।” 11 तब यीसु उनहीं जबाब
दिहिन, कि “अगर तोंहईं परमपिता के तरफ से अधिकार न दीन जात, त
तोंहार हमरे ऊपर कुछू अधिकार न होत; एसे जे हमहीं तोंहरे हाँथ माहीं
पकड़ाइस ही, ओखर पाप जादा हय।”

12 इआ सुनिके राजपाल पिलातुस यीसु काहीं छोंड़ देंइ के उपाय ढूँढ़ँइ
लागें, पय यहूदी लोग चिल्लाय-चिल्लाइके कहिन, “अगर तूँ उनहीं छोंड़ि
देहा, त तूँ राजा कैसर के साथी न कहइहा; अउर जे कोऊ अपने-आप काहीं
राजा बनाबत हय, उआ राजा कैसर के बिरोधी आय।” 13 ईं बातन काहीं
सुनिके पिलातुस यीसु काहीं बहिरे, उआ जघा माहीं लइगें, जउन “पथरा के
चबूतरा” कहाबत रहा हय, जउने काहीं इब्रानी भाँसा माहीं गब्बता कहत रहे
हँय, अउर उहाँ राजपाल पिलातुस न्याय के सिंहासन माहीं बइठिगें।
14 (काहेकि उआ दिना फसह नाम के तेउहार के तइआरी करँइ बाला दिन
रहा हय, अउर दुपहर के करीब बारा बजे रहे हँय।) तब ऊँ यहूदी लोगन से
कहिन, “देखा, ईंन आहीं तोंहार राजा!” 15 पय ऊँ पंचे चिल्लाने कि “लइ
जा! लइ जा! ओही क्रूस माहीं चढ़ाबा।” तब राजपाल पिलातुस उनसे
कहिन, “का हम तोंहरे राजा काहीं क्रूस माही चढ़ाई?” तब प्रधान याजक
लोग उनहीं जबाब दिहिन, कि “राजा कैसर काहीं छोंड़िके, हमार कोऊ दूसर
राजा न होय।” 16 तब पिलातुस यीसु काहीं उनखे हाँथ माहीं सँउप दिहिन,
जउने ऊँ क्रूस माहीं चढ़ाए जाँय।

क्रूस माहीं चढ़ाबा जाब

(मत्ती 27:32-44; मरकुस 15:21-32; लूका 23:26-43)

17 तब ऊँ पंचे यीसु काहीं लइगें, अउर यीसु आपन क्रूस उठाए यरूसलेम
सहर से बहिरे उआ जघा तक गें, जउन “खोपड़ी के जघा” कहाबत रही
हय, अउर ओही इब्रानी भाँसा माहीं “गुलगुता” कहत रहे हँय। 18 उहाँ ऊँ
पंचे यीसु के साथ दुइठे अउर मनइन काहीं, क्रूस माहीं चढ़ाइन, एकठे काहीं
दहिने कइती, अउर दुसरे काहीं बाएँ कइती, अउर बीच म यीसु काहीं।
19 अउर राजपाल पिलातुस एकठे अरोप-पत्र लिखिके, क्रूस माहीं लगाय
दिहिन, अउर ओमाहीं इआ लिखा रहा हय, “यीसु नासरी यहूदी लोगन के
राजा।” 20 उआ दोस पत्र काहीं खुब यहूदी लोग पढ़िन, काहेकि जहाँ यीसु
क्रूस माहीं चढ़ाए गे रहे हँय, उआ जघा सहर के लघेन रही हय, अउर उआ
पत्र इब्रानी, लतीनी अउर यूनानी भाँसा माहीं लिखा रहा हय। 21 तब यहूदी
लोगन के प्रधान याजक लोग, राजपाल पिलातुस से कहिन, “उआ पत्र माहीं
यहूदी लोगन के राजा न लिखा।” पय इआ लिखा “जउन यीसु कहिन हीं,
कि हम यहूदी लोगन के राजा आहेन।” 22 तब पिलातुस उनहीं जबाब
दिहिन, “जउन हम लिख दिहेन, त लिख दिहेन, ओही बदल नहीं सकी।”

23 जब सिपाही यीसु काहीं क्रूस माहीं चढ़ाय चुके, तब यीसु के जेतने
ओन्हा रहे हँय, उनहीं लइके चार हिस्सन माहीं बाँट दिहिन, हरेक सिपाही के
खातिर एक हिस्सा, अउर ऊँ उनखे कुरथा काहीं घलाय लिहिन, पय कुरथा
बिना सिए ऊपर से नीचे तक बिना रहा हय: एसे ऊँ पंचे आपस माहीं
कहिन, “हम पंचे एही न फारी, बलकिन इआ केही मिली, एखे खातिर
परची डारी।” 24 इआ एसे भ, कि जउने पबित्र सास्त्र माहीं लिखी बात पूर
होय, कि

“ऊँ पंचे हमरे ओन्हन काहीं आपस माहीं बाँट लिहिन, अउर हमरे ओन्हा
के खातिर परची †† डारिन।”

अउर सगले सिपाही अइसनय किहिन।

25 पय यीसु के क्रूस के लघे उनखर महतारी, अउर उनखे महतारी के
बहिनी मरियम, जउन क्लोपास के मेहेरिआ आहीं, अउर मगदल गाँव के
मरियम ठाढ़ रही हँय। 26 तब यीसु अपने महतारी अउर उआ चेला काहीं
जेसे ऊँ जादा प्रेम करत रहे हँय, लघे ठाढ़ देखिके, अपने महतारी से कहिन;

† *18:32 लूका 18:32,33*

†† *19:24 भज 22:18*

“हे अम्मा, देखा, ईं तोंहार लड़िका आहीं।” 27 पुनि यीसु अपने ऊँ चेला से
कहिन, “ईं तोंहार महतारी आहीं”, अउर उहय समय ऊँ चेला उनखर देख-
भाल करँइ के खातिर उनहीं अपने घरय लइगें।

यीसु के मउत

(मत्ती 27:45-56; मरकुस 15:33-41; लूका 23:44-49)

28 एखे बाद यीसु इआ जानिके कि अब सब कुछ पूर होइ चुका हय; एसे
कि पबित्र सास्त्र माहीं लिखी बात पूर होय, कहिन, “हम पिआसे हएन।”
29 उहाँ सिरका से भरा एकठे बरतन धरा रहा हय, एसे ऊँ पंचे एकठे सोक्खा
काहीं, सिरका माहीं बुड़ाइके, जूफा नाम के बिरबा के लकड़ी माहीं धइके,
उनखे मुँहे माहीं लगाइन। 30 जब यीसु उआ सिरका पीन, तब कहिन, “पूर
होइगा।” अउर ऊँ आपन मूँड़ नीचे काहीं झुकाइके, प्रान छोंड़ दिहिन।

भाला से छेदा जाब

31 अउर एसे कि उआ फसह नाम के तेउहार के तइआरी के दिन रहा हय,
पबित्र दिन काहीं उनखर लहासँय क्रूस माहीं न लटकी रहँय, काहेकि पबित्र
दिन खुब महत्वपूर्न रहा हय। एखे खातिर यहूदी लोग पिलातुस से बिनती
किहिन, कि ऊँ हुकुम देंय, कि उनखर टागँय, टोर दीन जाँय, अउर उनखे
लहासन काहीं उहाँ से हटाय दीन जाय। 32 तब कुछ सिपाही आइके पहिल
मनई के टागँय टोरिन, एखे बाद दुसरे मनई के टोरिन, जउन यीसु के साथ
क्रूस माहीं चढ़ाए गे रहे हँय। 33 पय जब ऊँ सिपाही यीसु के लघे आइके
देखिन, कि ऊँ मर चुके हँय, त उनखर टागँय नहीं टोरिन। 34 पय उन
सिपाहिन म से एक जने भाला से उनखे पँजरे माहीं छेदिस, त हरबिन उनखे
खून अउर पानी निकरा। 35 जउन मनई इआ देखिस रहा हय, उहय इआ
गबाही दिहिस ही, अउर ओखर गबाही सच्ची हय; अउर उआ जानत हय,
कि हम इआ बेलकुल सही कहित हएन, जउने तुहूँ पंचे बिसुआस करा। 36 ईं
बातँय एसे भईं, कि पबित्र सास्त्र माहीं लिखी बात पूर होय, कि “उनखर
कउनव हड्डी न टोरी जई।” 37 पबित्र सास्त्र म एकठे अउर जघा माहीं इआ
लिखा हय, कि “जिनहीं ऊँ पंचे भाला से छेदिन हीं, ऊँ पंचे उनहिन काहीं
देखिहँय †।”

यीसु काहीं गाड़ा जाब

(मत्ती 27:57-61; मरकुस 15:42-47; लूका 23:50-56)

38 एखे बाद अरमतिया गाँव के रहँइ बाले यूसुफ, जउन यीसु के ऊपर
बिसुआस करत रहे हँय, (पय यहूदी धारमिक अँगुअन के डेरन के मारे इआ
बात काहीं बताबत नहीं रहें, कि ऊँ यीसु के ऊपर बिसुआस करत हें) ऊँ
पिलातुस से बिनती किहिन, कि “हम यीसु के लहास काहीं लइ जाँइ चाहित
हएन”, तब पिलातुस उनखे बिनती काहीं सुनिके, कहिन “लइ जा”, अउर
ऊँ आइके उनखे लहास काहीं लइगें। 39 अउर नीकुदेमुस घलाय जउन पहिले
यीसु के लघे रात माहीं गे रहे हँय, गन्धरस अउर एलबा नाम के महकँइ बाली
दोनव चीजन काहीं मिलाइके, तीस किलो के करीब लइ आएँ। 40 तब ऊँ पंचे
यीसु के लहास काहीं लइके यहूदी लोगन के गाड़ँइ के बिधी के मुताबिक,
यीसु के लहास माहीं महकँइ बाली चीजन काहीं कफन के साथ लपेटिन।
41 उआ जघा माहीं जहाँ यीसु क्रूस माहीं चढ़ाए गे रहे हँय, उहाँ एकठे
बगइचा रहा हय, अउर उहय बगइचा माहीं, एकठे नई कब्र रही हय, जउने
माहीं अबे तक कोहू काहीं नहीं धरा ग तय। 42 एसे यहूदी लोगन के पबित्र
दिन के तइआरी करँइ के दिन होंइ के कारन, ऊँ पंचे यीसु के लहास काहीं
उहय कब्र माहीं धरिन, काहेकि उआ कब्र लघे रही हय।

† *19:37 दरसनन 1:7*

यीसु के कब्र खाली

(मत्ती 28:1-10; मरकुस 16:1-8; लूका 24:1-12)

20 हप्ता के पहिलय दिन अइतबार काहीं, मगदल गाँव के मरियम,
भिनसरहय जब अँधिआर रहा हय, कब्र के लघे आईं, अउर पथरा
काहीं कब्र से ढनगा देखिन। 2 तब ऊँ दउड़त आइके समौन पतरस अउर ऊँ
दुसरे चेला के लघे, जेसे यीसु जादा प्रेम रक्खत रहे हँय कहिन, “ऊँ पंचे
यीसु के लहास काहीं कब्र से निकारिके लइगे हँय; हम पंचे नहीं जानी, कि
उनहीं कहाँ धरिन हीं।” 3 तब पतरस अउर ऊँ दूसर चेला उहाँ से निकरिके
कब्र कइती चल दिहिन। 4 अउर दोनव जने एक साथय दउड़त रहे हँय, पय
दुसरकबा चेला पतरस से आँगे बढ़िके, कब्र माहीं पहिले पहुँचिगा। 5 अउर
उआ निहुरिके नीचे देखिस, कि उहाँ कफन के ओन्हा परे हँय, पय उआ
भीतर नहीं ग। 6 तब समौन पतरस उनखे पीछे-पीछे पहुँचे, अउर कब्र के
भीतर गें, अउर कफन के ओन्हा परे देखिन। 7 अउर उआ अँगउछा जउन
उनखे मूँड़े माहीं बाँधा रहा हय, ओन्हन के साथ नहीं, पय अलग से एकठे
जघा माहीं गुरमेटा धरा देखिन। 8 तब दूसर चेला घलाय जउन कब्र माहीं
पहिले पहुँच ग रहा हय, उआ भीतर ग, अउर देखिके बिसुआस किहिस।
9 ऊँ पंचे अबय तक पबित्र सास्त्र माहीं लिखे, इआ बचन काहीं नहीं समझे
पाइन तय, कि “ऊँ मरेन म से जरूर जिन्दा होइ जइहँय।” 10 तब ऊँ दोनव
चेला अपने घर लउटिगें।

मगदल गाँव के मरियम काहीं यीसु देखाई दिहिन

(मत्ती 28:9,10; मरकुस 16:9-11)

11 पय मरियम रोबत कब्र के लघे बहिरे ठाढ़ रही हँय, अउर रोउतय-रोबत
कब्र के भीतर कइती निहुरिके देखिन, 12 त दुइठे स्वरगदूतन काहीं चमचमात
उजर ओन्हा पहिरे, जहाँ यीसु के लहास धरी रही हय, उहाँ एकठे काहीं मूँड़े
कइती, अउर दुसरे काहीं गोड़े कइती बइठ देखिन। 13 तब ऊँ पंचे मरियम से
कहिन, “हे बहिनी, तूँ काहे रोउते हया?” तब मरियम उनसे कहिन, “ऊँ पंचे
हमरे प्रभू काहीं उठाय लइगे हँय, अउर हम नहीं जानित आहेन, कि उनहीं
कहाँ धरिन हीं।” 14 इआ बात कहिके मरियम पीछे कइती मुँड़िके देखिन,
तब यीसु काहीं उहाँ ठाढ़ देखिन, अउर इआ नहीं जाने पाइन, कि ऊँ यीसु
आहीं। 15 तब यीसु उनसे कहिन, “हे बहिनी, तूँ काहे रोउते हया? केही ढुँढ़ते
हया?” ऊँ उनहीं माली समझिके उनसे कहिन, “हे महाराज, अगर अपना
उनहीं उठाय लइ गएन हय, त हमहीं बताय देई, कि उनहीं कहाँ धरे हएन, त
हम उनहीं लइ जाब।” 16 तब यीसु उनसे कहिन, “मरियम!” तब ऊँ पीछे
मुड़िके, उनसे इब्रानी भाँसा माहीं कहिन, “रब्बूनी” जेखर मतलब हय “हे
गुरू।” 17 तब यीसु उनसे कहिन, “अबे हमहीं न छुआ, काहेकि हम अबय
तक अपने पिता परमातिमा के लघे ऊपर नहीं गएन आय, बलकिन हमरे
भाइन के लघे जाइके उनसे कहि दिहा, कि हम अपने पिता अउर तोंहरे
पिता, अउर अपने परमातिमा अउर तोंहरे परमातिमा के लघे ऊपर जइत
हएन।” 18 तब मगदल गाँव के मरियम जाइके चेलन से बताइन, कि “हम
प्रभू काहीं देखे हएन, अउर ऊँ, हमहीं ईं बातन काहीं बताइन हीं।”

चेलन काहीं यीसु देखाई दिहिन

(मत्ती 28:16-20; मरकुस 16:14-18; लूका 24:36-49)

19 उहय दिना हप्ता के पहिल दिन अइतबार रहा हय, साँझिके चेला लोग
यहूदी धारमिक अँगुअन के डेरन के मारे केमरा बंद कइके एकठ्ठा बइठ रहे
हँय, तब यीसु आएँ, अउर उनखे बीच माहीं ठाढ़ होइके कहिन, “तोंहईं पंचन
काहीं सान्ती मिलय।” 20 अउर इआ कहे के बाद यीसु आपन हाँथ अउर
पाँजर उनहीं देखाइन: तब चेला लोग, प्रभू काहीं देखिके आनन्दित भें।
21 अउर यीसु पुनि उनसे कहिन, “‘तोंहईं पंचन काहीं सान्ती मिलय।’
जइसन पिता परमातिमा हमहीं पठइन हीं, उहयमेर हमहूँ तोंहईं पठइत
हएन।” 22 इआ कहे के बाद यीसु उनखे ऊपर फूँकिन अउर उनसे कहिन,

"'पबित्र आत्मा ल्या'। 23 जउने मनइन के पापन काहीं तूँ पंचे माफ करिहा,
उनखर पाप माफ कीन जइहँय, अउर जिनखे पापन काहीं तूँ पंचे माफ न
करिहा, उनखर पाप माफ न कीन जइहँय।"

थोमा काहीं यीसु देखाई दिहिन

24 पय बरहँव चेलन म से एक जने, जिनखर नाम थोमा रहा हय, जउन
दिदुमुस के नाम से घलाय जाने जात रहे हँय, जब यीसु चेलन के लघे आएँ
तय, तब ऊँ नहीं रहे आँय। 25 जब चेला लोग उनसे कहँइ लागें, कि "हम
पंचे प्रभू काहीं देखे हएन": तब थोमा उनसे कहिन, "जब तक हम उनखे
हाँथेन माहीं खीलन के छेंदन काहीं न देख लेब, अउर उनमा आपन अँगुरी न
डार लेब, अउर पाँजर माहीं आपन हाँथ न डार लेब, तब तक हम बिसुआस
न मानब।" 26 आठ दिना के बाद यीसु के चेला लोग, पुनि घर के भीतर रहे
हँय, अउर थोमा घलाय उनखे साथ माहीं रहे हँय, अउर दुअरा के केमरा बंद
रहे हँय, तब यीसु आएँ, अउर बीच माहीं ठाढ़ होइके कहिन, "तोंहईं पंचन
काहीं सान्ति मिलय।" 27 अउर यीसु थोमा से कहिन, "आपन अँगुरी हमरे
हाँथे के छेंदन माहीं डारा, अउर आपन हाँथ हमरे पाँजर माहीं डारा, अउर
संका करब छोंड़िके, बिसुआसी बना।" 28 इआ सुनिके थोमा उनहीं जबाब
दिहिन, "हे हमार प्रभू, हे हमार परमातिमा!" 29 तब यीसु उनसे कहिन, "तूँ
त हमहीं देखिके हमरे ऊपर बिसुआस किहा हय, पय धन्य हें, ऊँ पंचे जउन
हमहीं बिना देखे बिसुआस करत हें।"

इआ किताब के उद्देस

30 अउर यीसु अपने चेलन के आँगे अउरव खुब चमत्कार देखाइन तय,
जउन इआ किताब माहीं नहीं लिखे गे आँय। 31 पय ईं चमत्कार एसे लिखे गे
हँय, कि तूँ पंचे बिसुआस करा, कि यीसुअय परमातिमा के लड़िका मसीह
आहीं: अउर यीसु के ऊपर बिसुआस कइके, उनखे नाम से अनन्त जीबन
पाबा।

तिबिरियास झील के किनारे चेलन काहीं यीसु देखाई दिहिन

21 एखे बाद यीसु तिबिरियास नाम के झील के किनारे अपने-आप
काहीं चेलन के आँगे प्रगट किहिन, अउर इआमेर से प्रगट किहिन।
2 जब समौन पतरस अउर थोमा जउन दिदुमुस नाम से घलाय जाने जात रहे
हँय, अउर गलील प्रदेस के काना गाँव के नतनएल अउर जब्दी के लड़िका,
अउर उनखे चेलन म से दुइ जने अउर एकट्ठा रहे हँय। 3 समौन पतरस उनसे
कहिन, "हम मछरी पकड़ँइ जइत हएन": तब ऊँ पंचे उनसे कहिन, "हमहूँ
पंचे तोंहरे साथ चलब": तब ऊँ पंचे उहाँ से निकरिके नाव माहीं चढ़िके गें,
पय उआ रात माहीं एक्कवठे मछरी नहीं पकड़े पाइन।
4 भिनसार होतय यीसु झील के किनारे आइके ठाढ़ भें; तऊ चेला लोग
नहीं जाने पाइन, कि ऊँ यीसु आहीं। 5 तब यीसु उनसे कहिन, "हे लड़िकव,
का तोंहरे लघे कुछू खाँय क हय?" ऊँ पंचे जबाब दिहिन, "कुछू नहिं
आय।" 6 तब यीसु उनसे कहिन, "नाव के दहिने कइती जाल डारा, त मछरी
पइहा", तब ऊँ पंचे दहिने कइती जाल डारिन, अउर एतनी मछरी जाल
माहीं आय गईं, कि ऊँ पंचे जाल काहीं खींच नहीं पाबत रहे आँय। 7 एसे ऊँ
चेला जिनसे यीसु जादा प्रेम करत रहे हँय, पतरस से कहिन, "ईं त प्रभू
आहीं।" तब समौन पतरस इआ सुनिके, कि ऊँ प्रभू आहीं, करिहा माहीं
अँगउछी काहीं बाँध लिहिन, काहेकि ऊँ निपरदा रहे हँय, अउर झील माहीं
कूद परें। 8 पय अउर चेला लोग नाव माहीं चढ़े मछरिन से भरी जाल काहीं
खींचत-खींचत आएँ, काहेकि ऊँ पंचे किनारे से जादा दूरी नहीं, बलकिन दुइ
सव हाँथ के करीब रहे हँय।
9 जब ऊँ पंचे किनारे माहीं नाव से उतरें, त कोइला के आगी जलत
देखिन, अउर ओहिन माहीं कुछ मछरी, अउर रोटी पकँइ के खातिर धरी
देखिन। 10 तब यीसु उनसे कहिन, "जउन मछरी तूँ पंचे अबे पकड़े हया,
उनमा से कुछ लइ आबा।" 11 तब समौन पतरस नाव माहीं चढ़िके एक सव
तिरपन बड़ी-बड़ी मछरिन से भरा जाल, किनारे माहीं खींच लाएँ, अउर
एतनी मछरी जाल माहीं रही, हईं तऊ जाल नहीं फाट। 12 तब यीसु उनसे
कहिन, "आबा खाना खा" अउर उन चेलन म से कोहू के हिम्मत नहीं परी
कि उनसे पूँछय, कि "अपना को आहेन?" काहेकि ऊँ पंचे जानिगें तय, कि
"ऊँ प्रभुअय आहीं।" 13 तब यीसु उनखे लघे आएँ, अउर रोटी लइके उनहीं
दिहिन, अउर उहयमेर मछरिव दिहिन। 14 इआ तिसरइआ आय, जब यीसु
मरेन म से जिन्दा होए के बाद, चेलन काहीं देखाई दिहिन।

यीसु अउर पतरस

15 जब ऊँ पंचे खाना खाय चुके, तब यीसु समौन पतरस से कहिन, "हे
समौन, यूहन्ना के लड़िका, का तूँ इनसे जादा हमसे प्रेम करते हया?" तब
समौन उनसे कहिन, "हाँ प्रभू, अपना त जनतय हएन, कि हम अपना से प्रेम
करित हएन": इआ सुनिके यीसु उनसे कहिन, "हमरे मेम्नन काहीं चराबा।"
16 तब यीसु समौन पतरस से दुसराय कहिन, "हे समौन, यूहन्ना के लड़िका,
का तूँ हमसे प्रेम करते हया?" तब समौन उनसे कहिन, "हाँ प्रभू, अपना त
जनतय हएन, कि हम अपना से प्रेम करित हएन": इआ सुनिके यीसु उनसे
कहिन, "हमरे गड़रन के रखबारी करा।" 17 तब यीसु समौन पतरस से
तिसराय कहिन, "हे समौन, यूहन्ना के लड़िका, का तूँ हमसे प्रेम करते
हया?" तब पतरस उदास होइगें, कि यीसु तिसराय अइसन कहिन हीं; कि
"का तूँ हमसे प्रेम करते हया?" तब समौन उनसे कहिन, "हे प्रभू, अपना त
सबय जानित हएन, अउर इहव जानित हएन, कि हम अपना से प्रेम करित
हएन", इआ सुनिके यीसु उनसे कहिन, "हमरे गड़रन काहीं चराबा।"
18 यीसु पुनि उनसे कहिन, "हम तोंहसे सही-सही कहित हएन, जब तूँ
जमान रहे हया, त अपने से तइआर होइके जहाँ चाहत रहे हया, उहाँ चले
जात रहे हया; पय जब तूँ बुढ़ाय जइहा, त अपने हाँथ काहीं फइलइहा,
अउर दूसर तोंहईं तइआर कइके, जहाँ तूँ न जाँय चइहा, उहाँ तोंहईं लइ
जई।" 19 यीसु ईं बातन से बताय दिहिन, कि पतरस कइसन मउत से
परमातिमा के बड़ाई करिहँय; अउर इआ कहे के बाद समौन से कहिन,
"हमरे पीछे चलत रहा।"

यीसु अउर उनखर पियार चेला

20 (तब पतरस मुड़िके उआ चेला काहीं पीछे आबत देखिके, जउने से
यीसु जादा प्रेम करत रहे हँय, अउर जउन खाना खात माहीं यीसु के छाती
कइती झुकिके पूँछिन रहा हय, कि "हे प्रभू अपना काहीं पकड़ामँइ बाला
को आय?") 21 उनहीं देखिके पतरस यीसु से पूँछिन, "हे प्रभू, इनखर का
हाल होई?" 22 तब यीसु उनसे कहिन, "अगर हम चाही, कि ऊँ हमरे आमँइ
तक इहाँ रुके रहँय, त तोंहईं एसे का लेन-देन हय? तूँ हमरे पीछे चलत
रहा।" 23 एसे भाइन माहीं इआ बात फइलगे, कि "ऊँ चेला न मरिहँय;" तऊ
यीसु उनसे इआ नहीं कहिन तय, कि "ऊँ न मरिहँय, पय इआ, कि अगर हम
चाही, कि ऊँ हमरे आमँइ तक रुके रहँय, त तोंहईं एसे का लेन-देन हय?"

उपसंहार

24 ईं उँइन चेला आहीं, जउन ईं बातन के गबाही देत हें, अउर जउन ईं
बातन काहीं लिखिन हीं, अउर हम पंचे जानित हएन, कि उनखर गबाही
सच्ची हय। 25 अउरव खुब काम हें, जउन यीसु किहिन रहा हय; अगर ऊँ
सगले एक-एक कइके लिखे जातें, त हम समझित हएन, कि जउन किताबँय
लिखी जातीं, ऊँ संसार माहीं न समातीं।

खास चेलन

इआ किताब के परिचय

यीसु मसीह के खास चेलन के कामन के बखान लूका के लिखी खुसी के खबर से आँगे के बखान आय। एखर खास उद्देस्य इआ बताउब हय, कि यीसु के पहिल अनुयायी पबित्र आत्मा के अँगुआई माहीं, यीसु के बारे माहीं खुसी के खबर काहीं “यरूसलेम सहर अउर सगले यहूदिया प्रदेस अउर सामरिया प्रदेस माहीं, अउर धरती के छोर तक (खा.चे.काम 1:8) कइसन फइलाइन”। इआ मसीही अन्दोलन के बिबरन आय जउन यहूदी लोगन के बीच माहीं सुरू भ तय, अउर फइलिके सगले संसार के मनइन के बिसुआस बनिगा। लिखँइ बाला इआ बात के घलाय ध्यान रक्खत हय, कि ओखे पढ़ँइ बालेन काहीं इआ निस्चित होइ जाय, कि मसीही लोग रोमी सम्राज के खातिर बिद्रोही राजनयतिक सक्ती नहीं रहे आहीं, अउर मसीही बिसुआस यहूदी धरम काहीं पूर करँइ बाला रहा हय।
यीसु मसीह के खास चेलन के काम के किताब काहीं तीन भागन माहीं बाँटा जाय सकत हय, जउन लगीतार बाढ़त छेत्र काहीं बताबत हय, जउने माहीं यीसु मसीह के खुसी के खबर के प्रचार कीन ग हय, अउर मसीही मन्डलिन के स्थापना कीन गे ही, 1. यीसु के स्वरग जाए के बाद यरूसलेम सहर माहीं मसीही अन्दोलन के सुरुआत; 2. पलस्तीन प्रदेस के अलग-अलग हिस्सन माहीं एखर प्रसार; 3. अउर भूमध्य सागर के देसन माहीं रोम देस तक एखर प्रसार।
यीसु मसीह के खास चेलन के काम के खास बिसेसता ही, पबित्र आत्मा के क्रियासीलता। उआ पिन्तेकुस्त के दिन यरूसलेम सहर माहीं एकट्ठा भे बिसुआसी लोगन के ऊपर बड़ी सामर्थ के साथ उतरत हय, अउर इआ किताब माहीं बखान कीन गे घटनन के दउरान मसीही मन्डली अउर ओखे अँगुअन के मार्ग दरसन करत हय, अउर उनहीं सामर्थ देत हय। यीसु मसीह के खास चेलन के काम माहीं दीनगे कइएकठे उपदेसन माहीं सुरुआत माहीं मसीही खबर के सार प्रस्तुत कीन ग हय, अउर एमा बखान कीन गे घटनन से बिसुआसी लोगन के जीबन माहीं अउर मसीही मन्डली के सहभागिता माहीं इआ सँदेस के सामर्थ काहीं प्रगट करत हय।

रूप-रेखा :

- गबाही के खातिर तइआरी
  - क- यीसु के आखिरी हुकुम अउर वादा
  - ख- यहूदा के बारिसदार
- यरूसलेम सहर माहीं गबाही
- यहूदिया प्रदेस अउर सामरिया प्रदेस माहीं गबाही
- पवलुस के सेबा के काम
  - क- पहिल प्रचार-यात्रा
  - ख- यरूसलेम सहर माहीं सम्मेलन
  - ग- दूसर प्रचार-यात्रा
  - घ- तीसर प्रचार-यात्रा
  - च- यरूसलेम सहर, कैसरिया अउर रोम देस माहीं बन्दी पवलुस

पबित्र आत्मा मिलँइ के वादा

1 हे थियुफिलुस, हम अपने पहिल किताब माहीं, ऊँ सगले कामन के
बारे माहीं लिखेन हय, जिनहीं यीसु सुरुआत से करत अउर सिखाबत
रहिगें। 2 उआ दिन तक, जब तक ऊँ अपने चुने खास चेलन काहीं पबित्र
आत्मा के द्वारा हुकुम दइके, ऊपर स्वरग माहीं उठाय नहीं लीन गें। 3 अउर
अपने मउत के बाद ऊँ बहुतन काहीं पक्के सबूत देखाइके, अपने-आप
काहीं चेला लोगन के आँगे जिन्दा देखाइन, अउर चालिस दिन तक ऊँ उनहीं
देखाई देत रहिगें, अउर परमातिमा के राज के बारे माहीं बताबत रहिगें।
4 अउर उनसे मिलिके उनहीं हुकुम दिहिन, कि “यरूसलेम सहर काहीं न
छोंड्या, बलकिन पिता के उआ वादा के पूर होंय के इन्तजार करत रह्या,
जउने के चरचा तूँ पंचे हमसे सुन चुके हया। 5 काहेकि यूहन्ना त तोंहईं पानी
से बपतिस्मा दिहिन हीं, पय अब कुछ दिनन के बाद, तूँ पंचे पबित्र आत्मा से
बपतिस्मा पइहा।”

यीसु के स्वरग जाब

6 एसे जब चेला लोग एकट्ठा भें, तब यीसु से पूँछिन, कि “हे प्रभू, का
अपना अबहिनय इहय समय इजराइल राज के स्थापना कइ देब?” 7 यीसु
उनसे कहिन, “ऊँ समयन, इआ तिथिअन काहीं जानब तोंहार काम न होय,
जिनहीं परमपिता खुद अपने अधिकार माहीं रक्खिन हीं। 8 पय जब पबित्र
आत्मा तोंहरे ऊपर अई, तब तूँ पंचे सामर्थ पइहा; अउर यरूसलेम सहर
अउर यहूदिया अउर सामरिया प्रदेसन माहीं, अउर धरती के छोर तक हमार
गबाह होइहा।” 9 इआ कहे के बाद उनखे देखतय-देखत, यीसु ऊपर स्वरग
माहीं उठाय लीन गें; अउर बदरी उनहीं चेलन के आँखी से ओझल कइ
दिहिस। 10 अउर उनखे ऊपर जात समय चेला लोग अकास कइती देखत रहे

हँय, त देखा, दुइठे मनई उजर ओन्हा पहिरे उनखे लघे आइके ठाढ़ होइगें।
11 अउर कहँइ लागें, “हे गलील प्रदेस के रहँइ बाले मनइव, तूँ पंचे काहे ठाढ़े
टकटकी लगाए स्वरग कइती देखते हया? ईंन यीसु, जउन तोंहरे लघे से
स्वरग माहीं उठाय लीन गे हँय, जउनमेर से तूँ पंचे उनहीं स्वरग काहीं जात
देखे हया, उहयमेर से ऊँ पुनि अइहँय।”

मत्तियाह काहीं यहूदा के पद मिलब

12 तब ऊँ पंचे जैतून नाम के पहार से, जउन यरूसलेम सहर से एक
किलोमीटर दूर रहा हय, यरूसलेम सहर लउटि आएँ। 13 अउर उहाँ पहुँचिके
ऊँ पंचे ऊपर के उआ अँटरिया माहीं गें, जहाँ ऊँ पंचे रहत रहे हँय। उनमा से
ईं आहीं, पतरस, यूहन्ना, याकूब, अन्द्रियास, फिलिप्पुस, थोमा, बरतुलमय,
अउर मत्ती, हलफई के लड़िका याकूब, उत्साही समौन अउर याकूब के
लड़िका यहूदा। 14 अउर इनखे साथ कुछ मेहेरिआ, अउर यीसु के महतारी
मरियम, अउर यीसु के भाइव रहे हँय। ईं सगले जन एक चित्त होइके प्राथना
माहीं लगे रहत रहे हँय।

15 अउर उँइन दिनन माहीं पतरस बिसुआसी भाइन के बीच माहीं ठाढ़
होइके, जउन एक सव बीस जन के करीब रहे हँय, कहँइ लागें। 16 “हे भाई-
बहिनिव, इआ जरूरी रहा हय, कि पबित्र सास्त्र माहीं लिखी उआ बात पूर
होय, जउने काहीं पबित्र आत्मा राजा दाऊद के मुँहे से यहूदा के बारे माहीं,
जउन यीसु के पकड़बामँइ बालेन के अँगुआ रहा हय, पहिलेन से कहिन रहा
हय। 17 काहेकि उआ हमरे पंचन माहीं गिना ग, अउर इआ सेबकाई माहीं
भागीदार भ।” 18 (उआ अधरम के कमाई से एकठे खेत मोल लिहिस; अउर
मूँड़े के बल गिरा, अउर ओखर पेट फाटिगा †, अउर ओखर सगली आँती
निकर परीं। 19 अउर इआ बात काहीं यरूसलेम सहर माहीं रहँइ बाले सगले
मनई जानिगें, इहाँ तक कि उआ खेत के नाम उनखे भाँसा माहीं
“हकलदमा” मतलब “खून के खेत” परिगा।) 20 काहेकि भजन संहिता
माहीं इआ लिखा हय, कि

“ओखर घर उजरि जाय, अउर ओमाहीं कोऊ न बसय, अउर ओखर पद
कोऊ दूसर लइ लेय ††।”

21 एसे जेतने दिन तक प्रभू यीसु हमरे बीच माहीं रहे हँय, अरथात यूहन्ना
के बपतिस्मा से लइके, हमरे बीच म से उनखे उठाय लीन जाँय तक, जउन
मनई हमेसा हमरे पंचन के साथ रहे हँय। 22 इआ उचित हय, कि उनमा से
एक जने काहीं चुना जाय, जउन हमरे पंचन के साथ उनखे जिन्दा होंय के
गबाह होइ जाय। 23 तब ऊँ पंचे दुइ जने काहीं ठाढ़ किहिन, एकठे यूसुफ
काहीं, जउने काहीं बरसबा कहा जात रहा हय, (अउर इआ यूसतुस नाम से
घलाय जाना जात रहा हय।) अउर दूसर मत्तियाह काहीं। 24 अउर सगले जने
इआ कहिके प्राथना किहिन; कि “हे प्रभू, अपना सगलेन के मन काहीं
जानित हएन, इआ प्रगट करी, कि ईं दोनव म से अपना केही चुने हएन।
25 कि उआ, इआ सेबकाई अउर यीसु मसीह के खास चेला होंइ के पद लेय,
जउने जघा काहीं यहूदा छोंड़िके चला ग हय।” 26 तब ऊँ पंचे उनखे बारे
माहीं परची डारिन, अउर परची मत्तियाह के नाम माहीं निकरी, इआमेर से
मत्तियाह, यीसु मसीह के गेरहँव खास चेलन के दल माहीं सामिल कइ लीन
गें।

पबित्र आत्मा के उतरब

2 जब पिन्तेकुस्त ‡ तेउहार के दिन आबा, त ऊँ पंचे सगले जन एक
जघा माहीं एकट्ठा रहे हँय। 2 अउर एकाएक अकास से बड़ी आँधी कि
नाईं सनसनाहट के बोल सुनान, अउर ओसे सगला घर जहाँ ऊँ पंचे बइठ
रहे हँय, गूँजिगा। 3 अउर उनहीं आगी कि नाईं जीभँय फटत देखाई दिहिन;
अउर उनमा से हरेक जन के ऊपर आइके ठहर गईं। 4 अउर ऊँ पंचे सगले
जन पबित्र आत्मा से भरिगें, अउर आत्मा जउनमेर उनहीं बोलँइ के सामर्थ
दिहिन, ऊँ पंचे अनजान भाँसा माहीं बोलँइ लागें।

5 अउर अकास के नीचे के सगले देसन से आए यहूदी भक्त, यरूसलेम
सहर माहीं रहत रहे हँय। 6 जब उआ बोल सुनान त उहाँ भीड़ लगिगे, अउर
सगले मनई घबराइगें, काहेकि हरेक जन काहीं इहय सुनाई देत रहा हय, कि
ईं पंचे हमरेन भाँसा माहीं बोलि रहे हँय। 7 अउर ऊँ पंचे सगले जन
चउआइके अउर अचरज मानिके कहँइ लागें; देखा, “ईं पंचे जउन बोलि रहे
हँय, का ईं सगले जन गलील प्रदेस के रहँइ बाले न होंहीं? 8 त पुनि काहे हम
पंचे हरेक जन अपने-अपने जनम भूमि के भाँसा सुनित हएन? 9 हम पंचे
जउन पारथी, अउर मेदी, अउर एलामी लोग, अउर मेसोपोटामिया, अउर
यहूदिया, अउर कप्पदूकिया, अउर पुन्तुस, अउर आसिया। 10 अउर फ्रूगिया,
अउर पंफूलिया, अउर मिस्र, अउर लीबिया देस, जउन कुरेने सहर के लघे
हय, ईं सगले देसन के रहँइ बाले, अउर रोम देस से आए मनई, का यहूदी,
का यहूदी धरम धारन करँइ बाले, क्रेती अउर अरबी घलाय हें।” 11 पय
अपने-अपने भाँसा माहीं उनसे परमातिमा के बड़े-बड़े कामन के चरचा
सुनित हएन। 12 अउर ऊँ सगले सुनँइ बाले चउआइगें, अउर घबराइके एक
दुसरे से कहँइ लागें, कि “इआ का होइ रहा हय?” 13 पय कुछ जने यीसु
मसीह के खास चेलन के हँसी उड़ाइके कहिन, “ईं सगने जन कुछ जादा
नबा अंगूर के रस पी लिहिन हीं।”

पतरस के भाँसन

14 तब पतरस उन गेरहँव के साथ ठाढ़ भें, अउर खुब चंडे से कहँइ लागें,
“हे यहूदी लोगव, अउर यरूसलेम सहर के सगले रहँइ बाले मनइव! एखर
मतलब हमहीं बतामँइ द्या, हमरे बातन काहीं बड़े ध्यान से सुना। 15 ईं पंचे
नसा माहीं नहिं आहीं, जइसा कि तूँ पंचे समझते हया, काहेकि अबे त
सकार के नव बजा हय, काहेकि एतनीदार कोऊ नसा नहीं करय।
16 बलकिन इआ उआ बात आय, जउने के बारे माहीं परमातिमा के सँदेस
बतामँइ बाले योएल नबी कहिन रहा हय;

17 ‘परमातिमा कहिन हीं, कि अन्त के दिनन माहीं अइसा होई, कि हम
आपन आत्मा सगले मनइन के ऊपर उड़ेलब, अउर तोंहार लड़िका-बिटिया
भबिस्सबानी करिहँय, अउर तोंहार नवजमान दरसन देखिहँय, अउर तोंहार
बुढ़ान मनई सपन देखिहँय।

18 बलकिन हम अपने सेबकन अउर सेबिकन के ऊपर घलाय आपन
आत्मा उड़ेलब, अउर ऊँ पंचे भबिस्सबानी करिहँय।

19 अउर हम ऊपर अकास माहीं अचरज के काम, अउर नीचे धरती माहीं
चमत्कार देखाउब, अरथात खून, आगी अउर धुँआ के बदरी।

20 प्रभू के महान अउर तेजोमय दिन के आमँइ से पहिले, सुरिज माहीं
अँधिआर, अउर जोंधइआ खून कि नाईं होइ जई।’

21 अउर जे कोऊ प्रभू के नाम लेई, उहय मुक्ती पाई।

22 हे इजराइल देस के रहँइ बाले मनइव, ईं बातन काहीं सुना, कि यीसु
नासरी एकठे मनई रहे हँय, जिनखर परमातिमा के तरफ से होंइ के सबूत,
उन सामर्थ के कामन, अउर अचरज के कामन, अउर चमत्कारन से प्रगट
हय, जउन परमातिमा तोंहरे बीच माहीं, यीसु द्वारा कइके देखाइन हीं,
जिनहीं तूँ पंचे खुदय जनते हया। 23 उनहिन काहीं, जब ऊँ परमातिमा के
ठहराई योजना, अउर निस्चित पूर्ब ग्यान के मुताबिक, तोंहरे हबाले कइ
दीनगें, त तूँ पंचे अधरमी मनइन के मदत से उनहीं क्रूस माहीं चढ़बाइके मारि
डारे हया। 24 पय उनहिन काहीं परमातिमा मउत के बन्धन से छोड़ाइके, पुनि
जिआय दिहिन, काहेकि उनखे खातिर इआ सम्भव नहीं रहा, कि मउत
उनहीं अपने काबू माहीं रख सकय। 25 काहेकि राजा दाऊद उनखे बारे माहीं
कहिन हीं, कि

‘हम प्रभू काहीं हमेसा ‡† अपने आँगे देखत रहेन हँय, काहेकि ऊँ हमरे
दहिनी कइती हें, जउने हम गिरे न पाई।

---

† *1:18 मत्ती 27:5* †† *1:20 भज 69:25* ‡ *पिन्तेकुस्त नाम के तेउहार फसह नाम के तेउहार के बाद पचासमें दिन मनाबा जात रहा हय।*

‡† *2:25 भज 16:8-11*

26 एसे हमार हिरदँय आनन्दित हय, अउर हमार जीभ मगन भे ही;
बलकिन हमार देंह आसा माहीं जिअत रही।
27 काहेकि अपना हमरे प्रान काहीं अधोलोक माहीं न छोंड़ब; अउर न
अपने पबित्र जन काहीं सड़इन देब!
28 अपना हमहीं जीबन के गइल बतायन हय; अपना हमहीं अपने दरसन
के द्वारा आनन्द से भर देब'।
29 हे हमार भाई-बहिनिव, हम ऊँ कुलपति राजा दाऊद के बारे माहीं,
तोंहसे हिम्मत के साथ कहि सकित हएन, कि ऊँ मरिगें अउर गाड़ दीनगें,
अउर उनखर कब्र आज तक हमरे इहाँ मवजूद ही। 30 काहेकि ऊँ परमातिमा
के सँदेस बतामँइ बाले रहे हँय, अउर जानत रहे हँय, कि परमातिमा कसम
खाइके उनहीं बचन दिहिन हीं, कि उनखे बंस म से एक जने काहीं उनखे
राजगद्दी माहीं बइठाउब। 31 एसे आँगे होंइ बाली बातन काहीं, ऊँ पहिलेन से
देखिके, मसीह के जिन्दा होंइ के बारे माहीं भबिस्सबानी किहिन, कि 'न त
उनखर प्रान अधोलोक माहीं छोंड़ा ग, अउर न उनखर देंह सड़ँय पाई'।
32 ईंन यीसु काहीं परमातिमा पुनि जिन्दा कइ दिहिन, जेखर हम पंचे सगले
जने गबाह हएन। 33 इआमेर से परमातिमा के दहिने हाँथ से सगलेन से ऊँच
पद पाइके, अउर पिता से उआ पबित्र आत्मा पाइके जेखर वादा कीन ग रहा
हय, अउर ऊँ उहय पबित्र आत्मा उड़ेल दिहिन, जेही अब तूँ पंचे देखते अउर
सुनते हया। 34 काहेकि राजा दाऊद त स्वरग माहीं नहीं चढ़ें; पय ऊँ खुदय
कहत हें, कि
'प्रभू हमरे प्रभू' से कहिन; 'हमरे दहिने कइती बइठा,
35 जब तक कि हम तोंहरे बइरिन काहीं तोंहरे गोड़े के नीचे रक्खँइ बाली
चउकी कि नाईं न कइ देई।'
36 एसे इजराइल के सगला घराना निस्चित जान लेय, कि परमातिमा उँइन
यीसु काहीं, जिनहीं तूँ पंचे क्रूस माहीं चढ़ाया तय, प्रभू अउर मसीह दोनव
ठहराइन हीं।"
37 तब सगले सुनँय बाले ब्याकुल होइगें, अउर ऊँ पंचे पतरस अउर सगले
खास चेलन से पूँछँइ लागें, "हे भाइव, हम पंचे का करी?" 38 तब पतरस
उनसे कहिन, "अपने-अपने मन काहीं बदला, अउर तोंहरे पंचन म से हरेक
जन, अपने-अपने पापन के माफी के खातिर, यीसु मसीह के नाम से
बपतिस्मा ल्या; त तूँ पंचे पबित्र आत्मा के दान पइहा। 39 काहेकि इआ वादा
तोंहरे, अउर तोंहरे सन्तानन, अउर ऊँ सगले दूरी-दूरी के लोगन के खातिर
घलाय हय, जिनहीं हमार पंचन के प्रभू परमातिमा अपने लघे बोलइहँय।"
40 ऊँ अउर खुब बातन से घलाय गबाही दइ-दइके समझाइन, कि अपने
आप काहीं ईं कुटिल मनइन से बचाइके रक्खा। 41 एसे जेतने जने उनखे
बचन काहीं अपनाइन, ऊँ पंचे सगले जन बपतिस्मा लिहिन; अउर उहय दिन
तीन हजार मनइन के करीब, यीसु मसीह के खास चेलन के दल माहीं
सामिल होइगें। 42 अउर ऊँ पंचे यीसु मसीह के खास चेलन से सिच्छा पामँइ,
अउर संगति रक्खँइ माहीं, अउर रोटी टोरँइ माहीं, अउर प्राथना करँइ माहीं
अपने-आप काहीं समरपित कइ दिहिन। 43 अउर सगले लोगन के ऊपर भय
छाइगा, काहेकि यीसु मसीह के खास चेलन के द्वारा, खुब अचरज के काम
अउर अदभुत चिन्ह प्रगट होत रहे हँय। 44 अउर ऊँ पंचे सगले बिसुआस
करँइ बाले एकट्ठा रहत रहे हँय, अउर उनखर सगली चीजँय साझे माहीं रहत
रही हँय। 45 अउर ऊँ पंचे आपन-आपन धन-सम्पत, अउर समान बेंच-बेंचके
जेखर जइसन जरूरत होत रही हय, बाँट देत रहे हँय। 46 अउर ऊँ पंचे हरेक
दिन एक मन होइके मन्दिर माहीं एकट्ठा होत रहे हँय, अउर घर-घर रोटी
टोरत, सच्चे मन से आनन्द के साथ खाना खात रहे हँय। 47 अउर परमातिमा
के अराधना करत रहे हँय, अउर सगले जन उनसे खुसी रहे हँय, अउर जउन
मनई मुक्ती पाबत रहे हँय, उनहीं प्रभू हरेक दिन उनखे दल माहीं मिलाय देत
रहे हँय।

लाँगड़ भिखारी के नीक होब

3 पतरस अउर यूहन्ना, दुपहर के बाद तीन बजे प्राथना के समय मन्दिर
माहीं जात रहे हँय। 2 तबहिनय कुछ जने एकठे जनम से लाँगड़ मनई
काहीं लए आबत रहे हँय, ओही रोज मन्दिर के उआ दुअरा माहीं जउन
सुन्दर कहाबत रहा हय, बइठाय देत रहे हँय, कि उआ मन्दिर माहीं जाँइ
बालेन से भीख माँगय। 3 जब उआ लाँगड़ मनई पतरस अउर यूहन्ना काहीं,
मन्दिर माहीं जात देखिस, त उनसे भीख माँगिस। 4 तब पतरस यूहन्ना के
साथ ओखी कइती ध्यान से देखिके कहिन, "हमरे कइती देखा।" 5 एसे
उआ उनसे कुछू पामँइ के आसा से उनखे कइती देखँइ लाग।
6 तब पतरस कहिन, "सोन-चाँदी त हमरे लघे नहिं आय; पय जउन हमरे
लघे हय, उआ तोंहईं देइत हएन, यीसु मसीह नासरी के नाम से चलँइ
लागा।" 7 अउर पतरस ओखर दहिना हाँथ पकड़िके ओही उठाइन, अउर
तुरन्तय ओखे गोड़े अउर जाँघन माही ताकत आइगा। 8 अउर उआ कूदिके
ठाढ़ होइगा, अउर रेंगँइ लाग; अउर रेंगत, कूदत परमातिमा के स्तुति करत
उनखे साथ मन्दिर माहीं ग। 9 सगले मनई ओही रेंगत अउर परमातिमा के
स्तुति करत देखिके, 10 ओही पहिचान लिहिन, कि इआ उहय आय, जउन
मन्दिर के उआ दुअरा माहीं जउन "सुन्दर" कहाबत रहा हय, बइठिके भीख
मागत रहा हय; अउर उआ घटना से जउन ओखे साथ भे रही हय; ऊँ पंचे
खुब अचरज मानिके चउआन रहे हँय।

मन्दिर माहीं पतरस के उपदेस

11 जब उआ पतरस अउर यूहन्ना काहीं पकड़े रहा हय, त सगले मनई खुब
अचरज मानत, उआ ओसरिआ माहीं, जउन सुलैमान के कहाबत रही हय,
उनखे लघे दउड़ि आएँ। 12 इआ देखिके पतरस ऊँ सगले मनइन से कहिन,
"हे इजराइलिव, तूँ पंचे इआ मनई काहीं देखिके काहे अचरज मनते हया,
अउर हमरे कइती काहे इआमेर से देखते हया, कि मानो हमहिन पंचे अपने
सामर्थ इआ भक्ती से एही रेंगँइ के लाइक बनाय दिहेन हँय। 13 अब्राहम,
इसहाक अउर याकूब के परमातिमा, हमरे बाप-दादन के परमातिमा, अपने
सेबक यीसु के महिमा किहिन हीं, जिनहीं तूँ पंचे पकड़बाय दिहा तय, अउर
जब राजपाल पिलातुस उनहीं छोंड़ँइ के बिचार किहिन, तब तूँ पंचे उनखे
आँगे उनखर तिरस्कार किहा। 14 तूँ पंचे ऊँ पबित्र अउर धरमी के तिरस्कार
किहा तय, अउर बिनती किहा तय, कि 'एकठे कतली काहीं तोंहरे खातिर
छोंड़ दीन जाय।' 15 अउर तूँ पंचे जीबन के रचइता काहीं मारि डारे रहे हया,
जिनहीं परमातिमा मरेन म से पुनि जिन्दा कइ दिहिन; अउर इआ बात के
हम पंचे गबाह हएन। 16 अउर उनहिन के नाम से, उआ बिसुआस से जउन
उनखे नाम माहीं हय, इआ मनई काहीं जेही तूँ पंचे देखते हया, अउर
जनतेव हया, सामर्थ मिली हय; अउर निस्चित उहय बिसुआस, जउन उनखे
द्वारा हय, एही तोंहरे सगलेन के आँगे बेलकुल नीक-सूख कइ दिहिस ही।
17 अउर अब हे भाई-बहिनिव, हम जानित हएन, कि इआ काम तूँ पंचे
अग्यानता के कारन किहा तय, अउर उहयमेर तोंहार मुखिअव घलाय
किहिन तय। 18 पय जउने बातन काहीं परमातिमा अपने सँदेस बतामँइ
बालेन के मुँहे से पहिलेन बताइन रहा हय, कि उनखर मसीह दुख उठइहँय;
उनहीं ऊँ इआमेर से पूर किहिन। 19 एसे तूँ पंचे आपन मन फिराबा, अउर
परमातिमा के तरफ लउटि आबा, जउने तोंहार पंचन के पाप धोबरि जाँय,
अउर तोंहईं सान्ती अउर आनन्द मिलय। 20 अउर परमातिमा ऊँ यीसु काहीं
पठमँइ, जउन तोंहरे खातिर पहिलेन से मसीह ठहराए गे हँय। 21 जरूरी हय,
कि मसीह स्वरग माहीं उआ समय तक रहँय, जब तक कि परमातिमा सगली
बातन के सुधार न कइ लेंय, जेखर चरचा परमातिमा अपने सँदेस बतामँइ
बालेन के मुँहे से किहिन हीं, जउन संसार के सुरुआत से होत आए हँय।
22 जइसन परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले मूसा कहिन रहा हय, 'प्रभू
परमातिमा तोंहरे पंचन के खातिर, तोंहरे भाइन म से एकठे हमरे कि नाईं
आपन सँदेस बतामँइ बाला तइआर करिहँय, ऊँ जउन कुछू तोंहसे कहँय

उनखर सुन्या। 23 पय जउन मनई उआ परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले के
बातन काहीं न सुनिहँय, उनहीं मनइन म से नास कइ दीन जई'। 24 अउर
समूएल से लइके उनखे बाद बालेन तक, जेतने परमातिमा के सँदेस बतामँइ
बाले बात किहिन हीं, ऊँ सगले जन ईंन दिनन के सँदेस दिहिन हीं। 25 तूँ पंचे
परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन के सन्तान, अउर उआ करार के
भागीदार हया, जउने काहीं परमातिमा तोंहरे बाप-दादन से किहिन हीं, जब
ऊँ अब्राहम से कहिन, कि 'तोंहरे बंस के द्वारा धरती के सगले घराना
आसीस पइहँय'। 26 परमातिमा जब अपने सेबक काहीं पुनि जिन्दा किहिन,
त सबसे पहिले तोंहरे लघे पठइन, कि तोंहरे पंचन म से हरेक जन काहीं, बुरे
रास्तन से हटाइके आसिरबाद देंय।"

महासभा के आँगे पतरस अउर यूहन्ना

4 जब पतरस अउर यूहन्ना मनइन से बात करत रहे हँय, तबहिनय
याजक अउर मन्दिर के सिपाहिन के मुखिया, अउर सदूकी लोग उनखे
लघे आएँ। 2 काहेकि ऊँ पंचे खुब गुस्सान रहे हँय, एसे कि पतरस अउर
यूहन्ना, सगले मनइन काहीं उपदेस देत रहे हँय, कि यीसु मसीह मर के
जिन्दा होइगे हँय, उहइमेर जेतने मनई मरिगे हँय, ऊँ सगले यीसु मसीह के
द्वारा पुनि मरेन म से जिन्दा होंइ हँय, इआ कहिके प्रचार करत रहे हँय।
3 अउर ऊँ पंचे उनहीं पकड़िके दुसरे दिन तक जेल माहीं रक्खिन, काहेकि
साँझ होइगे रही हय। 4 पय बचन के सुनँय बालेन म से खुब जने बिसुआस
किहिन, अउर उनखर गिनती पाँच हजार के करीब होइगे रही हय।

5 दुसरे दिन यहूदी लोगन के राजा, अउर धारमिक अँगुआ लोग, अउर
मूसा के बिधान सिखामँइ बाले यरूसलेम सहर माहीं एकट्ठा भें। 6 अउर
महायाजक हन्ना, अउर कैफा, अउर यूहन्ना, अउर सिकन्दर, अउर जेतने
महायाजक के घराना के रहे हँय, सगले यरूसलेम सहर माहीं एकट्ठा भें।
7 अउर पतरस अउर यूहन्ना काहीं बीच म ठाढ़ कइके पूछँइ लागें, कि तूँ पंचे
इआ काम कउने सामर्थ से, अउर कउने नाम से किहा हय? 8 तब पतरस
पबित्र आत्मा से भरिके उनसे कहँइ लागें, 9 हे यहूदी समाज के मुखिअव,
अउर धारमिक अँगुअव, इआ लाँगड़ मनई के साथ जउन भलाई कीन गे ही,
अगर आज हमसे पंचन से ओखे बारे माहीं पूँछ-ताँछ कीन जात ही, कि
उआ कइसन निकहा होइगा। 10 त तूँ पंचे सगले जन अउर सगले इजराइली
मनई जान लेंय, कि जिनहीं तूँ पंचे क्रूस माहीं चढ़ाया तय, अउर परमातिमा
उनहीं मरेन म से जिन्दा कइ दिहिन, इआ लाँगड़ मनई यीसु मसीह नासरी के
नाम से, तोंहरे आँगे नीक-सूख ठाढ़ हय। 11 ई यीसु उहय पथरा † आहीं जेही
तूँ पंचे राजा के कारीगर लोग तुच्छ ठहराया तय, उहय कोनमा के खास
पथरा बनिगा। 12 अउर "यीसु के अलाबा कउनव दुसरे के द्वारा मुक्ती नहीं
मिल सकय; काहेकि स्वरग के नीचे मनइन माहीं, अउर कउनव दूसर नाम
नहीं दीनगा, जेखे द्वारा हम पंचे मुक्ती पाय सकी।"

13 जब ऊँ पंचे पतरस अउर यूहन्ना के साहस देखिन, अउर इआ जानिन,
कि ईं पंचे अनपढ़ अउर साधारन मनई आहीं, त अचरज मानिन; अउर पुनि
उनहीं पहिचान लिहिन, कि "ईं पंचे त यीसु के साथ रहे हँय।" 14 अउर उआ
मनई काहीं जउन निकहा भ रहा हय, उनखे साथ ठाढ़ देखिके, ऊँ पंचे
उनखे बिरोध माहीं कुछू नहीं कहि सकें। 15 पय उनहीं सभा के बहिरे जाँइ के
हुकुम दइके, ऊँ पंचे आपस माहीं बिचार करँइ लागें, 16 कि "हम पंचे ईं
मनइन के साथ का करी? काहेकि यरूसलेम सहर के रहँइ बालेन के ऊपर
प्रगट हय, कि इनखे द्वारा एकठे मसहूर चमत्कार देखाबा ग हय; अउर हम
पंचे ओखर इनकार नहीं कइ सकी। 17 पय एसे कि इआ बात मनइन माहीं
अउर जादा न फइल जाय, हम पंचे उनहीं डेरबाई धमकाई, कि ऊँ पंचे इआ
नाम से पुनि कउनव मनई से बात न करँय।" 18 तब उनहीं बोलाइन अउर
चेतउनी दइके इआ कहिन, कि "यीसु के नाम से कुछू न बोल्या अउर न
सिखाया।" 19 पय पतरस अउर यूहन्ना उनहीं जबाब दिहिन, कि "तुहिन पंचे
न्याय करा, कि का इआ परमातिमा के लघे भला हय, कि हम पंचे
परमातिमा के बात से बढ़िके, तोंहार पंचन के बात मानी। 20 काहेकि इआ त
हमसे होइन नहीं सकय, कि जउन हम पंचे देखेन अउर सुनेन हय, उआ न
कही।" 21 तब ऊँ पंचे उनहीं अउर डेरबाय धमकायके छोंड़ दिहिन, काहेकि
खुब मनइन के कारन उनहीं सजा देंइ के मोका नहीं मिला, एसे कि जउन
घटना भे रही हय, ओखे कारन सगले मनई परमातिमा के बड़ाई करत रहे
हँय। 22 काहेकि उआ मनई जउने काहीं अदभुत रीति से नीक कीन ग रहा
हय, उआ चालिस साल से जादा उमिर के रहा हय।

बिसुआसी लोगन के प्राथना

23 ऊँ पंचे उहाँ से छूटि के अपने साथिन के लघे आएँ, अउर जउन कुछू
प्रधान याजक लोग, अउर यहूदी समाज के धारमिक अँगुआ लोग, उनसे
कहिन रहा हय, उनहीं सुनाइन। 24 इआ सुनिके ऊँ पंचे एक चित्त होइके,
खुब चंडे परमातिमा से कहिन, "हे स्वामी, अपना उहय आहेन जउन स्वरग
अउर धरती अउर समुद्र अउर जउन कुछू उनमा हय बनायन हय।
25 अपना पबित्र आत्मा के द्वारा, अपने सेबक हमरे पंचन के पूरबज राजा
दाऊद के मुँहे से कहेन तय, कि
'ईं जातिअन †† के मनई न जाने काहे आपन अहंकार देखाइन? अउर देस-
देस के मनई काहे बेमतलब के बातँय सोचिन?'
26 प्रभू अउर उनखे मसीह के बिरोध माहीं धरती के राजा ठाढ़ भें, अउर
हाकिम एक साथ एकट्ठा होइगें।
27 काहेकि बेलकुल सही अपना के सेबक यीसु के बिरोध माहीं, जिनखर
अपना अभिसेक किहेन हँय, हेरोदेस राजा, अउर पुन्तियुस पिलातुस घलाय,
गैरयहूदी अउर इजराइलिअन के साथ इआ सहर माहीं एकट्ठा भें। 28 कि
जउन कुछ पहिलेन से अपना के सामर्थ, अउर मरजी से ठहराबा ग रहा हय,
उहय करँय। 29 अब, हे प्रभू, उनखे धमकिन काहीं देखी; अउर अपने
सेबकन काहीं इआ बरदान देई, कि अपना के बचन बड़े साहस से सुनामँय।
30 अउर चंगा करँइ के खातिर अपना आपन हाँथ बढ़ाई; कि चिन्ह अउर
अचरज के काम, अपना के पबित्र सेबक यीसु के नाम से कीन जाँय।"
31 जब ऊँ पंचे प्राथना कइ चुके, त उआ जघा जहाँ ऊँ पंचे एकट्ठा रहे हँय,
डोलिगे, अउर ऊँ पंचे सगले जन पबित्र आत्मा से भरिगें, अउर परमातिमा के
बचन साहस के साथ सुनाबत रहिगें।

बिसुआसी लोगन के समूहिक जीबन

32 बिसुआस करँइ बालेन के मंडली एक चित्त, अउर एक मन के रही हय,
इहाँ तक कि कउनव अपने धन-सम्पत काहीं, आपन नहीं कहत रहा आय,
पय सगला साझे के रहा हय। 33 अउर खास चेला लोग बड़े सामर्थ से प्रभू
यीसु के जिन्दा होंइ के गबाही देत रहिगें, अउर उन सगलेन के ऊपर असीम
किरपा रही हय। 34 अउर उनमा से कोऊ निरधन नहीं रहा, काहेकि जेखे
लघे जमीन इआ कि घर रहे हँय, ऊँ पंचे उनहीं बेंच-बेंचके, बिकी चीजन के
दाम लइ आबत रहे हँय, अउर ओही खास चेलन काहीं दइ देत रहे हँय।
35 अउर जइसन जेही जरूरत होत रही हय, खास चेला लोग ओहिन के
मुताबिक, हरेक जन काहीं बाँटि देत रहे हँय।

36 अउर साइप्रस टापू माहीं पइदा भे, यूसुफ नाम के एक जने लेबी रहे
हँय, जउने के नाम खास चेला लोग बरनबास अरथात (सान्ति के लड़िका)
रक्खिन रहा हय। 37 उनखर कुछ जमीन रही हय, जउने काहीं ऊँ बेंचिन,
अउर कीमत के सगला पइसा-रुपिआ लइआइके खास चेलन काहीं दइ
दिहिन।

हनन्याह अउर सफीरा

5 हनन्याह नाम के एकठे मनई, अउर ओखर मेहेरिआ सफीरा मिलिके
आपन कुछ जमीन बेंचिन। 2 अउर जउन दाम मिला ओमा से कुछ
अपने लघे रख लिहिन, इआ बात काहीं उनखर मेहेरिअव जानत रही हय,

† *4:11 भज 118:22*

†† *4:25 भज 2:1-3*

अउर कुछ हिस्सा लइआइके यीसु के खास चेलन काहीं दइ दिहिन। 3 इआ
जानिके पतरस उनसे कहिन, “हे हनन्याह! सइतान काहीं अपने मन माहीं
इआ बात काहे डारँय दिहा, कि तूँ पबित्र आत्मा से झूँठ बोला, अउर जमीन
बेंचे से जउन दाम मिला हय, ओमा से कुछ हिस्सा बचाइके अपने लघे रख
लिहा हय? 4 ओही बेंचँइ से पहिले का उआ तोंहार नहीं रही? अउर जब तूँ
ओही बेंच दिहा, त का उआ दाम तोंहरेन हाँथ माहीं नहीं रहा? तूँ इआ बात
अपने मन माहीं काहे सोचे हया? तूँ मनइन से नहीं, पय परमातिमा से झूँठ
बोले हया।” 5 ईं बातँय सुनतय हनन्याह गिर परा, अउर प्रान छोंड़ दिहिस;
इआ बात काहीं जेतने जने सुनिन सगले खुब डेराइगें। 6 पुनि जमान मनई
उठिके अरथी बनाइन, अउर उनहीं बहिरे लइ जाइके गाड़ दिहिन। 7 करीब
तीन घन्टा बाद उनखर मेहेरिआ, जउन कुछ भ रहा हय, नहीं जानत रही,
उहव भीतर आई। 8 तब पतरस ओसे कहिन; “हमहीं बताबा का तूँ पंचे उआ
खेत एतनेन माहीं बेंचे रहे हया?” उआ कहिस, “हाँ, एतनेन माहीं।” 9 तब
पतरस ओसे कहिन, “इआ का बात ही, कि तूँ पंचे दोनव जने प्रभू के आत्मा
के परिच्छा के खातिर साहुत किहा हय? देखा, तोंहरे मंसेरुआ काहीं गाड़ँइ
बाले दुअरय माहीं ठाढ़ हें, अउर तोंहऊँ काहीं बहिरे लइ जइहँय।”
10 तबहिनय उआ हरबिन उनखे गोड़े माहीं गिर परी, अउर प्रान छोंड़ दिहिस,
अउर कुछ जमान भीतर आइके ओही मरा पाइन, अउर बहिरे लइ जाइके
ओखे मंसेरुआ के लघे गाड़ दिहिन। 11 अउर सगली मसीही मन्डली के
मनइन के ऊपर, अउर ईं बातन के सगले सुनँय बालेन के ऊपर भारी भय
छाइगा।

चमत्कार अउर अचरज के काम

12 यीसु के खास चेलन के हाँथे से खुब चमत्कार अउर अचरज के काम,
मनइन के बीच माहीं देखाए जात रहे हँय, (अउर ऊँ पंचे सगले जन एक
चित्त होइके सुलैमान के ओसरिआ माहीं एकट्ठा होत रहे हँय। 13 पय उनखे
अलाबा अउर कोहू के हिम्मत नहीं परत रही, कि उनखे साथ मिल जाँय;
तऊ खुब मनई उनखर बड़ाई करत रहे हँय। 14 अउर बिसुआस करँइ बाले
खुब मेहेरिआ अउर मंसेरुआ प्रभू के मसीही मन्डली माहीं अउर जादा
आइके मिलत रहिगें।) 15 इहाँ तक कि मनई बिमारन काहीं सड़कन माहीं
लइआइ-लइआइके, खटिया अउर खटोलबन माहीं पराय देत रहे हँय, कि
जब पतरस आमँय, त उनखर परछाँइव भर उनमा से कोहू के ऊपर परि
जाय। 16 अउर यरूसलेम सहर के आस-पास के सहरन से घलाय खुब
मनई, बिमारन अउर बुरी आत्मन के सताव से परेसान मनइन काहीं,
लइआइ-लइआइके एकट्ठा होत रहे हँय, अउर सगले नीक कइ दीन जात रहे
हँय।

यीसु के खास चेलन काहीं जेल माहीं डारा जाब

17 तब महायाजक अउर उनखर सगले साथी जउन सदूकी पंथ के रहे हँय,
जलन से भरिगें। 18 अउर यीसु के खास चेलन काहीं पकड़िके जेल माहीं
बन्द कइ दिहिन। 19 पय रात माहीं प्रभू के एकठे स्वरगदूत, जेल के दुअरा
खोलिके उनहीं बहिरे लइआइके कहिन। 20 कि “जा, मन्दिर माहीं ठाढ़
होइके, इआ नबा जीबन के सगली बातन काहीं मनइन काहीं सुनाबा।”
21 ऊँ पंचे इआ सुनिके भिनसार होतय, मन्दिर माहीं जाइके उपदेस देंइ लागें,
पय महायाजक अउर उनखर साथी आइके महासभा के सगले मनइन काहीं,
अउर इजराइलिअन के सगले धारमिक अँगुअन काहीं, एकट्ठा किहिन, अउर
जेल माहीं कहबाय पठइन, कि उनहीं लइ आमँय। 22 पय सिपाही उहाँ
पहुँचिके, उनहीं पंचन काहीं जेल माहीं नहीं पाइन, अउर लउटिके सँदेस
दिहिन। 23 कि “हम पंचे जेल काहीं बड़े सावधानी से बन्द कीन, अउर
पहरेदारन काहीं बहिरे दुअरा माहीं ठाढ़ पाएन; पय जब खोलेन त भीतर
कोऊ नहीं मिला।” 24 जब मन्दिर के मुखिया अउर महायाजक इआ बात
काहीं सुनिन, त उनखे बारे माहीं भारी चिन्ता माहीं परिगें, कि “उनहीं का
भ?” 25 एतने माहीं कोऊ आइके उनहीं बताइस, कि “देखा, जिनहीं तूँ पंचे
जेल माहीं बन्द किहा तय, ऊँ पंचे मन्दिर माहीं ठाढ़े मनइन काहीं उपदेस दइ
रहे हँय।” 26 तब मन्दिर के मुखिया अधिकारिन के साथ उहाँ जाइके, “उनहीं
लइ आएँ, पय जबरई नहीं, काहेकि ऊँ पंचे मनइन से डेरात रहे हँय, कि
हमरे पंचन के ऊपर पथरहाव न करँय।”
27 ऊँ पंचे उनहीं पुनि लइआइके महासभा के आँगे ठाढ़ कइ दिहिन, अउर
महायाजक उनसे पूँछिन। 28 “का हम पंचे तोंहईं चेतउनी दइके हुकुम नहीं
दिहेन तय, कि तूँ पंचे इआ नाम से उपदेस न दिहा? तऊ देखा, तूँ पंचे सगले
यरूसलेम सहर काहीं, अपने उपदेस से भर दिहा हय, अउर उआ मनई के
हत्या के दोस हमरे पंचन के ऊपर लगामँइ चहते हया।” 29 तब पतरस अउर
दूसर खास चेला लोग जबाब दिहिन, कि “मनइन के हुकुम से बढ़िके
परमातिमा के हुकुम के पालन करब, हमार पंचन के करतब्य आय। 30 हमरे
पंचन के बाप-दादन के परमातिमा, यीसु काहीं जिआइन, जिनहीं तूँ पंचे
क्रूस माहीं लटकाइके मारि डारे रहे हया। 31 उनहिन काहीं परमातिमा, प्रभू
अउर मुक्ती देंइ बाला ठहराइके, अपने दहिने हाँथ से सगलेन से ऊँच कइ
दिहिन हीं, कि ऊँ इजराइली लोगन काहीं मन फिरामँइ के सक्ती, अउर
पापन के माफी देंइ। 32 अउर हम पंचे ईं बातन के गबाह हएन, अउर पबित्र
आत्मा घलाय गबाह हय, जउने पबित्र आत्मा काहीं परमातिमा उनहीं दिहिन
हीं, जे उनखे हुकुम काहीं मानत हें।”
33 इआ सुनिके ऊँ पंचे आगबबूला होइगें, अउर उनहीं मार डारँइ चाहिन।
34 पय गमलीएल नाम के एकठे फरीसी, जउन पबित्र सास्त्र के सिच्छा देंइ
बाले, अउर सगले मनइन माहीं सम्मानित रहे हँय, अदालत माहीं ठाढ़
होइके, यीसु मसीह के खास चेलन काहीं थोड़ी देर के खातिर बहिरे कइ देंइ
के हुकुम दिहिन। 35 तब ऊँ कहिन, “हे इजराइलिव, जउन कुछ ईं मनइन से
करँय चहते हया, सोच समझिके किहा। 36 काहेकि ईं दिनन से पहिले
थियूदास इआ दाबा किहिस, कि हमहूँ कुछू आहेन; अउर करीब चार सव
मनई ओखे पीछे होइ लिहिन, पय उआ मारा ग; अउर जेतने मनई ओही
मानत रहे हँय, सगले तितिर-बितिर होइगें, अउर मर मिटिगें। 37 ओखे बाद
नाम लिखाई के दिनन माहीं, यहूदा गलीली उठा, अउर कुछ जनेन काहीं
अपने पच्छ माहीं कइ लिहिस, उहव नास होइगा, अउर जेतने मनई ओही
मानत रहे हँय, सगले तितिर-बितिर होइगें। 38 एसे अब हम तोंहसे कहित
हएन, कि ईं मनइन से दूरी रहा, अउर उनसे कउनव मतलब न रक्खा;
काहेकि अगर इआ धरम इआ, कि काम मनइन के तरफ से होई, तब त मिट
जई। 39 पय अगर परमातिमा के तरफ से होई, त तूँ पंचे उनहीं कबहूँ मिटाए
न पइहा; कहँव अइसा न होय, कि तूँ पंचे परमातिमा से घलाय लड़ँइबाले
ठहरा।”
40 तब ऊँ पंचे ओखर बात मान लिहिन; अउर यीसु के खास चेलन काहीं
बोलबाइके पिटबाइन; अउर इआ हुकुम दइके छोंड़ दिहिन, कि “यीसु के
नाम से पुनि बातँय न किहा।” 41 ऊँ पंचे इआ बात से आनन्दित होइके
महासभा के आँगे से चलेगें, कि हम पंचे उनखे नाम के खातिर निरादर होंइ
के काबिल त ठहरेन। 42 अउर रोज मन्दिर माहीं अउर घर-घर माहीं उपदेस
करँइ से, अउर इआ बात के खुसी के खबर सुनामँइ से, कि यीसुअय मसीह
आहीं, नहीं रुकें।

सातठे सेबकन काहीं चुना जाब

6 ऊँ दिनन माहीं जब चेलन के संख्या जादा बढ़ँय लाग, तब यूनानी
भाँसा बोलँइ बाले, इब्रानी भाँसा बोलँइ बालेन के ऊपर कुड़कुड़ाँय
लागें, कि रोज के जरूरत के चीजन काहीं बाँटत माहीं, हमरे बिधबन के
ऊपर ध्यान नहीं दीन जाय। 2 तब ऊँ बरहँव खास चेला लोग, चेलन के
मंडली काहीं अपने लघे बोलाइके कहिन, “हमरे पंचन के खातिर इआ ठीक
नहिं आय, कि हम पंचे परमातिमा के बचन के सेबा काहीं छोंड़िके, खबामँइ
पिआमँइ के सेबा माहीं रही। 3 एसे हे भाइव, अपने बीच म से सातठे नीक
मनइन काहीं चुनि ल्या, जउन पबित्र आत्मा से भरपूर अउर बुद्धिमान होंय,
कि जउने उनहीं हम पंचे इआ काम करँइ के जिम्मेबारी सउँपि देई। 4 अउर

हम पंचे त प्राथना करँइ माहीं, अउर बचन सुनामँइ के सेबा माहीं लगे रहब।" 5 अउर इआ बात चेलन के मंडली काहीं नीक लाग, अउर ऊँ पंचे स्तिफनुस नाम के एकठे मनई काहीं जउन बिसुआस के काबिल अउर पबित्र आत्मा से भरपूर रहे हँय, अउर फिलिप्पुस, अउर प्रुखुरूस, अउर नीकानोर, अउर तीमोन, अउर परमिनास, अउर अन्ताकिया प्रदेस के रहँइ बाले नीकुलाउस काहीं जउन यहूदी मत काहीं अपनाय लिहिन तय, चुनि लिहिन। 6 अउर इनहीं यीसु के खास चेलन के आँगे ठाढ़ किहिन, तब ऊँ पंचे प्राथना कइके उनखे ऊपर आपन हाँथ धरिन।

7 अउर इआमेर से परमातिमा के बचन फइलत ग, अउर यरूसलेम सहर माहीं चेलन के संख्या खुब बढ़त गय; अउर याजकन के एकठे बड़ा समूह घलाय, यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस करँइ लाग।

स्तिफनुस काहीं गिरफतार करब

8 स्तिफनुस किरपा अउर सामर्थ से भरपूर होइके, मनइन के बीच माहीं बड़े-बड़े अचरज के काम, अउर चमत्कार देखाबत रहे हँय। 9 तब उआ यहूदी सभाघर म से जउन लिबिरतीनों के कहाबत रही हय, उहाँ कुरेनी सहर अउर सिकन्दरिया सहर, अउर किलिकिया प्रदेस, अउर आसिया प्रदेस से आए कइअक जने ठाढ़ होइके, स्तिफनुस से बाद-बिबाद करँइ लागें। 10 पय उआ ग्यान अउर पबित्र आत्मा के, जउने के सामर्थ से ऊँ बातँय करत रहे हँय, ऊँ पंचे उनखे आँगे ठहर नहीं पाएँ। 11 तब ऊँ पंचे कइअक जनेन काहीं उकसाइन, जउन कहँइ लागें, "हम पंचे इनहीं परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले मूसा, अउर परमातिमा के बिरोध माहीं बुराई के बातँय कहत सुने हएन।" 12 इआमेर से ऊँ पंचे खुब मनइन काहीं, अउर यहूदी समाज के धारमिक अँगुअन, अउर मूसा के बिधान सिखामँइ बालेन काहीं भड़काइके बोलाय लाएँ, अउर स्तिफनुस काहीं पकड़िके महासभा माहीं लइगें। 13 अउर झूँठ गबाहन काहीं ठाढ़ किहिन, जउन कहँइ लागें, कि "इआ मनई इआ पबित्र जघा, अउर मूसा के बिधान के बिरोध माहीं बोलब नहीं छोंड़य। 14 काहेकि हम पंचे एही इआ कहत सुने हएन, कि नासरत गाँव माहीं रहँइ बाले यीसु, इआ जघा काहीं नास कइ देइहँय, अउर उन रीति-रिबाजन काहीं बदल डरिहँय, जउन मूसा नबी हमहीं पंचन काहीं दिहिन हीं।" 15 तब सगले जने जउन महासभा माहीं बइठ रहे हँय, स्तिफनुस कइती बड़े ध्यान से देखिन, त "उनखर मुँह स्वरगदूत कि नाईं देखान।"

स्तिफनुस के भाँसन

7 तब महायाजक कहिन, "का ईं बातँय सही आहीं?" 2 स्तिफनुस कहिन, "हे भाइव अउर बुजुरगव सुना, हमार पंचन के पूरबज अब्राहम हारान प्रदेस माहीं बसँइ से पहिले, जब मेसोपोटामिया प्रदेस माहीं रहे हँय; तब तेजोमय परमातिमा उनहीं दरसन दिहिन। 3 अउर उनसे कहिन, कि तूँ अपने देस अउर अपने कुटुम्ब परिबार से निकरिके, उआ देस माहीं चले जा, जउने काहीं हम तोंहईं देखाउब। 4 तब ऊँ कसदिअन के देस से निकरिके, हारान प्रदेस माहीं जाइके बसिगें; अउर उनखे बाप के मउत के बाद, परमातिमा उनहीं उहाँ से इआ देस माहीं लइआइके बसाइन, जउने माहीं अब तूँ पंचे बसे हया। 5 परमातिमा बारिसदारी माहीं गोड़ धरऊँ भर के जघा उहाँ उनहीं नहीं दिहिन, पय वादा किहिन, कि हम इआ देस तोंहईं अउर तोंहरे बाद तोंहरे बंस काहीं देब; पय उआ समय माहीं उनखे एक्कव लड़िका-बच्चा नहीं रहे आँय। 6 अउर परमातिमा उनसे इआमेर कहिन; कि 'तोंहरे बंस के लोग, पराए देस माहीं परदेसी होइके रइहँय, अउर उहाँ के मनई उनहीं आपन दास बनइहँय, अउर चार सव बरिस तक उनहीं दुख देइहँय।' 7 पुनि परमातिमा कहिन, 'जउने जाति के ऊँ पंचे दास होइहँय, उआ जाति के मनइन काहीं हम सजा देब; अउर एखे बाद ऊँ पंचे उहाँ से निकरिके, इआ जघा माहीं आइके हमार सेबा करिहँय †।' 8 अउर परमातिमा अब्राहम से खतना करामँइ के करार किहिन; अउर उहय दसा माहीं उनसे इसहाक पइदा भें; अउर अठएँ दिन उनखर खतना कीन ग; अउर इसहाक से याकूब, अउर याकूब से बारा कुलपति पइदा भें।

9 अउर ऊँ कुलपति लोग यूसुफ से डाह करत रहे हँय, एसे ऊँ पंचे यूसुफ काहीं मिस्र देस जाँइ बालेन काहीं बेंच दिहिन; पय परमातिमा यूसुफ के साथ रहे हँय। 10 अउर परमातिमा उनहीं सगली बिपत्तिन से बचाइके, मिस्र के राजा फिरौन के आँगे किरपा अउर अकिल दिहिन, अउर राजा फिरौन उनहीं मिस्र देस, अउर अपने सगले घर-बार के अधिकारी बनाय दिहिन। 11 तब सगले मिस्र, अउर कनान देस माहीं अकाल परा; जेसे भारी बिपत्ती आई, अउर हमरे पंचन के बाप-दादन काहीं अनाज नहीं मिलत रहा आय। 12 पय याकूब इआ सुनिके, कि मिस्र देस माहीं अनाज हय, हमरे बाप-दादन काहीं पहिल बेरी पठइन। 13 अउर दुसराय यूसुफ अपने भाइन काहीं आपन परिचय बताइन, तबहिन राजा फिरौन काहीं यूसुफ के परिबार के बारे माहीं जानकारी भय। 14 तब यूसुफ अपने बाप याकूब अउर अपने सगले कुटुम्ब परिबार काहीं, जउन पचहत्तर मनई रहे हँय, बोलबाइन। 15 तब याकूब मिस्र देस माही गें; अउर उहाँ ऊँ अउर हमार बाप-दादा मरिगें। 16 अउर उनखर लोथँय उहाँ से सेकेम प्रदेस माहीं पहुँचाई गईं, अउर उहाँ उनहीं कब्र माहीं दफनाबा ग। जउने काहीं अब्राहम, हमोर के लड़िकन से कुछ दाम दइके खरीदिन रहा हय।

17 पय जब उआ वादा के पूर होंइ के समय लघे आबा, जउने काहीं परमातिमा अब्राहम से किहिन रहा हय, तब तक उनखर संख्या मिस्र देस माहीं बढ़िके खुब होइगे रही हय। 18 पय जब मिस्र देस माहीं दूसर राजा भ, जउन यूसुफ काहीं नहीं जानत रहा आय। 19 उआ राजा हमरे जाति बालेन से चलाँकी कइके, हमरे बाप-दादन के साथ एतना कठोर बेउहार किहिस, कि उनहीं अपने लड़िकन काहीं फेंक देंइ परा, कि ऊँ पंचे जिन्दा न रहँय। 20 उहय समय मूसा पइदा भें, जउन परमातिमा के नजर माहीं खुब सुन्दर रहे हँय; अउर ऊँ तीन महीना तक अपने बाप के घर माहीं पाले गें। 21 पय जब फेंक दीनगें, तब राजा फिरौन के बिटिया उनहीं उठाय लिहिन, अउर आपन लड़िका मानिके पालिन-पोसिन। 22 अउर मूसा काहीं मिस्रिअन के सगली बिद्या पढ़ाई गे, अउर ऊँ बातन अउर कामन माहीं सामरथी रहे हँय।

23 जब ऊँ चालिस बरिस के भें, तब उनखे मन माहीं इआ बिचार आबा, कि हम अपने इजराइली भाइन से मिली। 24 अउर ऊँ एकठे मनई के ऊपर अन्याय होत देखिके, ओही बचाइन, अउर मिस्री जाति के मनई काहीं मारिके, सताए मनई के बदला लिहिन। 25 ऊँ सोचिन, कि हमार भाई-बन्धु समझिहँय, कि परमातिमा हमरे द्वारा उनहीं गुलामी से मुक्त करिहँय, पय ऊँ पंचे नहीं समझिन। 26 दुसरे दिन जब ऊँ पंचे आपस माहीं लड़त रहे हँय, तब मूसा उहाँ आइगें; अउर इआ कहिके, उनहीं मेल करामँइ के खातिर समझाइन, कि 'हे भाइव, तूँ पंचे त भाई-भाई आह्या, एक दुसरे के ऊपर अन्याय काहे करते हया?' 27 पय जउन अपने परोसी के ऊपर अन्याय करत रहा हय, उआ उनहीं इआ कहिके हटाय दिहिस, कि 'तोंहईं को हमरे ऊपर सासन करँइ बाला, अउर न्यायी ठहराइस ही?' 28 का 'काल्ह जउनमेर से मिस्री मनई काहीं मारि डारे हया, हमहूँ काहीं मारि डारँइ चहते हया?' 29 इआ बात काहीं सुनिके, मूसा उहाँ से भागिगें; अउर मिद्यान देस माहीं परदेसी होइके रहँइ लागें, अउर उहाँ उनखे दुइठे लड़िका पइदा भें।

30 जब उहाँ रहत उनहीं पूर चालिस बरिस बीतिगें, तब एकठे स्वरगदूत सीनै नाम के पहार के जंगल माहीं, जलत जरबइला के लपट माहीं उनहीं दरसन दिहिन। 31 मूसा उआ दरसन काहीं देखिके अचरज मानिन, अउर जब देखँइ के खातिर लघे गें, तब प्रभू के इआ बोल सुनान। 32 कि 'हम तोंहरे बाप-दादन, अब्राहम, इसहाक अउर याकूब के परमातिमा आहेन', तब मूसा काँपय लागें, इहाँ तक कि उनखर देखँइ के हिम्मत नहीं परी। 33 तब प्रभू उनसे कहिन; 'अपने गोड़े के पनहीं उतार ल्या, काहेकि जउने जघा माहीं तूँ ठाढ़ हया, उआ पबित्र भुँइ आय। 34 हम सही-सही अपने लोगन के दुरदसा काहीं देखेन हय, जउन मिस्र देस माहीं हें; अउर उनखर कराहब अउर रोउब हम सुनेन हय; एहिन से हम उनहीं छोड़ामँइ के खातिर उतरेन हय। अब आबा हम तोंहईं मिस्र देस माहीं पठउब।'

† *7:7 निरग 3:12*

35 जउने मूसा काहीं, ऊँ पंचे इआ कहिके नकारिन रहा हय, कि तोंहईं को
हमरे ऊपर सासन करँइ बाला अउर न्यायी ठहराइस ही, उनहिन काहीं
परमातिमा सासन करँइ बाला, अउर छोड़ामँइ बाला ठहराइके, उआ
स्वरगदूत के द्वारा, जउन उनहीं जलत जरबइला माहीं दरसन दिहिन रहा
हय, पठइन। 36 उँइन मूसा उनहीं मिस्र देस के धरती, अउर लाल समुद्र अउर
सुनसान जघा माहीं, चालिस साल तक अचरज के काम करत, अउर
चमत्कार देखाबत, बहिरे निकार लाएँ। 37 ईं उँइन मूसा आहीं, जउन
इजराइलिअन से कहिन रहा हय, कि 'परमातिमा तोंहरे भाइन म से तोंहरे
पंचन के खातिर, एकठे हमरे कि नाईं आपन सँदेस बतामँइ बाला तइआर
करिहँय।' 38 ईं उँइन आहीं, जउन सुनसान जघा माहीं मसीही मन्डली के
बीच माहीं उआ स्वरगदूत के साथ सीनै पहार माहीं बातँइ किहिन, अउर
हमरे पंचन के बाप-दादन के साथ रहे हँय, उनहिन काहीं जीबन देंइ बाले
परमातिमा के बचन मिलें, कि हमरे पंचन के लघे तक पहुँचामँइ। 39 पय
हमार पंचन के बाप-दादा, उनखे बातन काहीं नहीं मानँइ चाहिन; बलकिन
उनखे बात काहीं न मानिके, अपने मन काहीं मिस्र देस कइती लगाइन।
40 अउर हारून से कहिन, 'हमरे खातिर अइसन देउता बनाबा, जउन हमरे
पंचन के आँगे-आँगे चलय; काहेकि ऊँ मूसा जउन हमहीं मिस्र देस से
निकारिके लइ आएँ हँय', हम पंचे नहिं जानी, कि उनखे साथ का भ हय?
41 उँइन दिनन माहीं ऊँ पंचे एकठे बछबा के मूरत बनाइके, उहय मूरत के
आँगे बली चढ़ाइन; अउर अपने हाँथे के कामन से मगन होंइ लागें।
42 तब परमातिमा उनसे गुस्साइके उनहीं छोंड़ दिहिन, कि ऊँ पंचे अकास
के ग्रह नछत्रन काहीं पूजँय; जइसन परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन के
किताब माहीं लिखा हय; कि

'हे इजराइल के घराना, का तूँ पंचे सुनसान जघा माहीं चालिस बरिस तक,
पसुअन के बली अउर अन्नबली हमहिन काहीं चढ़ाबत रहे हया?
43 अउर तूँ पंचे मोलेक † के तम्बू, अउर रिफान देउता के तरइया काहीं लए
फिरत रहे हया; अरथात ऊँ मूरतिन काहीं जिनहीं तूँ पंचे दन्डबत करँइ के
खातिर बनाए रहे हया, एसे हम तोंहईं बेबीलोन प्रदेस के बाहर लइ जाइके
बसाउब।'

44 गबाह के तम्बू सुनसान जघा माहीं हमरे पंचन के बाप-दादन के बीच
माहीं रहा हय, इआ तम्बू उहय नमूना के मुताबिक बनाबा ग रहा हय,
जइसन अकार परमातिमा मूसा काहीं बताइन रहा हय, अउर मूसा से कहिन
तय, 'जउन अकार तूँ देखे हया, ओहिन के मुताबिक एही बनाया।' 45 उहय
तम्बू काहीं हमार पंचन के बाप-दादा उहय समय से पाइके, यहोसू के
अँगुआई माहीं इहाँ लइ आएँ; जउने समय ऊँ पंचे ऊँ गैरयहूदी लोगन से
इआ धरती काहीं लइ लिहिन रहा हय, जिनहीं परमातिमा हमरे पंचन के
बाप-दादन के आँगे से, इहाँ से निकार दिहिन रहा हय; अउर उआ तम्बू राजा
दाऊद के समय तक रहा हय। 46 राजा दाऊद के ऊपर परमातिमा किरपा
किहिन, तब ऊँ बिनती किहिन, कि 'हम याकूब के परमातिमा के रहँइ के
खातिर जघा बनाय सकी'। 47 पय उनखर लड़िका सुलैमान परमातिमा के
खातिर घर बनबाइन। 48 पय परमप्रधान परमातिमा हाँथ के बनाए घरन
माहीं नहीं रहँय, जइसन परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले कहिन हीं, 49 कि

'प्रभू कहत हें, कि स्वरग हमार सिंहासन, अउर धरती हमरे गोड़े के नीचे के
चउकी आय, हमरे खातिर तूँ पंचे कउनमेर के घर बनइहा? अउर हमरे अराम
करँइ के कउन जघा होई?
50 का ईं सगली चीजँय हमरेन हाँथ के बनाई न होंहीं?'

51 हे हठी, अउर हमरे बातन के ऊपर ध्यान न देंइ बाले बिना खतना के
मनइव! तूँ पंचे हमेसा पबित्र आत्मा के बिरोध करते हया, जइसन तोंहार
पंचन के बाप-दादा करत रहे हँय, उहयमेर तुहूँ पंचे घलाय करते हया।
52 जेतने परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले रहे हँय, सगलेन काहीं तोंहार
पंचन के बाप-दादा सताइन हीं, अउर ऊँ पंचे त उनहूँ काहीं घलाय मार
डारिन रहा हय, जउन पहिलेन से ऊँ धरमी के आमँइ के बारे माहीं घोसना
किहिन रहा हय, जिनहीं अब तूँ पंचे धोखा दइके पकड़बाया, अउर मरबाय
डारे हया। 53 तूँ पंचे स्वरगदूतन के द्वारा ठहराबा बिधान त पाया, पय उनखर
पालन नहीं किहा।"

स्तिफनुस के ऊपर पथरहाव

54 ईं बातन काहीं सुनिके, ऊँ पंचे आगबबूला होइगें, अउर उनखे ऊपर
दाँत पीसँय लागें। 55 पय स्तिफनुस पबित्र आत्मा से भरिके स्वरग कइती
निहारिन, तब परमातिमा के महिमा काहीं देखिन, अउर यीसु काहीं घलाय
परमातिमा के दहिने कइती ठाढ़ देखिके कहिन, 56 "देखा, हम देख रहेन
हय, कि स्वरग खुला हय, अउर मनई के लड़िका परमातिमा के दहिने कइती
ठाढ़ हें।" 57 तब ऊँ पंचे खुब चिल्लाइके कान बन्द कइ लिहिन, अउर एक
चित होइके उनखे ऊपर झपट परें। 58 ऊँ पंचे स्तिफनुस काहीं खसेलत सहर
से बहिरे लइ जाइके, उनखे ऊपर पथरा मारँइ लागें, अउर देखँइ बाले गबाह
आपन ओन्हा, साऊल नाम के एकठे नवजमान के लघे उतारिके धइ दिहिन
तय। 59 अउर ऊँ पंचे स्तिफनुस के ऊपर पथरा मरतय रहिगें, अउर ऊँ इआ
कहिके प्राथना करत रहिगें, कि "हे प्रभू यीसु, हमरे आत्मा काहीं सोइकार
करी।" 60 फेर घुटुआ के बल गिरिके खुब चन्डे से कहिन, "हे प्रभू, इआ पाप
इनखे ऊपर न लगाई", अउर एतना कहिके प्रान छोंड़ दिहिन, अउर साऊल
उनखे कतल होंइ माहीं सहमत रहे हँय।

मसीही मन्डली के ऊपर अत्याचार

8 उहय दिना यरूसलेम के मसीही मन्डली के ऊपर बड़ा अत्याचार सुरू
होइगा, अउर यीसु के खास चेलन के अलाबा, सगले जन यहूदिया
प्रदेस अउर सामरिया प्रदेस माहीं तितिर-बितिर होइगें। 2 (भक्त जन मिलिके
स्तिफनुस काहीं कब्र माहीं धरिन, अउर उनखे खातिर बड़ा बिलाप किहिन।)
3 साऊल मसीही मन्डली काहीं नास करँइ माहीं लगा रहा हय; अउर घरन-
घरन माहीं घुसिके मंसेरुअन अउर मेहेरिअन काहीं, खसेल-खसेलके जेल
माहीं डारत रहा हय। 4 जउन तितिर-बितिर होइगे रहे हँय, ऊँ पंचे जहाँ-जहाँ
जात रहे हँय, उहाँ-उहाँ खुसी के खबर सुनाबत रहे हँय।

सामरिया प्रदेस माहीं फिलिप्पुस के प्रचार

5 अउर फिलिप्पुस सामरिया सहर माहीं जाइके उहाँ के मनइन के बीच
माहीं मसीह के प्रचार करँइ लागें। 6 अउर जउने बातन काहीं फिलिप्पुस
कहिन, उनहीं उहाँ के मनई सुनिके अउर जउन चमत्कार ऊँ देखाबत रहे
हँय, उनहीं देखिके, ऊँ पंचे एक चित होइके बड़े ध्यान से सुनिन। 7 काहेकि
खुब मनइन म से, जिन माहीं बुरी आत्मा सकान रही हँय, खुब चन्डे से
चिल्लात उनमा से निकर गईं, अउर लोकबा के मारे खुब मनई अउर खुब
लाँगड़ मनई घलाय नीक होइगें तय। 8 अउर उआ सहर माहीं बड़ा आनन्द
छाबा रहा हय।

जादूगर समौन

9 एखे पहिले उआ सहर माहीं समौन नाम के एकठे मनई रहा हय, जउन
जादू-टोना कइके सामरिया सहर के मनइन काहीं अचरज माहीं डार देत रहा
हय, अउर अपने-आप काहीं बड़ा महान मनई बताबत रहा हय। 10 अउर
सगले मनई छोट से लइके बड़े तक, ओखे बातन के ऊपर ध्यान देत रहे हँय,
अउर कहत रहे हँय, कि "ईं मनई परमातिमा के उआ सक्ती आहीं जउन
महान कहाबत ही।" 11 उआ खुब दिनन से उनहीं अपने जादू-टोना के
कामन से अचम्भित कइ राखिस तय, एहिन से ऊँ पंचे ओही खुब मानत रहे
हँय। 12 पय जब फिलिप्पुस, परमातिमा के राज अउर मसीह यीसु के नाम के
खुसी के खबर उनहीं सुनाइन, तब ऊँ पंचे उन बातन के ऊपर बिसुआस
किहिन, अउर का मंसेरुआ का मेहेरिआ सगले जन बपतिस्मा लेंइ लागें।
13 तब समौन खुदय उनखे ऊपर बिसुआस किहिस, अउर बपतिस्मा लइके

† *7:43 आमो 5:25-27*

फिलिप्पुस के साथ रहँइ लाग, अउर उनखे द्वारा चमत्कार अउर बड़े-बड़े सामर्थ के काम होत देखिके, चउआय जात रहा हय।

पतरस अउर यूहन्ना के जादूगर समौन से बातचीत

14 जब यीसु के खास चेला लोग जउन यरूसलेम सहर माहीं रहे हँय,
सुनिन, कि सामरिया प्रदेस के कुछ मनई परमातिमा के बचन काहीं सोइकार
कइ लिहिन हीं, त ऊँ पंचे पतरस अउर यूहन्ना काहीं उनखे लघे पठइन।
15 अउर ऊँ पंचे उहाँ जाइके उनखे खातिर प्राथना किहिन, कि उनहीं पंचन
काहीं पबित्र आत्मा मिलय। 16 काहेकि पबित्र आत्मा अबे तक उनमा से
कोहू के ऊपर नहीं उतरा रहा आय, ऊँ पंचे त केबल प्रभू यीसु के नाम माहीं
बपतिस्मा लिहिन रहा हय। 17 तब पतरस अउर यूहन्ना उन सगलेन के ऊपर
हाँथ धरिन, अउर ऊँ पंचे पबित्र आत्मा पाइन। 18 जब समौन देखिस, कि
यीसु के खास चेलन के हाँथ धरे से पबित्र आत्मा दीन जात हय, तब उनखे
लघे पइसा लइआइके कहिस, 19 कि "इआ अधिकार हमहूँ काहीं देई, कि
हम जेखे ऊपर हाँथ धरी, त उआ पबित्र आत्मा पाबय।" 20 तब पतरस ओसे
कहिन; "तोर पइसा तोरे साथय नास होय, काहेकि तँय परमातिमा के दान
काहीं, पइसा से मोल लेंइ के बिचार किहे हई। 21 इआ बात माहीं न तोर
कउनव हिस्सा आय, अउर न कउनव साझेदारी आय; काहेकि तोर मन
परमातिमा के आँगे ठीक नहिं आय। 22 एसे तँय अपने इआ बुराई से मन
फिराइके प्रभू से प्राथना कर, होइ सकत हय तोरे मन माहीं जउन बिचार
हय, उआ बिचार के खातिर परमातिमा तोही माफ कइ देंय। 23 काहेकि हम
देख रहेन हय, कि तँय पित्त कि नाईं करुआहट से भरे हए, अउर अधरम के
बन्धन माहीं परे हए।" 24 तब जादूगर समौन उनहीं जबाब दिहिस, कि
"अपना पंचे हमरे खातिर प्रभू से प्राथना करी, कि जउन बात अपना पंचे
कहे हएन, उनमा से कउनव हमरे ऊपर न आय परय।"
25 ओखे बाद खास चेला लोग आपन गबाही दइके, अउर प्रभू के बचन
सुनाइके, यरूसलेम सहर काहीं लउटिगें, अउर सामरिया प्रदेस के खुब
गाँमन माहीं खुसी के खबर सुनाबत गें।

फिलिप्पुस अउर कूस देस के अधिकारी

26 प्रभू के एकठे स्वरगदूत फिलिप्पुस से कहिन; इहाँ से उठिके दक्खिन
कइती उआ गइल माहीं जा, जउन यरूसलेम सहर से गाजा सहर काहीं
जात ही, अउर उआ गइल सुनसान जघा म से जात ही। 27 फिलिप्पुस उहाँ
से उठिके चल दिहिन, अउर देखिन, कि कूस देस के एकठे मनई आय रहे
हँय, जउन खोजा अउर कूस देस के रानी कन्दाके के मन्त्री अउर खजान्ची
रहे हँय, अउर ऊँ भजन करँइ के खातिर यरूसलेम सहर आए रहे हँय।
28 अउर ऊँ अपने रथ माहीं बइठ रहे हँय, अउर परमातिमा के सँदेस बतामँइ
बाले यसायाह के किताब पढ़त लउटे जात रहे हँय। 29 तब पबित्र आत्मा
फिलिप्पुस से कहिन, लघे जाइके इआ रथ के साथ होइ ल्या। 30 तब
फिलिप्पुस उहाँ कइती दउड़िके उनहीं परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले
यसायाह के किताब पढ़त सुनिन, तब उनसे पूँछिन, कि "तूँ जउन पढ़ रहे
हया, का ओही समझतेव हया?" 31 तब ऊँ फिलिप्पुस से कहिन, "जब तक
कोऊ न समझाबय, तब तक हम कइसा समझे पाउब?" अउर ऊँ
फिलिप्पुस से बिनती किहिन, कि "अपना रथ माहीं चढ़िके हमरे लघे बइठ
जई।"
32 पबित्र सास्त्र †के जउन पाठ ऊँ पढ़त रहे हँय, ओमा इआ लिखा रहा
हय; कि
"ऊँ गाड़र कि नाईं बध होंइ के खातिर पहुँचाए गें, अउर जइसन मेम्ना
अपने बार काटँय बाले के आँगे चुपचाप रहत हय, उहयमेर ऊँ घलाय आपन
मुँह नहीं खोलिन।

† *8:32 यसा 53:7,8*

33 उनखे दीनता के दसा माहीं उनखर न्याय नहीं होंइ पाबा, अउर उनखे
समय के मनइन के बखान को करी? काहेकि धरती से उनखर प्रान उठाबा
जात हय।"
34 इआ सुनिके खोजा फिलिप्पुस से पूँछिन; "हम अपना से बिनती करित
हएन, अपना इआ बताई कि परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले, इआ बात
केखे बारे माहीं कहत हें, अपने बारे माहीं, इआ कि कउनव दुसरे के बारे
माहीं।" 35 तब फिलिप्पुस बताउब सुरू किहिन, अउर इहय सास्त्र से सुरू
कइके, उनहीं यीसु के खुसी के खबर सुनाइन। 36 गइल माहीं चलत-चलत
ऊँ पंचे जहाँ पानी रहा हय, उआ जघा माहीं पहुँचिगें, तब खोजा उनसे
कहिन, "देखी, इहाँ पानी हय, अब हमहीं बपतिस्मा लेंइ माहीं कउनव
अरचन नहिं आय।" 37 तब फिलिप्पुस उनसे कहिन, "अगर तूँ अपने पूरे मन
से बिसुआस करते हया, त बपतिस्मा लइ सकते हया।" तब ऊँ जबाब
दिहिन, "हम बिसुआस करित हएन, कि यीसु मसीह परमातिमा के लड़िका
आहीं।" 38 तब ऊँ रथ काहीं ठाढ़ करँइ के हुकुम दिहिन, अउर फिलिप्पुस
अउर खोजा दोनव जने पानी माहीं हिलिगें, अउर फिलिप्पुस उनहीं
बपतिस्मा दिहिन। 39 जब ऊँ पंचे पानी से निकरिके बहिरे आएँ, तब प्रभू के
आत्मा फिलिप्पुस काहीं उठाइके लइगा, एसे खोजा पुनि उनहीं देखँइ काहीं
नहीं पाइन, अउर खोजा आनन्द मनाबत अपने गइल माहीं चलेगें। 40 अउर
फिलिप्पुस अपने-आप काहीं असदोद सहर माहीं पाइन, अउर जब तक
कैसरिया सहर माहीं नहीं पहुँचे, तब तक ऊँ सहरन-सहरन खुसी के खबर
सुनाबत गें।

साऊल के हिरदँय माहीं बदलाव

9 साऊल जउन अबे तक प्रभू के चेलन काहीं धमकी देंइ, अउर कतल
करँइ के धुन माहीं रहे हँय, महायाजक के लघे गें। 2 अउर उनसे
दमिस्क सहर के सभाघरन के नाम से इआ उद्देस्य से चिट्ठी माँगिन, कि चाह
मंसेरुआ होंय, चाह मेहेरिआ, जिनहीं ऊँ यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस
करत पामँय, उन सगलेन काहीं बाँधिके यरूसलेम सहर माहीं लइ आमँय।
3 पय जब ऊँ चलत-चलत दमिस्क सहर के लघे पहुँचे, तब अचानक अकास
से उनखे चारिव कइती जोति चमकी। 4 अउर ऊँ भुँइ माहीं गिर परें, अउर
इआ बोल सुनिन, कि "हे साऊल, हे साऊल, तूँ हमहीं काहे सतउते हया?"
5 ऊँ पूँछिन; "हे प्रभू, अपना को आहेन?" तब ऊँ कहिन; "हम यीसु आहेन;
जेही तूँ सतउते हया। 6 पय अब उठिके सहर माहीं जा, अउर जउन कुछू
करँइ काहीं हय, उआ तोंहसे बताबा जई।" 7 जउन मनई उनखे साथ माहीं
रहे हँय, ऊँ चुप्पय रहिगें; काहेकि ऊँ पंचे बोल त सुनत रहे हँय, पय कोऊ
उनहीं देखात नहीं रहा आय। 8 तब साऊल भुँइ से उठें, पय जब आँखी
खोलिन त उनहीं कुछू देखात नहीं रहा आय, अउर उनखर साथी उनखर
हाँथ पकड़िके दमिस्क सहर माहीं लइगें। 9 अउर ऊँ तीन दिना तक नहीं देख
सकें, अउर न कुछू खाबय पिअब भें।
10 दमिस्क सहर माहीं हनन्याह नाम के एकठे चेला रहे हँय, उनसे प्रभू
दरसन माहीं कहिन, "हे हनन्याह!" ऊँ कहिन; "हाँ प्रभू।" 11 तब प्रभू उनसे
कहिन, "उठिके उआ गली माहीं जा, जउन सीध गली कहाबत ही, अउर
यहूदा के घर माहीं तरसुस सहर के रहँइ बाले साऊल नाम के एकठे मनई
काहीं पूँछ लिहा; काहेकि देखा, ऊँ प्राथना कइ रहे हँय।" 12 अउर ऊँ दरसन
माहीं देखिन हीं, कि हनन्याह नाम के एकठे मनई घर माहीं आइके उनखे
ऊपर हाँथ धरिन, जउने ऊँ पुनि देख सकँय। 13 तब हनन्याह उनहीं जबाब
दिहिन, कि "हे प्रभू, हम इआ मनई के बारे माहीं खुब जनेन से सुने हएन,
कि ईं यरूसलेम सहर माहीं अपना के पबित्र मनइन के साथ बड़ी-बड़ी बुराई
किहिन हीं। 14 अउर इहाँ घलाय इनहीं प्रधान याजकन के तरफ से अधिकार
मिला हय, कि जे-जे अपना के नाम लेत हें, उन सगलेन काहीं बन्दी बनाय
लेंय।" 15 पय प्रभू उनसे कहिन, कि "तूँ चले जा; काहेकि हम साऊल काहीं
चुनि लिहेन हँय, कि ऊँ गैरयहूदी लोगन के आँगे अउर राजन के आँगे, अउर
इजराइलिअन के आँगे हमरे नाम के प्रचार करँय। 16 अउर हम उनहीं

बताउब, कि हमरे नाम के खातिर उनहीं कइसा-कइसा दुख उठामँइ परी।”
17 तब हनन्याह उठिके उआ घर माहीं गें, अउर उनखे ऊपर आपन हाँथ
धइके कहिन, “हे भाई साऊल, प्रभू यीसु जउन उआ गइल माहीं जउने से तूँ
आए हया, तोंहईं देखाई दिहिन रहा हय, उँइन हमहीं पठइन हीं, कि तूँ पुनि
देखँइ लागा, अउर पबित्र आत्मा से भर जा।” 18 अउर हरबिन उनखे आँखी
से छिलका कि नाईं कुछू गिरा, अउर ऊँ देखँइ लागें, अउर उठिके बपतिस्मा
लिहिन; ओखे बाद खाना खाइन तब उनखे देंह माहीं बल आबा।

दमिस्क सहर माहीं साऊल के द्वारा प्रचार

19 ऊँ कइअक दिना तक उन चेलन के साथय रहिगें, जउन दमिस्क सहर
माहीं रहे हँय। 20 अउर ऊँ हरबिन यहूदी सभाघरन माहीं जाइके प्रचार करँइ
लागें, कि “यीसु परमातिमा के लड़िका आहीं।” 21 अउर सगले सुनँय बाले
चउआइके कहँइ लागें; का ईं उहय मनई न होंहीं, जउन यरूसलेम सहर
माहीं यीसु के नाम लेत रहे हँय, उनहीं नास करत रहे हँय, अउर इहाँ घलाय
एहिन से आएँ तय, कि उनहीं जउन यीसु के नाम लेत हें बाँधिके
महायाजकन के आँगे लइ जाँय? 22 पय साऊल अउर सामरथी होत गें, अउर
इआ बात के सबूत दइ-दइके कि यीसुअय मसीह आहीं, दमिस्क सहर के
यहूदी लोगन के मुँह बन्द कइ देत रहे हँय।
23 खुब दिन बीत जाँइ के बाद, यहूदी लोग उनहीं मारि डारँय के योजना
बनाइन। 24 पय उनखर योजना साऊल काहीं मालुम होइगे, कि “ऊँ हमहीं
मारि डारँइ के खातिर रात-दिना फाटकन के लघे पहरा देत रहत हें।” 25 पय
रात माहीं उनखर चेला लोग उनहीं टोपरा माहीं बइठाइके, सहर के चारिव
कइती जउन भीती रही हय, ओसे झुलाइके नीचे उतार दिहिन।

यरूसलेम सहर माहीं साऊल के पहुँचब

26 अउर ऊँ यरूसलेम सहर माहीं पहुँचिके चेलन के साथ मिल जाँइ के
कोसिस किहिन, पय सगले जने उनसे डेरात रहे हँय, काहेकि उनहीं इआ
बिसुआस नहीं होत रहा आय, कि इऊँ चेला आहीं। 27 पय बरनबास उनहीं
अपने साथ यीसु के खास चेलन के लघे लइ जाइके, उनसे बताइन, कि “ईं
कउनमेर से गइल माहीं प्रभू काहीं देखिन, अउर प्रभू इनसे बात किहिन;
अउर फेर ईं दमिस्क सहर माहीं, कउनमेर से बड़े साहस के साथ यीसु के
नाम के प्रचार किहिन।” 28 तब से साऊल उनखे साथ यरूसलेम सहर माहीं
आमँइ-जाँइ लागें। 29 अउर निधड़क होइके प्रभू के नाम के प्रचार करत रहे
हँय; अउर यूनानी भाँसा बोलँइ बाले यहूदी लोगन के साथ, बातचीत अउर
बाद-बिबाद करत रहे हँय; पय ऊँ पंचे उनहीं मार डारँइ के कोसिस करँइ
लागें। 30 इआ जानिके बिसुआसी भाई उनहीं कैसरिया सहर माहीं लइ आएँ,
अउर उहाँ से उनहीं तरसुस सहर माहीं पठय दिहिन।
31 इआमेर से सगले यहूदिया प्रदेस, अउर गलील प्रदेस, अउर सामरिया
प्रदेस माहीं, मसीही मन्डलिन के सगले मनइन काहीं सान्ति मिली, अउर
उनखर उन्नति होत चली गय; अउर मसीही मन्डली प्रभू के भय, अउर पबित्र
आत्मा के सान्ति माहीं, चलत अउर बढ़त जात रही हँय।

लुद्दा सहर अउर याफा सहर माहीं पतरस

32 अउर अइसन भ, कि पतरस हरेक जघन माहीं घूमत, उन पबित्र मनइन
के लघे घलाय पहुँचे, जउन लुद्दा सहर माहीं रहत रहे हँय। 33 उहाँ उनहीं
एनियास नाम के लोकबा के मारा एकठे मनई मिला, जउन आठ बरिस से
खटिया माहीं परा रहा हय। 34 तब पतरस उनसे कहिन, “हे एनियास! यीसु
मसीह तोंहईं नीक करत हें; उठा, आपन बिछउना उठाबा”; तब उआ
तुरन्तय उठिके ठाढ़ होइगा। 35 अउर लुद्दा सहर अउर सारोन प्रदेस के सगले
रहँइ बाले उनखे इआ काम काहीं देखिके, प्रभू के ऊपर बिसुआस किहिन।
36 अउर याफा सहर माहीं एकठे तबीता नाम के बिसुआसिन रहत रही
हय, जउन दोरकास नाम से घलाय जानी जात रही हय, उआ खुब निकहे-
निकहे काम करत रही हय, अउर गरीबन काहीं दान देत रही हय। 37 उँइन
दिनन माहीं उआ बिमार होइके मरिगे; अउर ऊँ पंचे ओही नहबाइके अँटरिया
माहीं धरबाय दिहिन। 38 अउर एसे कि लुद्दा सहर, याफा सहर के लघेन रहा
हय, चेला लोग इआ सुनिके, कि पतरस उहाँ हें, त दुइठे मनइन काहीं
पठइन, कि उनसे बिनती करँय, कि ऊँ हमरे पंचन के लघे खुब जल्दी आय
जाँय। 39 तब पतरस ठाढ़ होइके उनखे साथ चल दिहिन, अउर जब ऊँ उहाँ
पहुँचे, तब ऊँ पंचे उनहीं अँटरिया माहीं लइगें; सगली बिधबा मेहेरिआ रोबत
उनखे लघे आइके ठाढ़ होइ गईं, अउर जउन कुरथा अउर ओन्हा, दोरकास
उनखे साथ माहीं रहत समय बनाइन तय, उनहीं देखामँइ लागीं। 40 तब
पतरस सगलेन काहीं अँटरिया से बहिरे निकार दिहिन, अउर घुटुआ के बल
बइठिके प्राथना किहिन; अउर लहास कइती निहारिके कहिन; “हे तबीता
उठ”: तब ऊँ आपन आँखी खोल दिहिन; अउर पतरस काहीं देखिके उठ
बइठीं। 41 तब पतरस आपन हाँथ पकड़ाइके उनहीं उठाइन, अउर पबित्र
लोगन अउर बिधबन काहीं बोलाइके जिअत देखाय दिहिन। 42 इआ बात
सगले याफा सहर माहीं फइलिगे, अउर उहाँ के खुब मनई प्रभू के ऊपर
बिसुआस किहिन। 43 अउर पतरस याफा सहर माहीं, समौन नाम के कउनव
चमड़ा के धन्धा करँइ बाले के इहाँ, खुब दिनन तक रहिगें।

पतरस काहीं कुरनेलियुस के बोलबाउब

10 कैसरिया सहर माहीं कुरनेलियुस नाम के एकठे मनई रहे हँय,
जउन इतालियानी नाम के पलटन के सुबेदार रहे हँय। 2 ऊँ भक्त रहे
हँय, अउर अपने सगले घराना समेत परमातिमा के भय मानत रहे हँय, अउर
यहूदी लोगन काहीं खुब दान देत रहे हँय, अउर हमेसा परमातिमा से प्राथना
करत रहे हँय। 3 ऊँ दिन के तीन बजे के करीब दरसन माहीं साफ-साफ
देखिन, कि परमातिमा के एकठे स्वरगदूत हमरे लघे भीतर आइके कहत हें;
कि “हे कुरनेलियुस।” 4 ऊँ उनहीं ध्यान से देखिन; अउर डेराइके कहिन; “हे
प्रभू, का हुकुम हय?” स्वरगदूत उनसे कहिन, “तोंहार प्राथना अउर दान
यादगारी के खातिर परमातिमा के लघे पहुँचिगे हँय। 5 अउर अब याफा सहर
माहीं कुछ मनइन काहीं पठइके, समौन जउन पतरस काहबत हें उनहीं
बोलबाय ल्या। 6 ऊँ चमड़ा के धन्धा करँइ बाले समौन के इहाँ मेहमान हें,
जिनखर घर समुद्र के किनारे हय।” 7 जब ऊँ स्वरगदूत उनसे बात कइके
चलेंगे, तब ऊँ दुइठे सेबकन काहीं अउर जउन उनखे लघे हाजिर रहा करत
रहे हँय, उनमा से एकठे भक्त सिपाही काहीं बोलाइन। 8 अउर उनहीं सगली
बात बताइके याफा सहर माहीं पठइन।

पतरस के दरसन देखब

9 दुसरे दिना जब ऊँ पंचे चलत-चलत सहर के लघे पहुँचिगें, तब दुपहर के
करीब पतरस प्राथना करँइ के खातिर छत माहीं चढ़ें। 10 तब उनहीं भूँख
लाग, अउर कुछू खाँइ चाहत रहे हँय; पय जब ऊँ पंचे खाना तइआर करत
रहे हँय, तब ऊँ बेसुध होइगें। 11 अउर दरसन माहीं देखिन कि, “अकास
खुलिगा; अउर एकठे बड़े चद्दरा कि नाईं कउनव चीज नीचे उतरि रही हय,
ओही चारिव कोने से पकड़िके धरती माहीं उतारा जाय रहा हय। 12 जउने
माहीं धरती के हरेक मेर के चार गोड़े बाले, अउर रेगँइ बाले जीव-जन्तु,
अउर अकास के पंछी रहे हँय।” 13 अउर उनहीं अइसन बोल सुनान, “हे
पतरस उठा, मारिके खा।” 14 पय पतरस कहिन, “नहीं प्रभू, कदापि नहीं;
काहेकि हम कबहूँ कउनव अपबित्र, इआ कि असुद्ध चीज नहीं खायन
आय।” 15 पुनि दुसराय उनहीं इआ बोल सुनान, कि “जउन कुछू परमातिमा
सुद्ध ठहराइन हीं, ओही तूँ असुद्ध न कहा।” 16 तीन बेरकी इहइमेर भ; तब
हरबिन उआ चीज अकास माहीं ऊपर उठाय लीनगे।
17 पतरस जउन दरसन देखिन रहा हय, ओखे बारे माहीं बड़ी दुबिधा माहीं
परे रहे हँय, कि “एखर मतलब का होई”, तबहिनय देखा, उँइ मनई जिनहीं
कुरनेलियुस पठइन रहा हय, समौन के घर के पता लगाइके दुअरा माहीं
आइके ठाढ़ होइगें। 18 अउर गोहराइके पूछँइ लागें, “का समौन जउन पतरस
कहाबत हें, इहँय मेहमान बनिके रुके हँय?” 19 पतरस जउन उआ दरसन के

बारे माहीं सोचतय रहे हँय, कि पबित्र आत्मा उनसे कहिन, “देखा तीनठे मनई तोंहईं ढूँढ़ रहे हँय। 20 एसे तूँ उतरिके नीचे जा, अउर निसोच होइके उनखे पीछे-पीछे चले जा, काहेकि हमहिन उनहीं पठएन हँय।” 21 तब पतरस छत से नीचे उतरिके ऊँ मनइन से कहिन; “देखा, जिनहीं तूँ पंचे ढूँढ़ रहे हया, उआ हमहिन आहेन; तोंहरे पंचन के आमँइ के का कारन हय?” 22 तब ऊँ पंचे कहिन, “कुरनेलियुस सुबेदार जउन धरमी मनई हें, अउर परमातिमा के भय मानँइ बाले, अउर यहूदी जाति माहीं उनखर खुब सम्मान हय, ऊँ स्वरगदूत से इआ हुकुम पाइन हीं, कि अपना काहीं अपने घर माहीं बोलाइके अपना से बचन सुनँय।”

कुरनेलियुस के घर माहीं पतरस

23 तब पतरस उनहीं भीतर बोलाइके उनखर स्वागत-सतकार किहिन, अउर दुसरे दिना उनखे साथ गें; अउर याफा सहर के बिसुआसी भाइन म से कइअक जने उनखे साथ गें। 24 दुसरे दिना उँइ पंचे कैसरिया सहर माहीं पहुँचे, अउर कुरनेलियुस अपने रिस्तेदारन अउर पियार साथिन काहीं एकट्ठा कइके उनखर इन्तजार कए रहे हँय। 25 जब पतरस भीतर आबत रहे हँय, तब कुरनेलियुस उनसे भेंट किहिन, अउर उनखर गोड़ पकड़िके नबस्कार किहिन। 26 पय पतरस उनहीं उठाइके कहिन, “ठाढ़ होइजा, हमहूँ त मनइन आहेन।” 27 अउर उनसे बात करत भीतर गें, अउर खुब मनइन काहीं एकट्ठा देखिके। 28 पतरस उनसे कहिन, “तूँ पंचे जनते हया, कि गैरयहूदी लोगन के संगति करब, इआ उनखे इहाँ जाब यहूदी लोगन के खातिर अधरम हय, पय परमातिमा हमहीं बताइन हीं, कि हम कउनव मनई काहीं अपबित्र इआ कि असुद्ध न कही। 29 एसे जब हमहीं बोलबाबा ग; त हम बिना कुछू कहे चले आएन हय, पय अब हम तोंहसे पूँछित हएन, कि हमहीं कउने काम के खातिर बोलबाया हय?”

30 तब कुरनेलियुस कहिन; कि “चार दिना पहिले इहय समय हम अपने घर माहीं तीन बजे प्राथना करत रहेन हँय; कि अचानक एकठे मनई चमकत ओन्हा पहिरे, हमरे आँगे आइके ठाढ़ होइगें। 31 अउर कहँइ लागें, कि ‘हे कुरनेलियुस, तोंहार प्राथना सुन लीनगे ही, अउर तोंहार दान परमातिमा के आँगे याद कीन गे हँय। 32 एसे कोहू काहीं याफा सहर माहीं पठइके, समौन काहीं जउन पतरस कहाबत हें बोलबाबा; ऊँ समुद्र के किनारे समौन जउन चमड़ा के धन्धा करत हें, उनखे घर माहीं मेहमान हें।’ 33 तब हम हरबिन अपना के लघे कुछ मनइन काहीं पठयन, अउर अपना निकहा किहेन हय, जउन आय गएन हय, अब हम पंचे सगले जन इहाँ परमातिमा के आँगे हएन, जउने जउन कुछू परमातिमा अपना से कहिन हीं, ओही सुनी।”

पतरस के उपदेस

34 तब पतरस कहिन, “अब हम समझ गएन हय, कि परमातिमा कोहू के साथ भेदभाव नहीं करँय, 35 बलकिन हरेक जाति माहीं जउन उनसे डेरात हें, अउर धरम के काम करत हें, परमातिमा उनहीं सोइकार करत हें। 36 जउन बचन परमातिमा इजराइलिअन के लघे पठइन, जबकि ऊँ यीसु मसीह के द्वारा (जउन सगले मनइन के प्रभू आहीं) सान्ति के खुसी के खबर सुनाइन। 37 उआ बात काहीं तूँ पंचे जनते हया, जउन यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले के बपतिस्मा के प्रचार के बाद, गलील प्रदेस से सुरू होइके सगले यहूदिया प्रदेस माहीं फइलिगे ही। 38 अउर परमातिमा कउनमेर से नासरत सहर माहीं, रहँइ बाले यीसु काहीं पबित्र आत्मा अउर सामर्थ से अभिसेक किहिन तय, अउर ऊँ भलाई के काम करत, अउर सगलेन काहीं जउन सइतान के सताए रहे हँय, उनहीं नीक करत चारिव कइती घूमत फिरत रहिगें; काहेकि परमातिमा उनखे साथ रहे हँय। 39 अउर हम उन सगले कामन के गबाह हएन, जउन यीसु यहूदिया प्रदेस अउर यरूसलेम सहर माहीं किहिन तय, अउर उनहिन काहीं ऊँ पंचे लकड़ी के क्रूस माहीं लटकाइके मारि डारिन। 40 पय परमातिमा उनहीं तिसरे दिना जिन्दा कइ दिहिन, अउर उनहीं देखाय घलाय दिहिन। 41 पय सगले मनइन काहीं नहीं, बलकिन उन गबाहन काहीं, जिनहीं परमातिमा पहिलेन से चुनि लिहिन तय, अरथात हमहीं पंचन काहीं, जउन उनखे मरेन म से जिन्दा होए के बाद उनखे साथ खाएन-पिएन। 42 अउर ऊँ हमहीं हुकुम दिहिन हीं, कि सगले मनइन माहीं प्रचार करी, अउर गबाही देई, कि ईं उँइन आहीं; जिनहीं परमातिमा जिअत अउर मरे मनइन के न्याय करँइ के खातिर ठहराइन हीं। 43 सगले परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले उनखे बारे माहीं गबाही दिहिन हीं, कि जे कोऊ उनखे ऊपर बिसुआस करी, ओही उनखे नाम के द्वारा पापन के माफी मिली।”

गैरयहूदी लोगन के ऊपर पबित्र आत्मा के उतरब

44 पतरस ईं बातँय कहतय रहे हँय, तबहिनय पबित्र आत्मा बचन के सगले सुनइअन के ऊपर उतरि आबा। 45 अउर जेतने खतना किहे बिसुआसी पतरस के साथ आए रहे हँय, ऊँ पंचे सगले जन चउआइगें, कि “गैरयहूदी लोगन के ऊपर घलाय पबित्र आत्मा के दान उड़ेला ग हय।” 46 काहेकि ऊँ पंचे उनहीं अनेकव प्रकार के भाँसा बोलत, अउर परमातिमा के बड़ाई करत सुनिन। 47 इआ सगला हाल देखिके, पतरस कहिन; “का कोऊ पानी काहीं रोकि सकत हय, कि ईं पंचे बपतिस्मा न पामँय, जउन ईं पंचे हमरे पंचन कि नाईं पबित्र आत्मा पाइन हीं?” 48 अउर ऊँ हुकुम दिहिन कि उनहीं यीसु मसीह के नाम से बपतिस्मा दीन जाय, तब ऊँ पंचे पतरस से बिनती किहिन, कि कुछ दिना अपना हमरे पंचन के साथय रही।

अपने काम के बारे माहीं पतरस के साफ-साफ बताउब

11 अउर यीसु के खास चेला लोग, अउर बिसुआसी भाई-बहिनी जउन यहूदिया प्रदेस माहीं रहे हँय सुनिन, कि “गैरयहूदी लोग घलाय परमातिमा के बचन काहीं अपनाय लिहिन हीं।” 2 अउर पतरस जब यरूसलेम सहर माहीं आएँ, तब जिनखर खतना होइगा रहा हय, ऊँ पंचे उनसे बाद-बिबाद करँइ लागें। 3 कि “जिनखर खतना नहीं भ आय, तूँ उनखे इहाँ जाइके उनखे साथ खाए हया।” 4 तब पतरस सुरू से एक तरफ से सगली बातँय उनसे बताइन, 5 कि “हम याफा सहर माहीं प्राथना करत रहे हएन, अउर बेसुध होइके एकठे दरसन देखेन, कि एकठे बड़े चद्दरा कि नाईं कउनव चीज चारिव कोने से लटकत अकास से नीचे उतरिके हमरे लघे आई। 6 अउर जब हम ओही बड़े ध्यान से देखेन, त ओमाहीं जंगल म रहँइ बाले जानबर अउर रेगँइ बाले जीव-जन्तु अउर अकास के पंछी देखाने। 7 अउर इआ बोलव सुनेन, ‘हे पतरस उठा, मारा अउर खा।’ 8 तब हम कहेन, ‘नहीं प्रभू, नहीं, काहेकि हम कउनव अपबित्र इआ कि असुद्ध चीज कबहूँ नहीं खायन।’ 9 एखे जबाब माहीं अकास से दुसराय बोल सुनान, कि ‘जउन कुछू परमातिमा सुद्ध ठहराइन हीं, ओही तूँ असुद्ध न कहा।’ 10 तीन बेर इहइमेर भ; एखे बाद सब कुछ पुनि अकास माहीं खींच लीनगा। 11 अउर देखा, हरबिन जहाँ हम रुके रहेन हय, उआ घर माहीं तीनठे मनई, जउन कैसरिया सहर से हमरे लघे पठए गे रहे हँय, आइके ठाढ़ होइगें। 12 तब पबित्र आत्मा हमहीं उनखे साथ बिना डेराने जाँइ के खातिर कहिन, अउर ईं छयठे बिसुआसी भाई घलाय हमरे साथ चल दिहिन; अउर हम पंचे उआ मनई के घर माहीं गएन। 13 अउर ऊँ बताइन कि, ‘हम एकठे स्वरगदूत काहीं अपने घर माहीं ठाढ़ देखेन, जउन हमसे कहिन, कि याफा सहर माहीं मनई पठइके समौन काहीं जउन पतरस कहाबत हें, बोलबाय ल्या। 14 ऊँ तोंहसे अइसन बात बतइहँय, जिनखे द्वारा तूँ, अउर तोंहार सगला घराना मुक्ती पाई।’ 15 जब हम बात करब सुरू किहेन, तब पबित्र आत्मा उनखे ऊपर उहयमेर उतरा, जउनमेर से सुरुआत माहीं हमरे पंचन के ऊपर उतरा रहा हय। 16 तब हमहीं प्रभू के कही उआ बात सुधि आइगे; जउन ऊँ कहिन तय, कि ‘यूहन्ना त पानी से बपतिस्मा देत रहे हँय, पय तूँ पंचे पबित्र आत्मा से बपतिस्मा पइहा।’ 17 इआमेर से अगर परमातिमा उनहूँ पंचन काहीं उहय दान दिहिन हीं, जउन हमहीं पंचन काहीं प्रभू यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस किहे से मिला रहा हय; त परमातिमा काहीं रोंकँइ बाले हम को होइत हएन?” 18 इआ सुनिके, ऊँ पंचे चुप्पय होइगें, अउर परमातिमा के बड़ाई

कइके कहँइ लागें, अब त परमातिमा, गैरयहूदी लोगन काहीं घलाय अनन्त जीबन पामँइ के खातिर, मन फिरामँइ के दान दिहिन हीं।

अन्ताकिया सहर माहीं खुसी के खबर के आउब

19 जउन मनई उआ दुख के मारे जउन स्तिफनुस के कारन परा रहा हय, तितिर-बितिर होइगे रहे हँय, ऊँ पंचे घूमत फिरत फीनीके सहर, अउर साइप्रस टापू अउर ओखे बाद अन्ताकिया सहर माहीं पहुँचे; पय यहूदी लोगन काहीं छोंड़िके अउर कोहू काहीं बचन नहीं सुनाबत रहे आँय। 20 पय ऊँ बिसुआसिअन म से कुछ जने, कुप्रुस सहर के अउर कुरेन सहर के रहँइ बाले रहे हँय, जउन अन्ताकिया सहर माहीं आइके यूनानी जाति के मनइन काहीं घलाय, प्रभू यीसु के खुसी के खबर काहीं सुनामँइ लागें। 21 अउर प्रभू के सामर्थ उनखे साथ रही हय, अउर खुब जने खुसी के खबर के ऊपर बिसुआस कइके प्रभू कइती मुड़ि आएँ। 22 जब उनखर चरचा यरूसलेम सहर के मसीही मन्डली के मनइन काहीं सुनँय काहीं मिली, तब ऊँ पंचे बरनबास काहीं अन्ताकिया सहर माहीं पठइन। 23 अउर बरनबास उहाँ पहुँचिके, परमातिमा के किरपा काहीं देखिके आनन्दित भें; अउर सगले बिसुआसी मनइन काहीं उपदेस दिहिन, कि "पूरे मन से प्रभू के ऊपर बिसुआस करा।" 24 काहेकि ऊँ नीक मनई रहे हँय; अउर पबित्र आत्मा से भरे रहे हँय, अउर उनखे उपदेस काहीं सुनिके, खुब मनई प्रभू के ऊपर बिसुआस कइके उनखे साथ आइके मिलिगें। 25 ओखे बाद बरनबास साऊल काहीं ढूँढ़ँइ के खातिर तरसुस सहर माहीं चलेगें। 26 अउर जब उनसे मिलें तब उनहीं अन्ताकिया सहर माहीं लइ आएँ, अउर अइसन भ कि ऊँ पंचे एक बरिस तक मसीही मन्डली के मनइन से मिलत-जुलत, अउर खुब मनइन काहीं उपदेस देत रहिगें, अउर अन्ताकिया सहर माहीं सगलेन से पहिले यीसु के चेला लोग मसीही कहाए।

27 उहय समय यरूसलेम सहर से कुछ परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले घलाय, अन्ताकिया सहर माहीं आए रहे हँय। 28 उनमा से अगबुस नाम के एक जने ठाढ़ होइके, पबित्र आत्मा के प्रेरना से इआ बताइन, कि सगले संसार माहीं बड़ा अकाल परी, अउर उआ अकाल राजा क्लौदियुस के समय माहीं परा। 29 तब चेला लोग इआ निरनय किहिन कि, हरेक जने अपने छमता के मुताबिक, यहूदिया प्रदेस माहीं रहँइ बाले बिसुआसी भाई-बहिनिन के सेबा के खातिर कुछ धन पठमँइ। 30 अउर ऊँ पंचे इहइमेर किहिन; बरनबास अउर साऊल के हाँथे यहूदिया इलाका के मन्डली के अँगुअन के लघे कुछ धन पठय दिहिन।

जेल से पतरस के छुटकारा

12 उहय समय राजा हेरोदेस, मसीही मन्डली के कुछ मनइन काहीं सताउब सुरू कइ दिहिन। 2 ऊँ यूहन्ना के भाई याकूब काहीं तलबार से मरबाय डारिन। 3 अउर जब ऊँ देखिन, कि यहूदी जाति के सगले मनई एसे आनन्दित होथें, तब ऊँ पतरस काहीं घलाय पकड़ लिहिन, उआ समय बिना खमीर के रोटी खाँइ बाला तेउहार चलत रहा हय। 4 अउर ऊँ पतरस काहीं पकड़िके जेल माहीं बन्द कराय दिहिन, अउर चउकीदारी करँइ के खातिर, चार-चार सिपाहिन के चार परत पहरा लगाय दिहिन, इआ बिचार से कि फसह नाम के तेउहार के बाद, उनहीं मनइन के आँगे हाजिर करब। 5 एसे जेल माहीं पतरस के पहरेदारी होत रही हय; पय मसीही मन्डली के सगले मनई लव लगाइके परमातिमा से प्राथना करत रहे हँय।

6 अउर जब राजा हेरोदेस पतरस काहीं सगले मनइन के आँगे हाजिर करँइ के तइआरी माहीं रहे हँय, त उहय रात माहीं पतरस दुइठे सँकरिन माहीं बाँधे, दुइठे सिपाहिन के बीच माहीं सोबत रहे हँय, अउर दुअरा माहीं पहरेदार जेल के रखबारी करत रहे हँय। 7 त देखा, प्रभू के एकठे दूत जेल माहीं आइके ठाढ़ भें, अउर उआ कोठरिआ माहीं जोति चमकी, अउर ऊँ पतरस के पसुरी माहीं हाँथ मारिके उनहीं जगाइन, अउर कहिन; "उठा, जल्दी करा, अउर उनखे हाँथे से सँकरी खुलिके गिर गईं।" 8 तब स्वरगदूत पुनि उनसे कहिन, "तइआर होइजा, अउर आपन पनहीं पहिर ल्या।" अउर पतरस उहयमेर किहिन, तब ऊँ पुनि कहिन; "आपन ऊपर के ओन्हा पहिरिके हमरे पीछे चले आबा।" 9 पतरस जेल से निकरिके उनखे पीछे-पीछे चल दिहिन; पय इआ नहीं जानत रहे आँय, कि जउन कुछू स्वरगदूत कइ रहे हँय, उआ सही-सही आय, बलकिन इआ समझत रहे हँय, कि हम दरसन देख रहेन हय। 10 तब ऊँ पंचे पहिल अउर दूसर पहरा से निकरिके लोहे के उआ फाटक के लघे पहुँचे, जउन सहर कइती रहा हय; उआ उनखे खातिर अपने आपय खुलिगा, अउर ऊँ पंचे निकरिके एकय गली होइके गें, तब अचानक स्वरगदूत उनहीं छोंड़िके चलेगें। 11 तब पतरस के झक्का खुलिगा, अउर सचेत होइके कहँइ लागें; अब हम सच्चाई जान गएन हँय, कि प्रभू आपन दूत पठइके हमहीं, राजा हेरोदेस के हाँथे से छोड़ाय लिहिन हीं, अउर यहूदी लोगन के सगली आसा काहीं टोर दिहिन हीं।

12 अउर इआ सोचिके, पतरस उआ यूहन्ना के महतारी मरियम के घर माहीं आएँ, जउन मरकुस कहाबत रहे हँय; उहाँ खुब जने एकट्ठा होइके प्राथना करत रहे हँय। 13 जब पतरस केमरा के सँकरी खट खटाइन; तब रूदे नाम के एकठे दासी देखँइ के खातिर आईं। 14 अउर पतरस के बोल पहिचानिके, मारे खुसी के केमरा नहीं खोलिन; बलकिन दउड़िके भीतर गईं, अउर सगले जनेन काहीं बताइन, कि पतरस दुअरा माहीं ठाढ़ हें। 15 तब ऊँ पंचे उनहीं कहिन, "तूँ पागल होइ गया हय का?", पय ऊँ बिसुआस के साथ कहिन, कि "उँइन आहीं।" तब ऊँ पंचे कहिन, "उनखर स्वरगदूत होइहँय।" 16 पय पतरस सँकरी खट-खटउतय रहिगें, तब ऊँ पंचे केमरा खोलिन, अउर पतरस काहीं देखिके चउआइगें। 17 तब पतरस हाँथे से इसारा कइके कहिन, कि "चुप्पय रहा"; अउर भीतर जाइके उनहीं बताइन, कि प्रभू कउनमेर से हमहीं जेल से निकार लाएँ हँय, अउर ऊँ पुनि कहिन, कि याकूब अउर सगले भाई-बहिनिन से इआ बताय दिहा; अउर ओखे बाद उहाँ से निकरिके दुसरे जघा माहीं चलेगें।

18 अउर बड़े सकारे सिपाहिन माहीं बड़ी हलचल होंइ लाग, कि पतरस के का भ होई। 19 जब राजा हेरोदेस पतरस काहीं ढूँढ़ँइ आएँ, अउर उनहीं नहीं पाइन; तब पहरा देंइ बालेन के जाँच करे के बाद हुकुम दिहिन, कि "उनहीं मारि डारा जाय"; अउर ऊँ यहूदिया प्रदेस काहीं छोंड़िके कैसरिया सहर माहीं जाइके रहँइ लागें।

राजा हेरोदेस के मउत

20 अउर ऊँ सूर अउर सैदा प्रदेस के मनइन से खुसी नहीं रहत रहे आँय; एसे ऊँ पंचे एक चित्त होइके, उनखे लघे आएँ अउर बलास्तुस काहीं, जउन राजा के एकठे कर्मचारी रहा हय, ओही मनाइके मेल-मिलाप करँइ चाहिन, काहेकि राजा के प्रदेस से, उनखे प्रदेस के मनइन के पालन-पोसन होत रहा हय। 21 अउर राजा के द्वारा ठहराए दिन काहीं राजा हेरोदेस राजा के ओन्हा पहिरिके राजगद्दी माहीं बइठें; अउर उनहीं उपदेस देंइ लागें। 22 अउर सगले मनई चिल्लाय उठें, कि "इआ त मनई के नहीं परमातिमा के बचन आय।" 23 उहय समय प्रभू के एकठे दूत हरबिन राजा हेरोदेस काहीं बिमार कइ दिहिन, काहेकि ऊँ परमातिमा के बड़ाई नहीं किहिन तय, अउर उनखे देंह माहीं किरबा परिगें, अउर ऊँ मरिगें।

24 पय परमातिमा के बचन बढ़त अउर फइलत चला ग। 25 जब बरनबास अउर साऊल आपन सेबा पूर कइ चुके, त यूहन्ना काहीं जउन मरकुस कहाबत रहे हँय, साथ माहीं लइके यरूसलेम सहर से लउटें।

बरनबास अउर साऊल के पठबा जाब

13 अन्ताकिया सहर के मसीही मन्डली माहीं, कुछ परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले, अउर कुछ उपदेस देंइ बाले रहे हँय; अरथात बरनबास अउर समौन जउन नीगर कहाबत रहे हँय; अउर लूकियुस कुरेन सहर के रहँइ बाले, अउर चउथाई भाग के राजा हेरोदेस के गोद लीन भाई मनाहेम अउर साऊल। 2 जब ऊँ पंचे उपबास कइके प्रभू के अराधना करत

रहे हँय, तब पबित्र आत्मा उनसे कहिन; “हमरे खातिर बरनबास अउर साऊल काहीं उआ काम के खातिर अलग करा, जउने खातिर हम उनहीं बोलायन हय।” 3 तब ऊँ पंचे उपबास अउर प्राथना कइके, उनखे ऊपर आपन हाँथ धइके बिदा किहिन।

पवलुस के पहिल प्रचार-यात्रा

4 तब ऊँ पंचे पबित्र आत्मा के पठए से, सिलूकिया सहर माहीं गें; अउर उहाँ से जल जिहाज माहीं चढ़िके, साइप्रस टापू काहीं चल दिहिन। 5 अउर सलमीस सहर माहीं पहुँचिके, परमातिमा के बचन यहूदी लोगन के सभाघरन माहीं सुनाइन; अउर यूहन्ना उनखर सेबा करँइ बाले रहे हँय। 6 अउर उआ सगले टापू माहीं घूमत, पाफुस सहर तक पहुँचिगें, उहाँ उनहीं बार-यीसु नाम के एकठे यहूदी जाति के टोना मारँइ बाला, अउर परमातिमा के झूँठ सँदेस बतामँइ बाला मिला। 7 उआ राजपाल सिरगियुस पवलुस के साथ माहीं रहत रहा हय, ऊँ खुब बुद्धिमान मनई रहे हँय, अउर ऊँ बरनबास अउर साऊल काहीं अपने लघे बोलाइके, परमातिमा के बचन सुनँय चाहत रहे हँय। 8 पय बार-यीसु जउने के दूसर नाम इलीमास घलाय रहा हय, बरनबास अउर साऊल के बिरोध कइके, राजपाल काहीं बिसुआस करँइ से रोंकँइ चाहिस। 9 तब साऊल जिनखर नाम पवलुस घलाय हय, पबित्र आत्मा से भरिके ओखे कइती एकटक निहारिके कहिन, 10 “हे सगले कपट अउर सगले चतुराई से भरे सइतान के सन्तान, हरेक सच्चाई के बइरी, का तँय प्रभू के सीध गइलन काहीं टेंढ़ करब न छोंड़िहे? 11 पय अब देख, प्रभू के हाँथ तोरे ऊपर आय परा हय; अउर तँय कुछ समय तक आँधर रइहे अउर सुरिज काहीं न देखे पइहे।” तबहिनय ओखे आँखी माहीं धुँधलापन अउर अँधिआर छाय ग, अउर उआ एँकई-ओंकई टटोहँय लाग, जउने कोऊ ओखर हाँथ पकड़िके लइ चलय। 12 तब जउन कुछू भ रहा हय, राजपाल ओही देखिके, अउर प्रभू के उपदेस से अचम्भित होइके, प्रभू के ऊपर बिसुआस किहिन।

पिसिदिया प्रदेस के अन्ताकिया सहर माहीं पवलुस

13 तब पवलुस अउर उनखर साथी पाफुस सहर से जिहाज काहीं छोरिके, पंफूलिया प्रदेस के पिरगा सहर माहीं आएँ; अउर यूहन्ना उनहीं उहाँ छोंड़िके यरूसलेम सहर माहीं लउटिगें। 14 अउर ऊँ पंचे पिरगा सहर से आँगे बढ़िके, पिसिदिया प्रदेस के अन्ताकिया सहर माहीं पहुँचे; अउर पबित्र दिन काहीं यहूदी सभाघर माहीं जाइके बइठिगें। 15 अउर मूसा के बिधान अउर परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन के किताबन काहीं पढ़े के बाद, सभा के कुछ अधिकारी उनखे लघे कहबाय पठइन, कि “हे भाइव, अगर सगले मनइन काहीं उपदेस देंइ के खातिर, तोंहरे मन माहीं कउनव बात होय, त बताबा।” 16 तब पवलुस ठाढ़ होइके, अउर हाँथ से इसारा कइके कहिन; “हे इजराइलिव, अउर परमातिमा के भय मानँइ बाले मनइव, सुना। 17 ईं इजराइली मनइन के परमातिमा हमरे बाप-दादन काहीं चुनि लिहिन, जब ऊँ पंचे मिस्र देस माहीं परदेसी होइके रहत रहे हँय, तब उनखर उन्नति किहिन; अउर आपन बलबन्त हाँथ बढ़ाइके उनहीं उहाँ से निकार लाएँ। 18 अउर परमातिमा चालिस बरिस तक सुनसान जघा माहीं, उनखे गलतिन काहीं सहत रहिगें। 19 अउर कनान देस माहीं रहँइ बाली सातव जाति के मनइन काहीं नास कइके, उनखर देस करीब साढ़े चार सव बरिस माहीं इनखे अधिकार माहीं कइ दिहिन। 20 एखे बाद परमातिमा समूएल नबी तक, उनखे बीच माहीं न्याय करँइ बाले ठहराइन। 21 एखे बादव ऊँ पंचे एकठे राजा माँगिन: तब परमातिमा चालिस बरिस के खातिर, बिन्यामीन के कुल म से, एकठे मनई अरथात कीस के लड़िका साऊल काहीं उनखे ऊपर राजा बनाइन। 22 एखे बाद परमातिमा साऊल काहीं हटाइके दाऊद काहीं उनखर राजा बनाइन; जिनखे बारे माहीं परमातिमा गबाही दिहिन हीं, कि ‘यिसय के लड़िका दाऊद, हमरे मन के मुताबिक मिलगे हँय, उँइन हमरे सगली इच्छन काहीं पूर करिहँय।’ 23 उनहिन के बंस म से परमातिमा अपने वादा के मुताबिक, इजराइल माहीं मुक्ती देंइ बाले के रूप माहीं, यीसु काहीं पठइन। 24 जिनखे आमँइ से पहिले यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बाले इजराइलिअन काहीं, अपने मन काहीं बदलँइ के खातिर बपतिस्मा के प्रचार किहिन। 25 अउर जब यूहन्ना आपन काम पूर करँइ बाले रहे हँय, तब ऊँ कहिन, ‘तूँ पंचे हमहीं का समझते हया? हम ऊँ मनई न होहेंन! बलकिन देखा हमरे बाद एक जने आमँइ बाले हें, जिनखे गोड़ेन के पनहीं के डोरव तक हम छोरँइ के काबिल नहिं आहेन।’ 26 हे भाई-बहिनिव, तूँ पंचे जउन अब्राहम के सन्तान आह्या; अउर तूँ पंचे जउन परमातिमा से डेराते हया, तोंहरे लघे इआ मुक्ती के सँदेस पठबा ग हय। 27 काहेकि यरूसलेम सहर के रहँइ बाले, अउर उनखर मुखिया लोग उनहीं नहीं पहिचानिन, अउर न परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन के बातन काहीं समझिन; जउन हरेक पबित्र दिन काहीं पढ़ी जाती हँय, एसे उनहीं दोसी ठहराइके उन बातन काहीं पूर किहिन। 28 ऊँ पंचे उनहीं मारि डारँइ के काबिल कउनव दोस उनखे ऊपर नहीं पाइन, तऊ राजपाल पिलातुस से बिनती किहिन, कि ‘उनहीं मारि डारा जाय।’ 29 अउर जब ऊँ पंचे उनखे बारे माहीं पबित्र सास्त्र माहीं लिखी सगली बातन काहीं पूर किहिन, तब उनहीं क्रूस से नीचे उतारिके कब्र माहीं धरिन। 30 पय परमातिमा उनहीं मरेन म से जिआय दिहिन। 31 अउर यीसु अपने चेलन काहीं, जउन उनखे साथ गलील प्रदेस से यरूसलेम सहर माहीं आए रहे हँय, खुब दिनन तक देखाई देत रहिगें; अउर ऊँ पंचे अबहिनव गबाही देंइ के खातिर मनइन के आँगे मवजूद हें। 32 अउर हम तोंहईं पंचन काहीं उआ करार के बारे माहीं, जउन हमरे पंचन के बाप-दादन से कीन गे रही हय, इआ खुसी के खबर सुनाइत हएन।

33 कि परमातिमा यीसु काहीं जिआइके, उहय करार हमरे पंचन के सन्तानन के खातिर किहिन हीं, जइसन दुसरे भजन † माहीं घलाय लिखा हय, कि

‘तूँ हमार लड़िका आह्या; आजय हम तोंहईं पइदा किहेन हय।’

34 अउर उनखे इआ रीत से मरेन म से जिआमँइ के बारे माहीं घलाय, कि ऊँ कबहूँ न सड़िहँय, ऊँ अइसन कहिन हीं; कि

हम दाऊद के ऊपर के पबित्र अउर अटल किरपा तोंहरे ऊपर करब।

35 एसे ऊँ एकठे अउर भजन †† माहीं घलाय कहिन हीं; कि

‘तूँ अपने पबित्र जन काहीं सड़ँय न देहा।’

36 काहेकि दाऊद त परमातिमा के इच्छा के मुताबिक, अपने समय माहीं सेबा पूर कइके मरिगें; अउर अपने बाप-दादन माहीं जाइ मिलें; अउर सड़ घलाय गें। 37 पय जिनहीं परमातिमा जिआइन, ‘ऊँ सड़ँय नहीं पाएँ।’ 38 एसे हे भाई-बहिनिव, तूँ पंचे जानिल्या, कि यीसु के द्वारा पापन के माफी के खबर तोंहईं पंचन काहीं सुनाई जात ही। 39 अउर जउने बातन से तूँ पंचे मूसा के बिधान के द्वारा, निरदोस नहीं ठहर सकत रहे आह्या, उँइन सगली बातन से, हरेक मनई उनखे ऊपर बिसुआस किहे के कारन निरदोस ठहरत हें। 40 एसे चउकस रहा, अइसन न होय, कि परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन के किताब माहीं, जउन लिखा हय, तोंहरेव पंचन के ऊपर आय परय।

41 ‘हे बुराई करँइ बाले मनइव, देखा, अउर अचरज माना, अउर मिट जा; काहेकि हम तोंहरे दिनन माहीं एकठे काम करब; अइसन काम, कि अगर कोऊ तोंहसे ओखर चरचा करय, त तूँ पंचे कबहूँ बिसुआस न करिहा’।”

42 पवलुस अउर बरनबास जब उहाँ से जात रहे हँय, तब कुछ मनई उनसे बिनती करँइ लागें, कि आमँइ बाले अँगले पबित्र दिन काहीं ईं बातँय पुनि सुनाई जाँय। 43 अउर जब सभा खतम होइगे, तब यहूदी लोग अउर यहूदी मत माहीं आए भक्तन म से, खुब जने पवलुस अउर बरनबास के पीछे-पीछे चल दिहिन; अउर ऊँ पंचे उनसे बात कइके समझाइन कि, परमातिमा के किरपा माहीं बने रहा।

---

† *13:33 भज 2:7* †† *13:35 भज 16:10*

गैरयहूदी लोगन के बीच माहीं पवलुस के प्रचार के सुरुआत

44 अँगले पबित्र दिन काहीं, सहर के सगले मनई परमातिमा के बचन
सुनँय के खातिर एकट्ठा होइगें। 45 पय यहूदी लोग भीड़ काहीं देखिके डाह से
भरिगें, अउर पवलुस के बुराई कइके उनखे बातन के बिरोध माहीं बोलँइ
लागें। 46 तब पवलुस अउर बरनबास निडर होइके कहिन, “जरूरी रहा हय,
कि परमातिमा के बचन पहिले तोंहईं पंचन काहीं सुनाबा जात, पय जब तूँ
पंचे ओही सुनँय नहीं चहते आह्या, अउर अपने-आप काहीं अनन्त जीबन के
काबिल नहीं ठहरउते आह्या, त देखा, हम गैरयहूदी लोगन के लघे जइत
हएन। 47 काहेकि प्रभू हमहीं इआ हुकुम दिहिन हीं; कि
‘हम तोहईं गैरयहूदी लोगन के खातिर जोति ठहराएन हँय’; जउने तूँ धरती
के छोर तक मुक्ती के कारन बना।”
48 इआ सुनिके गैरयहूदी लोग आनन्दित भें, अउर परमातिमा के बचन के
बड़ाई करँइ लागें, अउर जेतने अनन्त जीबन पामँइ के खातिर ठहराए गे रहे
हँय, ऊँ पंचे प्रभू के ऊपर बिसुआस किहिन। 49 तब प्रभू के बचन उआ
सगले देस माहीं फइलँय लाग। 50 पय जउने मेहेरिअन के समाज माहीं आदर
रहा हय अउर भक्त रही हँय, उनहीं अउर सहर के नेतन काहीं यहूदी लोग
उकसाइन, अउर पवलुस अउर बरनबास के ऊपर बड़ा उपद्दरव कर बाइके,
उनहीं अपने सीमा से बहिरे निकार दिहिन। 51 तब पवलुस अउर बरनबास,
उनखे अँगुअय अपने गोड़ेन के धूधुर झारिके, इकुनियुम सहर माहीं चलेगें।
52 अउर चेला लोग आनन्द से अउर पबित्र आत्मा से भरपूर होत रहिगें।

इकुनियुम सहर माहीं पवलुस अउर बरनबास

14 इकुनियुम सहर माहीं अइसन भ, कि पवलुस अउर बरनबास यहूदी
लोगन के सभाघर माहीं एक साथ गें, अउर अइसन बातँय किहिन,
कि यहूदी लोगन अउर यूनानी जाति के मनइन म से खुब जने बिसुआस
किहिन। 2 पय बिसुआस न करँइ बाले कुछ यहूदी लोग, गैरयहूदी लोगन
काहीं बिसुआसी भाइन के बिरोध माहीं उकसाइन, अउर उनखे बीच माहीं
बिरोध कराय दिहिन। 3 अउर पवलुस अउर बरनबास खुब दिनन तक उहाँ
रहें, अउर प्रभू के बारे माहीं बड़े साहस के साथ बात करत रहे हँय, अउर
उहाँ प्रभू उनखे हाँथन से चमत्कार, अउर अचरज के काम कर बाइके, अपने
किरपा के बचन के गबाही देत रहे हँय। 4 पय सहर के मनइन माहीं फूट
परिगे रही हय; एसे कुछ मनई यहूदी लोगन कइती, अउर कुछ यीसु के खास
चेलन कइती होइगें। 5 पय जब गैरयहूदी अउर यहूदी लोग उनखर अनादर
कइके, उनहीं पथरा मारँइ के खातिर अपने मुखिअन समेत उनखे ऊपर
दउड़ि परें। 6 तब ऊँ पंचे इआ बात काहीं जानिगें, अउर लुकाउनिया प्रदेस के
लुस्त्रा अउर दिरबे सहरन माहीं, अउर आस-पास के प्रदेसन माहीं भागिगें।
7 अउर उहाँ खुसी के खबर सुनामँइ लागें।

लुस्त्रा अउर दिरबे सहरन माहीं पवलुस अउर बरनबास

8 लुस्त्रा सहर माहीं एकठे मनई बइठ रहा हय, जउन अपने गोड़ेन से अपंग
रहा हय, उआ जन्मय से लाँगड़ रहा हय, अउर कबहूँ गोड़ेन से नहीं चला रहा
आय। 9 उआ पवलुस काहीं बात करत सुनत रहा हय, अउर पवलुस ओही
बड़े ध्यान से देखत रहे हँय, कि ओखे मन माहीं नीक होइ जाँइ के बिसुआस
हय। 10 अउर ऊँ चन्डे से कहिन, कि “तूँ अपने गोड़ के बले सऊँ ठाढ़
होइजा।” तबहिनय उआ कूदिके चलँय-फिरँय लाग। 11 जेतने मनई उहाँ रहे
हँय, पवलुस के इआ काम काहीं देखिके लुकाउनिया भाँसा माहीं चन्डे से
कहिन; “देउता मनइन के रूप माहीं हमरे पंचन के लघे उतरि आए हँय।”
12 अउर ऊँ पंचे बरनबास काहीं ज्यूस, अउर पवलुस काहीं हिरमेस कहँइ
लागें, काहेकि पवलुस बात करँइ माहीं मुख्ख रहे हँय। 13 अउर ज्यूस के
उआ मन्दिर के पुजारी, जउन उनखे सहर के सामने रहा हय, बरधा अउर
फूलन के हार फाटक के लघे लइआइके, मनइन के साथ बलिदान करँइ
चाहत रहा हय। 14 पय जब बरनबास अउर यीसु के खास चेला पवलुस
सुनिन, त गुस्साइके आपन ओन्हा फारिन, अउर भीड़ के मनइन के बीच
माहीं गें, अउर गोहराइके कहँइ लागें; 15 “हे मनइव तूँ पंचे इआ का करते
हया? हमहूँ पंचे त तोंहरिन कि नाईं दुख-सुख भोगी मनई आहेन, अउर
तोहईं खुसी के खबर सुनाइत हएन, कि तूँ पंचे ईं बेकार के चीजन से अलग
होइके, जिन्दा परमातिमा के ऊपर बिसुआस करा, जउन स्वरग अउर धरती
अउर समुंद्र अउर जउन कुछू उनमा हय बनाइन हीं। 16 अउर ऊँ बीते समयन
माहीं, सगले जाति के मनइन काहीं अपने-अपने गइल माहीं चलँइ दिहिन।
17 तऊ ऊँ अपने-आप काहीं बिना गबाह नहीं छोंड़िन, काहेकि ऊँ तोंहरे
साथ भलाई करत रहिगें, उँइन अकास से पानी बरसाबत हें, अउर रित के
मुताबिक फसल देत हें, उँइन तोंहईं खाँइ काहीं देत हें, अउर तोंहरे पंचन के
मन काहीं आनन्द से भर देत हें।” 18 एतना कहे के बादव, ऊँ पंचे बड़े
मुसकिल से उनहीं पंचन काहीं रोंकिन, कि उनखे खातिर बली न चढ़ामँय।
19 पय कुछ यहूदी लोग, अन्ताकिया सहर अउर इकुनियुम सहर से
आइके, खुब मनइन काहीं अपने पच्छ माहीं कइ लिहिन, अउर पवलुस के
ऊपर पथरहाव किहिन, अउर उनहीं मरा समझिके सहर से बहिरे खसेलत
लइगें। 20 पय जब चेला उनखे चारिव कइती ठाढ़ होइगें, तब पवलुस उठिके
सहर माहीं चलेगें, अउर दुसरे दिना बरनबास के साथ दिरबे सहर माहीं
चलेगें।

सीरिया प्रदेस के अन्ताकिया सहर माहीं लउटब

21 अउर ऊँ पंचे उआ सहर के मनइन काहीं बचन सुनाइके, अउर खुब
चेला बनाइके, लुस्त्रा सहर अउर इकुनियुम सहर अउर अन्ताकिया सहर
माहीं लउटि आएँ। 22 अउर चेलन के मन काहीं स्थिर करत रहिगें, अउर
उपदेस देत रहे हँय, कि हमहीं पंचन काहीं खुब कस्ट सहिके परमातिमा के
राज माहीं प्रबेस करँइ परी। 23 अउर ऊँ पंचे हरेक मसीही मन्डली माहीं
उनखे खातिर अँगुआ चुनिन, अउर उपबास समेत प्राथना कइके, उनहीं प्रभू
काहीं सउँपि दिहिन, जिनखे ऊपर ऊँ पंचे बिसुआस किहिन रहा हय।
24 अउर ओखे बाद ऊँ पंचे पिसिदिया प्रदेस से होत, पंफूलिया प्रदेस माहीं
पहुँचिगें; 25 अउर पिरगा सहर माहीं बचन सुनाइके, अत्तलिया सहर माहीं
आइगें। 26 अउर उहाँ से जल जिहाज से अन्ताकिया सहर माहीं आइगें, जहाँ
से ऊँ पंचे उआ काम के खातिर परमातिमा के किरपा माहीं सँउपे गे रहे हँय,
जउने काहीं ऊँ पंचे पूर किहिन रहा हय। 27 उहाँ पहुँचिके ऊँ पंचे मसीही
मन्डली के मनइन काहीं एकट्ठा किहिन, अउर बताइन, कि परमातिमा हमरे
साथ होइके कइसन बड़े-बड़े काम किहिन हीं, अउर गैरयहूदी लोगन के
खातिर बिसुआस करँइ के दुअरा खोल दिहिन हीं। 28 अउर ऊँ पंचे चेलन के
साथ खुब दिना तक रहें।

यरूसलेम सहर माहीं एकठे सभा

15 ओखे बाद कुछ मनई यहूदिया प्रदेस से आइके, बिसुआसी भाई-
बहिनिन काहीं सिखामँइ लागें, कि “अगर मूसा के नेम के मुताबिक
तोंहार पंचन के खतना नहीं भ आय, त तूँ पंचे मुक्ती नहीं पाय सकते
आह्या।” 2 तब पवलुस अउर बरनबास के उनसे खुब बाद-बिबाद अउर
झगड़ा भ, तब सभा माहीं इआ निस्चित कीन ग, कि पवलुस अउर बरनबास
अउर हमरे पंचन म से कुछ जने, इआ बात के बारे माहीं यरूसलेम सहर
माहीं, यीसु के खास चेलन अउर मुखिअन के लघे जाँय। 3 एसे मसीही
मन्डली के कुछ मनई उनहीं कुछ दूरी तक पहुँचाइन; अउर ऊँ पंचे फीनीके
सहर अउर सामरिया प्रदेस से होत, गैरयहूदी लोगन काहीं मन बदलँइ के
खातिर खुसी के खबर सुनाबत गें, अउर सगले भाइन काहीं खुब आनन्दित
किहिन। 4 जब ऊँ पंचे यरूसलेम सहर माहीं पहुँचे, तब मसीही मन्डली के
मनई, अउर यीसु के खास चेला लोग, अउर मुखिया लोग, उनसे आनन्द के
साथ मिलें, अउर ऊँ पंचे बताइन, कि “परमातिमा उनखे साथ माहीं रहिके
कइसन-कइसन अचरज के काम किहिन रहा हय।” 5 पय फरीसी लोगन के
दल म से जे कोऊ बिसुआस किहिन तय, उनमा से कुछ जने ठाढ़ भें, अउर

कहिन, “उनहीं खतना करामँय, अउर मूसा के बिधान काहीं मानँइ के हुकुम देंइ चाही।”

6 तब यीसु के खास चेला लोग, अउर मुखिया इआ बात के बारे माहीं
बिचार करँइ के खातिर एकट्ठा भें। 7 तब पतरस खुब बाद-बिबाद होए के
बाद ठाढ़ भें, अउर उनसे कहिन, “हे बिसुआसी भाइव, तूँ पंचे त जनतेन
हया, कि खुब दिना होइगें परमातिमा तोंहरेन म से हमहीं चुनिन हीं, कि हमरे
मुँहे के द्वारा गैरयहूदी लोग, खुसी के खबर सुनिके बिसुआस करँय। 8 अउर
मन काहीं जाँचय-परखँय बाले परमातिमा, उनहूँ काहीं घलाय हमरिन कि
नाईं पबित्र आत्मा दइके उनखर गबाही दिहिन हीं। 9 अउर बिसुआस के
द्वारा उनखे मन काहीं सुद्ध कइके, हमरे पंचन माहीं अउर उनमा कुछू भेद
नहीं रक्खिन। 10 त अब तूँ पंचे काहे परमातिमा के परिच्छा लेते हया, कि
चेलन के मूँड़े माहीं अइसन बोझा लदते हया? जउने बोझा काहीं न हमार
पंचन के बाप दादय उठाए पाइन तय, अउर न हमहिन पंचे उठाय सकित
आहेन? 11 हाँ, हमार पंचन के इआ बिसुआस हय, कि जउन रीत से प्रभू
यीसु के किरपा से हम पंचे मुक्ती पाएन हय; उहयमेर से ऊँ पंचे घलाय मुक्ती
पइहँय।”

12 तब सगले सभा के मनई चुप्पय होइके, बरनबास अउर पवलुस के
बातन काहीं सुनँय लागें, कि परमातिमा उनखे द्वारा गैरयहूदी लोगन के बीच
माहीं, कइसन-कइसन चमत्कार अउर अचरज के काम देखाइन हीं। 13 जब
ऊँ पंचे चुप्पय होइगें, तब याकूब कहँइ लागें, कि “हे भाइव, हमरे बात काहीं
सुना। 14 समौन बताइन कि, परमातिमा पहिलय पहिल गैरयहूदी लोगन के
ऊपर कउनमेर से किरपा किहिन हीं, कि उनमा से अपने नाम के खातिर
सगलेन काहीं एक बनाय लेंय। 15 अउर एसे परमातिमा के सँदेस बतामँइ
बालेन के बातँय घलाय मिलती हईं, जइसन पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय।
16 ‘एखे बाद हम पुनि आइके राजा दाऊद के उआ घर काहीं जउन गिरिगा
हय, ओही बनाउब, अउर उनखे खन्डहरन काहीं पुनि बनाउब, अउर ओही
ठाढ़ करब।

17 एसे कि बचे मनई, अरथात सगले गैरयहूदी लोग जउन अब हमरे नाम
के कहाबत हें, प्रभू काहीं ढूँढ़ँय।

18 इआ बात काहीं उँइन प्रभू कहत हें जउन संसार † के उत्पन्न होतय से ईं
बातन के खबर देत आए हँय।

19 एसे हमार बिचार इआ हय, कि गैरयहूदी लोगन म से जउन मनई
परमातिमा के ऊपर बिसुआस करत हें, हम पंचे उनहीं दुख न देई।
20 बलकिन उनहीं लिखिके पठई, कि ऊँ पंचे मूरतिन माहीं चढ़ाबा खाना न
लेंय, अउर ब्यभिचार से बचँय, अउर नेटई काटिके मारे गे पसुअन के माँस
अउर उनखे खून काहीं न खाँय। 21 काहेकि पुरान समय से सहरन-सहरन
माहीं मूसा के बिधान के प्रचार करँइ बाले होत चले आएँ हँय, अउर मूसा के
उआ बिधान हरेक पबित्र दिन काहीं यहूदी सभाघर माहीं पढ़ा जात हय।

गैरयहूदी बिसुआसी लोगन काहीं चिट्ठी

22 तब सगले मसीही मन्डली के मनइन, अउर यीसु के खास चेलन, अउर
धारमिक अँगुअन काहीं इआ नीक लाग, कि अपने बीच म से कुछ मनइन
काहीं चुनिके, उनहीं बरनबास अउर पवलुस के साथ अन्ताकिया सहर माहीं
पठमँइ, एसे ऊँ पंचे यहूदा काहीं जउन बरसब्बा कहाबत रहे हँय, अउर
सीलास काहीं जउन बिसुआसी भाइन माहीं मुखिया रहे हँय चुनिन। 23 अउर
ऊँ पंचे इआ चिट्ठी लिखिके उनखे हाँथे पठइन, कि “अन्ताकिया अउर
सीरिया अउर किलिकिया के रहँइ बाले गैरयहूदी भाइन काहीं, यीसु के खास
चेलन अउर धारमिक अँगुअन के नबस्कार! 24 हम पंचे सुनेन हय, कि हमरेन
बीच म से कुछ जने उहाँ जाइके, तोंहईं पंचन काहीं अपने बातन से घबराय
दिहिन हीं; अउर तोंहरे मनन काहीं दुखी कइ दिहिन हीं, पय हम पंचे उनहीं
इआ हुकुम नहीं दिहेन तय। 25 एसे हम पंचे एक मन होइके इआ सोच-
बिचार किहेन, कि चुने मनइन काहीं अपने पियार भाई बरनबास अउर
पवलुस के साथ तोंहरे पंचन के लघे पठई। 26 ईं पंचे अइसन मनई आहीं,
जउन हमरे पंचन के प्रभू यीसु मसीह के नाम के खातिर, अपने प्रान के
बाजी लगाय दिहिन रहा हय। 27 अउर हम पंचे यहूदा अउर सीलास काहीं
एहिन से पठयन हँय, जउने ऊँ अपने मुँहे से घलाय ईं सगली बातन काहीं
बतामँय। 28 अउर पबित्र आत्मा काहीं अउर हमहीं पंचन काहीं इहय जान
परा, कि ईं जरूरी बातन काहीं छोंड़; तोंहरे ऊपर अउर कुछू बोझ न डारी;
29 कि तूँ पंचे मूरतिन माहीं चढ़ाए खाना से, अउर नेटई काटिके मारे गे
पसुअन के माँस काहीं खाँय से, अउर ब्यभिचार से बचे रहा, त तोंहार पंचन
के भला होई”। अउर तूँ पंचे नीके कुसल रहा।

30 ओखे बाद ऊँ पंचे उनसे बिदा लइके अन्ताकिया सहर माहीं पहुँचे,
अउर एकठे सभा लगबाइके उनहीं उआ चिट्ठी दइ दिहिन। 31 अउर ऊँ पंचे
उआ चिट्ठी के बात काहीं पढ़िके खुब खुसी भें। 32 अउर यहूदा अउर सीलास
जउन परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले रहे हँय, अउर खुब बातन से
बिसुआसी भाइन काहीं उपदेस दइके, उनखे बिसुआस काहीं मजबूत
किहिन। 33 ऊँ पंचे कुछ दिना रहे के बाद, उहाँ के भाई-बहिनिन से सान्ति के
साथ बिदा लिहिन, कि अपने पठमँइ बालेन के लघे जाँय। 34 (पय सीलास
काहीं उहाँ रहब नीक लाग।) 35 अउर पवलुस अउर बरनबास अन्ताकिया
सहर माहीं रहिगें। अउर खुब मनइन काहीं प्रभू के बचन के उपदेस देत,
अउर खुसी के खबर सुनाबत रहिगें।

पवलुस के दूसर प्रचार-यात्रा माहीं पवलुस अउर बरनबास माहीं मतभेद

36 कुछ दिना बाद पवलुस, बरनबास से कहिन; कि “जउने-जउने सहरन
माहीं, हम पंचे प्रभू के बचन सुनायन रहा हय, आबा, पुनि उन सहरन माहीं
चलिके, अपने बिसुआसी भाई-बहिनिन काहीं देखी, कि ऊँ पंचे कइसन हें।”
37 तब बरनबास यूहन्ना काहीं जउन मरकुस कहाबत रहे हँय, अपने साथ लइ
जाँइ के बिचार किहिन। 38 (पय पवलुस मरकुस †† काहीं जउन पंफूलिया
प्रदेस माहीं उनसे अलग होइगें तय, अउर काम माहीं उनखे साथ नहीं गें तय,
अपने साथ लइ जाब उचित नहीं समझिन।) 39 एसे उन दोनव जनेन के बीच
माहीं अइसन बिरोध पइदा होइगा, कि ऊँ पंचे एक दुसरे से अलग होइगें।
अउर बरनबास मरकुस काहीं लइके जल जिहाज से साइप्रस टापू माहीं
चलेगें। 40 पय पवलुस सीलास काहीं चुनि लिहिन, अउर बिसुआसी भाई
लोग उनहीं परमातिमा के किरपा माहीं सउँपि दिहिन, अउर ऊँ पंचे उहाँ से
चलेगें। 41 अउर मसीही मन्डलिन काहीं बिसुआस माहीं मजबूत करत,
सीरिया प्रदेस अउर किलिकिया प्रदेस से होत आँगे निकरिगें।

तीमुथियुस काहीं पवलुस साथ म लिहिन

16 ओखे बाद पवलुस दिरबे अउर लुस्त्रा सहरन माहीं घलाय गें, अउर
उहाँ तीमुथियुस नाम के एकठे चेला रहे हँय, जिनखर महतारी यहूदी
जाति के बिसुआसी रही हँय, पय उनखर बाप यूनानी जाति के रहे हँय। 2 ऊँ
लुस्त्रा सहर अउर इकुनियुम सहर के रहँइ बाले, बिसुआसी भाई-बहिनिन
माहीं सम्मानित मनई रहे हँय। 3 अउर पवलुस के इच्छा रही हय, कि ऊँ हमरे
साथय चलय; पय जउन यहूदी लोग ऊँ जघन माहीं रहत रहे हँय, उनखे
कारन पवलुस उनहीं लइ जाइके उनखर खतना किहिन; काहेकि ऊँ पंचे
सगले जन इआ जानत रहे हँय, कि उनखर बाप यूनानी जाति के आहीं।
4 अउर सहरन से यात्रा करत समय उहाँ के मनइन काहीं ऊँ पंचे उन
बिधिअन काहीं, जउन यरूसलेम सहर के यीसु के खास चेला लोग, अउर
धारमिक अँगुआ लोग ठहराइन रहा हय, उनहीं मानँइ के खातिर बताबत
जात रहे हँय। 5 इआमेर से मसीही मन्डलिन के मनई बिसुआस माहीं मजबूत
होत गें, अउर मसीही मन्डली गिनती माहीं हरेक दिन बढ़त गईं।

† *15:18 आमो 9:11-12*

†† *15:38 खा.चे.काम 13:13*

त्रोआस सहर माहीं पवलुस के दरसन देखब

6 अउर ऊँ पंचे फ्रूगिया अउर गलातिया प्रदेसन से होइके निकरें, अउर
पबित्र आत्मा उनहीं आसिया प्रदेस माहीं बचन सुनामँइ से बरजिन। 7 अउर
ऊँ पंचे मूसिया प्रदेस के लघे पहुँचिके, बिथुनिया प्रदेस माहीं जाँइ चाहत रहे
हँय; पय यीसु के आत्मा उनहीं उहाँ नहीं जाँइ दिहिस। 8 एसे ऊँ पंचे मूसिया
प्रदेस से होइके त्रोआस सहर माहीं आइगें। 9 अउर पवलुस रात माहीं एकठे
दरसन देखिन, कि मकिदुनिया प्रदेस के एकठे मनई ठाढ़ हय, अउर उनसे
बिनती कइके कहत हय, कि, "दुसरे पार उतरिके मकिदुनिया प्रदेस माहीं
आइके हमार पंचन के मदत करी।" 10 इआ दरसन देखे के बाद हम पंचे
हरबिन मकिदुनिया प्रदेस जाँइ चाहत रहेन हय, इआ जानिके कि,
परमातिमा हमहीं पंचन काहीं, उनहीं खुसी के खबर सुनामँइ के खातिर
बोलाइन हीं।

फिलिप्पी सहर माहीं लुदिया के बिसुआस

11 एसे त्रोआस सहर से जल जिहाज छोरिके, हम पंचे सीधे सुमात्राके टापू
अउर दुसरे दिना नियापुलिस सहर माहीं पहुँचेन। 12 अउर उहाँ से हम पंचे
फिलिप्पी सहर माहीं पहुँचेन, जउन मकिदुनिया प्रदेस के मुख्ख सहर आय,
अउर उहाँ रोमी लोग बसे हँय; अउर हम पंचे उआ सहर माहीं कुछ दिना तक
रहेन। 13 अउर पबित्र दिन काहीं हम पंचे सहर के फाटक के बहिरे, नदी के
किनारे इआ समझिके गएन, कि उहाँ प्राथना करँइ के जघा होई; अउर उहाँ
बइठिके उन मेहेरिअन से जउन उहाँ एकट्ठा भई रही हँय, बातँय करँइ
लागेन। 14 तब लुदिया नाम के थुआतीरा सहर के बैगनी ओन्हा बेचँय बाली
एकठे भक्त मेहेरिआ, सुनत रही हय, तब प्रभू ओखे मन काहीं खोलिन,
जउने उआ पवलुस के बातन काहीं बड़े ध्यान से सुनय। 15 जब उआ अपने
सगले परिबार समेत बपतिस्मा लिहिस, तब हमसे बिनती किहिस, कि
"अगर अपना हमहीं प्रभू के ऊपर बिसुआस करँइ बाली मानित हएन, त
चलिके हमरे घर माहीं रही;" अउर उआ हमहीं मनाइके अपने घर लइगे।

पवलुस अउर सीलास जेल माहीं

16 पुनि अइसन भ, कि जब हम पंचे प्राथना करँइ बाली जघा माहीं जात
रहेन हय, तब हमहीं पंचन काहीं एकठे दासी मिली, जउने माहीं भबिस्य के
बात बतामँइ बाली आत्मा रही हय; अउर भबिस्य के बातँय बतामँइ के
कारन, अपने मालिकन के खातिर खुब धन कमाय लाबत रही हय। 17 उआ
पवलुस के अउर हमरे पीछे आइके चिल्लाँय लाग, "ईं मनई परमप्रधान
परमातिमा के दास आहीं, जउन हमहीं पंचन काहीं मुक्ती के गइल के कथा
सुनाबत हें।" 18 उआ खुब दिना तक इहइमेर करत रहिगे, तब पवलुस दुखी
भें, अउर पीछे मुड़िके उआ आत्मा से कहिन, "हम तोही यीसु मसीह के नाम
से इआ हुकुम देइत हएन, कि ओखे भीतर से निकरि जा" अउर उआ आत्मा
उहय समय ओखे भीतर से निकरिगे।

19 जब ओखर मालिक देखिन, कि "हमरे पंचन के कमाई के साधन खतम
होइगा हय", त पवलुस अउर सीलास काहीं पकड़िके चउराहा माहीं प्रधानन
के लघे लइगें। 20 अउर उनहीं सजा देंइ बाले हाकिमन के लघे लइ जाइके
कहिन; "ईं पंचे जउन यहूदी जाति के आहीं, सहर माहीं बड़ी गड़बड़ी
फइलाय रहे हँय। 21 अउर अइसन रीति-रिबाजन काहीं बताबत हें, जिनहीं
सोइकार करब अउर मानब हमहीं पंचन काहीं, जउन रोमी लोग आहेन ठीक
नहिं आय।" 22 तब भीड़ के मनई उनखे बिरोध माहीं एकट्ठा होइके चढ़ि
आएँ, अउर हाकिम लोग उनखर ओन्हा फारिके उतार डारिन, अउर उनहीं
बेंत मारँइ के हुकुम दिहिन। 23 अउर खुब बेंत मरबाइके उनहीं जेल माहीं
डरबाय दिहिन; अउर दरोगा काहीं हुकुम दिहिन, कि "उनखर रखबारी
करँय।" 24 अउर उआ दरोगा अइसन हुकुम पाइके उनहीं भीतर बाली
कोठरिआ माहीं रक्खिन, अउर उनखे गोड़न काहीं कठबा माहीं कस दिहिन।

पवलुस अउर सीलास के जेल से छूटब

25 आधी रात के करीब पवलुस अउर सीलास, प्राथना करत परमातिमा के
भजन गाबत रहे हँय, अउर दूसर कइदी उनखर भजन सुनत रहे हँय। 26 कि
एतनेन माहीं अचानक बड़ा भुँइडोल भ, इहाँ तक कि जेल के नेव घलाय
डोलि गईं, अउर हरबिन जेल के सगले दुअरा खुलिगें; अउर सगले कइदिन
के हँथकड़ी खुल गईं। 27 अउर दरोगा जाग उठें, अउर जेल के दुअरा खुला
देखिके इआ जानिस, कि सगले कइदी भागिगें हँय, एसे उआ तलबार
निकारिके अपने-आप काहीं मारि डारँइ चाहिन। 28 तबहिनय पवलुस खुब
चन्डे गोहराइके कहिन; "अपने-आप काहीं नुकसान न पहुँचाबा, काहेकि
हम पंचे सगले जन इहँय हएन।" 29 तब दरोगा दिया मगबाइके हरबिन
भीतर गें, अउर काँपत-काँपत पवलुस अउर सीलास के गोड़न गिरें। 30 अउर
उनहीं बहिरे लइआइके कहिन, "हे सज्जन मनइव, मुक्ती पामँइ के खातिर
हम का करी?" 31 तब ऊँ पंचे उनसे कहिन, "प्रभू यीसु मसीह के ऊपर
बिसुआस करा, त तूँ अउर तोंहार सगला परिबार मुक्ती पाई।" 32 अउर ऊँ
पंचे दरोगा, अउर उनखे सगले घर के मनइन काहीं प्रभू के बचन सुनाइन।
33 अउर रातयके उहय समय दरोगा लइ जाइके उनखे घावन काहीं धोइन,
अउर अपने सगले परिबार समेत हरबिन बपतिस्मा लिहिन। 34 अउर ऊँ
पवलुस अउर सीलास काहीं अपने घर लइ जाइके, उनहीं खाना खबाइन,
अउर अपने सगले परिबार समेत परमातिमा के ऊपर बिसुआस कइके बड़ा
आनन्द मनाइन।

35 जब सकार भ, तब हाकिम लोग सिपाहिन से इआ कहबाय पठइन, कि
ऊँ मनइन काहीं छोंड़ि द्या। 36 तब दरोगा इआ सँदेस पवलुस काहीं बताइन,
कि "हाकिम अपना पंचन काहीं छोंड़ि देंइ के हुकुम दिहिन हीं, एसे अब
अपना पंचे इहाँ से निकरिके सान्ति के साथ चले जई।" 37 पय पवलुस उनसे
कहिन, "ऊँ पंचे हमहीं जउन रोमी नागरिक आहेन, दोसी ठहराए बिना,
मनइन के आँगे मारिन अउर जेल माहीं डरबाय दिहिन, अउर अब चुप्पय से
हमहीं भगाय देंइ चाहत हें? अइसन न होई, ऊँ पंचे खुदय आइके हमहीं
पंचन काहीं बहिरे लइ जाँय।" 38 तब सिपाही जाइके इआ बात हाकिमन
काहीं बताइन, अउर ऊँ पंचे इआ सुनिके कि पवलुस अउर सीलास रोमी
नागरिक आहीं, डेराइगें। 39 अउर आइके उनसे माफी माँगिन, अउर बहिरे
लइ जाइके बिनती करत रहिगें, कि अपना पंचे सहर से चले जई। 40 तब
पवलुस अउर सीलास जेल से निकरिके लुदिया के घर चलेगें, अउर भाई-
बहिनिन से मिलिके उनहीं सान्ति दिहिन, अउर उहाँ से चलेगें।

थिस्सलुनीके सहर माहीं पवलुस अउर सीलास

17 ओखे बाद पवलुस अउर सीलास, अम्फिपुलिस सहर अउर
अपुल्लोनिया सहर होइके थिस्सलुनीके सहर माहीं आएँ, जहाँ
यहूदी लोगन के सभाघर रहा हय। 2 तब पवलुस अपने रीति के मुताबिक
उनखे लघे गें, अउर तीन पबित्र दिनन काहीं, पबित्र सास्त्र से उनखे साथ
बातचीत किहिन। 3 अउर बचनन के मतलब, पबित्र सास्त्र से ढूँढ़-ढूँढ़िके
समझाबत रहे हँय, कि "मसीह काहीं दुख उठाउब, अउर मरेन म से जि
उठब जरूरी रहा हय; अउर ईंन यीसु जिनखर हम तोंहईं पंचन काहीं कथा
सुनाइत हएन, मसीह आहीं।" 4 उनमा से कुछ जने, अउर भक्त यूनानी जाति
म से खुब जने अउर जउने मेहेरिअन के समाज माहीं आदर रहा हय, ऊँ पंचे
उनखे बात के बिसुआस किहिन, अउर पवलुस अउर सीलास के साथ मिल
गईं। 5 पय यहूदी लोग इरसा से भरिके, बजारन माहीं रहँइ बाले गुंडन काहीं
अपने साथ एकट्ठा कइके, अउर भीड़ लगाइके सहर माहीं हुल्लड़ मचामँइ
लागें, अउर यासोन नाम के मनई के घर माहीं चढ़ाई कइके, पवलुस अउर
सीलास काहीं भीड़ के मनइन के लघे लइ आमँइ चाहत रहे हँय। 6 अउर ऊँ
पंचे पवलुस अउर सीलास काहीं उहाँ न पाइके, "इआ चिल्लात यासोन
अउर कुछ बिसुआसी भाइन काहीं सहर के हाकिमन के लघे खसेलके लइ
आएँ, अउर कहँइ लागें, कि ईं पंचे सगली दुनिया माहीं उथल-पुथल मचामँइ

बाले इहँव आइगे हँय। 7 अउर यासोन उनहीं अपने घर माहीं ठहराए रहा
हय, अउर ‘ईं पंचे सगले जन इआ कहत हें, कि यीसु राजा आहीं’, अउर
राजा कैसर के हुकुमन के बिरोध करत हें।” 8 ऊँ पंचे मनइन काहीं अउर
सहर के हाकिमन काहीं इआ बात सुनाइके घबराय दिहिन। 9 अउर इआमेर
से ऊँ पंचे यासोन अउर बाँकी सगले मनइन काहीं, जमानत के मुचलका
लइके छोंड़ दिहिन।

बिरिया सहर माहीं पवलुस अउर सीलास

10 बिसुआसी भाई लोग तुरन्तय रातय रात पवलुस अउर सीलास काहीं
बिरिया सहर माहीं पठय दिहिन, अउर ऊँ पंचे उहाँ पहुँचिके यहूदी लोगन के
सभाघर माहीं गें। 11 पय उहाँ के सगले मनई थिस्सलुनीके सहर के मनइन से
निकहे रहे हँय, अउर ऊँ पंचे पूरे मन से पवलुस के बताए बचन काहीं सुनिके
अपनाइन, अउर हरेक दिन पबित्र सास्त्र माहीं ढूँढ़त रहे हँय, कि ई बातँय
इहइमेर लिखी हईं कि नहीं। 12 इआमेर से उनमा से खुब जने, अउर जउने
यूनानी मेहेरिअन के समाज माहीं आदर रहा हय, ऊँ पंचे, अउर मंसेरुअन म
से खुब जने बिसुआस किहिन। 13 पय जब थिस्सलुनीके सहर के यहूदी लोग
जानिगें, कि पवलुस बिरिया सहर माहीं घलाय परमातिमा के बचन सुनाबत
हें, त उहाँ घलाय आइके मनइन काहीं उकसाइके हुल्लड़ मचामँइ लागें।
14 तब उहाँ के भाई-बहिनी पवलुस काहीं, उहाँ से बिदा कइ दिहिन, कि
समुद्र के किनारे-किनारे चले जाँय; पय सीलास अउर तीमुथियुस उहँय
रहिगें। 15 पवलुस काहीं पहुँचामँइ बाले उनहीं एथेंस सहर तक पहुँचाइन,
अउर सीलास अउर तीमुथियुस के खातिर इआ हुकुम दइके चलेगें, कि
उनखे लघे खुब हरबी आमँइ।

एथेंस सहर माहीं पवलुस

16 जब पवलुस एथेंस सहर माहीं उनखे आमँइ के इन्तजार कए रहे हँय, त
सहर काहीं मूरतिन से भरा देखिके, उनखर जिव जरा जात रहा हय। 17 एसे
पवलुस उहाँ के यहूदी सभाघर माहीं जाइके, यहूदी लोगन अउर भक्तन से
अउर चउराहा माहीं जेतने मनई मिलत रहे हँय, उनसे हरेक दिन चरचा करत
रहे हँय। 18 तब इपिकूरी अउर इसतोईकी पंडितन म से कुछ जने, पवलुस से
“पबित्र सास्त्र के कुछ बचनन से पूँछ-ताँछ करँइ लागें”, अउर कुछ मनई
कहँइ लागें, कि “इआ बकबास करँइ बाला मनई का कहँइ चाहत हय?”
पय अउर दूसर मनई कहँइ लागें, “ऊँ दुसरे देउतन के प्रचार करँइ बाले
लागत हें”, काहेकि ऊँ यीसु के अउर उनखे मरेन म से जि उठँय के खुसी के
खबर के प्रचार करत रहे हँय। 19 तब ऊँ पंचे पवलुस काहीं पकड़िके
अरियुपगुस के सभा माहीं अपने साथ लइगें, अउर पूँछिन, “हमहीं पंचन
काहीं बताबा, कि जउन इआ नबा मत मनइन काहीं सुनउते हया, उआ का
आय? 20 काहेकि तूँ अनोखी बातन काहीं हमहीं पंचन काहीं सुनउते हया,
एसे हम पंचे जानँइ चाहित हएन, कि इनखर का मतलब हय?” 21 (एसे कि
सगले एथेंस सहर के अउर परदेसी जउन उहाँ रहत रहे हँय, नई-नई बात
कहँय अउर सुनँय के अलाबा, अउर कउनव काम माहीं समय नहीं बिताबत
रहे आँय।)

अरियुपगुस के सभा माहीं पवलुस के भाँसन

22 तब पवलुस अरियुपगुस के सभा के बीच माहीं ठाढ़ होइके कहिन; “हे
एथेंस सहर के रहँइ बाले मनइव, हम देखित हएन, कि तूँ पंचे हरेक बात
माहीं देउतन काहीं खुब मानँइ बाले हया। 23 काहेकि जब हम सहर माहीं
घूमत रहेन हय, उआ समय तोंहरे पूजँय बाली चीजन काहीं देखत रहेन हँय,
त एकठे अइसन बेदी घलाय पाएन, जउने माहीं लिखा रहा हय, कि
‘अनजान परमातिमा के खातिर बेदी।’ एसे जिनहीं तूँ पंचे बिना देखे पुजते
हया, हम तोंहईं पंचन काहीं उनहिन के खबर सुनाइत हएन। 24 जउन
परमातिमा धरती, अउर धरती के सगली चीजन काहीं बनाइन हीं, ऊँ स्वरग
अउर धरती के मालिक होइके, हाँथ के बनाए मन्दिर माहीं नहीं रहँय।
25 उनहीं कउनव चीज के कमी नहिं आय, एसे ऊँ मनइन के हाँथ से सेबा
नहीं करामँय, काहेकि ऊँ त खुदय सब काहीं जीबन अउर साँस अउर सब
कुछ देत हें। 26 परमातिमा एकयठे मनई से मनइन के सगली जातिअन काहीं
सगली धरती माहीं रहँइ के खातिर बनाइन हीं; अउर उँइन मनइन के रहँइ के
खातिर समय निस्चित कइ दिहिन हीं। 27 कि ऊँ पंचे परमातिमा काहीं ढूढ़ँय,
होइ सकत हय, कि ऊँ पंचे ढूँढ़िके पाय जाँय, तऊ ऊँ हमरे पंचन म से कोहू
से दूरी नहिं आहीं! 28 काहेकि हम पंचे उनहिन माहीं जिन्दा रहित हएन,
अउर चलित फिरित, अउर मजबूत रहित हएन; जइसन तोंहार पंचन के कुछ
कबी घलाय कहिन हीं, कि ‘हमहूँ पंचे उनहिन के बंस आहेन।’ 29 काहेकि
हम पंचे परमातिमा के सन्तान आहेन, एसे हमहीं इआ कबहूँ न सोचँइ चाही,
कि परमातिमा सोने, इआ रूपे, इआ पथरा कि नाईं हें, जउन मनई के
कारीगरी अउर कल्पना से गढ़े गे होंय। 30 एसे परमातिमा हमरे पंचन के
अग्यानता के समय माहीं आनाकानी कइके, अब हर जघन के सगले मनइन
काहीं, अपने मन काहीं बदलँइ के हुकुम देत हें। 31 काहेकि परमातिमा एकठे
दिन निस्चित किहिन हीं, जउने माहीं ऊँ, उआ मनई के द्वारा धरम से संसार
के मनइन के न्याय करिहँय, जिनहीं ऊँ ठहराइन हीं, अउर उनहीं मरेन म से
जिन्दा कइके, ईं सगली बातन काहीं निस्चित कइ दिहिन हीं।”
32 मरेन म से जिन्दा होंइ के बातन काहीं सुनिके, खुब मनई उनखर हँसी
उड़ामँइ लागें, अउर कुछ जने कहँइ लागें, ईं बातन काहीं पुनि कबहूँ हम पंचे
तोंहसे सुनब। 33 इआ बात काहीं सुनिके, पवलुस उनखे बीच म से निकरिके
चलेगें। 34 पय कइअक जने उनखे बात के बिसुआस किहिन, अउर उनखे
साथ मिलिगें, जउने माहीं दियुनुसियुस नाम के एकठे मनई रहे हँय, जउन
अरियुपगुस के सभा के सदस्य रहे हँय, अउर दमरिस नाम के एकठे मेहेरिआ
रही हँय, अउर उनखे साथ अउरव कुछ मनई रहे हँय।

कुरिन्थुस सहर माहीं पवलुस

18 एखे बाद पवलुस एथेंस सहर काहीं छोंड़िके, कुरिन्थुस सहर माहीं
आएँ। 2 अउर उहाँ अक्विला नाम के एकठे यहूदी मनई मिलें,
जिनखर जनम पुन्तुस सहर माहीं भ रहा हय; ऊँ अपने मेहेरिआ प्रिस्किल्ला
के साथ इटली सहर माहीं उहय समय अउबय भे रहे हँय, काहेकि राजा
क्लौदियुस सगले यहूदी लोगन काहीं, रोम देस से निकर जाँइ के हुकुम
दिहिन रहा हय, एहिन से ऊँ पंचे उहाँ गे रहे हँय। 3 अउर पवलुस अउर
उनखर काम धन्धा एकय रहा हय, एसे पवलुस उनहिन के लघे ठहरें, अउर
ऊँ पंचे मिलिके काम करँइ लागें, अउर ऊँ पंचे तम्बू बनामँइ के काम करत
रहे हँय। 4 अउर पवलुस हरेक पबित्र दिन काहीं, यहूदी सभाघर माहीं जाइके
चरचा कइके, यहूदी लोगन काहीं, अउर यूनानी जाति के मनइन काहीं
घलाय समझाबत रहे हँय।
5 जब सीलास अउर तीमुथियुस मकिदुनिया प्रदेस से आएँ, त पवलुस
बचन सुनामँइ के धुन माहीं लगे रहे हँय, अउर यहूदी लोगन काहीं गबाही देत
रहे हँय, कि “यीसुअय मसीह आहीं।” 6 पय जब ऊँ पंचे उनखर बिरोध
अउर बुराई करँइ लागें, त पवलुस आपन ओन्हा फारिके उनसे कहिन;
“जउन तूँ पंचे इआ कइ रहे हया, ओखर सजा तुहिन पंचे पइहा, हम
निरदोस हएन, अब से हम गैरयहूदी लोगन के लघे जाब।” 7 अउर पवलुस
उहाँ से चल दिहिन, अउर ऊँ तीतुस युस्तुस नाम के एकठे परमातिमा के
भक्त के घर माहीं पहुँचे, अउर उनखर घर यहूदी लोगन के सभाघर के लघेन
रहा हय। 8 तब सभाघर के मुखिया क्रिस्पुस अपने सगले परिबार समेत प्रभू
के ऊपर बिसुआस किहिन; अउर कुरिन्थ सहर माहीं रहँइ बाले खुब मनई
सुनिके बिसुआस किहिन, अउर बपतिस्मा लिहिन। 9 अउर प्रभू रात माहीं
पवलुस से दरसन माहीं कहिन, “डेरा न, बलकिन कहे जा, अउर चुप्पय न
रहा। 10 काहेकि हम तोंहरे साथ हएन, अउर कोऊ तोंहरे ऊपर चढ़ाई कइके
तोंहईं नुकसान न पहुँचाई; काहेकि इआ सहर माहीं हमार खुब भक्त हें।”
11 एसे पवलुस उहाँ उनखे बीच माहीं परमातिमा के बचन सिखाबत डेढ़
बरिस तक रहिगें।

12 जब गल्लियो अखाया प्रदेस के राजपाल रहे हँय, उहय समय यहूदी
लोग साहुत बाँधिके, पवलुस के ऊपर चढ़ाई किहिन, अउर उनहीं पकड़िके
न्याय सभा के सिंहासन के लघे लइ जाइके कहँइ लागें, 13 "ईं, मनइन काहीं
इआ समझाबत हें, कि परमातिमा के अराधना अइसन करँय, जउन मूसा के
बिधान के बिपरीत हय।" 14 जब पवलुस बोलँइ बाले रहे हँय, तब राजपाल
गल्लियो यहूदी लोगन से कहिन; "हे यहूदी जाति के मनइव, अगर इआ कुछू
अन्याय इआ कि दुस्टता के बात होत, त इआ उचित होत, कि हम तोंहरे
बात काहीं सुनित। 15 पय अगर इआ बाद-बिबाद सब्दन, अउर नामन, अउर
तोंहरे इहाँ के बिधान के बारे माहीं हय, त तुहिन पंचे जाना; काहेकि हम ईं
बातन के न्यायी नहीं बनँइ चाही।" 16 अउर राजपाल उनहीं न्याय के
सिंहासन के सामने से निकरबाय दिहिन। 17 तब सगले मनई यहूदी सभाघर
के मुखिया, सोस्थिनेस काहीं पकड़िके न्याय सिंहासन के आँगे मारिन, पय
राजपाल गल्लियो, ईं बातन के कुछू चिन्ता नहीं किहिन।

अन्ताकिया सहर माहीं पवलुस के लउटब

18 पवलुस खुब दिना तक उहाँ रहिगें, ओखे बाद भाई-बहिनिन से बिदा
लइके, किंख्रिया सहर माहीं आपन मूँड़ मुड़ाइन, काहेकि ऊँ मन्नत मानिन
रहा हय, अउर ओखे बाद जल जिहाज माहीं चढ़िके सीरिया प्रदेस काहीं
चल दिहिन, अउर उनखे साथ प्रिस्किल्ला अउर अक्विला घलाय रहे हँय।
19 अउर पवलुस इफिसुस सहर माहीं पहुँचिके, प्रिस्किल्ला अउर अक्विला
काहीं उहँइ छोंडि दिहिन, अउर खुद यहूदी सभाघर माहीं जाइके, यहूदी
लोगन से चरचा करँइ लागें। 20 अउर जब उहाँ के मनई उनसे बिनती किहिन,
कि कुछ दिना अउर अपना हमरे पंचन के साथ माहीं रही, तब पवलुस
उनखर बात नहीं मानिन। 21 अउर पवलुस उनसे इआ कहिके बिदा लिहिन,
कि "अगर परमातिमा चहिहँय, त पुनि हम तोंहरे पंचन के लघे अउब।" तब
इफिसुस सहर से जिहाज खोलिके चल दिहिन, 22 अउर कैसरिया सहर माहीं
उतरिके, यरूसलेम सहर माहीं गें, अउर मसीही मन्डली के मनइन से मिलिके
अन्ताकिया सहर माहीं आइगें।

पवलुस के तीसर प्रचार-यात्रा

23 अउर उहाँ कुछ दिना रहे के बाद पवलुस उहाँ से चलेगें, अउर एक तरफ
से गलातिया अउर फ्रूगिया प्रदेसन माहीं, सगले चेलन काहीं बिसुआस माहीं
मजबूत करत आँगे बढ़िगें।

इफिसुस सहर माहीं अपुल्लोस

24 अउर उहँय अपुल्लोस नाम के एकठे यहूदी रहे हँय, जउन सिकन्दरिया
सहर माहीं पइदा भे रहे हँय, ऊँ निकहे भाँसन देंइ बाले रहे हँय, अउर पबित्र
सास्त्र के उनहीं बड़ा ग्यान रहा हय, ऊँ इफिसुस सहर माहीं आए रहे हँय।
25 ऊँ प्रभू के सही गइल माहीं चलँइ के सिच्छा पाइन रहा हय, अउर पूरा मन
लगाइके यीसु के बारे माहीं सही-सही बचन सुनाबत, अउर सिखाबत रहे
हँय, पय ऊँ केबल यूहन्ना बपतिस्मा देंइ बालेन के बातन काहीं भर जानत रहे
हँय। 26 ऊँ यहूदी सभाघर माहीं निडर होइके बोलँइ लागें, अउर प्रिस्किल्ला
अउर अक्विला उनखे बातन काहीं सुनिके उनहीं अपने घर लइगें, अउर
परमातिमा के बातन काहीं अउर निकहा से उनहीं बताइन। 27 अउर
अपुल्लोस जब अखाया सहर माहीं जाँइ के निस्चित किहिन। एसे उहाँ के
भाई-बहिनी उनखर ढाढ़स बँधाइके चेलन काहीं लिखिन, कि "ऊँ पंचे उनसे
निकहा से मिलँय", अउर ऊँ उहाँ पहुँचिके उनखर बड़ी मदत किहिन, जउन
परमातिमा के किरपा से यीसु के ऊपर बिसुआस किहिन रहा हय।
28 काहेकि ऊँ पबित्र सास्त्र से सबूत दइ-दइके, कि "यीसुअय मसीह आहीं";
बड़े साहस के साथ यहूदी लोगन काहीं, सगलेन के अँगुअय पबित्र सास्त्र के
बचन से उनहीं चुप करत रहिगें।

इफिसुस सहर माहीं पवलुस

19 अउर जब अपुल्लोस कुरिन्थुस सहर माहीं रहे हँय, तब पवलुस
ऊपर के सगले प्रदेसन से होत, इफिसुस सहर माहीं आएँ, अउर
उहाँ कइयकठे चेला मिलें, 2 त उनसे कहिन; "का तूँ पंचे बिसुआस करत
समय पबित्र आत्मा पाया तय?" तब ऊँ पंचे उनसे कहिन, "हम पंचे त
पबित्र आत्मा के चरचव तक नहीं सुने आहेन।" 3 तब पवलुस उनसे कहिन;
"त पुनि तूँ पंचे केखर बपतिस्मा लिहे हया?" ऊँ पंचे कहिन, "यूहन्ना
बपतिस्मा देंइ बाले के बपतिस्मा लिहेन हय।" 4 तब पवलुस कहिन; "यूहन्ना
बपतिस्मा देंइ बाले इआ कहिके मन काहीं बदलँइ के बपतिस्मा दिहिन रहा
हय, कि जउन हमरे बाद आमँइ बाले हें, उनखे ऊपर अरथात यीसु के ऊपर
बिसुआस किहा।" 5 इआ सुनिके ऊँ पंचे प्रभू यीसु के नाम से बपतिस्मा
लिहिन। 6 अउर जब पवलुस उनखे ऊपर आपन हाँथ धरिन, त उनखे ऊपर
पबित्र आत्मा उतरा, अउर ऊँ पंचे अलग-अलग भाँसा बोलँइ लागें, अउर
भबिस्यबानी करँइ लागें। 7 कुल मिलाइके ऊँ पंचे बारा जने के करीब रहे
हँय।

8 अउर पवलुस यहूदी सभाघर माहीं जाइ-जाइके, तीन महीना तक निडर
होइके बोलत रहिगें, अउर परमातिमा के राज के बारे माहीं, यहूदी लोगन के
साथ चरचा कइके समझाबत रहिगें। 9 पय जब कुछ जने बड़े हठी रहे हँय,
अउर उनखे बातन काहीं नहीं मानिन, बलकिन सगले मनइन के अँगुअय
इआ पंथ काहीं भला-बुरा कहँइ लागें, तब पवलुस उनहीं छोंड़िके चेलन
काहीं अलग कइ लिहिन, अउर हरेक दिन तुरन्नुस के पाठसाला माहीं तर्क-
वितर्क करत रहे हँय। 10 दुइ बरिस तक इहय होत रहिगा, इहाँ तक कि
आसिया प्रदेस के रहँइ बाले का यहूदी लोग, का यूनानी जाति के मनई
सगले जन प्रभू के बचन काहीं सुन लिहिन।

स्कीवा के सातठे लड़िका

11 अउर परमातिमा पवलुस के हाँथेन से सामर्थ के अदभुत काम देखाबत
रहे हँय। 12 इहाँ तक कि कुछ मनई उरमाल अउर अँगउछन काहीं पवलुस के
देंह माहीं छुआयके, बिमारन काहीं ओढ़ाबत रहे हँय, अउर उनखर बिमारी
दूर होइ जात रही हय; अउर बुरी आत्मा घलाय उनमा से निकर जा करत
रही हँय। 13 पय कुछ यहूदी लोग जउन झारत-फूँकत घूमत रहे हँय, इआ
करँइ लागें, कि जिन माहीं बुरी आत्मा होंय, त उनखे ऊपर प्रभू यीसु के नाम
से इआ कहिके फूँकय लागें, कि जउने यीसु के प्रचार पवलुस करत हें, हम
तोंहईं उनहिन के कसम देइत हएन। 14 स्कीवा नाम के एकठे यहूदी जाति के
महायाजक के सातठे लड़िका रहे हँय, जउन इहइमेर करत रहे हँय। 15 पय
बुरी आत्मा जबाब दिहिस, कि "हम यीसु काहीं जानित हएन, अउर पवलुस
काहीं घलाय पहिचानित हएन; पय तूँ पंचे को आह्या?" 16 अउर उआ मनई
जउने माहीं बुरी आत्मा रही हय; उनखे ऊपर झपटिके, उनहीं अपने काबू
माहीं कइके, उनखे ऊपर अइसन उपद्दरव किहिस, कि ऊँ पंचे नंगे अउर
चोंटिल होइके, उआ घर से निकरिके भागिगें। 17 अउर इआ बात काहीं
इफिसुस सहर के रहँइ बाले यहूदी लोग, अउर यूनानी जाति के मनई घलाय
जानिगें, अउर उन सगलेन के ऊपर भय छाइगा; अउर प्रभू यीसु के नाम के
बड़ाई भय। 18 अउर जेतने जन बिसुआस किहिन रहा हय, उनमा से खुब
जने आइके अपने-अपने बुरे कामन काहीं सबके आँगे सोइकार कइ लिहिन।
19 अउर जादू करँइ बालेन म से खुब जने अपने-अपने पोथी-पत्रिन काहीं,
एकट्ठा कइके सबके अँगुअय जराय दिहिन; अउर जब उनखर कीमत जोड़ी
गे, त पचास हजार चाँदी के सिक्कन के बराबर निकरी। 20 इआमेर से प्रभू
के बचन सामर्थ के साथ फइलत ग, अउर मजबूत होत ग।

21 जब ईं बातँय होइ चुकीं, त पवलुस अपने मन माहीं ठान लिहिन, कि
मकिदुनिया प्रदेस अउर अखाया प्रदेस से होइके, यरूसलेम सहर माहीं
जाब, अउर कहिन, कि उहाँ जाए के बाद हमहीं रोम देस काहीं घलाय देखब
जरूरी हय। 22 एसे अपने सेबकन म से तीमुथियुस अउर इरास्तुस काहीं,

मकिदुनिया प्रदेस माहीं पठइके, खुद आसिया प्रदेस माहीं कुछ दिना रहिगें।

इफिसुस सहर माहीं उपद्दरव

23 उआ समय इआ पंथ के बारे माहीं बड़ा हुल्लड़ भ। 24 काहेकि
देमेत्रियुस नाम के एकठे सोनार अरतिमिस देबी के चाँदी के मन्दिर
बनबाइके, कारीगरन काहीं खुब काम देबाबा करत रहा हय। 25 उआ उनहिन
पंचन काहीं अउर इआ काम से जुड़े दुसरे कारीगरन काहीं, एकट्ठा किहिस
अउर कहिस, “हे कारीगरव, का तूँ पंचे जनते हया, कि इआ काम माहीं
हमहीं पंचन काहीं केतना धन मिलत हय। 26 अउर तूँ पंचे देखते अउर सुनते
हया, कि केबल इफिसुस सहर भर माहीं नहीं, बलकिन सगले आसिया
प्रदेस माहीं, पवलुस इआ कहि-कहिके खुब मनइन काहीं समझाइन अउर
भरमाइन हीं, कि ‘जउन हाँथे के कारीगरी हईं, ऊँ परमातिमा न होंहीं।’
27 अउर अब केबल इआ बातय भर के डेर न होय ही, कि हमार पंचन के
इआ रोजिगार के बदनामी होई; बलकिन इआ, कि महान देबी अरतिमिस के
मन्दिर तुच्छ समझा जई, अउर उनखर मान-सम्मान घट जई, जिनहीं सगले
आसिया प्रदेस के मनई, अउर संसार के मनई पूजत हें।”
28 ऊँ पंचे इआ बात काहीं सुनिके, खुब चन्डे चिल्लाइके कहँइ लागें,
“इफिसुस सहर के रहँइ बाले मनइन के अरतिमिस देबी महान हईं!”
29 अउर सगले सहर माहीं खुब हलचल मचिगा, अउर कुछ जने पवलुस के
साथ यात्रा माहीं रहँइ बाले, गयुस अउर अरिस्तरखुस काहीं जउन
मकिदुनिया प्रदेस के रहँइ बाले रहे हँय, पकड़ लिहिन, अउर एक चित्त
होइके महासभा घर माहीं दउड़त लइगें। 30 पय जब पवलुस उनखे लघे
भीतर जाँय लागें, तब चेला लोग उनहीं नहीं जाँय दिहिन। 31 आसिया प्रदेस
के हाकिमन म से घलाय जउन पवलुस के साथी रहे हँय, उनखे लघे कहबाय
पठइन, अउर बिनती किहिन, कि ऊँ महासभा घर माहीं जाँइ के खतरा मोल
न लेंय। 32 काहेकि उआ सभा माहीं बड़ी गड़बड़ी मची रही हय, कोऊ कुछू
चिल्लात रहे हँय, अउर कोऊ कुछू; अउर कुछ जने त इआ जनतय नहीं रहें,
कि हम पंचे इहाँ काहे के खातिर एकट्ठा भएन हँय। 33 तब ऊँ पंचे सिकन्दर
नाम के एकठे यहूदी मनई काहीं जेही, ऊँ पंचे चुनिन रहा हय, भीड़ के
मनइन म से ओही आँगे किहिन, अउर सिकन्दर अपने हाँथे से इसारा कइके,
सगले मनइन के आँगे जबाब देंइ चाहत रहा हय। 34 पय जब ऊँ पंचे इआ
जानिगें, कि उआ यहूदी आय, तब सगले मनई एकय अबाज माहीं करीब
दुइ घन्टा तक चिल्लात रहिगें, कि इफिसुस सहर के रहँइ बाले मनइन के
अरतिमिस देबी महान हईं। 35 तब सहर के मन्त्री सगले मनइन काहीं सान्त
कइके कहिन; “हे इफिसुस सहर के रहँइ बाले मनइव, को नहीं जानँय, कि
इफिसुस सहर, महान देबी अरतिमिस के मन्दिर, अउर ज्यूस के तरफ से
गिरी मूरत के सेबइक आय। 36 काहेकि ईं बातन से इनकार नहीं कीन जाय
सकय, त उचित हय, कि तूँ पंचे चुप्पय रहा; अउर बिना सोचे-बिचारे कुछू न
करा। 37 काहेकि तूँ पंचे जउने मनइन काहीं लइ आए हया, ऊँ पंचे न त
मन्दिर काहीं लुटइन बाले आहीं, अउर न हमरे पंचन के देबी के हँसी उड़ामँइ
बाले आहीं। 38 अगर देमेत्रियुस अउर उनखे साथी कारीगरन के कोहू से
बिबाद होय, त कचेहरी खुली हय, अउर हाकिम घलाय हें; ऊँ पंचे एक दुसरे
के ऊपर मुकदमा चलाय सकत हें। 39 पय तूँ पंचे अगर अउर कउनव बात के
बारे माहीं, कुछू पूँछय चहते हया, त निअत सभा माहीं फँइसला कीन जई।
40 काहेकि आज के बलबा के कारन हमरे ऊपर दोस लगाए जाँइ के डेर हय,
एसे कि इआ सभा लगामँइ के कउनव कारन नहिं आय, एसे हम इआ भीड़
के एकट्ठा होंय के कउनव जबाब न दइ सकब।” 41 अउर इआ कहिके ऊँ
सभा के मनइन काहीं बिदा किहिन।

मकिदुनिया प्रदेस, यूनान प्रदेस अउर त्रोआस सहर माहीं पवलुस

20 जब हुल्लड़ कम होइगा, तब पवलुस चेलन काहीं बोलाइके
समझाइन, अउर उनसे बिदा लइके मकिदुनिया प्रदेस कइती चल
दिहिन। 2 अउर उआ सगले प्रदेस म से होइके उहाँ रहँइ बाले चेलन के
उत्साह काहीं बढ़ाइके, ऊँ यूनान प्रदेस माहीं आइगें। 3 अउर उहाँ तीन
महीना रहे के बाद, जल जिहाज से सीरिया प्रदेस कइती जाँइ बाले रहे हँय,
तब यहूदी लोग उनखे घात माहीं लगिगें, एसे ऊँ इआ निस्चय किहिन, कि
हम मकिदुनिया प्रदेस होइके लउटि जाब। 4 तब बिरिया सहर के पुरूर्स के
लड़िका सोपत्रुस अउर थिस्लोनी सहर के रहँइ बालेन म से अरिस्तरखुस
अउर सिकुन्दुस अउर दिरबे के गयुस, अउर तीमुथियुस अउर आसिया प्रदेस
के तुखिकुस अउर त्रुफिमुस आसिया प्रदेस तक पवलुस के साथ माहीं आएँ।
5 अउर ऊँ पंचे आँगे जाइके त्रोआस सहर माहीं हमार पंचन के इन्तजार
करत रहिगें। 6 अउर हम पंचे बिना खमीर के रोटी खाँइ बाले तेउहार के
दिनन के बाद, फिलिप्पी सहर से जल जिहाज माहीं चढ़िके. पाँच दिन माहीं
त्रोआस सहर माहीं उनखे लघे पहुँचेन, अउर सात दिना तक उहँय रहेन।

त्रोआस सहर माहीं यूतुखुस काहीं जिआउब

7 हप्ता के पहिलय दिना जब हम पंचे रोटी टोरँइ के खातिर एकट्ठा भएन,
त पवलुस जउन दुसरे दिना चले जाँय बाले रहे हँय, उनसे बात करँइ लागें,
अउर आधी रात तक बात करत रहिगें। 8 जउने अँटरिया माहीं हम पंचे
एकट्ठा रहेन हँय, ओमाहीं खुब दिया बरत रहे हँय। 9 अउर यूतुखुस नाम के
एकठे नवजमान झँकिया माहीं बइठ रहा हय, अउर उआ मारे नींद के गिरत
रहा हय, अउर जब पवलुस खुब देर तक बात करत रहिगें, त उआ मारे नींद
के तिसरे अँटरिया से नीचे गिर परा, अउर जब ओही उठाइन त उआ मरिगा
रहा हय। 10 पय पवलुस अँटरिया से नीचे उतरिके ओसे लपिटिगें, अउर
ओही अपने गले लगाइके कहिन; “सब कोऊ घबरा न; काहेकि ओखर प्रान
नहीं निकरा आय।” 11 अउर ऊपर अँटरिया माहीं जाइके रोटी टोरिन, अउर
खाइके खुब देर तक उनसे बातँय करत रहिगें, अउर भिनसार होइगा, तब
पवलुस उहाँ से चलेगें। 12 अउर सगले जन उआ लड़िका काहीं जिन्दा लइ
आएँ, अउर उनहीं बड़ी सान्ति मिली।

त्रोआस सहर से मितुलेने सहर तक के पवलुस के यात्रा

13 हम पंचे पहिलेन से जल जिहाज माहीं चढ़िके, अस्सुस सहर तक इआ
बिचार से आँगे गएन, कि उहाँ से हम पंचे पवलुस काहीं जिहाज माहीं चढ़ाय
लेई, काहेकि पवलुस उहँय से जिहाज माहीं चढ़ँइ के खातिर कहिन रहा हय,
एसे कि ऊँ उहाँ तक खुदय पइदल जाँइ बाले रहे हँय। 14 जब ऊँ हमहीं पंचन
काहीं अस्सुस माहीं मिलें, त हम पंचे उनहीं जिहाज माहीं चढ़ाइके मितुलेने
सहर माहीं आएन। 15 अउर उहाँ से जिहाज काहीं छोरिके हम पंचे दुसरे
दिना खियुस टापू के सउहें पहुँचेन, अउर तिसरे दिना सामुस टापू माहीं
पहुँचेन, अउर ओखे दुसरे दिना मिलेतुस सहर माहीं पहुँच गएन। 16 काहेकि
पवलुस इफिसुस के लघे से होइके जाँइ के निस्चित किहिन रहा हय, कि
कहँव अइसा न होय, कि उनहीं आसिया प्रदेस माहीं देर होइ जाय; काहेकि
ऊँ हरबिरी माहीं रहे हँय, कि अगर होइ सकय त ऊँ पिन्तेकुस्त के दिन
यरूसलेम सहर माहीं रहँय।

इफिसुस के धारमिक अँगुअन काहीं उपदेस

17 अउर ऊँ मिलेतुस सहर से इफिसुस सहर माहीं सँदेस पठबाइके,
मसीही मन्डली के अँगुअन काहीं बोलबाइन। 18 जब ऊँ पंचे उनखे लघे
आएँ, तब उनसे कहिन, “का अपना पंचे जानित हएन, कि पहिलय दिना से
जब हम आसिया प्रदेस माहीं पहुँचेन त, हम हर समय अपना पंचेन के साथ
कउनमेर से रहेन हय। 19 मतलब बड़ी दीनता से, अउर आँसू बहाय-बहाइके,
अउर उन परिच्छन माहीं जउन यहूदी लोगन के खड़यन्त्र के कारन हमरे
ऊपर आय परी रही हँय; हम प्रभू के सेबा करत रहि गएन। 20 अउर जउन-
जउन बातँय अपना पंचन के फायदा के रही हँय, उनहीं बतामँइ माहीं अउर
घर-घर जाइके मनइन काहीं सिखामँइ माहीं कबहूँ अरचन नहीं मानेन।
21 हम यहूदी लोगन अउर यूनानी लोगन के आँगे इआ गबाही देत रहि गएन,
कि परमातिमा कइती अपने मन काहीं लगाबा, अउर हमरे पंचन के प्रभू

यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस करा। 22 अउर अब देखी, हम पबित्र आत्मा
के अधीन होइके, यरूसलेम सहर माहीं जइत हएन, अउर नहीं जानी, कि
उहाँ हमरे ऊपर का-का बीती? 23 केबल इआ कि पबित्र आत्मा हरेक सहरन
माहीं गबाही दइ-दइके हमसे कहत हय, कि बन्धन अउर दुख तोंहरे खातिर
तइआर हय। 24 पय हम अपने प्रान काहीं कुछू नहीं समझी, कि ओही पियार
जानी, बलकिन इआ, कि हम अपने दउड़ अउर उआ सेबकाई काहीं पूर
करी, जउन हम परमातिमा के किरपा के खुसी के खबर के गबाही देंइ के
खातिर प्रभू यीसु से पाएन हय। 25 अउर अब देखी, हम जानित हएन कि,
अपना पंचन म से कोऊ, जिनखे बीच माहीं हम परमातिमा के राज के प्रचार
करत फिरेन हय, हमार मुँह पुनि कबहूँ न देखे पाउब। 26 एसे हम अजुअय
अपना पंचन से गबाही दइके कहित हएन, कि हम अपना पंचन म से कोहू
के खून के दोसी नहिं आहेन। 27 काहेकि परमातिमा के पूरी इच्छा काहीं हम
अपना पंचन काहीं पूरी तरह से बतामँइ माहीं कबहूँ नहीं हिचकिचानेन।
28 एसे अपना पंचे आपन अउर अपने पूरे झुन्ड के रखबारी करी; जउने
खातिर पबित्र आत्मा अपना पंचन काहीं अँगुआ ठहराइन हीं; कि अपना पंचे
परमातिमा के मसीही मन्डली के रखबारी करी, जेही ऊँ अपने खून से मोल
लिहिन हीं। 29 हम जानित हएन, कि हमरे बाद खतरनाक डगर अपना पंचन
के बीच माहीं अइहँय, जउन इआ झुन्ड काहीं न छोंड़ि हँय। 30 इहाँ तक कि
अपना पंचन के बीचय म से अइसन मनई तइआर होइहँय, जउन चेलन
काहीं अपने पीछे खींच लेंइ के खातिर, बातन काहीं टोर-मरोरिके कइहँय।
31 एसे जागत रहा; अउर सुध करा; कि हम तीन बरिस तक रात-दिना आँसू
बहाय-बहाइके, हरेक जन काहीं चेतउनी देब नहीं छोंड़ेन। 32 अउर अब हम
अपना पंचन काहीं परमातिमा काहीं, अउर उनखे किरपा के बचन काहीं
सँउपे देइत हएन; जउन अपना पंचन के उन्नति कइ सकत हें, अउर सगले
पबित्र कीन मनइन के साथ अपना पंचन काहीं बारिसदार बनाय सकत हें।
33 हम कोहू के चाँदी, सोने के इआ कि ओन्हा के लालच नहीं किहेन।
34 अपना पंचे खुदय जानित हएन, कि हम अपने ईंन हाँथन से, आपन अउर
अपने साथिन के जरूरतन काहीं पूरी किहेन हय। 35 अउर हम अपना पंचन
काहीं सब कुछ कइके देखायन हय, कि कउनमेर से मेहनत कइके कमजोर
मनइन के मदत करँइ चाही, अउर हमहीं पंचन काहीं प्रभू यीसु के कहे उआ
बचन काहीं हमेसा सुध रक्खँइ चाही, जउने काहीं ऊँ खुदय कहिन तय, कि
'लेंइ से देब भला होत हय'।"

36 इआ कहिके पवलुस घुटुआ के बल बइठिके उन सगलेन के साथय
प्राथना किहिन। 37 तब ऊँ पंचे खुब रोइन अउर पवलुस के गले मिलिके
उनहीं चूमँइ लागें। 38 काहेकि ऊँ पंचे इआ बात से दुखी रहे हँय, जउन
पवलुस उनसे कहिन तय, कि "अपना पंचे हमार मुँह पुनि कबहूँ न देखे
पाउब"; अउर ऊँ पंचे उनहीं जिहाज के लघे तक पहुँचाइन।

यरूसलेम सहर काहीं पवलुस के जाब

21 जब हम पंचे उनसे अलग होइके जिहाज छोरेन, त सीधे गइल से
कोस टापू माहीं आएन, अउर दुसरे दिना रूदुस सहर माहीं आएन,
अउर उहाँ से पतरा नाम के जघा माहीं पहुँचेन। 2 अउर उहाँ से फीनीके सहर
काहीं जाँइ बाला एकठे जिहाज मिला, तब हम पंचे ओमाहीं चढ़िके, ओही
छोर दिहेन। 3 जब साइप्रस टापू देखान, जउने काहीं हम पंचे बाएँ हाँथ
कइती छोंड़ेन, अउर सीरिया देस कइती चलिके सूर सहर माहीं उतरेन;
काहेकि उहाँ जिहाज के समान उतारँय क रहा हय। 4 अउर उहाँ के चेलन
काहीं पाइके हम पंचे उहाँ सात दिना तक रहेन, तब ऊँ पंचे पबित्र आत्मा के
प्रेरना से पवलुस से कहिन, कि यरूसलेम सहर माहीं न जया। 5 जब उहाँ
रहँइ के दिन पूर होइगें, तब हम पंचे उहाँ से चल दिहेन; अउर उहाँ के सगले
मनई लड़िका मेहेरिअन समेत हमहीं सहर के बहिरे तक पहुँचाइन, अउर हम
पंचे सगले जन समुद्र के किनारे घुटुअन के बल बइठिके प्राथना किहेन।
6 ओखे बाद एक दुसरे से बिदा होइके, हम पंचे त जिहाज माहीं चढ़ि गएन,
अउर ऊँ पंचे अपने-अपने घरय चलेगें।

7 जब हम पंचे सूर सहर से जिहाज माहीं यात्रा पूर कइके, पतुलिमयिस
सहर माहीं पहुँचेन, त उहाँ के बिसुआसी भाइन से मुलाखात कइके, हम पंचे
उनखे साथ एक दिना रहेन। 8 अउर दुसरे दिना हम पंचे उहाँ से चलिके
कैसरिया सहर माहीं आएन, अउर फिलिप्पुस के घर माहीं जाइके उनखे इहाँ
रहेन, जउन खुसी के खबर के प्रचार करँइ बाले सातठे सेबकन म से रहे
हँय। 9 उनखे चारठे कुमारी बिटिया रही हँय; जउन भबिस्यबानी करत रही
हँय। 10 जब हम पंचे उहाँ खुब दिना रहि चुकेन, तब परमातिमा के सँदेस
बतामँइ बाले अगबुस नाम के एक जने यहूदिया प्रदेस से आएँ। 11 अउर ऊँ
हमरे लघे आइके पवलुस के अँगउछा लिहिन, अउर आपन हाँथ-गोड़
बाँधिके कहिन; पबित्र आत्मा इआ कहत हय, कि जउने मनई के इआ
अँगउछा आय, उनहीं यरूसलेम सहर माहीं यहूदी लोग इहइमेर से बँधिहँय,
अउर गैरयहूदी लोगन के हाँथ माहीं सउँपि देइहँय। 12 जब हम पंचे ईं बातन
काहीं सुनेन, तब हम पंचे अउर उहाँ के मनई पवलुस से बिनती किहिन, कि
ऊँ यरूसलेम सहर माहीं न जाँय। 13 पय पवलुस जबाब दिहिन, कि तूँ पंचे
का करते हया, रोइ-रोइके हमरे मन काहीं कमजोर करते हया, हम त प्रभू
यीसु के नाम के खातिर यरूसलेम सहर म न केबल बाँधे जाँइन भर काहीं
नहीं, बलकिन मरऊँ के खातिर तइआर हएन। 14 जब ऊँ कोहू के बात नहीं
मानिन, तब हम पंचे इआ कहिके चुप्पय होइ गएन, कि "प्रभू के इच्छा पूर
होय।"

15 अउर कुछ दिन के बाद हम पंचे तइआरी कइके यरूसलेम सहर काहीं
चल दिहेन। 16 अउर कैसरिया सहर के घलाय खुब चेला हमरे पंचन के साथ
चल दिहिन, अउर हमहीं मनासोन नाम के साइप्रस सहर के रहँइ बाले,
एकठे पुरान चेला के घर माहीं लइ आएँ, कि हम पंचे उनखे इहाँ रुकी।

पवलुस के याकूब से भेंट

17 जब हम पंचे यरूसलेम सहर माहीं पहुँचेन, तब उहाँ के बिसुआसी भाई
बड़े आनन्द के साथ हमसे मिलें। 18 अउर दुसरे दिना पवलुस हमहीं पंचन
काहीं लइके याकूब के लघे गें, जहाँ मसीही मन्डली के सगले अँगुआ एकट्ठा
रहे हँय। 19 तब पवलुस उनहीं नबस्कार कइके, जउन-जउन काम परमातिमा
उनखे सेबकाई के द्वारा, गैरयहूदी लोगन के बीच माहीं किहिन रहा हय,
एक-एक कइके सब बताइन। 20 अउर ऊँ पंचे इआ सुनिके परमातिमा के
महिमा किहिन, अउर ओखे बाद पवलुस से कहिन, "हे भाई, तूँ देखते हया,
कि यहूदी लोगन म से कइअक हजार मनई प्रभू के ऊपर बिसुआस किहिन
हीं; अउर सगले जने मूसा के बिधान काहीं मानँइ के खातिर धुन लगाए हें।
21 अउर उनहीं तोंहरे बारे माहीं इआ बताबा ग हय, कि तूँ गैरयहूदी लोगन के
बीच माहीं रहँइ बाले यहूदी लोगन काहीं, मूसा नबी के सिच्छा काहीं न
मानँइ काहीं सिखउते हया, अउर कहते हया, कि न अपने लड़िकन-बच्चन
के खतना कराया, अउर न उनखे बताई रीत के मुताबिक चला। 22 त बताबा
का कीन जाय? काहेकि ऊँ पंचे जरूर सुनिहँय कि तूँ इहाँ आए हया। 23 एसे
जउन हम पंचे तोंहसे कहित हएन, उहयमेर करा, हमरे इहाँ चारठे मनई हें,
ऊँ पंचे कउनव मन्नत मानिन हीं। 24 एसे उनहीं लइ जाइके उनखे साथ
अपने-आप काहीं सुद्ध करा; अउर उनहीं खरचा के खातिर पइसा द्या, जउने
ऊँ पंचे मूँड़ मुड़ामँय, तब सगले जन जान लेइहँय, कि जउन बातँय उनहीं
तोंहरे बारे माहीं सिखाई गई हँय, उनमा कउनव सच्चाई नहिं आय, बलकिन
तूँ खुदय मूसा के बिधान काहीं मानिके ओखे मुताबिक चलते हया। 25 पय
गैरयहूदी लोगन के बारे माहीं जउन प्रभू के ऊपर बिसुआस किहिन हीं, हम
पंचे इआ निरनय कइके उनहीं चिट्ठी लिखिके पठयन हय, कि ऊँ पंचे मूरतिन
के आँगे बली कीन माँस खाँय से, अउर खून से, नेटई काटे पसुअन के माँस
खाँय से, अउर ब्यभिचार से बचे रहँय।" 26 तब पवलुस ऊँ मनइन के साथ
जाइके खुद काहीं सुद्ध किहिन, अउर दुसरे दिना उनखे साथ मन्दिर माहीं गें,
अउर सुद्ध होंइ के दिन, अरथात उनमा से हरेक के खातिर चढ़ाबा चढ़ाए
जाँय के दिन पूर होंइ के बारे माहीं, उनहीं पंचन काहीं बताय दिहिन।

मन्दिर माहीं पवलुस के पकड़ा जाब

27 जब ऊँ सात दिना पूरय होंइ बाले रहे हँय, तब आसिया प्रदेस के यहूदी
जाति के कुछ मनई, पवलुस काहीं मन्दिर माहीं देखिके, उहाँ के सगले
मनइन काहीं उकसाइन, अउर इआमेर से चिल्लाय-चिल्लाइके पवलुस काहीं
पकड़ लिहिन। 28 कि, “हे इजराइल के रहँइ बाले मनइव मदत करा; इआ
उहय मनई आय, जउन सगले मनइन काहीं, मूसा के बिधान के अउर इआ
जघा के बिरोध माहीं, हर जघा सिखाबत हय, इहाँ तक कि यूनानी जाति के
मनइन काहीं, मन्दिर माहीं लइआइके इआ पबित्र जघा काहीं अपबित्र कइ
दिहिस ही।” 29 ऊँ पंचे त एसे पहिले इफिसुस सहर के रहँइ बाले त्रुफिमुस
काहीं, उनखे साथ सहर माहीं देखिन रहा हय, अउर इआ समझत रहे हँय,
कि पवलुस उनहीं मन्दिर माहीं लइ आएँ हँय। 30 तब सगले सहर माहीं
हलचल मचिगा, अउर उहाँ के सगले मनई दउड़िके एकट्ठा होइगें, अउर
पवलुस काहीं पकड़िके मन्दिर के बहिरे खसेलि लाएँ, अउर हरबिन मन्दिर
के दुअरा बंद कइ दीनगें। 31 जब ऊँ पंचे उनहीं मारि डारँय चाहत रहे हँय,
तब सिपाहिन के मुखिया के लघे इआ खबर पहुँची, कि सगले यरूसलेम
सहर माहीं हलचल मचा हय। 32 तब ऊँ हरबिन सिपाहिन अउर सुबेदारन
काहीं लइके, उनखे लघे दउड़तय पहुँचिगें; अउर ऊँ पंचे सिपाहिन के
मुखिया काहीं, अउर सिपाहिन काहीं देखिके, पवलुस काहीं मारब पीटब बंद
कइ दिहिन। 33 तब सिपाहिन के मुखिया उनखे लघे आइके उनहीं पकड़
लिहिन; अउर दुइठे जंजीरन से बाँधय के हुकुम दइके पूँछँइ लागें, “ईं को
आहीं, अउर ईं का किहिन हीं?” 34 पय भीड़ के मनइन म से कुछ जने कुछू,
त कुछ जने कुछू चिल्लात रहे हँय, अउर जब हुल्लड़ के मारे असलिअत
नहीं जाने पाइन, त उनहीं छावनी माहीं लइ जाँइ के हुकुम दिहिन।
35 पवलुस जब सिढ़िया के लघे पहुँचे, त अइसन भ कि भीड़ के सगले मनई
उनहीं दबाए डारत रहे हँय, एसे सिपाही लोग उनहीं उठाइके भीतर लइगें।
36 काहेकि सगली भीड़ के मनई इआ चिल्लात उनखे पीछे परे रहे हँय, कि
“ओही मार डारा।”

37 जब ऊँ पंचे पवलुस काहीं छावनी माहीं लइ जाँइ बाले रहे हँय, तब
पवलुस सिपाहिन के मुखिया से कहिन; “का हम अपना से कुछू कहि
सकित हएन?” तब सिपाहिन के मुखिया उनसे कहिन, “का तूँ यूनानी भाँसा
जनते हया? 38 का तूँ मिस्र देस के उआ मनई न होह्या, जउन एखे पहिले
बलबा कइके चार हजार कटार लए मनइन काहीं सुनसान जघा माहीं लइ
गया तय?” 39 तब पवलुस कहिन, “हम त किलिकिया प्रदेस के मसहूर
सहर तरसुस के रहँइ बाले यहूदी आहेन, अउर हम अपना से बिनती करित
हएन, कि हमहीं ईं मनइन से बात करँय देई।” 40 जब ऊँ बात करँइ के हुकुम
दइ दिहिन, तब पवलुस सिढ़िया माहीं ठाढ़ होइके अपने हाँथ से लोगन
काहीं इसारा किहिन; जब ऊँ पंचे सगले जन चुप्पय होइगें, तब ऊँ इब्रानी
भाँसा माहीं बोलँइ लागें।

भीड़ के मनइन के आँगे पवलुस के भाँसन

22 “हे भाई-बहिनिव, अउर बाप के समान बुजुरगव हमार जबाब
सुना, जउन अब हम तोंहरे आँगे कहित हएन।” 2 ऊँ पंचे इआ
सुनिके कि ऊँ हमसे इब्रानी भाँसा माहीं बोलत हें, अउरव चुप्पय होइगें। तब
ऊँ कहिन, 3 “हम त यहूदी आहेन, जउन किलिकिया प्रदेस के तरसुस सहर
माहीं पइदा भएन; पय इहय सहर माहीं गमलीएल के लघे बइठिके पढ़ाई
किहेन हँय, अउर हमहीं बाप-दादन के बिधान काहीं सही रीति से सिखाबा
ग; अउर परमातिमा के खातिर अइसन धुन लगाए रहेन हय, जइसन तूँ पंचे
सगले जन आज लगाए हया। 4 अउर हम मेहेरिआ-मंसेरुआ दोनव काहीं
बाँधि बाँधिके, अउर जेल माहीं डार डारिके, यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस
करँइ बालेन काहीं इहाँ तक सतायन, कि उनहीं मरबाय घलाय डारेन तय।
5 इआ बात के खातिर महायाजक अउर यहूदी समाज के धारमिक अँगुआ
लोग गबाह हें; कि हम उनसे भाई-बहिनिन के नाम पर चिट्ठी लइके दमिस्क
सहर काहीं चले जात रहे हएन, कि उहाँ जेतने होंय उनहूँ काहीं सजा
देबामँइ के खातिर, बाँधिके यरूसलेम सहर माहीं ले अई।

अपने हिरदँय के बदलँइ के बखान

(खास चेलन 9:1-19; 26:12-18)

6 जब हम चलत-चलत दमिस्क सहर के लघे पहुँचेन, त अइसन भ, कि
दुपहर के करीब एकाएक एकठे बड़ी जोति अकास से हमरे चारिव कइती
चमकी। 7 अउर हम भुँइ माहीं गिर परेन, अउर इआ बोल सुनान, कि ‘हे
साऊल, हे साऊल, तूँ हमहीं काहे सतउते हया?’ हम जबाब दिहेन, ‘हे प्रभू,
अपना को आहेन?’ 8 ऊँ हमसे कहिन; ‘हम नासरत गाँव के यीसु आहेन,
जेही तूँ सतउते हया?’ 9 अउर हमार साथी लोग जोति त देखिन, पय जउन
हमसे बात करत रहे हँय, उनखर बोल नहीं सुनिन। 10 तब हम कहेन; ‘हे प्रभू
हम का करी?’ तब प्रभू हमसे कहिन, ‘उठिके दमिस्क सहर माहीं जा, अउर
जउन कुछू तोंहईं करँइ के खातिर ठहराबा ग हय, उहाँ तोंहसे सब बताय
दीन जई।’ 11 जब उआ जोति के तेज के मारे हमहीं कुछू देखाई नहीं दिहिस,
तब हम अपने साथिन के हाँथ पकड़े-पकड़े दमिस्क सहर माहीं आएन।

12 अउर हनन्याह नाम के मनई जउन मूसा के बिधान के मुताबिक भक्त,
अउर जिनखर उहाँ के रहँइ बाले सगले यहूदी लोगन माहीं बड़ा नाम रहा
हय, हमरे लघे आएँ। 13 अउर ठाढ़ होइके हमसे कहिन; ‘हे भाई साऊल पुनि
देखँइ लागा’ उहय समय हमार आँखी खुल गईं अउर हम उनहीं देखेन।
14 तब ऊँ कहिन; ‘हमरे बाप-दादन के परमातिमा तोंहईं एसे चुनिन हीं, कि
तूँ उनखे मरजी काहीं जाना, अउर ऊँ धरमी काहीं देखा, अउर उनखे मुँह से
बातँय सुना। 15 काहेकि, तूँ उनखे तरफ से सगले मनइन के आँगे उन बातन
के गबाह होइहा, जउनेन काहीं तूँ देखे अउर सुने हया। 16 अब काहे देरी
करते हया? उठा, बपतिस्मा ल्या, अउर उनखर नाम लइके अपने पापन
काहीं धोय डारा।’

गैरयहूदी लोगन के बीच माहीं प्रचार करँइ के आहबान

17 जब हम पुनि यरूसलेम सहर माहीं आइके मन्दिर माहीं प्राथना करत
रहे हएन, त बेसुध होइ गएन। 18 अउर उनहीं देखेन, कि ऊँ हमसे कहत हें;
‘हरबी करा यरूसलेम सहर से तुरन्तय निकर जा, काहेकि ऊँ पंचे हमरे बारे
माहीं तोंहरे गबाही काहीं न मनि हँय।’ 19 हम कहेन, ‘हे प्रभू, ऊँ पंचे त
खुदय जानत हें, कि हम अपना के ऊपर बिसुआस करँइ बालेन काहीं जेल
माहीं डारत रहेन हँय, अउर हरेक जघन के यहूदी सभाघर माहीं पिटबाबत
रहेन हँय। 20 अउर जब अपना के गबाही देंइ बाले स्तिफनुस के खून बहाबा
जात रहा हय, तब हमहूँ घलाय उहाँ ठाढ़ रहेन हँय, अउर इआ काम माहीं
सहमत रहेन हँय, अउर उनखर कतल करँइ बालेन के ओन्हन के रखबारी
करत रहेन हँय।’ 21 अउर ऊँ हमसे कहिन, चले जा, ‘काहेकि हम तोंहईं
गैरयहूदी लोगन के लघे दूरी-दूरी तक पठउब।”

22 ऊँ पंचे उनखर एतनी बात तक त सुनत रहिगें; ओखे बाद ऊँ पंचे खुब
चन्डे चिल्लाने, कि “अइसन मनई काहीं मारि डारा; एखर जिन्दा रहब ठीक
नहिं आय।” 23 जब ऊँ पंचे चिल्लात रहे हँय, अउर आपन ओन्हा उतारिके
फेंकत रहे हँय, अउर अकास माहीं धूधुर उड़ाबत रहे हँय; 24 तब सिपाहिन
के मुखिया कहिन; “उनहीं छावनी माहीं लइ जा; अउर चाबुक मारिके जाँच
करा, कि हम जानी कि खुब मनई कउने कारन से उनखे बिरोध माहीं
चिल्लाय रहे हँय।” 25 पय जब ऊँ पंचे उनहीं चाबुक मारँइ के खातिर बाँधत
रहे हँय, तब पवलुस सुबेदार से जउन उनखे लघे ठाढ़ रहे हँय कहिन, “का
इआ उचित हय, कि तूँ पंचे एकठे रोमी नागरिक काहीं, उहव बिना दोसी
ठहराए चाबुक मारा?” 26 सुबेदार इआ सुनिके सिपाहिन के मुखिया के लघे
जाइके कहिन; “अपना इआ का करित हएन? इआ मनई त रोमी नागरिक
आय।” 27 तब सिपाहिन के मुखिया उनखे लघे आइके कहिन; “हमहीं
बताबा, का तूँ रोमी नागरिक आह्या? ऊँ कहिन, ‘हाँ।’ 28 एतना सुनिके
सिपाहिन के मुखिया कहिन; कि ‘हम रोमी नागरिक होंइ के पद, खुब

रुपिआ दइके पाएन हय।' तब पवलुस कहिन, 'हम त पइदाइसी रोमी
नागरिक आहेन।' 29 तब जउन मनई उनखर जाँच करँइ बाले रहे हँय, ऊँ पंचे
तुरन्तय उनखे लघे से हटिगें; अउर सिपाहिन के मुखिया घलाय इआ जानिके
कि 'ईं रोमी नागरिक आहीं, अउर हम इनहीं बँध बायन हय', डेराइगें।"

महासभा के आँगे पवलुस

30 दुसरे दिना ऊँ सही-सही जानँइ के इच्छा से, कि यहूदी लोग उनखे
ऊपर काहे दोस लगाबत हें, उनखर बन्धन खोलबाय दिहिन; अउर प्रधान
याजकन अउर महासभा के सगले सदस्सन काहीं एकट्ठा होंइ के हुकुम
दिहिन, अउर पवलुस काहीं नीचे लइ जाइके उनखे आँगे ठाढ़ कइ दिहिन।

23 पवलुस महासभा के मनइन कइती टकटकी लगाए देखिन, अउर
कहिन, "हे भाइव, हम आज तक परमातिमा के खातिर बेलकुल
सच्चे बिबेक से जीबन बितायन हय।" 2 तब हनन्याह जउन प्रधान याजक
रहे हँय, उनहीं जउन उनखे लघे ठाढ़ रहे हँय, उनखे मुँहे माहीं थापड़ मारँइ
काहीं हुकुम दिहिन। 3 तब पवलुस उनसे कहिन, "हे चून से पोती भीती के
समान मनई, तोंहरे ऊपर परमातिमा के मार परी, तूँ मूसा के बिधान के
मुताबिक हमार न्याय करँइ के खातिर बइठ हया, त पुनि काहे मूसा के
बिधान के खिलाफ हमहीं मारँइ के हुकुम देते हया?" 4 जउन उनखे लघे
ठाढ़ रहे हँय, ऊँ पंचे कहिन, "तूँ परमातिमा के महायाजक काहीं भला-बुरा
काहे कहते हया?" 5 पवलुस कहिन; "हे भाइव, हम नहीं जानत रहे आहेन,
कि ईं महायाजक आहीं; काहेकि पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, कि अपने
लोगन के प्रधान काहीं बुरा न कहा।"

6 तब पवलुस इआ जानिके, कि एकठे दल सदूकी लोगन के अउर दूसर
दल फरीसी लोगन के आय, सभा माहीं खुब चन्डे कहिन, "हे भाइव, हम
फरीसी आहेन काहेकि हम फरीसी लोगन के बंस माहीं पइदा भएन हँय,
अउर मरे मनइन के आसा अउर मरेन म से जिन्दा होंइ के बारे माहीं, हमरे
ऊपर मुकदमा चलाबा जाय रहा हय।" 7 जब पवलुस इआ बात कहिन, "त
फरीसी लोगन अउर सदूकी लोगन माहीं झगड़ा होंइ लाग; अउर सभा माहीं
फूट परिगे।" 8 काहेकि सदूकी दल बाले त इआ कहत हें, कि "न त मरे
मनई दुबारा जिन्दा होंय, अउर न स्वरगदूत आहीं, अउर न आत्मा आय";
पय फरीसी दोनव माहीं बिसुआस करत हें। 9 तब बड़ा हल्ला मचिगा, अउर
मूसा के बिधान सिखामँइ बाले कुछ जने जउन फरीसी लोगन के दल के रहे
हँय, ठाढ़ होइके इआमेर कहिके झगड़ा करँइ लागें, कि "हम पंचे इआ मनई
माहीं कउनव बुराई नहीं पाई; अउर अगर कउनव आत्मा, इआ कि स्वरगदूत
उनसे बात किहिन हीं, त एसे का भ?" 10 जब खुब झगड़ा होइगा, तब
सिपाहिन के मुखिया इआ डेर से, कि ऊँ पंचे पवलुस के टुकड़ा-टुकड़ा न
कइ डारँय, सिपाहिन काहीं हुकुम दिहिन, कि "नीचे उतरिके पवलुस काहीं
उनखे बीच म से जबरई निकारा, अउर छावनी माहीं लइ जा।"

11 उहय रात माहीं प्रभू, पवलुस के लघे आइके ठाढ़ भें अउर कहिन; "हे
पवलुस, ढाढ़स बाँधा; काहेकि जइसन तूँ यरूसलेम सहर माहीं हमार गबाही
दिहा हय, उहयमेर तोंहईं रोम देस माहीं घलाय गबाही देंइ क हय।"

पवलुस के कतल के खड़यन्त्र

12 जब दिन भ, तब कुछ यहूदी लोग खड़यन्त्र रचिन, अउर कसम खाइन,
कि "जब तक हम पंचे पवलुस काहीं मारि न डारी, तब तक हम पंचे अगर
कुछू खई-पी त हमहीं धिक्कार हय।" 13 जेतने जने कसम खाइन रहा हय,
ऊँ पंचे चालिस जने से जादा रहे हँय। 14 ऊँ पंचे प्रधान याजकन अउर यहूदी
समाज के धारमिक अँगुअन के लघे आइके कहिन, "हम पंचे इआ ठान
लिहेन हय; कि जब तक पवलुस काहीं मारि न डारब, तब तक अगर कुछू
खई, त हमहीं धिक्कार हय। 15 एसे अब महासभा के सदस्सन समेत
सिपाहिन के मुखिया काहीं समझाबा, कि पवलुस काहीं ऊँ पंचे अपना पंचन
के लघे लइ आमँइ, जउने उनहीं लागय, कि अपना पंचे उनखे बारे माहीं
अउर ठीक से जाँच करँइ चाहित हएन, अउर हम पंचे उनखे इहाँ पहुँचय से
पहिलेन उनहीं मार डारँइ के खातिर तइआर रहब।" 16 अउर पवलुस के
भइने जानिन, कि ऊँ पंचे पवलुस काहीं मारि डारँइ के घात माहीं हें, त ऊँ
छावनी माहीं जाइके पवलुस काहीं इआ सँदेस बताय दिहिन। 17 तब पवलुस
सुबेदारन म से एक जने काहीं, अपने लघे बोलाइके कहिन; "इआ नवजमान
काहीं सिपाहिन के मुखिया के लघे लइ जा, इआ उनसे कुछू कहँय चाहत
हय।" 18 एसे ऊँ सुबेदार उनहीं सिपाहिन के मुखिया के लघे लइ जाइके
कहिन; "पवलुस नाम के बंदी हमहीं बोलाइके बिनती किहिन हीं, कि इआ
नवजमान सिपाहिन के मुखिया से कुछू बात करँय चाहत हय; ओही उनखे
लघे लइ जा।" 19 तब सिपाहिन के मुखिया उआ नवजमान के हाँथ
पकड़िके, अउर अलग लइ जाइके पूँछिन; "तूँ हमसे का कहँइ चहते हया?"
20 तब ऊँ कहँइ लागें; "कुछ यहूदी लोग खड़यन्त्र रचिन हीं, कि अपना से
बिनती करँय, कि पवलुस काहीं काल्ह महासभा म लइ आबा जाय, काहेकि
ऊँ पंचे अउर ठीक से पवलुस के जाँच करँइ चाहत हें। 21 पय अपना उनखर
बात न मानब, काहेकि उनमा से चालिस से जादा मनई उनखर कतल करँइ
के घात माहीं हें, जउन इआ ठान लिहिन हीं, कि जब तक हम पंचे पवलुस
काहीं मारि न डारब, तब तक कुछू खई-पी त हमहीं धिक्कार हय; अउर
अबहिनय ऊँ तइआर हें अउर अपना के अनुमति के इन्तजार कइ रहे हँय।"
22 तब सिपाहिन के मुखिया उआ नवजमान काहीं इआ हुकुम दइके बिदा
किहिन, कि "कोऊ से न बताया, कि तूँ हमसे ईं बातन काहीं बताया हय।"

पवलुस काहीं फेलिक्स के लघे पठबा जाब

23 अउर ऊँ दुइठे सुबेदारन काहीं बोलाइके कहिन; "दुइ सव सिपाही,
सत्तर घोड़ सबार सिपाही, अउर दुइ सव भाला चलामँइ बालेन काहीं, एक
पहर रात बीते कैसरिया सहर काहीं जाँइ के खातिर तइआर रक्खा। 24 अउर
पवलुस के सबारी के खातिर घोड़न काहीं तइआर रक्खा, कि जउने उनहीं
हाकिम फेलिक्स के लघे कुसल से पहुँचाय देई।" 25 अउर ऊँ इआमेर से
चिट्ठी घलाय लिखिन।

26 "महामहिम हाकिम फेलिक्स काहीं क्लौदियुस लूसियास के नबस्कार।
27 इआ मनई काहीं यहूदी जाति के कुछ मनई पकड़िके मार डारँय चाहत रहे
हँय, पय जब हम इआ जानेन कि ईं रोमी नागरिक आहीं, तब हम सिपाहिन
काहीं लइके इनहीं छोड़ाय लिहेन। 28 अउर हम जानँइ चाहत रहेन हँय, कि
ऊँ पंचे इनखे ऊपर कउने कारन से दोस लगाबत हें, एसे इनहीं उनखे
महासभा माहीं लइ गएन। 29 तब हम इआ जान लिहेन, कि ऊँ पंचे अपने
बिधान के बिबादन के बारे माहीं, इनखे ऊपर दोस लगाबत हें, पय मारि डारे
जाँय, इआ कि जेल माहीं डारे जाँय के काबिल इन माहीं कउनव दोस नहीं
पाबा ग। 30 अउर जब हमहीं बताबा ग, कि ऊँ पंचे इनहीं मार डारँय माहीं
लगे हँय, तब हम हरबिन इनहीं अपना के लघे पठयबाय दिहेन; अउर मुद्दइन
काहीं घलाय, इआ हुकुम दिहेन, कि अपना के आँगे इनखे ऊपर दोस सिद्ध
करँय।"

31 एसे जइसन सिपाहिन काहीं हुकुम दीन ग रहा हय, उहयमेर पवलुस
काहीं अपने साथ माहीं लइके, रातव रात अन्तिपत्रिस सहर माहीं पहुँचाय
दिहिन। 32 अउर दुसरे दिन घोड़ सबारन काहीं पवलुस के साथ जाँइ के
खातिर छोंड़िके, सगले सिपाही खुद छावनी माहीं लउटि आएँ। 33 अउर ऊँ
पंचे कैसरिया सहर माहीं पहुँचिके, हाकिम काहीं चिट्ठी दिहिन; अउर पवलुस
काहीं घलाय उनखे आँगे ठाढ़ किहिन। 34 अउर ऊँ हाकिम उआ चिट्ठी काहीं
पढ़िके उनसे पूँछिन, "ईं कउने प्रदेस के आहीं?" अउर जब जान लिहिन कि
ईं किलिकिया प्रदेस के आहीं; 35 तब पवलुस से कहिन; "जब तोंहरे ऊपर
दोस लगामँइ बाले मुद्दई घलाय आय जइहँय, तब हम तोंहार मुकदमा सुरू
करब।" अउर उनहीं राजा हेरोदेस के किला माहीं, पहरेदारी माहीं रक्खँइ के
हुकुम दिहिन।

हाकिम फेलिक्स के आँगे पवलुस

24 पाँच दिना बाद, महायाजक हनन्याह, यहूदी समाज के कुछ
धारमिक अँगुअन काहीं, अउर तिरतुल्लुस नाम के वकील काहीं
साथ माहीं लइके, कैसरिया सहर माहीं आएँ, कि ऊँ पंचे हाकिम के आँगे
पवलुस के ऊपर दोस सिद्ध करँय। 2 जब हाकिम फेलिक्स के आँगे पवलुस
काहीं बोलबाबा ग, त तिरतुल्लुस उनखे ऊपर दोस लगाइके कहँइ लागें, "हे
महामहिम हाकिम फेलिक्स, अपना के द्वारा हमहीं पंचन काहीं बड़ी
कुसलता मिलत ही; अउर अपना के प्रबन्ध से, इआ जाति के मनइन से खुब
बुराई सुधरत जाती हईं। 3 ईं बातन काहीं हम पंचे हरेक जघा, अउर हरेकमेर
से धन्यबाद के साथ मानित हएन। 4 पय एसे कि हम पंचे अपना काहीं अउर
कस्ट नहीं देंइ चाहित आहेन, हम अपना से बिनती करित हएन कि, किरपा
कइके हमरे कुछ बातन काहीं सुन लेई। 5 काहेकि हम पंचे इआ मनई काहीं
उपद्रव मचामँइ बाला, अउर अपना के राज के सगले यहूदी लोगन माहीं
बलबा करँइ बाला, अउर इनहीं नासरत प्रदेस माहीं रहँइ बालेन के पंथ के
मुखिया पाएन हय। 6 ईं मन्दिर काहीं असुद्ध करँइ चाहिन, तबहिनय हम पंचे
इनहीं पकड़ लिहेन, (अउर हम पंचे अपने बिधान के मुताबिक इनहीं सजा
देंइ चाहत रहे हएन; 7 पय सिपाहिन के मुखिया लूसियास इनहीं हमरे हाँथन
से जबरई छोड़ाय लिहिन, 8 अउर मुद्दई काहीं अपना के आँगे आमँइ के
हुकुम दिहिन।) ईं सगली बातन काहीं जउनेन के बारे माहीं हम पंचे इनखे
ऊपर दोस लगाइत हएन, अपना खुदय इनखर जाँच कइके जान लेब।"
9 अउर यहूदी लोग घलाय, उनखर साथ दइके कहिन, ईं जउने बातन काहीं
बताइन हीं बेलकुल इहइमेर आहीं।

पवलुस के जबाब

10 जब हाकिम पवलुस काहीं बोलँइ के इसारा किहिन, तब ऊँ जबाब
दिहिन, "हम इआ जानिके, कि अपना खुब बरिसन से इआ जाति के मनइन
के न्याय करत आहेन, हम आनन्द से अपना काहीं जबाब देइत हएन।
11 अपना खुदय जानित हएन, कि जब से हम यरूसलेम सहर माहीं
अराधना करँइ काहीं आएन हय, हमहीं आए बारा दिन से ऊपर नहीं भें।
12 ईं पंचे न हमहीं मन्दिर माहीं, न यहूदी सभाघरन माहीं, अउर न सहर
माहीं, कोहू से बिबादय करत, न भीड़य लगाबत पाइन। 13 अउर न त ईं पंचे,
ईं बातन काहीं, जिनखर ईं पंचे हमरे ऊपर दोस लगाबत हें, उनखर अपना
के आँगे सही सबूत दइ सकँय। 14 पय हम अपना के आँगे इआ माने लेइत
हएन, कि जउने पंथ काहीं ईं पंचे कुपन्थ कहत हें, ओहिन के रीत से हम
अपने बाप-दादन के परमातिमा के अराधना करित हएन; अउर जउन बातँय
मूसा के बिधान, अउर परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन के किताबन माहीं
लिखी हईं, उन सगलेन के हम बिसुआस करित हएन। 15 अउर परमातिमा से
आसा रक्खित हएन, जउने माहीं ईं पंचे घलाय खुदय आसा रक्खत हें, कि
धरमी अउर अधरमी दोनव जनेन के जिन्दा होब, होई। 16 एसे हम खुदय
इआ कोसिस करित हएन, कि परमातिमा के तरफ से, अउर मनइन के तरफ
से, हमार बिबेक हमेसा निरदोस रहय। 17 खुब बरिसन के बाद हम अपने
समाज के मनइन काहीं दान पहुँचामँइ, अउर भेंट चढ़ामँइ आए रहेन हँय।
18 त ईं पंचे हमहीं मन्दिर माहीं, सुद्ध अबस्था माहीं, बिना भीड़ के साथ
अउर बिना दंगा किहे, भेंट चढ़ाबत पाइन, हाँ, उहाँ आसिया सहर के रहँइ
बाले कुछ यहूदी लोग रहे हँय, उनहीं इआ उचित रहा हय; 19 कि अगर हमरे
बिरोध माहीं उनखे लघे कउनव बात होत, त आसिया म अपना के आँगे
आइके हमरे ऊपर दोस जरूर लगउतें। 20 इआ, कि ईं पंचे खुदय बतामँइ,
कि जब हम महासभा के आँगे ठाढ़ रहेन हय, तब ईं पंचे हमरे ऊपर कउन
अपराध पाइन रहा हय? 21 केबल एकठे इआ बात काहीं छोंड़िके, कि जउन
हम इनखे बीच माहीं ठाढ़ होइके गोहराइके कहेन रहा हय, कि मरेन म से
जिन्दा होंइ के बारे माहीं, आज अपना के आँगे हमार मुकदमा चल रहा
हय।" 22 अउर हाकिम फेलिक्स जउन इआ पंथ के बारे माहीं ठीक-ठीक
जानत रहे हँय, उनहीं इआ कहिके टार दिहिन, कि जब सिपाहिन के मुखिया
लूसियास अइहँय, तब तोंहरे बात के निरनय करब। 23 अउर सुबेदार काहीं
हुकुम दिहिन, कि "पवलुस काहीं कुछ छूट दइके रखबारी किहा, अउर
उनखे साथिन म से कोहू काहीं उनखर सेबा करँइ से मना न किहा।"

हाकिम फेलिक्स अउर द्रुसिल्ला के आँगे पवलुस

24 कुछ दिना के बाद हाकिम फेलिक्स अपने मेहेरिआ द्रुसिल्ला काहीं,
जउन यहूदी जाति के रही हँय, अपने साथ माहीं लइके आएँ; अउर पवलुस
काहीं बोलबाइके उआ बिसुआस के बारे माहीं, जउन मसीह यीसु के ऊपर
हय, उनसे सुनिन। 25 अउर जब ऊँ धरम अउर संयम अउर आमँइ बाले न्याय
के चरचा करत रहे हँय, तब हाकिम फेलिक्स भयभीत होइके जबाब दिहिन,
कि "अबे त जा, पय मोका पाइके हम तोंहईं पुनि बोलाउब।" 26 उनहीं
पवलुस से कुछ घूँस घलाय मिलँइ के आसा रही हय; एसे अउरव ऊँ पवलुस
काहीं बोलबाय-बोलबाइके उनसे बात करा-करत रहे हँय। 27 पय जब दुइ
बरिस बीतिगें, तब पुरकियुस फेस्तुस हाकिम फेलिक्स के जघा माहीं हाकिम
बनिके आइगें, अउर हाकिम फेलिक्स यहूदी लोगन काहीं खुसी करँइ के
मनसा से, पवलुस काहीं जेल माहीं छोंड़ि गे रहे हँय।

पवलुस महाराजा के दोहाई दिहिन

25 एखे बाद हाकिम फेस्तुस उआ प्रदेस माहीं पहुँचिके तीन दिना के
बाद, कैसरिया प्रदेस से यरूसलेम सहर माहीं गें। 2 तब प्रधान
याजक लोग, अउर यहूदी जाति के कुछ मुखिया लोग, उनखे आँगे पवलुस
के ऊपर लगाए दोसन काहीं बताइन। 3 अउर उनसे बिनती कइके पवलुस के
बिरोध माहीं इआ हुकुम चाहत रहे हँय, कि पवलुस काहीं यरूसलेम सहर
माहीं बोलबाबा जाय, काहेकि ऊँ पंचे पवलुस काहीं गइलय माहीं मार डारँइ
के घात माहीं लगे रहे हँय। 4 तब हाकिम फेस्तुस उनहीं जबाब दिहिन, कि
"पवलुस कैसरिया सहर माहीं पहरेदारी माहीं हें, अउर हम खुदय उहाँ
हरबिन जाब।" 5 अउर पुनि कहिन, "तोंहरे पंचन म से जेतने मुखिया होंय,
त हमरे साथ चलँय, अउर अगर उआ मनई कुछ अनुचित काम किहिस होय
त, ओखे ऊपर दोस लगामँय।"

6 अउर उनखे बीच माहीं आठ दस दिना रहे के बाद, ऊँ कैसरिया सहर
माहीं लउटिगें, अउर दुसरे दिना न्याय आसन माहीं बइठिके हुकुम दिहिन,
कि पवलुस काहीं हाजिर कीन जाय। 7 जब ऊँ पेस कीन गें, तब जउन यहूदी
लोग यरूसलेम सहर से आएँ तय, ऊँ पंचे पवलुस काहीं घेरिके ठाढ़ होइके,
उनखे ऊपर खुब बड़े-बड़े अरोप लगाइन, जिनखर ऊँ पंचे सबूत नहीं दए
पाइन। 8 पय पवलुस उनहीं जबाब दिहिन, कि "हम न त यहूदी लोगन के
बिधान के अउर न मन्दिर के, अउर न राजा कैसर के बिरोध माहीं कुछू
अपराध किहेन आय।" 9 तब हाकिम फेस्तुस यहूदी लोगन काहीं खुसी करँइ
के इच्छा से पवलुस काहीं जबाब दिहिन, "का तूँ चहते हया, कि यरूसलेम
सहर माहीं जई; अउर उहाँ हमरे आँगे तोंहरे इआ मुकदमा के फँइसला कीन
जाय?" 10 तब पवलुस कहिन; "हम महाराजा कैसर के न्याय आसन के
आँगे ठाढ़ हएन, हमरे मुकदमा के इहँय फँइसला होंइ चाही; जइसन कि
अपना निकहा से जानित हएन, कि हम यहूदी लोगन के कुछू अपराध नहीं
किहेन। 11 अगर हम अपराधी हएन, अउर मार डारँइ के काबिल कउनव
काम किहेन हय; त हम मरँइ से नहीं डेरई; पय जउने बातन के हमरे ऊपर ईं
पंचे दोस लगाबत हें, अगर उनमा से कउनव बात सही न ठहरय, त कोऊ
हमहीं इनखे हाँथ माहीं नहीं सउँप सकय, हम महाराजा कैसर के दोहाई
देइत हएन।" 12 तब हाकिम मन्त्रिन के सभा माहीं सलाह लिहे के बाद
जबाब दिहिन, "तूँ महाराजा कैसर के दोहाई दिहा हय, एसे तूँ महाराजा
कैसर के लघे जइहा।"

राजा अग्रिप्पा के आँगे पवलुस

13 कुछ दिना बीते के बाद राजा अग्रिप्पा, अउर बिरनीके कैसरिया प्रदेस
माहीं आइके हाकिम फेस्तुस से भेंट किहिन। 14 अउर उनखे उहाँ कुछ दिना
रहे के बाद, फेस्तुस पवलुस के बारे माहीं राजा काहीं बताइन; कि “एकठे
मनई हय, जउने काहीं हाकिम फेलिक्स जेल माहीं छोंड़ गे हँय।” 15 जब हम
यरूसलेम सहर माहीं रहेन हय, त प्रधान याजक लोग, अउर यहूदी समाज
के धारमिक अँगुआ लोग, उनखे ऊपर दोस लगाइन; अउर चाहत रहे हँय,
कि उनहीं सजा देंइ के हुकुम दीन जाय। 16 पय हम उनहीं जबाब दिहेन कि,
रोम देस माहीं रहँइ बालेन माहीं इआ रिबाज नहिं आय, कि कउनव मनई
काहीं सजा देंइ के खातिर सउँप दीन जाय, जब तक कि जउने मनई के
ऊपर दोस लगाबा ग होय, ओही अपने ऊपर दोस लगामँइ बालेन के आमने-
सामने ठाढ़ होइके, लगाए दोस के जबाब देंइ काहीं मोका न मिलय। 17 एसे
जब ऊँ पंचे इहाँ एकट्ठा भे रहे हँय, तब हम बेलकुल देर नहीं किहेन,
बलकिन दुसरेन दिना न्याय आसन माहीं बइठिके, उआ मनई काहीं लइ
आमँइ के हुकुम दिहेन। 18 जब ओखे ऊपर दोस लगामँइ बाले ठाढ़ भें, तब
ऊँ पंचे अइसन कउनव बुरी बातन के दोस नहीं लगाइन, जइसन हम
समझत रहे हएन। 19 पय ऊँ पंचे अपने धरम के, अउर यीसु नाम के कउनव
मनई के बारे माहीं जउन मरिगे रहे हँय, अउर पवलुस उनहीं जिन्दा बताबत
रहे हँय, इहय बिबाद करत रहे हँय। 20 अउर हम उलझन माहीं रहे हएन, कि
ईं बातन के पता कइसन लगाई? एसे हम उनसे पूँछेन, “का तूँ यरूसलेम
सहर जइहा, कि उहँय ईं बातन के फँइसला होय?” 21 पय जब पवलुस
दोहाई दिहिन, कि “हमरे मुकदमा के फँइसला महाराजाधिराज के इहाँ
होय।” तब हम हुकुम दिहेन, कि जब तक उनहीं महाराजा कैसर के लघे न
पठउब, तब तक उनखर रखबारी कीन जाय। 22 तब राजा अग्रिप्पा हाकिम
फेस्तुस से कहिन, “हमहूँ उआ मनई के बातन काहीं सुनँय चाहित हएन”,
तब ऊँ कहिन, “अपना काल्हय सुन लेब।”

23 ओखे बाद दुसरे दिना, जब राजा अग्रिप्पा अउर बिरनीके बड़ी धूम-धाम
से आइके सिपाहिन के मुखिअन, अउर सहर के बड़े मनइन के साथ दरबार
माहीं पहुँचे, तब हाकिम फेस्तुस हुकुम दिहिन, कि “पवलुस काहीं लइ आबा
जाय।” 24 ओखे बाद हाकिम फेस्तुस कहिन; “हे महाराजा अग्रिप्पा, अउर
हे सगले मनइव, जउन इहाँ हमरे साथ हया, तूँ पंचे इआ मनई काहीं देखते
हया, जिनखे बारे माहीं सगले यहूदी लोग यरूसलेम सहर माहीं, अउर इहाँ
घलाय चिल्लाय-चिल्लाइके हमसे बिनती किहिन, कि इनखर जिन्दा रहब
उचित नहिं आय।” 25 पय जब हम जान लिहेन, कि “ईं अइसन कुछू काम
नहीं किहिन, कि मार डारे जाँय; अउर जब ऊँ खुदय महाराजाधिराज के
दोहाई दिहिन, त हम इनहीं पठमँइ के निरनय लिहेन। 26 पय हम इनखे बारे
माहीं कउनव ठीक बात नहीं पाएन, कि अपने मालिक काहीं लिखी, एहिन
से हम तोंहरे आँगे अउर खास करके हे महाराजा अग्रिप्पा, अपना के आँगे
लइ आएन हँय, कि जाँच किहे के बाद हमहीं कुछू लिखँइ काहीं मिलय।
27 काहेकि कइदी काहीं पठउब, अउर जउन दोस ओखे ऊपर लगाए गे हँय,
उनहीं न बताउब, हमहीं बेकार जान परत हय।”

राजा अग्रिप्पा के आँगे पवलुस अपने बातन काहीं बताइन

26 राजा अग्रिप्पा पवलुस से कहिन; “तोंहईं अपने बारे माहीं बोलँइ के
छूट ही।” तब पवलुस आपन हाँथ उठाइके जबाब देंइ लागें। 2 “हे
राजा अग्रिप्पा, जेतनी बातन के दोस यहूदी लोग हमरे ऊपर लगाबत हें,
आज अपना के आँगे उनखर जबाब देंइ माहीं हम अपने-आप काहीं धन्य
मानित हएन। 3 खास करके एसे कि अपना यहूदी लोगन के बेउहारन, अउर
बिबादन काहीं जानित हएन, एसे हम बिनती करित हएन, कि अपना बड़े
धीरज के साथ हमरे बातन काहीं सुनी।

4 जइसन हमार चाल-चलन सुरुआतय से, अपने जाति के मनइन के बीच
माहीं, अउर यरूसलेम सहर माहीं रहा हय, इआ सगले यहूदी लोग जानत
हें। 5 ऊँ पंचे हमहीं खुब समय से पहिचानत आहीं, अगर ऊँ पंचे इआ चाहँय,
त इआ बात के गबाही दइ सकत हें, कि हम अपने धरम के सगलेन से जादा
खर पंथ के मुताबिक, एक फरीसी के रूप माहीं जीबन बितायन हय।
6 अउर अब उआ वादा के आसा के कारन, जउन परमातिमा हमरे पंचन के
बाप-दादन से किहिन रहा हय, हमरे ऊपर ओहिन के मुकदमा चल रहा हय।
7 उहय वादा के पूर होंइ के आसा लगाए, हमार पंचन के बरहँव कुलन के
मनई अपने पूरे मन से रातव-दिन परमातिमा के सेबा करत आएँ हँय। हे
राजा इहय आसा के बारे माहीं यहूदी लोग हमरे ऊपर दोस लगाबत हें।
8 जबकि परमातिमा मरेन काहीं जिआबत हें, त अपना के इहाँ इआ बात
काहीं बिसुआस के काबिल काहे नहीं समझा जाय? 9 हमहूँ पहिले सोचेन
तय, कि नासरत सहर के रहँइ बाले यीसु के नाम के बिरोध माहीं, हमसे
जेतना होइ सकय ओतना काम करँइ चाही। 10 अउर हम यरूसलेम सहर
माहीं अइसनय किहेन; अउर प्रधान याजकन से अधिकार पाइके, परमातिमा
के खुब भक्तन काहीं जेल माहीं डरबाय दिहेन, अउर जब ऊँ पंचे मारि डारे
जात रहे हँय, तब हमहूँ उनखे बिरोध माहीं सहमत रहत रहे हएन। 11 अउर
हरेक यहूदी सभाघरन माहीं, हम उनहीं सजा देबाय-देबाइके यीसु के बुराई
कराबत रहे हएन, अउर क्रोध के मारे इहाँ तक पागल होइ गएन तय, कि
दुसरे प्रदेस के सहरन माहीं घलाय जाइके, उनहीं परेसान करत रहे हएन।

अपने हिरदँय के बदलाव के बखान

12 इहय धुन माहीं जब हम प्रधान याजकन से अधिकार पत्र लइके,
दमिस्क काहीं चले जात रहे हएन। 13 तब हे राजा, गइल माहीं दुपहर के
समय हम अकास से सुरिज के उँजिआर से घलाय बढ़िके, एकठे जोति
अपने अउर अपने साथ माहीं चलँइ बाले साथिन के चारिव कइती चमकत
देखेन। 14 अउर जब हम पंचे सगले जन भुँइ माहीं गिर परेन, तब हम इब्रानी
भाँसा माहीं इआ बोल सुनेन, जउन हमसे कहत रहे हँय, कि ‘हे साऊल, हे
साऊल, तूँ हमहीं काहे सतउते हया? हमरे बिरोध माहीं काम करे से तोंहईं
बड़ा नुकसान होई।’ 15 तब हम कहेन, ‘हे प्रभू अपना को आहेन?’ तब प्रभू
कहिन, ‘हम यीसु आहेन, जेही तूँ सतउते हया। 16 पय तूँ अब उठा, अपने
गोड़ेन के बल ठाढ़ होइजा; काहेकि हम तोंहईं एसे दरसन दिहेन हय, कि
तोंहईं उन बातन के गबाह अउर सेबक ठहराई, जउन तूँ देखे हया, अउर
उनखर घलाय जिनखे खातिर हम तोंहईं दरसन देब। 17 अउर हम तोंहईं
तोंहरे जाति के मनइन से, अउर गैरयहूदी लोगन से बचाबत रहब, जिनखे
लघे अब हम तोंहईं एसे पठइत हएन। 18 कि तूँ उनखर आँखी खोला, जउने
ऊँ पंचे अँधिआर से जोति कइती, अउर सइतान के अधिकार से परमातिमा
कइती फिरँय; एसे उनहीं पापन से माफी मिली, अउर उन मनइन के बीच
माहीं जघा पइहँय, जउन हमरे ऊपर बिसुआस किहे के कारन पबित्र कीन गे
हँय।’

अपने कामन के बखान

19 एसे हे राजा अग्रिप्पा, हम स्वरग के उआ दरसन के बात काहीं नहीं
टारेन। 20 बलकिन पहिले दमिस्क सहर के, ओखे बाद यरूसलेम सहर के
रहँइ बालेन काहीं, ओखे बाद सगले यहूदिया प्रदेस माहीं, अउर गैरयहूदी
लोगन काहीं समझाबत रहि गएन, कि अपने मन काहीं बदला, अउर
परमातिमा कइती फिरिके अइसन काम करा, कि जउने मनई जानँइ कि
तोंहार पंचन के जीबन बास्तव माहीं बदलिगा हय। 21 ईं बातन के कारन
यहूदी लोग हमहीं मन्दिर माहीं पकड़िके मारि डारँइ के कोसिस करँइ लागें।
22 पय परमातिमा के सहायता से हम आज तक जिन्दा हएन, अउर छोट-बड़े
सगलेन के आँगे गबाही देइत हएन, अउर उन बातन काहीं छोंड़िके कुछू नहीं
कही, जउन परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले अउर मूसा घलाय कहिन, कि
ऊँ पूर होंइ बाली हईं। 23 कि मसीह काहीं दुख उठामँइ परी, अउर उँइन
सगलेन से पहिले मरेन म से जि उठिके, हमरे जाति के मनइन माहीं अउर
गैरयहूदी लोगन के बीच माहीं, जोति के प्रचार करिहँय।”

24 जब ऊँ इआमेर से जबाब देत रहे हँय, तब हाकिम फेस्तुस खुब चन्डे
कहिन; “हे पवलुस, तूँ पागल होइ गया हय, खुब बिद्या तोंहईं पागल कइ
दिहिस ही।” 25 पय पवलुस कहिन; “हे महामहिम हाकिम फेस्तुस, हम
पागल नहिं आहेन, बलकिन सच्चाई अउर बुद्धी के बातँय कहित हएन।
26 राजा घलाय जिनखे आँगे हम निडर होइके बोलि रहेन हय, ईं बातन काहीं
जानत हें, अउर हमहीं बिसुआस हय, कि ईं बातन म से कउनव उनसे छिपी
नहिं आय, काहेकि इआ घटना कउनव कोने माहीं नहीं भे आय। 27 हे राजा
अग्रिप्पा, का अपना परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन के बिसुआस करित
हएन? हाँ, हम जानित हएन, कि अपना बिसुआस करित हएन।” 28 तब
राजा अग्रिप्पा पवलुस से कहिन, “तूँ थोरिन काहीं समझाए से, हमहीं
मसीही बनामँइ चहते हया?” 29 तब पवलुस कहिन, “परमातिमा से हमार
प्राथना इआ हय, कि का थोर माहीं, का बहुत माहीं, केबल अपनय भर नहीं,
बलकिन जेतने जने आज हमरे बातन काहीं सुनत हें, ईं बन्धनन से अजाद
होइके, ऊँ पंचे हमरे कि नाईं होइ जाँय।” 30 तब राजा अउर हाकिम अउर
बिरनीके अउर उनखे साथ बइठँय बाले उठिके ठाढ़ होइगें। 31 अउर अलग
जाइके आपस माहीं कहँइ लागें, “इआ मनई अइसा त कुछू नहीं करय,
जउन मउत के सजा अउर जेल माहीं बन्द करँइ के काबिल होय।” 32 तब
राजा अग्रिप्पा हाकिम फेस्तुस से कहिन, “अगर इआ मनई महाराजा कैसर
के दोहाई न देत, त छूटि सकत रहा हय।”

पवलुस के रोम देस के यात्रा क्रेते टापू तक

27 जब इआ निस्चित होइगा, कि हम जल जिहाज से इटली देस माहीं
जई, तब ऊँ पंचे पवलुस अउर उनखे साथ कुछ अउर कइदिन काहीं
घलाय, महाराजा अवगुस्तुस के सेना के एकठे सुबेदार काहीं सउँप दिहिन,
जेखर नाम यूलियुस रहा हय। 2 अउर अद्रमुत्तियुम नाम के एकठे जघा से
हम पंचे एकठे जिहाज माहीं चढ़ गएन, जउन आसिया प्रदेस के किनारे के
जघन से जाँइ बाला रहा हय, हम पंचे सगले जन चढ़िके जिहाज काहीं छोर
दिहेन, अउर मकिदुनिया प्रदेस के थिस्सलुनीके सहर के रहँइ बाला, एकठे
मनई हमरे पंचन के साथय रहा हय, जेखर नाम अरिस्तरखुस रहा हय।
3 दुसरे दिना हम पंचे सैदा सहर माहीं लंगर डारेन, अउर यूलियुस पवलुस के
ऊपर किरपा कइके, उनहीं अपने साथिन के लघे चले जाँइ दिहिन, कि
उनखर स्वागत-सत्कार कीन जाय। 4 ओखे बाद उहाँ से जिहाज काहीं छोर
दिहेन, पय हबा उलटा होंय के कारन, हम पंचे साइप्रस टापू के आड़ माहीं
होइके चल दिहेन। 5 अउर किलिकिया अउर पंफूलिया प्रदेसन के लघे के
समुद्र से होइके, लूसिया प्रदेस के मूरा सहर माहीं हम पंचे उतरेन। 6 उहाँ
सुबेदार काहीं सिकन्दरिया सहर के एकठे जिहाज मिला, जउन इटली जाँइ
बाला रहा हय, अउर ऊँ हमहीं पंचन काहीं ओहिन माहीं चढ़ाय दिहिन।
7 अउर जब हम पंचे खुब दिनन तक धीरे-धीरे चलत, बड़े मुस्किल से
कनिदुस सहर के आँगे पहुँचेन, त हबा जिहाज काहीं आँगे बढ़इन नहीं देत
रही आय, एसे हम पंचे सलमोने सहर के आँगे से होइके क्रेते टापू के आड़
माहीं चलेन। 8 अउर ओखे किनारे-किनारे बड़े मुस्किल से चलिके “सुभ
लंगरबारी” नाम के जघा माहीं पहुँचेन, उहाँ से लसया सहर लघेन रहा हय।
9 जब खुब दिना बीतिगें, अउर पानी के यात्रा माहीं खतरा एसे होत रहा
हय, कि उपबास के दिन अब बीत चुके रहे हँय, तब पवलुस उनहीं पंचन
काहीं इआ कहिके समझाइन। 10 कि “हे सज्जनव, हमहीं अइसा जान परत
हय, कि इआ यात्रा माहीं बिपत्ती अउर खुब हानि न केबल माल अउर
जिहाज के, बलकिन हमरे पंचन के प्रानन के घलाय होंय बाली हय।” 11 पय
सुबेदार पवलुस के बातन से कप्तान अउर जिहाज के मालिक के बातन
काहीं बढ़िके मानिन। 12 उआ बन्दरगाह जाड़ काटँय के खातिर निकहा नहीं
रहा आय, एसे खुब जनेन के इआ बिचार रहा हय, कि उहाँ से जिहाज काहीं
छोरिके अगर कउनव मेर से होइ सकय, त फीनिक्स सहर माहीं पहुँचिके
जाड़ काटँय, उआ क्रेते टापू के एकठे बन्दरगाह आय, जउन दक्खिन-
पच्छिम अउर उत्तर-पच्छिम कइती खुला रहा हय।

समुद्र माहीं तुफान

13 जब दक्खिन कइत से कुछ कुछ हबा चलँय लाग, त इआ समझिके कि
हमार पंचन के उद्देस पूर होइगा, तब लंगर काहीं उठाइके किनारे-किनारे
क्रेते टापू के लघे से जाँइ लागेन। 14 पय थोरिन देर माहीं उहाँ भुँइ से एकठे
बड़ी आँधी उठी, जउन “यूरकुलीन” कहाबत रही हय। 15 जब आँधी जिहाज
से टकरान, तब उआ तेज हबा के आँगे ठहर नहीं सका, एसे हम पंचे ओही
बहँइ दिहेन, अउर इहइमेर से हम पंचे बहत चले गएन। 16 तब कउदा नाम
के एकठे छोट काहीं टापू के आड़ माहीं, बहत हम पंचे बड़े मुस्किल से
जिहाज काहीं काबू माहीं कइ सकेन। 17 तब मल्लाह लोग जिहाज काहीं
पेंदी से उठाइके, अउर बड़ी कोसिस कइके जिहाज काहीं रस्सन से लपेटिके
बाँध दिहिन, कि कहँव सुरतिस नाम के जघा के उथल पानी के बारू माहीं
फँसि न जाय, इआ डेर से ऊँ पंचे पाल काहीं उतार दिहिन, अउर जिहाज
काहीं बहँय दिहिन। 18 अउर जब हम पंचे आँधी से खुब हिलकोरा अउर
धक्का खायन, त दुसरे दिना ऊँ पंचे जिहाज के समान फेंकइँ लागें। 19 अउर
तिसरे दिन, ऊँ पंचे अपने हाँथेन से जिहाज के समान फेंक दिहिन। 20 अउर
जब खुब दिना तक सुरिज अउर तरइया नहीं देखाने, अउर खुब तेज आँधी
चलत रहिगे, त अन्त माहीं हमरे पंचन के बचँइ के कउनव आसा नहीं रहिगे।
21 जब ऊँ पंचे खुब दिनन तक भूँखे रहि चुके, तब पवलुस उनखे बीच
माहीं ठाढ़ होइके कहिन, “हे भाइव, अगर तूँ पंचे हमरे बात काहीं मानिके,
क्रेते टापू से जिहाज काहीं न छोर त्या, त इआ बिपत्ती अउर हानि न
उठउत्या। 22 पय अब हम तोंहईं पंचन काहीं समझाइत हएन, कि ढाढ़स
बाँधा; काहेकि तोंहरे पंचन म से कोहू के प्रान के हानि न होई, केबल
जिहाज के भर होई। 23 काहेकि परमातिमा जिनखर हम सेबक आहेन, अउर
जिनखर हम सेबा करित हएन, उनखर स्वरगदूत आज रात माहीं हमरे लघे
आइके कहिन, 24 ‘हे पवलुस, न डेरा, तोंहईं महाराजा कैसर के आँगे ठाढ़
होब जरूरी हय, अउर देखा, परमातिमा सगलेन काहीं जउन तोंहरे साथ
माहीं यात्रा करत हें, तोंहईं सउँप दिहिन हीं।’ 25 एसे हे सज्जनव, ढाढ़स
बाँधा; काहेकि हम परमातिमा के बिसुआस मानित हएन, कि जइसन हमसे
बताबा ग हय, ठीक उहयमेर होई। 26 पय हम पंचे कउनव टापू के उथल
पानी माहीं जरूर जाय फँसब।”

जिहाज के टूटब

27 जब चउदहमी रात भय, अउर हम पंचे आद्रिया नाम के समुद्र माहीं
भटकत फिरत रहेन हँय, तब आधी रात के करीब मल्लाह अंदाज लगाइन,
कि हम पंचे कउनव देस के लघे पहुँच रहेन हँय। 28 अउर थाह लिहिन त ऊँ
पंचे उहाँ पानी काहीं बीस पोरसा पाइन, अउर थोर काहीं आँगे बढ़िके पुनि
थाह लिहिन, त पन्द्रा पोरसा पाइन। 29 तब पथरही जघन से टकराय जाँइ के
डेर से, ऊँ पंचे जिहाज के पीछे कइती चारठे लंगर डारिन, अउर भिनसार
होंइ के इच्छा करत रहिगें। 30 पय जब मल्लाह जिहाज से भागँय चाहत रहे
हँय, अउर गलही से लंगर डारँइ के बहाना कइके रक्छा नावन काहीं समुद्र
माहीं उतार दिहिन। 31 तब पवलुस सुबेदार अउर सिपाहिन से कहिन; अगर
ऊँ पंचे जिहाज माहीं न रइहँय, त तुहूँ पंचे न बचे पइहा। 32 तब कुछ सिपाही
रस्सी काटिके रक्छा नावन काहीं समुद्र माहीं गिराय दिहिन।
33 जब भिनसार होंइ बाला रहा हय, तब पवलुस इआ कहिके, सब काहीं
खाना खाँइ काहीं समझाइन, कि आज से चउदा दिन होइगें, अउर तूँ पंचे
पहुँचँय के आसा कए भूँखे रहि गया, अउर कुछू नहीं खाया। 34 एसे हम
तोंहईं समझाइत हएन, कि कुछू खाय ल्या, जउने तूँ पंचे जिअत रहा;
काहेकि तोंहरे पंचन म से कोहू के मूँड़े के एकठे बारव तक न गिरी। 35 अउर
एतना कहिके, ऊँ रोटी लइके सगलेन के आँगे परमातिमा के धन्यबाद
किहिन; अउर टोरिके खाँइ लागें। 36 इआ देखिके, ऊँ पंचे सगले जन ढाढ़स
बाँधिके खाना खाँइ लागें। 37 अउर हम पंचे सगले जन मिलिके जिहाज
माहीं, दुइ सव छिहत्तर जने रहेन हँय। 38 जब ऊँ पंचे खाना खाइके संतुस्ट

होइगें, तब गोहूँ काहीं समुद्र माहीं फेंकिके जिहाज काहीं हलुक करँइ लागें।
39 जब सकार भ, तब ऊँ पंचे नहीं जाने पाइन, कि उआ कउन देस आय,
पय एकठे खाड़ी देखिन जेखर समथर किनारा रहा हय, अउर आपस माहीं
बिचार किहिन, कि अगर होइ सकय, त एहिन माहीं जिहाज काहीं टिकाई।
40 तब ऊँ पंचे लंगरन काहीं छोर दिहिन, अउर उहय समय पतबारन के
बन्धन छोर दिहिन, अउर हबा के आँगे-आँगे के पाल चढ़ाइके किनारे कइती
चल दिहिन। 41 अउर उनखर जिहाज बारू माहीं टकराइगा, अउर जिहाज
के आँगे के हिस्सा ओमाहीं फँसिके जाम होइगा, पय तेज लहरन के कारन
जिहाज के पीछे के हिस्सा टूटँइ लाग 42 तब सिपाहिन के इआ बिचार आबा
कि, कइदिन काहीं मारि डारी; अइसन न होय, कि कउनव पइरके भाग
जाय। 43 पय सुबेदार पवलुस काहीं बचामँइ के इच्छा से उनहीं इआ बिचार
से रोंकिन, अउर इआ कहिन, कि "जे पइर सकत हय, त पहिले कूदिके
किनारे माहीं चला जाय। 44 अउर बाँकी जे बचँइ त पटरन के ऊपर, अउर
कोऊ जिहाज के अउर दुसरे चीजन के सहारे से निकर जाँय", अउर इआमेर
से सगले जन बचिके भुँइ माहीं निकरिगें।

माल्टा नाम के टापू माहीं पवलुस

28 जब हम पंचे बचिके निकर गएन, तब जाने पाएन, कि इआ टापू के
नाम माल्टा हय। 2 अउर उहाँ के रहँइ बाले हमरे पंचन के ऊपर बड़ी
किरपा किहिन; काहेकि लगीतार बारिस के कारन, अउर जाड़े के कारन; ऊँ
पंचे आगी बारिके हमहीं पंचन काहीं अपने इहाँ ठहराइन। 3 जब पवलुस
झुरान लकड़िन के एकठे बोझा आगी माहीं धरिन, त एकठे साँप आगी के
आँच से निकरा, अउर उनखे हाँथ माहीं लपिटिगा। 4 जब उहाँ के रहँइ बाले
साँप काहीं पवलुस के हाँथे माहीं लपिटे देखिन, त आपस माहीं कहँइ लागें;
"सही माहीं इआ मनई कतली हय, काहेकि इआ समुद्र से त बचिगा, तऊ
न्याय एही जिन्दा नहीं रहँइ दिहिस।" 5 पय पवलुस साँप काहीं आगी माहीं
झिटिक दिहिन, अउर उनहीं कउनव हानि नहीं भय। 6 पय ऊँ पंचे इआ
इन्तजार माहीं रहे हँय, कि ऊँ फूल जइहँय, इआ कि अचानक गिरिके मर
जइहँय, पय जब ऊँ पंचे खुब देर तक देखत रहिगें, अउर देखिन, कि उनहीं
कुछू नहीं भ, त आपन बिचार बदलिके कहँइ लागें, "ईं त कउनव देउता
आहीं।"
7 अउर उआ जघा के लघेन उआ टापू के मुखिया पुबलियुस के भुँइ रही
हय, ऊँ हमहीं पंचन काहीं अपने घर माहीं लइ जाइके, तीन दिना तक अपने
साथी कि नाईं स्वागत-सत्कार किहिन। 8 अउर पुबलियुस के बाप बोखार
अउर खून बाली पेंचिस से परेसान परे रहे हँय, एसे पवलुस उनखे लघे घर
माहीं जाइके प्राथना किहिन, अउर उनखे ऊपर आपन हाँथ धइके उनहीं
नीक कइ दिहिन। 9 इआ कारन से उआ टापू के खुब बिमार उनखे लघे आएँ,
अउर नीक होइके गें। 10 अउर ऊँ पंचे हमार पंचन के खुब आदर सत्कार
किहिन, अउर जब हम पंचे उहाँ से चलँइ लागेन, तब जउन कुछू हमहीं पंचन
काहीं जरूरत रही हय, उन सगली चीजन काहीं ऊँ पंचे जिहाज माहीं
धरबाय दिहिन।

माल्टा दीप से रोम देस कइती जाब

11 अउर तीन महीना के बाद, हम पंचे सिकन्दरिया सहर के एकठे जिहाज
माहीं चढ़िके चल दिहेन, जउन उआ टापू माहीं जाड़े के कारन रुका रहा हय;
जेखर चिन्हारी दियुसकूरी रही हय। 12 सुरकूसा सहर माहीं हम पंचे लंगर
डारिके तीन दिना तक रहे आएन। 13 ओखे बाद उहाँ से जिहाज माहीं
चढ़िके, हम पंचे रेगियुम सहर माहीं पहुँचेन: अउर दुसरे दिना पुतियुली सहर
माहीं आएन। 14 उहाँ हमहीं पंचन काहीं बिसुआसी भाई मिलें, अउर उनखे
कहे से हम पंचे उनखे इहाँ सात दिना तक रुके रहेन; अउर इआमेर से उहाँ
से रोम देस काहीं चल दिहेन। 15 जब उहाँ के बिसुआसी भाइन काहीं हमरे
चले जाँय के खबर मिली, त ऊँ पंचे अप्पियुस सहर के बजार अउर तीन
सराय सहर तक, हम लोगन से मिलँइ के खातिर आएँ, अउर जब पवलुस
उनहीं देखिन, त परमातिमा काहीं धन्यबाद दइके खुब उत्साहित भें। 16 अउर
जब हम पंचे रोम देस माहीं पहुँचेन, त पवलुस काहीं एकठे सिपाही के साथ
जउन उनखर रखबारी करत रहा हय, अकेले रहँइ के हुकुम मिला।

रोम देस माहीं पवलुस

17 तीन दिना के बाद, पवलुस यहूदी जाति के मुख्य मनइन काहीं
बोलबाइन, अउर जब ऊँ पंचे एकट्ठा भें, तब उनसे कहिन, "हे भाइव हम
अपने जाति बालेन, इआ कि बाप-दादन के रीति-रिबाजन के खिलाफ कुछू
काम नहीं किहेन, तऊ बन्दी बनाइके यरूसलेम सहर से रोम देस के रहँइ
बालेन के हाँथे सँउपे गएन। 18 ऊँ पंचे हमहीं जाँचे-परखे के बाद, छोंड़ देंइ
चाहिन, काहेकि हमरे ऊपर मउत के सजा के काबिल कउनव दोस नहीं
पाइन। 19 पय जब यहूदी लोग, एखे बिरोध माहीं बोलँइ लागें, त हमहीं
महाराजा कैसर के दोहाई देंइ परिगा, एसे नहीं कि हमहीं अपने जाति के
मनइन के ऊपर दोस लगामँइ काहीं रहा हय। 20 बलकिन एसे हम अपना
पंचन काहीं बोलायन हय, कि अपना पंचन से मिली अउर बातचीत करी;
काहेकि इजराइल के मनई जउने मसीहा के आमँइ के आसा कए रहे हँय,
उहय मसीह के कारन हम इआ जंजीर माहीं बँधे हएन। 21 तब ऊँ पंचे उनसे
कहिन; हम पंचे तोंहरे बारे माहीं यहूदिया प्रदेस से न त कउनव चिट्ठी पाएन,
अउर न त बिसुआसी भाइन म से, कोऊ आइके तोंहरे बारे माहीं बताइन,
अउर न त कुछू गलतय कहिन। 22 पय तोंहार बिचार का हय? उहय हम पंचे
तोंहसे सुनँय चाहित हएन, काहेकि हम पंचे जानित हएन, कि हरेक जघा
इआ मत के बिरोध माहीं खुब मनई बातँय करत हें।"
23 ओखे बाद ऊँ पंचे उनखे खातिर एकठे दिन ठहराइन, अउर खुब मनई
उनखे इहाँ एकट्ठा भें, अउर ऊँ परमातिमा के राज के गबाही देत, अउर मूसा
के बिधान अउर परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन के किताबन से, यीसु के
बारे माहीं समझाबत भिनसार से लइके, साँझ तक बखान करत रहिगें।
24 तब कुछ जने उनखे कही बातन काहीं मान लिहिन, अउर कुछ जने उनखे
बातन के बिसुआस नहीं मानिन। 25 जब ऊँ पंचे आपस माहीं एक मत नहीं
भें, तब पवलुस के एकठे इआ बात कहे के कारन, ऊँ पंचे उहाँ से चलेगें, कि
"पबित्र आत्मा परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले यसायाह के द्वारा तोंहरे
बाप-दादन से निकहा कहिन तय, कि जाइके ईं मनइन से कहा।
26 'कि सुनत †त रइहा, पय समझे न पइहा', अउर 'देखत त रइहा, पय
जाने न पइहा।'
27 काहेकि ईं मनइन के मन मोट, अउर उनखर कान बहिर होइगे हँय, अउर
ऊँ पंचे अपने आँखिन काहीं मूँद लिहिन हीं, अइसा न होय, कि ऊँ पंचे कबहूँ
आँखिन से देखँय, अउर कानन से सुनँय, अउर मन से समझँय, अउर हमरे
कइती फिरँय, अउर हम उनहीं पंचन काहीं चंगा करी।
28 एसे तूँ पंचे जाना, कि परमातिमा के इआ मुक्ती के कथा, गैरयहूदी
लोगन के लघे पठई गे ही, अउर ऊँ पंचे सुनिहँय।" 29 जब ऊँ इआ बात
कहिन, त यहूदी लोग आपस माहीं खुब बिबाद करँइ लागें, अउर उहाँ से
चलेगें।
30 अउर उहाँ पवलुस दुइ बरिस तक अपने किराया के घर माहीं रहें।
31 अउर जे उनखे लघे आबत रहे हँय, उन सगलेन से ऊँ मिलत रहे हँय,
अउर बिना रोंक-टोंक के खुब निडर होइके, परमातिमा के राज के प्रचार
करत रहे हँय, अउर प्रभू यीसु मसीह के बातन काहीं सिखाबत रहे हँय।

---

† *28:26 यसा 6:7-10*

रोमियन

इआ चिट्ठी के परिचय

रोम देस माहीं रहँइ बाले मसीही लोगन के नाम लिखी यीसु मसीह के खास चेला पवलुस के चिट्ठी के इआ उद्देस्य रहा हय, कि रोम देस माहीं जउन मसीही मन्डली रही हय, उहाँ जाँइ के खातिर गइल तइआर करब, जेखर योजना पवलुस बनाइन रहा हय। उनखर इआ योजना रही हय, कि कुछ समय तक ऊँ उहाँ के मसीही लोगन के बीच माहीं रहिके काम करँय, अउर उनखे मदत से स्पेन देस तक जाँय। अउर मसीही बिसुआस के आपन ग्यान अउर मसीही लोगन के जीबनन माहीं जउन बेउहारिक रूप से जरूरी हईं, ऊँ बातन काहीं समझामँइ के खातिर पवलुस इआ चिट्ठी काहीं लिखिन हीं। इआ चिट्ठी माहीं हमहीं पंचन काहीं पवलुस के सँदेस के सगलेन से खास बखान मिलत हय।
रोम देस के मसीही मन्डली के मसीही लोगन काहीं नबस्कार करँय, अउर उनखे खातिर अपने प्राथनन के बारे माहीं बताए के बाद, पवलुस इआ चिट्ठी के खास बात बताबत हें जउन इआ आय: कि “यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस किहे के कारन हम पंचे परमातिमा के नजर माहीं निरदोस बन जइत हएन (रोमि 1:17)”।
पवलुस आँगे खास बातन के बारे माहीं बिस्तार से समझाबत हें। सगले मनई, यहूदी अउर गैरयहूदी दोनव, काहीं परमातिमा के साथ मेल-मिलाप करँइ के जरूरत ही, काहेकि सगले जन एक समान पाप के काबू माहीं हें। यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस करँइ के द्वारा मनइन के परमातिमा के साथ मेल-मिलाप होत हय। पुनि पवलुस मसीह के साथ नबा जीबन के बखान करत हें, जउन परमातिमा के साथ इआ नए सम्बन्ध के नतीजा होत हय। बिसुआसी के परमातिमा के साथ मेल-मिलाप होत हय। अउर यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस किहे से पाप के सजा से मुक्ती मिलत ही, अउर परमातिमा से टूट सम्बन्ध पुनि जुड़ जात हय। पाठ 5-8 माहीं पवलुस बिसुआसी के जीबन माहीं परमातिमा के बिधान के उद्देस्य, अउर परमातिमा के आत्मा के सामर्थ के ऊपर घलाय बिचार करत हें। पुनि यीसु मसीह के खास चेला पवलुस इआ प्रस्न से परेसान होत हें, कि सगले मनइन के खातिर परमातिमा के योजना माहीं यहूदी अउर गैरयहूदी दोनव कइसन सही रूप माहीं सामिल होइहँय। ऊँ इआ निरनय माहीं पहुँचत हें, कि यहूदी लोगन के द्वारा यीसु काहीं सोइकार न करब घलाय, परमातिमा के उआ योजना के एकठे हिस्सा आय। जउन सगले मनइन काहीं यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस किहे के कारन, परमातिमा के किरपा के सीमा माहीं लइ आमँइ के खातिर बनाई गे ही। अउर उनखर इआ बिसुआस हय, कि यहूदी लोग हमेसा यीसु काहीं इनकार करत, न रइहँय। अन्तिम माहीं पवलुस इआ लिखत हें, कि मसीही जीबन कइसन जिअँइ चाही, खास करके दुसरे मनइन के साथ प्रेम के सम्बन्ध रखिके। ऊँ ईं बिसयन काहीं परमातिमा के सेबा, राज अउर एक दुसरे के बारे माहीं मसीही लोगन के करतब्य, अउर सोच-बिचार के प्रस्नन के रूप माहीं लेत हें। ऊँ इआ चिट्ठी के अन्त निजी सँदेसन अउर परमातिमा के स्तुति के साथ करत हें।

रूप-रेखा :

- इआ चिट्ठी के परिचय अउर खास बिसय
- मनइन काहीं मुक्ती के जरूरत
- मुक्ती के खातिर परमातिमा के गइल
- मसीह के द्वारा नबा जीबन
- इजराइली लोगन के खातिर परमातिमा के योजना
- मसीही चाल-चलन
- उपसंहार अउर निजी नबस्कार

पवलुस के अभिबादन

1 हम पवलुस जउन यीसु मसीह के दास आहेन, इआ चिट्ठी काहीं लिख
रहेन हय, अउर परमातिमा हमहीं यीसु मसीह के खास चेला होंइ के
खातिर बोलाइन हीं, कि जउने हम उनखे खुसी के खबर के प्रचार करी
काहेकि परमातिमा हमहीं इहय काम के खातिर नियुक्त किहिन हीं। 2 अउर
इआ खुसी के खबर के बारे माहीं परमातिमा पहिलेन से अपने सँदेस बतामँइ
बालेन के द्वारा पबित्र सास्त्र माहीं, 3 अपने लड़िका अउर हमरे पंचन के प्रभू
यीसु मसीह के बारे माहीं वादा किहिन रहा हय; जउन मनई के रूप माहीं त
राजा दाऊद के कुल से पइदा भें। 4 अउर पबित्रता के आत्मा के द्वारा मरेन म
से जिआए जाँइ के कारन, ऊँ सामर्थ के साथ परमातिमा के लड़िका ठहरे
हँय, ईंन यीसु मसीह हमार पंचन के प्रभू आहीं। 5 अउर इनहिन के द्वारा
हमहीं किरपा अउर यीसु के खास चेला होंइ के अधिकार मिला हय; कि
जउने उनखे नाम के ऊपर गैरयहूदी लोग बिसुआस कइके उनखे बातन
काहीं मानँय। 6 उनहिन म से तुहूँ पंचे घलाय यीसु मसीह के जन होंय के
खातिर चुने गया हय।
7 अउर इआ चिट्ठी तोंहईं पंचन काहीं मिलय, जउन रोम देस माहीं
परमातिमा के पियार हया, अउर परमातिमा के पबित्र जन होंइ के खातिर
चुने गया हय, हमरे पंचन के पिता परमातिमा अउर प्रभू यीसु मसीह के तरफ
से तोंहईं पंचन काहीं किरपा अउर सान्ती मिलत रहय।

रोम देस के मसीही लोगन से मिलँइ के पवलुस के इच्छा

8 सबसे पहिले हम तोंहरे सगले जनेन के खातिर यीसु मसीह के द्वारा
अपने परमातिमा काहीं धन्यबाद देइत हएन, काहेकि तोंहरे बिसुआस के

चरचा हरेक जघन माहीं होइ रही हय। 9 अउर परमातिमा के सेबा हम अपने
पूरे मन से उनखे लड़िका के खुसी के खबर काहीं सुनामँइ के बारे माहीं
करित हएन, अउर उँइन हमार गबाह हें; कि हम तोंहईं पंचन काहीं लगीतार
याद करत रहित हएन। 10 अउर हम हमेसा अपने प्राथनन माहीं बिनती करत
रहित हएन, कि परमातिमा के मरजी से तोंहरे लघे आमँइ के हमार यात्रा
कउनव मेर से सफल होय। 11 काहेकि तोंहसे मिलँइ के हमार बड़ी लालसा
ही, कि हम तोंहईं कउनव आत्मिक आसीस देई, जउने तूँ पंचे बिसुआस
माहीं मजबूत होइजा। 12 अरथात इआ, कि जब हम तोंहरे बीच माहीं होब,
त एक दुसरे के बिसुआस से हम पंचे आपस माहीं उत्साहित होब। 13 अउर
हे भाई-बहिनिव, हम इआ चाहित हएन, कि तूँ पंचे इआ जानिल्या, कि हम
तोंहरे लघे कइअक बेरकी आमँइ चाहेन हय, कि जइसन हमहीं आत्मिक फर
दुसरे गैरयहूदी लोगन माहीं मिला हय, उहयमेर तोंहरेव पंचन माहीं पाय
सकी, पय अबय तक एक न एक बाधा अउतय रहिगे। 14 हम जउन मनई
बिकास माहीं आँगे हँय, अउर जउन मनई बिकास माहीं पीछे हँय, दोनव के
अउर बुद्धिमानन अउर निरबुद्धियन के घलाय रिनिहा हएन। 15 एहिन से हम
तोंहईं पंचन काहीं घलाय जेतने रोम देस माहीं रहते हया, खुसी के खबर
सुनामँइ के खातिर उत्साहित हएन।

खुसी के खबर के सामर्थ

16 काहेकि हम खुसी के खबर से नहीं लजई, एसे कि उआ हरेक
बिसुआस करँइ बालेन के खातिर, पहिले त यहूदी लोगन के खातिर, ओखे
बाद गैरयहूदी लोगन काहीं मुक्ती पामँइ के खातिर परमातिमा के सामर्थ
आय। 17 काहेकि खुसी के खबर माहीं इआ बताबा ग हय, कि परमातिमा
मनई काहीं अपने नजर माहीं निरदोस कइसा बनाबत हें, इआ सुरुआत से
अन्त तक बिसुआस माहीं टिका हय; जइसन पबित्र सास्त्र माहीं घलाय
लिखा हय, कि “परमातिमा के नजर माहीं निरदोस मनई बिसुआस के कारन
जिअत रही।”

मनइन के पाप

18 उन सगलेन काहीं जउन सत्य काहीं अधरम से दबाइके रक्खत हें, अउर
बुरे कामन काहीं करत हें, अउर हरेकमेर के बुराई करत हें, स्वरग माहीं रहँइ
बाले परमातिमा सजा देइहँय। 19 अउर इआमेर एसे होइ रहा हय, काहेकि
परमातिमा के बारे माहीं ऊँ पंचे निकहा से जानत हें, काहेकि परमातिमा
अपने बारे माहीं खुदय उनहीं पंचन काहीं बताइन हीं। 20 जब से संसार के
रचना भे ही, परमातिमा के न देखाई देंइ बाली बिसेसता अरथात अनन्त
सक्ती, अउर परमातिमा के दिब्य गुन साफ-साफ देखाई देत हें, काहेकि ऊँ
चीजन से ऊँ पूरी तरह से जाने जाय सकत हें, जउने काहीं परमातिमा रचिन
हीं। एसे अब मनइन के लघे कउनव बहाना नहिं आय। 21 जबकि ऊँ पंचे
परमातिमा काहीं जानत रहे हँय, तऊ ऊँ पंचे परमातिमा के रूप माहीं, उनहीं
मान-सम्मान अउर धन्यबाद नहीं दिहिन, बलकिन बेफालतू के सोच-बिचार
करँइ लागें, एसे उनखर निरबुद्धी मन कठोर होइके बुरे सोच-बिचारन से
भरिगा। 22 ऊँ पंचे अपने-आप काहीं बड़ा बुद्धिमान समझत हें, पय मूरुख
बनिगें। 23 अउर कबहूँ न नास होंइ बाले परमातिमा के महिमा काहीं, नास
होंइ बाले मनइन, अउर पंछिन, अउर पसुअन, अउर रेंगँइ बाले जीव-
जन्तुअन कि नाईं मूरत बनाइके, उनहीं मूरतिन माहीं बदल डारिन।
24 एसे परमातिमा उनहीं पंचन काहीं उनखे मन के बुरी इच्छन के
मुताबिक असुद्ध होंइ के खातिर छोंड़ दिहिन, कि ऊँ पंचे ब्यभिचार माहीं
परिके आपस माहीं अपने देंहन के अपमान करँय। 25 काहेकि ऊँ पंचे
परमातिमा के सच्चाई के ऊपर बिसुआस करँइ से इनकार कइके, लबरी
माहीं बिसुआस करँइ लागें, अउर उनखे बनाई चीजन के अराधना अउर
सेबा करँइ लागें, पय उनखर नहीं किहिन, जउन संसार काहीं बनामँइ बाले
परमातिमा आहीं, अउर जउन हमेसा धन्य हें। आमीन!

26 एसे परमातिमा उनहीं सरमिन्दा करँइ बाली नीच अभिलासन के काबू
माहीं कइ दिहिन; इहाँ तक कि उनखर मेहेरिअव आपन सोभाबिक सम्बन्ध
बनाउब छोंड़िके, ओखे बिरुद्ध असोभाबिक सम्बन्ध बनामँइ लागीं।
27 इहइमेर मंसेरुअव घलाय, अपने मेहेरिअन से सम्बन्ध बनाउब छोंड़िके
आपस माहीं कामातुर होइके रहँइ लागें, अउर मंसेरुअय-मंसेरुआ एक दुसरे
से नजायज सम्बन्ध बनाइके अपने बुरे काम के ठीक सजा पाइन।
28 काहेकि ऊँ पंचे परमातिमा काहीं पहिचानँय से इनकार कइ दिहिन, एसे
परमातिमव उनहीं पंचन काहीं उनखे बुरे मन के मुताबिक छोंड़ दिहिन; कि
जउने ऊँ पंचे अनुचित काम करँय। 29 एसे ऊँ पंचे हरेकमेर के अधरम करँइ
बाले, अउर दुस्टता करँइ बाले, अउर लालच करँइ बाले बनिगें, अउर इरसा
से भरिगें; अउर डाह करँइ बाले, अउर कतल करँइ बाले, अउर झगड़ा करँइ
बाले, अउर छल-कपट करँइ बाले बनिगें अउर इरसा से भरिगें, अउर चुगली
करँइ बाले, 30 अउर दुसरे के बदनामी करँइ बाले, अउर परमातिमा से
नफरत करँइ बाले, अउर दुसरेन के मान-सम्मान न करँइ बाले, अउर घमन्डी,
अउर आपन बड़ाई करँइ बाले, बुरी-बुरी बातन काहीं बनाइके बोलँइ बाले,
अउर महतारी-बाप के कहा-बतान न मानँइ बाले, 31 बुद्धिहीन, अउर
बिसुआस घात करँइ बाले, प्रेम न करँइ बाले अउर निरदयी होइगे हँय। 32 ऊँ
पंचे परमातिमा के न्यायपूर्न नेम काहीं निकहा से जानत हें, कि इआमेर के
कामन काहीं करँइ बाले मउत के सजा के काबिल हें, तऊ ऊँ पंचे इआमेर के
कामन काहीं करत हें, अउर इहइमेर के कामन काहीं करँइ बालेन से खुसी
घलाय होथें।

परमातिमा के निस्पच्छ न्याय

2 हे न्याय करँइ बाले मनई तूँ चाह कोऊ होइहा, तोंहरे लघे कउनव
बहाना नहिं आय, काहेकि जउने बातन के खातिर दुसरे काहीं दोसी
ठहरउते हया, अउर खुदय उहय काम तूँ करते हया, त अपने-आप काहीं
घलाय दोसी ठहरउते हया। 2 अउर हम पंचे इआ जानित हएन, कि जउन
मनई अइसन काम करत हें, उनहीं पंचन काहीं परमातिमा के तरफ से सत्य
के मुताबिक सजा मिलत ही। 3 अउर हे साथी, तूँ त केबल मनई आह्या,
अउर तूँ जउन इआमेर के काम करँइ बालेन काहीं दोसी ठहरउते हया, त का
तूँ सोचते हया, कि हम परमातिमा से मिलय बाले सजा से बँचि जाब? 4 का
तूँ परमातिमा के असीमित दया अउर सहनसीलता अउर धीरज काहीं तुच्छ
जनते हया? तोंहईं इआ जानँइ चाही, कि परमातिमा के दया तोंहईं
पस्चाताप करब सिखाबत ही। 5 पय तूँ अपने हठी अउर कबहूँ न पचिताँय
बाले मन के कारन, परमातिमा के क्रोधपूर्न सजा काहीं अपने खातिर उआ
दिन के खातिर एकट्ठा कइ रहे हया, जब परमातिमा सच्चा न्याय करिहँय।
6 “परमातिमा हरेक जन काहीं उनखे कामन के मुताबिक बदला देइहँय †।”
7 जउन मनई धीरज के साथ लगीतार निकहा काम करत, परमातिमा के
तरफ से बड़ाई अउर मान- सम्मान पामँइ अउर परमातिमा के साथ हमेसा
रहँइ खातिर खोज माहीं लगे रहत हें, उनहीं परमातिमा अनन्त जीबन
देइहँय। 8 पय जउन मनई स्वार्थी हें, अउर सत्य के बिरोध करत अधरम माहीं
चलत हें, उनहीं परमातिमा से कठोर सजा मिली। 9 अउर हरेक मनइन के
ऊपर दुख-मुसीबत अइहँय जउन बुरा काम करत हें, पहिले यहूदी लोगन के
ऊपर ओखे बाद गैरयहूदी लोगन के ऊपर। 10 अउर जे कोऊ भलाई करत हें,
उनहीं बड़ाई, मान- सम्मान अउर सान्ती मिली, पहिले यहूदी लोगन काहीं,
ओखे बाद गैरयहूदी लोगन काहीं। 11 काहेकि परमातिमा कोहू के साथ
पच्छपात नहीं करँय।
12 एसे कि जेतने मनई बिना परमातिमा के बिधान पाए पाप किहिन हीं,
ऊँ पंचे बिना बिधान के नासव होइहँय, पय जेतने मनई बिधान काहीं पाइके
पाप किहिन हीं, उनखर न्याय परमातिमा, बिधान के मुताबिक करिहँय।
13 (काहेकि जेतने मनई बिधान के बातन काहीं सुनत भर हें, अउर मानँइ
नहीं, ऊँ परमातिमा के नजर माहीं निरदोस न ठहरिहँय, बलकिन जे कोऊ

† *2:6 नीति 24:12*

बिधान के बातन काहीं सुनिके, उनखे मुताबिक चलत हें, उँइन परमातिमा के नजर माहीं निरदोस ठहराए जइहँय। 14 एसे कि गैरयहूदी लोगन के लघे मूसा के द्वारा दीन बिधान नहिं आय, तऊ अपने सुभाबय से मूसा के बिधान के बातन कि नाईं चलत हें, त भले उनखे लघे मूसा के द्वारा दीन बिधान नहिं आय, तऊ ऊँ पंचे अपने खातिर खुदय बिधान हें। 15 ऊँ पंचे बिधान के बातन काहीं अपने हिरदँय माहीं रक्खे, अपने कामन से देखाबत हें, अउर उनखर मन घलाय एखर गबाही देत हय, अउर उनखर सोच-बिचार उनहीं बताबत हय, कि इआ काम सही हय कि गलत।) 16 इआ सब उआ दिना प्रगट कीन जई, जब परमातिमा, हमरे सुनाए खुसी के खबर के मुताबिक, यीसु मसीह के द्वारा मनइन के गुप्त बिचारन के न्याय करिहँय।

यहूदी लोग अउर मूसा के बिधान

17 पय अगर तूँ अपने-आप काहीं यहूदी कहते हया, अउर मूसा के बिधान माहीं तोंहार बिसुआस हय, अउर अपने अउर परमातिमा के सम्बन्ध के बारे माहीं तोंहईं घमन्ड हय। 18 अउर तूँ परमातिमा के मरजी काहीं जनते हया, अउर निकही-निकही बातन काहीं अपनउते हया, काहेकि इआ सब मूसा के बिधान से तोंहईं सिखाबा ग हय, 19 अउर अगर तूँ अपने-आप काहीं जउन मनई परमातिमा काहीं नहीं जानँय, उनखर अँगुआ मनते हया, अउर जउन मनई परमातिमा काहीं न जानिके अँधिआर माहीं भटक रहे हँय, उनखे खातिर तूँ उँजिआर देंइ बाला समझते हया। 20 अउर निरबुद्धियन काहीं सिखामँइ बाला, अउर जउन मनई परमातिमा के बातन माहीं बच्चन कि नाईं अनजान हें, उनहीं उपदेस देंइ बाला मनते हया, अउर इआ समझते हया कि ग्यान, अउर सत्य के नमूना, जउन मूसा के बिधान माहीं हय, हमहिन काहीं मिला हय। 21 त तूँ जउने बातन काहीं दुसरेन काहीं सिखउते हया, त उनहीं खुद काहे नहीं सिखते आह्या? तूँ जउन दुसरेन काहीं चोरी न करँइ के उपदेस देते हया, त खुद चोरी काहे करते हया? 22 तूँ जउन दुसरेन काहीं बरजते हया, कि "ब्यभिचार न करा।" अउर खुदय ब्यभिचार काहे करते हया? अउर तूँ जउन मूरतिन से नफरत त करते हया, पय खुदय मन्दिर के धन काहीं, काहे लुटते हया? 23 तूँ जउन घमन्ड करते हया, कि मूसा के बिधान हमरे लघे हय, त मूसा के बिधान के बातन के उलंघन कइके, परमातिमा के अपमान काहे करते हया? 24 "काहेकि तोंहरे पंचन के कारन गैरयहूदी लोगन के बीच माहीं परमातिमा के नाम के बुराई होत ही †?" जइसन पबित्र सास्त्र माहीं लिखा घलाय हय।

25 अउर खतना कराए से फायदा त हय, पय जब तूँ मूसा के बिधान के बातन के मुताबिक चला, पय अगर तूँ मूसा के बिधान के बातन के उलंघन करिहा, त तोंहार खतना करबाउब, बिना खतना कराए कि नाईं ठहरी। 26 अगर कउनव मनई के खतना न भ होय, अउर उआ मूसा के बिधान के बातन काहीं मानत होय, त ओखर भले खतना न भ होय, तऊ खतना कराए के बराबर माना जई। 27 अउर जउने मनई के देंह के खतना नहीं भ आय, अउर उआ बिधान के बातन काहीं निकहा से मानत हय, त उआ मनई तोंहईं जउन बिधान काहीं लए हया, अउर खतनव कराए हया, पय बिधान के बातन के उलंघन करते हया, त दोसी ठहराई। 28 जउन मनई देखाबा करत हय, कि हम यहूदी आहेन, उआ वास्तव माहीं यहूदी न होय, अउर देंह के खतना करबाउब, वास्तव माहीं खतना न होय। 29 पय यहूदी उहय कहाई, जउन भीतर से अरथात मन माहीं यहूदी हय, अउर सच्चा खतना उआ आय, जउन पबित्र आत्मा के द्वारा मन के होत हय, उआ नहीं कि जउन मूसा के बिधान माहीं लिखे के मुताबिक हय, इआमेर करँइ बाले मनई के बड़ाई, मनइन के तरफ से नहीं, बलकिन परमातिमा के तरफ से होत ही।

परमातिमा के बफादारी

3 एसे यहूदी होए से का फायदा हय, इआ खतना कराए से का फायदा हय? 2 अगर देखा जाय त यहूदी होंइ के फायदा त हय, काहेकि सबसे पहिले त इआ हय, कि उनहीं पंचन काहीं परमातिमा के बचन सँउपा ग। 3 पय अगर उनमा से कुछ जने बिसुआस घात करँइ बाले निकरिगें, त का भा? उनखे बिसुआस घात †† करँइ के कारन परमातिमा के सच्चाई का झूँठ होइ सकत ही? 4 बेलकुल नहीं, बलकिन सगले मनई झूँठ ठहरिहँय, अउर परमातिमा सच्चे ठहरिहँय, जइसन पबित्र सास्त्र माहीं लिखव हय,

"जउने तूँ अपने हरेक बातन माहीं धरमी ठहरा, अउर न्याय करत समय तूँ बिजय पाबा।"

5 एसे अगर हमार पंचन के अधारमिकता परमातिमा के धारमिकता सिद्ध करत ही, त हम पंचे का कही? का इआ कि परमातिमा जउन हमहीं पंचन काहीं सजा देत हें, त का ऊँ अन्याय करत हें? (इआ त हम एकठे साधारन मनई कि नाईं कहित हएन।) 6 बेलकुल नहीं, नहीं त परमातिमा संसार के मनइन के न्याय कइसन करिहँय? 7 पय तूँ पंचे कहि सकते हया, "जब हमरे लबरी बोलँइ के कारन परमातिमा के सच्चाई अउर जादा प्रगट होत ही, अउर एसे उनखर बड़ाइन होत ही, त पुनि हम काहे पापी कि नाईं सजा पामँइ के काबिल ठहराए जइत हएन? 8 त पुनि हम पंचे काहे न कही, कि 'आबा! हम पंचे बुरे काम करी जउने भलाई प्रगट होय'।" जइसन कि हमरे पंचन के बारे माहीं बुराई कइके कुछ मनई अरोप लगाबत हें, कि हम पंचे अइसन कहित हएन, अइसन बोलँइ बाले मनई दोसी ठहराए जाँइ के काबिल हें, काहेकि उँइ सगले दोसी हें।

कउनव मनई परमातिमा के नजर माहीं निरदोस नहिं आहीं

9 त पुनि हम पंचे का कही? का हम यहूदी लोग गैरयहूदी लोगन से कउनव मेर से निकहे हएन? नहीं, बेलकुल नहीं, काहेकि हम पंचे इआ साबित कइ चुकेन हय, कि चाह यहूदी होंय, चाह गैरयहूदी सगले जन पाप के कब्जे माहीं हें। 10 जइसन पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय; कि

"परमातिमा के नजर माहीं कोऊ निरदोस नहिं आय, एक जनेव नहिं आय!
11 अउर न कोऊ समझदारय आय, अउर न कोऊ परमातिमा काहीं ढूँढ़ँइन बाला आय,
12 सगले मनई परमातिमा के बताए गइल से भटकिगें हँय, अउर सगले मनई परमातिमा के नजर माहीं निकम्मा बनिगें हँय, कोऊ भलाई करँइ बाला नहिं आय, एक जनेव नहिं आय ‡।"
13 उनखे मुँहे से हमेसा बुराइन निकरत ही, जइसन खुली कब्र से दुर्गन्ध आबत ही, उनखे मुँह से हमेसा छल के बात निकरत ही, अउर उनखे मुँहे से साँप के बिस कि नाईं खतरनाक बातँय निकरती हईं।
14 अउर उनखे मुँहे से हमेसा सराप अउर करुअई के बातँय निकरती हईं।
15 अउर ऊँ पंचे हमेसा कतल करँइ के खातिर तइआर रहत हें।
16 ऊँ पंचे जहाँ जात हें नास करत हें, अउर दुख देत हें।
17 ऊँ पंचे सान्ती के गइल के बारे माहीं जनतय नहिं आहीं।
18 उनखे जीबन माहीं परमातिमा के डेर हइअय नहिं आय।

19 अउर हम पंचे इआ जानित हएन, कि जउन कुछू मूसा के बिधान माहीं कहा ग हय, उआ उनखे खातिर आय जउन मूसा के बिधान काहीं मानत हें, कि जउने हरेक जनेन के मुँह बंद कीन जाय, अउर सगले संसार के मनई परमातिमा से सजा पामँइ के काबिल ठहरँय। 20 काहेकि मूसा के बिधान के पालन किहे से कउनव मनई परमातिमा के नजर माहीं निरदोस न ठहरी, एसे कि मूसा के बिधान के द्वारा केबल पाप के पहिचान होत ही।

बिसुआस के द्वारा परमातिमा के नजर माहीं निरदोस ठहराबा जाब

21 पय अब सगले मनइन काहीं इआ बताबा ग हय, कि परमातिमा बिना मूसा के बिधान के उनहीं कइसन अपने नजर माहीं निरदोस बनाबत हें, जेखे बारे माहीं मूसा के बिधान माहीं लिखा हय, अउर परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले घलाय गबाही दिहिन हीं। 22 जउन मनई यीसु मसीह के ऊपर

† *2:24 यसा 52:5*

†† *यहूदी लोगन म से कुछ जने मूसा के जउन बिधान उनहीं परमातिमा से मिला रहा हय, ओही न मानिके परमातिमा के नजर माहीं बिसुआस घात किहिन।* ‡ *3:12 भज 14:1-3*

बिसुआस करत हें, उनहीं परमातिमा अपने नजर माहीं निरदोस बनाबत हें, एमाहीं कुछू भेदभाव नहिं आय, इआ मुक्ती उन सगलेन के खातिर आय, जउन यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस करत हें। 23 काहेकि संसार के सगले मनई पाप किहिन हीं, अउर परमातिमा के महिमा से बंचित हें। 24 पय परमातिमा के किरपा से जउन मुक्ती यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस किहे से मिलत ही, ओखे द्वारा हम पंचे सेंत-मेंत माहीं, परमातिमा के नजर माहीं निरदोस ठहराए जइत हएन। 25 परमातिमा यीसु मसीह काहीं, उनखे ऊपर बिसुआस किहे के द्वारा पापन से मुक्ती देबामँइ के खातिर मनइन काहीं दिहिन हीं। परमातिमा इआ काम यीसु मसीह के बलिदान के रूप माहीं किहिन हीं। अइसा इआ देखामँइ के खातिर किहिन हीं कि परमातिमा सहनसील हें, काहेकि ऊँ पहिले मनइन काहीं उनखे पापन के सजा दिहे बिना छोंड़ि दिहिन तय। 26 अउर परमातिमा के न्याय के इआ काम आजव के समय के खातिर घलाय हय, जउने ऊँ खुदय न्यायी कहामँय, काहेकि अबहिनव जे कोऊ यीसु के ऊपर बिसुआस करत हें, उनहूँ पंचन काहीं ऊँ निरदोस ठहराबत हें। 27 त हम पंचे घमन्ड कइसा कइ सकित हएन? काहेकि घमन्ड करँइ के हमरे पंचन के जीबन माहीं कउनव जघय नहिं आय? काहेकि हम पंचे कउनव मूसा के बिधान के पालन किहे से नहीं, अउर न कउनव कामन के कारन, बलकिन बिसुआस के कारन परमातिमा के नजर माहीं निरदोस ठहरेन हँय। 28 एसे हम पंचे इआ कहि सकित हएन, कि कउनव मनई मूसा के बिधान के पालन किहे से नहीं, बलकिन बिसुआसय के द्वारा परमातिमा के नजर माहीं निरदोस बन सकत हय। 29 त बताबा का परमातिमा यहूदी लोगन के भर आहीं? काहे गैरयहूदी लोगन के परमातिमा न होंहीं? हाँ हम सही कहित हएन, कि गैरयहूदी लोगन के घलाय परमातिमा आहीं। 30 काहेकि सगले मनइन के एकयठे परमातिमा हें, जउन खतना करामँइ बाले मनइन काहीं बिसुआस से अउर खतना न करामँइ बाले मनइन काहीं घलाय उहय बिसुआस के द्वारा परमातिमा अपने नजर माहीं निरदोस ठहरइहँय। 31 त का हम पंचे बिसुआस के द्वारा मूसा के बिधान काहीं बेकार ठहराइत हएन? नहीं, बेलकुल नहीं; बलकिन मूसा के बिधान काहीं अउर मजबूत बनाइत हएन।

अब्राहम के बिसुआस के बखान

4 एसे अब हम पंचे अपने पूरबज अब्राहम के बारे माहीं का कही? 2 काहेकि अगर अब्राहम अपने कामन के कारन परमातिमा के नजर माहीं निरदोस ठहरतें, त इआ उनखे खातिर घमन्ड करँइ के बात होत, पय परमातिमा के आँगे ऊँ वास्तव माहीं घमन्ड नहीं कइ सकँय। 3 पबित्र सास्त्र माहीं घलाय लिखा हय, कि “अब्राहम परमातिमा के ऊपर बिसुआस किहिन रहा हय, एहिन से ऊँ परमातिमा के नजर माहीं निरदोस ठहराए गे रहे हँय।” 4 काहेकि काम करँइ बाले मनई काहीं मजूरी देब दान न होय, बलकिन उआ त ओखर हक्क आय। 5 पय जउन मनई काम नहीं करय, बलकिन पापिन काहीं निरदोस बनामँइ बाले परमातिमा के ऊपर बिसुआस करत हय, त ओखर उआ बिसुआसय ओखे खातिर परमातिमा के नजर माहीं निरदोस होंइ के कारन बन जात हय। 6 जउने मनई काहीं परमातिमा बिना काम किहे निरदोस ठहराबत हें, उआ मनई काहीं राजा दाऊद घलाय धन्य कहत हें। 7 अउर ऊँ कहत हें, कि

ऊँ मनई धन्य हें, जिनखर अधरम माफ होइगे हँय, अउर जिनखर पाप मूँदे गे हँय।

8 अउर जउने मनई काहीं प्रभू कबहूँ पापी नहीं ठहरामँइ उआ मनई धन्य हय।

9 त का इआ धन्य कहब केबल उनहिन के खातिर भर आय, जिनखर खतना होइ चुका हय, इआ कि उनहूँ के खातिर आय जिनखर खतना नहीं भ आय। (हाँ इआ उनहूँ के खातिर आय जिनखर खतना नहीं भ आय) काहेकि हम पंचे इआ कहित हएन, कि “अब्राहम बिसुआसय के द्वारा परमातिमा के नजर माहीं निरदोस ठहराए गें।” 10 त इआ कबय भ? जब उनखर खतना होइ चुका रहा हय, तब इआ कि जब उनखर खतना नहीं भ रहा आय तब, नहीं उनखर खतना होए के बाद नहीं, बलकिन खतना होंइ के पहिले भ रहा हय। 11 अब्राहम बिना खतना कराए बिसुआस के द्वारा परमातिमा के नजर माहीं निरदोस ठहराए गें। अउर उनखे देंह माहीं एकठे निसानी † के रूप माहीं खतना के चिन्ह लगाबा ग, इआमेर से अब्राहम ऊँ सगलेन के घलाय पिता बनिगें, जउन बिना खतना कराए परमातिमा के ऊपर बिसुआस करत हें, जउने ऊँ पंचे घलाय बिसुआस के द्वारा परमातिमा के नजर माहीं निरदोस ठहराए जाँय। 12 अउर ऊँ उनहूँ पंचन के घलाय कुल पिता आहीं, जिनखर खतना भ हय, जउन केबल खतना भर नहीं कराए आहीं, बलकिन हमरे पंचन के कुल पिता अब्राहम के बिसुआस के जउने काहीं, ऊँ बिना खतना कराए किहिन रहा हय, अनुसरन करत हें।

बिसुआस के द्वारा परमातिमा के वादा के मिलब

13 अउर अब्राहम, इआ कि उनखे बंसन काहीं इआ वादा, कि ऊँ पंचे संसार के बारिसदार होइहँय, मूसा के बिधान के पालन किहे से नहीं मिला रहा आय, बलकिन उआ बिसुआस के द्वारा परमातिमा के नजर माहीं निरदोस होंइ से मिला रहा हय। 14 अगर जे कोऊ मूसा के बिधान काहीं पालन करत हें, उँइन पंचे भर संसार के बारिसदार आहीं, त बिसुआस के कउनव मतलब न रहत, अउर वादा घलाय बेकार ठहरत। 15 जब मनई मूसा के बिधान के पालन नहीं करँइ, त परमातिमा क्रोधित होइके उनहीं सजा देत हें, पय जहाँ मूसा के बिधान हइअय नहिं आय, त उहाँ मूसा के बिधान के उलंघन होबय न करी।

16 एसे इआ साबित होत हय, कि मनई परमातिमा के वादा केबल बिसुआस से पाबत हें, अउर इआ उनखे किरपा से सेंत-मेंत माहीं मिलत हय। इआमेर से परमातिमा के वादा अब्राहम के सगले सन्तानन के खातिर निस्चित हय, न केबल उनखे खातिर जउन मूसा के बिधान के पालन करत हें, बलकिन उनहूँ पंचन के खातिर घलाय आय, जउन अब्राहम कि नाईं बिसुआस रक्खत हें। अउर ईंन अब्राहम हमार पंचन के कुल पिता आहीं। 17 जइसन पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, कि “हम तोंहईं खुब जातिअन के आत्मिक पिता ठहराएन हय”, अउर परमातिमा के नजर माहीं अब्राहम हमार पंचन के कुल पिता आहीं, अउर जउने परमातिमा के ऊपर अब्राहम के बिसुआस हय, ऊँ मरेन मनइन काहीं जिआबत हें, जउन बातँय हइअय नहिं आहीं, उनहूँ के नाम अइसन लेत हें, कि मानो ऊँ अबहिनव हईं। 18 अउर अब्राहम खुब निरासा माहीं घलाय, आसा कए परमातिमा के ऊपर बिसुआस किहिन, अउर जउन बचन ऊँ कहिन तय, कि “तोंहार बंस अइसन होई कि तूँ खुब जातिअन के आत्मिक पिता कहइहा।” 19 अउर अब्राहम जउन सव बरिस के होइगें तय, अउर अपने देंह के निबल अबस्था माही घलाय, अउर अपने मेहेरिआ सारा जउन लड़िका-बच्चा पइदा नहिं कइ सकत रही आँय, उनहूँ के हाल जाने के बादव आपन बिसुआस कमजोर नहीं किहिन। 20 अउर अपने बिसुआस माहीं बने रहिगें, अउर परमातिमा के दीन वादा के ऊपर संका नहीं किहिन, बलकिन बिसुआस माहीं अऊ मजबूत होइके परमातिमा के बड़ाई किहिन। 21 अउर उनहीं पूर भरोसा रहा हय, कि परमातिमा जउन वादा किहिन हीं, ऊँ ओही पूर करँइ के खातिर पूरी तरह से समरथी हें। 22 एसे अब्राहम इआ बिसुआस के कारन परमातिमा के नजर माहीं निरदोस ठहराए गें। 23 अउर पबित्र सास्त्र माहीं लिखा इआ बचन, कि “बिसुआस के द्वारा ऊँ परमातिमा के नजर माहीं निरदोस ठहराए गें”, न केबल उनहिन के खातिर आय, 24 बलकिन हमरे पंचन के खातिर घलाय आय, जउन परमातिमा के नजर माहीं निरदोस ठहराए जइत हएन, अरथात हमरे पंचन के खातिर जउन उनखे ऊपर बिसुआस करित हएन, उँइन हमरे पंचन के प्रभू यीसु काहीं मरेन म से जिआइन रहा हय। 25 उँइन यीसु हमरे पंचन के अपराधन के खातिर मार डारँइ के खातिर पकड़बाए गें, अउर

† *4:11 उत्प 17:11*

हमहीं पंचन काहीं परमातिमा के नजर माहीं निरदोस बनामँइ के खातिर मरेन म से पुनि जिआए गें।

परमातिमा से मेल-मिलाप

5 काहेकि हम पंचे, बिसुआस किहे के कारन परमातिमा के खातिर उनखे नजर माहीं निरदोस होइ गएन हँय, एसे हमरे पंचन के प्रभू यीसु मसीह के द्वारा हमार पंचन के परमातिमा से मेल-मिलाप होइगा हय। 2 अउर उँइन यीसु मसीह के द्वारा बिसुआस के कारन उआ किरपा माही हम पंचे बने हएन, अउर उनखे लघे तक हमार पंचन के पहुँच होइगे ही, अउर परमातिमा के जउन महिमा हमहीं पंचन काहीं मिलँइ के पूर आसा ही, ओमाहीं आनन्द मनाइत हएन। 3 केबल एतनय भर नहीं, बलकिन हमहीं पंचन काहीं दुख-मुसीबत माहीं घलाय आनन्द मनामँइ चाही, इआ जानिके कि दुख-मुसीबत से धीरज पइदा होत हय। 4 अउर धीरज धरे से निकहा चरित्र पइदा होत हय, अउर निकहा चरित्र से आसा पइदा होत ही। 5 अउर उआ आसा हमहीं पंचन काहीं निरास नहीं होंय देय, काहेकि जउन पबित्र आत्मा हमहीं पंचन काहीं दीन ग हय, उहय पबित्र आत्मा के द्वारा परमातिमा के प्रेम हमरे पंचन के हिरदँय माहीं बहुतायत से डारा ग हय। 6 काहेकि जब हम पंचे मुक्ती पामँइ माहीं असमर्थ रहेन हय, अउर परमातिमा के हुकुमन काहीं नहीं मानत रहे आहेन, तऊ हमरे पंचन के खातिर मसीह उचित समय म खुद काहीं बलिदान किहिन। 7 अउर परमातिमा के बिधान काहीं निकहा से पालन करँइ बाले मनई के खातिर कोऊ मरय, इआ त बड़ा मुसकिल हय, पय होइ सकत हय, कि कोऊ भले मनई के खातिर मरऊँ काहीं तइआर होइ जाय। 8 पय परमातिमा हमरे पंचन के ऊपर अपने प्रेम के भलाई इआमेर से देखाइन, कि जब हम पंचे पापी रहेन हय, तऊ हमरे पंचन के खातिर मसीह आपन जान दइ दिहिन। 9 एसे अब हम पंचे उनखे खून के कारन परमातिमा के नजर माहीं निरदोस होइ गएन हँय, त यीसु मसीह के द्वारा परमातिमा के क्रोधपूर्न सजा से जरूर बचाए जाब। 10 काहेकि जब हम पंचे परमातिमा के बिरोध माही काम कइके उनखर बइरी रहेन हय, तब उनखर लड़िका यीसु मसीह अपने मउत के द्वारा अपने पिता परमातिमा के साथ हमार पंचन के मेल-मिलाप कराय दिहिन हीं, पुनि जब हमार पंचन के मेल-मिलाप होइगा हय, त उनखे जीबन के द्वारा हम पंचे जरूर मुक्ती पाउब। 11 अउर केबल एतनय भर नहीं, बलकिन जउन हमार पंचन के प्रभू यीसु मसीह के द्वारा परमातिमा से मेल-मिलाप होइगा हय, एखे बारे माहीं हम पंचे आनन्द घलाय मनाइत हएन।

आदम के द्वारा मउत अउर मसीह के द्वारा अनन्त जीबन

12 एसे जइसन एकठे मनई अरथात आदम के द्वारा संसार माही पाप आइगा, अउर पाप के कारन मउत आइगे, अउर इआमेर से मउत सगले मनइन माहीं फइलगे, काहेकि सगले मनई पाप किहिन हीं। 13 काहेकि संसार माहीं मूसा के बिधान के आमँइ से पहिले, सगले संसार माहीं पाप रहा हय, पय जहाँ मूसा के बिधान नहीं रहय, त उहाँ कोहू के पाप नहीं गिना जाय। 14 पय आदम से लइके मूसा नबी के समय तक, मउत ऊँ मनइन के ऊपर घलाय राज करत रहिगे, जउन आदम कि नाईं परमातिमा के हुकुम उलंघन करँइ के पाप नहीं किहिन रहा आय, अउर आदम त आमँइ बाले मुक्तीदाता के प्रतीक रहे हँय।

15 पय जइसन अपराध के दसा ही, उआमेर किरपा के बरदान के नहिं आय, काहेकि जब एकठे मनई के अपराध के कारन, खुब मनइन के मउत होइगे, त परमातिमा के किरपा अउर उनखर जउन दान हय, एकठे मनई के अरथात यीसु मसीह के किरपा के द्वारा सगले मनइन काहीं बहुतायत से मिला हय। 16 अउर जइसन एकठे मनई के पाप किहे के परिनाम भ, उआमेर दान के दसा नहिं आय, काहेकि एकयठे मनई के कारन सजा देंइ के हुकुम के फँइसला भ, पय खुब अपराधन के कारन अइसन बरदान पइदा भ, कि मनई परमातिमा के नजर माहीं निरदोस ठहरँय। 17 काहेकि जब एकठे मनई के अपराध के कारन मउत राज किहिस, त जउन मनई किरपा अउर परमातिमा के नजर माहीं निरदोस होंइ के बरदान बहुतायत से पाबत हें, ऊँ पंचे एकयठे मनई अरथात यीसु मसीह के द्वारा जरूर अनन्त जीबन माहीं राज करिहँय।

18 एसे जइसन एकठे अपराध के कारन सगले मनइन काहीं दोसी ठहराबा ग, उहयमेर यीसु मसीह परमातिमा के हुकुम मानिके, हमरे पंचन के खातिर बलिदान भें, अउर ओहिन के द्वारा सगले मनई अनन्त जीबन पामँइ के खातिर, परमातिमा के नजर माहीं निरदोस ठहराए जात हें। 19 जइसन एकठे मनई के हुकुम न मानँइ के कारन खुब मनई पापी ठहरें, उहयमेर एकठे मनई के हुकुम मानँइ के कारन खुब मनई परमातिमा के नजर माहीं निरदोस ठहरिहँय। 20 पय मूसा के बिधान बीच माहीं आइगा, कि खुब अपराध होंय, पय जहाँ पाप खुब भ, उहाँ परमातिमा के किरपा ओहू से घलाय जादा भय। 21 अउर जइसन मउत के द्वारा पाप मनइन के ऊपर राज किहिस, ठीक उहयमेर परमातिमा के किरपा घलाय, हमरे पंचन के प्रभू यीसु मसीह के द्वारा अनन्त जीबन के खातिर, मनइन काहीं परमातिमा के नजर माहीं निरदोस ठहराबत राज करय।

पाप के खातिर मरब अउर मसीह के खातिर जिअब

6 त पुनि हम पंचे का कही? का हम पंचे अपने जीबन के द्वारा हमेसा पाप करतय रही, कि जउने परमातिमा के किरपा हमरे पंचन के ऊपर खुब होय? 2 नहीं, बेलकुल नहीं, काहेकि जब हम पंचे पाप के सम्बन्ध से पूरी तरह से मुक्त होइ गएन हय, त हम पंचे पाप कइ-कइके कइसन जीबन जि सकित हएन। 3 का तूँ पंचे इआ नहीं जनते आह्या, कि हम पंचे जेतने जन मसीह यीसु के बपतिस्मा लिहेन हय, त उनखे मउत के बपतिस्मा लिहेन हय। 4 एसे उनखे मउत के बपतिस्मा लिहे के कारन, हमहूँ पंचे घलाय उनखे साथ गाड़े गएन हय, कि जइसन पिता परमातिमा, अपने महिमामय सक्ती के द्वारा मसीह काहीं मरेन म से जिआइन रहा हय, उहयमेर हमरव पंचन के चाल-चलन नबा जीबन के मुताबिक होय।

5 काहेकि जइसन यीसु मसीह, मनइन काहीं पाप के सजा से बचामँइ के खातिर मरिगें तय, उहयमेर हमहूँ पंचे पाप के खातिर मर गएन हय, अरथात पाप के सम्बन्ध से पूरी तरह से मुक्त होइ गएन हय, त जइसन यीसु मसीह मरेन म से जिन्दा होइगें तय, उहयमेर हमहूँ पंचे जरूर जिन्दा होइ जाब। 6 अउर हम पंचे इआ जानित हएन, कि हमार पंचन के पुरान पापी सुभाव यीसु मसीह के साथ क्रूस माहीं चढ़ाय दीन ग हय, कि जउने हमार पंचन के पाप के इआ देंह नास होइ जाय, अउर आँगे हम पंचे पाप के दासता माहीं न रही। 7 काहेकि जे कोऊ मरिगा, उआ पाप के बन्धन से मुक्त होइगा। 8 एसे अगर हम पंचे मसीह के साथ मरि गए हएन, त हमार पंचन के इआ बिसुआस हय, कि हम पंचे उनखे साथ जिन्दव रहब। 9 काहेकि हम पंचे इआ जानित हएन, कि मसीह मरेन म से जिन्दा होए के बाद कबहूँ न मरिहँय, अरथात ऊँ अमर हें; अउर उनखे ऊपर कबहूँ मउत के बस न चली। 10 काहेकि जउन मउत ऊँ मरे हँय, ऊँ हमेसा के खातिर पाप के हिंसाब चुकामँइ के खातिर एक बेरकिन मरे हँय, पय जउन जीबन ऊँ जि रहे हँय, उआ जीबन परमातिमा के खातिर आय। 11 एसे तुहूँ पंचे घलाय, पाप करँइ के खातिर अपने-आप काहीं मरे कि नाईं समझा, पय यीसु मसीह माहीं परमातिमा के खातिर जिन्दा समझा।

12 अउर तूँ पंचे अपने नासवान देंह माहीं पाप काहीं सासन न करँइ द्या, जउने तूँ पंचे पाप के बुरी इच्छन काहीं पूर न कए पाबा। 13 अउर अपने देंह के अंगन काहीं, अधरम के सेबा के खातिर अरथात बुरे कामन काहीं करँइ के खातिर पाप काहीं न सउँपा, बलकिन अपने-आप काहीं मरेन म से जिन्दा होइ जाँइ बाला समझिके परमातिमा काहीं सउँपि द्या, अउर अपने देंह के अंगन काहीं धारमिकता के कामन काहीं करँइ के साधन के रूप माहीं परमातिमा काहीं सउँपि द्या। 14 जउने तोंहरे पंचन के जीबन माहीं पाप

सासन न करय, काहेकि तूँ पंचे मूसा के बिधान के सहारे जीबन नहीं जीते आह्या, बलकिन परमातिमा के किरपा के सहारे जीते हया।

धारमिकता के दास

15 त एसे क भ? का हम पंचे एसे पाप करत रही, कि हम पंचे मूसा के
बिधान के अधीन नहिं आहेन, बलकिन किरपा के अधीनता माहीं जीबन
बिताइत हएन? नहीं, बेलकुल नहीं, हम पंचे पाप न करी! 16 अउर का तूँ पंचे
इआ नहीं जनते आह्या, कि जेखर हुकुम मानँइ के खातिर तूँ पंचे अपने-आप
काहीं दास कि नाईं सउँपि देते हया, त ओहिन के दास होइ जाते हया; त
पुनि तूँ पंचे चाह पाप के दास बना, जउन तोहईं पंचन काहीं मारि डारी,
अउर चाह परमातिमा के हुकुमन के दास बना, जउन परमातिमा के नजर
माहीं अच्छे काम हें उनहीं करँइ कइती लइ जात हें। 17 पय हम परमातिमा
के धन्यबाद करित हएन, कि तूँ पंचे जउन पहिले बुरे कामन काहीं करँइ के
कारन पाप के दास बने रहे हया, त अब तूँ पंचे अपने पूरे मन से उआ
उपदेस काहीं मानँइ बाले बन गया हय, जउन तोंहईं पंचन काहीं सँउपा ग
रहा हय। 18 अउर अब तूँ पंचे पाप के चंगुल से मुक्ती पाइके, परमातिमा के
नजर माहीं जउन निकहे काम हें, उनखर दास बन गया हय। 19 अउर हम
तोंहरे पंचन के देंह के निबल दसा होंइ के कारन, मनइन के रीति के
मुताबिक कहित हएन, कि जइसन तूँ पंचे अपने देंह के अंगन काहीं, कुकर्म
करँइ के खातिर, अउर असुद्धता अउर कुकर्म के दास होंइ के खातिर घलाय
सउँपि दिहा तय, उहयमेर अब अपने अंगन काहीं पबित्र होंइ के खातिर,
परमातिमा के नजर माहीं जउन निकहे काम हें, उनखर दास के रूप माही
सउँपि द्या। 20 अउर जब तूँ पंचे पाप के दास अरथात पाप माहीं जीबन
बिताबत रहे हया, तब परमातिमा के नजर माहीं जउन निकहे काम हें, उनखे
तरफ से तूँ पंचे अजाद रहे हया। 21 मसीह के ऊपर बिसुआस करँइ से पहिले
जउने कामन से तूँ पंचे आनन्दित होत रहे हया, अब तूँ पंचे उँइन कामन से
सरमिन्दा होते हया, काहेकि ऊँ कामन के अन्त त मउत हय। 22 पय अब तूँ
पंचे पाप के बन्धन से अजाद होइके, परमातिमा के दास बन गया हय, अउर
अपने जीबन माहीं पबित्रता के फर पइदा कइ रहे हया, जेखर परिनाम हय
अनन्त जीबन। 23 अउर जे कोऊ पाप करत हय, त ओखे बदले माहीं ओही
अनन्तकाल के मउत मिली, पय परमातिमा के बरदान इआ हय, कि जे
कोऊ हमरे पंचन के प्रभू मसीह यीसु के ऊपर बिसुआस करी, त ओही
अनन्त जीबन मिली।

बिबाहित जीबन के उदाहरन

7 हे बिसुआसी भाई-बहिनिव, का तूँ पंचे इआ नहीं जनते आह्या, कि
हम मूसा के बिधान काहीं जानँइ बालेन से कहित हएन, कि जब तक
कउनव मनई जिअत रहत हय, तब तक ओखे ऊपर मूसा के बिधान के
अधिकार रहत हय? 2 उदाहरन के खातिर जब कउनव मेहेरिआ के काज
होइ जात हय, त ओखे बाद उआ अपने मंसेरुआ के साथ मूसा के बिधान के
मुताबिक तब तक बन्धन माहीं रहत ही, जब तक उआ जिअत हय, पय जब
ओखर मंसेरुआ मर जात हय, त उआ काजे के नेमन के बन्धन से मुक्त होइ
जात ही। 3 पय अगर उआ अपने मंसेरुआ के जिन्दय दुसरे मंसेरुआ के रहि
जाय, त उआ दुसरे मंसेरुआ से ब्यभिचार करँइ बाली कहाई, पय अगर
ओखर मंसेरुआ मर जात हय, त उआ काजे के नेमन के बन्धन से मुक्त होइ
जात ही, इहाँ तक कि अगर उआ कउनव दुसरे मंसेरुआ के रहि जात ही,
तऊ उआ दुसरे मंसेरुआ के साथ ब्यभिचार करँइ बाली न कहाई। 4 एसे हे
हमार भाई-बहिनिव, इहइमेर मसीह के देंह के द्वारा मूसा के बिधान काहीं
पालन करँइ से तुहूँ पंचे घलाय मुक्त होइ चुके हया, जउने अब तुहूँ पंचे दुसरे
से सम्बन्ध जोड़ सका, अरथात उनसे जउन मरेन म से जि उठे हँय, जउने
हम पंचे परमातिमा के खातिर फर देंइ बाला जीबन जी सकी। 5 काहेकि जब
हम पंचे, मन के बुरी इच्छन के मुताबिक जिअत रहे हएन, त पाप करँइ के
बुरी इच्छा, जउन मूसा के बिधान के कारन आई रही हँय, जिनखर अन्त
मउत हय, ऊँ हमरे पंचन के देंह के अंगन काहीं अपने काबू माहीं कए रही
हँय। 6 पय अब हमहीं पंचन काहीं मूसा के बिधान के बन्धन से छुटकारा
मिल ग हय, काहेकि जउने मूसा के बिधान के अधीनता माहीं हमही पंचन
काहीं बंदी बनाबा ग रहा हय, हम पंचे ओखे सम्बन्ध से पूरी तरह से मुक्त
होइ चुके हएन। जउने अब हम पंचे मूसा के लिखे पुरान बिधान से नहीं,
बलकिन पबित्र आत्मा के नए बिधान के मुताबिक अपने परमातिमा के सेबा
करी।

मूसा के बिधान के द्वारा पाप के पहिचान

7 त पुनि हम पंचे का कही? का मूसा के बिधान पाप आय? नहीं, बेलकुल
नहीं! अगर मूसा के बिधान न होत, त हम पाप काहीं न जाने पाइत, अगर
मूसा के बिधान न बताबत कि लालच न करा, त हम लालच काहीं न
जानित। 8 पय पाप मोका पउतय हुकुम के द्वारा, हमरे जीबन माहीं हरेकमेर
के लालच पइदा कइ दिहिस, काहेकि अगर मूसा के बिधान न होत त पाप
मरे कि नाईं होत। 9 एक समय हम बिना मूसा के बिधान के जिअत रहे
हएन, पय जब मूसा के बिधान के हुकुम आइगा, त पाप जि आबा, अउर
हम मर गएन। 10 अउर उहय मूसा के बिधान के हुकुम जउन अनन्त जीबन
देंइ के खातिर रहा हय, हमरे खातिर मउत लइ आबा। 11 काहेकि पाप काहीं
मोका मिलिगा, अउर उआ उहय मूसा के बिधान के हुकुम के द्वारा हमहीं
बहकाय दिहिस, अउर उहय हुकुम के द्वारा हमहीं मारिव डारिस। 12 इआमेर
से मूसा के बिधान पबित्र हय, अउर उआ हुकुम घलाय पबित्र, सही, अउर
परमातिमा के नजर माहीं निकहा हय। 13 त पुनि का एखर मतलब इआ हय,
कि उआ जउन निकहा हय, उहय हमरे मउत के कारन बनिगा? नहीं,
बेलकुल नहीं, बलकिन पाप उआ निकहे के द्वारा हमरे खातिर मउत के
कारन एसे बना, कि पाप काहीं पहिचाना जाय सकय, अउर मूसा के बिधान
के हुकुम के द्वारा ओखे भयानक पापमय दसा काहीं देखाबा जाय सकय।

मनई के मन अउर आत्मा के लड़ाई

14 काहेकि हम पंचे त जनतय हएन, कि मूसा के बिधान त आत्मिक हय,
पय हम त हाड़ा अउर माँस के बने मनई आहेन, जउन बुरे कामन काहीं
कइके पाप के हाँथ माहीं बिके हएन। 15 अउर हम नहीं जानी कि हम का
करित हएन, काहेकि हम जउन काम करँइ चाहित हएन, उआ काम नहीं
करी, बलकिन हमहीं उहय काम करँइ परत हय, जउने काम से हम नफरत
करित हएन। 16 अउर अगर हम उहय काम करित हएन, जउन काम हम
नहीं करँइ चाही, त हम माने लेइत हएन, कि मूसा के बिधान निकहा हय।
17 पय वास्तव माहीं उआ हम न होहेंन, जउन इआ सगला काम कइ रहा
हय, बलकिन इआ सगला काम करँइ बाला हमरे भीतर बइठ पाप आय।
18 काहेकि, हम इआ जानित हएन, कि हमरे भीतर अरथात हमरे देंह माहीं
कउनव निकही चीज निबास नहीं करय, एसे कि हम निकहा काम करँइ त
चाहित हएन, पय करे नहीं पाई। 19 काहेकि जउन निकहा काम हम करँइ
चाहित हएन, उआ काम हम नहीं करी, बलकिन हम जउन काम नहीं करँइ
चाही, उहय बुरा काम हम करा करित हएन। 20 अउर अगर हम उहय काम
करित हएन, जउने काहीं नहीं करँइ चाही, त इआ सगला काम करँइ बाले
हम न होंहेन, बलकिन हमरे भीतर बइठ पाप आय। 21 एसे हम अपने देंह
माहीं इआ बिधान पाइत हएन, कि हम जब निकहा काम करँइ चाहित हएन,
त हमसे बुरा काम होइ जात हय। 22 काहेकि हम त परमातिमा के बिधान से
अपने पूरे मन से खुसी रहित हएन। 23 पय हम अपने अंगन माहीं, दूसर मेर
के बिधान काहीं काम करत देखित हएन, जउन हमरे सोच-बिचार करँइ
बाली बुद्धी से लड़ाई करत हय, अउर हमहीं पाप के बन्धन माहीं डारत हय,
अउर इहय बिधान अबहिनव हमरे अंगन माहीं काम करत हय। 24 हमार
किस्मत केतनी खराब ही! हमहीं इआ नास होंइ बाली देंह से को मुक्ती देई?
25 अउर हम परमातिमा के धन्यबाद करित हएन, जउन हमरे पंचन के प्रभू
यीसु मसीह के द्वारा हमरे भीतर बसे पाप के बन्धन से मुक्त किहिन हीं। एसे

हम अपने मन से त परमातिमा के बिधान के पालन करित हएन, पय अपने सरीर से पाप के बिधान के पालन करित हएन।

पबित्र आत्मा के द्वारा नबा जीबन

8 एसे अब जेतने जन मसीह यीसु के ऊपर बिसुआस करत हें, उनहीं कउनव सजा न मिली †। 2 काहेकि पबित्र आत्मा के बिधान जउन यीसु मसीह माहीं जीबन देत हय, हमहीं पाप के बिधान से जउन मउत के तरफ लइ जात हय, ओसे अजाद कइ दिहिस ही। 3 काहेकि जउन काम मूसा नबी के उआ बिधान, जउन मन के बुरी इच्छा के कारन निबल बनाय दीन ग रहा हय, नहीं कए पाइस, ओही परमातिमा अपने लड़िका काहीं हमरे पंचन कि नाईं देंह माहीं पठइके, जउने से हम पंचे पाप करित हएन, इआमेर से परमातिमा मनई के देंह माहीं पाप काहीं सजा दिहिन हीं 4 एसे कि हम पंचे जउन मन के बुरी इच्छन के मुताबिक नहीं, बलकिन पबित्र आत्मा के बताए मुताबिक चलित हएन, हमरे द्वारा मूसा के बिधान के नेम पूर कीन जाय। 5 काहेकि मन के बुरी इच्छन के मुताबिक चलँइ बाले मनई, मन के बातन माहीं आपन मन लगाबत हें; पय ऊँ मनई जउन पबित्र आत्मा के बताए मुताबिक चलत हें, पबित्र आत्मा के बातन माहीं आपन मन लगाबत हें। 6 अउर मन के बुरी इच्छन माहीं मन लगाउब त मउत †† आय, पय पबित्र आत्मा के बताए बातन माहीं मन लगाए से अनन्त जीबन अउर सान्ती मिलत ही। 7 काहेकि जउन मनई मन के बुरी इच्छन माहीं मन लगाबत हय, उआ परमातिमा से दुसमनी रक्खत हय, काहेकि उआ मनई न त परमातिमा के बिधान के अधीन आय, अउर न होइन सकय। 8 अउर ऊँ पंचे जउन मन के बुरी इच्छन के मुताबिक जिअत हें, परमातिमा काहीं खुसी नहीं कइ सकँय। 9 पय परमातिमा के आत्मा तोंहरे जीबन माहीं निबास करत हय, एसे तूँ पंचे मन के बुरी इच्छा के मुताबिक जीबन नहीं जीते आह्या, अगर कोहू के जीबन माही मसीह के आत्मा के निबास नहिं आय, त उआ मसीह के जन न कहाई। 10 अउर अगर मसीह तोंहरे जीबन माहीं हें, त तोंहार देंह पाप किहे के कारन मरी हय; पय परमातिमा तोंहईं पंचन काहीं अपने नजर माहीं निरदोस ठहराइन हीं, एसे तोंहार पंचन के आत्मा जिन्दा हय। 11 अउर परमातिमा जउने आत्मा से यीसु काहीं मरेन म से जिआइन रहा हय, उहय आत्मा तोंहरे भीतर निबास करत हय, अउर परमातिमा जउने आत्मा से यीसु काहीं मरेन म से जिआइन रहा हय, उहय आत्मा से तोंहरे पंचन के नास होंइ बाली देंह काहीं जिअइहँय।

12 एसे हे भाई-बहिनिव, हम पंचे पापी सुभाव के करजदार नहिं आहेन, कि मन के बुरी इच्छन के मुताबिक जीबन बिताई। 13 काहेकि तूँ पंचे, अगर मन के बुरी इच्छन के मुताबिक जीबन बितइहा, त आत्मिक रूप से मर जइहा, पय अगर परमातिमा के आत्मा के बताए मुताबिक अपने मन के बुरी इच्छन काहीं छोंड़ि देइहा, त आत्मिक रूप से जिअत रइहा। 14 एसे कि जेतने जन परमातिमा के आत्मा के बताए मुताबिक चलत हें, केबल उँइन परमातिमा के सन्तान कहइहँय। 15 काहेकि जउने आत्मा काहीं तूँ पंचे पाया हय, उआ तोंहईं दास बनामँइ के खातिर न होय मिला हय, कि तूँ पंचे पुनि डेरा, बलकिन उआ आत्मा तोंहईं पंचन काहीं परमातिमा के गोद लीन सन्तान बनामँइ के खातिर मिला हय, एहिन से हम पंचे परमातिमा काहीं हे अब्बा, हे पिता कहँइ लागित हएन। 16 अउर उआ पबित्र आत्मा खुदय हमरे आत्मा के साथ गबाही देत हय, कि हम पंचे परमातिमा के सन्तान आहेन। 17 अउर अगर हम पंचे परमातिमा के सन्तान आहेन, त उनखर बारिसदार घलाय आहेन, बलकिन परमातिमा के बारिसदार अउर मसीह के संगी बारिसदार घलाय आहेन, अउर अगर हम पंचे उनखे साथ दुख उठाइत हएन, त उनखे साथ महिमा माहीं भागीदार घलाय बनब।

भबिस्य माहीं मिलँइ बाली महिमा

18 काहेकि हमरे बिचार से इआ समय के हमार पंचन के दुख-मुसीबत, भबिस्य माहीं हमहीं पंचन काहीं मिलँइ बाली महिमा के आँगे कुछू न होंहीं। 19 काहेकि इआ सगला संसार बड़ी आसा लगाए, उआ समय के इन्तजार कइ रहा हय, जब परमातिमा के सन्तानन काहीं प्रगट कीन जई। 20 काहेकि सगला संसार अपने मरजी से नहीं, बलकिन आधीन करँइ बाले परमातिमा के तरफ से सराप के अधीन इआ आसा से कीन ग हय, 21 कि इआ सगला संसार घलाय खुदय बिनास के बन्धन से छुटकारा पाइके, परमातिमा के सन्तानन के महिमा समेत अजादी के आनन्द लेय। 22 काहेकि हम पंचे इआ जानित हएन, कि आज तक सगला संसार जइसन लड़िका पइदा होत समय मेहेरिआ के पीरा होत ही, उहयमेर कराहत अउर पीरा माहीं परे तड़प रहा हय। 23 अउर केबल इआ संसारय भर नहीं, बलकिन हमहूँ पंचे घलाय जिनहीं पबित्र आत्मा के पहिल फर मिला हय, खुदय हम पंचे अपने भीतर कराहित हएन, काहेकि हम पंचे परमातिमा के गोद लीन सन्तान होंइ के अरथात अपने पूरे देंह के मुक्ती पामँइ के इन्तजार करित हएन। 24 इहय आसा के द्वारा हमहीं पंचन काहीं मुक्ती मिली हय; पय जउने चीज के आसा कीन जात ही, जब उआ देखँइ काहीं मिल जात ही, त उआ आसा पूर होइ जात ही, काहेकि जउने चीज काहीं कोऊ देख लेत हय, त उआ ओखर आसा नहीं करय। 25 पय अगर हम पंचे जउने चीज काहीं नहीं देखी, ओखर आसा करित हएन, त ओखर धीरज के साथ इन्तजार घलाय करित हएन।

26 इहइमेर से पबित्र आत्मा घलाय जब हम पंचे निबल होइत हएन, त हमार पंचन के मदत करत हय, काहेकि हम पंचे नहीं जानी, कि प्राथना कउनमेर से करँइ चाही; पय पबित्र आत्मा खुदय अइसन आँह भर भरिके हमरे खातिर प्राथना करत हय, जेखर बखान नहीं कीन जाय सकय। 27 अउर सगले मनइन के मन के बातन काहीं जाँच करँइ बाले परमातिमा इआ जानत हें, कि पबित्र आत्मा के इच्छा का ही? काहेकि उआ उनखे पबित्र भक्तन के खातिर परमातिमा के मरजी के मुताबिक उनसे बिनती करत हय।

28 अउर हम पंचे इआ जानित हएन, कि जेतने मनई परमातिमा से प्रेम करत हें, अउर परमातिमा के मरजी के मुताबिक बोलाए गे हँय, त परमातिमा उनखे जीबन माहीं जउन कुछू करत हें, त उनखे भलाइन के खातिर करत हें। 29 अउर जिनहीं परमातिमा पहिलेन से चुनिन रहा हय, उनहीं पहिलेन से अपने लड़िका कि नाईं ठहराइन हीं, जउने ऊँ सगलेन भाई-बहिनिन माहीं, बड़े भाई कहामँय। 30 अउर जिनहीं परमातिमा पहिलेन से चुनिन रहा हय, उनहीं अपने लघे बोलाइन घलाय, अउर जिनहीं अपने लघे बोलाइन हीं, उनहीं अपने नजर माहीं निरदोस घलाय ठहराइन हीं, अउर जिनहीं अपने नजर माहीं निरदोस ठहराइन हीं, उनहीं आपन महिमा घलाय दिहिन हीं।

परमातिमा के प्रेम

31 एसे हम पंचे ईं बातन के बारे माहीं का कहि सकित हएन? अगर परमातिमा हमरे पच्छ माहीं हें, त हमार पंचन के बिरोध करँइ बाला को होइ सकत हय? अरथात कोऊ नहीं होइ सकय। 32 जब हमहीं पंचन काहीं मुक्ती देंइ के खातिर परमातिमा अपने एकलउते लड़िका काहीं बलिदान होंइ के खातिर दइ दिहिन हीं, त इआ सब दिहे के बाद, ऊँ अपने लड़िका के साथ हमहीं सब कुछ काहे न देइहँय? अरथात जरूर देइहँय। 33 अउर परमातिमा के चुने मनइन के ऊपर दोस कोऊ नहीं लगाय सकय, केबल परमातिमय लगाय सकत हें, काहेकि परमातिमा, ऊँ आहीं जउन उनहीं अपने नजर माहीं निरदोस ठहराइन हीं। 34 पुनि अइसन कोऊ नहिं आय, जउन परमातिमा के चुने मनइन काहीं दोसी ठहराई? केबल यीसु मसीह हें, जउन बलिदान होइगें तय, अउर मरेन म से जि घलाय उठे हँय, अउर परमातिमा के दहिने कइती बइठ हें, अउर हमरे पंचन के खातिर परमातिमा से बिनती घलाय करत हें।

---

† *(काहेकि ऊँ पंचे अब मन के बुरी इच्छा के मुताबिक नहीं चलय, बलकिन पबित्र आत्मा के बताए मुताबिक चलत हें।)* †† *आत्मिक मउत अरथात परमातिमा से हमेसा के खातिर अलगाव।*

35 अउर हमहीं पंचन काहीं मसीह के प्रेम से कोऊ अलग नहीं कइ सकय,
चाह उआ दुख-मुसीबत होय, चाह हमरे ऊपर अत्याचार होय, चाह अकाल
होय, चाह पहिनँय के खातिर ओन्हव न होय, चाह उआ जोखिम होय, अउर
चाह उआ तलबारय काहे न होय? 36 जइसन पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय,
कि

"हम पंचे दिन भर कतल होंइ के खातिर सँउपे जइत हएन; अरथात हम
पंचे बली होंइ बाली गड़रन कि नाईं समझे जइत हएन।"

37 पय ईं सगली बातन माहीं हम पंचे मसीह के द्वारा जउन हमसे प्रेम
करत हें, सानदार जीत पाय रहेन हँय। 38-39 काहेकि हम पंचे इआ निकहा से
जान लिहेन हय, कि परमातिमा के प्रेम से हमहीं पंचन काहीं कोऊ अलग
नहीं कइ सकय, जउन हमरे प्रभू मसीह यीसु के ऊपर बिसुआस किहे से
हमहीं पंचन काहीं मिला हय। एसे, चाह हम पंचे जिअत रही, चाह मर जई,
अउर एखे अलाबव हमहीं पंचन काहीं उनखे प्रेम से कोऊ अलग नहीं कइ
सकय। चाह ऊँ स्वरगदूत होंय, चाह ऊँ सासन करँइ बाले प्रधान होंय, अउर
चाह इआ समय के कउनव चीजँय होंय, चाह भबिस्य के कउनव चीजँय
होंय, चाह उआ कउनव आत्मिक सक्ती होय, अउर चाह इआ धरती के ऊपर
के कउनव चीज होय, चाह धरती के नीचे के कउनव चीज होय, अउर चाह
परमातिमा के बनाई कउनव चीज काहे न होय।

परमातिमा अउर उनखर चुने मनई

9 हम मसीह के ऊपर बिसुआस करित हएन, एसे हम झूँठ नहीं बोली,
पय हम सही कहित हएन, कि हमरे मन के सोच-बिचार पबित्र आत्मा
के अँगुआई से इआ गबाही देत हय, 2 कि हमहीं बड़ा दुख लागत हय, अउर
हमार मन हमेसा दुखी रहत हय। 3 काहेकि हम इहाँ तक चाहित हएन, कि
हमरे यहूदी जाति के भाई-बहिनी, जउन परमातिमा से दूरी होइगे हँय, अगर
हम उनखे खातिर मसीह के सराप काहीं अपने ऊपर लइके मसीह से भले
दूरी होइ जइत, पय ऊँ पंचे बच जातें। 4 एसे कि ऊँ पंचे इजराइल के बंस के
आहीं; अउर परमातिमा के गोद लीन सन्तान होंइ के हक्क उनहिन काहीं
मिला हय। अउर ऊँ पंचे परमातिमा के सामर्थ के कामन काहीं देखि चुके
हँय, अउर उनहिन के साथ परमातिमा करार घलाय किहिन तय, अउर मूसा
नबी के द्वारा अपने बिधान काहीं दिहिन रहा हय, अउर उनहिन काहीं मन्दिर
माहीं अराधना करँइ के खातिर कहिन तय। अउर उनहिन से वादा घलाय
किहिन तय, 5 अउर पुरखव † उनहिन के बंस के आहीं, अउर मसीह घलाय
मनई के रूप लइके उनहिन के कुल माहीं पइदा भें, जउन सगले मनइन के
परमातिमा आहीं, अउर उँइन मसीह जुग-जुग तक धन्य कहइहँय। आमीन!
6 पय अइसा नहिं आय कि परमातिमा आपन बचन पूर नहीं किहिन,
काहेकि जेतने इजराइल के बंस के हें, उनमा से सगले जने परमातिमा के
चुने न होंहीं। 7 अउर जेतने अब्राहम के बंस माही पइदा भें हँय, उनमा से
सगले अब्राहम के सच्चे सन्तान न कहइहँय, काहेकि पबित्र सास्त्र माहीं
लिखा हय, कि "इसहाक †† से जेतने पइदा होइहँय, उँइन तोंहार सच्ची
सन्तान कहइहँय।" 8 अरथात इआ कि संसारिक रूप से पइदा होंइ बाले
लड़िका- बच्चा परमातिमा के सन्तान न कहइहँय, बलकिन परमातिमा के
वादा के मुताबिक पइदा भें सन्तानय अब्राहम के बंस माने जइहँय।
9 काहेकि अब्राहम से परमातिमा अइसन वादा किहिन रहा हय, कि "अँगले
साल ‡ हम इहय समय माहीं जब दुसराय अउब, तब तोंहरे मेहेरिआ सारा के
एकठे लड़िका पइदा होइ चुका होई।" 10 अउर ऊँ लड़िका हमार पंचन के
पुरखा इसहाक आहीं, अउर जब ऊँ रिबका से काज किहिन, अउर रिबका
उनसे लड़कहाई भईं, अउर उनखे पेटे माहीं जोड़ीमा लड़िका रहे हँय।
11 अउर ऊँ लड़िकन के पइदा होंइ से पहिलेन, अउर उनखे कुछू नीक-नागा
करँइ से पहिलेन, परमातिमा कहिन, कि "बड़कबा ‡† लड़िका छोटकबा
लड़िका के दास होई।" 12 अउर परमातिमा इआ बतामँइ के खातिर रिबका
से कहिन कि, ऊँ कोहू काहीं ओखे निकहे कामन के कारन नहीं चुनँय,
बलकिन अपने मरजी के मुताबिक ओही चुनत हें। 13 जइसन पबित्र सास्त्र
माहीं घलाय लिखा हय, कि "परमातिमा कहिन, हम एसाव से जादा याकूब
से प्रेम ‡‡ किहेन हय।" 14 एसे हम पंचे का कही? का परमातिमा अन्याय
करत हें? नहीं, बेलकुल नहीं! 15 काहेकि परमातिमा मूसा नबी से कहिन हीं,
कि

"हम जेखे ‡‡† ऊपर दया करँइ चाहब, त ओखे ऊपर दया करब, अउर
जेखे ऊपर किरपा करँइ चाहब, त ओहिन के ऊपर किरपा करब।"

16 एसे कोहू के इच्छा के मुताबिक नहीं, अउर न कोहू के जादा कोसिस
किहे के कारन, परमातिमा ओही चुनँय, बलकिन ऊँ केही चुनत हें, इआ दया
करँइ बाले परमातिमा के हाँथे माहीं हय। 17 काहेकि जइसन पबित्र सास्त्र
माहीं लिखा हय, "परमातिमा ‡‡‡ मिस्र देस के राजा फिरौन से कहिन रहा
हय, कि 'हम तोहईं एसे राजा बनायन हय, कि तोंहरे ऊपर हम अपने सामर्थ
के कामन काहीं देखाई, जउने ऊँ कामन के द्वारा हमरे महिमा के प्रचार
धरती माहीं रहँइ बाले सगले मनइन के बीच माहीं होय। 18 एसे परमातिमा
जउने मनई के ऊपर दया करँइ चाहत हें, त ओखे ऊपर दया करते हें; अउर
जेखे मन काहीं कठोर करँइ चाहत हें, त ओखे मन काहीं कठोर कइ देत हें।

परमातिमा के क्रोध अउर उनखर दया

19 एसे तोंहरे पंचन म से कोऊ हमसे इआ कहि सकत हय, कि अगर
परमातिमा सब कुछ अपने मरजी से करत हें, त पुनि ऊँ काहे हमरे पंचन के
ऊपर दोस लगाबत हें? काहेकि परमातिमा के मरजी के कोऊ बिरोध नहीं
कइ सकय। 20 अउर हे भाई, तूँ को आह्या? तूँ त केबल मनई आह्या, जउन
परमातिमा काहीं उल्टहाव देते हया? त इआ बताबा, कि का कउनव बनी
चीज अपने बनामँइ बाले से कहि सकत ही, कि तूँ हमही अइसा काहे बनए
हया? 21 का कुम्हार काहीं इआ हक्क नहीं रहय, कि उआ माटी के लोंदन से
कुछ बरतन खास कामन के खातिर बनबय, जिनखर मनई आदर करत हें,
अउर कुछ बरतनन काहीं साधारन कामन के खातिर बनबय जिनखर मनई
आदर नहीं करँय। 22 त एमा कउन अचरज के बात ही, अगर परमातिमा
आपन सक्ती देखामँय के खातिर कुछ मनइन काहीं बनाइन, कि जउने उनखे
ऊपर आपन क्रोध देखामँइ, जउन नास होइन के खातिर तइआर कीन गे रहे
हँय, तऊ उनखर बड़े धीरज से सहत रहिगें। 23 अउर जउने मनइन के ऊपर
परमातिमा दया करत हें, उनहीं इआ देखामँइ के खातिर, कि ऊँ केतना
महान हें, उनखर सहत रहिगें, अउर ऊँ मनइन काहीं अपने बड़े सम्मान माहीं
भागीदार बनामँइ के खातिर पहिलेन से तइआर किहिन हीं। 24 अरथात हमरे
पंचन के ऊपर, जिनहीं परमातिमा केबल यहूदी लोगन भर से नहीं, बलकिन
गैरयहूदी लोगन म से घलाय चुनिन हीं। 25 अउर जइसन कि होसे नबी के
लिखी किताब माहीं लिखा हय §, कि

"जउन मनई पहिले हमार प्रजा नहीं रहे आहीं, उनहीं हम आपन प्रजा
बनाउब, अउर जउन मनई पहिले हमहीं पियार नहीं रहे आहीं, ऊँ अब हमहीं
पियार होइगें हँय।"

26 अउर ओमाहीं इहव घलाय लिखा हय §†,

"अउर अइसन होई, कि जउने जघा माहीं हम उनसे कहेन तय, कि तूँ पंचे
हमार प्रजा न होह्या, उहय जघा माहीं ऊँ पंचे जिन्दा परमातिमा के सन्तान
कहइहँय।"

27 अउर यसायाह नबी अपने लिखी किताब माहीं इजराइल के सन्तानन के
बारे माहीं चिल्लाइके कहत हें, कि "चाह इजराइल §†† के सन्तानन के
गिनती समुद्र के बारू के बराबर होय, तऊ उनमा से थोरिन काहीं मनई बचे
पइहँय।

28 काहेकि प्रभू अपने न्याय काहीं धरती के ऊपर पूरी तरह से अउर हरबिन
पूर करिहँय।"

† *पुरखव अरथात अब्राहम, इसहाक अउर याकूब उनहिन के बंस के आहीं* †† *9:7 उत्प 21:12* ‡ *9:9 उत्प 18:10,14* ‡† *9:11 उत्प 25:23*

‡‡ *9:13 मला 1:2,3* ‡‡† *9:15 निरग 33:19* ‡‡‡ *9:17 निरग 3:16* § *9:25 होसे 2:3* §† *9:26 होसे 1:10* §†† *9:27 यसा 10:22,23*

29 अउर जइसन यसायाह नबी भबिस्यबानी किहिन तय, कि “अगर
सर्बसक्तिमान प्रभू, हमरे पंचन के खातिर बंस न छोंड़ते, त हम पंचे सदोम †
अउर अमोरा कि नाईं पूरी तरह से नास होइ जइत।”

इजराइली लोगन के अबिसुआस

30 हमरे पंचन के कहँइ क मतलब इआ आय, कि गैरयहूदी लोग
परमातिमा के नजर माहीं निरदोस बनँइ के खोज माहीं नहीं रहे आहीं, तऊ
परमातिमा के नजर माहीं निरदोस बनिगें, काहेकि प्रभू यीसु मसीह के ऊपर
किहे बिसुआसय के कारन ऊँ पंचे परमातिमा के नजर माहीं निरदोस बनिगें
हँय। 31 पय इजराइल देस के मनई, खुद काहीं परमातिमा के नजर माहीं
निरदोस बनामँइ के खातिर, मूसा नबी के बिधान के पालन करत रहे हँय,
तऊ ऊँ पंचे निरदोस नहीं बन पाएँ। 32 काहे नहीं बन पाएँ? एसे कि ऊँ पंचे
मसीह के ऊपर बिसुआस नहीं किहिन, बलकिन मूसा के बिधान के पालन
कइके धरमी बनँइ के कोसिस करत रहे हँय, अउर मसीह जउन चट्टान कि
नाईं हें, ऊँ पंचे उनखे ऊपर बिसुआस न कइके ठोकर खाइन। 33 जइसन
पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय; “परमातिमा कहिन हीं, कि
‘देखा हम सिय्योन माहीं ठेस लागँइ के एकठे पथरा, अउर ठोकर खाँय के
चट्टान धरित हएन; अउर जे कोऊ ओखे ऊपर बिसुआस करी, उआ कबहूँ
लज्जित न होई’।”

10 हे भाई-बहिनिव, हमार बड़ी इच्छा हय, कि यहूदी जाति के सगले
मनई मुक्ती पामँय, एसे हम उनखे खातिर परमातिमा से प्राथना
करित हएन। 2 काहेकि हम उनखे बारे माहीं गबाही दइ सकित हएन, कि
उनमा परमातिमा के खातिर खुब उत्साह हय, पय इआ उत्साह बिबेक के
साथ नहिं आय। 3 अउर परमातिमा मनइन काहीं अपने नजर माहीं, कइसन
निरदोस बनाबत हे, ऊँ पंचे नहीं जानत रहे आँय, एसे कि ऊँ पंचे अपने
कामन से निरदोस बनँइ के कोसिस करत रहे हँय, इआ कारन से ऊँ पंचे
परमातिमा के नजर माहीं निरदोस नहीं बन पाएँ। 4 अउर जब से मसीह
आइगें, तब से परमातिमा के नजर माहीं निरदोस बनँइ के खातिर, मनइन
काहीं मूसा के बिधान के पालन करँइ के जरूरत नहीं रहिगे, काहेकि उनखे
ऊपर बिसुआस कइके हरेक मनई परमातिमा के नजर माहीं निरदोस बन
सकत हय।

सगले मनइन के खातिर मुक्ती

5 काहेकि मूसा नबी घलाय अपने किताब माहीं लिखिन हीं, कि “जउन
मनई बिधान के बातन काहीं पालन कइके, परमातिमा के नजर माहीं
निरदोस बनँइ चाहत हय, त अगर उआ बिधान के सगली बातन काहीं पूरी
तरह से पालन करी, त उआ इनहिन के कारन जिअत रही।” 6 पय जे कोऊ
बिसुआस कइके परमातिमा के नजर माहीं निरदोस बनँय चाहत हय, ओखे
बारे माहीं पबित्र सास्त्र माही लिखा हय, कि “तूँ अपने मन माहीं इआ न
सोचा, कि हमरे पंचन के खातिर यीसु मसीह काहीं धरती माहीं उतारिके लइ
आमँइ के खातिर, ऊपर स्वरग माहीं को जई?” 7 अउर इहव न सोचा कि
“मरेन म से जिआइके यीसु मसीह काहीं ऊपर लइ आमँइ के खातिर धरती
के नीचे को जई?” 8 अउर पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, कि “परमातिमा के
बचन तोंहरे लघेन हय, बलकिन उआ तोंहरे मुँहेन माहीं हय, अउर हिरदँय
माहीं घलाय हय।” इआ उहय बिसुआस करँइ बाला बचन आय, जउने के
हम पंचे प्रचार करित हएन, 9 कि अगर तूँ अपने मुँहे से यीसु काहीं प्रभू
जानिके सोइकार करिहा, अउर अपने पूरे मन से बिसुआस करिहा, कि
परमातिमा उनहीं मरेन म से जिआइन हीं, त तूँ जरूर मुक्ती पइहा।
10 काहेकि परमातिमा के नजर माहीं निरदोस बनँइ के खातिर, पूरे मन से
बिसुआस कीन जात हय, अउर मुक्ती पामँइ के खातिर अपने मुँहे से
सोइकार कीन जात हय। 11 काहेकि पबित्र सास्त्र माहीं इआ लिखा हय, कि
“जे कोऊ यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस करी, उआ कबहूँ लज्जित न होई
††।” 12 काहेकि यहूदी लोगन माहीं, अउर गैरयहूदी लोगन माहीं कउनव
भेदभाव नहिं आय, एसे कि सगले मनइन के प्रभू एकय आहीं, अउर उनखर
दया उन सगलेन के खातिर जेतने उनखर नाम लेत हें, उनहीं बड़ी उदारता से
असीसित करत ही। 13 “काहेकि जे कोऊ प्रभू के नाम लेई, उआ जरूर
मुक्ती पाई ‡।” 14 पय जउने परमातिमा के ऊपर ऊँ पंचे बिसुआस नहीं
करँय, त उनखर नाम ऊँ पंचे कइसन लइ सकत हें? अउर जउने परमातिमा
के बारे माहीं ऊँ पंचे सुनबय नहीं भें, त उनखे ऊपर ऊँ पंचे कइसन
बिसुआस कइ सकत हें? अउर अगर प्रचार करँइ बाले खुसी के खबर के
प्रचार न करँय, त मनई कइसन सुन सकत हें? 15 अउर अगर प्रचार करँइ
बाले पठए न जाँय, त ऊँ पंचे कइसन प्रचार कइ सकत हें? जइसन पबित्र
सास्त्र माहीं घलाय लिखा हय, कि “जउन खुसी ‡† के खबर सुनाबत हें,
उनखर मनइन के बीच माहीं आउब बड़ी खुसी के बात होत ही।” 16 पय
इजराइली लोगन म से सगले मनई उआ खुसी के खबर काहीं सोइकार नहीं
किहिन, जइसन यसायाह नबी अपने किताब माहीं घलाय लिखिन हीं, कि
“हे प्रभू, हमरे सुनाए खुसी के खबर के को बिसुआस किहिस ही ‡‡?”
17 एसे कि बचन सुने से बिसुआस पइदा होत हय, अउर जब कोऊ जाइके
मसीह के बारे माहीं प्रचार करत हय, तब मनइन काहीं सुनँय काहीं मिलत
हय। 18 पय हम पूँछित हएन कि, का इजराइल के सन्तान हमरे बताए खुसी
के खबर काहीं नहीं सुनिन? वास्तव माहीं ऊँ पंचे सुनिन त हय, काहेकि
पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, कि
“परमातिमा के बचन के प्रचार करँइ बाले सगले धरती माहीं प्रचार किहिन
हीं, अउर जउन बचन ऊँ पंचे सुनाइन हीं, उआ सगले संसार माहीं पहुँचिगा
हय ‡‡†।”
19 पुनि हम पूँछित हएन, कि का इजराइल के सन्तान बचन काहीं नहीं
समझत रहे आहीं? वास्तव माहीं ऊँ पंचे समझत त रहे हँय, काहेकि मूसा
नबी के लिखी किताब माहीं परमातिमा कहिन हीं, कि
“जउन हमार प्रजा ‡‡‡ न होंहीं, उनहीं हम अइसन आसीस देब, कि इआ
देखिके तोंहईं पंचन काहीं जलन पइदा होई, अउर जउन मनई हमरे बारे
माहीं कुछू नहीं जानत रहें, उआ मूढ़ जाति के द्वारा तोंहईं पंचन काहीं गुस्सा
देबाउब।”
20 पुनि यसायाह नबी बड़े साहस के साथ अपने लिखी किताब माहीं
परमातिमा के बात काहीं कहत हें, कि
“जे कोऊ § हमहीं नहीं ढूँढ़त रहे आहीं, ऊँ पंचे हमहीं पाइगे हँय; अउर जे
कोऊ हमहीं पुँछतिव तक नहीं रहे आहीं, उनखे ऊपर हम प्रगट होइ गएन।”
21 पय परमातिमा इजराइल के सन्तानन के बारे माहीं इआ कहत हें, कि
“हम हमेसा आपन हाँथ हुकुम न मानँइ बाली, अउर बाद-बिबाद करँइ
बाली, प्रजा कइती उनहीं अपनामँइ के खातिर फइलाए रहि गएन।”

इजराइली लोगन के ऊपर परमातिमा के दया

11 त इआ बताबा, कि का परमातिमा अपने प्रजा इजराइली लोगन
काहीं छोंड़ि दिहिन हीं? नहीं, बेलकुल नहीं, हमहूँ त इजराइली
जाति के अब्राहम के बंस अउर बिन्यामीन के कुल के आहेन। 2 अउर
परमातिमा अपने उआ प्रजा इजराइली लोगन काहीं जिनहीं पहिलेन से
चुनिन रहा हय, उनहीं अबहिनव नहीं छोंड़िन आहीं, का तूँ पंचे नहीं जनते
आह्या? कि पबित्र सास्त्र माहीं एलिय्याह नबी के बारे माहीं लिखा हय; कि
एलिय्याह इजराइली लोगन के बिरोध माहीं परमातिमा से बिनती करत हें,
3 कि “हे प्रभू, ऊँ पंचे अपना के सँदेस बतामँइ बालेन काहीं मारि डारिन हीं,
अउर अपना के बेदिअन काहीं फोरिके नास कइ दिहिन हीं; अउर अपना के
सँदेस बतामँइ बालेन म से केबल हमहिंन भर बचेन हय, अउर ऊँ पंचे हमहूँ
काहीं मारि डारँइ के कोसिस माहीं लगे हँय। §†” 4 पय परमातिमा उनहीं का
जबाब दिहिन? कि “हम अपने खातिर सात हजार मनइन काहीं बचाए

† *9:29 यसा 1:9*

†† *10:11 यसा 28:16* ‡ *10:13 योए 2:32* ‡† *10:15 यसा 52:7* ‡‡ *10:16 यसा 53:1* ‡‡† *10:18 भज 19:4* ‡‡‡ *10:19 ब्यब 32:21* § *10:20 यसा 65:1* §† *11:3 1 राजा 10:10-14*

हएन, जउन न बाल देउता के आँगे गोड़न गिरें, अउर न ओखर पूजय किहिन आय।" 5 ठीक इहइमेर से इआ समय माहीं घलाय, परमातिमा के किरपा से चुने कुछ मनई बाँकी हँय। 6 अउर अगर इआ चुना जाब, परमातिमा के किरपा से भ हय, त इआ चुना जाब उनखे कामन से नहीं भ आय, अउर अगर इआ उनखे कामन से होत, त परमातिमा के किरपा बेकार ठहरत। 7 त एखर परिनाम का भ? इआ भ, कि इजराइली लोग परमातिमा के किरपा पामँइ के कोसिस माहीं लगे रहे हँय, पय उनहीं नहीं मिली, बलकिन जउन मनई परमातिमा के चुने रहे हँय, उनहीं उनखर किरपा मिलिगे, अउर उनखे अलाबा दुसरे मनइन काहीं परमातिमा कठोर बनाय दिहिन। 8 जइसन पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, कि

"परमातिमा † उनहीं पंचन काहीं आजव के दिन तक भारी नींद माहीं डारे हें, अउर अइसन आँखी दिहिन हीं, कि 'ऊँ पंचे परमातिमा के किरपा काहीं देखत हें, पय देखेव से जाने नहीं पामँय', अउर अइसन 'कान दिहिन हीं, कि ऊँ पंचे अपने कान माहीं सुनत हें, पय सुनेव से नहीं समझे पामँय'।"

9 अउर राजा दाऊद घलाय कहत हें; कि "ऊँ पंचे †† जउन खाँय-पिअँइ माहीं परे हँय, उआ उनखे खातिर जाल अउर फन्दा बन जाय, अउर ठोकर खाँइके अउर सजा पामँइ के कारन बन जाय।

10 अउर उनखे आँखिन माहीं अँधिआर छाय जाय, जउने देखे न पामँय, अउर अपना उनखे ऊपर बिपत्ती डारे रही, जउने उनखर पिठाँह झुकी रहँय।"

11 एसे हम पूँछित हएन, कि का ऊँ पंचे एसे ठोकर खाइन, कि गिरिके नास होइ जाँय? नहीं, बेलकुल नहीं, बलकिन उनखे अपराध किहे के कारन गैरयहूदी लोगन काहीं मुक्ती मिली हय, जउने यहूदी लोगन काहीं जलन पइदा होय। 12 एसे अगर उनखे अपराध कइके भटक जाँइ के कारन सगले संसार के मनइन काहीं जउन गैरयहूदी हें, आसिरबाद अउर फायदा मिला हय, त अगर ऊँ पंचे अपने अपराध काहीं सोइकार कइके, परमातिमा से मुक्ती पाइके आसिरबाद से भरपूर होइ जइहँय, त केतना फायदा न होई।

गैरयहूदी लोगन काहीं मुक्ती मिलब

13 हम तोंहसे पंचन से ईं बातन काहीं कहित हएन, जउन गैरयहूदी आह्या, काहेकि परमातिमा हमहीं तोंहरे बीच माहीं यीसु मसीह के खास चेला के रूप माहीं पठइन हीं, अउर हम अपने खुसी के खबर सुनामँइ के सेबा काहीं खुब खास मानित हएन। 14 इआ आसा से कि हम अपने यहूदी लोगन माहीं घलाय जलन पइदा कराय सकी, अउर उनमा से कुछ जनेन काहीं मुक्ती देबाय सकी। 15 काहेकि अगर परमातिमा के द्वारा उनहीं छोंड़ दीन जाब, संसार के गैरयहूदी लोगन के खातिर, परमातिमा के साथ उनखर मेल-मिलाप होइगा, त पुनि उनखर परमातिमा द्वारा सोइकार कइ लीन जाब, का मरेन म से जि उठँय के बराबर न होई? जरूर होई। 16 अगर हमरे पंचन के भेंट के कुछ हिस्सा पबित्र हय, त का उआ सगलय पबित्र न होई? हाँ, जरूर होई, काहेकि अगर बिरबा के जर पबित्र ही, त ओखर सगली डेरइआ घलाय पबित्र होइहँय।

17 हम इआ बात काहीं इआ उदाहरन से समझाइत हएन, अगर निकहे जैतून के बिरबा ‡ से कुछ डेरइआ टोरिके फेंक दीन गई हँय, अउर तोंहईं पंचन काहीं जउन जंगली जैतून के बिरबा के डेरइआ आह्या, कलम बनाइके उनखे जघा माहीं उआ निकहे जैतून के बिरबा माहीं जोड़ दीन ग हय, जउने उआ बिरबा के जर से दुसरे डेरइअन कि नाईं तोंहऊँ काहीं ताकत मिलय। 18 त तोंहईं पंचन काहीं, उन डेरइअन के आँगे जउन टोरिके फेंकि दीन गई हँय, घमन्ड न करँइ चाही, अउर अगर तूँ पंचे घमन्ड करते हया, त इआ सुधि रक्खा, कि तूँ जर के पालन-पोसन नहीं कइ रहे आह्या, बलकिन उआ जरय तोंहार पंचन के पालन-पोसन करत ही। 19 अउर अब तूँ पंचे इआ कइहा, कि ऊँ डेरइआ एसे टोरी गईं, कि जउने हम पंचे कलम बनाइके उनखे जघा माहीं जोड़े जई। 20 इआ बात सही आय, कि ऊँ पंचे मसीह के ऊपर बिसुआस नहीं किहिन, एसे उआ बिरबा से टोरिके फेंक दीनगें, पय तूँ पंचे मसीह के ऊपर बिसुआस किहे के कारन उआ बिरबा माहीं जुड़े हया एसे घमन्ड न किहा, बलकिन परमातिमा के भय मानत रहा। 21 काहेकि जब परमातिमा उआ बिरबा के असली डेरइअन काहीं टोरिके फेंक दिहिन हीं, त अगर तुहूँ पंचे बिसुआस माहीं न बने रइहा, त टोरिके फेंक दीन जइहा। 22 एसे तूँ पंचे परमातिमा के दया अउर कठोरता के ऊपर ध्यान रक्खा! इआ कठोरता उनखे खातिर आय जउन बिसुआस से भटकिगें हँय, पय परमातिमा के दया तोंहरे पंचन के खातिर आय, पय अगर तूँ पंचे मसीह के ऊपर किहे बिसुआस माहीं बने न रइहा, त तुहूँ पंचे उआ बिरबा से काटिके फेंक दीन जइहा। 23 अउर अगर ऊँ पंचे मसीह के ऊपर बिसुआस कइ लेइहँय, त ऊँ कलम बनाइके उआ बिरबा माहीं जोड़ दीन जइहँय, काहेकि परमातिमा उनहीं पुनि जोड़ सकत हें। 24 काहेकि तूँ पंचे, जंगली जैतून के बिरबा के डेरइआ आह्या, जउन सुभाबय से जंगली हय, ओमा से काटे गया हय, अउर निकहे जैतून के बिरबा माहीं ओखे सुभाव के बिरुद्ध तूँ पंचे कलम बनाइके ओमा जोड़े गया हय, त का उआ निकहे जैतून के बिरबा के जउन असली डेरइआ आहीं, अपनेन बिरबा माहीं न जोड़ी जइहँय? अरथात जरूर जोड़ी जइहँय।

इजराइली लोगन काहीं मुक्ती मिलब

25 हे भाई-बहिनिव, कहँव अइसा न होय, कि तूँ पंचे अपने-आप काहीं बुद्धिमान समझ ल्या, एसे हम चाहित हएन, कि तूँ पंचे इआ भेद काहीं जानिल्या, कि परमातिमा के राज माहीं गैरयहूदी लोग जब तक पूरी तरह से प्रबेस न कइ लेइहँय, तब तक इजराइली लोगन म से कुछ जने अइसय कठोर बने रइहँय। 26 अउर इआमेर से सगले इजराइली लोगन काहीं परमातिमा मुक्ती देइहँय; जइसन पबित्र सास्त्र माहीं घलाय लिखा हय; कि "मुक्ती देंइ बाले सिय्योन से अइहँय; अउर ऊँ याकूब के सन्तानन से सगले बुरे कामन काहीं दूर करिहँय।" 27 अउर उनखे साथ हमार इहय करार होई, कि हम उनखे जीबन से उनखे पापन काहीं दूर कइ देब। 28 अउर खुसी के खबर के ऊपर बिसुआस न किहे के कारन ऊँ पंचे परमातिमा के बइरी बनिगे हँय, एसे तोंहईं पंचन काहीं फायदा मिला हय, पय अगर ऊँ पंचे परमातिमा के द्वारा पहिलेन से चुनि लीनगे हँय, त परमातिमा द्वारा उनखे बाप-दादन काहीं दीन बचन के कारन ऊँ पंचे घलाय पियार होइहँय। 29 काहेकि परमातिमा जेही चुनि लेत हें, ओही कबहूँ नहीं छोंड़य, अउर जउन बरदान देत हें, ओही पूरा करँइ से कबहूँ पीछे नहीं हटँय। 30 काहेकि जइसन पहिले तुहूँ पंचे, परमातिमा के हुकुम काहीं नहीं मानत रहे आह्या, पय उनखे द्वारा परमातिमा के हुकुम काहीं न मानँइ के कारन, अब तोंहरे ऊपर दया भे ही। 31 उहयमेर अब ऊँ पंचे परमातिमा के हुकुम नहीं मानँय, काहेकि परमातिमा के जउन दया तोंहरे ऊपर भे ही, इहइमेर उनहूँ पंचन के ऊपर घलाय एक दिन दया होई। 32 काहेकि परमातिमा सगले मनइन काहीं उनखे हुकुम काहीं न मानँइ के कारन पाप के बन्धन माहीं डार दिहिन हीं, कि जउने एक दिन सगले मनइन के ऊपर दया करँय। 33 बाह! परमातिमा केतने अदभुत हें, उनखर ग्यान अउर बुद्धी अउर दया रूपी धन अपरम्पार हय! उनखे निरनय अउर उपायन काहीं समझ पाउब असम्भव हय। 34 अउर

प्रभू के बुद्धी काहीं कोऊ नहीं जान सकय, अउर न उनहीं कोऊ सलाह देंइ बाला होइ सकय।

35 अउर न परमातिमा ‡† काहीं कोऊ कुछू देबय भ आय, कि परमातिमा ओही ओखर बदला देंय।

36 काहेकि सब कुछ उनहिन के बनबा आय, अउर उनहिन के द्वारा सब स्थिर हय, अउर सब कुछ उनहिन के आय, उनखर बड़ाई जुग-जुग होत रहय। आमीन!

---

† *11:8 यसा 29:10; ब्यब 29:4* †† *11:9 भज 69:22,23* ‡ *निकहा जैतून के बिरबा के जर अब्राहम आहीं अउर ओखर डेरइआ उनखर बंस आहीं, अउर जंगली जैतून के बिरबा के डेरइआ गैरयहूदी लोग आहीं*

‡† *11:35 अय्यू 41:11*

परमातिमा के सेबा के खातिर आपन जीबन अरपन करा

12 हे भाई-बहिनिव, परमातिमा तोंहरे ऊपर जउन दया किहिन हीं,
ओही सुधि देबाइके तोंहसे पंचन से बिनती करित हएन, कि अपने-
अपने जीबन काहीं जिन्दा, अउर पबित्र, अउर परमातिमा काहीं प्रसन्न करँइ
बाले बलिदान के रूप माहीं समरपित कइ द्या, तोंहार पंचन के परमातिमा के
सेबा करँइ के सही तरीका इहय आय। 2 अउर तूँ पंचे इआ संसार के बुरे
मनइन कि नाईं न बना; काहेकि परमातिमा तोंहरे मन काहीं नबा कइ दिहिन
हीं, एसे तोंहार पंचन के चाल-चलन बदलत जाँइ चाही, जउने तूँ पंचे अपने
अनुभव से इआ जान लेबा करा, कि परमातिमा तोंहरे जीबन से का चाहत
हें, अउर उनहीं का नीक लागत हय, अउर उनखर पूरी इच्छा का ही।
3 काहेकि परमातिमा के किरपा से जउन अधिकार हमहीं मिला हय, ओहिन
के मुताबिक हम तोंहसे पंचन से अरथात हरेक जन से कहित हएन, कि
जइसन अपने-आप काहीं समझँइ चाही, ओसे बढ़िके अपने-आप काहीं न
समझा। जइसन परमातिमा तोंहरे पंचन के छमता के मुताबिक, जेतना
बिसुआस दिहिन हीं, ओहिन के मुताबिक अपने-आप काहीं सही तरीके से
समझा। 4 काहेकि जइसन हमरे पंचन के देंह माहीं कइयकठे अंग हें, अउर
उनखर काम एकमेरय नहिं आय। 5 उहयमेर हमहूँ पंचे, जउन खुब जने
हएन, मसीह के ऊपर बिसुआस किहे के कारन एकठे देंह कि नाईं हएन,
जइसन ओखर अंग एक दुसरे से जुड़े रहत हें, उहयमेर हमहूँ पंचे आपस
माहीं एक दुसरे से जुड़े हएन। 6 काहेकि परमातिमा अपने किरपा के
मुताबिक जउन हमहीं पंचन काहीं अलग-अलग बरदान दिहिन हीं, त जेही
परमातिमा के सँदेस बतामँइ के बरदान मिला होय, त उआ ओखे लघे जेतना
बिसुआस हय, ओहिन के मुताबिक परमातिमा के सँदेस बताबय। 7 अगर
जेही सेबा करँइ के बरदान मिला होय, त उआ सेबा करँइ माहीं लगा रहय,
अगर जेही सिखामँइ के बरदान मिला होय, त उआ सिखामँइ माहीं लगा
रहय। 8 अउर जेही उत्साहित करँइ के बरदान मिला होय, त उआ उत्साहित
करँइ माहीं लगा रहय; अउर जेही दान देंइ के बरदान मिला होय, त उआ
उदारता से दान देंइ माहीं लगा रहय, अउर जेही अँगुआई करँइ के बरदान
मिला होय, त उआ लगन के साथ अँगुआई करय, अउर जेही दया करँइ के
बरदान मिला होय, त उआ बड़े खुसी के साथ दया करय।
9 अउर तूँ पंचे एक दुसरे से निस्कपट प्रेम करा; अउर बुरे कामन से नफरत
करा, अउर भलाई करँइ माहीं लगे रहा। 10 अउर आपस माहीं भाईचारा
बनाइके, एक दुसरे से प्रेम करा; अउर आपस माहीं एक दुसरे काहीं अपने
से बढ़िके माना। 11 अउर अपने काम माहीं कबहूँ आलसी न बना; बलकिन
आत्मिक उत्साह के साथ प्रभू के सेबा माहीं लगे रहा। 12 अउर अपने आसा
माहीं आनन्दित रहा; दुख-मुसीबत माहीं धीरज रक्खा; अउर हमेसा प्राथना
करँइ माहीं लगे रहा। 13 अउर परमातिमा के पबित्र मनइन काहीं जउन
जरूरत होय, त उनखर मदत करा; अउर महिमानन के स्वागत-सतकार
करँइ माहीं लगे रहा। 14 अउर अपने सतामँइ बालेन काहीं आसिरबाद द्या;
उनहीं सराप न द्या, बलकिन उनखे खातिर परमातिमा से प्राथना करा, कि
परमातिमा उनहीं आसिरबाद देंय। 15 अउर जे आनन्द मनाबत हें, त तुहूँ पंचे
उनखे साथ आनन्द मनाबा; अउर जे दुखी होंय, त उनखे साथ तुहूँ पंचे दुख
मनाबा। 16 अउर आपस माहीं मिल जुलिके रहा; घमन्ड न करा; बलकिन
दीन मनइन के साथ संगति करा; अउर अपने-आप काहीं जादा बुद्धिमान न
समझा। 17 जे तोंहरे साथ बुराई करँय, त तुहूँ पंचे उनखे साथ बुराई न किहा,
बलकिन भलाइन किहा; जउन बातँय सगले मनइन के भलाई के खातिर
होंय, उनहिन काहीं करँइ के कोसिस करा। 18 अउर जहाँ तक तोंहसे होइ
सकय, त सगले मनइन के साथ मेल-मिलाप करँइ के पूरी कोसिस किहा।
19 हे पियार भाई-बहिनिव, अगर कोऊ तोंहसे कुछू बुराई किहिस होय, त
ओखर बदला तूँ पंचे खुद न लिहा, बलकिन परमातिमा काहीं ओखर बदला
लेंइ के मोका दिहा, काहेकि जइसन पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, कि "प्रभू
कहिन हीं, कि बदला लेब हमार काम आय, अउर ओखर बदला हमहिन लेब
†।" 20 पय अगर तोंहार पंचन के बइरी भूँखा होय, त ओही खाना खबाया;
अउर अगर पियासा होय त ओही पानी पिआया; काहेकि तूँ पंचे ओखे साथ
अइसा करिहा, त उआ तोंहसे खुब लज्जित होइ जई ††। 21 अउर अगर
कोऊ तोंहसे कुछू बुराई किहिस होय, त तुहूँ पंचे ओखे साथ बुराई न किहा,
बलकिन ओखे साथ भलाइन किहा, इआमेर से तूँ पंचे भलाई के काम कइके
बुराई के ऊपर बिजय पइहा।

अधिकारिन के हुकुमन काहीं मानब

13 हरेक मनइन काहीं सरकारी अधिकारिन के बातन काहीं मानँइ
चाही; काहेकि परमातिमय उनहीं पंचन काहीं सासन करँइ के
अधिकार दिहिन हीं, अउर जेतने अधिकार उनहीं पंचन काहीं मिले हँय, ऊँ
सगले परमातिमय के द्वारा दीनगे हँय। 2 एसे जे कोऊ अधिकारिन के बातन
के बिरोध करत हें, ऊँ पंचे परमातिमा के हुकुम के बिरोध करत हें, अउर
जेतने परमातिमा के हुकुम के बिरोध करत हें, ऊँ पंचे परमातिमा के तरफ से
जरूर सजा पइहँय। 3 काहेकि जेतने जने निकहे काम करत हें, उनहीं पंचन
काहीं अधिकारिन से डेराँइ के जरूरत नहिं परय, पय जेतने जने बुरे काम
करत हें, उँइन पंचे उनसे डेरात हें, एसे अगर तूँ पंचे चहते हया, कि हम
अधिकारिन से न डेरई, त निकहे काम करा, अउर जब निकहे काम करिहा,
त उनखे तरफ से तोंहार पंचन के बड़ाई होई; 4 काहेकि तोंहरे पंचन के
भलाइन के खातिर, परमातिमा उनहीं पंचन काहीं सेबक के रूप माहीं चुनिन
हीं, पय अगर तूँ पंचे बुरे काम करते हया, त उनसे डेरा; काहेकि सजा देंइ के
अधिकार परमातिमा उनहिन के हाँथे माहीं दिहिन हीं, कि जउने परमातिमा
के क्रोध के मुताबिक बुरे काम करँइ बालेन काहीं ऊँ पंचे सजा देंय। 5 एसे
अधिकारिन के बातन काहीं मानब, केबल परमातिमा के क्रोध के डेरय भर
से जरूरी नहिं आय, बलकिन तोंहार पंचन के सोच-बिचार घलाय गबाही
देत हय, कि इआ बात सही आय। 6 एसे तूँ पंचे अधिकारिन काहीं जमा
घलाय देते हया, काहेकि ऊँ पंचे परमातिमा के द्वारा सेबा करँइ के खातिर
नियुक्त कीन गें हँय, जउन अपने करतब्य काहीं पूरा करँइ माहीं हमेसा लगे
रहत हें। 7 एसे हरेक जन के हक्क चुकाबा करा, जइसन जेही कर देंइ चाही
ओही कर द्या, अउर जेही चुंगी नाका माहीं पइसा देंइ चाही, ओही पइसा
द्या; अउर जेसे डेराँइ चाही त ओसे डेरा; अउर जेखर मान-सम्मान करँइ
चाही, त ओखर मान-सम्मान करा।

एक दुसरे से प्रेम करत रहब

8 अउर तूँ पंचे आपस माहीं एक दुसरे से प्रेम करँइ के अलाबा, अउर
कउनव बात माहीं कोहू के रिनिहा न रहा; काहेकि जे कोऊ दुसरे से प्रेम
रक्खत हय, उहय मूसा के बिधान काहीं पूर करत हय। 9 हम इआ बात एसे
कहि रहेन हय, कि तूँ पंचे ब्यभिचार न किहा; दुसरे के कतल न किहा, अउर
चोरी न किहा; अउर न कउनव मेर के लालच किहा; अउर इनखे अलाबव
अगर कउनव हुकुम हें, त ऊँ सगलेन के निचोड़ इआ बात माहीं आय जात
हय, कि "तूँ अपने परोसी से अपनेन कि नाईं प्रेम रख्या।" 10 काहेकि जे
कोऊ अपने परोसी से प्रेम रक्खत हय, त उआ ओखर बुराई नहीं करय, एसे
दुसरे से प्रेम करब मूसा के बिधान काहीं पूर करँइ कि नाईं हय। 11 अउर तूँ
पंचे कउनमेर के समय माहीं जि रहे हया, ओही पहिचान ल्या, अउर इआ
जानिल्या, कि तोंहरे पंचन के खातिर, अपने नींद से जाग उठँय के समय
आइगा हय, काहेकि जब हम पंचे बिसुआस किहेन तय, ओखे मुताबिक
परमातिमा के द्वारा आखिरी मुक्ती पामँइ के समय नेरे आइगा हय। 12 अउर
रात बीतिन चुकी हय, अउर दिन निकरइन बाला हय; एसे हम पंचे अँधिआर
के बुरे कामन काहीं छोंड़िके, जइसन एकठे सिपाही हँथिआर बाँधे तइआर
रहत हय, उहयमेर हमहूँ पंचे उँजिआर के हँथिआर बाँधि लेई। 13 अउर
जइसन सगले मनई दिन के उँजिआर माहीं रहत हें, उहयमेर हमहूँ पंचन
काहीं रहँइ चाही, अउर हमार पंचन के चाल-चलन निकहा होंइ चाही, इआ

† *12:19 ब्यब 32:35* †† *12:20 नीति 25:21*

नहीं कि भोग-बिलास माहीं परि जई, अउर दारू पिके धुत्त रही, अउर
ब्यभिचार करी, अउर लुच्चई माहीं परिके लड़ाई-झगड़ा करी, अउर कोहू से
डाह करी। 14 बलकिन हम पंचे प्रभू यीसु मसीह के सगले सुभाव काहीं
अपनाय लेई, अउर अपने मन के बुरी इच्छन काहीं पूर करँइ के कोसिस न
करी।

अपने बिसुआसी भाई-बहिनिन के ऊपर दोस न लगाबा

14 अउर हे बिसुआसी भाई-बहिनिव, जउन मनई बिसुआस माहीं
कमजोर हें, उनहूँ काहीं अपने मंडली माहीं सामिल कइल्या, पय
उनखे मतभेदन के बातन माहीं बाद-बिबाद करँइ के खातिर नहीं। 2 काहेकि
जउन मनई बिसुआस माहीं मजबूत हय, त उआ कहत हय कि हमहीं सब
कुछ खाब उचित हय, पय जउन मनई बिसुआस माहीं कमजोर हय, त उआ
केबल साकाहारी खाना खात हय। 3 अउर उआ मनई जउन हरेकमेर के
खाना खात हय, त ओही, उआ मनई काहीं तुच्छ न समझँइ चाही, जउन
कुछ चीजन काहीं नहीं खाय। उहयमेर उहव मनई जउन कुछ चीजन काहीं
नहीं खाय, उआ मनई काहीं जउन सगली चीजन काहीं खात हय, बुरा न
कहँइ चाही; काहेकि परमातिमा दोनव जनेन काहीं अपनाइन हीं। 4 तूँ
कउनव दुसरे के घर के दास के ऊपर दोस लगामँइ बाले को होते हया? उआ
सही काम करत हय, कि गलत काम करत हय, इआ बात के निरनय करब
ओखे मालिक के काम आय, अउर उआ सहिन काम करँइ बाला बनाय दीन
जई, काहेकि प्रभू ओही सही काम करँइ बाला बनाय सकत हें। 5 अउर
कउनव मनई एक दिन काहीं दुसरे दिन से बढ़िके मानत हय, अउर कउनव
मनई सगले दिनन काहीं एक समान मानत हय, त हरेक जन काहीं अपने
मन माहीं संका न करँइ चाही, बलकिन इआ निस्चित कइ लेंय चाही, कि हम
पंचे जउन मानित हएन उआ ठीक हय। 6 अउर जे कोऊ एक दिन काहीं
दुसरे दिन से बढ़िके मानत हय, त उआ ओही प्रभू काहीं सम्मान देंइ के
खातिर मानत हय। अउर जे कोऊ सब चीजन काहीं खात हय, उहव प्रभू
काहीं सम्मान देंइ के खातिर खात हय, काहेकि उआ जउन कुछू खात हय,
ओखे खातिर परमातिमा के धन्यबाद करत हय। अउर जे कोऊ कुछ चीजन
काहीं नहीं खाय, उहव प्रभू काहीं सम्मान देंइ के खातिर नहीं खाय, अउर
उहव परमातिमा के धन्यबाद करत हय। 7 काहेकि हमरे पंचन म से कोऊ न
त अपने खातिर जिअय, अउर न अपने खातिर मरतय आय। 8 अउर अगर
हम पंचे जिन्दा हएन, त प्रभू काहीं सम्मान देंइ के खातिर जिन्दा हएन; अउर
अगर हम पंचे मरित हएन, त प्रभू काहीं सम्मान देंइ के खातिर मरित हएन;
एसे हम पंचे चाह जिन्दा रही, चाह मर जई, तऊ हम पंचे प्रभुअय के आहेन।
9 काहेकि मसीह एहिन खातिर मरे, अउर मरेन म से जि उठें, कि जउने,
जउन मनई मरिगे हँय, अउर जउन जिन्दा हें, ऊँ दोनव के प्रभू कहामँइ।
10 पय तूँ पंचे जउन केबल साकाहारी खाना खाते हया, त जउन भाई-बहिनी
सब कुछ खात हें, उनखे ऊपर दोस काहे लगउते हया? अउर तूँ पंचे जउन
सब कुछ खाते हया, त जउन भाई-बहिनी केबल साकाहारी खाना खात हें,
उनखे ऊपर दोस काहे लगउते हया? काहेकि हमहीं पंचन काहीं अपने हरेक
बातन के हिंसाब देंइ के खातिर, परमातिमा के न्याय के सिंहासन के आँगे
ठाढ़ होंइ परी। 11 काहेकि पबित्र सास्त्र माहीं घलाय इआ लिखा हय, कि

"प्रभू कहत हें, कि हम अपने जीबन के कसम खाइके कहित हएन, कि
हरेक मनइन काहीं हमरे आँगे गोड़न गिरँय क परी, अउर हरेक मनइन काहीं
इआ सोइकार करँइ परी, कि हमहिन परमातिमा आहेन।"

12 एसे हमरे पंचन म से हरेक जन काहीं, अपने-अपने कामन के हिंसाब
परमातिमा काहीं देंइ परी।

अपने बिसुआसी भाई-बहिनिन काहीं पाप माहीं गिरामँइ के कारन न बना

13 एसे हम पंचे आपस माहीं एक दुसरे के ऊपर दोस लगाउब छोंड़ि देई,
अउर इआ ठान लेई, कि अपने बिसुआसी भाई-बहिनिन के गइल माहीं
कउनव अरचन ठाढ़ न करब, अउर न ओही पाप करँइ के खातिर
उकसउबय करब। 14 अउर हम प्रभू यीसु के ऊपर बिसुआस करित हएन,
अउर इआ निकहा से जानित हएन, कि कउनव खाँइ बाली चीज अपने-आप
से असुद्ध नहीं होय, पय जे कोऊ कउनव खाँइ बाली चीज काहीं असुद्ध
मानत हय, त उआ केबल ओहिन के खातिर भर असुद्ध होत ही। 15 अउर
अगर तोंहरे बिसुआसी भाई-बहिनिन काहीं तोंहरे खाना के कारन ठेस
पहुँचत ही, त तूँ उनसे प्रेम नहीं करते आह्या, एसे तूँ अपने खाना के द्वारा
उनखे बिसुआस से गिरँय के कारन न बना। काहेकि मसीह उनहूँ के खातिर
आपन प्रान दिहिन हीं। 16 एसे जउन तोंहरे खातिर निकहा हय, ओखर बुराई
न होंइ पाबय। 17 काहेकि परमातिमा के राज, खाँय-पिअँइ से सम्बन्धित नहिं
आय, पय अगर हम पंचे परमातिमा के नजर माहीं निरदोस जीबन जी, अउर
सगले मनइन से मेल-मिलाप से रही, अउर पबित्र आत्मा से मिलँइ बाले
आनन्द माहीं जीबन बिताई, त परमातिमा हमरे पंचन के जीबन माहीं राज
करिहँय। 18 जे कोऊ अइसा जीबन जि के, मसीह के सेबा करत हय, त
ओसे परमातिमा खुसी रहत हें, अउर सगले मनई ओखर मान-सम्मान करत
हें। 19 एसे हम पंचे ऊँ बातन काहीं करँइ माहीं लगे रही, जिनसे सगले मनइन
के मेल-मिलाप होत हय, अउर एक दुसरे के आत्मिक उन्नति होंइ माहीं मदत
मिलत ही। 20 अउर तूँ पंचे अपने खाँय-पिअँइ के कारन, परमातिमा के काम
काहीं न बिगाड़ा, काहेकि सगली खाँय-पिअँइ बाली चीजँय सुद्ध त हईं, पय
उआ मनई के खातिर सगली चीजन काहीं खाब ठीक नहिं आय, जउन दुसरे
भाई-बहिनिन काहीं पाप के गइल माहीं लइ जाती हँय। 21 अउर अगर तोंहरे
पंचन के माँस खाए से, अउर अंगूर के रस पिए से, अउर कुछू अइसन काम
करे से, दुसरे भाई के आत्मिक जीबन नास होइ रहा हय, त तोंहईं पंचन
काहीं अइसन कामन काहीं करब उचित नहिं आय। 22 ईं बातन के बारे माहीं
तोंहार पंचन के जउन बिसुआस होय, त ओही अपने अउर परमातिमा के
बीच माहीं रक्खा; उआ मनई धन्य हय, जउने बात काहीं अपने नजर माहीं
ठीक समझत हय, उहय करत हय, अउर ऊँ बातन माहीं अपने-आप काहीं
दोसी नहीं पाबय। 23 पय जे कोऊ कउनव चीज काहीं अपने मन माहीं संका
कइके खात हय, त उआ परमातिमा के नजर माहीं दोसी ठहराबा जाय चुका
हय, काहेकि उआ पूरा बिसुआस कइके नहीं खाय, अउर जउन कुछू बिना
बिसुआस से कीन जात हय, उआ पापय आय।

दुसरेन के आत्मिक उन्नति करा

15 एसे हमहीं पंचन काहीं, जउन बिसुआस माहीं मजबूत हएन, इआ
चाही, कि जउन हमार पंचन के बिसुआसी भाई-बहिनी बिसुआस
माहीं कमजोर हें, त उनखे कमजोरिन काहीं सही; इआ नहीं, कि अपने-आप
काहीं खुसी करँइ भर माहीं लगे रही। 2 अउर हमरे पंचन म से हरेक जनेन
काहीं इआ चाही, कि अपने परोसी के भलाई करँइ के इच्छा से उनहीं प्रसन्न
करय, कि जउने उनखर आत्मिक उन्नति होय। 3 काहेकि मसीह घलाय
अपने-आप काहीं प्रसन्न नहीं किहिन, पय जइसन पबित्र सास्त्र माहीं लिखा
हय, "हे पिता अपना के बारे माहीं जउन बुरी बातँय सगले मनई कहत हें, ऊँ
सगली बातँय हमरे ऊपर आय गई हँय †।" 4 अउर पबित्र सास्त्र माहीं जेतनी
बातँय पहिले से लिखी गई हँय, ऊँ सगली हमहीं पंचन काहीं सिच्छा देंइ के
खातिर लिखी गई हँय, कि हम पंचे धीरज अउर पबित्र सास्त्र के उत्साहित
करँइ के द्वारा आसा रक्खी। 5 हम इआ प्राथना करित हएन, कि धीरज अउर
सान्ति देंइ बाले परमातिमा, तोंहईं पंचन काहीं इआ बरदान देंइ, कि तूँ पंचे
मसीह यीसु के बताई बातन के मुताबिक आपस माहीं एक दुसरे से मिल
जुलिके रहा। 6 जउने तूँ पंचे एक मन होइके, एक अबाज माहीं हमरे प्रभू
यीसु मसीह के पिता परमातिमा के बड़ाई करा।

खुसी के खबर सगले मनइन के खातिर आय

7 एसे जइसन मसीह परमातिमा के बड़ाई करँइ के खातिर, तोंहईं पंचन
काहीं अपनाइन हीं, उहयमेर तुहूँ पंचे घलाय एक दुसरे काहीं अपनाबा।

† *15:3 भज 69:9*

8 अउर हम तोंहईं पंचन काहीं बताइत हएन, कि जउने वादन काहीं
परमातिमा तोंहरे बाप-दादन से किहिन रहा हय, उनहीं पूर करँइ के खातिर,
अउर परमातिमा के सच्चाई के सबूत देंइ के खातिर, मसीह यहूदी लोगन के
सेबक बने। 9 अउर गैरयहूदी लोग घलाय, परमातिमा के दया के कारन
उनखर बड़ाई करँय, जइसन पबित्र सास्त्र माहीं घलाय लिखा हय, कि
"हम गैरयहूदी लोगन के बीच माहीं अपना के धन्यबाद करब, अउर अपना
के नाम के भजन गाउब †।"
10 अउर पबित्र सास्त्र माहीं इहव लिखा हय, कि
"हे गैरयहूदी लोगव, उनखे प्रजा अरथात यहूदी लोगन के साथ मिलिके
आनन्द करा ††।"
11 अउर पबित्र सास्त्र माहीं इहव लिखा हय, कि
"हे गैरयहूदी लोगव, प्रभू के स्तुति करा; अउर हरेक देस के सगले मनइव;
प्रभू के बड़ाई करा।"
12 अउर पबित्र सास्त्र माहीं यसायाह नबी के किताब माहीं लिखा हय, कि
"यिसय के बंस माहीं एक जन पइदा होई, अउर गैरयहूदी लोगन के ऊपर
सासन करँइ के खातिर अई, अउर गैरयहूदी लोग उनखे ऊपर आसा
रखिहँय।"
13 हम प्राथना करित हएन, कि परमातिमा जउन तोंहईं पंचन काहीं आसा
देत हें, अउर तूँ पंचे उनखे ऊपर बिसुआस करते हया, एसे ऊँ तोंहईं पंचन
काहीं आनन्द अउर सान्ती से भर देंय, कि जउन आसा तूँ पंचे उनखे ऊपर
रक्खे हया, उआ पबित्र आत्मा के सक्ती से अउर बाढ़त जाय।
14 हे हमार भाई-बहिनिव, हम खुदय तोंहरे बारे माहीं निकहा से जानित
हएन, कि तूँ पंचे भलाई करँइ माहीं आँगे हया, अउर परमातिमा तोंहईं पंचन
काहीं भरपूर ग्यान दिहिन हीं, एसे तूँ पंचे एक दुसरे काहीं सिच्छा दइ सकते
हया। 15 तऊ हम तोंहईं पंचन काहीं, इआ चिट्ठी माहीं पुनि सुधि देबामँइ के
खातिर, कुछ बातन के बारे माहीं कहँव-कहँव बड़ा साहस कइके लिखेन
हय। अउर हम ईं बातन काहीं उआ किरपा के कारन लिखेन हय, जउन
परमातिमा हमहीं दिहिन हीं। 16 अउर उआ किरपा इआ आय, कि हम
गैरयहूदी लोगन के खातिर, मसीह यीसु के सेबक बनिके, परमातिमा के
खुसी के खबर सुनामँइ के खातिर, एकठे याजक के रूप माहीं काम करी;
जउने गैरयहूदी लोग, पबित्र आत्मा से पूरी तरह से पबित्र बनिके, एकठे भेंट
के रूप माहीं परमातिमा के द्वारा सोइकार कीन जाँय। 17 एसे हम मसीह
यीसु के द्वारा परमातिमा के सेबा माहीं उनखे ऊपर घमन्ड कइ सकित हएन।
18 काहेकि ऊँ बातन काहीं छोंड़िके, हमहीं अउर दुसरे बात के बारे माहीं
कहँइ के साहस नहिं आय, जउन मसीह गैरयहूदी लोगन काहीं, परमातिमा
के अधीनता माहीं लइ आमँइ के खातिर, बचन सुनामँइ के काम, 19 अउर
पबित्र आत्मा के सक्ती से चमत्कारन, अउर अचरज के कामन काहीं
देखामँइ के काम हमरेन द्वारा किहिन हीं, इहाँ तक कि हमहिन यरूसलेम
सहर से लइके, चारिव कइती इल्लुरिकुम प्रदेस तक मसीह के खुसी के
खबर के पूर-पूर प्रचार किहेन हय। 20 पय हमरे मन के इच्छा इआ ही, कि
हम उहाँ खुसी के खबर सुनाई, जहाँ कउनव मनई मसीह के नाम तक नहीं
जानँय, कहँव अइसा न होय, कि जहाँ दूसर मनई खुसी के खबर सुनाय चुके
हँय, जउन एकठे घर के नेव कि नाईं हय, हम उहाँ खुसी के खबर सुनाई,
जउन दुसरे के नेव माहीं घर बनामँइ के समान हय। 21 पय जइसन पबित्र
सास्त्र माहीं लिखा हय, उहयमेर होय, "जिनहीं उनखे बारे माहीं नहीं बताबा
ग, उँइन पंचे उनहीं देखिहँय, अउर जे कोऊ बचन नहीं सुनिन आय, उँइन
पंचे समझिहँय।" 22 अउर जहाँ-जहाँ खुसी के खबर नहीं सुनाई गे रही आय,
उहाँ-उहाँ जाइके खुसी के खबर सुनामँइ माहीं लगे रहेन हय, इआ कारन से
हम तोंहरे पंचन के लघे नहीं आय पाएन।

† *15:9 भज 18:49* †† *15:10 ब्यब 32:43*

रोम देस माहीं जाँइ के पवलुस के योजना

23 पय अब ईं प्रदेसन के हरेक जघन माहीं, हम खुसी के खबर सुनामँइ के
काम पूर कइ चुकेन हय, अउर हमार कइअक बरिस से तोंहसे पंचन से
मिलँइ के बड़ी इच्छा रही हय। 24 एसे जब हम स्पेन देस काहीं जाब, त
तोंहसे मिलिके जाब, काहेकि हम इआ आसा करित हएन, कि उआ यात्रा
माहीं हम तोंहसे मिलब, अउर कुछ दिन संगति करब, तब हमार इच्छा पूर
होइ जई, अउर तूँ पंचे उहाँ से आँगे के यात्रा माहीं हमार मदत किहा। 25 पय
अबे हम यरूसलेम सहर के बिसुआसी मनइन के मदत करँइ के खातिर उहाँ
जइत हएन। 26 काहेकि मकिदुनिया प्रदेस अउर अखाया प्रदेस के बिसुआसी
भाई-बहिनिन काहीं इआ निकहा लाग, कि यरूसलेम सहर के गरीब
बिसुआसी भाई-बहिनिन के खातिर चंदा एकट्ठा कइके देंय। 27 अउर इआ
करँइ के खातिर उनहीं निकहा त लाग, पय ऊँ पंचे उनखर रिनिहा घलाय हें,
काहेकि ईं पंचे गैरयहूदी लोग, यरूसलेम सहर के यहूदी जाति के बिसुआसी
भाई-बहिनिन से आत्मिक बातन के आसीस अरथात खुसी के खबर पाइन
हीं, त इनहूँ पंचन काहीं उचित होत हय, कि उनखे सारीरिक जरूरतन के
खातिर, उनहीं पंचन काहीं दान दइके उनखर सेबा करँय। 28 एसे हम उनखर
इआ काम पूर कइके अरथात यरूसलेम सहर के भाई-बहिनिन के हाँथे
माहीं, इआ चंदा सउँपिके, तोंहसे पंचन से मिलत स्पेन देस काहीं चले जाब।
29 अउर हम जानित हएन, कि जब हम तोंहरे पंचन के लघे अउब, त हमही
पंचन काहीं मसीह के भरपूर आसीस मिली।
30 अउर हे भाई-बहिनिव, हम पंचे यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस करित
हएन, अउर उँइन हमार पंचन के प्रभू आहीं, उनखर अउर पबित्र आत्मा के
प्रेम जउन तोंहईं पंचन काहीं मिलत हय, उनखर सुध देबाइके, तोंहसे पंचन
से बिनती करित हएन, कि हमरे साथ मिलिके हमरे खातिर परमातिमा से
सच्चे मन से प्राथना करँइ माहीं लगे रहा। 31 कि जउने यहूदिया प्रदेस के ऊँ
मनइन से, जउन परमातिमा के ऊपर बिसुआस नहीं करँय, उनखे हाँथ से
परमातिमा हमहीं बचामँइ, अउर यरूसलेम सहर के बिसुआसी भाई-
बहिनिन के खातिर, जउन दान हम लए जइत हएन, ओही ऊँ पंचे बड़े
आनन्द के साथ सोइकार करँय। 32 अउर हम परमातिमा के इच्छा के
मुताबिक आनन्द के साथ तोंहरे पंचन के लघे अई, अउर हम पंचे आपस
माहीं एक दुसरे काहीं हिम्मत दइ सकी। 33 अउर हम प्राथना करित हएन,
कि सान्ती देंइ बाले परमातिमा तोंहरे पंचन के साथ रहँय। आमीन।

पवलुस के अभिबादन

16 हम तोंहसे पंचन से किंख्रिया सहर के मसीही मन्डली माहीं सेबा
करँइ बाली फीबा बहिनी के खातिर बिनती करित हएन, 2 काहेकि
ऊँ प्रभू के ऊपर बिसुआस करँइ बाली बहिनी आहीं, एसे उनहीं प्रभू के दासी
समझिके तूँ पंचे सोइकार करा; अउर अगर उनहीं कउनव चीज के तोंहसे
पंचन से जरूरत परय, त उनखर मदत करा; काहेकि ऊँ खुब मनइन के
मदत किहिन हीं, इहाँ तक कि हमार घलाय मदत किहिन रहा हय।
3 अउर मसीह यीसु के सेबा माहीं हमरे साथ काम करँइ बाली प्रिस्का
अउर उनखे मंसेरुआ अक्विला काहीं घलाय हमार नबस्कार कहि दिहा। 4 ऊँ
पंचे हमहीं बचामँइ के खातिर आपन प्रान घलाय देंइ के खातिर तइआर रहे
हँय, हम उनखर धन्यबाद करित हएन, अउर केबल हमहिन भर नहीं,
बलकिन गैरयहूदी लोगन के सगली मसीही मन्डली घलाय उनखर धन्यबाद
करती हँय। 5 अउर उनखे घर माहीं जउन मसीही मन्डली लागत ही, ओमा
एकट्ठा होंइ बाले सगले भाई-बहिनिन काहीं नबस्कार कहि दिहा, अउर हमरे
पियार साथी इपयनितुस काहीं, जउन आसिया प्रदेस के पहिल मसीह
बिसुआसी आहीं, उनहूँ काहीं घलाय हमार नबस्कार कहि दिहा। 6 अउर
मरियम बहिनी काहीं, जउन तोंहरे पंचन के खातिर खुब मेहनत करती हईं,
उनहीं हमार नबस्कार कहि दिहा। 7 अउर अन्द्रुनीकुस अउर यूनियास काहीं
जउन हमरे यहूदी जाति के बिसुआसी भाई आहीं, अउर हमरे साथ जेल

माहीं घलाय गे रहे हँय, अउर यीसु मसीह के खास चेलन माहीं ऊँ पंचे मसहूर रहे हँय, अउर हमसे पहिले मसीह के ऊपर बिसुआस किहिन रहा हय, उनहूँ काहीं हमार नबस्कार कहि दिहा। 8 अउर भाई अम्पलियातुस काहीं, जउन प्रभू के ऊपर बिसुआस करत हें, एसे हम उनसे प्रेम करित हएन, उनहूँ से हमार नबस्कार कहि दिहा। 9 अउर भाई उरबानुस काहीं, जउन हमरे साथ मसीह के सेबा किहिन हीं, उनहूँ काहीं हमार नबस्कार कहि दिहा, अउर हमरे पियार साथी इस्तखुस काहीं हमार नबस्कार कहि दिहा। 10 अउर भाई अपिल्लेस काहीं जउन मसीह के सेबा माहीं खरे निकरे हँय, हमार नबस्कार कहि दिहा, अउर अरिस्तुबुलुस के घर माहीं रहँइ बाले बिसुआसी लोगन काहीं हमार नबस्कार कहि दिहा। 11 अउर हमरे यहूदी जाति के भाई हेरोदियोन काहीं नबस्कार कहि दिहा, अउर भाई नरकियुस के घर माहीं जेतने जन प्रभू के ऊपर बिसुआस करत हें, उनहीं हमार नबस्कार कहि दिहा। 12 अउर बहिनी त्रूफेना अउर त्रूफोस काहीं, जउन प्रभू के सेबा माहीं मेहनत करती हईं, हमार नबस्कार कहि दिहा, अउर पियार बहिनी पिरसिस काहीं घलाय जउन प्रभू के सेबा माहीं खुब मेहनत करती हईं, उनहूँ काहीं हमार नबस्कार कहि दिहा। 13 अउर भाई रूफुस काहीं, जिनहीं प्रभू के सेबा के खातिर चुना ग हय, अउर उनखे महतारी काहीं जउन हमरे खातिर महतारी कि नाईं हईं, उनहीं दोनव जनेन काहीं हमार नबस्कार कहि दिहा। 14 अउर असुन्क्रितुस अउर फिलगोन अउर हिरमेस, अउर पत्रुबास, अउर हिर्मास अउर उनखे साथ माहीं रहँइ बाले सगले भाइन काहीं नबस्कार कहि दिहा। 15 अउर भाई फिलुलुगुस, अउर बहिनी यूलिया अउर नेर्युस अउर उनखे बहिनी काहीं, अउर भाई उलुम्पास अउर उनखे साथ माहीं रहँइ बाले सगले बिसुआसी भाइन काहीं हमार नबस्कार कहि दिहा। 16 अउर तूँ पंचे आपस माहीं बड़े प्रेम के साथ नबस्कार किहा, तोंहईं पंचन काहीं मसीह के सगली मन्डलिन के तरफ से नबस्कार।

पवलुस के आखिरी सलाह

17 हे हमार भाई-बहिनिव, हम तोंहसे बिनती करित हएन, कि तूँ पंचे मसीह के जउन सिच्छा पाया हय, ओखे बिरोध माहीं सिच्छा दइके, जउन मनई फूट डारत हें, अउर बिसुआसी भाई-बहिनिन काहीं बिसुआस से भटकाय देत हें, उनहीं पहिचान ल्या करा, अउर उनसे दूरी रहा करा। 18 काहेकि इआमेर के मनई हमरे पंचन के प्रभू यीसु मसीह के सेबा नहीं करँय, बलकिन अपने कमाई के खातिर सेबा करत हें; अउर मीठ-मीठ बातँय कइके भोले-भाले मनइन काहीं बिसुआस से भटकाय देत हें। 19 पय सगले बिसुआसी भाई-बहिनिन काहीं मालुम हय, कि तूँ पंचे प्रभू के हुकुमन काहीं मनते हया, एसे हम तोंहरे पंचन के बारे माहीं खुब आनन्दित हएन, पय हमार इच्छा इआ हय, कि परमातिमा के नजर माहीं, जउने कामन काहीं तूँ पंचे निकहा समझते हया, उनहीं करँइ माहीं लगे रहा, अउर बुरे कामन से तूँ पंचे दूरी रहा। 20 अउर सान्ती देंइ बाले परमातिमा सइतान काहीं तोंहरे गोड़ेन से हरबिन कुचरबाय देइहँय। अउर हम प्राथना करित हएन, कि हमरे पंचन के प्रभू यीसु मसीह के किरपा, तोंहरे पंचन के ऊपर होत रहय।

21 अउर तीमुथियुस जउन हमरे साथ सेबा करत हें, अउर हमरे यहूदी जाति के साथी लोग लूकियुस अउर यासोन अउर सोसिपत्रुस के तरफ से तोंहईं पंचन काहीं नबस्कार पहुँचय। 22 अउर हम तिरतियुस जउन पवलुस के साथ इआ चिट्ठी काहीं लिख रहेन हय, हमहूँ प्रभू के नाम से तोंहईं पंचन काहीं नबस्कार कहित हएन। 23 भाई गयुस के तरफ से जउन हमार अउर मसीही मन्डली के सगले बिसुआसी भाई-बहिनिन के स्वागत-सत्कार करत हें, तोंहईं पंचन काहीं नबस्कार पहुँचय। अउर भाई इरास्तुस जउन सहर के भन्डारी हें, अउर भाई क्वारतुस के तोंहईं पंचन काहीं नबस्कार। 24 अउर हम प्राथना करित हएन, कि हमरे पंचन के प्रभू यीसु मसीह के किरपा तोंहरे पंचन के ऊपर होत रहय। आमीन।

25 अउर परमातिमा के बड़ाई होय, हम यीसु मसीह के बारे माहीं जउने खुसी के खबर काहीं तोंहईं पंचन काहीं बतायन हय, ओहिन के मुताबिक तोंहईं पंचन काहीं उँइन बिसुआस माहीं मजबूत कइ सकत हें, अउर परमातिमा के इआ रहस्यपूर्न सत्य जुगन-जुगन से छिपा रहा हय। 26 पय अब ओही हमेसा रहँइ बाले परमातिमा के हुकुम से उनखे सँदेस बतामँइ बालेन के लिखी किताबन के द्वारा, सगले जातिअन के मनइन काहीं बताबा ग हय, कि जउने उनखे ऊपर बिसुआस कइके, ऊँ पंचे उनखर हुकुम मानँइ बाले होइ जाँय। 27 उँइन एकलउते बुद्धिमान परमातिमा के बड़ाई, यीसु मसीह के कीन कामन के द्वारा, जुग-जुग होत रहय। आमीन!

1 कुरिन्थियन

इआ चिट्ठी के परिचय

पवलुस कुरिन्थुस सहर माहीं मसीही मन्डली स्थापित किहिन तय। ओमाहीं मसीही जीबन, अउर बिसुआस से सम्बन्धित खुब परेसानी पइदा होइ गईं तय। ऊँ परेसानिन काहीं दूर करँइ के खातिर इआ पहिल चिट्ठी, कुरिन्थुस सहर के मसीही लोगन के खातिर यीसु मसीह के खास चेला पवलुस के द्वारा लिखी गे रही हय। उआ समय कुरिन्थुस सहर यूनान देस के अन्तरराष्टीय सहर रहा हय। जउन रोमी सम्राज माहीं, अखाया प्रदेस के राजधानी रहा हय। उआ अपने बइपार, सम्पन्नता, बयभवसाली संस्क्रति अउर अनेकव धरमन के खातिर मसहूर रहा हय। पय उआ अपने खुब अनैतिकता के खातिर बदनाम रहा हय। पवलुस के खातिर खास चिन्ता के बात रही हय, मसीही मन्डली के बँटबारा, अनैतिक काम, सारीरिक सम्बन्ध, अउर काज-बिआह के बारे माहीं, अउर सोच-बिचार से सम्बन्धित सबाल, मसीही मन्डली के रख रखाव के बारे माहीं, पबित्र आत्मा के दान के बारे माहीं, अउर मरेन म से पुनि जिन्दा होंइ के बारे माहीं। पय पवलुस पबित्र आत्मा के अँगुआई से इआ बताबत हें, कि खुसी के खबर के द्वारा, ईं सबालन के हल कइसन होइ सकत हय।
पाठ 13 माहीं पवलुस इआ बताबत हें, कि परमातिमा के लोगन काहीं मिले बरदानन म से सबसे उत्तम बरदान प्रेम आय। हम अपना पंचन से इआ बिनती करित हएन, कि इआ चिट्ठी काहीं अपना पंचे जरूर पढ़ी, अउर अपने मसीही जीबन काहीं आत्मिक रूप से मजबूत बनाई।

रूप-रेखा :

भूमिका
मसीही मन्डली माहीं गुटबन्दी
नयतिकता अउर परिबारिक जीबन
मसीही, अउर मूरतिन के पुजारी
मसीही मन्डली के लोगन के जीबन अउर अराधना
यीसु मसीह अउर बिसुआसी लोगन के मरेन म से पुनि जिन्दा होब
यहूदिया प्रदेस के मसीही लोगन के खातिर दान
निजी बिसय अउर उपसंहार

पवलुस के अभिबादन

1 हम पवलुस इआ चिट्ठी काहीं लिख रहेन हय, अउर परमातिमा हमहीं
अपने इच्छा के मुताबिक यीसु मसीह के खास चेला होंइ के खातिर
नियुक्त किहिन हीं, इआ चिट्ठी हमरे तरफ से अउर भाई सोस्थिनेस के तरफ
से, 2 परमातिमा के लोगन के उआ मन्डली काहीं मिलय, जउन कुरिन्थुस
सहर माहीं ही, अरथात जे कोऊ मसीह यीसु माहीं जुड़ँइ के द्वारा पबित्र
कीन गे हँय, अउर उनखर भक्त होंइ के खातिर अलग कीन गे हँय; अउर ऊँ
सगले बिसुआसी भाई-बहिनिन काहीं घलाय मिलय, जउन हमरे पंचन के
अउर अपने प्रभू यीसु मसीह के नाम से हरेक जघा माहीं अराधना करत हें।
3 हमरे पंचन के पिता परमातिमा अउर प्रभू यीसु मसीह के तरफ से तोहईं
पंचन काहीं किरपा अउर सान्ती मिलत रहय।

यीसु मसीह के द्वारा आत्मिक असीसँय

4 हम तोंहरे बारे माहीं, अपने परमातिमा काहीं हमेसा धन्यबाद देइत हएन,
काहेकि उनखर इआ किरपा मसीह यीसु के द्वारा तोंहरे ऊपर कीन गे ही,
5 अउर यीसु मसीह माहीं जुड़े रहँइ के कारन परमातिमा तोंहरे आत्मिक
जीबन माहीं खुब मदत किहिन हीं, खास करके आपन बचन बतामँइ के
खातिर हरेकमेर के सक्ती दिहिन हीं, अउर उनखे बातन काहीं समझँइ के
खातिर हरेकमेर के ग्यान दिहिन हीं। 6 अउर मसीह के बारे माहीं जउन
गबाही, हम तोहईं पंचन काहीं बताए रहेन हय, उआ तोंहरे बीच माहीं सच्ची
साबित भे ही। 7 अउर हमरे पंचन के प्रभू यीसु मसीह के दुसराय आमँइ के
गइल देखत रहँइ बाले, तोहईं पंचन काहीं कउनव आत्मिक बरदान के कमी
न होई, 8 अउर ऊँ तोहईं आखिरी समय तक बिसुआस माहीं मजबूत
रखिहँय, कि जउने तूँ पंचे, हमरे पंचन के प्रभू यीसु मसीह के द्वारा न्याय
करँइ के दिन माहीं बेकसूर निकरा। 9 परमातिमा †बिसुआस के काबिल हें,
अउर ऊँ तोहईं पंचन काहीं अपने लड़िका अरथात हमरे पंचन के प्रभू यीसु
मसीह के संगति माहीं बोलाइन हीं।

मसीही मन्डली माहीं फूट परब

10 हे भाई-बहिनिव, हम अपने प्रभू यीसु मसीह के नाम से तोंहसे इआ
बिनती करित हएन, कि तूँ पंचे सगले जने एकय बात कहा, अउर तोंहरे बीच
माहीं फूट न परय, पय एक चित्त होइके अउर एकयमेर के उद्देस्य रखिके
आपस माहीं मिले रहा। 11 काहेकि हे हमार भाई-बहिनिव, खलोए बहिनी के
घर के मनई तोंहरे बारे माहीं हमहीं बताइन हीं, कि तूँ पंचे आपस माहीं
लड़ाई-झगड़ा करते हया। 12 हमरे कहँइ के मतलब इआ आय, कि तोंहरे
पंचन म से कोऊ त इआ कहत हय, कि “हम पवलुस के चेला आहेन”, त
कोऊ कहत हय, “हम अपुल्लोस के चेला आहेन”, अउर कोऊ कहत हय,
“हम ††पतरस के चेला आहेन”, त कोऊ इआ कहत हय, कि “हम मसीह के
चेला आहेन।” 13 त तूँ पंचे इआ बताबा, मसीह त अलग-अलग झुंडन माहीं
नहीं बँटे आहीं? पवलुस त तोंहरे पंचन के खातिर क्रूस माहीं नहीं चढ़ाए गे
आहीं? इआ कि तूँ पंचे पवलुस के नाम से बपतिस्मा त नहीं लिहा आय?
14 हम परमातिमा काहीं धन्यबाद देइत हएन, कि भाई क्रिस्पुस अउर भाई

† *बिसुआस के काबिल* †† *अरथात कैफा*

गयुस के अलाबा, तोंहरे पंचन म से अउर कोहू काहीं हम बपतिस्मा नहीं दिहेन आय। 15 कि जउने कोऊ इआ न कहय, कि तोहईं पंचन काहीं पवलुस के नाम से बपतिस्मा मिला हय। 16 अउर हाँ, हम भाई स्तिफनुस के घर के मनइन काहीं घलाय बपतिस्मा दिहेन हँय; इनखे अलाबा त हमहीं सुध नहिं आय, कि हम अउर कोहू काहीं बपतिस्मा दिहेन हय। 17 काहेकि मसीह हमहीं बपतिस्मा देंइ के खातिर नहीं, बलकिन आपन खुसी के खबर सुनामँइ के खातिर पठइन हीं, अउर अगर हम मनइन के ग्यान के मुताबिक चतुराई से, उआ खुसी के खबर सुनाउब, त कहँव अइसा न होय, कि मसीह के क्रूस माहीं बलिदान होंइ के खुसी के खबर बेकार होइ जाय।

क्रूस के सँदेस

18 काहेकि मसीह के क्रूस माहीं बलिदान होंइ के खुसी के खबर, नास होंइ बाले मनइन के नजर माहीं मूर्खता आय, पय हमरे पंचन के खातिर जे कोऊ मुक्ती पाय रहेन हँय, उआ परमातिमा के सक्ती आय। 19 काहेकि पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, कि

"जे कोऊ खुद काहीं ग्यानी मानत हें, त उनखे ग्यान काहीं हम नास करब,
अउर जे कोऊ खुद काहीं हुसिआर मानत हें, त उनखे हुसिआरी काहीं हम तुच्छ कइ देब †।"

20 त कहाँ हय ग्यानी? कहाँ हय मूसा के बिधान सिखामँइ बाला? कहाँ हय इआ संसार के बिबादी? का परमातिमा इआ संसार के ग्यान काहीं मूर्खता नहीं ठहराइन? 21 अउर परमातिमा के ग्यान के मुताबिक जइसन ऊँ चाहत रहे हँय, जब मनई अपने ग्यान से उनहीं नहीं पहिचानिन, त परमातिमा काहीं इआ निकहा लाग, कि मसीह के क्रूस माहीं बलिदान होंइ के खुसी के खबर के प्रचार के द्वारा, जउने काहीं मनई मूर्खता समझत हें, उहय खुसी के खबर के द्वारा बिसुआस करँइ बाले मनइन काहीं मुक्ती देंय। 22 अउर यहूदी लोग त अचरज के काम देखँइ चाहत हें, अउर यूनानी लोग ग्यान के खोज माहीं हें। 23 पय हम पंचे त क्रूस माहीं चढ़ाए मसीह के प्रचार करित हएन, अउर यहूदी लोग इआ बिसुआस नहीं करँय, कि मसीह मनइन के पापन के माफी के खातिर क्रूस माहीं मरे हें, एसे ऊँ पंचे इआ खुसी के खबर काहीं सुनिके क्रोधित होइ जात हें, अउर गैरयहूदी लोग, इआ बात काहीं मूर्खता समझत हें, कि मसीह मनइन के पापन के माफी के खातिर क्रूस माहीं मरे हें। 24 पय जिनहीं परमातिमा चुनिन हीं, चाह ऊँ यहूदी लोग होंय, चाह गैरयहूदी लोग, ऊँ सगलेन काहीं मुक्ती पामँइ के खातिर मसीह, परमातिमा के सक्ती अउर ग्यान आहीं। 25 अउर कुछ मनई इआ कहत हें, कि परमातिमा इआ काम कइके मुरखईं के काम किहिन हीं, पय परमातिमा जउन कुछू किहिन हीं, उआ मनइन के कामन से जादा बुद्धिमानी के काम हय; अउर कुछ मनई कहत हें, कि परमातिमा के निबलता, मनइन के सक्ती से खुब बढ़िके ही।

26 हे भाई-बहिनिव परमातिमा तोहईं कउने दसा माहीं चुनिन हीं, एखे बारे माहीं सोचा, ऊँ न त संसारिक रूप से खुब ग्यानी मनइन काहीं, अउर न खुब सक्तिसाली मनइन काहीं, अउर न खुब धनी परिबार के मनइन काहीं बोलाइन आय। 27 बलकिन संसार के लोगन के द्वारा मूरुख समझे जाँइ बाले मनइन काहीं, परमातिमा चुनि लिहिन हीं, कि जउने खुद काहीं ग्यानी समझँइ बाले मनइन काहीं, उनखे द्वारा लज्जित करँय, अउर परमातिमा संसार के लोगन के द्वारा निबल समझे जाँइ बाले मनइन काहीं चुनि लिहिन हीं, जउने खुद काहीं बलमान समझँय बाले मनइन काहीं लज्जित करँय। 28 अउर परमातिमा संसार से उनहिन काहीं जउन नीच समझे जात रहे हँय, अउर जिनसे मनई नफरत करत रहे हँय, अउर जिनखर कउनव महत्व नहीं रहा आय, चुनि लिहिन हीं, जउने उनहीं पंचन काहीं बेकार साबित करँय, जे कोऊ खुद काहीं खास समझत हें 29 जउने परमातिमा के आँगे कउनव मनई घमन्ड न कए पाबय। 30 अउर उनहिन के द्वारा तूँ पंचे मसीह यीसु माहीं बने हया, जउन परमातिमा के तरफ से हमरे पंचन के खातिर ग्यान ठहरे हँय, अउर उनहिन के द्वारा हम पंचे परमातिमा के नजर माहीं निरदोस साबित भएन हँय, पबित्र बनाए गएन हँय, अउर हरेक बुराइन से छुटकारा घलाय पाए हएन। 31 कि जउने उहयमेर होय जइसन पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, कि "अगर कोऊ घमन्ड करँइ चाहय, त उआ प्रभू के काम के ऊपर घमन्ड करय।"

† *1:19 यसा 29:14*

क्रूस माहीं चढ़ाए गें मसीह के बारे माहीं सँदेस

2 हे भाई-बहिनिव, जब हम तोंहरे लघे आए रहेन हँय, त परमातिमा के छिपी योजना काहीं बढ़ाय-चढ़ाइके अउर अपने चतुराई से तोहईं नहीं बतायन। 2 काहेकि हम अपने मन माहीं इआ ठान लिहेन तय, कि तोंहरे पंचन के बीच माहीं रहत समय, हम यीसु मसीह, अउर क्रूस माहीं भे उनखर मउत के अलाबा अउर कउनव बात न करब। 3 अउर हम निबल बनिके, डर-भय के साथ अउर खुब काँपत-काँपत तोंहरे पंचन के साथ माहीं रहेन हँय। 4 अउर हमरे बात, अउर प्रचार माहीं मनइन के बुद्धी के मुताबिक लोभामँय बाली बातँय नहीं रही आहीं, बलकिन उनमा पबित्र आत्मा, अउर ओखे सक्ती के सबूत रहा हय। 5 एसे कि जउने तोंहार पंचन के बिसुआस मनइन के ग्यान के ऊपर निरभर न रहय, बलकिन परमातिमा के सक्ती के ऊपर निरभर रहय।

परमातिमा के ग्यान

6 त जे कोऊ समझदार हें, उनहिन काहीं हम पंचे बुद्धी के बातँय सिखाइत हएन, अउर इआ बुद्धी इआ संसार के मनइन के बुद्धी न होय, अउर न त इआ संसार के नास होंइ बाले अधिकारिन के ग्यान आय। 7 पय परमातिमा के जउन योजना, हमसे पंचन से पहिले छिपी रही ही, अउर हमरे पंचन के महिमा के खातिर परमातिमा सनातन काल से निस्चित किहिन रहा हय, उहय ग्यान काहीं हम पंचे सुनाइत हएन 8 अउर उआ योजना काहीं, इआ संसार के अधिकारिन म से कोऊ नहीं जाने पाइन, काहेकि अगर ऊँ पंचे जनतें, त महिमावान प्रभू काहीं क्रूस माहीं न चढ़उतें। 9 पय पबित्र सास्त्र माहीं जइसन लिखा हय, कि

"जउने बातन काहीं कोहू कबहूँ नहीं देखिस, न सुनिस, अउर न अपने मनय माहीं सोचिस, उँइन बातन काहीं, परमातिमा अपने प्रेम करँइ बालेन के खातिर तइआर किहिन हीं।"

10 पय परमातिमा अपने आत्मा के द्वारा, उँइन बातन काहीं हमरे पंचन के खातिर प्रगट किहिन हीं, काहेकि परमातिमा के आत्मा सगली बातन भर काहीं नहीं, बलकिन परमातिमा के छिपी बातन काहीं घलाय जानत हय। 11 अउर मनइन म से कोऊ एक दुसरे के मन के बातन काहीं नहीं जानय, पय केबल मनइन के भीतर रहँइ बाली आत्मा भर जानत ही, उहयमेर परमातिमा के बातन काहीं कोऊ नहीं जानय, केबल परमातिमा के आत्मय भर जानत हय। 12 अउर जइसन संसार के मनइन के सोच-बिचार हय, त उआमेर के सोच-बिचार बाली आत्मा हम पंचे नहीं पाए आहेन, बलकिन परमातिमा के आत्मा पाएन हँय, कि जउने ऊँ बातन काहीं समझी, जउने बातन काहीं परमातिमा हमहीं पंचन काहीं सेंत-मेंत माहीं दिहिन हीं। 13 अउर उनहीं हम मनइन के ग्यान के द्वारा सिखाई बातन माहीं नहीं, बलकिन पबित्र आत्मा के द्वारा सिखाई आत्मिक बातन काहीं, आत्मिक सब्दन के उपयोग कइके सुनाइत हएन। 14 अउर परमातिमा जउने सच्चाई काहीं प्रगट किहिन हीं, संसारिक मनई ओही सोइकार नहीं करय, काहेकि ऊँ ओखे खातिर निछला मुरखईं के बातँय आहीं, अउर उआ उनहीं जानिव नहीं सकय, काहेकि ऊँ बातन काहीं केबल पबित्र आत्मय के द्वारा जाना जाय सकत हय। 15 अउर पबित्र आत्मा के मुताबिक चलय बाला मनई, सगली बातन के जाँच-परताल करत हय, पय ओखे बातन के जाँच-परताल कोऊ नहीं कए पाबय। 16 काहेकि पबित्र सास्त्र माहीं इआ लिखा हय, कि "प्रभू के मन काहीं को जानिस ही? कि उनहीं सलाह दइ सकय?" पय हमरे पंचन के भीतर मसीह के मन हय।

मसीही मन्डली माहीं गुटबन्दी

3 हे भाई-बहिनिव, हम तोंहसे उआमेर बात नहीं कए पाएन, जइसन
पबित्र आत्मा के मुताबिक चलय बाले मनइन से कीन जात ही, पय
हमहीं उआमेर से बात करँइ क परा, जइसन संसारिक मनइन से अरथात
उनसे कीन जात ही, जउन मसीह के बारे माहीं छोट बच्चन कि नाईं
अनजान होत हें। 2 अउर जइसन छोट बच्चन काहीं दूध पिआबा जात हय,
काहेकि ऊँ अनाज नहीं पचाय सकँय, उहयमेर हमहूँ तोहईं पंचन काहीं
सरल बातन काहीं सिखायन हय, काहेकि तूँ पंचे कठिन आत्मिक बातन
काहीं, नहीं समझ सकत रहे आह्या; अउर सचमुच अबहिनव तक तोंहार
पंचन के हालत उहयमेर ही। 3 काहेकि तूँ पंचे अबय तक अपने मन के बुरी
इच्छन के मुताबिक जिअँइ बाले मनइन कि नाईं हया। अउर जब तूँ पंचे
आपस माहीं डाह अउर लड़ाई-झगड़ा करते हया, त बताबा, का तूँ पंचे
अबय तक अपने मन के बुरी इच्छन के मुताबिक जिअँइ बाले मनइन कि
नाईं नहिं आह्या? अउर का तोंहार पंचन के चाल-चलन उनहिन कि नाईं नहिं
आय? 4 काहेकि जब तोंहरे पंचन म से कोऊ इआ कहत हय, कि "हम
पवलुस के चेला आहेन" अउर कोऊ इआ कहत हय, कि "हम अपुल्लोस के
चेला आहेन" त का तूँ पंचे अबिसुआसी मनइन कि नाईं बरताव नहीं करते
आह्या?

5 पय अपुल्लोस अउर पवलुस के कउनव खास महत्व नहिं आय, हम पंचे
त केबल सेबक आहेन जिनखे द्वारा तूँ पंचे यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस
किहे हया। हम पंचे त उहय काम किहेन हँय, जउने काम काहीं प्रभू हमरे
पंचन म से हरेक जन काहीं सउँपिन हीं। 6 हम बीज बोएन, अपुल्लोस
सींचिन अउर परमातिमा ओही बढ़ाइन। 7 एसे न त बोमँइ बाले के कउनव
महत्व आय, अउर न सींचँइ बाले के, पय सगला महत्व परमातिमय के हय,
काहेकि बढ़ामँय बाले उँइन आहीं। 8 बोमँइ बाला अउर सींचँइ बाला दोनव
जने एक समान हें; पय हरेक मनई अपने-अपने मेहनत के मुताबिक आपन
मजूरी पाई। 9 काहेकि हम पंचे परमातिमा के साथ काम करँइ माहीं
साझीदार हएन; अउर तूँ पंचे परमातिमा के खेत अउर उनखे घर कि नाईं
हया।

10 अउर परमातिमा के जउन किरपा हमहीं मिली हय, ओहिन के द्वारा हम
बुद्धिमान कारीगर कि नाईं खुसी के खबर के नेव डारेन हय, अउर दूसर
कोऊ बचन सिखामँइ के द्वारा उआ नेव के ऊपर रद्दा रक्खँइ के काम करत
हय, पय हरेक मनई सतरक रहय, कि उआ कइसन रद्दा रक्खत हय।
11 काहेकि जउन नेव डारी गे ही, उआ नेव खुद यीसु मसीह आहीं, अउर
ओखे अलाबा अउर दूसर मेर के नेव कोऊ नहीं डार सकय। 12 पय अगर
कोऊ इआ नेव के ऊपर, †सोन-चाँदी के इआ कि खुब कीमती पथरन के
इआ कि कठबा के इआ कि ††चारा-उजार अउर बूसी के रद्दा रक्खी, 13 त
जब यीसु मसीह दुबारा अइहँय, उआ दिना हरेक जन के काम सगले जनेन
के आँगे प्रगट होइ जई; अउर जब ऊँ अइहँय त उनखर तेज आगी के लपट
कि नाईं होई, अउर उहय आगी के द्वारा हरेक जन के काम जाँचा-परखा
जई, कि उआ कइसन हय। 14 अउर जेखर काम उआ नेव माहीं टिका रही,
त उआ मनई जरूर मजूरी पाई। 15 अउर अगर कोहू के काम उआ आगी
माहीं जर जई, त उआ मनई नुकसान उठाई; पय उआ खुद उआमेर से बँचि
जई, जइसन कोऊ आगी के बीच से जाइके जरत-जरत बँचि जात हय।

16 अउर का तूँ पंचे इआ नहीं जनते आह्या, कि तूँ सगले जने परमातिमा
के मन्दिर आह्या; अउर परमातिमा के आत्मा तोंहरे भीतर निबास करत हय।
17 अउर अगर कोऊ परमातिमा के मन्दिर काहीं नास करी, त परमातिमा
ओहू काहीं नास कइ देइहँय; काहेकि परमातिमा के मन्दिर पबित्र हय, अउर
उआ मन्दिर तूँ पंचे खुद आह्या।

18 अउर कउनव मनई खुद काहीं धोखा न देय, अगर तोंहरे पंचन म से
कउनव मनई खुद काहीं इआ संसार के ग्यानी समझत हय, त उआ मूरुख
बनय, कि जउने ग्यानी बन जाय। 19 काहेकि इआ संसार के ग्यान परमातिमा
के नजर माहीं मूर्खता हय, जइसन कि पबित्र सास्त्र माहीं इआ लिखा हय,
कि "परमातिमा ग्यानी मनइन काहीं उनहिन के हुसिआरी माहीं फँसाय देत
हें।" 20 अउर इहव लिखा हय, कि "खुद काहीं ग्यानी समझँय बाले मनइन
के बिचारन काहीं, प्रभू जानत हें, कि ऊँ बेकार हें।" 21 एसे नास होंइ बाले
मनइन के ऊपर कोऊ घमन्ड न करय, काहेकि सब कुछ तोंहारय पंचन के
आय, 22 चाह पवलुस होय, चाह अपुल्लोस होय, चाह पतरस होय, चाह
संसार के सगली चीजँय होंय, चाह तूँ पंचे जिन्दा रहा, चाह मरिजा, चाह
इआ समय के बातँय होंय, अउर चाह भबिस्य के बातँय होंय, सब कुछू तोंहरे
पंचन के भलाइन के खातिर आय। 23 अउर तूँ पंचे मसीह के आह्या, अउर
मसीह परमातिमा के आहीं।

मसीह के सेबक

4 परमातिमा के जउन बातँय मनइन से छिपी रही हँय, उँइन बातन के
भन्डारी, अउर मसीह के सेबक हम पंचे आहेन, इआ बात मनइन
काहीं समझँय चाही। 2 पय जेही भन्डारी के काम सउँपा जात हय, त
ओमाहीं इआ बात देखी जात ही, कि उआ इमानदार होय। 3 हमहीं एखर
एक्कव चिन्ता नहिं आय, कि तूँ पंचे हमार न्याय करा, इआ कि मनइन के
कउनव अदालत। अउर वास्तव माहीं हम खुदव आपन न्याय नहीं करी।
4 काहेकि हमार मन हमहीं कउनव बात माहीं दोसी नहीं ठहराबय, तऊ हम
एसे निरदोस नहीं ठहरी, काहेकि हमार जाँच-परताल करँइ बाले केबल प्रभू
आहीं। 5 एसे जब तक प्रभू न आमँय, त समय से पहिले कउनव बात के
न्याय न किहा, काहेकि जब प्रभू अइहँय त अँधिआर माहीं छिपी बातन
काहीं उँजिआर माहीं देखइहँय, अउर मनइन के मन के उद्देसन काहीं घलाय
प्रगट करिहँय। तब परमातिमा के तरफ से हरेक जन के उचित बड़ाई होई।

6 हे भाई-बहिनिव, हम ईं बातन माहीं खुद के, अउर अपुल्लोस के
उदाहरन दइके, तोंहसे जउन चरचा किहेन हय, त उआ उदाहरन के रूप
माहीं आय किहेन हँय, कि जउने तूँ पंचे हमसे पंचन से सिखिके, पबित्र
सास्त्र माहीं लिखी बातन से जादा आँगे न बढ़ा, अउर एक जने के पच्छ
लइके, अउर दुसरे मनई के बिरोध कइके, अहंकार से फूल न जा। 7 अउर
को कहत हय, कि तूँ पंचे दुसरे मनई से बढ़िके हया? अउर तोंहरे लघे
अइसन कउन चीज ही, जउने काहीं तूँ पंचे परमातिमा से नहीं पाए आह्या?
अउर अगर सब कुछ, तोहईं परमातिमय से मिला हय, त पुनि तूँ अइसन
घमन्ड काहे करते हया, कि हम पंचे खुदय पाएन हँय?

8 अउर तूँ पंचे इआ सोचते हया, कि हमहीं कउनव चीज के कमी नहिं
आय, अउर हम पंचे धनी होइ गएन हँय, बाह भाई बाह! तूँ पंचे त बिना
हमरेन राजा बन गया हय। पय इआ केतनी निकही बात होत, जब तूँ पंचे
सचमुच राजा बन जात्या, कि जउने हमहूँ पंचे घलाय तोंहरे साथ राज
करित। 9 हमहीं त अइसन लागत हय, कि हमहीं पंचन काहीं जउन यीसु
मसीह के खास चेला आहेन, परमातिमा ऊँ मनइन कि नाईं आखिरी जघा
माहीं रक्खिन हीं, जिनहीं मउत के सजा पामँइ के हुकुम होइ जात ही;
काहेकि हम पंचे संसार के मनइन, अउर स्वरगदूतन के नजर माहीं, तमासा
बन गएन हँय। 10 हम पंचे मसीह के बारे माहीं प्रचार करित हएन, एसे मनई
हमहीं पंचन काहीं निरबुद्धी मानत हें, पय हाँ, भाइव, तूँ पंचे त इआ घमन्ड
करते हया, कि हम पंचे मसीह के बारे माहीं खुब जानित हएन, हमहीं पंचन
काहीं मनई कमजोर मानत हें, पय तूँ पंचे खुद काहीं सक्तिसाली मनते हया,
मनई तोंहार पंचन के मान-सम्मान करत हें, अउर हम पंचे अपमान सहित
हएन। 11 अउर हम पंचे अबय तक भूँख-पिआस सहित हएन, फटे-पुरान
ओन्हा पहिरित हएन, मार सहित हएन, अउर इहाँ-उहाँ मारे-मारे फिरित
हएन। 12 अउर हम पंचे खुद मेहनत कइके काम करित हएन, मनई हमार
पंचन के बुराई करत हें, पय हम पंचे उनहीं आसिरबाद देइत हएन; ऊँ पंचे

† *सोन-चाँदी अउर खुब कीमती पथरा आगी से न जरँय बाली चीजँय आहीं, अउर ईं परमातिमा के बारे माहीं सही सिच्छा के इसारा करती हईं* †† *कठबा, चारा-उजार अउर बूसी आगी माहीं जरँय बाली चीजँय आहीं, अउर ईं परमातिमा के बारे माहीं गलत सिच्छा के इसारा करती हईं*

हमहीं सताबत हें, अउर हम पंचे सहित हएन। 13 ऊँ पंचे हमहीं पंचन काहीं
बदनाम करत हें, अउर हम पंचे उनसे प्रेम से बातँय करित हएन। अउर हम
पंचे आजव तक संसार के कूरा-कचड़ा कि नाईं माने जइत हएन।

पवलुस के चेतउनी

14 ईं बातन काहीं हम तोहईं पंचन काहीं सरमिन्दा करँइ के खातिर न होय
लिखित हएन, पय अपने पियार लड़िका कि नाईं जानिके, ईं बातन के द्वारा
तोहईं समझाइत हएन। 15 काहेकि अगर तोहईं, मसीह के बारे माहीं
सिखामँइ बाले चाह हजारन मनई घलाय होतें, तऊ तोंहार पंचन के आत्मिक
पिता खुब जने नहिं आहीं; पय मसीह यीसु के बारे माहीं खुसी के खबर
सुनामँइ के कारन, हम तोंहार पंचन के आत्मिक पिता कहाएन। 16 एसे हम
तोंहसे इआ बिनती करित हएन, कि तोंहार चाल-चलन हमरे कि नाईं होय।
17 एसे हम तीमुथियुस काहीं, तोंहरे लघे पठएन हँय, जउन प्रभू माहीं
बिसुआस करँइ के कारन, हमार पियार अउर बिसुआस के काबिल लड़िका
आहीं। अउर हम हरेक जघा माहीं, अउर हरेक मसीही मन्डली माहीं मसीह
के बारे माहीं जउन उपदेस देइत हएन, ऊँ उनखे बारे माहीं तोहईं पंचन काहीं
सुध देबइहँय। 18 पय तोंहरे पंचन म से कुछ जने घमन्ड से अइसन फूलिगे
हँय, कि जइसन हम तोंहरे लघे कबहूँ अउबय न करब। 19 पय अगर प्रभू के
मरजी होई, त हम तोंहरे लघे हरबिन अउब, अउर जउन घमन्ड से फूले हें, त
उनखे बातन भर काहीं नहीं, पय उनखे सक्तिव काहीं देख लेब। 20 काहेकि
परमातिमा के राज माहीं रहँइ के खातिर केबल बातँय भर करब जरूरी नहीं
आय, पय परमातिमा के सक्ती हमरे पंचन के जीबन माहीं काम करँइ चाही।
21 अउर तूँ पंचे इआ बताबा, कि का चहते हया? का हम तोहईं डाँटँइ के
खातिर डंडा लइके तोंहरे लघे अई, इआ कि प्रेम अउर नम्र सुभाव के साथ
अई?

मसीही मन्डली माहीं अनुचित काम

5 हम पंचे इहाँ तक सुने हएन, कि तोंहरे बीच माहीं ब्यभिचार होत हय,
अउर अइसन ब्यभिचार होत हय, कि उआमेर से अबिसुआसी लोगन
के बीच माहीं घलाय नहीं होय, काहेकि कोऊ-कोऊ अइसन हें, कि ऊँ अपने
मइभा महतारी के साथ ब्यभिचार करत हें, 2 बाह भाई बाह, एखे बादव तूँ
पंचे घमन्ड से फूले हया, पय का एखे बारे माहीं तोहईं पंचन काहीं पचिताँय
क न चाही? अउर जे कोऊ अइसन अनुचित काम करत हय, त ओही अपने
बीच से बहिरे न निकार देंइ चाही? 3 जबकि हम सारीरिक रूप से त तोंहरे
साथ नहिं आहेन, तऊ आत्मिक रूप से तोंहरे लघे हाजिर हएन, अउर मानि
ल्या, कि हम उहाँ हाजिर रहिके, जे कोऊ अइसन काम किहिन हीं, उनखे
बारे माहीं आपन निरनय सुनाय चुकेन हय। 4 जब तूँ पंचे, अउर आत्मिक
रूप से हमहूँ घलाय, प्रभू यीसु के सक्ती के साथ एकट्ठा होब, त अइसन
मनई काहीं प्रभू यीसु के नाम से 5 ओखे पापी सुभाव काहीं नास करँइ के
खातिर †सइतान काहीं सउँप दीन जाय, कि जउने प्रभू यीसु मसीह के
दुसराय आमँय के दिन ओखर आत्मा नास होंइ से बँचि जाय।
6 अउर तूँ पंचे, जउन घमन्ड से फूले हया, त इआ उचित न होय; का तूँ
पंचे इआ नहीं जनते आह्या, कि पिसान माहीं थोरी क खमीर मिलाए से,
सगला माड़ा पिसान खमीर कि नाईं आमिल होइ जात हय। 7 त तूँ पंचे पुरान
खमीर, अरथात उआ बुरे मनई काहीं निकारिके खुद काहीं पबित्र करा, कि
जउने माड़े नबा पिसान कि नाईं बन जा; अउर तूँ पंचे फसह नाम के तेउहार
माहीं खाई जाँय बाली, बिना खमीर मिलाई रोटी कि नाईं हया। काहेकि
हमहीं पंचन काहीं पबित्र करँइ के खातिर मसीह, फसह के मेम्ना के रूप
माहीं बलिदान होइगे हँय। 8 एसे आबा, हम पंचे आपन फसह के तेउहार,
बुराई अउर दुस्टता से भरे पुरान खमीर के रोटी से न मनाई, बलकिन सिधाई
अउर सच्चाई से भरी, बिना खमीर के रोटी से मनाई।

9 हम अपने चिट्ठी माहीं, तोहईं पंचन काहीं लिखेन हँय, कि ब्यभिचार
करँइ बालेन के संगति न किहा। 10 अउर हम इआ न होय लिखेन हँय, कि तूँ
पंचे इआ संसार के ब्यभिचार करँइ बालेन, इआ कि लालच करँइ बालेन,
इआ कि दुसरेन के साथ अत्याचार करँइ बालेन, इआ कि मूरतिन के पूजा
करँइ बालेन, के बेलकुल संगति न किहा; काहेकि इआ हालत माहीं त तोहईं
पंचन काहीं इआ संसार से निकर जाँइ क परी। 11 पय हमरे कहँय के मतलब
इआ आय, कि अगर कोऊ खुद काहीं बिसुआसी भाई कहिके, ब्यभिचार
करँइ बाला, इआ कि लालच करँइ बाला, इआ कि मूरतिन के पूजा करँइ
बाला, इआ कि गारी देंइ बाला, इआ कि दारू पिअँइ बाला, इआ कि दुसरे
के साथ अत्याचार करँइ बाला होय, त ओखर संगति न किहा; बलकिन
अइसन मनई के साथ माहीं बइठिके खानव तक न खया। 12 अउर जे कोऊ
मसीही मन्डली के बहिरे के आहीं, अरथात अबिसुआसी आहीं, त उनखर
न्याय करँइ के हमार कउनव मतलब नहिं आय, पय तोहईं पंचन काहीं
उनखर न्याय करँइ क चाही, जउन मसीही मन्डली के भीतर के अरथात
बिसुआसी आहीं 13 पय मसीही मन्डली के बहिरे बाले मनइन के न्याय
परमातिमा करिहँय, एसे तूँ पंचे उआ कुकर्मी काहीं अपने बीच म से निकारि
द्या ††।

आपस के बिबादन के निपटारा

6 अउर का तोंहरे पंचन म से कोहू के अइसन हिम्मत ही, कि जब
तोंहार पंचन के आपस माहीं लड़ाई-झगड़ा होय, त फँइसला करामँय
के खातिर पबित्र मनइन अरथात बिसुआसी मनइन के लघे न जाइके,
अबिसुआसी लोगन के लघे जाय। 2 का तूँ पंचे इआ नहीं जनते आह्या, कि
बिसुआसी लोग संसार के मनइन के न्याय करिहँय? अउर जब तोहईं पंचन
काहीं संसार के मनइन के न्याय करँय क हय, त तूँ पंचे छोट-छोट झगड़न के
निपटारा करँइ के काबिल नहिं आह्या का? 3 अउर का तूँ पंचे इआ नहीं
जनते आह्या, कि हम पंचे स्वरगदूतन के घलाय न्याय करब? त अगर
अइसन हय, त का संसारिक बातन के निपटारा न करी। 4 अउर अगर तोहईं
पंचन काहीं संसारिक बातन के निपटारा करँय क होय, त का निपटारा
करामँइ के खातिर उनहिन काहीं बोलइहा, जिनखर मसीही मन्डली माहीं
कउनव कीमतय नहिं आय। 5 हम तोहईं पंचन काहीं लज्जित करँइ के
खातिर इआ बात कहित हएन, कि का वास्तव माहीं तोंहरे बीच माहीं एक्कव
जने बुद्धिमान नहिं आहीं, कि जउन अपने बिसुआसी भाई-बहिनिन के
झगड़न के निपटारा कइ सकँय? 6 अउर तोंहरे पंचन म से बिसुआसी भाई-
बहिनी लोग आपस माहीं मुकदमा करत हें, अउर उहव अबिसुआसी मनइन
के आँगे।
7 पय वास्तव माहीं तोंहरे जीबन माहीं सबसे बड़ा दोस त इआ हय, कि तूँ
पंचे आपस माहीं लड़ाई-झगड़ा कइके मुकदमा लड़ते हया। अन्याय काहे
नहीं सहि लेते आह्या? अउर खुद के नुकसान काहे नहीं सहि लेते आह्या?
8 पय तूँ पंचे खुदय अन्याय करते हया, अउर नुकसान पहुँचउते हया, उहव
अपने मसीही भाई-बहिनिन के साथ। 9 अउर का तूँ पंचे इआ नहिं जनते
आह्या, कि अन्याय करँइ बाले मनई परमातिमा के राज के बारिसदार न
होइहँय? तूँ पंचे धोखा न खया, काहेकि ब्यभिचार करँइ बाले, मूरतिन के
पूजा करँइ बाले, अपने मेहेरिआ के अलाबा दुसरे मेहेरिअन के साथ
सारीरिक सम्बन्ध बनामँइ बाले, लुच्चई करँइ बाले, मंसेरुअय-मंसेरुआ
आपस माहीं सारीरिक सम्बन्ध बनामँइ बाले, 10 चोरी करँइ बाले, लालची,
दारू पिअँइ बाले, गारी देंइ बाले, अउर दुसरेन के साथ अत्याचार करँइ
बाले, परमातिमा के राज के बारिसदार न होइहँय। 11 अउर तोंहरे पंचन म से
कुछ जने इहइमेर के पाप करँइ बाले रहे हँय, पय अब उन पापन से तोंहईं
पंचन काहीं धोय दीन ग हय, अउर पबित्र कइ दीन ग हय, अउर तोंहईं पंचन
काहीं परमातिमा के सेबा के खातिर सँउप दीन ग हय, अउर प्रभू यीसु

† *अरथात ओही मसीही मन्डली से बहिरे निकार दीन जाय*

†† *5:13 ब्यब 13:5; 17:7*

मसीह के नाम अउर हमरे पंचन के परमातिमा के आत्मा के द्वारा, परमातिमा के नजर माहीं निरदोस साबित कइ दीन ग हय।

पाप से दूर रहा अउर अपने देंह के द्वारा परमातिमा के महिमा करा

12 तूँ पंचे कहते हया, कि हमहीं पंचन काहीं सब कुछ करँइ के अनुमति
हय, पय सगली बातन से तोंहईं फायदा न होई; अउर हाँ, हमहीं पंचन काहीं
सब कुछ करँइ के अनुमति त हय, पय हम कउनव चीज के गुलाम न बनब।
13 अउर तूँ पंचे इआ कहते हया, कि "खाना पेट के खातिर आय, अउर पेट
खाना के खातिर आय" पय परमातिमा खाना अउर पेट दोनव काहीं नास
कइ देइहँय। अउर हमार पंचन के देंह ब्यभिचार करँइ के खातिर नहीं, प्रभू
के महिमा के खातिर बनाई गे ही, अउर प्रभू हमरे देंह के भलाई के खातिर
हें। 14 अउर परमातिमा अपने सक्ती से जइसन प्रभू काहीं, मरे के बाद जिन्दा
कइ दिहिन हीं, उहयमेर हमहूँ पंचन काहीं घलाय मरे म से जिन्दा कइ
देइहँय। 15 अउर का तूँ पंचे इआ नहीं जनते आह्या, कि तोंहार पंचन के देंह
मसीह के देंह के अंग आहीं? त का हम पंचे मसीह के अंग लइके बेस्या के
अंग बनाई? बेलकुल नहीं। 16 का तूँ पंचे नहीं जनते आह्या, कि जे कोऊ
बेस्यन से सारीरिक सम्बन्ध बनाबत हय, त उआ ओखे साथ एकय देंह होइ
जात हय? काहेकि पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, कि "ऊँ दोनव जने एकय
देंह होइ जइहँय।" 17 अउर जे कोऊ प्रभू के साथ जुड़ा रहत हय, त उआ
उनखे साथ मिलिके एकय आत्मा होइ जात हय। 18 पय तूँ पंचे ब्यभिचार
करँइ से बचे रहा। काहेकि एखे अलाबा जेतने अउर पाप मनई करत हय, त
देंह के बहिरे करत हय, पय ब्यभिचार करँइ बाला मनई अपने देंह के बिरोध
माहीं पाप करत हय। 19 का तूँ पंचे इआ नहीं जनते आह्या, कि तोंहार पंचन
के देंह पबित्र आत्मा के मन्दिर आय, अउर उआ तोंहरे देंह माहीं निबास
करत हय, अउर उआ तोहईं पंचन काहीं परमातिमा के तरफ से मिला हय;
अउर खुद के जीबन माहीं तोंहार पंचन के कउनव हक्क नहिं आय।
20 काहेकि परमातिमा दाम चुकाइके तोहईं पंचन काहीं खरीद लिहिन हीं,
एसे तूँ पंचे अपने देंह के द्वारा परमातिमा के बड़ाई करा।

काजे के बारे माहीं सलाह

7 अउर अपने चिट्ठी माहीं तूँ पंचे जउन लिखे रहे हया, कि का कउनव
मनई काहीं मेहेरिआ से सारीरिक सम्बन्ध बनामँइ चाही, कि नहीं? त
ऊँ बातन के बारे माहीं हमार कहब इआ हय, कि 2 तोंहरे बीच माहीं
ब्यभिचार न होय, इआ कारन से हरेक मंसेरुआ के एकठे मेहेरिआ होय,
अउर हरेक मेहेरिआ के एकठे मंसेरुआ होय। 3 मंसेरुआ अपने मेहेरिआ के
हक्क पूर करय, अउर मेहेरिआ अपने मंसेरुआ के हक्क पूर करय।
4 काहेकि अपने देंह माहीं मेहेरिआ के हक्क नहिं आय, पय ओखे मंसेरुआ
के हक्क हय; उहयमेर अपने देंह माहीं मंसेरुआ के घलाय हक्क नहिं आय,
पय ओखे मेहेरिआ के हक्क हय 5 अउर तूँ पंचे एक दुसरे से अलग न रहा;
पय एक दुसरे के सलाह-मसबिरा से कुछ समय के खातिर अलग रहि सकते
हया, कि जउने प्राथना करँइ के खातिर तोंहईं पंचन काहीं जादा मोका
मिलय, अउर पुनि एकय साथ माहीं रहा; एसे कि कहँव अलग रहँइ के समय
माहीं सइतान तोहईं पंचन काहीं पाप माहीं न गिराय देय। 6 पय हम जउन
इआ बात कहित हएन, त हुकुम न होय दइ रहेन हय, बलकिन सलाह दइ
रहेन हय। 7 अउर हम इआ चाहित हएन, कि सगले मनई हमरे कि नाईं बिना
काज किहे रहँय; पय हरेक मनई काहीं परमातिमा के तरफ से अलग-अलग
खास बरदान मिले हँय; कोहू काहीं काज कइके अउर कोहू काहीं बिना
काज किहे जीबन बितामँइ के बरदान मिला हय।
8 जिनखर काज नहीं भ आय, अउर जउन बिधबा हईं, त उनखे बारे माहीं
हम इआ कहित हएन, कि उनहीं पंचन काहीं हमरे कि नाईं बिना काज किहे
रहब निकहा हय। 9 पय अगर ऊँ पंचे अपने देंह के इच्छन काहीं अपने काबू
माहीं नहीं कइ सकँय, त ऊँ पंचे काज कइ लेंय, काहेकि सारीरिक सम्बन्ध
बनामँइ के बड़ी इच्छा रखिके जिए से, उनहीं पंचन काहीं काज कइ लेब
नीक हय।
10 †अउर जिनखर काज होइगा हय, त उनहीं हम नहीं, बलकिन प्रभू
हुकुम देत हें, कि मेहेरिआ अपने मंसेरुआ काहीं न छोंड़य; 11 पय अगर
छोंड़िव देय, त दूसर काज न करय; बलकिन अपने मंसेरुआ से दुबारा मेल-
मिलाप कइ लेय, अउर मंसेरुअव अपने मेहेरिआ काहीं न छोंड़य।
12 अउर दुसरे मनइन से प्रभू नहीं, बलकिन हमहिन कहित हएन, कि
अगर कउनव बिसुआसी भाई के मेहेरिआ, प्रभू यीसु मसीह के ऊपर
बिसुआस न करत होय, पय ओखे साथ माहीं रहँइ के खातिर राजी होय, त
उआ ओही न छोंड़य। 13 उहयमेर जउने मेहेरिआ के मंसेरुआ अगर
बिसुआस न करत होय, पय ओखे साथ माहीं रहँइ के खातिर राजी होय; त
उआ अपने मंसेरुआ काहीं न छोंड़य। 14 काहेकि अबिसुआसी मंसेरुआ
अपने मेहेरिआ के कारन पबित्र ठहरत हय, अउर इहइमेर अबिसुआसी
मेहेरिआ अपने मंसेरुआ के कारन पबित्र ठहरत ही, नहीं त तोंहार पंचन के
लड़िका-बच्चा असुद्ध होतें, पय अब त ऊँ पंचे पबित्र हें। 15 एखे बादव अगर
जउन मंसेरुआ बिसुआस नहीं करय, उआ अगर अपने बिसुआसी मेहेरिआ
काहीं छोंड़ँइ चाहत हय, त छोंड़ँइ द्या, काहेकि इआ हालत माहीं कउनव
भाई इआ कि बहिनी कउनव मेर के बन्धन माहीं नहिं आहीं, पय परमातिमा
हमहीं पंचन काहीं मिल-जुलिके रहँइ के खातिर बोलाइन हीं। 16 अउर हे
मेहेरिअव, का तूँ पंचे इआ नहीं जनते आह्या, कि होइ सकत हय तूँ पंचे
अपने-अपने मंसेरुआ के मुक्ती पामँइ के कारन बन जा? अउर हे मंसेरुअव,
का तुहूँ पंचे इआ नहीं जनते आह्या, कि होइ सकत हय तुहूँ पंचे अपने-अपने
मेहेरिआ के मुक्ती पामँइ के कारन बन जा?

परमातिमा के द्वारा बोलाए जाँइ के मुताबिक जीबन बिताबा

17 अउर प्रभू जेही जइसन जीबन दिहिन हीं, अउर परमातिमा जेही जउने
परिस्थित से चुनि लिहिन हीं, त ऊँ पंचे उहय परिस्थित माहीं रहिके जीबन
बितामँइ; अउर हम सगली मसीही मन्डलिन के खातिर इहय हुकुम देइत
हएन। 18 अउर अगर परमातिमा कोहू काहीं उआ हालत से बोलाइन हीं, जब
ओखर खतना होइगा रहा हय, त उआ बिना खतना बाला न बनय, अउर जे
कोऊ बिना खतना के बोलाबा ग हय, त उआ खतना न करबाबय।
19 काहेकि न त खतना करामँइ बालेन के कउनव महत्व आय, अउर न त
बिना खतना बालेन के; पय परमातिमा के हुकुमन के पालन करब सगलेन से
खास बात आय। 20 अउर हरेक मनई काहीं जउने परिस्थित माहीं बोलाबा ग
रहा हय, उआ उहय परिस्थित माहीं रहय। 21 अउर अगर तोहईं ††दास के
परिस्थित माहीं बोलाबा ग होय, त फिकिर न किहा; पय अगर स्वतंत्र होइ
सकते हया, त मोके के फायदा उठाबा। 22 काहेकि जे कोऊ दास के
परिस्थित माहीं प्रभू माहीं बोलाबा ग हय, त उआ प्रभू के द्वारा स्वतंत्र कीन
आय; उहयमेर जउने काहीं स्वतंत्र परिस्थित से बोलाबा ग हय, त उआ
मसीह के दास आय। 23 अउर परमातिमा दाम चुकाइके, तोंहईं पंचन काहीं
खरीद लिहिन हीं, एसे तूँ पंचे मनइन के ‡दास न बना। 24 अउर हे भाई-
बहिनिव, हरेक मनई जउने परिस्थित माहीं बोलाबा ग होय, उआ, उहय
परिस्थित माहीं रहिके परमातिमा के महिमा करय।

काज करँइ के बारे माहीं सिच्छा

25 अउर जिनखर काज नहीं भ आय, उनखे बारे माहीं हमहीं प्रभू से
कउनव हुकुम नहीं मिला आय, पय प्रभू के जउन किरपा हमहीं मिली हय,
ओहिन के द्वारा बिसुआस के काबिल होंइ के कारन, हम इआ सलाह देइत
हएन। 26 अउर इआ समय जउन दुख-मुसीबत मनइन काहीं सहँय क परत
हय, त इनखे कारन हमरे समझ से त इआ निकहा हय, कि कउनव मनई
जउने परिस्थित माहीं हय, उआ उहय परिस्थित माहीं रहय। 27 अउर अगर

† *7:10मत्ती 5:32; 19:9; मर 10:11,12; लूका 16:18* †† *गुलामी के हालत माहीं*
‡ *अरथात गुलाम*

तोंहरे मेहेरिआ हय, त ओही छोंड़ँइ के कोसिस न किहा; अउर अगर तोंहरे मेहेरिआ नहिं आय, त मेहेरिआ ढूँढ़ँइ के कोसिस न किहा। 28 पय अगर तूँ पंचे काजव कइ लेते हया, त उआ पाप न होय; अउर अगर कउनव कुमारी बिटिया आपन काज करत ही, त उआ कउनव पाप न होय; पय अइसन मनइन काहीं दुख-मुसीबत सहँय क परी, पय हम उनहीं इनसे बचामँइ चाहित हएन। 29 अउर हे भाई-बहिनिव, हम इआ कहित हएन, कि समय बेलकुल कम कीन ग हय, एसे हम इआ चाहित हएन, कि जिनखे मेहेरिआ होंय, त ऊँ पंचे अइसन रहँय, कि जइसन उनखे मेहेरिअय नहिं आय; 30 अउर दुख-मुसीबत सहँइ बाले अइसन रहँय, कि जइसन उनहीं कउनव दुख-मुसीबत हइअय नहिं आय; अउर खुसी मनामँइ बाले अइसन रहँय, कि जइसन ऊँ पंचे कबहूँ खुसी मनउबय नहीं भें; अउर कउनव चीजन काहीं खरीदँय बाले अइसन रहँय, कि जइसन उनखे लघे कुछू हइअय नहिं आय। 31 अउर इआ संसार के चीजन काहीं उपयोग करँइ बाले अइसन रहँय, कि जइसन उनखे जीबन माहीं ईं चीजन के कउनव महत्व हइअय नहिं आय, काहेकि इआ संसार अउर एखर सगली चीजँय नास होंइ बाली आहीं।

32 एसे हम इआ चाहित हएन, कि तूँ पंचे संसारिक बातन माहीं जादा मन न लगाबा, काहेकि जउन मनई काज नहीं करत आय, उआ प्रभू के बातन के बारे माहीं सोचत रहत हय, कि हम प्रभू काहीं कइसन खुस रक्खी। 33 पय जउन मनई काज कइ लेत हय, त उआ संसारिक बातन के बारे माहीं फिकिर करत रहत हय, कि हम अपने मेहेरिआ काहीं कइसन खुस रक्खी। 34 अउर जउन मेहेरिआ आपन काज कइ लेत ही, अउर जउन आपन काज नहीं करय, ऊँ दोनव माहीं फरक हय। काहेकि जउन आपन काज नहीं करय, त उआ प्रभू के बातन के बारे माहीं फिकिर करत रहत ही, कि हम अपने देंह अउर आत्मा दोनव माहीं कइसन पबित्र रही, पय जउन आपन काज करत ही, त उआ संसारिक बातन के बारे माहीं फिकिर करत रहत ही, कि हम अपने मंसेरुआ काहीं कइसन खुस रक्खी। 35 अउर इआ बात हम तोंहरे भलाइन के खातिर कहित हएन, पय तोहईं पंचन काहीं फसामँइ के खातिर न होय कहित हएन, एसे तोहईं जइसन उचित लागय उहयमेर करा, अउर तूँ पंचे एक मन होइके प्रभू के सेबा माहीं लगे रहा।

36 अउर अगर कोहू के लघे जबान बिटिया होय, अउर ओखर उमिर जादा होइगे होय, अउर ओखर काज करब जरूरी होय, त अगर ओखे बाप काहीं अइसन लागत होय, कि हम ओखर काज न कइके अपने बिटिया के साथ उचित नहीं कइ रहेन आय, त ओखर काज कइ देय; अउर एमाहीं कउनव पाप नहिं आय। 37 पय जे कोऊ मन के खुब पक्का हय, अउर जेखे ऊपर कोहू के दबाव नहिं आय, अउर अगर उआ अपने मन माहीं बेलकुल ठान लिहिस ही, कि अपने कुमारी बिटिआ के काज न करब, त उआ निकहा करत हय। 38 एसे जे कोऊ अपने कुमारी बिटिया के काज कइ देत हय, त निकहा करत हय, अउर जे कोऊ काज नहीं करय, त उआ अउरव निकहा करत हय।

39 जब तक कउनव मेहेरिआ के मंसेरुआ जिन्दा रहत हय, तब तक उआ काज के बन्धन माहीं ओसे बँधी रहत ही; पय अगर ओखर मंसेरुआ मरि जाय, त उआ जेसे चाहय ओसे काज कइ सकत ही, पय केबल बिसुआसी के साथ। 40 पय जउने हालत माहीं उआ ही, अगर बिना काज किहे उहय हालत माहीं रहय, त हमरे बिचार से उआ अउर धन्य कहाई; अउर हम इआ जानित हएन, कि परमातिमा के आत्मा हमरे भीतर हय।

मूरतिन माहीं चढ़ाबा जाँइ बाला खाना

8 अउर मूरतिन के ऊपर चढ़ाई जाँय बाली चीजन के बारे माहीं, अब हम पंचे इआ मानित हएन, कि एखे बारे माहीं हमहीं पंचन काहीं ग्यान हय। अउर ग्यान घमन्ड उत्पन्न करत हय, पय प्रेम से मसीही मन्डली के उन्नति होत ही। 2 पय अगर कोऊ इआ मानत हय, कि हम सब कुछ जानित हएन, त जइसन ओही जानँइ क चाही, उआमेर से उआ अबय तक नहीं जानय। 3 पय अगर कोऊ परमातिमा से प्रेम रक्खत हय, त परमातिमा ओही चीन्हत हें।

4 एसे मूरतिन के ऊपर चढ़ाई जाँय बाली चीजन काहीं, खाँय के बारे माहीं हम पंचे जानित हएन, कि मूरत इआ संसार माहीं बास्तबिक परमातिमा न होय, काहेकि एकठे परमातिमा के अलाबा कउनव दूसर परमातिमा नहिं आँय। 5 जबकि अकास अउर धरती माहीं खुब परमातिमा माने जात हें, जइसन कि वास्तव माहीं कुछ मनई खुब परमातिमा अउर खुब प्रभुअन के अराधना करत हें; 6 तऊ हमरे पंचन के खातिर एकयठे परमातिमा हें, जउन संसार के सगली चीजन काहीं बनाइन हीं, अउर हम पंचे उनहिन के महिमा के खातिर जिन्दा हएन, अउर हमरे पंचन के एकयठे प्रभू हें, अरथात यीसु मसीह जिनखे द्वारा सगली चीजँय बनाई गई हँय, अउर हमहूँ पंचे घलाय उनहिन के द्वारा जीबन पाएन हँय।

7 पय सगले बिसुआसी भाई-बहिनिन काहीं इआ बात के ग्यान नहिं आय, अउर कुछ जने त अबय तक मूरतिन काहीं परमातिमा समझिके, अउर उनखे ऊपर चढ़ाई जाँइ बाली चीजन काहीं पबित्र मानिके उनहीं खात हें, अउर नीक-नागा के बारे माहीं सोचँइ के उनखर सक्ती कमजोर होइके, असुद्ध होइ जात ही। 8 पय खाना हमहीं पंचन काहीं परमातिमा के लघे नहीं पहुँचाबय, चाह हम पंचे खई, त ओसे हमहीं कउनव फायदा न होई, अउर चाह न खई, त हमहीं पंचन काहीं कुछू नुकसान न होई। 9 पय तूँ पंचे सतरक रह्या, कहँव अइसन न होय, कि तोंहार पंचन के इआ अजादी, बिसुआस माहीं कमजोर मनइन काहीं पाप माहीं गिरामँइ के कारन बन जाय। 10 काहेकि अगर बिसुआस माहीं कमजोर कउनव मनई, तोंहईं मूरत बाले मन्दिर माहीं खाना खात देखी, जबकि तोहईं एखे बारे माहीं ग्यान हय, त ओहू के मन माहीं घलाय मूरत के ऊपर चढ़ाई चीजन काहीं खाँय के हिम्मत होइ जई। 11 इआमेर से तोंहरे ग्यान के कारन बिसुआस माहीं कमजोर उआ भाई, इआ कि बहिनी, नास होइ जई, जेखे खातिर मसीह आपन जान दिहिन हीं। 12 अउर इआमेर से तूँ पंचे बिसुआसी भाई-बहिनिन के बिरोध माहीं अपराध कइके, अउर उनखे कमजोर सोच-बिचार काहीं चोंट पहुँचाइके, मसीह के बिरोध माहीं अपराध करते हया। 13 इआ कारन से अगर हमार खाना दुसरे बिसुआसी भाई-बहिनिन काहीं पाप माहीं गिरामँइ के कारन बनत हय, त हम कबहूँ माँस न खाब, कहँव अइसन न होय, कि हम उनहीं पाप माहीं गिरामँइ के कारन बन जई।

यीसु मसीह के खास चेला के अधिकार अउर जबाबदारी

9 अउर हमहूँ दुसरे मनइन कि नाईं अजाद हएन, अउर हमहूँ यीसु मसीह के खास चेला आहेन, अउर हम यीसु काहीं जउन हमार प्रभू आहीं, देखे हएन, अउर खुसी के खबर सुनामँइ के द्वारा प्रभू यीसु मसीह के बिसुआस माहीं, हमहिन तोहईं पंचन काहीं लइ आएन हय। 2 अउर चाह अगर हम दुसरे मनइन के खातिर, यीसु मसीह केर खास चेला नहिंव आहेन, तऊ तोंहरे पंचन के खातिर, हम यीसु मसीह के खास चेला आहेन; काहेकि प्रभू के खास चेला होंइ के बारे माहीं तूँ पंचे हमार सबूत आह्या।

3 अउर जे कोऊ हमरे ऊपर अरोप लगाबत हें, त उनखे खातिर हमार जबाब इआ हय, कि 4 का तोंहसे, हमहीं पंचन काहीं, खाँइ-पिअँइ के खातिर मदत लेंइ के अधिकार नहिं आय? 5 अउर का हमार पंचन के इआ अधिकार नहिं आय, कि कउनव मसीही बहिनी के साथ आपन काज करी, अउर उनहीं अपने साथ माहीं लइके इहाँ-उहाँ जई, जइसन कि यीसु मसीह के दूसर खास चेला लोग, अउर प्रभू यीसु के भाई लोग, अउर †पतरस घलाय करत हें। 6 अउर का केबल हमहीं अउर बरनबासय भर काहीं आपन जीबिका चलामँइ के खातिर, काम करँइ केर अधिकार हय? 7 अउर कउन अइसन मनई हय, जउन अपनेन कमाई से खाइके सेना माहीं सिपाही के काम करत हय? अउर कउन अइसन किसान हय, जउन अंगूर के बगिया

† *यूनानी भाँसा माहीं पतरस काहीं कैफा कहत हें*

लगाइके ओखर फर नहीं खाय? अउर कउन अइसन मनई हय, जउन बोकरिन अउर गड़रन काहीं पाल-पोसिके उनखर दूध नहीं पिअय?
8 अउर का हम ईं बातन काहीं केबल मनई के सोच-बिचार के मुताबिक कहित हएन, अउर का इहय बात मूसा के बिधान घलाय नहीं बताबय?
9 काहेकि मूसा के बिधान माहीं इआ लिखा हय, कि “फसल के गहाई करत माहीं बरधा के मुसका न लगाया।” अउर का परमातिमा केबल बरधन भर के फिकिर करत हें? नहीं। 10 अउर खास करके का इआ बात हमरे पंचन के खातिर न होय कहिन हीं? हाँ इआ बात हमरेन पंचन के खातिर आय कहिन हीं, काहेकि खेत जोतँय बाला, कउनव आसा रखिके जोतत हय, अउर फसल के गहाई करँइ बाला, कुछ अनाज पामँइ के आसा से गहाई करत हय। 11 एसे जब हम पंचे, तोंहरे भलाई के खातिर आत्मिक बीज बोयन हँय, त अगर हम पंचे तोंहसे †संसारिक चीजन के फसल काटँय चाही, त का इआ कउनव अचरज के बात आय? 12 अउर जब दुसरे सेबकन के, तोंहसे पंचन से संसारिक चीजन काहीं लेंइ के अधिकार हय, त का हमार पंचन के अउर जादा तोंहरे ऊपर अधिकार नहिं आय? हय। पय हम पंचे इआ अधिकार के उपयोग नहीं किहे आहेन; पय हम पंचे सगले दुख-मुसीबत काहीं सहित हएन, कि जउने हमरे द्वारा मसीह के खुसी के खबर माहीं कउनव बाधा न आबय। 13 अउर का तूँ पंचे इआ नहीं जनते आह्या, कि जे कोऊ मन्दिर माहीं सेबा करत हें, त ऊँ पंचे मन्दिरय से आपन खाना पाबत हें; अउर जे कोऊ बेदी के सेबा करत हें, त उनखर हींसा बेदी माहीं चढ़ाई जाँय बाली चीजन माहीं होत हय? 14 इआमेर से प्रभू इआ हुकुम दिहिन हीं, कि जे कोऊ खुसी के खबर के प्रचार करत हें, त उनखे खाँइ-पिअँइ के प्रबन्ध खुसी के खबर सुनँय बालेन काहीं करँइ क चाही।
15 पय हम ईं अधिकारन म से एकठइँअव के उपयोग कबहूँ नहीं किहेन, अउर ईं बातन काहीं हम एसे न होय लिखेन हँय, कि तोंहसे पंचन से खाँइ-पिअँइ के खातिर हमहीं कुछू मिलय, अउर अगर हम कोहू से कउनव चीज लेइत हएन, त हमार मर जाब नीक हय। पय कोहू से कउनव चीजन काहीं लिहे बिना, खुसी के खबर के प्रचार करब हमरे खातिर बड़ाई के बात आय; अउर हम इआ नहीं चाही, कि कोऊ हमरे बड़ाई काहीं हमसे छड़ाय लेय।
16 अउर अगर हम खुसी के खबर के प्रचार करित हएन, त एमाहीं हमरे बड़ाई के कउनव बात नहिं आय, काहेकि प्रभू एखर जबाबदारी हमहीं सँउपिन हीं, एसे हमार इआ करतब्य आय, कि हम खुसी के खबर के प्रचार करी, अउर अगर न करी, त हमरे जीबन के खातिर धिक्कार हय! 17 काहेकि अगर हम अपने मरजी से इआ काम करित हएन, त इनाम पामँइ के हकदार हएन, पय अगर अपने मरजी से नहीं करी, तऊ खुसी के खबर के प्रचार करँइ के जबाबदारी हमहीं सउँपी गे ही। 18 त पुनि हमार इनाम का आय? हमार इनाम इआ आय, कि खुसी के खबर सुनामँइ माहीं हम मसीह के प्रचार सेंत-मेंत माहीं करी, अउर खुसी के खबर सुनामँइ के कारन जउन कुछू पामँइ के हमार अधिकार हय, त ओखर पूर-पूर उपयोग न करी।
19 जबकि हम स्वतंत्र हएन, एखे बादव हम खुद काहीं सगले मनइन के दास बनाय दिहेन हँय, कि जउने जादा से जादा मनइन काहीं प्रभू यीसु मसीह के लघे खींच लई। 20 हम यहूदी लोगन के खातिर यहूदी लोगन कि नाईं बन गएन, कि जउने यहूदी लोगन काहीं प्रभू यीसु मसीह के लघे खींच लई, अउर मूसा के बिधान के अधीनता माहीं हम नहिं आहेन, तऊ जे कोऊ मूसा के बिधान के अधीनता माहीं रहिके, ओहिन के मुताबिक चलत हें, त उनखे खातिर हमहूँ मूसा के बिधान के अधीनता माहीं होइ गएन, कि जउने मूसा के बिधान के अधीनता माहीं चलँइ बालेन काहीं, प्रभू यीसु मसीह के लघे खींच लई। 21 अउर गैरयहूदी लोगन काहीं जिनखे लघे मूसा के बिधान नहिं आय, उनहीं प्रभू यीसु के लघे लइ आमँइ केर खातिर हम उनहिन कि नाईं बन गएन, हम मूसा के बिधान के बिरोधी नहिं आहेन, बलकिन हम मसीह के सिच्छा के अधीनता माहीं हएन। 22 अउर हम निबल मनइन के खातिर निबल बन गएन, कि जउने निबल मनइन काहीं प्रभू यीसु मसीह के लघे खींच लई, अउर हम हरेक मनइन के खातिर उनहिन कि नाईं बन गएन, कि जउने कउनव मेर से कइअक जनेन काहीं मुक्ती देबाय देई। 23 अउर हम इआ सब कुछ खुसी के खबर काहीं फइलामँइ के खातिर करित हएन, कि जउने अउर दुसरे मनइन के साथ आसिरबाद पामँइ माहीं हिंसदार होइ जई।

मसीही जीबन के दउड़-धूप

24 अउर का तूँ पंचे इआ नहीं जनते आह्या, कि दउड़ के प्रतियोगिता माहीं हरेक जन दउड़त हें, पय इनाम त एकय जन पाबत हय; त तुहूँ पंचे अइसन दउड़ा कि जउने जीत जा। 25 अउर कुस्ती लड़ँइबाले हरेक पहिलमान, अपने देंह काहीं तइआर करँइ के खातिर, हरेकमेर के कसरत करत हें; अउर ऊँ पंचे त नास होंइ बाले मुकुट काहीं पामँइ के खातिर इआ सगली मेहनत करत हें, पय हम पंचे त उआ मुकुट काहीं पामँइ के खातिर मेहनत करित हएन, जउन कबहूँ नहीं नास होय। 26 अउर इहइमेर हमहूँ उआ मनई कि नाईं दउड़ित हएन, जउने के आँगे लच्छ हय, पय हम हबा माहीं मुक्का नहीं मारी। 27 पय हम अपने देंह के बुरी इच्छन से लड़िके, उनहीं अपने कब्जे माहीं एसे लइ अइत हएन, कि कहँव अइसन न होय, कि दुसरे मनइन के खातिर प्रचार करी, अउर हम खुद कउनव बुरा काम कइके निकम्मा ठहर जई।

इजराइली लोगन के इतिहास से चेतउनी

10 हे भाई-बहिनिव, हम इआ चाहित हएन, कि तूँ पंचे इआ बात जानिल्या, कि हमार पंचन के बाप-दादा बदरी के नीचे सुरच्छित रहत रहे हें, अउर ऊँ सगले जने लाल समुंद्र के बीचय-बीच चलिके पार होइगें; ††2 अउर इआमेर से ऊँ पंचे सगले जने बदरी अउर समुंद्र के बपतिस्मा लइके मूसा नबी के सहभागी बनिगें। 3 अउर सगले जने एकयमेर के आत्मिक खाना खाइन; ‡4 अउर सगले जने एकयमेर के आत्मिक पानी पीन, काहेकि ऊँ पंचे उआ आत्मिक चट्टान से पानी पिअत रहे हें, जउन उनखे साथय-साथ चलत रही हय, अउर उआ चट्टान खुदय मसीह रहे हँय।
5 पय उनमा से खुब जनेन से परमातिमा खुस नहीं रहे आहीं, एसे परमातिमा उनहीं जंगल माहीं मार डारिन। ‡†
6 अउर ईं बातँय हमरे पंचन के खातिर उदाहरन साबित भई हँय, कि जइसन ऊँ पंचे लालच किहिन रहा हय, त हम पंचे उनखी कि नाईं बुरी चीजन के लालच न करी; ‡‡7 अउर तूँ पंचे मूरतिन के पूजा करँइ बाले न बना, जइसन उनमा से कइअक जने मूरतिन के पूजा करँइ बाले बनिगे रहे हँय, जइसन कि पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, कि “ऊँ पंचे खाँइ-पिअँइ के खातिर बइठें, अउर उराव मनामँइ के खातिर उठें।” ‡‡†8 अउर हम पंचे ब्यभिचार न करी; जइसन कि उनमा से कइअक जने किहिन रहा हय, अउर एकय दिन माहीं तेइस हजार मनई मरिगे रहे हँय। ‡‡†9 अउर न हम पंचे प्रभू के परिच्छा करी, जइसन कि उनमा से कइअक जने किहिन रहा हय, अउर साँपन के चाबँय के द्वारा मरिगे रहे हँय। §10 अउर तूँ पंचे कुड़कुड़ाबव न करा, जइसन कि उनमा से कइअक जने कुड़कुड़ान रहे हँय, अउर नास करँइ बाले स्वरगदूत के द्वारा नास कइ दीनगे रहे हँय। §†11 पय ईं सगली बातँय जउन उनखे ऊपर बीती रही हँय; त ऊँ उदाहरन के रूप माहीं रही हँय, अउर ऊँ बातँय हमरे पंचन के चेतउनी के खातिर लिखी गई हँय, जउन इआ जुग के आखिरी समय माहीं रहित हएन। 12 एसे जे कोऊ इआ समझत हय, कि हम बिसुआस माहीं मजबूत हएन, त उआ चउकस रहय, कि कहँव उआ बिसुआस से भटक न जाय। 13 अउर तूँ पंचे कउनव अइसन परिच्छा माहीं नहीं परे आह्या, जउन कि मनई के सहँइ के सक्ती से जादा होत ही, काहेकि परमातिमा सच्चे हें, अउर ऊँ तोहईं पंचन काहीं सहँइ के सक्ती से जादा परिच्छा माहीं न परय देइहँय, पय अगर परिच्छा माहीं परिव जाते

† *खाँइ-पिअँइ बाली चीजन काहीं लेई*

†† *10:1 निरग 13:21; 14:22-29* ‡ *10:3 निरग 16:35* ‡† *10:5 गिन 14:29,30* ‡‡ *10:6 गिन 11:4* ‡‡† *10:7 निरग 32:6* ‡‡‡ *10:8 गिन 25:1-18* § *10:9 गिन 21:5,6* §† *10:10 गिन 16:41-49*

हया, त ओसे निकरँइ के घलाय उपाय करिहँय, जउने तूँ पंचे ओही सहि सका।

मूरतिन के पूजा करँइ से बँचे रहा

14 इआ कारन से हे हमार पियार बिसुआसी भाई-बहिनिव, तूँ पंचे मूरतिन
के पूजा करँइ से बँचे रहा 15 हम तोहईं पंचन काहीं समझदार जानिके इआ
कहित हएन, कि जउन बातँय हम तोंहसे कहित हएन, त उनहीं जाँचा-
परखा, कि ऊँ सही हईं कि नहीं। 16 अउर प्रभू-भोज माहीं भागीदार होंइ के
समय अंगूर के जउने रस काहीं, हम पंचे परमातिमा काहीं धन्यबाद दइके
पीत हएन, त मसीह के बलिदान के द्वारा जउन असीसँय हमहीं पंचन काहीं
मिली हँय, उनमा हम पंचे भागीदार बन जइत हएन, उहयमेर जब हम पंचे
रोटी टोरिके खइत हएन, त मसीह के द्वारा अपने देंह माहीं दुख सहँइ के
द्वारा जउन असीसँय हमहीं मिली हँय, उन माहीं घलाय हम पंचे भागीदार
बन जइत हएन। 17 अउर हम पंचे एकयठे रोटी काहीं टोरिके खइत हएन,
एसे कइअक जने होंइ के बादव, एकय देंह बन जइत हएन। 18 अउर
इजराइली लोगन काहीं देखा, कि जउन कुछू बेदी माहीं बलिदान कीन जात
हय, ओही ऊँ पंचे खात हें, अउर ओमाहीं भागीदार बन जात हें। 19 त पुनि
हम इआ कहित हएन, कि न त मूरत के ऊपर चढ़ाई जाँय बाली चीज के
कउनव महत्व आय, अउर न त मूरत के कउनव महत्व आय। 20 अउर
गैरयहूदी लोग जउन बलिदान करत हें, त ऊँ पंचे परमातिमा के खातिर न
होय करत हें, बलकिन बुरी आत्मन के खातिर करत हें, त हम इआ चाहित
हएन, कि तूँ पंचे बुरी आत्मन के भागीदार न बना। 21 अउर तूँ पंचे प्रभू-भोज
माहीं, प्रभू के मउत काहीं सुध करँइ केर खातिर अंगूर के रस पीते हया,
अउर रोटी खाते हया, त पुनि तूँ पंचे बुरी आत्मन के खातिर चढ़ाए जाँइ बाले
खाना काहीं, कइसा खाय सकते हया? तूँ पंचे प्रभू-भोज, अउर बुरी आत्मन
के भोज, दोनव माहीं भाग नहीं लइ सकते आह्या। 22 का हम पंचे अइसन
कइके प्रभू काहीं क्रोधित करित हएन? का हम पंचे प्रभू से सक्तिसाली
हएन?

सगले कामन के द्वारा परमातिमा के बड़ाई करा

23 सगली चीजँय उचित त हईं, पय सगली चीजँय लाभदायक नहिं आहीं,
अउर सगली चीजँय उचित त हईं, पय सगली चीजन से आत्मिक उन्नति नहीं
होय। 24 अउर हरेक मनई काहीं खुद के भलाई के बारे माहीं भर नहीं,
बलकिन दुसरे मनइन के भलाई के बारे माहीं घलाय सोचँइ क चाही।
25 अउर बजार माहीं जउन माँस बिकत हय, त ओही बिना संकोच के खाय
सकते हया, पय ग्यान होंइ के कारन अपने मन माहीं इआ संका न करा, कि
कहँव इआ मूरतिन के चढ़ाबा त न होय। 26 काहेकि पबित्र सास्त्र माहीं इआ
लिखा हय, कि “इआ धरती, अउर जउन कुछू एमाहीं हय, इआ सगला प्रभू
के आय।” 27 अउर अगर कउनव अबिसुआसी मनई तोंहार पंचन के नेउता
करय, त अगर तूँ पंचे उहाँ जाँइ चहते हया, त जा, अउर जउन कुछू तोंहरे
आँगे परसा जाय, त ओही खा; पय मन के सोच-बिचार के कारन बिना
संकोच किहे खाय ल्या, अउर कउनव प्रस्न न पूँछा। 28 पय अगर तोहईं
पंचन काहीं कोऊ बताय देय, कि “इआ त मूरत के ऊपर चढ़ाबा खाना
आय।” त उआ मनई के बताए के कारन अउर ओखे मन के सोच-बिचार के
कारन ओही न खया। 29 अउर तोंहार पंचन के सोच-बिचार इआ हय, कि
हम पंचे सब कुछू खाय सकित हएन, पय हम तोंहरे सोच-बिचार के बारे
माहीं न होय कहित हएन, पय दुसरे मनई के सोच-बिचार के बारे माहीं आय
कहेन हँय, कि दूसर मनई अपने सोच-बिचार के द्वारा हमहीं पंचन काहीं
दोसी न ठहराए पाबय, कि जउने चीज काहीं हम खइत हएन, त एही खाब
उचित नहिं आय। 30 अउर जउन कुछू हम पंचे खइत हएन, त परमातिमा
काहीं धन्यबाद दइके खइत हएन, एसे जउने खाना काहीं हम परमातिमा
काहीं धन्यबाद दइके खइत हएन, त ओही खाँय के कारन हमरे ऊपर दोस
काहे लगाबा जात हय।

31 एसे चाह तूँ पंचे खा-पिआ, अउर चाह जउन कुछू करा, पय ऊँ सगलेन
के द्वारा परमातिमा के बड़ाई होंइ क चाही। 32 अउर तूँ पंचे न त यहूदी
लोगन के खातिर, न त गैरयहूदी लोगन के खातिर, अउर न परमातिमा के
मन्डली के बिसुआसी लोगन के खातिर, बिसुआस से भटकामँइ के कारन
बना। 33 अउर जइसन हमहूँ घलाय, सगली बातन माहीं हरेक मनइन काहीं
खुस करँइ के कोसिस करित हएन, अउर हम खुद के फायदय भर के इच्छा
नहीं करी, बलकिन दुसरे मनइन के फायदा के खातिर घलाय कोसिस करित
हएन, कि जउने ऊँ सगले जनेन काहीं घलाय मुक्ती मिलय।

11 अउर जइसन मसीह कि नाईं हमार चाल-चलन हय, उहयमेर तोंहार
पंचन के चाल-चलन घलाय, हमरे कि नाईं होंइ क चाही।

अराधना के समय मेहेरिअन काहीं मूड़ ओढ़ब

2 पय हम तोहईं पंचन काहीं सराहित हएन, काहेकि तूँ पंचे हरेक बातन
माहीं हमार सुध हमेसा करत रहते हया; अउर जउन-जउन सिच्छा हम तोहईं
दिहेन हँय, उनखर पालन हमेसा करत रहते हया। 3 पय हम चाहित हएन,
कि तूँ पंचे इआ जानिल्या, कि हरेक मंसेरुआ के †मुखिया मसीह आहीं,
अउर मेहेरिआ के मुखिया मंसेरुआ आय, अउर मसीह के मुखिया
परमातिमा आहीं। 4 अउर जउन मंसेरुआ मूड़ ओढ़िके प्राथना करत हय,
इआ कि भबिस्यबानी करत हय, त उआ अपने मुखिया अरथात मसीह के
अपमान करत हय। 5 उहयमेर से अगर जउन मेहेरिआ आपन मूड़ उँघारिके
प्राथना करत ही, इआ कि भबिस्यबानी करत ही, त उआ अपने मुखिया
अरथात अपने मंसेरुआ के अपमान करत ही, अउर उआ, उआ मेहेरिआ कि
नाईं हय, जउन आपन मूड़ घोटाय लिहिस ही। 6 अगर कउनव मेहेरिआ मूड़
नहीं ओढ़य, त उआ आपन मूड़व घोटबाय लेय; पय अगर मेहेरिआ के
खातिर बार कटबाउब, इआ कि मूड़ घोटबाउब सरम के बात आय, त उआ
आपन मूड़ ओढ़य। 7 अउर मंसेरुआ काहीं आपन मूड़ ओढ़ब उचित नहिं
आय, काहेकि परमातिमा ओही अपने स्वरूप माहीं बनाइन हीं, अउर ओखे
द्वारा परमातिमा के बड़ाई होत ही; पय मेहेरिआ काहीं आपन मूड़ ओढ़ँय क
चाही, काहेकि ओखे द्वारा ओखे मंसेरुआ के बड़ाई होत ही। 8 काहेकि
मंसेरुआ, मेहेरिआ से नहीं बनाबा ग आय, पय मेहेरिआ-मंसेरुआ से बनाई
गे ही। 9 अउर मंसेरुआ मेहेरिआ के खातिर नहीं बनाबा ग आय, पय
मेहेरिआ-मंसेरुआ के खातिर बनाई गे ही। 10 काहेकि स्वरगदूत घलाय हमहीं
पंचन काहीं देखत हें; इआ कारन से मेहेरिअन काहीं मूड़ ओढ़ँइ क चाही,
अउर मूड़ ओढ़ँइ के द्वारा मेहेरिआ इआ साबित करती हईं, कि ऊँ पंचे
अपने-अपने मंसेरुआ के अधीन हईं। 11 पय प्रभू के नजर माहीं, मंसेरुआ के
बिना न त मेहेरिअय के कउनव महत्व आय, अउर न त मेहेरिआ के बिना
मंसेरुअय के कउनव महत्व आय। अरथात प्रभू के नजर माहीं दोनव एक
समान हें। 12 काहेकि जइसन पहिल मेहेरिआ-मंसेरुआ से बनाई गे ही,
उहयमेर हरेक मंसेरुआ मेहेरिआ से पइदा होत हें, पय ईं सगलेन काहीं
परमातिमय बनाइन हीं। 13 अउर तूँ पंचे खुदय सोचा, कि का मेहेरिअन
काहीं, बिना मूड़ ओढ़े परमातिमा से प्राथना करब सोभा देत हय? 14 अउर तूँ
पंचे त जनतेन हया, कि अगर कउनव मंसेरुआ बड़े-बड़े बार राखत हय, त
ओखे खातिर इआ सरम के बात आय। 15 पय अगर मेहेरिआ बड़े-बड़े बार
राखत ही, त ओखे खातिर इआ सोभा के बात आय, काहेकि परमातिमा मूड़
ओढ़ँइ के खातिर ओही बार दिहिन हीं। 16 पय अगर कउनव मनई एखे बारे
माहीं बाद-बिबाद करँइ चाहय, त उआ, इआ जान लेय, कि परमातिमा के
मसीही मन्डलिन माहीं, न त हमरे पंचन के इहाँ, अउर न दुसरे जघन माहीं,
एखे अलाबा कउनव दूसर तरीका नहिं आय।

† *अरथात मूड़*

प्रभू-भोज के बारे माहीं सिच्छा
(मत्ती 26:26-29; मरकुस 14:22-25; लूका 22:14-20)

17 अउर जउन हुकुम हम तोहईं पंचन काहीं देंइ बाले हएन, त ओखे बारे
माहीं हम तोहईं नहीं सराही, काहेकि तूँ पंचे जब एकट्ठा होते हया, त तोंहार
पंचन के कउनव भलाई नहीं होय, बलकिन नुकसानय होत हय। 18 अउर
पहिल बात त हम इआ सुनेन हँय, कि जब तूँ पंचे मसीही मन्डली माहीं
एकट्ठा होते हया, त तोंहरे पंचन के बीच माहीं गुटबन्दी रहत ही, अउर एखे
बारे माहीं हम थोरी-थोरी बिसुआस घलाय करित हएन, कि इआ सही आय।
19 अउर तोंहरे बीच माहीं जरूर गुटबन्दी होई, कि जउने इआ बात जाने
मिल जाय, कि कउन बिसुआसी सच्चे हें, अउर कउन नहिं आँय। 20 अउर
जउनमेर से तूँ पंचे प्रभू-भोज खाँय के खातिर एकट्ठा होते हया, ओही प्रभू-
भोज नहीं कहा जाय सकय। 21 अउर प्रभू-भोज खाँय-पिअँइ के समय,
तोंहरे पंचन म से कुछ जने दुसरे मनइन काहीं बिना बाँटेन, सगलेन से पहिले
आपन खाना खाय-पी लेत हें, इआमेर से कुछ जने त भूँखेन रहि जात हें,
अउर कुछ जने खाय-पी के मतबार होइ जात हें। 22 त इआ बताबा, कि
खाँइ-पिअँइ के खातिर का तोंहरे पंचन के लघे घर नहिं आय? अउर तूँ पंचे
केबल खुद के हित के बारे माहीं भर चिन्ता कइके, का परमातिमा के मन्डली
काहीं तुच्छ नहीं मनते आह्या? अउर जउने गरीब बिसुआसी भाई-बहिनिन
के लघे कुछू नहीं रहय, त का तूँ पंचे उनहीं लज्जित नहीं करते आह्या? त
एखे बारे माहीं हम का कही? का तोंहार पंचन के बड़ाई करी? नहीं, हम एखे
बारे माहीं तोंहार बड़ाई कबहूँ न करब।

23 काहेकि जउन सिच्छा हमहीं प्रभू से मिली हय, त ओही हम तोंहऊँ
पंचन काहीं घलाय बताइत हएन, कि प्रभू यीसु काहीं जउने रात पकड़ाबा ग
रहा हय, उहय रात ऊँ एकठे रोटी लिहिन, 24 अउर परमातिमा काहीं
धन्यबाद दइके ओही टोरिन, अउर चेलन काहीं इआ कहिके दिहिन, “इआ
हमार देंह आय, जउन तोंहरे खातिर दीन जात ही, हमरे यादगारी माहीं
इहइमेर करत रह्या।” 25 इहइमेर से यीसु बिआरी के बाद, अंगूर के रस से
भरा खोरबा लिहिन, अउर कहिन, “इआ अंगूर के रस, हमार खून आय,
जउन तोंहरे खातिर बहाबा जात हय, इआ खून परमातिमा के नई करार के
प्रतीक आय। अउर जब कबहूँ प्रभू-भोज के समय तूँ पंचे अंगूर के रस
पिआ, त हमरे यादगारी के खातिर इहइमेर किहा।” 26 अउर हम पवलुस
इआ कहित हएन, कि जब-जब तूँ पंचे इआ रोटी खाते हया, अउर अंगूर के
रस पीते हया, त जब तक प्रभू दुबारा नहीं आमँय, तब तक उनखे मउत के
प्रचार करत रहते हया। 27 एसे जे कोऊ अनुचित रूप से प्रभू-भोज के रोटी
खात हय, अउर अंगूर के रस पिअत हय, त उआ प्रभू के देंह अउर खून के
बिरोध माहीं अपराध करत हय। 28 एसे हरेक मनई अपने-आप काहीं खुदय
निकहा से जाँच-परख लेय, अउर एखे बाद इआ रोटी काहीं खाय, अउर
इआ अंगूर के रस पिअय। 29 काहेकि जे कोऊ खाँइ-पिअँइ के समय, प्रभू के
देंह के महत्व नहीं रक्खय, त उआ खाँइ-पिअँइ के द्वारा खुद काहीं दन्ड
पामँइ के लाइक बनाबत हय। 30 इहय कारन से तोंहरे पंचन म से खुब जने
निबल अउर रोगी हें, अउर खुब जने त मरिव घलाय गे हें। 31 पय अगर हम
पंचे खुदय आपन जाँच-परताल निकहा से कइ लेइत, त परमातिमा से दन्ड
न पाइत। 32 पय प्रभू हमहीं पंचन काहीं डाँड-फटकारके सुधारत हें, कि
जउने हम पंचे संसार के अबिसुआसी मनइन कि नाईं सजा न पाई। 33 एसे हे
भाई-बहिनिव, जब तूँ पंचे प्रभू-भोज खाँय के खातिर एकट्ठा होते हया, त
एक दुसरे के इन्तजार कइके खा करा। 34 पय अगर सचमुच कोहू काहीं खुब
भूँख लगी होय, त ओही अपने घरय माहीं खाय लेंइ चाही, कि जउने तोंहार
पंचन के एकट्ठा होब, परमातिमा से सजा पामँइ के कारन न बनय, अउर
जब हम तोंहरे पंचन के लघे अउब, त दुसरे बातन काहीं समझाय देब।

पबित्र आत्मा के द्वारा मिलँइ बाले बरदान

12 हे भाई-बहिनिव, हमार इच्छा इआ ही, कि पबित्र आत्मा के द्वारा
मिलँइ बाले बरदानन के बारे माहीं, तूँ पंचे निकहा से जानिल्या।
2 अउर इआ बात तूँ पंचे जनतेन हया, कि तूँ पंचे जब यीसु मसीह के ऊपर
बिसुआस नहीं करत रहे आह्या, त जइसन सगले मनई गूँगी मूरतिन के
पूजा-पाठ करत रहे हें; उहयमेर तुहूँ पंचे घलाय करत रहे हया। 3 एसे हम
तोहईं पंचन काहीं इआ चेतउनी देइत हएन, कि जे कोऊ पबित्र आत्मा के
अँगुआई से बोलत हय, त उआ यीसु काहीं इआ नहीं कहय, कि ऊँ स्रापित
हें, उहयमेर पबित्र आत्मा के अँगुआई बिना, कउनव मनई इआ नहीं कहि
सकय, कि यीसु मसीह प्रभू आहीं।

4 अउर पबित्र आत्मा के द्वारा हरेक मनई काहीं दूसर-दूसर मेर के बरदान
मिलत हें; पय ऊँ सगले बरदानन काहीं देंइ बाला पबित्र आत्मा एकयठे हय।
5 अउर हम पंचे दूसर-दूसर मेर के सेबा त करित हएन, पय ऊँ सगलेन के
द्वारा एकय प्रभू के सेबा करित हएन, अरथात यीसु मसीह के। 6 अउर सेबा
के काम त कइअक मेर के हें, पय परमातिमा एकयठे हें, जउन मनइन काहीं
दूसर-दूसर मेर के काम करँइ के सक्ती देत हें। 7 पय एकयठे पबित्र आत्मा के
द्वारा हरेक मनइन काहीं दूसर-दूसर मेर के बरदान दीन जात हें, कि जउने
सगले मनइन के भलाई होय। 8 काहेकि उहय आत्मा के द्वारा कोहू काहीं
ग्यान से बातँय करँय के बरदान मिलत हय, अउर कोहू काहीं उहय आत्मा
के द्वारा समझँय के बुद्धी मिलत ही। 9 अउर कोहू काहीं उहय आत्मा के
द्वारा, बिसुआस माहीं मजबूत होंइ के बरदान दीन जात हय, अउर कोहू
काहीं उहय आत्मा के द्वारा, बिमारन काहीं नीक करँइ के बरदान दीन जात
हय। 10 अउर कोहू काहीं अचरज के काम करँइ के सक्ती, अउर कोहू काहीं
परमातिमा के सँदेस बतामँइ के बरदान, अउर कोहू काहीं प्रचार करँइ बाले
के सँदेस काहीं समझँइ के बरदान दीन जात हय, कि उआ परमातिमा के
आत्मा के तरफ से आय, कि कउनव दूसर आत्मा के तरफ से; अउर कोहू
काहीं कइअक मेर के भाँसा बोलँइ के बरदान दीन जात हय, अउर कोहू
काहीं भाँसन के मतलब बतामँइ के बरदान, उहय आत्मा के द्वारा दीन जात
हय। 11 पय ईं सगले बरदानन काहीं उहय एकयठे पबित्र आत्मा देत हय,
अउर जेही जउन बरदान देब उचित हय, त उआ अपने मरजी के मुताबिक
सगलेन काहीं बाँटि देत हय।

देंह के उदाहरन

12 अउर जइसन हमरे पंचन म से हरेक मनई के एकयठे देंह हय, पय
ओमाहीं कइयकठे अंग हें, अउर देंह माहीं कइयकठे अंग होंइ के बादव, ऊँ
सगलेन काहीं मिलाइके एकयठे देंह बनत ही, उहयमेर मसीह घलाय हें।
13 काहेकि हम बिसुआसिअन म से चाह उआ यहूदी होय, चाह उआ
गैरयहूदी होय, चाह उआ दास होय, अउर चाह स्वतंत्र होय, हम पंचे सगले
जने एकयठे आत्मा के द्वारा अउर एकय देंह होंइ के खातिर बपतिस्मा लिहेन
हँय; अउर हमहीं सगलेन काहीं एकयठे आत्मा दीन ग हय। 14 अउर देखा,
एकठे देंह माहीं केबल एकयठे अंग नहीं होय, बलकिन खुब अंग होत हें।
15 त मानि ल्या, कि अगर गोड़ इआ कहय, कि “हम हाँथ न होहेंन, एसे हम
देंह के हिस्सा न होहेंन”, त का उआ इआ कारन से देंह के हिस्सा न होय?
16 अउर अगर कान कहय, कि “हम आँखी न होहेंन, एसे देंह के हिस्सा न
होहेंन।” त का उआ इआ कारन से देंह के हिस्सा न होय? 17 पय अगर हमार
पंचन के सगली देंह आँखिन होत, त हम पंचे कइसन सुनित? उहयमेर अगर
हमार पंचन के सगली देंह कानय होत, त हम पंचे कइसन सूँघित? 18 पय
सचमुच परमातिमा अपने मरजी के मुताबिक, हरेक अंगन काहीं हमरे पंचन
के देंह माहीं जोड़िके रक्खिन हीं। 19 अउर अगर सगले अंग एकय मेर के
होतें, त का देंह होत? नहीं। 20 अउर देंह माहीं अंग त खुब होत हें, पय देंह
एकयठे होत ही। 21 अउर आँखी हाँथ से इआ नहीं कहि सकय, कि “हमहीं
तोर जरुरतय नहिं आय”, अउर न मूड़ गोड़ेन से कहि सकय, कि “हमहीं

तोंहार जरूरत नहिं आय।” 22 बलकिन हमरे देंह के जउन अंग, दुसरे अंगन
से कमजोर समझे जात हें, ऊँ जादा जरूरी होत हें; 23 अउर देंह के जउने
अंगन काहीं हम पंचे जादा आदर के काबिल नहीं समझी, अरथात जिनहीं
देखामँइ माहीं लाज लागत ही, उनहिन के आदर हम पंचे जादा करित हएन,
अरथात उनहीं ओन्हन से मूदिके रक्खित हएन। 24 पय जउने अंगन काहीं
दुसरे मनइन काहीं देखामँइ माहीं कउनव परेसानी नहीं होय, उनहीं हम पंचे
ओन्हन से मूदिके नहीं रक्खी; पय परमातिमा हमरे पंचन के देंह काहीं
अइसन बनाइन हीं, कि जउने अंगन के कउनव महत्व नहीं रहा आय, उनहीं
अउर जादा आदर मिलय। 25 जउने देंह माहीं फूट न परय, पय अंग एक
दुसरे के बराबर चिन्ता करँय। 26 एसे अगर देंह के एकठे अंग दुख पाबत
हय, त सगले अंग ओखे साथ दुखी होत हें; अउर अगर एकठे अंग के बड़ाई
होत ही, त ओखे साथ मिलिके सगले अंग खुसी मनाबत हें।
27 अउर इहइमेर से तुहूँ पंचे घलाय सगले बिसुआसी भाई-बहिनी मिलिके
मसीह के देंह आह्या, अउर उनखे देंह के अंग आह्या। 28 अउर परमातिमा
मसीही मन्डली माहीं कइअक जनेन काहीं नियुक्त किहिन हीं, पहिल यीसु
मसीह के खास चेला लोगन काहीं, दूसर परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन
काहीं, तीसर सिच्छा देंइ बालेन काहीं, अउर एखे बाद अचरज के काम करँइ
बालेन काहीं, अउर बिमारन काहीं नीक करँइ बालेन काहीं, अउर दुसरे
मनइन के मदत करँइ बालेन काहीं, अउर अँगुआई करँइ बालेन काहीं, अउर
हरेक मेर के भाँसा बोलँइ बालेन काहीं, घलाय नियुक्त किहिन हीं। 29 एसे
सगले जने यीसु मसीह के खास चेला नहीं होंय, अउर सगले जने परमातिमा
के सँदेस बतामँइ बाले नहीं होंय, अउर सगले जने परमातिमा के बचन
सिखामँइ बाले नहीं होंय, अउर न त सगले जने अचरज के काम करँइ बाले
होत आहीं। 30 उहयमेर सगले जनेन काहीं, बिमारन काहीं नीक करँइ के
बरदान नहीं मिलत आय, अउर सगले जनेन काहीं, हरेकमेर के भाँसा बोलँइ
के बरदान नहीं मिलत आय, अउर न त सगले जनेन काहीं हरेक भाँसा के
मतलब बतामँइ के बरदान मिलत आय। 31 एसे तूँ पंचे पबित्र आत्मा के
द्वारा, मिलँइ बाले बड़े से बड़े बरदानन काहीं पामँय के धुन माहीं लगे रहा,
पय अब हम तोहईं सगलेन से खास बरदान के बारे माहीं बताइत हएन।

प्रेम सगले बरदानन से बढ़िके हय

13 मानि ल्या, कि अगर हमहीं इआ बरदान मिल जाय, कि हम मनइन
के अउर स्वरगदूतन के सगली भाँसन काहीं बोल सकी, पय दुसरेन
से प्रेम न रक्खी त हमहीं का फायदा होई? काहेकि हमार बोलब पीतल के
खुब बड़ी घन्टी अउर झाँझ के बोल कि नाईं होई। 2 अउर अगर हम
परमातिमा केर सँदेस बताय सकी, अउर परमातिमा के छिपी सगली
योजनन काहीं, अउर हरेक मेर के ग्यान काहीं समझी, अउर हमहीं इहाँ तक
बिसुआस होय, कि अगर हम प्राथना करब, त पहार सरकि जई, पय अगर
दुसरेन से प्रेम नहीं रक्खी, त हमार कउनव महत्व नहिं आय। 3 अउर अगर
हम आपन सगली धन-सम्पत गरीबन काहीं दान कइ देई, इआ कि अपने
देंह काहीं दुसरे के भलाई के खातिर बलिदान कइ देई, अउर प्रेम न रक्खी,
त हमहीं कउनव फायदा न होई। 4 अउर प्रेम करँइ बाला मनई, अपने जीबन
माहीं धीरज रक्खत हय, दुसरे के ऊपर किरपा करत हय; अउर दुसरे के
ऊपर जलन नहीं रक्खय; अउर उआ खुद के बड़ाई नहीं करय; अउर उआ
घमन्डिव नहीं होय, 5 अउर उआ दुसरे के साथ अनुचित बेउहार नहीं करय,
उआ केबल अपनय भर भलाई नहीं चाहय, अउर उआ हरबिन क्रोधित नहीं
होय, अउर जे कोऊ ओखे साथ बुरा बेउहार करत हें, त उनसे उआ बदला
नहीं लेय। 6 अउर उआ बुरे कामन से कबहूँ खुस नहीं होय, पय सच्चाई से
खुस होत हय। 7 अउर उआ अपने जीबन माहीं सगली बातन काहीं सहि लेत
हय, हरेक बातन माहीं परमातिमा के ऊपर बिसुआस रक्खत हय, अउर
हरेक बातन माहीं परमातिमा के ऊपर आसा रक्खत हय, अउर उआ हमेसा
सगली बातन माहीं धीरज रक्खत हय।
8 अउर परमातिमा के सँदेस बताउब, दूसर-दूसर भाँसा बोलब, अउर
हमार पंचन के खास ग्यान घलाय एक दिन खतम होइ जई, पय प्रेम करब
कबहूँ न खतम होई। 9 काहेकि समझँइ के जउन ग्यान, अउर परमातिमा के
सँदेस बतामँइ के जउन बरदान हमहीं पंचन काहीं मिले हँय, ऊँ अधूरे हें।
10 अउर जब ऊँ अइहँय जउन परिपूर्न हें, त हमार पंचन के अधूरापन मिट
जई। 11 अउर एखे बारे माहीं हम एकठे उदाहरन बताइत हएन, “जब हम
छोट बुदे लड़िका रहेन हँय, त छोट बुदे लड़िकन कि नाईं बोलत रहेन हँय,
अउर हम उनहिन कि नाईं सोचत रहेन हँय, अउर हमार समझ उनहिन कि
नाईं रही हय, पय जब हम बड़े होइ गएन हँय, त छोट बुदे लड़िकन कि नाईं
बेउहार करब छोंड़ दिहेन हँय।” 12 अउर जइसन हमहीं पंचन काहीं अइना
माहीं धुँधुरुक देखात हय, इहइमेर से अबय हम पंचे परमातिमा काहीं साफ-
साफ नहीं देखि सकी, पय एक दिना हम उनहीं आमने-सामने देखब, अउर
अबय हमहीं उनखे बारे माहीं थोरिन क जानकारी ही, पय जब ऊँ अइहँय, त
उनखे बारे माहीं हम निकहा से जान लेब, जइसन कि ऊँ हमरे बारे माहीं
निकहा से जानत हें। 13 एसे अब हमहीं पंचन काहीं परमातिमा के ऊपर
हमेसा बिसुआस रक्खँइ चाही, अउर उनखे ऊपर आसा रक्खँइ चाही, अउर
एक दुसरे से प्रेम रक्खँइ चाही, काहेकि ईं तीनव कबहूँ न नास होइहँय, पय
इन माहीं सगलेन से बड़ा प्रेम हय।

दूसर-दूसर भाँसा बोलब अउर परमातिमा के सँदेस बताउब

14 अउर सगले मनइन से प्रेम करत आपन जीबन बिताबा, अउर
पबित्र आत्मा के द्वारा मिलँइ बाले बरदानन काहीं पामँइ के धुन
माहीं लगे रहा, बिसेस रूप से परमातिमा के सँदेस बतामँइ के बरदान काहीं
पामँइ के धुन माहीं लगे रहा। 2 काहेकि जब कउनव मनई अनजान भाँसा
माहीं बात करत हय, त उआ मनइन से नहीं, बलकिन परमातिमा से बातँय
करत हय। जउन उआ बोलत हय, ओही दूसर मनई नहीं समझे पामँय,
काहेकि उआ भेद के बातन काहीं पबित्र आत्मा के अँगुआई से बोलत हय।
3 पय जे कोऊ परमातिमा के सँदेस बताबत हय, त एसे मनइन के बिसुआस
मजबूत होत हय, अउर उनखर साहस बाढ़त हय, अउर उनहीं सान्ती मिलत
ही। 4 अउर जे कोऊ अनजान भाँसा माहीं बात करत हय, त उआ केबल
अपनेन भर काहीं आत्मिक रूप से मजबूत बनाबत हय; पय जे कोऊ
परमातिमा के सँदेस बताबत हय, त उआ मसीही मन्डली के सगले मनइन
काहीं आत्मिक रूप से मजबूत बनाबत हय। 5 अउर हम त चाहित हएन, कि
तूँ सगले जने अनजान भाँसन माहीं बात करा, पय हम एहू से जादा इआ
चाहित हएन, कि तूँ पंचे परमातिमा के सँदेस बताबा, काहेकि अनजान
भाँसा बोलँइ बाला, अगर मसीही मन्डली के मनइन काहीं, आत्मिक रूप से
मजबूत करँइ के खातिर ओखर मतलब न समझाबय, त परमातिमा के
सँदेस बतामँइ बाला, मसीही मन्डली के मनइन काहीं आत्मिक रूप से
मजबूत करँइ माहीं ओसे जादा मदतगार हय।
6 एसे हे भाई-बहिनिव, अगर हम तोंहरे लघे आइके अइसन भाँसा माहीं
बात करी, जउने काहीं तूँ पंचे नहीं समझते आह्या, अउर दरसन के द्वारा
जउन बातँय परमातिमा हमहीं बताइन हीं, उनहीं न बताई, अउर जउन ग्यान
हमहीं मिला हय, ओही न बताई, परमातिमा के सँदेस न बताई, अउर सिच्छा
न देई, त तोहईं पंचन काहीं का फायदा होई? 7 इहइमेर से अगर बसुरी अउर
सारंगी के स्वर माहीं कउनव अन्तर न रही, त मनई कइसन पहिचनिहँय, कि
बसुरी बाजत ही, कि सारंगी? 8 अउर अगर बिगुल बाजँय के अबाज निकहा
से सुनाई न देई, त युद्ध करँइ के खातिर को तइआर होई? 9 इहइमेर से अगर
तुहूँ पंचे घलाय, अगर जीभ से साफ-साफ न बोलिहा, त जउन कुछ बोला
जात हय, त उआ कइसन समझे मिली? त तोंहार बोलब बेकार होइ जई।
10 अउर इआ संसार माही कइअक मेर के भाँसा हईं, अउर हरेक भाँसन के
कुछ न कुछ मतलब होत हय। 11 एसे अगर हम कउनव भाँसा के मतलब
नहीं जानी, त हम बोलँइ बाले के खातिर परदेसी ठहरब, अउर बोलँइ बाला
हमरे खातिर परदेसी ठहरी। 12 एसे जब तुहूँ पंचे घलाय, पबित्र आत्मा के

द्वारा मिलँइ बाले बरदानन काहीं, पामँइ के धुन माहीं लगे रहते हया, त जादा से जादा अइसन बरदानन काहीं पामँइ के कोसिस करा, जउने से मसीही मन्डली आत्मिक रूप से मजबूत होय।

13 एसे जे कोऊ अनजान भाँसा माहीं बात करत हय, त उआ प्राथना करय, जउने ओखर मतलब घलाय बताय सकय। 14 एसे अगर हम अनजान भाँसा माहीं प्राथना करित हएन, त पबित्र आत्मा के अँगुआई से हमार आत्मा प्राथना करत ही, पय जउन हम कहित हएन, त ओही नहीं समझी। 15 एसे हमहीं का करँइ चाही? हम अपने आत्मा से प्राथना करब अउर अपने बुद्धी से घलाय प्राथना करब, अउर हम अपने आत्मा से गाना गाउब, अउर अपने बुद्धी से घलाय गाना गाउब। 16 अउर अगर कउनव मनई पबित्र आत्मा के अँगुआई से अनजान भाँसा माहीं धन्यबाद, इआ कि प्राथना करी, त जे कोऊ उआ भाँसा काहीं नहीं समझँय, त ओखे साथ कइसन आमीन करिहँय? काहेकि जउन धन्यबाद, इआ कि प्राथना उआ किहिस ही, ऊँ पंचे ओही नहीं समझँय। 17 अउर तूँ त निकहा से धन्यबाद करते हया, पय एसे दुसरे मनइन काहीं कउनव फायदा न होई। 18 अउर हम परमातिमा काहीं धन्यबाद देइत हएन, कि हम तोंहरे पंचन म से सगलेन से जादा अनजान भाँसन माहीं बोलित हएन। 19 पय मसीही मन्डली माहीं अनजान भाँसा माहीं दस हजार बात बोलँइ से, हमहीं इआ जादा नीक जान परत हय, कि दुसरेन काहीं सिखामँइ के खातिर, जउने भाँसा काहीं ऊँ पंचे समझत हें, हम पाँचयठे बात कही। 20 अउर हे भाई-बहिनिव, जइसन छोट बुदे लड़िकन के सोच-बिचार रहत हय, उआमेर तोंहार पंचन के सोच-बिचार न होंइ चाही; बुराई के खातिर छोट लड़िकन कि नाईं अनजान बना, पय तोंहार सोच-बिचार सयानन कि नाईं होय। 21 अउर पबित्र सास्त्र माहीं इआ लिखा हय, कि प्रभू कहत हें, कि "अनजान भाँसा बोलँइ बाले मनइन के द्वारा हम ईं लोगन से बातँय करब, तऊ ऊँ पंचे हमरे बातन काहीं न सुनिहँय।" †22 त एसे हमहीं इआ मालुम होत हय, कि अनजान भाँसन काहीं बोलँइ के बरदान बिसुआसिअन केर खातिर न होय, बलकिन अबिसुआसी लोगन के खातिर चिन्हारी आय, अउर परमातिमा के सँदेस बतामँइ के बरदान अबिसुआसी लोगन केर खातिर नहीं, बलकिन बिसुआसी लोगन केर खातिर चिन्हारी आय। 23 पुनि अगर मसीही मन्डली के सगले जने एक जघा माहीं एकट्ठा होंय, अउर हरेक जन अनजान भाँसा माहीं बोलँइ लागँय, त ऊँ पंचे, जउन ईं बातन के बारे माहीं नहीं जानँय, अउर अबिसुआसी लोग उहाँ आइके देखिहँय, त का कइहँय? का ऊँ पंचे इआ न कइहँय, कि ईं पंचे पागल होइगे हँय। 24 पय अगर सगले जने परमातिमा के सँदेस बतामँइ लागँय, अउर अगर उहाँ कउनव अबिसुआसी मनई, इआ कि जउन ईं बातन के बारे माहीं नहीं जानय, भीतर आय जाय, त सगले जने ओही परख के जान लेइहँय, अउर ओही दोसी ठहराय देइहँय। 25 अउर ओखे मन के छिपी बातँय प्रगट होइ जइहँय, तब उआ गोड़न गिरिके परमातिमा काहीं प्रनाम करी, अउर इआ बिसुआस कइ लेई, कि वास्तव माहीं तोंहरे बीच माहीं परमातिमा हें।

अराधना माहीं अनुसासन

26 हे भाई-बहिनिव, जब तूँ पंचे अराधना के खातिर एकट्ठा होते हया, त कोऊ स्तुति गान करत हय, कोऊ उपदेस देत हय, कोऊ अनजान भाँसा माहीं बात करत हय, कोऊ परमातिमा के उआ बचन काहीं प्रगट करत हय, जउन ओही दरसन माहीं मिला हय, अउर कोऊ त अनजान भाँसा के मतलब समझाबत हय, त हमार सलाह इआ ही, कि तूँ पंचे चाह कुछू करा, पय इनखे द्वारा मसीही मन्डली के सगले मनइन के आत्मिक बढ़ोत्तरी होंइ चाही। 27 अउर तोहईं पंचन काहीं अगर अनजान भाँसा माहीं बात करँय क होय, त दुइ जने, इआ कि जादा से जादा तीन जने, ओसरी-पहरा बोलँय, अउर एक जने ओखर मतलब समझाबय। 28 पय अगर मतलब समझामँइ बाला न होय, त अनजान भाँसा बोलँइ बाला चुप्पय मसीही मन्डली माहीं रहय, अउर अपने मनय-मन परमातिमा से बात करय। 29 अउर परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन म से दुइ, इआ कि तीन जने परमातिमा के सँदेस बतामँइ, अउर उनखे अलाबा दूसर लोग उनखे बातन काहीं सुनँय, अउर ऊँ बातन काहीं जाँचय-परखँय। 30 पय अगर कउनव मनई जब परमातिमा के सँदेस बताय रहा होय, त जउन दूसर मनई उहाँ बइठ हय, अगर ओही परमातिमा कउनव बात प्रगट किहिन हीं, त ओही बोलँइ चाही, अउर पहिल बाले काहीं चुप्पय होइ जाँइ चाही। 31 अउर इआमेर से तूँ पंचे, सगले जने ओसरी-पहरा परमातिमा के सँदेस बताय सकते हया, कि जउने सगले जनेन काहीं सिच्छा अउर प्रोत्साहन मिलय। 32 अउर इआ बात काहीं सुध रक्खा, कि परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन के आत्मा, परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन के काबू माहीं रहत ही। 33 काहेकि परमातिमा गड़बड़ी डारँइ बाले नहीं, पय सान्ती देंइ बाले परमातिमा आहीं, अउर जइसन कि परमातिमा के पबित्र मनइन के सगली मसीही मन्डलिन माहीं होत हय।

34 अउर सगली मेहेरिआ, मसीही मन्डली के सभा माहीं चुप्पय रहँय, काहेकि उनहीं बात करँइ के अनुमति नहिं आय, बलकिन अधीन रहँइ के अनुमति ही, अउर जइसन कि मूसा नबी के बिधान माहीं घलाय लिखा हय। 35 अउर अगर ऊँ पंचे कुछू सिखँय चहती हँय, त घर माहीं अपने-अपने मंसेरुआ से सिखँय, काहेकि मसीही मन्डली माहीं बात करब, मेहेरिअन काहीं सोभा नहीं देय।

36 हे कुरिन्थुस सहर के बिसुआसी मनइव, हम तोंहसे इआ पूँछित हएन, कि का परमातिमा के बचन तोंहरेन पंचन से सुरू भ हय? अउर का उआ केबल तोंहरेन लघे तक पहुँचा हय? 37 अउर अगर कउनव इआ सोचत हय, कि हम परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले आहेन, इआ कि आत्मिक जन आहेन, त ओही इआ जान लेंइ क चाही, कि जउन कुछू हम लिख रहेन हँय, उआ प्रभू के हुकुम आय। 38 त अगर कउनव मनई जउन कुछू हम लिखेन हँय, ओही नहीं मानय, त ओहू के बात न मानी जाय। 39 एसे हे भाई-बहिनिव, परमातिमा के सँदेस बतामँइ के कोसिस माहीं लगे रहा, अउर अनजान भाँसा बोलँइ से कोहू काहीं न रोंका; 40 पय ईं सगली बातँय, सभ्यता से, अउर नेम के मुताबिक कीन जाँय।

मरेन म से जि उठँइ के बारे माहीं

15 हे भाई-बहिनिव, हम तोहँई पंचन काहीं जउन खुसी के खबर पहिले सुनाए रहेन हँय, अउर जउने काहीं तूँ पंचे सोइकार घलाय किहा तय, अउर जउने के मुताबिक अबय तक चलतेव हया, त उहय खुसी के खबर हम पुनि सुनाइत हएन। 2 ओहिन के द्वारा तोंहईं पंचन काहीं मुक्ती घलाय मिलत ही, उहय खुसी के खबर जउन हम तोहईं पंचन काहीं सुनायन तय, अगर ओहिन माहीं तूँ पंचे स्थिर रहते हया, नहीं त तोंहार बिसुआस करब बेकार होइ जई।

3 इआ कारन से हम सगलेन से पहिले इआ खास बात, तोहईं पंचन काहीं बताय दिहेन हय, जउन हमहीं बताई गे रही हय, कि पबित्र सास्त्र माहीं लिखे बचन के मुताबिक, मसीह हमरे पंचन के पापन के माफी के खातिर मरिगें, 4 अउर उनहीं गाड़ दीन ग, अउर पबित्र सास्त्र माहीं लिखे बचन के मुताबिक, ऊँ तिसरे दिना जिन्दा होइगे हँय। 5 अउर ऊँ पतरस काहीं देखाई दिहिन, ओखे बाद अउर दुसरे खास चेलन काहीं घलाय देखाई दिहिन। 6 पुनि ओखे बाद पाँच सव से जादा बिसुआसी भाई-बहिनिन काहीं एक साथय देखाई दिहिन, जिनमा से कुछ जने अबय तक जिन्दा हें, पय कुछ जने मरिगे हँय। 7 ओखे बाद ऊँ याकूब काहीं देखाई दिहिन, ओखे बाद अउर सगले खास चेलन काहीं घलाय देखाई दिहिन। 8 अउर सगलेन के बाद हमहूँ काहीं घलाय देखाई दिहिन, जउन कि समय से पहिले पइदा होंइ बाले सतमासा लड़िका कि नाईं हएन, काहेकि हम सही समय माहीं खास चेला नहीं बन पाएन। 9 अउर हम यीसु मसीह के खास चेलन म से सगलेन से छोट हएन, बलकिन यीसु मसीह के खास चेला कहामँइ के काबिल तक नहिं आहेन, काहेकि पहिले हम परमातिमा के मन्डली काहीं सताबत रहेन हँय। 10 पय हम अब जउन कुछू हएन, त परमातिमा के किरपा से हएन, अउर उनखर

† *14:21 यसा 28:11,12*

जउन किरपा हमरे ऊपर भे ही, उआ बेकार नहीं गय; काहेकि हम ऊँ सगले खास चेलन से जादा मेहनत किहेन हय, अउर सचमुच उआ मेहनत हम खुद न होय किहेन हय, पय हमरे ऊपर किरपा कइके ओही परमातिमा किहिन हीं। 11 एसे चाह हम होई, अउर चाह दूसर यीसु मसीह के खास चेला होंय, हम पंचे सगले जने एकय मेर के खुसी के खबर के प्रचार करित हएन, अउर एहिन के ऊपर तूँ पंचे बिसुआस घलाय किहा तय।

मरेन म से पुनि जिन्दा होब

12 एसे जब मसीह के बारे माहीं इआ प्रचार कीन जात हय, कि मरे के बाद ऊँ जिन्दा होइगें हँय, त तोंहरे पंचन म से कुछ जने इआ काहे कहत हें, कि मरे मनई जिन्दा होतय नहिं आहीं? 13 अउर अगर मरे मनई जिन्दा होतय नहिं आहीं, त पुनि मसीह घलाय मरे के बाद जिन्दा नहीं भे आहीं। 14 अउर अगर मसीह नहीं जि उठे आहीं, त हमार पंचन के प्रचार करब बेकार हय, अउर तोंहार पंचन के बिसुआसव करब बेकार हय। 15 अउर अगर अइसन हय, त हमहूँ पंचे घलाय परमातिमा के बारे माहीं झूँठ गबाही देंइ बाले साबित होइ गएन, काहेकि हम पंचे परमातिमा के बारे माहीं इआ गबाही दिहेन हँय, कि ऊँ मसीह काहीं मरेन म से जिन्दा कइ दिहिन हीं, पय उनखे कहे के मुताबिक अगर मरे मनई जिन्दा नहीं कीन जाँय, त पुनि परमातिमा मसीह काहीं घलाय जिन्दा नहीं किहिन। 16 अउर हम पुनि कहित हएन, कि अगर मरे मनई जिन्दा होतय नहिं आहीं, त पुनि मसीह घलाय मरेन म से जिन्दा नहीं भे आहीं; 17 अउर अगर मसीह जिन्दा नहीं भे आहीं, त तोंहार पंचन के बिसुआसव करब बेकार हय, अउर तूँ पंचे अबय तक पाप के बन्धन माहीं हया। 18 अउर हाँ, त पुनि ऊँ पंचे घलाय नास होइगें, जउन मसीह के ऊपर बिसुआस करत मरिगे हँय। 19 अउर अगर हम पंचे मसीह से असीस पामँइ के आसा, केबल इहय संसारिक जीबन भर माहीं रक्खित हएन, त हमार पंचन के किस्मत सगले मनइन से जादा खराब ही।

20 पय मसीह वास्तव माहीं मरे के बाद जिन्दा होइगे हें, अउर मरेन म से जिन्दा होंइ बालेन माहीं, ऊँ पहिल फल आहीं; अउर ऊँ इआ साबित कइ दिहिन हीं, कि जउन बिसुआसी लोग मरत हें, ऊँ पंचे घलाय जिन्दा कीन जइहँय। 21 काहेकि जब पहिल मनई आदम पाप किहिस, एसे संसार माहीं मउत आइगे, उहयमेर से दूसर मनई मसीह के द्वारा मरेन म से दुबारा जिन्दा होब सुरू भ। 22 अउर जइसन आदम के द्वारा पाप करँइ के कारन, सगले मनई मरत हें, उहयमेर जे कोऊ मसीह के ऊपर बिसुआस करत हें, ऊँ पंचे घलाय जिन्दा कीन जइहँय। 23 पय हरेक जन के खातिर समय निस्चित कीन ग हय, सगलेन से पहिले मसीह काहीं पहिल फल के रूप माहीं जिन्दा कीन ग हय, अउर जब मसीह दुबारा अइहँय, त जे कोऊ उनखे ऊपर बिसुआस करत हें, ऊँ पंचे घलाय एक साथय जिन्दा कीन जइहँय। 24 अउर एखे बाद इआ संसार के अन्त आय जई, तब इआ संसार माहीं सासन करँइ बाले सगले अधिकारिन काहीं, अउर बुरी सक्तिन काहीं यीसु मसीह नास कइ देइहँय, अउर अपने राज काहीं पिता परमातिमा के हाँथ माहीं सउँपि देइहँय। 25 काहेकि जब तक ऊँ अपने सगले दुसमनन काहीं हराय न देइहँय, तब तक उनहीं राज करब जरूरी हय। †26 अउर सगलेन से आखिरी दुसमन, मउत काहीं घलाय नास कीन जई। 27 काहेकि बचन माहीं लिखा हय, कि “परमातिमा सब कुछ मसीह के अधीन कइ दिहिन हीं”, त एखर मतलब इआ हय, कि सब कुछ मसीह के अधीन कइ दीनगा हय; अउर जबकि परमातिमा सब कुछ उनखे अधीन कइ दिहिन हीं, त केबल उँइन भर उनखे अधीन नहिं आहीं। ††28 अउर जब परमातिमा सब कुछ अपने लड़िका यीसु मसीह के काबू माहीं कइ दिहिन हीं, त लड़िकव खुद, परमातिमा के काबू माहीं होइ जइहँय, कि जउने केबल परमातिमय सगलेन के ऊपर सासन करँइ बाले ठहरँय।

29 अउर परमातिमा मरेन म से मनइन काहीं जरूर जिन्दा करिहँय, त अगर तूँ पंचे इआ बात माहीं बिसुआस नहीं करते आह्या, त तोंहरे पंचन म से जे कोऊ मरे मनइन के खातिर बपतिस्मा लेत हें; त कउने आसा से लेत हें? 30 अउर हमहूँ पंचे घलाय काहे हरेक समय अपने जीबन काहीं खतरा माहीं डारित हएन? 31 हे भाई-बहिनिव, हम अपने प्रभू यीसु मसीह माहीं तोंहरे खातिर जउन घमन्ड करित हएन, ओहिन के कसम खाइके कहित हएन, कि हम रोज मउत के खतरा के सामना करित हएन। 32 अउर इफिसुस सहर के मनई हमार खुब बिरोध किहिन, अउर ऊँ पंचे जंगली जानबरन कि नाईं हमरे साथ लड़ाई किहिन, पय अगर मुरदा जिन्दा न कीन जइहँय, त हमार लड़ाई, केबल इआ संसारय के रहि जई; अउर एसे हमहीं कउनव फायदा न मिली? अउर अगर अइसन हय, त आबा हम पंचे खई-पी अउर मउज करी, काहेकि काल्ह त मरिन जाँइ क हय। ‡33 अउर जे कोऊ अइसन कहत हें, त उनखे बातन माहीं परिके, धोखा न खया, काहेकि “बुरी संगति निकहे चरित्र काहीं बिगाड़ देत ही।” 34 एसे तूँ पंचे होस माहीं आय जा, अउर निकहा जीबन जिआ, पाप करब बंद कइ द्या; अउर तोंहरे पंचन म से कुछ जने अइसन हें, कि ऊँ पंचे परमातिमा के सच्ची सिच्छन काहीं नहीं जानँय; अउर इआ बात हम तोहईं पंचन काहीं सरमिन्दा करँइ के खातिर कहित हएन।

बिसुआसी लोगन काहीं कबहूँ न नास होंइ बाली देंह मिली

35 पय कुछ जने इआ पूँछ सकत हें, कि “मरे मनई कइसन जिन्दा कइ दीन जात हें, अउर ऊँ पंचे कउनमेर के देंह पाबत हें?” 36 अउर जे कोऊ इआ कहत हें, त उनसे हम इआ कहित हएन, हे मूरखव, तूँ पंचे धरती माहीं जउन बीज बोउते हया, त जब तक उआ सड़ नहीं जाय, तब तक नबा बिरबा नहीं तइआर होय। 37 अउर जउन तूँ बोउते हया, त उआ देंह न होय जउन तइआर होत ही, पय उआ निछला दाना आय, चाह उआ गोहूँ के दाना होय, अउर चाह अउर दुसरे अनाज के। 38 पय परमातिमा अपने मरजी के मुताबिक ओही देंह देत हें; अउर हरेक बीज के खास देंह होत ही। 39 अउर सगलेन के देंह एकयमेर के नहीं होय, मनइन के देंह दूसर मेर के होत ही, अउर पसुअन के दूसर मेर के होत ही, अउर पंछिन के देंह दूसर मेर के होत ही; अउर मछरिन के देंह दूसर मेर के होत ही। 40 उहयमेर अकास माहीं रहँइ बाले सुरिज, जोंधइआ अउर तरइअन के अकार धरती माहीं रहँइ बालेन के देंहन से अलग हय; पय अकास माहीं रहँइ बालेन के तेज, दूसर मेर के हय, अउर इआ संसार माहीं रहँइ बालेन के तेज, दूसर मेर के हय। 41 अउर अकास माहीं रहँइ बालेन के तेज घलाय, एक दुसरे से अलग हय, जइसन कि सुरिज के तेज दूसर मेर के हय, जोंधइआ के तेज दूसर मेर के हय, अउर तरइअन के तेज दूसर मेर के हय, (काहेकि एकठे तरइया के तेज से दुसरे तरइया के तेज माहीं अन्तर हय।)

42 अउर इहइमेर से मरे मनई घलाय जिन्दा कीन जइहँय, जइसन कउनव बीज काहीं जब धरती माहीं बोबा जात हय, त उआ सड़िके नास होइ जात हय, उहयमेर जब कउनव मनई मर जात हय, त ओखे संसारिक देंह काहीं गाड़ दीन जात हय, अउर उआ नास होइ जात ही, पय जउन देंह जिन्दा होंइ के समय दुबारा मिलत ही, त उआ अमर रहत ही। 43 अउर जब इआ संसारिक देंह काहीं धरती माहीं गाड़ा जात हय, त उआ निबलता के साथ गाड़ी जात ही, अउर ओमाहीं कउनव सक्ती नहीं रहय, पय जउन देंह जिन्दा होंइ के समय दुबारा मिलत ही, उआ सक्ती के साथ जिन्दा होइ जात ही, अउर तेजोमय होत ही। 44 अउर जउने देंह काहीं गाड़ा जात हय, उआ संसारिक देंह आय, पय जउन देंह जिन्दा होंइ के समय दुबारा मिलत ही, उआ आत्मिक देंह आय; काहेकि अगर संसारिक देंह होत ही, त आत्मिक देंह घलाय होत ही। 45 अउर पबित्र सास्त्र माहीं घलाय लिखा हय, कि “पहिल मनई, अरथात आदम जिन्दा प्रानी बना” अउर आखिरी आदम, अरथात मसीह जीबन देंइ बाले आत्मा बनिगें। 46 अउर जउन देंह हमहीं पंचन काहीं पहिले दीन गे ही, उआ संसारिक आय, पय जउन देंह हमहीं बाद माहीं दीन जई, उआ आत्मिक होई। 47 अउर पहिल मनई अरथात

† *15:25 भज 110:1* †† *15:27 भज 8:6*

‡ *15:32 यसा 22:13*

आदम काहीं माटी से बनाबा ग रहा हय; पय दूसर मनई अरथात यीसु मसीह स्वरग से आए हें। 48 अउर जइसन पहिल मनई माटी से बनाबा ग तय, उहयमेर संसार के सगले मनई घलाय माटी से बने हँय; अउर जइसन दुसरे मनई के देंह स्वरग के हय, उहयमेर हमार पंचन के देंह घलाय स्वरग के होइ जई। 49 अउर आदम काहीं जइसन माटी से बनाबा ग रहा हय, उहयमेर हमार पंचन के रूप घलाय उनहिन कि नाईं हय, पय दूसर मनई स्वरग के आहीं, एसे हमार पंचन के रूप घलाय उनहिन कि नाईं होई।

50 हे हमार भाई-बहिनिव, हम तोहईं इआ बताइत हएन, कि हम पंचे खून अउर माँस से बने इआ देंह के साथ, परमातिमा के राज के हकदार नहीं बन सकी, काहेकि नास होंइ बाली इआ संसारिक देंह, कबहूँ न नास होंइ बाले स्वरग के हकदार नहीं होइ सकय। 51 सुना, हम तोहईं पंचन काहीं भेद के बात बताइत हएन, कि हम पंचे सगले जने मरब न, पय हमार पंचन के रूप बदल जई। 52 अउर जब आखिरी तुरही बजाई जई, तब एक पल माहीं मरे मनई, कबहूँ न नास होंइ बाली देंह काहीं पाइके जिन्दा होइ जइहँय; अउर जे कोऊ उआ समय जिन्दा रइहँय, त उनखर रूप बदल जई। 53 काहेकि हम पंचे इआ नासवान देंह काहीं लइके स्वरग माहीं नहीं जाय सकी, एसे उहाँ जाँय के खातिर मरँइ बाली इआ देंह काहीं, अमर रहँइ बाली देंह माहीं बदला जाब जरूरी हय। 54 अउर जब इआ नास होंइ बाली देंह, कबहूँ न नास होंइ बाली देंह माहीं बदल जई, अउर मरनहार देंह अमरता काहीं पहिर लेई, त पबित्र सास्त्र माहीं जउन लिखा हय, उआ पूर होइ जई: कि

“मउत काहीं नास कइ दीन ग हय, अउर जीत मिलिगे ही।” †

55 “हे मउत, तोर जीतब कहाँ चला ग? अउर तोर डंक घलाय कहाँ चला ग?”

56 अउर मूसा के बिधान से हमहीं पंचन काहीं इआ जाने मिलत हय, कि हम पंचे पाप करित हएन, अउर पाप के कारन मउत काहीं सक्ती मिलत ही, एसे हम पंचे मरित हएन। 57 पय हम पंचे परमातिमा काहीं धन्यबाद देइत हएन, कि ऊँ हमरे प्रभू यीसु मसीह के द्वारा, हमहीं पंचन काहीं पाप अउर मउत से जीत देबाबत हें 58 एसे हे हमार पियार भाई-बहिनिव, तूँ पंचे बिसुआस माहीं मजबूत होइके, प्रभू माहीं अटल रहा, अउर प्रभू के काम करँइ के खातिर, खुद काहीं पूरी तरह से समरपित कइ द्या, काहेकि तूँ पंचे इआ जनते हया, कि प्रभू के खातिर जउन मेहनत तूँ पंचे करते हया, उआ बेकार न होई।

बिसुआसी लोगन के खातिर दान एकट्ठा करब

16 अउर यरूसलेम सहर के बिसुआसी लोगन के खातिर, दान एकट्ठा करँइ के बारे माहीं, जइसन हुकुम हम गलातिया प्रदेस के मसीही मन्डलिन काहीं दिहेन हँय; उहयमेर तुहूँ पंचे घलाय करा। 2 अउर हप्ता के पहिल दिन, तोंहरे पंचन म से हरेक जन अपने-अपने कमाई के मुताबिक, अपने लघे कुछ पइसा बचाइके रक्खा करय, कि जउने जब हम तोंहरे लघे अई, तब दान एकट्ठा न करँइ परय। 3 अउर जब हम उहाँ अउब, त जिनहीं पठमँइ के तोंहार पंचन के इच्छा होई, हम उनहीं चिट्ठी दइके पठय देब, कि जउने ऊँ पंचे तोंहार दान, यरूसलेम सहर माहीं पहुँचाय देंय। 4 अउर अगर तोहईं पंचन काहीं इआ लागत हय, कि हमरव जाब उहाँ उचित हय, त हमहूँ उनखे साथ जाब।

यात्रा करँइ के पवलुस के योजना

5 अउर हम मकिदुनिया प्रदेस जाँइ के योजना बनाए हएन, एसे हम मकिदुनिया प्रदेस से होइके तोंहरे पंचन के लघे अउब। 6 अउर होइ सकत हय, कि हम तोंहरेन लघे रुक जई, अउर जाड़े के रित उहँय काटी, अउर एखे बाद जहाँ हमहीं जाँइ क होई, त तूँ पंचे हमरे यात्रा माहीं मदत किहा। 7 अउर अब तोंहसे केबल मुलाखात कइके चले जाँइ के हमार इच्छा नहिं आय; पय हम इआ आसा करित हएन, कि अगर प्रभू के मरजी होई, त कुछ समय तक हम तोंहरे पंचन के लघे रहब। 8 पय पिन्तेकुस्त †† के तेउहार तक हम इफिसुस सहर माहीं रहब। 9 जबकि बिरोध करँइ बाले मनई उहाँ खुब हें, तऊ सेबा करँइ के खातिर उहाँ खुब मोका हय। ‡

10 अउर जब तीमुथियुस आय जाँय, त उनखे साथ अइसन बेउहार किहा, कि जउने ऊँ तोंहरे पंचन के लघे निडर होइके रहँय; काहेकि ऊँ हमरी कि नाईं प्रभू के सेबा करत हें। 11 एसे तोंहरे पंचन म से कोऊ उनहीं तुच्छ न जान्या, बलकिन उनखे यात्रा माहीं तूँ पंचे उनखर पूर मदत किहा, कि जउने ऊँ कुसल पूर्बक हमरे लघे आय जाँय, काहेकि हम उनखर इन्तजार कइ रहेन हँय, कि ऊँ दुसरे भाइन के साथ हमरे लघे आय जाँय। 12 अउर भाई अपुल्लोस से हम खुब बिनती किहेन, कि ऊँ दुसरे बिसुआसी भाइन के साथ माहीं तोंहरे पंचन के लघे जाँय; पय इआ समय जाँइ के उनखर बेलकुल इच्छा नहीं रही आय, पय बाद माहीं जब उनहीं मोका मिली, त ऊँ जरूर आय जइहँय।

पवलुस के आखिरी हुकुम अउर नबस्कार

13 हे भाई-बहिनिव, तूँ पंचे सतरक रहा, बिसुआस माहीं अटल रहा, साहसी बना, अउर प्रभू माहीं बलवन्त बना। 14 अउर तूँ पंचे जउन कुछू करते हया, त ओही प्रेम से करा। 15 हे भाई-बहिनिव, तूँ पंचे स्तिफनास के घर के मनइन काहीं त जनतेन हया, कि ऊँ पंचे अखाया प्रदेस के पहिल बिसुआसी आहीं, अउर ऊँ पंचे पबित्र लोगन के सेबा ‡‡ करँइ के खातिर हमेसा तइआर रहत हें। 16 एसे हम तोंहसे इआ बिनती करित हएन, कि तूँ पंचे अइसन लोगन के अधीनता माहीं रहा, अउर जे कोऊ उनखे साथ कठोर मेहनत करत हें, उनहूँ पंचन के अधीनता माहीं घलाय रहा। 17 अउर तोंहरे पंचन के तरफ से, भाई स्तिफनास, भाई फूरतूनातुस अउर भाई अखइकुस हमसे मिलँय आएँ, त हम खुब खुस भएन; काहेकि तूँ पंचे हमरे साथ न होंइ के कारन, हमार जउन मदत नहिं कइ पाया, त ओही ऊँ पंचे पूर कइ दिहिन हीं। 18 अउर ऊँ पंचे हमरेव मन काहीं खुस किहिन हीं, अउर तोंहरेव पंचन के मन काहीं घलाय खुस किहिन हीं; एसे अइसन लोगन के सम्मान करा।

19 आसिया प्रदेस के मसीही मन्डली के बिसुआसी लोग तोहईं पंचन काहीं, प्रभू के नाम माहीं नबस्कार करत हें; अक्विला अउर प्रिस्किल्ला अउर उनखे घर माहीं एकट्ठा होंइ बाली मसीही मन्डली के बिसुआसी लोग घलाय, तोहईं पंचन काहीं पूर मन से नबस्कार करत हें। ‡‡20 अउर सगले बिसुआसी भाई-बहिनी घलाय, तोहईं पंचन काहीं नबस्कार करत हें, अउर तुहूँ पंचे घलाय एक दुसरे काहीं पबित्र मन से, अउर प्रेम के साथ नबस्कार करा।

21 अउर हम पवलुस खुद अपने हाँथे से तोहईं पंचन काहीं नबस्कार लिखित हएन। 22 अउर अगर कउनव मनई, प्रभू से प्रेम नहीं रक्खय, त प्रभू ओही सराप देइहँय। हे हमार पंचन के प्रभू, अपना हरबी अई। 23 प्रभू यीसु मसीह के किरपा तोंहरे पंचन के ऊपर हमेसा बनी रहय। 24 मसीह यीसु के संगति माहीं रहँइ बाले, सगले जनेन के साथ हमार प्रेम बना रहय। आमीन।

† *15:54 यसा 25:8*

†† *16:8 लैब्य 25:15-21; ब्यब 16:9-11* ‡ *16:9 खा.चे.काम 19:8-10*
‡‡ *16:15 1 कुरि 1:16* ‡‡ *16:19 खा.चे.काम 18:2*

2 कुरिन्थियन

इआ चिट्ठी के परिचय

कुरिन्थुस सहर माहीं रहँइ बाले मसीही लोगन के नाम लिखी पवलुस के दूसर चिट्ठी, उआ समय लिखी गे रही हय, जब पवलुस काहीं कुरिन्थुस सहर के कुछ बिसुआसी लोग गलत समझत रहे हँय, मसीही मन्डली के कुछ मनई पवलुस के ऊपर खुले आम कइयकठे गम्भीर अरोप लगाइन तय। पय पवलुस इआ चिट्ठी माहीं उनसे मेल-मिलाप करँइ के आपन बड़ी इच्छा प्रगट करत हें, अउर इआ चिट्ठी माहीं पवलुस कुरिन्थुस सहर के बिसुआसी लोगन के खातिर अपने गहरी भावनन काहीं प्रगट करत हें, अउर जब उनसे मेल-मिलाप होइ जात हय, त अपने बड़े आनन्द काहीं घलाय प्रगट करत हें।
इआ चिट्ठी के पहिल भाग माहीं पवलुस कुरिन्थ सहर के मसीही मन्डली के साथ अपने सम्बन्ध के बारे माहीं बिचार करत हें, अउर उनहीं समझाबत हें, कि हम काहे मसीही मन्डली से कठोर बेउहार किहेन हय, अउर एखे बाद अपने आनन्द काहीं घलाय प्रगट करत हें, कि हमरे कठोरता के परिनाम, पस्चाताप अउर मेल-मिलाप भ हय, अउर एखे बाद ऊँ मसीही मन्डली से, यहूदिया प्रदेस के गरीब बिसुआसी लोगन के खातिर उदारता से दान देंइ के निबेदन करत हें। अउर चिट्ठी के अन्त माहीं पवलुस कुरिन्थुस सहर के कुछ लोगन के बिरुद्ध बात कहत हें, जउन अपने-आप काहीं यीसु मसीह के खास चेला बताबत रहे हँय, जबकि रहे नहिं आहीं, अउर पवलुस के ऊपर अरोप लगाबत रहे हँय, कि पवलुस यीसु मसीह के खास चेला न होंहीं।
अपना पंचे आपस माहीं मिल जुलिके रही, अउर दुसरे भाई-बहिनिन के मदत करी, अउर परमातिमा अपने साथ मनइन के मेल-मिलाप करँइ के जउन सेबा हमहीं पंचन काहीं सँउपिन हीं, ओही पूर करी।

रूप-रेखा :

इआ चिट्ठी के परिचय
पवलुस अउर कुरिन्थुस सहर के मसीही मन्डली
यहूदिया प्रदेस के मसीही लोगन के खातिर दान
पवलुस खुद काहीं यीसु मसीह के खास चेला होंइ के अधिकार के समरथन करत हें
उपसंहार

पवलुस के अभिबादन

1 हम पवलुस इआ चिट्ठी काहीं लिख रहेन हय, जउन परमातिमा के
मरजी से यीसु मसीह के खास चेला आहेन, अउर इआ चिट्ठी हमरे
अउर हमरे बिसुआसी भाई तीमुथियुस के तरफ से परमातिमा के मसीही
मन्डली काहीं मिलय, जउन कुरिन्थुस सहर माहीं ही, अउर अखाया प्रदेस के
सगले पबित्र भाई-बहिनिन काहीं घलाय मिलय। 2 अउर हमरे पंचन के पिता
परमातिमा अउर प्रभू यीसु मसीह के तरफ से तोंहईं पंचन काहीं किरपा
अउर सान्ती मिलत रहय।

परमातिमा काहीं पवलुस के धन्यबाद

3 हम पंचे अपने प्रभू यीसु मसीह के पिता परमातिमा काहीं धन्यबाद देइत
हएन, जउन दया करँइ बाले पिता अउर हरेकमेर के सान्ती देंइ बाले
परमातिमा आहीं। 4 अउर उँइन हमरे पंचन के हरेक बिपत्तिन माहीं सान्ती
देत हें, जउने हमहूँ पंचे उआ सान्ती के कारन, जउन परमातिमा हमहीं पंचन
काहीं देत हें, उनहीं घलाय सान्ती दइ सकी, जउन कउनव मेर के बिपत्तिन
माहीं परे होंय। 5 काहेकि हम पंचे जइसन मसीह के दुखन माहीं जेतनय
जादा भागीदार बनत जइत हएन, ओतनय जादा हम पंचे सान्ती माहीं घलाय
मसीह के द्वारा भागीदार बनित हएन। 6 अगर हम पंचे खुब कस्ट पाइत
हएन, त इआ तोंहरे पंचन के मुक्ती अउर सान्ती के खातिर आय, अउर अगर
सान्ती पाइत हएन, त इहव तोंहरे सान्ती के खातिर आय; इहय सान्ती के
असर से तुहूँ पंचे घलाय, धीरज के साथ उन दुखन काहीं सहि लेते हया,
जिनहीं हमहूँ पंचे घलाय सहित हएन। 7 अउर तोंहरे पंचन के बारे माहीं,
हमहीं पंचन काहीं पूर आसा ही, काहेकि हम पंचे जानित हएन, कि जइसन
तूँ पंचे हमरे दुखन माहीं भागीदार हया, उहयमेर सान्ती के घलाय भागीदार
हया। 8 हे भाई-बहिनिव, हम पंचे इआ चाहित हएन, कि तूँ पंचे हमरे पंचन
के दुखन के बारे माहीं जाना, जउन आसिया प्रदेस माहीं हमरे पंचन के ऊपर
परा रहा हय, हम पंचे अइसन बड़ी भारी बिपत्ती माहीं परि गएन तय, जउन
हमरे पंचन के सहँय से बाहर रही हय, इहाँ तक कि हम पंचे जिन्दा रहँइ के
आसा घलाय छोंड़ि दिहेन तय। 9 बलकिन हम पंचे अपने-अपने मनन माहीं
इआ समझ लिहेन तय, कि हमहीं पंचन काहीं मउत के सजा मिल चुकी
हय। जउने हम पंचे अपने ऊपर भरोसा न करी, बलकिन परमातिमा के
ऊपर पूरा भरोसा करी, जउन मरेन काहीं घलाय जिआबत हें। 10 उँइन हमहीं
पंचन काहीं उआ बड़े भारी मउत के संकट से बचाइन हीं, अउर बचउतय
रइहँय, अउर हमार पंचन के उनहिन के ऊपर पूर आसा ही, कि उँइन हमहीं
पंचन काहीं भबिस्य माहीं घलाय बचाबत रइहँय। 11 अउर तुहूँ पंचे घलाय
मिलिके हमरे पंचन के खातिर प्राथना कइके, हमार पंचन के मदत कइ रहे
हया, काहेकि हमहीं पंचन काहीं जउन बरदान खुब मनइन के प्राथना के
द्वारा मिला हय, ओहिन के कारन खुब मनई हमरे पंचन के तरफ से
परमातिमा के धन्यबाद करिहँय।

पवलुस के यात्रा के योजना माहीं बदलाव

12 हमहीं पंचन काहीं इआ बात के घमन्ड हय, कि हम इआ बात सच्चे मन
से कहि सकित हएन, कि हम पंचे इआ संसार के मनइन के साथ, अउर
खास करके तोंहरे पंचन के साथ, परमातिमा के किरपा के मुताबिक बेउहार
किहेन हय। हम पंचे उआ बेउहार सरलता अउर सच्चाई के साथ किहेन हँय,

जउन परमातिमा से मिलत हय, अउर उआ संसार के बुद्धी से नहीं मिलय।
13 हम पंचे अइसन कउनव बात नहीं लिखे आहेन, कि जउने काहीं तूँ पंचे
समझे न पाबा, बलकिन हम उहय लिखे हएन, जउने काहीं तूँ पंचे पढ़ते
अउर मनते घलाय हया, अउर हमहीं पंचन काहीं इआ आसा ही, कि तूँ पंचे
ओही पूरी तरह से मनतव रइहा। 14 जइसन तोंहरे पंचन म से कुछ जने
मानिव लिहिन ही, कि हम पंचे तोंहरे घमन्ड करँइ के कारन हएन; उहयमेर
प्रभू यीसु के न्याय करँइ के दिन, तुहूँ पंचे घलाय हमरे पंचन के खातिर
घमन्ड के कारन ठहरिहा। 15 अउर इहय भरोसा से हम चाहत रहेन हय, कि
पहिले तोंहरे पंचन के लघे अई; जउने तोंहईं दुसराय आसिरबाद के फायदा
मिल सकय। 16 अउर हम सोचित हएन, कि तोंहसे मिलिके मकिदुनिया
प्रदेस काहीं जई, अउर पुनि मकिदुनिया से तोंहरे लघे अई, त फेर तूँ पंचे
यहूदिया प्रदेस जाँइ के खातिर हमार प्रबन्ध करा। 17 हम जब इआ योजना
बनाएन तय, तब हमहीं कउनव संका नहीं रही आय, काहेकि जब हम
योजना बनाएन तय, त उआ संसारिक मनइन कि नाईं नहीं बनाएन तय।
जउन “हाँ” त बोलत हें, पय सही माहीं ओखर मतलब “न” होत हय।
18 काहेकि परमातिमा बिसुआस के काबिल हें, अउर ऊँ एखर गबाही
देइहँय, कि तोंहरे पंचन के खातिर हमार पंचन के जउन बात ही, ओमाहीं
एक साथय “हाँ” अउर “न” दोनव नहीं होय। 19 काहेकि परमातिमा के
लड़िका यीसु मसीह जिनखर हमरे पंचन के द्वारा, अरथात हमरे अउर
सिलवानुस अउर तीमुथियुस के द्वारा तोंहरे पंचन के बीच माहीं प्रचार कीन
ग हय; ओमाहीं “हाँ” अउर “न” दोनव नहीं रहा आय; बलकिन ओमा
केबल “हाँ” भर रहा हय। 20 काहेकि परमातिमा जेतने वादा किहिन हीं, ऊँ
सगले यीसु माहीं, सगले मनइन के खातिर “हाँ” बन जात हें, एसे हम पंचे
यीसु मसीह के द्वारा “आमीन” घलाय कहित हएन, कि जउने हमरे पंचन के
द्वारा परमातिमा के बड़ाई होय। 21 अउर जउन हमहीं पंचन काहीं तोंहरे साथ
मसीह माहीं मजबूत करत हें, अउर जउन हमार पंचन के अभिसेक किहिन
हीं, उँइन परमातिमा आहीं। 22 अउर उँइन हमरे पंचन के ऊपर आपन छाप
लगाय दिहिन हीं, अउर बयाना माहीं पबित्र आत्मा काहीं हमरे पंचन के
भीतर डार दिहिन हीं। 23 हम परमातिमा काहीं गबाह मानिके, अउर अपने
जीबन के कसम खाइके कहित हएन, कि हम अबय तक कुरिन्थुस सहर
माहीं एसे नहीं आएन, कि हम तोंहईं पंचन काहीं दुख नहीं देंइ चाहत रहेन
आय। 24 तोंहरे पंचन के बिसुआस के बारे माहीं, हम तोंहरे ऊपर आपन
अधिकार नहीं जतामँइ चाहित आहेन; बलकिन हम तोंहरे आनन्द माहीं
सामिल हएन, काहेकि तूँ पंचे बिसुआस माहीं मजबूत बने रहते हया।

2 हम अपने मन माहीं इहय ठान लिहेन तय, कि पुनि तोंहरे पंचन के
लघे, तोंहईं दुख देंइ न अउब। 2 काहेकि अगर हम तोंहइन पंचन काहीं
दुखी करब, त हमहीं आनन्द को देई? काहेकि हमहीं आनन्द देंइ बाले त
तुहिन पंचे आह्या। 3 अउर हम इहय बात तोंहईं एसे लिखेन हय, कि कहँव
अइसा न होय, कि जब हम तोंहरे पंचन के लघे अई, त जिनसे हमहीं
आनन्द मिलँइ चाही, त हम उनहिन के कारन दुखी होई; काहेकि हमहीं
तोंहरे सगले जनेन के ऊपर इआ बात के भरोसा हय, कि जउन आनन्द
हमार हय, उआ तोंहरव पंचन के घलाय आनन्द हय। 4 काहेकि हम तोंहईं
पंचन काहीं बड़े दुखी मन से अउर बड़े कस्ट के साथ आँसू बहाय-बहाइके
इआ लिखेन हय; पय तोहईं पंचन काहीं दुखी करँइ के खातिर नहीं,
बलकिन एसे लिखेन हय, कि जउने तूँ पंचे हमरे प्रेम काहीं जानिल्या, कि
हम तोंहसे केतना प्रेम करित हएन।

अपराधी काहीं माफ करब

5 पय अगर कोऊ हमहीं दुखी किहिस ही, त उआ केबल हमहिन भर
काहीं नहीं, बलकिन थोरी-बहुत तोंहईं सगलेन काहीं घलाय दुखी किहिस
ही। 6 अइसन मनई के खातिर इआ सजा काफी हय, जउन तोंहरे पंचन म से
कुछ जने ओही दिहिन हीं। 7 एसे नीक त इआ हय, कि ओखर अपराध माफ
करा, अउर ओही उत्साहित करा, कहँव अइसन न होय कि उआ मनई बड़े
भारी दुख माहीं बूड़ जाय। 8 इआ कारन हम तोंहसे इआ बिनती करित
हएन, कि ओसे अब पहिले से जादा प्रेम करा। 9 काहेकि हम तोंहईं पंचन
काहीं अजमामँइ के उद्देस्य से इआ लिखेन तय, अउर हम इआ जानँइ चाहत
रहेन हय, कि तूँ पंचे हमरे सगली बातन काहीं मानँइ के खातिर तइआर हया,
कि नहीं? 10 अउर अगर तूँ पंचे कोहू काहीं कउनव बात के खातिर माफ
करते हया, त ओही हमहूँ माफ करित हएन, अउर जउन कुछू हम माफ
किहेन हय, त उआ तोंहरे पंचन के कारन मसीह काहीं हाजिर जानिके
किहेन हय। 11 कि जउने हम पंचे सइतान के चंगुल माहीं न फँसे पाई,
काहेकि हम पंचे ओखे चाल काहीं निकहा से जानित हएन।

त्रोआस सहर माहीं पवलुस के ब्याकुल होब

12 जब हम मसीह के खुसी के खबर सुनामँइ के खातिर त्रोआस सहर
माहीं आएन, त उहाँ खुसी के खबर सुनामँइ के खातिर प्रभू निकहा मोका
दिहिन तय। 13 तऊ हमार मन ब्याकुल रहा हय, काहेकि हम उहाँ अपने
मसीही भाई तीतुस काहीं नहीं पाएन तय; एसे हम उनसे बिदा लइके
मकिदुनिया प्रदेस काहीं चल दिहेन।

मसीह माहीं बिजय-अभियान

14 पय परमातिमा के धन्यबाद होय, जउन मसीह के द्वारा अपने बिजय-
अभियान माहीं हमहीं पंचन काहीं हमेसा गइल देखाबत हें। अउर हमरे पंचन
के द्वारा अपने ग्यान के महक हरेक जघन माहीं फइलाबत हें। 15 काहेकि
हम पंचे परमातिमा के नजर माहीं, मुक्ती पामँइ बालेन, अउर नास होंइ
बालेन दोनव के खातिर मसीह के महक आहेन। 16 पय उनखे खातिर जउन
नास होंइ बाले हें, इआ मउत के अइसन बदबू आय, जउन मउत कइती लइ
जात ही। पय उनखे खातिर जउन मुक्ती के गइल माहीं बढ़त जात हें, इआ
जीबन के अइसन महक आय जउन अनन्त जीबन कइती लइ जात ही,
अउर ईं कामन के काबिल को हय? 17 काहेकि हम पंचे ऊँ खुब मनइन कि
नाईं नहिं आहेन, जउन खुद के फायदा के खातिर परमातिमा के बचन माहीं
मिलाबट कइके प्रचार करत हें, बलकिन हम पंचे अपने सच्चे मन से,
परमातिमा के तरफ से, अउर परमातिमा काहीं हाजिर जानिके, मसीह के
प्रचार करित हएन।

नई करार के सेबक

3 एसे का तोंहईं पंचन काहीं अइसन लागत हय, कि हम पंचे पुनि
आपन बड़ाई खुदय करँइ लागेन हय? का हमहीं पंचन काहीं दुसरे
मनइन कि नाईं इआ जरूरी हय, कि हम पंचे तोंहईं सिपारिस के चिट्ठी
देखाई, इआ कि तोंहसे मागी? 2 हमार पंचन के चिट्ठी त तुहिन पंचे आह्या,
जउन हमरे पंचन के हिरदँय माहीं लिखी हय, अउर ओही सगले मनई
जनतिव हें, अउर पढ़तिव हें। 3 अउर तुहूँ पंचे घलाय त इहइमेर देखउते हया,
कि तूँ पंचे मसीह के चिट्ठी आह्या। जउने काहीं हम पंचे सेबकन कि नाईं
लिखेन हय; जउन स्याही से नहीं, बलकिन जिन्दा परमातिमा के आत्मा से,
पथरा के पटिया माहीं नहीं, बलकिन हिरदँय रूपी पटिया माही लिखी हय।
4 अउर हम पंचे मसीह के द्वारा परमातिमा के ऊपर इहइमेर भरोसा रक्खित
हएन। 5 अइसन नहिं आय, कि हम पंचे एतने काबिल हएन, कि सोचँइ
लागी, कि हम पंचे खुद कुछू काम कइ सकित हएन। बलकिन हमहीं पंचन
काहीं काबिल बनामँइ बाले परमातिमा आहीं। 6 उँइन हमहीं पंचन काहीं नई
करार के सेबक बनँइ के काबिल बनाइन हीं। मूसा के बिधान के सेबक नहीं,
बलकिन पबित्र आत्मा के सेबक बनाइन हीं, काहेकि मूसा के बिधान मउत
के सजा सुनाबत हय, पय पबित्र आत्मा जीबन देत हय।

7 अगर मउत के सजा देंइ बाली उआ करार, जेखर अच्छर पथरा माहीं
खोदिके लिखे गे रहे हँय, एतना तेजोमय रही हय, कि मूसा के मुँहे के तेज
चमक के कारन, जउन कमव होत जात रहा हय। इजराइली लोग ओखे मुँहे
कइती निहारे नहीं पाबत रहे आँय। 8 त आत्मा के करार, ओहू से बढ़िके तेज

चमकँइ बाली काहे न होई? अरथात जरूर होई। 9 काहेकि जब दोसी ठहरामँइ बाली करार, तेज चमकँइ बाली रही हय, त परमातिमा के नजर माहीं निरदोस ठहरामँइ बाली करार, ओहू से बढ़िके तेज चमकँइ बाली काहे न होई? 10 अउर अगर तेज चमकँइ बाली नई करार, के तुलना चमकँइ बाली पुरान करार से कीन जाय, त चमकँइ बाली पुरान करार के चमक ओखे आँगे कुछू न होय। 11 काहेकि पुरान करार के चमक जउन घटत जात रही हय, तऊ एतना चमकत रही हय। त उआ करार जउन हमेसा रहँइ बाली हय, ओसे बढ़िके चमकँइ बाली काहे न होई?

12 इहय आसा के कारन हम पंचे निडर होइके बोलित हएन। 13 हम पंचे मूसा नबी कि नाईं नहिं आहेन, जउन अपने मुँहे माहीं परदा डारे रहे हँय, कि जउने इजराइली लोग घटँय बाली उआ चमक के अन्त काहीं न देखे पामँय। 14 पय उनखर बुद्धी कमजोर होइगे रही हय, काहेकि आजव तक पुरान नेम पढ़त समय, उनखे हिरदँय माहीं उहय परदा परा रहत हय। पय मसीह के ऊपर बिसुआस किहे के कारन उआ परदा हटि जात हय। 15 अउर आजव जब-जब मूसा के लिखी किताब पढ़ी जात ही, त उनखे मन माहीं उआ परदा परा रहत हय। 16 पय जब कबहूँ ऊँ पंचे प्रभू के ऊपर बिसुआस करिहँय, त उआ परदा परमातिमा के द्वारा हटाय दीन जई। 17 काहेकि प्रभू त आत्मा आहीं: अउर जहाँ- जहाँ प्रभू के आत्मा रहत हय, उहाँ जरूर छुटकारा मिलत हय। 18 पय हमरे पंचन के चेहरा माहीं परदा नहिं आय, प्रभू के महिमा के चमक हमरे पंचन के चेहरा के द्वारा दुसरेन काहीं देखाई देत ही। जइसन अइना माहीं, त प्रभू के द्वारा जउन आत्मा आहीं, हम पंचे उनखे तेज चमकँइ बाले रूप कि नाईं थोरी-थोरी कइके बदलत जइत हएन।

माटी के बरतनन माहीं धरा खजाना

4 परमातिमा हमरे पंचन के ऊपर दया कइके, इआ सेबा के काम सउँपिन हीं, एसे हम पंचे हिम्मत नहीं हारी। 2 पय हम पंचे लज्जित करँइ बाले, अउर गुप्त कामन काहीं छोंड़ि दिहेन हय, अउर अपने चतुराई से नहीं चली, अउर न त परमातिमा के बचन माहीं मिलबटय करित आहेन, बलकिन परमातिमा के नजर माहीं, सत्य काहीं सरल रूप से बताइके, हरेक मनइन के सोच-बिचार माहीं आपन भलाई बइठाइत हएन। 3 जउने खुसी के खबर के हम पंचे प्रचार करित हएन, ओमाहीं अगर कउनव परदा परा हय, त इआ केबल उनहिन के खातिर परा हय, जेतने बिनास होंइ के गइल माहीं चल रहे हँय। 4 इआ संसार के मालिक सइतान, ईं अबिसुआसी मनइन के बुद्धी काहीं भ्रस्ट कइ दिहिस ही, कि जउने ऊँ पंचे परमातिमा के साछात रूप, मसीह के महिमामय खुसी के खबर के उँजिआर काहीं न देखे पामँय। 5 हम पंचे आपन प्रचार नहीं करी, बलकिन यीसु मसीह के प्रचार करित हएन, कि उँइन प्रभू आहीं, अउर हम पंचे अपने बारे माहीं त इहय कहित हएन, कि हम पंचे यीसु मसीह के कारन तोंहार पंचन के सेबक आहेन। 6 एसे कि उँइन परमातिमा आहीं, जउन कहिन रहा हय, कि "अँधिआर म से †उँजिआर होइ जाय।" अउर उँइन इआ उँजिआर काहीं हमरे पंचन के हिरदँय माहीं चमकाइन हीं, कि जउने हम पंचे यीसु मसीह के सुभाव माहीं, परमातिमा के महिमा के ग्यान के उँजिआर काहीं देख सकी।

7 काहेकि परमातिमा अपने असीमित सामर्थ काहीं, हमरे पंचन के देंह के अंदर रक्खिन हीं, जउन टूटँइ बाले माटी के बरतनन कि नाईं हईं, कि जउने इआ साबित होइ जाय, कि इआ सामर्थ हमार पंचन के न होय, बलकिन परमातिमय के आय। 8 हम पंचे चारिव कइती से दुख-मुसीबत त सहित हएन, पय संकट माहीं नहीं परी, कबहूँ-कबहूँ घबराय त जइत हएन, पय निरास नहीं होई। 9 मनइन के द्वारा सताए त जइत हएन; पय परमातिमा के द्वारा छोंड़े नहीं जई; अउर गिराए त जइत हएन, पय नास नहीं होई। 10 हम पंचे अपने देंह माही दुख-मुसीबत काहीं सहिके, यीसु के मउत माहीं भागीदार बन जइत हएन; कि जउने यीसु के जीबन हमरे पंचन के देंहन से साफ- साफ देखाई देय। 11 काहेकि हम पंचे हमेसा यीसु के कारन जिन्दय, मउत के हबाले कीन जइत हएन, कि जउने यीसु के जीबन हमरे पंचन के मरनहार देंह से देखाई देय। 12 इआमेर से हम पंचे मउत के सामना करत रहित हएन, पय तोंहईं पंचन काहीं अनन्त जीबन मिलत हय।

13 पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, कि "हम बिसुआस †† किहेन रहा हय, एहिन से हम बोलित हएन।" हमरेव पंचन के भीतर उहय बिसुआस के आत्मा हय। अउर हमहूँ पंचे घलाय बिसुआस करित हएन, एहिन से हमहूँ पंचे घलाय बोलित हएन। 14 काहेकि हम पंचे जानित हएन, कि जउन परमातिमा, प्रभू यीसु काहीं मरेन म से जिआइन हीं, उँइन हमहूँ पंचन काहीं घलाय उहयमेर जिअइहँय, जइसन यीसु काहीं जिआइन रहा हय। अउर ऊँ अपने आँगे हमहूँ पंचन काहीं घलाय, तोंहरे पंचन के साथय ठाढ़ करिहँय। 15 अउर सब कुछ तोंहरे पंचन के भलाइन के खातिर आय। जइसन-जइसन परमातिमा के किरपा जादा मनइन के ऊपर होत जात ही, त परमातिमा काहीं धन्यबाद देंइ बाले घलाय बढ़त जात हें। इआमेर से परमातिमा के महिमा बढ़त जात ही। 16 एहिन से हम पंचे हिम्मत नहीं हारी; जबकि हमार पंचन के देंह कमजोर होत जात ही, तऊ हमार पंचन के अन्तर आत्मा हरेक दिन नई होत जात ही। 17 काहेकि हमार पंचन के पल भर के छोट-छोट दुख, हमहीं पंचन काहीं हमेसा के खातिर अनन्त महिमा देबाबत हें। 18 अउर हम पंचे देखाई देंइ बाली चीजन माहीं मन नहीं लगाई, बलकिन जउन चीजँय नहीं देखाई देती आहीं, उनहिन माहीं मन लगाइत हएन, काहेकि देखाई देंइ बाली चीजँय थोरिन दिन के होती हईं, पय जउन चीजँय नहीं देखाई देती, ऊँ हमेसा बनी रहती हईं।

स्वरग माहीं मिलँइ बाला हमार पंचन के घर

5 काहेकि हम पंचे जानित हएन, कि हमार पंचन के तम्बू, अरथात इआ देंह जउने माहीं हम पंचे इआ धरती माहीं रहित हएन, गिराय दीन जई। त हमहीं पंचन काहीं परमातिमा के द्वारा, स्वरग माहीं एकठे अइसन घर दीन जई, जउन हमेसा बना रही। काहेकि उआ मनइन के हाँथे से बनाबा न होई। 2 अउर इआ देंह माहीं, हम पंचे कराहत रहित हएन। अउर बड़ी लालसा करित हएन, कि स्वरग माहीं मिलँइ बाले अपने घरन माहीं चले जई। 3 हमहीं पंचन काहीं इआ पूर बिसुआस हय, कि उआ घर काहीं हम पंचे पाउब, अउर पुनि कबहूँ बेघर न रहब। 4 अउर हम पंचे इआ तम्बू माही रहत समय, बोझ से दबे कराहत रहित हएन। एखर कारन इआ हय, कि हम पंचे इआ पुरान तम्बू काहीं छोंड़ँइ नहीं चाही, बलकिन एहिन के साथय स्वरग माहीं मिलँइ बाले उआ घर, अरथात नई देंह काहीं पामँइ चाहित हएन। जउने नास होंइ बाली इआ देंह काहीं अनन्त जीबन मिल जाय। 5 अउर परमातिमय, हमहीं पंचन काहीं एहिन के खातिर तइआर किहिन हीं, अउर उँइन बयाना के रूप माहीं आपन पबित्र आत्मा घलाय दिहिन हीं।

6 एसे हम पंचे हमेसा ढाढ़स बाँधे रहित हएन, अउर इआ जानित हएन, कि जब तक हम पंचे इआ देंह माहीं रहि रहेन हय, तब तक प्रभू से दूर हएन। 7 काहेकि हम पंचे संसारिक बातन काहीं देखिके नहीं, बलकिन बिसुआस के सहारे चलित हएन। 8 हमहीं पंचन काहीं इआ पूर बिसुआस हय। एहिन से हम पंचे इआ देंह काहीं छोंड़िके, प्रभू के लघे रहब जादा निकहा समझित हएन। 9 इआ कारन से हम पंचे इहय चाहित हएन, कि चाह इआ देंह माहीं रही, चाह न रही, पय प्रभू काहीं निकहा लागत रही। 10 अउर हम पंचे इआ देंह के द्वारा ‡ जेतने निकहे अउर बुरे काम किहेन हय, उनखर बदला पामँइ के खातिर, एक दिना मसीह के न्याय सिंहासन के आँगे जरूर हाजिर होंइ परी।

परमातिमा से मेल-मिलाप करामँइ के सेबा

11 एसे हम पंचे परमातिमा के भय मानिके लोगन काहीं समझाइत हएन। परमातिमा हमरे पंचन के बारे माहीं सब कुछ जानत हें। अउर हम पंचे इहय आसा करित हएन, कि तुहूँ पंचे घलाय हमरे पंचन के बारे माहीं जनते

† *4:6 उत्प 1:3*

†† *4:13 भज 116:10* ‡ *5:10 रोमि 14:10*

होइहा। 12 हम पंचे तोंहरे पंचन के सामने पुनि आपन कउनव बड़ाई नहीं कइ
रहे आहेन। बलकिन तोंहईं पंचन काहीं एकठे मोका दइ रहेन हय, कि हमरे
पंचन के बारे माहीं, घमन्ड कइ सका, अउर उनहीं जबाब दइ सका जउन
अपने हिरदँय के बातन माहीं नहीं, बलकिन देखावटी बातन के ऊपर घमन्ड
करत हें। 13 अगर हम पंचे पागल कि नाईं लागित हएन, त परमातिमा के
खातिर; अउर अगर होस-हबास माहीं हएन, त तोंहरे पंचन के फायदा के
खातिर हएन। 14 काहेकि मसीह के प्रेम, हमहीं पंचन काहीं मजबूर कइ देत
हय; एसे हम पंचे इआ समझित हएन, कि जब एक जने अरथात यीसु
मसीह सगले मनइन के खातिर मरे हँय, त हमहूँ पंचे घलाय पुरान जीबन के
खातिर मर गएन हँय। 15 अउर यीसु मसीह इहय कारन से सगले मनइन के
खातिर मरे हँय, कि जउने जेतने मनई जिअत हें, ऊँ पंचे अब से अपने
खातिर न जिअँइ, बलकिन यीसु मसीह के खातिर जिअँइ, जउन मरिके पुनि
जिन्दा होइगे हँय।

16 एसे अब से हम पंचे कउनव मनई काहीं संसारिक नजर से न देखब,
काहेकि एक समय हमहूँ पंचे मसीह काहीं संसारिक नजर से देखत रहे
हएन। तऊ अब से हम पंचे मसीह काहीं संसारिक नजर से न देखब। 17 एसे
अगर कउनव मनई यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस कइ लेत हय, त उआ नई
रचना बन जात हय। अउर ओखे जीबन से पुरान बातँय चली जाती हईं,
अउर ओखर नबा जीबन सुरू होइ जात हय। 18 अउर ईं सगली बातँय
परमातिमा के तरफ से आहीं, अउर उँइन यीसु मसीह के द्वारा हमार पंचन के
मेल-मिलाप अपने साथ कइ लिहिन हीं। अउर उँइन हमहीं पंचन काहीं इआ
सेबा के काम सउँपिन हीं, कि हम पंचे दुसरे मनइन के मेल-मिलाप उनखे
साथ कर बाई। 19 अरथात परमातिमा मसीह के द्वारा संसार के मनइन के
मेल-मिलाप अपने साथ कइ लिहिन हीं। अउर मनइन के अपराधन के दोस
उनखे ऊपर नहीं लगाइन। बलकिन मनइन के साथ, आपन मेल-मिलाप
करामँइ के सँदेस, सुनामँइ के सेबकाई हमहीं पंचन काहीं सउँपि दिहिन हीं।

20 एसे हम पंचे मसीह के राजदूत आहेन, अउर इआ समझ ल्या, कि
परमातिमा हमरे पंचन के द्वारा, तोंहईं पंचन काहीं समझाय रहे हँय। अउर
हम पंचे, मसीह के तरफ से तोंहसे बिनती करित हएन, कि तूँ पंचे
परमातिमा के साथ मेल-मिलाप कइल्या। 21 यीसु मसीह, जिनखे जीबन
माहीं कउनव पाप नहीं रहा आय, उनहिन के ऊपर परमातिमा, हमरे पंचन
के सगले पापन के बोझ लाद दिहिन, कि जउने हम पंचे यीसु मसीह के द्वारा
परमातिमा के नजर माहीं निरदोस ठहरी।

6 अउर परमातिमा के काम हम पंचे मिल जुलिके करित हएन, एसे हम
पंचे, तोंहसे इआ बिनती करित हएन, कि परमातिमा के जउन किरपा
तोंहरे पंचन के ऊपर भे ही, ओही बेकार न जाँइ द्या। 2 काहेकि पबित्र सास्त्र
माहीं लिखा हय। कि परमातिमा कहिन हीं,

"हम सही समय माहीं तोंहरे बिनती काहीं सुन लिहेन हय, अउर हम मुक्ती
के दिन तोंहार मदत किहेन हय †।"

एसे देखा, तोंहरे पंचन के खातिर इहय सही समय हय, अउर मुक्ती पामँइ
के दिनव हय। 3 काहेकि हम पंचे हरेक बातन माही, इआ ध्यान रक्खित
हएन, कि कोहू काहीं हमरे पंचन के ऊपर दोस लगामँइ के मोका न मिलय।
जउने हमरे पंचन के सेबा माहीं कउनव कलंक न लागय। 4 बलकिन हम पंचे
परमातिमा के सेबक के रूप माहीं, खुद काहीं निकहा साबित करित हएन,
बड़े धीरज के साथ दुख-मुसीबत माहीं, गरीबी माहीं, संकटन माहीं, 5 मार
सहँइ माहीं, जेल जाँइ माहीं, दंगन माहीं, मेहनत करँइ माहीं, जागत रहँइ
माहीं, भूँखे रहँइ माहीं, 6 पबित्र रहँइ माहीं, ग्यान माहीं, धीरज धरँइ माहीं,
दुसरे के ऊपर किरपा करँइ माहीं, पबित्र आत्मा माहीं, सच्चे प्रेम माहीं,
7 सत्य के बचन माहीं, परमातिमा के सक्ती माहीं; धारमिकता के अउजार
माहीं जउन दहिने बाएँ हाँथ माहीं रहत हें। 8 मान-सम्मान पामँइ माहीं,
अपमान सहँइ माहीं, अउर निकहा नाम पामँइ माहीं, अउर बदनामी सहँय
माहीं, हरेक बातन माहीं खुद काहीं सच्चा साबित करित हएन। जबकि हम
पंचे भरमामँइ बालेन कि नाईं देखइत त हएन, तऊ हम पंचे सच्चे हएन।
9 मनई हमही पंचन काहीं खास नहीं समझँय; तऊ हम पंचे मसहूर हएन;
अउर हम पंचे मरँइ बाले मनइन कि नाईं हएन; तऊ जिन्दा हएन। अउर हम
पंचे मार खाँइ बालेन कि नाईं समझे त जइत हएन, पय जान से मारे नहीं
जई। 10 अउर हमहीं पंचन काहीं सोक करँइ बालेन कि नाईं माना जात हय,
पय हम पंचे हमेसा आनन्दित रहित हएन, अउर हम पंचे कंगालन कि नाईं
देखइत हएन, पय खुब मनइन काहीं आत्मिक रूप से धनी बनाय देइत
हएन। अउर मनई समझत हें, कि हमरे पंचन के लघे कुछू नहिं आय, तऊ
हमरे पंचन के लघे सब कुछ रहत हय।

11 हे कुरिन्थुस सहर माहीं रहँइ बाले भाई-बहिनिव, हम पंचे तोंहसे
खुलिके सगली बातन काहीं बतायन हय। अउर तोंहरे खातिर अपने हिरदँय
माहीं कउनव कपट नहीं रक्खेन आय। 12 अउर हमार पंचन के प्रेम तोंहरे
खातिर कम नहीं भ आय। पय तूँ पंचे हमसे पंचन से प्रेम करब कम कइ
दिहा हय। 13 पय तोंहईं पंचन काहीं अपने लड़िकन कि नाईं समझिके कहि
रहेन हय, कि तुहूँ पंचे हमसे पंचन से दिल खोलिके प्रेम करा।

हम पंचे परमातिमा के मन्दिर आहेन

14 अबिसुआसी मनइन के साथ मेल न खाँइ बाले जुआँ माहीं न जोतरा,
परमातिमा के नजर माहीं निकहे काम करँइ बालेन, अउर बुरे काम करँइ
बालेन के का कबहूँ मेल-जोल होइ सकत हय? इआ कि उँजिआर अउर
अँधिआर के का कबहूँ मेल-जोल होइ सकत हय? 15 इहइमेर मसीह के
तालमेल का सइतान के साथ होइ सकत हय? इआ कि बिसुआसी मनई के
तालमेल का अबिसुआसी मनई के साथ होइ सकत हय? 16 अउर मूरतिन के
साथ परमातिमा के मन्दिर के कउनव सम्बन्ध होइ सकत हय का? काहेकि
हम पंचे त जिन्दा परमातिमा के मन्दिर आहेन; जइसन कि परमातिमा
घलाय कहिन हीं, कि

"हम उन माहीं निबास करब; अउर उनखे बीच माहीं चला फिरा करब;
अउर हम उनखर परमातिमा होब, अउर ऊँ पंचे हमार निज प्रजा होइहँय
††।" 17 एसे परमातिमा कहत हें, कि

"उनखे पंचन के बीच से निकर जा, अउर उनसे अलग रहा; अउर असुद्ध
चीजन काहीं न छुआ, तबहिन हम तोंहईं पंचन काहीं सोइकार करब ‡।
18 अउर हम तोंहार पंचन के बाप होब, अउर तूँ पंचे हमार लड़िका-बिटिया
होइहा। इआ सर्बसक्तिमान परमातिमा के बचन आय ‡†।"

7 एसे हे हमार पियार भाई-बहिनिव, जब परमातिमा हमसे पंचन से
एतने कीमती वादा किहिन हीं, त आबा हम पंचे अपने देंह अउर
आत्मा के सगली गंदगी काहीं दूर कइके, अपने-आप काहीं सुद्ध करी। अउर
परमातिमा के भय मानत पूरी तरह से पबित्र बनी।

पवलुस के आनन्द

2 काहेकि हम पंचे कोहू के कुछू नहीं बिगाड़ेन आय, अउर न कोहू के साथ
अन्याय किहेन आय, अउर न कोहू के साथ छलय किहेन आय, एसे तूँ पंचे
अपने पूरे हिरदँय से हमसे पंचन से प्रेम करा। 3 अउर हम तोंहईं पंचन काहीं
दोसी ठहरामँइ के खातिर इआ नहिं कहि रहेन आय: काहेकि हम पहिलेन
तोंहईं पंचन काहीं इआ बताय चुके हएन, कि तूँ पंचे हमरे हिरदँय माहीं
अइसन बसि गया हय, कि हम तोंहरे साथ मरँइ जिअँइ के खातिर घलाय
तइआर हएन। 4 अउर हम तोंहसे पूरे बिसुआस के साथ कहि रहेन हय, कि
हमहीं तोंहरे पंचन के ऊपर बड़ा घमन्ड हय; अउर हमहीं तोंहरे कारन बड़ी
सान्ती मिली हय; हम हरेकमेर के दुख-मुसीबतन काहीं सहत रहित हएन,
तऊ हम खुब आनन्दित रहित हएन।

5 अउर जब हम पंचे मकिदुनिया प्रदेस माहीं आएन, त उहँव हमहीं पंचन
काहीं अराम नहीं मिला, काहेकि हमरे पंचन के ऊपर चारिव कइती से दुख-
मुसीबत आमँइ लाग रहे हँय; अउर उहाँ लड़ाई-झगड़ा सुरू रहे हँय, अउर

† *6:2 यसा 49:8*

†† *6:16 लैब्य 26:11,12* ‡ *6:17 यसा 52:11* ‡† *6:18 2 समू 7:8,14*

हमरे पंचन के मन माहीं डेरव समान रहा हय। 6 पय दीन-दुखिअन काहीं
ढाढ़स देंइ बाले परमातिमा, तीतुस काहीं हमरे पंचन के लघे पहुँचाइके,
हमरव पंचन के ढाढ़स बढ़ाइन हीं। 7 अउर हमार पंचन के, केबल तीतुस के
आमँइ भर से ढाढ़स नहीं बँधा आय, बलकिन हमार पंचन के एसे अउर
अधिक ढाढ़स बँधा हय, कि तूँ पंचे उनहीं केतना उत्साहित किहा तय।
तीतुस हमहीं पंचन काहीं इआ बताइन, कि तूँ पंचे दुखी हया, अउर हमसे
पंचन से मिलँइ के खातिर केतना ब्याकुल हया, अउर तोंहईं पंचन काहीं
हमार पंचन के केतनी चिन्ता ही, इआ बात काहीं सुनिके हम पंचे अउर
जादा खुसी भएन। 8 जबकि हम तोंहईं पंचन काहीं अपने पहिल चिट्ठी से
दुख त पहुँचाएन रहा हय। पहिले त हम खुब पचितानेन रहा हय, पय अब
इआ बात से हमहीं कउनव पचिताबा नहिं आय, काहेकि तोंहईं पंचन काहीं
उआ चिट्ठी से दुख त भ रहा हय, पय उआ थोरिन देर के खातिर रहा हय।
9 अउर अब हम खुब खुसी हएन, एसे नहीं, कि तोंहईं पंचन काहीं दुख भ
रहा हय, बलकिन एसे कि तूँ पंचे उआ दुख के कारन अपने गलतिन काहीं
मानिके पस्चाताप किहा हय। काहेकि तोंहईं पंचन काहीं उआ दुख
परमातिमा के मरजिन से मिला रहा हय, जउने हमरे पंचन के कारन तोंहईं
पंचन काहीं कउनव मेर नुकसान न होय। 10 काहेकि परमातिमा जउन दुख
देत हें, ओसे मनइन काहीं अपने गलतिन काहीं मानिके, पस्चाताप करँइ के
प्रेरना मिलत ही, अउर उआ दुख से पुनि पचिताँय नहीं परय। काहेकि ओसे
मुक्ती मिलत ही, पय संसारिक दुख से केबल आत्मिक मउत मिलत ही।
11 एसे देखा, जउन दुख तोंहईं पंचन काहीं परमातिमा के तरफ से मिला हय,
ओसे तोंहरे जीबन माहीं केतना बदलाव आइगा हय, अउर तूँ पंचे अपने-
आप काहीं निरदोस साबित करँइ के खातिर इच्छुक होइ गया हय, अउर
जउन कुछू भ रहा हय, ओखे कारन खुब दुखी हया, अउर परमातिमा के
भय मानिके, भक्ती करँइ के धुन माहीं लगे रहते हया। अउर हमसे मिलँइ के
इच्छा करत रहते हया। अउर पाप करँइ बालेन काहीं सजा देंइ के बिचार
करँइ लागे हया, इआमेर से तूँ पंचे हरेकमेर से इआ साबित कइ दिहा हय,
कि तूँ पंचे निरदोस हया। 12 अउर हम तोंहरे खातिर जउन चिट्ठी लिखेन तय,
त उआ अन्याय करँइ बाले के कारन नहीं, न ओखे कारन लिखेन तय, जेखे
ऊपर अन्याय भ रहा हय। बलकिन एसे लिखेन तय, कि जउन उत्साह तोंहईं
पंचन काहीं हमरे पंचन के खातिर हय, उआ परमातिमा के आँगे तोंहईं पंचन
काहीं मालुम होइ जाय। 13 एसे हमहीं पंचन काहीं ढाढ़स मिला हय। अउर
हमरे पंचन के इआ ढाढ़स के साथ, जउन तूँ पंचे तीतुस काहीं खुसी दिहा
हय, ओखे कारन हमार पंचन के खुसी अउर बढ़िगे ही, काहेकि तोंहरे पंचन
के कारन तीतुस के हिरदँय खुसी से भरिगा तय। 14 काहेकि तीतुस के आँगे
हम तोंहरे पंचन के बारे माहीं, जउन घमन्ड देखायन तय, त हमहीं लज्जित
नहीं होंय परा, बलकिन जइसन हम तोंहसे पंचन से सही-सही बात बतायन
तय, उहयमेर हमार पंचन के घमन्ड देखाउब, तीतुस के आँगे सही निकरा
हय। 15 अउर तीतुस जब इआ सुध करत हें, कि तूँ पंचे कइसन उनखे बातन
काहीं मानत रहे हया, अउर मारे डेरन के काँपत-काँपत, तूँ पंचे कइसन
उनहीं सोइकार किहा तय, त तीतुस के प्रेम तोंहरे पंचन के खातिर अउरव
बाढ़त जात हय। 16 एसे हम खुब खुसी हएन, काहेकि हमहीं हरेक बातन
माहीं, तोंहरे ऊपर पूर भरोसा हय।

उदारता से दान देब

8 अब हे भाई-बहिनिव, हम पंचे तोंहईं परमातिमा के उआ महान
किरपा के बारे माहीं बताइत हएन, जउन मकिदुनिया प्रदेस के मसीही
मन्डलिन माहीं भे रही हय। 2 हम इआ बात काहीं एसे बताइत हएन, कि जब
उनखे जीबन माहीं दुख-मुसीबत के कारन बड़ी परिच्छा आईं तय। तऊ ऊँ
पंचे खुसी रहे हँय, अउर उनखे ऊपर भारी गरीबी आय गे रही हय। तऊ
उनखर दान देंइ के उदारता कम नहीं भय, बलकिन बढ़िनगे रही हय।
3 काहेकि हम उनखे बारे माहीं इआ गबाही देइत हएन, कि ऊँ पंचे अपने
सामर्थ से जादा, पूरे मन से हमहीं पंचन काहीं दान दिहिन रहा हय, 4 अउर
इआ दान के द्वारा, पबित्र मनइन के सेबा माहीं सामिल होंइ के सवभाग्य
उनहीं पंचन काहीं मिलय, एखे खातिर हमसे पंचन से कइअक बेरकी बिनती
करत रहिगें। 5 अउर हम पंचे उनसे जइसन आसा करत रहेन हय, उहयमेर
नहीं बलकिन ओसे बढ़िके ऊँ पंचे पहिले खुद काहीं प्रभू के खातिर
समरपित किहिन, ओखे बाद परमातिमा के मरजी से हमरेव पंचन के खातिर
घलाय खुद काहीं समरपित कइ दिहिन। 6 एसे हम पंचे तीतुस काहीं सलाह
दिहेन, कि जइसन तूँ पहिले दान एकट्ठा करँइ के सुरुआत किहा तय,
उहयमेर तोंहरे बीच माहीं जाइके दान एकट्ठा करँइ के काम काहीं पूर करँय।
7 एसे जइसन तूँ पंचे हरेक बातन माहीं, अरथात बिसुआस माहीं, बात करँइ
माहीं, ग्यान माहीं, अउर हरेकमेर के उपकार करँइ माहीं, अउर हमसे पंचन
से प्रेम करँइ माहीं, बढ़त जाते हया। उहयमेर दान करँइ के काम माहीं घलाय
बढ़त जा।

8 अउर हम इआ बात काहीं, तोंहईं पंचन काहीं हुकुम के रूप माहीं नहीं
कहि रहेन आय। बलकिन दुसरे मनइन के उत्साह के बारे माहीं कहिके,
अउर तोंहरे पंचन के प्रेम काहीं जाँचँय-परखँइ के खातिर कहि रहेन हय।
9 अउर तूँ पंचे हमरे पंचन के प्रभू यीसु मसीह के किरपा काहीं जनतेन हया,
कि ऊँ केतना धनी रहे हँय, तऊ ऊँ तोंहरे पंचन के खातिर एसे कंगाल
बनिगें, कि जउने तूँ पंचे उनखे कंगाल होंइ से धनी बन जा। 10 अउर एखे
बारे माहीं हम तोंहईं पंचन काहीं आपन सलाह देइत हएन, जउन तोंहरे
खातिर निकही हय; तूँ पंचे पिछले साल जउन दान देंइ के काम सुरू किहा
तय, अउर ओखर योजना तूँ पंचे खुदय बनाया तय, अब ओही पूर करइन
माहीं तोंहार पंचन के कल्यान होई। 11 एसे अब दान देंइ के इआ काम काहीं
पूर करा; जइसन पहिले तूँ पंचे दान देंइ के खुब इच्छा करत रहे हया,
उहयमेर अपने-अपने पूँजी के मुताबिक दान दइके ओही पूर करा।
12 काहेकि अगर कउनव मनई जउन ओखे लघे होय, ओमा से पूरे मन से
दान देत हय, त उआ दान काहीं परमातिमा सोइकार करत हें, इआ नहीं कि
जउन ओखे लघे नहिं होय। 13 अउर हम इआ नहीं कही, कि तूँ पंचे आपन
सगला धन दान कइ द्या, कि ओसे त दुसरे मनइन काहीं राहत मिलय, अउर
तोंहईं पंचन काहीं दुख मिलय, बलकिन बराबरी होइ जाय। 14 बलकिन हम
एसे इआ बात काहीं कहित हएन, कि इआ समय तोंहाँर पंचन के धन के
बढ़ोत्तरी उनखे कमी-घटी माहीं काम आबय, जउने भबिस्य माहीं उनखे धन
के बढ़ोत्तरी तोंहरे पंचन के कमी-घटी माहीं काम आबय, कि जउने बराबरी
होइ जाय। 15 अउर जइसन पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, कि “जे कोऊ
खुब बटोरिस रहा हय, ओखे लघे कुछू अधिकहा नहीं रहा; अउर जे कोऊ
थोरिन काहीं बटोरिस रहा हय, ओहू के लघे कुछू कम नहीं रहा †।”

तीतुस अउर उनखे साथ माहीं काम करँइ बाले साथी

16 हम परमातिमा काहीं धन्यबाद देइत हएन, कि तोंहार पंचन के मदत
करँइ के खातिर, ऊँ तीतुस के मन माहीं उहयमेर के उत्साह भर दिहिन हीं,
जइसन हमरे मन माहीं हय। 17 काहेकि तीतुस हमरे बात काहीं खुसी से मान
लिहिन हीं, बलकिन बड़े उत्साह के साथ अपने मरजिन से तोंहरे पंचन के
लघे गे हँय। 18 अउर हम पंचे तीतुस के साथ, ऊँ भाई काहीं घलाय पठयन
हँय, जिनखर नाम खुसी के खबर सुनामँइ के बारे माहीं सगली मसीही
मन्डलिन माहीं मसहूर हय। 19 अउर केबल एतनय भर नहीं, बलकिन मसीही
मन्डली के द्वारा उनहीं नियुक्त घलाय कीन ग हय, कि इआ दान काहीं एकट्ठा
करँइ के काम के खातिर, हमरे पंचन के साथ माहीं जाँय। अउर हम पंचे
इआ सेबा के काम एसे करित हएन, कि जउने प्रभू के बड़ाई होय। अउर
हमार पंचन के इआ परोपकार के काम करँइ के केतनी इच्छा ही, इआ बात
मनइन काहीं मालुम होइ जाय। 20 अउर हम पंचे इआ बात से सतरक रहित
हएन, कि जउन हम पंचे इआ दान एकट्ठा करँइ के काम करित हएन, त
हमरे पंचन के ऊपर कोऊ दोस न लगाए पाबय। 21 काहेकि हमहीं पंचन
काहीं इआ बात के हमेसा चिन्ता रहत ही, कि हम पंचे उहय काम करी,

† *8:15 निरग 16:18*

जउन प्रभू के नजर भर माहीं निकहा नहीं, बलकिन जउन मनइन के नजर
माहीं घलाय निकहा होत हय। 22 अउर हम पंचे तीतुस के साथ अपने ऊँ
भाई काहीं घलाय पठए हएन, जिनहीं हम पंचे बेर-बेर जाँचेन परखेन हय, त
उनहीं खुब बातन माहीं उत्साही पाएन हय; अउर उनहीं अब तोंहरे पंचन के
ऊपर बड़ा भरोसा हय, इहय कारन से उनखर उत्साह अउर जादा बढ़िगा
हय। 23 अउर अगर कोऊ तीतुस के बारे माहीं पूँछय, त ऊँ हमार साथी
आहीं। अउर तोंहरे पंचन के खातिर, ऊँ हमरे पंचन के साथ माहीं सेबा के
काम करँइ बाले आहीं, अउर अगर ऊँ भाइन के बारे माहीं कोऊ पूँछय, त ऊँ
मसीही मन्डली के तरफ से पठए, अउर मसीह काहीं आदर देंइ बाले आहीं।
24 एसे तूँ पंचे उनसे खुब प्रेम किहा, अउर तोंहरे पंचन के बारे माहीं, हम पंचे
एतना घमन्ड काहे करित हएन, ओही सही साबित कइके देखाबा। जउने
सगली मसीही मन्डली ओही देख सकँय।

मसीही भाई-बहिनिन के खातिर मदत

9 अब उआ दान देंइ के बारे माहीं जउन पबित्र मनइन काहीं दीन जात
हय, हमहीं ओखे बारे माहीं तोंहईं पंचन काहीं लिखब जरूरी नहिं
आय। 2 काहेकि तूँ पंचे मदत करँइ के खातिर हमेसा उत्साहित रहते हया।
इहय कारन से हम तोंहरे बारे माहीं, मकिदुनिया प्रदेस माहीं रहँइ बाले,
बिसुआसी भाई-बहिनिन के आँगे घमन्ड के साथ बताइत हएन, कि अखाया
प्रदेस के रहँइ बाले बिसुआसी भाई-बहिनी, एक साल से दान देंइ के खातिर
तइआर हें। अउर तोंहरे पंचन के इआ उत्साह काहीं देखिके, खुब बिसुआसी
भाई-बहिनिन काहीं दान देंइ के प्रेरना मिली हय। 3 पय हम कुछ भाइन
काहीं तोंहरे लघे एसे पठएन हय, कि हम जउन घमन्ड तोंहरे बारे माहीं
देखायन हय, उआ दान देंइ के बारे माहीं बेकार न ठहरय, बलकिन हम
जइसन तोंहरे बारे माहीं कहेन हय, उहयमेर तूँ पंचे दान देंइ के खातिर
तइआर रहा। 4 कहँव अइसा न होय, कि मकिदुनिया प्रदेस के कुछ मनई
हमरे साथ आइके इआ देखँय, कि तूँ पंचे दान देंइ के खातिर तइआर नहिं
आह्या, त हमहूँ काहीं अउर तोंहऊँ पंचन काहीं घलाय लज्जित होंइ परी,
जबकि एखे बारे माहीं हम पंचे तोंहरे ऊपर बड़ा भरोसा रक्खित हएन। 5 एसे
हम भाइन से इआ कहब उचित समझेन, कि ऊँ पंचे हमसे पंचन से पहिलेन
तोंहरे लघे जाँय, अउर जउन दान देंइ के खातिर तूँ पंचे अपने मन से कहे रहे
हया, ओही पहिलेन से उदारता के साथ एकट्ठा कइके तइआर रक्खा। अउर
इआ काम तूँ पंचे अपने पूरे मन से किहा, कउनव दबाव से नहीं।

दान देंइ के तरीका

6 इआ बात काहीं सुध रख्या, कि जउन किसान थोरका बीज बोई, उआ
थोरिन फसल काटी; अउर जउन किसान जादा बीज बोई, उआ जादा फसल
काटी। 7 एसे हरेक जन जइसन अपने मन माहीं ठान लेत हय, उहयमेर उआ
बिना कुड़-कुड़ाए, बिना दबाव के दान करय, काहेकि परमातिमा खुसी से
दान करँइ बाले मनई से प्रेम करत हे। 8 अउर परमातिमा तोंहईं पंचन काहीं
हरेकमेर के उत्तम बरदान जरूरत से जादा दइ सकत हें, जउने तोंहरे लघे
हरेक समय जरूरत के सगली चीजँय रहँय, अउर हरेक निकहे कामन के
खातिर तोंहरे पंचन के लघे देंइ के खातिर सब कुछ भरपूर रहय। 9 जइसन
पबित्र सास्त्र माहीं घलाय लिखा हय, कि

"ऊँ उदारता से कंगालन काहीं दान दिहिन, अउर उनखर धरम हमेसा बना
रही †।"

10 अउर परमातिमय बोमँइ बाले काहीं बीज, अउर खाँय के खातिर खाना
देत हें, उँइन तोंहईं पंचन काहीं बीज देइहँय, अउर पइदाबार काहीं बढ़इहँय।
अउर तोंहरे उदारता के निकही फसल पइदा करिहँय। 11 इआमेर से तूँ पंचे
परमातिमा के द्वारा हरेकमेर से भरपूर कीन जइहा, जउने हरेक मोका माहीं
उदारता से दान दइ सका, अउर जब तोंहरे दान काहीं, जिनहीं एखर जरूरत
ही उनखे लघे तक पहुँचाउब, त ऊँ पंचे परमातिमा काहीं धन्यबाद देइहँय।
12 काहेकि दान के इआ पबित्र सेबा से, केबल पबित्र मनइन के जरुरतय भर
पूर नहीं होय, बलकिन खुब मनई परमातिमा काहीं धन्यबाद घलाय देत हें।
13 अउर इआ सेबा के काम के परिनाम इआ होई, कि मनई परमातिमा के
बड़ाई करिहँय। एसे कि सगले बिसुआसी भाई-बहिनिन के खातिर, तोंहार
पंचन के दान देंइ के उदारता इआ साबित करी, कि तूँ पंचे मसीह के खुसी
के खबर काहीं सोइकार कइके ओखे आधीन रहते हया, अउर सगले
बिसुआसी भाई-बहिनिन काहीं, उदारता से दान देते हया। 14 अउर ऊँ पंचे
तोंहसे प्रेम करत हें, अउर तोंहरे खातिर प्राथना करत रहत हें, काहेकि तोंहरे
पंचन के ऊपर परमातिमा के बड़ी किरपा हय। 15 परमातिमा काहीं उनखे
उआ दान के खातिर जउन बखान से बाहर हय, हम पंचे धन्यबाद देइत
हएन।

पवलुस के अधिकार

10 हम पवलुस यीसु मसीह कि नाईं नम्र अउर दीन होइके तोंहसे पंचन
से बिनती करित हएन, जबकि हमरे पीठ पीछे कुछ मनई कहत हें,
कि हम डरपोक हएन। पय हम इआ लिखी चिट्ठी माहीं खुब निडर देखइत
हएन। 2 अउर हम तोंहसे इआ बिनती करित हएन, कि जब हम तोंहरे साथ
माहीं रहब। त तूँ पंचे अइसन कउनव काम न किहा, कि हमहीं निडर होइके
कठोरता देखामँइ परय। काहेकि कुछ मनई कहत हें, कि हम पंचे संसारिक
जीबन जीत हएन, त हम उनखे साथ कठोर बरताव करँइ के निरनय कइ
लिहेन हय। 3 काहेकि हमहूँ पंचे इआ संसारय माहीं रहित हएन, पय
संसारिक जीबन जिअँइ बाले मनइन कि नाईं लड़ित नहिं आहेन। 4 काहेकि
हम पंचे जउने हँथिआरन से युद्ध लड़ित हएन, ऊँ इआ संसार के न होंहीं,
बलकिन उन माहीं किलन काहीं तहस-नहस कइ देंइ के खातिर परमातिमा
के सक्ती भरी हय। 5 एसे हम पंचे परमातिमा के ग्यान के बिरोध माहीं उठँय
बाले हरेक सोच-बिचारन, अउर हरेक ऊँची बातन के बिरोध करित हएन,
अउर हरेक उआ बिचार काहीं जउन मनइन काहीं परमातिमा के ग्यान काहीं
पामँइ से रोंकत हें, उनहीं बंदी बनाइके मनइन काहीं मसीह के हुकुमन काहीं
मानँइ बाला बनाय देइत हएन। 6 अउर जब तूँ पंचे पूरी तरह से हुकुम मानँइ
के खातिर तइआर हया, त जउन हुकुम नहीं मानँइ, उनहीं हम पंचे सजा देंइ
के खातिर तइआर रहित हएन।

7 अउर तूँ पंचे उँइन बातन काहीं देखते हया, जउन तोंहईं पंचन काहीं
देखाती हईं, अगर कोऊ अपने ऊपर इआ भरोसा करत हय, कि हम मसीह
के भक्त आहेन, त उआ इहव जान लेय, कि जइसन उआ मसीह के भक्त
आय, उहयमेर हमहूँ पंचे मसीह के भक्त आहेन। 8 काहेकि अगर हम उआ
अधिकार के बारे माहीं अउर जादा घमन्ड देखाई, जउने काहीं प्रभू हमहीं
दिहिन हीं। त उआ तोंहईं पंचन काहीं आत्मिक रूप से मजबूत बनामँइ के
खातिर आय, बिगाड़ँइ के खातिर न होय, एसे हम उआ अधिकार से लज्जित
न होब। 9 तूँ पंचे इआ न समझा, कि हम अपने चिट्ठिन के द्वारा तोंहईं पंचन
काहीं डेरबामँइ चाहित हएन। 10 काहेकि कुछ मनई कहत हें, कि "पवलुस
के लिखी चिट्ठी त खुब गम्भीर अउर प्रभावसाली हईं; पय जब ऊँ मनइन के
आँगे आबत हें, त ऊँ देंह से निबल देखात हें, अउर बोलऊँ माहीं हुसिआर
नहिं आहीं।" 11 एसे ऊँ पंचे जउन इआमेर कहत हें, इआ जान लेंय, कि
जउन बातँय हम दूर रहिके, अपने चिट्ठिन माहीं लिखेन हय, त जब हम
तोंहरे पंचन के लघे अउब, त उहयमेर हमार पंचन के काम घलाय होइहँय।
12 काहेकि हमार पंचन के इआ हिम्मत नहीं परय, कि हम पंचे अपने-आप
काहीं उनखे कि नाईं मानी, अउर आपन तुलना उनसे करी। जउन अपने-
आप काहीं खुब खास मानत हें, पय जब ऊँ पंचे आपस माहीं एक दुसरे से
तुलना करत हें, कि को खास हय, को खास नहिं आय, त ऊँ पंचे इआ
देखाबत हें, कि ऊँ केतना मूरुख हें।

13 हम पंचे सीमा से बाहर बेलकुल घमन्ड न करब, पय उहय सीमा तक
घमन्ड करब, जहाँ तक परमातिमा हमरे पंचन के खातिर निस्चित किहिन
हीं। अउर इआ सीमा के भितरय तुहूँ पंचे घलाय अउते हया, अउर ओहिन के

† *9:9 भज 112:9*

मुताबिक घमन्ड घलाय करब। 14 काहेकि हम पंचे अपने सीमा के उलंघन
नहीं करँइ चाही, जइसन कि हम पंचे तोंहरे लघे न पहुँच पाइत त होइ जात।
पय हम पंचे मसीह के खुसी के खबर लइके तोंहरे लघे पहुँच चुकेन हय।
15 अउर हम पंचे अपने उचित सीमा से बहिरे जाइके, दुसरे मनइन के कीन
काम माहीं घमन्ड नहीं करी, काहेकि हमहीं पंचन काहीं आसा ही, कि तोंहार
पंचन के बिसुआस जइसय-जइसय बढ़त जई, ओइसय-ओइसय तोंहरे
पंचन के कारन, हमरे पंचन के कामन के सीमा अउर बढ़त जई। 16 अउर
हम पंचे इआ चाहित हएन, कि तोंहरे इलाका से आँगे बढ़िके, दुसरे इलाकन
माहीं खुसी के खबर सुनाई, पय इआ नहीं चाही, कि दुसरे मनइन के कीन
कामन के ऊपर घमन्ड करी। 17 अउर जइसन पबित्र सास्त्र माहीं घलाय
लिखा हय, कि "अगर कोऊ घमन्ड करँइ चाहय, त उआ प्रभू के काम के
ऊपर घमन्ड करय †।" 18 काहेकि जउन मनई आपन बड़ाई खुदय करत हय,
उआ नहीं, बलकिन जेखर बड़ाई प्रभू करत हें, उहय परमातिमा के द्वारा
सोइकार कीन जात हय।

पवलुस अउर लबरे उपदेसक

11 अगर तूँ पंचे हमार थोर-बहुत मुरखईं बरदास कइ लेत्या, त केतना
निकहा होत; पय अब हम इआ कहित हएन, कि तूँ पंचे ओही
बरदास कइल्या। 2 काहेकि हम तोंहरे खातिर, परमातिमा कि नाईं चिन्ता
करित हएन, एसे कि हम तोंहार पंचन के सगाई एकयठे मनई से अरथात
मसीह यीसु से कराय दिहेन हय, कि जउने हम तोंहईं पंचन काहीं पबित्र
कुमारी कन्या कि नाईं उनहिन काहीं सउँपि देई। 3 पय हम डेरातव रहित
हएन, कि जइसन साँप अपने चतुराई से हब्बा काहीं बहकाय दिहिस रहा
हय, उहयमेर तोंहरेव पंचन के मन माहीं उआ निरमल भक्ती, अउर पबित्रता
जउन मसीह के खातिर होंइ चाही, कहँव ओसे भटकाय न दीन जा।
4 काहेकि अगर कोऊ तोंहरे लघे आइके, कउनव दुसरे यीसु के बारे माहीं
प्रचार करत हय, जेखर प्रचार हम पंचे नहीं किहेन तय। इआ कि अउर
कउनव दूसर आत्मा तोंहईं पंचन काहीं मिलय, जउन पहिले नहीं मिला रहा
आय। इआ कि अउर कउनव दूसर खुसी के खबर सुनाबय, जउने काहीं तूँ
पंचे पहिले नहीं माने रहे आह्या, त तूँ पंचे ओही सोइकार कइ लेते हया।
5 अउर हम इआ समझित हएन, कि हमहूँ कउनव बात माहीं बड़े से बड़े
यीसु के खास चेलन से कम नहिं आहेन। 6 अगर हम बोलँइ माहीं कमजोर
हएन, तऊ ग्यान माहीं कमजोर नहिं आहेन, अउर हम इआ ग्यान काहीं
हरेक बातन माहीं, अउर हरेकमेर से तोंहईं पंचन काहीं बतायन हय। 7 तोंहईं
पंचन काहीं ऊँचा उठामँइ के खातिर अपने-आप काहीं नीच बनायन, अउर
सेंत-मेंत माहीं तोंहईं पंचन काहीं खुसी के खबर सुनाइके, का कउनव गलती
किहेन हय? 8 अउर हम दुसरे मसीही मन्डलिन काहीं लूटेन हय, अरथात
सेबा के बदले माहीं चंदा लिहेन, जउने तोंहरे बीच माहीं सेबा के काम कइ
सकी। 9 अउर जब हम तोंहरे साथ माहीं रहेन हय, तबहूँ हमहीं पइसा के
जरूरत रही हय, पय हम कोहू से नहीं माँगेन, कि जउने ओखे ऊपर हमार
बोझ न परय, काहेकि जउन भाई लोग मकिदुनिया प्रदेस से आए रहे हँय,
उँइन पंचे हमरे जरूरत काहीं पूर कइ दिहिन तय। अउर हम हरेक बात माहीं
तोंहरे पंचन के ऊपर बोझ नहीं बनेन आय, अउर न कबहूँ बनबय करब।
10 अगर मसीह के सच्चाई हमरे अंदर हय। त अखाया प्रदेस माहीं हमहीं
इआ घमन्ड करँइ से कोऊ रोंक नहीं सकय। 11 हम तोंहसे पंचन से चंदा नहीं
लिहेन तय, त तूँ पंचे इआ न समझा, कि हम तोंहसे प्रेम नहीं करी। बलकिन
परमातिमा जानत हें, कि हम तोंहसे केतना प्रेम करित हएन।

12 पय हम जउन करित हएन, उहय करत रहब; जउने हम हरेक ऊँ मोकन
काहीं खतम कइ सकी, जउन ऊँ पंचे अपने घमन्ड के बातन माहीं, हमरे
पंचन कि नाईं होंइ के दाबा करत हें। 13 इआमेर के मनई लबरे उपदेसक
अउर छल से काम करँइ बाले आहीं, जउन मसीह के खास चेला होंइ के
ढोंग करत हें। 14 अउर इआ कउनव अचरज के बात न होय, काहेकि
सइतान घलाय उँजिआर माहीं रहँइ बाले स्वरगदूत कि नाईं आपन रूप
बनाय लेत हय। 15 एसे सइतान के सेबक घलाय अगर मसीह के सेबक कि
नाईं रूप बनाय लेत हें, त इआ कउनव बड़ी बात न होय। पय अन्त माहीं ऊँ
पंचे अपने-अपने कामन के मुताबिक प्रतिफल जरूर पइहँय।

अपने दुखन के बारे माहीं पवलुस के बखान

16 हम पुनि तोंहसे पंचन से कहित हएन, कि कोऊ हमहीं मूरुख न
समझय; अगर तूँ पंचे हमहीं मूरुख समझते हया, त मूरुखय समझिके हमरे
बातन काहीं मानि ल्या, जउने हमहूँ थोर काहीं घमन्ड कइ सकी। 17 अउर
हम जउन इआ बात घमन्ड के साथ कहि रहेन हय, त इआ प्रभू के हुकुम के
मुताबिक न होय, बलकिन हम इआ एक मूरुख कि नाईं कहि रहेन हय।
18 काहेकि खुब मनई अपने संसारिक जीबन के ऊपर घमन्ड करत हें, त
हमहूँ घमन्ड करब। 19 पय तूँ पंचे बड़े समझदार होइके, मूरुखन के बातन
काहीं बड़े खुसी से सहि लेते हया। 20 अउर जब कउनव मनई, तोंहईं पंचन
काहीं आपन गुलाम बनाइके, तोंहार धन-सम्पत लूट लेत हय। अउर अपने
जाल माहीं फँसाइके, खुद काहीं तोंहसे बड़ा बनाबत हय। अउर तोंहरे मुँहे
माहीं थापड़ घलाय मारत हय, तऊ तूँ पंचे सहि लेते हया। 21 अउर इआ बात
हम बड़े सरम के साथ कहि रहेन हय, मानि ल्या, कि हम खुब कमजोर रहेन
हय। पय अगर कोऊ कउनव बात माहीं घमन्ड करँइ के हिम्मत करत हय, त
हमहूँ घलाय हिम्मत कइ सकित हएन। (अउर इआ बात हम मूरुख कि नाईं
कहित हएन।)

22 अगर ऊँ पंचे अपने-आप काहीं इब्रानी समझत हें, त हमहूँ इब्रानी
आहेन। अउर अगर ऊँ पंचे अपने-आप काहीं इजराइली समझत हें, त हमहूँ
इजराइली आहेन, अउर अगर ऊँ पंचे समझत हें, कि हम पंचे अब्राहम के
सन्तान आहेन, त हमहूँ अब्राहम के सन्तान आहेन। 23 अगर ऊँ पंचे खुद
काहीं मसीह के सेबक समझत हें, त हमहूँ पागल कि नाईं इआ कहित हएन,
कि हम उनसे बढ़िके हएन। चाह उआ मेहनत करँइ माहीं होय, चाह उआ
बेर-बेर जेल जाँइ माहीं होय, चाह उआ ††चाबुक से मार खाँइ माहीं होय।
चाह उआ बेर-बेर मउत के मुँहे म जाँइ माहीं होय। 24 अउर हम पाँच बेरकी
यहूदी लोगन के हाँथे से ओनतालिस-ओनतालिस चाबुक मार खायन हँय।
25 तीन बेरकी हम लाठिन ‡ से मार खायन हँय; अउर एक बेरकी हमरे ऊपर
पथरहाव घलाय कीन ग रहा हय, अउर तीन बेरकी हम जउने-जउने जिहाज
माहीं चढ़े रहेन हय, ऊँ टूट गें तय, अउर एक दिन अउर एक रात हम समुंद्र
के गहिल पानी माहीं बितायन हय। 26 अउर जब हम बेर-बेर यात्रा करत
रहेन हय, त कइअक बेरकी हमहीं खतरन के सामना करँइ परा, जइसन-
नदियन के खतरा, अउर डँकुअन के खतरा; अपने जाति बालेन के खतरा,
अउर गैरयहूदी मनइन के खतरा; अउर सहरन के खतरा; अउर जंगल के
खतरा; समुंद्र के खतरा; कपटी भाइन के खतरा। 27 अउर हम कड़ी मेहनत
करँइ माहीं, बेर-बेर रातभर जागत रहँइ माहीं; भूँख पिआस सहँइ माहीं;
कइअक बेरकी बिना खाना खाए रहँइ माहीं, जाड़ सहँइ माहीं, उँघार रहँइ
माहीं। 28 अउर ईं बातन के अलाबा, हमहीं सगली मसीही मन्डलिन के चिन्ता
हरेक दिन सताबत रहत ही। 29 अउर जब कोऊ निबल होत हय, त का हमहूँ
निबल नहीं होई? अउर जब कोऊ पाप माहीं फँसि जात हय, त का हमार
जिव दुखी नहीं होय?

30 अगर घमन्ड करब जरूरी हय, त हम अपने निबलता के बातन के ऊपर
घमन्ड करब। 31 अउर प्रभू यीसु के पिता परमातिमा जउन हमेसा बड़ाई के
काबिल हें, ऊँ जानत हें, कि हम झूँठ नहीं बोली। 32 अउर जब हम दमिस्क
सहर माहीं रहेन हय, तब राजा अरितास के राजपाल के तरफ से, हमहीं बंदी
बनामँइ के खातिर पहरा लगबाबा ग रहा हय। 33 पय हमहीं कुछ जने टोपरा
माहीं बइठाइके, सहर के चारिव कइती जउन भीती रही हय, ओखे खिड़की
से बहिरे उतार दिहिन तय। अउर इआमेर से हम राजपाल के हाँथे से बचिके
निकरि आएन तय।

† *10:17 यिर्म 9:24*

†† *11:23 खा.चे.काम 16:23* ‡ *11:25 खा.चे.काम 16:22*

पवलुस काहीं दरसन मिलब

12 जबकि घमन्ड करे से कउनव फायदा नहीं होय, तऊ हमहीं घमन्ड
करँइ पर रहा हय, एसे जउन दरसन अउर प्रकासन प्रभू हमहीं
दिहिन हीं, हम उनखर चरचा करब। 2 अउर हम मसीह के ऊपर बिसुआस
करँइ बाले एकठे मनई काहीं निकहा से जानित हएन, जउने काहीं चउदा
बरिस पहिले तिसरे स्वरग तक उठाय लीनगा रहा हय, हम इआ नहीं जानी,
कि उआ देंह सहित उठाय लीनगा रहा हय, इआ कि बिना देंह के। इआ बात
काहीं त केबल परमातिमय जानत हें। 3 अउर हम उआ मनई काहीं निकहा
से जानित हएन, पय इआ नहिं जानी, कि उआ देंह सहित उठाय लीनगा रहा
हय, इआ कि बिना देंह के। इआ बात काहीं त केबल परमातिमय जानत हें।
4 उआ मनई जउन स्वरग लोक माहीं उठाय लीनगा रहा हय, उआ अइसन
बातन काहीं सुनिस, कि जिनहीं बताबा नहीं जाय सकय; अउर जिनहीं
बतामँइ के अनुमति मनई काहीं नहिं आय। 5 उआ मनई के ऊपर त हम
घमन्ड करब, पय हम अपने निबलता काहीं छोंड़िके, अउर कउनव बात
माहीं अपने ऊपर घमन्ड न करब। 6 एसे अगर हम अपने ऊपर घमन्ड करँइ
चाही, तऊ मूरुख न कहाउब। काहेकि हम सहिन सही बोलब; तऊ हम रुक
जइत हएन, कि कहँव अइसा न होय, कि जइसन हमहीं कोऊ समझत हय,
इआ कि हमसे सुनत हय, त ओसे बढ़िके हमहीं समझँय लागय। 7 अउर
इहव बात ही, कि जउन हमहीं एतने भारी प्रकासन मिले हँय, त हम उनखे
कारन घमन्ड से फूल न जई। एसे हमरे देंह माहीं एकठे काँटा छेदा ग हय,
अरथात सइतान के एकठे दूत हमहीं कस्ट देत रहत हय, जउने हम घमन्ड से
फूल न जई। 8 अउर इआ काँटा के बारे माहीं हम प्रभू से तीन बेरकी बिनती
किहेन, कि इआ हमरे जीबन से दूर होइ जाय। 9 पय प्रभू हमसे कहिन, कि
“हमार किरपय तोंहरे खातिर खुब ही; काहेकि निबलता माहीं हमार सक्ती
पूरी तरह से काम करत ही।” एसे हम अपने निबलता के ऊपर बड़े खुसी के
साथ घमन्ड करित हएन, कि जउने मसीह के सक्ती हमरे भीतर रहय।
10 इहय कारन से हम मसीह के खातिर अपने कमजोरिन माहीं, अपमान
सहँइ माहीं, अउर गरीबी माहीं, अउर अपने ऊपर होंइ बाले अत्याचारन
माहीं, अउर दुख-मुसीबतन माहीं, खुसी रहित हएन। काहेकि जब हम निबल
होइत हएन, तबहिन हमहीं बल मिलत हय।

कुरिन्थुस सहर के बिसुआसी लोगन के खातिर पवलुस के चिन्ता

11 हम मूरुख त बनेन, पय तुहिन पंचे हमहीं अइसन करँइ के खातिर
मजबूर किहा तय, तोंहईं पंचन काहीं त हमार बड़ाई करँइ चाही, जबकि हम
अपने-आप काहीं कुछू नहीं मानी, तऊ इआ जानिल्या, कि हम उन बड़े से
बड़े यीसु मसीह के खास चेलन से कउनव बात माहीं कम नहिं आहेन।
12 अउर जब हम तोंहरे पंचन के बीच माहीं रहेन हय, त यीसु मसीह के खास
चेला होंइ के सबूत देखायन तय, जइसन कि हरेकमेर के धीरज के साथ
चिन्हन काहीं देखाउब, अउर अचरज के कामन काहीं करब, अउर सामर्थ के
कामन काहीं घलाय कइके देखाउब। 13 अउर तूँ पंचे कउनव बात माहीं दुसरे
मसीही मन्डलिन से कम नहीं रहे आह्या। केबल इआ बात माहीं, कि हम
तोंहरे पंचन के ऊपर आपन बोझ नहीं डारेन, कि तूँ पंचे हमार खरचा
उठाबा; हमरे इआ गलती काहीं माफ करा।

14 देखा, अब हम तिसराय तोंहरे पंचन के लघे आमँइ के खातिर तइआर
हएन। पय हम तोंहरे ऊपर कउनव मेर से बोझ न बनब। काहेकि हमहीं
तोंहरे धन-सम्पत के कउनव जरूरत नहिं आय, बलकिन तोंहार जरूरत ही।
एसे कि लड़िका-बच्चा अपने महतारी-बाप के खातिर धन नहीं जोरय,
बलकिन महतारी-बाप लड़िकन-बच्चन के खातिर धन जोरत हें। 15 हमरे लघे
जउन कुछू हय, त ओही हम तोंहरे खातिर खुसी के साथ खरचा करब, इहाँ
तक कि अपने-आप काहीं घलाय तोंहरे खातिर खरचा कइ डारब। जब हम
तोंहसे एतना प्रेम करित हएन, त का तोंहऊँ काहीं हमसे ओतनय प्रेम न
करँइ चाही? 16 का तूँ पंचे अइसा सोचते हया? कि हम तोंहरे ऊपर कउनव
बोझ नहीं डारेन। पय चलाँकी से धोखा दइके, तोंहईं पंचन काहीं फँसाय
लिहेन हय। 17 अउर तूँ पंचे इआ बताबा, कि जिनहीं हम तोंहरे लघे पठएन
तय, त का उनमा से कउनव के द्वारा तोंहईं पंचन काहीं धोखा दइके कुछू
लिहेन हय? 18 अउर हम तीतुस काहीं समझाइके, तोंहरे लघे पठएन तय,
अउर उनखे साथ एकठे भाई काहीं घलाय पठएन तय, त इआ बताबा, कि
का तीतुस तोंहईं पंचन काहीं धोखा दइके तोंहसे कुछू लिहिन तय? का हम
पंचे एकय आत्मा से नहीं चली? अउर का एकय गइल माहीं नहीं चली?

19 तूँ पंचे अबय तक इहय सोचते होइहा, कि हम पंचे अपने बारे माहीं
सफाई दइ रहेन हय। नहीं, पय हम पंचे त परमातिमा काहीं हाजिर जानिके,
मसीह के सेबक के रूप माहीं बोलि रहेन हय। अउर हे पियार भाई-बहिनिव,
ईं सगली बातँय, हम पंचे, तोंहईं आत्मिक रूप से मजबूत बनामँइ के खातिर
कहि रहेन हय। 20 काहेकि हमहीं इआ बात के डेर हय, कि कहँव अइसा न
होय, कि जब हम तोंहरे लघे अई, त जइसन तोंहईं पंचन काहीं हम पामँइ
चाहित हएन, त उआमेर न पाई, अउर तुहूँ पंचे घलाय हमहीं जइसन पामँइ
चहते हया, त उआमेर न पाबा। अउर हम इआ नहीं चाही, कि तोंहरे बीच
माहीं, लड़ाई-झगड़ा होय, डाह होय, क्रोध होय, बिरोध होय, जलन होय,
चुगली करब होय, घमन्ड होय, कउनव बात के बखेड़ा होय। 21 अउर हमहीं
इहव बात के डेर हय, कि जब हम तोंहसे मिलँइ के खातिर अई। त तोंहरेन
आँगे, हमार परमातिमा हमहीं लज्जित न करँइ; अउर हमहीं उनखे खातिर
दुखी होंय परय, जउन पहिले पाप किहिन तय, अउर घिनहे-घिनहे काम
किहिन तय, अउर ब्यभिचार किहिन तय, अउर भोग-बिलास के काम
किहिन तय, पय उनखे खातिर पस्चाताप नहीं किहिन आय।

इआ चिट्ठी माहीं पवलुस के आखिरी चेतउनी

13 अब हम तिसराय तोंहरे पंचन के लघे आय रहेन हँय। अउर जइसन
पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, उहयमेर “हरेक बात दुइ इआ कि
तीन गबाहन के गबाही के द्वारा सही इआ कि गलत साबित कीन जई †।”
2 अउर जब हम दुसराय तोंहरे साथ माहीं रहेन हँय, त तोहँईं पंचन काहीं
चेतायन तय। उहयमेर अब जब हम तोंहसे दूर हएन, तऊ जे कोऊ पाप
किहिन हीं, उनहीं अउर बाँकी सगले मनइन काहीं घलाय पहिलेन से चेताए
देइत हएन, कि जब हम पुनि तोंहरे लघे अउब, त उनहीं कइसव न छोंड़ब।
3 इआमेर हम एसे कहित हएन, कि तूँ पंचे इआ बात के सबूत चहते हया,
कि मसीह हमरे द्वारा बोलत हें, कि नहीं, पय तूँ पंचे इआ जानिल्या, कि
मसीह तोंहरे खातिर निबल नहिं आहीं, बलकिन तोंहरे पंचन के बीच माहीं
सामरथी हें। 4 इआ बात सही आय, कि जब मसीह काहीं क्रूस माहीं चढ़ाबा
ग रहा हय, त ऊँ निबल देखात रहे हँय, पय अब परमातिमा के सक्ती से
जिन्दा हें। एसे हमहूँ पंचे घलाय मसीह माहीं निबल देखइत हएन, पय
परमातिमा के सक्ती से हमहूँ पंचे मसीह के साथ जिअत रहब। जउने तोंहार
पंचन के सेबा करत रही। 5 अउर अपने-आप काहीं तूँ पंचे जाँचा-परखा, कि
बिसुआस माहीं बने हया, कि नहीं, अउर इहव जाँच करा कि मसीह तोंहरे
पंचन के जीबन माहीं हें, कि नहीं। नहीं त तूँ पंचे परमातिमा के नजर माहीं
निकम्मा ठहरिहा। 6 पय हम इहय आसा करित हएन, कि तूँ पंचे जान
लेइहा, कि हम पंचे निकम्मा नहिं आहेन। 7 अउर हम पंचे अपने परमातिमा
से इहय प्राथना करित हएन, कि तूँ पंचे कउनव बुरे काम न करा; हम पंचे
इआ प्राथना एसे नहीं करी, कि हम पंचे सही देखाई परी, पय एसे करित
हएन, कि तूँ पंचे भलाई के काम करा, चाह हम पंचे भले इआ परिच्छा माहीं
असफल ठहरी। 8 काहेकि हम पंचे सत्य के बिरोध माहीं, कुछू नहीं कइ
सकी, पय सत्य के खातिर सब कुछ कइ सकित हएन। 9 अउर जब हम पंचे
निबल हएन, अउर तूँ पंचे बलमान हया, त हम पंचे आनन्द से भर जइत
हएन, अउर इआ प्राथना घलाय करित हएन, कि तूँ पंचे पूरी तरह से
बिसुआस माहीं मजबूत बन जा। 10 जबकि अबे हम तोंहसे दूरी हएन, तऊ ईं
बातन काहीं तोंहरे खातिर लिख रहेन हय, कि जब हम तोंहरे बीच माहीं

† *13:1 ब्यब 17:6; 19:15*

अउब त, जउन अधिकार हमहीं प्रभू दिहिन हीं, त उआ तोंहरे फायदय के खातिर दिहिन हीं, हानि के खातिर न होय, त तूँ पंचे इआ ध्यान रख्या, कि हमहीं ओखर उपयोग कड़ाई से न करँइ परय।

पवलुस के नबस्कार

11 हे भाई-बहिनिव, हम अपने बातन काहीं खतम करित हएन, अउर
आखिर माहीं हम तोंहईं पंचन काहीं इआ लिखित हएन, कि तूँ पंचे
आनन्दित रहा, बिसुआस माहीं मजबूत बनत जा, ढाढ़स रक्खा; अउर
आपस माहीं एक मन रहा; एक दुसरे से मिल जुलिके रहा, अउर प्रेम अउर
सान्ती देंइ बाले परमातिमा हमेसा तोंहरे पंचन के साथ रइहँय। 12 अउर बड़े
खुसी के साथ एक दुसरे से गले मिलिके नबस्कार करा। 13 अउर इहाँ के
सगले बिसुआसी भाई-बहिनी, तोंहईं पंचन काहीं नबस्कार करत हें। 14 अउर
प्रभू यीसु मसीह के किरपा, परमातिमा के प्रेम अउर पबित्र आत्मा के
सहभागिता तोंहरे पंचन के साथ हमेसा होत रहय।

गलातियन

इआ चिट्ठी के परिचय

जब यीसु के खुसी के खबर के प्रचार-प्रसार गैरयहूदी लोगन के बीच माहीं होंइ लाग, तब इआ सबाल उठा, कि एक सच्चा मसीही होंइ के खातिर मनई काहीं मूसा के बिधान काहीं पालन करब जरूरी हय, कि नहीं। पवलुस इआ तरक पेस करत हें, कि इआ जरूरी नहिं आय। ऊँ कहत हें कि वास्तव माहीं मसीही जीबन के एक मात्र ठोस अधार हय, उआ हय बिसुआस। ओहिन के व्दारा सगले मनइन के परमातिमा के साथ सम्बन्ध सुधरत हय। पय एसिया माइनर माहीं स्थित रोम देस माहीं, गलातिया प्रदेस के मसीही मन्डली के कुछ मनई पवलुस के बिरोध किहिन, अउर इआ दाबा किहिन कि परमातिमा के साथ सही सम्बन्ध के खातिर, मनई काहीं मूसा के बिधान के पालन करब घलाय जरूरी हय।
गलातियन के खातिर यीसु मसीह के खास चेला पवलुस के चिट्ठी एसे लिखी गे रही हय, कि ऊँ पंचे जउन इआ गलत सिच्छा से बहक गे रहे हँय, उनहीं पंचन काहीं सच्चे बिसुआस अउर बेउहार माहीं लउटाय लाबा जाय। पवलुस इआ चिट्ठी के सुरुआत यीसु मसीह के खास चेला होंय के अपने अधिकार के समरथन के साथ करत हें। ऊँ इआ बात के ऊपर जोर देत हें, कि यीसु मसीह के खास चेला होंइ के खातिर ओखर बोलाबा जाब परमातिमा के तरफ से होत हय, न कि कउनव मनइन के अधिकार से; अउर इआ कि ओखर उद्देस्य खास करके गैरयहूदी लोगन के बीच माहीं खुसी के खबर के प्रचार करब रहा हय। पुनि ऊँ इआ तरक पेस करत हें, कि केबल बिसुआसय के व्दारा मनइन के सम्बन्ध परमातिमा के साथ सुधरत हय। अन्त के पाठन माहीं पवलुस इआ बताबत हें, कि मसीह माहीं बिसुआस किहे के कारन उत्पन्न प्रेम के व्दारय, मसीही चाल-चलन सोभाबिक रूप से देखाई देत हय।

रूप-रेखा :

भूमिका
यीसु मसीह के खास चेला के रूप माहीं पवलुस के अधिकार
परमातिमा के किरपा के खुसी के खबर
मसीही अजादी अउर जबाबदारी
उपसंहार

पवलुस के अभिबादन

1 हम यीसु मसीह के खास चेला पवलुस आहेन, अउर इआ चिट्ठी काहीं
लिख रहेन हय, अउर हमहीं यीसु मसीह के खास चेला होंय के
अधिकार न मनइन के तरफ से मिला आय। अउर न कउनव मनई के व्दारा,
बलकिन यीसु मसीह के खास चेला होंय के अधिकार, हमहीं यीसु मसीह
अउर पिता परमातिमा के व्दारा मिला हय, जउन यीसु मसीह काहीं मरेन म
से जिआइन रहा हय। 2 अउर हमरे अउर सगले भाइन के तरफ से जउन
हमरे साथ माहीं हें, इआ चिट्ठी गलातिया प्रदेस के मसीही मन्डली काहीं
मिलय।
3 हम पंचे प्राथना करित हएन, कि हमरे पंचन के पिता परमातिमा अउर
प्रभू यीसु मसीह के तरफ से तोंहईं पंचन काहीं किरपा, अउर सान्ती मिलत
रहय। 4 यीसु मसीह हमरे पंचन के पापन के खातिर खुद काहीं बलिदान कइ
दिहिन, जउने पिता परमातिमा के इच्छा के मुताबिक, हमहीं पंचन काहीं
इआ बुरे संसार से छोड़ामँइ। 5 अउर परमातिमा के बड़ाई जुग-जुग तक होत
रहय। आमीन!

सच्ची खुसी के खबर एकयठे हय

6 हमहीं बड़ा अचरज होत हय, कि तूँ पंचे ऊँ परमातिमा काहीं जउन
मसीह के किरपा अउर मदत से तोंहईं पंचन काहीं चुनिन रहा हय, उनहीं
एतना हरबी छोंड़िके, जउन खुसी के खबर मसीह के न होय, ओही
अपनामँइ लागे हया। 7 अउर तूँ पंचे इआ जानिल्या, कि मसीह के खुसी के
खबर के अलाबा, कउनव दूसर खुसी के खबर हइअय नहिं आय: पय बात
इआ आय, कि कुछ मनई अइसन हें, जउन मसीह के खुसी के खबर काहीं
गलत तरीका से बताइके, तोंहईं पंचन काहीं घबराय देत हें। 8 पय तूँ पंचे
इआ जानिल्या, कि मसीह के खुसी के खबर जउन हम पंचे तोंहईं पंचन
काहीं सुनायन हय, ओही छोंड़िके, अगर कोऊ कउनव दूसर मेर के खुसी के
खबर सुनाई, त उआ परमातिमा से जरूर सजा पाई, चाह उआ हम पंचे होई
चाह कउनव स्वरगदूत। 9 जइसा हम पंचे पहिलेन एक बेरकी तोंहसे कहि
चुकेन हय, उहयमेर अब हम पुनि कहित हएन, कि मसीह के खुसी के खबर
काहीं छोंड़िके, जउने काहीं तूँ पंचे अपनाया हय, अगर कोऊ ओखे अलाबा,
दूसर मेर के खुसी के खबर सुनाबत हय, त उआ परमातिमा से जरूर सजा
पाई।
10 का एसे तोंहईं पंचन काहीं अइसन लागत हय, कि हम मनइन काहीं
प्रसन्न करँइ चाहित हएन? कि परमातिमा काहीं प्रसन्न करँइ चाहित हएन?
पय तूँ पंचे इआ जानिल्या, कि अगर हम अबे तक मनइन काहीं प्रसन्न करत
रहित, त मसीह के सेबक न होइत।

पवलुस कइसन यीसु मसीह के खास चेला बने

11 हे भाई-बहिनिव, हम तोंहईं पंचन काहीं जताए देइत हएन, कि जउने
खुसी के खबर काहीं हम तोंहईं सुनायन हय, उआ कउनव मनई के बिचार
के मुताबिक न होय। 12 काहेकि इआ खुसी के खबर हमहीं प्रभू यीसु मसीह
के प्रगट करँइ के व्दारा मिली हय, उआ हमरे बाप-दादन के बताई न होय,
अउर न कउनव गुरू के सिखाइन आय। 13 अउर यहूदी धरम के मुताबिक
जउन पहिले हमार चाल-चलन रहा हय, ओही त तूँ पंचे जनतेन हया; कि
पहिले हम परमातिमा के मसीही मन्डली के मनइन काहीं सताबत रहेन हय,

इहाँ तक कि नास करँइ के कोसिस करत रहेन हय। 14 अउर यहूदी धरम
काहीं पालन करँइ माहीं अपने जाति के अपने बराबरी बाले मनइन माहीं,
हम सगलेन से बढ़िके रहेन हय, अउर अपने बाप-दादन के परम्परन काहीं
बड़े उत्साह से मानत रहे हएन। 15 पय परमातिमा हमहीं हमरे महतारी के
पेटेन से चुनि लिहिन रहा हय, एसे अपने किरपा से हमहीं बोलाय लिहिन।
16 अउर परमातिमा के इआ इच्छा भय, कि हमहीं अपने लड़िका के बारे
माहीं ग्यान करामँय, कि जउने हम उनखे खुसी के खबर काहीं, गैरयहूदी
लोगन के बीच माहीं सुनाई; त हम कउनव मनई से सलाह नहीं लिहेन।
17 अउर न सलाह लेंइ यरूसलेम सहर माहीं उनखे लघे गएन, जउन हमसे
पहिले यीसु के खास चेला रहे हँय, बलकिन हरबिन अरब देस काहीं चले
गएन। अउर ओखे बाद उहाँ से दमिस्क सहर माहीं लउटि आएन। 18 अउर
तीन साल उहाँ रहे के बाद, †कैफा से मिलँय के खातिर हम यरूसलेम सहर
माहीं गएन, अउर पन्द्रा दिन तक उनखे लघे रहेन। 19 पय उहाँ प्रभू यीसु के
भाई याकूब के अलाबा, यीसु के खास चेलन म से अउर कोहू से नहीं
मिलेन। 20 अउर जउन बातँय हम तोहईं पंचन काहीं लिख रहेन हय, ऊँ सही
हईं, परमातिमा जानत हें, कि हम झूँठ नहीं बोलि रहेन आय। 21 अउर ओखे
बाद हम सीरिया अउर किलिकिया प्रदेसन माहीं गएन। 22 पय यहूदिया प्रदेस
के मसीही मन्डलिन के मनई जउन यीसु मसीह काहीं मानत रहे हँय, ऊँ पंचे
हमहीं कबहूँ नहीं देखिन तय। 23 पय ऊँ पंचे इआ सुनत रहे हँय, कि जउन
मनई हमहीं पंचन काहीं सताबत रहा हय, अब उआ मसीह के खुसी के
खबर सुनाबत हय, जउने काहीं पहिले नास करँइ के कोसिस करत रहा हय।
24 अउर ऊँ पंचे हमरे बारे माहीं इआ सुनिके परमातिमा के बड़ाई करत रहे
हँय।

पवलुस काहीं दूसर खास चेला लोग सोइकार किहिन

2 चउदा बरिस के बाद हम बरनबास के साथ यरूसलेम सहर माहीं
गएन, अउर तीतुस काहीं घलाय अपने साथय लइ गएन तय। 2 अउर
उहाँ जाँइ के खातिर परमातिमा हमहीं दरसन दिहिन एसे हम उहाँ गएन,
अउर जउने खुसी के खबर के प्रचार हम गैरयहूदी लोगन के बीच माहीं
करित हएन, उहय खुसी के खबर काहीं हम उनहिन काहीं अलग लइ जाइके
सुनायन, जउन मसीही मन्डली के मुखिया माने जात रहे हँय, जउने, जउन
काम हम पहिले किहेन तय, अउर अबे कइ रहेन हय, ऊँ बेकार न ठहरँय।
3 अउर तीतुस घलाय जउन गैरयहूदी आहीं; हमरे साथ माहीं रहे हँय, तऊ
उनहीं खतना करामँय के खातिर मजबूर नहीं कीन ग। 4 पय इआ, ऊँ झूँठे
बिसुआसी लोगन के कारन भ, जउन सच्चे बिसुआसी लोगन के बीच माहीं
भेद लेंइ के खातिर घुसि आएँ तय, कि उआ अजादी काहीं जउन हमहीं
पंचन काहीं मसीह यीसु के व्दारा मिली हय, हमार पंचन के भेद लइके पुनि
हमहीं पंचन काहीं गुलाम बनामँइ। 5 पय हम पंचे उनखे बातन काहीं एक्कव
नहीं मानेन, कि जउने यीसु मसीह के खुसी के खबर के सच्चाई, तोंहरे
जीबन माहीं पूरी तरह से बनी रहय।

6 अउर ओखे बाद जउन मसीही मन्डली के मुखिया माने जात रहे हँय,
उनसे हमहीं कउनव मदत नहीं मिली, (ऊँ पंचे चाह केतनव लाटसाहब रहे
होंय, हमहीं पंचन काहीं एखर कउनव चिन्ता नहिं आय, काहेकि परमातिमा
कोहू के साथ भेदभाव नहीं करँय) 7 पय एखे बिपरीत जब ऊँ पंचे इआ
समझिन कि, परमातिमा जइसन यहूदी लोगन काहीं खुसी के खबर सुनामँइ
के काम पतरस काहीं सँउपिन तय, उहयमेर गैरयहूदी लोगन काहीं खुसी के
खबर सुनामँइ के जबाबदारी हमहीं सँउपिन हीं। 8 (काहेकि जइसन
परमातिमा पतरस काहीं यहूदी लोगन के बीच माहीं यीसु के खास चेला के
रूप माहीं, काम करँइ के सक्ती दिहिन हीं, उहयमेर परमातिमा हमहूँ काहीं
यीसु के खास चेला के रूप माहीं, गैरयहूदी लोगन के बीच माहीं काम करँइ
के सक्ती दिहिन हीं।) 9 अउर जब ऊँ पंचे परमातिमा के उआ किरपा काहीं
जान लिहिन, जउन हमहीं मिली रही हय, तब याकूब, पतरस अउर यूहन्ना
जउन मसीही मन्डली के मुखिया माने जात रहे हँय, हमसे अउर बरनबास से
हाँथ मिलाइके अपने साथ सामिल कइ लिहिन, कि हम पंचे खुसी के खबर
सुनामँइ के खातिर, गैरयहूदी लोगन के बीच माहीं जई, अउर ऊँ पंचे यहूदी
लोगन के लघे जाँय। 10 ऊँ पंचे, केबल हमसे पंचन से एतना कहिन, कि तूँ
पंचे कंगालन के ख्याल किहा, अउर हम पंचे खुदय इहय काम करँइ के
खातिर खुब इच्छुक रहेन हय।

पवलुस के पतरस काहीं डाँटब

11 पय जब पतरस अन्ताकिया सहर माहीं आएँ, तब हम उनखे आँगे
खुलिके बताय दिहेन, कि "तूँ गलती कइ रहे हया।" 12 काहेकि याकूब के
पठए यहूदी लोगन के आमँइ से पहिले ऊँ पंचे गैरयहूदी लोगन के बीच माहीं
खात-पिअत रहे हँय, पय ऊँ यहूदी लोगन के डेरन के मारे, जउन खतना
करामँइ के ऊपर जोर देत रहे हँय, गैरयहूदी बिसुआसी लोगन के बीच से
अलग होइगें, अउर उनसे दूरी रहँइ लागें। 13 अउर पतरस के ढोंग के कारन
यहूदी बिसुआसी लोग पतरस के ढोंग माहीं सामिल होइगें, इहाँ तक कि
बरनबास घलाय उनखे साथ भटकिगा। 14 पय जब हम देखेन कि ऊँ पंचे
खुसी के खबर के सच्चाई के मुताबिक सही चाल नहीं चलँय, तब हम
सगलेन के आँगे पतरस से कहेन, कि जब तूँ यहूदी होइके यहूदी लोगन कि
नाईं नहीं, पय गैरयहूदी लोगन कि नाईं चलते हया, त पुनि गैरयहूदी लोगन
के ऊपर, यहूदी लोगन के रीति-रिबाज के मुताबिक चलँय के खातिर, काहे
दबाव डरते हया?

केबल बिसुआस के व्दारा मुक्ती पाउब

15 हम पंचे त जन्मय से यहूदी आहेन, अउर मूसा के बिधान के पालन
करत आएन हय, हम पंचे ऊँ गैरयहूदी लोगन म से न होहेंन, जिनहीं यहूदी
लोग पापी समझत हें। 16 यहूदी लोग इआ मानत रहे हँय, कि मनई मूसा के
बिधान के पालन करे से परमातिमा के नजर माहीं निरदोस ठहरत हें। पय
अब हम इआ जानित हएन, कि केबल यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस करँइ
के कारन मनई निरदोस ठहरत हें। एहिन से हमहूँ पंचे घलाय मसीह यीसु के
ऊपर बिसुआस किहेन हय, जउने हम मसीह के ऊपर बिसुआस किहे के
कारन निरदोस ठहरी। पय मूसा के बिधान के पालन करँय के कारन नहीं,
काहेकि कउनव मनई मूसा के बिधान के पालन करँय के कारन, परमातिमा
के नजर माहीं निरदोस न ठहराबा जई। 17 पय अगर हम पंचे जउन मसीह
के ऊपर बिसुआस किहे के कारन परमातिमा के नजर माहीं निरदोस ठहरँय
चाहित हएन, अउर हम पंचे खुदय पाप करँय बाले निकरी, त का मसीह
पाप करँय बालेन काहीं बढ़ाबा देत हें? बेलकुल नहीं 18 काहेकि हम मूसा के
बिधान के जउने नेमन काहीं मानब छोंड़ि दिहेन हय, अगर हम उनहिन काहीं
पुनि अपनाइत हएन, त हम खुद काहीं अपराधी ठहराइत हएन। 19 जब हम
मूसा के बिधान काहीं पालन करँइ के कोसिस किहेन तय, त परमातिमा के
नजर माहीं दोसी ठहराए गएन। एसे हम मूसा के बिधान काहीं पालन करब
छोंड़ दिहेन, कि जउने हम परमातिमा के खातिर जि सकी। इआ कारन मूसा
के पुरान बिधान के खातिर मर गएन हय, कि जउने परमातिमा के खातिर
जीबन जी। 20 अउर हम मसीह के साथ क्रूस माहीं चढ़ाए गए हएन, अउर
हम अब से जिन्दा नहीं रहि गएन, बलकिन मसीह हमरे भीतर जिन्दा हें।
अउर अब हम देंह माहीं जउन जिन्दा हएन, उआ केबल परमातिमा के
लड़िका के ऊपर बिसुआस किहे के कारन जिन्दा हएन, जउन हमसे एतना
प्रेम किहिन, कि खुद काहीं हमरे खातिर बलिदान कइ दिहिन हीं। 21 एसे हम
परमातिमा के किरपा काहीं बेकार नहीं ठहराई, काहेकि अगर मूसा के
बिधान के पालन करँय के व्दारा, मनई परमातिमा के नजर माहीं निरदोस
ठहरत, त मसीह फालतू माहीं आपन प्रान काहे क देतें?

† *अरथात पतरस*

मूसा के बिधान के बन्धन से अजादी

3 हे गलातिया बाले निरबुद्धी बिसुआसी मनइव, यीसु मसीह कइसन क्रूस माहीं चढ़ाए गे रहे हँय, एखे बारे माहीं पूर जानकारी तोंहरे सगलेन के आँगे हम दिहेन तय। पय तोंहरे पंचन के ऊपर को जादू कइ दिहिस ही? 2 हम तोंहसे पंचन से केबल एतना जानँय चाहित हएन, कि तूँ पंचे पबित्र आत्मा काहीं मूसा के बिधान के पालन करँय से पाया हय, कि खुसी के खबर काहीं सुनिके, बिसुआस किहे से पाया हय? 3 का तूँ पंचे एतना मूरुख होइ गया हय, कि जउने मसीही जीबन काहीं, तूँ पंचे पबित्र आत्मा के मुताबिक चलब सुरू किहा तय, त का अब ओही खुद के मेहनत से चलिके पूर करँइ के कोसिस करते हया? 4 का तूँ पंचे एतना दुख बेकार माहीं सहे हया? बेलकुल नहीं। 5 हम पुनि पूँछित हएन कि, परमातिमा जउन तोंहईं पंचन काहीं पबित्र आत्मा के दान दिहिन हीं, अउर तोंहरे पंचन के जीबन से सामर्थ के काम करत हें, त तूँ पंचे इआ बताबा, कि परमातिमा इआ काम काहीं मूसा के बिधान के पालन करँइ से करत हें, इआ कि खुसी के खबर काहीं सुनिके बिसुआस किहे के कारन?

6 देखा, अब्राहम परमातिमा के ऊपर बिसुआस किहिन रहा हय, एहिन से ऊँ परमातिमा के नजर माहीं निरदोस ठहराए गे रहे हँय। 7 त तूँ पंचे इआ जानिल्या, कि जे कोऊ परमातिमा के ऊपर बिसुआस करँइ बाले हें, उँइन अब्राहम के सच्चे सन्तान आहीं। 8 एसे पबित्र सास्त्र माहीं पहिलेन से लिखा रहा हय, कि “परमातिमा गैरयहूदी लोगन काहीं उनखे ऊपर किहे बिसुआस के कारन निरदोस ठहरइहँय।” एहिन से परमातिमा अब्राहम काहीं इआ खुसी के खबर पहिलेन से बताय दिहिन तय, कि संसार के सगली जाति के मनई तोंहरेन कारन आसिरबाद पइहँय। 9 एसे अब्राहम बिसुआस के कारन जउन आसिरबाद पाइन रहा हय, उहय आसिरबाद मसीह के ऊपर बिसुआस करँइ बाले सगले जने पाबत हें।

10 पय जेतने मनई मूसा के बिधान के पालन करँइ माहीं भरोसा करत हें, उँ सगले परमातिमा से सजा पइहँय, काहेकि पबित्र सास्त्र माहीं इआ लिखा हय, “कि जे कोऊ मूसा के बिधान के किताब माहीं लिखी सगली बातन काहीं पालन नहीं करय, उआ परमातिमा से सजा पाई।” 11 अब इआ बात स्पस्ट होइगे ही, कि मूसा के बिधान के पालन करँइ के व्दारा कउनव मनई परमातिमा के आँगे निरदोस न ठहरी, काहेकि पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, “परमातिमा के नजर माहीं निरदोस मनई बिसुआस के कारन जिअत रही।” 12 पय मूसा के बिधान काहीं पालन कइके चलँइ माहीं, अउर बिसुआस से चलँइ माहीं, कउनव सम्बन्ध नहिं आय पय पबित्र सास्त्र माहीं इआ लिखा हय, “जे मूसा के बिधान माहीं लिखी पूरी बातन काहीं मानी, उआ उनहिन के कारन जिअत रही।” 13 पय मसीह जउन हमरे पंचन के खातिर स्रापित बने हें, हमहीं मोल लइके मूसा के बिधान के सराप से छोड़ाइन हीं। जब मसीह क्रूस माहीं लटकाए गें, ऊँ हमरे पाप के सराप काहीं अपने ऊपर लइ लिहिन, काहेकि पबित्र सास्त्र माहीं इआ लिखा हय, कि “जे कोऊ कठबा माहीं लटकाबा जात हय, उआ स्रापित हय।” 14 मसीह हमहीं पंचन काहीं मूसा के बिधान के सराप से एसे छोड़ाइन, कि जउने अब्राहम के आसीस यीसु मसीह के व्दारा गैरयहूदी लोगन के लघे तक पहुँचय, अउर हम पंचे बिसुआस के व्दारा उआ पबित्र आत्मा काहीं पाई, जउने काहीं देंइ के वादा परमातिमा किहिन हीं।

मूसा के बिधान अउर करार

15 हे भाई-बहिनिव, हम मनई के रीत माहीं कहित हएन, कि मनइन के करार घलाय जउन पक्की होइ जात ही, त न ओही कोऊ टारिन सकय न बदलिन सकय। 16 मतलब इआ आय कि वादा त अब्राहम से, अउर उनखे बंस से कीन ग रहा हय; पय पबित्र सास्त्र माहीं इआ नहीं लिखा आय, कि उनखे बंसन से, जइसन कि बहुतन के खातिर माना जाय, पय ओमा एकय के बारे माहीं लिखा हय, तोंहरे बंस से, अउर उआ बंस यीसु मसीह आहीं। 17 पय हम इआ कहित हएन, कि जउन करार परमातिमा पहिलेन से अब्राहम के साथ पक्की किहिन रहा हय, उआ करार काहीं मूसा के बिधान चार सव तीस बरिस के बाद आइके नहीं बदल सकय, अउर न परमातिमा के वादा काहीं रद्द कइ सकय। 18 काहेकि अगर परमातिमा के राज के बारिसदार होंइ के अधिकार मूसा के बिधान से मिला हय, त वादा के द्वारा नहीं मिला आय, पय उआ अधिकार परमातिमा अब्राहम काहीं वादा के व्दारा दिहिन तय।

मूसा के बिधान के मकसद

19 त पुनि परमातिमा मूसा के बिधान काहीं पहिले कउने उद्देस्य से दिहिन रहा हय? उआ त हुकुम के उलंघन करँइ के अपराध के कारन बाद माहीं दीन ग रहा हय। अउर जउने बंस अरथात मसीह के बारे माहीं परमातिमा वादा किहिन रहा हय, उनखे आमँइ तक मूसा के बिधान चलत रहा हय, अउर परमातिमा उआ मूसा के बिधान काहीं स्वरगदूतन के द्वारा मूसा काहीं दिहिन रहा हय, अउर ईं मूसा परमातिमा अउर मनइन के बीच माहीं बिचबई रहे हँय 20 अउर बिचबई के जरूरत दुइ जने के बीच माहीं होत ही, पय परमातिमा बिना बिचबई के खुद अब्राहम से वादा किहिन।

21 त का मूसा के बिधान परमातिमा के वादा के बिरोध माहीं हय? बेलकुल नहीं? काहेकि अगर अइसन मूसा के बिधान दीन जात जउन जीबन दइ सकत, त सचमुच मूसा के बिधान के पालन करे से मनई परमातिमा के नजर माहीं निरदोस होइ जातें। 22 पय पबित्र सास्त्र माहीं घलाय इआ लिखा हय, कि सगला संसार पाप के कब्जे माहीं हय, इआ कारन केबल यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस करँइ के द्वारा, बिसुआस करँइ बाले मनई परमातिमा के वादा पाय सकत हें। 23 पय प्रभू यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस किहे से मिलँइ बाली मुक्ती के खबर आमँइ से पहिले, हम पंचे मूसा के बिधान के बन्धन माहीं बँधे रहेन हय, अउर परमातिमा के द्वारा प्रगट कीन जाँय बाली बिसुआस के खबर के आमँइ तक, ओहिन के कब्जे माहीं रहेन हय। 24 एसे मूसा के बिधान मसीह तक पहुँचामँइ माहीं हमार पंचन के गुरू रहा हय, कि जउने हम पंचे बिसुआस से धरमी ठहरी। 25 पय जब यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस करँइ के खबर प्रगट होइ चुकी हय, त हम पंचे अब उआ गुरू के अधीन नहीं रहि गएन। 26 काहेकि तूँ पंचे सगले जन मसीह यीसु के ऊपर, बिसुआस किहे के कारन परमातिमा के सन्तान भया हय। 27 अउर तोंहरे पंचन म से जेतने जन मसीह यीसु के ऊपर बिसुआस कइके बपतिस्मा लिहिन हीं, ऊँ पंचे सगले जन मसीह के सगले सुभाव काहीं अपनाय लिहिन हीं, जइसन मनई नबा ओन्हा पहिरत हें, 28 अब उनमा से न कोऊ यहूदी रहिगा, अउर न गैरयहूदी, न कोऊ नोकर रहिगा, न अजाद; न कोऊ मंसेरुआ रहिगा, न मेहेरिआ; काहेकि तूँ पंचे सगले जन मसीह यीसु माहीं एक होइ गया हय। 29 अउर अगर तूँ पंचे मसीह के आह्या, त अब्राहम के बंस अउर परमातिमा के वादा के मुताबिक बारिसदार घलाय आह्या।

4 हम तोंहईं पंचन काहीं इआ बताइत हएन, कि जब तक बारिसदार नाबालिक रहत हय, त चाह सगले सम्पत के मालिक उहय होय, तऊ ओमाहीं अउर सेबक माहीं कउनव अन्तर नहीं होय। 2 पय बाप के ठहराबा समय तक उआ रच्छा करँइ बालेन, अउर भन्डार के देख-भाल करँइ बालेन के देख-रेख माहीं रहत हय। 3 उहयमेर हमहूँ पंचे जब तक खुसी के खबर के बारे माहीं अनजान रहेन हय, त संसार के सुरुआत के सिच्छन के काबू माहीं रहिके, उनखर दास बने रहेन हँय। 4 पय जब परमातिमा के द्वारा निस्चित कीन समय पूर होइगा, तब ऊँ अपने लड़िका काहीं पठइन, जउन मेहेरिआ से पइदा भें, अउर मूसा के बिधान के अधीन रहिके ओखर पालन करत रहे हँय। 5 जउने मूसा के बिधान काहीं मानँइ बालेन काहीं ओखे अधीनता से छोड़ाय लेंय, अउर हमहीं पंचन काहीं बारिसदार होंइ के पूर हक्क मिलय। 6 अउर तूँ पंचे परमातिमा के लड़िका बन गया हय, एसे परमातिमा अपने लड़िका के आत्मा काहीं हमरे पंचन के हिरदँय माहीं पठइन हीं, जउन हे अब्बा, हे पिता कहिके परमातिमा काहीं गोहराबत हय। 7 एसे तूँ पंचे अब

नोकर नहीं रहि गया, बलकिन लड़िका बन गया हय। अउर तूँ पंचे जब अब लड़िका आह्या, त परमातिमा तोहईं अपने राज के बारिसदार घलाय बनाइन हीं।

बिसुआसी लोगन के बारे माहीं पवलुस के चिन्ता

8 पहिले तूँ पंचे जब परमातिमा काहीं नहीं जानत रहे आह्या, त देबी
देउतन काहीं परमातिमा मानिके उनखर दास बने रहे हया, जउन वास्तव
माहीं परमातिमा न होंहीं। 9 पय अब त तूँ पंचे परमातिमा काहीं पहिचान
लिहा हय, इआ कि इआमेर कही, कि परमातिमा तोंहईं पंचन काहीं
पहिचानिन हीं, त पुनि तूँ पंचे उन निबल अउर निकम्मी मूसा के बिधान के
सिच्छा के बातन काहीं काहे मनते हया, अउर पुनि उनखर दास काहे होंइ
चहते हया? 10 तूँ पंचे त कउनव खास दिनन, महीनन, रितुअन अउर सालन
काहीं मनते हया। 11 तोंहरे पंचन के बारे माहीं हमहीं डेर लागत ही, कि कहँव
अइसा न होय, कि जउन मेहनत हम तोंहरे खातिर किहेन हय, उआ बेकार
होइ जाय।

12 हे भाई-बहिनिव, हम तोंहसे बिनती करित हएन, कि तूँ पंचे हमरे कि
नाईं होइजा, काहेकि हमहूँ तोंहरे पंचन कि नाईं होइ गएन हय; तूँ पंचे हमार
कुछू बिगाड़े नहिं आह्या। 13 पय तूँ पंचे त इआ जनतेन हया, कि हम देंह से
निबल रहेन हय, तऊ पहिलय पहिल तोंहइन पंचन काहीं खुसी के खबर
सुनायन तय। 14 अउर चाह हम तोंहरे खातिर बोझय रहे होई, तऊ तूँ पंचे
हमरे देंह के निबल दसा के कारन हमार तिरस्कार नहीं किहा, बलकिन तूँ
पंचे हमार अइसन स्वागत किहा, जइसन कि हम परमातिमा के दूत इआ,
कि खुद मसीह यीसु रहे होई। 15 अउर हम एखर गबाह हएन, कि अगर होइ
सकत, त तूँ पंचे आपन आँखी घलाय निकारिके हमहीं दइ देत्या, पय अब
उआ तोंहार पंचन के आनन्द मनाउब कहाँ चला ग? 16 त तूँ पंचे इआ
बताबा, कि तोंहसे सही बोलँय के कारन, का हम तोंहार पंचन के बइरी बन
गएन हय?

17 ऊँ गलत सिच्छा देंइ बाले तोंहईं पंचन काहीं अपने पच्छ माही करँइ के
कोसिस करत हें, पय उनखर उद्देस निकहा नहिं आय। ऊँ पंचे इआ चाहत
हें, कि तूँ पंचे हमसे अलग होइजा, जउने तुहूँ पंचे उनखे पीछे चलँइ बाले
बनि जा। 18 निकहे उद्देस्य से अपने पच्छ माहीं करब उचित हय, अउर इआ
हरेक समय होंइ क चाही, पय इआ नहीं, कि जब तक हम तोंहरे पंचन के
साथ माहीं हएन। 19 हे पियार लड़िकव, जब तक तूँ पंचे पूरी तरह से मसीह
कि नाईं नहीं बन जाते आह्या, तब तक हम तोंहरे पंचन के खातिर उहयमेर
दुखन काहीं सहित हएन, जइसन लड़िका होंइ के समय मेहेरिअन के पीरा
होत ही। 20 अउर हमार त एतनी बड़ी इच्छा ही, कि हम अबहिनय तोंहरे
पंचन के लघे आइके सान्ती से बात करी, काहेकि तोंहरे बारे माहीं हमहीं
खुब चिन्ता होइ रही हय।

सारा अउर हाजिरा के उदाहरन

21 तूँ पंचे जउन मूसा के बिधान के अधीन होंइ चहते हया, त हमसे
बताबा, का तूँ पंचे पबित्र सास्त्र माहीं लिखी बातन काहीं नहीं सुने आह्या?
22 कि अब्राहम के दुइठे लड़िका भें, एकठे उनखे मेहेरिआ से, अउर एकठे
दासी से। 23 पय जउन लड़िका दासी से पइदा भ, उआ साधारन रीत से मनई
के इच्छा से पइदा भ, अउर जउन लड़िका उनखे मेहेरिआ से पइदा भ, उआ
परमातिमा के दीन वादा के मुताबिक पइदा भ। 24 ईं बातन के एकठे अउर
मतलब इआ हय, कि ईं दुइठे मेहेरिआ मानो दुइठे करार के प्रतीक आहीं,
एकठे त सीनै पहार माहीं कीन गे करार आय, जउने से केबल दासय पइदा
होत हें; अउर हाजिरा उआ करार के प्रतीक आय। 25 यहूदी लोगन के व्दारा
मूसा के बिधान काहीं पालन करँइ के कारन, इआ समय के यरूसलेम
गुलामी माहीं हय, अउर हाजिरा अरब के सीनै पहार माहीं कीन गे करार के
प्रतीक आय। 26 पय उआ दूसर मेहेरिआ सारा, जउन हमार पंचन के
महतारी आय, स्वरग माहीं स्थित यरूसलेम सहर के प्रतीक आय, अउर
उआ अजाद हय। 27 काहेकि पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, कि

"हे बाँझ मेहेरिआ तोंहरे कबहूँ लड़िका नहीं भ, त अब उराव मनाबा, तूँ
लड़िका होंय के पीरा के अनुभव कबहूँ नहीं किहा, त खुसी के गाना गाबा,
काहेकि छोंड़ी गे मेहेरिआ के सन्तान, बिआही मेहेरिआ के सन्तान से जादा
होइहँय †।"

28 हे भाई-बहिनिव, तूँ पंचे इसहाक कि नाईं हया, जउन परमातिमा के
दीन वादा के मुताबिक पइदा भ। 29 अउर जइसन उआ समय माहीं होत रहा
हय, कि देंह के इच्छा के मुताबिक पइदा भ लड़िका, पबित्र आत्मा के सक्ती
से पइदा भए लड़िका काहीं सताबत रहा हय, उहयमेर अबहिनव घलाय होत
हय। 30 पय पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, "दासी अउर ओखे लड़िका काहीं
निकारि द्या, काहेकि दासी के लड़िका बिआही मेहेरिआ के लड़िका के साथ
बारिसदार होंइ के हक्क कबहूँ न पाई ††।" 31 एसे हे भाई-बहिनिव, हम पंचे
दासी के सन्तान न होंहेन, बलकिन बिआही मेहेरिआ के सन्तान आहेन।

अजादी काहीं सुरच्छित रक्खा

5 मसीह, हमहीं पंचन काहीं मूसा के बिधान के गुलामी से अजाद
किहिन हीं, एसे एहिन माहीं स्थिर बने रहा, अउर पुनि मूसा के बिधान
के गुलामी माहीं न फँसा।

2 देखा, हम पवलुस तोंहसे से कहित हएन, कि अगर तूँ पंचे खतना
करइहा, त मसीह जउन कुछू तोंहरे खातिर किहिन हीं, ओसे तोंहईं कुछू
फायदा न होई। 3 फेरव आपन खतना करामँइ बाले हरेक जन काहीं हम
जताए देइत हएन, कि ओही मूसा के बिधान के सगली बातन काहीं मानँय
परी। 4 तूँ पंचे जउन मूसा के बिधान के बातन काहीं मानिके धरमी ठहरँय
चहते हया, त तूँ पंचे मसीह से अलग, अउर परमातिमा के किरपासे दूर होइ
गया हय। 5 काहेकि हम पंचे यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस किहे के व्दारा,
परमातिमा के आँगे धरमी ठहरँय के आसा रक्खित हएन, अउर पबित्र
आत्मा के मदत से हम पंचे ओखर राह देखि रहेन हय। 6 काहेकि अगर हम
पंचे यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस करित हएन, त खतना करबाउब इआ
कि खतना न करबाउब, एसे कउनव फायदा नहिं आय, बलकिन केबल यीसु
मसीह के ऊपर बिसुआस रखिके, दुसरे मनइन से प्रेम करब खास बात
आय। 7 तूँ पंचे त निकहा से मसीही जीबन जिअत रहे हया, अब तोंहईं को
बहकाय दिहिस, कि सत्य काहीं न माना। 8 अइसन सलाह तोंहईं बोलामँइ
बाले परमातिमा के तरफ से त नहीं मिली आय। 9 अउर इआ गलत सिच्छा
थोर क खमीर कि नाईं हय, जइसन थोर क खमीर सगले माड़े पिसान काहीं
आमिल कइ देत हय। 10 अउर हम प्रभू के ऊपर तोंहरे पंचन के बारे माहीं
भरोसा रक्खित हएन, कि तोंहार पंचन के उआ गलत सिच्छा काहीं मानँइ के
बिचार न होई; पय जे कोऊ तोंहईं बहकामँइ के कोसिस करत हय, चाह
उआ कोहू होई, परमातिमा से सजा पाई। 11 पय हे भाई-बहिनिव, अगर हम
अबे तक खतना के प्रचार करित हएन, त अबे तक हम काहे सताए जइत
हएन; अउर हम क्रूस माहीं चढ़े मसीह के जउन प्रचार करित हएन, उआ
यहूदी लोगन के खातिर ठोकर के कारन न बनत? 12 जउन तोंहईं पंचन
काहीं बहकाबत हें, उनखे खातिर इहय भला होत, कि ऊँ पंचे आपन अंग
काट डरतें!

13 हे भाई-बहिनिव, परमातिमा तोहईं पंचन काहीं अजाद होंइ के खातिर
बोलाइन हीं, पय अइसा न होंइ चाही, कि तूँ पंचे इआ अजादी काहीं देंह के
इच्छन काहीं पूर करँइ के खातिर साधन बनाबा? बलकिन प्रेम से एक दुसरे
के सेबा करँइ बाले बना। 14 काहेकि सगला बिधान इआ एकयठे हुकुम माहीं
पूर होइ जात हय, कि "तूँ अपने परोसी से अपने कि नाईं प्रेम रक्खा।"
15 पय अगर तूँ पंचे एक दुसरे काहीं जंगली जानबर कि नाईं नुकसान
पहुँचाबत रहते हया, अउर मार डारँइ के कोसिस करत रहते हया, त सचेत
रहा, कि कहँव तुहिन पंचे एक दुसरे काहीं नास न कइ डारा।

† *4:27 यसा 54:1* †† *4:30 उत्प 21:10*

पबित्र आत्मा के मुताबिक चलब

16 एसे हम तोंहसे कहित हएन, कि अगर तूँ पंचे पबित्र आत्मा के मुताबिक
चलिहा, त देंह के बुरी इच्छन काहीं कउनव मेर से पूर न करिहा। 17 काहेकि
देंह के बुरी इच्छा, पबित्र आत्मा के इच्छा के बिरोध माहीं होती हईं, अउर
पबित्र आत्मा के इच्छा देंह के बुरी इच्छन के बिरोध माहीं होत ही, अउर ईं
एक दुसरे के बिरोधी आहीं; एहिन से जउन तूँ पंचे करँय चहते हया, उआ
नहीं कए पउते आह्या। 18 अउर अगर तूँ पंचे पबित्र आत्मा के मुताबिक
जीबन बितउते हया, त मूसा के बिधान के अधीन नहिं आह्या। 19 काहेकि
देंह के काम त देखाई देत हें, जइसन ब्यभिचार करब, बुरे काम करब,
लुच्चई करब, 20 मूरत के पूजा करब, टोना मारब, इरखा करब, झगड़ा
करब, जलन रक्खब, क्रोध करब, स्वार्थी होब, फूट डारब, गुटबन्दी करब,
21 डाह करब, नसा कइके मतबार होब, भोग-बिलास करब, अउर इनखे कि
नाईं अउरव खुब पाप हें, इनखे बारे माहीं हम तोंहईं पहिलेन से बताए देइत
हएन, जइसन तोंहईं पहिलेव बताय चुके हएन, कि इआमेर के काम करँइ
बाले, परमातिमा के राज के बारिसदार न होइहँय। 22 अउर पबित्र आत्मा के
फर इआमेर से हँय जइसन, प्रेम करब, आनन्दित रहब, मिल-जुलिके रहब,
धीरज धरब, 23 अउर किरपा करब, भलाई करब, बिसुआस के काबिल होब,
नम्र होब, अउर संयम रक्खब, ईं बातन के बिरोध माहीं कउनव नेम नहिं
आय। 24 अउर जे कोऊ यीसु मसीह काहीं अपने जीबन माहीं अपनाय
लिहिन हीं, ऊँ पंचे अपने देंह के बुरी इच्छन अउर अभिलासन काहीं क्रूस के
ऊपर चढ़ाय दिहिन हीं।
25 अउर अगर हम पंचे पबित्र आत्मा के व्दारा जिन्दा हएन, त पबित्र
आत्मय के मुताबिक चलबव करी। 26 अउर हम पंचे घमन्डी होइके, न एक
दुसरे काहीं खिसबाई, अउर न एक दुसरे से जलन रक्खी।

एक दुसरे के मदत करा

6 हे भाई-बहिनिव, अगर तोंहरे पंचन म से कोऊ कउनव अपराध माहीं
पकड़ा जाय, त जउन तूँ पंचे आत्मा के मुताबिक चलते हया, नम्रता के
साथ, सही गइल म आमँय माहीं ओखर मदत करा, अउर तुहूँ पंचे सतरक
रहा, जउने कउनव परिच्छा माहीं न परा। 2 अउर तूँ पंचे एक दुसरे के कमी-
घटी काहीं पूर करा, अउर इआमेर से मसीह के बिधान काहीं पूर करा।
3 काहेकि अगर कउनव मनई काबिल नहिं आय, तऊ अपने-आप काहीं
काबिल समझत हय, त उआ अपने-आप काहीं धोखा देत हय। 4 एसे तोंहरे
पंचन म से हरेक जन, अपने-अपने कामन के जाँच-परताल कइ लेय, अउर
जब अपने कामन के जाँच कइ लेई, तब ओही दुसरेन के बारे माहीं नहीं,
बलकिन अपनेन निकहे कामन के बारे माहीं घमन्ड करँइ के मोका मिली।
5 काहेकि हरेक जन काहीं आपन-आपन जिम्मेबारी खुदय उठामँइ परी।
6 जेही परमातिमा के बचन सुनाबा ग हय, ओही चाही कि ओखे लघे
जउन निकही चीजँय होंय, उनमा से अपने बचन सुनामँइ बाले काहीं कुछ
दइके मदत करँय। 7 तूँ पंचे धोखा न खा, परमातिमा के मजाक नहीं उड़ाबा
जाय, काहेकि मनई जउन बोबत हय, उहय काटत हय। 8 काहेकि जे कोऊ
अपने बुरे बिचार के बीज बोबत हय, त उआ अपने बुरे बिचार के व्दारा
बिनास रूपी फसल काटी, अउर जे कोऊ आत्मा के खातिर बीज बोबत हय,
उआ आत्मा के व्दारा अनन्त जीबन रूपी फसल काटी। 9 एसे हम पंचे
निकहे कामन काहीं करँइ माही साहस न छोंड़ी, काहेकि अगर हम पंचे
भलाई के काम करतय रहब, त सही समय आमँय पर हमहीं पंचन काहीं
ओखर प्रतिफल जरूर मिली। 10 एसे जहाँ तक होइ सकय, हमहीं पंचन
काहीं सगले मनइन के साथ भलाई करँइ चाही; खास करके बिसुआसी
भाई-बहिनिन के साथ।

पवलुस के अन्तिम चेतउनी अउर अभिबादन

11 तूँ पंचे ध्यान से देखा, कि कइसन बड़े-बड़े अच्छरन माहीं, ईं बातन
काहीं हम अपने हाँथ से तोंहरे पंचन के खातिर लिखेन हय। 12 एसे जेतने
मनई सारीरिक रूप से देखाबा करँय चाहत हें, ऊँ पंचे तोंहरे ऊपर खतना
करामँइ के दबाव डारत हें, कि जउने मसीह के क्रूस माहीं बलिदान के द्वारा
मुक्ती मिली, इआ बिसुआस किहे के कारन ऊँ पंचे सताए न जाँय।
13 काहेकि खतना करामँइ बाले खुदय मूसा के बिधान के मुताबिक नहीं
चलँय, पय तोंहार पंचन के खतना एसे करामँइ चाहत हें, कि जउने तोंहरे
पंचन के सारीरिक दसा काहीं देखिके घमन्ड करँय। 14 पय हम पंचे केबल
प्रभू यीसु मसीह के क्रूस के बलिदान माहीं घमन्ड करी, कउनव दुसरे बात
माहीं नहीं, जउने के व्दारा हम संसार के खातिर मर गएन हय, अउर संसार
हमरे खातिर। 15 एसे कोहू के खतना भ होय, चाह न भ होय एखर कउनव
महत्व नहिं आय, महत्व केबल इआ बात के हय, कि हम पंचे पूरी तरह से
नई स्रस्टी बन जई। 16 अउर जेतने मनई इआ नेम के मुताबिक चलिहँय
उनखे ऊपर, अउर परमातिमा के इजराइल के ऊपर सान्ति अउर दया होत
रहय।
17 चिट्ठी के आखिर माहीं, हम तोंहसे बिनती करित हएन, कि अब कउनव
मनई ईं बातन के बारे माहीं हमहीं अउर दुख न देय, काहेकि हम यीसु मसीह
के दास आहेन, एसे उनखे घावन काहीं अपने देंह माहीं लए चलि रहेन हँय।
18 हे भाई-बहिनिव, हम प्राथना करित हएन, कि हमरे पंचन के प्रभू यीसु
मसीह के दया तोंहरे पंचन के आत्मा के साथ बनी रहय। आमीन!

इफीसियन

इआ चिट्ठी के परिचय

इफिसुस सहर के मसीही मन्डली के बिसुआसी भाई-बहिनिन के नाम लिखी, यीसु मसीह के खास चेला पवलुस के चिट्ठी माहीं सबसे पहिले परमातिमा के योजना के बारे माहीं बताबा ग हय, कि “जउन कुछू स्वरग माहीं हय, अउर जउन कुछू धरती माहीं हय, उनहीं सगलेन काहीं एकट्ठा करँय, अउर मसीह उनखे ऊपर राज करँय।” (इफी 1:10) अउर इआ चिट्ठी माहीं परमातिमा के चुने पबित्र मनइन से इआ अनुरोध घलाय कीन ग हय, कि यीसु मसीह माहीं एक मन होइके, सगले मनइन के एकता के खातिर, ऊँ पंचे इआ महान योजना के मुताबिक जीबन बितामँइ।
इआ चिट्ठी के पहिल भाग माहीं पवलुस एकता के बारे माहीं बताबत हें, अउर उआ गइल के बारे माहीं बताबत, जउने के द्वारा पिता परमातिमा अपने लोगन काहीं चुनिन हीं, कि कइसन उनखे लड़िका यीसु मसीह के द्वारा ऊँ पंचे अपने पापन से माफी पाइन हीं, अउर कइसन पबित्र आत्मा के द्वारा परमातिमा के महान वादा पूर होई। इआ चिट्ठी के दुसरे भाग माहीं, पवलुस पढ़ँइ बालेन से अइसन जीबन जिअँइ के अनुरोध करत हें, कि मसीह माहीं उनखर एकता उनखे सामूहिक जीबन के सच्चाई बन जाय।
मसीह के ऊपर बिसुआस करँइ बाले परमातिमा के मनइन के एकता काहीं देखामँइ के खातिर, इआ चिट्ठी माहीं पवलुस कइयकठे उदाहरन के उपयोग करत हें: जइसन- मसीही मन्डली एकठे देंह कि नाईं हय, जेखर सिर मसीह आहीं, अउर इआ एकठे घर कि नाईं हय, जेखे कोनमा के पथरा मसीह आहीं, अउर इआ एकठे दुलहिन कि नाईं हय, जेखर दुलहा मसीह आहीं। मसीह के ऊपर बिसुआस करे से परमातिमा के बड़ी दया मिलत ही, अउर पवलुस के इआ बात से प्रभाबित होंइ के कारन, इआ चिट्ठी बखान के महान उँचाइन काहीं छुइ लेत ही। हरेक बात काहीं एमाहीं मसीह के प्रेम, बलिदान, माफी, बड़ी दया अउर सिद्धता के रूप माहीं देखा ग हय।

रूप-रेखा :
भूमिका
मसीह अउर मसीही मन्डली
मसीह माहीं नबा जीबन
उपसंहार

पवलुस के अभिबादन

1 हम पवलुस जउन परमातिमा के मरजी के मुताबिक यीसु मसीह के
खास चेला आहेन, हम इआ चिट्ठी काहीं इफिसुस सहर माहीं रहँइ
बाले, ऊँ पबित्र मनइन काहीं लिखित हएन, जउन मसीह यीसु के ऊपर
बिसुआस करत हें। 2 हमरे पंचन के पिता परमातिमा अउर प्रभू यीसु मसीह
के तरफ से, तोंहईं पंचन काहीं किरपा अउर सान्ति मिलत रहय।

मसीह के द्वारा आत्मिक असीसँय

3 हमरे पंचन के प्रभू यीसु मसीह के पिता परमातिमा के धन्यबाद होय, कि
ऊँ हमहीं पंचन काहीं मसीह के ऊपर बिसुआस करँइ के कारन, स्वरग के
हरेकमेर के आत्मिक आसिरबाद दिहिन हीं। 4 संसार काहीं बनामँइ के
पहिलेन से परमातिमा, यीसु मसीह के द्वारा हमहीं पंचन काहीं चुनि लिहिन
तय, कि जउने हम पंचे उनखे नजर माहीं, उनखे प्रेम के कारन पबित्र अउर
निरदोस ठहरी। 5 अउर परमातिमा अपने मरजी अउर निकहे बिचार के
मुताबिक हमहीं पंचन काहीं पहिलेन से ठहराइन रहा हय, कि यीसु मसीह के
ऊपर बिसुआस करँइ के द्वारा हम पंचे उनखर गोद लीन सन्तान कहाई।
6 उनखे उआ किरपा के महिमा के बड़ाई होय, जउने काहीं ऊँ हमहीं पंचन
काहीं, जेतने उनखे पियार लड़िका यीसु मसीह माहीं बिसुआस करित हएन,
सेंत-मेंत माहीं दिहिन हीं। 7 अउर हमहीं पंचन काहीं जेतने यीसु मसीह माहीं
बिसुआस करित हएन, यीसु मसीह के खून के द्वारा अपने पापन से मुक्ती
अरथात माफी मिली हय, काहेकि परमातिमा हमरे पंचन के ऊपर बड़ी दया
किहिन। 8 जउने काहीं परमातिमा अपने पूरे ग्यान अउर समझ सहित हमहीं
पंचन काहीं बहुतायत से दिहिन हीं। 9 अउर परमातिमा अपने इच्छा के भेद
काहीं अपने निकहे बिचार के मुताबिक हमहीं पंचन काहीं बताइन हीं, जउने
काहीं ऊँ मसीह के द्वारा हमहीं पंचन काहीं देखामँइ चाहत रहे हँय। 10 अउर
परमातिमा अइसन योजना बनाइन, कि अपने निस्चित समय माहीं जउन
कुछू स्वरग माहीं हय, अउर जउन कुछू धरती माहीं हय, उनहीं सगलेन काहीं
एकट्ठा करँय अउर मसीह उनखे ऊपर राज करँय।
11 परमातिमा बहुत साल पहिले, अपने योजना के मुताबिक, मसीह के
ऊपर बिसुआस कइके उनखर बारिसदार बनँइ के खातिर हमहीं पंचन काहीं
चुनिन हीं। काहेकि परमातिमा अपने उद्देस्य अउर मरजी के मुताबिक सब
कुछ करत हें। 12 कि हम पंचे जेतने यहूदी लोग पहिलेन से मसीह के ऊपर
आसा रक्खे रहेन हय, हम पंचे उनखे दया के कारन उनखर धन्यबाद करी।
13 जब तूँ पंचे उआ सत्य के बचन काहीं सुने रह्या हय, जउन तोंहईं पंचन
काहीं मुक्ती देंइ के खुसी के खबर रहा हय, अउर जउने मसीह के ऊपर तूँ
पंचे बिसुआस किहा तय, त जउने पबित्र आत्मा काहीं देंइ के वादा
परमातिमा किहिन तय, उँइन मसीह के द्वारा पबित्र आत्मा के अदभुत
चिन्हारी तोंहरे पंचन के ऊपर घलाय लगाई गे ही। 14 उआ पबित्र आत्मा
हमरे पंचन के बारिसदार होंय के बयाना के रूप माहीं, उआ समय तक के
खातिर हमहीं पंचन काहीं दीनगा हय, जब तक कि ऊँ हमहीं पंचन काहीं,
जउन उनखर मोल लीन आहेन, पूरी तरह से छुटकारा नहीं दइ देंय, इआ
कारन सगले मनई उनखे महानता के स्तुति करिहँय।

पवलुस के प्राथना

15 एसे जब से हम सुनेन हय, कि तूँ पंचे प्रभू यीसु के ऊपर बिसुआस
करते हया, अउर सगले पबित्र मनइन से प्रेम करते हया। 16 तब से हम तोंहरे
पंचन के खातिर परमातिमा काहीं हमेसा धन्यबाद देइत हएन, अउर अपने
प्राथनन माहीं हमेसा तोंहईं सुध करित हएन। 17 हम प्राथना करा करित
हएन, कि हमार पंचन के प्रभू यीसु मसीह के परमातिमा, तोंहईं समझँय के
अउर दिब्य दरसन के अइसन आत्मा के सक्ती देंय, कि जउने तूँ पंचे ऊँ
महिमावान परमपिता काहीं पहिचान सका। 18 अउर हमार बिनती इहव हय,
कि तोंहरे पंचन के मन के आँखी खुल जाँय, अउर तूँ पंचे उआ प्रकास के
दरसन कइ सका, जउने तोंहईं पंचन काहीं इआ मालुम होइ जाय, कि उआ
आसा का आय, जउने के खातिर ऊँ तोंहईं पंचन काहीं बोलाइन हीं। अउर
अपने चुने सगले मनइन काहीं जउन बारिसदार होंय के हक्क ऊँ देइहँय,
उआ केतना अदभुत अउर महान हय। 19 हम बिसुआसी लोगन के खातिर
उनखर सक्ती एतनी महान ही, जउने के तुलना नहीं कीन जाय सकय,
परमातिमा अपने महान सक्ती के प्रभाव के मुताबिक, हमरे पंचन के खातिर
काम करत हें। 20 जउन ऊँ मसीह के बारे माहीं किहिन हीं, कि उनहीं मरेन म
से जिआइके स्वरग के जघन माहीं अपने दहिने कइती बइठाय लिहिन हीं,
21 अउर सगलेन के ऊपर प्रधान, अउर अधिकारी, अउर सामर्थ दइके प्रभुता
करँइ के अधिकार दिहिन हीं, अउर हरेक नाम के ऊपर अइसन नाम दिहिन
हीं, जउन न केबल इआ लोक माहीं, बलकिन आमँइ बाले लोक माहीं घलाय
लीन जई। 22 अउर परमातिमा सब कुछ यीसु मसीह के गोड़े के नीचे कइ
दिहिन हीं, अरथात सब कुछ उनखे बस माहीं कइ दिहिन हीं, अउर उँइन
मसीह काहीं मसीही मन्डली के सिरोमनि बनाइन हीं। 23 अउर मसीही
मन्डली, मसीह के देंह आय, अउर उनहिन के भरपूरी आय, अउर उँइन सब
माहीं सब कुछ पूर करत हें।

यीसु मसीह के द्वारा अनन्त जीबन

2 एक समय रहा हय, जब तूँ पंचे यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस नहीं
करत रहे आह्या, तब तूँ पंचे खुब पाप करत रहे हया, अउर मरे मनई
कि नाईं रहे हया, पय अब परमातिमा तोंहईं पंचन काहीं जिआइन हीं।
2 अउर तूँ पंचे उन दिनन माहीं, इआ संसार के गलत रास्तन माहीं चलत,
अउर उआ आत्मा के मुताबिक जीबन बिताबत रहे हया, जउन इआ धरती
के ऊपर के बुरी आत्मिक सक्तिन के स्वामी हय, उहय आत्मा अबहिनव उन
मनइन के ऊपर काम करत हय, जउन परमातिमा के हुकुम काहीं नहीं
मानँय। 3 इहइमेर पहिले हमहूँ पंचे सगले जन अपने देंह के बुरी इच्छन के
मुताबिक दिन बिताबत रहेन हय, अउर अपने देंह अउर मन के बुरी इच्छन
काहीं पूर करत रहे हएन, अउर अपने सुभाबय के कारन दुसरे मनइन कि
नाईं परमातिमा से दन्ड पामँइ के काबिल रहे हएन। 4 पय परमातिमा जउन
खुब दयालू हें; ऊँ अपने बड़े प्रेम के कारन, हमसे पंचन से प्रेम किहिन हीं।
5 अउर जब हम पंचे अपने अपराधन के कारन मरे रहेन हँय, तब परमातिमा
जइसन यीसु मसीह काहीं मरेन म से जिआइन, उहयमेर हमहूँ पंचन काहीं
जिआइन हीं; (परमातिमा के किरपय से हमहीं पंचन काहीं मुक्ती मिली हय)
6 काहेकि हम पंचे यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस किहेन हँय, एसे
परमातिमा हमहीं पंचन काहीं मसीह के साथ पुनि जिआइन हीं, अरथात
परमातिमा हमहीं पंचन काहीं नबा जीबन दिहिन हीं, अउर यीसु मसीह के
साथ स्वरग के जघन माहीं बइठाइके, राज करँइ के अधिकार दिहिन हीं।
7 जउने आमँइ बाले समयन माहीं परमातिमा अपने दया के असीमित धन
देखामँइ, जउन यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस करँइ के द्वारा हमहीं पंचन
काहीं मिला हय। 8 काहेकि परमातिमा के बड़ी किरपा से हम पंचे यीसु
मसीह के ऊपर जउन बिसुआस किहे हएन, ओखे द्वारा हमहीं पंचन काहीं
मुक्ती मिली हय, अउर इआ हमहीं पंचन काहीं हमरे कइती से नहीं मिली,
बलकिन इआ परमातिमा के दान आय। 9 अउर इआ मुक्ती हमरे भले कामन
के द्वारा नहीं मिली आय, कहँव अइसा न होय कि कोऊ घमन्ड करय।
10 काहेकि हम पंचे परमातिमा के बनए आहेन; अउर ऊँ यीसु मसीह के द्वारा
हमहीं पंचन काहीं एसे बनाइन हीं, कि हम पंचे निकहे कामन काहीं करी,
जिनहीं परमातिमा पहिलेन से तइआर किहिन हीं, कि जउने हम पंचे उँइन
कामन काहीं करत आपन जीबन बिताई।

यीसु मसीह सब काहीं एक किहिन हीं

11 इआ कारन से सुध करा, कि तूँ पंचे जनम से यहूदी जाति के न होह्या,
(अउर जउन मनई देंह माहीं अपने हाँथ के कीन खतना से खतना बाले
कहाबत हें, ऊँ पंचे तोंहईं पंचन काहीं बिना खतना बाले कहत हें।) 12 अउर
तूँ पंचे उआ समय मसीह से अलग रहे हया, अउर इजराइल देस के प्रजा के
पद से अलग रहे हया, अउर परमातिमा अपने भक्तन काहीं जउन बचन
दिहिन रहा हय, उनखे ऊपर आधारित करार के भागीदार नहीं रहे आह्या,
अउर इआ संसार माहीं बिना परमातिमा के रहे हया। 13 पय अब यीसु मसीह
के ऊपर बिसुआस किहे के कारन, तूँ पंचे जउन पहिले परमातिमा से दूरी रहे
हया, मसीह के खून के द्वारा उनखे लघे आय गए हया। 14 उँइन यहूदी लोगन
अउर गैरयहूदी लोगन के बीच माहीं मेल-मिलाप कराय दिहिन हीं, काहेकि
यहूदी लोग अउर गैरयहूदी आपस माहीं एक दुसरे से नफरत करत रहे हँय,
अउर अलग होइगे रहे हँय। ठीक अइसन जइसन उनखे बीच माहीं कउनव
दिबाल ठाढ़ होइगे होय, पय मसीह खुद अपने देंह के बलिदान दइके,
नफरत के उआ दिबाल काहीं गिराय दिहिन। 15 अउर खुद काहीं क्रूस माहीं
बलिदान करँइ के द्वारा जउन पहिले मुक्ती पामँइ के खातिर, यहूदी नेमन
अउर मूसा के बिधान के पालन करँइ परत रहा हय, उन सगले नेमन अउर
मूसा के बिधान के बिधिअन काहीं मिटाय दिहिन, कि ऊँ दोनव काहीं एक
कइके उनमा नबा मनई के सुभाव पइदा कइके मेल कराय देंय। 16 अउर
क्रूस माहीं बलिदान के द्वारा उनखे बीच माहीं जउन दुसमनी रही हय, ओही
नास कइ दिहिन हीं, जउने दोनव काहीं एकय देंह बनाइके परमातिमा से
मिलामँय। 17 अउर ऊँ आइके तोंहईं पंचन काहीं जउन परमातिमा से दूरी रहे
हया, अउर जे कोऊ उनखर करीबी रहे हँय, दोनव काहीं मेल-मिलाप करँइ
के खातिर खुसी के खबर सुनाइन। 18 काहेकि उनहिन के द्वारा एकय आत्मा
से, परमपिता के लघे तक हमार दोनव के पहुँच भे ही। 19 एसे तूँ पंचे अब
बिदेसी मुसाफिर नहीं रहि गया, बलकिन पबित्र लोगन के साथी अउर उनखे
देस माहीं रहँइ बाले परमातिमा के घराना के होइ गया हय। 20 अउर तूँ पंचे
एकठे अइसा घर बन गया हय, जउन यीसु के खास चेलन अउर नबिअन के
नेव के ऊपर खड़ा हय, अउर खुद यीसु मसीह जेखे कोनमा के पथरा हें।
21 यीसु मसीह के ऊपर किहे बिसुआस के द्वारा, तूँ पंचे एकठे रचना के रूप
माहीं एकय साथ मिलिके, प्रभू के खातिर एकठे पबित्र मन्दिर बनत जाते
हया। 22 जउने माहीं पबित्र आत्मा के द्वारा, परमातिमा के निबास करँइ के
खातिर एक साथ बनाए जाय रहे हया।

गैरयहूदी लोगन के बीच माहीं पवलुस के सेबा

3 तूँ पंचे जउन गैरयहूदी आह्या, तोंहरे बीच माहीं हम मसीह यीसु के
सेबा करित हएन, एसे हमहीं जेल माहीं डार दीन ग हय। 2 परमातिमा
हमरे ऊपर बड़ी दया कइके हमहीं नियुक्त किहिन हीं, कि तूँ पंचे जउन
गैरयहूदी आह्या, हम आइके परमातिमा के खुसी के खबर सुनाई। एखे बारे
माहीं तूँ पंचे जरूर सुने होइहा। 3 अरथात इआ भेद हमहीं दरसन के द्वारा
मिला हय, जइसन कि एखे बारे माहीं हम पहिलेन संछेप माहीं लिख चुके
हएन। 4 अगर तूँ पंचे एही पढ़िहा, त इआ जान सकते हया, कि मसीह के
बारे माहीं जउन सँदेस पहिले कोऊ नहीं जानत रहा आय, ओखे बारे माहीं
हम समझ गएन हय। 5 इआ भेद पुरान पीढ़ी के मनइन काहीं इआमेर नहीं
बताबा ग रहा आय, जइसन कि अब परमातिमा अपने पबित्र खास चेलन
अउर नबिअन काहीं पबित्र आत्मा के द्वारा बताइन हीं। 6 उआ भेद इआ
आय, कि खुसी के खबर के द्वारा गैरयहूदी यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस

किहिन हीं, इआ कारन से यहूदी लोगन के साथ एकय देंह कि नाईं एक होइगे हँय, अउर बारिसदार बनँइ माहीं साझीदार होइगे हँय, अउर परमातिमा के वादा के भागीदार घलाय होइगे हँय।

7 अउर परमातिमा बड़ी दया कइके जउन बरदान हमहीं दिहिन हीं, ओहिन के सामर्थ के प्रभाव के मुताबिक, हम खुसी के खबर काहीं सुनामँइ के सेबक बने हएन। 8 अउर हम जउन सगले पबित्र मनइन म से सगलेन से छोट आहेन, तऊ हमरे ऊपर बड़ी दया भे ही, कि गैरयहूदी लोगन काहीं मसीह के अपार दया के खुसी के खबर सुनाई, जउने ऊँ पंचे घलाय खुब आत्मिक आसीस पामँय। 9 अउर सगले मनइन काहीं इआ बात बताई, कि उआ भेद के योजना का ही, जउने काहीं सगले संसार काहीं बनामँइ बाले परमातिमा, खुब बरिस पहिले से छिपाइके रक्खिन रहा हय। 10 अउर परमातिमा के उद्देस्य अब इआ हय, कि मसीही मन्डली के द्वारा परमातिमा के अनेकव प्रकार के ग्यान, स्वरग के जघन माहीं रहँइ बाले प्रधानन अउर अधिकारिन काहीं बताबा जाय। 11 परमातिमा अनन्तकाल से जउन इच्छा अपने मन माहीं कए रहे हँय, ओही ऊँ हमरे पंचन के प्रभू यीसु मसीह के द्वारा पूर किहिन हीं। 12 हम पंचे यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस करित हएन, इआ कारन से हमहीं पंचन काहीं, पूरे बिसुआस के साथ निधड़क होइके परमातिमा के लघे आमँइ के अधिकार हय। 13 एसे हम तोंहसे इआ बिनती करित हएन, कि जउन दुख-मुसीबत तोंहरे खातिर हम उठाय रहेन हय, उनखे कारन हिम्मत न हारा, काहेकि उनहिन माहीं तोंहार पंचन के भलाई हय।

इफिसुस के बिसुआसी लोगन के खातिर पवलुस के प्राथना

14 इहय कारन से हम परमपिता के आँगे गोड़न गिरित हएन, 15 काहेकि उनहिन के द्वारा स्वरग अउर धरती के ऊपर, हरेक घरानन के मनइन के नाम धराबा जात हय। 16 हम प्राथना करित हएन, कि परमातिमा अपने महिमा के धन के मुताबिक, तोंहईं पंचन काहीं इआ बरदान देंय, कि तूँ पंचे उनखे पबित्र आत्मा से सामर्थ पाइके, अपने अन्दर के सुभाव माहीं मजबूत होत जा। 17 अउर बिसुआस के द्वारा मसीह तोंहरे हिरदँय माहीं निबास करँय, जउने तूँ पंचे मसीह के प्रेम माहीं नेव के समान सुरुआत कइके, जड़ कि नाईं प्रेम माहीं मजबूत होइजा। 18 जउने तूँ पंचे सगले पबित्र मनइन के साथ निकहा से इआ समझँइ के सक्ती पाबा; कि मसीह के प्रेम के लम्बाई, चउँड़ाई, उँचाई, अउर गहराई केतनी हय। 19 अउर मसीह के उआ प्रेम काहीं जान सका, जउन मनइन के हरेकमेर के ग्यान से नहीं जाना जाय सकय, जउने तूँ पंचे परमातिमा के सगली भरपूरी से भरपूर होइजा।

20 अब परमातिमा जउन सर्बसक्तिमान हें, उनसे जेतना हम पंचे माँग सकित हएन, इआ कि जहाँ तक सोच सकित हएन, ओहू से जादा ऊँ काम कइ सकत हें, अउर उहय सामर्थ से हमरे जीबन माहीं काम करत हें। 21 परमातिमा के बड़ाई मसीही मन्डली माहीं, अउर मसीह यीसु माहीं, अनन्त पीढ़िन तक जुग-जुग होत रहय। आमीन।

मसीह के देंह माहीं एकता

4 हम पवलुस प्रभू के सेबक होंइ के कारन जउन बन्दी बने हएन, तोंहसे बिनती करित हएन, कि जउने उद्देस्य से परमातिमा तोंहईं बोलाइन हीं, ओहिन के काबिल तोंहार चाल-चलन होय। 2 अरथात हमेसा दीनता अउर नम्रता के साथ जीबन जिआ, अउर प्रेम के साथ धीरज धइके एक दुसरे के गलतिन काहीं सहि ल्या। 3 पबित्र आत्मा के सहायता से एक दुसरे से मेल-मिलाप कइके एकता बनाए रहँय के कोसिस करत रहा। 4 काहेकि मसीह के एकयठे देंह ही, अउर एकयठे पबित्र आत्मा हय; उहयमेर तुहूँ पंचे जेतने जने बोलाए गया तय, सगलेन के खातिर एकयठे आसा ही। 5 अउर सगलेन के एकयठे प्रभू हें, अउर एकयठे बिसुआस हय, अउर एकयठे बपतिस्मा हय। 6 अउर सगले मनइन के एकयठे परमातिमा हें, जउन सबके पिता आहीं, जउन सगलेन के ऊपर हें, अउर सगले मनइन के बीच माहीं रहत हें, अउर सगले मनइन के भीतर निबास करत हें। 7 पय हमरे पंचन म से हरेक जन काहीं, मसीह अपने मरजी से उदारता के साथ आत्मिक बरदान दिहिन हीं। 8 एसे पबित्र सास्त्र माहीं इआ लिखा हय कि,

"मसीह † ऊँचे माहीं चढ़ें, अउर बंदियन काहीं बाँधि लइगें, अउर मनइन काहीं दान दिहिन।"

9 (ऊँ "ऊपर चढ़ें" अरथात स्वरग माहीं, एखर मतलब इआ हय, कि मसीह धरती के नीचे के जघन माहीं घलाय उतरे रहे हँय। 10 अउर जउन मसीह स्वरग से उतरिके धरती माहीं आएँ, उँइन मसीह ऊपर स्वरग माहीं चढ़िगें, कि जउने ऊँ अपने सक्ती काहीं सगले संसार माहीं देखामँइ।) 11 अउर उँइन मसीह, कुछ जनेन काहीं आपन खास चेला होंइ के बरदान दइके, अउर कुछ जनेन काहीं परमातिमा के सँदेस बतामँइ के बरदान दइके, अउर कुछ जनेन काहीं खुसी के खबर सुनामँइ के बरदान दइके, अउर कुछ जनेन काहीं रखबारी करँइ के बरदान दइके, अउर कुछ जनेन काहीं उपदेस देंइ के बरदान दइके, मसीही मन्डली माहीं दइ दिहिन। 12 जउने सगले पबित्र मनई ग्यान माहीं सिद्ध होइ जाँय, अउर सेबा के काम निकहा से करँय, जउने मसीह के देंह अरथात मसीही मन्डली के उन्नति होय। 13 अउर जब तक कि हम पंचे सगले जने बिसुआस माहीं, अउर परमातिमा के लड़िका के ग्यान माहीं एक न होइ जई, अउर मसीह के सगले गुनन काहीं अपने जीबन माहीं अपनाय के सिद्ध मनई न बन जई। 14 जउने हम पंचे चुने बुदे लड़िका कि नाईं न रही, जउन ठग बिद्या अउर चतुराई के बातन माहीं, अउर दुसरेन के भ्रम माहीं डारँइ बाली बातन माहीं, अउर गलत उपदेसन माहीं परि जात हें, अउर जउनी कइती नहीं जाँय चाहँय ओहिन कइती भटक जात हें। 15 बलकिन हम पंचे प्रेम के साथ सच्चाई माहीं चलत, सगली बातन माहीं मसीह कि नाईं बनँइ के खातिर बढ़त जई, जउन सगली बातन माहीं सिर अरथात मुखिया आहीं। 16 जउने माहीं सगली देंह निरभर रहत ही, इआ देंह सिर से जुड़ी हरेक नसन से एकट्ठा होत ही, अउर जब एखर हरेक अंग जउन ओही काम करँइ चाही, उआ पूर करत हय, त प्रेम के साथ सगले देंह के उन्नति होत ही, अउर सगली देंह मजबूत होत ही।

मसीह माहीं नबा जीबन

17 एसे हम प्रभू के तरफ से अधिकार पाइके तोंहईं पंचन काहीं जताए देइत हएन, कि जइसन संसारिक मनई जउन मुक्ती नहीं पाए आहीं, ऊँ पंचे अपने मन के बुरी इच्छन के मुताबिक आपन जीबन बिताबत हें, पय तूँ पंचे अब से पुनि कबहूँ उनखे कि नाईं चाल-चलन न अपनाया। 18 काहेकि उनखर बुद्धी अँधिआर से भरी हय, अउर अपने अग्यानता के कारन, अउर अपने मन के कठोरता के कारन, परमातिमा से मिलँय बाले अनन्त जीबन से ऊँ पंचे दूर हें। 19 अउर ऊँ पंचे नीक-नागा पहिचानँय के सक्ती काहीं गमाइके, लुचपन के कामन माहीं लगिगे हँय, कि हरेकमेर के बुरे काम अपने बुरी इच्छा से करा करँय। 20 पय तूँ पंचे मसीह के बारे माहीं जउन जाने हया, ओमाहीं अइसन सिच्छा नहीं दीनगे आय। 21 बलकिन तूँ पंचे सचमुच माहीं उनहिन के सुने हया, अउर जइसन यीसु माहीं सत्य हय, ओहिन के मुताबिक सिखाए घलाय गए हया। 22 कि तूँ पंचे पिछले चाल-चलन के पुरान सुभाव काहीं छोंड़ि द्या, नहीं त उआ भरमामँइ बाली बुरी इच्छन माहीं फँसाइके जीबन काहीं भ्रस्ट कइ देत हय। 23 अउर तूँ पंचे अपने मन के आत्मिक सुभाव माहीं नबा बनत जा। 24 अउर तूँ पंचे उआ नबा सुभाव काहीं अपनाय ल्या, जउन परमातिमा कि नाईं सच्ची धारमिकता, अउर पबित्रता माहीं रचा ग हय।

25 एसे तूँ पंचे सगले जन लबरी बोलब छोंड़ि द्या, अउर एक दुसरे से सही-सही बोला, काहेकि हम पंचे एकय देंह के अंग आहेन। 26 एसे तूँ पंचे क्रोध माहीं आइके पाप न कर बइठा, अउर सुरिज बूड़ँइ से पहिले अपने क्रोध काहीं सान्त कइल्या। 27 अउर सइतान काहीं मोका न द्या। 28 अउर जे कोऊ चोरी करत आय रहा हय, उआ पुनि चोरी न करय; बलकिन अपने हाँथन से

† *4:8 भज 68:18*

मेहनत मजूरी कइके, निकहे-निकहे काम करय; एसे कि तोंहरे पंचन म से जेही कुछू जरूरत होय, त ओही देंइ के खातिर ओखे लघे कुछू रहय। 29 कउनव बुरी बात तोंहरे मुँहे से न निकरय, बलकिन जरूरत के मुताबिक उहय बात निकरय, जउन दुसरे के उन्नति के खातिर लाभदायक होय, जउने उआ बात काहीं सुनँय बालेन के भला होय। 30 अउर परमातिमा के पबित्र आत्मा काहीं दुखी न करा, काहेकि परमातिमा पबित्र आत्मा काहीं, तोंहरे पंचन के ऊपर छुटकारा देंइ बाले दिन के खातिर चिन्हारी के रूप माहीं दिहिन हीं। 31 एसे तूँ पंचे हरेकमेर के करुअई, अउर प्रकोप, अउर क्रोध, अउर लड़ाई-झगड़ा, अउर दुसरे के बुराई करब, अउर हरेकमेर के बैर-भाव समेत सगली बातन काहीं अपने जीबन से दूर कइ द्या। 32 अउर एखे बदले माहीं एक दुसरे के ऊपर करुना अउर दया करा, अउर जइसन परमातिमा मसीह के व्दारा तोंहरे अपराधन काहीं माफ किहिन हीं, उहयमेर तुहूँ पंचे आपस माहीं एक दुसरे के अपराधन काहीं माफ करा।

हमहीं पंचन काहीं पबित्र जीबन जिअँइ चाही

5 तूँ पंचे परमातिमा के पियार लड़िका आह्या, एसे उनहिन कि नाईं पबित्र जीबन बिताबा। 2 अउर जइसन मसीह घलाय हमसे पंचन से प्रेम किहिन हीं, उहयमेर तुहूँ पंचे एक दुसरे से प्रेम करा। अउर प्रेमय के कारन हमहीं पंचन काहीं मुक्ती देंइ के खातिर, ऊँ परमातिमा काहीं प्रसन्न करँइ बाले सुगन्धित बलिदान के रूप माहीं, उनखे आँगे खुद काहीं बलिदान कइ दिहिन। 3 अउर जइसन परमातिमा के पबित्र मनइन काहीं उचित हय, उनहिन कि नाईं तोंहरे बीच माहीं ब्यभिचार के बारे माहीं, अउर कउनव मेर के असुद्ध कामन के बारे माहीं, इआ कि लालच के बारे माहीं चरचव तक न होंइ चाही। 4 अउर निरलज्जता के बातँय, मूरखँइ बाली बातँय, अउर हँसी मजाक के बातँय, तोंहरे बीच माहीं कबहूँ न होंइ चाही, काहेकि पबित्र मनइन काहीं इआ सोभा नहीं देय, बलकिन तोंहरे बीच माहीं हमेसा परमातिमा काहीं धन्यबाद देंइ बाली बातँय सुनाई देंइ चाही। 5 काहेकि तूँ पंचे खुदय इआ जनते हया, कि ब्यभिचार करँइ बाला, इआ कि असुद्ध मनई, इआ कि लालच करँइ बाला मनई, (काहेकि लालच करब मूरत के पूजा करँइ के बराबर हय) इआ मेर के मनई मसीह अउर परमातिमा के राज के कबहूँ बारिसदार न बनिहँय। 6 सचेत रहा, कि तोंहईं पंचन काहीं कउनव मनई बेफालतू के बातन से धोखा न देंइ पाबय; काहेकि ईंन बेफालतू के बातन के कारन परमातिमा के दन्ड उनहीं मिलत हय, जे उनखे हुकुम काहीं नहीं मानँय। 7 एसे तूँ पंचे उनखे साथ सामिल न होया। 8 काहेकि तूँ पंचे पहिले अँधिआर से भरे रहे हया, पय अब प्रभू के ऊपर बिसुआस कइके उँजिआर से भर गया हय, एसे तूँ पंचे अब उँजिआर अरथात जोति के सन्तान कि नाईं जीबन जिआ। 9 (काहेकि जोति के फल हरेकमेर के भलाई, अउर धारमिकता अउर सत्य हय।) 10 अउर तूँ पंचे हरेक समय इआ जानँय के कोसिस करा, कि "प्रभू कउने बात से प्रसन्न होत हें?" 11 अउर तूँ पंचे अँधिआर के बुरे कामन माहीं सामिल न होया, बलकिन उनखे बारे माहीं मनइन काहीं उलउना द्या। 12 काहेकि जउन काम ऊँ पंचे लुकिके किहिन हीं, उनखर चरचव तक करब बड़े सरम के बात ही। 13 अउर जेतने अँधिआर माहीं कीन बुरे कामन के बिरोध कीन जात हय, ऊँ सगले उँजिआर माहीं प्रगट कीन जइहँय, काहेकि उँजिआर सगले कामन काहीं प्रगट कइ देत हय। 14 एहिन से पबित्र सास्त्र माहीं इआ लिखा हय,

"हे सोमँइ बाले अरथात पाप माहीं जीबन बितामँइ बाले मनई, मुरदन म से जि उठ, अरथात अपने बुरे कामन काहीं छोंड़िके सत्य काहीं अपनाव; तबहिन मसीह के उँजिआर तोरे ऊपर चमकी।"

15 एसे तूँ पंचे सतरक रहिके अपने जीबन काहीं जाँचा, कि तोंहार पंचन के चाल-चलन कइसन हय; तोंहार पंचन के चाल-चलन निरबुद्धी मनइन कि नाईं न होय, बलकिन बुद्धिमान मनइन कि नाईं होंइ चाही। 16 अउर तोंहईं पंचन काहीं अपने जीबन काहीं सुधारँय के खातिर, जउन खुब कीमती समय मिला हय, ओखर पूर-पूर उपयोग करा, काहेकि बहुत बुरा समय चल रहा हय। 17 एसे निरबुद्धी मनई कि नाईं न बना, बलकिन प्रभू के इच्छा तोंहरे पंचन के जीबन माहीं का ही? ओही बड़े ध्यान से समझँय के कोसिस करा। 18 अउर पबित्र आत्मा से भरपूर होत जा, इआ नहीं, कि तूँ पंचे मदिरा पिके मतबार बना, जउने से लुचपन के काम होत हय। 19 बलकिन आपस माहीं परमातिमा के भजन, स्तुति के गाना, अउर आत्मिक गाना गाबत रहा, अउर अपने-अपने मनन माहीं प्रभू के हाजिरी माहीं स्तुति करत रहा। 20 अउर हमेसा सगली बातन के खातिर, हमरे पंचन के प्रभू यीसु मसीह के नाम से पिता परमातिमा के धन्यबाद करत रहा। 21 अपने जीबन माहीं मसीह के भय माना, अउर आपस माहीं एक दुसरे के सम्मान करा।

मंसेरुआ अउर मेहेरिआ काहीं कइसा जीबन जिअँइ चाही

22 हे मेहेरिअव, अपने-अपने मंसेरुअन के अइसन अधीन रहा, जइसन तूँ पंचे प्रभू के अधीन रहते हया। 23 काहेकि अपने मेहेरिआ के ऊपर ओखर मंसेरुअय सिर अरथात मुखिया होत हय, उहयमेर जइसन मसीही मन्डली के सिर अरथात मुखिया मसीह हें। काहेकि मसीही मन्डली, मसीह के देंह आय, अउर मसीहय ओखर मुक्तीदाता आहीं। 24 एसे जइसन मसीही मन्डली, मसीह के अधीन ही, उहयमेर मेहेरिअव घलाय हरेक बात माहीं अपने-अपने मंसेरुअन के अधीन रहँय। 25 अउर हे मंसेरुअव, अपने-अपने मेहेरिअन से प्रेम करा, जइसन मसीह घलाय मसीही मन्डली से प्रेम कइके, अपने-आप काहीं ओखे खातिर बलिदान कइ दिहिन हीं। 26 कि ओही अपने बचन रूपी पानी से नहबाइके सुद्ध करँय, अउर ओही पबित्र बनाय देंय। 27 अउर ओही अइसन महिमावान मसीही मन्डली बनाइके अपने आँगे ठाढ़ करँय, जउने माहीं कउनव कलंक न होय, न कउनव दाग धब्बा होय, अउर न ओमाहीं कउनव कमी होय, बलकिन उआ पबित्र अउर निरदोस होय। 28 इहइमेर उचित हय, कि मंसेरुआ अपने-अपने मेहेरिअन से अपने देंह कि नाईं प्रेम करँय, अउर जे कोऊ अपने मेहेरिआ से प्रेम करत हय, उआ अपने-आप से प्रेम करत हय। 29 काहेकि कोऊ अपने देंह से कबहूँ दुसमनी नहीं रक्खय, बलकिन निकहा से ओही पालत-पोसत हय, जइसन कि मसीह घलाय मसीही मन्डली के पालन-पोसन करत हें। 30 एसे कि हम पंचे मसीह के देंह, अरथात मसीही मन्डली के अंग आहेन।

31 अउर पबित्र सास्त्र माहीं इआ लिखा हय, कि

"मनई अपने महतारी-बाप काहीं छोंड़िके अपने मेहेरिआ के साथ माहीं रही, अउर ऊँ दोनव एक तन होइ जइहँय।"

32 अउर हम पंचे जानित हएन, कि इआ भेद खुब बड़ा हय; पय हम मसीह, अउर मसीही मन्डली के बारे माहीं कहित हएन। 33 पय तोंहरे पंचन म से हरेक जन अपने मेहेरिआ से अपने देंह कि नाईं प्रेम करय, अउर मेहेरिआ घलाय अपने मंसेरुआ के मान-सम्मान करँय।

महतारी-बाप अउर लड़िकन काहीं कइसा रहँइ चाही

6 हे लड़िका बिटिअव, तूँ पंचे प्रभू के ऊपर बिसुआस करते हया, एसे अपने महतारी-बाप के हुकुमन काहीं पालन करँइ बाले बना, काहेकि इआ उचितव हय। 2 अपने महतारी- †बाप के मान- सम्मान करा, इआ परमातिमा के पहिल हुकुम आय, जउने के साथ वादा घलाय हय, 3 कि तोंहार भला होई, अउर तूँ पंचे धरती माहीं खुब दिन तक जिअत रइहा। 4 अउर हे महतारी-बापव, अपने लड़िकन काहीं रिस न देबाबा, बलकिन प्रभू के सिच्छा द्या, अउर गलती करँय त चेतउनी द्या, अउर उनखर निकहा से पालन-पोसन करत रहा।

मालिक अउर सेबक काहीं कइसन रहँइ चाही

5 हे दासव, जउन तोंहार संसारिक मालिक हें, अपने पूरे मन से डेरात अउर काँपत-काँपत उनखे हुकुमन काहीं माना, जइसन मसीह के हुकुमन काहीं मनते हया। 6 अउर मनइन काहीं खुस करँइ बालेन कि नाईं देखाला के

† *6:2 निरग 20:12*

खातिर सेबा न करा, बलकिन मसीह के सेबकन कि नाईं, जउन पूरे मन से परमातिमा के इच्छा के मुताबिक चलत हें, उहयमेर तुहूँ पंचे अपने मालिकन के पूरे मन से सेबा करा। 7 अउर अपने मालिकन के सेबा अपने पूर मन से करा, अउर उनखे सेबा काहीं मनइन के नहीं, बलकिन प्रभू के सेबा समझिके करा। 8 काहेकि तूँ पंचे खुदय जनते हया, कि जे कोऊ जेतना निकहा काम करी, उआ ओतनय निकहा प्रभू से प्रतिफल पाई, चाह उआ मालिक होय, चाह सेबक। 9 अउर हे मालिकव, तुहूँ पंचे घलाय धमकी देब छोंड़िके, उनखे साथ निकहा बेउहार करा, काहेकि तूँ पंचे खुदव जनते हया कि उनखर अउर तोंहार दोनव जनेन के मालिक एकय आहीं, जउन स्वरग माहीं हें, अउर ऊँ कोहू के साथ पच्छपात नहीं करँय।

आत्मिक लड़ाई के हँथिआर

10 मतलब इआ, कि तूँ पंचे प्रभू के ऊपर पूरा भरोसा रक्खे रहा, जउने उनखर सक्ती पाइके मजबूत बन जा। 11 परमातिमा के दीन सगले आत्मिक हँथिआरन काहीं अपने देंह माहीं बाँधि ल्या; जउने सइतान के बुरी योजनन के सामना कइ सका। 12 काहेकि हमार पंचन के लड़ाई खून अउर माँस अरथात कउनव मनई से नहिं आय, बलकिन हमार पंचन के लड़ाई सइतान अउर ओखे बुरी आत्मन से हय, जउन इआ संसार माहीं राज करत हय, अउर हम पंचे अकास माहीं रहँइ बाली बुरी आत्मन के सक्तिन के साथ लड़ि रहेन हय। 13 एसे परमातिमा के दीन सगले आत्मिक हँथिआरन काहीं बाँधि ल्या, कि जउने तूँ पंचे बुरे दिनन माहीं ओखर सामना कइ सका, अउर सगली लड़ाई पूर कइके, बिसुआस माहीं अटल रहि सका। 14 एसे सत्य से आपन करिहा कस के, अउर धारमिकता के कबच अरथात झिलम पहिरिके, 15 अउर गोड़ेन माहीं मेल-मिलाप के खुसी के खबर काहीं सुनामँइ के तइआरी के पनहीं पहिरिके, 16 अउर उन सगलेन के साथय बिसुआस रूपी ढाल लइके अटल रहा, जउने उआ दुस्ट सइतान के सगले बरत तीरन काहीं बुझाय सका। 17 अउर मुक्ती रूपी टोप, अउर आत्मा के तलबार जउन परमातिमा के बचन हय, ओही लइ ल्या। 18 अउर तूँ पंचे हमेसा पूरे मन से पबित्र आत्मा के मदत से बिनती, प्राथना करत रहा, अउर एहिन से सचेत रहा, कि जउने सगले पबित्र मनइन के खातिर लगीतार परमातिमा से बिनती करत रहा। 19 अउर तूँ पंचे हमरेव खातिर प्राथना करत रहा, कि हमहीं बोलत के समय परमातिमा अइसन सामरथी बचन देंय, कि हम बड़े साहस के साथ खुसी के खबर के भेद काहीं बताय सकी, जउने के खातिर हम जंजीर से बाँधे राजदूत कि नाईं हएन। 20 अउर इहव प्राथना करा, कि हम खुसी के खबर के बारे माहीं जइसन हमहीं बोलँय चाही, उहयमेर साहस के साथ बोलि सकी।

पवलुस के अन्तिम अभिबादन

21 अउर तुखिकुस जउन पियार भाई अउर प्रभू यीसु के बिसुआस के काबिल सेबक आहीं, तोंहईं पंचन काहीं हमरे बारे माहीं सगली बातँय बतइहँय, कि जउने तूँ पंचे इआ जाना, कि हम कउने हाल माहीं रहित हएन। 22 अउर उनहीं हम तोंहरे लघे एहिन से पठएन हय, कि जउने तूँ पंचे हमरे हाल के बारे माहीं जाना, अउर एहू के खातिर कि ऊँ तोंहरे मनन काहीं सान्ति देंय।

23 अउर हम प्राथना करित हएन, कि पिता परमातिमा अउर प्रभू यीसु मसीह के तरफ से भाई-बहिनिन काहीं सान्ति अउर बिसुआस समेत प्रेम मिलय। 24 अउर जे कोऊ हमरे पंचन के प्रभू यीसु मसीह से सच्चा प्रेम करत हें, उन सगलेन के ऊपर परमातिमा के किरपा होत रहय।

फिलिप्पियन

इआ चिट्ठी के परिचय

फिलिप्पी सहर के रहँइ बाले बिसुआसी लोगन के खातिर लिखी, यीसु मसीह के खास चेला पवलुस के चिट्ठी यूरोप देस के धरती माहीं स्थित, पहिल मसीही मन्डली के खातिर लिखी गे रही हय, जेखर स्थापना पवलुस किहिन रहा हय। अउर उआ रोम देस के मकिदुनिया प्रदेस माहीं स्थित रही ही। इआ चिट्ठी उआ समय लिखी गे रही हय, जब पवलुस जेल माहीं रहे हँय, अउर जब ऊँ दुसरे मसीही कार-करतन के व्दारा अपने बिरोध के कारन परेसान, अउर फिलिप्पी सहर के मसीही मन्डली माहीं चल रही गलत सिच्छन से दुखी रहे हँय। ओखे बादव इआ चिट्ठी आनन्द अउर साहस के बारे माहीं बताबत ही, जउने काहीं केबल यीसु मसीह के ऊपर पवलुस के मजबूत बिसुआसय के व्दारा समझाबा जाय सकत हय।
इआ चिट्ठी लिखँइ के उआ समय के कारन इआ रहा हय, फिलिप्पी सहर के मसीही भाई-बहिनिन काहीं धन्यबाद देब, अउर उआ भेंट के खातिर जउन ऊँ पंचे पवलुस के जरूरत के समय उनहीं पठइन तय। ऊँ इआ मोका के उपयोग उनहीं पंचन काहीं आस्वासन देंइ के खातिर करत हें, कि जउने ऊँ उनखर अउर साथय-साथ खुदय अपने जीबन माहीं कठिनाइन के बादव साहस अउर भरोसा रक्खँय। ऊँ उनसे निबेदन करत हें, कि ऊँ पंचे सोरथ के अभिलासन अउर घमन्ड के बदले, यीसु के नम्र सुभाव काहीं अपनामँय। अउर ऊँ उनहीं पंचन काहीं इहव सुध देबाबत हें, कि मसीह के ऊपर बिसुआस माहीं उनखर जीबन परमातिमा के किरपा के एकठे दान आय, जउने काहीं ऊँ पंचे परमातिमा के ऊपर बिसुआस के व्दारा पाइन हीं, न कि यहूदी जाति के बिधान के नेमन काहीं मानँइ के व्दारा। पवलुस उआ आनन्द अउर सान्ति के बारे माहीं लिखत हें, जेही परमातिमा उन मनइन काहीं देत हें, जउन मसीह के साथ एकता के जीबन जिअत हें।
मसीही बिसुआस अउर जीबन माहीं आनन्द, निस्चय, एकता अउर मजबूती के ऊपर जोर देब, इआ चिट्ठी के खूबी आय। इआ चिट्ठी फिलिप्पी सहर के मसीही मन्डली के मनइन के खातिर पवलुस के मजबूत प्रेम के बारे माहीं बताबत ही।

रूप-रेखा :

भूमिका
पवलुस के निजी परिस्थितियाँ
मसीह माहीं जीबन
तीमुथियुस अउर इपफ्रुदीतुस के खातिर योजना
दुसमनन अउर खतरन के बिरोध माहीं चेतउनी
पवलुस अउर उनखर फिलिप्पी सहर के साथी
उपसंहार

पवलुस के अभिबादन

1 प्रभू यीसु मसीह के सेबक पवलुस अउर तीमुथियुस के तरफ से इआ
चिट्ठी, फिलिप्पी सहर माहीं रहँइ बाले मसीह यीसु के ऊपर बिसुआस
करँइ बाले भाई-बहिनिन, अउर मसीही मन्डली के अँगुअन अउर सेबकन
काहीं मिलय।
2 हम पंचे इआ प्राथना करित हएन, कि हमरे पंचन के पिता परमातिमा
अउर प्रभू यीसु मसीह के तरफ से तोंहईं पंचन काहीं किरपा अउर सान्ति
मिलत रहय।

पवलुस के प्राथना अउर धन्यबाद

3 हम जब-जब तोंहईं पंचन काहीं सुध करित हएन, तब-तब अपने
4 परमातिमा काहीं धन्यबाद देइत हएन। अउर जब-जब हम प्राथना करित
हएन, त तोंहरे खातिर बड़े आनन्द के साथ प्राथना करित हएन। 5 काहेकि तूँ
पंचे जब से खुसी के खबर सुने हया, तब से लइके आज तक खुसी के खबर
के प्रचार करँइ माहीं हमरे साथ सामिल रहे हया। 6 अउर हमहीं इआ बात के
पूर बिसुआस हय, कि परमातिमा जउन तोंहरे पंचन के जीबन माहीं निकहा
काम सुरू किहिन हीं, उँइन ओही मसीह यीसु के दिन तक पूर करिहँय।
7 तोंहरे बारे माहीं हमहीं अइसा सोचब उचित हय, काहेकि तूँ पंचे हमरे
हिरदँय माहीं बसे हया। अउर हम जेल माहीं हएन, तऊ खुसी के खबर के
खातिर मनइन काहीं जबाब देंइ माहीं, अउर अपने जीबन के व्दारा गबाही
देंइ माहीं, परमातिमा हमरे ऊपर बड़ी दया कइके हमार मदत किहिन हीं,
अउर ऊँ सगले कामन काहीं करँइ माहीं तूँ पंचे हमरे साथ सामिल हया।
8 इआ बात माहीं परमातिमा हमार गबाह हें, कि हम तोंहसे मसीह यीसु कि
नाईं प्रेम करित हएन, अउर हम तोंहसे मिलँय के खातिर ब्याकुल रहित
हएन। 9 अउर हम हमेसा इहय प्राथना करत रहित हएन, कि तोंहार पंचन के
प्रेम, ग्यान अउर हरेकमेर के सोचँय-समझँय के छमता अउर बाढ़त जाय।
10 इहाँ तक कि तूँ पंचे मसीह के उत्तम से उत्तम बातन काहीं पियार जाना,
अउर मसीह के दिन तक सच्चे बने रहा; अउर बिसुआस से भटकँय न पाबा।
11 अउर जउन काम परमातिमा के नजर माहीं निकहे हँय, उनहीं तूँ पंचे
करत रहा, जउने परमातिमा के बड़ाई अउर अराधना होत रहय, काहेकि
यीसु मसीह के द्वारा परमातिमा अपने नजर माहीं तोंहईं धरमी बनाइन हीं।

जेल माहीं पवलुस के जाँय से खुसी के खबर के बढ़ोत्तरी

12 हे बिसुआसी भाई-बहिनिव, हम चाहित हएन, कि तूँ पंचे इआ
जानिल्या, कि जउन हमरे ऊपर बीता हय, ओसे खुसी के खबर के

बढ़ोत्तरिन भे ही। 13 इहाँ तक कि कैसर के राज के सगली सेना, अउर उनखे
अलाबा सगले मनई इआ जानिगें हँय, कि हम मसीह के ऊपर बिसुआस
किहे के कारन जेल माहीं हएन। 14 अउर प्रभू के ऊपर बिसुआस करँइ बाले
जउन भाई हें, उनमा से जादा से जादा हमरे जेल माहीं होंइ के कारन, साहस
के साथ, परमातिमा के बचन अउर निधड़क होइके सुनामँइ के हिम्मत करत
हें।
15 अउर कुछ मनई त हमसे डाह अउर दुसमनी के कारन मसीह के प्रचार
करत हें, अउर कुछ जने निकहे मन से मसीह के प्रचार करत हें। 16 अउर ईं
पंचे इआ जानिके, कि परमातिमा हमहीं खुसी के खबर के बारे माहीं मनइन
काहीं सही जबाब देंइ के खातिर चुनिन हीं, एसे ऊँ पंचे बड़े प्रेम के साथ
खुसी के खबर के प्रचार करत हें। 17 पय अउर कुछ जने त सच्चाई के साथ
नहीं, बलकिन अपने सोरथ के खातिर मसीह के प्रचार करत हें, काहेकि ऊँ
पंचे इआ सोचत हें, कि इआमेर कइके हमरे खातिर जेल माहीं कस्ट पइदा
कइ सकत हें। 18 त एसे का भ? कि हम जेल माहीं हएन, इआ जानिके, कि
चाह हमरे बिरोध माहीं, चाह सच्चाई से, मसीह के कथा त सुनाई जात ही,
एसे हम आनन्दित हएन, अउर हमेसा आनन्दित रहबव करब।

मसीह के खातिर जिन्दा रहब

19 काहेकि हम जानित हएन, कि तोंहरे पंचन के प्राथना से, अउर यीसु
मसीह के दीन पबित्र आत्मा के दान के व्दारा, हमहीं एखर प्रतिफल जरूर
मिली, अउर हम जेल से छूटि जाब। 20 हम हिरदँय से इहय आसा अउर
बिसुआस रक्खित हएन, कि हम कउनव बात माहीं लज्जित न होई,
बलकिन हमरे बड़े साहस के कारन मसीह के बड़ाई होय, जइसन हमरे देंह
के व्दारा हमेसा होत रही हय, उहयमेर अबहिनव होय, चाह हम जिन्दा रही,
चाह मर जई। 21 काहेकि हमरे खातिर जिन्दा रहब मसीह हय, अउर मरिव
जाँइ से फायदय हय। 22 पय अगर इआ देंह माहीं हमार जिन्दा रहब, हमरे
काम के खातिर फायदेमन्द हय, त हम नहिं जाने पाई, कि हम केही चुनी।
23 काहेकि हम दोनव के बीच माहीं अधबीचे माहीं लटके हएन; एक मन त
लागत हय, कि इआ दुनिया से कूँच कइके मसीह के लघे चले जई, काहेकि
इआ हमरे जीबन के खातिर खुब निकहा हय। 24 पय तोंहरे पंचन के खातिर,
इआ देंह माहीं हमार जिन्दा रहब बहुतय जरूरी हय। 25 अउर इआ बात
जानित हएन, कि हम जिन्दा रहब, काहेकि हमहीं प्रभू के ऊपर बिसुआस
हय, एसे कि हम तोंहरे पंचन के साथय माहीं रहब, जउने तूँ पंचे बिसुआस
माहीं मजबूत होइजा, अउर प्रभू माहीं आनन्दित रहा। 26 अउर प्रभू के ऊपर
हमरे मजबूत बिसुआस के कारन, तूँ पंचे हमरे बारे माहीं घमन्ड करते हया,
उआ तोंहरे पंचन के लघे हमरे पुनि आमँइ से, मसीह यीसु माहीं अउर जादा
बढ़ि जाय।
27 अउर हम तोंहरे लघे अई, चाह न अई, तूँ पंचे केबल एतना करा, कि
तोंहार चाल-चलन मसीह के खुसी के खबर के काबिल होय, अउर हम तोंहरे
पंचन के बारे माहीं इहय सुनी, कि तूँ पंचे एक मन होइके, खुसी के खबर के
ऊपर बिसुआस काहीं मजबूत करँइ के खातिर मेहनत करत रहते हया।
28 अउर कउनव बात माहीं अपने बिरोधिन से नहीं डेराते आह्या, इआ उनखे
खातिर नास होंइ के स्पस्ट चिन्हारी होई, पय तोंहरे खातिर मुक्ती पामँइ के,
अउर इआ परमातिमा के तरफ से होई। 29 काहेकि तोंहरे ऊपर परमातिमा
के इआ बड़ी दया मसीह के कारन भे ही, कि न केबल तूँ पंचे उनखे ऊपर
बिसुआस करा, बलकिन उनहिन के खातिर दुखव उठाबा। 30 अउर खुसी के
खबर के खातिर जइसन मेहनत करत हमहीं तूँ पंचे देखे हया, उहयमेर तुहूँ
पंचे करा, अउर अबहिनव तूँ पंचे सुनते हया, कि हम उहयमेर मेहनत करित
हएन।

मसीह के दीनता अउर महानता

2 अगर तोंहरे पंचन के जीबन माहीं मसीह माहीं कउनव उराव हय, प्रेम
से पइदा भे हिम्मत ही, अउर अगर पबित्र आत्मा माहीं कउनव
भागीदारी हय, अउर करुना के कउनव भावना ही, इआ कि दया ही। 2 त
हमार इआ आनन्द पूर करा, कि सब कोऊ एक मन रहा, अउर एक प्रेम
माहीं बँधे रहा, अउर एक चित्त रहा, अउर एकय बिचार रक्खा। 3 आपस
माहीं बिरोध इआ कि झूँठी बड़ाई पामँइ के खातिर कुछू न करा, पय नम्रता
के साथ एक दुसरे काहीं अपने से निकहा समझा। 4 तोंहरे पंचन म से सगले
जनेन काहीं इआ चाही, कि ऊँ केबल अपनय भर नहीं, बलकिन दुसरेव के
हित के घलाय ध्यान रक्खँय। 5 अउर जइसन मसीह यीसु के सुभाव रहा
हय, उहयमेर तोंहरव पंचन के सुभाव होय। 6 जइसन
यीसु मसीह परमातिमा के स्वरूप माहीं होंय के बादव, परमातिमा के
बराबर होंइ काहीं अपने बस माहीं रक्खँय के चीज नहीं समझिन।
7 बलकिन अपने-आप काहीं अइसन सून्य कइ दिहिन, अउर सेबक के रूप
धारन कइके मनई के समानता माहीं होइगें।
8 अउर मनई के रूप माहीं पइदा होइके अपने-आप काहीं दीन किहिन,
अउर इहाँ तक परमातिमा के हुकुमन काहीं मानिन, कि मउत काहीं अरथात
क्रूस के मउत काहीं घलाय सहि लिहिन।
9 इहय कारन से परमातिमा उनहीं सगलेन से ऊँच जघा माहीं उठाइन,
अउर उनहीं उआ नाम दिहिन, जउन सगले नामन से बढ़िके हय।
10 जउने ऊँ सगले जने यीसु के नाम के आँगे गोड़न गिरँय, अउर उनखर
अराधना करँय, चाह ऊँ स्वरग के होंय, चाह ऊँ धरती के होंय, अउर चाह ऊँ
धरती के नीचे के होंय।
11 अउर पिता परमातिमा के महिमा के खातिर, हरेक मनई इआ सोइकार
कइ लेंय, कि यीसु मसीहय प्रभू आहीं।

संसार माहीं उँजिआर कि नाईं चमका

12 एसे हे हमार पियार साथिव, जब हम तोंहरे साथ माहीं रहेन हय, त तूँ
पंचे हमेसा हमरे हुकुमन काहीं मानत रहे हया, उहयमेर अबहिनव निकहा से
माना, भले हम तोंहरे लघे नहिं आहेन, तऊ परमातिमा के भय मानत, अउर
उनखर सम्मान करत, जउन मुक्ती तोंहईं पंचन काहीं मिली हय, ओहिन के
मुताबिक काम करा। 13 काहेकि उआ काम करँइ के इच्छा, अउर ओही पूर
करँइ के काम, उँइ दोनव बातन काहीं परमातिमा अपने भली इच्छा से तोंहरे
मनन माहीं डारिन हीं।
14 एसे बिना सिकाइत किहे, अउर बिना बाद-बिबाद किहे, सगले कामन
काहीं करत रहा। 15 जउने तूँ पंचे निरदोस अउर भोले-भाले बनिके बुरी चाल
चलँइ बाले, अउर हठी मनइन के बीच माहीं, परमातिमा के निरदोस सन्तान
बने रहा, एसे कि तूँ पंचे उनखे बीच माहीं, परमातिमा के अनन्त जीबन देंइ
बाले बचन काहीं, अपने जीबन माहीं अपनाए, संसार माहीं जलत दियन कि
नाईं देखाई देते हया। 16 अउर मसीह के दुसराय आमँइ के दिन काहीं हमार
छाती चउड़ी होइ जई, इआ देखिके, कि तूँ पंचे परमातिमा के अनन्त जीबन
देंइ बाले बचन काहीं, अपने जीबन माहीं अपनाए हया, अउर हमरे जीबन के
भाग-दउड़ अउर हमार मेहनत बेकार नहीं गे। 17 अउर अगर तोंहरे बिसुआस
रूपी बलिदान, अउर सेबा के साथ हमहीं आपन खून बहामँइ क परय, तऊ
हम आनन्दित रहब, काहेकि तोंहरे पंचन के आनन्दय माहीं हमार आनन्द
हय। 18 जइसन हम आनन्दित हएन, उहयमेर हमरे साथ तुहूँ पंचे आनन्द
मनाबा।

तीमुथियुस अउर इपफ्रुदीतुस

19 अगर प्रभू यीसु के मरजी होई, त हम तीमुथियुस काहीं तोंहरे पंचन के
लघे हरबिन पठउब, जउने ऊँ तोंहार हाल चाल लइके हमहीं आइके बतामँइ,
अउर तोंहरे बारे माहीं जानिके हमरे मन काहीं सान्ति मिलय। 20 काहेकि
हमरे लघे इनखे सुभाव कि नाईं अउर कउनव मनई नहिं आय, जउन तोंहरे
भलाई के खातिर सच्चे मन से चिन्ता करत होय। 21 काहेकि सगले मनई
अपने-अपने सोरथ के कामन काहीं ढूँढ़ँइ माहीं लगे रहत हें, अउर यीसु
मसीह के कामन काहीं नहीं करँय। 22 पय तूँ पंचे, तीमुथियुस काहीं

अजमाइके जानिव लिहा हय, कि जइसन लड़िका अपने बाप के साथ मेहनत करत हय, उहयमेर खुसी के खबर के प्रचार करँय माहीं ऊँ हमरे साथ मेहनत किहिन हीं। 23 एसे हमहीं आसा ही, कि जइसय हमहीं इआ जान परी, कि हमार का हाल होंइ बाला हय, हम हरबिन अगर प्रभू के इच्छा होई, त उनहीं तोंहरे लघे पठय देब। 24 अउर हमहीं पूर बिसुआस हय, कि प्रभू के मदत से, हमहूँ घलाय तोंहरे पंचन के लगे हरबिन अउब।

25 अउर हम इआ जरूरी समझेन, कि इपफ्रुदीतुस काहीं तोंहरे पंचन के लघे पठई, जउन हमार बिसुआसी भाई आहीं, अउर हमरे साथ काम करँइ बाले, अउर कामन माहीं सिपाही कि नाईं मदत करँइ बाले, अउर तोंहईं पंचन काहीं सँदेस देंइ बाले आहीं, अउर जरूरत परे माहीं हमार सेबा-सहाई करँइ बाले आहीं। 26 एसे हम उनहीं तोंहरे लघे पठयन हय, काहेकि उनखर मन तोंहरे ऊपर लगा रहत रहा हय, अउर ऊँ ब्याकुल रहत रहे हँय, कि तूँ पंचे उनखे बारे माहीं सुने हया, कि ऊँ बिमार हें। 27 अउर जरूर ऊँ बिमार होइगें तय, अउर लागत रहा हय, कि मर जइहँय, पय परमातिमा उनखे ऊपर दया किहिन, त ऊँ नीक होइगें, अउर उनखेन ऊपर भर नहीं, बलकिन हमरेव ऊपर घलाय दया किहिन हीं, कि जउने हमरे ऊपर दुख म दुख न परय। 28 अउर हम एहिन से उनहीं तोंहरे लघे पठमँइ के अउरव कोसिस किहेन, कि उनसे पुनि तूँ पंचे मिलिके आनन्दित होइजा, अउर हमरव दुख कुछ कम होइ जाय। 29 एसे तूँ पंचे प्रभू माहीं, उनखर बड़े आनन्द के साथ स्वागत किहा, अउर इआमेर के मनइन के आदर किहा करा। 30 काहेकि उँइन मसीह के काम के खातिर अपने प्रान के बाजी लगाइन रहा हय, एसे उनखर इआ हालत होइगे रही हय, कि लागत रहा हय, कि ऊँ मर जइहँय, जउन तोंहरे पंचन के तरफ से हमरे सेबा माहीं कमी रहिगे तय, ओही ऊँ पूर करिहँय।

सच्ची धारमिकता

3 एसे हे हमार भाई-बहिनिव, प्रभू माहीं आनन्दित रहा, अउर तोंहरे कुसलता के खातिर उँइन बातन काहीं बेर-बेर लिखँइ माहीं, हमहीं कउनव कस्ट नहीं होय। 2 कुकुरन कि नाईं नुकसान पहुँचामँइ बाले मनइन से सचेत रहा, अउर उन बुरे कामन काहीं करँइ बालेन से, अउर खतना करामँइ बालेन से सचेत रहा। 3 काहेकि खतना बाले त हमहिन पंचे आहेन, जउन पबित्र आत्मा के अँगुआई से परमातिमा के अराधना करित हएन, अउर मसीह यीसु के ऊपर घमन्ड करित हएन, अउर देंह से जुड़ी बातन के ऊपर भरोसा नहीं रक्खी। 4 पय हम त अपने देंह के ऊपर घलाय भरोसा रख सकित हएन, अउर अगर कउनव मनई काहीं अपने देंह के ऊपर भरोसा रक्खँइ के बिचार होय, त हम ओहू से घलाय बढ़िके भरोसा रख सकित हएन। 5 अउर हम इजराइल के बंस माहीं बिन्यामीन के घराना माहीं पइदा भएन हय, अउर पइदा होए के अठएँ दिन हमार खतना भ रहा हय; एसे हम इब्रानी लोगन के खातिर इब्रानी आहेन; अउर मूसा के बिधान के बारे माहीं अगर कहा, त हम फरीसी आहेन। 6 अउर अगर उत्साह के बारे माहीं कहा, त मसीही मन्डली के मनइन काहीं सतामँइ बाले आहेन; अउर मूसा के बिधान के धारमिकता के बारे माहीं कहा, त हम एखे बादव निरदोस रहेन हय। 7 पय जउन-जउन बातँय हमरे फायदा के रही हँय, उनहीं मसीह के ऊपर बिसुआस किहे के कारन, तुच्छ समझित हएन। 8 बलकिन हम अपने प्रभू मसीह यीसु के उत्तम बातन काहीं पहिचान लिहेन हय, इआ कारन से मूसा के बिधान के सगली बातन काहीं तुच्छ समझित हएन; अउर सगली चीजन काहीं कूरा-कचरा समझिके छोंडि दिहेन हय, जउने मसीह काहीं अपनाय सकी। 9 अउर उनहिन के ऊपर बिसुआस माहीं बने रही; पय उआ धारमिकता माहीं नहीं, जउन मूसा के बिधान से मिलत ही, बलकिन उआ धारमिकता माहीं बने रही जउन मसीह के ऊपर बिसुआस किहे से मिलत ही, अउर इआ धारमिकता मसीह के ऊपर बिसुआस किहे से परमातिमा के व्दारा मिलत ही। 10 अउर हम मसीह काहीं निकहा से जानँइ चाहित हएन, अउर उनखे सामर्थ के अनुभव करँइ चाहित हएन, जउने के व्दारा उँ मरेन म से जि उठे रहे हँय, अउर उनखे उआ दुख माहीं सामिल होंइ चाहित हएन, अउर उहय रूप काहीं पामँइ चाहित हएन, जउने काहीं ऊँ अपने मउत के व्दारा पाइन रहा हय। 11 इआ आसा के साथ, कि हमहूँ कउनव मेर से मरेन म से जि उठँय के पद तक पहुँच सकी।

लच्छ के तरफ दउड़ब

12 एखर मतलब इआ नहीं, कि उआ पद काहीं हम पाय चुकेन, इआ कि हम पूर सिद्ध बन चुकेन हय; बलकिन उआ पद काहीं पामँइ के खातिर हम लगीतार कोसिस कइ रहेन हँय, जउने के खातिर मसीह यीसु हमहीं पकड़िन रहा हय। 13 हे भाई-बहिनिव, हम इआ भावना नहीं रक्खी, कि हम कहाँ से पकड़ गएन, बलकिन हम केबल इहय एकठे काम करित हएन, कि जउन बुरी बातँय हमरे जीबन माहीं पहिले रही हँय, उनहीं बिसराइके जउन हमरे आँगे लच्छ हय, ओही पामँइ के खातिर आँगे बढ़त जइत हएन। 14 अउर हम उआ लच्छ काहीं पामँइ के खातिर, हमेसा कोसिस करत रहित हएन, जउने हम उआ इनाम पाई, जउने काहीं पामँइ के खातिर परमातिमा हमहीं मसीह यीसु के व्दारा ऊपर, अरथात स्वरग माहीं बोलाइन हीं। 15 एसे हमरे पंचन म से जेतने जने परमातिमा के ग्यान माहीं मजबूत बनिगे हँय, ऊँ पंचे इहइमेर के सोच-बिचार रक्खँय, पय अगर कउनव बात माहीं तोंहार दूसर मेर के सोच-बिचार हय, त ओहू काहीं परमातिमा तोंहईं स्पस्ट रूप से बताय देइहँय। 16 एसे जउने सत्य तक हम पंचे पहुँच चुकेन हय, ओहिन के मुताबिक चलत रही।

17 अउर हे भाई-बहिनिव, तूँ पंचे सगले जन हमरे कि नाईं जीबन जिआ, अउर उनहीं पहिचान लेबा करा, जउन हमरिन कि नाईं जीबन जिअत हें, जेखर उदाहरन तूँ पंचे हमरे जीबन माहीं पउते हया। 18 अउर हम तोंहईं एसे बताइत हएन, कि खुब जने अइसन हें, जिनखर चाल-चलन निकहा नहिं आय, इआमेर के मनइन के चरचा हम तोंहसे कइअक बेरकी कइ चुके हएन, अउर अबहिनव बड़े दुख के साथ बताइत हएन, कि ऊँ पंचे अपने बुरे चाल-चलन के व्दारा, मसीह के क्रूस माहीं बलिदान से इरखा रक्खत हें। 19 अउर अपने देंह के इच्छन काहीं पूर करब परमातिमा से बढ़िके मानत हें, अउर अपने सरम बाली बातन के ऊपर घमन्ड करत हें, अउर धरती के बुरी चीजन माहीं आपन पूर मन लगाए रहत हें, अइसन करँइ बालेन के अन्त बिनास अरथात नरक हय। 20 पय हमार पंचन के जनम भूमि त स्वरग माहीं हय; जहाँ हमहीं पंचन काहीं मुक्ती देंइ बाले प्रभू यीसु मसीह रहत हें, अउर उहाँ से उनखे पुनि आमँइ के हम पंचे बड़ी आसा लगाए इन्तजार कइ रहेन हँय। 21 ऊँ अपने उआ सक्ती से जउने से संसार के सगली चीजन काहीं, अपने काबू माहीं कइ सकत हें, उहय सक्ती से हमरे पंचन के निबल देंह के रूप बदलिके, अपने महिमामय देंह कि नाईं बनाय देइहँय।

प्रभू माहीं आनन्दित रहब

4 हे हमार पियार भाई-बहिनिव, तोंहरेन माहीं हमार जिव लगा रहत हय, काहेकि तुहिन हमार आनन्द अउर मुकुट आह्या, हे पियार भाई-बहिनिव, हम तोंहईं जइसन प्रभू के बारे माहीं बताएन हय, ओहिन माहीं अटल बने रहा। 2 एसे हम यूआदिया काहीं अउर सुन्तुखे काहीं घलाय समझाइत हएन, कि प्रभू माहीं एकय मन से रहा। 3 अउर हे हमार सच्चे सहकर्मी हम तोंहऊँ से अनुरोध करित हएन, कि तूँ उन मेहेरिअन के मदत किहा, काहेकि ऊँ पंचे क्लेमेंस अउर हमरे साथ माहीं काम करँइ बालेन के साथय, खुसी के खबर के प्रचार करँइ माहीं बड़ी मेहनत किहिन हीं, इनखर नाम जीबन के किताब माहीं लिख लीनगे हँय।

4 तूँ पंचे प्रभू माहीं हमेसा आनन्दित रहा; इहय बात काहीं हम पुनि कहित हएन, प्रभू माहीं आनन्दित रहा। 5 तोंहार पंचन के सहनसीलता सगले मनइन काहीं पता चलय, जउने ऊँ प्रभू कइती आमँय, काहेकि प्रभू हरबिन आमँइ बाले हें। 6 कउनव बात के चिन्ता न करा, बलकिन हरेक परिस्थित माहीं तोंहार पंचन के बिनती, प्राथना धन्यबाद के साथ परमातिमा के आँगे हाजिर

कीन जाँय। 7 तब परमातिमा के तरफ से मिलँइ बाली सान्ति, जउन हमरे
पंचन के समझ से बाहर ही, तोंहरे पंचन के हिरदँय अउर बिचारन काहीं
मसीह यीसु माहीं सुरच्छित बनाए रक्खी। 8 एसे हे भाई-बहिनिव, जउन-
जउन बातँय सत्य हईं, अउर जउन-जउन बातँय आदर के काबिल हईं, अउर
जउन-जउन बातँय उचित हईं, अउर जउन-जउन बातँय पबित्र हईं, अउर
जउन-जउन बातँय निकही हईं, अउर जउन-जउन बातँय मन काहीं नीक
लागँइ बाली हईं, मतलब इआ, कि जउन-जउन बातँय जीबन माहीं निकहे
बिचार पइदा करती हईं, अउर जउन सराहनीय बातँय हईं, उनहिन के ऊपर
आपन ध्यान रक्खा। 9 अउर जउन बातँय तूँ पंचे हमसे सिखे हया, अउर
उनहीं अपने जीबन माहीं अपनाए हया, अउर जउन बातँय हमसे सुने हया,
इआ कि हमहीं करत देखे हया, उनहिन के मुताबिक चला, तबहिन सान्ति के
दाता परमातिमा तोंहरे पंचन के साथ माहीं रइहँय।

दान के खातिर धन्यबाद

10 हम प्रभू माहीं खुब आनन्दित हएन, कि अब एतने दिना के बाद तोंहार
पंचन के हमरे बारे माहीं मदत करँइ के बिचार पुनि आबा हय; अउर हम
जानित हएन, कि तोंहार पंचन के इआ बिचार सुरुआतय से रहा हय, पय
तोंहईं पंचन काहीं एखर मोकय नहीं मिला। 11 इआ बात हम अपने कमी-
घटी के कारन न होय कहित हएन, काहेकि हम इआ सिख लिहेन हय, कि
जउने हाल माहीं हम रही, ओहिन माहीं सन्तोस करी। 12 अउर गरीबी माहीं
कइसा रहा जात हय, अउर अमीरी माहीं कइसा रहा जात हय, हम जान
गएन हय, हर हाल माहीं चाह पेट भरा होय, चाह भूँखा होय, चाह हमरे लघे
हर चीज भरपूर होय, चाह एक्कव न होय, उन सगली बातन माहीं खुस रहँइ
के भेद हम जान लिहेन हय। 13 जउन हमहीं सामर्थ देत हें, उआ सामर्थ से
हम सब कुछ कइ सकित हएन।

14 तऊ तूँ पंचे निकहा किहा हय, जउन हमरे दुख माहीं हमार मदत किहा
हय। 15 अउर हे फिलिप्पी सहर के मसीही मन्डली के बिसुआसी भाई-
बहिनिव, तूँ पंचे खुदय जनते हया, कि जब हम खुसी के खबर के प्रचार
करब सुरू किहेन तय, अउर मकिदुनिया सहर से चल दिहेन तय, तब तोंहईं
पंचन काहीं छोंड़िके, अउर कउनव मसीही मन्डली के मनई लेन-देन के बारे
माहीं हमार मदत नहीं किहिन तय। 16 इहइमेर जब हम थिस्सलुनीके सहर
माहीं रहेन हय, तबहिनव तूँ पंचे हमरे कमी-घटी काहीं पूर करँइ के खातिर,
दुइ बेरकी कुछ न कुछ पठए रहे हया। 17 इआ नहीं, कि हम तोंहसे दान
चाहित हएन, बलकिन अइसन फल चाहित हएन, कि जउन तोंहरे पंचन के
फायदा के खातिर बाढ़त जाय। 18 अउर जउन चीजँय तूँ पंचे इपफ्रुदीतुस के
हाँथ से पठए रहे हया, उनहीं पाइके हमार हर जरूरत पूर होइगे ही,
बलकिन हमरे लघे जरूरत से जादा चीजँय होइ गई हँय। जउन भेंट तूँ पंचे
हमरे लघे पठए हया, उआ सुगन्धित अउर सोइकार करँइ के काबिल
बलिदान हय, जउने से परमातिमा प्रसन्न होत हें। 19 अउर हमार परमातिमा
घलाय अपने उआ धन के मुताबिक, जउन मसीह यीसु माहीं महिमा समेत
हय, तोंहरे हरेक कमी-घटी काहीं पूर करिहँय। 20 हमरे पंचन के पिता
परमातिमा के बड़ाई जुग-जुग तक होत रहय। आमीन!

अन्तिम नबस्कार

21 अउर हरेक ऊँ पबित्र मनइन काहीं, जउन मसीह यीसु के ऊपर
बिसुआस करत हें, हमार पंचन के नबस्कार कह्या, अउर जउन भाई हमरे
साथ माहीं हें, ऊँ पंचे घलाय तोंहईं नबस्कार कहत हें। 22 अउर सगले पबित्र
मनई खास करके जउन महाराजा कैसर के घराना के हें, तोंहईं पंचन काहीं
नबस्कार कहत हें।

23 अउर हम पंचे प्राथना करित हएन, कि हमरे पंचन के प्रभू यीसु मसीह
के किरपा, तोंहरे पंचन के आत्मा के साथ बनी रहय। आमीन!

कुलुस्सियन

इआ चिट्ठी के परिचय

कुलुस्से सहर माहीं रहँइ बाले मनइन के नाम, यीसु मसीह के खास चेला पवलुस के लिखी चिट्ठी एसिया माइनर के कुलुस्से सहर के मसीही मन्डली काहीं लिखी गे रही हय, जउन इफिसुस सहर के पूरुब कइती रहा हय। इआ मसीही मन्डली के स्थापना पवलुस नहीं किहिन रहा आय, पय इआ उआ इलाका माहीं रही हय, जेखर जबाबदारी पवलुस अपने ऊपर महसूस करत रहे हँय, जइसन कि हम पवलुस काहीं रोमी सम्राज के एकठे प्रदेस अखाया के राजधानी, इफिसुस से मसीही सेबकन काहीं पठबत पाइत हएन। पवलुस काहीं जब इआ पता चला रहा हय, कि कुलुस्से सहर के मसीही मन्डली माहीं कुछ गलत सिच्छा देंइ बाले हें, जउन इआ बात माहीं जोर देत रहे हँय, कि परमातिमा काहीं जानँइ, अउर पूरी तरह से मुक्ती पामँइ के खातिर कउनव मनई काहीं कुछ बिसेस “आत्मिक मुखिअन अउर अधिकारिन के” उपासना करब जरूरी हय। एखे साथय-साथ ईं गलत सिच्छा देंइ बाले मनई कहत रहे हँय, कि कउनव मनई काहीं कुछ बिसेस धरम बिधिअन, जइसन खतना काहीं मानब, अउर खाना अउर दुसरे बातन से सम्बन्धित कठिन नेमन काहीं पालन करब जरूरी हय।

पवलुस ईं गलत सिच्छा देंइ बालेन के बिरोध करँइ के खातिर, सही-सही मसीही सँदेस के साथ इआ चिट्ठी काहीं लिखत हें। एखे जबाब के मतलब इआ आय, कि यीसु मसीह पूरी तरह से मुक्ती देंइ माहीं समरथी हें, अउर इआ कि ईं दूसर बिसुआस अउर बिधी वास्तव माहीं मनई काहीं मसीह से दूरी कइ देती हईं। मसीह के द्वारा परमातिमा इआ संसार के रचना किहिन हीं, अउर उनहिन के द्वारा ऊँ एही अपने लघे वापिस लइआइ रहे हँय। केबल मसीहय के द्वारा मुक्ती पामँइ के गइल ही। पवलुस तब बिसुआसी लोगन के जीबन के खातिर इआ महान सिच्छा के मतलब बताबत हें।

इआ बात ध्यान देंइ के काबिल ही, कि तुखिकुस, जउन पवलुस के इआ चिट्ठी काहीं कुलुस्से सहर लइगे रहे हँय, अउर उनखे साथ उनेसिमुस घलाय रहे हँय। उआ बँधुआ दास जेखे पच्छ माहीं पवलुस फिलेमोन के चिट्ठी काहीं लिखिन तय।

रूप-रेखा :

भूमिका
मसीह के सुभाव अउर काम
मसीह माहीं नबा जीबन
उपसंहार

पवलुस के अभिबादन

1 हम पवलुस इआ चिट्ठी काहीं लिख रहेन हय, जउन परमातिमा के
इच्छा से यीसु मसीह के खास चेला आहेन, हमरे तरफ से अउर भाई
तीमुथियुस के तरफ से, 2 इआ चिट्ठी कुलुस्से सहर के भाइन काहीं मिलय,
जउन पबित्रता के साथ यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस करत हें, अउर हम
पंचे इआ प्राथना करित हएन, कि पिता परमातिमा के तरफ से तोंहईं पंचन
काहीं किरपा अउर सान्ति मिलत रहय।

धन्यबाद अउर प्राथना

3 हम पंचे अपने प्रभू यीसु मसीह के पिता परमातिमा काहीं धन्यबाद देइत
हएन, अउर रोज तोंहरे पंचन के खातिर प्राथना करित हएन। 4 काहेकि हम
पंचे तोंहरे बारे माहीं इआ सुने हएन, कि तूँ पंचे यीसु मसीह के ऊपर
बिसुआस करते हया, अउर सगले पबित्र बिसुआसी भाई-बहिनिन से प्रेम
रखते हया। 5 इआ सब उआ आसा के कारन भ हय, जउन तोंहरे खातिर
स्वरग माहीं सुरच्छित ही, अउर एखे बारे माहीं तूँ पंचे पहिलेन सत्य बचन,
अरथात खुसी के खबर के द्वारा सुन चुके हया। 6 अउर खुसी के खबर सगले
संसार माहीं सफल होइके फइल रही हय, इआ उहयमेर होइ रहा हय,
जइसन तोंहरे बीच माहीं इआ उहय समय से सफल होंइ लाग रहा हय,
जउने दिना तूँ पंचे परमातिमा के किरपा के बारे माहीं सुने रह्या हय, अउर
सचमुच माहीं समझ गया तय। 7 तूँ पंचे खुसी के खबर के सिच्छा, हमरे साथ
माहीं काम करँइ बाले पियार साथी इपफ्रास से पाए हया, जउन हमरे खातिर
मसीह के बिसुआस के काबिल सेबक हें। 8 उँइन हमहीं इआ बताइन हीं, कि
तूँ पंचे कइसन आत्मा से एक दुसरे से प्रेम करते हया।

9 एसे जउने दिना से हम तोंहरे बारे माहीं इआ सुने हएन, त हमहूँ घलाय
रोज तोंहरे खातिर इआ प्राथना करित हएन, कि तूँ पंचे आत्मिक ग्यान अउर
समझ पायजा, अउर परमातिमा के इच्छा तोंहरे बारे माहीं का ही, इआ
निकहा से जान जा। 10 जउने तोंहार चाल-चलन प्रभू के काबिल होय, अउर
तूँ पंचे हरेकमेर से प्रभू काहीं प्रसन्न करँइ बाला जीबन जिअा, अउर तूँ पंचे
हरेकमेर के भलाई के कामन काहीं करँइ माहीं लगे रहा, अउर परमातिमा के
ग्यान माहीं लगीतार बढ़त जा। 11 अउर परमातिमा के महिमामय सक्ती के
मुताबिक हरेकमेर के सामर्थ से मजबूत होइजा, जउने दुख-मुसीबत के
समय आनन्द के साथ हरेकमेर से धीरज अउर सहनसीलता देखाय सका।
12 अउर पिता परमातिमा के धन्यबाद करत रहा, जउन हमहीं पंचन काहीं
एखे काबिल बनाइन हीं, कि उनखे पबित्र मनइन के साथ जउन जोति माहीं
जीबन जिअत हें, हमहूँ पंचे उनखे साथय बारिसदार बनय माहीं सामिल होइ
जई। 13 उँइन हमहीं पंचन काहीं अँधिआर के सक्ती अरथात सइतान से मुक्ती
दइके, अपने पियार लड़िका के राज माहीं प्रबेस कराइन हीं। 14 उनखे
लड़िकय के द्वारा हमहीं पंचन काहीं मुक्ती मिली हय, अरथात हमहीं पंचन
काहीं अपने पापन के माफी मिली हय।

मसीह के महानता

15 ऊँ त देखाई न देंइ बाले परमातिमा के रूप आहीं, अउर सगले संसार
माहीं पहिलउठा आहीं। 16 काहेकि जउन कुछू स्वरग माहीं हँय, अउर धरती
माहीं हँय, उनहिन के सक्ती के द्वारा उत्पन्न भे हँय, सब कुछ जउन देखाई
देत हें, अउर जउन देखाई नहिंव देंय, चाह सिंहासन होंय, चाह राज होंय,
चाह कउनव सासन करँइ बाले होंय, अउर चाह कउनव अधिकारी होंय, सब
कुछ उनहिन के द्वारा बनाए गे हँय, अउर उनहिन के खातिर बनाए गे हँय।
17 अउर उँइन सगली चीजन काहीं बनामँइ से पहिले रहे हँय, अउर उँइन
सगली चीजन काहीं स्थिर करत हें। 18 अउर उँइन मसीही मन्डली के सिर
आहीं; जउन उनखर देंह आय, उँइन संसार काहीं बनामँइ से पहिले रहे हँय,
अउर मरेन म से जिन्दा होंइ बालेन माहीं पहिलउठा उँइन आहीं, अउर हर
बात माहीं उँइन मुखिया हें। 19 काहेकि पिता परमातिमा के प्रसन्नता एहिन
माहीं हय, कि उनहिन माहीं सगली भरपूरी निबास करय। 20 अउर उनहिन
के क्रूस माहीं बहे खून के द्वारा, परमातिमा सगली चीजन से मेल-मिलाप
किहिन हीं, चाह उआ धरती के होय, चाह स्वरग के होय।
21 अउर पहिले जउन तूँ पंचे अपने बुरे कामन के कारन उनखर बइरी,
अउर उनखे महिमा से दूरी रहे हया, अब परमातिमा मसीह के सारीरिक
मउत के द्वारा, तोंहऊँ पंचन से घलाय मेल-मिलाप कइ लिहिन हीं। 22 ऊँ
अब अपने संसारिक देंह माहीं मउत के द्वारा तोंहार पंचन के घलाय मेल-
मिलाप कइ लिहिन हीं, जउने तोंहईं पंचन काहीं अपने आँगे पबित्र, अउर
निस्कलंक अउर बेकसूर बनाइके हाजिर करँय।

पवलुस के मसीही सेबा

23 इआ तबहिन होइ सकत हय, जब तूँ पंचे मसीह के ऊपर बिसुआस
माहीं मजबूती के साथ अटल रहा, अउर जउने आसा काहीं तूँ पंचे खुसी के
खबर के द्वारा सुने हया, उआ आसा काहीं न छोंड़ा, उहय खुसी के खबर के
प्रचार अकास के नीचे सगले संसार माहीं कीन ग हय; अउर उहय खुसी के
खबर काहीं सुनामँइ के खातिर, हम पवलुस सेबक बने हएन। 24 अउर जउन
दुख-मुसीबत हम तोंहरे पंचन के खातिर उठाइत हएन, उनखे कारन हम
आनन्दित होइत हएन, अउर मसीह के देंह अरथात मसीही मन्डली के
खातिर मसीह के यातनन माहीं जउन कुछ कमी रहिगे तय, ओही हम अपने
देंह माहीं पूर कए देइत हएन। 25 परमातिमा तोंहरे पंचन के फायदा के
खातिर, हमहीं जउन हुकुम दिहिन रहा हय, ओहिन के मुताबिक, हम उनखर
एकठे सेबक ठहराए गएन हय, जउने हम परमातिमा के बचन के पूरी तरह
से प्रचार करी। (परमातिमा के जउन योजना रही हय, ओखे मुताबिक हम
उनखर एकठे सेबक बने हएन, अउर जउन जबाबदारी परमातिमा हमहीं
दिहिन हीं, कि उनखर बचन तोंहईं पंचन काहीं सुनाई, एहिन से परमातिमा
के बचन काहीं तोंहरे बीच माहीं पूरी तरह प्रचार कइ रहे हएन।) 26 अरथात
उआ भेद के बात काहीं, जउन खुब समय से अरथात कइअक पीढ़िन से
छिपी रही हय, पय अब उआ भेद के बात काहीं, परमातिमा अपने चुने
पबित्र मनइन के ऊपर प्रगट किहिन हीं। 27 अउर इआ बात काहीं परमातिमा
उनखे ऊपर एसे प्रगट किहिन हीं, कि जउने उनहीं मालुम होय, कि गैरयहूदी
लोगन माहीं उआ भेद के महिमा के कीमत केतनी बड़ी ही? अउर उआ इआ
आय, कि मसीह जउन महिमा के आसा आहीं, तोंहरे जीबन माहीं निबास
करत हें। 28 जिनखर प्रचार कइके हम हरेक मनइन काहीं जताए देइत हएन,
अउर अपने सगले ग्यान से हरेक मनइन काहीं सिखाइत हएन, कि जउने हम
हरेक मनइन काहीं मसीह के सिच्छा माहीं, सिद्ध बनाइके परमातिमा के
आँगे हाजिर करी। 29 अउर एहिन के खातिर हम मसीह के दीन, उआ सक्ती
से, जउन हमरे जीबन माहीं सामर्थ के साथ काम करत ही, तन मन लगाइके
मेहनत घलाय करित हएन।

2 हम पवलुस इआ चाहित हएन, कि तोंहईं पंचन काहीं इआ पता
चलय, कि हम, तोंहरे खातिर, अउर लौदीकिया सहर के रहँइ बालेन
के खातिर, अउर उन सगले मनइन के खातिर, जउन हमहीं कबहूँ नहीं
देखिन, उनहूँ के खातिर, हम केतनी कठिन मेहनत करित हएन। 2 जउने
उनखे मनन काहीं उत्साह मिलय, अउर ऊँ पंचे आपस म एक दुसरे से प्रेम
माहीं बँधि जाँय, अउर बिसुआस के उआ सगला धन जउन सच्चे ग्यान से
मिलत हय, उनहीं पंचन काहीं मिल जाय, जउने पिता परमातिमा के भेद
काहीं, अरथात मसीह काहीं पहिचान लेंय। 3 काहेकि उनहिन माहीं बुद्धी
अउर ग्यान के सगला भन्डार छिपा हय।

गलत सिच्छा देंइ बाले मनइन के बिरोध माहीं चेतउनी

4 इआ हम एसे कहित हएन, कि कउनव मनई मीठ-मीठ बातन माहीं
फँसाइके, तोंहईं पंचन काहीं धोखा न दइ सकय। 5 काहेकि हम त तोंहसे
दूरी हएन, तऊ आत्मिक रूप से हमार मन तोंहरे ऊपर लगा रहत हय, अउर
हम तोंहरे जीबन माहीं अनुसासन अउर मसीह के ऊपर तोंहरे मजबूत
बिसुआस काहीं देखिके प्रसन्न हएन।
6 एसे जइसन तूँ पंचे मसीह यीसु काहीं, प्रभू मानिके सोइकार कइ लिहा
हय, त उहयमेर उनखे बचन के मुताबिक चलत रहा। 7 अउर मसीह माहीं
जड़ कि नाईं मजबूती के साथ आँगे बढ़त जा, अउर जइसन तोंहईं पंचन
काहीं सिखाबा ग रहा हय, उहयमेर बिसुआस माहीं मजबूत होत चले जा,
अउर परमातिमा काहीं जादा से जादा धन्यबाद देत रहा।
8 अउर सचेत रहा, कि कोऊ तोंहईं संसार के लबरी ग्यान से धोखा दइके,
बिसुआस से भटकाय न देय, काहेकि इआ मनइन के पुरान परम्परन के
बिचारन, अउर पुरान समय से चली आय रही संसारिक सिच्छन के लबरी
ग्यान आय, एखर मसीह के बचन से कउनव लेन-देन नहिं आय। 9 काहेकि
परमातिमा अपने सगली भरपूरी के साथ मसीह माहीं निबास करत हें।
10 अउर उँइन सगले सासन करँइ बालेन, अउर अधिकारिन के ऊपर
अधिकार रक्खँइ बाले आहीं, अउर तूँ पंचे उनहिन के द्वारा भरपूर होइ गया
हय। 11 मसीह के ऊपर बिसुआस किहे के कारन तोंहार पंचन के अइसन
आत्मिक खतना भ हय, जउन मनइन के हाँथन से नहीं होइ सकय, अरथात
तोंहईं पंचन काहीं पापन के सुभाव से मुक्ती दइ दीनगे ही, अउर इआ खतना
मसीह के व्दारा भ हय। 12 अउर तूँ पंचे बपतिस्मा लेत माहीं उनहिन के साथ
गाड़े गया, अउर परमातिमा के सक्ती के ऊपर बिसुआस किहा, कि ऊँ मसीह
काहीं मरेन म से जिआइन हीं, त उनखे साथय तुहूँ पंचे घलाय आत्मिक रूप
से जिन्दा होइ गया हय। 13 अउर तूँ पंचे अपने पापन के कारन अउर बिना
खतना के देंह के कारन आत्मिक रूप से मरे रहे हया, पय परमातिमा तोंहईं
पंचन काहीं मसीह के साथय-साथ अनन्त जीबन दिहिन हीं, अउर हमरे
पंचन के सगले पापन काहीं हमेसा के खातिर माफ कइ दिहिन हीं। 14 अउर
परमातिमा उआ अभिलेख काहीं, जउन हमरे पंचन के बिरोध माहीं रहा हय,
हमरे पंचन के बीच से हटाय दिहिन हीं, अउर ओही क्रूस के ऊपर खीलन से
ठोंकिके नस्ट कइ दिहिन हीं। 15 अउर परमातिमा क्रूस माहीं मसीह के
बलिदान के व्दारा, संसार माहीं राज करँइ बाली सइतान के सक्ती के, सगले
अधिकारन काहीं नास कइ दिहिन, अउर ओही कमजोर कइके सगलेन के
आँगे लज्जित कइ दिहिन हीं, अउर उनखे बिजयी होंइ के कारन जय-
जयकार के बोल सुनाई दिहिस।
16 एसे खाँय-पिअँइ के चीजन के बारे माहीं इआ कि तेउहार मनामँइ के
बारे माहीं, इआ नबा चाँद नाम के तेउहार मनामँइ के बारे माहीं, इआ पबित्र
दिन के बारे माहीं कोहू काहीं फँइसला न करँय दिहा। 17 काहेकि ईं सगली
बातँय आमँइ बाली बातन के छाया आहीं, एसे कि सगली चीजँय मसीह के
आहीं। 18 अउर अइसा मनई, जउन अपने-आप काहीं कस्ट दइके
स्वरगदूतन के पूजा-पाठ माहीं लगा रहत हय, अइसन मनई से सचेत रहा,
कहँव उआ तोंहईं पंचन काहीं बिसुआस से भटकाइके, मिलँइ बाले इनाम से
बंचित न कइ देय, अइसन मनई दिब्य दरसन माहीं देखी बातन माहीं लगा
रहत हय, अउर अपने झूँठ ग्यान के बेकार घमन्ड करत हय। 19 अउर
अइसन मनई अपने-आप काहीं मसीह के अधीन नहीं रक्खय जउन

सिरोमनि आहीं, उँइन जोड़न अउर नसन से सगले देंह के पालन-पोसन करत हें, अउर सगले देंह के अंगन काहीं एक साथ जोड़िके, परमातिमा कइती बढ़ाबत जात हें।

मसीह के साथ जिअब अउर मरब

20 काहेकि तूँ पंचे मसीह के साथ, संसार के पुरान सिच्छन के खातिर मर चुके हया, त पुनि जउन मनई संसार के सिच्छन के मुताबिक जीबन बिताबत हें, त तूँ पंचे उनखे कि नाईं काहे जीबन जीते हया, काहेकि इआ मनइन के सिच्छन अउर हुकुमन के मुताबिक हय, जइसन, 21 एही न छुया, ओही न खया, अउर ओही हाँथ न लगाया, इआमेर के बिधिअन काहीं तूँ पंचे काहे मनते हया? 22 (काहेकि ईं सगली चीजँय काम माहीं लइआबत-लइआबत नास होइ जइहँय।) काहेकि ईं मनइन के हुकुमन अउर सिच्छन के मुताबिक आहीं। 23 ईं बिधिअन माहीं अपने मरजी के मुताबिक बनाई भक्ती करँइ के नेम, जइसन अपने देंह काहीं कस्ट देब, अउर देंह माहीं योगा-अभ्यास करँय माहीं ग्यान के नाम त हय, पय देंह के बुरी लालसन काहीं रोंकँइ माहीं, इनसे कुछू फायदा नहीं होय।

मसीह माही नबा जीबन

3 काहेकि तोंहईं पंचन काहीं मसीह के साथ जिआबा ग हय, एसे तूँ पंचे उन चीजन काहीं ढूँढ़ँइ माहीं लगे रहा, जउन स्वरग माहीं हईं, जहाँ बर्तमान समय माहीं यीसु मसीह घलाय हें, जउन परमातिमा के दहिने कइती बइठ हें। 2 एसे तूँ पंचे स्वरग के चीजन के बारे माहीं सोचत रहा, अउर धरती के चीजन माहीं मन न लगाबा। 3 काहेकि तूँ पंचे पुरान पापी सुभाव के खातिर मर गया हय, अउर तोंहार पंचन के नबा जीबन मसीह के साथ परमातिमा के लघे सुरच्छित हय। 4 अउर मसीह जउन हमार पंचन के जीबनदाता आहीं, जब ऊँ दुसराय प्रगट होइहँय, तब तुहूँ पंचे उनखे साथ महिमा समेत प्रगट कीन जइहा।

पुरान जीबन अउर नबा जीबन

5 एसे तोंहरे पंचन माहीं जउन संसारिक बातँय हईं, उनहीं छोंड़ि द्या, अरथात ब्यभिचार, असुद्धता, कामवासना, बुरी इच्छा, अउर लोभ जउन मूरत पूजँय के बराबर हय। 6 ईंन कामन के कारन परमातिमा के क्रोध उनखे ऊपर रहत हय, जउन मनई उनखे हुकुमन के पालन नहीं करँय। 7 अउर तुहूँ पंचे प्रभू यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस करँइ से पहिले, ईंन बुराइन काहीं करत जीबन बिताबत रहे हया। 8 पय अब तोंहऊँ पंचन काहीं ईं सगली बातन काहीं छोंड़ि देंइ चाही, जइसन क्रोध करब, गुस्सा करब, बैर-भाव, दुसरे के बुराई करब, अउर मुँहे से गारी देब। 9 एखे अलाबव एक दुसरे से लबरी न बोला, बेलकुल सही-सही बोला, काहेकि तूँ पंचे अपने पुरान सुभाव काहीं बुरे कामन समेत छोंड़ि दिहे हया। 10 अउर नबा सुभाव काहीं अपनाय लिहे हया, जउन अपने बनामँइ बाले के स्वरूप के मुताबिक, परमातिमा के ग्यान काहीं पामँइ के खातिर नबा बनत जात हय। 11 नबा सुभाव पाए के बाद, यहूदी लोगन अउर गैरयहूदी लोगन माहीं कउनव अन्तर नहीं रहिगा, अउर इहइमेर न खतना कराए मनइन माहीं अउर न बिना खतना कराए मनइन माहीं कउनव अन्तर रहिगा आय, अउर न असभ्य मनइन माहीं, अउर न सभ्य मनइन माहीं, कउनव अन्तर रहिगा आय, अउर न दासन अउर न मालिकन माहीं, कउनव अन्तर रहिगा आय, काहेकि मसीह माहीं सब कुछ एक समान होइ जात हय, अउर उँइन सगलेन के भीतर निबास करत हें।

12 काहेकि तूँ पंचे परमातिमा के चुने पबित्र अउर पियार आह्या, एसे करुना, भलाई, दीनता, कोमलता अउर सहनसीलता काहीं अपनाबा। 13 अउर अगर तोंहरे बीच म से कोऊ गलती किहिस होय, त एक दुसरे के गलतिन काहीं सहि ल्या, अउर एक दुसरे के अपराधन काहीं माफ कइ द्या, जइसन परमातिमा तोंहरे अपराधन काहीं माफ किहिन हीं, उहयमेर तुहूँ पंचे घलाय करा। 14 ईं सगली बातन से बढ़िके प्रेम काहीं अपनाय ल्या, जउन एक दुसरे काहीं आपस माहीं जोड़िके, प्रेम माहीं भरपूर करत हय। 15 अउर यीसु मसीह के दीन सान्ति काहीं अपने जीबन माहीं अपनाय ल्या, जउने तोंहरे हिरदँय माहीं राज करय, एहिन के खातिर परमातिमा तोंहईं एकठे देंह कि नाईं, एक होंइ के खातिर चुनिन हीं, एसे परमातिमा काहीं हमेसा धन्यबाद देत रहा। 16 अउर मसीह के बचन काहीं जादा से जादा अपने हिरदँय माहीं बसाबा, जउने परमातिमा के ग्यान से भरपूर होइके एक दुसरे काहीं सिखाबा, अउर गलती करँइ त चेताबा, अउर परमातिमा के इआ किरपा के कारन उनखे खातिर अपने-अपने मनन माहीं भजन, स्तुति के गाना, अउर आत्मिक गाना गाबत रहा। 17 अउर तूँ पंचे जउन कुछू काम करा, इआ कि बचन सुनाबा, सगले काम प्रभू यीसु मसीह के नाम से करा, अउर उनहिन के व्दारा पिता परमातिमा के धन्यबाद करत रहा।

घर-परिबार सम्बन्धित नयतिक सिच्छा

18 हे मेहेरिअव, अपने-अपने मंसेरुअन के उआ मेर से अधीन रहा, जइसन मसीह के ऊपर बिसुआस करँइ बाली मेहेरिअन काहीं उचित हय। 19 हे मंसेरुअव, अपने-अपने मेहेरिअन से प्रेम करा, अउर उनसे कठोरता के बरताव न करा। 20 हे लड़िकव, सगली बातन माहीं अपने-अपने महतारी-बाप के हुकुमन काहीं माना, काहेकि प्रभू एसे प्रसन्न होत हें। 21 हे बाप-महतारिव, अपने-अपने लड़िकन काहीं तंग न करा, अइसन न होय, कि उनखर साहस टूट जाय, अउर ऊँ पंचे उल्टहाव देंइ लागँय। 22 हे सेबकव, अपने संसारिक मालिकन के सगली बातन माहीं, उनखे हुकुमन काहीं माना, अउर ऊँ सेबकन कि नाईं नहीं, जउन मनइन काहीं प्रसन्न करँइ के खातिर देखाला क त सेबा करत हें, पय बाद माहीं नहीं करँय, पय तूँ पंचे, परमातिमा के भय मानत उनखर निकही सेबा करा। 23 अउर जउन काम तूँ पंचे करते हया, त ओही पूरे मन से करा, इआ समझिके कि जउन काम करित हएन, उआ मनइन के खातिर नहीं, बलकिन प्रभू के खातिर करित हएन। 24 काहेकि तूँ पंचे खुदय जनते हया, कि हम पंचे मसीह के सेबा करित हएन, एसे एखे बदले माहीं तोंहईं प्रभू से बारिसदार होंइ के हक्क मिली। 25 काहेकि जे कोऊ बुरे काम करत हय, उआ अपने बुरे कामन के प्रतिफल पाई; काहेकि परमातिमा के आँगे कोहू के साथ पच्छपात नहीं होय।

4 हे मालिकव, तूँ पंचे इआ सुध रक्खा, कि तोंहरव पंचन के स्वरग माहीं एकठे मालिक हें, एसे अपने-अपने सेबकन के साथ निकहा बेउहार करा, अउर जउन उनखर हक्क होय उनहीं द्या।

मसीही भाई-बहिनिन काहीं सलाह

2 एसे तूँ पंचे सतरक रहा, अउर परमातिमा के धन्यबाद करत प्राथना माहीं हमेसा लगे रहा। 3 अउर एखे साथय-साथ हमरे पंचन के खातिर घलाय इआ प्राथना करत रहा, कि परमातिमा हमहीं पंचन काहीं बचन सुनामँइ के मोका देंय, कि हम पंचे मसीह के उआ भेद काहीं बताय सकी, जेखे कारन हम जेल माहीं हएन। 4 अउर उआ भेद काहीं जइसन हम चाहित हएन, उहयमेर सही ढँग से बताय सकी।

5 अउर जउन मनई प्रभू के ऊपर बिसुआस नहीं करँय, त जब उनहीं बचन सुनामँइ के कीमती मोका मिलय, त ओखर सही ढँग से उपयोग करा। 6 अउर जब तूँ पंचे उनसे बात करा, त तोंहार पंचन के बचन किरपा से भरा कोमल होय, अउर तोंहईं पंचन काहीं हरेक मनइन काहीं सही ढँग से जबाब देब आमँइ चाही।

पवलुस के सलाह अउर अन्तिम अभिबादन

7 पियार भाई तुखिकुस जउन बिसुआस के काबिल सेबक हें, अउर प्रभू के सेबा माहीं हमार साथ देंइ बाले साथी आहीं, उँइन हमरे बारे माहीं सगली बातन काहीं तोंहईं बतइहँय। 8 उनहीं तोंहरे लघे एसे पठएन हय, कि जउने तोंहईं हमरे हाल के बारे माहीं मालुम होइ जाय, अउर उनखे व्दारा हमरे बारे

माहीं जानिके तोंहरे हिरदँय काहीं सान्ति मिलय। 9 अउर उनहिन के साथ
उनेसिमुस काहीं घलाय पठएन हय, जउन तोंहरेन पंचन के बीच म से
बिसुआस के काबिल अउर पियार भाई आँय, ऊँ तोंहईं पंचन काहीं हमरे
इहाँ के सगली बातन काहीं बतइहँय।
10 अरिस्तरखुस जउन हमरे साथ जेल माहीं हें, अउर मरकुस जउन
बरनबास के भाई लागत हें। (जिनखे बारे माहीं हम तोंहईं पंचन काहीं बताए
रहे हएन, कि अगर ऊँ तोंहरे पंचन के लघे आमँय, त उनखे साथ निकहा
बेउहार किहा।) 11 अउर यीसु जिनखर नाम यूस्तुस घलाय हय, तोंहईं पंचन
काहीं नबस्कार कहत हें, अउर परमातिमा के राज के खातिर काम करँइ
माहीं केबल ईंन भर यहूदी जाति के बिसुआसिअन म से हमरे साथ हें, अउर
इनहिन के कारन हमहीं अराम मिलत हय। 12 अउर इपफ्रास जउन तोंहरे
बीच म से मसीह यीसु के दास आहीं, तोंहईं पंचन काहीं नबस्कार कहत हें,
अउर तोंहरे खातिर हमेसा इआ प्राथना करत हें, कि तूँ पंचे आत्मिक रूप से
मजबूत होइजा, अउर पूरे बिसुआस के साथ परमातिमा के इच्छा काहीं
जानिके ओमाहीं स्थिर रहा। 13 अउर तोंहरे पंचन के खातिर अउर लौदीकिया
सहर के अउर हियरापुलिस सहर के रहँइ बाले बिसुआसी भाइन के खातिर,
ऊँ बड़ी मेहनत करत हें, एखर हम पवलुस गबाह हएन। 14 पियार बैद लूका
अउर देमास तोंहईं पंचन काहीं नबस्कार कहत हें। 15 अउर लौदीकिया सहर
के बिसुआसी भाई-बहिनिन काहीं, अउर नुमफास अउर उनखे घर के
मसीही मन्डली के बिसुआसी भाई-बहिनिन काहीं, हमरे पंचन के तरफ से
नबस्कार कहि दिहा। 16 अउर जब इआ चिट्ठी तोंहरे मसीही मन्डली माहीं पढ़
लीन जाय, त अइसन किहा, कि ओही लौदीकिया के मसीही मन्डली माहीं
पठबाय दिहा, जउने उहँव पढ़ी जाय, अउर उआ चिट्ठी जउन लौदीकिया के
मसीही मन्डली से आबय, ओही तुहूँ पंचे पढ़ लिहा। 17 ओखे बाद
अरखिप्पुस काहीं बताय दिहा, कि प्रभू माहीं जउन सेबा उनहीं सँउपी गे ही,
ओही सचेत होइके जरूर पूर करिहँय।
18 हम पवलुस अपने हाँथ से तोंहईं पंचन काहीं नबस्कार लिखित हएन,
हम जेल माहीं हएन, एही तूँ पंचे सुध रख्या; हम प्राथना करित हएन, कि
तोंहरे पंचन के ऊपर परमातिमा के किरपा होत रहय। आमीन!

1 थिस्सलुनीकियन

इआ चिट्ठी के परिचय

रोमी सम्राज माहीं कइयकठे प्रदेस रहे हँय, उनमा से मकिदुनिअव एकठे प्रदेस रहा हय, अउर ओखर राजधानी थिस्सलुनीकी सहर रही हय। फिलिप्पी सहर से आए के बाद पवलुस इहाँ एकठे मसीही मन्डली बनाइन रहा हय। इहाँ घलाय, हरबिन उँइन यहूदी बिरोध करब सुरू कइ दिहिन, काहेकि ऊँ पंचे गैरयहूदी लोगन के बीच माहीं पवलुस के मसीही सँदेस के प्रचार के सफलता काहीं देखिके जलत रहे हँय, काहेकि ईं गैरयहूदी लोग, यहूदी धरम काहीं मानँइ माहीं रुचि रक्खत रहे हँय। एसे पवलुस काहीं थिस्सलुनीकी सहर छोंड़ँइ परा, अउर ऊँ बिरिया सहर चलेगें। बाद माहीं जब ऊँ कुरिन्थुस सहर पहुँचे, तब पवलुस काहीं उनखे साथ माहीं काम करँइ बाले साथी तीमुथियुस के व्दारा थिस्सलुनीकी सहर के मसीही मन्डली के दसा के बारे माहीं सगली खबर मिली।

इआ खबर पाए के बाद थिस्सलुनीकियन के नाम पवलुस के पहिल चिट्ठी, उहाँ रहँइ बाले मसीहियन काहीं उत्साहित करँय, अउर दुसराय स्थिर करँइ के खातिर लिखी गे ही। ऊँ उनखे बिसुआस अउर प्रेम के बारे माहीं खबर पाइके उनहीं धन्यबाद दिहिन। ऊँ उनहीं अपने जीबन के सुध देबाबत हें, जउन ऊँ उनखे साथ माहीं रहिके बितायन रहा हय। तब ऊँ मसीह के दुसराय आमँइ के बारे माहीं प्रस्नन के जबाब देत हें, जउन प्रस्न उआ मसीही मन्डली माहीं उठे रहे हँय। उँइ प्रस्न इआमेर के हँय, कउनव बिसुआसी जउन मसीह के दुसराय आमँइ से पहिलेन मर जात हय, का उआ, उआ जीबन काहीं पाई, जउन मसीह के दुसराय आमँइ से मिलँइ बाला हय? मसीह दुबारा कबय अइहँय? पवलुस इआ मोके माहीं उनहीं इआ बताबत हें, कि उआ दसा माहीं जबकि तूँ पंचे मसीह के दुसराय आमँइ के आसा से इन्तजार करते हया, चुप्पय अपने काम माहीं लगे रहा।

रूप-रेखा :

भूमिका
धन्यबाद अउर स्तुति
मसीही चाल-चलन के बारे माहीं उपदेस
मसीह के दुसराय आमँइ के बारे माहीं सिच्छा
अन्तिम उपदेस
उपसंहार

पवलुस के अभिबादन

1 पवलुस, सीलास, अउर तीमुथियुस के तरफ से थिस्सलुनीकी सहर के
मसीही मन्डली के नाम चिट्ठी, जउन पिता परमातिमा अउर प्रभू यीसु
मसीह काहीं मानत हें, उनहीं किरपा अउर सान्ती मिलत रहय।

थिस्लुनीकियन के बिसुआस

2 हम पंचे अपने प्राथना माहीं तोंहईं सुध करित हएन, अउर तोंहरे बारे
माहीं हमेसा परमातिमा काहीं धन्यबाद देइत हएन। 3 अउर अपने पिता
परमातिमा के आँगे तोंहरे बिसुआस के काम, अउर प्रेम के मेहनत, अउर
हमरे प्रभू यीसु मसीह माहीं आसा के धीरज काहीं लगीतार सुध करित
हएन। 4 अउर हे परमातिमा के पियार भाई-बहिनिव, हम पंचे जानित हएन,
कि तूँ पंचे परमातिमा के चुने आह्या। 5 काहेकि हमरे व्दारा खुसी के खबर
तोंहरे लघे केबल बचनय भर से नहीं, बलकिन सामर्थ अउर पबित्र आत्मा,
अउर बड़े निस्चय के साथ पहुँची हय। तूँ पंचे जनते हया, कि जब हम पंचे
तोंहरे साथ रहे हएन, तब तोंहरे फायदा के खातिर कउनमेर जीबन जिअत
रहेन हँय। 6 अउर तूँ पंचे भारी दुख माहीं पबित्र आत्मा के आनन्द के साथ,
बचन काहीं मानिके हमरे पंचन के, अउर प्रभू कि नाईं चाल चलँइ लागे हया।
7 इहाँ तक कि मकिदुनिया अउर अखाया प्रदेस के सगले बिसुआसी लोगन
के खातिर, तूँ पंचे नमूना बन गया हय। 8 काहेकि तोंहरे इहाँ से न केबल
मकिदुनिया अउर अखाया प्रदेस माहीं प्रभू के बचन सुनाबा ग, बलकिन
तोंहरे बिसुआस के चरचा जउन परमातिमा के ऊपर हय, हरेक जघा अइसन
फइलगे ही, कि हमहीं पंचन काहीं कुछू कहँइ के जरूरत नहिं आय।
9 काहेकि ऊँ पंचे खुदय हमरे बारे माहीं बताबत हें, कि तोंहरे लघे हमार
पंचन के आउब कउनमेर भ रहा हय; अउर तूँ पंचे कइसन मूरतिन काहीं
पूजब छोंड़िके, परमातिमा के बचन काहीं मानँइ लागे हया। अउर तूँ पंचे
जिअत अउर सच्चे परमातिमा के सेबक बन गया। 10 अउर परमातिमा के
लड़िका यीसु के स्वरग से आमँइ के इन्तजार करत रहा, जिनहीं परमातिमा
मरेन म से जिआइन रहा हय, उँइन हमहीं पंचन काहीं परमातिमा के आमँइ
बाले क्रोध से बचाबत हें।

थिस्सलुनीकी सहर माहीं पवलुस के प्रचार

2 हे बिसुआसी भाई-बहिनिव, तूँ पंचे त खुदय जनते हया, कि हमार
पंचन के तोंहरे लघे आउब बेकार नहीं भ, 2 बलकिन तूँ पंचे त खुदय
जनते हया, कि पहिले फिलिप्पी सहर माहीं दुख उठामँइ अउर उपद्रव सहे
के बादव, हमार परमातिमा हमहीं पंचन काहीं अइसन हिम्मत दिहिन, कि
हम पंचे परमातिमा के खुसी के खबर भारी बिरोध के बादव तोंहईं सुनाई।
3 काहेकि हमार पंचन के उपदेस न त भ्रम माहीं डारँइ बाला आय, अउर न
असुद्धय आय, अउर न ओमा छलय कपट आय। 4 पय जइसन परमातिमा
हमहीं पंचन काहीं काबिल ठहराइके खुसी के खबर सँउपिन हीं, हम पंचे
उहयमेर बखान करित हएन; अउर एमाहीं मनइन काहीं नहीं, बलकिन
परमातिमा काहीं, जउन हमरे पंचन के मनन काहीं जाँचत हें, प्रसन्न करित

हएन। 5 काहेकि तूँ पंचे त जनतेन हया, कि हम पंचे न त कबहूँ चापलूसी के
बातँय किहेन, अउर न लालच के खातिर बहानय बनायन, एखर परमातिमा
गबाह हें; 6 अउर हम पंचे मसीह के खास चेला होंइ के कारन तोंहरे ऊपर
बोझ डार सकत रहेन हय, तऊ हम पंचे मनइन से आदर नहीं चाहत रहेन
आय, अउर न तोंहसे अउर न कोहू से। 7 पय जउनमेर महतारी अपने
लड़िकन काहीं पालत-पोसत ही, उहयमेर हमहूँ पंचे घलाय तोंहरे बीच माहीं
रहिके नम्रता देखायन हय। 8 अउर उहयमेर हम पंचे तोंहऊँ से ममता के
कारन, न केबल परमातिमा के खुसी के खबर के खातिर, बलकिन तोंहरेव
खातिर, आपन-आपन प्रान देंइ के खातिर तइआर रहे हएन, एसे कि तूँ पंचे
हमहीं पंचन काहीं खुब पियार होइ गया तय।
9 काहेकि, हे भाई-बहिनिव, तूँ पंचे हमरे पंचन के कठिन मेहनत अउर
दुख काहीं सुध रखते हया, हम पंचे एहिन से दिन-रात काम धन्धा कइ-
कइके तोंहरे बीच माहीं, परमातिमा के खुसी के खबर के प्रचार किहेन, कि
तोंहरे ऊपर बोझ न होय। 10 तूँ पंचे एखर खुदय गबाह हया, अउर
परमातिमा घलाय गबाह हें, कि तोंहरे सगले बिसुआसी लोगन के बीच माहीं,
हमार पंचन के बरताव कइसन पबित्र, धारमिक, अउर निरदोस रहा हय।
11 तूँ पंचे जनते हया, कि जइसन बाप अपने लड़िकन के साथ बरताव करत
हय, उहयमेर हम पंचे घलाय तोंहरे पंचन म से हरेक जन काहीं, उपदेस
सुनाबत, अउर सान्ति देत, अउर समझाबत रहे हएन। 12 जउने तोंहार पंचन
के चाल-चलन परमातिमा के काबिल होय, जउन तोंहईं पंचन काहीं अपने
राज अउर महिमा माहीं बोलाबत हें। 13 एहिन से हमहूँ पंचे परमातिमा के
धन्यबाद हमेसा करित हएन; कि जब हमरे पंचन के व्दारा परमातिमा के
खुसी के खबर के बचन काहीं तूँ पंचे सुने रहे हया, त तूँ पंचे ओही मनइन के
नहीं, बलकिन परमातिमा के बचन मानिके (इआ बचन परमातिमा के सहिन
आय) अपनाय लिहा तय। अउर उआ बचन तोंहरे पंचन म से जउन
बिसुआस करत हें, उनखे ऊपर प्रभाव डारत हय। 14 एसे हे भाई-बहिनिव, तूँ
पंचे परमातिमा के उन मसीही मन्डलिन के चाल-चलन काहीं अपनाय लिहा
हय, जउन यहूदिया प्रदेस माहीं प्रभू मसीह यीसु माहीं हईं, काहेकि तुहूँ पंचे
घलाय अपने लोगन से उहयमेर दुख पाए हया, जइसन ऊँ पंचे यहूदी लोगन
से पाइन रहा हय। 15 जउन यहूदी लोग प्रभू यीसु मसीह काहीं, अउर
परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन काहीं घलाय मारि डारिन तय, अउर
हमहूँ पंचन काहीं सताइन रहा हय, एसे परमातिमा उनसे खुस नहिं आहीं;
अउर उँइन सगले मनइन के बिरोध करत हें, 16 अउर ऊँ पंचे, गैरयहूदी
लोगन से, उनखे मुक्ती के खातिर बचन सुनामँइ से हमहीं पंचन काहीं बरजत
हें, इआ कारन से ऊँ पंचे हमेसा अपने पाप के घड़ा भरत रहत हें; अउर अब
परमातिमा के भयानक क्रोध उनखे ऊपर आय परा हय।

थिस्सलुनीकी मसीही मन्डली के मनइन से मिलँइ के पवलुस के इच्छा

17 हे भाई-बहिनिव, जब हम पंचे कुछ दिनन के खातिर, मन से त नहीं,
पय देंह के रूप माहीं तोंहसे पंचन से अलग होइ गएन तय, त हम पंचे,
तोंहईं देखँइ के खातिर खुब उपाय किहेन, काहेकि तोंहसे मिलँइ के हमार
पंचन के बड़ी इच्छा रही ही। 18 एसे हम पंचे तोंहसे मिलँइ के खुब कोसिस
किहेन (खास करके हम पवलुस कइअक बेरकी कोसिस किहेन) पय
सइतान एक न एक अरचन डारेन रहिगा। 19 जब हम पंचे अपने प्रभू यीसु
मसीह के दुसराय आमँइ के समय उनखे आँगे ठाढ़ होब, त तोंहईं पंचन
काहीं छोंड़, हमार पंचन के आसा, आनन्द, अउर बड़ाई के मुकुट अउर का
होइ सकत हय? 20 काहेकि हमार पंचन के आनन्द अउर बड़ाई के मुकुट
तुहिन पंचे आह्या।

थिस्सलुनीकी सहर माहीं तीमुथियुस काहीं पठउब

3 एसे जब हमसे पंचन से अउर रहाई नहीं परी, तब हम पंचे इआ
निरनय किहेन, कि एथेंस सहर माहीं अकेले रहि जईं। 2 अउर हम
तीमुथियुस काहीं जउन मसीह के खुसी के खबर के प्रचार करँइ माहीं हमार
सहयोगी भाई, अउर परमातिमा के सेबक आहीं, उनहीं एसे पठएन हय, कि
ऊँ तोंहईं समझाइके बिसुआस माहीं मजबूत बनामँइ, 3 जउने कोऊ इन दुख
बिपत्तिन के कारन बिसुआस माहीं कमजोर न परय; काहेकि तूँ पंचे त खुदय
जनते हया, कि हम पंचे एहिन के खातिर ठहराए गएन हय। 4 काहेकि
पहिलेव, जब हम पंचे तोंहरे लघे रहेन हय, त तोंहसे कहा करत रहेन हय,
कि हमहीं पंचन काहीं दुख-मुसीबत सहँय क परी, अउर अइसनय भाबय भ,
अउर तूँ पंचे जनते घलाय हया। 5 इआ कारन से जब हमसे अउर न रहा ग,
त तोंहरे बिसुआस के हाल चाल जानँइ के खातिर तीमुथियुस काहीं पठएन,
कि कहँव अइसा न होय, कि परिच्छा करँइ बाला सइतान तोंहार परिच्छा
किहिस होय, अउर हमार पंचन के सगली मेहनत पानी माहीं चली गे होय।

तीमुथियुस के व्दारा खबर मिलब

6 पय अबहिनय तीमुथियुस, जउन तोंहरे लघे से हमरे लघे आइके, तोंहरे
बिसुआस, अउर प्रेम के निकही खबर सुनाइन हीं, अउर इआ बात काहीं
घलाय बताइन हीं, कि तूँ पंचे हमेसा प्रेम के साथ हमहीं पंचन काहीं सुध
करते हया, अउर हमहीं पंचन काहीं देखँइ के इच्छा करते हया, जइसा हमहूँ
पंचे, तोंहईं देखँइ के इच्छा करित हएन। 7 एसे हे भाई-बहिनिव, हम पंचे
अपने सगले दुख-मुसीबत अउर कस्ट माहीं तोंहरे बिसुआस काहीं जानिके,
तोंहरे बारे माहीं सान्ति पाएन हय। 8 काहेकि तूँ पंचे प्रभू के बचन माहीं स्थिर
हया, इआ जानिके हम पंचे खुसी के साथ जीत हएन। 9 अउर जइसन
आनन्द हमहीं पंचन काहीं तोंहरे कारन मिला हय, ओखे बदले तोंहरे बारे
माहीं हम पंचे परमातिमा काहीं खुब धन्यबाद देइत हएन। 10 हम पंचे दिन-
रात खुब प्राथना करत रहित हएन, कि तोंहईं कबय देखी, अउर आइके
तोंहरे बिसुआस के कमी-घटी काहीं पूर करी।
11 अब हमार पिता परमातिमा अउर प्रभू यीसु मसीह, तोंहरे लघे आमँइ के
खातिर हमार पंचन के अँगुआई करँय, 12 अउर प्रभू अइसन करँय, कि
जइसन प्रेम हम पंचे तोंहसे रक्खित हएन; उहयमेर तोंहरव प्रेम आपस माहीं
एक दुसरे के साथ, अउर सगले मनइन के साथ बढ़य, अउर मजबूत होत
जाय। 13 जउने ऊँ तोंहरे हिरदँय काहीं अइसन स्थिर करँय, कि जब हमार
पंचन के प्रभू यीसु अपने सगले पबित्र लोगन के साथ आमँय, त तूँ पंचे पिता
परमातिमा के आँगे पबित्र अउर बेकसूर ठहरा।

परमातिमा काहीं प्रसन्न करँइ बाला जीबन

4 हे भाई-बहिनिव, हम पंचे तोंहसे बिनती करित हएन, अउर तोंहईं प्रभू
यीसु के नाम से समझाइत हएन, कि जइसन तूँ पंचे हमसे पंचन से
निकहा चाल-चलन चलब, अउर परमातिमा काहीं प्रसन्न करब सिखे हया,
अउर उहयमेर चलते घलाय हया, त इहइमेर अउर आँगे बढ़त चले जा।
2 अउर हम पंचे प्रभू यीसु के तरफ से जउन-जउन हुकुम तोंहईं बताए रहेन
हय, उनहीं त तूँ पंचे जनतेन हया? 3 काहेकि परमातिमा के इआ इच्छा ही,
कि तूँ पंचे पबित्र बना, मतलब ब्यभिचार से बचे रहा। 4 अउर तोंहरे पंचन म
से हरेक जन अपने देंह के बासनन काहीं काबू म करब सिखा, काहेकि इआ
पबित्र अउर आदर के काबिल हय। 5 अउर इआ काम बुरी इच्छा से न किहा,
जउनमेर ऊँ जातिअन के मनई करत हें, जउन परमातिमा काहीं नहीं जानँय।
6 अउर परमातिमा के इहव इच्छा ही, कि इआ बात माहीं कोऊ अपने
बिसुआसी भाई-बहिनिन काहीं धोखा न देय, अउर न उनखर अनुचित
फायदय उठाबय, काहेकि प्रभू ईं सगली बातन के बदला लेंइ बाले हें; इआ
बात काहीं हम पंचे पहिलेन तोंहईं बताय चुके हएन, अउर सावधान किहेन
रहा हय। 7 काहेकि परमातिमा हमहीं पंचन काहीं असुद्ध होंइ के खातिर
नहीं, बलकिन पबित्र बनँइ के खातिर बोलाइन हीं। 8 इआ कारन से जे कोऊ
ईं बातन काहीं तुच्छ जानत हय, उआ सिच्छा देंइ बाले मनई काहीं नहीं,
बलकिन परमातिमा काहीं तुच्छ जानत हय, जउन आपन पबित्र आत्मा
तोंहईं देत हें। 9 पय आपस के भाईचारा के प्रेम के बारे माहीं, तोंहईं हमहीं
अउर कुछू लिखँइ के जरूरत नहिं आय? काहेकि आपस माहीं प्रेम करब तूँ

पंचे खुदय परमातिमा से सिखे हया। 10 अउर पूरे मकिदुनिया प्रदेस के सगले
बिसुआसी भाई-बहिनिन के साथ, अइसन प्रेम करते घलाय हया, पय हे
भाई-बहिनिव, हम पंचे तोंहईं समझाइत हएन, कि इहइमेर प्रेम अउर जादा
से जादा करत चले जा। 11 अउर जइसन हम पंचे तोंहईं हुकुम दिहेन हय,
उहयमेर सान्ति के साथ रह्या, अउर आपन-आपन काम धंधा करँइ के, अउर
अपने-अपने हाँथन से कमाँय के कोसिस करा। 12 जउने तोंहईं कउनव चीज
के कमी न होय, अउर मसीही मन्डली के बाहर बालेन के साथ निकहा
बरताव किहा।

प्रभू के दुसराय आउब

13 हे भाई-बहिनिव, हम पंचे इआ नहीं चाहित आहेन, कि तूँ पंचे उनखे
बारे माहीं जउन प्रभू के ऊपर बिसुआस कइके मरिगें हँय, अनजान रहा;
कहँव अइसन न होय, कि तूँ पंचे अबिसुआसी लोगन कि नाईं सोक करा,
जिनहीं कउनव आसा नहिं आय। 14 काहेकि अगर हम पंचे बिसुआस करित
हएन, कि यीसु मरिगें, अउर पुनि जिन्दा होइगें, उहयमेर परमातिमा उनहूँ
काहीं, जउन यीसु के ऊपर बिसुआस करत-करत आपन प्रान दइ दिहिन हीं,
यीसु के साथ लइ अइहँय। 15 काहेकि हम पंचे प्रभू के बचन के मुताबिक
तोंहसे इआ कहित हएन, कि हम पंचे जेतने जिन्दा हएन, प्रभू के दुसराय
आमँइ तक बचे रहब, तऊ जउन प्रभू के ऊपर बिसुआस कइके मरिगें हँय,
उनसे आँगे कबहूँ न होए पाउब। 16 काहेकि प्रभू खुदय स्वरग से उतरिके
अइहँय; उआ समय ललकार, अउर प्रधान स्वरगदूत के बोल सुनाई देई,
अउर परमातिमा के तुरही फूँकी जई, तब जउन मसीह के ऊपर बिसुआस
कइके मरिगें हँय, ऊँ पंचे पहिले जि उठिहँय। 17 ओखे बाद हमरे पंचन म से
जेतने जिन्दा बचे रहब, उनहिन के साथ बदरिन माहीं उठाय लीन जाब, कि
प्रभू से अकास माहीं मिली, अउर इआमेर से हम पंचे हमेसा प्रभू के साथ
रहब। 18 एसे तूँ पंचे ईं बातन से एक दुसरे काहीं सान्ति द्या करा।

प्रभू दुसराय आमँइ बाले हें तूँ पंचे तइआर रह्या

5 हे भाई-बहिनिव, समय अउर दिन तारीख के बारे माहीं तोंहईं पंचन
काहीं लिखँइ के कउनव जरूरत नहिं आय। 2 काहेकि तूँ पंचे त खुदय
निकहा से जनते हया, कि जइसन रात माहीं चोर अचानक आबत हय,
उहयमेर प्रभू के आमँइ के दिन आमँइ बाला हय। 3 जब लोग-बाग इआ
कहत होइहँय, कि सब कुसल-मंगल हय, अउर कुछू डेर नहिं आय,
तबहिनय उनखे ऊपर एकय एक घोर संकट आय परी, जइसन लड़कहाई
मेहेरिआ के पीरा; अउर ऊँ कउनव मेर से न बचि हँय। 4 पय हे भाई-
बहिनिव, तूँ पंचे त पाप रूपी अँधिआर माहीं नहिं आह्या, कि उआ दिन
तोंहरे ऊपर चोर कि नाईं अचानक आय परय। 5 काहेकि तूँ पंचे सगले जने
त जोति अउर दिन के सन्तान आह्या, हम पंचे न रातय के आहेन, न
अँधिआरय के। 6 एसे हम पंचे अबिसुआसी लोगन कि नाईं सोबत न रही,
बलकिन सचेत अउर अपने ऊपर काबू रखँइ चाही। 7 काहेकि जउन सोबत
हें, त ऊँ रातयके सोबत हें, अउर जउन मतबार होत हें, ऊँ रातयके मतबार
होत हें। 8 पय हम पंचे त दिन के आहेन, बिसुआस अउर प्रेम के झिलम
†पहिरिके अउर मुक्ती के आसा के टोप पहिरिके सचेत रही। 9 काहेकि
परमातिमा हमहीं पंचन काहीं क्रोध के खातिर नहीं, बलकिन एसे ठहराइन
हीं, कि हम पंचे अपने प्रभू यीसु मसीह के व्दारा मुक्ती पाई। 10 प्रभू यीसु
मसीह हमरे पंचन के खातिर एसे मरे, कि हम पंचे चाह जिअत रही, चाह मर
जई, जब ऊँ दुसराय अइहँय, सब जन मिलिके उनहिन के साथ जिअत
रहब। 11 इआ कारन एक दुसरे काहीं सान्ति द्या, अउर एक दुसरे काहीं
आत्मिक रूप से बढ़ामँय के खातिर मदत करा, जइसन तूँ पंचे करतेव हया।

मसीही मन्डली के खातिर उपदेस

12 हे भाई-बहिनिव, हम पंचे तोंहसे बिनती करित हएन, कि जउन तोंहरे
बीच माहीं मेहनत करत हें, अउर प्रभू माहीं तोंहार अँगुआई करत हें, अउर
तोंहईं सिच्छा देत हें, उनखर सम्मान करा। 13 अउर उनखे इआ काम के
कारन, उनहीं बड़े प्रेम से आदर के काबिल समझा, अउर आपस माहीं मिल-
जुलिके रहा। 14 अउर हे भाई-बहिनिव, हम पंचे तोंहईं समझाइत हएन,
जिनखर चाल-चलन निकहा नहिं आय, उनहीं समझाबा, डरपोकन काहीं
ढाढ़स द्या, कमजोरन काहीं सम्हारा, अउर सगलेन के साथ सहनसीलता
देखाबा। 15 अउर सचेत रहा कोऊ, कोहू के साथ बुराई के बदले बुराई न
करा, बलकिन हमेसा भलाई करँइ के खातिर तइआर रहा, अपसय माहीं भर
नहीं, बलकिन सगले मनइन के साथ भलाई करँइ के कोसिस करा।
16 हमेसा आनन्दित रहा। 17 हमेसा प्राथना करँइ माहीं लगे रहा। 18 हरेक
बात माहीं धन्यबाद करा; काहेकि जेतने जने मसीह यीसु माहीं हया, तोंहरे
खातिर परमातिमा के इहय इच्छा ही। 19 पबित्र आत्मा के काम काहीं न
दबाबा। 20 परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन के बातन काहीं तुच्छ न
जाना। 21 सगली बातन काहीं पहिले जाँचा-परखा जउन निकही होंय, उनहीं
अपनाबा। 22 अउर हरेकमेर के बुराइन से बचे रहा।

आसिरबाद

23 सान्ति देंइ बाले परमातिमा खुदय तोंहईं पूरी तरह से पबित्र करँय; अउर
तोंहार आत्मा, प्रान अउर देंह हमरे पंचन के प्रभू यीसु मसीह के आमँइ तक,
पूर-पूर निरदोस अउर सुरच्छित रहय। 24 काहेकि परमातिमा जउन तोंहईं
बोलाइन हीं, सच्चे हँय, अउर ऊँ अइसनय करिहँय। 25 हे भाई-बहिनिव हमरे
पंचन के खातिर प्राथना करत रहा। 26 सगले बिसुआसी भाई-बहिनिव,
आपस माहीं मसीही प्रेम के साथ नबस्कार करा। 27 हम तोंहईं प्रभू के
किरिआ धराइके कहित हएन, कि इआ चिट्ठी सगले भाई-बहिनिन काहीं
पढ़िके सुनाई जाय। 28 प्रभू यीसु मसीह के किरपा तोंहरे ऊपर होत रहय।
आमीन!

† *झिलम- पुराने जमाने माहीं जब राजा लड़ाई माहीं जात रहे हँय त सुरच्छा के खातिर छाती माहीं पहिरत रहे हँय।*

2 थिस्सलुनीकियन

इआ चिट्ठी के परिचय

प्रभू यीसु मसीह के दुसराय आमँइ से सम्बन्धित उलझन होंइ के कारन, थिस्सलुनीकियन के मसीही मन्डली माहीं गड़बड़ी के स्थित बनिगे रही हय। थिस्सलुनीकियन के नाम यीसु मसीह के खास चेला पवलुस के दूसर चिट्ठी इआ बिचार-धारा पर, कि प्रभू के आमँइ के दिन पहिलेन आय चुका हय, इआ सोच-बिचार करँइ के खातिर लिखी गे ही। पवलुस इआ बात काहीं बताबत, इआ बिचार धारा काहीं सुधार करत हें, कि मसीह के आमँइ से पहिले दुस्टता अउर बुराई अपने चरम सीमा माहीं होई। इआ एकठे रहस्यमयी सासन करँइ बाले के अधीनता माहीं होई, जेही "पाप के पुरुस अरथात बिनास के लड़िका" कहा ग हय, जउन कि मसीह के बिरोध करी।
खास चेला पवलुस इहाँ इआ जरूरत पर जोर देत हें, कि सगले दुख-मुसीबत अउर कस्टन के बावजूदव ओखे पढ़ँइ बालेन काहीं अपने बिसुआस माहीं मजबूत बने रहँइ चाही, अपने खाँइ जिअँइ के खातिर काम करत रहँइ चाही, जइसन पवलुस अउर उनखर साथी करत रहे हँय, अउर भलाई करँइ माहीं लगे रहँय चाही।

रूप-रेखा :

भूमिका
स्तुति अउर प्रसंसा
मसीह के दुसराय आमँइ के बारे माहीं सिच्छा
मसीही चाल-चलन अउर बेउहार सम्बन्धित उपदेस
उपसंहार

पवलुस के अभिबादन

1 पवलुस अउर सीलास अउर तीमुथियुस के तरफ से थिस्सलुनीकी
सहर के मसीही मन्डली के नाम चिट्ठी, जउन पिता परमातिमा अउर
प्रभू यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस माहीं स्थिर ही। 2 हमरे पंचन के पिता
परमातिमा अउर प्रभू यीसु मसीह के तरफ से तोंहईं पंचन काहीं किरपा
अउर सान्ती मिलत रहय।

न्याय के दिन

3 हे भाई-बहिनिव, तोंहरे बारे माहीं हमहीं पंचन काहीं, हर समय
परमातिमा काहीं धन्यबाद देत रहँइ चाही, अउर इआ उचितव हय, एसे कि
तोंहार बिसुआस खुब बाढ़त जात हय, अउर तोंहार सगलेन के प्रेम घलाय
आपस माहीं खुब बाढ़त जात हय। 4 इहाँ तक, कि हम पंचे खुदय
परमातिमा के मसीही मन्डली माहीं तोंहरे बारे माहीं घमन्ड करित हएन, कि
जेतने उपद्रव अउर दुख-मुसीबत तूँ पंचे सहते हया, उन सगलेन माहीं तोंहार
धीरज अउर बिसुआस प्रगट होत हय। 5 इआ परमातिमा के सही न्याय के
बेलकुल सही सबूत हय; कि तूँ पंचे परमातिमा के राज के काबिल ठहरा,
जउने के खातिर तूँ पंचे दुख-मुसीबत सहते हया। 6 काहेकि परमातिमा के
लघे सही न्याय होत हय, जउन तोंहईं दुख देत हें, उनहूँ काहीं परमातिमा
बदले माहीं दुख देंय। 7 अउर तोंहईं जउन दुख पउते हया, हमरे पंचन के
साथ अराम देंय; उआ समय माहीं जब प्रभू यीसु अपने समरथी स्वरगदूतन
के साथ, धँधकत आगी माहीं प्रगट होइहँय, 8 तब जउन मनई परमातिमा
काहीं नहीं पहिचानँय, अउर हमरे पंचन के प्रभू यीसु के खुसी के खबर काहीं
नहीं मानँय, उनसे बदला लेइहँय। 9 ऊँ प्रभू के सामर्थ के तेज के आँगे से दूरी
हटाइके, नास होंइ के खातिर नरक माहीं डार दीन जइहँय। 10 इआ उहय
दिन होई, जब प्रभू यीसु अपने पबित्र लोगन माहीं महिमा पामँइ के खातिर,
अउर सगले जउन उनखे ऊपर बिसुआस करत हें, उनखे बीच माहीं अचरज
के कारन होंइ के खातिर अइहँय; ओमाहीं तुहूँ पंचे सामिल होइहा, काहेकि
तूँ पंचे हमरे गबाही के बिसुआस किहा हय। 11 एसे हम पंचे, हमेसा तोंहरे
खातिर प्राथना घलाय करित हएन, कि हमार पंचन के परमातिमा, तोंहईं
उआ जीबन के काबिल समझँय, जउने काहीं जिअँइ के खातिर बोलाइन
रहा हय, अउर तोंहरे भलाई के हरेक इच्छा, अउर बिसुआस के हरेक कामन
काहीं सामर्थ सहित पूर करँय। 12 इआमेर से हमरे पंचन के प्रभू यीसु मसीह
के नाम, तोंहरे जीबन के द्वारा आदर पाबय, अउर तूँ पंचे उनखे द्वारा, इआ
सब कुछ परमातिमा अउर प्रभू यीसु के किरपा से होई।

प्रभू के आमँइ से पहिले दुरघटना होइहँय

2 हे भाई-बहिनिव, हम पंचे अपने प्रभू यीसु मसीह के दुसराय आमँय,
अउर उनखे लघे एकट्ठा होंइ के बारे माहीं तोंहसे बिनती करित हएन।
2 कि तूँ पंचे कउनव मेर के भबिस्यबानी, उपदेस इआ कि चिट्ठी के द्वारा
मिली बात काहीं, इआ समझिके, कि हमरे पंचन के तरफ से भेजी आय,
प्रभू के आमँय के दिन आय पहुँचा हय, तोंहार मन ब्याकुल न होय, अउर न
तूँ पंचे घबरया, 3 अउर कउनव मेर से कोहू के झाँसे माहीं न अया, काहेकि
जब तक धरम के त्याग न होइ जई, तब तक उआ दिन न अई, अउर अधरम
के पुरुस मतलब बिनास के लड़िका प्रगट न होइ जई। 4 उआ अपने काहीं
हरेक चीजन से बढ़िके मानी, अउर उनखर बिरोध करी, अउर अइसन
चीजन के जउन परमातिमा के आहीं, इआ कि जउन पूजँय के काबिल हईं।
इहाँ तक कि उआ परमातिमा के मन्दिर माहीं बइठिके, इआ दाबा करी, कि
हम परमातिमा आहेन। 5 काहे तोंहईं सुध नहिं आय, कि जब हम तोंहरे इहाँ
रहेन हय, त तोंहसे ईं बातन काहीं बताबत रहेन हय? 6 अउर तूँ पंचे उआ
रहस्समई सक्ती काहीं जनते हया, जउन ओही आमँइ से रोंके ही, कि उआ
अपने निअत समय माहीं प्रगट होय। 7 काहेकि अधरम के रहस्समई सक्ती

अबहिनव काम करत रहत ही, पय ओही अबहिनव एकठे रोंकँइ बाला हय,
अउर जब तक उआ रोंकँइ बाला हटाय न दीन जई, तब तक उआ रोंके रही।
8 तब उआ अधरमी प्रगट होई, जउने काहीं प्रभू यीसु अपने मुँहे के फूँक से
मारि डरिहँय, अउर अपने आमँइ के तेज से भसम करिहँय। 9 उआ अधरमी
के आउब सइतान के सक्ती से होई, अउर उआ हरेकमेर के झूँठी सामर्थ,
अउर चिन्ह, अउर अदभुत काम के साथ, 10 अउर नास होंइ बाले मनइन
काहीं, उआ हरेकमेर के अधरम माहीं डारत हय, काहेकि ऊँ सत्य से प्रेम
नहीं किहिन, जउने से उनहीं मुक्ती मिलत। 11 इहय कारन से परमातिमा
उनमा एकठे भटकामँइ बाली सामर्थ काहीं पठइहँय, जउने ऊँ झूँठ के
बिसुआस करँय, 12 अउर जेतने मनई सत्य के बिसुआस नहीं करँय, बलकिन
अधरम से खुसी होत हें, ऊँ सगले सजा पामँय।

अटल बने रहा

13 पय हे प्रभू के पियार भाई-बहिनिव, चाही कि हम पंचे तोंहरे बारे माहीं
हमेसा परमातिमा काहीं धन्यबाद देत रही, काहेकि परमातिमा तोंहईं आदि
से चुनि लिहिन हीं; कि पबित्र आत्मा के द्वारा पबित्र बनिके, अउर सत्य के
बिसुआस कइके मुक्ती पाबा, 14 इहय मुक्ती काहीं पामँइ के खातिर
परमातिमा के जउन खुसी के खबर हम पंचे तोंहईं बताएन तय, ओहिन के
व्दारा परमातिमा तोंहईं बोलाइन हीं, कि तूँ पंचे हमरे प्रभू यीसु मसीह के
महिमा काहीं पाबा। 15 एसे हे भाई-बहिनिव, बिसुआस माहीं अटल रहा;
अउर जउन-जउन बातन काहीं, तूँ पंचे चाह बचन से, इआ कि चिट्ठी के
व्दारा हमसे पंचन से सिखे हया, उनहीं थाम्हें रहा। 16 हमार पंचन के प्रभू
यीसु मसीह खुदय, अउर हमार पिता परमातिमा जउन हमसे पंचन से प्रेम
किहिन हीं, अउर अपने किरपा से कबहूँ न खतम होंइ बाली सान्ती अउर
उत्तम आसा दिहिन हीं, 17 तोंहरे हिरदँय माहीं सान्ती देंय, अउर तोंहईं हरेक
निकहे कामन, अउर बचन माहीं स्थिर करँय।

प्राथना करँइ के निबेदन

3 हे भाई-बहिनिव, हमरे पंचन के खातिर प्राथना करत रहा, कि प्रभू के
बचन सगले हार हरबी फइलय, अउर सब मनई ओखर आदर-सम्मान
कइके अपनामँइ, जइसन तोंहरे बीच माहीं भ रहा हय, 2 अउर इहव प्राथना
करा, कि हम पंचे खराब अउर दुस्ट मनइन से बचे रही, काहेकि अइसन
मनई प्रभू के ऊपर बिसुआस करँइ बाले नहीं होंय। 3 पय प्रभू बिसुआस के
काबिल हें; ऊँ तोंहईं मजबूती से स्थिर करिहँय, अउर उआ दुस्ट से बचाइके
सुरच्छित रखिहँय। 4 अउर तूँ पंचे प्रभू के ऊपर बिसुआस करते हया, एसे
हमहीं पंचन काहीं तोंहरे ऊपर पूर भरोसा हय, कि जउन-जउन हुकुम हम
पंचे तोंहईं दिहेन रहा हय, उनहीं तूँ पंचे मनते हया, अउर मनतव रइहा।
5 अउर परमातिमा के प्रेम अउर मसीह के धीरज कइती बढ़ँइ के खातिर,
प्रभू तोंहार अँगुआई करँय।

काम करँइ के जबाबदारी

6 हे भाई-बहिनिव, हम पंचे, तोंहईं अपने प्रभू यीसु मसीह के नाम से
हुकुम देइत हएन; कि तूँ पंचे सगले जन अइसन भाई-बहिनिन से अलग रहा,
जिनखर चाल-चलन निकहा नहिं आय, काहेकि जउन सिच्छा ऊँ पंचे हमसे
पाइन रहा हय, ओखे मुताबिक नहीं चलँय। 7 काहेकि तूँ पंचे त खुदय जनते
हया, कि तोंहईं कउनमेर से हमरे कि नाईं चाल चलँइ चाही; काहेकि तोंहरे
पंचन के बीच माहीं हमार चाल-चलन गलत नहीं रहा। 8 अउर हम पंचे सेंत-
मेंत माहीं कोहू के रोटी नहीं खायन, बलकिन दिन-रात बड़े मेहनत से कस्ट
सहिके काम धंधा करत रहेन हय, जउने तोंहरे पंचन म से कोहू के ऊपर भार
न परय। 9 अइसा नहिं आय कि हमहीं पंचन काहीं तोंहसे खाँय-पिअँइ के
हक्क नहिं आय, हक्क हय, तऊ हम पंचे एसे कठिन मेहनत करत रहेन हय,
कि जउने तुहूँ पंचे इहइमेर करा। 10 अउर हम पंचे जब तोंहरे इहाँ रहेन हय,
तबहिनव इआ हुकुम तोंहईं देत रहेन हय, कि “अगर जे कोऊ काम न करँइ
चाहय, त उआ खाँइव क न पाबय।” 11 हमहीं पंचन काहीं इआ सुनँय क
मिलत हय, कि कुछ जने तोंहरे बीच माहीं अनुचित चाल चलत हें; अउर खुद
कुछू काम नहीं करँय, अउर जे करतव हें, उनहूँ के काम माहीं टाँग अड़ाबत
हें। 12 इआमेर के मनइन काहीं हम पंचे प्रभू यीसु मसीह के नाम से इआ
हुकुम देइत, अउर समझाइत हएन, कि ऊँ पंचे चुपचाप काम धन्धा कइके
अपनेन कमाई के रोटी खाबा करँय। 13 अउर हे भाई-बहिनिव, तूँ पंचे भलाई
करँइ माहीं हिम्मत न छोंड्या, हमेसा लगे रहा। 14 अगर कोऊ हमरे इआ
चिट्ठी के बात काहीं नहीं मानय, त ओखे ऊपर नजर रक्खा; अउर ओखर
संगत न करा, जउने उआ लज्जित होय। 15 तऊ ओही दुसमन न समझा,
बलकिन भाई जानिके ओही चेतउनी द्या।

अन्तिम नबस्कार

16 अउर प्रभू जउन सान्ति के दाता हें, खुदय तोंहईं हरेकमेर से सान्ति देंइ।
प्रभू तोंहरे पंचन के साथ रहँय। 17 हम पवलुस अपने हाँथे के लिखाबट से
नबस्कार लिखित हएन; हमरे हरेक चिट्ठिन के इहय चिन्हारी आय; हम
इहइमेर से लिखित हएन। 18 हमरे पंचन के प्रभू यीसु मसीह के किरपा तोंहरे
पंचन के ऊपर होत रहय।

1 तीमुथियुस

इआ चिट्ठी के परिचय

तीमुथियुस एकठे जमान मसीही रहे हँय, जउन एसिया माइनर सहर के निबासी आहीं, अउर उनखर महतारी यहूदी जाति के अउर बाप यूनानी जाति के रहे हँय। ऊँ पवलुस के प्रचार के काम माहीं उनखर साथी अउर सहयोगी बनिगे रहे हँय। तीमुथियुस के नाम से लिखी यीसु मसीह के खास चेला पवलुस के पहिल चिट्ठी, मुख्य रूप से तीनठे बातन माहीं बिचार करँइ के खातिर लिखी गे रही हय।
सबसे पहिले इआ चिट्ठी मसीही मन्डली माहीं झूँठ सिच्छा के बिरोध माहीं चेतउनी देत ही। जउन कि यहूदी लोगन अउर गैरयहूदी लोगन के बिचारन के मिली-जुली सिच्छा रही हय, इआ सिच्छा इआ बिचार धारा के ऊपर आधारित रही हय, कि सगला संसारय बुरा हय, अउर कउनव मनई खास गुप्त ग्यान, अउर कुछ रीति-रिबाजन, जइसन कुछ खाँइ बाली चीजन काहीं न खाय, अउर न काज-बिआह करय, ईं सगली बातन के पालन कइके मुक्ती पाय सकत हय। इआ चिट्ठी माहीं मसीही मन्डली के इन्तजाम करब, अउर अराधना से सम्बन्धित निरदेस घलाय हें, अउर साथय-साथ उआ चरित्र के बखान घलाय हय, जउन मसीही मन्डली के अँगुअन अउर सहयोगिअन के खातिर जरूरी हय। अउर अन्त माहीं, तीमुथियुस काहीं इआ सलाह दीन गे ही, कि ऊँ कइसन यीसु मसीह के निकहा सेबक बन सकत हें, अउर अलग-अलग उमिर के बिसुआसी समूहन के खातिर उनखर का-का जबाबदारी हईं।

रूप-रेखा :

भूमिका
मसीही मन्डली अउर अँगुअन से सम्बन्धित निरदेस
तीमुथियुस काहीं उनखे काम के बारे माहीं निरदेस

पवलुस के अभिबादन

1 हम पवलुस आहेन, हे तीमुथियुस इआ चिट्ठी हम तोंहईं लिख रहेन हँय, जउन हमहीं मुक्ती देंइ बाले परमातिमा अउर हमरे आसा के अधार मसीह यीसु के हुकुम से मसीह यीसु के खास चेला आहेन, 2 काहेकि तूँ हमरे व्दारा बचन सुनाए से यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस किहे हया, इआ बिचार से हे तीमुथियुस, तूँ हमरे सग लड़िका कि नाईं हया।
हम प्राथना करित हएन, कि पिता परमातिमा अउर हमरे पंचन के प्रभू यीसु मसीह के तरफ से तोहईं किरपा, दया, अउर सान्ति मिलत रहय।

गलत सिच्छा देंइ बालेन के बिरोध माहीं चेतउनी

3 हे तीमुथियुस, जइसन हम तोहईं मकिदुनिया प्रदेस काहीं जाँइ के समय समझायन रहा हय, कि तूँ इफिसुस सहर माहीं रहिके, उन लोगन काहीं जउन गलत सिच्छा देत हें, हुकुम द्या, कि ऊँ दुसरे बिसुआसिअन काहीं गलत सिच्छा न देंय। 4 अउर तूँ उहाँ के बिसुआसिअन काहीं समझाबा, कि ऊँ अइसन किस्सा-कहानिन से अउर अनन्त बंसाबलियन से दूरी रहँय, जउने से लड़ाई-झगड़ा होत हें, काहेकि जउन मुक्ती पामँइ के प्रबन्ध परमातिमा किहिन हीं, उआ केबल प्रभू यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस करे से मिलत ही, उनसे इनखर कउनव लेन-देन नहिं आय। उहय बात काहीं पुनि कहित हएन। 5 हमरे समझामँइ के मतलब इआ आय, कि सुद्ध मन से अउर अच्छे सोच-बिचार से, अउर निस्कपट बिसुआस से प्रेम उत्पन्न होत हय। 6 कुछ जने इन बातन काहीं छोंड़िके फालतू के बातन माहीं फँसिगें हँय। 7 अउर ऊँ यहूदी नेमन काहीं सिखामँइ बाले बनँइ त चाहत हें, पय जउने बातन काहीं खुब जोर दइके बोलत हें, उनहीं खुदय नहीं समझँय। 8 पय हम पंचे जानित हएन, कि अगर कोऊ मूसा के बिधान के नेमन काहीं, सही रीति से काम माहीं उपयोग करत हय, त उआ निकहा हय। 9 इआ जानिके कि परमातिमा के दीन मूसा के बिधान के नेम सही काम करँइ बालेन काहीं सुधारँय के खातिर नहीं, बलकिन अधरमिन, बिद्रोहिन, अउर जउन परमातिमा के अराधना नहीं करँय, पापिन, अउर जउन पबित्र जीबन नहीं जिअँइ, असुद्ध मनइन, अउर महतारी-बाप के कतल करँइ बाले, कतलिन, 10 अउर ब्यभिचारिन, जउन मंसेरुअय, मंसेरुअय एक दुसरे के साथ गलत सम्बन्ध बनाबत हें, अउर मनइन काहीं बेचँय बालेन, अउर झूँठ बोलँइ बालेन, अउर झूँठ किरिआ करँइ बालेन, अउर इनखे अलाबव सत्य उपदेस के सगले बिरोधिन के खातिर ठहराए गे हँय। 11 इआ सिच्छा परम धन्य परमातिमा के महिमा के उआ खुसी के खबर के मुताबिक ही, जउने के प्रचार करँइ के जिम्मेबारी हमहीं सँउपी गे ही।

किरपा के खातिर धन्यबाद

12 अउर हम अपने प्रभू मसीह यीसु काहीं, जउन हमहीं सामर्थ दिहिन हीं, धन्यबाद देइत हएन, ऊँ हमहीं बिसुआस के काबिल समझिके, अपने सेबा के खातिर ठहराइन हीं। 13 हम त पहिले यीसु मसीह के अपमान करँइ बाले रहेन हय, अउर बिसुआसी लोगन काहीं सतामँइ बाले, अउर उनखे ऊपर अत्याचार करँइ बाले रहेन हय; तऊ प्रभू हमरे ऊपर दया किहिन, काहेकि जब हम प्रभू के ऊपर बिसुआस नहीं करत रहेन, उआ दसा माहीं बिना समझे बूझे ईं काम किहेन रहा हय। 14 अउर प्रभू के किरपा हमहीं बहुतायत से मिली, अउर साथय-साथ उआ बिसुआस अउर प्रेम जउन मसीह यीसु के ऊपर बिसुआस किहे से मिलत हय, उहव हमहीं मिला। 15 इआ बात बेलकुल सही हय, अउर हरेकमेर से मानँइ के काबिल ही, कि मसीह यीसु पापिन काहीं मुक्ती देंइ के खातिर, इआ संसार माहीं आए हँय, जउनेन म से सगलेन से बड़े पापी हम आहेन। 16 पय हमरे ऊपर एसे दया भे, कि हम सगलेन से बड़े पापी के ऊपर, यीसु मसीह आपन पूरी सहनसीलता देखामँइ, कि जउन मनई अनन्त जीबन पामँइ के खातिर, उनखे ऊपर बिसुआस करिहँय, उनखे खातिर हम आदर्स बनी। 17 अब हमेसा राज करँइ

बाले राजा, अरथात अबिनासी, जिनहीं कोऊ कबहूँ नहीं देखिस, एकलउते परमातिमा के आदर अउर बड़ाई जुग-जुग होत रहय। आमीन।

18 हे बेटा तीमुथियुस, उन परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन के बातन के मुताबिक, जउन बात पहिलेन तोंहरे बारे माहीं बताई गई रही हँय, हम इआ हुकुम देइत हएन, कि तूँ उनहिन कि नाईं उनखर बिरोध करा, जउन अनुचित सिच्छा सिखाबत हें, अउर सत्य बचन के सिच्छा देत रहा। जइसन सिपाही युद्ध माहीं जीतँय के खातिर निकही लड़ाई लड़त हय। 19 अउर हमेसा यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस रक्खा, अउर आपन सोच-बिचार निकहा रक्खा, काहेकि इनहीं छोंड़े के कारन केतनेव के परमातिमा के ऊपर कीन बिसुआस नास होइगा हय, जइसन पानी माहीं बूड़िके जिहाज नास होइ जात हय। 20 उनहिन म से हुमिनयुस अउर सिकन्दर आहीं, जउनेन काहीं हम बिसुआसिअन से अलग कइ दिहेन हँय, कि ऊँ बुराई करब न सिखँय।

अराधना करँइ के बारे माहीं निरदेस

2 अब हम सबसे पहिले तोंहईं इआ निरदेस देइत हएन, कि सगले मनइन के खातिर परमातिमा से धन्यबाद के साथ बिनती, प्राथना, अउर निबेदन किहा करा। 2 अउर प्रसासन चलामँइ बालेन, अउर ऊँच पद बाले अधिकारिन के खातिर घलाय प्राथना किहा, एसे कि जउने हम पंचे सान्ति के साथ निडर होइके, परमातिमा के भक्ती करत गम्भीरता से जीबन बिताय सकी। 3 अउर हमहीं पंचन काहीं मुक्ती देंइ बाले परमातिमा काहीं, इआ निकहा लागत हय, अउर ऊँ एसे प्रसन्नव होत हें। 4 अउर परमातिमा इआ चाहत हें, कि सगले मनई मुक्ती पामँय; अउर ऊँ सत्य काहीं निकहा से जान लेंय 5 काहेकि सगले संसार के एकयठे परमातिमा हें; अउर परमातिमा के अउर मनइन के मेल-मिलाप करामँइ बाले एकयठे बिचबई हें, मसीह यीसु, जउन मनई के देंह लइके इआ संसार माहीं आए हँय। 6 जउन खुद काहीं सगले मनइन काहीं मुक्ती देंइ के खातिर, क्रूस माहीं बलिदान कइके कीमत चुकाइन हीं; इआ काम परमातिमा के ठहराए सही समय माहीं प्रभू यीसु मसीह पूर कइके गबाही दिहिन हीं। 7 हम बेलकुल सही कहित हएन, लबरी नहीं बोली, हम इहय खुसी के खबर सुनामँइ के खातिर, यीसु मसीह के पठए खास चेला आहेन, अउर गैरयहूदी लोगन काहीं, परमातिमा के ऊपर बिसुआस करँइ के सत्य बचन के उपदेस सुनामँइ के खातिर, हम चुने गएन हँय।

8 एसे हम चाहित हएन, कि हरेक मसीही मन्डलिन माहीं मंसेरुआ बिना गुस्सा, अउर झगड़ा किहे, खुद काहीं पबित्र रखिके अपने हाँथन काहीं ऊपर उठाइके परमातिमा से प्राथना करँय। 9 इहइमेर सगली मेहेरिआ घलाय, सकुच के साथ खुद पर नियन्त्रन रखिके, उचित ओन्हन से खुद काहीं सजामँय, इआ नहीं कि बार गुहँय, अउर सोन-चाँदी, अउर मोतिन, अउर महग ओन्हन से, बलकिन निकहे-निकहे कामन से सजामँय, 10 काहेकि जउन मेहेरिआ खुद काहीं परमातिमा के भक्ती करँइ बाली मनती हईं, उनखे खातिर इआ उचितव हय। 11 अउर मेहेरिअन काहीं मसीही मन्डली माहीं सान्त बइठिके, बिना कुछू बोले-चाले बचन सुनामँइ बालेन के सिच्छा काहीं सिखँय चाही। 12 अउर हम इहव कहित हएन, कि मसीही मन्डली माहीं मेहेरिआ उपदेस न देंय, अउर न मंसेरुअन के ऊपर हुकुमय चलामँय, बलकिन सान्त बइठँय। 13 काहेकि परमातिमा पहिले मंसेरुआ काहीं बनाइन, जिनखर नाम आदम परा, अउर ओखे बाद मेहेरिआ काहीं बनाइन, जिनखर नाम हब्बा परा। 14 अउर आदम काहीं सइतान नहीं बहकाए पाइस, पय मेहेरिआ सइतान के बहकाए माहीं परिके, परमातिमा के हुकुम के उलंघन कइके अपराधिन बनिगे। 15 एखे बादव मेहेरिआ बच्चा पइदा किहे के कारन मुक्ती पइहँय, अगर खुद पर काबू रखिके, परमातिमा के ऊपर बिसुआस, प्रेम, अउर पबित्रता माहीं अटल रहँय।

मसीही मन्डली माहीं अँगुआ के योग्यता

3 अगर कोऊ अँगुआ बनय चाहत हय, त उआ निकहे काम करँइ के इच्छा करत हय। इआ बात त सत्य आय। 2 एसे अँगुआ काहीं अइसा जीबन जिअँइ चाही, कि ओही कोऊ बुरा न कहे पाबय, अउर ओखे केबल एकयठे मेहेरिआ होय, अउर उआ खुद काहीं काबू माही रक्खँइ बाला होय, अउर सगले मनइन के साथ निकहा बेउहार करँइ बाला होय, अउर सभ्य, अउर महिमानन के स्वागत-सत्कार करँइ बाला होय, अउर उआ सिच्छा देंइ माही निपुन होय। 3 उआ पिआगी अउर मार पीट करँइ बाला न होय; अउर उआ सरल सुभाव के होय, लड़ाई-झगड़ा करँइ बाला न होय, अउर न धन-सम्पत्ती के लालचिन होय। 4 बलकिन अपने घर-परिबार के निकहा से प्रबन्ध करँइ बाला होय, अउर ओखर लड़िका-बच्चा ओखर कहा-बतान मानत होंय, अउर सम्मान करत होंय। 5 अगर कउनव मनई अपने घरय परिबार के निकहा से प्रबन्ध करँइ नहीं जानय, त उआ परमातिमा के मसीही मन्डली के प्रबन्ध कइसा कए पाई? 6 फेर इहव बात ही, कि नबा-नबा बिसुआसी अँगुआ न बनय, कहँव अइसा न होय, कि उआ पद के घमन्ड कइके सइतान कि नाईं सजा पाबय। 7 अउर मसीही मन्डली के अलाबव, गाँव समाज के मनइव ओखर मान-सम्मान करत होंय, अइसन न होय कि उआ निन्दित होइके, जइसा पंछी सिकारी के जाल माहीं फँसि जात हय, उहइमेर उहव सइतान के जाल माहीं फँसि जाय।

मसीही मन्डली माहीं सेबा करँइ बाले (डीकन) के योग्यता

8 उहयमेर मसीही मन्डली माहीं सेबा करँइ बालेन काहीं होंइ चाही, जिनखर लोग सम्मान करँय, उनहीं ढोंगी, पियक्कड़ अउर गलत कामन से पइसा कमाँय के बिचार रक्खँइ बाले न होंइ चाही। 9 बलकिन बिसुआस के बारे माहीं जउन खुसी के खबर परमातिमा प्रगट किहिन हीं, ओही पूरे पबित्र मन से उनहीं पकड़े रहँइ चाही। 10 अउर इनखर पहिले जाँच-परताल कीन जाय, अउर जब ईं बेकसूर पाए जाँय, तबहिनय ईं मसीही मन्डली माहीं सेबक के काम करँय।

11 इहइमेर से मसीही मन्डली माहीं सेबा करँइ बाली मेहेरिअन काहीं घलाय होंइ चाही, जिनखर सगले मनई सम्मान करँय, ऊँ दुसरेन के ऊपर दोस लगामँइ बाली न होंय, बलकिन सचेत अउर सगली बातन माहीं बिसुआस के काबिल होंय।

12 सगले सेबकन के केबल एकय-एकयठे मेहेरिआ होंय, अउर अपने-अपने लड़िकन-बच्चन के, अउर अपने घर-परिबार के निकहा से प्रबन्ध करँइ बाले होंय। 13 काहेकि जउन सेबक, मसीही मन्डली के सेबा माहीं मदत कइके निकही सेबा करत हें, सगले मनई उनखर मान-सम्मान करत हें, अउर मसीह यीसु के ऊपर जउन बिसुआस ऊँ किहिन हीं, उआ बिसुआस काहीं दुसरे मनइन काहीं बतामँइ के खातिर, उनहीं बड़ी हिम्मत मिलत ही।

महान भेद

14 हम पवलुस तोंहरे लघे हरबी आमँइ के आसा कए हएन, तऊ ईं बातन काहीं एसे इआ चिट्ठी माहीं लिखित हएन। 15 कि अगर हमरे आमँइ माहीं समय लग जाय, त तूँ जान लिहा, कि परमातिमा के घराना माहीं, जउन जिन्दा परमातिमा के मसीही मन्डली आय, अउर मसीही मन्डलिन, सत्य के नेव अउर खम्भा आय, ओमाहीं मनइन के आचरन कइसन होंइ चाही, इआ जानिल्या। 16 हम पंचे जउन भक्ती करित हएन, ओखर रहस्य खुब महान हय, एमाहीं कउनव सन्देह नहिं आय, उआ भेद इआमेर से हय,

मसीह मनई के देंह लइके जनम लिहिन, अउर पबित्र आत्मा उनहीं धरमी ठहराइन, अउर ऊँ स्वरगदूतन काहीं देखाई दिहिन, अउर सगले जातिअन माहीं उनखे बारे माहीं प्रचार कीन ग, अउर संसार के सगले मनई उनखे ऊपर बिसुआस किहिन, अउर परमातिमा बड़े आदर के साथ उनहीं स्वरग माहीं जिन्दय ऊपर उठाय लिहिन।

झूँठ सिच्छा देंइ बालेन से सचेत रहा

4 पय पबित्र आत्मा बेलकुल सही बताबत हय, कि मसीह के दुबारा
आमँइ से पहिले अन्तिम दिनन माहीं, कुछ जने लबरी सिच्छा देंइ
बालेन के बातन माहीं फँसिके, अउर बुरी आत्मन के सिच्छन माहीं बिसुआस
कइके, परमातिमा के ऊपर किहे बिसुआस से भटक जइहँय। 2 इआ उन
लबरी सिच्छा देंइ बाले मनइन के कपट के कारन होई, जिनखर बुद्धी भ्रस्ट
होइगे ही। 3 जउन काज-बिआह करँइ से रोकि हँय, अउर खाँइ बाली कुछ
चीजन काहीं न खाँइ चाही, इआ कहिके उनसे दूरी रहँइ के हुकुम देइहँय;
जिनहीं परमातिमा एसे बनाइन हीं, कि बिसुआसी अउर सत्य काहीं जानँइ
बाले, परमातिमा काहीं धन्यबाद दइके उनहीं खाँय। 4 काहेकि परमातिमा
जउन मनइन के खाँय के खातिर, हरेक चीजन काहीं बनाइन हीं, ऊँ सगली
निकही हईं, अउर कउनव अइसा चीज नहिं आय, जिनहीं खाबा न जाय
सकय; पय इआ कि परमातिमा से प्राथना अउर धन्यबाद कइके खाबा
जाय। 5 काहेकि परमातिमा के बचन अउर प्राथना के द्वारा सगली चीज सुद्ध
होइ जाती हँय।

यीसु मसीह के निकहा सेबक

6 हे तीमुथियुस, अगर तूँ ईं सगली बातन काहीं सगले बिसुआसी भाई-
बहिनिन काहीं सुध देबाबत रइहा, त तूँ मसीह यीसु के निकहे सेबक
कहइहा, जिनखर आत्मिक लालन-पालन, परमातिमा के ऊपर बिसुआस,
अउर उहय सत्य सिच्छा के व्दारा होत हय, जेही तूँ अपनाए हया। 7 पय तूँ
बुढ़ान मनइन के व्दारा सुनाई जाँय बाली उन मनगढ़ंत किस्सा-कहानिन से
दूरी रहा, जिनखर परमातिमा के बचन से कउनव लेन-देन नहिं आय, अउर
परमातिमा के सत्य सिच्छा मनइन काहीं सिखामँइ माहीं लगे रहा। 8 काहेकि
कसरत कइके देंह काहीं मजबूत बनामँइ से खुब फायदा नहिं आय, पय
परमातिमा के सत्य सिच्छा बताउब सगली बातन के खातिर फायदे मन्द ही,
काहेकि इहव समय माहीं फायदा हय, अउर अनन्त जीबन देंइ के करार,
एहिन खातिर कीन गे ही। 9 अउर इआ बात बेलकुल सही आय, अउर
हरेकमेर से मानँइ के काबिल ही। 10 काहेकि हम पंचे मेहनत अउर उपाय
एहिन खातिर करित हएन, कि हमार पंचन के अनन्त जीबन पामँइ के आसा
जिन्दा परमातिमा के ऊपर ही; जउन सगले मनइन काहीं, खास करके
बिसुआसिअन काहीं मुक्ती देंइ बाले आहीं। 11 ईं बातन काहीं मानँइ के हुकुम
द्या करा, अउर सगले बिसुआसिअन काहीं सिखाबत रहा। 12 हे तीमुथियुस,
तूँ अबे जमान हया, इआ कारन से कोऊ तोंहार निरादर न करँय पाबय,
बलकिन तूँ अपने बात-चीत म अउर चाल-चलन म, अउर प्रेम करँइ म,
अउर परमातिमा के ऊपर बिसुआस करँय, अउर अपने पबित्र जीबन से
सगले बिसुआसिअन के खातिर आदर्स बन जा। 13 जब तक हम तोंहरे लघे
न अई, तब तक मसीही मन्डली माहीं सगले जनेन के आँगे पबित्र सास्त्र के
बचन पढ़ँइ, अउर उपदेस के बातन काहीं सिखामँइ माहीं लगे रहा। 14 हे बेटा
तीमुथियुस, परमातिमा के उन सँदेस बतामँइ बालेन के बातन के मुताबिक,
बुजुर्ग बिसुआसी के तोंहरे ऊपर हाँथ धइके प्राथना किहे से, जउन बरदान
तोहईं मिला रहा हय, ओखर उपयोग करा, 15 ईं सगली बातन के ऊपर पूर
ध्यान लगाए रहा, अउर इनहिन माहीं पूरी तरह से लीन रहा, जउने तोंहरे
उन्नति काहीं सगले मनई देखँय। 16 अउर खुद के जीबन, अउर जउन उपदेस
देते हया ओखर चउकसी करा, अउर ईं बातन काहीं हमेसा करत रहा,
जइसन हम तोंहईं बतायन हय, काहेकि अगर तूँ इहइमेर करत रइहा, त तूँ
अपने अउर सुनँइ बालेन के खातिर घलाय मुक्ती पामँइ के कारन बनिहा।

बिसुआसी बिधबन के खातिर निरदेस

5 हे तीमुथियुस, मसीही मन्डली माहीं जउन तोंहसे उमिर माहीं बड़े हँय
उनहीं न डाँट्या; बलकिन उनहीं बाप कि नाईं जानिके समझाय दिहा,
अउर जमानन काहीं भाई जानिके; 2 अउर अपने से उमिर माहीं बड़ी
मेहेरिअन काहीं, महतारी कि नाईं समझिके, अउर जमान मेहेरिअन काहीं
अपने मन माहीं बिना बुरे बिचार किहे, पूरी पबित्रता के साथ बहिनी जानिके
समझाय दिहा।

3 ऊँ बिधबन के जउन सही माहीं मदत के काबिल हईं, उनखर मदत करँइ
के ध्यान द्या। 4 पय अगर कउनव बिधबा के लड़िका-बच्चा अउर नाती-पंती
होंय, त ऊँ पहिले अपने धरम के पालन करत अपने घर-परिबार के देखभाल
करँय, अउर ऊँ अपने महतारी-बाप अउर दाई-बाबा के सेबा-सहाई कइके
उनखर हक्क पूर करँय, इआ उचितव हय, काहेकि एसे परमातिमा घलाय
प्रसन्न होत हें। 5 जउन बिधबा सही माहीं मदत के काबिल ही, अउर ओखर
कोऊ मदत करँइ बाला नहिं आय; उआ परमातिमा से मदत पामँइ के
खातिर दिन-रात प्राथना करँइ माहीं लगी रहत ही, 6 पय जउन बिधबा भोग-
बिलास के खातिर जिअत ही, उआ सारीरिक रूप से त जिअत ही, पय
आत्मिक रूप से मरी हय। 7 ईं बातन के घलाय हुकुम देत रहा, जउने उँइ
पंचे निरदोस रहँय। 8 पय अगर कोऊ अपने नात-रिस्तेदारन, अउर खासकर
अपने घर-परिबार के मनइन के मदत नहीं करय, त उआ प्रभू के बिसुआस
से भटकिगा हय, अउर उआ, जउन मनई प्रभू के ऊपर बिसुआस नहीं करँय
उनहूँ से अधिक बुरा बनिगा हय।

9 उहय बिधबा के नाम मसीही मन्डली के मदत सूची माहीं लिखा जाय,
जउने के उमिर साठ बरिस से कम न होय, अउर एकयठे मंसेरुआ के
मेहेरिआ रही होय, 10 अउर भलाई के कामन काहीं करँइ माहीं ओखर नाम
आँगे रहा होय, अपने लड़िकन-बच्चन काहीं निकहा से पालिस-पोसिस होय;
अउर महिमानन के सेबा किहिस होय, अउर उआ बिसुआसिअन के गोड़
धोइस होय, अउर दीन-दुखिअन के मदत किहिस होय, अउर भलाई के
कामन काहीं मन लगाइके किहिस होय। 11 पय जमान बिधबन के नाम
मसीही मन्डली के मदत सूची माहीं न लिख्या, काहेकि जब ऊँ मसीह के
बचन काहीं मानब छोंड़िके, भोग-बिलास माहीं परि जाती हँय, त ऊँ बिआह
करँय चहती हईं। 12 ऊँ परमातिमा के नजर माहीं दोसी ठहरती हईं, काहेकि
ऊँ मसीह के साथ कीन अपने वादा काहीं छोंड़ि दिहिन हीं। 13 एखे साथय-
साथ ऊँ घरन-घरन बागत फिरती हईं, अउर काम धंधा करब छोंड़िके
आलसी बन जाती हईं, अउर केबल आलसी भर नहीं, बलकिन बेफालतू के
बात करत रहती हईं, अउर दुसरे के कामन माहीं टाँग अँड़उती हईं, अउर
अनुचित बातँय बोलती हईं। 14 एसे हम पवलुस इआ चाहित हएन, कि
जमान बिधबा काज-बिआह कइलेंय, अउर लड़िका-बच्चा पइदा करँय,
अउर आपन घर-गिरिस्ती सम्हारँय, अउर मसीह बिरोधी मनइन काहीं
बदनाम करँइ के मोका न देंय। 15 हम एसे बताइत हएन, काहेकि कइयकठे
बिधबा परमातिमा के हुकुम काहीं मानब छोंड़िके, सइतान के इच्छा के
मुताबिक जीबन बितामँइ लागी हईं। 16 अगर कउनव बिसुआसिअन के घर
माहीं बिधबा होंय, त उँइन पंचे ओखर मदत करँय, जउने उआ बिधबा के
मसीही मन्डली के ऊपर बोझ न परय, जउने मसीही मन्डली ऊँ बिधबन के
मदत कइ सकय, जउन वास्तव माहीं मदत के काबिल हईं।

17 जउन पुरान बिसुआसी मसीही मन्डली के सगला प्रबन्ध निकहा से
करत हें, खास करके उँइ जउन बचन सुनामँइ अउर सिखामँइ माहीं मेहनत
करत हें, उँइ दुगुने मान-सम्मान के काबिल समझे जाँय। 18 काहेकि पबित्र
सास्त्र माहीं इआ लिखा हय, कि “फसल के गहाई करत माहीं बरधा के
मुसका न लगाया”, काहेकि “काम करँइ बाले मजूर काहीं मजूरी जरूर
मिलँइ चाही।” 19 अगर कउनव पुरान बिसुआसी के ऊपर दोस लगाबा जाय,
त ओही न मान्या, जब तक दुइ, इआ कि तीनठे गबाही न होंय। 20 पाप
करँइ बाले पुरान बिसुआसिअन काहीं सगले बिसुआसिअन के आँगे डाँट-
समझाय द्या, जउने बाँकी सगले जन के खातिर चेतउनी होइ जाय।
21 परमातिमा, अउर मसीह यीसु अउर जउने स्वरगदूतन काहीं परमातिमा
चुनिन हीं, उनहीं गबाह मानिके, हम तोहईं चेतउनी देइत हएन, कि तूँ पूरे
मन से ईं लिखी बातन काहीं माना किहा, अउर कउनव काम पच्छपात के
साथ न किहा। 22 बिना जाँचे-परखे कोहू काहीं मसीही मन्डली के अँगुआ

बनामँइ के खातिर, जल्दबाजी माहीं हाँथ न रख्या, दुसरेन के पापन माहीं भागीदार न होया, बलकिन खुद काहीं पबित्र बनाए रह्या।
23 भबिस्य माहीं केबल पानिन भर पिअँइ बाले न रहा, बलकिन अपने पेटे के रोग से बेर-बेर बिमार होंइ के कारन, थोरी-थोरी अंगूर के रस पिआ करा।
24 कुछ मनइन के पाप परमातिमा के न्याय करँइ से पहिलेन कुछ लोगन काहीं मालुम होइ जात हें, कि ऊँ पापी हें, पय कुछ मनई आपन पाप छिपाइके रक्खत हें, अउर न्याय के दिन तक कोहू काहीं मालुम परे नहीं पाबय। 25 उहयमेर भलाई के काम घलाय, सब मनइन काहीं मालुम परि जात हें, पय जउन मालुम नहीं होए पामँय, ऊँ घलाय छुप नहीं सकँय।

दासन के बारे माहीं निरदेस

6 जेतने सेबक अपने मालिकन के अधीनता माहीं हें, जइसन जुँआ के नीचे बरधा रहत हें, ऊँ अपने-अपने मालिकन के खुब मान-सम्मान करँय। जउने परमातिमा के नाम, अउर जउन बचन हम पंचे सिखाइत हएन, उनखर हँसी न होय। 2 अउर जउने सेबकन के मालिक, प्रभू यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस करँइ बाले हें, उनहीं बिसुआसी भाई होंइ के कारन, ऊँ सेबक कम मान-सम्मान न करँय; बलकिन उनखर अउर जादा सेबा करँय, काहेकि उनखे सेबा के फायदा लेंइ बाले परमातिमा के ऊपर बिसुआस करँइ बाले आहीं, अउर ऊँ जिनसे प्रेम करत हें, तूँ ईं बातन के उपदेस द्या करा, अउर सगले मसीही मन्डली के मनइन काहीं समझाबत रहा।

गलत सिच्छा अउर धन के लालच

3 अगर कोऊ यीसु मसीह के उपदेस काहीं छोंड़िके, दूसर मेर के उपदेस देत हय; अउर सही बातन काहीं, मतलब हमरे पंचन के प्रभू यीसु मसीह के बातन काहीं, अउर उआ उपदेस काहीं, जउन मनइन काहीं परमातिमा के इच्छा के मुताबिक जीबन जिअँइ माहीं मदत करत हय, उआ नहीं मानय। 4 त उआ घमन्डी होइगा हय, अउर प्रभू के बचन अउर उपदेस के बारे माहीं कुछू नहीं जानय, बलकिन ओही बाद-बिबाद करँय, अउर बचन के कुछ सब्दन काहीं लइके, बहँस करँइ के बुरी आदत ही, जउने से जलन, अउर लड़ाई-झगड़ा, अउर बुराई के बातँय, अउर दुसरेन के ऊपर बुरी-बुरी संका करब पइदा होत हय। 5 अउर ऊँ मनइन माहीं फालतू के लड़ाई-झगड़ा पइदा होइ जात हें, अउर आपन नीक-नागा सोचँइ के उनखे अकिल नहिं आय। अउर ऊँ सत्य काहीं छोंड़ि दिहिन हीं, अउर इआ सोचत हें, कि परमातिमा के बचन सुनाउब पइसा कमाय के एकठे जरिया आय। 6 जेतना जेही मिला हय, उआ ओतनेन माहीं सन्तोस मानिके, परमातिमा के भक्ती करत हय, त उहय ओखर सबसे बड़ी कमाई आय। 7 काहेकि हम पंचे इआ संसार माहीं छूँछय हाँथ आएन हय, अउर एक दिन छूँछय हाँथ चले जाब, न कुछू लइके आएन आय, अउर न कुछू लइके जाबय करब। 8 पय अगर हमरे पंचन के लघे खाँय के खातिर खाना, अउर पहिनँय के खातिर ओन्हा हय, त एतनेन माहीं सन्तोस करँय चाही। 9 पय जउन धनमान बनँइ चाहत हें, ऊँ अइसन परिच्छा, अउर जाल माहीं, अउर अनेकव फालतू, अउर खुद काहीं नुकसान पहुँचामँइ बाली इच्छन माहीं फँसि जात हें, जउन मनइन काहीं बिगाड़िके बिनास के खाईं माहीं गिराय देती हईं। 10 काहेकि रुपिआ-पइसा के लालच सगली बुराई के जर आय, एही पामँइ के कोसिस करत-करत पता नहीं, केतने मनई यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस करब छोंड़िके, खुद काहीं अनेकव प्रकार के दुखन से बरबाध कइ लिहिन हीं।

तीमुथियुस काहीं पवलुस के निरदेस

11 पय हे परमातिमा के भक्त, तीमुथियुस, तूँ त ईं बातन से दूरिन रहा; अउर धारमिक बनँइ के पूर कोसिस करा, अउर हमेसा परमातिमा के भक्ती करा, अउर यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस रक्खा, अउर सगलेन से प्रेम करा, अउर धीरज रक्खा, अउर नम्र बने रहा। 12 जउन बिसुआस तूँ प्रभू यीसु मसीह के ऊपर रखते हया, ओसे पीछे हटामँइ के खातिर खुब मुसीबत अइहँय, पय तूँ डँटे रह्या, जउने काहीं तूँ खुब गबाहन के आँगे अपनाया रहा हय, उआ अनन्त जीबन काहीं गमाय न दिहा, जउने काहीं पामँइ के खातिर परमातिमा तोंहईं चुनिन हीं। 13 हम तोहईं परमातिमा के जउन सगलेन काहीं जिन्दा रक्खत हें, अउर मसीह यीसु जउन पुन्तियुस पिलातुस के आँगे अपने बारे माहीं निकही गबाही दिहिन तय, उनहीं गबाह मानिके, इआ हुकुम देइत हएन, 14 कि तूँ प्रभू यीसु मसीह के दुसराय आमँइ तक, सगले हुकुमन काहीं बिना गलती किहे, निकहा से मानत रह्या। 15 परमातिमा, प्रभू यीसु मसीह काहीं सही समय माहीं प्रगट करिहँय, जउन परम धन्य अउर एकलउते अधिपति, राजन के राजा अउर प्रभुअन के प्रभू आहीं, 16 केबल परमातिमा अमर हें, अउर ऊँ अगम्य जोति माहीं रहत हें, जिनखे लघे कोऊ नहीं जाय सकय, अउर न आज तक कउनव मनई उनहीं देखिस आय, न कबहूँ देखेन पाई, उनखर मान-सम्मान अउर राज जुग-जुग बना रही। आमीन।
17 इआ संसार माहीं जउन अपने काहीं धनी मानत हें, उनहीं इआ हुकुम द्या, कि ऊँ घमन्डी न होंय, अउर उआ धन से जउन हरबी चला जात हय; ओमाहीं बिसुआस न रक्खँय, बलकिन परमातिमा के ऊपर भरोसा रक्खँय, जउन हमरे पंचन के जीबन के सुख के खातिर, सब कुछ भरपूर देत हें। 18 अउर ऊँ भलाई करँइ अउर भलाई के कामन काहीं करँइ माहीं धनी बनय, अउर ओदार, अउर अपने धन से दुसरेन के मदत करँइ के खातिर हमेसा तइआर रहँय। 19 अपने ईंन कामन से स्वरग माहीं धन एकट्ठा करिहँय, जउन भबिस्य के खातिर मजबूत नेव के समान होई, अउर असली जीबन पामँइ के हकदार बन जइहँय।
20 हे तीमुथियुस, हम तोहईं जउन सत्य बचन सउँपेन हँय, उनहीं सगले मनइन काहीं सिखाबत रहा, अउर जउन सिच्छा परमातिमा के बिरोध माहीं हय, उआ सिच्छा के फालतू बातन से तूँ दूरी रहा, 21 कुछ मनई गलती से इआ सिच्छा के बातन काहीं ग्यान कहत हें। अउर इनहीं अपनाइके परमातिमा के बिसुआस से भटकिगें हँय। हम प्राथना करित हएन, कि परमातिमा के किरपा तोंहरे ऊपर हमेसा होत रहय।

2 तीमुथियुस

इआ चिट्ठी के परिचय

तीमुथियुस के नाम लिखी यीसु मसीह के खास चेला पवलुस के दूसर चिट्ठी माहीं, पवलुस अपने एकठे जबान साथी, अउर सहायक के रूप माहीं काम करँइ बाले तीमुथियुस काहीं निजी सलाह देत हें। अउर इआ चिट्ठी माहीं धीरज के बारे माहीं बताबा ग हय। अउर तीमुथियुस काहीं सलाह अउर उत्साहित कीन ग हय, कि सताव अउर बिरोध के बावजूदव ऊँ इमानदारी के साथ यीसु मसीह के बारे माहीं लोगन काहीं बताबत रहँय, खुसी के खबर अउर पबित्र सास्त्र के पुरान नेम के सही सिच्छन माहीं अटल बने रहँय, अउर सिच्छा देंइ अउर प्रचारक के रूप माहीं आपन करतब्य निभाबत रहँय।
तीमुथियुस काहीं खास करके "मूरखँइ के फालतू बाद-बिबादन से" जिनसे मुसीबत पइदा होती हईं, उनखे खतरन के बारे माहीं चेतउनी दीनगे ही। काहेकि एसे कुछू फायदा नहीं होय, बलकिन इआ सुनँय बालेन के खातिर बिसुआस से भटकँय के कारन होत हय।
ईं सगलेन से, तीमुथियुस काहीं खुद के अउर लेखक के खुद के जीबन के बारे माहीं, अउर उनखे उद्देस्य के बारे माहीं अउर उनखे बिसुआस, सहनसीलता, प्रेम, धीरज, अउर सताव के समय माहीं दुख सहँइ के उदाहरन काहीं सुधि देबाबा ग हय।

रूप-रेखा :

भूमिका
प्रसंसा अउर उपदेस
सलाह अउर चेतउनी
पवलुस के खुद के दसा
उपसंहार

पवलुस के अभिबादन

1 हम पवलुस आहेन, हे तीमुथियुस इआ चिट्ठी हम तोंहईं लिख रहेन
हय, जउन तूँ हमरे पियार लड़िका कि नाईं हया, जउन अनन्त जीबन
देंइ के वादा परमातिमा किहिन रहा हय, ओखे मुताबिक जेतने जने प्रभू
यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस करत हें, उनहीं बतामँइ के खातिर,
परमातिमा के इच्छा से, हम यीसु मसीह के खास चेला आहेन। 2 हम प्राथना
करित हएन, कि पिता परमातिमा अउर हमरे पंचन के प्रभू मसीह यीसु के
तरफ से तोंहईं किरपा, दया, अउर सान्ति मिलत रहय।

धन्यबाद अउर उत्साहित करब

3 जउन मेर परमातिमा के सेबा हमार पुरखा करत रहे हँय, उहयमेर हमहूँ
सुद्ध मन से करित हएन, परमातिमा के धन्यबाद होय कि हम तोंहरे खातिर
हमेसा प्राथना करित हएन। 4 अउर हमरे खातिर तूँ जउन आँसू बहाया हय,
उनहीं सुधि कइके हम तोंहसे मिलँइ के खातिर दिन-रात इच्छा करित हएन,
कि कबय मिली, अउर तोंहसे मिलिके आनन्दित होइ जई। 5 हमहीं यीसु
मसीह के ऊपर किहे तोंहरे निस्कपट बिसुआस के सुधि आबत ही, जउन मेर
पहिले तोंहार नानी लोइस अउर महतारी यूनीके करत रही हँय, अउर हमहीं
इआ पूर बिसुआस हय, कि तूँ उहयमेर निस्कपट बिसुआस अबहिनव करते
हया। 6 इहय कारन से हम तोंहईं सुध देबाइत हएन, कि तूँ परमातिमा के
उआ बरदान काहीं, जउन हमरे हाँथ धइके प्राथना किहे के व्दारा तोहईं
मिला रहा हय, ओखर निकहा से उपयोग करत रहा। 7 काहेकि परमातिमा
हमहीं पंचन काहीं डेराँइ बाली आत्मा नहीं दिहिन, कि हम पंचे डेरई,
बलकिन सामर्थ के अउर प्रेम करँइ बाली खुद काहीं काबू माहीं रक्खँइ बाली
आत्मा दिहिन हीं। 8 एसे तूँ प्रभू के बारे माहीं दुसरेन काहीं बतामँइ माहीं न
लजा, अउर न हमहिन से लजा, जउन खुसी के खबर सुनामँइ के कारन जेल
माहीं बंद हएन, पय परमातिमा के दिहे सामर्थ के मुताबिक खुसी के खबर
काहीं सुनामँइ के खातिर, हमरे कि नाईं दुख उठाबा, 9 परमातिमा हमहीं
पंचन काहीं मुक्ती दिहिन हीं, अउर पबित्र जीबन जिअँइ के खातिर बोलाइन
हीं, एसे नहीं कि हम पंचे निकहे काम किहेन हय, बलकिन परमातिमा अपने
उद्देस्य काहीं पूर करँइ के खातिर, हमहीं पंचन काहीं बोलाइन हीं, काहेकि
परमातिमा संसार के बनामँइ से पहिलेन, अपने किरपा से मसीह यीसु के
व्दारा, मुक्ती देंइ के योजना बनाइन रहा हय। 10 पय अब हमहीं पंचन काहीं
मुक्ती देंइ बाले यीसु मसीह, संसार माहीं आइके उआ किरपा काहीं प्रगट
किहिन, अउर उँइन मउत के सक्ती काहीं खतम कइ दिहिन, अउर जउन
परमातिमा के साथ हमेसा जीबन बितामँइ के मोका देत ही, उआ खुसी के
खबर के प्रचार किहिन। 11 इहय खुसी के खबर काहीं फइलामँइ अउर
उपदेस देंइ के खातिर, हम यीसु मसीह के खास चेला ठहरेन हय। 12 इहय
कारन हम ईं दुखन काहीं सहित हएन, पय लजई नहीं, काहेकि जिनखे
ऊपर हम बिसुआस किहेन हय, उनहीं हम जानित हएन; अउर हमहीं पूर
बिसुआस हय, कि जउन खुसी के खबर परमातिमा हमहीं सउँपिन हीं,
ओखर रखबारी ऊँ अन्त समय तक कइ सकत हें। 13 जउने सत्य बातन
काहीं हम तोहईं सिखायन हय, उनहीं तूँ उआ बिसुआस अउर प्रेम के साथ,
जउन मसीह यीसु माहीं मिले हँय, उनहीं आपन आदर्स बनाइके रखा।
14 अउर पबित्र आत्मा के व्दारा, जउन हमरे पंचन के जीबन माहीं रहत हय,
जउन तोंहईं सउँपा ग हय, इआ निकही थाती के रखबारी करा।
15 तूँ जनते हया, कि आसिया प्रदेस के सगले बिसुआसी हमहीं छोंड़िके
चलेगें हें, उन माहीं फूगिलुस अउर हिरमुगिनेस घलाय हें। 16 उनेसिफुरूस के
घराना के ऊपर प्रभू दया करँय, काहेकि ऊँ कइअक बेरकी हमसे मिलँय
आए रहे हँय, हम जेल माहीं बंद रहेन हय, तऊ मिलँय से नहीं लजानें, एसे
हमहीं बड़ी सान्ति मिली। 17 पय जब ऊँ रोम देस माहीं आएँ, तब बड़ी
मेहनत से ढूँढ़िके हमसे मुलाखात किहिन। 18 प्रभू करँइ कि न्याय के दिन,

उनखे ऊपर प्रभू के दया होय, अउर जउन-जउन सेबा ऊँ इफिसुस सहर माहीं किहिन हीं, उनहीं तूँ निकहा से जनते हया।

यीसु मसीह के सच्चा सिपाही

2 एसे हे बेटा तीमुथियुस, मसीह यीसु से जउन किरपा तोहईं मिली हय,
ओसे तूँ आत्मिक जीबन माहीं मजबूत होइजा, 2 अउर परमातिमा के
जउने बातन काहीं खुब मनइन के आँगे हम तोहईं बतायन तय, उन बातन
काहीं अइसन काबिल मनइन काहीं सउँपि द्या; जउन दुसरे काहीं सिखामँइ
के काबिल होंय। 3 अउर यीसु मसीह के सच्चे सिपाही कि नाईं, हमरे साथ
दुख उठाबा। 4 जब कउनव सिपाही लड़ाई माहीं जात हय, त उआ इआ
कोसिस करत हय, कि अपने अधिकारी काहीं खुस करय, अउर खुद काहीं
लड़ाई के काम के अलाबा, संसार के दुसरे कामन माहीं मन नहीं लगाबय।
5 अगर कउनव लड़ाई लड़ँइ बाला नेम के मुताबिक नहीं लड़य, त उआ
मुकुट † नहीं पाबय। 6 जउन किसान खेती करँइ माहीं मेहनत करत हय,
फसल के फायदा पहिले ओहिन काहीं मिलँय चाही। 7 जउन हम कहित
हएन, ओखे ऊपर ध्यान द्या, अउर प्रभू तोहईं सगली बातन काहीं समझँइ के
बुद्धी देइहँय। 8 अउर यीसु मसीह काहीं सुधि रक्खा, जउन दाऊद के कुल
माहीं जनम लिहिन, अउर मरिके जिन्दा होइगें; इहय खुसी के खबर आय,
जेखर हम प्रचार करित हएन। 9 खुसी के खबर के खातिर हम अपराधी कि
नाईं दुख उठाइत हएन, इहाँ तक कि हम जेल माहीं घलाय बंद हएन; पय तूँ
इआ जानिल्या, कि परमातिमा के बचन काहीं फइलँय से कोऊ नहीं रोंक
सकय। 10 इहय कारन से हम परमातिमा के चुने लोगन के खातिर, हरेक
दुख-मुसीबत काहीं उठाबत रहित हएन, जउने ऊँ पंचे घलाय मसीह यीसु के
ऊपर बिसुआस करे से जउन मुक्ती मिलत ही, ओही अनन्त महिमा समेत
पामँय। 11 इआ बात बेलकुल सही आय, कि

अगर हम पंचे यीसु मसीह के साथ मर गएन हय, (मतलब अपने पापी
सुभाव के खातिर) त उनहिन के साथ जिऊ अउब।

12 अगर हम पंचे यीसु के खातिर दुख-मुसीबत सहत रहब, त यीसु मसीह
के साथ राजव करब, अगर हम पंचे यीसु काहीं इनकार करब, त ऊँ हमहीं
पंचन काहीं अपनामँइ से इनकार करिहँय।

13 अगर हम पंचे बिसुआस के काबिल न रही, तऊ परमातिमा बिसुआस के
काबिल बने रहत हें, काहेकि परमातिमा जउन वादा करत हें, ओही जरूर
पूर करत हें, ऊँ कबहूँ नहीं बदलँय।

निकही सिच्छा देंइ के निरदेस

14 जउने बातन काहीं हम तोहईं बताएन हय, उनहीं बिसुआसी मनइन
काहीं सुध देबाबा, अउर प्रभू काहीं गबाह मानिके उनहीं चेताय द्या, कि
बचन के सब्दन काहीं लइके फालतू बहँस न करँय, काहेकि इनसे कउनव
फायदा नहीं होय; बलकिन सुनँइ बाले बिसुआस से भटक जात हें। 15 तूँ
अइसन काम करँइ बाले बनँय के कोसिस करा, जउने परमातिमा के आँगे
लजाँय न परय, बलकिन परमातिमा तोहईं अपने काम के काबिल समझँय,
अउर तूँ परमातिमा के सत्य बचन काहीं निकहा से लोगन काहीं सिखामँइ
बाले ठहरा। 16 जउन मनई परमातिमा के बिरोध माहीं बात कहत हें, उनसे तूँ
बचे रहा, काहेकि इआमेर के मनई, अउरव अभक्ती माहीं बढ़त जइहँय।
17 अउर इआमेर के लोगन के सिच्छा सड़े-घाव कि नाईं फइलत जात ही,
हुमिनयुस अउर फिलेतुस उँइन गलत सिच्छा देंइ बालेन म से आहीं।
18 जउन इआ कहत हें, कि जउन बिसुआसी मरिगें तय, उनखर मर के जि
उठब होइ चुका हय, ऊँ सत्य से भटकिगें हँय, अउर कुछ मनइन के
बिसुआस काहीं नास कइ देत हें। 19 तऊ परमातिमा जिनहीं चुनिन हीं, ऊँ
बिसुआस माहीं पक्की नेव कि नाईं मजबूत बने रइहँय, काहेकि उनखे ऊपर
बचन रूपी छाप लगी हय, "कि प्रभू अपने चुने मनइन काहीं पहिचानत हें।"

† *इनाम*

अउर "जे कोऊ प्रभू के नाम के ऊपर बिसुआस करत हय, उआ बुरे कामन
से बचा रहय।"

20 कउनव बेउहर के घर माहीं, केबल सोन-चाँदिन भर के नहीं, बलकिन
लकड़ी अउर माटिव के बरतन घलाय होत हें; पय कुछ बरतन निकहे कामन
माहीं, अउर कुछ साधारन कामन माहीं उपयोग कीन जात हें। 21 एसे अगर
कउनव मनई खुद काहीं बुराइन से सुद्ध करी, त उआ निकहे कामन माहीं
काम आमँइ बाले बरतन कि नाईं पबित्र ठहरी, अउर अपने मालिक के काम
अई, अउर हरेक निकहे कामन के खातिर तइआर रही। 22 एसे हे
तीमुथियुस, तूँ जबानी के बुरी इच्छन से दूरी रहा, अउर जउन सुद्ध मन से
प्रभू के नाम लेथें, उनखे साथ पूरी धारमिकता, अउर बिसुआस के साथ, बड़े
प्रेम से मिल-जुलिके रहा। 23 पय फालतू बहँस करँइ, अउर बाद-बिबाद से
अलग रहा; काहेकि तूँ जनतेन हया, कि इनसे झगड़ा होत हय। 24 अउर प्रभू
के सेबक काहीं झगड़ालू न होंइ चाही, बलकिन सगले मनइन के साथ
कोमलता के बेउहार करँइ, अउर परमातिमा के बचन काहीं निकहा से
सिखामँइ बाला होंइ चाही, अउर हरेक बातन काहीं सहँइ बाला होंइ चाही।
25 अउर उआ अपने बिरोधिन काहीं नम्रता से समझाबय, का पता
परमातिमा उनहीं मुक्ती पामँइ के मन देंइ, अउर ऊँ सत्य काहीं पहिचान लेंइ।
26 अउर एखे व्दारा सचेत होइके परमातिमा के इच्छा पूरी करँइ के खातिर,
सइतान के चंगुल से अजाद होइ जाँय।

आखिरी दिनन माहीं आमँइ बाला अधरम

3 हे तीमुथियुस, तूँ जानिल्या, मसीह के दुबारा आमँइ से पहिले,
आखिरी दिनन माहीं खुब बुरा समय अई। 2 काहेकि मनई स्वार्थी,
जादा धन कमाय के लालची, खुद के कामन के बड़ाई करँइ बाले, खुद काहीं
दुसरे से बड़ा मानँइ बाले, दुसरे के बुराई करँइ बाले, महतारी-बाप के कहा-
बतान न मानँइ बाले, जउन उनखर मदत करी, ओखर उपकार न मानँइ
बाले, बुरे काम कइके परमातिमा के ऊपर बिसुआस न करँइ बाले, 3 कोहू के
ऊपर दया न करँइ बाले, कोहू के गलती माफ न करँइ बाले, दुसरेन के ऊपर
दोस लगामँइ बाले, खुद काहीं काबू माहीं न रक्खँइ बाले, दुसरेन काहीं
नुकसान पहुँचामँइ बाले, जे परमातिमा के ऊपर बिसुआस करत हें उनखर
बइरी, 4 बिसुआस घात करँइ बाले, ढिंठाई के काम करँइ बाले, खुद पर
घमन्ड करँइ बाले, अउर परमातिमा के बचन काहीं न मानिके, बलकिन खुद
के खुसहाल जिन्दगी काहीं चाहँय बाले होइहँय। 5 ऊँ पंचे अइसन ढोंग
करिहँय, कि परमातिमा के सगलेन से बड़े भक्त उँइन आहीं, पय परमातिमा
के सामर्थ काहीं न मनि हँय, अइसन मनइन से तूँ दूरिन रह्या। 6 इनहिन म से
कुछ लोग अइसन हें, जउन लोगन काहीं धोखा दइके चुप्पय से उनखे घरन
माहीं घुसि जात हें, अउर चंचल मेहेरिअन काहीं अपने गलत सिच्छा माहीं
फँसाइके, अपने बस माहीं कइ लेत हें, जउन पाप के बोझ से दबी अउर
हरेकमेर के बुरी इच्छन से भरी रहती हईं। 7 ऊँ हमेसा सिखत त रहती हईं,
पय परमातिमा के सत्य सिच्छा के ग्यान काहीं नहीं जाने पउतीं। 8 अउर
यन्नेस अउर यम्ब्रेस जइसन मूसा नबी के बिरोध किहिन रहा हय, उहयमेर
इऊँ पंचे घलाय परमातिमा के सत्य बचन के बिरोध करत हें, ईं त अइसन
मनई आहीं, जिनखर बुद्धी भ्रस्ट होइगे ही, अउर ऊँ परमातिमा के सत्य
बचन के बिसुआस करँइ माहीं निकम्मा हें। 9 पय ऊँ गलत सिच्छा देंइ बाले
लोगन काहीं जादा समय तक धोखा न दए पइहँय, काहेकि जइसन यन्नेस
अउर यम्ब्रेस के मूर्खता सगले मनइन काहीं मालुम परिगे तय, उहयमेर इनहूँ
के मालुम होइ जई।

तीमुथियुस काहीं खास निरदेस

10 चाह कुछू होय, पय तूँ हमरे सिच्छा के पालन किहा हय, हमरे चाल-
चलन, हमरे जीबन के लच्छ, मनइन काहीं परमातिमा के बचन सुनाउब रहा
हय, हमार मसीह के ऊपर बिसुआस, हरेक मेर के बातन काहीं सहँइ के
हमार छमता, कइसन हम सगले लोगन के साथ धीरज अउर प्रेम से रहेन,

अउर तूँ हमरे सताए जाँय, अउर दुख-मुसीबत माहीं हमार मदत किहा हय।
11 अउर जब हम अन्ताकिया सहर, इकुनियुम अउर लुस्त्रा सहरन माहीं रहेन
हय, तब उहाँ के मनई हमहीं खुब मारिन-पीटिन रहा हय, इहाँ तक कि मारि
डारँइ चाहत रहे हँय, उनखे अलाबव दुख-मुसीबत परे हँय, जिनहीं हम सहेन
रहा हय, पय प्रभू हमार उन सगलेन से रच्छा किहिन हीं। 12 पय जेतने मनई
मसीह यीसु के ऊपर बिसुआस कइके, उनखे बचन के मुताबिक जीबन
बितामँइ चाहत हें, ऊँ सगले सताए जइहँय। 13 पय गलत सिच्छा देंइ बाले,
अउर दुसरेन काहीं मसीह के बिसुआस से भटकामँइ बाले, दुसरेन काहीं
धोखा देत, अउर खुद धोखा खात, मसीह के बचन से दूर होत चले जइहँय।
14 पय हे तीमुथियुस, जउने बातन काहीं तूँ सिखे हया, अउर बिसुआस किहा
हय, इआ जानिके उनहिन माहीं मजबूत बने रहा, तूँ ईं बातन काहीं हमसे
पंचन से सिखे हया। 15 अउर लड़िकइन से पबित्र सास्त्र तोंहार जाना हय,
जउन तोहईं मसीह यीसु के ऊपर बिसुआस किहे से, मुक्ती पामँइ के खातिर
बुद्धिमान बनाय सकत हय। 16 सगला पबित्र सास्त्र परमातिमा के अँगुआई
से लिखा ग हय, जउन उपदेस देंइ, अउर समझामँइ, अउर जीबन काहीं
सुधारँय, अउर सत्य के सिच्छा के खातिर लाभदायक हय। 17 जउने
परमातिमा के ऊपर बिसुआस करँइ बाले, बिसुआस माहीं मजबूत बनिके,
हरेक भलाई के कामन के खातिर उपयोगी बन जाँय।

प्रचार करँइ के हुकुम

4 हे तीमुथियुस, परमातिमा अउर मसीह यीसु काहीं गबाह मानिके,
जउन जिअत अउर मरे मनइन के न्याय करिहँय, यीसु मसीह जउन
सगले मनइन के ऊपर राज करँइ के खातिर अइहँय, उनखर सुध देबाइके
तोहईं हुकुम देइत हएन। 2 कि तूँ खुसी के खबर के प्रचार करा; चाह तोहईं
सुबिधा होय, चाह असुबिधा, आपन करतब्य करँइ के खातिर हर समय
तइआर रहा, हरेक मेर के बातन काहीं सहिके, अउर निकही सिच्छा द्या,
जउन बुरा काम करत हें, उनहीं चेताय द्या, अउर उनहीं डाँटा, समझाबा।
3 हम इआ एसे बताइत हएन, कि एक समय अइसा अई, कि जब मनई
उत्तम उपदेस काहीं सुनँय तक न चइहँय, ऊँ अपने मन के मुताबिक अपने
खातिर उपदेस देंइ बालेन काहीं एकट्ठा कइ लेइहँय। ऊँ उहय उपदेस
सुनइहँय, जउन ऊँ पंचे सुनँय चाहत हें। 4 ऊँ सत्य उपदेस काहीं न सुनिके
कथा-कहानिन काहीं सुनँय माहीं मन लगइहँय। 5 पय तूँ ईं सगली बातन से
सचेत रहा, दुख-मुसीबत सहा, अउर खुसी के खबर के प्रचार के काम करा,
अउर जउन सेबा तोहईं सउँपी गे ही, ओही पूर करा।

पवलुस के अन्तिम गबाही

6 अब हमरे जीबन काहीं परमातिमा के खातिर बलिदान करँइ के समय
आइगा हय, अउर हमार इआ दुनिया से जाँइ के समय आइगा हय।
7 जइसन एकठे पहिलमान नेम से कुस्ती लड़िके जीतके इनाम पाबत हय,
उहयमेर जउन काम परमातिमा हमहीं दिहिन रहा हय, ओही हम निकहा से
पूर कइ चुकेन हय, अउर हम उआ काम काहीं पूरे बिसुआस के साथ किहेन
हय। 8 भबिस्य माहीं हमरे खातिर धरम के उआ मुकुट धरा हय, जउन धरमी
मनइन काहीं दीन जात हय, जउने काहीं प्रभू, जउन धरमी अउर न्यायी हें,
हमहीं अउर उन सगलेन काहीं घलाय, जउन उनखे आमँइ के इन्तजार काहीं
पियार जानत हें, न्याय के दिन देइहँय।

पवलुस के निजी सँदेस

9 हे तीमुथियुस, हमरे लघे हरबी आमँइ के कोसिस करा। 10 काहेकि
देमास इआ संसार के बातन काहीं पियार जानिके हमहीं छोंड़ि दिहिस ही,
अउर थिस्सलुनीके सहर काहीं चला ग हय। क्रेसकेंस गलातिया प्रदेस काहीं
अउर तीतुस दलमतिया प्रदेस काहीं चला ग हय। 11 अउर केबल लूका हमरे
लघे हें। अउर तूँ मरकुस काहीं साथ माहीं लइके चले आबा; काहेकि उआ
हमरे सेबा के खातिर खुब काम के हय। 12 तुखिकुस काहीं हम इफिसुस
सहर काहीं पठय दिहेन हय। 13 जउन कोट हम त्रोआस सहर माहीं करपुस
के इहाँ छोंड़ि आएन हय, जब तूँ अया, त ओही अउर किताबन काहीं खास
करके चर्म-पत्रन (खास करके गाड़र के चमड़ा से बनी किताबन) काहीं लेत
अया। 14 सिकन्दर तमेर हमहीं खुब नुकसान पहुँचाइस ही; प्रभू ओही ओखे
काम के मुताबिक बदला देइहँय। 15 तुहूँ ओसे सचेत रह्या, काहेकि उआ
हमरे उपदेस के घोर बिरोध करत रहा हय। 16 सुरू माहीं जब हम आपन
बचाव करँइ के खातिर, सबूत देंइ लागेन, तब हमरे पच्छ माहीं बोलँइ के
खातिर कोऊ आँगे नहीं आबा, बलकिन ऊँ पंचे हमहीं अकेले छोंड़ि दिहिन
तय। हम प्राथना करित हएन, कि परमातिमा उनखे इआ गलती काहीं माफ
करँय। 17 पय प्रभू हमरे साथ माहीं रहे हँय, अउर हमहीं सामर्थ दिहिन,
जउने हमरे व्दारा खुसी के खबर के भरपूर प्रचार होइ सकय, जउने सगले
गैरयहूदी लोग सुन लेंय; अउर परमातिमा हमहीं त सेर के मुँहे से छोड़ाइन
हीं। 18 अउर प्रभू हमहीं हरेक बुरे कामन से बचइहँय, अउर मुक्ती कइके
अपने स्वरगराज माहीं सुरच्छित पहुँचइ हँय, उनहिन के बड़ाई जुग-जुग होत
रहय। आमीन।

आखिरी अभिबादन

19 प्रिस्का अउर अक्विला काहीं, अउर उनेसिफुरूस के परिबार काहीं
नबस्कार। 20 इरास्तुस कुरिन्थुस सहर माहीं रहिगा हय, अउर त्रुफिमुस
बिमार रहा हय, त ओही हम मिलेतुस सहर माहीं छोंड़ि आए हएन। 21 जाड़े
के रित से पहिले आमँइ के कोसिस किहा। यूबूलुस, अउर पूदेंस, अउर
लीनुस अउर क्लौदिया, अउर सगले भाइन के तोहईं नबस्कार। 22 हम
प्राथना करित हएन, कि प्रभू तोंहरे साथ रहँय, अउर तोंहरे पंचन के ऊपर
प्रभू के किरपा होत रहय। आमीन!

तीतुस

इआ चिट्ठी के परिचय

तीतुस एकठे गैरयहूदी जाति के मसीही रहे हँय, जउन पवलुस के प्रचार के काम माहीं उनखर साथी अउर मदत करँइ बाले बनिगें तय। तीतुस के नाम यीसु मसीह के खास चेला पवलुस के चिट्ठी, क्रेते दीप माहीं रहँइ बाले पवलुस के इहय जबान सहायक काहीं सम्बोधित कीन गे ही, जेही उहाँ मसीही मन्डली के काम के निगरानी करँइ के खातिर छोंड़ा ग रहा हय। इआ चिट्ठी तीनठे खास बिसयन के बखान करत ही।
पहिल, तीतुस काहीं सुधि देबाबा ग हय, कि मसीही मन्डली के अँगुअन के चरित्र कउनमेर के होंय चाही, खास करके बहुत से क्रेते दीप माहीं रहँइ बालेन के खराब चरित्र काहीं देखिके, इआ कहा ग हय। दूसर, तीतुस काहीं इआ सलाह दीन गे ही, कि मसीही मन्डली माहीं उपस्थित बिभिन्न समूहन काहीं कउनमेर सिच्छा दीन जाय, अरथात, बुढ़ान मंसेरुअन काहीं, बुढ़ान मेहेरिअन काहीं (जउन क्रम के मुताबिक, जबान मेहेरिअन काहीं सिच्छा देंइ) जबान मंसेरुअन काहीं अउर सेबकन काहीं घलाय। तीसर, लेखक तीतुस काहीं मसीही आचरन से सम्बन्धित सलाह देत हें, खास करके सान्ती के साथ अउर साथी कि नाईं बनँइ के खातिर; अउर नफरत, बाद-बिबाद अउर मसीही मन्डली माहीं गुटबन्दी से बचँइ के खातिर घलाय सलाह देत हें।

रूप-रेखा :

भूमिका
मसीही मन्डली के अँगुआ
मसीही मन्डली माहीं हरेक समूहन के करतब्य
उपदेस अउर चेतउनी
उपसंहार

पवलुस के अभिबादन

1 हम पवलुस आहेन, हे तीतुस, इआ चिट्ठी हम तोंहईं लिख रहेन हँय,
जउन परमातिमा के सेबक आहेन, अउर यीसु मसीह के चुने खास
चेला आहेन, परमातिमा जिनहीं चुनिन हीं, ऊँ लोगन काहीं बिसुआस के बारे
माहीं, अउर जउन सत्य बचन उनहीं भक्ती के मुताबिक, जीबन जिअँइ के
खातिर मदत करत हय, उआ सिखामँइ के खातिर हमहीं पठबा ग हय।
2 हम उआ अनन्त जीबन मिलँइ के आसा कए हएन, जउने काहीं देंइ के
वादा परमातिमा, जउन कबहूँ लबरी नहीं बोलँइ, दुनिया के बनामँइ से पहिले
किहिन हीं।
3 अउर अपने नियुक्त समय माहीं अनन्त जीबन देंइ के बारे माहीं, अपने
बचन काहीं बतामँइ के काम, हमहीं मुक्ती देंइ बाले परमातिमा हुकुम दइके
सँउपिन हीं।
4 इआ चिट्ठी तीतुस तोंहईं मिलय, काहेकि तूँ हमरे व्दारा बचन सुनाए से
यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस किहे हया, इआ बिचार से हे तीतुस, तूँ हमरे
सग लड़िका कि नाईं हया।
हम प्राथना करित हएन, कि पिता परमातिमा अउर हमहीं पंचन काहीं
मुक्ती देंइ बाले मसीह यीसु के तरफ से, तोहईं किरपा अउर सान्ति मिलत
रहय।

क्रेते दीप माहीं तीतुस के काम

5 हम एखे खातिर तोहईं क्रेते टापू माहीं छोंड़िके आएन रहा हय, कि जउन
काम अधूरा रहिगा तय, तूँ ओही पूर करा, अउर हमरे हुकुमय के मुताबिक
हरेक सहरन के मसीही मन्डलिन माहीं, अँगुअन काहीं नियुक्त करा। 6 तोंहरे
व्दारा नियुक्त उआ अँगुआ बेकसूर होय, अउर ओखे एकयठे मेहेरिआ होय,
अउर ओखर लड़िका-बच्चा यीसु के ऊपर बिसुआस करँइ बाले होंय, अउर
उँइ लुच्चई करँइ बाले न होंय, अउर उनखे ऊपर बात न मानँय के अरोप न
होंइ चाही। 7 मसीही मन्डली के अध्यच्छ काहीं, जेही परमातिमा मसीही
मन्डली के लोगन के देख-रेख करँइ के काम सउँपिन हीं, एसे उनहीं बेकसूर
होंइ क चाही; अउर ऊँ अड्डी न होंय, अउर न गुस्सइल होंय, अउर न
झगड़लुअय होंय, अउर न दारुअय पिअँइ बाले होंय, अउर गलत काम
कइके पइसा कमाँय बाले न होंय। 8 पय ऊँ महिमानन के सेबा सत्कार करँइ
बाले, अउर भलाई के चाहँय बाले, संयमी अउर न्यायी पबित्र अउर अपने
ऊपर काबू रक्खँइ बाले होंय; 9 अउर जउन बिसुआस के काबिल परमातिमा
के बचन हय, जउने काहीं हम तोंहईं सिखायन हय, ओहिन के मुताबिक ऊँ
बिसुआस माहीं अटल रहँय, जउने ऊँ लोगन काहीं खरी सिच्छा से उपदेस
दइ सकँय, अउर जउन लोग खरी सिच्छा के उपदेस के बिरोध करत हें,
उनहीं गलत साबित कइके उनखर मुँह बंद कइ सकँय।
10 काहेकि बहुत से अइसन लोग हें, जउन खरी सिच्छा के बिरोध करत हें,
अउर फालतू बातँय बोलिके खुब लोगन काहीं धोखा देत हें; खास करके
यहूदी लोगन म से जउन बिसुआसी हें, ऊँ पंचे खतना के ऊपर जादा जोर
देत हें, कि सगलेन के खतना होंइ चाही। 11 इआमेर के मनइन काहीं गलत
साबित कइके उनखर मुँह बंद करँइ चाही, काहेकि ईं लोग जादा पइसा
कमाँय के खातिर, लोगन काहीं गलत सिच्छा दइके, पूरे घर के लोगन काहीं
बिगाड़ देत हें। 12 उनहिन के बीच म से एक जने, जउन उनहिन के बुद्धिमान
मुखिया आहीं, इआ बात कहिन हीं, “क्रेते नाम के दीप के मनई हमेसा झूँठ
बोलँइ बाले हें, ऊँ दुस्ट पसुअन कि नाईं होत हें, अउर आलसी पेटू घलाय
होत हें।” 13 हे तीतुस, हम तोंहसे कहित हएन, कि क्रेते दीप के लोगन के
बारे माहीं जउन गबाही दीन गे ही। सही हय, एसे हे तीतुस, उहाँ के
बिसुआसिअन काहीं कड़ाई से चेतउनी द्या करा, कि ऊँ गलत सिच्छा से दूर
रहिके, बिसुआस माहीं मजबूत होइ जाँय, 14 अउर यहूदी लोगन के मनगढ़ंत
कथा-कहानिन, अउर ऊँ मनइन के हुकुमन माहीं मन न लगाया, जउन

परमातिमा के सत्य बचन से भटक जात हें। 15 जउन मनइन के हिरदँय सुद्ध
हें, उनखे खातिर परमातिमा के बनाई सगली चीज सुद्ध हईं, पय जिनखर
हिरदँय असुद्ध हें, अउर परमातिमा के बचन के बिसुआस नहीं मानँय, उनखे
खातिर कुछू सुद्ध नहिं आय, बलकिन उनखर बुद्धी अउर सोच-बिचार दोनव
असुद्ध होत हें। 16 अउर असुद्ध मनई कहत हें, कि हम पंचे परमातिमा काहीं
जानित हएन, पय ऊँ पंचे परमातिमा के बचन के खिलाफ काम कइके, उआ
बात काहीं इनकार करत हें; काहेकि ऊँ पंचे घिनहे काम करत हें, अउर
परमातिमा के हुकुम काहीं नहीं मानँय, अउर ऊँ कउनव निकहे काम करँइ
के काबिल नहीं होंय।

चाल-चलन के खातिर सही सिच्छा

2 पय तूँ अइसन बात कहा करा, जउन खरे उपदेस के काबिल होंय।
2 जउने बुढ़ान मनई हुसिआर, अउर गम्भीर, अउर नीक-नागा
पहिचानँय बाले होइ जाँय, अउर ऊँ बिसुआस रक्खँय माहीं, अउर प्रेम
रक्खँय माहीं, अउर धीरज धरँय माहीं, मजबूत होइ जाँय। 3 इहइमेर बुढ़ान
मेहेरिअन काहीं सिखाबा, कि उनखर चाल-चलन पबित्र चाल चलँइ बाले
मनइन कि नाईं होय; ऊँ दुसरेन के ऊपर दोस लगामँइ बाली न होंय, अउर
दारू पिअँइ बाली न बनँय, बलकिन निकही बात सिखामँइ बाली बनँय।
4 जउने ऊँ जमान मेहेरिअन काहीं समझाबत रहँय, कि ऊँ अपने-अपने
मंसेरुअन अउर लड़िकन-बच्चन से प्रेम रक्खँय; 5 अउर नीक-नागा
पहिचानँय, अउर पतिब्रता, एखे साथय-साथ घर-दुआर के जबाबदारी, अउर
आपन करतब्य निकहा से निभामँइ बाली बनँय, अउर अपने मंसेरुअन के
कहा-बतान मानँइ बाली बनँय, जउने परमातिमा के बचन के बुराई न होंइ
पाबय।

6 इहइमेर तूँ जमान मनइन काहीं घलाय समझाबा करा, कि ऊँ अपने
ऊपर काबू रक्खँइ बाले बनँय। 7 तूँ जउन कुछू काम करा ऊँ निकहे होंय,
जउने ईं सब कामन काहीं देखिके, जमान लोग उहयमेर जीबन जिअँइ।
अउर तूँ जउन सिखाबा उआ निस्कपट होंइ चाही, जउने काहीं सुनिके लोग-
बाग अपनाय सकँय। 8 अउर जउन सही हय, उहय तूँ, लोगन काहीं
सिखाबत रह्या, जउने कोऊ ओही गलत न कहँइ पामँय, अउर जउन हमार
बिरोध करत हें, उनहीं कउनव गलती न मिलय जउने ऊँ सरमिन्दा होंय।

9 तूँ उन मसीही सेबकन काहीं समझाबा, कि ऊँ अपने-अपने मालिकन के
सगली बातन काहीं मानँय, अउर उनखे सगली बातन काहीं मानिके, उनहीं
खुसी रक्खँय, अउर उनखे बातन के उल्टहाव न देंय। 10 ऊँ बेइमानी कइके
कुछू न लइ जाँय, बलकिन जउन कुछ करँय इमानदारी से करँय, जउने हर
बात माहीं उनहीं दूसर मनई देखिके, हमहीं पंचन काहीं मुक्ती देंइ बाले
परमातिमा के बचन कइती खिंचे चले आमँय।

11 काहेकि सगले मनइन काहीं छुटकारा देंइ के खातिर परमातिमा आपन
दया देखाइन हीं। 12 परमातिमा अपने दया के व्दारा चेतउनी दइके, इआ
सिखाबत हें, कि हम पंचे जउन परमातिमा के भक्ती नहीं करी, ओही, अउर
संसार के बुरे लोभ लालच काहीं छोंड़ि देई, अउर इआ संसार माहीं अपने
ऊपर काबू रखिके, धारमिक अउर परमातिमा के भक्ती माहीं जीबन बिताई;
13 अउर उआ आनन्द मिलँइ के आसा रखिके, अपने महान परमातिमा,
अउर पाप करँइ से छुटकारा देंइ बाले यीसु मसीह काहीं, महिमा के साथ
धरती माहीं आमँइ के इन्तजार करत रही। 14 यीसु मसीह अपने इच्छा से
हमरे पँचन खातिर मउत काहीं अपनाइन हीं, कि जउने हमहीं पँचन काहीं
हरेकमेर के अधरम से छोड़ाय लेंय, अउर सुद्ध कइके अपने खातिर अइसन
प्रजा बनाय लेंय, जउन निकहे-निकहे कामन काहीं करँइ के खातिर हरेक
समय तइआर रहँय।

15 बेटा, तूँ पूरे हक्क के साथ, ईं सगली बातन काहीं लोगन काहीं बताइके
समझाबा, अउर सिखाबत रहा, इआ सब सिखामँइ के तोंहईं अधिकार हय,
जउने कोऊ तोंहार अनादर न करँय पाबय।

मसीही चाल-चलन

3 मसीही लोगन काहीं सुधि देबाबत रहा, कि ऊँ हाकिम अफसरन के
सम्मान करँय, अउर उनखे हुकुमन काहीं मानँय, अउर हरेक निकहे
कामन काहीं करँइ के खातिर तइआर रहँय। 2 अउर कोहू काहीं बदनाम न
करँय, लड़ाई-झगड़ा करँइ बाले न बनँय; बलकिन कोमल सुभाव के होंय,
अउर सगले मनइन के साथ नम्र बेउहार करँय। 3 काहेकि हमहूँ पंचे
बिसुआसी बनँइ से पहिले, नासमझ अउर परमातिमा के हुकुम न मानँइ बाले
रहे हएन, अउर भ्रम माहीं परिके अनेकव प्रकार के बुरी इच्छा, अउर सुख-
बिलास माहीं फँसे रहे हएन, अउर एक दुसरे से दुसमनी, अउर इरसा के
जिन्दगी बिताबत रहे हएन, अउर एक दुसरे से नफरत कइके दुसमनी
रक्खत रहे हएन। 4 पय जब हमहीं पँचन काहीं मुक्ती देंइ बाले परमातिमा के
किरपा भे, अउर सगले मनइन के ऊपर ऊँ आपन प्रेम देखाइन। 5 अउर
हमहीं पंचन काहीं मुक्ती दिहिन; इआ हमरे पंचन के धारमिकता के कामन
के मुताबिक नहीं भ, जउन हम पंचे किहेन रहा हय, बलकिन परमातिमा
हमरे पंचन के ऊपर दया कइके। पबित्र आत्मा से हमरे पापन काहीं धोय
दिहिन, अउर हमहीं पंचन काहीं नबा जनम, अउर नबा जीबन दिहिन हीं।
6 अउर परमातिमा हमहीं पंचन काहीं पाप करँइ से मुक्ती देंइ बाले, यीसु
मसीह के व्दारा, हमहीं पंचन काहीं पबित्र आत्मा बहुतायत से दिहिन हीं।
7 जउने हम पंचे परमातिमा के बड़ी दया के कारन धरमी ठहरिके, अउर
जउन अनन्त जीबन पामँइ के आसा हम पंचे करित हएन, ओखर बारिसदार
घलाय बनी।

8 अउर ईं सगली बात सही हईं, अउर सगले मनइन के खातिर लाभदायक
हईं, एसे हम चाहित हएन, कि तूँ ईं सगली बातन के बारे माहीं जोर दइके
लोगन काहीं बताबा, एसे कि जउन लोग परमातिमा के ऊपर बिसुआस
करत हें, ऊँ भले-भले कामन काहीं करँइ माहीं ध्यान देंय। 9 पय मूर्खता के
जउने बातन से बिबाद होत हें, अउर बंसाबलिअन के बिबाद से, अउर मूसा
के बिधान के बातन से सम्बन्धित बिबादन से बँचे रहा, काहेकि ईं सगली
बातन से कउनव फायदा नहीं होय, बलकिन नुकसानय होत हय। 10 अगर
कउनव पाखन्डी मनई मसीही मन्डली माहीं फूट डारत हय, त ओही एक दुइ
बेर समझाबा, ओखे बादव अगर उआ नहीं सुधरय, त ओसे अलग रहा।
11 इआ जानिके कि इआमेर करँइ बाला मनई, बिसुआस से भटकिगा हय,
अउर उआ पाप कइके अपने काहीं खुदय दोसी ठहराबत हय।

पवलुस के निजी निरदेस अउर अभिबादन

12 जब हम तोंहरे लघे अरतिमास इआ कि तुखिकुस काहीं पठउब, तब तूँ
हमरे लघे निकुपुलिस सहर माहीं आमँइ के कोसिस किहा, काहेकि हम उहँय
पूरे जाड़े के सीजन माहीं रहँइ के निरनय किहेन हँय। 13 जेनास मूसा के
बिधान सिखामँइ बाले काहीं, अउर अपुल्लोस काहीं, कोसिस कइके पहिले
पठय द्या, अउर इआ ध्यान दिहा, कि उनहीं गइल माहीं कउनव चीज के
कमी न होंय पाबय। 14 हे तीतुस, तूँ सगले मसीही भाइन काहीं सिखाबा, कि
ऊँ निकहे काम करत रहँय, जउने एक दुसरे के जरूरत काहीं पूर कइ
सकँय, अउर उनखे कामन के व्दारा दुसरे लोगन काहीं फायदा मिलय।

15 हमरे साथ माहीं रहँइ बाले सगले बिसुआसी भाई, तोंहईं नबस्कार
बोलिन हीं। अउर जउन उहाँ के बिसुआसी भाई हमसे प्रेम रक्खत हें, उनहीं
हमार नबस्कार।

हम प्राथना करित हएन, कि तोंहरे पंचन के ऊपर परमातिमा के दया होत
रहय। आमीन।

फिलेमोन

इआ चिट्ठी के परिचय

फिलेमोन एकठे खास मसीही रहे हँय, जिनहीं माना जात हय, कि ऊँ कुलुस्से सहर के मसीही मन्डली के सदस्य रहे हँय, अउर उनखे उनेसिमुस नाम के एकठे दास रहा हय। अउर उआ उनखे घर से भागिगा तय, एखे बाद उआ कउनव मेर से पवलुस के समपरक माहीं आबा, अउर पवलुस उआ समय जेल माहीं रहे हँय। पवलुस के द्वारा उनेसिमुस मसीही बनिगा। फिलेमोन के नाम यीसु मसीह के खास चेला पवलुस के चिट्ठी माहीं, पवलुस, फिलेमोन से इआ आग्रह करत हें, कि ऊँ अपने दास से पुनि मेल-जोल कइ लेंय, जउने काहीं ऊँ दुसराय उनखे लघे पठबत रहे हँय, अउर पवलुस चाहत रहे हँय, कि फिलेमोन न केबल एकठे माफ कीन दास के रूप भर माहीं ओही सोइकार करँय, बलकिन एकठे मसीही भाई के रूप माहीं ओखर स्वागत करँय।

रूप-रेखा :

भूमिका
फिलेमोन के बड़ाई
उनेसिमुस के खातिर निबेदन
उपसंहार

पवलुस के अभिबादन

1 हम पवलुस आहेन, अउर इआ चिट्ठी काहीं लिख रहेन हँय, जउन
मसीह यीसु के कारन जेल माहीं हएन, हमरे तरफ से अउर भाई
तीमुथियुस के तरफ से, इआ चिट्ठी हमरे पंचन के साथ माहीं काम करँइ
बाले पियार फिलेमोन, 2 अउर बहिनी अप्फिया, अउर हमरे पंचन के साथ
माहीं सिपाही कि नाईं काम करँइ बाले भाई अरखिप्पुस, अउर फिलेमोन के
घर माहीं लागँइ बाली मसीही मन्डली के मनइन काहीं मिलय। 3 हमरे पंचन
के पिता परमातिमा, अउर प्रभू यीसु मसीह के तरफ से तोंहईं पंचन काहीं
किरपा अउर सान्ति मिलत रहय।

फिलेमोन के प्रेम अउर बिसुआस

4 अउर जब-जब हम प्राथना करित हएन, तब-तब तोंहईं सुध करित हएन,
अउर हमेसा परमातिमा काहीं धन्यबाद देइत हएन। 5 काहेकि तूँ जउन यीसु
मसीह के ऊपर बिसुआस करते हया, अउर सगले बिसुआसी भाई-बहिनिन
से प्रेम करते हया, एखर हम चरचा सुनत रहित हएन। 6 हम इआ प्राथना
करित हएन, कि बिसुआस माहीं तोंहार भागीदार होब, प्रभावसाली होय,
अउर मसीह के द्वारा जउन आसिरबाद तोंहईं मिला हय, ओही पहिचान
ल्या। 7 हे भाई, तोंहरे द्वारा बिसुआसी भाई-बहिनिन के मन खुब आनन्द से
भरिगें हँय, एसे तोंहरे इआ प्रेम काहीं देखिके, हमहीं खुब आनन्द अउर
सान्ति मिली हय।

उनेसिमुस के खातिर पवलुस के निबेदन

8 एसे जबकि मसीह माहीं तोंहईं पंचन काहीं कइसन करतब्य करँइ चाही,
एखे बारे माहीं तोंहईं हुकुम देंइ के हमहीं अधिकार हय। 9 तऊ हम पवलुस
जउन बुढ़ाय गएन हय, अउर अब मसीह यीसु के खातिर जेल माहीं डारे
गएन हय, हमहीं इआ नीक जान परा, कि हम प्रेम से तोंहसे बिनती करी।
10 अउर जब हम जेल माहीं रहेन हय, तब उनेसिमुस हमरे द्वारा बिसुआसी
बना हय, एसे उआ हमरे लड़िका कि नाईं हय, ओखे खातिर हम तोंहसे
बिनती करित हएन। 11 एक समय अइसा रहा हय, कि जब उआ तोंहरे
कउनव काम के नहीं रहा आय, पय अब उआ केबल तोंहरेन भर खातिर
नहीं, बलकिन उआ हमरेव खातिर घलाय बड़े काम के हय। 12 हम ओही
पुनि तोंहरे लघे पठइत हएन, जउन हमरे जिगर के टुकड़ा आय। 13 हम
जउन खुसी के खबर के प्रचार करँइ के कारन, जेल माहीं डारे गएन हय,
एसे ओही हम अपनेन लघे रक्खँइ चाहत रहे हएन, कि उआ तोंहरे तरफ से
हमार सेबा करत। 14 पय हम तोंहरे मरजी काहीं बिना जाने, कुछू नहीं करँइ
चाहेन, कि जउने हमरे ऊपर तोंहार इआ दया, कउनव दबाव से नहीं,
बलकिन बड़े खुसी के साथ होय। 15 होइ सकत हय, कि उआ इहय कारन
तोंहसे कुछ दिनन के खातिर अलग भ रहा होय, कि जउने उआ हमेसा के
खातिर तोंहरे लघे रहि सकय। 16 पय अब तूँ ओसे एकठे सेबक कि नाईं
नहीं, बलकिन सेबक से बढ़िके बिसुआसी भाई कि नाईं बेउहार किहा,
काहेकि उआ हमहीं त खुब पियार हइअय हय, एसे तूँ एकठे साधारन मनई
कि नाईं नहीं, बलकिन बिसुआसी भाई कि नाईं ओसे प्रेम किहा। 17 एसे
अगर तूँ हमहीं प्रभू के काम माहीं आपन साझीदार मनते हया, त ओहू काहीं
हमरे कि नाईं समझिके सोइकार करा। 18 अउर अगर उआ तोंहार कुछू
नुकसान किहिस होय, इआ कि ओखे ऊपर तोंहार कुछू करजय होय, त
ओही हमरे नाम माहीं लिख लिहा। 19 हम पवलुस खुदय अपने हाँथ से इआ
लिख रहेन हय, कि हम तोंहार करजा खुदय पटाय देब; हमहीं इआ बतामँइ
के जरूरत नहिं आय, कि तूँ अपने जीबन भर, हमार रिनी रइहा। 20 अउर हे
भाई, तूँ ओही सोइकार कइल्या, जउने इआ आनन्द हमहीं प्रभू माहीं तोंहरे
तरफ से मिलय, अउर मसीह माहीं हमरे जिव काहीं हरा-भरा कइ द्या।
21 हम तोंहरे ऊपर बिसुआस करित हएन, कि तूँ हमरे हुकुम काहीं जरूर
मनिहा, एसे हम तोंहईं इआ चिट्ठी लिख रहेन हय, अउर हम इहव जानित
हएन, कि जउन हम तोंहईं कहित हएन, ओही तूँ ओहू से बढ़िके करिहा।
22 हम तोंहसे एकठे बात अउर कहित हएन, कि हमरे रहँइ के खातिर जघा
के प्रबन्ध कइ राख्या; हमहीं इआ पूर आसा ही, कि परमातिमा, तोंहरे पंचन
के प्राथनन काहीं सुनिके, हमहीं जेल से छोड़ाइके तोंहरे लघे पुनि पठय
देइहँय।

अन्तिम अभिबादन

23 इपफ्रास जउन हमरे साथ मसीह यीसु के कारन जेल माहीं बंद हें।
24 अउर मरकुस अउर अरिस्तरखुस अउर देमास, अउर लूका जउन हमरे
साथ माहीं काम करँइ बाले आहीं, इनहूँ के तरफ से घलाय तोंहईं नबस्कार
पहुँचय। 25 अउर हम पंचे इआ प्राथना करित हएन, कि हमरे प्रभू यीसु
मसीह के किरपा तोंहरे पंचन के आत्मा के साथ बनी रहय। आमीन!

इब्रानियन

इआ चिट्ठी के परिचय

इआ चिट्ठी इब्रानी मसीही लोगन के खातिर लिखी गे रही हय, जउन सताव के कारन अपने मसीही बिसुआस काहीं छोंड़ँइ के कगार माहीं रहे हँय। लेखक उनहीं पंचन काहीं अपने बिसुआस माहीं बने रहँइ के खातिर उत्साहित करत हें, इआ चिट्ठी माहीं लेखक खास करके इआ बताबत हें, कि केबल यीसु मसीह परमातिमा के बास्तबिक अउर अन्तिम प्रकासन आहीं, इआ बात काहीं बतामँइ के खातिर ऊँ तीन सच्चाइन माहीं जोर देत हें। (1) यीसुअय परमातिमा के बास्तबिक लड़िका आहीं, जउन दुख उठाय-उठाइके पिता के हुकुमन काहीं पालन किहिन। परमातिमा के लड़िका के रूप माहीं यीसु पुरान नेम के नबिअन, स्वरगदूतन, अउर मूसा से घलाय महान हें। (2) यीसु परमातिमा के द्वारा अनन्तकाल के खातिर महायाजक साबित कइ दीनगे हँय, अउर ऊँ पुरान नेम के महायाजकन से महान हें। (3) यीसु के द्वारा बिसुआसी पाप, डेर, अउर मउत से बचाय लीनगे हँय; अउर यीसु महायाजक के रूप माहीं सच्ची मुक्ती देत हें, यहूदी धरम के धारमिक बिधिअन, अउर पसुअन के बलियन के द्वारा जिनखर केबल पहिले से अभास मिलत रहा हय।
लेखक चिट्ठी के अन्तिम पाठन माहीं इजराइल के कुछ महान मनइन के बिसुआस के बारे माहीं बखान कइके, अपने पढ़ँइ बालेन काहीं बिसुआस माहीं बने रहँइ के निबेदन करत हें, कि ऊँ पंचे सताव अउर दुख-मुसीबत काहीं सहत अन्त तक बिसुआस माहीं बने रहँय, अउर आपन ध्यान यीसु मसीह के ऊपर लगाए रहँय।
हम बिनती करित हएन, कि इआ चिट्ठी काहीं अपना पंचे जरूर पढ़ी, अउर यीसु मसीह के ऊपर किहे बिसुआस माहीं मजबूत बनी।

रूप-रेखा :

भूमिका : मसीह, परमातिमा के पूर प्रकासन आहीं
मसीह, स्वरगदूतन से घलाय महान हें
मसीह, मूसा अउर यहोसू से घलाय महान हें
मसीह के याजक पद के महानता
मसीह के करार के महानता
मसीह के बलिदान के महानता
बिसुआस के महानता
आखिरी उपदेस अउर उपसंहार

परमातिमा के बचन उनखे लड़िका के व्दारा

1 पहिले के समय माहीं परमातिमा, बाप-दादन से थोरी-थोरी कइके,
अउर कइयकमेर से अपने सँदेस बतामँइ बालेन के द्वारा बातँय
किहिन, 2 पय ईं आखिरी दिनन माहीं अपने लड़िका के द्वारा हमसे पंचन से
बातँय किहिन हीं, अउर उनहिन काहीं ऊँ सगले चीजन के बारिसदार
ठहराइन हीं, अउर उनहिन के द्वारा ऊँ सगले संसार काहीं बनाइन हीं।
3 अउर ऊँ परमातिमा के महिमा के उँजिआर, अउर उनखे हरेक सुभाव के
साछात तसबीर आहीं, अउर उँइन सगली चीजन काहीं अपने सामरथी बचन
से सम्हारत हें। अउर उँइन मनइन के पापन काहीं धोइके, सगलेन से ऊँच
जघा अरथात स्वरग माहीं, सबसे महान परमातिमा के दहिने कइती जाइके
बइठिगें हँय। 4 अउर उनखर पद स्वरगदूतन से बढ़िके हय, काहेकि जउन
नाम उनहीं बारिसदार के रूप माहीं मिला हय, उआ नाम उनखे नामन से
खुब महान हय।

परमातिमा के लड़िका के महानता

5 काहेकि स्वरगदूतन म से परमातिमा कबहूँ कोहू से इआ नहीं कहिन, कि
"तूँ † हमार लड़िका आह्या, अउर तूँ आजय हमसे पइदा भया हय।" अउर
इहव नहीं कहिन, कि "हम उनखर बाप होब, अउर ऊँ हमार लड़िका ††
होइहँय।"
6 अउर जब ऊँ अपने पहिलउठा लड़िका काहीं संसार माहीं पठबत हें, त
कहत हें, कि "परमातिमा के सगले स्वरगदूत उनखे गोड़न गिरँय ‡।"
7 अउर ऊँ स्वरगदूतन के बारे माहीं इआ कहत हें, कि
"ऊँ अपने दूतन काहीं हबा कि नाईं, अउर अपने सेबकन काहीं धँधकत
आगी कि नाईं बनाबत हें ‡†।"
8 पय अपने लड़िका के बारे माहीं परमातिमा इआ कहत हें, कि "हे
परमातिमा तोंहार सिंहासन हमेसा बना रही, अउर तूँ अपने राज माहीं न्याय
के साथ सासन ‡‡ करिहा।
9 अउर तूँ धरम से प्रेम अउर अधरम से इरखा किहा हय; इहय कारन से
परमातिमा अरथात तोंहार परमातिमा तोंहरे साथिन से बढ़िके तोंहार आनन्द
रूपी तेल से अभिसेक ‡‡† किहिन हीं।" 10 अउर परमातिमा इहव कहत हें,
कि
"हे प्रभू, सुरुआत माहीं अपना धरती के नेव डारेन हय, अउर स्वरग अपना
के हाँथे के कारीगरी ‡‡‡ आय।

† *1:5 भज 2:7* †† *1:5 2 समू 7:14; 1 इति 17:13* ‡ *1:6 ब्यब 32:43*
‡† *1:7 भज 104:4* ‡‡ *1:8 भज 45:6* ‡‡† *1:9 भज 45:7* ‡‡‡ *1:10 भज 102:25*

11 पय ऊँ सगले ओन्हा कि नाईं पुरान होइ जइहँय, अउर ऊँ नास होइ
जइहँय; पय अपना हमेसा † बने रहब।
12 अउर अपना उनहीं पिछउरी कि नाईं लपेटब, अउर ऊँ पुरान ओन्हा कि
नाईं बदल जइहँय, पय अपना उहयमेर सही-सलामत रहब, अउर अपना के
जीबन के अन्त †† कबहूँ न होई।"
13 अउर परमातिमा कबहूँ कउनव स्वरगदूतन से इआमेर नहीं कहिन, कि
"तूँ हमरे दहिने कइती बइठा, जब तक हम तोंहरे बइरिन काहीं तोंहरे गोड़े
के नीचे धरँय बाली चउकी ‡ न बनाय देई।"
14 काहेकि ऊँ सगले स्वरगदूत सेबा करँइ बाली आत्मा आहीं, जउन मुक्ती
पामँइ बाले मनइन के सेबा के खातिर पठई जाती ‡‡ हँय।

महान मुक्ती

2 इआ कारन से हमहीं पंचन काहीं चाही, कि हम पंचे जउने बातन
काहीं सुने हएन, उनमा अउर जादा मन लगाई, कहँव अइसा न होय,
कि हम पंचे भटकिके ऊँ बातन से दूर चले जई। 2 काहेकि जउन बचन
स्वरगदूतन के द्वारा कहा ग रहा हय। जब उआ नहीं बदला, अउर हरेक
अपराध अउर हुकुम न मानँइ के ठीक-ठीक बदला मिला, 3 त हम पंचे एतनी
महान मुक्ती देंइ बाले बचन के तिरस्कार कइके, कइसन सजा से बँच सकित
हएन? अरथात नहीं बँच सकी। जेखे बारे माहीं सबसे पहिले प्रभू बताइन
तय, अउर सुनँय बालेन के द्वारा हमहीं पंचन काहीं पूर बिसुआस भ। 4 अउर
साथय-साथ परमातिमा घलाय अपने मरजी के मुताबिक चिन्हन, अउर
अचरज के कामन, अउर अनेकव प्रकार के सामर्थ के कामन, अउर पबित्र
आत्मा के बरदानन काहीं बाँटँइ के द्वारा, एखर गबाही देत रहिगें।

मुक्ती देंइ बाले यीसु मसीह के मनई के रूप धारन करब

5 उआ आमँइ बाले संसार काहीं जेखे बारे माहीं हम पंचे चरचा कइ रहे
हएन, ओही परमातिमा स्वरगदूतन के अधिकार माहीं नहीं किहिन आय।
6 बलकिन पबित्र सास्त्र माहीं कउनव मनई परमातिमा से इआ कहिन हीं,
कि
"मनई के कउनव अउकात नहिं आय, तऊ अपना ओखर ख्याल रक्खित
हएन।" अउर "मनई के कउनव अउकात नहिं आय, तऊ अपना ओखर
चिन्ता करित हएन।"
7 "अपना उनखे पद काहीं स्वरगदूतन से थोरिन काहीं कम किहेन हय;
अपना उनखे ऊपर महिमा अउर मान-सम्मान के मुकुट धरेन हय, अउर
उनहीं अपने हाँथेन के कामन के ऊपर अधिकार दिहेन हय। अउर अपना
सब कुछ उनखे अधीन ‡‡ कइ दिहेन हय।"
8 एसे जब परमातिमा सब कुछ उनखे अधीन कइ दिहिन हीं, अउर अइसन
कुछू नहीं बचाइन जउन उनखे अधीन न भ होय। पय हम पंचे अबय तक
सब कुछ उनखे अधीन नहीं देखी।
9 पय हम पंचे यीसु काहीं जिनखर पद, कुछ समय के खातिर स्वरगदूतन
से थोरिन काहीं कम कीन ग रहा हय, मउत के दुख भोगँइ के कारन, महिमा
अउर मान-सम्मान के मुकुट पहिरे देखित हएन; कि जउने ऊँ परमातिमा के
किरपा से सगले मनइन के खातिर मउत के स्वाद चखँय। 10 काहेकि
परमातिमय सब कुछ बनाइन हीं, अउर सब कुछ उनहिन के आय, अउर
उनहीं इआ निकहा लाग, कि जब ऊँ खुब लड़िकन काहीं अपने महिमा माहीं
पहुँचामँइ, त उनहीं पंचन काहीं मुक्ती देंइ बाले यीसु काहीं दुख भोगँइ के
द्वारा सिद्ध करँय। 11 काहेकि पबित्र करँइ बाले यीसु अउर जउन मनई पबित्र
कीन जात हें, ऊँ सगले जन एकय पिता के सन्तान आहीं, इहय कारन से
यीसु उनहीं पंचन काहीं भाई-बहिनी कहँइ से नहीं लजाँय। 12 अउर पबित्र
सास्त्र माहीं घलाय लिखा हय, कि ऊँ कहत हें, कि
"हम अपना के नाम अपने भाई-बहिनिन काहीं बताउब, अउर मसीही
मन्डली के बीच माहीं अपना के भजन गाउब।"
13 अउर इहव घलाय कहिन हीं, कि हम उनखे ऊपर बिसुआस रक्खब।
अउर इहव कहिन, कि "देखा, हम ऊँ लड़िकन समेत जिनहीं परमातिमा
हमहीं दिहिन हीं।"
14 काहेकि जब लड़िका माँस अउर खून से बने हँय, त यीसु घलाय
उनहिन कि नाईं मनई के रूप माहीं पइदा होइके, खून अउर माँस माहीं
भागीदार होइगें। कि जउने अपने मउत के द्वारा ऊँ ओही, अरथात सइतान
के सक्ती काहीं नास कइ देंइ, जउने काहीं मउत के ऊपर सक्ती मिली रही
हय। 15 अउर जेतने मनई मउत के डेर से जीबन भर ओखे बन्धन माहीं परे
रहे हँय, यीसु उनहीं मउत के डेर से मुक्ती देंय। 16 काहेकि इआ निस्चित हय,
कि यीसु स्वरगदूतन के नहीं, बलकिन अब्राहम के सन्तानन के मदत करत
हें। 17 इआ कारन से उनखे खातिर इआ जरूरी रहा हय, कि ऊँ हरेक बातन
माहीं, अपने भाई-बहिनिन कि नाईं बनँय, जउने ऊँ, परमातिमा से सम्बन्धित
हरेक बातन माहीं, दयालू अउर बिसुआस के काबिल महायाजक बनँय।
अउर मनइन के पापन के माफी के खातिर, खुद काहीं बलिदान करँय।
18 काहेकि यीसु जब परिच्छा माहीं परे रहे हँय, त खुब दुख उठाइन तय, एसे
ऊँ उनहूँ के घलाय मदत कइ सकत हें, जिनखर परिच्छा होत ही।

यीसु मूसा नबी से महान हें

3 एसे हे पबित्र भाई-बहिनिव, तूँ पंचे जउन स्वरग माहीं रहँइ बाले
परमातिमा के द्वारा बोलाए जाँइ माहीं भागीदार हया, परमातिमा के
पठए ऊँ प्रतिनिधि अउर महायाजक यीसु के ऊपर ध्यान करा, जिनहीं हम
पंचे सोइकार किहेन हँय। 2 जउन अपने नियुक्त करँइ बाले परमातिमा के
खातिर, बिसुआस के काबिल रहे हँय, जइसन मूसा नबी घलाय, उनखे
सगले घराना माहीं बिसुआस के काबिल रहे हँय। 3 काहेकि जइसन घर
काहीं बनामँइ बाला, घर से अधिक मान-सम्मान पाबत हय, उहयमेर यीसु
घलाय, मूसा नबी से बढ़िके मान-सम्मान पामँइ के काबिल माने गे हँय।
4 काहेकि हरेक घर काहीं बनामँइ बाला कोऊ न कोऊ होत हय, पय हरेक
चीजन काहीं बनामँइ बाले परमातिमय आहीं। 5 अउर मूसा त उनखे सगले
घराना माहीं सेबक कि नाईं बिसुआस के काबिल रहे हँय, कि जउने बातन
के बखान होंइ बाला रहा हय, ओखर गबाही देंय। 6 पय मसीह लड़िका कि
नाईं, उनखे घर के अधिकारी आहीं, अउर उनखर घर हम पंचे आहेन, अगर
हम पंचे साहस माहीं, अउर अपने आसा के घमन्ड माहीं, अन्त तक मजबूती
के साथ बने रही।

अबिसुआस के बारे माहीं चेतउनी

7-8 एसे जइसन पबित्र आत्मा कहत हें, कि
"अगर आज तूँ पंचे परमातिमा के बोल सुना, त अपने मन काहीं कठोर न
करा, जइसन कि क्रोध देबामँइ के समय अउर परिच्छा के दिन इजराइली
लोग जंगल माहीं किहिन तय।
9 जहाँ तोंहार पंचन के बाप-दादा हमहीं जाँचिन-परखिन, अउर चालिस
बरिस तक हमरे कीन कामन काहीं देखिन।
10 इहय कारन से हम उआ समय के मनइन से क्रोधित रहेन हय, अउर
कहेन, कि 'इनखर मन हमेसा भटकतय रहत हें, अउर ईं पंचे हमरे बताए
गइलन माहीं नहीं चलँय।'
11 तब हम क्रोधित होइके इआ कसम खायन, कि 'ईं पंचे हमरे अराम के
जघा माहीं कबहूँ न जाए पइहँय'। ‡‡†"
12 एसे हे भाई-बहिनिव, सचेत रहा, कि तोंहरे पंचन के भीतर अइसन
पापी अउर अबिसुआसी मन न होय, जउन तोंहईं पंचन काहीं भटकाइके
जिन्दा परमातिमा से दूर लइ जाय। 13 बलकिन जउने दिना तक आज के
दिन कहा जात हय, हरेक दिन एक दुसरे काहीं उत्साहित करत रहा, कहँव

† *1:11 भज 102:26* †† *1:12 भज 102:27* ‡ *1:13 भज 110:1* ‡‡ *1:14 भज 34:7* ‡‡ *2:7 भज 8:4-6*

‡‡† *3:11 भज 95:7-11*

अइसा न होय, कि तोंहरे पंचन के बीच म से कोऊ पाप के जाल माहीं फँसिके कठोर बन जाय। 14 काहेकि हम पंचे मसीह के साथ भागीदार बन गएन हय, अगर हम पंचे यीसु मसीह के ऊपर किहे पहिल बिसुआस माहीं अन्त तक मजबूती के साथ बने रही। 15 जइसन पबित्र सास्त्र माहीं घलाय लिखा हय, कि

"अगर आज तूँ पंचे उनखर बोल सुना, त अपने मनन काहीं कठोर न करा, जइसन इजराइली लोगन के बाप-दादा, परमातिमा के बात न मानिके उनखे बिरुद्ध काम किहिन।"

16 अउर इआ बताबा, कि "ऊँ पंचे को आहीं जउन परमातिमा के बोल सुनिके उनखे बिरुद्ध काम किहिन तय?" का ऊँ पंचे, उँइन न होंहीं, जिनहीं मूसा नबी मिस्र देस से निकारिके लइ आएँ तय? 17 अउर चालिस बरिस तक परमातिमा कउने मनइन से क्रोधित रहे हँय? का उनहिन से नहीं, जउन पाप किहिन तय, अउर उनखर लोथँय जंगल माहीं परी रही हँय? 18 अउर ऊँ कउने मनइन से कसम खाइन तय, कि तूँ पंचे हमरे अराम के जघा माहीं न जाए पइहा? का केबल ऊँ पंचन से नहीं, जउन उनखर हुकुम नहीं मानिन तय? 19 एसे हम पंचे इआ देखित हएन, कि ऊँ पंचे बिसुआस न किहे के कारन, उआ अराम के जघा माहीं नहीं जाए पाइन।

परमातिमा के भक्तन के अराम के जघा माही जाब

4 एसे जब अराम के जघा माहीं उनखे जाँइ के वादा अबे तक हय, त हमहीं पंचन काहीं डेराँइ चाही; कहँव अइसा न होय, कि तोंहरे पंचन म से कोऊ उहाँ जाँइ से बंचित रहि जाय। 2 काहेकि जइसन खुसी के खबर उनहीं पंचन काहीं सुनाई गे रही हय, उहयमेर हमहूँ पंचन काहीं घलाय सुनाई गे ही, पय उनहीं पंचन काहीं सुने बचन से कउनव फायदा नहीं भ, काहेकि ऊँ पंचे बचन काहीं सुनिके अपने जीबन माहीं बिसुआस के साथ लागू नहीं किहिन तय। 3 पय हम पंचे जेतने जन उनखे बचन काहीं सुनिके अपने जीबन माहीं बिसुआस के साथ लागू किहेन हय, उनखे अराम के जघा माहीं जाए पाउब; पय जे बिसुआस नहीं किहिन उनसे ऊँ कहिन हीं, कि

"हम अपने क्रोध माहीं कसम खायन हय, कि ऊँ पंचे हमरे अराम के जघा माहीं कबहूँ न जाए पइहँय।"

एसे कि जब ऊँ संसार काहीं बनाइन तय, तबहिन उनखर सगले काम पूर होइगे रहे हँय। 4 काहेकि सतएँ दिन के बारे माहीं पबित्र सास्त्र माहीं इआमेर लिखा हय, कि "परमातिमा सतएँ दिना अपने सगले कामन काहीं पूर कइके अराम किहिन †।" 5 अउर पबित्र सास्त्र माहीं इहव लिखा हय, कि "ऊँ पंचे हमरे अराम के जघा माहीं कबहूँ न जाए पइहँय।" 6 जिनहीं पहिले खुसी के खबर सुनाई गे रही हय, ऊँ पंचे परमातिमा के हुकुम काहीं न मानँइ के कारन, उनखे अराम के जघा माहीं नहीं जाए पाइन, पय उनखे ऊपर बिसुआस करँइ बाले मनइन के खातिर, अबहिनव उनखे अराम के जघा के दुअरा खुला हय। 7 एसे परमातिमा पुनि एकठे खास दिन काहीं निस्चित किहिन, अउर ओही नाम दिहिन "आज" अउर कुछ बरिस के बाद ऊँ पुनि राजा दाऊद के किताब माहीं इआ कहत हें, कि

"अगर आज तूँ पंचे उनखर बोल सुना, त अपने मनन काहीं कठोर न करा।"

8 अउर अगर यहोसू उनहीं पंचन काहीं अराम के जघा माहीं लइ जाए पउतें, त ओखे बाद दुसरे दिन के चरचय न होत। 9 एसे इआ जानिल्या, कि परमातिमा के ऊपर बिसुआस करँइ बाले मनइन के खातिर, अबहिनव पबित्र दिन के अराम बाँकी हय। 10 काहेकि अबे तक जे कोऊ परमातिमा के अराम के जघा माहीं ग हय, उआ परमातिमा कि नाईं अपने सगले कामन काहीं पूर कइके अराम किहिस ही। 11 एसे हम पंचे उआ अराम के जघा माहीं जाँइ के खातिर पूर कोसिस करी, कहँव अइसा न होय, कि हमरे पंचन म से कोऊ, इजराइलिअन कि नाईं बन जाय, जउन परमातिमा के हुकुम काहीं न मानिके, अराम के जघा माहीं नहीं जाए पाइन तय। 12 काहेकि परमातिमा के बचन जिन्दा हय, सक्तिसाली हय, अउर सगली दुइ धार बाली तलबारन से खुब जादा चोंख हय, अउर उआ प्रान, अउर आत्मा काहीं, अउर देंह के सगली हड्डिन अउर माँस काहीं, अलग कइके आर-पार छेदत हय। अउर उआ बचन मनइन के मन के इच्छन, अउर सोच-बिचार के जाँच-परताल घलाय करत हय। 13 अउर संसार के कउनव चीज परमातिमा के नजर से छिपी नहिं आय, बलकिन ऊँ घलाय जउन हमरे पंचन के काम के हईं, काहेकि संसार के सगली चीजँय, उनखे नजर माहीं खुली हईं अउर देखाई देती हईं।

सगलेन से महान महायाजक

14 एसे जब हमार पंचन के अइसन महान महायाजक हें, जउन स्वरग माहीं परमातिमा के लघे गे हँय, ऊँ परमातिमा के लड़िका यीसु आहीं; त हम पंचे उनखे ऊपर जउन बिसुआस किहेन तय, ओही मजबूती के साथ थाम्हें रही। 15 काहेकि हमार पंचन के महायाजक अइसन नहिं आहीं, जउन हमरे पंचन के कमजोरिन माहीं, हमरे पंचन के साथ दुखी होइके मदत न कइ सकँय, काहेकि ऊँ सगली बातन माहीं हमरेन पंचन कि नाईं जाँचे-परखे गें, तऊ उनखे जीबन माहीं कउनव पाप नहीं मिला। 16 एसे आबा हम पंचे हिम्मत बाँधिके किरपा पामँइ के खातिर परमातिमा के सिंहासन के लघे चली, कि जउने हमरे पंचन के ऊपर उनखर दया होय, अउर उआ किरपा पाई, जउन जरूरत परे माहीं हमार पंचन के मदत करय।

5 हरेक महायाजक मनइन म से लीन जात हय, अउर उआ परमातिमा से सम्बन्धित बातन माहीं, मनइन के अँगुआई करँइ के खातिर ठहराबा जात हय। जउने उआ भेंट अउर मनइन के पापन के माफी के खातिर बली चढ़ाबा करय। 2 अउर उआ, जउन मनई परमातिमा के मरजी काहीं नहीं जानँय, अउर उनहूँ के साथ जउन परमातिमा के गइल से भटकिगें हँय, नरमी से बेउहार कइ सकत हय, एसे कि उआ खुदय कमजोरिन से घिरा रहत हय। 3 अउर एहिन से ओही चाही कि जइसन दुसरे मनइन के खातिर पापबली चढ़ाबत हय, उहयमेर अपने खातिर घलाय पापबली †† चढ़ाबा करय। 4 अउर मान-सम्मान के इआ पद, कोऊ अपने से नहीं लइ सकय, काहेकि हरेक महायाजक हारून कि नाईं ‡ परमातिमय के तरफ से चुना जात हय।

5 अउर उहयमेर मसीह घलाय उआ मान-सम्मान पामँइ बाला महायाजक के पद, खुदय नहीं लिहिन, बलकिन उआ पद उनहीं परमातिमय दिहिन हीं, जउन कहिन रहा हय, कि

"तूँ हमार लड़िका आह्या, अउर आजय हम तोंहईं पइदा किहेन हय ‡†।"

6 अउर ऊँ पबित्र सास्त्र माहीं दुसरेव जघा माहीं घलाय कहत हें, कि "तूँ मलिकिसिदक कि रीति पर हमेसा के खातिर याजक आह्या ‡‡।"

7 यीसु मनई के रूप माहीं जब धरती माहीं रहे हँय, त खुब चन्डे गोहराय-गोहरायके, अउर आँसू बहाय-बहाइके, परमातिमा से बिनती-प्राथना किहिन, जउन उनहीं मउत से बचाय सकत रहे हँय। अउर उनखे भक्ती अउर समरपन के कारन उनखर प्राथना सुनी गे। 8 अउर परमातिमा के लड़िका होए के बादव, ऊँ दुख उठाय-उठाइके उनखर हुकुम मानब सिखिन। 9 अउर सिद्ध बनिके, अपने सगले हुकुम मानँइ बालेन के खातिर, हमेसा के खातिर मुक्ती पामँइ के माध्यम बनिगें। 10 अउर उनहीं परमातिमा के तरफ से, मलिकिसिदक कि रीति पर महायाजक के पद मिला हय।

बिसुआस से भटक जाँइ के नतीजा

11 एखे बारे माहीं हमहीं पंचन काहीं, तोंहईं खुब बातँय बतामँइ काहीं हय, पय उनहीं समझाउब बड़ा मुसकिल हय। काहेकि तोंहार पंचन के सोचँय-समझँय के सक्ती कम ही। 12 बास्तव माही समय के हिंसाब से, अबे तक तोंहईं पंचन काहीं, दुसरे मनइन काहीं बचन के सिच्छा देंइ बाले बन जाँइ चाही। पय तूँ पंचे खुदय इआ चहते हया, कि "हमहीं पंचन काहीं कोऊ

† *4:4 उत्प 2:2*

†† *5:3 लैब्य 9:7* ‡ *5:4 निरग 28:1* ‡† *5:5 भज 2:7* ‡‡ *5:6 भज 110:4*

परमातिमा के बचन के बारे माहीं, जउन सुरुआत माहीं सिखाबा ग रहा हय, उँइन बातन काहीं पुनि सिखाबय।" एसे कि तूँ पंचे छोट लड़िकन कि नाईं बन गया हय, अउर अबे तक तोंहईं पंचन काहीं अनाज के जघा माहीं दूधय चाही। 13 काहेकि दूध पिअँइ बाले लड़िका काहीं धारमिकता के बचन के पहिचान नहीं होय, काहेकि उआ लड़िका अबे छोट हय। 14 पय तूँ पंचे इआ जानिल्या, कि अनाज सयानन के खातिर आय, जिनहीं एतना अनुभव होत हय, कि नीक-नागा का आय, एखे बारे माहीं ऊँ पंचे निकहा से जानत हें।

6 एसे आबा हम पंचे मसीह के सिच्छा के सुरुआत के बातन से आँगे बढ़िके, परिपूर्न बनँइ के खातिर आँगे बढ़त चली, अउर अपने बुरे कामन से मन फिरामँइ, अउर परमातिमा के ऊपर बिसुआस करँय, 2 अउर बपतिस्मन, अउर हाँथ धरइँ, अउर मरे के बाद पुनि जिन्दा होंइ, अउर अन्तिम न्याय के सिच्छा रूपी नेव पुनि न डारी। 3 अउर अगर परमातिमा के मरजी होई, त हम पंचे बिसुआस माहीं परिपूर्न बनँइ के खातिर आँगे बढ़त जाब। 4 काहेकि जेतने जन एक बेरकी जोति पाय चुके हँय, अउर स्वरग के बरदान के अनुभव कइ चुके हँय, अउर पबित्र आत्मा पाय चुके हँय, 5 अउर परमातिमा के उत्तम बचन के, अउर आमँइ बाले जुग के सक्ती के अनुभव कइ चुके हँय, 6 अगर ऊँ पंचे बिसुआस से भटक जाँय; त उनखे मनन काहीं बदलिके पुनि बिसुआस माहीं लइ आउब असम्भव हय; काहेकि ऊँ पंचे परमातिमा के लड़िका काहीं, अपने खातिर पुनि क्रूस के ऊपर चढ़ाबत हें, अउर खुले आम उनखे ऊपर कलंक लगाबत हें। 7 काहेकि जउन धरती बरसा के पानी से बेर-बेर सिंचरिके, अपने जोतँय बोमँइ बालेन के खातिर निकही फसल देत ही, उआ परमातिमा से आसीस पाबत ही। 8 पय अगर उआ धरती बरसा के पानी से बेर-बेर सिंचरे के बादव, जरबा अउर उटकटार जमाबत ही, त उआ निकम्मी अउर स्रापित होंइ बाली हय, अउर उआ अन्त माहीं जराय दीन जई।

9 पय हे पियार साथिव, हम पंचे इआमेर कहित त जरूर हएन, तऊ तोंहरे बारे माहीं हम पंचे इनसे निकही, अउर मुक्ती देंइ बाली बातन माहीं भरोसा करित हएन। 10 काहेकि परमातिमा अन्यायी नहीं आहीं, कि तोंहरे काम, अउर उआ प्रेम काहीं बिसरि जाँय, जउन तूँ पंचे उनखे नाम के खातिर पबित्र मनइन के सेबा किहा हय, अउर अबे तक कइव रहे हया। 11 अउर हम पंचे खुब चाहित हएन, कि तोंहरे म से हरेक जन अपने जीबन भर इहइमेर कठिन मेहनत करत रहय। अउर अगर तूँ पंचे अइसय करत रइहा, त ओही जरूर पाय जइहा, जेखर तूँ पंचे आसा करते हया। 12 अउर हम पंचे इआ नहीं चाही, कि तूँ पंचे आलसी बना, बलकिन तूँ पंचे उनखे कि नाईं जीबन बिताबा, जउन बिसुआस अउर धीरज के द्वारा परमातिमा के वादन के बारिसदार बन जात हें।

परमातिमा के कबहूँ न बदलँय बाला वादा

13 जब परमातिमा अब्राहम से वादा किहिन तय, तब कसम खाँय के खातिर, उनहीं अपने से बड़ा कोऊ नहीं मिला, एसे ऊँ अपनय कसम खाइके कहिन, 14 कि "हम तोंहईं निस्चित रूप से खुब आसीस देब, अउर तोंहरे सन्तान काहीं घलाय बढ़ाबत जाब †।" 15 अउर इआमेर से अब्राहम धीरज धइके, परमातिमा के द्वारा कीन वादा के बात काहीं पाइन। 16 अउर मनई जब कउनव कसम खात हें, त अपने से बड़े के कसम खात हें। अउर अपने हरेक बिबादन के फँइसला काहीं, कसम के द्वारा पक्का करत हें। 17 एसे परमातिमा, अपने वादा के बारे माहीं, ऊँ मनइन काहीं साफ-साफ बतामँइ चाहत रहे हँय, जउन उनखे वादा के बारिसदार रहे हँय। अउर ऊँ अपने इआ बात काहीं बतामँइ के खातिर, कि उनखर वादा कबहूँ नहीं बदल सकय, अपने अउर उनखे बीच माहीं कसम काहीं लइ आएँ। 18 अउर परमातिमा के कबहूँ न बदलँइ बाली ऊँ दुइठे बातँय, अरथात "कसम" अउर "वादा" के द्वारा हमहीं पंचन काहीं इआ पता चलत हय, कि "परमातिमा कबहूँ झूँठ साबित होइन नहीं सकँय।" एसे हमार पंचन के साहस अउर मजबूत होइ जात हय, अउर हम पंचे जउन उनखे सरन माहीं दउड़े चले आएन हँय, कि उआ आसा काहीं पाई, जउन आँगे धरी हय। 19 अउर जइसन लंगर पानी माहीं जिहाज काहीं स्थिर रक्खत हय, उहयमेर आसा घलाय हमरे पंचन के प्रान काहीं स्थिर रक्खत ही, अउर उहय हमहीं पंचन काहीं परदा के भीतर तक अरथात परमातिमा के लघे तक पहुँचाबत ही। 20 जहाँ यीसु मलिकिसिदक के रीति पर, हमेसा के खातिर महायाजक बनिके, हमरे पंचन के खातिर अँगुआ के रूप माहीं पहुँच चुके हँय।

याजक मलिकिसिदक के बारे माहीं बखान

7 ईं मलिकिसिदक सालेम सहर के राजा, अउर परमप्रधान परमातिमा के याजक आहीं, जउन हमेसा याजक बने रइहँय; जब अब्राहम राजन काहीं हराइके लउटत रहे हँय, तब ईंन उनसे गइल माहीं मिलें तय, अउर अब्राहम काहीं आसिरबाद दिहिन तय। 2 इनहिन काहीं अब्राहम अपने सगली चीजन के दसमा भाग घलाय दिहिन तय, अउर इनखे मलिकिसिदक नाम के मतलब हय "धरम के राजा"। अउर सालेम के मतलब हय "सान्ती के राजा।" 3 अउर इनखे महतारी-बाप के बारे माहीं पबित्र सास्त्र माहीं कउनव लेख नहीं मिलय, अउर न इनखर कउनव बंसाबली आय, अउर न इनखे जनम अउर मउत के बारे माहीं कउनव पता चलय; बलकिन ईं परमातिमा के लड़िका कि नाईं ठहरिके, हमेसा के खातिर याजक बने रइहँय। 4 अउर अब तूँ पंचे इआ बात माहीं ध्यान द्या, कि ऊँ केतना महान रहे हँय, जिनहीं सगले कुलन के मुखिया अब्राहम, अपने लूट के निकही से निकही चीजन के दसमा भाग दिहिन तय। 5 अउर मूसा के बिधान के मुताबिक लेबी के बंस के मनइन काहीं याजक के पद मिलत रहा हय, अउर उनहीं इआ हुकुम दीनगे रही हय, कि ऊँ अपने इजराइली भाइन से दसमा भाग लेंय, चाह ऊँ अब्राहम के बंस माहीं काहे न पइदा भे होंय। 6 पय मलिकिसिदक जउन लेबी के बंसाबली के न होंहीं, तऊ अब्राहम से दसमा भाग लिहिन तय, जिनहीं परमातिमा घलाय आसिरबाद देंइ के वादा किहिन तय, उनहीं आसिरबाद दिहिन, 7 अउर इआ बात माहीं कउनव सन्देह नहिं आय। काहेकि छोट हमेसा बड़े से आसिरबाद पाबत हय। 8 अउर इहाँ लेबी बंस के जउन मनई दसमा भाग लेत हें, ऊँ त मर जइहँय, पय मलिकिसिदक के बारे माहीं, जउन हम पंचे बताइत हएन, ऊँ हमेसा जिन्दा रइहँय। 9 त पुनि हम पंचे इहव कहि सकित हएन, कि लेबी घलाय जउन दसमा भाग लेत हें, अब्राहम के द्वारा मलिकिसिदक काहीं दसमा भाग दिहिन हीं। 10 काहेकि जउने समय मलिकिसिदक उनखे कुल पिता अब्राहम से मिलें तय, उआ समय लेबी अब्राहम के देंह माहीं रहे हँय, पय पइदा नहीं भे रहे आहीं।

यीसु मलिकिसिदक कि नाईं हें

11 अउर अगर लेबी के बंस के बनँइ बाले याजकन के द्वारा परिपूर्नता मिल जात, (काहेकि इनहिन के व्दारा मनइन काहीं मूसा के बिधान मिला रहा हय।) त फेर एखर कउनव जरूरत न परत, कि कउनव दूसर याजक हारून कि रीति पर नहीं, बलकिन मलिकिसिदक कि रीति पर याजक बनय। 12 काहेकि जब याजक के पद बदला जात हय, त बिधान काहीं घलाय बदला जाब जरूरी हय। 13 काहेकि जउने याजक के बारे माहीं ईं बातँय कीन जाय रही हँय, ऊँ लेबी के बंस के न होंहीं, बलकिन दुसरे कुल के आहीं, जउने माहीं आज तक कोऊ याजक बनिके बेदी माहीं बलिदान नहीं चढ़ाइन। 14 एसे इआ बात त साफ ही, कि हमार पंचन के प्रभू यीसु यहूदा के कुल माहीं पइदा भें हँय, अउर यहूदा के कुल के बारे माहीं याजक बनँइ के खातिर, मूसा नबी कउनव चरचा नहीं किहिन।

15 अउर जउन कुछू हम पंचे कहेन हय, उआ अउर साफ होइ जात हय, जब मलिकिसिदक कि नाईं एकठे अउर याजक बन जात हें। 16 जउन अपने बंसाबली के नेम मुताबिक नहीं, बलकिन अबिनासी जीबन के सक्ती के मुताबिक याजक बने हँय। 17 अउर पबित्र सास्त्र माहीं इनखे बारे माहीं इआ गबाही दीनगे ही, कि

† *6:14 उत्प 22:16,17*

"तूँ मलिकिसिदक कि रीति पर हमेसा के खातिर याजक बने रइहा †।"
18 इआमेर से पहिल हुकुम कमजोर; अउर बेकार होंइ के कारन खतम
होइगे। (काहेकि मूसा के बिधान कउनव मनई काहीं परिपूर्न नहीं बनाइस।)
19 अउर ओखे जघा माहीं एकठे अइसन उत्तम आसा दीनगे ही, जेखे द्वारा
हम पंचे परमातिमा के लघे पहुँच सकित हएन। 20 अउर इआ बात घलाय
खास ही, कि परमातिमा, यीसु काहीं कसम के द्वारा याजक बनाइन रहा
हय। 21 जबकि दुसरेन काहीं बिना कसम के याजक बनाबा ग रहा हय। पय
यीसु काहीं कसम के द्वारा परमातिमा के तरफ से याजक बनाबा ग हय,
अउर यीसु के बारे माहीं पबित्र सास्त्र माहीं घलाय इआ लिखा हय, कि
"प्रभू कसम के द्वारा यीसु काहीं हमेसा के खातिर याजक बनाइन हीं,
अउर इआ बात से ऊँ कबहूँ न पचितइहँय ††।"
22 काहेकि इआ कसम के कारन यीसु एकठे उत्तम करार के जमानतदार
बनिगें।
23 पुरान समय से खुब याजक बनत चले आए हँय, पय ऊँ पंचे अपने पद
माहीं स्थिर नहीं रहे पाइन, काहेकि ऊँ पंचे मर जात रहे हँय। 24 पय यीसु
हमेसा जिन्दा रइहँय; इआ कारन से उनखर याजक पद हमेसा बना रही।
25 एसे जेतने जन यीसु के द्वारा परमातिमा के लघे आबत हें, यीसु उनहीं
पूर-पूर मुक्ती दइ सकत हें, काहेकि ऊँ बिचबई बनिके उनखे खातिर बिनती
करँइ के खातिर हमेसा जिन्दा हें। 26 अउर हमहीं पंचन काहीं इहइमेर के
महायाजक के जरूरत रही हय, जउन पबित्र, निस्कपट, सुद्ध, अउर बिना
पाप के, अउर स्वरग से घलाय ऊँच कीन गे होंय। 27 अउर पहिले के
महायाजकन कि नाईं, उनहीं एखर जरूरत नहीं रही, कि ऊँ रोज पहिले
अपने पापन के माफी के खातिर, अउर बाद माहीं दुसरे मनइन के पापन के
माफी के खातिर बलिदान चढ़ामँइ; काहेकि ऊँ खुद काहीं बलिदान चढ़ाइके,
ओही एक बेरकिन माहीं पूर कइ दिहिन हीं। 28 काहेकि मूसा के बिधान त
कमजोर मनइन काहीं महायाजक बनाबत हय, पय मूसा के उआ बिधान के
बाद, परमातिमा कसम खाइके अपने लड़िका काहीं महायाजक बनाइन हीं।
अउर उँइन लड़िका काहीं हमेसा के खातिर परिपूर्न बनाइन हीं।

नई करार के महायाजक

8 अब जउन बातँय हम पंचे बताय रहेन हय, उनमा से सगलेन से खास
बात त इआ हय, कि हमार पंचन के अइसन महायाजक हें, जउन
स्वरग माहीं सबसे महान परमातिमा के सिंहासन के दहिने कइती जाइके
बइठिगें हँय। 2 अउर ऊँ पबित्र जघा, अउर उआ सच्चे तम्बू के सेबक बनिगे
हँय, जउने काहीं कउनव मनई नहीं, बलकिन परमातिमा बनाइन हीं।
3 काहेकि हरेक महायाजक भेंट अउर बलिदान चढ़ामँइ के खातिर बनाबा
जात हय। इआ कारन से इआ जरूरी हय, कि इऊँ महायाजक के लघे भेंट
चढ़ामँइ के खातिर कुछू होंइ चाही। 4 अउर अगर यीसु धरती माहीं होतें, त
कबहूँ याजक न बने पउतें, काहेकि मूसा के बिधान के मुताबिक, भेंट
चढ़ामँइ बाले लेबी बंस के मनई रहे हँय। 5 जउन स्वरग के चीजन के साछात
तसबीर अउर परछाईं के सेबा करत हें। अउर जइसन मूसा नबी जब तम्बू
बनामँइ बाले रहे हँय, त उनहीं परमातिमा इआ चेतउनी दिहिन तय, कि
"देखा, जउन नमूना हम तोंहईं पहार के ऊपर देखायन हय, ओहिन के
मुताबिक सब कुछ बनाया ‡।" 6 पय जउन सेबा के काम मसीह यीसु काहीं
मिला हय, उआ पहिले के महायाजकन के सेबा के काम से बढ़िके हय,
काहेकि यीसु जउने नई करार के बिचबई बने हँय, उआ पुरान करार से
उत्तम ही, काहेकि उआ उत्तम चीजन के करार के ऊपर आधारित ही।
7 काहेकि अगर उआ पहिल करार निरदोस होत, त दुसरे करार के खातिर
मोका न ढूँढ़ा जात।
8 पय परमातिमा उनखे ऊपर दोस पाइन, एसे ऊँ इआ कहत हें, कि "देखा,
ऊँ दिन आमँइ बाले हें, कि जब हम इजराइल के घराना के साथ, अउर
यहूदा के घराना के साथ नई करार लागू करब।"
9 इआ नई करार उआ पुरान करार कि नाईं न होई, जउन हम उनखे बाप-
दादन के साथ उआ समय बाँधेन तय, जब हम उनहीं मिस्र देस से उनखर
हाँथ पकड़िके निकार लायन तय, काहेकि ऊँ पंचे हमरे करार के मुताबिक
नहीं चलें, एसे हम उनखर कउनव देख-रेख नहीं किहेन।
10 अउर परमातिमा पुनि इआ बात कहत हें, कि "जउन करार हम उन
दिनन के बाद इजराइल के घराना के साथ बाँधब, उआ इआ होई, कि हम
अपने बिधान काहीं उनखे मनन माहीं डारब, अउर उनखे हिरदँय माहीं
लिखब, अउर हम उनखर परमातिमा कहाउब, अउर ऊँ हमार सन्तान
कहइहँय।
11 अउर ओखे बाद उनमा से कोऊ अपने परोसिअन काहीं, अउर अपने
भाई-बन्धुअन काहीं इआ सिच्छा न देई, कि प्रभू काहीं पहिचाना, काहेकि
छोट से लइके बड़ेन तक सगले जन हमहीं जान लेइहँय।
12 काहेकि हम उनखे अधरमन काहीं माफ करब, अउर हम उनखे पापन
काहीं हमेसा के खातिर बिसराय देब।"
13 एसे नई करार लागू होंइ के कारन परमातिमा, पहिल करार काहीं पुरान
साबित कइ दिहिन हीं; काहेकि जउन चीज पुरान होइके कउनव काम के
नहीं रहि जाय, त उआ जरूर नास होइ जात ही।

धरती के तम्बू माहीं अराधना

9 उआ पहिल करार माहीं घलाय अराधना के नेम रहे हँय, अउर
अइसन पबित्र जघा जउन इआ संसार माहीं रही हय। 2 काहेकि इआ
धरती माहीं एकठे तम्बू बनाबा ग रहा हय, जउने के पहिल भाग माहीं दिया
धरँय के स्टैन्ड, अउर मेज, अउर भेंट के रोटी रही हँय, अउर उआ भाग
पबित्र जघा कहाबत रही हय। 3 अउर दुसरे परदा के पीछे तम्बू के उआ भाग
रहा हय, जउन महापबित्र जघा कहाबत रही हय। 4 अउर उआ महापबित्र
जघा माहीं धूप जलामँइ बाली सोने के बेदी, अउर चारिव कइती से सोने से
मढ़ी करार के सन्दूख रही हय, अउर ओखे भीतर मन्ना से भरा सोने के
एकठे बरतन, अउर हारून के लाठी जउने माहीं पत्ती फुटुकि आईं तय,
अउर करार के पटिया घलाय रही हँय। 5 अउर उआ सन्दूख के ऊपर दुइठे
तेजोमँय करूब ‡† रहे हँय, जउन पस्चाताप के ढेक्कन काहीं अपने पखनन
से मूँदे रहे हँय, इनखे बारे माहीं एक-एक कइके बखान करँइ के मोका अबे
नहिं आय।
6 अउर जब ऊँ सगली चीजँय ब्यबस्थित रूप से तइआर होइ गईं, तब
याजक तम्बू के पहिल भाग माहीं जाइके सेबा के काम करँइ लागें। काहेकि
याजक उहाँ हर समय सेबा के काम करँय जाइ सकत रहे हँय। 7 पय तम्बू के
दुसरे भाग माहीं अरथात महापबित्र जघा माहीं, केबल महायाजक साल भरे
माहीं एक बेरकिन जात रहे हँय। पय ऊँ बिना जानबरन के खून लए नहीं
जात रहे आँय। जउने काहीं ऊँ अपने, अउर दुसरे मनइन के भूल चूक के
खातिर बलिदान चढ़ाबत रहे हँय। 8 एसे पबित्र आत्मा इहय बतामँइ चाहत
हें, कि जब तक इआ पहिल तम्बू ठाढ़ हय, तब तक महापबित्र जघा माहीं
जाँइ के खातिर, गइल देखाई नहीं दइ रही आय। 9 अउर इआ तम्बू बर्तमान
समय के खातिर एकठे उदाहरन आय; जउने माहीं अइसन भेंट अउर
बलिदान चढ़ाए जात हें, जउनेन से परमातिमा के अराधना करँइ बाले मनइन
के बिबेक परिपूर्न नहीं होइ सकय। 10 काहेकि ऊँ भेंट अउर बलिदानन माहीं,
खाँय-पिअँइ के चीजँय, अउर अनेकव प्रकार के नहाय-धोमँय के बिधी-
बिधान होत रहे हँय, जउन केबल देंहन काहीं सुद्ध करँइ के नेम आहीं। अउर
जउन नए बिधान के समय तक के खातिर लागू कीन गे रहे हँय।

मसीह के खून के सक्ती

11 पय जब मसीह आमँइ बाली निकही-निकही चीजन के महायाजक
बनिके आएँ, त ऊँ अउर महान अउर परिपूर्न तम्बू से होइके आएँ हँय, जउन
मनइन के हाँथ के बनाबा न होय, अरथात उआ तम्बू इआ संसार के न होय।

† *7:17 भज 110:4* †† *7:21 भज 110:4* ‡ *8:5 निरग 25:40*

‡† *करूब- परमातिमा के खास दूत आहीं*

12 अउर ऊँ बोकरन अउर बछबन के खून काहीं लइके नहीं, बलकिन एक
बेरकिन माहीं हमेसा के खातिर भेंट के रूप माहीं अपनेन खून काहीं लइके
महापबित्र जघा माहीं चलेगें, अउर हमरे पंचन के खातिर पापन से मुक्ती
पाउब निस्चित कइ दिहिन ही। 13 काहेकि जब बोकरन अउर बरधन के खून,
अउर कलोरी बछिया के राख, अपबित्र मनइन के ऊपर छिड़िके जात हें, त
ऊँ उनखे देंह के बाहिरी रूप काहीं सुद्ध कइके पबित्र करत हें। 14 त मसीह
जउन खुद काहीं सनातन आत्मा के द्वारा, परमातिमा के आँगे निरदोस बली
के रूप माहीं चढ़ाइन हीं, त ऊँ अपने खून के द्वारा तोंहरे पंचन के सोच-
बिचारन काहीं, मउत कइती लइ जाँइ बाले बुरे कामन से जरूर सुद्ध
करिहँय, जउने तूँ पंचे जिन्दा परमातिमा के सेबा कइ सका।

15 अउर इहय कारन से यीसु नई करार के बिचबई भे हँय, जउने उनखे
मउत के द्वारा, जउन पहिल करार के समय के अपराध रहे हँय, उनसे
छुटकारा मिलय, अउर परमातिमा के चुने मनई, करार के मुताबिक हमेसा के
खातिर बारिसदार बन जाँय। 16 काहेकि जहाँ तक बसीअत नामा के सबाल
हय, त ओखे खातिर जे कोऊ ओही लिखत हय, ओखे मउत के सबूत
देखाउब जरूरी होत हय। 17 काहेकि कउनव बसीयतनामा, तबहिन काम
करत हय, जब ओही लिखँइ बाला मर जात हय। जब तक ओही लिखँइ
बाला जिन्दा रहत हय, त उआ कउनव काम के नहीं होय। 18 एहिन से पहिल
करार खून † के द्वारा कीन गे रही हय। 19 काहेकि जब मूसा नबी सगले
इजराइली लोगन काहीं, बिधान के सगले हुकुम सुनाय चुकें। तब ऊँ बछबन
अउर बोकरन के खून लइके, पानी अउर लाल ऊन, अउर जूफा नाम के
बिरबा के डेरइआ के साथ, बिधान के किताब के ऊपर छिड़िकिन, अउर
ओखे बाद सगले मनइन के ऊपर घलाय छिड़िक दिहिन। 20 अउर कहिन,
कि "इआ, उआ करार के खून आय, जेखर हुकुम परमातिमा तोंहरे पंचन के
खातिर दिहिन हीं।" 21 अउर इहइमेर से ऊँ, तम्बू अउर सेबा के काम माहीं
आमँइ बाले, सगली चीजन के ऊपर घलाय खून छिड़िक दिहिन। 22 अउर
इआ बात बेलकुल सही ही, कि बिधान के मुताबिक हमेसा, सगली चीजँय
खून के द्वारा सुद्ध कीन जाती हईं; अउर बिना खून बहाए पापन के माफी
नहीं मिलय।

मसीह के बलिदान के द्वारा पापन के माफी

23 एसे इआ जरूरी हय, कि स्वरग के चीजन के साछात तसबीर के रूप
माहीं बनी सगली चीजँय, ईंन बलिदानन के द्वारा सुद्ध कीन जाँय, काहेकि
स्वरग के सगली चीजँय खुदय इनसे उत्तम बलिदानन के द्वारा सुद्ध कीन
जाती हँय। 24 काहेकि मसीह, हाँथ के बनाए उआ महापबित्र जघा माहीं नहीं
गें, जउन सच्चे महापबित्र जघा के नमूना के मुताबिक बनाई गे रही हय।
बलकिन सीधे स्वरग माहीं चलेगें। जउने हमरे पंचन के खातिर स्वरग माहीं
परमातिमा के आँगे हमेसा देखाई देंय। 25 अउर अब उनहीं खुद काहीं बेर-बेर
बली चढ़ामँइ के जरूरत नहिं आय, जइसन महायाजक हर साल खुद के
खून नहीं, बलकिन बली के खून लइके, महापबित्र जघा माहीं जात रहे हँय।
26 नहीं त उनहीं संसार के सुरुआत से लइके अबे तक बेर-बेर दुख उठामँइ
परत, पय अब जुग के आखिरी समय माहीं, ऊँ एक बेरकिन आएँ हँय, कि
जउने अपने बलिदान के द्वारा पाप काहीं दूर कइ देंय। 27 अउर जइसन
मनइन के खातिर एक बेरकी मरब, अउर ओखे बाद न्याय के होब निस्चित
हय। 28 उहयमेर मसीह घलाय, सगले मनइन के पापन काहीं उठामँइ के
खातिर एक बेरकिन बलिदान भें। अउर जउन मनई उनखे दुसराय आमँइ के
इन्तजार कइ रहे हँय, ऊँ उनखे पापन काहीं उठामँइ के खातिर नहीं,
बलकिन उनहीं मुक्ती देंइ के खातिर दुसराय अइहँय।

परिपूर्न बलिदान

10 मूसा के बिधान त आमँइ बाली निकही चीजन के केबल साछात
तसबीर देखाबत हय, पय उनखर असली रूप नहीं देखाबय, एसे
कि ऊँ एकयमेर के बलिदान जउन हर साल बिना चूके चढ़ाए जात हें,
अराधना के खातिर आमँइ बालेन काहीं कबहूँ परिपूर्न नहीं बनाय सकँय।
2 नहीं त उनखर चढ़ाउब बन्द होइ जात। एसे अगर अराधना करँइ बाले एक
बेरकिन के बलिदान के द्वारा सुद्ध होइ जातें, त पुनि उनखर बिबेक उनहीं
पंचन काहीं पापी न ठहराबत। 3 पय ऊँ बलियन के द्वारा हरेक साल पापन
काहीं सुधि कीन जात रहा हय। 4 काहेकि बरधन अउर बोकरन के खून के
द्वारा पापन काहीं दूर करब असम्भव हय।

5 इहय कारन से मसीह संसार माहीं आमँइ के समय इआ बात कहत हें,
कि "भेंट अउर बलिदान अपना नहीं चाही, एहिन से हमरे खातिर एकठे देंह
तइआर किहेन हय।
6 होमबलिअन अउर पाप-बलिअन से अपना खुसी नहीं भएन।
7 तब हम कहेन, कि 'देखी, हम आय गएन हय, (अउर पबित्र सास्त्र माहीं
घलाय हमरे बारे माहीं इआ लिखा हय।) जउने हे परमातिमा हम अपना के
मरजी पूर करी' ††।"

8 अउर पहिले त ऊँ इआ कहत हें, कि "न त अपना भेंट अउर बलिदान
चाही, अउर न त होमबलिअन अउर पाप-बलियन काहीं चाही, अउर न त
उनसे खुसिन होई।" जबकि ईं बलिदान त मूसा के बिधान के मुताबिक
चढ़ाए जात हें। 9 एखे बाद ऊँ इहव कहत हें, कि "देखी, हम आय गएन हय,
जउने अपना के मरजी पूर करी।" एसे ऊँ पहिल बिधान काहीं हटाय देत हें,
जउने दुसरे काहीं लागू करँय। 10 एसे परमातिमा के मरजिन से यीसु मसीह
के देंह काहीं, एक बेरकिन बलिदान के रूप माहीं चढ़ाए जाँइ के द्वारा, हम
पंचे पबित्र कीन गएन हय।

11 अउर हरेक याजक त तम्बू माहीं, ठाढ़ेन-ठाढ़े रोज सेबा के काम करत
हय, अउर एकयमेर के बलिदान काहीं बेर-बेर चढ़ाबत हय, जउन पापन
काहीं कबहूँ दूर नहीं कइ सकँय। 12 पय याजक के रूप माही मसीह त
पापन के बदले माहीं, एकयठे बलिदान हमेसा के खातिर चढ़ाइके,
परमातिमा के दहिने कइती जाइके बइठिगें। 13 अउर उहय समय से इआ
इन्तजार कइ रहे हँय, कि उनखर बइरी उनखे गोड़ेन के नीचे धरँय बाली
चउकी बनय ‡। 14 काहेकि मसीह एकयठे बलिदान के द्वारा, उनहीं जउन
पबित्र कीन जात हें, हमेसा के खातिर परिपूर्न कइ दिहिन हीं। 15 अउर पबित्र
आत्मा घलाय इहय गबाही देत हें; काहेकि परमातिमा पहिले कहिन तय, कि
16 "जउन करार हम उन दिनन के बाद, उनसे बाँधब, उआ, इआ होई, कि
हम अपने बिधान काहीं, उनखे हिरदँय माहीं लिखब, अउर उनखे मन माहीं
डारब ‡‡।"

17 ओखे बाद ऊँ पुनि कहत हें, कि "हम उनखे पापन काहीं अउर उनखे
अधरम के कामन काहीं पुनि कबहूँ सुध न करब ‡‡।"

18 अउर जब उनखर पाप माफ कइ दीनगें हँय, त पापन के माफी के
खातिर पुनि बलिदान के जरूरत नहीं रहिगे।

परमातिमा के लघे आउब

19 एसे हे भाई-बहिनिव, जब हमहीं पंचन काहीं यीसु के खून के द्वारा, नई
अउर सच्ची गइल से महापबित्र जघा माहीं जाँइ के खातिर, साहस मिलिगा
हय। 20 अउर उआ नई अउर सच्ची गइल काहीं, यीसु उआ परदा के अरथात
अपने देंह के बलिदान के द्वारा, हमरे पंचन के खातिर हमेसा के खातिर
खोल दिहिन हीं। 21 काहेकि हमरे पंचन के लघे अइसन महान याजक हें,
जउन परमातिमा के घर के अधिकारी आहीं। 22 एसे आबा; हम पंचे सच्चे
मन से, अउर पूरे बिसुआस के साथ, अउर अपने बिबेक के दोस काहीं दूर
करँइ के खातिर, अपने हिरदँय माहीं मसीह के खून काहीं छिड़िकबाइके,
अउर देंह काहीं सुद्ध पानी से धोबाइके परमातिमा के लघे चली। 23 अउर
आबा, हम पंचे जउने आसा काहीं सोइकार किहेन हय, ओहिन माहीं
मजबूती के साथ बने रही; काहेकि जे वादा किहिन हीं, ऊँ बिसुआस के

† *9:18 उत्प 15:9-11,17,18*

†† *10:7 भज 40:6-8* ‡ *10:13 भज 110:1* ‡† *10:16 यिर्म 31:33*
‡‡ *10:17 यिर्म 31:34*

काबिल हें। 24 एसे आबा, प्रेम करँइ के खातिर, अउर भलाई के कामन काहीं
करँइ के खातिर, एक दुसरे काहीं उत्साहित करी। 25 अउर हम पंचे अराधना
माहीं जाब न छोंड़ी, अउर उनखे कि नाईं न बनी, जउन ईं बातन काहीं छोंड़ि
दिहिन हीं; बलकिन एक दुसरे काहीं समझाबत रही, अउर जइसय- जइसय
प्रभू के दुसराय आमँइ के दिन लघे आय रहा हय, त हम पंचे ईं कामन काहीं
अउर जादा करी।

बिसुआस से भटक जाँइ के परिनाम

26 काहेकि सच्चाई काहीं जाने के बादव, अगर हम पंचे जान बूझिके पाप
करित हएन, त पापन के माफी के खातिर, पुनि कउनव बलिदान बाँकी नहिं
आय। 27 बलकिन परमातिमा के आमँइ बाली भयानक सजा के इन्तजार
करब, अउर उनखे क्रोध रूपी आगी के ज्वाला बाँकी हय, जउन उनखे
बिरोधिन काहीं भसम कइ देई †। 28 अउर इआ बताबा, जब मूसा के बिधान
के पालन न करँइ बाला दुइ, इआ कि तीन जनेन के गबाही के द्वारा, बिना
दया किहे मारि डारा जात हय ††। 29 त तूँ पंचे इआ जानिल्या, कि ओही
बहुत भारी सजा मिली, जउन परमातिमा के लड़िका के अपमान करत हय,
अउर करार के खून काहीं अपबित्र ठहराबत हय, जउने से उआ पबित्र कीन
ग रहा हय। अउर उआ किरपा करँइ बाली पबित्र आत्मा के घलाय अपमान
करत हय। 30 काहेकि हम पंचे परमातिमा काहीं जानित हएन, अउर उँइन
इआ कहिन हीं, कि “बदला लेब हमार काम आय, अउर हमहिन बदला
लेब”, अउर पुनि इहव कहत हें, कि “प्रभू अपने लोगन के न्याय करिहँय ‡।”
31 अउर जिन्दा परमातिमा के हाँथे से सजा पाउब बड़ी भयानक बात आय।

बिसुआस माहीं बने रहब

32 पय तूँ पंचे ऊँ दिनन काहीं सुधि करा, जब तूँ पंचे मसीह के ऊपर
बिसुआस किहा तय, अउर दुख- बिपत्तिन माहीं घलाय बिसुआस माहीं
मजबूती के साथ अटल रहे हया। 33 अउर कबहूँ-कबहूँ तूँ पंचे अपमान अउर
दुख के समय तमासव बने हया, अउर कबहूँ-कबहूँ त जउने मनइन के
दुरदसा कीन जात रही हय, उनखर मदत घलाय किहा हय। 34 काहेकि तूँ
पंचे जेल माहीं परे मनइन के दुखन माहीं भागीदार बने हया, अउर अपने
धन-सम्पत्ती काहीं खुसी के साथ, इआ जानिके लुट जाँइ दिहा हय। कि
हमरे पंचन के लघे ओहू से उत्तम अउर कबहूँ न खतम होंइ बाली धन-
सम्पत्ती ही। 35 एसे तूँ पंचे हिम्मत न हारा, बिसुआस माहीं बने रहा, काहेकि
तोंहईं पंचन काहीं एखर भरपूर प्रतिफल मिली। 36 काहेकि तोंहईं पंचन
काहीं धीरज धरब खुब जरूरी हय, जउने तूँ पंचे परमातिमा के मरजी काहीं
पूर कइके, उनखे द्वारा कीन वादा के प्रतिफल पाबा।
37 “काहेकि अब थोरिन समय बचा हय, अउर आमँइ बाले हरबिन अइहँय,
ऊँ देर न करिहँय।
38 पय परमातिमा के नजर माहीं निरदोस मनई बिसुआस के कारन जिअत
रही, अउर अगर उआ बिसुआस से भटक जई, त हमार मन ओसे खुसी न
रही ‡†।”
39 पय हम पंचे बिसुआस से पीछे हटँय बाले न होंहेन, कि भटकिके नास
होइ जई, बलकिन हम पंचे बिसुआस करँइ बाले आहेन, कि जउने अपने-
अपने प्रान काहीं नास होंइ से बचाई।

बिसुआस के उदाहरन

11 बिसुआस के मतलब हय, जउने चीजन के हम पंचे आसा करित
हएन, ऊँ जरूर हईं, अउर जउने चीजन काहीं हम पंचे नहीं देखे
आहेन, ऊँ हईं, बिसुआस उनखर पक्का सबूत देत हय। 2 काहेकि इहय
बिसुआस के बारे माहीं, परमातिमा, बाप-दादन के बारे माहीं निकही गबाही
दिहिन हीं। 3 हम पंचे परमातिमा के ऊपर बिसुआस करित हएन, एहिन से
इआ बात काहीं जाने पाएन हय, कि परमातिमा अपने बचन के द्वारा संसार
काहीं बनाइन हीं ‡‡। पय जउन कुछू हम पंचे देखित हएन, उनहीं परमातिमा
देखाँइ बाली चीजन से नहीं बनाइन आय।
4 हाबिल काहीं परमातिमा के ऊपर पूर बिसुआस रहा हय, एहिन से ऊँ
परमातिमा के खातिर अपने भाई कैन से उत्तम बलिदान चढ़ाइन। अउर
बिसुआसय के कारन उनखे बारे माहीं, परमातिमा के नजर माही निरदोस
होंइ के गबाही दीनगे ही। काहेकि परमातिमा घलाय उनखे भेंट के बारे माहीं
गबाही दिहिन हीं, अउर मरे के बादव, हाबिल उहय बिसुआस के द्वारा हमसे
पंचन से अबय तक बातँय करत हें ‡‡†। 5 अउर हनोक काहीं परमातिमा के
ऊपर पूर बिसुआस रहा हय, एहिन से ऊँ धरती से जिन्दय उठाय लीन गें
तय, जउने ऊँ न मरँय, अउर ओखे बाद ऊँ पुनि धरती माहीं देखाई नहीं
दिहिन। काहेकि परमातिमा उनहीं स्वरग माहीं उठाय लिहिन रहा हय, अउर
जब तक ऊँ उठाए नहीं गे रहे आहीं, त उनखे बारे माहीं इआ गबाही दीनगे
रही हय, कि ऊँ परमातिमा काहीं खुसी किहिन ‡‡‡हीं। 6 अउर बिसुआस के
बिना परमातिमा काहीं खुसी करब असम्भव हय, काहेकि परमातिमा के लघे
आमँइ बाले काहीं, इआ बिसुआस होंइ चाही, कि बास्तव माहीं परमातिमा
हें; अउर अपने खोजँइ बालेन काहीं ओखर प्रतिफल जरूर देत हें। 7 अउर
नूह काहीं परमातिमा के ऊपर पूर बिसुआस रहा हय, एहिन से ऊँ उन बातन
के बारे माहीं बिसुआस किहिन, जउन उआ समय देखाई नहीं देत रही आहीं,
अउर परमातिमा से चेतउनी पाइके, भक्ती के साथ अपने परिबार काहीं
बचामँइ के खातिर जिहाज बनाइन, अउर उआ बिसुआस के द्वारा संसार के
मनइन काहीं दोसी ठहराइन, अउर उआ धारमिकता के §बारिसदार बनिगें,
जउन बिसुआस से मिलत ही।
8 अउर अब्राहम काहीं परमातिमा के ऊपर पूर बिसुआस रहा हय, एहिन
से जब परमातिमा उनहीं कहिन, कि इआ देस से निकरिके चले जा, जहाँ
हम तोंहईं बताउब, त ऊँ परमातिमा के हुकुम काहीं मानिके, उआ जघा
काहीं चल दिहिन, जउने काहीं ऊँ बारिसदारी माहीं पामँइ बाले रहे हँय, पय
इआ नहीं जानत रहे आहीं, कि कउने कइती जाँइ क हय। तऊ अपने देस से
निकरिके चलेगें §†। 9 अउर उनहीं परमातिमा के ऊपर पूर बिसुआस रहा
हय, एहिन से परमातिमा द्वारा देंइ बाले वादा के देस माहीं, परदेसी कि नाईं
रहिके, अपने लड़िका-नाती अरथात इसहाक अउर याकूब §†† के साथ,
जउन उनखे साथ वादा के बारिसदार रहे हँय, तम्बू बनाइके उहाँ निबास
किहिन। 10 काहेकि अब्राहम उआ स्थाई नेव बाले सहर के इन्तजार करत रहे
हँय, जउने के रचना करँइ बाले अउर बनामँइ बाले परमातिमा आहीं।
11 अउर सारा काहीं परमातिमा के ऊपर पूर बिसुआस रहा हय, एहिन से ऊँ
भले बाँझ रही हँय, तऊ लड़कहाई होंइ के सक्ती पाइन; काहेकि परमातिमा
उनसे जउन वादा किहिन तय, कि उनखे जरूर लड़िका होई, इआ बात
काहीं ऊँ सही मानिके पूर बिसुआस किहिन तय §‡। 12 अउर बिसुआस के
कारन एक जने से अरथात अब्राहम से जउन बेलकुल बुढ़ाइगें तय, तऊ
उनसे अकास के तरइअन अउर समुंद्र के किनारे के, बारू कि नाईं अनगिनत
बंस पइदा भें §‡†। 13 ऊँ पंचे वादा के चीजन काहीं भले नहीं पाइन, तऊ
बिसुआस माहीं बने रहिगें, अउर मरँय से पहिले वादा के चीजन काहीं दूरिन
से देखिके खुब खुसी भें, अउर इआ मान लिहिन तय, कि हम पंचे इआ
धरती माहीं परदेसी अउर बाहिरी मनइन कि नाईं हएन, अउर ओखे बाद
परमातिमा के ऊपर बिसुआस करत ऊँ पंचे मरिगें। §†14 अउर जे कोऊ
इआमेर बातँय करत हें, ऊँ पंचे इआ बतामँइ चाहत हें, कि हम पंचे अपने
देस के खोज माहीं लगे हएन। 15 अउर अगर ऊँ पंचे अपने देस के सुधि
करतें, जहाँ से ऊँ पंचे निकरिके आए रहे हँय, त उनहीं उहाँ लउटि जाँइ के
मोका रहत, पय ऊँ पंचे ओखर सुधय नहीं किहिन। 16 बलकिन ऊँ पंचे
एकठे उत्तम देस, अरथात स्वरग के देस काहीं पामँइ चाहत रहे हँय, एहिन

† *10:27 यसा 26:11; सप 1:18* †† *10:28 ब्यब 17:6* ‡ *10:30 ब्यब 32:35*
‡† *10:38 हब 2:3-4*

‡‡ *11:3 उत्प 1:1* ‡‡† *11:4 उत्प 4:3-10* ‡‡‡ *11:5 उत्प 5:21,24* § *11:7 उत्प 6:13-22* §† *11:8 उत्प 12:1-5* §†† *11:9 उत्प 35:27* §‡ *11:11 उत्प 18:11-14; 21:2; 15:5* §‡† *11:12 उत्प 15:5; 22:7; 32:12* §† *11:13 उत्प 23:4*

से परमातिमा, उनखर परमातिमा कहामँइ माहीं नहीं लजाँय। काहेकि परमातिमा उनखे खातिर स्वरग माहीं एकठे सहर तइआर किहिन हीं।
17 अउर अब्राहम काहीं परमातिमा के ऊपर पूर बिसुआस रहा हय, एहिन से अपने परिच्छा होंइ के समय इसहाक काहीं बलिदान के रूप माहीं चढ़ाइन, अउर ऊँ परमातिमा के वादा काहीं सही मानिन तय †, 18 जउन उनसे इआ कहिन तय, कि "इसहाक से तोंहार बंस चली।" अउर अब्राहम अपने एकलउता लड़िका काहीं बली के रूप माहीं चढ़ामँइ लागें तय ††। 19 काहेकि अब्राहम इआ मान लिहिन तय, कि परमातिमा सामरथी हें, जउन इसहाक काहीं मरे के बादव जिन्दा कइ देइहँय, एहिन से उदाहरन के रूप माहीं इसहाक उनहीं पुनि जिन्दा मिलिगें। 20 अउर इसहाक काहीं परमातिमा के ऊपर पूर बिसुआस रहा हय, एहिन से ऊँ अपने दोनव लड़िकन काहीं, अरथात याकूब अउर एसाव काहीं, भबिस्य माहीं आमँइ बाली बातन के बारे माहीं आसिरबाद दिहिन ‡। 21 अउर याकूब काहीं परमातिमा के ऊपर पूर बिसुआस रहा हय, एहिन से ऊँ मरत समय अपने दोनव नतिअन काहीं, अरथात यूसुफ के दोनव लड़िकन काहीं आसिरबाद दिहिन, अउर लाठी के सहारे उठिके परमातिमा के अराधना किहिन ‡†। 22 अउर यूसुफ काहीं परमातिमा के ऊपर पूर बिसुआस रहा हय, एहिन से ऊँ मरत समय, इजराइल के सन्तान काहीं, मिस्र देस से निकर जाँइ के बारे माहीं चरचा किहिन, अउर इहव हुकुम दिहिन तय, कि जब तूँ पंचे जया, त हमरे हड्डिन काहीं इहाँ से लए जया ‡‡।

23 अउर मूसा के महतारी-बाप काहीं, परमातिमा के ऊपर पूर बिसुआस रहा हय, एहिन से, जब मूसा पइदा भें, त ऊँ पंचे देखिन, कि लड़िका खुब सुन्दर हय; त ओही तीन महीना तक मिस्र के राजा से लुकाए रहिगें, अउर राजा के हुकुम से नहीं डेरानें ‡‡†। 24 अउर मूसा काहीं, परमातिमा के ऊपर पूर बिसुआस रहा हय, एहिन से जब ऊँ बड़े भें, त मिस्र के राजा फिरौन के बिटिया के लड़िका कहामँइ से इनकार कइ दिहिन ‡‡‡। 25 एसे कि ऊँ पाप माहीं थोरे दिन सुख भोगँइ से, परमातिमा के चुने लोगन के साथ दुख भोगब जादा नीक समझिन। 26 अउर मूसा मसीह के खातिर अपमान सहब मिस्र देस के भन्डार से जादा कीमती धन समझिन, काहेकि उनखर नजर परमातिमा से प्रतिफल पामँइ माहीं लगी रही हय। 27 अउर मूसा काहीं परमातिमा के ऊपर पूर बिसुआस रहा हय, एहिन से ऊँ मिस्र के राजा के क्रोध से नहीं डेरानें, अउर मिस्र देस काहीं छोंड़िके चलेगें, अउर अइसन जान परत रहा हय, कि ऊँ न देखाँइ बाले परमातिमा काहीं देखत हें, अउर बिसुआस माहीं अटल रहिगें। 28 अउर मूसा काहीं परमातिमा के ऊपर पूर बिसुआस रहा हय, एहिन से ऊँ फसह के तेउहार अउर खून छिड़िकँय के बिधी काहीं मानिन, कि जउने परमातिमा के दूत मिस्री लोगन के पहिलउठन काहीं नास करत समय, इजराइली लोगन के पहिलउठन काहीं न मारय §।

29 अउर परमातिमा के ऊपर बिसुआसय के कारन इजराइली लोग, लाल समुंद्र के बीच से निकरिके, उआ पार अइसन चलेगें, जइसन ऊँ झुरान भुँइ से गे होंय। अउर जब मिस्री लोग उहयमेर समुंद्र के बीच से जाँइ लागें, त ऊँ सगले बूड़िके मरिगें §†। 30 अउर परमातिमा के ऊपर बिसुआसय के कारन इजराइली लोग, यरीहो सहर के सुरच्छा करँइ बाली भीती के चारिव कइती, सात दिना तक जब चक्कर लगाय चुकें, तब उआ भीती अपनेन से गिरिगय §††। 31 अउर राहाब बेस्या काहीं, परमातिमा के ऊपर पूर बिसुआस रहा हय, एहिन से उआ परमातिमा के हुकुम न मानँइ बाले मनइन के साथ नास नहीं भे; काहेकि उआ भेद लेंइ बाले दूतन काहीं बचाइस रहा हय।

32 अउर जादा हम अब तोंहसे पंचन से का कही? काहेकि एसे जादा बतामँइ के समय अबय नहिं आय, कि गिदोन के बारे माहीं, बाराक के बारे माहीं, अउर सिमसोन के बारे माहीं, अउर यिफतह के बारे माहीं, राजा दाऊद के बारे माहीं, अउर समूएल के बारे माहीं, अउर परमातिमा के दुसरेव सँदेस बतामँइ बालेन के बारे माहीं, हम तोंहईं पंचन काहीं अउर बिस्तार से बताई §‡। 33 ईं पंचे परमातिमा के ऊपर किहे बिसुआसय के कारन, कइयकठे राज जीतिन; धरम के काम किहिन; वादा कीन चीजन काहीं पाइन, सेरन के मुँह बन्द किहिन, 34 आगी के लपट काहीं ठंड किहिन; तलबार के धार से बचिके निकरिगें, निबलता माहीं सक्ती पाइन; लड़ाई माहीं बहादुर निकरें; अउर बिदेसी सेनन काहीं मारिके भगाइन §‡†। 35 अउर कुछ मेहेरिआ अपने मरे लड़िकन काहीं जिन्दा पाइन; अउर कुछ जने त मार खातय खात मरिगें; अउर ओसे छुटकारा नहीं पामँइ चाहिन; कि जउने ऊँ पंचे मरेन म से जि उठँय माहीं सामिल होइ जाँय §†। 36 अउर कइअक जने हँसी उड़ाए जाँइ के द्वारा; अउर चाबुक खाँय के द्वारा; बाँधे जाँइ के द्वारा, अउर जेल जाँइ के द्वारा जाँचे-परखे गें। 37 अउर कुछ जनेन के ऊपर पथरहाव कीन ग; अउर कुछ जने आरा से चीरे गें, अउर कुछ जने तलबार से मारे गे; अउर कुछ जने गरीबी, अउर अत्याचार माहीं दुख भोगत, गाड़र अउर बोकरिन के खलरी काहीं ओढ़े, एँकई-ओंकई मारे-मारे फिरें। 38 अउर जंगलन माहीं, अउर पहारन माहीं, अउर गुफन माहीं, अउर धरती माहीं बने गड्ढन माहीं भटकत रहिगें। काहेकि संसार उनखे काबिल नहीं रहा आय।

39 अउर बिसुआसय के कारन ईं सगलेन के बारे माहीं निकही गबाही दीनगे ही, तऊ इनहीं पंचन काहीं वादा के चीजँय नहीं मिलीं। 40 काहेकि परमातिमा हमरे पंचन के खातिर, पहिलेन से एकठे उत्तम बात निस्चित किहिन तय, कि जउने ऊँ पंचे, हमरे पंचन के बिना परिपूर्नता काहीं न पामँय।

पिता परमातिमा द्वारा सुधार के खातिर डाँट-फटकार

12 जब परमातिमा के ऊपर बिसुआस करँइ बाले खुब मनइन के गबाही, हमरे पंचन के चारिव कइती मवजूद ही, इआ कारन से आबा, हमहूँ पंचे हरेक रोंकँइ बाली चीजन काहीं, अउर हरेक उलझामँय बाले पापन काहीं, अपने जीबन से दूर करी, जउन परमातिमा से दूरी लइ जात हें, अउर जउने मसीही दउड़ माहीं, हमहीं पंचन काहीं दउड़ँइ काहीं हय, ओही बड़े धीरज के साथ दउड़ी। 2 अउर बिसुआस के सुरुआत करँइ बाले, अउर ओही परिपूर्न करँइ बाले, यीसु के ऊपर हम पंचे ध्यान लगाए रही; जे उआ खुसी के खातिर जउन उनखे आँगे धरी रही हय, सरम के कउनव परबाह नहीं किहिन, अउर क्रूस के सजा काहीं सहि लिहिन, अउर जाइके परमातिमा के दहिने कइती सिंहासन माहीं बइठिगें हँय। 3 एसे तूँ पंचे आपन ध्यान यीसु के ऊपर लगाए रहा, जे अपने बिरोध माहीं पापी मनइन के द्वारा दीनगे, घोर कस्ट काहीं सहि लिहिन हीं, कि जउने तूँ पंचे सताव के समय निरास होइके हिम्मत न हारा। 4 अउर तूँ पंचे पाप के बिरोध माहीं अइसन लड़ाई नहीं लड़े आह्या, कि तोंहईं पंचन काहीं आपन खून बहामँइ परा होय। 5 अउर तूँ पंचे उआ उपदेस काहीं बिसराय दिहा हय, जउन तोंहईं पंचन काहीं लड़िकन कि नाईं दीन ग रहा हय, कि

"हे बेटा, प्रभू के डाँट-फटकार काहीं तुच्छ न जान्या, अउर जब ऊँ तोंहईं डाँटँइ त बुरा न मान्या।

6 काहेकि प्रभू, जेसे प्रेम करत हें, त ओही डँटतिव हें; अउर जेही आपन लड़िका बनाय लेत हें, ओही सुधारँय के खातिर सड़ाका घलाय मारत हें §‡।"

7 तूँ पंचे दुख काहीं परमातिमा से मिलँइ बाली डाँट समझिके सहि ल्या। काहेकि परमातिमा तोंहईं पंचन काहीं आपन लड़िका समझिके इआमेर बरताव कइ रहे हँय, अउर इआ बताबा कउन अइसन लड़िका हय, जेखर बाप ओही नहीं डाँटय? 8 अउर अगर उआ डाँट तोहईं पंचन काहीं नहीं मिली आय, जइसन सब काहीं मिलत ही, त तूँ पंचे उनखर लड़िका न कहइहा, बलकिन ब्यभिचार के सन्तान कहइहा। 9 अउर जब हमार पंचन के संसारिक बाप घलाय, हमार पंचन के डाँट-फटकार करत हें, तऊ उनखर मान-सम्मान करित हएन, त हमहीं पंचन काहीं आत्मिक बाप, अरथात परमातिमा के

† *11:17 उत्प 22:14* †† *11:18 उत्प 21:12* ‡ *11:20 उत्प 27:27-29,39,40* ‡† *11:21 उत्प 47:31; 48:20* ‡‡ *11:22 उत्प 50:24,25; निरग 13:19* ‡‡† *11:23 निरग 2:2; 1:22* ‡‡‡ *11:24 निरग 2:10-12* § *11:28 निरग 12:21-30* §† *11:29 निरग 14:21-31* §†† *11:30 यहो 6:12-21*

§‡ *11:32 न्या 6:11; 8:2* §†† *11:34 दानि 3:1-30* §† *11:35 1 राजा 17:17-24; 2 राजा 4:25-37* §‡ *12:6 नीति 3:11,12*

अधीनता माहीं अउर जादा रहँइ चाही, जउने हम पंचे हमेसा जिअत रही।
10 हमार पंचन के संसारिक बाप, त अपने-अपने समझ के मुताबिक थोरेन
दिन के खातिर डाँट-फटकार करत रहे हँय, पय परमातिमा त हमरे पंचन के
फायदा के खातिर अइसन करत हें, कि जउने हम पंचे उनहिन कि नाईं
पबित्र बन जई। 11 पय जउने समय डाँट-फटकार कीन जात ही, उआ समय
डाँट-फटकार नीक नहीं लागय, बलकिन ओसे खुब दुख लागत हय, तऊ जे
कोऊ उआ डाँट-फटकार काहीं सहत-सहत मजबूत होइ जात हें, ओखे बाद
उनहीं पंचन काहीं सान्ती के साथ निकहे कामन के प्रतिफल मिलत हय।
12 एसे अपने ढील हाँथन काहीं, अउर निबल टिहुनिन काहीं मजबूत करा।
13 अउर तूँ पंचे परमातिमा के बताए गइल माहीं सीधे चलत रहा, जउने ऊँ
पंचे जउन बिसुआस माहीं लाँगड़ कि नाईं कमजोर हें, भटक न जाँय,
बलकिन बिसुआस माहीं मजबूत होइ जाँय।

14 अउर तूँ पंचे सबसे मेल-मिलाप रक्खा, अउर पबित्र बनँइ के हरेकमेर से
कोसिस करत रहा; काहेकि पबित्र बने बिना, कउनव मनई प्रभू के दरसन
कबहूँ न करे पाई। 15 अउर तूँ पंचे इआ बात के ध्यान रक्खा, कि कउनव
मनई परमातिमा के किरपा से बंचित न रहि जाय, अउर इहव बात के ध्यान
रक्खा, कि तोंहरे पंचन के बीच माहीं अइसन कउनव झगड़ा के जड़ न फूट
निकरय, कि तोंहऊँ पंचन काहीं कस्ट होय, अउर खुब मनई बिसुआस से
भटक जाँय। 16 अउर इहव बात के ध्यान रक्खा, कि तोंहरे पंचन के बीच म
से कोऊ ब्यभिचार न करय, अउर न एसाव कि नाईं अधरमी बनय, जउन
एक बेरकी के खाना के खातिर, आपन पहिलउठा होंइ के अधिकार बेंच
डारिस तय। 17 अउर तूँ पंचे इआ बात काहीं निकहा से जनतेन हया, कि जब
एसाव अपने बाप से आसिरबाद पामँइ के खातिर गें, त ऊँ काबिल नहीं
निकरे, जबकि रोइ-रोइके आसिरबाद पामँइ के कोसिस किहिन, तऊ ऊँ
अपने कीन गलती के पस्चाताप नहीं कए पाइन।

18 तूँ पंचे त आगी से जरत उआ पहार के लघे नहीं आया, जेही छुआ जाय
सकत रहा हय, अउर न करिआ बदरी, अउर न अँधिआर, अउर न आँधी के
लघे आया, 19 अउर न तुरही के तेज अबाज के लघे आया, अउर न
परमातिमा के अइसन बोल के लघे आया, जउने काहीं सुनिके इजराइली
लोग इआ बिनती किहिन, कि "अब हमसे अउर बातँय न कीन जाय †।"
20 काहेकि ऊँ पंचे उआ हुकुम काहीं नहीं सहे पाइन तय, कि "अगर कउनव
पसू घलाय उआ पहार काहीं छुअय, त ओखे ऊपर पथरहाव कीन जाय
††।" 21 अउर उआ दरसन एतना भयानक रहा हय, कि मूसा घलाय इआ
कहिन, कि "हम डेरन के मारे थर-थर काँपित हएन ‡।"

22 पय अब तूँ पंचे सिय्योन के पहार के लघे, अउर जिन्दा परमातिमा के
सहर अरथात स्वरग के यरूसलेम सहर के लघे, अउर लाखन स्वरगदूतन के
लघे, 23 अउर उन पहिलउठिन के साधारन सभा, अरथात मसीही मन्डली के
लघे आय गया हय, जिनखर नाम स्वरग माहीं लिखे हँय, अउर सबके न्याय
करँइ बाले परमातिमा के लघे, अउर परिपूर्न कीन गईं पबित्र मनइन के
आत्मन के लघे आय गया हय। 24 अउर नई करार के बिचबई यीसु, अउर
छिड़काव के उआ खून के लघे आया हय, जउन हाबिल के खून से उत्तम
बातँय कहत हय ‡†।

25 अउर तूँ पंचे सचेत रहा, अउर परमातिमा के बातन काहीं सुनिके मान्या,
काहेकि ऊँ पंचे जब धरती माहीं चेतउनी देंइ बाले के बातन काहीं, न मानिके
बच नहीं सकें, त हम पंचे स्वरग से चेतउनी देंइ बाले परमातिमा, के बातन
काहीं न मानिके, कइसन बँचि सकित हएन ‡#? 26 उआ समय त उनखर
बोल धरती काहीं हलाय दिहिस तय, पय अब ऊँ इआ वादा किहिन हीं, कि
"हम एक बेरकी पुनि केबल धरतिन भर काहीं नहीं, बलकिन अकास काहीं
घलाय हलाय देब ‡‡।" 27 अउर इआ बात "एक बेरकी पुनि" इआ बताबत
ही, कि जउन चीजँय हलाई जाती हईं, ऊँ सब रचना कीन चीजँय होंइ के
कारन नस्ट होइ जइहँय, कि जउने, जउन चीजँय हलाई नहीं जातीं, ऊँ
अटल बनी रहँय। 28 अउर जब हमहीं पंचन काहीं अइसन राज मिलँइ बाला
हय, जउन हलाबा न जई, त हम पंचे परमातिमा के अभारी बनी, अउर
आदरसहित भक्ती के साथ परमातिमा के अइसन अराधना करी, जउने से ऊँ
खुसी होत हें। 29 काहेकि हमार पंचन के परमातिमा भसम कइ डारँइ बाली
आगी आहीं ‡‡‡।

मसीही जीबन जिअँइ के निरदेस

13 एसे आबा हम पंचे आपस माहीं एक दुसरे से, अपने भाई-बहिनिन
कि नाईं प्रेम करत रही। 2 अउर तूँ पंचे महिमानन के स्वागत-सत्कार
करब कबहूँ न बिसराया, काहेकि एहिन के द्वारा कुछ मनई अनजाने माहीं
स्वरगदूतन के स्वागत-सतकार किहिन हीं §। 3 अउर तोंहरे बीच माहीं प्रभू
काहीं मानँइ के कारन जउन मनई जेल माहीं हें, उनखर इआ समझिके मदत
करा, कि जइसन हमहिन जेल माहीं हएन, अउर जउने मनइन के साथ प्रभू
काहीं मानँइ के कारन, बुरा बरताव कीन जात हय, उनहूँ के इआ समझिके
मदत करा, कि कबहूँ उआ बुरा बरताव हमरेव साथ कीन जाय सकत हय।
4 अउर काज-बिआह सबके बीच माहीं मान-सम्मान के बात समझी जाय,
अउर उनखर बिछउना निस्कलंक होंइ चाही, अरथात जिनखर बिआह होत
हय, उनहीं पबित्र होंइ चाही, काहेकि परमातिमा ब्यभिचारिन, अउर दुसरे के
मेहेरिआ के साथ नजायज सम्बन्ध बनामँइ बालेन के न्याय करिहँय। 5 अउर
तोंहार पंचन के सुभाव लालची न होंइ चाही, बलकिन जउन तोंहरे पंचन के
लघे होय, ओहिन माहीं सन्तोस करा; काहेकि परमातिमा इआ खुदय कहिन
हीं, कि "हम तोंहईं पंचन काहीं कबहूँ न छोंड़ब, हमेसा तोंहरे साथय माहीं
रहब §†।" 6 एसे हम पंचे निडर होइके कहित हएन, कि "प्रभू हमार सहायता
करँइ बाले आहीं; एसे हम पंचे कोहू से न डेराब; मनई हमार पंचन के कुछू
नहीं बिगाड़ सकँय §††।"

7 जउन तोंहार पंचन के अँगुआ हें, अउर तोंहईं परमातिमा के बचन
सुनाइन हीं, उनहीं हमेसा सुध रक्खा; अउर बड़े ध्यान से उनखे चाल-चलन
के नतीजा काहीं देखिके, उनखर जइसन बिसुआस रहा हय, ओहिन के
मुताबिक तुहूँ पंचे बिसुआस करा। 8 काहेकि यीसु मसीह जइसन पहिले रहे
हँय, उहयमेर आजव हें, अउर ऊँ हमेसा उहयमेर रइहँय। 9 एसे तूँ पंचे
हरेकमेर के बाहिरी उपदेसन के बातन माहीं न परा, जउन बिसुआस से
भटकाय देती हईं। बलकिन अपने मन काहीं परमातिमा के किरपा से
बिसुआस माहीं मजबूत करा, इआ नहीं कि तूँ पंचे खाँय-पिअँइ के नेमन
माहीं परि जा, काहेकि जे कोऊ ईं खाँय-पिअँइ के नेमन काहीं मानत हें,
उनहीं आत्मिक जीबन के खातिर कउनव फायदा नहीं भ आय। 10 अउर
हमरे पंचन के लघे एकठे अइसन बेदी ही, जउने माहीं चढ़ाए बलिदान काहीं
खाँय के अधिकार ऊँ मनइन काहीं नहिं आय, जउन तम्बू माहीं सेबा करत
हें। 11 काहेकि महायाजक जउने पसुअन के खून, पापबली के रूप माहीं
महापबित्र जघा माहीं लइ जात हें, उन पसुअन के देंह, जहाँ ऊँ पंचे डेरा
डारिके रहत रहे हँय, ओसे दूरी जराई जात ही। 12 इहय कारन यीसु घलाय,
अपनेन खून के द्वारा मनइन काहीं पबित्र करँइ के खातिर, यरूसलेम सहर
के फाटक के बहिरे क्रूस के दुख सहिन हीं। 13 एसे आबा हमहूँ पंचे घलाय,
उहय अपमान काहीं सहत, जउने काहीं यीसु सहिन तय, अपने डेरन से
बहिरे निकरिके यीसु के लघे चली। 14 काहेकि इहाँ हमार पंचन के कउनव
स्थाई सहर नहिं आय, बलकिन हम पंचे उआ सहर के तलास माहीं हएन,
जउन आमँइ बाला हय। 15 एसे आबा हम पंचे जउने ओंठन से इआ
सोइकार करित हएन, कि यीसु प्रभू आहीं, उँइन ओंठन से यीसु के द्वारा
परमातिमा काहीं स्तुति रूपी बलिदान हमेसा चढ़ाबत रही। 16 अउर तूँ पंचे
भलाई करब, अउर दान देब न बिसराया; काहेकि परमातिमा इहइमेर के
बलिदानन से खुसी होत हें।

17 अउर तूँ पंचे अपने आत्मिक अँगुअन के हुकुमन काहीं माना, अउर
उनखे अधीनता माहीं रहा, काहेकि ऊँ पंचे तोंहरे आत्मिक बढ़ोत्तरी के

† *12:19 निरग 19:16-22; 20:18-21* †† *12:20 निरग 19:12,13* ‡ *12:21 ब्यब 9:19* ‡† *12:24 उत्प 4:10* ‡‡ *12:25 निरग 20:22* ‡‡† *12:26 हागै 2:6*

‡‡‡ *12:29 ब्यब 4:24* § *13:2 उत्प 18:1-8; 19:1-3* §† *13:5 ब्यब 31:6,8; यहो 1:5* §†† *13:6 भज 118:6*

खातिर, हमेसा खुसी से काम करत रहत हें, अउर उनहीं अपने ईं कामन के
हिंसाब परमातिमा काहीं देंइ परी। पय तूँ पंचे उनहीं इआ मोका न दिहा, कि
ऊँ इआ काम काहीं खुसी से नहीं, बलकिन बड़े दुख के साथ करँय, त इआ
दसा माहीं तोंहईं पंचन काहीं कउनव फायदा न होई। 18 अउर हमहीं पंचन
काहीं इआ पूर भरोसा हय, कि हमार पंचन के बिबेक सुद्ध हय; अउर हम
पंचे हर हाल माहीं नीक काम करँइ चाहित हएन, एसे तूँ पंचे हमरे पंचन के
खातिर प्राथना करत रहा। 19 अउर हम बिसेस रूप से इआ बिनती करित
हएन, कि तूँ पंचे हमरे खातिर प्राथना करा, जउने हम हरबिन तोंहरे पंचन के
लघे आय सकी।

20 अउर सान्ती देंइ बाले परमातिमा, हमरे पंचन के प्रभू यीसु मसीह काहीं
मरेन म से जिन्दा कइ दिहिन हीं, जउन गड़रन के महान चरबाहा आहीं,
अउर उनहिन के खून से हमरे पंचन के साथ सनातन के खातिर करार
बाँधिन हीं। 21 अउर उँइन परमातिमा तोंहईं पंचन काहीं, हरेक निकही बातन
माहीं परिपूर्न करँय, जउने तूँ पंचे उनखे मरजी काहीं पूर करा, अउर उनहीं
जउन कुछू नीक लागत हय, ओही ऊँ यीसु मसीह के द्वारा हमरे पंचन के
भीतर पइदा करँय, अउर उनहिन के बड़ाई जुग-जुग होत रहय। आमीन।

22 हे भाई-बहिनिव, हम तोंहसे इआ बिनती करित हएन, कि इआ उपदेस
के बातन काहीं सोइकार कइल्या; काहेकि हम तोंहरे खातिर ईं बातन काहीं
संछेप माहीं लिखेन हँय। 23 अउर तूँ पंचे इआ जानिल्या, कि हमार पंचन के
बिसुआसी भाई तीमुथियुस जेल से छूटिगे हँय, अउर अगर ऊँ हरबिन हमरे
लघे आय जइहँय, त हम उनखे साथय तोंहसे मिलँय के खातिर अउब।
24 अउर तूँ पंचे अपने सगले अँगुअन काहीं, अउर सगले बिसुआसी भाई-
बहिनिन काहीं, हमार पंचन के नबस्कार कहि दिहा। अउर इटली देस के
रहँइ बाले घलाय, तोंहईं पंचन काहीं नबस्कार कहत हें। 25 अउर तोंहरे ऊपर
परमातिमा के किरपा हमेसा बनी रहय। आमीन।

याकूब

इआ चिट्ठी के परिचय

याकूब के चिट्ठी बेउहारिक निरदेसन के सार आय, जउन सगले संसार माहीं तितर-बितर होइके रहँइ बाले, परमातिमा के लोगन के खातिर लिखी गे ही। लिखँइ बाले, मसीही आचरन, अउर बेउहार, अउर चाल-चलन के खातिर बेउहारिक ग्यान, अउर मार्ग दरसन से सम्बन्धित निरदेसन काहीं बतामँइ के खातिर, कइअकठे जिन्दा चीजन के उदाहरन दइके उपमा देत हें। ऊँ अनेकव बिसयन माहीं मसीही नजरिया से बिचार करत हें, जइसन अमीरी अउर गरीबी, परिच्छा, निकहा चाल-चलन, पच्छपात, बिसुआस अउर काम, जीभ के उपयोग, बुद्धिमानी, लड़ाई-झगड़ा, घमन्ड अउर दीनता, दुसरे के ऊपर दोस लगाउब, बड़ाई करब, धीरज धरब, अउर प्राथना करब।
इआ चिट्ठी मसीही आचरन के पालन करँइ माहीं बिसुआस के साथय-साथ, कर्म करँइ के महत्व के ऊपर घलाय जोर देत ही।

रूप-रेखा :

भूमिका
बिसुआस अउर बुद्धिमानी
गरीबी अउर धन-दउलत
परख अउर प्रलोभन
सुनब अउर करब
पच्छपात के खिलाफ चेतउनी
बिसुआस अउर कर्म
मसीही अउर ओखर जीभ
मसीही अउर संसार
कइअक मेर के निरदेस

याकूब के अभिबादन

1 परमातिमा के अउर प्रभू यीसु मसीह के दास याकूब के तरफ से, उन
बरहँव कुलन काहीं, जउन सगले संसार माहीं तितर-बितर होइके रहत
हें, नबस्कार पहुँचय।

बिसुआस अउर बुद्धिमानी

2 हे हमार भाई-बहिनिव, जब तूँ पंचे अनेकव मेर के परिच्छन माहीं परा,
त ओही पूरे आनन्द के बात समझा, 3 इआ जानिके कि तोंहरे बिसुआस के
परखे जाँय से धीरज पइदा होत हय। 4 पय धीरज काहीं आपन पूर काम
करँइ द्या, जउने तूँ पंचे पूर अउर सिद्ध होइजा, अउर तोंहरे जीबन माहीं
कउनव बात के कमी न रहय।
5 पय अगर तोंहरे पंचन म से कोहू काहीं बुद्धी के कमी होय, त उआ
परमातिमा से माँगय, जउन बिना उलउना दिहे सगलेन काहीं उदारता से देत
हें; ओहू काहीं देइहँय। 6 पय बिसुआस कइके माँगय, अउर कुछू संका न
करय; काहेकि संका करँइ बाला समुंद्र के लहर कि नाईं होत हय, जउन हबा
से बहत अउर उछलत ही। 7 संका करँइ बाला मनई इआ न समझय, कि
हमहीं प्रभू से कुछू मिली। 8 उआ मनई दुइचित्ता हय, अउर अपने सगली
बातन माहीं चंचल हय।

अमीरी अउर गरीबी

9 सहज दसा बाले भाई काहीं घमन्ड करँइ चाही, कि ओही परमातिमा
आत्मिक धन दिहिन हीं। 10 अउर धनी अपने नीच दसा माहीं घमन्ड करय,
काहेकि ओही चारा माहीं फूलँइ बाले फूल कि नाईं झरि जाँइ काहीं हय।
11 काहेकि सुरिज के ऊतय निकहा कड़ा घाम होत हय, अउर चारन काहीं
झुराय डारत हय, उनखर फूल पत्ती झर जाती हईं, अउर उनखर सुन्दरता
खतम होइ जात ही। इहइमेर से धनी मनई घलाय, अपने भाग-दउड़ के साथ
खतम होइ जात हय।

परख अउर प्रलोभन

12 उआ मनई धन्य हय, जउन परिच्छा माही अटल रहत हय, काहेकि
परिच्छा माहीं खरा उतरे के बाद, उआ जीबन के मुकुट पाई, जउने काहीं
परमातिमा अपने प्रेम करँइ बालेन काहीं, देंइ के बचन दिहिन हीं। 13 परिच्छा
के घरी माहीं कोहू काहीं इआ न कहँय चाही, कि "परमातिमा हमार परिच्छा
लइ रहे हँय", काहेकि बुरी बातन से परमातिमा के कउनव लेन-देन नहिं
आय, ऊँ कोहू के परिच्छा नहीं लेंय। 14 पय हरेक मनई अपनेन बुरी इच्छन
माहीं आकरसित होइके, अउर फँसिके परिच्छा माहीं परत हय। 15 फेर उआ
बुरी इच्छा बढ़त-बढ़त पाप काहीं पइदा करत ही, अउर पाप बढ़िके मउत
काहीं जनम देत हय। 16 एसे हे हमार पियार भाई- बहिनिव धोखा न खा।
17 काहेकि हरेक निकहा बरदान, अउर हरेक उत्तम दान, परमातिमा से
मिलत हय, जउन जोतियन के परमपिता आहीं, जउने माहीं न त कउनव

बदलाव होइ सकय, अउर न नछत्रन के गति-बिधिअन से पइदा भे छाया से उआ बदल सकय।

सुनिके ओखे मुताबिक चलब

18 सत्य के बचन के व्दारा आपन सन्तान बनामँइ के खातिर, परमातिमा
हमहीं पंचन काहीं चुनिन हीं, जउने हम पंचे सगले जन, सगले प्रानिन के
बीच माहीं, उनखे फसल के पहिल फर साबित होई। 19 हे हमार पियार भाई-
बहिनिव, इआ बात त तूँ पंचे जनतेन हया, एसे हरेक मनई सुनँय के खातिर
तत्पर रहय, अउर बोलँइ माही धीरज रक्खय, अउर क्रोध करँइ माहीं धीम
होय। 20 काहेकि मनई के क्रोध, परमातिमा के धरम के पालन नहीं कइ
सकय। 21 एसे बुरे कामन, अउर चारिव कइती फइली दुस्टता से दूरी रह्या,
बलकिन उआ बचन काहीं नम्रता से अपनाय ल्या, जउन तोंहरे हिरदँय माहीं
बोबा ग हय, उहय तोंहरे प्रान के मुक्ती कइ सकत हय, 22 एसे तूँ पंचे,
परमातिमा के बचन के मुताबिक चलँइ बाले बना, अउर केबल सुनँइ बाले
भर नहीं, जउन खुद अपनेन काहीं धोखा देत हें। 23 काहेकि जे कोऊ,
परमातिमा के बचन काहीं सुनत त हय, पय ओखे मुताबिक चलय नहीं, त
उआ, उआ मनई कि नाईं होत हय, जउन आपन मुँह अइना माहीं देखत हय,
24 अउर उआ अपने-आप काहीं अइना माहीं देखिके चला जात हय, अउर
हरबिन बिसरि जात हय, कि हम कइसन रहेन हय। 25 पय जउन मनई
परमातिमा के उआ सगले बिधान काहीं निकहा से मानत हय, जउने से
छुटकारा मिलत हय, उआ अपने काम माहीं एसे आसीस पाई, कि उआ
सुनिके भूलय नहीं, बलकिन उहयमेर काम करत हय। 26 अगर कोऊ अपने-
आप काहीं भक्त समझय, अउर अपने जीभ माहीं लगाम न रक्खय, अउर
अपने हिरदँय काहीं धोखा देय, त ओखर भक्ती बेकार ही। 27 हमरे पिता
परमातिमा के लघे सुद्ध अउर निरमल भक्ती इआ आय, कि अनाथन अउर
बिधबन के दुख माहीं, हम पंचे उनखर मदत करी, अउर अपने-आप काहीं
संसार के बुरे कामन से निस्कलंक रखी।

पच्छपात के खिलाफ चेतउनी

2 हे हमार भाई-बहिनिव, हमरे महिमावान प्रभू यीसु मसीह माहीं जउन
तोंहार बिसुआस हय, उआ बिना पच्छपात के होय। 2 काहेकि अगर
एकठे मनई सोने के अँगूठी अउर निकहा ओन्हा पहिरे तोंहरे बइठक माहीं
आबय, अउर एकठे कंगाल घलाय घिनहे ओन्हा पहिरे आबय। 3 अउर तूँ
पंचे उआ निकहा ओन्हा पहिरे बाले के मुँह देखिके कहा, कि तूँ उहाँ निकही
जघा माहीं बइठा; अउर उआ कंगाल से कहा, कि तूँ इहाँ ठाढ़ रहा, इआ कि
हमरे गोड़े के लघे बइठ जा। 4 त का तूँ पंचे आपस माहीं भेदभाव नहीं किहा,
अउर गलत बिचार से न्याय करँइ बाले न ठहरिहा? 5 हे हमार पियार भाई-
बहिनिव, सुना; काहे परमातिमा इआ संसार के कंगालन काहीं नहीं चुनिन,
कि बिसुआस माहीं धरमी, अउर उआ राज के अधिकारी होंय, जउने के
वादा परमातिमा उनसे किहिन हीं, जउन उनसे प्रेम रक्खत हें? 6 पय तूँ पंचे
उआ कंगाल के अपमान किहा हय; काहे धनी मनई तोंहरे ऊपर अत्याचार
नहीं करँय, अउर काहे उँइन तोंहईं कचेहरिन माहीं जबरई खसेल-खसेल
नहीं लइ जाँय? 7 काहे उँइन मसीह के उआ उत्तम नाम के बुराई नहीं करँय,
जउन तोंहईं दीन ग हय? 8 तऊ अगर तूँ पंचे पबित्र सास्त्र के इआ बचन के
मुताबिक, कि “तूँ अपने परोसी से उहयमेर प्रेम करा, जउनमेर तूँ अपने-
आप से करते हया” त सही-सही उआ राज के बिधान काहीं पूर करते हया,
त निकहय करते हया। 9 पय अगर तूँ पंचे पच्छपात करते हया, त पाप करते
हया; अउर बिधान तोंहईं अपराधी ठहराबत हय। 10 काहेकि जे कोऊ सगले
बिधान के पालन करत हय, पय एकय बात माहीं चूक जाय, त उआ सगली
बातन माहीं दोसी ठहरी। 11 एसे कि जउन इआ कहिन हीं, कि तूँ कउनव
मेहेरिआ से अनुचित सम्बन्ध न बनाया, उँइन इहव कहिन हीं, कि तूँ कतल न
किहा, एसे अगर तूँ कउनव मेहेरिआ से अनुचित सम्बन्ध नहीं बनाया, पय
कतल किहा, तऊ तूँ बिधान के पालन न करँइ बाले ठहरिहा। 12 तूँ पंचे उँइ
मनइन कि नाईं बचन बोला, अउर काम घलाय करा, जिनखर न्याय उआ
बिधान के मुताबिक होई, जउने से छुटकारा मिलत हय। 13 काहेकि जउन
मनई दुसरे के ऊपर दया नहीं किहिस, ओखर न्याय बिना दया के होई, दया
न्याय के ऊपर बिजयी होत ही।

बिसुआस अउर काम

14 हे हमार भाई-बहिनिव, अगर कोऊ कहय, कि हमहीं बिसुआस हय,
पय उआ बिसुआस के मुताबिक काम न करत होय, त ओसे कउनव फायदा
न होई, का इआमेर के बिसुआस कबहूँ ओखर छुटकारा कइ सकत हय?
15 अगर कउनव भाई इआ कि बहिनी बिना ओन्हा पहिरे होंय, अउर उनहीं
रोज खाँय के कमी होय। 16 अउर तोंहरे पंचन म से कोऊ उनसे कहय,
कुसल से चले जा, तूँ गरम रहा, अउर अघान रहा; पय जउन चीज देंह के
खातिर जरूरी हईं, उआ ओही न देय, त कउन फायदा? 17 उहयमेर
बिसुआस घलाय, अगर कर्म समेत न होय, त अपने सुभाव माहीं मरे कि
नाईं हय।
18 पय कोऊ इआ कहि सकत हय, कि तोंहईं बिसुआस हय, अउर हम
काम करित हएन; तूँ आपन बिसुआस हमहीं बिना काम के त देखाबा; अउर
हम आपन बिसुआस अपने निकहे कामन के द्वारा तोंहईं देखाउब। 19 तोंहईं
बिसुआस हय, कि एकयठे परमातिमा हें; तूँ निकहा करते हया; बुरी आत्मा
घलाय बिसुआस रखती हईं, कि एकयठे परमातिमा हें, अउर ऊँ थर-थरात
रहती हईं। 20 पय हे मूरुख मनई, काहे तँय इहव नहीं जनते, कि बिना कर्म
के बिसुआस बेकार हय? 21 जब हमार कुल पिता अब्राहम अपने लड़िका
इसहाक काहीं बेदी के ऊपर चढ़ाइन, त काहे उँइ कर्म से धरमी नहीं कहाइन
रहा। 22 एसे तूँ इआ देख लिहा हय, कि बिसुआस उनखे कामन के साथ
मिलिके, कइसन प्रभाव डारिस ही, कि उनखे कामन से बिसुआस सिद्ध भ।
23 अउर पबित्र सास्त्र के इआ बचन पूर भ, कि अब्राहम परमातिमा के ऊपर
बिसुआस किहिन रहा हय, एहिन से ऊँ परमातिमा के नजर माहीं निरदोस
ठहराए गे रहे हँय, अउर ऊँ परमातिमा के साथी कहाए। 24 एसे तूँ पंचे देख
लिहा हय, कि मनई केबल बिसुआस भर से नहीं, बलकिन कामन से घलाय
धरमी ठहरत हय। 25 उहयमेर राहाब बेस्या घलाय, जब उआ दूतन काहीं
अपने घर माहीं उतारिस, अउर दुसरे गइल से बिदा किहिस, त का उआ
कर्मन से धरमी न ठहरी? 26 एखर सार इआ हय, कि जइसन देंह आत्मा के
बिना मरी हय, उहयमेर बिसुआस घलाय कर्म बिना मरा हय।

जीभ काहीं काबू माहीं करब

3 हे हमार भाई-बहिनिव, तोंहरे पंचन म से खुब जने उपदेसक न बनँय,
काहेकि तूँ पंचे त जनतेन हया, कि हम पंचे जउन उपदेस देंइ बाले
हएन, त हमार पंचन के न्याय अधिक कड़ाई के साथ कीन जई। 2 एसे कि
हम सगले जने कइएक बेरकी अपने बातन माहीं चूक जइत हएन, जे कोऊ
अपने बातन माहीं नहीं चूकय, उहय त सिद्ध मनई आय; अउर उहय अपने
सगले देंह माही लगाम लगाय सकत हय। 3 जब हम पंचे अपने काबू माहीं
करँइ के खातिर, घोड़न के मुँहे माहीं करिआरी लगाइत हएन, त हम उनखे
सगले देंह काहीं घुमाय सकित हएन। 4 देखा, जल जिहाज घलाय, केतने
बड़े भारी होत हें, अउर तेज आँधी माहीं चलाए जात हें; तऊ चलामँइ बाला
एकठे छोट काहीं पतबार के व्दारा, अपने मन के मुताबिक ओही घुमाय देत
हय। 5 उहयमेर जीभ घलाय एकठे छोट काहीं देंह के अंग आय, अउर बड़ी-
बड़ी बड़ाई मारत ही, देखा थोड़ी क आगी से बड़े-बड़े जंगलन माहीं आगी
लग जात ही। 6 जीभव आगिन कि नाईं होथी, इआ जीभ हमरे पंचन के देंह
माहीं अधरम से भरा एकठे अंग आय, अउर इहय सगले देंह माहीं कलंक
लगाबत ही, अउर सगले जीबन काहीं बरबाध कइ देत ही। इआ जीभ नरक
के आगी कि नाईं धँधकत रहत ही। 7 काहेकि बन माहीं रहँइ बाले हरेकमेर
के जानबर, पंछी, अउर रेंगँइ बाले जीव-जन्तु, पानी माहीं रहँइ बाले सगले
जीव-जन्तु त मनई के काबू माहीं होइ सकत हें, अउर होऊ गे हँय। 8 पय

जीभ काहीं कउनव मनई अपने काबू माहीं नहीं कइ सकय; उआ एकठे अइसन बलाय ही, जउन कबहूँ रुकिन नहीं सकय; उआ प्रान काहीं नास करँइ बाले बिस से भरी ही। 9 एहिन से हम पंचे प्रभू अउर पिता परमातिमा के अराधना करित हएन; अउर एहिन से मनइन काहीं जउन परमातिमा के स्वरूप माहीं पइदा भे हँय, सराप देइत हएन। 10 एकय मुँहे से सराप अउर धन्यबाद दोनव निकरत हें, हे हमार भाई-बहिनिव, तोंहईं इआमेर से न होंइ चाही। 11 का पानी के एकय झिन्ना से, मीठ अउर खारा दोनव मेर के पानी निकर सकत हय? 12 हे हमार भाई-बहिनिव, का अंजीर के बिरबा माहीं जैतून, इआ कि अंगूर के बिरबा से अंजीर के फर लग सकत हय? उहयमेर खारा पानी के झिन्ना से मीठ पानी नहीं निकर सकय। 13 तोंहरे पंचन म से ग्यानी अउर हुसिआर को हय? जे कोऊ इआमेर होय, उआ अपने कामन काहीं निकहा चाल-चलन से नम्रता समेत देखाबय, जउन ग्यान से पइदा होत हय। 14 पय अगर तूँ पंचे अपने मन माहीं बड़ी इरसा अउर बिरोध रखते हया, त सत्य के बिरोध माहीं घमन्ड न किहा, अउर न त झूँठय बोल्या। 15 इआ परमातिमा के तरफ से आमँइ बाला ग्यान न होय, बलकिन इआ त संसारिक आय, आत्मिक न होय, बलकिन सइतान के आय। 16 एसे कि जहाँ इरसा अउर बिरोध होत हय, उहाँ लड़ाई-झगड़ा अउर हरेकमेर के गलत काम घलाय होत हें। 17 पय जउन ग्यान परमातिमा के तरफ से आबत हय, उआ पहिले त पबित्र होत हय, अउर मिलनसार, कोमल अउर मीठ बोलँइ बाला अउर दयालू, अउर निकहे फर से लदा, अउर बिना पच्छपात के, अउर बिना कपट के होत हय। 18 अउर मेल-मिलाप करामँइ बालेन के खातिर, धारमिकता के फल मेल-मिलाप के साथ बोबा जात हय।

परमातिमा के अधीन रहा

4 तोंहरे बीच माहीं लड़ाई-झगड़ा काहे होत हें? तूँ पंचे आपस माहीं लड़ाई-झगड़ा काहे करते हया? तोंहरे मन माहीं जउन सुख-बिलास के इच्छा रहती हईं, उनहिन के कारन इआ सगला होत हय। 2 तूँ पंचे चहते त हया, पय तोंहईं मिल नहीं पाबय, काहेकि तोंहरे मन माहीं इरसा हय, अउर तूँ पंचे दुसरे के कतल करते हया, तऊ जउन चहते हया, उआ तोंहईं मिल नहीं पाबय, एहिन से लड़ाई-झगड़ा करते हया, अउर अपने मनचाही चीजन काहीं पउते नहिं आह्या, काहेकि तूँ पंचे उनहीं परमातिमा से नहीं मगते आह्या? 3 तूँ पंचे मगते त हया, अउर पउते नहिं आह्या, एसे कि बुरी इच्छा से मगते हया, जउने अपने भोग-बिलास माहीं उड़ाय द्या। 4 हे ब्यभिचार करँइ बालिव! काहे तूँ पंचे नहीं जनते आह्या, कि संसार से दोस्ती करब, परमातिमा से दुसमनी करब आय? एसे जे कोऊ संसार के दोस्त होंइ चाहत हय, उआ अपने-आप काहीं परमातिमा के बइरी बनाबत हय। 5 का तूँ पंचे पबित्र सास्त्र के बातन काहीं बेकार समझते हया, जउने आत्मा काहीं उँइ हमरे पंचन के भीतर बसाइन हीं, का उआ अइसन इच्छा करत हय, जउने के प्रतिफल इरसा होय? 6 उँइ त अउरव किरपा करत हें; इआ कारन से पबित्र सास्त्र माहीं इआ लिखा हय, कि परमातिमा घमन्ड करँइ बालेन के बिरोध करत हें, पय जे कउनव बात के घमन्ड नहीं करँय, उनखे ऊपर किरपा करत हें। 7 एसे परमातिमा के आधीन होइजा; अउर सइतान के सामना करा, त उआ तोंहरे लघे से भाग जई। 8 परमातिमा के लघे आबा, त उँइ तोंहरे लघे अइहँय, हे पाप करँइ बाले मनइव, आपन-आपन चाल-चलन सुधारा; अउर हे दुइचित्त रखँइ बाले मनइव, अपने हिरदँय काहीं पबित्र करा। 9 तूँ पंचे हँसा न, सोक करा, बिलाप करा, अउर दुखी होइके रोबा, काहेकि तूँ पंचे परमातिमा के नजर माहीं खुब पाप किहा हय। 10 प्रभू के आँगे दीन बना, त ऊँ तोंहईं सिरोमनि बनइहँय।

दुसरेन के ऊपर दोस न लगाबा

11 हे भाई-बहिनिव, एक दुसरे के बदनामी न करा, जे कोऊ बिसुआसिअन के बदनामी करत हय, इआ बिसुआसिअन के ऊपर दोस लगाबत हय, उआ परमातिमा के बिधान के बदनामी करत हय, अउर बिधान के ऊपर दोस लगाबत हय, त तूँ बिधान के मुताबिक चलँइ बाले नहीं, बलकिन ओखर हाकिम ठहरिहा। 12 बिधान देंइ बाले, अउर ओखर न्याय करँइ बाले, त एकयठे हँय, जिनहीं बचामँय, अउर नास करँय के अधिकार हय; त पुनि अपने साथी के न्याय करँइ बाले, तूँ को होते हया?

घमन्ड के बिरोध माहीं चेतउनी

13 तूँ पंचे जउन इआ कहते हया, कि आज इआ कि काल्ह, हम पंचे कउनव दुसरे सहर माहीं जाइके, उहाँ एक बरिस बिताउब, अउर धंधा कइके फायदा कमाब। 14 अउर इआ नहीं जनते आह्या, कि काल्ह का होई: सुन त ल्या, तोंहार जीबन हइअय का आय? तूँ पंचे त मानो भाफ कि नाईं हया, जउन थोरी देर त देखाई देत ही, अउर पुनि हेराय जात ही। 15 एखर उल्टा तोंहईं, इआ कहँइ चाही, कि अगर प्रभू चइहँय, त हम पंचे जिअत रहब, अउर इआ काम, कि उआ काम घलाय करब। 16 पय अपना पंचे अपने कउनव मेर के बातन के ऊपर घमन्ड न करी; इआमेर के सगला घमन्ड बुरा होत हय। 17 एसे जे कोऊ भलाई करँय जानत हय, अउर नहीं करय, त इआ पाप आय।

धनमानन काहीं चेतउनी

5 हे धनमानव सुना, जउन बिपत्ती तोंहरे ऊपर आमँइ बाली हईं, उनखे खातिर गोहार मार-मारके रोबा। 2 तोंहार धन सड़ चुका हय, अउर तोंहरे ओन्हन काहीं किरबा खाय चुके हँय। 3 तोंहरे सोन-चाँदी माहीं काई लगिगे ही; अउर उआ काई तोंहरे बिरोध माहीं गबाही देई, अउर आगी कि नाईं तोंहार माँस खाय जई, तूँ पंचे जउन इआ अन्तिम समय माहीं धन सम्पत्ती एकट्ठा किहा हय। 4 देखा, जउन मजूर तोंहार खेत काटिन हीं, उनखर उआ मजूरी, जउन तूँ पंचे धोखा दइके धइ लिहा हय, उआ चिल्लाय रही हय, अउर खेत माहीं काम करँइ बालेन के दोहाई, सेनन के प्रभू के कानन तक पहुँचिगे ही। 5 तूँ पंचे धरती माहीं भोग-बिलास के जीबन जिअा हय, अउर अपने-आप काहीं भोग-बिलास माहीं बोरे रह्या हय। इआमेर से परमातिमा के न्याय करँइ के दिन के खातिर खुद काहीं तइआर किहा हय। 6 तूँ पंचे धरमी काहीं दोसी बनाइके मारि डारे हया; काहेकि ऊँ तोंहार सामना नहीं किहिन।

दुख माहीं धीरज धरब

7 एसे हे भाई-बहिनिव, प्रभू के दुसराय आमँइ तक धीरज धरा, उआ किसान के सुध करा, जउन अपने खेत के कीमती फसल के आसा रखिके, पहिल अउर अन्तिम बरसा होंइ तक धीरज धरत हय। 8 तुहूँ पंचे धीरज धरा, अउर अपने हिरदँय काहीं मजबूत करा, काहेकि प्रभू के दुसराय आउब लघेन हय। 9 हे भाई-बहिनिव, एक दुसरे के ऊपर दोस न लगाबा जउने तुहूँ पंचे दोसी न ठहरा, देखा न्याय करँइ बाले दुअरा माहीं ठाढ़ हें। 10 हे भाई-बहिनिव, जउन परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले, प्रभू के नाम से बात किहिन, उनहीं दुख उठामँइ अउर धीरज धरँय माहीं आदर्स माना। 11 देखा, हम पंचे धीरज धरइँ बालेन काहीं धन्य कहित हएन; तूँ पंचे अय्यूब के धीरज के बारे माहीं सुनबय भए होइहा, अउर प्रभू उनहीं धीरज के बदले माहीं जउन आसीस दिहिन तय, ओहू काहीं जनते होइहा, कि प्रभू केतने दयालू अउर करुनामय हें।

12 पय हे हमार भाई-बहिनिव, सगलेन से बड़ी बात इआ हय, कि कसम न खया; न त स्वरग के, न धरती के, न कउनव चीज के, पय तोंहार बातचीत हाँ के हाँ, अउर नहीं के नहीं होय, जउने तूँ पंचे दन्ड पामँइ बाले न ठहरा।

प्राथना के सक्ती

13 अगर तोंहरे पंचन म से कोऊ दुखी होय, त उआ प्राथना करय, अउर खुसी होय, त उआ अराधना के भजन गाबय। 14 अगर तोंहरे पंचन म से कोऊ बिमार होय, त मसीही मन्डली के अँगुअन काहीं बोलाबय, अउर उँइ

प्रभू के नाम से ओखे तेल लगाइके प्राथना करँय। 15 अउर बिसुआस के
प्राथना से रोगी बच जई, अउर प्रभू ओही नीक कइ देइहँय; अउर अगर उआ
पापव किहिस होई, त ऊँ घलाय माफ होइ जइहँय। 16 एसे तूँ पंचे आपस
माहीं एक दुसरे के आँगे, अपने-अपने पापन काहीं सोइकार कइल्या; अउर
एक दुसरे के खातिर प्राथना करा, जउने नीक-सूख होइजा; धरमी मनइन के
प्राथना सक्तिसाली, अउर प्रभावसाली होत ही, जेसे बहुत कुछ होइ सकत
हय। 17 एलिय्याह नबी हमरेन पंचन कि नाईं दुख-सुख भोगँइ बाले मनई रहे
हँय; अउर ऊँ गिड़गिड़ाइके प्राथना किहिन, कि बारिस न होय; त साढ़े तीन
बरिस तक भुँइ माहीं पानी नहीं बरसा। 18 पुनि ऊँ प्राथना किहिन, त अकास
से बरसा भे, अउर भुँइ माहीं फसल पइदा भे।

19 हे हमार भाई-बहिनिव, अगर तोंहरे पंचन म से कोऊ सत्य के गइल से
भटक जाय, अउर कोऊ ओही लउटाय लाबय। 20 त उआ जान लेय, कि जे
कोऊ कउनव भटके पापी मनई काहीं लउटाइके ले अई, त उआ एकठे प्रान
काहीं मउत से बचाई, अउर ओखे अनेकव पापन के माफ करे जाँय के
कारन बनी।

1 पतरस

इआ चिट्ठी के परिचय

पतरस के इआ पहिल चिट्ठी, यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस करँइ बाले भाई-बहिनिन के खातिर लिखी गे रही हय, जिनहीं इआ चिट्ठी माहीं “परमातिमा के चुने मनई” कहा ग हय। जउन एसिया माइनर प्रदेस के उत्तर के सगले छेत्र माहीं, तितर-बितर होइके रहत रहे हँय। इआ चिट्ठी के खास उद्देस पढ़ँइ बालेन काहीं मसीही जीबन माहीं आँगे बढ़ँइ के खातिर उत्साहित करब हय, जउन यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस किहे के कारन दुख अउर सताव के सामना करत रहे हँय। लेखक इआ चिट्ठी पढ़ँइ बालेन काहीं, यीसु मसीह के खुसी के खबर के सुध देबाइके अइसा करत हें। काहेकि यीसु के मउत, अउर यीसु के मरेन म से जि उठब, अउर पुनि आमँइ के वादा उनहीं नई आसा देत हय। इआ कारन उनहीं अपने दुखन काहीं सोइकार कइके सहब जरूरी रहा हय, इआ बिसुआस के साथ, कि इआ उनखे बिसुआस के सच्चाई के परख होइ रही हय, अउर इआ कि “मसीह यीसु के दुसराय आमँइ के दिन” उनहीं पंचन काहीं एखर प्रतिफल जरूर मिली।
सताव के समय माहीं साहस बढ़ामँय के साथ-साथ लेखक इहव निबेदन करत हें, कि इआ चिट्ठी काहीं पढ़ँइ बाले मसीह के सेबकन कि नाईं जीबन जिअँइ।
हे भाई-बहिनिव हम अपना पंचन से बिनती करित हएन, कि जब अपना पंचे दुख अउर सताव के कारन निरास होइ जई, त इआ चिट्ठी काहीं जरूर पढ़ी। एसे अपना पंचन काहीं बड़ी हिम्मत मिली, अउर यीसु मसीह के ऊपर अपना पंचन के बिसुआस अउर मजबूत होइ जई।

रूप-रेखा:

किताब के परिचय
परमातिमा के मुक्ती काहीं सुधि देबाउब
पबित्र जीबन जिअँइ के खातिर उपदेस
दुखन के समय मसीही के जिम्मेबारी
मसीही के दीनता अउर सेबा
उपसंहार

पतरस के अभिबादन

1 हम पतरस आहेन, अउर इआ चिट्ठी काहीं लिख रहेन हय, जउन
यीसु मसीह के खास चेला आहेन, हम इआ चिट्ठी परमातिमा के चुने
उन मनइन काहीं लिख रहेन हय, जउन पुन्तुस, अउर गलातिया, अउर
कप्पदूकिया, अउर आसिया, अउर बिथुनिया प्रदेसन माहीं तितर-बितर
होइके रहत हें। 2 तूँ पंचे पिता परमातिमा के भबिस्य ग्यान के मुताबिक,
पबित्र आत्मा से पबित्र कीन जाँय के व्दारा, यीसु मसीह के हुकुम काहीं
पालन करँइ के खातिर, अउर उनखे खून से छिनके जाँइ के खातिर चुने गए
हया, तोंहईं पंचन काहीं परमातिमा के किरपा, अउर सान्ति बहुतायत से
मिलत रहय।

जिअत आसा के खातिर परमातिमा काहीं धन्यबाद

3 हमरे पंचन के प्रभू यीसु मसीह के पिता परमातिमा के धन्यबाद होय,
जउन यीसु मसीह काहीं मरेन म से जिआइके, अपने बड़ी दया से हमहीं
पंचन काहीं अनन्त जीबन पामँइ के खातिर, जउन जिअत आसा ही, ओखे
खातिर नबा जनम दिहिन हीं। 4 कि जउने हम पंचे बारिसदार होंइ के उआ
हक्क पाय जई, जउन हमरे खातिर स्वरग माहीं सुरच्छित हय, काहेकि उआ
हक्क कबहूँ न नास होई, न कबहूँ खतमय होई, बलकिन उआ निरमल रही।
5 अउर तोंहार पंचन के रक्छा परमातिमा के सक्ती के द्वारा, बिसुआस से
उआ मुक्ती पामँइ के खातिर कीन जात ही, जउन अन्तिम न्याय के दिन माहीं
प्रगट होंइ बाली हय। 6 अउर इहय कारन से तूँ पंचे खुब आनन्दित होते हया।
जबकि इआ बात जरूर हय, कि तूँ पंचे अबे कुछ दिना तक अनेकव प्रकार
के परिच्छन माहीं परँइ के कारन, दुखी हया। 7 अउर इआ एसे होत हय, कि
तोंहार पंचन के बिसुआस, परिच्छा के द्वारा खरा निकरय, अउर तोंहार पंचन
के जाँचा-परखा बिसुआस, आगी माहीं ताबा ग, नास होंइ बाले सोन से
जादा कीमती हय, जब यीसु मसीह दुसराय अइहँय, त बिसुआस माहीं बने
रहँइ के कारन, तोंहईं पंचन काहीं परमातिमा से बड़ाई, महिमा, अउर मान-
सम्मान मिली। 8 काहेकि तूँ पंचे यीसु काहीं नहीं देखे आह्या, तऊ उनसे प्रेम
करते हया, अउर अब त उनहीं बिना देखेन, उनखे ऊपर बिसुआस कइके
अइसन आनन्दित अउर मगन होते हया, जउन बखान से बाहर अउर महिमा
से भरा हय। 9 अउर तूँ पंचे अपने बिसुआस के कारन अपने आत्मा काहीं
मुक्ती देबाय रहे हया।

परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन के गबाही

10 अउर इहय मुक्ती के बारे माहीं, अउर तोंहईं पंचन काहीं परमातिमा से
मिलँइ बाली किरपा के बारे माहीं, परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले, बड़ी
सावधानी के साथ, इआ खोजबीन कइके भबिस्यबानी किहिन रहा हय।
11 अउर उनखे भीतर जउन मसीह के आत्मा रहा हय, उआ पहिलेन से इआ
बताबत रहा हय, कि मसीह के ऊपर कइसन दुख अइहँय, अउर ओखे बाद
कइसन उनखर महिमा होई। अउर मसीह के आत्मा उनहीं पंचन काहीं इहव
बताबत रहा हय, कि ईं बातँय कउने समय, अउर कउने दसा माहीं होइहँय,
अउर ओखे बाद इआ संसार के का होई। 12 अउर उनहीं पंचन काहीं इआ
बताबा ग रहा हय, कि ऊँ पंचे ईं बातन काहीं बताइके आपन नहीं, बलकिन

तोंहार पंचन के सेबा करत हें। अउर जउन खुसी के खबर अब तोंहईं पंचन काहीं, ऊँ मनइन के द्वारा मिली हय, जिनहीं स्वरग से पबित्र आत्मा मिला रहा हय, अउर ऊँ पंचे ओहिन के बताए से, तोंहईं पंचन काहीं खुसी के खबर सुनाइन रहा हय, अउर स्वरगदूत घलाय ईं बातन काहीं देखँइ के बड़ी लालसा करत हें।

पबित्र जीबन जिअँइ के खातिर बोलाहट

13 एसे तूँ पंचे मानसिक रूप से सचेत रहा, अउर खुद काहीं काबू माही
रखिके, उआ किरपा के खातिर पूरी आसा रक्खा, जउन तोंहईं पंचन काहीं
यीसु मसीह के दुसराय आमँइ के समय मिलँइ बाली हय। 14 एसे तूँ पंचे
हुकुमन काहीं मानँइ बाले लड़िकन कि नाईं बना, इआ नहीं कि जइसन तूँ
पंचे पहिले, जब मसीह के ऊपर बिसुआस नहीं करत रहे आह्या, त बुरी
इच्छन के मुताबिक जीबन जिअत रहे हया, त अब पहिले कि नाईं पुनि न
बना। 15 बलकिन जइसन तोंहईं पंचन काहीं बोलामँइ बाले परमातिमा पबित्र
हें, उहयमेर तुहूँ पंचे अपने सगले चाल-चलन माहीं पबित्र बना। 16 काहेकि
पबित्र सास्त्र माहीं घलाय इआ लिखा हय, कि परमातिमा कहत हें, "पबित्र
बना, काहेकि हम पबित्र हएन।" 17 अउर परमातिमा जउन बिना पच्छपात
किहे, सगले मनइन के उनखे कामन के मुताबिक न्याय करत हें, उनसे तूँ
पंचे हे पिता, कहिके प्राथना करते हया, त अपने-आप काहीं परदेसी
समझिके, परमातिमा काहीं सम्मान देत आपन जीबन बिताबा। 18 काहेकि तूँ
पंचे खुदय जनते हया, कि तोंहार पंचन के निकम्मा चाल-चलन, जउन तोंहरे
बाप-दादन से चला आय रहा हय, ओसे, तोंहईं पंचन काहीं मुक्ती, नास होंइ
बाले सोन-चाँदी से नहीं मिली आय। 19 बलकिन उआ मुक्ती तोंहईं पंचन
काहीं, निरदोस अउर निस्कलंक मेम्ना, अरथात मसीह के अनमोल खून के
द्वारा मिली हय। 20 अउर मुक्ती देंइ के खातिर यीसु मसीह काहीं, संसार
काहीं बनामँइ से पहिलेन चुनि लीन ग रहा हय, पय अब इआ अन्तिम जुग
माहीं तोंहरे खातिर उनहीं प्रगट कीन ग हय। 21 अउर तूँ पंचे उँइन यीसु
मसीह के कारन, परमातिमा के ऊपर बिसुआस करते हया, जउन यीसु
मसीह काहीं मरेन म से पुनि जिआइके, उनहीं महिमा दिहिन, कि जउने
तोंहार पंचन के आसा अउर बिसुआस परमातिमा के ऊपर होय।
22 एसे जब तूँ पंचे, भाईचारा के प्रेम के खातिर, सत्य के पालन कइके,
अपने-अपने आत्मन काहीं पबित्र किहा हय, त तन- मन लगाइके आपस
माहीं एक दुसरे से प्रेम करा। 23 काहेकि तूँ पंचे नास होंइ बाले बीज से नहीं,
बलकिन कबहूँ न नास होंइ बाले बीज से, अरथात परमातिमा के जिन्दा
अउर हमेसा ठहरँय बाले बचन से नबा जनम पाए हया। 24 अउर पबित्र
सास्त्र माहीं लिखा हय, कि

"हरेक प्रानी चारा कि नाईं होत हय, अउर ओखर सगली सुन्दरता, चारा के
फूल कि नाईं होत ही, अउर उआ चारा कि नाईं झुराय जात हय, अउर फूल
कि नाईं झर जात हय।"

25 "पय प्रभू के बचन जुगन-जुगन तक अटल बना रही।

अउर इहय खुसी के खबर के बचन आय, जउन तोंहईं पंचन काहीं सुनाबा
ग रहा हय †।"

2 एसे तूँ पंचे अपने जीबन से हरेकमेर के बैर-भाव, छल-कपट, इरसा
अउर बदनामी काहीं दूर कइके, 2 नबा पइदा भे बच्चन कि नाईं सुद्ध
आत्मिक दूध पामँइ के लालसा करा, जउने ओखे द्वारा मुक्ती पामँइ के
खातिर आँगे बढ़त जा। 3 देखा, प्रभू केतना दयालू हें, अब तूँ पंचे इआ जान
लिहे हया।

अनमोल जिअत पथरा अउर चुने प्रजा

4 उनखे लघे आबा, जिनहीं संसारिक मनई त बिना काम के ठहराइन हीं,
पय ऊँ परमातिमा के द्वारा चुने अउर अनमोल जिअत पथरा आहीं। 5 अउर
तुहूँ पंचे खुदय जिअत पथरा कि नाईं, आत्मिक घर बनाए जाय रहे हया,
जउने याजकन के पबित्र समाज बनिके, अइसन आत्मिक बलिदान चढ़ाबा,
जउन यीसु मसीह के द्वारा परमातिमा काहीं सोइकार होय। 6 अउर पबित्र
सास्त्र माहीं घलाय इआ लिखा हय, कि परमातिमा कहिन हीं,

"देखा, हम सिय्योन पहार माहीं एकठे कोनमा के पथरा धरित हएन, जउन
हमार चुना आय, अउर उआ अनमोल हय, एसे जे कोऊ ओखे ऊपर
बिसुआस करी, उआ कउनव मेर से लज्जित न होई।"

7 एसे तूँ पंचे जउन उआ पथरा के ऊपर बिसुआस करते हया, उआ तोंहरे
पंचन के खातिर अनमोल हय, पय जे कोऊ ओखे ऊपर बिसुआस नहीं
करँय, उनखे खातिर

"जउने पथरा काहीं राजा के कारीगर लोग बिना काम के ठहराइन रहा हय,
उहय कोने के खास पथरा बनिगा ††।" 8 अउर

"उआ अइसन पथरा बनिगा जेसे मनइन काहीं ठेस लागत ही, अउर
अइसन बड़ी चट्टान बनिगा जउने से मनइन काहीं ठोकर लागत ही ‡।"

काहेकि ऊँ पंचे परमातिमा के बचन काहीं न मानिके ठोकर खात हें, अउर
ऊँ पंचे एहिन के खातिर ठहराए घलाय गे रहे हँय। 9 पय तूँ पंचे परमातिमा
के चुने बंस आह्या, अउर राज पदधारी याजकन के समाज आह्या, अउर
पबित्र मनई, अउर परमातिमा के खास प्रजा आह्या, अउर उँइन तोहईं पंचन
काहीं, अँधिआर से निकारिके, अपने अदभुत जोति माहीं बोलाइन हीं, कि
उनखे महिमा काहीं अपने जीबन से देखाबा। 10 एक समय अइसन रहा हय,
जब तूँ पंचे परमातिमा के प्रजा नहीं रहे आह्या, पय अब तूँ पंचे परमातिमा
के प्रजा बन गया हय, पहिले तोंहरे पंचन के ऊपर परमातिमा के दया नहीं भे
रही आय, पय अब तोंहरे पंचन के ऊपर परमातिमा के दया भे ही।

मसीही जबाबदारी

11 हे पियार भाई-बहिनिव, हम तोंहसे बिनती करित हएन, कि तूँ पंचे
अपने-आप काहीं परदेसी, अउर यात्री जानिके, इआ संसार के उन बुरी
अभिलासन से बचे रहा, जउन तोंहरे आत्मा से युद्ध करती हईं। 12 गैर
मसीही मनइन के बीच माहीं, तोंहार चाल-चलन निकहा होंइ चाही; एसे कि
जउने-जउने बातन माहीं, ऊँ पंचे तोहईं कुकर्मी जानिके बदनाम करत हें, ऊँ
पंचे तोंहरे निकहे कामन काहीं देखिके; ईंन निकहे कामन के कारन
परमातिमा के न्याय करँइ बाले दिन काहीं, परमातिमा के बड़ाई करँय।

परमातिमा के लोगन के फर्ज

13 अउर तूँ पंचे प्रभू के खातिर मनइन के ठहराए, हरेक अधिकारन के
अधीन रहा, अउर राजा के अधीन एसे रहा, काहेकि ऊँ सगले मनइन के
ऊपर प्रधान आहीं। 14 अउर हाकिमन के अधीन एसे रहा, काहेकि उनहीं
कुकर्मिन काहीं सजा देंइ के खातिर, अउर सही काम करँइ बाले मनइन के
बड़ाई करँइ के खातिर पठबा ग हय। 15 काहेकि परमातिमा के इहय मरजी
ही, कि तूँ पंचे निकहे कामन काहीं करा, अउर निरबुद्धी मनइन के अग्यानता
के बातन काहीं बन्द कइ द्या। 16 अउर तूँ पंचे अजाद मनई कि नाईं जीबन
जिआ, पय अपने अजादी काहीं बुराई करँइ के आड़ न बनाया, बलकिन
परमातिमा के सेबकन कि नाईं जीबन जिआ। 17 सगले मनइन के सम्मान
करा, अपने बिसुआसी भाई-बहिनिन से प्रेम रक्खा, परमातिमा के भय
माना, अउर राजा के सम्मान करा।

मसीह हमार पंचन के आदर्स आहीं

18 हे दासव, हरेकमेर से भय के साथ, अपने मालिकन के अधीन रहा,
निकहे अउर नम्र मालिकन भर के नहीं, बलकिन कठोर मालिकन के घलाय
अधीन रहा। 19 काहेकि अगर कोऊ परमातिमा के बचन के मुताबिक जीबन
जिअत, अन्याय से दुख अउर कस्ट सहत हय, त परमातिमा द्वारा ओखर
बड़ाई होई। 20 पय अगर तूँ पंचे अपराध कइके मार खा, अउर धीरज धरा, त
ओमा कउनव बड़ाई के बात नहिं आय, पय अगर तूँ पंचे निकहा काम कइके

† *1:25 यसा 40:6-8*

†† *2:7 भज 118:22* ‡ *2:8 यसा 8:14*

दुख सहते हया, अउर धीरज धरते हया, त परमातिमा तोंहार बड़ाई करिहँय।
21 अउर तूँ पंचे एहिन के खातिर परमातिमा के द्वारा बोलाए गया हय,
काहेकि मसीह घलाय तोंहरे खातिर दुख सहिके, तोंहईं नमूना देखाइगे हँय,
कि जउने तुहूँ पंचे उनहिन के पद चिन्हन माहीं चला। 22 अउर मसीह के बारे
माहीं पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, कि "न त ऊँ कउनव पापय किहिन,
अउर न उनखे मुँहे से कउनव छल-कपट के बातँय निकरीं। 23 अउर न त ऊँ
गारी सुनिके कबहूँ गारिन दिहिन, अउर दुख काहीं सहिके ऊँ कोहू काहीं
धमकी नहीं देत रहे आँय, बलकिन अपने-आप काहीं सही न्याय करँइ बाले
परमातिमा के हाँथ माहीं सउँपि देत रहे हँय।" 24 ऊँ खुदय हमरे पंचन के
पापन काहीं अपने देंह के ऊपर लए क्रूस माहीं चढ़िगें, जउने हम पंचे पाप
के सम्बन्ध से पूरी तरह से मुक्त होइके, परमातिमा के नजर माहीं जउन
निकहा हय, उहय करी; अउर उनहिन के मार खाँइ से तूँ पंचे चंगे भया हय।
25 काहेकि तूँ पंचे पहिले भटकी गड़रन कि नाईं रहे हया, पय अब अपने प्रान
के रखबारी करँइ बाले, अउर मुखिया, अरथात परमातिमा के लघे पुनि आय
गए हया।

मेहेरिआ-मंसेरुआ के बारे माहीं पतरस के सिच्छा

3 हे मेहेरिअव, तुहूँ पंचे अपने-अपने मंसेरुआ के अधीन रहा, एसे अगर
उनमा से कउनव अइसन होंय, जउन परमातिमा के बचन काहीं न
मानत होंय, 2 तऊ ऊँ पंचे तोंहरे मान-सम्मान समेत, पबित्र चाल-चलन काहीं
देखिके, अपने-अपने मेहेरिआ के चाल-चलन के द्वारा परमातिमा के तरफ
खिंचे चले आमँय। उनहीं पंचन काहीं प्रभू के बारे माहीं बेर-बेर बतामँइ के
जरूरत न परी। 3 अउर तोंहार पंचन के सिंगार देखाला के खातिर न होय,
जइसन कि बार गुहब, अउर सोन-चाँदी के गहना पहिरब, इआ कि मेर-मेर
के ओन्हा पहिरब। 4 बलकिन तोंहार पंचन के सिंगार त मन के भीतर छिपा
निकहा सुभाव होंइ चाही, जइसन नम्रता, अउर मन के दीनता के कबहूँ न
नास होंइ बाली सजाबट, से सजे रहब, काहेकि परमातिमा के नजर माहीं
एखर बड़ी कीमत ही। 5 अउर पुरान समय माहीं घलाय, जउन मेहेरिआ
पबित्र रही हईं, ऊँ पंचे परमातिमा के ऊपर पूर आसा रक्खत रही हँय, अउर
अपने-आप काहीं इहइमेर सजाबत रही हँय, अउर अपने-अपने मंसेरुआ के
अधीन रहत रही हँय। 6 जइसन सारा अपने मंसेरुआ अब्राहम के हुकुम
मानत रही हँय, अउर उनहीं स्वामी कहत रही हँय। इहइमेर अगर तुहूँ पंचे
घलाय, बिना डेराने भलाई के निकहे काम करिहा, त उनखर बिटिया
कहइहा। 7 उहयमेर हे मंसेरुअव, तुहूँ पंचे घलाय अपने-अपने मेहेरिआ के
साथ समझदारी से जीबन निरबाह करा। अउर उनहीं कमजोर जानिके,
उनखर सम्मान करा। इआ समझिके, कि हम पंचे दोनव जने अनन्त जीबन
के बरदान के बारिसदार आहेन। जउने तोंहार पंचन के प्राथना परमातिमा के
लघे तक पहुँचय से न रुकय।

भलाई करँइ के कारन सताव

8 एसे सगले जन एक मन रहा, अउर एक दुसरे के ऊपर किरपा करत
रहा, अउर आपस माहीं भाईचारा के प्रेम बनाए रहा, अउर दयालू, अउर नम्र
बना। 9 अउर बुराई के बदले माहीं बुराई न किहा, अउर गारी के बदले माहीं
गारिव न दिहा, बलकिन गारी के बदले माहीं आसिरबाद दिहा। काहेकि तूँ
पंचे एहिन खातिर बोलाए गए हया, जउने परमातिमा के आसिरबाद पामँइ
के बारिसदार बन जा। 10 काहेकि

"जे कोऊ अनन्त जीबन पामँइ चाहत हय, अउर परमातिमा के निकहे दिन
देखँइ चाहत हय, त उआ अपने जीभ काहीं बुराई करँइ से, अउर अपने मुँहे
काहीं छल-कपट के बातँय करँय से रोंके रहय।
11 अउर उआ बुराई के साथ छोंड़िके, भलाई करय; अउर उआ मेल-मिलाप
करँइ के कोसिस माहीं लगा रहय †।"

† *3:11 भज 34:12-16*

12 काहेकि "प्रभू के आँखी, परमातिमा के नजर माहीं निकहा काम करँइ
बाले मनइन के ऊपर लगी रहती हईं, अउर उनखर कान, उनखे पंचन के
बिनती काहीं बड़े ध्यान से सुनत हें। पय प्रभू, बुराई करँइ बाले मनइन के
बिरोध माहीं रहत हें।"
13 एसे अगर तूँ पंचे हमेसा भलाई करँइ माहीं लगे रइहा, त तोंहार पंचन के
बुराई कोऊ नहीं कइ सकय। 14 अउर अगर तूँ पंचे भलाई के काम करँइ के
कारन दुखव उठउते हया, त धन्य हया। पय मनइन के डेरबाए से न डेरया,
अउर न घबरया। 15 बलकिन मसीह काहीं आपन प्रभू मानिके, अपने-अपने
मन काहीं पबित्र रख्या, अउर जे कोऊ तोंहरे आसा के बारे माहीं पूँछँय, त तूँ
पंचे नम्रता अउर परमातिमा के भय के साथ, जबाब देंइ के खातिर हमेसा
तइआर रह्या। 16 अउर तूँ पंचे अपने सोच-बिचार काहीं सुद्ध रख्या, एसे कि
जउने बातन के बारे माहीं तोंहार बदनामी होत ही। ओखे बारे माहीं, जउन
तोंहरे मसीही चाल-चलन के अपमान करत हें, ऊँ लज्जित होइ जाँय।
17 काहेकि अगर परमातिमा के इहय मरजी हय, कि तूँ पंचे दुख उठाबा, त
बुराई के कारन दुख उठामँइ से निकहा हय, कि तूँ पंचे भलाई करँइ के
कारन दुख उठाबा। 18 काहेकि मसीह घलाय हमरे पंचन के पापन के बदले
माहीं, दुख उठाइन हीं, अरथात ऊँ निरदोस रहे हँय, तऊ हम पंचे जउन
पापी रहेन हँय, हमरे खातिर एक बेरकी मरिगें, कि जउने हमहीं पंचन काहीं
परमातिमा के लघे लइ आमँय। मसीह सारीरिक रूप से त मारे गें, पय
आत्मिक रूप से जिआय दीनगें। 19 अउर आत्मय के रूप माहीं, यीसु जाइके
ऊँ आत्मन काहीं घलाय प्रचार किहिन, जउन बन्धन माहीं परी रही हँय।
20 अउर नूह के समय माहीं घलाय, जे कोऊ परमातिमा के हुकुम काहीं नहीं
मानिन तय। त परमातिमा नूह के जिहाज बनत तक धीरज धरे, रुके रहे
हँय। ओखे बाद जल-प्रलय के कारन, जिहाज माहीं चढ़िके केबल आठ
जने, अरथात नूह के परिबार भर बचे रहे हँय, बाँकी पानी माहीं बूड़िके मरिगें
तँय। 21 अउर इआ पानी बपतिस्मा के निसानी आय, जउने से अब तोंहईं
पंचन काहीं मुक्ती मिलत ही। बपतिस्मा के मतलब देंह के मइल धोउब न
होय, बलकिन बपतिस्मा के द्वारा सुद्ध हिरदँय से, खुद काहीं परमातिमा के
खातिर समरपित करब आय। इआ बपतिस्मा, यीसु मसीह के मरेन म से
पुनि जि उठँय के द्वारा, हमहीं पंचन काहीं मुक्ती देत हय। 22 अउर यीसु
मसीह स्वरग माहीं ऊपर जाइके, परमातिमा के दहिने कइती बइठिगें हँय;
अउर स्वरग के दूत, अउर सगले अधिकारी, अउर सगली सक्ती, सब उनखे
अधीन कइ दीनगे हँय।

बदले जीबन के बारे माहीं सिच्छा

4 एसे जब मसीह अपने देंह माहीं दुख उठाइन हीं, त तुहूँ पंचे घलाय
उनहिन कि नाईं सोच-बिचार काहीं अपनाय ल्या। काहेकि जे कोऊ
अपने देंह माहीं दुख उठाबत हय, त उआ पाप के सम्बन्ध से मुक्ती पाय
चुका हय। 2 एसे तूँ पंचे संसार के बाँकी आपन जीबन, मनइन के बुरी
अभिलासन के मुताबिक नहीं, बलकिन परमातिमा के मरजी के मुताबिक
बिताबा। 3 काहेकि तूँ पंचे, अबे तक जउन मनई परमातिमा काहीं नहीं
जानँय, उनखे कि नाईं, आपन जीबन बिताबत रहे हया, जइसन लुचपन के
बुरी अभिलासन माहीं, मतबालापन माहीं, भोग-बिलास माहीं, खुब दारू
पिअँइ माहीं, मूरतिन के पूजा माहीं, जउने से परमातिमा नफरत करत हें। ईं
कामन माहीं तूँ पंचे पहिलेन खुब समय गमाय चुके हया, उहय खुब होइगा।
4 अउर अब तूँ पंचे उनखे लुचपन के भारी कामन माहीं, उनखर साथ नहीं
देते आह्या, एसे ऊँ पंचे अचरज मानत हें, अउर तोहईं पंचन काहीं भला-बुरा
कहत हें। 5 पय उनहीं पंचन काहीं अपने ईं बुरे कामन के हिंसाब, परमातिमा
काहीं देंइ परी, जउन जिन्दा अउर मरे दोनव के न्याय करँइ काहीं तइआर हें।
6 एहिन से ऊँ बिसुआसी भाई-बहिनिन काहीं जउन मर चुके हँय, खुसी के
खबर सुनाई गे रही हय, कि जउने देंह माहीं त उनखर न्याय मनइन के
मुताबिक होय, पय आत्मिक रूप माहीं, ऊँ पंचे परमातिमा के मुताबिक
जिअत रहँय।

परमातिमा के निकहा भन्डारी

7 सगले संसार के अन्त लघेन आइगा हय, एसे तूँ पंचे संयमी अउर
समझदार बना, कि जउने प्राथना कइ सका। 8 अउर सबसे बड़ी बात त इआ
हय, कि एक दुसरे से जादा से जादा प्रेम करा; काहेकि प्रेम अनगिनत पापन
काहीं मूँद देत हय। 9 अउर बिना कुड़-कुड़ाए, एक दुसरे के निकहा स्वागत-
सत्कार करा। 10 अउर परमातिमा से जेही जउन बरदान मिला हय, ओही
परमातिमा के अनेकव प्रकार के किरपा माहीं, निकहे भन्डारिन कि नाईं एक
दुसरे के सेबा माहीं लगामँइ चाही। 11 अउर अगर कोऊ बोलत हय, त
अइसन बोलय मानो परमातिमा के बचन आय; अगर कोऊ सेबा करय; त
उआ सक्ती से करय जउन परमातिमा ओही देत हें; जउने हरेक बातन माहीं
यीसु मसीह के द्वारा परमातिमा के बड़ाई होय, काहेकि बड़ाई अउर
अधिकार जुग-जुग तक उनहिन के आय। आमीन।

मसीह के दुखन माहीं भागीदार होब

12 हे पियार साथिव, तोंहईं पंचन काहीं जाँचय-परखँय के खातिर, जउन
दुख रूपी आगी तोंहरे पंचन के बीच माहीं भड़क उठी हय, त इआ समझिके
अचरज न माना, कि कउनव अनहोनी आय घट रही हय। 13 पय जइसय-
जइसय तूँ पंचे मसीह के दुखन माहीं भागीदार होते हया, त आनन्द मनाबा,
जउने जब मसीह के महिमा प्रगट होय, त तुहूँ पंचे खुब आनन्दित अउर
मगन होइ सका। 14 अउर अगर मसीह के नाम के खातिर, मनई तोंहार पंचन
के अपमान करत हें, त तूँ पंचे धन्य हया; काहेकि महिमा के आत्मा जउन
परमातिमा के आत्मा आय, तोंहरे भीतर निबास करत हय। 15 पय तूँ पंचे
इआ ध्यान रख्या, कि तोंहरे पंचन के बीच म से कउनव मनई, मसीह के नाम
के अलाबा, कतल करँइ के कारन, इआ कि चोरी करँइ के कारन, इआ कि
कुकर्मी होंइ के कारन, इआ कि दुसरे के काम माहीं टाँग अड़ामँइ के कारन
दुख न पाबय। 16 पय अगर मसीह के ऊपर बिसुआस किहे के कारन, दुख
पाबत हय, त उआ लज्जित न होय, बलकिन इआ बात के खातिर
परमातिमा के बड़ाई करय। 17 काहेकि उआ समय आइगा हय, कि पहिले
परमातिमा के ऊपर बिसुआस करँइ बाले मनइन के न्याय कीन जाय। अउर
जब न्याय के सुरुआत, हमहिन पंचन से होई। त उनखर अन्त माहीं का हाल
होई, जउन परमातिमा के खुसी के खबर काहीं नहीं मानँय? 18 अउर
"अगर धरमी † मनई बड़े मुसकिल से मुक्ती पाई, त पापी अउर भक्तिहीन
मनई के त कउनव ठिकानय न होई।"
19 एसे जे कोऊ परमातिमा के मरजी के मुताबिक दुख उठाबत हें, ऊँ पंचे
भलाई के काम करत, अपने-अपने प्रान काहीं बिसुआस के काबिल संसार
के रचइता परमातिमा के हाँथे माहीं सउँपि देंय।

मसीही मन्डली के अँगुअन अउर नए बिसुआसिअन काहीं पवलुस के सँदेस

5 तोंहरे पंचन के बीच माहीं जउन मसीही मन्डली के अँगुआ हें, हमहूँ
उनहिन कि नाईं अँगुआ हएन, अउर मसीह जउन दुख सहिन हीं, हम
ओखर गबाह हएन, अउर प्रगट होंइ बाली महिमा माहीं भागीदार होइके,
उनहीं पंचन काहीं इआ समझाइत हएन। 2 कि परमातिमा के उआ झुन्ड के
रखबारी करा, जउन तोंहईं पंचन काहीं सउँपा ग हय, अउर इआ काम
कउनव दबाव से नहीं, बलकिन परमातिमा के मरजी के मुताबिक, बड़े खुसी
के साथ पूरे मन से किहा। अउर इआ काम नीच कमाई के खातिर न किहा।
3 अउर जउन झुन्ड तोंहईं पंचन काहीं रखबारी के खातिर सउँपा ग हय,
उनखे ऊपर आपन अधिकार न जताबा, बलकिन झुन्ड के खातिर आदर्स
बना। 4 अउर जब संसार के रखबारी करँइ बाले परमप्रधान अइहँय, त तोंहईं
पंचन काहीं महिमा के मुकुट दीन जई, जउन कबहूँ न मुरझई। 5 इहइमेर से
हे नवजमानव, तुहूँ पंचे घलाय अपने मसीही मन्डली के अँगुअन के अधीन
रहा, अउर तूँ पंचे सगले जन नम्रता के साथ एक दुसरे के सेबा के खातिर,
हमेसा तइआर रहा, काहेकि "परमातिमा †† घमन्ड करँइ बालेन के बिरोध
करत हें, पय जे कउनव बात के घमन्ड नहीं करँय, उनखे ऊपर किरपा करत
हें।" 6 एसे तूँ पंचे परमातिमा के बलमान हाँथ के नीचे नम्रता के साथ रहा,
जउने ऊँ तोंहईं उचित समय माहीं बढ़ामँय। 7 अउर आपन सगली चिन्ता
उनहिन के ऊपर डार द्या, काहेकि उनहीं हमेसा तोंहार पंचन के ख्याल रहत
हय। 8 अउर तूँ पंचे सचेत होइके, हमेसा परमातिमा के बचन माहीं बने रहा,
काहेकि तोंहार बइरी सइतान, गरजँय बाले सेर कि नाईं, हमेसा इआ खोज
माहीं रहत हय, कि केही परमातिमा के बचन से भटकाय देई। 9 अउर तूँ पंचे
बिसुआस माहीं मजबूत होइके, ओखर सामना करा, काहेकि तूँ पंचे जनते
हया, कि सगले संसार के तोंहार मसीही भाई-बहिनी घलाय, इआमेर के दुख
भोग रहे हँय। 10 अउर अब परमातिमा जउन अनन्त किरपा के सोता आहीं।
उँइन तोंहईं मसीह के द्वारा अपने अनन्त महिमा माहीं बोलाइन हीं, तोंहईं
थोरी देर तक दुख भोगे के बाद, खुदय तोंहईं बिसुआस माहीं मजबूत, स्थिर,
अउर बलमान कइ देइहँय। 11 उनखर अधिकार जुग-जुग तक बना रहय।
आमीन।

पतरस के आखिरी नबस्कार

12 हम आपन इआ चिट्ठी सिलबानुस के हाँथे से पठइत हएन, जिनहीं हम
बिसुआस के काबिल आपन भाई मानित हएन, अउर अपने इआ चिट्ठी माहीं
संछेप माहीं लिखिके, तोंहईं पंचन काहीं इआ समझामँइ के कोसिस किहेन
हय, अउर इआ गबाही दिहेन हय, कि परमातिमा के सच्ची किरपा इहय
आय, कि तूँ पंचे उनखे ऊपर बिसुआस माहीं स्थिर रहा। 13 अउर बेबीलोन
प्रदेस माहीं जउन तोंहरेन पंचन कि नाईं परमातिमा के चुने बिसुआसी भाई-
बहिनी हें, ऊँ पंचे, अउर मसीह के ऊपर बिसुआस करँइ के कारन, मरकुस
जउन हमरे लड़िका कि नाईं हें, तोहँईं नबस्कार करत हें। 14 अउर तूँ पंचे बड़े
प्रेम के साथ खुसी से एक दुसरे से गले मिलिके नबस्कार करा। अउर तूँ पंचे
जेतने जन मसीह के ऊपर बिसुआस करते हया, मसीह के सान्ती तोंहईं
पंचन काहीं मिलत रहय।

† *4:18 नीति 11:31*

†† *5:5 नीति 3:34*

2 पतरस

इआ चिट्ठी के परिचय

पतरस के इआ चिट्ठी सुरुआत माहीं यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस करँइ बाले, खुब बड़े एकठे समुदाय के खातिर लिखी गे रही हय। इआ चिट्ठी के मुख्ख चिन्ता के बात, लबरी सिच्छा देंइ बाले सिच्छकन के काम, अउर उनखे सिच्छा से उत्पन्न बुराई के बिरोध माहीं संघर्स करब हय। ईं समस्यन के जबाब परमातिमा अउर प्रभू यीसु मसीह के सच्चे ग्यान माहीं बने रहँइ से मिलत हय, उआ ग्यान जउन ऊँ लोगन के द्वारा पहुँचाबा ग हय, जउन खुदय मसीह काहीं देखिन हीं, अउर उनखे सिच्छन काहीं सुनिन हीं। लेखक खास करके ऊँ मनइन के सिच्छन से चिन्तित हें, जउन दाबा करत हें, कि मसीह पुनि वापिस न अइहँय। लेखक कहत हें, कि अइसन मालुम होत हय, कि यीसु मसीह के पुनि आमँइ माहीं देरी होइ रही हय, पय बास्तव माहीं अइसा एसे होइ रहा हय, कि “परमातिमा नहीं चाहँय कि कउनव मनई नास होंय, बलकिन सब काहीं अपने जीबन काहीं बदलँइ के मोका मिलय।”

रूप-रेखा :

किताब के परिचय
मसीही बोलाहट
लबरे सिच्छकन के बारे माहीं
मसीह के दुसराय आउब

पतरस के अभिबादन

1 हम समौन पतरस इआ चिट्ठी काहीं लिख रहेन हय, जउन यीसु
मसीह के दास अउर खास चेला आहेन। हम इआ चिट्ठी ऊँ मनइन
काहीं लिख रहेन हय, जउन हमरे पंचन के परमातिमा, अउर मुक्ती देंइ बाले
यीसु मसीह जउन हमहीं पंचन काहीं, परमातिमा के नजर माहीं निरदोस
बनाइन हीं, उनहिन के द्वारा हमरे पंचन कि नाईं, ऊँ पंचे घलाय खुब कीमती
बिसुआस पाइन हीं।
2 तूँ पंचे परमातिमा, अउर हमरे पंचन के प्रभू यीसु काहीं जान चुके हया,
एसे तोंहईं परमातिमा के किरपा अउर सान्ती जादा से जादा मिलत रहय।

परमातिमा के बोलाहट काहीं निकहा से समझा

3 परमातिमा अपने सक्ती से भक्तिमय जीबन जिअँइ के खातिर, अउर
उनखे सेबा के खातिर, जउन कुछू हमहीं पंचन काहीं चाही, उआ सब कुछ
दिहिन हीं। अउर हमहीं पंचन काहीं अपने ग्यान काहीं पामँइ के काबिल
बनाइन हीं, अउर ऊँ हमहीं पंचन काहीं अपने महिमा अउर प्रताप के
मुताबिक बोलाइन हीं। 4 जिनखे द्वारा ऊँ हमसे पंचन से खुब कीमती, अउर
खुब बड़े वादन काहीं किहिन हीं, जउने तूँ पंचे ईं वादन के द्वारा, संसार के
बुरी अभिलासन से होंइ बाली सड़ाहट से छूटिजा, अउर परमातिमा के
सुभाव कि नाईं तोंहरव सुभाव होइ जाय। 5 अउर इहय कारन तूँ पंचे
हरेकमेर से कोसिस कइके, अपने बिसुआस माहीं उत्तम गुनन काहीं, अउर
उत्तम गुनन माहीं ग्यान काहीं, 6 अउर ग्यान माहीं आत्मसंयम काहीं, अउर
आत्मसंयम माहीं धीरज काहीं, अउर धीरज माहीं परमातिमा के भक्ती
काहीं, 7 अउर भक्ती माहीं भाईचारा के दया, अउर भाईचारा के दया माहीं
प्रेम काहीं बढ़ाबत चला। 8 काहेकि अगर ईं सगली बातँय तोंहरे पंचन के
जीबन माहीं बनी रइहँय, अउर बढ़त जइहँय, त तोहईं पंचन काहीं, हमरे
पंचन के प्रभू यीसु मसीह काहीं पहिचानय माहीं निस्फल, अउर निकम्मा न
होंइ देइहँय। 9 एसे जउने मनई के जीबन माहीं ईं बातँय नहिं आहीं, त उआ
आत्मिक रूप से आँधर हय, अउर ओही धुँधुरुक देखात हय, काहेकि उआ
अपने पहिले के पापन से धोबरिके सुद्ध होंइ काहीं, बिसरि ग हय। 10 एसे हे
भाई-बहिनिव, इआ साबित करँइ के खातिर, अउर जादा कोसिस करा, कि
तोंहईं पंचन काहीं, बास्तव माहीं परमातिमा के द्वारा बोलाबा ग हय, अउर
चुना ग हय, काहेकि अगर तूँ पंचे ईं बातन काहीं करत रइहा, त न कबहूँ
ठोकरय खइहा, अउर न त कबहूँ बिसुआस से भटकबय करिहा। 11 बलकिन
इआमेर से तोंहार पंचन के, हमरे पंचन के प्रभू अउर मुक्ती देंइ बाले यीसु
मसीह के अनन्त राज माहीं, बड़े आदर के साथ स्वागत कीन जई।

मसीह के महिमा काहीं अपने आँखिन से देखँइ बाले गबाह

12 जबकि तूँ पंचे, ईं सगली बातन काहीं जनते हया, अउर जउने सत्य
काहीं तूँ पंचे पाय गया हय, ओमाहीं बने रहते हया, तऊ हम ईं बातन के सुध
तोंहईं पंचन काहीं देबाबत रहब। 13 अउर हम इआ बात काहीं अपने खातिर
उचित समझित हएन, कि जब तक हम इआ देंह रूपी डेरा माहीं हएन, तब
तक तोंहईं पंचन काहीं सुध देबाइके उत्साहित करत रही। 14 काहेकि हम
इआ जानित हएन, कि हमरे देंह रूपी डेरा के गिराए जाँइ के समय हरबिन
आमँइ बाला हय। जइसन कि हमार पंचन के प्रभू यीसु मसीह हमहीं स्पस्ट
रूप से बताइन हीं। 15 एसे हम इआ कोसिस करब, कि हमरे मरे के बादव,
तूँ पंचे ईं सगली बातन काहीं हमेसा सुध कइ सका।
16 काहेकि जब हम पंचे, तोंहईं अपने प्रभू यीसु मसीह के सामर्थ के, अउर
उनखे आमँइ के खबर बतायन तय, त उआ कहानी अपने हुसिआरी से
गढ़िके न होय बतायन तय, बलकिन जउन हम पंचे अपने आँखिन से उनखे
महिमा काहीं देखन तय, उहय बतायन हय। 17 काहेकि जब ऊँ पिता
परमातिमा से आदर अउर महिमा पाइन, अउर परमातिमा के उआ महिमा म
से इआ बोल सुनान, कि “ईं हमार पियार लड़िका आहीं, हम इनसे प्रसन्न
हएन।” 18 अउर जब हम पंचे उनखे साथ, पबित्र पहार माहीं रहेन हय,
तबहिनव हम खुदय स्वरग से इहय बानी आबत सुनेन तय। 19 अउर हमरे
पंचन के लघे, जउन परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन के बचन हय, उआ
इआ घटना से अउर मजबूत होइगा हय। अउर तूँ पंचे इआ निकहा करते
हया, जउन इआ समझिके ओखे ऊपर ध्यान करते हया, कि उआ एकठे

दिया आय, जउन अँधिआर जघा माहीं, तब तक उँजिआर करत रहत हय, जब तक भिनसार नहीं होइ जाय, अउर भिनसारे के तरइया तोंहरे पंचन के हिरदँय माहीं चमक न उठय। 20 पय पहिले इआ जानिल्या, कि पबित्र सास्त्र के कउनव भबिस्यबानी, कउनव परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन के निजी बिचार-धारन के मुताबिक नहीं होय। 21 काहेकि कउनव भबिस्यबानी मनई के मरजी से कबहूँ नहीं होय, बलकिन भक्त जन पबित्र आत्मा के द्वारा उभारे जाँय से परमातिमा के तरफ से बोलत रहे हँय।

लबरी सिच्छा देंइ बाले मनइन के बारे माहीं

2 जउन मेर से इजराइली लोगन के बीच माहीं, कुछ मनई रहे हँय, जउन कहत रहे हँय, कि हम पंचे परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले आहेन, पय बास्तव माहीं, ऊँ पंचे लबरी बोलँइ बाले रहे हँय। उहयमेर से तोंहरेव पंचन के बीच माहीं, लबरी सिच्छा देंइ बाले उपदेसक होइहँय, जउन नास करँइ बाली लबरी सिच्छा के सुरुआत, लुक छिपिके करिहँय, अउर ऊँ पंचे प्रभू काहीं अपनामँइ से इनकार करिहँय, जउन उनहीं मुक्ती दिहिन हीं। अउर खुद काहीं हरबिन बिनास होंइ के काबिल बनाय लेइहँय। 2 अउर खुब मनई उनहिन कि नाईं लुच्चई करत फिरिहँय, अउर इनहिन के कारन सत्य के गइल के बदनामी होई। 3 अउर ऊँ पंचे लालच के कारन, अपने बनावटी बातन से तोंहसे पंचन से धन कमँइ हँय, उनखे इआ काम के सजा परमातिमा के द्वारा पहिलेन से निस्चित कीन जाय चुकी हय। अउर उनखर बिनास तइआर हय, अउर उनखर इन्तजार कइ रहा हय।

4 काहेकि परमातिमा, पाप करँइ बाले स्वरगदूतन काहीं घलाय, जब माफ नहीं किहिन, बलकिन उनहीं नरक माहीं पठइके अँधिआरे कुन्डन माहीं डार दिहिन हीं, जउने परमातिमा के न्याय करँइ के दिन तक कइदी रहँय। 5 अउर ऊँ पुरान संसार काहीं घलाय नहीं बचाइन, बलकिन परमातिमा के बचन काहीं न मानँइ बाले संसार काहीं, पानी के महाप्रलय द्वारा नास कइ दिहिन, पय परमातिमा के सँदेस के प्रचार करँइ बाले नूह, अउर उनखे साथ सातठे अउर मनइन काहीं घलाय बचाय लिहिन। 6 अउर पाप से भरे सदोम अउर अमोरा सहरन काहीं, बिनास के अइसन सजा दिहिन, कि उनहीं भसम कइके राख माहीं मिलाय दिहिन, जउने आमँइ बाले समय माहीं, परमातिमा के बचन काहीं न मानँइ बाले, मनइन के सिच्छा के खातिर एकठे उदाहरन बनय। 7 अउर उनमा से परमातिमा के हुकुम काहीं मानिके चलँइ बाले लूत काहीं, जउन परमातिमा के हुकुमन काहीं न मानँइ बाले मनइन के असुद्ध चाल-चलन से, खुब दुखी रहत रहे हँय, उनहीं मुक्ती दिहिन। 8 (काहेकि ऊँ परमातिमा के हुकुम काहीं मानँइ बाले रहे हँय, अउर उनखे बीच माहीं रहत, अउर उनखे अधरम के कामन काहीं देख देखिके, अउर सुन सुनिके, ऊँ अधरम के कामन के कारन हरेक दिन अपने सच्चे मन काहीं दुखी करत रहे हँय।) 9 इआमेर से प्रभू, अपने भक्तन काहीं परिच्छा म से निकारब, अउर अपने हुकुम न मानँइ बालेन काहीं, अपने न्याय करँइ के दिन तक, सजा के दसा माहीं रक्खब घलाय जानत हें। 10 खास करके उनहीं जउन असुद्ध अभिलासन के पीछे, अउर अपने मन के बुरी इच्छन के मुताबिक चलत हें, अउर प्रभू के अधिकार काहीं तुच्छ जानत हें, ऊँ पंचे एतने घमन्डी हँय, कि महिमामय स्वरगदूतन के अपमान करँइ से घलाय नहीं डेराँय।

11 पय स्वरगदूत जउन सक्ती अउर सामर्थ माहीं उनसे बड़े हँय, तऊ प्रभू के आँगे उनहीं भला-बुरा कहिके, उनखे ऊपर दोस नहीं लगामँय। 12 पय ऊँ पंचे निरबुद्धी पसुअन कि नाईं हें, जउन पकड़े जाँइ अउर नास होंइ के खातिर पइदा भें हँय; अउर जउने बातन काहीं जनतय नहिं आहीं, उनहिन के बारे माहीं दुसरे मनइन काहीं भला-बुरा कहत हें, ऊँ पंचे अपने बुरे कामन के कारन खुदय नास होइ जइहँय। 13 दुसरे मनइन के बुरा करँइ के बदले माहीं, उनहीं सजा मिली; काहेकि उनहीं सगला दिन भोग-बिलास करब निकहा लागत हय; ऊँ पंचे कलंकित हें, अउर बुराई से भरे हँय। जब ऊँ पंचे तोंहरे साथ खात-पिअत हें, त ऊँ पंचे अपनी कइती से प्रेम-भोज कइके, अउर छल-कपट के बात कइके आनन्द लेत हें। 14 काहेकि उनखे आँखिन माहीं ब्यभिचार बसा हय, अउर ऊँ पंचे पाप किहे बिना रुकिन नहीं सकँय; ऊँ पंचे चंचल मन बालेन काहीं, लहाय-फुसलाय लेत हें; उनखे मनन काहीं लोभ करँइ के आदत होइगे ही, अउर ऊँ पंचे परमातिमा के तरफ से स्रापित हें। 15 ऊँ पंचे सीध गइल काहीं छोंड़िके भटकिगें हँय, अउर बओर के लड़िका बिलाम के बताए गइल माहीं चलँइ लागें हँय; जउन खुब समय पहिले अधरम के मजूरी काहीं पियार जानिस रहा हय। 16 पय ओखे अपराध के बारे माहीं उलाहना दीनगे, इहाँ तक कि न बोलँइ बाली गदही तक मनइन कि नाईं बोलिके, परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले काहीं, ओखे पागलपन से ओही रोंकिस। 17 ऊँ पंचे अँधिआर कुँआ कि नाईं बिना काम के हँय, अउर आँधी के उड़ाए बदरी कि नाईं हँय, उनखे खातिर अनन्तकाल के अँधिआर के सजा ठहराई गे ही। 18 अउर ऊँ पंचे बेकार के घमन्ड बाली बातँय कइके, अउर अपने लुचपन के कामन के द्वारा, उनहीं अपने मन के बुरी इच्छन माहीं फसाय लेत हें, जउन भटकेन म से अबहिनय बिसुआस माहीं लउटि रहे हँय। 19 ऊँ पंचे उनहीं अजाद करँइ के वादा त करत हें, पय खुदय मन के बुरी इच्छन के गुलामी माहीं फँसे हँय, काहेकि जउन मनई जेखे अधीन होइ जात हय, त उआ ओहिन के दास बन जात हय। 20 एसे कि जब ऊँ पंचे हमरे पंचन के प्रभू अउर मुक्ती देंइ बाले, यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस किहे के द्वारा संसार के अनेकव प्रकार के बुराइन से बच निकरें तय, अउर पुनि ओहिन माहीं फँसिके हार गे हँय, त उनखर दसा पहिले से अउर जादा खराब होइगे ही। 21 काहेकि परमातिमा के सच्चाई काहीं न जानब, उनखे खातिर एसे निकहा होत, कि ओही जानिके, उआ पबित्र हुकुम काहीं न मनते, जउन उनहीं दीनगे रही हय। एसे उनखे ऊपर इआ कहाबत ठीक बइठत ही, 22 कि "कूकुर अपने उलटी कइती, अउर नहबाई सुमरी काँदव माहीं लोटँय के खातिर पुनि चली जात ही।"

प्रभू के दुसराय आमँइ के दिन

3 हे पियार साथिव, अब हमार इआ दूसर चिट्ठी आय, जउन तोंहरे खातिर लिख रहेन हय, अउर अपने दोनव चिट्ठिन माहीं तोंहईं पंचन काहीं सुधि देबाइके, तोंहरे सुद्ध मन काहीं जगामँय के कोसिस किहेन हय। 2 जउने तूँ पंचे परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले पबित्र लोगन के द्वारा, पहिलेन से कही, ऊँ बातन काहीं सुधि करा, अउर हमही पंचन काहीं मुक्ती देंइ बाले प्रभू के हुकुमन काहीं, जउन तोंहरे बीच माहीं सेबा करँइ बाले, यीसु मसीह के खास चेलन के द्वारा तोंहईं बताबा ग रहा हय, उनहीं सुधि रक्खा। 3 अउर तूँ पंचे इहव जानिल्या, कि अन्त के दिनन माहीं, हँसी मजाक करँइ बाले अइहँय, जउन अपनेन मन के बुरी इच्छन के मुताबिक चलिहँय। 4 अउर कइहँय, कि प्रभू के दुसराय आमँइ के वादा कहाँ चला ग? काहेकि जब से सगले बाप-दादा इआ दुनिया से चलेगें, तब से अबे तक सब कुछ उहयमेर हय, जइसन इआ संसार के सुरुआत से रहा हय? 5 काहेकि ऊँ पंचे जान बूझिके इआमेर कहत हें, अउर इआ बिसरिगें हँय, कि परमातिमा के बचन के द्वारा अकास पुरान समय से लइके अबे तक बना हय, अउर धरती घलाय पानी से बनी हय, अउर पानिन माहीं स्थिर ही। 6 अउर इहय कारन से उआ जुग के संसार पानी के महाप्रलय से, पानी माहीं बूड़िके नास होइगा रहा हय। 7 पय इआ बर्तमान समय के अकास अउर धरती, परमातिमा के उहय बचन के द्वारा एहिन खातिर बचे हँय, कि ऊँ जराए जाँय; अउर इआ संसार परमातिमा के ऊपर बिसुआस न करँइ बाले, मनइन के न्याय अउर नास होंइ के दिन तक इहइमेर बचा रही।

8 हे पियार साथिव, तूँ पंचे इआ बात काहीं निकहा से जानिल्या, कि प्रभू के खातिर एक दिन, हजार बरिस के बराबर हय, अउर हजार बरिस, एक दिन के बराबर हय। 9 अउर इआ जानिल्या, कि प्रभू अपने वादा काहीं पूर करँइ के बारे माहीं, कबहूँ देरी नहीं करँय, जइसन देरी कुछ मनई समझत हें। पय परमातिमा तोंहरे बारे माहीं धीरज धरत हें, अउर ऊँ नहीं चाहँय, कि कउनव मनई नास होंय; बलकिन ऊँ इआ चाहत हें, कि सगले मनइन काहीं अपने पापन से पस्चाताप कइके, प्रभू के लघे आमँइ के मोका मिलय।

10 पय प्रभू के दुसराय आमँइ के दिन, चोर कि नाईं अचानक आय जई,
अउर उआ दिन भयंकर गरजन के साथ अकास हेराय जई, अउर अकास के
सगली चीजँय, आगी माहीं जरिके नास होइ जइहँय। अउर इआ धरती,
अउर एखे ऊपर के सगले काम जरि जइहँय। 11 त इआ बताबा, जब ईं
सगली चीजँय, इआमेर से पिघलँय बाली हईं, त तोंहईं पंचन काहीं पबित्र
चाल-चलन के साथ, परमातिमा के भक्ती करत, पबित्र जीबन जिअँइ चाही।
12 अउर तोंहईं पंचन काहीं परमातिमा के उआ दिन के इन्तजार करँइ चाही,
अउर प्रभू के काम करत, उआ दिन काहीं हरबी लइ आमँइ के खातिर
कोसिस करँइ चाही। काहेकि उआ दिन के अउतय अकास, आगी के लपटन
माहीं जरि जई, अउर अकास के तरइया ओखे आँच से पिघल जइहँय।
13 पय हम पंचे परमातिमा के वादा के मुताबिक, एकठे नबा अकास, अउर
नई धरती के पूर आसा लगाए हएन, जहाँ परमातिमा के सच्चे मनई निबास
करिहँय।

बिसुआस माहीं मजबूत बने रहा

14 एसे हे पियार साथिव, जब तूँ पंचे ईं सगली बातन के आस लगाए हया,
त इआ कोसिस करा, कि सान्ती के साथ प्रभू के आँगे निस्कलंक अउर
निरदोस ठहरा। 15 अउर हमरे पंचन के प्रभू के धीरज काहीं मुक्ती समझा,
इहइमेर हमार पंचन के पियार भाई पवलुस घलाय, परमातिमा के द्वारा
जउन ग्यान उनहीं मिला रहा हय, ओखे मुताबिक तोहईं पंचन काहीं लिखिन
हीं। 16 इहइमेर ऊँ अपने सगली चिट्ठिन माहीं, ईं बातन के चरचा किहिन हीं,
जउने माहीं कुछ अइसन बात हईं, जिनहीं समझ पाउब खुब कठिन हय,
अउर ऊँ बातन काहीं मूरुख अउर चंचल मनई, उनखे मतलबन काहीं घलाय
पबित्र सास्त्र के दुसरे बातन कि नाईं, गलत मतलब निकारिके, अपने नास
होंइ के कारन बनाबत हें। 17 एसे हे पियार साथिव, तूँ पंचे पहिलेन से ईं
सगली बातन काहीं जानिके चउकस रहा, जउने अधरमिन के बुराई माहीं
फँसिके, अपने बिसुआस के स्थिरता काहीं अपने हाँथ से गमाय न द्या।
18 बलकिन हमरे पंचन के प्रभू, अउर मुक्ती देंइ बाले यीसु मसीह के किरपा,
अउर पहिचान माहीं आँगे बढ़त जा। उनहिन के महिमा अबहिनव होय,
अउर जुगन-जुगन तक होत रहय। आमीन।

1 यूहन्ना

इआ चिट्ठी के परिचय

यूहन्ना के लिखी पहिल चिट्ठी के मुख्य दुइठे उद्देस्य हें: (1) अपने पढ़ँइ बालेन काहीं परमातिमा अउर उनखे लड़िका, यीसु मसीह, के सहभागिता माहीं जीबन जिअँइ के खातिर उत्साहित करब, अउर (2) लबरी सिच्छा के पालन करँय, जउने से सहभागिता नास होइ जात ही, एखे बिरोध माहीं चेतउनी देब। इआ झूँठ सिच्छा इआ सोच माहीं चलत रही ही, कि बुराई भवतिक संसार के सम्परक माहीं आमँइ के कारन होत ही, अउर एसे यीसु, परमातिमा के लड़िका, असलिअत माहीं एकठे मनई होइन नहीं सकँय। ईं सिच्छा देंइ बालेन के दाबा रहा हय, कि मुक्ती पामँइ के खातिर मनई काहीं, इआ संसार के जीबन से सम्बन्धित बातन से मुक्त होंइ परी; अउर ऊँ पंचे इहव सिखाबत रहे हँय, कि नयतिकता इआ कि अपने भाई से प्रेम रक्खँय जइसन बातन के मुक्ती से कउनव सम्बन्ध नहिं आय।
इआ सिच्छा के बिरोध माहीं लेखक साफ-साफ इआ बताबत हें, कि यीसु मसीह बास्तव माहीं एकठे मनई रहे हँय, अउर ऊँ इआ बात माहीं जोर देत हें, कि ऊँ पंचे जउन यीसु मसीह माहीं बिसुआस करत हें, अउर परमातिमा से प्रेम रक्खत हें, ऊँ पंचे जरूर आपस माहीं घलाय एक दुसरे से प्रेम रक्खँय।

रूप-रेखा :

भूमिका
जोति अउर अँधिआर
परमातिमा के सन्तान अउर सइतान के सन्तान
सत्य अउर झूँठ
प्रेम के करतब्य
बिजई बिसुआस

मनइन काहीं जीबन देंइ बाला बचन

1 इआ चिट्ठी माहीं हम, जीबन देंइ बाले उआ बचन के बारे माहीं
लिखित हएन, जउन इआ संसार के बनामँइ से पहिलेव रहा हय,
जउने काहीं हम पंचे सुनेन हय, अउर जिनहीं हम पंचे अपने आँखिन से
देखेन हय, बलकिन जिनहीं हम पंचे बड़े ध्यान से देखेन, अउर हाँथन से
छुएन हय। 2 ऊँ अनन्त जीबन देंइ बाले आहीं, उनहीं परमातिमा सगले
मनइन के खातिर प्रगट किहिन हीं। हम पंचे उनहीं देखेन हय, अउर उनखे
बारे माहीं जउन खुसी के खबर ही, ओही हम पंचे तोंहईं बताइत हएन, कि
ऊँ तोंहऊँ काहीं अनन्त जीबन देंइ बाले आहीं, ऊँ पिता परमातिमा के साथ
माहीं रहे हँय, अउर पिता परमातिमा उनहीं हमरे ऊपर प्रगट किहिन हीं।
3 जउन कुछू हम पंचे उनखे बारे माहीं देखेन, अउर सुनेन हय, ओहिन के
खबर तोंहईं पंचन काहीं देइत हएन, कि जउने तुहूँ पंचे हमरे पंचन के साथ
सहभागी होइजा; अउर हमार पंचन के इआ सहभागिता, पिता परमातिमा
के साथ। अउर उनखे लड़िका यीसु मसीह के साथ ही। 4 अउर ईं बातँय हम
पंचे एसे लिखेन हय, कि हमार पंचन के आनन्द पूर होइ जाय।

उँजिआरे माहीं चलब

5 जउन खुसी के खबर हम पंचे उनसे सुनेन हय, उहय तोंहईं सुनाइत
हएन, उआ इआ आय, कि परमातिमा जोति आहीं; अउर उनमा एक्कव
अँधिआर नहिं आय। 6 अगर हम पंचे कही, कि हमार उनखे साथ
सहभागिता ही, अउर पुनि पाप के अँधिआर माहीं जीबन जिअत रही, त हम
पंचे झूँठ बोलित हएन, अउर सत्य के मुताबिक जीबन नहीं जी। 7 पय
जइसन ऊँ उँजिआर माहीं चलत हें, उहयमेर अगर हमहूँ पंचे उँजिआर माहीं
चली, त एक दुसरे के साथ हमार पंचन के सहभागिता ही; अउर परमातिमा
के लड़िका यीसु के खून, हमहीं पंचन काहीं सगले पापन से सुद्ध करत हय।
8 अगर हम पंचे इआ कही, कि हमरे जीबन माहीं कउनव पाप नहिं आय, त
खुद काहीं धोखा देइत हएन, अउर हमरे पंचन के जीबन माहीं सत्य नहिं
आय। 9 पय अगर हम पंचे अपने पापन काहीं सोइकार कइ लेई, त
परमातिमा हमरे पापन काहीं माफ करँय, अउर सगले अधरमन से सुद्ध
करँइ माहीं, बिसुआस के काबिल अउर धरमी हें। 10 अगर कही, कि हम पंचे
कउनव पाप नहीं किहेन आय, त हम पंचे परमातिमा काहीं झूँठ ठहराइत
हएन, अउर उनखर बचन हमरे पंचन के जीबन माहीं नहिं आय।

यीसु हमार पंचन के सहायता करँइ बाले आहीं

2 हे हमार पियार लड़िकव, हम ईं बातन काहीं एसे लिखित हएन, कि
तूँ पंचे पाप न करा, अउर अगर कोऊ पाप करत हय, त पिता
परमातिमा के आँगे हमरे पंचन के पापन के दन्ड से रक्छा करँइ बाले एक
जने बिचबई हें, अउर ऊँ धरमी यीसु मसीह आहीं। 2 ऊँ केबल हमरे पंचन के
पापन के माफी के खातिर भर नहीं, बलकिन सगले संसार के पापन के
माफी के खातिर घलाय बलिदान भें। 3 अगर हम पंचे उनखे हुकुमन काहीं
मानब, त ओसे हम पंचे जान लेब, कि हम पंचे उनहीं जान लिहेन हय। 4 जे
कोऊ इआ कहत हय, कि हम उनहीं जान गएन हय, अउर उनखे हुकुमन
काहीं नहीं मानय, त उआ लबरा हय; अउर ओखे जीबन माहीं सत्य नहिं
आय। 5 पय जे कोऊ उनखे बचन के मुताबिक चलत हय, त ओखे जीबन
माहीं सचमुच परमातिमा के प्रेम पूरी तरह से बना हय, एहिन से मालुम होत
हय, कि हम पंचे उनखे बचन माहीं बने हएन। 6 जे कोऊ इआ कहत हय,
कि हम परमातिमा के बचन माहीं बने हएन, ओही यीसु कि नाईं जीबन
जिअँइ चाही।

नबा हुकुम

7 हे पियार साथिव, हम तोंहईं कउनव नबा हुकुम नहीं लिखी, बलकिन
उहय पुरान हुकुम जउन सुरुआतय से तोंहईं मिला हय; इआ पुरान हुकुम
उआ खुसी के खबर आय, जउने काहीं तूँ पंचे सुने हया। 8 पुनि हम तोंहईं
नबा हुकुम लिखित हएन; इआ आसा से कि सत्य, मसीह के अउर तोंहरे
जीबन माहीं उजागर भ हय, काहेकि अँधिआर खतम होइ रहा हय, अउर
सत्य के जोति चमकँइ लाग ही। 9 जे कोऊ इआ कहत हय, कि हम जोति
माहीं हएन; अउर अपने भाई से दुसमनी रक्खत हय, त उआ अबहिनव
अँधिआर माहीं हय। 10 जे कोऊ अपने भाई से प्रेम रक्खत हय, उआ जोति
माहीं बना रहत हय, अउर कउनव अइसा कारन नहिं आय कि ओही ठोकर
लागय। 11 पय जे कोऊ अपने भाई से दुसमनी रक्खत हय, उआ अँधिआर
माही हय, अउर अँधिआर माहीं चलत हय; अउर नहीं जानय, कि कहाँ जात
हय, काहेकि अँधिआर ओखर आँखी बन्द कइ दिहिस ही।
12 हे पियार लड़िकव, हम तोंहईं एसे लिखित हएन, कि यीसु मसीह के
कारन तोंहार पंचन के पाप माफ कीन गें हँय। 13 हे हमरे बाप कि नाईं
मनइव, हम तोंहईं एसे लिखित हएन, कि जउन संसार के सुरुआत से हँय, तूँ
पंचे उनहीं जनते हया, हे जमानव, हम तोहईं एसे लिखित हएन, कि तूँ पंचे
उआ दुस्ट के ऊपर जीत पाय गया हय; हे पियार लड़िकव हम तोहईं एसे
लिखित हएन, कि तूँ पंचे पिता परमातिमा काहीं जान गया हय। 14 हे
पितरव, हम तोंहईं एसे लिखेन हय, कि जउन संसार के सुरुआतय से हय, तूँ
पंचे ओही जान गया हय; हे नवजमानव, हम तोंहईं एसे लिखेन हय, कि
बलमान होइजा, अउर परमातिमा के बचन तोंहरे जीबन माहीं बना रहय,
अउर तूँ पंचे उआ दुस्ट के ऊपर जीत पाय गया हय।

संसार से प्रेम न करा

15 तूँ पंचे न त संसार से, अउर न संसार के चीजन से प्रेम रक्खा; अगर
कोऊ संसार से प्रेम रक्खत हय, त ओखे जीबन माहीं पिता परमातिमा के
प्रेम नहिं आय। 16 काहेकि जउन कुछू संसार माहीं हय, मतलब देंह के
अभिलासा, अउर आँखिन के अभिलासा, अउर अपने कमाई के घमन्ड,
उआ पिता परमातिमा कइती से नहीं, बलकिन संसार के तरफ से हय।
17 अउर इआ संसार, अउर संसार के सगली अभिलासा, दोनव मिट जात हें,
पय जउन मनई परमातिमा के इच्छा के मुताबिक चलत हय, उआ हमेसा
बना रहत हय।

मसीह के बिरोधी

18 हे पियार लड़िकव, इआ अन्तिम समय हय, अउर जउनमेर तूँ पंचे सुने
हया, कि मसीह के बिरोधी आमँइ बाला हय, ओखे मुताबिक अबहिनव खुब
मसीह के बिरोधी तइआर होइगे हँय; एसे हम पंचे जानित हएन, कि इआ
अन्तिम समय हय। 19 मसीह के बिरोधी हमरे पंचन के बीचय म से निकरे
हँय, पय सही माहीं ऊँ हमार पंचन के साथी न होंहीं; काहेकि अगर ऊँ पंचे
हमरे पंचन म से होतें, त ऊँ पंचे हमरे साथय माहीं रहतें, पय ऊँ हमहीं पंचन
काहीं छोंड़िके एसे चलेगें हें, कि ऊँ पंचे इआ देखाय सकँय, कि उन म से
कोऊ सही माहीं हमार पंचन के कोऊ न होंहीं। 20 पय तोंहार पंचन के त ऊँ
परम पबित्र परमातिमा, आत्मा के व्दारा अभिसेक किहिन हीं। एसे तूँ पंचे
सगले जन सत्य काहीं जनते हया। 21 हम तोंहईं एसे नहीं लिखेन, कि तूँ पंचे
सत्य काहीं नहीं जनते आह्या? बलकिन तूँ पंचे त ओही जनते हया, अउर
एसे कि सत्य से कउनव झूँठ नहीं निकरय। 22 पय जे इआ कहत हय, कि
यीसु, मसीह न होंहीं, उआ लबरा हय, अइसन मनई मसीह के बिरोधी होत
हय, उआ पिता परमातिमा अउर लड़िका यीसु मसीह दोनव काहीं सोइकार
नहीं करय। 23 जे कोऊ लड़िका यीसु काहीं सोइकार नहीं करय, ओखे लघे
पिता परमातिमव नहिं आहीं; पय जे कोऊ लड़िका यीसु काहीं अपनाय लेत
हय, ओखे लघे पिता परमातिमा घलाय हें। 24 जउन कुछू तूँ पंचे सुरुआत से
सुने हया, उहय तोंहरे जीबन माहीं बना रहय, जउन तूँ पंचे सुरुआत से सुने
हया, अगर उआ तोंहरे जीबन माहीं बना रहय, त तुहूँ पंचे लड़िका यीसु
माहीं, अउर पिता परमातिमा दोनव माहीं स्थिर बने रइहा। 25 अउर
परमातिमा हमहीं पंचन काहीं अनन्त जीबन देंइ के बचन दिहिन हीं।
26 हम ईं बातन काहीं तोंहईं उनखे बारे माहीं लिखेन हय, जउन तोंहईं
पंचन काहीं भरमाय देत हें। 27 अउर तोंहार पंचन के उआ अभिसेक, जउन
परमातिमा के तरफ से कीन ग हय, तोंहरे जीबन माहीं बना रहत हय; अउर
तोंहईं एखर जरूरत नहीं आय, कि तोंहईं कोऊ सिखाबय, बलकिन तोंहईं,
त उआ आत्मा, जेसे पबित्र पिता तोंहार अभिसेक किहिन हीं, तोंहईं सगली
बात सिखाबत हय। उहय सच्चा हय, झूँठ नहिं आय, आत्मा जइसन तोंहईं
सिखाबत हय, उहयमेर तूँ पंचे मसीह माहीं बने रहा।

परमातिमा के सन्तान

28 एसे हे पियार लड़िकव, मसीह माहीं बने रहा; कि जब ऊँ प्रगट होंय, त
हमहीं पंचन काहीं साहस होय, अउर जब यीसु मसीह दुसराय आमँय, त
उनखे आँगे हमहीं पंचन काहीं सरमिन्दा न होंय परय। 29 अगर तूँ पंचे जनते
हया, कि ऊँ धरमी हें, त इहव जनते हया, कि जे कोऊ धरम के काम करत
हय, उआ परमातिमा के सन्तान आय।
3 देखा, पिता परमातिमा हमसे पंचन से केतना प्रेम किहिन हीं, कि हम
पंचे परमातिमा के सन्तान कहाई, अउर हम पंचे हइअव आहेन; इआ
कारन से संसार के मनई, हमहीं पंचन काहीं नहीं जानँय, काहेकि ऊँ पंचे
पिता परमातिमव काहीं नहीं जाने पाइन। 2 हे पियार साथिव, हम पंचे
परमातिमा के सन्तान आहेन, अउर अबे तक इआ प्रगट नहीं भ, कि हम पंचे
का कुछ होब! पय एतना जानित हएन, कि जब यीसु मसीह दुसराय
अइहँय, त हमहूँ पंचे उनहिन कि नाईं होइ जाब, काहेकि उनहीं ओहिन मेर
देखब, जइसन ऊँ हें। 3 अउर जे कोऊ उनखे ऊपर इआ आसा रक्खत हय,
उआ अपने काहीं उहयमेर पबित्र रक्खत हय, जइसन मसीह पबित्र हें।
4 जे कोऊ पाप करत हय, उआ परमातिमा के नेम काहीं टोरत हय,
काहेकि नेम काहीं टोरबय पाप आय। 5 अउर तूँ पंचे त जनतय हया, कि
यीसु मसीह हमरे पंचन के पापन काहीं हरँय के खातिर प्रगट भें, अउर इहव,
कि उनखे जीबन माहीं कउनव पाप नहिं आय। 6 जे कोऊ मसीह माहीं बना
रहत हय, उआ पाप नहीं करत रहय, जे कोऊ पाप करत रहत हय, उआ न
त उनखर दरसन किहिस आय, अउर न उनहीं कबहूँ जनबय भ आय। 7 हे
पियार लड़िकव, कोहू के भरमाए माहीं न अया; उआ जउन धरम के साथ
आचरन करत रहत हय, उहय परमातिमा के नजर माहीं निरदोस हय, ठीक
उहयमेर जइसन मसीह हें। 8 जे कोऊ पाप करत रहत हय, उआ सइतान के
सन्तान आय, काहेकि सइतान सुरुआतय से पाप करत चला आबा हय,
एहिन से परमातिमा के लड़िका प्रगट भे हँय, कि सइतान के कामन काहीं
नास कइ देंय। 9 जे कोऊ परमातिमा के सन्तान बनिगा हय, उआ पाप नहीं
करत रहय, काहेकि परमातिमा के बीज ओखे जीबन माहीं बना रहत हय,
अउर उआ पाप नहीं करत रहय, काहेकि उआ परमातिमा के सन्तान बन
चुका हय। 10 परमातिमा के सन्तान को आय? अउर सइतान के सन्तान को
आय? तूँ पंचे इआमेर से उनहीं जान सकते हया, हरेक उआ मनई जउन
परमातिमा के नजर माहीं निकहा काम नहीं करय, अउर अपने भाई से प्रेम
नहीं करय, उआ परमातिमा के सन्तान न होय।

एक दुसरे से प्रेम करा

11 काहेकि जउन उपदेस तूँ पंचे सुरुआत से सुने हया, उआ इआ आय, कि
हम पंचे एक दुसरे से प्रेम रखी। 12 अउर हमहीं पंचन काहीं कैन कि नाईं न
बनय क चाही, जउन दुस्टात्मा के काबू माहीं रहा हय, अउर अपने भाई के
कतल किहिस रहा हय, उआ अपने भाई काहीं एसे मारि डारिस तय, कि
ओखर काम बुरे रहे हँय। अउर ओखे भाई के काम धारमिकता के रहे हँय।

13 हे भाई-बहिनिव, अगर संसार के मनई तोंहसे इरखा करत हें, त
अचम्भा न किहा। 14 हम पंचे जानित हएन, कि मउत के बन्धन से पार
होइके अनन्त जीबन पाएन हय; काहेकि हम पंचे अपने भाई-बहिनिन से
प्रेम रक्खित हएन, जे कोऊ प्रेम नहीं रक्खय, उआ मउत के दसा माहीं रहत
हय। 15 जे कोऊ अपने भाई-बहिनी से इरखा करत हय, उआ कतली हय,
अउर तूँ पंचे जनतेन हया, कि कउनव कतली माहीं अनन्त जीबन नहीं रहय।
16 यीसु मसीह हमरे पंचन के खातिर आपन प्रान दइ दिहिन हीं, एहिन से हम
पंचे जानित हएन, कि प्रेम का आय? हमहीं पंचन काहीं घलाय अपने भाई-
बहिनिन के खातिर, आपन प्रान नेउछाबर कइ देंइ चाही। 17 पय जेखे लघे
संसार के सम्पत होय, अउर अपने भाई-बहिनी काहीं कंगाल देखिके, ओखे
ऊपर तरस खाइके ओखर मदत न करय, त ओखे जीबन म परमातिमा के
प्रेम हय, इआ कइसा कहा जाय सकत हय? 18 हे पियार लड़िकव, हमार
पंचन के प्रेम बातन भर माहीं नहीं, बलकिन कामन के साथ अउर सच्चा होंइ
चाही।

परमातिमा के आँगे साहस

19 एहिन से हम पंचे जानब, कि हम पंचे सत्य के आहेन; अउर जउने बात
माहीं हमार पंचन के मन हमहीं दोस देई, ओहिन के बारे माहीं हम पंचे
परमातिमा के आँगे, अपने-अपने मन काहीं ढाढ़स दइ सकब। 20 काहेकि
परमातिमा हमरे पंचन के मन से बड़े हँय; अउर सब कुछ जानत हें। 21 हे
पियार साथिव, अगर हमार मन हमहीं दोसी न ठहराबय, त हमहीं पंचन
काहीं परमातिमा के आँगे साहस मिली। 22 अउर जउन कुछू हम पंचे मागित
हएन, उआ परमातिमा से मिल जात हय; काहेकि हम पंचे परमातिमा के
हुकुमन काहीं मानित हएन; अउर जउन उनहीं निकहा लागत हय, उहय
करित हएन। 23 अउर उनखर हुकुम इआ हय, कि हम पंचे उनखे लड़िका
यीसु मसीह के नाम के ऊपर बिसुआस करी, अउर जइसन ऊँ हमहीं पंचन
काहीं हुकुम दिहिन हीं, ओहिन के मुताबिक आपस माहीं प्रेम रखी। 24 अउर
जउन उनखे हुकुमन काहीं मानत हय, उआ परमातिमा माहीं, अउर
परमातिमा ओखे जीबन माहीं बने रहत हें। अउर एहिन से, अरथात पबित्र
आत्मा से जउने काहीं ऊँ हमही पंचन काहीं दिहिन हीं, हम पंचे जानित
हएन, कि परमातिमा हमरे जीबन माहीं बने रहत हें।

आत्मन काहीं जाँचा-परखा

4 हे पियार साथिव, हरेक आत्मा के बिसुआस न माना, बलकिन हमेसा
उनहीं जाँच परखिके देखा, कि का ऊँ परमातिमा के तरफ से आहीं
कि नहीं? इआ बात हम तोंहसे एसे कहि रहेन हय, काहेकि झूँठ बोलँइ बाले
खुब नबी संसार माहीं तइआर होइगे हँय। 2 परमातिमा के आत्मा काहीं तूँ
पंचे इआमेर से पहिचान सकते हया, हरेक उआ आत्मा, जउन इआ मानत
ही, कि “यीसु मसीह मनई के रूप माहीं धरती माहीं आए हँय।” उआ
परमातिमा के तरफ से हय। 3 अउर जउन आत्मा यीसु काहीं नहीं मानय,
उआ परमातिमा के तरफ से न होय; अउर उहय त मसीह के बिरोधी के
आत्मा आय; जेखर चरचा तूँ पंचे सुन चुके हया, कि उआ आमँइ बाला हय,
अउर उआ अबहिनव संसार माहीं हय। 4 हे पियार लड़िकव, तूँ पंचे
परमातिमा के आह्या, अउर तूँ पंचे ओखे ऊपर बिजय पाए हया; काहेकि ऊँ
परमातिमा जउन तोंहरे जीबन माहीं बसे हँय, ऊँ संसार माहीं रहँइ बाले
सइतान से बड़े हँय। 5 ऊँ मसीह के बिरोधी मनई संसारिक जीबन जिअत हें,
इआ कारन से ऊँ पंचे संसारिक बात बोलत हें, अउर संसार के मनई उनखर
बात सुनत हें। 6 हम पंचे परमातिमा के आहेन, जउन मनई परमातिमा काहीं
जानत हय, उआ हमार पंचन के बात सुनत हय; जउन मनई परमातिमा
काहीं नहीं जानय, उआ हमार पंचन के बात नहीं सुनय; इआ मेर से हम पंचे
सत्य के आत्मा, अउर भटकामँइ बाली आत्मा, काहीं पहिचान सकित हएन।

परमातिमा प्रेम आहीं

7 हे पियार साथिव, हम पंचे आपस माहीं एक दुसरे से प्रेम करी; काहेकि
प्रेम परमातिमा से मिलत हय, अउर जउन मनई प्रेम करत हय, उआ
परमातिमा के सन्तान बनिगा हय, अउर उआ परमातिमा काहीं जानत हय।
8 अउर जउन मनई प्रेम नहीं करय, उआ परमातिमा काहीं नहीं जानय,
काहेकि परमातिमा प्रेम आहीं। 9 जउन प्रेम परमातिमा हमसे पंचन से करत
हें, इआमेर से देखाइन हीं, कि ऊँ अपने एकलउता लड़िका काहीं इआ
संसार माहीं पठइन हीं, कि जउने हम पंचे उनखे द्वारा अनन्त जीबन पाई।
10 प्रेम एमाहीं नहीं आय, कि हम पंचे परमातिमा से प्रेम किहेन हय; बलकिन
एमाहीं हय, कि परमातिमा हमसे पंचन से प्रेम किहिन हीं; अउर हमरे पापन
के माफी के खातिर, अपने लड़िका काहीं पठइन हीं। 11 हे पियार साथिव,
जब परमातिमा हमरे पंचन के ऊपर एतना प्रेम देखाइन हीं, त हमहूँ पंचन
काहीं आपस माहीं एक दुसरे से प्रेम करँय चाही। 12 परमातिमा काहीं कबहूँ
कोहू नहीं देखिस, अगर हम पंचे आपस माहीं प्रेम करित हएन, त
परमातिमा हमरे पंचन के जीबन माहीं बास करत हें; अउर उनखर प्रेम हमरे
जीबन माही सिद्ध होइगा हय।
13 इआमेर से हम पंचे जान सकित हएन, कि हम पंचे परमातिमा माहीं
बने रहित हएन, अउर परमातिमा हमरे भीतर निबास करत हें; काहेकि ऊँ
अपने आत्मा काहीं हमहीं पंचन काहीं दिहिन हीं। 14 अउर हम पंचे देखिव
लिहेन हय, अउर गबाही देइत हएन, कि परमातिमा अपने लड़िका काहीं,
संसार के मनइन काहीं मुक्ती देंइ के खातिर पठइन हीं। 15 जे कोऊ इआ
मान लेत हय, कि यीसु परमातिमा के लड़िका आहीं, परमातिमा ओखे
जीबन माहीं बास करत हें, अउर उआ परमातिमा माहीं बना रहत हय।
16 अउर जउन प्रेम परमातिमा हमसे पंचन से किहिन हीं, ओही हम पंचे जान
गएन हय, अउर हमहीं पंचन काहीं बिसुआस हय, कि परमातिमा प्रेम आहीं।
जउन मनई प्रेम माहीं बना रहत हय, उआ परमातिमा माहीं बना रहत हय;
अउर परमातिमा ओखे जीबन माहीं बने रहत हें। 17 हमरे पंचन के बारे माहीं
प्रेम इहय रूप माहीं सिद्ध भ हय, जउने न्याय के दिन हमार पंचन के
बिसुआस बना रहय, हमार पंचन के बिसुआस एसे बना हय, कि हम पंचे
जउन जीबन संसार माहीं जीत हएन, उआ मसीह के जीबन कि नाईं हय।
18 अउर प्रेम माहीं कउनव डेर नहीं होय, बलकिन सिद्ध प्रेम डेर काहीं भगाय
देत हय, काहेकि डेर के सम्बन्ध दन्ड से होत हय, अउर जे कोऊ डेरात हय,
ओखर प्रेम सिद्ध नहीं भ। 19 हम पंचे एसे प्रेम करित हएन, काहेकि पहिले
परमातिमा हमसे पंचन से प्रेम किहिन हीं। 20 अगर कोऊ कहय, हम
परमातिमा से प्रेम करित हएन; अउर अपने भाई-बहिनी से इरखा रक्खय; त
उआ लबरा हय, काहेकि जउन मनई अपने भाई-बहिनी से, जउने काहीं
उआ देखत हय, प्रेम नहीं करय, त परमातिमा से जिनहीं उआ देखबय नहीं
भ, प्रेम नहीं कइ सकय। 21 मसीह से हमहीं पंचन काहीं इआ हुकुम मिला
हय, कि जे कोऊ अपने परमातिमा से प्रेम करत हय, ओही अपने भाइव से
प्रेम करँय चाही।

परमातिमा के सन्तान संसार के ऊपर जीत पाबत हय

5 जे कोऊ इआ बिसुआस करत हय, कि यीसुअय मसीह आहीं, त
उआ परमातिमा के सन्तान बन जात हय, अउर जे कोऊ पिता
परमातिमा से प्रेम करत हय, त उआ उनखे सन्तानन से घलाय प्रेम करत
हय। 2 इआमेर से जब हम पंचे परमातिमा से प्रेम करित हएन, अउर उनखे
हुकुमन के पालन करित हएन, त एहिन से हम पंचे जान लेइत हएन, कि हम
पंचे परमातिमा के सन्तानन से प्रेम करित हएन। 3 उनखे हुकुमन काहीं
पालन कइके, हम पंचे इआ देखाइत हएन, कि हम पंचे परमातिमा से प्रेम
करित हएन, अउर उनखे हुकुमन के पालन करब जादा कठिन नहिं आय।
4 काहेकि जे कोऊ परमातिमा के सन्तान बन जात हय, उआ संसार के ऊपर
जीत पाय लेत हय, अउर संसार के ऊपर जउने से हमहीं पंचन काहीं जीत

मिलत ही, उआ आय हमार पंचन के बिसुआस। 5 जे कोऊ इआ बिसुआस
करत हय, कि यीसु परमातिमा के लड़िका आहीं, उहय संसार के ऊपर जीत
पाबत हय।

यीसु मसीह के बारे माहीं गबाही

6 ऊँ यीसु मसीह आहीं जउन हमरे पंचन के लघे पानी अउर खून के व्दारा
आए हँय, मतलब यीसु मसीह न केबल पानी के व्दारा, बलकिन पानी अउर
खून दोनव के व्दारा आए रहे हँय। 7 अउर एखर गबाही देंइ बाला पबित्र
आत्मा हय, काहेकि पबित्र आत्मा सत्य हय। 8 अउर गबाही देंइ बाले तीनठे
हें; पबित्र आत्मा, अउर पानी, अउर खून; अउर तीनव एकय बात माहीं
सहमत हें। 9 जब हम पंचे मनइन के दीन गबाही काहीं मान लेइत हएन, त
परमातिमा के गबाही, त उनसे बढ़िके ही, अउर परमातिमा के गबाही इआ
ही, कि ऊँ अपने लड़िका के बारे माहीं गबाही दिहिन हीं। 10 जे कोऊ
परमातिमा के लड़िका के ऊपर बिसुआस करत हय, उआ अपने भीतर
उनखर गबाही रक्खत हय; जे कोऊ परमातिमा के कही बात के बिसुआस
नहीं करय, उआ परमातिमा काहीं झूँठ ठहराबत हय; काहेकि उआ उनखे
दीन गबाही के बिसुआस नहीं किहिस, जउन गबाही परमातिमा अपने
लड़िका के बारे माहीं दिहिन हीं। 11 अउर उआ गबाही इआ आय, कि
परमातिमा हमहीं पंचन काहीं अनन्त जीबन दिहिन हीं, अउर इआ जीबन
उनखे लड़िका माहीं हय। 12 जेखे लघे लड़िका हय, ओखे लघे अनन्त जीबन
हय; अउर जेखे लघे परमातिमा के लड़िका नहिं आय, ओखे लघे अनन्त
जिबनव नहिं आय।

अनन्त जीबन

13 हम तोंहईं पंचन काहीं, जउन परमातिमा के लड़िका के नाम माहीं
बिसुआस करते हया, एसे लिखेन हय; कि तूँ पंचे जाना, कि अनन्त जीबन
तोंहार आय। 14 अउर हमहीं पंचन काहीं परमातिमा के आँगे जउन साहस
होत हय, उआ इआ आय; कि अगर हम पंचे उनखे इच्छा के मुताबिक कुछू
मागित हएन, त ऊँ हमरे बिनती काहीं सुनत हें। 15 अउर जब हम पंचे इआ
जानित हएन, कि जउन कुछू हम पंचे मागित हएन, ऊँ हमार पंचन के सुनत
हें, त इहव जानित हएन, कि जउन कुछू हम पंचे उनसे माँगन हय, उआ
पाएन हय।

16 अगर कोऊ अपने भाई-बहिनिन काहीं अइसन पाप करत देखय, जेखर
परिनाम परमातिमा से अलगाव न होय, त उआ अपने भाई-बहिनिन के
खातिर प्राथना करय, त परमातिमा उनहीं अनन्त जीबन देइहँय। हम उनखे
जीबन के बारे माहीं बात करित हएन, जे कोऊ अइसन पाप माहीं लगे हँय,
जउन उनहीं परमातिमा के संगति से अलग नहीं करय। पय कुछ पाप
अइसव होत हें, जेखर परिनाम परमातिमा से अलगाव होत हय; हम अइसन
पापन के खातिर प्राथना करँइ काहीं नहीं कही। 17 हरेकमेर के अधरम त
पाप हय, पय कुछ पाप अइसव होत हें, जेखर परिनाम परमातिमा से
अलगाव नहीं होय।

18 हम पंचे जानित हएन, कि जे कोऊ परमातिमा के सन्तान बन जात
हय, उआ पाप नहीं करत रहय; पय परमातिमा के लड़िका, ओही बचाइके
रक्खत हें, अउर उआ दुस्ट ओही छुए नहीं पाबय।

19 हम पंचे जानित हएन, कि हम पंचे परमातिमा के सन्तान आहेन, अउर
सगला संसार दुस्ट सइतान के काबू माहीं हय।

20 अउर हम पंचे इहव जानित हएन, कि परमातिमा के लड़िका आय चुके
हँय, अउर ऊँ हमहीं पंचन काहीं समझ दिहिन हीं, कि हम पंचे ऊँ सच्चे
परमातिमा काहीं पहिचानी, अउर हम पंचे जउन उनमा सत्य हय, मतलब
उनखे लड़िका यीसु मसीह माहीं बने रहित हएन; सच्चे परमातिमा, अउर
अनन्त जीबन ईंन आहीं। 21 हे पियार लड़िकव, अपने-आप काहीं मूरतिन से
बचाए रक्खा।

2 यूहन्ना

इआ चिट्ठी के परिचय

यूहन्ना के लिखी इआ दूसर चिट्ठी, मसीही मन्डली के लोगन के खातिर लिखी गे रही हय, संछेप माहीं इआ चिट्ठी के सँदेस हय, एक दुसरे से प्रेम रक्खँइ के निबेदन, अउर लबरी सँदेस बतामँइ बालेन से अउर उनखे बताई सिच्छन के बिरोध माहीं चेतउनी।

रूप-रेखा :

भूमिका
प्रेम के प्रमुखता
धरम के झूँठ सिद्धान्तन के बिरोध माहीं चेतउनी
उपसंहार

यूहन्ना के अभिबादन

1 हम मसीही मन्डली के अँगुआ आहेन, हमरे तरफ से परमातिमा के
व्दारा चुनी उआ बहिनी, अउर ओखे लड़िका बिटिअन के नाम,
जिनसे हम सच्चा प्रेम रक्खित हएन, अउर केबल हमहिन भर नहीं, बलकिन
ऊँ सगले जने तोंहसे प्रेम रक्खत हें, जउन सत्य काहीं जानत हें; 2 उआ सत्य
जउन हमरे पंचन के जीबन माहीं स्थिर रहत हय, अउर सब दिन हमरे पंचन
के साथ बना रही; 3 पिता परमातिमा, अउर उनखे लड़िका यीसु मसीह के
तरफ से किरपा, दया, अउर सान्ति, सत्य अउर प्रेम समेत हमरे पंचन के
साथ रहय।

सत्य अउर प्रेम

4 हम खुब खुसी भएन, कि हम तोंहरे कुछ लड़िका बिटिअन काहीं उआ
हुकुम के मुताबिक, जउन हमहीं पंचन काहीं पिता परमातिमा के तरफ से
मिला रहा हय, सत्य माहीं चलत पाएन हय। 5 अब हे बहिनी, हम तोंहईं
कउनव नबा हुकुम नहीं, बलकिन उहय जउन सुरुआतय से हमरे पंचन के
लघे हय, लिखित हएन; अउर तोंहसे बिनती करित हएन, कि हम पंचे एक
दुसरे से प्रेम रक्खी। 6 अउर प्रेम इआ आय, कि हम पंचे उनखे हुकुमन के
मुताबिक चली, इआ उहय हुकुम आय, जउन तूँ पंचे सुरुआत से सुने हया,
अउर तोंहईं पंचन काहीं प्रेम सहित जीबन जिअँइ चाही। 7 काहेकि बहुत से
गुमराह करँइ बाले संसार माहीं तइआर होइगे हँय, जउन इआ नहीं मानँय,
कि यीसु मसीह मनई के अउतार लइके आए हँय, उआ गुमराह करँय बाला,
अउर मसीह के बिरोधी इहय आय। 8 अपने बारे माहीं चउकस रहा; कि
जउन मेहनत हम पंचे किहेन हय, ओही तूँ पंचे न बिगाड़ा, बलकिन ओखर
पूर प्रतिफल पाबा। 9 जे कोऊ मसीह के सिच्छा से आँगे बढ़ि जात हय,
अउर ओखर पालन नहीं करय, ओखे लघे परमातिमा नहीं रहँय; अउर जे
कोऊ मसीह के सिच्छा माहीं बना रहत हय, ओखे लघे पिता परमातिमा,
अउर उनखर लड़िका यीसु मसीह घलाय रहत हें। 10 अगर कोऊ तोंहरे पंचन
के लघे आबय, अउर मसीह के इहय सिच्छा काहीं न देय, त ओही अपने घर
माहीं न घुसँय दिहा, अउर न ओसे नबस्कार किहा। 11 काहेकि जे कोऊ
अइसन मनई काहीं नबस्कार करत हय, त उआ ओखे बुरे कामन माहीं
भागीदार बन जात हय।

अन्तिम अभिबादन

12 तोंहईं पंचन काहीं लिखँइ के खातिर हमरे लघे खुब बातँय हईं; पय
कागज अउर स्याही से लिखँय नहीं चाही; पय हमहीं आसा ही, कि हम
तोंहरे लघे अउब, अउर आमने-सामने बइठिके बात करब, जउने तोंहार
पंचन के आनन्द पूर होइ जाय।

13 तोंहरे चुनी बहिनी के सगले लड़िका बिटिअन के तरफ से, तोंहईं
नबस्कार पहुँचय।

3 यूहन्ना

इआ चिट्ठी के परिचय

यूहन्ना के लिखी तीसर चिट्ठी मसीही मन्डली के एकठे अँगुआ, गयुस काहीं लिखी गे रही ही। लिखँय बाले गयुस के बड़ाई एसे करत हें, काहेकि ऊँ दुसरे मसीही भाई-बहिनिन के बड़ी मदत करत रहे हँय। साथय-साथ दियुत्रिफेस नाम के एकठे मनई से सचेत रहँय के चेतउनिव देत हें।

रूप-रेखा :

भूमिका
गयुस के बड़ाई
दियुत्रिफेस के बुराई
दिमेत्रियुस के सराहना
उपसंहार

यूहन्ना के अभिबादन

1 हम मसीही मन्डली के अँगुआ आहेन, हमरे तरफ से पियार गयुस के
नाम, जेसे हम सच्चा प्रेम करित हएन। 2 हे पियार साथी, हमार इआ
बिनती ही, कि जउनमेर तूँ आत्मिक उन्नति कइ रहे हया, उहयमेर सगली
बातन माहीं उन्नति करा, अउर नीक-सूख रहा। 3 काहेकि जब हमार कुछ
बिसुआसी भाई हमरे लघे आइके, तोंहरे उआ सत्य के गबाही दिहिन, जउने
माहीं तूँ सचमुच चल रहे हया, त हम खुब आनन्दित भएन। 4 हमहीं एसे
बढ़िके अउर कउनव आनन्द नहिं आय, कि हम इआ सुनी, कि हमार
लड़िका-बिटिया सत्य के गइल माहीं चलत हें।

गयुस के बड़ाई

5 हे पियार साथी, जउन कुछू तूँ, ऊँ भाइन के साथ करते हया, उआ
बिसुआस के साथ करते हया, जबकि ऊँ पंचे तोंहरे खातिर अनजान हें। 6 ऊँ
पंचे मसीही मन्डली माहीं तोंहरे प्रेम के गबाही दिहिन हीं। अगर तूँ उनहीं
उआमेर बिदा करा, जउनमेर परमातिमा के लोगन के खातिर उचित हय, त
निकहा करिहा। 7 काहेकि ऊँ पंचे मसीह के सेबा के खातिर निकर परे हँय,
अउर जउन मनई यीसु मसीह के ऊपर बिसुआस नहीं करँय, उनसे ऊँ पंचे
कउनव मदत नहीं लेंय। 8 एसे अइसन मनइन के मदत करँइ चाही, जउने
हम पंचे सत्य के पच्छ माहीं उनखर सहायता करँइ बाले होइ जई।

दियुत्रिफेस अउर दिमेत्रियुस

9 एकठे चिट्ठी हम मसीही मन्डली काहीं लिखेन रहा हय, पय दियुत्रिफेस
जउन उन माहीं अँगुआ बनँइ चाहत हय, त जउन कुछू हम पंचे कहित हएन,
ओही उआ सोइकार नहीं करय। 10 एसे जब हम अउब, त ओखे कामन
काहीं जउन उआ कइ रहा हय, सुधि देबाउब, कि उआ हमरे बारे माहीं बुरी-
बुरी बात कहत हय; अउर एखे बादव ओही सन्तोस नहीं मिलय, अउर
खुदय बिसुआसी भाइन काहीं सोइकार नहीं करय, अउर उनहीं जउन हमरे
बातन काहीं अपनामँइ चाहत हें, बरज देत हय, अउर मसीही मन्डली से
निकार देत हय।

11 हे पियार साथी, बुराई काहीं नहीं, बलकिन भलाई काहीं अपनामँइ बाले
बना, जे कोऊ भलाई करत हय, उआ परमातिमा कइत से हय; पय जे कोऊ
बुराई करत हय, उआ परमातिमा काहीं नहीं देखिस आय। 12 दिमेत्रियुस के
बारे माहीं सबय कोऊ सराहत हें, बलकिन सत्य घलाय खुदय गबाह हय,
अउर हमहूँ पंचे घलाय सराहित हएन, अउर तूँ त जनतेन हया, कि हमार
पंचन के गबाही सही हय।

अन्तिम अभिबादन

13 तोंहईं लिखँइ के खातिर हमरे लघे खुब बातँय हईं, पय उनहीं स्याही
अउर कलम से लिखँइ नहीं चाही। 14 पय हमहीं आसा ही, कि हम तोंहसे
हरबिन मिलब, तब हम तोंहसे आमने-सामने बातचीत करब।

15 तोंहईं सान्ति मिलत रहय। इहाँ के सगले साथी तोंहईं नबस्कार कहत
हें। उहाँ के साथिन से नाम लइ-लइके नबस्कार कहि दिहा।

यहूदा

इआ चिट्ठी के परिचय

यहूदा के इआ चिट्ठी गलत सिच्छा देंइ बालेन के बारे माहीं, अउर उनहीं मिलँइ बाले दन्ड के बारे माहीं, अउर बिसुआसी भाई-बहिनिन काहीं उनसे सचेत रहँइ के बारे माहीं लिखी गे ही। इआ छोट काहीं चिट्ठी के उद्देस्य पतरस के लिखी दूसर चिट्ठी कि नाईं हय। इआ चिट्ठी माहीं, इआ चिट्ठी काहीं लिखँइ बाला अपने पढ़ँइ बालेन के उत्साह काहीं बढ़ाबत हय, कि उआ बिसुआस काहीं बनाए रहँइ के खातिर पूरी कोसिस करत रहा, जउने काहीं परमातिमा अपने चुने पबित्र मनइन काहीं, एक बेरकिन माहीं हमेसा के खातिर सउँपि दिहिन हीं।
हम अपना पंचन से इआ बिनती करित हएन, कि इआ चिट्ठी काहीं बड़े ध्यान से पढ़ी, अउर मसीही मन्डलिन माहीं गलत सिच्छा देंइ बालेन से सतरक रही, अउर जउन मनई पाप माहीं जिअत नरक माहीं जाँइ बाले हें, त खुसी के खबर सुनाइके उनहीं पंचन काहीं बचाई। अउर परमातिमा अपना पंचन काहीं घलाय पाप माहीं गिरँय से बचइहँय।

रूप-रेखा :

इआ चिट्ठी के परिचय
गलत सिच्छा देंइ बालेन के चरित्र अउर सिच्छा अउर उनखर अन्त
बिसुआस माहीं बने रहँइ के बारे माहीं चेतउनी
आसिरबाद के बचन

यहूदा के अभिबादन

1 हम यहूदा आहेन, अउर इआ चिट्ठी काहीं लिख रहेन हय, जउन यीसु
मसीह के दास अउर याकूब के भाई आहेन, इआ चिट्ठी हम उनखे
खातिर लिख रहेन हय, जिनहीं पिता परमातिमा बोलाइन हीं, अउर जिनसे
प्रेम करत हें, अउर उनखर यीसु मसीह के खातिर रखबारी करत हें। 2 तोंहईं
पंचन काहीं परमातिमा के दया, सान्ति अउर प्रेम बहुतायत से मिलत रहय।

गलत सिच्छा देंइ बालेन के पाप अउर उनहीं सजा के मिलब

3 हे पियार साथिव, हम पंचे जउने मुक्ती माहीं भागीदार हएन, हम ओखे
बारे माहीं बड़े मेहनत के साथ, तोंहईं पंचन काहीं लिखँइ के पूरी कोसिस
करत रहे हएन, पय हमहीं अब इआ जान परा, कि इआ चिट्ठी के द्वारा
तोंहसे पंचन से इआ बिनती करी, कि तूँ पंचे उआ बिसुआस के खातिर
संघर्स करा, जउन हमेसा के खातिर संतन काहीं सउँपा ग हय। 4 हम इआ
बात तोंहईं पंचन काहीं एसे बताइत हएन, काहेकि तोंहरे बीच माहीं, चुप्पय
से कुछ अइसन मनई घुसि आए हँय, जिनखे सजा के बारे माहीं, पहिलेन से
पबित्र सास्त्र माहीं लिखा हय, कि "ईं पंचे परमातिमा के बचन काहीं मानँइ
बाले न होंहीं, अउर हमरे पंचन के परमातिमा के दया काहीं, भोग-बिलास
करँइ के बहाना बनाय डारिन हीं, अउर हमरे पंचन के एकलउते मालिक,
अउर प्रभू यीसु मसीह काहीं अपनामँइ से इनकार करत हें।" 5 अउर हम
तोंहईं पंचन काहीं इआ सुध देबामँइ के खातिर लिख रहेन हय, (काहेकि तूँ
पंचे ईं सगली बातन काहीं खुदय जनते हया) कि प्रभू पहिले कइसन अपने
चुने मनइन काहीं मिस्र देस के धरती से निकार लाएँ तय, अउर बाद माहीं
जेतने जन उनखे ऊपर बिसुआस नहीं किहिन, त उनहीं नास कइ दिहिन
तय। 6 अउर हम तोंहईं पंचन काहीं इहव सुध देबामँइ चाहित हएन, कि
जउन स्वरगदूत, अपने पद काहीं निकहा से नहीं सम्हारे पाइन रहा आय,
अउर अपने खुद के रहँइ के जघा काहीं छोंड़ि दिहिन रहा हय, प्रभू उनहूँ
पंचन काहीं, उआ भयंकर न्याय के दिन के खातिर, सँकरिन माहीं बाँधिके,
कबहूँ न खतम होंइ बाले अँधिआर माहीं रक्खे हें। 7 अउर इहइमेर से हम
तोंहईं पंचन काहीं इहव बतामँइ चाहित हएन, कि कउनमेर से सदोम अउर
अमोरा सहरन के अउर उनखे आस-पास के सहरन के मनई, ईंन स्वरगदूतन
कि नाईं ब्यभिचार करँइ बाले होइगे रहे हँय, अउर बुरी बासनन के पीछे
भागत रहे हँय, त प्रभू उनहीं कबहूँ न बुझाँय बाली आगी माहीं डारिके नास
कइ दिहिन रहा हय, जउन हमरे पंचन के खातिर उदाहरन बनिगें हँय।
8 अउर ठीक इहइमेर से ईं पंचे, सपन देखँइ बाले घलाय, अपने-अपने देंहन
काहीं असुद्ध करत हें, अउर प्रभू के सक्ती काहीं तुच्छ जानत हें। अउर ऊँचे
पद बाले अधिकारिन काहीं भला-बुरा कहत हें। 9 पय इहाँ तक, कि प्रधान
स्वरगदूत मीकाईल घलाय, जब सइतान से मूसा नबी के लहास के बारे माहीं
बहँस करत रहे हँय, तब ऊँ सइतान काहीं भला-बुरा कहिके, ओखे ऊपर
दोस लगामँइ के हिम्मत नहीं किहिन; बलकिन एतनय कहिन, कि "प्रभू
तोही डाँटँय।" 10 पय ईं पंचे, जउने बातन काहीं समझतय नहिं आहीं, उनखे
बारे माहीं भला-बुरा कहत हें; अउर निरबुद्धी पसुअन कि नाईं जउन बातँय
उनखे मन माहीं अउती हईं, उनहिन के मुताबिक करत हें, एसे उँइन बातँय
उनखे बिनास के कारन बन जाती हँय। 11 अउर इनहीं पंचन काहीं
परमातिमा से खुब सजा मिली, काहेकि ईं पंचे कैन कि नाईं बुरी चाल-चलन
काहीं अपनाइन हीं, अउर मजूरी के खातिर बिलाम नबी कि नाईं, बिना सोच
बिचार किहे गलती कर बइठे हँय: एसे ईं पंचे घलाय नास होइ जइहँय,
जइसन कोरह के साथ मिलिके प्रभू के बिरोध करँइ बाले नास कइ दीनगे रहे
हँय। 12 ईं पंचे तोंहरे प्रेम-भोज के खातिर कलंक कि नाईं हें, जउन तोंहरे
साथ खात-पिअत हें। ईं पंचे समुद्र माहीं छिपी पथरा के बड़ी चट्टान कि नाईं
हें, जउन खतरनाक होती हईं, अउर ईं पंचे निडर होइके, तोंहरे पंचन के
साथ माहीं खात-पिअत त हें, पय इनहीं केबल अपनय सोरथ पूर करँइ के
चिन्ता रहत ही। ईं पंचे पानी न बरसँय बाली बदरी कि नाईं होत हें, जिनहीं
हबा उड़ाय लइ जात ही। अउर ईं पंचे पतझड़ के अइसन बिरबन कि नाईं
होत हें, जउनेन माहीं कबहूँ फर नहीं लागँय, अउर जउन दुइ बेरी मर चुके
हँय, अउर जड़ समेत उँखड़गे हँय। 13 ईं पंचे समुद्र माहीं उठँय बाली, अइसन

भयंकर लहरन कि नाईं हें, जउन अपने निरलज्जता के कामन के फेन उछालत रहती हईं। अउर ईं पंचे एँकई-ओंकई भटकँइ बाली अइसन तरइअन कि नाईं हें, जिनखे खातिर अनन्तकाल के घोर अँधिआर रक्खा ग हय। 14 अउर आदम के सतएँ पीढ़ी म पइदा भें, हनोक घलाय, इनखे बारे माहीं भबिस्यबानी किहिन रहा हय, 15 कि “देखा, प्रभू अपने लाखन पबित्र स्वरगदूतन के साथ, सगले मनइन के न्याय करँइ के खातिर आए हँय, कि जउने, जउन मनई बुरे काम किहिन हीं, उनखे ईं कामन के खातिर, अउर जउन मनई परमातिमा के बिरोध माहीं बात कहिन हीं, उनहूँ पंचन काहीं घलाय, एखे खातिर सजा देंइ। 16 काहेकि ईं पंचे कुड़कुड़ाँय बाले आहीं, अउर दुसरेन के दोस ढूँढ़ँइ माहीं लगे रहत हें। अउर ईं पंचे अपने मन मरजी के मुताबिक चलत हें; अउर अपने मुँहे से घमन्ड के बातँय बोलत हें; अउर अपने फायदा के खातिर दुसरे मनइन के मुँह देखी बड़ाई करत हें।”

चेतउनी अउर उपदेस

17 पय हे पियार साथिव, तूँ पंचे ऊँ बातन काहीं हमेसा सुध रक्खा; जउने बातन काहीं हमरे पंचन के प्रभू यीसु मसीह के चुने, खास चेलन के द्वारा पहिलेन से बताबा जाय चुका हय। 18 ऊँ पंचे, तोंहसे कहा करत रहे हँय, कि “अन्त के दिनन माहीं अइसन मनई अइहँय, जउन परमातिमा के बचन के हँसी उड़इहँय, अउर अपने बुरी इच्छन के मुताबिक चलिहँय। 19 ईं पंचे मनइन के बीच माहीं फूट डरबामँइ बाले आहीं; काहेकि ईं पंचे पबित्र आत्मा के मुताबिक नहीं, बलकिन देंह के बुरी इच्छन के मुताबिक जीबन जिअत हें। 20 पय हे पियार साथिव, तूँ पंचे अपने अति पबित्र बिसुआस माहीं अउर मजबूत होत जा, अउर पबित्र आत्मा के सक्ती से प्राथना करत रहा, 21 अउर तूँ पंचे परमातिमा के प्रेम माहीं मजबूत बने रहा, अउर उआ दिन के इन्तजार करा, जब हमरे पंचन के प्रभू यीसु मसीह के दया, तोहईं पंचन काहीं अनन्त जीबन देई। 22 अउर तोंहरे पंचन म से, जउन मनई बिसुआस माहीं कमजोर हें, उनखे ऊपर दया करा। 23 अउर परमातिमा न्याय के समय मनइन काहीं, अनन्त आगी माहीं डारँइ के जउन सजा देंइ बाले हें, दउड़िके ओसे मनइन काहीं बचाबा, अउर परमातिमा के भय मानत दुसरे मनइन के ऊपर दया करा; पय दया करत समय उनखे पापन माहीं बेलकुल भागीदार न होया।”

आसिरबाद के बचन

24 अब तोंहईं पंचन काहीं, जे पाप माहीं गिरँय से बचाय सकत हें, अउर अपने महिमा के भरपूरी के आँगे आनन्दित, अउर निरदोस कइके ठाढ़ कइ सकत हें। 25 अउर हमहीं पंचन काहीं मुक्ती देंइ बाले, एकलउते परमातिमा के महिमा, अउर बैभव अउर सक्ती, अउर अधिकार, हमरे पंचन के प्रभू यीसु मसीह के द्वारा, जइसन सनातन काल से हय, अबहिनव होय, अउर आमँइ बाले जुगन-जुगन तक होत रहय। आमीन!

दरसनन के बातँय

इआ किताब के परिचय

यूहन्ना काहीं मिले दरसनन के बातँय, अइसन समय माहीं लिखी गे रही हँय, जब मसीहियन काहीं उनखे बिसुआस के कारन सताबा जात रहा हय। काहेकि ऊँ पंचे यीसु मसीह के ऊपर प्रभू अउर मालिक के रूप माहीं बिसुआस करत रहे हँय। इआ कारन से लेखक के चिन्ता के खास बिसय, अपने पढ़ँइ बालेन माहीं आसा अउर उत्साह के संचार करब रहा हय। एसे ऊँ उनसे इआ निबेदन करत हें, कि ऊँ पंचे इआ दुख अउर सताव के समय माहीं बिसुआस के काबिल बने रहँय।
इआ किताब के अधिकतर हिस्सा प्रकासनन अउर दरसनन के कतारन के रूप माहीं हय। जिनहीं संकेतिक भाँसा के रूप माहीं लिखा ग हय। अइसा माना जात हय, कि उआ समय के मसीहियन काहीं इआ समझ म आइगा रहा हय। पय दुसरे मनइन के खातिर रहस्य बना रहिगा। जइसन संगीत माहीं एकठे धुन होत ही, उहयमेर इआ किताब के बिसय- बस्तु बेर-बेर अनेकव तरीकन से, अलग-अलग दर्सनन के कतारन के द्वारा दोहराई जात ही। पय इआ किताब के बिस्तार से ब्याख्या के सम्बन्ध माहीं मतभेद हय, फेरव खास बिसय साफ-साफ हय। परमातिमा प्रभू यीसु मसीह के द्वारा अपने सगले बइरिन काहीं, जउने माहीं सइतान घलाय सामिल हय, हमेसा के खातिर पूरी तरह से हराय देइहँय। अउर जब इआ जीत पूर होइ जई, तब परमातिमा अपने बिसुआस के काबिल मनइन काहीं, नबा अकास अउर नई धरती काहीं उनहीं आसीस के रूप माहीं देइहँय।
हे भाई-बहिनिव अपना पंचे दुख अउर सताव के समय माहीं, बिसुआस माहीं मजबूत बने रही, काहेकि प्रभू यीसु मसीह हरबिन आमँइ बाले हें, हम पंचे जउन उनखे नाम के खातिर दुख अउर सताव सहित हएन, त परमातिमा ओखर इनाम हमहीं पंचन काहीं जरूर देइहँय।

रूप-रेखा :

इआ किताब के परिचय
सुरुआत के दरसन अउर सातव मसीही मन्डलिन काहीं चिट्ठी
सात मुहरन से बन्द चरमपत्र
सातठे तुरही
अजिगर अउर दुइठे जानबर
इनखे अलाबा दूसर दरसन
परमातिमा के कोप के सातठे खोरबा
बेबीलोन के बिनास, जानबर, परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले लबरे मनई, अउर सइतान के हार
अन्तिम न्याय
नबा अकास, नई धरती, अउर नबा यरूसलेम
उपसंहार

1 परमातिमा आपन प्रकासन यीसु मसीह काहीं एसे दिहिन, कि ऊँ
अपने दासन काहीं ऊँ बातँय देखामँय, जिनखर हरबिन होब जरूरी
हय, अउर ऊँ अपने स्वरगदूत काहीं पठइके उनखे द्वारा अपने दास यूहन्ना
काहीं बताइन, 2 जउन परमातिमा के बचन अउर यीसु मसीह के गबाही,
अरथात जउन कुछू ऊँ देखिन रहा हय, ओखर गबाही दिहिन। 3 धन्य हय
उआ मनई, जउन इआ भबिस्यबानी के बचन काहीं पढ़त हय, अउर धन्य हें
ऊँ पंचे जउन सुनत हें, अउर एमाहीं लिखी बातन काहीं मानत हें, काहेकि
समय नजदीक आइगा हय।

सातँव मसीही मन्डलिन काहीं नबस्कार

4 यूहन्ना के तरफ से आसिया प्रदेस के सातव मसीही मन्डली के नाम।
अउर उनखे तरफ से जउन हें, अउर जउन रहे हँय, अउर जउन आमँइ बाले
हें; अउर उन सातँव आत्मन के तरफ से, जउन उनखे सिंहासन के आँगे हईं,
5 अउर यीसु मसीह के तरफ से, जउन बिसुआस के काबिल गबाह, अउर
मरेन म से जि उठँय बालेन माहीं पहिलउठा, अउर धरती के राजन के ऊपर
घलाय सासन करँइ बाले आहीं, तोंहईं पंचन काहीं किरपा अउर सान्ती
मिलत रहय। ऊँ हमसे पंचन से प्रेम करत हें, अउर उँइन अपने खून के द्वारा
हमहीं पंचन काहीं पापन से छोड़ाइन हीं। 6 अउर हमहीं पंचन काहीं एकठे
राज, अउर अपने पिता परमातिमा के खातिर याजक घलाय बनाय दिहिन
हीं; उनहिन के महिमा अउर सामर्थ जुगन-जुगन तक रहय। आमीन। 7 देखा,
ऊँ बदरिन के साथ आमँइ बाले हें; अउर हरेक आँखी उनहीं देखी, इहाँ तक
कि जउन उनहीं बेधिन रहा हय, ऊँ पंचे घलाय उनहीं देखिहँय, अउर धरती
के सगले कुल उनखे कारन छाती पिटिहँय। इआ जरूर होई। आमीन। 8 प्रभू
परमातिमा, जउन हें, अउर जउन रहे हँय, अउर जउन आमँइ बाले हें, जउन
सबसे सक्तिसाली हें, इआ कहत हें, “हमहिन अल्फा अउर ओमेगा आहेन
†।”

यूहन्ना काहीं मसीह के दरसन मिलब

9 हम यूहन्ना, जउन तोंहार पंचन के भाई, अउर यीसु के कस्ट, अउर राज,
अउर धीरज माहीं, तोंहार पंचन के सहभागी आहेन, परमातिमा के बचन,
अउर यीसु के गबाही के कारन, पतमुस नाम के टापू माहीं रहेन हय। 10 हम

† *आदि अउर अन्त*

प्रभू के दिन आत्मा माहीं आय गएन, अउर अपने पीछे तुरही कि नाईं बड़ा
बोल इआ कहत सुनेन, 11 कि "जउन कुछू तूँ देखते हया, ओही किताब
माहीं लिखिके, सातव मसीही मन्डलिन के लघे पठय द्या, अरथात इफिसुस
अउर इसमुरना, अउर पिरगमुन, अउर थुआतीरा, अउर सरदीस, अउर
फिलदिलफिया, अउर लौदीकिया काहीं।"
12 तब हम उनहीं देखँइ के खातिर जउन हमसे बोलत रहे हँय; आपन मुँह
फेरन; अउर पीछे फिरिके हम सोने के सातठे दीबटन † काहीं देखन।
13 अउर उन दीबटन के बीच माहीं मनई के लड़िका कि नाईं एकठे मंसेरुआ
काहीं देखेन, जउन गोड़ेन तक के ओन्हा पहिरे, अउर छाती माहीं सोने के
पट्टा बाँधे रहे हँय। 14 उनखर मूँड़ अउर बार उजर ऊन अउर पाला कि नाईं
उजर रहे हँय; अउर उनखर आँखी आगी के लपट कि नाईं रही हँय। 15 अउर
उनखर गोड़ उत्तम पीतल कि नाईं रहे हँय, जउन मानो भट्ठी माहीं तपाए गे
होंय; अउर उनखर बोल, खुब पानी के बोल कि नाईं रहा हय। 16 अउर ऊँ
अपने दहिने हाँथ माहीं सातठे तरइया लए रहे हँय, अउर उनखे मुँहे से दुइ
धार बाली चोंख तलबार निकरत रही हय; अउर उनखर मुँह अइसन चमकत
रहा हय, जइसन सुरिज तेज घाम के समय चमकत हय। 17 जब हम उनहीं
देखेन, त उनखे गोड़ेन माहीं लहास कि नाईं गिर परेन, अउर उँइ हमरे ऊपर
आपन दहिना हाँथ धइके, इआ कहिन, कि "डेरा न; हम पहिल अउर
अन्तिम अउर जिन्दा आहेन। 18 हम मर गएन तय, अउर अब देखा; हम
जुगन-जुगन तक जिन्दा रहब; अउर मउत अउर अधोलोक के उघन्नी हमरेन
लघे हईं। 19 एसे जउन बातँय तूँ देखे हया, अउर जउन बातँय होइ रही हँय;
अउर जउन बाद माहीं होंइ बाली हईं, ऊँ सगलिन काहीं लिख ल्या। 20 अउर
ऊँ सातव तरइअन के भेद, जिनहीं तूँ हमरे दहिने हाँथ माहीं देख रहे हया,
अउर ऊँ सातव सोने के दीबटन के भेद, ऊँ सातठे तरइया, सातव मसीही
मन्डलिन के दूत आहीं, अउर ऊँ सातव दीबट, सातठे मसीही मन्डली
आहीं।"

इफिसुस सहर के मसीही मन्डली काहीं मसीह के सँदेस

2 इफिसुस के मसीही मन्डली के दूत काहीं इआ लिखा, कि "जउन
सातँव तरइया अपने दहिने हाँथ माहीं लए हें, अउर सोने के सातँव
दीबटन के बीच माहीं चलत फिरत हें, ऊँ इआ कहत हें, कि 2 हम तोंहरे
काम, अउर मेहनत, अउर तोंहरे धीरज काहीं जानित हएन; अउर इहव
घलाय, कि तूँ बुरे मनइन काहीं बरदास नहीं कइ सकते आह्या, अउर जउन
अपने-आप काहीं यीसु मसीह के खास चेला कहत हें, अउर आहीं न, उनहीं
पंचन काहीं घलाय तूँ जाँच परखिके लबरा पाया हय। 3 अउर तूँ धीरज धरते
हया, अउर हमरे नाम के खातिर दुख उठाबत-उठाबत थके नहिं आह्या।
4 पय हमहीं तोंहरे बिरोध माहीं इआ कहँइ क हय, कि तूँ आपन पहिले कि
नाईं प्रेम करब छोंड़ दिहा हय। 5 तूँ हमसे पहिले केतना प्रेम करत रहे हया,
अउर अब केतना प्रेम करते हया, ओही सुध कइके, पस्चाताप करा, अउर
पहिले कि नाईं काम करा; अउर अगर तूँ पस्चाताप न करिहा, त हम तोंहरे
लघे आइके, तोंहरे दीबट काहीं उआ जघा से हटाय देब। 6 पय हाँ, तोंहरे
माहीं इआ बात त हय, कि तूँ गलत सिच्छा देंइ बाले नीकुलाई दल के कामन
से नफरत करते हया, जिनसे हमहूँ नफरत करित हएन। 7 जेखर सुनँय के
मन होय, उआ सुन लेय, कि पबित्र आत्मा मसीही मन्डलिन से का कहत
हय, जउन बिजय पाई, ओही हम उआ जीबन के बिरबा म से, जउन
परमातिमा के स्वरगराज माहीं हय, फर खाँइ काहीं देब।"

इसमुरना सहर के मसीही मन्डली काहीं मसीह के सँदेस

8 इसमुरना के मसीही मन्डली के दूत काहीं इआ लिखा, कि "जउन पहिल
अउर अन्तिम आहीं; जउन मरिगें तय अउर अब जिन्दा होइगे हँय, ऊँ इआ
कहत हें, कि 9 हम तोंहरे कस्ट अउर गरीबी काहीं जानित हएन; (पय तूँ धनी
हया) अउर जउन मनई अपने-आप काहीं यहूदी कहत हें, अउर आहीं न,
बलकिन सइतान के सभा आहीं, उनखे बुराई काहीं घलाय जानित हएन।
10 जउन कस्ट तोंहईं उठामँइ परी उनसे डेरा न। काहेकि देखा, सइतान तोंहरे
पंचन म से कइअक जनेन काहीं जेल माहीं डारँइ बाला हय, जउने तूँ पंचे
जाँचे-परखे जा; अउर तोंहईं पंचन काहीं दस दिन तक कस्ट उठामँइ परी,
प्रान देंइ तक बिसुआसी रहा; त हम तोंहईं जीबन के मुकुट देब। 11 जेखर
सुनँय के मन होय, उआ सुन लेय, कि पबित्र आत्मा मसीही मन्डलिन से का
कहत हय, जउन बिजय पाई, ओही दूसर मउत से हानि न पहुँची।"

पिरगमुन सहर के मसीही मन्डली काहीं मसीह के सँदेस

12 पिरगमुन के मसीही मन्डली के दूत काहीं इआ लिखा, कि "जिनखे लघे
दुइ धार बाली निकही चोंख तलबार ही, ऊँ इआ कहत हें, कि 13 हम इआ त
जानित हएन, कि तूँ उहाँ रहते हया, जहाँ सइतान के सिंहासन हय; अउर तूँ
हमरे नाम माहीं बने रहते हया; अउर हमरे ऊपर बिसुआस करँइ से, उन
दिनन माहीं पीछे नहीं हट्या, जउने माहीं हमार बिसुआस के काबिल गबाह
अन्तिपास, तोंहरे पंचन के बीच माहीं, उआ जघा माहीं मार डारा ग, जहाँ
सइतान रहत हय। 14 पय हमहीं तोंहरे बिरोध माहीं कुछ बातँय कहँइ क हय,
काहेकि तोंहरे इहाँ कुछ अइसन हें, जउन बिलाम के सिच्छा काहीं मानत हें,
जउन बालाक राजा काहीं, इजराइलिअन के आँगे ठोकर के कारन रक्खँय
सिखाइस, कि ऊँ पंचे मूरतिन के ऊपर चढ़ाई चीजन काहीं खाँय, अउर
ब्यभिचार करँय ††। 15 उहयमेर तोंहरे इहाँ कुछ त अइसन हें, जउन गलत
सिच्छा देंइ बाले नीकुलाई दल के सिच्छा काहीं मानत हें। 16 एसे मन
फिराबा, नहीं त हम तोंहरे लघे हरबिन आइके, अपने मुँहे के तलबार से
उनखे साथ लड़ब। 17 अउर जेखर सुनँय के मन होय, उआ सुन लेय, कि
पबित्र आत्मा मसीही मन्डलिन से का कहत हय; जे बिजय पाई, ओही हम,
न देखाँइ बाले मन्ना म से देब; अउर ओही एकठे उजर पथरा घलाय देब;
अउर उआ पथरा माहीं एकठे नाम घलाय लिखा होई, जेही ओही पामँइ बाले
के अलाबा, अउर कोऊ न जानी।"

थुआतीरा सहर के मसीही मन्डली काहीं मसीह के सँदेस

18 थुआतीरा के मसीही मन्डली के दूत काहीं इआ लिखा, "परमातिमा के
लड़िका जिनखर आँखी आगी के लपट कि नाईं हईं, अउर जिनखर गोड़
उत्तम पीतल कि नाईं हें, ऊँ इआ कहत हें, कि 19 हम तोंहरे कामन, अउर
प्रेम, अउर बिसुआस, अउर सेबा, अउर धीरज काहीं जानित हएन, अउर
इहव जानित हएन, कि तोंहार पिछले काम, पहिल कामन से बढ़िके हें।
20 पय हमहीं तोंहरे बिरोध माहीं इआ कहँइ क हय, कि तूँ उआ मेहेरिआ
इजेबेल काहीं रहँइ देते हया, जउन अपने-आप काहीं परमातिमा के सँदेस
बतामँइ बाली कहत ही, उआ अपने सिच्छा से, हमरे सेबकन काहीं
ब्यभिचार करँय, अउर मूरतिन के आँगे चढ़ाई चीजन काहीं खाँय के खातिर
बहकाबत ही। 21 हम ओही मन फिरामँय के खातिर मोका दिहेन, पय उआ
अपने ब्यभिचार से मन नहीं फिरामँय चाहय। 22 देखा, हम ओही घोर कस्ट
माहीं डारित हएन, अउर जे ओखे साथ ब्यभिचार करत हें, अगर ऊँ पंचे
ओखी कि नाईं कामन से अपने मन काहीं न बदलिहँय, त हम उनहूँ काहीं
घोर कस्ट माहीं डारब। 23 हम ओखे लड़िका बिटिअन काहीं मारि डारब;
अउर तब सगली मसीही मन्डली जान लेइहँय, कि हिरदँय अउर मन काहीं
जाँचय-परखँय बाले हमहिन आहेन, अउर हम तोंहरे पंचन म से हरेक काहीं,
उनखे कामन के मुताबिक बदला देब। 24 पय तूँ पंचे थुआतीरा के बाँकी
मनइन से, जेतने इआ सिच्छा काहीं नहीं मानँय, अउर ऊँ बातन काहीं
जिनहीं सइतान के गहिल बातँय कहत हें, नहीं जनते आह्या, इआ कहित
हएन, कि हम तोंहरे पंचन के ऊपर अउर बोझ न डारब। 25 पय हाँ, जउन
तोंहरे पंचन के लघे हय, ओही हमरे आमँय तक थाम्हें रहा। 26 जे बिजय
पाई, अउर हमरे कामन के मुताबिक अन्त तक करत रही, ओही हम जाति-
जाति के मनइन के ऊपर अधिकार देब। 27 अउर उआ लोहे के राजदन्ड लए,

† *दिया रक्खँइ के स्टैन्ड*

†† *2:14 गिन 22:2-41; 31:16*

उनखे ऊपर राज करी, जउनमेर कुम्हार के माटी के बरतन चकनाचूर होइ जात हें। हमहूँ घलाय अइसय अधिकार अपने पिता से पाएन हँय। 28 अउर हम ओही भिनसारे के तरइया देब। 29 जेखर सुनँय के मन होय, उआ सुन लेय, कि पबित्र आत्मा मसीही मन्डलिन से का कहत हय।”

सरदीस सहर के मसीही मन्डली काहीं मसीह के सँदेस

3 सरदीस के मसीही मन्डली के दूत काहीं इआ लिखा, “जिनखे लघे परमातिमा के सातठे आत्मा, अउर सातठे तरइया हईं, ऊँ इआ कहत हें, कि हम तोंहरे कामन काहीं जानित हएन, कि तूँ जिन्दा त कहउते हया, पय हया मरे। 2 जागत रहा, अउर उन चीजन काहीं जउन बाँकी रहि गई हँय, अउर जउन मिटँय बाली हईं, उनहीं मजबूत करा; काहेकि हम तोंहरे कउनव काम काहीं, अपने परमातिमा के नजर माहीं, पूर नहीं पाएन। 3 एसे सुधि करा, कि तूँ कइसन सिच्छा पाया तय, अउर सुने रहे हया, ओहिन माहीं बने रहा, अउर पस्चाताप करा, अगर तूँ जागत न रइहा, त हम चोर कि नाईं आय जाब, अउर तूँ बेलकुल न जाने पइहा, कि हम कउने घरी, तोंहरे ऊपर आय परब। 4 पय हाँ, सरदीस माहीं तोंहरे इहाँ कुछ अइसन मनई हें, जउन अपने-अपने ओन्हन काहीं असुद्ध नहीं किहिन, ऊँ पंचे उजर ओन्हा पहिरे हमरे साथ घुमिहँय, काहेकि ऊँ पंचे एखे काबिल हें। 5 जे बिजय पाई, ओही इहइमेर उजर ओन्हा पहिराबा जई, अउर हम ओखर नाम जीबन के किताब म से कउनव मेर से न काटब, पय ओखर नाम अपने पिता, अउर उनखे स्वरगदूतन के आँगे मान लेब। 6 जेखर सुनँय के मन होय, उआ सुन लेय, कि पबित्र आत्मा मसीही मन्डलिन से का कहत हय।”

फिलदिलफिया सहर के मसीही मन्डली काहीं मसीह के सँदेस

7 अउर फिलदिलफिया के मसीही मन्डली के दूत काहीं इआ लिखा, कि “जउन पबित्र अउर सच्चे हें, अउर जेखे लघे राजा दाऊद के उघन्नी हय, जेखे खोले काहीं कोऊ बन्द नहीं कइ सकय, अउर बन्द कीन काहीं कोऊ खोल नहीं सकय, ऊँ इआ कहत हें, कि 8 हम तोंहरे कामन काहीं जानित हएन; देखा, हम तोंहरे आँगे एकठे दुअरा खोलिके रखे हएन, जउने काहीं कोऊ बन्द नहीं कइ सकय; तोंहार सक्ती थोरिन काहीं त हय, तऊ तूँ हमरे बचन काहीं पालन किहे हया, अउर हमरे नाम काहीं इनकार नहीं किहे आह्या। 9 देखा, हम उन सइतान के पीछे चलँइ बालेन काहीं, तोंहरे काबू माहीं कइ देब, जउन खुद काहीं यहूदी कहत हें, पय आहीं न, बलकिन ऊँ झूँठ बोलँइ बाले आहीं, देखा, हम अइसन करब, कि ऊँ तोंहरे गोड़न गिरि हँय, अउर इआ जान लेइहँय, कि हम तोंहसे प्रेम करित हएन। 10 हम तोंहईं धीरज धरँय के खातिर कहेन तय, त तूँ धीरज धरे हया, एसे हमहूँ तोंहईं परिच्छा के उआ समय बचाइके रक्खब, जउन धरती माहीं रहँइ बालेन के जाँचय-परखँय के खातिर, सगले संसार माहीं आमँइ बाली हय। 11 हम हरबिन आमँइ बाले हएन; जउन कुछू तोंहरे लघे हय, ओही थाम्हें रहा, कि जउने कोऊ तोंहार मुकुट छड़ाय न पाबय। 12 जे बिजय पाई, ओही हम परमातिमा के मन्दिर माहीं एकठे खम्भा बनाउब; अउर उआ पुनि कबहूँ बहिरे न निकरी; अउर हम अपने परमातिमा के नाम, अउर अपने परमातिमा के सहर, अरथात नबा यरूसलेम सहर के नाम, जउन हमरे परमातिमा के लघे से, अरथात स्वरग से उतरँय बाला हय, अउर आपन नबा नाम ओखे ऊपर लिखब। 13 जेखर सुनँय के मन होय, उआ सुन लेय, कि पबित्र आत्मा मसीही मन्डलिन से का कहत हय।”

लौदीकिया सहर के मसीही मन्डली काहीं मसीह के सँदेस

14 अउर लौदीकिया के मसीही मन्डली के दूत काहीं इआ लिखा, कि “जउन आमीन, अउर बिसुआस के काबिल, अउर सच्चे गबाह हें, अउर परमातिमा के स्रस्टी के मूल कारन आहीं, ऊँ इआ कहत हें, कि 15 हम तोंहरे कामन काहीं जानित हएन, कि तूँ न त ठंड हया, अउर न गरम, इआ भला होत, कि तूँ ठंड इआ कि गरम होत्या। 16 एसे कि तूँ कुनकुन हया, अउर न ठंड आह्या, अउर न गरमय, हम तोहईं अपने मुँहे से उगिलँइ बाले हएन। 17 तूँ जउन इआ कहते हया, कि हम धनी हएन, अउर धनमान होइ गएन हय, अउर हमहीं कउनव चीज के कमी नहिं आय, अउर इआ नहीं जनते आह्या, कि तूँ अभागा, अउर तुच्छ, अउर कंगाल, अउर आँधर, अउर नंगा हया। 18 एहिन से हम तोंहईं इआ सलाह देइत हएन, कि आगी माहीं तपाबा सोन हमसे मोल लइ ल्या, कि धनी होइजा; अउर उजर ओन्हा लइ ल्या, कि ओही पहिरिके तोंहईं अपने नंगापन के लज्जा न होय, अउर अपने आँखिन माहीं लगामँइ के खातिर सुरमा लइ ल्या, कि तूँ देखँइ लागा। 19 अउर हम जेसे-जेसे प्रेम करित हएन, ऊँ सगलेन काहीं डाँट-फटकार लगाइत हएन, एसे उत्साही बना, अउर मन फिराबा। 20 देखा, हम दुअरा माहीं ठाढ़े खट-खटाइत हएन; अगर कोऊ हमार बोल सुनिके दुअरा खोली, त हम ओखे भीतर आइके ओखे साथ खाना खाब, अउर उआ हमरे साथ। 21 जे बिजय पाई, ओही हम अपने साथ अपने सिंहासन माहीं बइठाउब, जइसन हमहूँ घलाय बिजय पाइके, अपने पिता के साथ उनखे सिंहासन माहीं बइठि गएन हय। 22 ‘जेखर सुनँय के मन होय, उआ सुन लेय, कि पबित्र आत्मा मसीही मन्डलिन से का कहत हय’।”

स्वरग माहीं अराधना

4 ईं बातन के बाद, जब हम नजर उठाइके देखेन, त का देखित हएन, कि स्वरग माहीं एकठे दुअरा खुला हय; अउर जेही हम पहिले तुरही कि नाईं अबाज से, अपने साथ बातँय करत सुने रहेन हय, उँइन कहत हें, कि “इहाँ ऊपर आय जा, अउर हम ऊँ बातँय तोंहईं देखाउब, जिनखर ईं बातन के बाद पूर होब जरूरी हय।” 2 अउर तुरन्तय हम पबित्र आत्मा से भर गएन; अउर का देखित हएन, कि एकठे सिंहासन स्वरग माहीं धरा हय, अउर उआ सिंहासन के ऊपर कोऊ बइठ हें। 3 अउर जउन ओखे ऊपर बइठ हें, उनखर सोभा यसब अउर गोमेद रतन कि नाईं देखाई देत ही, अउर उआ सिंहासन के चारिव कइती मरकत रतन कि नाईं एकठे मेघधनुस देखाई देत हय। 4 अउर उआ सिंहासन के चारिव कइती चउबिस सिंहासन हें; अउर ईं सिंहासनन के ऊपर चउबिस अँगुआ उजर ओन्हा पहिरे बइठ हें, अउर उनखे मूँड़ेन माहीं सोने के मुकुट हें। 5 अउर उआ सिंहासन म से बिजुली अउर गरजब निकरत हें, अउर सिंहासन के आँगे आगी के सातठे दिया जल रहे हँय, ऊँ परमातिमा के सातठे आत्मा आहीं। 6 अउर उआ सिंहासन के आस-पास सीसा कि नाईं चमकदार पारदर्सी समुद्र हय, अउर बीच माहीं सिंहासन के आस-पास चारठे जिन्दा प्रानी हें, जिनखे आँगे पीछे आँखिन-आँखी हईं। 7 पहिल प्रानी सेर कि नाईं हय, अउर दूसर प्रानी बरधा कि नाईं हय, अउर तिसरे प्रानी के मुँह मनई कि नाईं हय, अउर चउथ प्रानी उड़त चील्ह कि नाईं हय। 8 अउर चरहूँ प्रानिन के छय-छयठे पखना हें, अउर चारिव कइती, अउर भीतर आँखिन आँखी हईं; अउर ऊँ पंचे रातव दिना बिना अराम किहे, इआ कहत रहत हें, कि

“पबित्र, पबित्र, पबित्र प्रभू परमातिमा, सर्बसक्तिमान, जउन रहे हँय, अउर जउन हें, अउर जउन आमँइ बाले हें।”

9 अउर जब ऊँ प्रानी उनखर जउन सिंहासन माहीं बइठ हें, अउर जउन जुगन-जुगन से जिन्दा हें, महिमा अउर मान-सम्मान अउर धन्यबाद करिहँय। 10 तब चउबीसव अँगुआ सिंहासन माहीं बइठँय बाले के आँगे गिर परिहँय, अउर उनहीं, जउन जुगन-जुगन से जिन्दा हें, प्रनाम करिहँय; अउर आपन-आपन मुकुट सिंहासन के आँगे इआ कहत धइ देइहँय, कि

11 “हे हमार पंचन के प्रभू, अउर परमातिमा, अपनय महिमा, अउर मान-सम्मान, अउर सामर्थ के काबिल हएन; काहेकि अपनय सगली चीजन काहीं बनाएन हय, अउर ऊँ अपनय के मरजी से बनाई गे रही हँय, अउर बनाई गई हँय।”

मुहरबन्द किताब अउर मेम्ना

5 अउर जउन सिंहासन माहीं बइठ रहे हँय, हम उनखे दहिने हाँथ माहीं
एकठे किताब देखेन, जउन भीतर अउर बाहर लिखी रही हय, अउर
उआ सात मुहर लगाइके बन्द कीन गे रही हय। 2 फेर हम एकठे बलमान
स्वरगदूत काहीं देखेन, जउन तेज अबाज से इआ प्रचार करत रहे हँय, कि
“इआ किताब काहीं खोलँय अउर एखर मुहर टोरँइ के काबिल को हय?”
3 अउर न स्वरग माहीं, न धरती माहीं, न धरती के नीचे, कोऊ उआ किताब
काहीं खोलँय, अउर ओखे ऊपर नजर डारँय के काबिल निकरा। 4 तब हम
फूट-फूटिके रोमँइ लागेन, काहेकि उआ किताब काहीं खोलँय, इआ कि
ओखे ऊपर नजर डारँय के काबिल कोहू नहीं मिला। 5 तब ऊँ अँगुअन म से
एक जने हमसे कहिन, “न रोबा; देखा, यहूदा के कुल के उआ सेर, जउन
राजा दाऊद के बंसज आहीं, उआ किताब काहीं खोलँय, अउर ओखर
सातँव मोहर टोरँइ के खातिर बिजयी भे हँय।” 6 अउर हम उआ सिंहासन,
अउर चारिव जिन्दा प्रानिन, अउर ऊँ अँगुअन के बीच माहीं, मानो एकठे बध
कीन मेम्ना ठाढ़ देखेन; ओखे सातठे सींग अउर सातठे आँखी रही हँय; ईं
परमातिमा के सातँव आत्मा आहीं, जिनहीं परमातिमा सगली धरती के ऊपर
पठइन हीं। 7 ऊँ आइके उनखे दहिने हाँथ से जउन सिंहासन के ऊपर बइठ
रहे हँय, उआ किताब लइ लिहिन, 8 अउर जब ऊँ किताब लइ लिहिन, त ऊँ
चारिव जिन्दा प्रानी, अउर चउबीसव अँगुआ, उआ मेम्ना के आँगे गिर परें;
अउर हरेक के हाँथ माहीं बीना अउर महकँइ बाली चीजन से भरे, सोने के
खोरबा रहे हँय, ईं त पबित्र लोगन के प्राथना आहीं। 9 अउर ऊँ पंचे इआ
नबा गाना गामँइ लागें, कि

“अपनय इआ किताब काहीं लेंइ, अउर एखर मुहरँय खोलँय के काबिल
हएन; काहेकि अपना बध होइके अपने खून से हरेक कुल, अउर भाँसा,
अउर लोग, अउर जाति म से परमातिमा के खातिर लोगन काहीं मोल लिहेन
हँय।
10 अउर उनहीं, हमरे पंचन के परमातिमा के खातिर एकठे राज, अउर
याजक बनाएन हय; अउर ऊँ पंचे धरती के ऊपर राज करत हें।”
11 अउर जब हम देखेन, त उआ सिंहासन, अउर उन प्रानिन, अउर ऊँ
अँगुअन के चारिव कइती खुब स्वरगदूतन के बोल सुनेन, जिनखर गिनती
लाखन, करोड़न के रही हय। 12 अउर ऊँ जोर-जोर से कहत रहे हँय, कि
“बध कीन मेम्नय सामर्थ, अउर धन, अउर ग्यान, अउर सक्ती, अउर मान-
सम्मान, अउर महिमा, अउर बड़ाई के काबिल हें।” 13 तब हम स्वरग माहीं,
अउर धरती के ऊपर, अउर धरती के नीचे, अउर समुंद्र के बनाई सगली
चीजन काहीं, अउर सब कुछ काहीं जउन उन माहीं हँय, इआ कहत सुनेन,
कि जउन सिंहासन के ऊपर बइठ हें, उनखर, अउर मेम्ना के धन्यबाद, अउर
मान-सम्मान, अउर महिमा अउर राज, जुगन-जुगन तक रहय। 14 अउर
चारिव जिन्दा प्रानी आमीन कहिन, अउर अँगुआ लोग मुँह के बल गिरिके
गोड़न गिरें।

सातव मोहरन के खोला जाब

6 पुनि हम देखेन, कि मेम्ना ऊँ सातव मुहरन म से एकठे काहीं
खोलिन; अउर ऊँ चारिव प्रानिन म से एकठे के गरजँय कि नाईं बोल
सुनान, कि “आबा!” 2 अउर हमहीं एकठे उजर घोड़ा देखाई दिहिस, अउर
ओखर सबार धनुस लए हय, अउर ओही एकठे मुकुट दीन ग, अउर उआ
बिजई कि नाईं, बिजय यात्रा के खातिर निकर परा।
3 अउर जब मेम्ना दूसर मुहर खोलिन, त हम दुसरे प्रानी काहीं इआ कहत
सुनेन, कि “आबा!” 4 ओखे बाद एकठे अउर घोड़ा निकरा, जउन लाल रंग
के रहा हय; ओखे सबार काहीं इआ अधिकार दीन ग, कि धरती के ऊपर से
मेल-जोल काहीं उठाय लेय, जउने मनई एक दुसरे के कतल करँय; अउर
ओही एकठे बड़ी तलबार दीन गे। 5 अउर जब मेम्ना तीसर मुहर खोलिन, त
हम तिसरे प्रानी काहीं इआ कहत सुनेन, कि “आबा!” अउर हमहीं एकठे
करिआ घोड़ा देखान, अउर ओखे सबार के हाँथे माहीं एकठे तउलना रहा
हय; 6 अउर हम उन चारिव प्रानिन के बीच म से एकठे बोल इआ कहत
सुनेन, कि “एक दिनार के सेर भर गोहूँ, अउर एक दिनार के तीन सेर जबा,
पय जयतून के तेल अउर अंगूर के रस के नुकसान न किहा।”
7 अउर जब मेम्ना चउथ मोहर खोलिन, त हम चउथ प्रानी के बोल इआ
कहत सुनेन, कि “आबा!” 8 अउर हमहीं एकठे पिअर घोड़ा देखान; अउर
ओखे सबार के नाम मउत हय, अउर अधोलोक ओखे पीछे-पीछे हय, अउर
उनहीं धरती के एक चउथाई भाग के ऊपर इआ अधिकार दीन ग, कि
तलबार, अउर अकाल, अउर महामारी, अउर धरती के बन पसुअन के द्वारा
मनइन काहीं मारि डारँय। 9 अउर जब मेम्ना पचमी मुहर खोलिन, त हम
स्वरग के बेदी के नीचे उनखे प्रानन काहीं देखेन, जउन परमातिमा के बचन
के कारन, अउर उआ गबाही के कारन, जउन ऊँ पंचे दिहिन रहा हय, बध
कीन गे रहे हँय। 10 ऊँ पंचे खुब चन्डे गोहराइके कहिन, “हे मालिक, हे
पबित्र, अउर सत्य; अपना कब तक न्याय न करब? अउर धरती के रहँइ
बालेन से, हमरे खून के बदला कब तक न लेब?” 11 अउर उनमा से हरेक
जन काहीं, उजर ओन्हा दीन ग, अउर उनसे कहा ग, कि अउर थोरी देर तक
अराम करा, जब तक तोंहार पंचन के साथी सेबक लोग, अउर भाई लोग,
जउन तोंहरिन कि नाईं बध होंइ बाले हें, उनहूँ के घलाय गिनती पूर न होइ
जाय। 12 अउर जब मेम्ना छठमी मुहर खोलिन, त हम देखेन, कि एकठे बड़ा
भुँइडोल भ; अउर सुरिज कम्बल कि नाईं करिआ, अउर पूरी जोंधइआ खून
कि नाईं होइगे। 13 अउर अकास के तरइयाँ धरती के ऊपर अइसन गिर परीं,
जइसन तेज आँधी से हालिके अंजीर के बिरबा म से कच्चे फर झरत हें।
14 अउर अकास अइसन सरकि ग, जइसन चिट्ठी लपेटे से सरकि जात ही;
अउर हरेक पहार, अउर टापू, अपने जघा से टरिगें। 15 अउर धरती के राजा,
अउर प्रधान, अउर मुखिया, अउर धनमान, अउर समरथी लोग, अउर हरेक
दास, अउर हरेक अजाद, पहारन के खोहन माहीं, अउर चट्टानन माहीं
जाइके लुकिगें। 16 अउर पहारन, अउर चट्टानन से कहँइ लागें, “हमरे ऊपर
गिर परा; अउर हमहीं पंचन काहीं उनखे मुँहे से जउन सिंहासन के ऊपर
बइठ हें, अउर मेम्ना के कोप से लुकाय ल्या। 17 काहेकि उनखे कोप के
भयानक दिन आय पहुँचा हय, अब को ठहर सकत हय?”

इजराइल के एक लाख चवालिस हजार लोग

7 एखे बाद हम धरती के चरहूँ कोनमा माहीं, चारठे स्वरगदूतन काहीं
ठाढ़ देखेन, ऊँ पंचे धरती के चरहूँ हबा काहीं रोंके रहे हँय, जउने
धरती, इआ कि समुंद्र, इआ कि कउनव बिरबन के ऊपर हबा न चलय।
2 फेर हम एकठे अउर स्वरगदूत काहीं, जिन्दा परमातिमा के मुहर लए पूरुब
से ऊपर कइती आबत देखेन; ऊँ उन चरहूँ स्वरगदूतन से जिनहीं धरती अउर
समुंद्र के नुकसान करँइ के अधिकार दीन ग तय, खुब चन्डे गोहराइके
कहिन। 3 “जब तक हम अपने परमातिमा के सेबकन के लिलारे माहीं, मुहर
न लगाय देई, तब तक धरती, अउर समुंद्र, अउर बिरबन काहीं नुकसान न
पहुँचाया।” 4 अउर जिनखे ऊपर मुहर लगाई गे रही हय, हम उनखर गिनती
सुनेन, अरथात इजराइल के सन्तानन के सगले कुलन म से, एक लाख
चवालिस हजार मनइन के ऊपर मुहर लगाई गे। 5 यहूदा के कुल म से बारा
हजार के ऊपर मुहर लगाई गे, अउर रूबेन के कुल म से बारा हजार के
ऊपर; अउर गाद के कुल म से बारा हजार के ऊपर। 6 अउर आसेर के कुल
म से बारा हजार के ऊपर; अउर नप्ताली के कुल म से बारा हजार के ऊपर;
अउर मनस्सिह के कुल म से बारा हजार के ऊपर, 7 समौन के कुल म से
बारा हजार के ऊपर; लेबी के कुल म से बारा हजार के ऊपर; इस्साकार के
कुल म से बारा हजार के ऊपर, 8 जबूलून के कुल म से बारा हजार के ऊपर,
यूसुफ के कुल म से बारा हजार के ऊपर, अउर बिन्यामीन के कुल म से बारा
हजार के ऊपर मुहर लगाई गे।

बड़ी भारी भीड़

9 एखे बाद हम देखेन, कि हरेक जाति, अउर कुल, अउर लोग अउर भाँसा
म से एकठे अइसन बड़ी भीड़, जउने काहीं कोऊ गिन नहीं सकत रहा आय,
उजर ओन्हा पहिरे, अउर अपने हाँथेन माहीं खजूर के डेरइअन काहीं लए,
सिंहासन के आँगे, अउर मेम्ना के आँगे ठाढ़ रही ही। 10 अउर खुब चन्डे
चिल्लाइके कहत ही, कि मुक्ती के खातिर हमरे पंचन के परमातिमा के,
जउन सिंहासन के ऊपर बइठ हें, अउर मेम्ना के जय-जयकार होय। 11 अउर
सगले स्वरगदूत, उआ सिंहासन अउर अँगुअन, अउर चरहूँ जिन्दा प्रानिन के
चारिव कइती ठाढ़ हें, फेर ऊँ पंचे सिंहासन के आँगे मुँह के बल गिर परें;
अउर परमातिमा के गोड़न गिरिके कहिन, 12 "आमीन! हमरे पंचन के
परमातिमा के बड़ाई, अउर महिमा, अउर ग्यान, अउर धन्यबाद, अउर मान-
सम्मान, अउर सामर्थ, अउर सक्ती जुगन-जुगन तक बनी रहय। आमीन!"
13 तब अँगुअन म से एक जने हमसे कहिन; "ईं उजर ओन्हा पहिरे को
आहीं? अउर कहाँ से आए हँय?" 14 हम उनसे कहेन; "हे, मालिक, अपनय
जानित हएन।" तब ऊँ हमसे कहिन; "ईं ऊँ पंचे आहीं, जउन उआ महाकस्ट
से निकरिके आए हँय; ईं पंचे अपने-अपने ओन्हन काहीं मेम्ना के खून से
धोइके उजर किहिन हीं।
15 इहय कारन से ऊँ पंचे परमातिमा के सिंहासन के आँगे हें, अउर उनखे
मन्दिर माहीं दिन-रात उनखर सेबा करत हें, अउर जउन सिंहासन माहीं
बइठ हें, ऊँ उनखे ऊपर आपन तम्बू ठाढ़ करिहँय।
16 अउर पुनि ऊँ पंचे भूँखे पिआसे न होइहँय, अउर न उनखे ऊपर घाम, न
कउनव तपन परी †।"
17 काहेकि मेम्ना जउन सिंहासन के बीच माहीं हें, उनखर देखभाल
करिहँय; अउर उनहीं पंचन काहीं जीबन रूपी पानी के झिन्नन के लघे लइ
जाबा करिहँय, अउर परमातिमा उनखे आँखिन से सगले आँसू पोंछि डरिहँय
††।

सतमी मुहर अउर सोने के धूपदान

8 अउर जब मेम्ना सतमी मुहर खोलिन, त स्वरग माहीं आधा घन्टा तक
सन्नाटा छाइगा। 2 तब हम ऊँ सतहूँ स्वरगदूतन काहीं देखेन, जउन
परमातिमा के आँगे ठाढ़ रहत हें, अउर उनहीं सातठे तुरही दीन गईं।
3 ओखे बाद एकठे अउर स्वरगदूत सोने के धूपदानी लए आएँ, अउर बेदी
के लघे ठाढ़ भें; अउर उनहीं खुब काहीं धूप दीन ग, कि सगले पबित्र मनइन
के प्राथनन के साथ सोने के उआ बेदी माहीं, जउन सिंहासन के आँगे हय
चढ़ामँय। 4 अउर उआ धूप के धुँआ, पबित्र मनइन के प्राथनन समेत
स्वरगदूत के हाँथ से परमातिमा के आँगे पहुँचिगा। 5 तब स्वरगदूत धूपदानी
लइके, ओमाहीं बेदी के आगी भरिन, अउर धरती माहीं डार दिहिन; एसे
गरजब, अउर भारी बोल, अउर बिजुली चमकँइ लागीं, अउर भुँइडोल होंइ
लागें।

सतहूँ स्वरगदूतन के तुरही फूँकब

6 तब ऊँ सतहूँ स्वरगदूत जिनखे लघे सातठे तुरही रही हँय, उनहीं फूँकँइ
के खातिर तइआर भें। 7 पहिल स्वरगदूत तुरही फूँकिन, तब खून से मिले
ओला अउर आगी उत्पन्न भे अउर धरती माहीं डारी गे; अउर धरती के एक
तिहाई हिस्सा जरिगा, अउर एक तिहाई बिरबा जरिगें, अउर सगला हरिअर
चारा घलाय जरिगा।
8 दूसर स्वरगदूत तुरही फूँकिन, त मानो आगी कि नाईं जरत एकठे बड़ा
भारी पहार समुंद्र माहीं डारा ग; अउर समुंद्र के एक तिहाई हिस्सा खून
होइगा। 9 अउर समुंद्र के एक तिहाई जीव-जन्तु मरिगें, अउर एक तिहाई
जिहाज नास होइगें।

10 तीसर स्वरगदूत तुरही फूँकिन, अउर एकठे बड़ी भारी तरइया, जउन
मसाल कि नाईं जरत रही हय, स्वरग से टूट, अउर नदिअन के एक तिहाई
हिस्सा माहीं, अउर पानी के झिन्नन माहीं आय गिरी। 11 उआ तरइया के नाम
नागदवना हय; अउर पानी के एक तिहाई हिस्सा नागदवना बिरबा कि नाईं
करू होइगा, अउर खुब मनई पानी के करू होइ जाँइ से मरिगें।
12 चउथ स्वरगदूत तुरही फूँकिन, अउर सुरिज के एक तिहाई हिस्सा, अउर
जोंधइआ के एक तिहाई हिस्सा, अउर तरइअन के एक तिहाई हिस्सा माहीं
बिपत्ती आइगे, इहाँ तक कि उनखर एक तिहाई हिस्सा माहीं अँधिआर
होइगा, अउर दिन अउर रात के एक तिहाई हिस्सा माहीं घलाय अँधिआर
होइगा। 13 अउर जब हम पुनि देखेन, त अकास के बीच माहीं एकठे चील्ह
काहीं उड़त, अउर खुब चन्डे इआ कहत सुनेन, "ऊँ तिनहूँ स्वरगदूतन के
तुरहिन के बोल के कारन, जिनखर फूँकब अबे बाँकी हय, धरती माहीं रहँइ
बालेन के ऊपर घोर बिपत्ती आमँइ बाली ही।"

9 जब पचमाँ स्वरगदूत तुरही फूँकिन, त हम स्वरग से धरती के ऊपर
एकठे तरइया गिरत देखेन, अउर उनहीं अथाह कुन्ड के उघन्नी दीन गे।
2 अउर ऊँ अथाह कुन्ड काहीं खोलिन, अउर कुन्ड म से बड़ी भट्ठी कि नाईं
धुँआ उठा, अउर कुन्ड के धुँआ से सुरिज अउर हबा माहीं भारी अँधिआर
होइगा। 3 अउर उआ धुँआ म से धरती माहीं टिड्डी निकरीं, अउर उनहीं
बीछिन कि नाईं सक्ती दीन गय। 4 अउर उनसे कहा ग, कि न धरती के चारा
काहीं, न कउनव हरियरी काहीं, न कउनव बिरबा काहीं नुकसान पहुँचामय,
केबल उन मनइन काहीं नुकसान पहुँचामय, जिनखे लिलारे माहीं परमातिमा
के मुहर नहीं लगी आय। 5 अउर ऊँ टिड्डिन काहीं मनइन काहीं मारि डारँइ के
त नहीं, पय मनइन काहीं पाँच महीना तक पीरा देंइ के अनुमति दीन गय,
अउर उनखर पीरा अइसन रही हय, जइसन बीछी के ऊरा मारे से मनइन
काहीं होत ही। 6 ऊँ दिनन माहीं मनई मउत काहीं ढुँढ़िहँय, अउर न पइहँय;
अउर मरँय के इच्छा करिहँय, अउर मउत उनसे दूरी भागी।
7 अउर ऊँ चिड्डुन के अकार, लड़ाई के खातिर तइआर घोड़न कि नाईं रहा
हय, अउर उनखे मूँड़े माहीं मानो सोने के मुकुट रहे हँय; अउर उनखर मुँह
मनइन कि नाईं रहे हँय। 8 अउर उनखर बार मेहेरिअन के बार कि नाईं, अउर
दाँत सेरन कि नाईं रहे हँय। 9 अउर ऊँ पंचे लोहे कि नाईं झिलम पहिरे रहे
हँय, अउर उनखे पखनन के अबाज अइसन रही हय, जइसन रथन अउर
खुब घोड़न के, जउन लड़ाई माहीं दउड़त होंय। 10 अउर उनखर पूँछ बीछिन
कि नाईं रही हँय, अउर उनमा ऊरा रहे हँय, अउर उनहीं पाँच महीना तक
मनइन काहीं दुख पहुँचामँइ के जउन सक्ती मिली रही हय, उआ उनखे पूँछन
माहीं रही हय। 11 अथाह कुन्ड के दूत उनखे ऊपर राजा रहा हय, ओखर
नाम इब्रानी भाँसा माहीं अबद्दोन, अउर यूनानी भाँसा माहीं अपुल्लयोन हय।
12 पहिल बिपत्ती बीत चुकी, देखा, अब इनखे बाद दुइठे बिपत्ती अउर आमँइ
बाली हईं।
13 जब छठमाँ स्वरगदूत तुरही फूँकिन, त जउन सोने के बेदी परमातिमा
के आँगे हय, ओखे सींगन म से हम अइसन बोल सुनेन। 14 मानो छठएँ
स्वरगदूत से, जिनखे लघे तुरही रही हय, कोऊ कहि रहे हँय, कि "ऊँ चारिव
स्वरगदूतन काहीं, जउन बड़ी नदिया फरात के लघे बाँधे हँय, खोल देंय।"
15 अउर ऊँ चारिव दूत खोल दीनगें, जउन उआ घरी, अउर दिन, अउर
महीना, अउर बरिस के खातिर तइआर कीन गे रहे हँय, कि मनइन के एक
तिहाई हिस्सा काहीं मारि डारँय। 16 "उनखे फउज के सबारन के गिनती
बीस करोड़ रही हय।" इआ बात काहीं हम सुनेन, 17 अउर हमहीं इआ
दरसन माहीं, घोड़ा, अउर उनखर अइसन सबार देखाई दिहिन, जिनखर
झिलम आगी कि नाईं लाल, अउर धूम्रकान्त कि नाईं नीली, अउर गन्धक कि
नाईं पिअर रही हँय, अउर ऊँ घोड़न के मूँड़, सेरन के मूड़न कि नाईं रहे हँय,
अउर उनखे मुँहे से आगी, अउर धुँआ, अउर गन्धक निकरत रहे हँय। 18 ईं
तीनव महामारिन; अरथात आगी, अउर धुँआ, अउर गन्धक से, जउन उनखे
मुँहे से निकरत रहे हँय, एक तिहाई मनई मारि डारे गें। 19 काहेकि ऊँ घोड़न
के सक्ती उनखे मुँहे, अउर उनखे पूँछन माहीं रही ही; एसे कि उनखर पूँछ
साँपन कि नाईं रही हँय, अउर उनखे पूँछन माहीं मूँड़ घलाय रहे हँय, अउर

† *7:16 यसा 49:10* †† *7:17 भज 23:1,2; यसा 25:8; यहे 34:23*

उनहिन से ऊँ पंचे पीरा पहुँचाबत रहे हँय। 20 अउर बाँकी मनई जउन ऊँ महामारिन से नहीं मरे रहे आहीं, अपने हाँथन के कामन से मन नहीं फिराइन, ऊँ पंचे बुरी आत्मन के पूजा करत रहिगें, अउर सोन-चाँदी, अउर पीतल अउर पथरा, अउर लकड़ी, के मूरतिन के पूजा करब घलाय नहीं छोंड़िन, जउन न देख सकती आहीं, न सुन सकती आहीं, न चल सकती आहीं। 21 अउर जउन हत्या, अउर टोना, अउर ब्यभिचार, अउर चोरी, ऊँ पंचे किहिन रहा हय, उनसे मन नहीं फिराइन।

स्वरगदूत अउर छोट किताब

10 हम पुनि एकठे अउर सक्तिसाली स्वरगदूत काहीं बदरी ओढ़े, स्वरग से उतरत देखेन। अउर उनखे मूँड़े माहीं इन्द्रधनुस रहा हय, अउर उनखर मुँह सुरिज कि नाईं, अउर उनखर गोड़ आगी के खम्भा कि नाईं रहे हँय। 2 उनखे हाँथ माहीं एकठे छोट क खुली किताब रही हय; ऊँ आपन दहिना गोड़ समुंद्र माहीं, अउर बामा धरती माहीं धरिन। 3 अउर अइसन चन्डे चिल्लाने, जइसन सेर गरजत होय; अउर जब ऊँ चिल्लाने, त गरजँय के सातठे बोल सुनाई दिहिन। 4 जब गरजँय के सतहूँ बोल सुनाई दइ चुकें, त हम लिखँइ बाले रहेन हय, अउर हम स्वरग से इआ बोल सुनेन, कि जउन बातँय गरजँय के ऊँ सातठे बोलन से सुने हया, उनहीं गुप्त रक्खा, अउर न लिखा। 5 अउर जउने स्वरगदूत काहीं हम समुंद्र अउर धरती माहीं ठाढ़ देखन रहा हय; ऊँ आपन दहिना हाँथ स्वरग कइती उठाइन। 6 अउर परमातिमा जउन जुगन-जुगन तक जिन्दा रहत हें, जउन स्वरग अउर जउन कुछू ओमाहीं हय, अउर धरती काहीं, अउर जउन कुछू ओखे ऊपर हय, अउर समुंद्र काहीं, अउर जउन कुछू ओमाहीं हय, बनाइन हीं, उनहिन के कसम खाइके कहिन, "अब त अउर देरी न होई। 7 जउने दिन सतएँ स्वरगदूत के तुरही के बोल सुनाई देई, उहय दिन परमातिमा के गुप्त भेद पूर होइ जई, जइसन ऊँ अपने सेबकन, अउर सँदेस बतामँइ बालेन के द्वारा बताइन रहा हय।" 8 अउर जउने बोल काहीं हम स्वरग से बोलत सुनेन तय, ऊँ पुनि हमसे बात करँइ लागें; कि "जा, जउन स्वरगदूत समुंद्र अउर धरती माहीं ठाढ़ हें, उनखे हाँथे के खुली किताब काहीं लइ ल्या।" 9 अउर हम स्वरगदूत के लघे जाइके कहेन, "इआ छोट किताब काहीं हमहीं दइ द्या।" ऊँ हमसे कहिन, "ल्या एही खाय ल्या; इआ तोंहार पेट करू त करी, पय तोंहरे मुँहे माहीं महिपर कि नाईं मीठ लागी।" 10 एसे हम उआ छोट किताब काहीं, ऊँ स्वरगदूत के हाँथे से लइके खाय लिहेन, उआ हमरे मुँहे माहीं महिपर कि नाईं मीठ त लाग, पय जब हम ओही खाय लिहेन, त हमार पेट करू होइगा †। 11 तब हमसे इआ कहा ग, "तोहईं, खुब मनइन, अउर जातिअन, अउर भाँसन, अउर राजन के बारे माहीं पुनि भबिस्यबानी करँय परी।"

दुइठे गबाह

11 ओखे बाद हमहीं नापँय के खातिर एकठे सरकन्डा दीन ग, अउर कोऊ कहिस, "उठा, परमातिमा के मन्दिर, अउर बेदी काहीं नाप ल्या, अउर ओमाहीं अराधना करँइ बालेन के गिनती करा। 2 पय मन्दिर के बहिरे के अँगना छोंड़ द्या; ओही न नापा, काहेकि उआ गैरयहूदी लोगन काहीं दीन ग हय, अउर ऊँ पंचे पबित्र सहर काहीं बयालिस महीना तक रउँदिहँय। 3 अउर हम अपने दुइठे गबाहन काहीं इआ अधिकार देब, कि टाट ओढ़े, एक हजार दुइ सव साठ दिन तक भबिस्यबानी करँय।"

4 ईं गबाह उँइन जयतून के दुइठे बिरबा, अउर दुइठे दीबट आहीं, जउन धरती काहीं बनामँइ बाले प्रभू के आँगे ठाढ़ रहत हें। 5 अउर अगर कोऊ उनहीं नुकसान पहुँचामँइ चाहत हय, त उनखे मुँहे से आगी निकरिके उनखे बइरिन काहीं भसम कइ देत ही, अउर अगर कोऊ उनहीं नुकसान पहुँचामँइ चाही, त जरूर इहइमेर से मार डारा जई। 6 उनहीं अधिकार हय, कि अकास काहीं बन्द करँय, कि जउने उनखे भबिस्सबानी के दिनन माहीं, बदरी न बरसय, अउर उनहीं सगले पानी के ऊपर अधिकार हय, कि ओही खून बनामँइ, अउर जब-जब चाहँय तब-तब धरती के ऊपर हरेकमेर के बिपत्ती लइ आमँय। 7 अउर जब ऊँ पंचे आपन गबाही दइ चुकिहँय, तब उआ खतरनाक जानबर जउन अथाह कुन्ड म से निकरी, उनसे लड़िके उनहीं हराय देई, अउर उनहीं मारि डारी। 8 उनखर लहासँय उआ बड़े सहर के चउराहा माहीं परी रइहँय, जउन आत्मिक रीति से सदोम अउर मिस्र कहाबत हय, जहाँ उनखर प्रभू घलाय क्रूस माहीं चढ़ाए गे रहे हँय। 9 अउर सगले मनइन, अउर कुलन, अउर भाँसन, अउर जातिअन म से मनई उनखे लहासन काहीं साढ़े तीन दिना तक देखत रइहँय, अउर उनखे लहासन काहीं कब्र माहीं धरँय न देइहँय। 10 धरती के रहँइ बाले, उनखे मउत से आनन्दित अउर मगन होइहँय, अउर एक दुसरे के लघे भेंट पठबइहँय, काहेकि ईं दोनव परमातिमा के सँदेस बतामँइ बाले, धरती के रहँइ बालेन काहीं सताइन रहा हय। 11 पय साढ़े तीन दिना के बाद, परमातिमा के तरफ से जीबन के साँस उन माहीं समाइगे, अउर ऊँ पंचे अपने गोड़े के बल ठाढ़ होइगें, अउर उनहीं देखँइ बालेन के ऊपर बड़ा भय छाइगा। 12 तब उनहीं स्वरग से एकठे बड़ा बोल सुनाई दिहिस, "इहाँ ऊपर आबा!" इआ सुनिके ऊँ पंचे बदरी के ऊपर सबार होइके, अपने बइरिन के देखत-देखत स्वरग माहीं चढ़िगें। 13 फेर उहय समय एकठे बड़ा भुँइडोल भ, अउर सहर के दसमा हिस्सा गिर परा; अउर उआ भुँइडोल से सात हजार मनई मरिगें, अउर बाँकी डेराइगें, अउर स्वरग के परमातिमा के बड़ाई किहिन।

14 दूसर बिपत्ती बीत चुकी, देखा, तीसर बिपत्ती हरबिन आमँइ बाली ही।

सतमी तुरही के फूँका जाब

15 अउर जब सतमा दूत तुरही फूँकिन, त स्वरग माहीं एखे बारे माहीं बड़े-बड़े बोल होंइ लागें, कि "संसार के राज हमरे पंचन के प्रभू के, अउर उनखे मसीह के होइ ग हय, अउर ऊँ जुगन-जुगन तक राज करिहँय।" 16 तब चउबीसव अँगुआ जउन परमातिमा के आँगे अपने-अपने सिंहासन माहीं बइठ रहे हँय, मुँह के बल गिरिके परमातिमा के गोड़न गिरिके, 17 इआ कहँइ लागें,

"हे सर्बसक्तिमान प्रभू परमातिमा, जउन हएन, अउर जउन रहे हएन, हम पंचे अपना के धन्यबाद करित हएन, कि अपना अपने बड़ी सामर्थ काहीं काम म लइआइके राज किहेन हय।

18 अउर गैरयहूदी लोग क्रोध किहिन, अउर अपना के कोप आय पहुँचा हय, अउर उआ समय आइगा हय, कि मरे मनइन के न्याय कीन जाय, अउर अपना के सँदेस बतामँइ बाले सेबकन अउर पबित्र मनइन काहीं, अउर उन छोट-बड़ेन काहीं जउन अपना के नाम से डेरात हें, बदला दीन जाय, अउर धरती के बिगाड़ँइ बाले नास कीन जाँय।"

19 तब परमातिमा के जउन मन्दिर स्वरग माहीं हय, उआ खोला ग, अउर उनखे मन्दिर माहीं, उनखे करार के सन्दूख देखाई दिहिस, अउर बिजुली अउर बोल अउर गरजब अउर भुँइडोल भें, अउर बड़े-बड़े ओला गिरें।

मेहेरिआ अउर अजिगर

12 ओखे बाद स्वरग माहीं एकठे बड़ा चिन्ह देखाई दिहिस, अरथात एकठे मेहेरिआ, जउन सुरिज ओढ़े रही हय, अउर जोंधइआ ओखे गोड़े के नीचे रही हय, अउर ओखे मूँड़े माहीं बारा तरइअन के मुकुट रहा हय। 2 उआ लड़कहाई भे, अउर चिल्लात रही हय; काहेकि उआ लड़िका होंय के पीरा माहीं परे कराहत रही हय। 3 एकठे अउर चिन्ह स्वरग माहीं देखाई दिहिस; अउर देखा, एकठे बड़ा भारी लाल अजिगर रहा हय, जेखे सातठे मूँड़ अउर दसठे सींग रहे हँय, अउर ओखे मूँड़ेन माहीं सातठे राजमुकुट रहे हँय। 4 अउर ओखर पूँछ अकास के तरइअन के एक तिहाई हिस्सा काहीं, खींचिके धरती माहीं गिराय दिहिस। उआ अजिगर उआ मेहेरिआ के आँगे जउन लड़कहाई रही हय ठाढ़ भ, कि जब उआ लड़िका पइदा करय, त ओखे लड़िका काहीं लील लेय। 5 अउर उआ मेहेरिआ के लड़िका भ, जउन लोहे के राजदन्ड लए, सगले जातिअन के ऊपर राज करँइ

† *10:10 यहे 2:8—3:3*

बाला रहा हय, अउर उआ लड़िका एकाएक परमातिमा के लघे, अउर उनखे सिंहासन के लघे उठाइके पहुँचाय दीन ग। 6 अउर उआ मेहेरिआ उआ जंगल माहीं भागिगे, जहाँ परमातिमा के तरफ से, ओखे खातिर एकठे जघा तइआर कीन गे रही हय, कि उहाँ उआ एक हजार दुइ सव साठ दिना तक पाली पोसी जाय।

7 ओखे बाद स्वरग माहीं लड़ाई भे, मीकाईल अउर उनखर स्वरगदूत अजिगर से लड़ँइ काहीं निकरें, अउर अजिगर अउर ओखर दूत उनसे लड़ें। 8 पय जीत नहीं पाएँ, अउर स्वरग माहीं उनखे खातिर पुनि जघा नहीं रहिगे। 9 तब उआ बड़ा भारी अजिगर, अरथात उहय पुरान साँप, जउन इबलीस अउर सइतान कहाबत हय, अउर सगले संसार काहीं भरमामँइ बाला, धरती माहीं गिराय दीन ग; अउर ओखर दूत घलाय ओखे साथ गिराय दीनगें। 10 ओखे बाद हम स्वरग से इआ बड़ा बोल आबत सुनेन, कि अब हमरे पंचन के परमातिमा के मुक्ती, अउर सामर्थ, अउर राज, अउर उनखे मसीह के अधिकार प्रगट भ हय; काहेकि हमरे पंचन के भाई-बहिनिन के ऊपर दोस लगामँइ बाला, जउन रात-दिना हमरे पंचन के परमातिमा के आँगे, उनखे ऊपर दोस लगाबा करत रहा हय, गिराय दीन ग। 11 अउर ऊँ पंचे मेम्ना के खून के कारन, अउर अपने गबाही के बचन के कारन, सइतान के ऊपर बिजयी भें हँय, अउर ऊँ पंचे अपने प्रानन काहीं पियार नहीं जानिन, इहाँ तक कि मउत घलाय सहि लिहिन। 12 इआ कारन, हे स्वरगव, अउर उनमा रहँइ बाल्या, आनन्द मनाबा; पय हे धरती, अउर समुंद्र तोंहरे ऊपर बड़ी भारी बिपत्ती आमँइ बाली हय! काहेकि सइतान बड़े क्रोध के साथ तोंहरे लघे उतरि आबा हय; काहेकि उआ जानत हय, कि ओखर थोरिन काहीं समय अउर बचा हय।

13 अउर जब अजिगर देखिस, कि हम धरती माहीं गिराय दीन गएन हय, त उआ मेहेरिआ काहीं जउन लड़िका पइदा किहिस तय, सतामँइ के खातिर पीछा करँइ लाग। 14 पय उआ मेहेरिआ काहीं, बड़े चील्ह के दुइठे पखना दीनगें, कि उआ साँप के आँगे से उड़िके जंगल माहीं, उआ जघा माहीं पहुँच जाय, जहाँ साढ़े तीन बरिस तक पाली पोसी जाय। 15 अउर साँप उआ मेहेरिआ के पीछे अपने मुँहे से नदी कि नाईं पानी बहाइस, कि ओही इआ नदी माहीं बहाय देय। 16 पय धरती उआ मेहेरिआ के मदत किहिस, अउर आपन मुँह खोलिके उआ नदी काहीं जउन अजिगर अपने मुँहे से बहाइस रहा हय, पि लिहिस। 17 तब अजिगर उआ मेहेरिआ के ऊपर क्रोधित भ, अउर ओखे बची सन्तान से, जउन परमातिमा के हुकुमन काहीं मानत रहे हँय, अउर यीसु के गबाही देंइ माहीं स्थिर रहे हँय, उनसे लड़ँय काहीं ग। 18 अउर समुंद्र के बारू के ऊपर जाइके ठाढ़ भ।

दुइठे खतरनाक जानबर

13 तब हम एकठे खतरनाक जानबर काहीं समुंद्र से निकरत देखेन, ओखे दसठे सींग अउर सातठे मूँड़ रहे हँय; ओखे सींगन माहीं दसठे राजमुकुट अउर ओखे मूँड़ेन के ऊपर परमातिमा के निन्दा के नाम लिखे रहे हँय। 2 जउन खतरनाक जानबर हम देखेन, उआ चीता कि नाईं रहा हय; अउर ओखर गोड़ भालू कि नाईं रहे हँय, अउर ओखर मुँह सेर कि नाईं रहा हय; अउर उआ अजिगर आपन सक्ती, अउर सिंहासन, अउर बड़ा अधिकार, ओही दइ दिहिस। 3 अउर हम ओखे मूँड़ेन म से, एकठे के ऊपर अइसन भयानक घाव लगा देखेन, त अइसन लागत रहा हय, कि उआ मरइन बाला हय; ओखे बाद ओखर जानलेबा घाव निकहा होइगा, अउर सगले धरती के मनई उआ खतरनाक जानबर के पीछे-पीछे अचरज मानत चलें। 4 अउर ऊँ पंचे अजिगर के अराधना किहिन, काहेकि उआ खतरनाक जानबर काहीं आपन अधिकार दइ दिहिस रहा हय, अउर इआ कहिके अराधना किहिन, कि “इआ खतरनाक जानबर के समान को हय? एसे को लड़ि सकत हय?”

5 बड़े बोल बोलँइ अउर परमातिमा के बुराई करँइ के खातिर, ओही एकठे मुँह दीन ग, अउर ओही बयालिस महीना तक काम करँइ के अधिकार दीन ग। 6 एसे उआ परमातिमा के बुराई करँइ के खातिर मुँह खोलिस, कि उनखे नाम अउर उनखे तम्बू, अरथात स्वरग माहीं रहँइ बालेन के बुराई करय। 7 अउर उआ खतरनाक जानबर काहीं इआ अधिकार दीन ग, कि पबित्र मनइन से लड़य, अउर उनसे जीत जाय, अउर ओही हरेक कुल, अउर लोग, अउर भाँसा, अउर जाति के ऊपर अधिकार दीन ग। 8 अउर धरती के सगले रहँइ बाले, उआ खतरनाक जानबर के अराधना करिहँय। जिनखर नाम बध कीन मेम्ना के जीबन के किताब माहीं, संसार के सुरुआत से लिखे नहिं आहीं। 9 जेखर सुनँय के मन होय, उआ सुन लेय।

10 जेही जेल माहीं बन्द होंइ क हय, उआ जेल माहीं बन्द होई; जे कोऊ तलबार से मारी, उआ जरूर तलबार से मारा जई, अब पबित्र मनइन काहीं धीरज धरँय, अउर सताव काहीं सहत बिसुआस माहीं बने रहँय के समय हय।

11 ओखे बाद हम एकठे दूसर खतरनाक जानबर काहीं, धरती म से निकरत देखेन, ओखे मेम्ना कि नाईं दुइठे सींग रही हँय; अउर उआ अजिगर कि नाईं बोलत रहा हय। 12 इआ दूसर खतरनाक जानबर, उआ पहिल खतरनाक जानबर के सगला अधिकार ओखे आँगे काम माहीं लाबत रहा हय, अउर धरती अउर ओमाहीं रहँइ बालेन से, उआ पहिल खतरनाक जानबर के जेखर जानलेबा घाव निकहा होइगा रहा हय, अराधना कराबत रहा हय। 13 उआ दूसर खतरनाक जानबर बड़े-बड़े चमत्कार देखाबत रहा हय, इहाँ तक कि मनइन के आँगे, स्वरग से धरती माहीं आगी बरसाय देत रहा हय। 14 ऊँ चमत्कार के कामन के कारन, जिनहीं पहिल खतरनाक जानबर के आँगे देखामँइ के अधिकार ओही दीन ग रहा हय; उआ धरती के रहँइ बालेन काहीं, इआमेर भरमाबत रहा हय, अउर उनसे इआ कहत रहा हय, कि जउने खतरनाक जानबर के तलबार लगी रही हय, उआ जिन्दा होइगा हय, ओखर मूरत बनाबा। 15 अउर उआ दूसर खतरनाक जानबर काहीं, उआ खतरनाक जानबर के मूरत माहीं प्रान डारँइ के अधिकार दीन ग, कि खतरनाक जानबर के मूरत बोलँइ लागय; अउर जेतने मनई उआ खतरनाक जानबर के मूरत के अराधना न करिहँय, उनहीं मरबाय डारय। 16 अउर उआ दूसर खतरनाक जानबर सगले मनइन काहीं, चाह उआ छोट होय, इआ बड़ा, धनी होय, इआ गरीब, अजाद होय, इआ दास, सगलेन काहीं दहिने हाँथ इआ कि, लिलारे माहीं छाप लगबामँइ के खातिर बिबस किहिस। 17 जेखे ऊपर छाप अरथात उआ खतरनाक जानबर के नाम, इआ कि ओखे नाम के संख्या न होई, उआ लेन-देन नहीं कइ सकय। 18 ग्यान एहिन माहीं हय, जेखे बुद्धी होय, उआ इआ खतरनाक जानबर के नाम के संख्या जोड़ लेय, काहेकि उआ संख्या मनई के नाम से सम्बन्धित ही, अउर ओखर संख्या छय सव छेंछठ ही।

मेम्ना अउर उनखर चुने लोग

14 एखे बाद हम देखेन, कि मेम्ना सिय्योन पहार के ऊपर ठाढ़ हें, अउर उनखे साथ एक लाख चवालिस हजार मनई हें, जिनखे लिलारे माहीं उनखर, अउर उनखे बाप के नाम लिखा हय। 2 अउर स्वरग से हमहीं एकठे अइसन बोल सुनाई दिहिस, जउन पानी के खुब धारन कि नाईं, अउर बड़े गरजन कि नाईं रहा हय, अउर जउन बोल हम सुनेन, उआ अइसा रहा हय, जइसन बीना बजामँइ बाले बीना बजाय रहे होंय। 3 अउर ऊँ पंचे सिंहासन के आँगे, अउर चारिव प्रानिन अउर अँगुअन के आँगे, एकठे नबा गाना गाबत रहे हँय। अउर ऊँ एक लाख चवालिस हजार मनइन के अलाबा, जउन धरती के ऊपर से मोल लीन गे रहे हँय, कोऊ उआ गाना काहीं नहीं सिख सकत रहे आहीं। 4 ई ऊँ पंचे आहीं, जउन मेहेरिअन के साथ असुद्ध नहीं भे रहे आहीं, बलकिन कुमार हें; ई उँइन पंचे आहीं, जउन जहाँ कहँव मेम्ना जात रहे हँय, ई पंचे उनखे पीछे-पीछे चल देत रहे हँय, ई पंचे त परमातिमा अउर मेम्ना के खातिर, पहिल फल होंइ के खातिर, मनइन म से मोल लीन गे हँय। 5 इनखे मुँह से कबहूँ लबरी बातँय नहीं निकरीं तय, ई पंचे निरदोस हें।

तीनठे स्वरगदूत

6 पुनि हम एकठे अउर स्वरगदूत काहीं, अकास के बीच माहीं उड़त देखेन,
जिनखे लघे धरती के ऊपर रहँइ बालेन के हरेक जाति, अउर कुल, अउर
भाँसा, अउर लोगन काहीं सुनामँइ के खातिर सनातन खुसी के खबर रही
हय। 7 अउर ऊँ खुब चन्डे कहिन, "परमातिमा से डेरा, अउर उनखर बड़ाई
करा, काहेकि उनखर न्याय करँइ के समय आय पहुँचा हय; अउर उनखर
भजन करा, उँइन स्वरग, अउर धरती अउर समुंद्र अउर पानी के झिन्नन
काहीं बनाइन हीं।"
8 एखे बाद पुनि एकठे अउर, दूसर स्वरगदूत इआ कहत आएँ, "गिर परा,
उआ बड़ा बेबीलोन सहर गिर परा, जउन अपने ब्यभिचार के क्रोध भरी
मदिरा, सगली जातिअन काहीं पिआइस ही।"
9 पुनि इनखे बाद एकठे अउर, तीसर स्वरगदूत खुब चन्डे से इआ कहत
आएँ, "जे कोऊ उआ खतरनाक जानबर अउर ओखे मूरत के अराधना करी,
अउर अपने लिलारे माहीं, इआ कि अपने हाँथे माहीं ओखर छाप लगाई,
10 त उआ परमातिमा के क्रोध के निछला मदिरा, जउन उनखे क्रोध के
खोरबा माहीं डारी गे ही, ओही पी, अउर पबित्र स्वरगदूतन के आँगे, अउर
मेम्ना के आँगे, आगी अउर गन्धक के पीरा माहीं परी। 11 ओखे पीरा के
धुँआ जुगन-जुगन तक उठत रही, पय जे उआ खतरनाक जानबर अउर
ओखे मूरत के अराधना करत हें, अउर जउन ओखे नाम के छाप लगबाबत
हें, उनहीं पंचन काहीं रातव-दिन चयन न मिली।"
12 इआ पबित्र मनइन के धीरज धरँय के समय हय, जउन परमातिमा के
हुकुमन काहीं मानत हें, अउर यीसु के ऊपर बिसुआस करत हें।
13 पुनि हम स्वरग से इआ बोल सुनेन, "लिखा, जउन मनई प्रभू के ऊपर
बिसुआस कइके मरत हें, ऊँ पंचे अब से धन्य हें।" अउर पबित्र आत्मा कहत
हें, "हाँ, अब से ऊँ पंचे अपने सगले मेहनत से अराम पइहँय, काहेकि
उनखर काम उनखे साथ होइ लेत हें।"

कटाई के समय आइगा हय

14 हम नजर उठाइके देखेन, अउर देखा, एकठे उजर बदरी हय, अउर
उआ बदरी के ऊपर मनई के लड़िका कि नाईं कोऊ बइठ हें, जिनखे मूँड़े
माहीं सोने के मुकुट, अउर हाँथे माहीं खुब चोंख हँसिया ही। 15 पुनि एकठे
अउर स्वरगदूत मन्दिर म से निकरिके, उनसे जउन बदरी माहीं बइठ रहे हँय,
खुब चन्डे गोहराइके कहिन, "आपन हँसिया लगाइके कटाई करा, काहेकि
कटाई करँइ के समय आइगा हय, एसे कि धरती के खेती पकि चुकी हय।"
16 एसे जउन बदरी माहीं बइठ रहे हँय, ऊँ धरती माहीं आपन हँसिया
लगाइन, अउर धरती के खेती के कटाई कीन गे।
17 एखे बाद एकठे अउर स्वरगदूत उआ मन्दिर म से निकरें, जउन स्वरग
माहीं हय, अउर उनहूँ के लघे चोंख हँसिया रही हय। 18 ओखे बाद एकठे
अउर स्वरगदूत, जिनहीं आगी के ऊपर अधिकार रहा हय, बेदी म से निकरें,
अउर जिनखे लघे चोंख हँसिया रही हय, उनसे खुब चन्डे कहिन, "आपन
चोंख हँसिया लगाइके, धरती के अंगूर के गुच्छन काहीं काटि ल्या, काहेकि
उनखर अंगूर पकि चुके हँय।" 19 तब ऊँ स्वरगदूत धरती माहीं आपन हँसिया
लगाइके, धरती के अंगूर के गुच्छन काहीं काटिके, अपने परमातिमा के क्रोध
रूपी बड़े रसकुन्ड माहीं डार दिहिन; 20 अउर सहर के बाहर उआ रसकुन्ड
माहीं अंगूर रउँदे गें, अउर रसकुन्ड म से एतना खून निकरा, कि घोड़न के
करिआरी तक पहुँचिगा, अउर तीन सव किलोमीटर तक बहिगा।

सात बिपत्तिन के साथ सातठे स्वरगदूत

15 पुनि हम स्वरग माहीं एकठे अउर बड़ी, अउर अदभुत चिन्हारी
देखेन, अरथात सातठे स्वरगदूत, जिनखे लघे सतहूँ आखिरी बिपत्ती
रही हँय, काहेकि उनखे खतम होइ जाँय के बादय, परमातिमा के कोप पूर
होइ जई।
2 अउर हम आगी से मिले सीसा कि नाईं, एकठे समुंद्र देखेन; अउर जउन
मनई उआ खतरनाक जानबर के ऊपर, अउर ओखे मूरत के ऊपर, अउर
ओखे संख्या के ऊपर बिजयी भे रहे हँय, उनहीं पंचन काहीं उआ सीसा के
समुंद्र के लघे, परमातिमा के बीना काहीं लए ठाढ़ देखेन। 3 ऊँ पंचे
परमातिमा के दास मूसा के गीत, अउर मेम्ना के गीत गाय, गाइके कहत रहे
हँय,
"हे सर्बसक्तिमान प्रभू परमातिमा, अपना के काम महान अउर अचरज के
हें; हे जाति-जाति के राजा, अपना के चाल ठीक अउर सच्ची हय।"
4 "हे प्रभू, अइसा कउन हय, जउन अपना से न डेरई, अउर अपना के नाम
के बड़ाई न करी? काहेकि केबल अपनय पबित्र हएन। अउर सगले
जातिअन के मनई आइके अपना के आँगे गोड़न गिरि हँय, काहेकि अपना
के न्याय के काम प्रगट होइगे हँय।"
5 एखे बाद हम देखेन, कि स्वरग माहीं करार के तम्बू के मन्दिर खोला ग।
6 अउर ऊँ सतहूँ स्वरगदूत, जिनखे लघे ऊँ सतहूँ बिपत्ती रही हँय, मखमल
के सुद्ध अउर चमकँइ बाले ओन्हा पहिरे, अउर छाती के ऊपर सोने के पट्टिन
काहीं बाँधे मन्दिर से निकरें। 7 तब ऊँ चारिव प्रानिन म से, एक जने, ऊँ
सतहूँ स्वरगदूतन काहीं, परमातिमा, जउन जुगन-जुगन तक जिन्दा रइहँय,
उनखे कोप से भरे सोने के सातठे खोरबा दिहिन। 8 अउर परमातिमा के
महिमा अउर सक्ती के कारन मन्दिर धुँआ से भरिगा, अउर जब तक ऊँ सतहूँ
स्वरगदूतन के, सतहूँ बिपत्ती खतम नहीं होइ गईं, तब तक मन्दिर माहीं
कोऊ नहीं जाय सका।

परमातिमा के कोप के सातठे खोरबा

16 पुनि हम मन्दिर माहीं कोहू काहीं खुब चन्डे, उन सतहूँ स्वरगदूतन
से इआ कहत सुनेन, "जा, परमातिमा के कोप के सतहूँ खोरबन
काहीं धरती माहीं उड़ेल द्या।"
2 एसे पहिल स्वरगदूत जाइके, आपन खोरबा धरती माहीं उड़ेल दिहिन।
तब ऊँ मनइन के, जिनखे ऊपर उआ खतरनाक जानबर के छाप रही हय,
अउर जउन ओखे मूरत के अराधना करत रहे हँय, उनखे देंह माहीं बड़े
घिनहे अउर दुखदाई फोड़ा निकरें।
3 अउर दूसर स्वरगदूत आपन खोरबा समुंद्र के ऊपर उड़ेल दिहिन, अउर
उआ मरेन के खून कि नाईं बनिगा, अउर समुंद्र के सगले जीव-जन्तु मरिगें।
4 अउर तीसर स्वरगदूत आपन खोरबा नदिअन, अउर पानी के झिन्नन
माहीं उड़ेल दिहिन, अउर ऊँ खून बनिगें। 5 तब हम ऊँ स्वरगदूत काहीं जउन
पानी के मालिक रहे हँय, इआ कहत सुनेन,
"हे पबित्र, जउन हएन, अउर जउन रहे हएन, अपना न्यायी हएन, अउर
अपना इआ न्याय किहेन हय।
6 काहेकि ऊँ पंचे पबित्र लोगन के, अउर अपना के सँदेस बतामँइ बालेन के
खून बहाइन रहा हय, अउर अपना उनहीं खून पिआएन हय, काहेकि ऊँ पंचे
एहिन के काबिल हें।"
7 ओखे बाद हम बेदी से इआ बोल सुनेन, "हाँ, हे सर्बसक्तिमान प्रभू
परमातिमा, अपना के निरनय ठीक अउर सच्चे हें।"
8 अउर चउथ स्वरगदूत आपन खोरबा, सुरिज के ऊपर उड़ेल दिहिन,
अउर सुरिज काहीं मनइन काहीं आगी कि नाईं घाम से जराय देंइ के
अधिकार दीन ग। 9 अउर मनई बड़ी लपट से जरिगें, अउर बिपत्तिन के ऊपर
अधिकार रक्खँइ बाले परमातिमा के नाम के बुराई किहिन, पय उनखर
बड़ाई करँइ के खातिर आपन मन नहीं फिराइन।
10 ओखे बाद पचमाँ स्वरगदूत आपन खोरबा, उआ खतरनाक जानबर के
सिंहासन माहीं उड़ेल दिहिन, अउर ओखे राज माहीं अँधिआर छाइगा। मनई
पीरा के मारे आपन-आपन जीभ चबामँइ लागें, 11 अउर अपने पीरन अउर
फोड़न के कारन स्वरग माहीं रहँइ बाले परमातिमा के बुराई किहिन; पय
अपने-अपने बुरे कामन से आपन मन नहीं फिराइन।

12 ओखे बाद छठमाँ स्वरगदूत, अपने खोरबा काहीं फरात महानदी के
ऊपर उड़ेल दिहिन, अउर ओखर पानी झुराइगा, कि जउने पूरुब दिसा के
राजन के खातिर गइल तइआर होइ जाय। 13 अउर हम उआ अजिगर के मुँहे
से, अउर उआ खतरनाक जानबर के मुँहे से, अउर परमातिमा के लबरी
सँदेस बतामँइ बाले के मुँहे से, तीनठे असुद्ध आत्मन काहीं गुलरन के रूप
माहीं निकरत देखेन। 14 ईं चमत्कार देखामँइ बाली बुरी आत्मा आहीं, जउन
सगले संसार के राजन के लघे निकरिके एसे जाती हईं, कि उनहीं पंचन
काहीं, सर्बसक्तिमान परमातिमा के, उआ बड़े दिन के लड़ाई के खातिर
एकट्ठा करँय। 15 “देखा, हम चोर कि नाईं अइत हएन; धन्य हय उआ मनई
जउन जागत रहत हय, अउर अपने ओन्हन के रखबारी करत हय, कि जउने
नंगा न फिरय, अउर मनई ओखे नंगापन काहीं देखे न पामँय।” 16 अउर ऊँ
पंचे उनहीं उआ जघा माहीं एकट्ठा किहिन, जउन इब्रानी भाँसा माहीं हर-
मगिदोन कहाबत हय।

17 ओखे बाद सतमा स्वरगदूत आपन खोरबा हबा के ऊपर उड़ेल दिहिन,
अउर मन्दिर के सिंहासन से इआ बड़ा बोल सुनान, “होइ चुका!” 18 ओखे
बाद बिजुली चमकी, अउर बोल अउर गरजन भ, अउर एकठे अइसन
भुँइडोल भ, कि जब से मनइन के पइदाइस धरती के ऊपर भे ही, तब से
अइसन भुँइडोल कबहूँ नहीं भ तय। 19 एसे उआ बड़े सहर के तीन भाग
होइगें, अउर हरेक जातिअन के सहर गिर परें; अउर बड़े बेबीलोन के स्मरन
परमातिमा के इहाँ भ, कि ऊँ अपने क्रोध के जलजलाहट के मदिरा ओही
पिआमँइ। 20 अउर हरेक टापू अपने-अपने जघा से टरिगें, अउर पहारन के
पतय नहीं चला। 21 अउर अकास से मनइन के ऊपर, चालिस-चालिस किलो
के बड़े-बड़े ओला गिरें, अउर एसे कि इआ बिपत्ती खुब भारी रही हय, अउर
सगले मनई ओलन के बिपत्ती के कारन परमातिमा के बुराई किहिन।

बड़ी बेस्या

17 अउर जउने सातठे स्वरगदूतन के लघे ऊँ सातठे खोरबा रहे हँय,
उनमा से एक जने आइके हमसे इआ कहिन, “इहाँ आबा, हम
तोंहईं उआ बड़ी बेस्या के सजा देखाई, जउन खुब पानी माहीं बइठ ही,
2 जेखे साथ धरती के राजा लोग ब्यभिचार किहिन; अउर धरती के रहँइ
बाले ओखे ब्यभिचार के मदिरा से मतबार होइगे रहे हँय।” 3 त ऊँ हमहीं
पबित्र आत्मा माहीं, सुनसान जघा माहीं लइगें, अउर हम लाल रंग के
खतरनाक जानबर के ऊपर, जउन परमातिमा के बुराई के सब्दन से भरा
रहा हय, अउर जेखे सातठे मूँड़ अउर दसठे सींग रही हँय, एकठे मेहेरिआ
काहीं बइठे देखेन। 4 उआ मेहेरिआ बैगनी अउर लाल रंग के ओन्हा पहिरे
रही हय, अउर सोने अउर खुब कीमती रतनन, अउर मोतिअन से सजी रही
हय, अउर ओखे हाँथे माहीं एकठे सोने के खोरबा रहा हय, जउन घिनही
चीजन से, अउर ओखे ब्यभिचार के असुद्ध चीजन से भरा रहा हय। 5 अउर
ओखे लिलारे माहीं इआ नाम लिखा रहा हय, “भेद-बड़ा बेबीलोन, धरती के
बेस्यन, अउर घिनही चीजन के महतारी।” 6 अउर हम उआ मेहेरिआ काहीं,
पबित्र लोगन के खून, अउर यीसु के गबाहन के खून पिए से मतबार देखेन;
अउर ओही देखिके हम चउआय गएन।

7 तब ऊँ स्वरगदूत हमसे कहिन, “तूँ काहे चउआन हया? हम इआ
मेहेरिआ, अउर उआ खतरनाक जानबर के, जेखे ऊपर उआ बइठ ही, अउर
जेखे सातठे मूँड़ अउर दसठे सींग हईं, तोंहईं ओखर भेद बताइत हएन।
8 जउने खतरनाक जानबर काहीं तूँ देखे हया, उआ पहिले त रहा हय, पय
अब नहिं आय, अउर उआ अथाह कुन्ड से निकरिके बिनास माहीं परी; अउर
धरती के रहँइ बाले, जिनखर नाम, संसार के सुरुआत से जीबन के किताब
माहीं नहीं लिखे गें, इआ खतरनाक जानबर के इआ दसा काहीं देखिके, कि
पहिले रहा हय, अब नहिं आय, अउर पुनि आय जई, अचरज मनि हँय।
9 इआ समझँइ के खातिर बड़ी बुद्धी के जरूरत ही, ऊँ सतहूँ मूँड़ सातठे
पहार आहीं, जउनेन के ऊपर उआ मेहेरिआ बइठ ही। 10 ऊँ सातठे राजा
घलाय आहीं, उनमा से पाँच जनेन के बिनास होइ चुका हय, अउर एकठे
अबे हय, अउर एकठे अबे तक आबा नहीं, अउर जब अई त कुछ समय तक
ओखर रहब घलाय जरूरी हय। 11 जउन खतरनाक जानबर पहिले रहा हय,
अउर अब नहिं आय, उआ खुदय अठमाँ आय, अउर उआ ऊँ सतहूँ म से
पइदा भ हय, अउर बिनास माहीं परी। 12 अउर जउन दसठे सींग तूँ देखे
हया, ऊँ दसठे राजा आहीं, जउन अबे तक राज नहीं पाइन, पय उआ
खतरनाक जानबर के साथ, एक घन्टा के खातिर राजन कि नाईं अधिकार
पइहँय। 13 ईं पंचे सब एकय मन होइहँय, अउर ऊँ पंचे आपन-आपन सक्ती
अउर अधिकार उआ खतरनाक जानबर काहीं देइहँय। 14 अउर ऊँ पंचे मेम्ना
से लड़िहँय, अउर मेम्ना उनखे ऊपर बिजय पइहँय, काहेकि ऊँ प्रभुअन के
प्रभू, अउर राजन के राजा आहीं, अउर जउन बोलाए अउर चुने अउर
बिसुआसी हें, ऊँ पंचे उनखे साथ रइहँय; अउर ऊँ पंचे घलाय बिजय
पइहँय।”

15 पुनि ऊँ स्वरगदूत हमसे कहिन, “जउन पानी तूँ देखे हया, जेखे ऊपर
बेस्या बइठ ही, ऊँ पंचे त मनई, अउर भीड़, अउर सगली जाति, अउर
सगली भाँसा आहीं। 16 जउन दसठे सींग तूँ देखे हया, ऊँ पंचे, अउर
खतरनाक जानबर, उआ बेस्या से दुसमनी रखिहँय, अउर ओही लाचार
अउर नंगी कइ देइहँय, अउर ओखर माँस खाय जइहँय, अउर ओही आगी
माहीं जराय देइहँय। 17 काहेकि परमातिमा, उनखे मन माहीं इआ बिचार
डरिहँय, कि ऊँ पंचे उनखे मरजी काहीं पूर करँय, अउर जब तक परमातिमा
के बचन पूर न होइ जाय, तब तक एक मन होइके आपन-आपन राज, उआ
खतरनाक जानबर काहीं दइ देंय। 18 उआ मेहेरिआ, जउने काहीं तूँ देखे
हया, उआ बड़ा सहर आय, जउन धरती के राजन के ऊपर राज करत हय।”

बेबीलोन सहर के बिनास

18 एखे बाद हम एकठे अउर स्वरगदूत काहीं, स्वरग से उतरत देखेन,
जिनहीं बड़ा अधिकार मिला रहा हय; अउर धरती उनखे तेज से
चमक उठी। 2 ऊँ खुब चन्डे गोहराइके कहिन,

“गिरिगा, बड़ा बेबीलोन सहर गिरिगा हय, बुरी आत्मन के निबास, अउर
हरेक असुद्ध आत्मन के अड्डा, अउर हरेक असुद्ध अउर घिनहे पंछिन के
अड्डा होइगा हय।

3 काहेकि ओखे ब्यभिचार के भयानक मदिरा के कारन, सगली जाति गिर
गई हँय, अउर धरती के सगले राजा ओखे साथ ब्यभिचार किहिन हीं, अउर
धरती के बइपारी ओखे सुख-बिलास के बहुतायत के कारन धनमान भे
हँय।”

4 एखे बाद हम स्वरग से एकठे अउर बोल सुनेन, “हे हमार चुने मनइव,
ओमा से निकर आबा, कि जउने तूँ पंचे ओखे पापन माहीं भागीदार न बना,
अउर ओखे बिपत्तिन म से, कउनव तोंहरे ऊपर न आय परय।

5 काहेकि ओखे पापन के ढेर, स्वरग तक पहुँचिगा हय, अउर ओखर
अधरम परमातिमा काहीं याद आइगे हँय।

6 अउर जइसा उआ किहिस ही, तुहूँ पंचे ओखे साथ उहयमेर बरताव करा,
अउर ओखे कुकर्मन के बदला चुकाबा; अउर जइसन खोरबा उआ दुसरेन के
खातिर भरिस रहा हय, ओमाहीं ओखे खातिर दुगुना भर द्या।

7 जेतनी उआ आपन बड़ाई किहिस ही, अउर सुख-बिलास किहिस ही,
ओतनय ओही कस्ट अउर दुख द्या; काहेकि उआ अपने मन माहीं कहत ही,
‘हम रानी बनिके बइठ हएन, बिधबा नहीं, अउर हम सोक माहीं कबहूँ न
परब।’

8 इआ कारन से एकय दिन माहीं ओखे ऊपर खुब बिपत्ती आय परिहँय,
अरथात मउत, अउर सोक, अउर अकाल; अउर उआ आगी माहीं भसम कइ
दीन जई, काहेकि ओखर न्याय करँइ बाले प्रभू परमातिमा सर्बसक्तिमान हें।

9 अउर धरती के राजा जउन ओखे साथ ब्यभिचार, अउर सुख-बिलास
किहिन हीं, जब ओखे जरँय के धुँआ देखिहँय, त ओखे खातिर रोइहँय,
अउर छाती पिटिहँय। 10 ओखे पीरा के डेरन के मारे ऊँ पंचे खुब दूरी ठाढ़
होइके कइहँय,

‘हे बड़े सहर, बेबीलोन! हे सक्तिसाली सहर, हाय! हाय! घरी भर माहीं तोही सजा मिलिगे ही’।
11 अउर धरती के बइपारी ओखे खातिर रोइहँय, अउर कल्पिहँय, काहेकि
अब कोऊ उनखर माल न खरीदी; 12 अरथात सोन-चाँदी, रतन, मोती, अउर
मखमल, अउर बैगनी, रेसमी, अउर लाल रंग के ओन्हा, अउर हरेकमेर के
महकँइ बाली लकड़ी, अउर हाँथी के दाँत से बनी हरेकमेर के चीजँय, अउर
खुब कीमती लकड़ी, अउर पीतल, अउर लोहे, अउर संगमरमर के हरेकमेर
के चीजँय, 13 अउर दालचीनी, मसाला, धूप, अँतर, लोभान, मदिरा, जयतून
के तेल, मइदा, गोहूँ, गइआ-बरधा, गाड़र-बोकरी, घोड़, रथ, अउर दास,
अउर मनइन के प्रान। 14 अब तोरे मन काहीं लोभामँय बाले फल, तोरे लघे
से जाय रहे हँय, अउर स्वादिस्ट अउर भड़कीली चीजँय तोसे दूर होइ गई
हँय, अउर ऊँ पुनि कबहूँ न मिलिहँय। 15 ईं चीजन के बइपारी जउन
बेबीलोन सहर के धन-सम्पत से धनी होइगें तय, ओखे पीरा के डेरन के मारे
दूरी ठाढ़ होइहँय, अउर रोबत अउर कलपत कइहँय,
16 हाय! हाय! इआ बड़ा सहर जउन मखमल अउर बैगनी अउर लाल रंग
के ओन्हा पहिरे रहा हय, अउर सोन अउर रतनन अउर मोतिअन से सजा
रहा हय;
17 घरी भर माहीं ओखर अइसन भारी धन नास होइगा।
हरेक माझी अउर यात्री, अउर मल्लाह, अउर जेतने समुद्र से कमात रहे
हँय, सगले दूरी ठाढ़े, 18 ओखे जरँय के धुँआ देखत गोहराइके कइहँय,
‘कउन सहर इआ बड़े सहर कि नाईं हय?’
19 अउर अपने-अपने मूँड़ेन के ऊपर धूधुर डरिहँय, अउर रोबत अउर
कलपत, चिल्लाय-चिल्लाइके कइहँय, ‘हाय! हाय! इआ बड़ा सहर, जेखे
धन-सम्पत्ती के द्वारा समुंद्र के सगले जिहाज बाले धनी होइगे रहे हँय, घरी
भर माहीं उजरिगा।’
20 हे स्वरग, अउर हे सगले पबित्र मनइव, अउर यीसु के खास चेलव, अउर
परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेव, ओखे ऊपर आनन्द करा, काहेकि
परमातिमा न्याय कइके, ओसे तोंहार पंचन के बदला लिहिन हीं।”
21 ओखे बाद एकठे बलमान स्वरगदूत बड़ी चक्की के जतबा कि नाईं
एकठे पथरा उठाइन, अउर इआ कहिके समुंद्र माहीं फेंक दिहिन,
“बड़ा सहर बेबीलोन इहइमेर बड़े बल से गिराबा जई, अउर पुनि ओखर
कबहूँ पता न चली।
22 अउर बीना बजामँइ बालेन, अउर गायकन, अउर बंसी बजामँइ बालेन,
अउर तुरही फूँकँइ बालेन के बोल, पुनि कबहूँ तोरे भीतर सुनाई न देई; अउर
कउनव चीजन के कारीगर घलाय पुनि कबहूँ तोरे भीतर न मिली; अउर
चक्की के चलँइ के अबाज पुनि कबहूँ तोरे भीतर सुनाई न देई।
23 अउर दिया के उँजिआर पुनि कबहूँ तोरे भीतर न चमकी, अउर दुलहा
अउर दुलहिन के बोल पुनि कबहूँ तोरे भीतर सुनाई न देई; काहेकि तोर
बइपारी धरती के प्रधान रहे हँय, अउर तोरे जादू से सगली जाति भरमाई गईं
तय।
24 अउर परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन, अउर पबित्र मनइन, अउर
धरती के ऊपर सगले कतल कीन गें, मनइन के खून बेबीलोन माहीं पाबा
ग।”

19 एखे बाद हम स्वरग माहीं एकठे बड़ी भीड़ कि नाईं खुब चन्डे बोल
से, इआ कहत सुनेन,
“हालेलूय्याह! मुक्ती अउर महिमा अउर सामर्थ, हमरे पंचन के परमातिमय
के आय।
2 काहेकि उनखर निरनय सच्चे अउर न्यायपूर्न हें। अउर ऊँ उआ बड़ी बेस्या
काहीं, जउन अपने ब्यभिचार से धरती काहीं भ्रस्ट करत रही हय, सजा
दिहिन हीं, अउर ओसे अपने दासन के खून के बदला लिहिन हीं।”
3 पुनि ऊँ पंचे दुसराय कहिन, “हालेलूय्याह! ओखे जरँय के धुँआ जुगन-
जुगन तक उठत रही।”
4 तब चउबीसव अँगुआ, अउर चरहूँ प्रानी, परमातिमा के गोड़न गिरें,
जउन सिंहासन माहीं बइठ रहे हँय, अउर कहिन, “आमीन! हालेलूय्याह!”

मेम्ना के बिआह

5 अउर सिंहासन म से एकठे अबाज निकरी, “हे हमरे पंचन के परमातिमा
से, डेराँइ बाले छोट-बड़े; सगले दासव, तूँ पंचे उनखर स्तुति करा।”
6 ओखे बाद हम बड़ी भीड़ कि नाईं, अउर खुब पानी कि नाईं, अउर
गरजँय कि नाईं, बड़ी तेज अबाज सुनेन;
“हालेलूय्याह! काहेकि प्रभू हमार पंचन के परमातिमा सर्बसक्तिमान राज
करत हें।
7 आबा, हम पंचे आनन्दित अउर मगन होई, अउर उनखर स्तुति करी,
काहेकि मेम्ना के बिआह के समय आय ग हय, अउर उनखर दुलहिन खुद
काहीं तइआर कइ लिहिन हीं।”
8 अउर ओही सुद्ध अउर चमकँइ बाला मखमल पहिरँय काहीं दीन ग,
(उआ सुद्ध मखमल के मतलब पबित्र लोगन के धरम के काम आहीं।)
9 तब स्वरगदूत हमसे कहिन, “इआ लिखा, कि ऊँ पंचे धन्य हें, जउन
मेम्ना के बिआह-भोज माहीं बोलाए गे हँय।” पुनि ऊँ हमसे कहिन, “ईं बचन
परमातिमा के सत्य बचन आहीं।” 10 तब हम उनखे गोड़न गिरँय के खातिर,
उनखे गोड़े माहीं गिर परेन। तब ऊँ हमसे कहिन, “देखा, अइसा न करा,
हमहूँ तोंहरेन कि नाईं, अउर तोंहरे भाइन कि नाईं, जउन यीसु के गबाही देंइ
के खातिर स्थिर हें, मसीह के दास आहेन, तूँ पंचे परमातिमय के गोड़न
गिरा; काहेकि जे कोऊ यीसु के बारे माहीं गबाही देत हें, उनहीं पंचन काहीं
परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन कि नाईं, परमातिमा से प्रेरना मिलत
ही।”

उजर घोड़ा के सबार

11 ओखे बाद हम स्वरग काहीं खुला देखेन, अउर देखित हएन, कि एकठे
उजर घोड़ा हय; अउर ओमाहीं एक जने सबार हें, जउन बिसुआस के
काबिल अउर सत्य कहाबत हें; अउर ऊँ धरम के साथ न्याय, अउर युद्ध
करत हें। 12 अउर उनखर आँखी आगी कि नाईं धँधकती हईं, अउर उनखे
मूँड़े माहीं खुब राजमुकुट हें। अउर उनखे ऊपर एकठे नाम लिखा हय, जउने
काहीं उनहीं छोंड़, अउर कोऊ नहीं जानय। 13 ऊँ खून छिनका ओन्हा पहिरे
हें, अउर उनखर नाम परमातिमा के बचन हय। 14 स्वरग के सेना, उजर
घोड़न के ऊपर सबार होइके; अउर उजर अउर सुद्ध मखमल पहिरे, उनखे
पीछे-पीछे हईं। 15 अउर जाति-जाति काहीं मारँइ के खातिर उनखे मुँहे से
एकठे चोंख तलबार निकरत ही, ऊँ लोहे के राजदन्ड लए, उनखे ऊपर राज
करिहँय, अउर ऊँ सर्बसक्तिमान परमातिमा के, भयानक कोप के
जलजलाहट के मदिरा के कुन्ड माहीं अंगूर रउँदिहँय। 16 उनखे ओन्हा अउर
जाँघ के ऊपर, इआ नाम लिखा हय, “राजन के राजा अउर प्रभुअन के
प्रभू।”
17 एखे बाद हम एकठे स्वरगदूत काहीं सुरिज के ऊपर ठाढ़ देखेन, ऊँ
खुब चन्डे गोहराइके अकास के बीच माहीं उड़ँइ बाले पंछिन से कहिन,
“आबा परमातिमा के बड़े भोज के खातिर एकट्ठा होइजा, 18 जउने तूँ पंचे
राजन के माँस, अउर मुखिअन के माँस, अउर सूरबीर मंसेरुअन के माँस,
अउर घोड़न के अउर उनखे सबारन के माँस, अउर का अजाद, का दास, का
छोट, का बड़े, सगले जनेन के माँस खा।”
19 पुनि हम उआ खतरनाक जानबर, अउर धरती के राजन, अउर उनखे
सेनन काहीं, उआ घोड़ा के सबार, अउर उनखे सेना से लड़ँइ के खातिर
एकट्ठा देखेन। 20 उआ खतरनाक जानबर, अउर ओखे साथ उआ लबरा
नबी, पकड़ा ग, जउन उनखे आँगे अइसन चिन्ह देखाइस रहा हय, जिनखे
द्वारा उआ उनहीं पंचन काहीं भरमाइस तय, जिनखे ऊपर उआ खतरनाक
जानबर के छाप रही हय, अउर जउन ओखे मूरत के अराधना करत रहे हँय।
ईं पंचे दोनव जने जिन्दय, उआ आगी के झील माहीं, जउन गन्धक से जरत
रहत ही, डारे गें। 21 अउर बाँकी मनई उआ घोड़ा के सबार के तलबार से,

जउन ओखे मुँहे से निकरत रही हय, मार डारे गें, अउर सगले पंछी उनखे माँस से संतुस्ट होइगें।

हजार बरिस के राज

20 पुनि हम एकठे स्वरगदूत काहीं स्वरग से उतरत देखेन, जिनखे हाँथे माहीं अथाह कुन्ड के उघन्नी, अउर एकठे बड़ी जंजीर रही हय।
2 अउर ऊँ उआ अजिगर, अरथात पुरान साँप काहीं, जउन इबलीस अउर सइतान आय, पकड़िके हजार बरिस के खातिर बाँध दिहिन, 3 अउर ओही अथाह कुन्ड माहीं बन्द कइ दिहिन, अउर ओमाहीं मुहर लगाय दिहिन, कि उआ हजार बरिस के पूर होंइ तक, जाति-जाति के लोगन काहीं पुनि न भरमाबय। एखे बाद जरूरी हय, कि उआ थोरी देर के खातिर पुनि खोला जाय।

4 ओखे बाद हम सिंहासनन काहीं देखेन, अउर उनमा लोग बइठिगें, अउर उनहीं न्याय करँइ के अधिकार दीनगा। हम उनखे आत्मन काहीं घलाय देखेन, जिनखर मूँड़ यीसु के गबाही देंइ, अउर परमातिमा के बचन के कारन काटे गे रहे हँय, अउर ऊँ पंचे न उआ खतरनाक जानबर के, अउर न ओखे मूरत के पूजा किहिन तय, अउर न ओखर छाप, अपने लिलारे अउर हाँथन के ऊपर लिहिन तय। ऊँ पंचे जिन्दा होइके मसीह के साथ हजार बरिस तक राज करत रहिगें। 5 जब तक ईं हजार बरिस पूर नहीं होइगें, तब तक ऊँ पंचे जउन इनखे अलाबा मरे तय, जिन्दा नहीं भें। इआ त पहिल मरेन म से जि उठब आय। 6 धन्य अउर पबित्र ऊँ हें, जउन इआ पहिल मरिके जि उठब माहीं सामिल भे हँय। अइसन मनइन के ऊपर दूसर मउत के कउनव अधिकार नहिं आय, बलकिन ऊँ पंचे परमातिमा अउर मसीह के याजक होइहँय, अउर हजार बरिस तक उनखे साथ राज करिहँय।

सइतान के बिनास

7 जब हजार बरिस पूर होइ चुकिहँय, त सइतान कैद से छोंड़, दीन जई।
8 अउर उआ, ऊँ जातिअन काहीं जउन धरती के चारिव कइती होंइ हँय, अरथात गोग अउर मागोग काहीं, जिनखर गिनती समुंद्र के बारू के बराबर होई, उनहीं भरमाइके लड़ाई के खातिर एकट्ठा करँइ काहीं निकरी। 9 ऊँ पंचे सगली धरती माहीं फइलिके, पबित्र लोगन के छावनी अउर पियार सहर काहीं घेर लेइहँय; पय आगी स्वरग से उतरिके उनहीं पंचन काहीं भसम करी। 10 अउर उनखर भरमामँइ बाला सइतान आगी अउर गन्धक के उआ झील माहीं, जउने माहीं उआ खतरनाक जानबर, अउर लबरा नबी घलाय होई, डार दीन जई। अउर ऊँ पंचे रात-दिना जुगन-जुगन तक पीरा माहीं तड़पत रइहँय।

एकठे बड़ा उजर सिंहासन अउर आखिरी न्याय

11 ओखे बाद हम एकठे बड़ा उजर सिंहासन, अउर उनहीं, जउन ओखे ऊपर बइठ रहे हँय, देखेन; उनखे आँगे से धरती अउर अकास भागिगें, अउर उनखे खातिर जघा नहीं मिली। 12 अउर हम छोट-बड़े सब मरे मनइन काहीं सिंहासन के आँगे ठाढ़ देखेन, अउर किताबँय खोली गईं; अउर पुनि एकठे अउर किताब खोली गे, अरथात जीबन के किताब; अउर जइसन ऊँ किताबन माहीं लिखा रहा हय, उहयमेर उनखे कामन के मुताबिक, मरे मनइन के न्याय कीन ग। 13 ओखे बाद समुंद्र, ऊँ मरे मनइन काहीं जउन ओमा रहे हँय, दइ दिहिस, अउर मउत अउर अधोलोक, ऊँ मरे मनइन काहीं जउन उन माहीं रहे हँय, दइ दिहिन; अउर उनमा से हरेक के कामन के मुताबिक न्याय कीन ग। 14 मउत अउर अधोलोक आगी के झील माहीं डारे गें। इआ आगी के झील दूसर मउत आय। 15 अउर जेखर-जेखर नाम जीबन के किताब माहीं लिखा नहीं मिला, ऊँ सगले, आगी के झील माहीं डार दीनगें।

नबा अकास अउर नई धरती

21 ओखे बाद हम नबा अकास अउर नई धरती काहीं देखेन, काहेकि पहिल अकास अउर पहिल धरती खतम होइगे तँय, अउर समुंद्र घलाय नहीं रहिगा तय। 2 ओखे बाद हम पबित्र सहर, नबा यरूसलेम काहीं स्वरग से परमातिमा के लघे से उतरत देखेन, जउन उआ दुलहिन कि नाईं रहा हय, जउन अपने मंसेरुआ के खातिर सिंगार कए होय। 3 अउर हम सिंहासन म से, कोहू काहीं खुब चन्डे इआ कहत सुनेन, “देखा, परमातिमा के डेरा, मनइन के बीच माहीं हय, ऊँ उनखे साथ निबास करिहँय, अउर ऊँ पंचे उनखर लोग होइहँय, अउर परमातिमा खुद उनखे बीच माहीं रइहँय, अउर उनखर परमातिमा होइहँय। 4 ऊँ उनखे आँखिन से सगले आँसू पोंछि डरिहँय; अउर एखे बाद मउत न रही, अउर न सोक, अउर न बिलाप, न पीरा रही; पहिल बातँय खतम होइ जइहँय।”

5 जउन सिंहासन के ऊपर बइठ रहे हँय, ऊँ कहिन, “देखा, हम सब कुछ नबा कए देइत हएन।” ओखे बाद ऊँ पुनि कहिन, “लिख ल्या, काहेकि ईं बचन बिसुआस के काबिल अउर सत्य हें।” 6 अउर पुनि ऊँ हमसे कहिन, “ईं बातँय पूर होइ गई हँय। हम अल्फा अउर ओमेगा, आदि अउर अन्त आहेन। हम पिआसे काहीं, जीबन के पानी के झिन्ना म से सेंत-मेंत माहीं पिआउब।
7 जे बिजय पाई, उहय ईं चीजन के बारिसदार होई, अउर हम ओखर परमातिमा होब, अउर उआ हमार लड़िका होई। 8 पय डरपोकन, अउर अबिसुआसी लोगन, अउर बुरे काम करँइ बालेन, अउर कतलिन, अउर ब्यभिचारिन, अउर टोना मारँइ बालेन, अउर मूरतिन के पूजा करँइ बालेन, अउर सब लबरन के भाग, उआ झील माहीं मिली, जउन आगी अउर गन्धक से जलत रहत ही, इआ दूसर मउत आय।”

नबा यरूसलेम

9 ओखे बाद जिन सातठे स्वरगदूतन के लघे, सातठे अन्तिम बिपत्तिन से भरे खोरबा रहे हँय, उनमा से एक जने हमरे लघे आएँ, अउर हमसे बातँय कइके कहँइ लागें, “एँकई आबा, हम तोंहईं दुलहिन, अरथात मेम्ना के मेहेरिआ देखाउब।” 10 तब ऊँ हमहीं पबित्र आत्मा माहीं, एकठे बड़े अउर ऊँच पहार के ऊपर लइगें, अउर पबित्र सहर यरूसलेम काहीं, स्वरग से परमातिमा के लघे से उतरत देखाइन। 11 परमातिमा के महिमा ओमाहीं रही हय, अउर ओखर जोति, यसब नाम के खुब कीमती निरमल रतन कि नाईं चमकत रही हय। 12 ओखर सहरपनाह खुब ऊँच रही हय, अउर ओमाहीं बारा फाटक रहे हँय, अउर हरेक फाटकन माहीं एक-एकठे स्वरगदूत रहे हँय; अउर ऊँ फाटकन के ऊपर इजराइलिअन के बरहूँ कुलन के नाम लिखे रहे हँय। 13 पूरुब कइती तीनठे फाटक, उत्तर कइती तीनठे फाटक, दक्खिन कइती तीनठे फाटक, अउर पच्छिम कइती तीनठे फाटक रहे हँय। 14 सहर के सहरपनाह के बाराठे नेव रही हँय, अउर उनखे ऊपर मेम्ना के बरहूँ खास चेलन के बरहूँ नाम लिखे रहे हँय। 15 जउन हमसे बात करत रहे हँय, उनखे लघे सहर अउर ओखे फाटकन, अउर ओखे सहरपनाह काहीं नापँय के खातिर, एकठे सोने के गज रहा हय। 16 उआ सहर बरगाकार बसा रहा हय, अउर ओखर लम्बाई- चउँड़ाई बराबर रही हय; अउर ऊँ, उआ गज से सहर काहीं नापिन, त उआ साढ़े सात सव कोस निकरा। ओखर लम्बाई, चउँड़ाई अउर उँचाई बराबर रही हय। 17 अउर स्वरगदूत ओखे सहरपनाह काहीं नापिन, त मनइन माहीं जउन नापँय के तरीका रहा हय, ओहिन के मुताबिक नापिन, त एक सव चवालिस हाँथ निकरी। 18 ओखर सहरपनाह यसब के बनी रही हय, अउर सहर अइसन सुद्ध सोने के रहा हय, जइसन स्वच्छ सीसा कि नाईं होय। 19 उआ सहर के नेव हरेकमेर के खुब कीमती पथरन से बनी रही हय; पहिल नेव यसब के, दूसर नीलमनि के, तीसर लालड़ी के, चउथ मरकत के, 20 पचमी गोमेदक के, छठमी मानिक्य के, सतमी पीतमनि के, अठमी पेरोज के, नवमी पुखराज के, दसमी लहसुनिया के, गेरहमी धूम्रकान्त के, अउर बरहमी याकूत के रही हय। 21 अउर बरहूँ फाटक बारा

मोतिन के रहे हँय; एक-एक फाटक एक-एक मोती के बना रहा हय। सहर के सड़क स्वच्छ सीसा कि नाईं सुद्ध सोने के रही हय।

22 हम ओमाहीं कउनव मन्दिर नहीं देखेन, काहेकि सर्बसक्तिमान प्रभू
परमातिमा, अउर मेम्ना ओखर मन्दिर आहीं। 23 उआ सहर माहीं सुरिज
अउर जोंधइआ के उँजिआर के जरूरत नहिं आय, काहेकि परमातिमा के
तेज से, ओमाहीं उँजिआर होइ रहा हय, अउर मेम्ना ओखर दीपक आहीं।
24 जाति-जाति के मनई उनखे जोति माहीं चलिहँय-फिरिहँय, अउर धरती के
राजा आपन-आपन धन-सम्पत ओमाहीं लइ अइहँय। 25 ओखर फाटक दिन
माहीं कबहूँ बन्द न होइहँय, अउर रात उहाँ न होई। 26 अउर जाति-जाति के
मनई धन-सम्पत, अउर महिमा ओमाहीं लइ अइहँय। 27 पय ओमाहीं कउनव
अपबित्र चीजँय, इआ कि बुरे काम करँइ बाले, इआ कि लबरी बोलँइ बाले,
कउनव मेर से न जाए पइहँय, पय केबल उँइन पंचे जइहँय, जिनखर नाम
मेम्ना के जीबन के किताब माहीं लिखे हँय।

22 ओखे बाद ऊँ हमहीं सीसा कि नाईं झलकत, जीबन के पानी के
नदी देखाइन, जउन परमातिमा, अउर मेम्ना के सिंहासन से
निकरिके, 2 उआ सहर के सड़क के बीचव बीच बहत रही हय। नदी के इआ
पार, अउर उआ पार, जीबन के बिरबा रहा हय; ओमाहीं बारा मेर के फर
लागत रहे हँय, अउर उआ हरेक महीना फरत रहा हय; अउर उआ बिरबा के
पत्तन से जाति-जाति के मनई नीक होइ जात रहे हँय। 3 पुनि सराप न होई,
अउर परमातिमा अउर मेम्ना के सिंहासन, उआ सहर माहीं होई, अउर
उनखर दास उनखर अराधना करिहँय। 4 ऊँ पंचे उनखर मुँह देखिहँय, अउर
उनखर नाम उनखे लिलारे के ऊपर लिखा रही। 5 पुनि रात न होई, अउर
उनहीं पंचन काहीं, दिया अउर सुरिज के उँजिआर के जरूरत न होई,
काहेकि प्रभू परमातिमा, उनहीं पंचन काहीं उँजिआर देइहँय, अउर ऊँ पंचे
जुगन-जुगन तक राज करिहँय।

यीसु के दुसराय आउब

6 पुनि स्वरगदूत हमसे कहिन, “ईं बातँय बिसुआस के काबिल, अउर सत्य
हईं, प्रभू, जउन परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन के आत्मन के,
परमातिमा आहीं, अपने स्वरगदूत काहीं एसे पठइन हीं, कि अपने दासन
काहीं ऊँ बातँय, जिनखर हरबिन पूर होब जरूरी हय, देखामँय।”

7 “देखा, हम हरबिन आमँइ बाले हएन! धन्य हय उआ, जउन इआ
किताब के भबिस्यबानी के बातन काहीं मानत हय।”

8 हम उहय यूहन्ना आहेन, जउन ईं बातँय सुनत अउर देखत रहे हएन। जब
हम सुनेन अउर देखेन, त जउन स्वरगदूत हमहीं ईं बातँय देखाबत रहे हँय,
हम उनखे गोड़ेन माहीं गोड़न गिरँय के खातिर गिर परेन। 9 पय ऊँ हमसे
कहिन, “देखा, अइसा न करा, काहेकि हम तोंहार, अउर तोंहरे भाई
परमातिमा के सँदेस बतामँइ बालेन के, अउर इआ किताब के बातन काहीं
मानँइ बालेन के संगी दास आहेन। तूँ केबल परमातिमय भर के गोड़न
गिरा।”

10 पुनि ऊँ हमसे कहिन, “इआ किताब के भबिस्यबानी के बातन काहीं
बन्द न करा; काहेकि समय नेरेन हय। 11 जे अन्याय करत हय, उआ अन्याय
करत रहय; जे पापी हय, उआ पाप करत रहय; जे कोऊ परमातिमा के
नजर माहीं निरदोस हय, उआ निरदोस बना रहय; अउर जे पबित्र हय, उआ
पबित्र बना रहय।”

12 “देखा, हम हरबिन आमँइ बाले हएन; अउर हरेक के कामन के
मुताबिक बदला देंइ के खातिर प्रतिफल हमरे लघे हय। 13 हम अल्फा, अउर
ओमेगा, पहिल अउर आखिरी, आदि अउर अन्त आहेन।”

14 “ऊँ पंचे धन्य हें, जउन आपन ओन्हा धोय लेत हें, काहेकि उनहीं
जीबन के बिरबा के लघे, आमँइ के अधिकार मिली, अउर ऊँ पंचे फाटक से
होइके सहर माहीं जइहँय। 15 पय कुकुरन, अउर जादू-टोना करँइ बाले,
अउर ब्यभिचारी, अउर कतली, अउर मूरतिन के पूजा करँइ बाले, अउर
हरेक लबरी काम करँइ बाले, अउर लबरी बोलँइ के इच्छा रक्खँइ बाले,
बहिरेन रइहँय।”

16 “हम यीसु, अपने स्वरगदूत काहीं एसे पठएन हय, कि ऊँ तोंहरे पंचन
के आँगे मसीही मन्डलिन के बारे माहीं, ईं बातन के गबाही देंय। हम दाऊद
के मूल अउर बंस, अउर भिनसारे के चमकत तरइया आहेन।”

17 पबित्र आत्मा अउर दुलहिन दोनव कहत हें, “आबा!” अउर सुनँय
बाला घलाय कहय, “आबा!” जे पियासा होय उआ आबय, अउर जे कोऊ
चाहय, उआ जीबन के पानी सेंत-मेंत लेय।

उपसंहार

18 हम हरेक काहीं, जे इआ किताब के भबिस्यबानी के बातन काहीं सुनत
हय, गबाही देइत हएन, अगर कउनव मनई, ईं बातन म कुछू बढ़ाई, त
परमातिमा ऊँ बिपत्तिन काहीं, जउन इआ किताब माहीं लिखी हईं, ओखे
ऊपर बढ़इहँय। 19 अगर कोऊ इआ किताब के भबिस्यबानी के बातन म से
कुछू निकार डारी, त परमातिमा, जीबन के बिरबा अउर पबित्र सहर म से,
जेखर बखान इआ किताब माहीं हय, ओखर भाग निकार देइहँय।

20 जे ईं बातन के गबाही देत हें, ऊँ इआ कहत हें, “हाँ, हम हरबिन आमँइ
बाले हएन।” आमीन। हे प्रभू यीसु अई!

21 प्रभू यीसु के किरपा, पबित्र लोगन † के ऊपर बनी रहय। आमीन।

---

† *कुछ बाइबल माहीं “सब लोगन” के ऊपर लिखा हय*